...जान-तमो-वितान-निवारणं पण्डित-मण्डलीड्यम्। त्रिकालदर्शि ...

भारतीय एवं पाश्चात्य ज्योतिष के विषयों से ...

श्री शंकरः शं करोतु।

(श्री प्रियव्रत श...

"अभिजित् प्रकाशन 59/6 (अ...
णकमार्त्तण्ड (दो भागों में), (iii...
माने गए हैं। इनकी लोकप्रियता ...
की अपूर्णता, मुद्रणसम्बन्धी किसी ...
किसी भी नगर के किसी ...
त् प्रकाशन, 59/6 (अभिजित्), ...
हैं। इन पुस्तकों के विस्तृत विज्ञा...
मती वीना चतुर्वेदी के नाम नीचे लिखे ...
हमारी इन पुस्तकों के ग्राहक ...
नीचे दिया गया कूपन भरकर ...
हम से खरीदी गई हमारी उ...

भीमाय व्योमरूपाय ... नमः।
महादेवाय सोमाय ...नोऽस्तु ते॥

३१

पंचांग-प्रवर्तक:

दैवज्ञरत्न राजज्योतिषी
स्व॰ पं॰ श्री मुकुन्दवल्लभ मिश्र ज्योतिषाचार्य

राजधानी विशेषांक

अखिल भारतोपयोगी

विक्रम संवत् २०६२, शक संवत् १९२७
सन् २००५-२००६, जय हिन्द संवत् ५८-५९
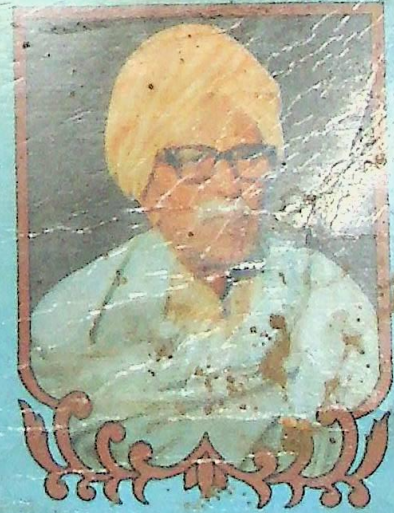
श्री मार्त्तण्ड पञ्चांगम्

पञ्चांगप्रवर्तक

अनेक ग्रंथों के यशस्वी लेखक स्व॰ पं॰ श्री मुकुन्दवल्लभ मिश्र ज्योतिषाचार्य

सम्पादक मण्डल

श्री प्रियव्रत शर्मा, M.A., सिद्धान्तज्योतिषाचार्य (बनारस), साहित्याचार्य, स्वर्ण-रजत पदक प्राप्त

दृक्सिद्धान्तभास्कर डॉ॰ शक्तिधर शर्मा M.Sc., Ph.D. (Nuclear Physics), (U.S.A.), F.R.A.S. (LONDON), M.A., सिद्धान्तज्योतिषाचार्य (बनारस), तीन स्वर्ण पदक प्राप्त

ज्योतिर्भूषण श्री ... शर्मा शास्त्री, M.A., ज्योतिषाचार्य,

राजा शनि

मंत्री बुध

प्रकाशक : रुचिका पब्लिकेशन्स

टाइटल पर होलोग्राम लगा हुआ देखकर ही पंचांग खरीदें।

मूल्य ५५.००

इस पञ्चाङ्ग में प्रयुक्त ज्ञातव्य सांकेतिक शब्द

अ.- अस्त, अश्विनी, अनुराधा (नक्षत्र), अतिगण्ड (योग), अग्नि (बाण)।
अं.- अंग्रेजी (तारीख, मास), अंश।
आव.- आवश्यकता में।
उ.- उपरान्त, उदित, उत्तर।
उ. गो.- उत्तर गोल।
क.- करण, कर्क, कला।
कृ.- कृष्णपक्ष, कृत्तिका (नक्षत्र)
क्रां. सा.- क्रान्तिसाम्य (महापात)
गोधू.- गोधूलि (लग्न)
घ.- घड़ी...

भा.- भाद्रपद।
मा.- मार्गी।
मि.- मिनट, मिथुन।
मृ.- मृगशिरा, मृत्यु (बाण)।
या.- यावत् (=तक)।
रा.- रात्रि, राशि।
रो.- रोग (बाण), रोहिणी।
ल.- लग्न।
व.- वक्री, वक्रगति से, वणिक्, वज्र, वरीयान् (योग)
वा.- वार
वि.- विकला, विष्टि (करण), विष्कम्भ, विशाखा।
वि. मु.- विवाह मुहूर्त।
वै.- वैष्णवों के लिए, वैधृति (योग), वैशाख।
...स.- व्रत सबके लिए।
शुक्लपक्ष, शुक्रवार, शुक्र (ग्रह), शुभ, शुक्ल (योग)।
भारत सरकार द्वारा संचलित शक संवत्, तारीख-मास।
समाप्त।
संक्रान्ति, संवत्।
...-साम्पातिक काल।
सायन।
स्मार्तों के लिए।
लग्न

...ग्रहों के क्रान्ति-शर की गणित डा. ...am से की जाती है।

इस पञ्चाङ्ग के लिए आवश्यक निर्देशन

(1) इस पञ्चाङ्ग का निर्माण ग्रीन्विच से पूर्व रेखांश ७६° ।५२' एवं उत्तर अक्षांश ३०° ।४४' के आधार पर किया गया है, अतः यहां जहां विशेष निर्देश न किया गया हो वहां 'सूर्योदय' से हमारा अभिप्राय इसी स्थल के सूर्योदय से रहता है।

(2) यहां सर्वत्र निरयणपद्धति को अपनाया गया है। जहां सायनगणना की गई है, वहां निर्देश कर दिया गया है। चित्रापक्षीय अयनांश प्रामाणिक माने हैं। इस पञ्चाङ्ग में दिए गए अयनांश धूनन-संस्कार-संस्कृत (स्पष्ट) हैं।

(3) तिथि, नक्षत्र एवं करणों के सम्मुख दिए गए घटी.पल उनका सूर्योदय से समाप्तिकाल बतलाते हैं।

(4) इस पंचाग में केवल सूर्योदयव्यापी ही करण लिखे गए हैं, दूसरे नहीं।

(5) चन्द्रसञ्चार वाले कालम में राशियों के साथ दिए गए घड़ी-पल चन्द्रमा के राशिप्रवेश का काल बतलाते हैं।

(6) चन्द्रसंचार के आगे वाले कालमों में सूर्य के उदयास्त, जोकि भा.स्टै.टा में हैं, उपरोक्त स्थल के ही हैं।इनका सम्बन्ध सूर्यकेन्द्र से है। ये सूर्योदयास्तकाल किरण-वक्री-भवन संस्कार रहित हैं। प्रत्यक्ष देखने के लिए दो मिनट सूर्योदय में घटाएं एवं सूर्यास्त में जोड़ें।

(7) घड़ी-पलों वाले २४ पक्षों के लस्टर में पंचक-भद्रा की प्रारम्भ-समाप्ति, ग्रहों के उदयास्त, वक्र-मार्ग तथा राशि-नक्षत्र-प्रवेश आदि के सभी काल भी घड़ीपलों में ही हैं। यह घड़ीपल उपरोक्त स्थल के सूर्योदय से बीता काल बतलाते हैं।

(8) पंक्तियों (अष्टमी, पूर्णिमा, अमावस्या) के स्पष्टग्रहों के नीचे दैनिक-गति, उसके नीचे मार्गी या वक्री, उसके नीचे उदित या अस्त, फिर चरण सहित नक्षत्र का (जिस में ग्रह हैं उसका) निर्देश किया गया है।

(9) पंक्तियों की सभी कुण्डलियां सूर्योदय-कालिक हैं।

(10) पञ्चाङ्ग की गणित, आचार्यों एवं ऋषियों द्वारा अनुमोदित सूक्ष्म दृक्तुल्य पद्धति द्वारा की गई है।

(11) यहां दिए गए ग्रह एवं शर भूमध्य दृश्य हैं।

(12) जिस घटीपलात्मक तिथि, योग नक्षत्र के आगे (६०/०) लिखा है, उस तिथि योग नक्षत्र की वृद्धि समझें। घण्टामिनटात्मक तिथि, नक्षत्र योग के आगे (............) ऐसा चिह्न उस तिथि, नक्षत्र योग की वृद्धि बतलाता है।

(13) यहां दिया गया भा. स्टै. टा ८२° /३०' पूर्व-रेखांश के स्थल का स्थानीयमध्यमकाल है।

(14) दैनिक लग्न सारणियां चण्डीगढ़ के लिए हैं, ये सारणियां चित्रा-पक्षीय निरयणलग्नों का समाप्तिकाल बतलाती है।

(15) पञ्चाङ्ग में क्षीणतिथि, नक्षत्र, योग के समाप्तिक्षण ही दिए गए हैं, पूर्ण भाग नहीं।

हृदन्तरज्ञान-तमो-वितान-निवारणं पण्डित-मण्डलीड्यम्। 卐 त्रिकालदर्शि प्रसरन्मयूखं 'मार्तण्ड पञ्चांग' मिदं चकास्तु॥

श्री शंकरः शं करोतु।

(श्री प्रियव्रत

"अभिजित् प्रकाशन, 59/6 (अ
गणकमार्त्तण्ड (दो भागों में), (
न माने गए हैं। इनकी लोकप्रिय
की अपूर्णता, मुद्रणसम्बन्धी कि
किसी भी नगर के किसी
जित् प्रकाशन, 59/6 (अभिजित्)
हैं। इन पुस्तकों के विस्तृत वि
ीमती वीना चतुर्वेदी के नाम नीचे लिखे
हमारी इन पुस्तकों के ग्राह

भीमाय व्योमरूपाय शब्दमात्राय ते नमः।
महादेवाय सोमाय अमृताय नमोऽस्तु ते॥

भारतीय एवं पाश्चात्य ज्योतिष के विषयों से अलंकृत

पंचांग-प्रवर्तकः

दैवज्ञरत्न राजज्योतिषी
स्व॰ पं॰ श्री मुकुन्दवल्लभ मिश्र ज्योतिषाचार्य

राजधानी विशेषांक

विक्रम संवत् २०६२, शक संवत् १९२७
सन् २००५-२००६, जय हिन्द संवत् ५८-५९
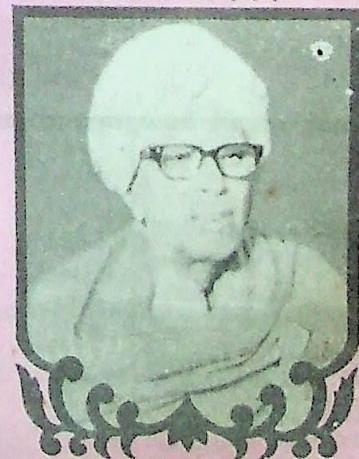
श्री मार्त्तण्ड पञ्चांगम्

राजा शनि | मंत्री बुध

पञ्चांगप्रवर्तक
अनेक ग्रंथों के यशस्वी लेखक स्व॰ पं॰ श्री मुकुन्दवल्लभ मिश्र ज्योतिषाचार्य

सम्पादक मण्डल

श्री प्रियव्रत शर्मा, M.A., सिद्धान्तज्योतिषाचार्य (बनारस), साहित्याचार्य, स्वर्ण रजत पदक प्राप्त

दृक्सिद्धान्तभास्कर डॉ॰ शक्तिधर शर्मा M.Sc., Ph.D. (Nuclear Physics), (U.S.A.), F.R.A.S. (LONDON), M.A., सिद्धान्तज्योतिषाचार्य (बनारस), तीन स्वर्ण पदक प्राप्त

ज्योतिर्भूषण श्री इन्दुशेखर शर्मा शास्त्री, M.A., ज्योतिषाचार्य,

प्रकाशक : रुचिका पब्लिकेशन्स
7/6411, देवनगर, आर्य समाज रोड, नई दिल्ली -5 फोन : 23936116, 09868157271

मूल्य ५५.००

विशेष नोट : टाइटल प[illegible]लोगो देखकर ही पंचांग खरीदें।

प्रकाशन की तारीख : 25.11.2004

संक्षिप्त विषयसूची (सं. २०६२ वि.)

इसवर्ष की विशेष सामग्री

राजधानी विशेषांक

अनन्त श्रीविभूषित श्रीकांचीकामकोटि- पीठाधिपति, जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य जी का शुभाशीर्वाद

(मुद्रा)

श्रीमत्परमहंस – परिव्राजकाचार्यवर्य – श्रीमच्छंकर– भगवत्पाद – प्रतिष्ठित – श्रीकांचीकामकोटिपीठाधिप – जगद्गुरु – श्रीमच्चन्द्रशेखरेन्द्र – सरस्वती – श्रीपादैः क्रियते नारायणस्मृतिः।

श्रीसदाशिव आप्टे- महोदयस्य शिष्यैः श्रीमुकुन्दवल्लभशर्मभिः प्रवर्तितम् अधुना श्रीप्रियव्रतशर्म- श्रीशक्तिधरशर्म.- श्रीमदिन्दुशेखर-शास्त्रिभिः तन्त्रद्वारा शुद्ध–स्फुट– गणितरीत्या परिशोध्य स्वीकृतया दृग्गणितपद्धत्या सम्पाद्यते। एतत्पञ्चांगं धर्मशास्त्रसम्मतैकमात्र – दृग्गणितपद्धत्यनुसारि–व्रत–पर्वादि – धार्मिक – कृत्यानुष्ठाने धार्मिकैः प्रयोज्यम्–इति सम्मन्यामहे। एतस्य सम्पादकः डॉ.शक्तिधरशर्मा ज्योतिष–गणितादि–विषयेषु महत्प्रागल्भ्यं भजते, इति अस्माभिः सः सप्रसादं " दृक्सिद्धान्तभास्करः ' इति विरुदेन पूर्वमेव सभाजितः। अधुना श्रीमार्त्तण्ड–पंचांगमेतत् स्वर्णजयन्ती–महोत्सवमनुभवत्, अशेषास्तिक–लोकोपकारकं सत् श्रीचन्द्रमौलीश – कृपया प्रचुरं प्रचारं प्राप्नुयादित्याशास्महे।

काञ्चीक्षेत्रम् नारायणस्मृतिः

'अनल' चैत्रामावस्या (सन् १९७६ ई.)

[illegible] का विशेष स्तम्भः- चली आ रही विशेषांक परम्परा के अनुसार 'श्रीमार्त्तण्ड पंचांग' अगले वर्ष (सं. 20[illegible] [illegible] षड्बल विशेषांक" समर्पित करेगा, जिसमें ग्रहों के स्थानादि छः बलों की सरल साधनप्रक्रिया तथा तत्सम्बद्ध [illegible] सारणियां दी जाएंगी, जिनकी मदद से दैवज्ञ लोग ग्रहों का षड्बल साधन बिना गुणा–भाग के नितान्त सरलतापूर्वक कर सकेंगे (विस्तृत जानकारी के लिए देखें पृ. 230)।

'ज्योतिषसमस्या-समाधान योजना'

(श्री प्रियव्रत शर्मा, ज्योतिषाचार्य द्वारा आपकी ज्योतिष सम्बन्धी समस्याओं के समाधान)

"अभिजित् प्रकाशन 59/6 (अभिजित्) P.O. पंचकूला (हरियाणा)" द्वारा प्रकाशित प्रो. प्रियव्रत शर्मा द्वारा लिखित पुस्तकें (i) ग्रहयोग एवम् दाम्पत्य जीवन, (ii) गणकमार्त्तण्ड (दो भागों में), (iii) विश्व लग्नसारणी, (iv) शताब्दीग्रहभोगांश (1951 से 2050 ई. तक के दैनिक स्पष्ट ग्रह) भारतीय ज्योतिष के अपूर्व प्रकाशन माने गए हैं। इनकी लोकप्रियता देखकर कुछ धूर्त बुक्सेलर्स इनकी नकली प्रतियां बेचते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे किसी भी बुक्सेलर से खरीदी गई हमारी पुस्तक की अपूर्णता, मुद्रणसम्बन्धी किसी भी प्रकार की अशुद्धि या त्रुटि के लिए हम कदापि उत्तरदायी नहीं हैं। **इन पुस्तकों को बेचने का अधिकार दिल्ली आदि किसी भी नगर के किसी भी बुक्सेलर को हमने बिल्कुल नहीं दिया है।** इन पुस्तकों को प्राप्त करने के लिए ग्राहक केवल हमसे ["अभिजित् प्रकाशन, 59/6 (अभिजित्), P.O., पंचकूला (हरियाणा)" से] ही सम्पर्क करें। गैरकानूनी विक्रय करने वालों के विरुद्ध हम शीघ्र ही कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं। इन पुस्तकों के विस्तृत विज्ञापन इस पंचांग में पृष्ठ 4, 228, 238 और 300 पर दिए गए हैं। वहां लिखा पुस्तक का डाकव्ययसहित मूल्य M.O. या D.D. द्वारा श्रीमती वीना चतुर्वेदी के नाम नीचे लिखे पते पर भेज दीजिए, पुस्तकें आपको रजिस्टर्ड पार्सल द्वारा भेज दी जाएंगी।

हमारी इन पुस्तकों के ग्राहक ज्योतिष सम्बन्धी अपनी समस्याओं के समाधान प्रो. प्रियव्रत शर्मा से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। नीचे दिया गया कूपन भरकर लिफाफे में हमें नीचे लिखे पते पर भेजिए। कूपन में दिया गया आपका नाम एवं पता हमारे पास Computer में रिकॉर्ड हो जाएगा। हम से खरीदी गई हमारी उल्लिखित पुस्तकों से सम्बद्ध कोई भी विषयस्थल आपको समझ में न आए अथवा उस पुस्तक के विषय से सम्बद्ध या और कोई भी समस्या आपको उलझाती हो तो उस विषय (समस्या) को साफ–साफ लिखकर आप अपने नाम, पते वाले जवाबी लिफाफे या पोस्टकार्ड के साथ हमें नीचे लिखे पते पर भेजिए। आपकी उस समस्या का सुस्पष्ट समाधान इन ग्रन्थों के लेखक प्रो. प्रियव्रत शर्मा स्वयं निःशुल्क निश्चित करेंगे। ध्यान रहे– पुस्तक खरीदने के बाद केवल चार मास के भीतर ही आप इस "ज्योतिषसमस्या– समाधान योजना" से लाभ उठा सकेंगे। इन चार महीनों के भीतर आप अपनी दो समस्याएं प्रतिसप्ताह हमें भेजते रहिए। इस प्रकार इस योजना के अन्तर्गत आप चार मास में 32 समस्याओं का समाधान इन पुस्तकों के लेखक प्रो. प्रियव्रत शर्मा से प्राप्त कर सकेंगे। ध्यान रहे– समस्या का समाधान प्राप्त करने का अधिकारी केवल वही ग्राहक होगा, जिसका नाम, पता नीचे दिए कूपन में दर्ज होगा। अपनी समस्या भेजते हुए अपने पत्र में सबसे ऊपर **'ज्योतिषसमस्या–समाधान योजना'** अवश्य लिखें।

यहां से काटिए

'ज्योतिषसमस्या–समाधान योजना' कूपन

मैने ....तारीख को.................. रुपए M.O./D.D. द्वारा ....पुस्तक / पुस्तकों के लिए भेजे हैं। "ज्योतिष समस्या समाधान योजना" के अधिकारी ग्राहकों की सूची में मेरा नाम कृपया दर्ज कर लें–

नाम.................................. पता..................................

नगर/ग्राम..................................,पोस्टऑफिस.................................., प्रान्त.................................., PIN..................................

PHONE N0..................................

हस्ताक्षर

यहां से काटिए (बाएं)

यहां से काटिए (दाएं)

यहां से काटिए

कूपन इस पते पर भेजें– श्रीमती वीना चतुर्वेदी, 'अभिजित् प्रकाशन,' 59/6 (अभिजित्), P.O. पंचकूला (हरियाणा) – 134 109

Phone: 0172-256 5303

'श्रीमार्त्तण्ड पंचांग' के सम्पादक प्रो. प्रियव्रत शर्मा, M.A., सिद्धान्त ज्योतिषाचार्य द्वारा रचित ज्योतिषियों के लिए परमोपयोगी दो महत्त्वपूर्ण अनुपम प्रकाशन

शताब्दी विश्व कुण्डली दर्पण

(विश्व के किसी भी नगर में सन् 1951 से 2050 ई. के मध्य उत्पन्न हुए/होने वाले जातक की जन्मकुण्डली 3–4 मिनट में ही बनाइए।)

इस अद्‌भुत पुस्तक में 100 वर्ष (1951 A.D. से 2050 A.D. तक) का चन्द्रसहित सभी ग्रहों का सूक्ष्म राशिप्रवेशकाल (भा. स्टैं. टा.) दिया गया है, जिसे पुस्तक में दिए गए एक कोष्ठक की मदद से विश्व के किसी भी देश के स्टैं. टा. में तुरन्त बदला जा सकता है। 0° से 66½° अक्षांश तक प्रत्येक अक्षांश–कला के अन्तर पर (अर्थात् 0°–1′, 0°–2′, 0°–3′, 0°–4′, 0°–5′ अक्षांश ......) इसप्रकार कला तक सूक्ष्म विश्व के प्रत्येक अक्षांश के लिए मेषादि 12 लग्नों का दैनिक उदयकाल सेकण्ड तक सूक्ष्मता से बतला देने वाली 136 पृष्ठों की अपूर्व मौलिक सारणियां दी गई हैं, जिनकी मदद से आप विश्व के किसी भी दक्षिण या उत्तर अक्षांशीय नगर/ग्राम में उत्पन्न जातक की जन्मकालिक लग्नराशि अत्यन्त सूक्ष्मतापूर्वक वस्तुतः सिर्फ एक मिनट में ही जान सकते हैं।

यदि जातक का जन्म लग्नसन्धि में हुआ हो तो इस पुस्तक में दी गई दैनिक लग्नारम्भबोधक जन्मस्थलीय अक्षांश वाली सारणी से आप तुरन्त (बिना गुणा–भाग किए, साधारण 2–3 मौखिक जोड़–घटाव द्वारा ही) अधिक से अधिक 1½ मिनट (90 सेकण्ड) में ही यह जान लेंगे कि– यह सन्धिगतलग्न (सन्देहास्पद लग्न) जातक के जन्मस्थल पर कब (कितने बजकर, कितने मिनट और कितने सेकण्ड पर) प्रारम्भ या समाप्त हो रहा है। इतनी (सेकण्ड तक) सूक्ष्मता से विश्व की एक–एक अक्षांश–कलाओं के अन्तर पर बसे दुनिया के छोटे से छोटे ग्राम में भी (उस ग्राम के अपने वास्तविक शुद्ध अक्षांश के आधार पर) लग्नराशि का प्रारम्भ एवं समाप्तिकाल आश्चर्यजनक सरलता से बतलाने वाली ऐसी अद्‌भुत पुस्तक आपको विश्व की किसी भी भाषा में नहीं मिलेगी–यह हम प्रतिज्ञापूर्वक कह सकते हैं।

1951 A.D. से 2050 A.D. तक दुनिया के किसी भी कोने में उत्पन्न हुए अथवा उत्पन्न होने वाले किसी भी जातक की जन्मकुण्डली इस विलक्षण पुस्तक द्वारा आप सिर्फ 3–4 मिनटों में ही बिना गुणा–भाग किए आसानी से बना सकते हैं।

समस्त भारत के प्रसिद्ध–प्रसिद्ध लगभग 1000 तथा विश्व के अन्य सभी देशों के लगभग सभी महानगरों के अक्षांश, रेखांश, स्टैं.अं. तथा G.M.T. एवं भा. स्टैं. टा. से उनके स्टैण्डर्ड टाईम का अन्तर दिया गया है। यह पुस्तक दिसम्बर 2004 ई. तक अवश्य प्रकाशित हो जाएगी। नीचे लिखे पते पर एतदर्थ सम्पर्क कीजिए–

पृष्ठ संख्या–252, साईज– 24×18½ C.M., मूल्य–Rs. 375 + 40 (डाकखर्च)

THE PLANETARY EPHEMERIS FOR HUNDRED YEARS (1951 To 2050 A.D.)

शताब्दी ग्रहभोगांश

(सन् 1951 से 2050 ई. तक के सूक्ष्म स्पष्ट दैनिकग्रह एवं उनका राशि-नक्षत्रप्रवेश व वक्र-मार्गकाल)
(इंग्लिश एवं हिन्दी.दोनों भाषाओं में)

बड़े साईज़ के 722 पृष्ठों के इस विशाल ग्रन्थ में सन् 1951 से 2050 ई. तक के प्रातः 5 घं. 30 मि. (भा.स्टैं.टा.) कालिक विकलान्त सूक्ष्म दृक्सिद्ध दैनिक स्पष्ट सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, मध्यम राहु, स्पष्ट राहु, यूरेनस, नेप्च्यून, प्लूटो दिए गए हैं। चन्द्र के अलावा सभी ग्रहों का भा. स्टैं. टा. में राशि-नक्षत्र-प्रवेशकाल तथा वक्र-मार्ग काल भी दिया गया है। चन्द्र का केवल राशि प्रवेशकाल ही दिया है।

इसकी गणित एवं मुद्रण दोनों Computer Program द्वारा ही किए गए हैं, जिससे यह किसी भी प्रकार की अशुद्धि से सर्वथा मुक्त हैं।

पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है। पुस्तक English एवं हिन्दी -दोनों भाषाओं में है, जिससे इन दोनों भाषाओं के वेत्ता इस एक ही ग्रन्थ से समानरूप में लाभान्वित होंगे।

इस विषय पर यह अपनी ही तरह का सर्वप्रथम भारतीय प्रकाशन है, जिसकी तुलना इस विषय के किसी भी पाश्चात्त्य प्रकाशन से की जा सकती है।

इस पुस्तक का मूल्य Rs. 1000/-+ डाकव्यय Rs. 50/- है। लेकिन सर्वसाधारण के लिए सुलभ बनाने की दृष्टि से 21 जून, 2005 ई. तक इस पर 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

पुस्तक का साईज़ 28 x 21 सें. मी. (एटलस साईज़)
चिरस्थायी Imported पेपर पर मुद्रित, सुदृढ़ आकर्षक टाईटल

पुस्तक का मूल्य (21 जून, 2005 ई. तक) = Rs. 750+Rs. 50/- डाकव्यय
पुस्तक का मूल्य (21 जून, 2005 ई. के बाद) = Rs. 1000 +Rs. 50/- डाकव्यय

पुस्तकों का डाकव्ययसहित पूरा मूल्य M.O. या 'अभिजित् प्रकाशन' के नाम बनवाए गए D.D. (D.D. drawn in favour of "ABHIJIT PRAKASHAN") द्वारा नीचे लिखे पते पर भेजिए। पुस्तकें रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा भेजी जाएंगी। V.P.P. द्वारा पुस्तकें भेजने का नियम नहीं है।

इस पंचांग का पृष्ठ 3 देखिए।

पता– श्रीमती वीना चतुर्वेदी, 'अभिजित् प्रकाशन,' 59/6 (अभिजित्), P.O. पंचकूला (हरियाणा) – 134 109, Phone: 0172-2565303

प्रमुख-प्रमुख व्रतपर्व (1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

व्रतपर्व	तारीख	वार
(सन् 2005 ई.)		
इंग्लिश नववर्ष (2005 ई.) प्रारम्भ	1 जन.	श.
लोहड़ी (पं.)	12 जन.	बु
मकर-संक्रान्ति	13 जन.	गु
माघ स्नान प्रारम्भ	25 जन.	च.
संकष्ट चतुर्थी	29 जन	श.
मौनी अमावस, महोदय योग	8 फर	म
गौरी तृतीया (गोतरी)	11 फर	शु
तिल-वरद-कुन्द-चतुर्थी	11 फर	शु
श्रीपंचमी, वसन्तपंचमी	13 फर	र
रथ-सप्तमी, आरोग्य-सप्तमी	15 फर	म
भीष्माष्टमी	16 फर	बु
भीष्म द्वादशी	20 फर.	र
माघ स्नान समाप्त, माघी पूर्णिमा	24 फर.	गु
श्रीमहाशिवरात्रि व्रत	8 मार्च	म.
होलाष्टक प्रारम्भ	18 मार्च	शु
महाविषुव दिन	20 मार्च	र
गोविन्द द्वादशी	22 मार्च	म
होलिका दहन, होलाष्टक समाप्त	25 मार्च	शु
वसन्तोत्सव	26 मार्च	श
वारुणी पर्व	6 अप्रै.	बु
चान्द्र-संवत् 2061 वि. पूर्ण	8 अप्रै.	शु
वि. संवत् 2062 प्रारम्भ,	9 अप्रै.	श.
वासन्त नवरात्र प्रारम्भ	9 अप्रै.	श.
गौरी तृतीया(गणगौर)	11 अप्रै.	च
श्री (लक्ष्मी) पंचमी	13 अप्रै.	बु
नाग पंचमी,	13 अप्रै.	बु
वैसाखी	13 अप्रै.	बु
स्कन्द षष्ठी	14 अप्रै.	गु
श्रीदुर्गाष्टमी	17 अप्रै.	र.
श्रीराम नवमी	18 अप्रै.	चं.
वासन्त नवरात्र समाप्त	18 अप्रै.	चं.
अनंग त्रयोदशी	22 अप्रै.	शु
वैशाख स्नान प्रारम्भ	24 अप्रै.	र.
श्रीपरशुराम जयन्ती	10 मई	मं.
अक्षय तृतीया	11 मई	बु
श्रीगंगा जन्म	15 मई	र
श्रीजानकी जयन्ती	17 मई	म
श्रीबुद्ध पूर्णिमा, वैशाखी पूर्णिमा	23 मई	च.

व्रतपर्व	तारीख	वार
वैशाख स्नान समाप्त	23 मई	च.
भद्रकाली एकादशी (पं.)	2 जून	गु
वट सावित्री व्रत (अमापक्ष)	6 जून	च.
भावुका अमावस	6 जून	च.
रम्भा तृतीया	9 जून	गु
आरण्य षष्ठी	13 जून	च
श्रीगंगा दशहरा	17 जून	शु
निर्जला एकादशी व्रत	18 जून	श.
वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा पक्ष)	21 जून	म
रथयात्रा (पुरी)	8 जुला.	शु
कुमार षष्ठी	12 जुला.	म
विवस्वत् सप्तमी	14 जुला.	गु
गुरु पूर्णिमा (व्यास पूजा)	21 जुला.	गु
चातुर्मास्य व्रत-नियमादि प्रारम्भ	21 जुला.	गु
कोकिला व्रत	21 जुला.	गु
हरियाली अमावस	5 अग.	शु
मधुश्रवा तृतीया, सधारा तीज	8 अग	च
नागपंचमी	10 अग	बु
श्रीदुर्गाष्टमी	13 अग	श
शुक्ल-कृष्ण-यजु-ऋक उपाकर्म	19 अग.	शु
रक्षाबन्धन (राखी)	19 अग.	शु
बहुला चतुर्थी, संकष्ट चतुर्थी	22 अग	च.
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत		
(स्मार्त-गृहस्थियों के लिए)	26 अग.	शु
दूर्वाष्टमी	26 अग	शु
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत		
(वैष्णव-सन्यासियों के लिए)	27 अग	श
श्रीगुग्गा नवमी	28 अग	र
कुशोत्पाटिनी अमावस	3 सितं	श
पिठोरी अमावस	3 सित	श
सामउपाकर्म	6 सित.	मं
हरितालिका तृतीया	6 सित.	म.
गौरी तृतीया	6 सितं	मं
कलंक चतुर्थी	7 सित	बु
सिद्धिविनायक व्रत	7 सितं	बु
हरितालिका चतुर्थी	7 सित	बु
ऋषि पंचमी	8 सितं	गु
सूर्य षष्ठी व्रत	9 सितं	शु
राधाष्टमी	11 सित	र

व्रतपर्व	तारीख	वार
श्रीमहालक्ष्मी व्रत प्रारम्भ	11 सितं	र.
श्रीचन्दनवमी (उदासीन सम्प्रदाय)	12 सितं	चं
श्रवण द्वादशी (विष्णुशृंखल योग)	14 सित	बु
श्रीवामन जयन्ती	15 सितं.	गु
अनन्त चतुर्दशी	17 सितं	श
प्रोष्ठपदी श्राद्ध, पूर्णिमा श्राद्ध	17 सितं.	श.
महालय श्राद्ध-श्राद्ध प्रारम्भ	18 सित.	र.
श्रीमहालक्ष्मी व्रत समाप्त	25 सितं	र
सूर्य ग्रहण	3 अक्तू.	चं.
गजछाया पर्व	3 अक्तू.	च.
महालय श्राद्ध समाप्त	3 अक्तू.	च.
शारद नवरात्र प्रारम्भ	4 अक्तू.	म.
उपांगललिता व्रत	8 अक्तू.	श
सरस्वती आवाहन	9 अक्तू.	र.
सरस्वती पूजन	10 अक्तू.	चं.
सरस्वती बलिदान.	11 अक्तू.	म
श्रीदुर्गाष्टमी, महाष्टमी,	11 अक्तू.	म
महानवमी (पूजा के लिए)	11 अक्तू.	म.
महानवमी (बलिदान के लिए)	12 अक्तू.	बु
सरस्वती विसर्जन,	12 अक्तू.	बु
नवरात्र समाप्त	12 अक्तू.	बु
विजयादशमी (दशहरा)	12 अक्तू.	बु
भरत मिलाप	13 अक्तू.	गु
कोजागर व्रत	16 अक्तू.	र.
शरत्पूर्णिमा, महर्षि वाल्मीकि जयन्ती	17 अक्तू.	च
खण्डग्रास चन्द्रग्रहण	17 अक्तू.	च
कार्तिकस्नान प्रारम्भ	17 अक्तू.	च
करक चतुर्थी (करवा चौथ)	20 अक्तू.	गु
अहोई अष्टमी (पं.)	25 अक्तू.	मं
गोवत्स द्वादशी	29 अक्तू.	श
धन त्रयोदशी	30 अक्तू.	र
नरक चतुर्दशी,	31 अक्तू.	च
श्रीहनुमान् जयन्ती	31 अक्तू.	च.
दीपावली	1 नवं.	मं
अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, बलिपूजा	2 नवं.	बु
विश्वकर्मा पूजा	2 नव	बु
यमद्वितीया, भाई दूज	3 नवं.	गु
सूर्यषष्ठी	7 नव	च.
गोपाष्टमी	9 नव	बु

व्रतपर्व	तारीख	वार
अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी	10 नवं	गु
भीष्म पंचक प्रारम्भ	12 नव.	श.
तुलसी विवाह	12 नव.	श
वैकुण्ठ चतुर्दशी	14 नव.	च.
कार्तिक पूर्णिमा,	15 नवं	म.
श्री गुरुनानक जयन्ती	15 नवं.	मं.
कार्तिकस्नान समाप्त	15 नवं.	मं
भीष्म पंचक समाप्त,	15 नवं.	मं
चातुर्मास्य व्रत-नियमादि समाप्त	15 नवं	मं.
श्रीकालाष्टमी (भैरवाष्टमी)	23 नव	बु
स्कन्द- गुह-षष्ठी, चम्पा षष्ठी	6 दिस	म.
मित्र सप्तमी	7 दिस.	बु
श्रीगीता जयन्ती	11 दिसं.	र
श्रीदत्त जयन्ती	15 दिसं.	गु
(सन् 2006 ई.)		
इंग्लिश नववर्ष (2006 ई.) प्रारम्भ	1 जन.	र
लोहड़ी (पं.)	13 जन.	शु
मकर-संक्रान्ति	14 जन.	श
माघ स्नान प्रारम्भ	14 जन.	श
सकष्ट चतुर्थी	18 जन	बु
मौनी अमावस	29 जन.	र
महोदय योग	29 जन.	र
गौरी तृतीया (गोतरी)	1 फर	बु
तिल-वरद-कुन्द-चतुर्थी	1 फर	बु
श्रीपंचमी, वसन्तपंचमी	2 फर	गु
रथ-सप्तमी, आरोग्य-सप्तमी (पूर्वारुणोदय वाली)	4 फर	श.
भीष्माष्टमी	5 फर.	र
भीष्म द्वादशी	9 फर	गु
माघ स्नान समाप्त, माघी पूर्णिमा	13 फर.	च
श्रीमहाशिवरात्रि व्रत	26 फर.	र
होलाष्टक प्रारम्भ	7 मार्च	मं
गोविन्द द्वादशी	11 मार्च	श.
होलिका दहन, होलाष्टक समाप्त	14 मार्च	म
वसन्तोत्सव	15 मार्च	बु
महाविषुव दिन	20 मार्च	च
वारुणी पर्व	27 मार्च	च
सूर्यग्रहण	29 मार्च	बु
चान्द्र-संवत् 2062 वि. पूर्ण	29 मार्च	बु

वर्गीकृत व्रत-पर्व (1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

एकादशी व्रत

(सन् 2005 ई.)	
पौष कृष्ण	7 जन.
पौष शुक्ल	20 जन.
माघ कृष्ण	5 फर.
माघ शुक्ल	19 फर.
फाल्गुन कृष्ण (स्मा.)	6 मार्च
फाल्गुन शुक्ल	21 मार्च
चैत्र कृष्ण	5 अप्रै.
चैत्र शुक्ल	20 अप्रै.
वैशाख कृष्ण	4 मई
वैशाख शुक्ल	20 मई
ज्येष्ठ कृष्ण	2 जून
ज्येष्ठ शुक्ल	18 जून
आषा. कृष्ण	2 जुला.
आषा. शुक्ल (स्मा.)	17 जुला.
श्रावण कृष्ण	31 जुला.
श्रावण शुक्ल	16 अग.
भाद्रपद कृष्ण	30 अग.
भाद्रपद शुक्ल	14 सितं.
आश्विन कृष्ण	29 सितं.
आश्विन शुक्ल	14 अक्तू.
कार्तिक कृष्ण	28 अक्तू.
कार्तिक शुक्ल	12 नवं.
मार्गशीर्ष कृष्ण	27 नवं.
मार्गशीर्ष शुक्ल	11 दिसं.
पौष कृष्ण	27 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
पौष शुक्ल	10 जन.
माघ कृष्ण (स्मा.)	25 जन.
माघ शुक्ल	8 फर.
फाल्गुन कृष्ण	24 फर.
फाल्गुन शुक्ल	10 मार्च
चैत्र कृष्ण	26 मार्च

(स्मा. = स्मार्तों का व्रत)

वैष्णवों का व्रत स्मार्तों के व्रत के दिन से दूसरे दिन होता है। जिसके आगे "स्मा." नहीं लिखा है वह व्रत तिथि स्मार्त और वैष्णव दोनों के लिए है।

पक्षों का प्रारम्भ

(सन् 2005 ई.)	
पौष शुक्ल	11 जन.
माघ कृष्ण	26 जन.
माघ शुक्ल	9 फर.
फाल्गुन कृष्ण	25 फर.
फाल्गुन शुक्ल	11 मार्च
चैत्र कृष्ण	26 मार्च
चैत्र शुक्ल	9 अप्रै.
वैशाख कृष्ण	25 अप्रै.
वैशाख शुक्ल	9 मई
ज्येष्ठ कृष्ण	24 मई
ज्येष्ठ शुक्ल	7 जून
आषाढ़ कृष्ण	23 जून
आषाढ़ शुक्ल	7 जुला.
श्रावण कृष्ण	22 जुला.
श्रावण शुक्ल	6 अग.
भाद्रपद कृष्ण	20 अग.
भाद्रपद शुक्ल	4 सितं.
आश्विन कृष्ण	19 सितं.
आश्विन शुक्ल	4 अक्तू.
कार्तिक कृष्ण	18 अक्तू.
कार्तिक शुक्ल	3 नवं.
मार्गशीर्ष कृष्ण	16 नवं.
मार्गशीर्ष शुक्ल	2 दिसं.
पौष कृष्ण	16 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
पौष शुक्ल	1 जन.
माघ कृष्ण	15 जन.
माघ शुक्ल	30 जन.
फाल्गुन कृष्ण	14 फर.
फाल्गुन शुक्ल	28 फर.
चैत्र कृष्ण	15 मार्च

उत्तरी भारत में कृष्णादि एवं दक्षिणी भारत में शुक्लादि मासों का प्रचार है। ऊपर दिए गए पक्ष कृष्णादि हैं।

श्री सत्यनारायण व्रत

(सन् 2005 ई.)	
पौष	24 जन.
माघ	23 फर.
फाल्गुन	25 मार्च
चैत्र	23 अप्रै.
वैशाख	23 मई
ज्येष्ठ	21 जून
आषाढ़	20 जुला.
श्रावण	19 अग.
भाद्रपद	17 सितं.
आश्विन	17 अक्तू.
कार्तिक	15 नवं.
मार्गशीर्ष	15 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
पौष	13 जन.
माघ	12 फर.
फाल्गुन	14 मार्च

अमावस्याएं (स्नान-दानार्थ)(2005 ई.)

अमावस्या	दिनांक
पौष (सोम.)	10 जन.
माघ (भौम.)	8 फर.
फाल्गुन	10 मार्च
चैत्र	8 अप्रै.
वैशाख	8 मई
ज्येष्ठ (सोम.)	6 जून
आषाढ़	6 जुला.
श्रावण	5 अग.
भाद्रपद (शनैश्चरी)	3 सितं.
आश्विन (सोम.)	3 अक्तू.
कार्तिक	1 नवं.
मार्गशीर्ष	1 दिसं.
पौष (शनैश्चरी)	31 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
माघ	29 जन.
फाल्गुन (सोम.)	27 फर.
चैत्र	29 मार्च

श्री गणेश चतुर्थी व्रत

(सन् 2005 ई.)	
माघ	29 जन.
फाल्गुन	27 फर.
चैत्र	29 मार्च
वैशाख	27 अप्रै.
ज्येष्ठ	26 मई
आषाढ़	25 जून
श्रावण	24 जुला.
भाद्रपद	22 अग.
आश्विन	21 सितं.
कार्तिक	20 अक्तू.
मार्गशीर्ष	19 नवं.
पौष	19 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
माघ	18 जन.
फाल्गुन	16 फर.
चैत्र	18 मार्च

संक्रान्तियां (सन् 2005 ई.)

संक्रान्ति	दिनांक
माघ	13 जन.
फाल्गुन	12 फर.
चैत्र	14 मार्च
वैशाख	13 अप्रै.
ज्येष्ठ	14 मई
आषाढ़	14 जून
श्रावण	16 जुला.
भाद्रपद	16 अग.
आश्विन	16 सितं.
कार्तिक	17 अक्तू.
मार्गशीर्ष	16 नवं.
पौष	15 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
माघ	14 जन.
फाल्गुन	12 फर.
चैत्र	14 मार्च

दशावतार जयन्तियां

(सन् 2005 ई.)	
श्रीमत्स्य जयन्ती	11 अप्रै.
श्रीरामनवमी	18 अप्रै.
श्रीपरशुराम जयन्ती	10 मई
श्रीनृसिंह जयन्ती	22 मई
श्रीकूर्म जयन्ती	23 मई
श्रीबुद्ध जयन्ती	23 मई
श्रीकल्कि जयन्ती	11 अग.
*श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	26 अग.
श्रीवराह जयन्ती	6 सितं.
श्रीवामन जयन्ती	15 सितं.

* अर्धरात्रि व्यापिनी अष्टमी के दिन ही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करना चाहिए। श्रीमद् भागवत एवं स्कन्द - विष्णु पुराण आदि इसी का समर्थन करते हैं।

आश्विन कृष्ण पक्ष के श्राद्ध

(सन् 2005 ई.)	
पूर्णिमा	17 सितं.
प्रतिपदा	18 सितं.
द्वितीया	19 सितं.
तृतीया	20 सितं.
चतुर्थी	21 सितं.
पंचमी	22 सितं.
षष्ठी	23 सितं.
सप्तमी	24 सितं.
अष्टमी	25 सितं.
नवमी	26 सितं.
दशमी	27 सितं.
एकादशी	28 सितं.
द्वादशी	29 सितं.
त्रयोदशी	30 सितं.
चतुर्दशी*	1 अक्तू.
अमावस	3 अक्तू.
सर्वपितृश्राद्ध	3 अक्तू.

*शस्त्र-विष आदि से मृतों (अर्थात् अपमृत्यु वालों) का श्राद्ध चतुर्दशी के दिन होता है, भले ही उनकी मृत्यु किसी भी तिथि में हुई हो। चतुर्दशी तिथि में सामान्य मृत्यु वालों का महालय श्राद्ध अमावस्या में करना चाहिए।

प्रदोष व्रत

(सन् 2005 ई.)	
पौष कृष्ण (शनि)	8 जन.
पौष शुक्ल (शनि)	22 जन.
माघ कृष्ण (सोम.)	6 फर.
माघ शुक्ल (सोम.)	21 फर.
फाल्गुन कृष्ण (भौम.)	8 मार्च
फाल्गुन शुक्ल	23 मार्च
चैत्र कृष्ण	6 अप्रै.
चैत्र शुक्ल	21 अप्रै.
वैशाख कृष्ण	5 मई
वैशाख शुक्ल (शनि)	21 मई
ज्येष्ठ कृष्ण (शनि)	4 जून
ज्येष्ठ शुक्ल	19 जून
आषाढ़ कृष्ण	3 जुला.
आषाढ़ शुक्ल (भौम.)	19 जुला.
श्रावण कृष्ण (भौम.)	2 अग.
श्रावण शुक्ल	17 अग.
भाद्रपद कृष्ण	31 अग.
भाद्रपद शुक्ल	15 सितं.
आश्विन कृष्ण	30 सितं.
आश्विन शुक्ल (शनि)	15 अक्तू.
कार्तिक कृष्ण	30 अक्तू.
कार्तिक शुक्ल	13 नवं.
मार्गशीर्ष कृष्ण (भौम.)	29 नवं.
मार्गशीर्ष शुक्ल (भौम.)	13 दिसं.
पौष कृष्ण	28 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
पौष शुक्ल	11 जन.
माघ कृष्ण	27 जन.
माघ शुक्ल	10 फर.
फाल्गुन कृष्ण (शनि)	25 फर.
फाल्गुन शुक्ल	12 मार्च
चैत्र कृष्ण (सोम.)	27 मार्च

सोम. = सोम प्रदोष व्रत
भौम. = भौम प्रदोष व्रत
शनि. = शनि प्रदोष व्रत

वर्गीकृत व्रतपर्व (1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

मासिक शिवरात्रिव्रत (सन् 2005 ई.)

मास	तिथि
पौष	9 जन.
माघ	7 फर.
फाल्गुन	8 मार्च
चैत्र	7 अप्रै.
वैशाख	6 मई
ज्येष्ठ	5 जून
आषाढ़	4 जुला.
श्रावण	3 अग.
भाद्रपद	1 सितं.
आश्विन	1 अक्तू.
कार्त्तिक	31 अक्तू.
मार्गशीर्ष	29 नवं.
पौष	29 दिसं.
माघ (सन् 2006 ई.)	28 जन.
फाल्गुन	26 फर.
चैत्र	27 मार्च

मासिक कालाष्टमी व्रत (2005 ई.)

मास	तिथि
पौष	3 जन.
माघ	2 फर.
फाल्गुन	3 मार्च
चैत्र	2 अप्रै.
वैशाख	1 मई
ज्येष्ठ	30 मई
आषाढ़	28 जून
श्रावण	28 जुला.
भाद्रपद	26 अग.
आश्विन	25 सितं.
कार्त्तिक	25 अक्तू.
मार्गशीर्ष	23 नवं.
पौष	23 दिसं.
माघ (सन् 2006 ई.)	22 जन.
फाल्गुन	21 फर.
चैत्र	22 मार्च

पूर्णिमा व्रत (स्नान-दानार्थ उदयव्यापिनी पूर्णिमा में)

मास	तिथि
पौष (सन् 2005 ई.)	25 जन
माघ	24 फर.
फाल्गुन	25 मार्च
चैत्र	24 अप्रै.
वैशाख	23 मई
ज्येष्ठ	22 जून
आषाढ़	21 जुला.
श्रावण	19 अग.
भाद्रपद	18 सितं.
आश्विन	17 अक्तू.
कार्त्तिक	15 नवं.
मार्गशीर्ष	15 दिसं.
पौष (सन् 2006 ई.)	14 जन.
माघ	13 फर.
फाल्गुन	14 मार्च

अरुणाय त्रयोदशी (2005-06 ई.)

(श्रीसंगमेश्वर महादेव अरुणाय (पिहोवा) के शिवत्रयोदशी पर्व) (उदयव्यापिनी कृष्ण त्रयोदशी)

मास	तिथि
पौष	8 जन.
माघ	7 फर.
फाल्गुन	8 मार्च
चैत्र	6 अप्रै.
वैशाख	6 मई
ज्येष्ठ	4 जून
आषाढ़	4 जुला.
श्रावण	2 अग.
भाद्रपद	1 सितं.
आश्विन	1 अक्तू.
कार्त्तिक	30 अक्तू.
मार्गशीर्ष	29 नवं.
पौष	29 दिसं.
माघ (सन् 2006 ई.)	27 जन.
फाल्गुन	26 फर.
चैत्र	27 मार्च

जैन व्रतपर्व। (सन् 2005 ई.)

पर्व	तिथि
जन्म श्रीपार्श्वनाथ जी	6 जन.
श्रीमेरुत्रयोदशी	7 फर.
मर्यादा महोत्सव	15 फर.
आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण	18 अप्रै.
श्रीजैन महावीर जयन्ती	22 अप्रै.
श्रीमहावीर केवलज्ञान दिवस	18 मई
श्रीमहावीर च्यवन दिवस	12 जुला.
तेरापन्थ स्थापना दिवस	21 जुला.
चातुर्मास्य प्रारम्भ	21 जुला.
श्रीजयाचार्य निर्वाण	31 अग.
पर्युषण पर्व प्रारम्भ	1 सितं.
संवत्सरी महापर्व	8 सितं.
श्रीकालू निर्वाण दिवस	10 सितं.
श्रीतुलसी पट्टारोहण	12 सितं.
आचार्य भिक्षु निर्वाण दिवस	16 सितं.
श्रीमहावीर निर्वाण दिवस	1 नवं.
आचार्य श्रीतुलसी जन्म	3 नवं.
ज्ञानपंचमी	6 नवं.
चातुर्मास्य समाप्त	15 नवं.
श्रीमहावीर दीक्षा दिवस	26 नवं.
आचार्य श्रीतुलसी दीक्षा दिवस	20 दिसं.
जन्म श्रीपार्श्वनाथ जी	26 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
श्रीमेरुत्रयोदशी	27 जन.
मर्यादा महोत्सव	4 फर.

क्रिश्चियन त्योहार (सन् 2005 ई.)

त्योहार	तिथि
नया साल प्रारम्भ	1 जन.
गुड फ्राई डे	25 मार्च
ईस्टर सण्डे	27 मार्च
क्रिसमस डे	25 दिसं.
(सन् 2006 ई.)	
नया साल प्रारम्भ	1 जन.

महापुरुषों के जन्मदिन (सन् 2005 ई.)

महापुरुष	तिथि
श्री नेताजी सुभाषचन्द्र बोस	23 जन.
लाला लाजपतराय	28 जन.
योगीराज बा. श्रीलालदयाल जी	10 फर.
स्वामी विवेकानन्द	15 फर.
श्रीरामानन्दाचार्य	15 फर.
श्री गुरु रविदास जी	24 फर.
महर्षि दयानन्द सरस्वती	8 मार्च
श्रीरामकृष्ण परमहंस	12 मार्च
श्रीचैतन्य महाप्रभु	25 मार्च
डा. अम्बेडकर	14 अप्रै.
श्रीवल्लभाचार्य	4 मई
श्रीछत्रपति शिवाजी जयन्ती	10 मई
आद्य जगद्गुरु श्रीशंकराचार्य	13 मई
श्रीरवीन्द्रनाथ टैगोर	9 मई
श्रीरामानुजाचार्य	14 मई
श्रीमहाराणाप्रताप	10 जून
लो. मा. बालगंगाधर तिलक	23 जुला.
गोस्वामी तुलसीदास जी	12 अग.
स्वामी शिवानन्द जी	8 सितं.
श्रीमहात्मा गांधी	2 अक्तू.
श्रीलालबहादुर शास्त्री	2 अक्तू.
महाराज अग्रसेन जयन्ती	4 अक्तू.
श्रीमाध्वाचार्य	13 अक्तू.
स्वामी रामतीर्थ	22 अक्तू.
श्रीजवाहर लाल नेहरु	14 नवं.
श्रीवीर वैरागी	14 नवं.
भगवान् श्रीसत्यसाईं बाबा	23 नवं.
(सन् 2006 ई.)	
स्वामी विवेकानन्द	21 जन.
श्रीरामानन्दाचार्य	21 जन.
श्री नेता जी सुभाषचन्द्र बोस	23 जन.
लाला लाजपतराय	28 जन.
योगिराज बा. श्रीलालदयाल	31 जन.
श्री गुरु रविदास जी	13 फर.
महर्षिदयानन्द सरस्वती	21 फर.
श्रीरामकृष्ण परमहंस	1 मार्च
श्रीचैतन्य महाप्रभु	14 मार्च

मुस्लिम त्योहार (सन् 2005 ई.)

त्योहार	तिथि
इदुलज्जुहा	21 जन.
मुहर्रम (ताज़िया)	20 फर.
चेहलम	31 मार्च
आखिरी चहार शम्बा	6 अप्रै.
शहादत–ए–इमाम हसन	8 अप्रै.
ईद–ए–मिलाद	22 अप्रै.
ईद–ए–मौलाद	27 अप्रै.
फतिहायज़दहुम	20 मई
जन्म श्री हज़रत अली	19 अग.
शब–ए–मिराज	2 सितं.
शब–ए–बरात	20 सितं.
रमज़ान का पहला दिन	6 अक्तू.
शहादत–ए–हज़रत अली	26 अक्तू.
जमतुल विदा	28 अक्तू.
शब–ए–कद्र	1 नवं.
ईद–उल–फित्र	4 नवं.
(सन् 2006 ई.)	
इदुलज्जुहा	11 जन.
मुहर्रम (ताज़िया)	9 फर.
चेहलम	20 मार्च
आखिरी चहार शम्बा	29 मार्च

सूचना

सभी मुस्लिम-त्योहार चन्द्र-दर्शन (नया चाँद दिखाई देने) पर ही निर्भर करते हैं। कई बार स्थानभेद या आकाशीय वातावरण के कारण चन्द्रदर्शन की तारीख आगे-पीछे हो जाने पर, इन मुस्लिम त्योहारों के दिन में एक दिन का अन्तर संभव है।

सिक्ख पर्व (2005–06 ई.)

नाम गुरु साहिब	पुरातन परम्परा अनुसार तारीख			नानकशाही कैलैण्डर के अनुसार ता.(शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी द्वारा प्रसारित)		
	प्रकाश दिवस	गुरयाई मिली	जोतीजोत समाए	ता. प्रकाश दिवस	ता. गुरयाई मिली	ता. जोतीजोत समाए
श्री गुरु नानकदेव जी	15 नवंबर	अवतार दिन से	27 सितम्बर	15 नवंबर	अवतार दिन से	22 सितम्बर
श्री गुरु अंगददेव जी	9 मई	22 सितम्बर	12 अप्रैल	18 अप्रैल	18 सितम्बर	16 अप्रैल
श्री गुरु अमरदास जी	22 मई	9 अप्रैल	18 सितम्बर	23 मई	16 अप्रैल	16 सितम्बर
श्री गुरु रामदास जी	19 अक्तूबर	16 सितम्बर	6 सितम्बर	9 अक्तूबर	16 सितम्बर	16 सितम्बर
श्री गुरु अर्जनदेव जी	30 अप्रैल	5 सितम्बर	11 जून	2 मई	16 सितम्बर	16 जून
श्री गुरु हरगोबिन्द जी	23 जून	30 मई	13 अप्रैल	5 जुलाई	11 जून	19 मार्च
श्री गुरु हरिराय जी	21 फरवरी	6 अप्रैल	26 अक्तूबर	31 जनवरी	14 मार्च	20 अक्तूबर
श्री गुरु हरकिशन जी	29 जुलाई	26 अक्तूबर	23 अप्रैल	23 जुलाई	20 अक्तूबर	16 अप्रैल
श्री गुरु तेग़बहादुर जी	29 अप्रैल	23 अप्रैल	6 दिसं.	18 अप्रैल	16 अप्रैल	24 नवंबर
श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी	16 जन.	4 दिसं.	6 नवं.	5 जनवरी	24 नवंबर	21 अक्तूबर
खालसापंथ साजना दिवस	वैशाख 1, मुताबिक 13 अप्रैल, 2005 ई.			1 वैशाख / 14 अप्रैल, 2005 ई.		
प्रथम प्रकाश गुरुग्रन्थ साहिब जी	भाद्रशुक्ल 1, मुताबिक 4 सितम्बर, 2005 ई.			17 भाद्रपद / 1 सितंबर, 2005 ई.		
गुरुग्रन्थ साहिब जी को गुरयाई मिली	कार्तिक शुक्ल 2, मुताबिक 3 नवंबर, 2005 ई.			6 कार्तिक / 20 अक्तूबर, 2005 ई.		

संक्रान्ति	
महीना	अंग्रेजी ता.
चैत्र	14 मार्च
वैशाख	14 अप्रै.
ज्येष्ठ	15 मई
आषाढ़	15 जून
श्रावण	16 जुला.
भाद्रपद	16 अग.
आश्विन	15 सितं.
कार्तिक	15 अक्तू.
मार्गशीर्ष	14 नवं.
पौष	14 दिसं.
माघ	13 जन.
फाल्गुन	12 फर.

भारत सरकार के अवकाश(1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

(सूचना :– अवकाश की इस सूची को भारत सरकार के गज़ट की सूची से मिला लेना चाहिए।)

						(सन् 2006 ई.)	
इंग्लिश नववर्ष (2005 ई.) प्रारम्भ	1 जन.	विशु (केरल)	14 अप्रै.	जन्म श्रीमहात्मा गांधी	2 अक्तू.	इंग्लिश नववर्ष (2006 ई.) प्रारम्भ	1 जन.
मकर संक्रान्ति (बंगाल)	14 जन.	श्रीराम नवमी	18 अप्रै.	श्रीदुर्गाष्टमी	11 अक्तू.	अ. दिन श्री गुरु गोबिन्दसिंह जी	5 जन.
पोंगल	14 जन.	श्रीमहावीर जयन्ती	22 अप्रै.	दशहरा	12 अक्तू.	इदुलज्जुहा	11 जन.
अ. दिन श्री गुरु गोबिन्दसिंह जी	16 जन.	ईद–ए–मिलाद	22 अप्रै.	श्रीवाल्मीकि जयन्ती	17 अक्तू.	मकर संक्रान्ति (बंगाल)	14 जन.
इदुलज्जुहा	21 जन.	श्रीबुद्ध जयन्ती	23 मई	जमतुलविदा	28 अक्तू.	पोंगल	14 जन.
भारत गणतन्त्र दिवस	26 जन.	रथयात्रा (पुरी)	8 जुला.	दीपावली	1 नवं.	भारत गणतन्त्र दिवस	26 जन.
मुहर्रम	20 फर.	भारत स्वतन्त्रता दिवस	15 अग.	भाई दूज	3 नवं.	मुहर्रम	9 फर.
जन्म श्री गुरु रविदास जी	24 फर.	रक्षाबन्धन (राखी)	19 अग.	इदुलफित्र	4 नवं.	जन्म श्री गुरु रविदास जी	13 फर.
श्री महाशिवरात्रि व्रत	8 मार्च	जन्म श्रीहजरत अली	19 अग.	श्रीगुरुनानक जयन्ती	15 नवं.	श्री महाशिवरात्रि व्रत	26 फर.
गुड फ्राई डे	25 मार्च	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	27 अग.	बलि. दिवस श्रीगुरु तेग़बहादुर जी	24 नवं.		
गुड़ी पड़वा	9 अप्रै.	श्रीगणेश चतुर्थी	7 सितं.	क्रिसमस डे	25 दिसं.		
वैशाखी (पंजाब)	13 अप्रै.	ओणम (केरल)	15 सितं.				

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–काश्मीर व उ.प्र. के मेले (1 जन., सन् 2005 ई. से 29 मार्च, 2006 ई. तक)

नाम मेला/पर्व (सन् 2005 ई.)	ता.
लोहड़ी (दाऊ,बिंदरख) रोपड़, पंजाब	13 जन.
मुक्तसर (पंजाब)	13 जन.
ब. सं. बा. अतर सिंह जी रेरू साहिब प्रा.	19 जन.
ब. सं. बा. बख्शीश सिंह जी	25 जन.
ब.सं.बा. अतर सिंह जी मस्तुआणां (पं.)	31 जन.
ज.दि.गु. हरिराय जी, सिंहपुरा– कुराली	4 फर.
वसन्त पंचमी	13 फर.
श्रीमहाशिवरात्रि (मण्डी, हि.प्र.) प्रारम्भ	8 मार्च
नीलकण्ठ महादेव (पौड़ी–गढ़वाल)	8 मार्च
ज.दि.सं.बा. अतर सिंह जी (नानकसर चीमा)	17 मार्च
ज. दि. सं. बा. निधान सिंह जी,	
(श्री हजूर साहिब वाले) ढींडसा (लुधि.)	25 मार्च
होला श्री आनन्दपुर साहिब (पं.)	26 मार्च
श्री वीरमदास, बधौछी (पटियाला)	29 मार्च
श्री गुरु रामराय (देहरादून)	30 मार्च
शीतला माता (कुराली) पं.	31 मार्च
पिहोवा तीर्थ (हरियाणा)	7 अप्रै.
माईसर खाना (पं.)	14 अप्रै.
कशाधा, नहयाणी सह (कुल्लू) प्रा.	15 अप्रै.
श्रीमनसादेवी (हरि.)	17 अप्रै.
बहुफोर्ट (जम्मू–काश्मीर)	17 अप्रै.
ज्वालामुखी (हरचोवाल, गुरदासपुर) पं.	17 अप्रै.
माता कांसादेवी (कांसल, रोपड़) प्रारम्भ	22 अप्रै.
देवी मेला हथीहरा (कुरुक्षेत्र)	23 अप्रै.
पीपल जातर (कुल्लू) प्रा.	28 अप्रै.
आनी आऊटर सिराज (कुल्लू) प्रा.	7 मई
पिंजौर (हरि.)	8 मई
डूंगरी जातर (मनाली) प्रा.	14 मई
बंजार (कुल्लू) प्रा.	14 मई
ज.दि.सं.बा. तेजा सिंह जी, बदरीपुर, पावंटा सा.	14 मई
समागम (8 दिन) हरिहरघाट, मणिकर्ण, प्रा.	17 मई
साढ़ी जातर, नगर (हि.प्र.) प्रा.	18 मई
पाण्डवों का बाड़ी मेला (सरयांझ) सोलन,	14 जून
मुन्तर (कुल्लू) प्रा.	14 जून
क्षीर भवानी (जम्मू–काश्मीर)	15 जून
श्रीगंगा दशहरा	17 जून

नाम मेला/पर्व (सन् 2005 ई.)	ता.
सपोर यात्रा– धारलदा (उधमपुर)	17 जून
नमाणी एकादशी, नौवें गुरु बरहे (बठि.),पं.	18 जून
पीपलू , ऊना (हि.प्र.)	18 जून
शुद्ध महादेव यात्रा (उधमपुर)	22 जून
याद. दि. बी. शरण कौर जी,	
गु. अमर गढ़ साहिब, श्रीचमकौर साहिब	28 जून
ज. दि. सं. बा. तेजा सिंह जी,	
नानकसर चीमा/ बडू साहिब	1-3 जुला.
ब.बा. सन्तोख सिंह जी, नानकसर, चीमा प्रा.	9 जुला.
शरीक भवानी (जम्मू–काश्मीर)	16 जुला.
गुरु पूर्णिमा, नदीपार आश्रम (कुराली)	21 जुला.
ब.सं.बा. निधान सिंह जी, ढींडसा (लुधि.)	4 अग.
ज.दि.सं.बा. ईशर सिंह जी राड़ा सा. वाले	5 अग.
बरसी सं. बाबा प्यारा सिंह जी,	
(झाड़ साहिब वाले) चमकौर साहिब	5-7 अग.
श्रीनैना देवी/ श्री चिन्तपूर्णी (हि. प्र.)	13 अग.
श्री अमरनाथ यात्रा (काश्मीर)	19 अग.
ब. सं. बा. हरचन्द सिंह लौंगोवाल	20 अग.
ब.सं..बा. ईशर सिंह जी राड़ा साहिब	24-26 अग
ब. बा. दशर्न सिंह जी,	27 से
गु. जन्मस्थान नानकसर चीमा	29 अग.
कैलाशयात्रा (काश्मीर) प्रा.	1 सितं.
श्रीगुसाईंआणा, कुराली (पंजाब)	5 सितं.
श्रीगणेशोत्सव (मण्डी) हि.प्र. प्रारम्भ	7 सितं.
मेला पट्ट (काश्मीर) प्रारम्भ	9 सितं.
श्रीवामन द्वादशी (अम्बाला,पटियाला)	15 सितं.
मेला पीरमीखनशाह (घड़ाम) पटियाला--प्रा.	16 सितं.
बाबा सोढल (जालन्धर)/ छपार (पं.)	17 सितं.
श्रीगोईंदवाल साहिब, (अमृतसर), पं.	18 सितं.
श्री आशापति यात्रा (काश्मीर) प्रा.	2 अक्तू.
सूर्यग्रहण (कुरुक्षेत्र)	3 अक्तू.
मेला फाल्गु कुरुक्षेत्र (हरि.)	3 अक्तू.
श्रीज्वालामुखी,/ श्रीतारादेवी (हि.प्र.)	11 अक्तू.
ज्वालामुखी (हरचोवाल,गुरदासपुर) पं.	11 अक्तू.
दशहरा (कुल्लू) प्रा.	12 अक्तू.
श्रीशाकम्भरी देवी (उ.प्र.)	16 अक्तू.

नाम मेला/पर्व (सन् 2005 ई.)	ता.
देवीमेला हथीहरा (कुरुक्षेत्र)	16 अक्तू.
दीपावली (अमृतसर)	1 नवं.
बाबा रुद्रानन्द, नारी (ऊना, हि.प्र.) प्रा.	12 नवं.
रेणुका (नाहन) हि.प्र.	12 नवं.
बाल मेला, ज.दि. श्रीवीर वैरागी (नकोदर)	14 नवं.
श्रीरामतीर्थ (अमृतसर पं.)	15 नवं.
कपालमोचन (हरि.)	15 नवं.
श्रीपुष्करराज (राज.)	15 नवं.
पुरमण्डल, देविका स्नान (जम्मू)	30 नवं.
ब. बा. वैशाखा सिंह, दुदेहर सा, (अमृतसर)	5 दिसं.
माणकपुर शरीफ (रोपड़) प्रारम्भ	17 दिसं.
ब. बीबी तेज कौर जी, मानपुर फतेहगढ़ सा.	23 दिसं.
ज. दि. सं. बा. किशन सिंह जी, (राड़ा सा.	
वाले) मसीतां, जि. सिरसा–हरि.	24 दिसं.
जोड़मेला फतेहगढ़ साहिब (पं.) प्रा.	26 दिसं.
संगीत मेला बाबा हरबल्लभ (जालन्धर), प्रा.	27 दिसं
ब. सं. बा. किशन सिंह जी, गु. कर्मसर	30 दिसं.
साहिब, राड़ा साहिब (लुधि.)	से 1 जन.
(सन् 2006 ई.)	
लोहड़ी (दाऊ,बिंदरख) रोपड़, पंजाब	14 जन.
मुक्तसर (पंजाब)	14 जन.
ब. सं. बा. अतर सिंह जी रेरू साहिब प्रा	20 जन.
ब. सं. बा. बख्शीश सिंह जी	26 जन.
ब. सं. बा. अतर सिंह जी मस्तुआणां (पं.)	1 फर.
वसन्त पंचमी	2 फर.
ज.दि.गु. हरिराय जी, सिंहपुरा– कुराली	10 फर.
श्रीमहाशिवरात्रि (मण्डी, हि.प्र.) प्रारम्भ	26 फर.
नीलकण्ठ महादेव (पौड़ी–गढ़वाल)	26 फर.
होला श्री आनन्दपुर साहिब (पं.)	15 मार्च
ज. दि. सं. बा. अतर सिंह जी (नानकसर चीमा)	15-17मार्च
श्री गुरु रामराय (देहरादून)	20 मार्च
श्री वीरमदास, बधौछी (पटियाला)	21 मार्च
शीतला माता (कुराली) पं.	23 मार्च
ज. दि. सं. बा. निधान सिंह जी, ढींडसा (लुधि.)	25 मार्च
पिहोवा तीर्थ (हरियाणा)	28 मार्च
सूर्यग्रहण (कुरुक्षेत्र)	29 मार्च

आगामी वर्ष (विक्रमी संवत् 2063) के प्रमुख–प्रमुख व्रतपर्व

नाम मेला/पर्व (सन् 2006 ई.)	ता.
वासन्त नवरात्र प्रारम्भ	30 मार्च
श्रीदुर्गाष्टमी	5 अप्रै.
श्री रामनवमी व्रत	6 अप्रै.
श्री महावीर जयन्ती (जैन)	11 अप्रै.
मेष संक्रान्ति (वैसाखी)	14 अप्रै.
श्री परशुराम जयन्ती	30 अप्रै.
श्री बुद्ध जयन्ती	13 मई
श्री गंगा दशहरा	6 जून
गुरु पूर्णिमा	11 जुला.
रक्षाबन्धन	9 अग.
संकष्ट चतुर्थी	12 अग.
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (स्मा)	15 अग.
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वै.)	16 अग.
श्राद्ध प्रारम्भ	8 सितं.
शारद नवरात्र प्रारम्भ	23 सितं.
श्री दुर्गाष्टमी	30 सितं.
दशहरा (विजयादशमी)	2 अक्तू.
शरत् पूर्णिमा	6 अक्तू.
श्री बाल्मीकि जयन्ती	7 अक्तू.
करक चतुर्थी (करवा चौथ)	10 अक्तू.
दीपावली	21 अक्तू.
भाई दूज	24 अक्तू.
श्री गुरु नानक जयन्ती	5 नवं.
श्री भैरवाष्टमी	12 नवं.
(सन् 2007 ई.)	
मकर संक्रान्ति	14 जन.
वसन्त पंचमी	23 जन.
श्री गुरु रविदास जयन्ती	2 फर.
श्री महाशिवरात्रि व्रत	16 फर.
होलिका दहन	3 मार्च

यदि आप चाहते हैं कि आपके नगर/ग्राम में होने वाले मेलों आदि को इसी पृष्ठ पर प्रकाशित सूची में प्रविष्ट किया जाए, तो तिथि, प्रविष्टा या अंग्रेजी तारीख जिसके अनुसार उसे मनाया जाता हो–पूर्ण विवरण सहित लिख भेजें– धन्यवाद।

गण्डमूल नक्षत्रों का प्रारम्भ एवम् समाप्तिकाल (भा. स्टैं. टा.)

(1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

सन् 2005 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2005 ई.	समाप्त घं.	मि.
8 जन.	2	39	9 जन.	21	06
16 जन.	5	47	18 जन.	7	26
26 जन.	2	10	28 जन.	7	17
4 फर.	11	56	6 फर.	7	47
12 फर.	15	05	14 फर.	15	15
22 फर.	8	42	24 फर.	13	30
3 मार्च	18	32	5 मार्च	15	52
12 मार्च	1	34	14 मार्च	0	43
21 मार्च	16	07	23 मार्च	20	54
30 मार्च	23	56	1 अप्रै.	21	40
8 अप्रै.	11	13	10 अप्रै.	10	23
18 अप्रै.	0	11	20 अप्रै.	5	15
27 अप्रै.	6	19	29 अप्रै.	3	14
5 मई	18	46	7 मई	18	45

सन् 2005 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2005 ई.	समाप्त घं.	मि.
15 मई	8	13	17 मई	13	45
24 मई	14	49	26 मई	10	32
2 जून	0	32	4 जून	1	17
11 जून	15	36	13 जून	21	30
21 जून	0	54	22 जून	19	59
29 जून	6	03	1 जुला.	6	45
8 जुला.	22	08	11 जुला.	4	10
18 जुला.	11	06	20 जुला.	6	35
26 जुला.	13	01	28 जुला.	12	42
5 अग.	4	07	7 अग.	10	05
14 अग.	19	53	16 अग.	16	40
22 अग.	22	08	24 अग.	20	22
1 सितं.	10	13	3 सितं.	16	04
11 सितं.	2	36	13 सितं.	0	49

सन् 2005 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2005 ई.	समाप्त घं.	मि.
19 सितं.	8	38	21 सितं.	5	53
28 सितं.	17	01	30 सितं.	22	51
8 अक्तू.	8	02	10 अक्तू.	6	50
16 अक्तू.	18	49	18 अक्तू.	16	05
26 अक्तू.	0	42	28 अक्तू.	6	38
4 नवं.	14	07	6 नवं.	12	17
13 नवं.	3	02	15 नवं.	1	15
22 नवं.	8	56	24 नवं.	14	56
1 दिसं.	22	23	3 दिसं.	19	21
10 दिसं.	9	01	12 दिसं.	8	16
19 दिसं.	16	57	21 दिसं.	22	57
29 दिसं.	8	35	31 दिसं.	5	01

सन् 2006 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2006 ई.	समाप्त घं.	मि.
6 जन.	14	29	8 जन.	13	45
16 जन.	0	11	18 जन.	6	07
25 जन.	18	57	27 जन.	16	03
2 फर.	21	52	4 फर.	19	49
12 फर.	6	32	14 फर.	12	30
22 फर.	3	34	24 फर.	2	12
2 मार्च	7	53	4 मार्च	4	13
11 मार्च	12	35	13 मार्च	18	41
21 मार्च	10	00	23 मार्च	9	57
29 मार्च	19	01	— — —	— — —	

पंचकों का प्रारम्भ एवम् समाप्तिकाल (भा. स्टैं. टा.)

(1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

सन् 2005 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2005 ई.	समाप्त घं.	मि.
12 जन.	22	31	17 जन.	6	13
9 फर.	9	47	13 फर.	14	45
8 मार्च	20	11	13 मार्च	0	47
5 अप्रै.	4	06	9 अप्रै.	10	33

सन् 2005 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2005 ई.	समाप्त घं.	मि.
2 मई	9	52	6 मई	18	34
29 मई	15	24	3 जून	0	42
25 जून	22	37	30 जून	6	07
23 जुला.	8	03	27 जुला.	12	30

सन् 2005 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2005 ई.	समाप्त घं.	मि.
19 अग.	18	50	23 अग.	20	53
16 सितं.	5	12	20 सितं.	6	57
13 अक्तू.	13	34	17 अक्तू.	17	15
9 नवं.	19	37	14 नवं.	2	01
7 दिसं.	1	03	11 दिसं.	8	30

सन् 2006 ई.	प्रारम्भ घं.	मि.	सन् 2006 ई.	समाप्त घं.	मि.
3 जन.	8	22	7 जन.	13	52
30 जन.	18	28	3 फर.	20	31
27 फर.	5	54	3 मार्च	5	45
26 मार्च	16	16	— — —	— — —	

रविवार कैलेण्डर (1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

2005 ई.	रविवार की तारीखें				
जनवरी	2	9	16	23	30
फरवरी	6	13	20	27	—
मार्च	6	13	20	27	—
अप्रैल	3	10	17	24	—

2005 ई.	रविवार की तारीखें				
मई	1	8	15	22	29
जून	5	12	19	26	—
जुलाई	3	10	17	24	31
अगस्त	7	14	21	28	—

2005 ई.	रविवार की तारीखें				
सितंबर	4	11	18	25	—
अक्तूबर	2	9	16	23	30
नवंबर	6	13	20	27	—
दिसंबर	4	11	18	25	—

2006 ई.	रविवार की तारीखें				
जनवरी	1	8	15	22	29
फरवरी	5	12	19	26	—
मार्च	5	12	19	26	—

ग्रहण विवरण (सं २०६२ वि.)

इस वर्ष (वि. सं. २०६२ में) भूगोल पर निम्नांकित तीन ग्रहण होंगे-

(i) सूर्यग्रहण (३ अक्तू., २००५ ई.)

(ii) चन्द्रग्रहण (१७ अक्तू., २००५ ई.)

(iii) सूर्यग्रहण (२९ मार्च, २००६ ई.)

ये तीनों ग्रहण भारत में दिखाई पड़ेंगे। इनका विस्तृत विवरण इस प्रकार है-

(i) सूर्यग्रहण (३ अक्तू., २००५ ई. आश्विन अमा, चन्द्रवार):- यह ग्रहण केन्या, सूडान, अल्जीरिया एवं स्पेन आदि देशों में कंकणाकृति तथा भारत में केवल खण्डग्रस्त के रूप में दिखाई पड़ेगा। भारत के प्रत्येक नगर/ग्राम में इसे देखा जा सकेगा। अरुणाचल, **मिज़ोरम, मेघालय, नागालैण्ड, आसाम, मणिपुर, प.बंगाल, बिहार, उड़ीसा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, आन्ध्रप्रदेश और तामिलनाडु में सर्वत्र तथा कर्णाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के कुछ भागों में यह ग्रहण ग्रस्तास्त होगा,** अर्थात् इन स्थलों पर ग्रहण का मोक्ष (समाप्ति) होने से पहिले ही सूर्यास्त हो जाएगा। भारत के शेष सभी स्थलों पर इसे स्पर्श (प्रारम्भ) से मोक्ष (समाप्ति) तक देखा जा सकेगा। चित्र (१) देखिए- यहां दी गई **'क-ख'** रेखा से दाईं ओर यह ग्रहण ग्रस्तास्त होगाऔर इससे बाईं और इसे प्रारम्भ से समाप्ति तक देखा जा सकेगा। **ध्यान रहे- जहां ग्रहण ग्रस्तास्त होगा,** वहां ग्रहण का पर्वकाल सूर्यास्त के साथ ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए वहां सूर्यास्त होने पर स्नान कर लेना चाहिए।

चित्र (१) में इस ग्रहण का विभिन्न भारतीय स्थलों पर स्पर्श, मोक्षकाल(भा.स्टैं.टा.) बतलाने वाली वक्र रेखाएं १०-१० मिनटों के अन्तर पर दी गई हैं। नगर के अक्षांश, रेखांशों द्वारा इस चित्र में नगर का स्थान अंकित कर आप अपने अभीष्ट नगर में इस ग्रहण का स्पर्श-मोक्षकाल (भा.स्टैं.टा.) आसानी से जान सकते हैं।

आगे पृष्ठ१५ पर भारत के प्रसिद्ध नगरों में इस ग्रहण का स्पर्श-मोक्षकाल (भा. स्टैं.टा.) दिया गया है।

अत्यल्प ग्रासमान-पंजाब, हरियाणा, जम्मू-काश्मीर, हि. प्र. और दिल्ली में इस ग्रहण का परमग्रास तीन कला (एक अंगुल) से कम होगा। इस प्रकार के अल्पग्रास वाले ग्रहण को कुछ आचार्यों ने तो अनादेश्य (आम जनता को बतलाने अयोग्य) लिखा है। उनका मानना है कि- इतना कम ग्रास सामान्य जन की दृष्टि में नहीं आ पाता। वैसे, इस प्रकार के अल्पग्रास वाले ग्रहण का दान-जप आदि

सूर्यग्रहण (३ अक्तू., 2005 ई., आश्वि. अमा, चन्द्रवार)

ग्रहण का स्पर्श-मोक्ष बतलाने वाली रेखाएं
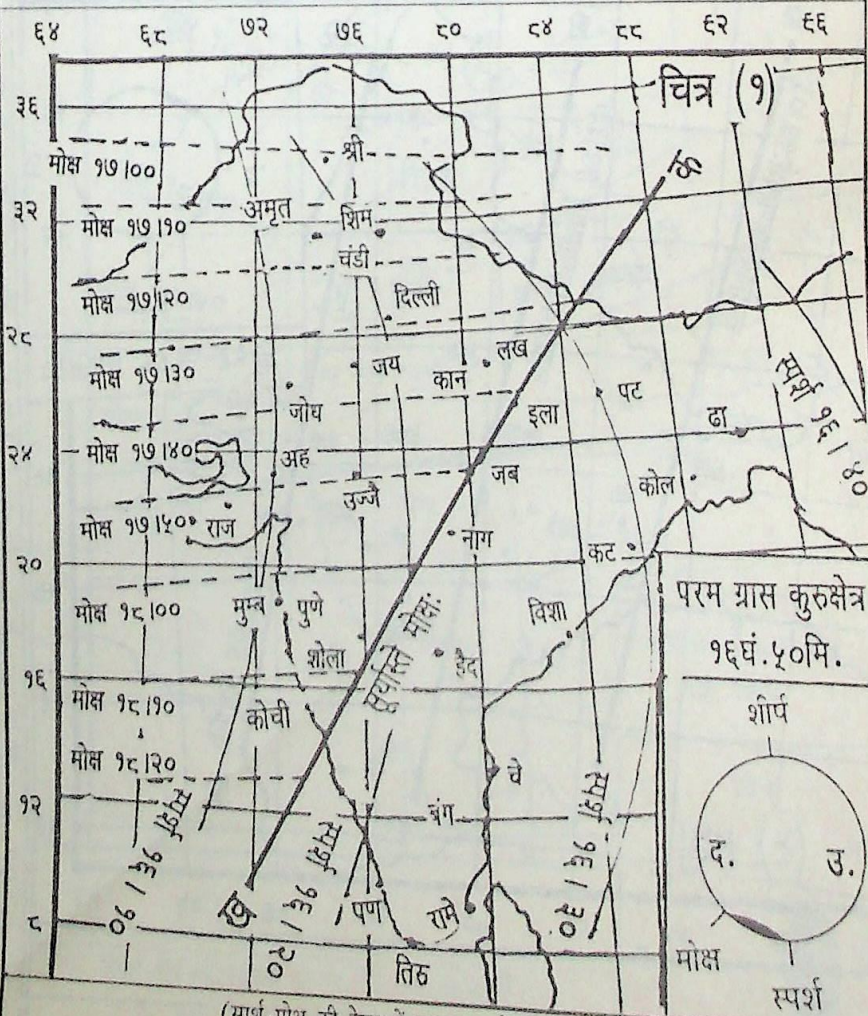
(स्पर्श-मोक्ष की रेखाओं पर भा. स्टैं. टा. अंकित है।)

'क-ख' रेखा से दाईं ओर ग्रहण ग्रस्तास्त होगा, अर्थात् वहां ग्रहणमोक्ष से पहिले ही सूर्य अस्त हो जाएगा।

का माहात्म्य तो शास्त्रों द्वारा माना ही गया है।

ग्रहणवेध (सूतक)- इस ग्रहण का सूतक ३ अक्तूबर, '०५ को सूर्योदय से पूर्व ४ बजकर १० मिनट (भा.स्टै.टा.) पर प्रारम्भ हो जाएगा।

सर्वपितृ, अमाश्राद्ध और ग्रहण-सूतक- इस ग्रहण के दिन महालय की सर्वपितृ अमा का श्राद्ध भी है। क्योंकि, श्राद्ध के समय (मध्याह्न एवं अपराह्ण में) ग्रहण का वेध (सूतक) होगा और ग्रहणसूतक में भोजन निषिद्ध होने से ब्राह्मणों को श्राद्ध भोजन नहीं खिलाया जा सकता, अतः श्राद्ध के समय (मध्याह्न/अपराह्ण में) ब्राह्मणों को अपक्व अन्न (सूखा परोसा) देना चाहिए। श्राद्धक्रिया, अनुष्ठान, तर्पण आदि तो सूतक में निर्बाध किया जा सकता है।

ग्रहण का राशिफल- यह ग्रहण कन्याराशि और हस्त नक्षत्र में होगा। अतः कन्याराशि और हस्त नक्षत्र वाले जातकों के लिए यह विशेष कष्टप्रद होगा। विभिन्न राशि वालों के लिए इसका अलग-अलग फल इस प्रकार है-

जन्म/नामराशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
फल	सुख	चिन्ता	कष्ट	धन-प्राप्ति	हानि	चोट	हानि	प्राप्ति	सुख	अपयश	महा-कष्ट	स्त्री/पति कष्ट

ग्रहण का अन्यफल-यह सूर्यग्रहण (आश्विन मास-सर्वपितृ अमावस) चन्द्रवार, हस्त नक्षत्र एवं कन्याराशि में घटित होगा। जनता में सौख्य एवं राजनीतिज्ञों में परस्पर विशेष वैमत्य रहेगा। कवि, लेखक, गायक, बुद्धिजीविवर्ग में कुछ असन्तोष पनपे। अनाज, घी, तेल के व्यापारी मंहगाई से विशेष लाभ लेंगे। जहां ग्रहण ग्रस्तास्त होगा, वहां कहीं दुर्भिक्ष, कहीं विशिष्टव्यक्ति का पद रिक्त हो-

'ग्रस्तास्तः धान्य-भूपालनाशकः।'

(ii) चूड़ामणि ग्रस्तोदय खण्डग्रास चन्द्रग्रहण (१७ अक्तू., २००५ ई., आश्विन पूर्णिमा, चन्द्रवार)-

यह ग्रहण १७ अक्तूबर, '०५ ई. को सूर्यास्तानन्तर भारत में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्णाटक और केरल के कुछ भाग को छोड़कर सर्वत्र खण्डग्रास रूप में देखा जा सकेगा। चित्र (२) देखिए- यहां दी गई 'क-ख' रेखा से बाईं ओर स्थित नगरों में चन्द्रोदय से पहिले ही यह ग्रहण समाप्त हो जाएगा अतः, इन नगरों में यह ग्रहण नहीं दीखेगा। किञ्च- इसी चित्र में 'त-थ' रेखा पर स्थित नगरों में चन्द्रोदय के समय ही ग्रहण प्रारम्भ होगा, अतः इस रेखा से 'क-ख' रेखा तक स्थित नगरों में यह ग्रहण ग्रस्तोदय होगा। दूसरे शब्दों में हम यह कह सकते हैं- भारत में यह ग्रहण 'क-ख' रेखा से दाईं ओर स्थित सभी नगरों में देखा जा सकेगा, जबकि 'क-ख' से 'त-थ' तक इस ग्रहण का केवल मोक्ष और अन्यत्र (त-थ से दाईं ओर) स्पर्श और मोक्ष दोनों देखे जा सकेंगे। 'च-छ' रेखा पर स्थित नगरों में चन्द्रोदय के समय इस ग्रहण का ग्रहणमध्यकाल (परमग्रासमान) होगा।

ग्रस्तोदय खण्डग्रास चन्द्रग्रहण

(१७ अक्तू.,'०५ ई., आश्वि. पूर्णिमा, चन्द्रवार)
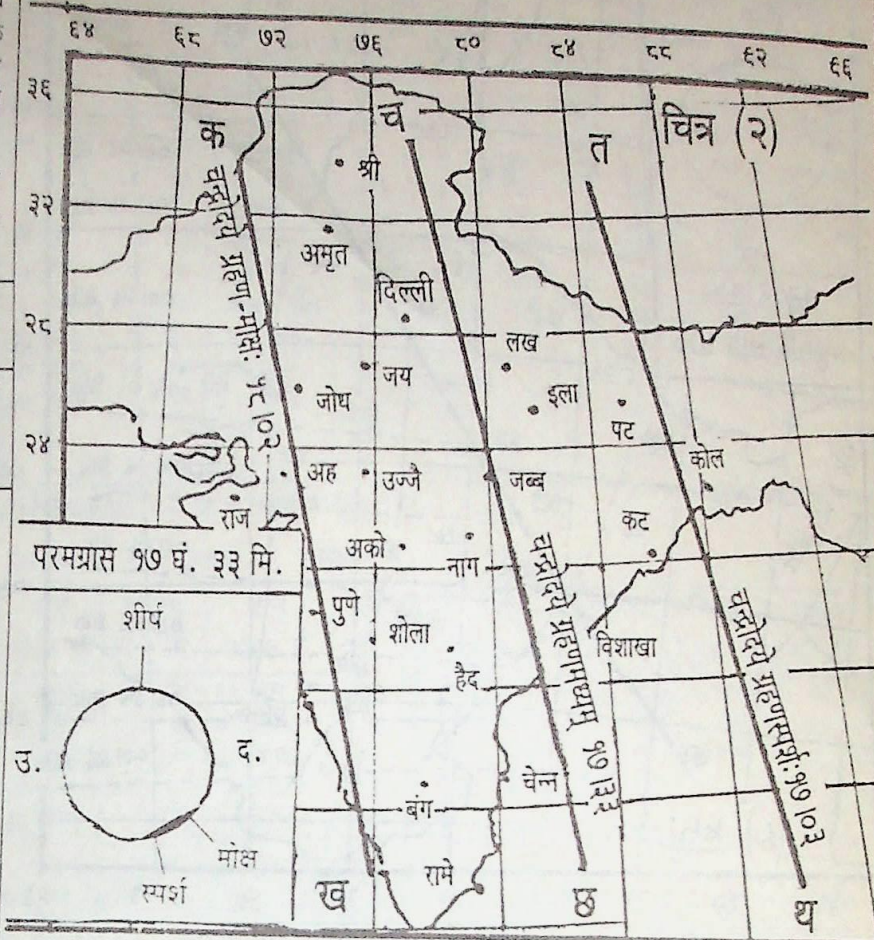
यह ग्रहण भारत में 'क-ख' रेखा से दाईं ओर स्थित नगरों में ही देखा जा सकेगा। 'त-थ' रेखा से बाईं ओर 'क-ख' रेखा तक स्थित नगरों में चन्द्र ग्रस्त उदित होगा। 'च-छ' रेखा पर स्थित नगरों में चन्द्रोदय के समय परमग्रास (ग्रहणमध्य) होगा।

इस ग्रहण के स्पर्शादि काल (भा.स्टैं.टा.) इस प्रकार है-

ग्रहण स्पर्श	१७ घं. ३ मि.	भा.स्टैं.टा. (१७ अक्तू., '०५ ई.)
ग्रहण मध्य	१७ घं. ३३ मि.	
ग्रहण मोक्ष	१८ घं. ०२ मि.	
पर्वकाल	५९ मि.	
परमग्रास	६.२ प्रतिशत	

अत्यल्प ग्रासमान- इस ग्रहण का परमग्रासमान भी अंगुलाल्प (२ कला के लगभग) है। चित्र (२) में दी गई 'च-छ' रेखा से बाईं ओर स्थित प्रदेशों में तो इस ग्रहण का ग्रासमान अत्यल्प दिखाई पड़ेगा। पंजाब, जम्मू-काश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्णाटक और केरल के पश्चिमी भाग में तो इसका ग्रास इतना अल्प होगा कि- उसे देख पाना कठिन होगा। १७ अक्तूबर, '०५ ई. को भारत के प्रसिद्ध नगरों का चन्द्रोदयकाल पृष्ठ १६ पर दिया गया है।

ग्रहणवेध (सूतक) - इस ग्रहण का सूतक १७ अक्तूबर, '०५ ई. को प्रातः ५ बजकर ३ मिनट (भा.स्टैं.टा.) पर प्रारम्भ होगा। यह चूड़ामणि (चन्द्रवार को घटित होने वाला) चन्द्रग्रहण है। अतः इस ग्रहण के समय स्नान-दान-जप का शास्त्रकारों ने विशेष माहात्म्य माना है।

ग्रहण का राशिफल- यह ग्रहण मीन और मेष राशि तथा रेवती और अश्विनी नक्षत्रों में होगा, अतः इन राशियों, नक्षत्रों में उत्पन्न लोगों के लिए यह विशेष अशुभ है। विभिन्न राशि वाले जातकों के लिए इस ग्रहण का फल नीचे दिया जा रहा है-

जन्म/नामराशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
फल	हानि-चोट	लाभ-हानि समान	लाभ आनन्द	साधारण	अपयश-महाकष्ट	महान् कष्ट	सामान्य	सामान्य	कष्ट, चिन्ता	प्राप्ति एवं कष्ट	हानि-लाभ समान	अर्थहानि, दुर्घटना

ग्रहण का अन्यफल- यह ग्रहण आश्विन शुक्ल पक्ष में संक्रान्तिदिन, चन्द्रवार, रेवती-अश्विनी नक्षत्र में घटित हो रहा है। इसप्रकार सूर्य एवं चन्द्रग्रहण दोनों एक ही मास आश्विन में घटित होने से शासकों में कहीं भारी विरोध एवं किसी देश-विशेष में भारी युद्ध का कारण बने-

> "कुर्यादाश्विनकेऽथ सूर्यशशिनोरेकत्र मासे ग्रह-।
> द्वन्द्वश्वेन्नरनायकाः बहुबला युद्ध्यन्ति कोपोत्कटाः।।"

किसी नए राजनेता का उदय हो। बुद्धिजीवि एवं व्यापारी वर्ग परेशान रहे। यह ग्रहण उत्तरी भारत, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्णाटक आदि में एवं जलतटवासी जनों को विशेष पीड़ाकारक है।

(iii) खण्डग्रास सूर्यग्रहण (२६ मार्च, २००६ ई., चैत्र अमा, बुधवार)- यह ग्रहण भारत में २६ मार्च, '०६ ई. को सूर्यास्त से पूर्व भा. स्टैं. टा. के अनुसार १६ घं. २० मि. से लेकर
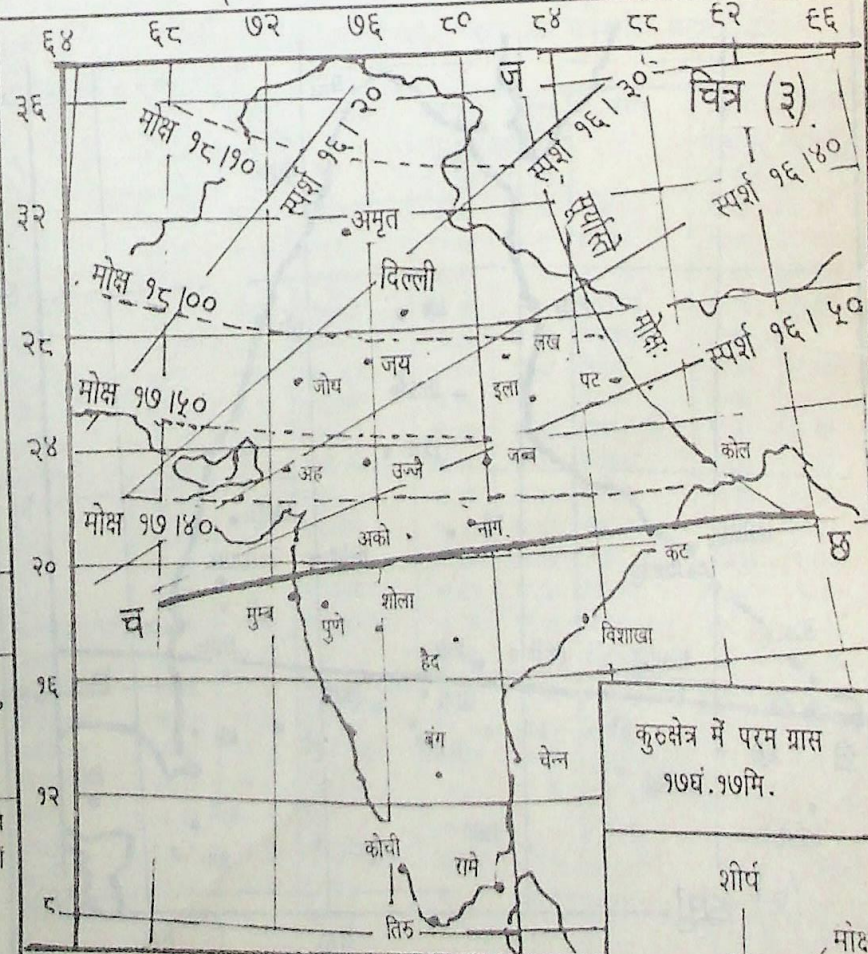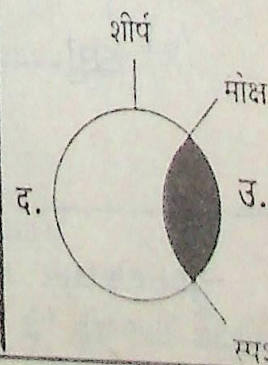
(स्पर्श-मोक्ष की रेखाओं पर भा. स्टैं. टा. अंकित है।)
'च-छ' रेखा से नीचे ग्रहण नहीं होगा।
'ज-छ' रेखा से दाईं ओर सूर्य ग्रस्त ही अस्त हो जाएगा।

लगभग सूर्यास्तकाल तक समस्त कर्णाटक, केरल, तामिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश तथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं उड़ीसा के कुछ भाग को छोड़कर अन्यत्र सर्वत्र खण्डग्रास के रूप में दिखाई पड़ेगा। चित्र (३) देखिए- 'च-छ' रेखा (ग्रहण की दक्षिणमर्यादा रेखा) से नीचे यह ग्रहण नहीं होगा; इससे ऊपरस्थित भाग में ही यह दृश्य होगा। चित्र (४) में 'च-छ' रेखा के पार्श्ववर्ती नगरों को विस्तार से दिखाया गया है, जिससे स्पष्ट हो जाता है; यह (च-छ) रेखा वस्तुतः कहां से गुज़रती है।

चित्र (३) में खींची गई 'ज- छ' वक्र रेखा से दाईं ओर इस ग्रहण का मोक्ष नहीं देखा जा सकेगा, क्योंकि वहां मोक्ष से पहिले ही सूर्यास्त हो जाएगा। इस रेखा से बाईं ओर सर्वत्र ग्रहण का स्पर्श और मोक्ष-दोनों ही देखे जा सकते है।

चित्र (३) में १०-१० मि. के अन्तर पर इस ग्रहण के स्पर्श-मोक्षकाल (भा. स्टैं. टा.) बतलाने वाली वक्र रेखाएं दी गई हैं। नगर के अक्षांश-रेखाशों द्वारा इस चित्र में नगर का स्थान अंकित कर उस नगर में इस ग्रहण का स्पर्श-मोक्षकाल (भा. स्टैं. टा.) सरलता से आप जान सकते हैं। पृष्ठ १८ पर भारत के प्रसिद्ध नगरों में इस ग्रहण का स्पर्श-मोक्षकाल (भा. स्टैं. टा.) दिया गया है।

ग्रहण का ग्रासमान- चित्र (३) में दी गई 'च-छ' रेखा पर स्थित नगरों में इस ग्रहण का ग्रासमान शून्य होगा और इस रेखा से जो नगर उत्तर की ओर जितना अधिक हटा होगा, उस नगर में इस ग्रहण का परमग्रासमान उतना ही अधिक होगा। इस प्रकार भारत में इस ग्रहण का अधिकतम ग्रासमान, जो लगभग ५० प्रतिशत होगा, काश्मीर में देखा जा सकेगा।

ग्रहणवेध (सूतक)- इस ग्रहण का सूतक २६ मार्च, २००६ ई. को सूर्योदय से पूर्व ४ बजकर २० मिनट (भा. स्टैं. टा.) पर प्रारम्भ हो जाएगा।

ग्रहण का राशिफल- यह ग्रहण उत्तराभाद्रपदा नक्षत्र और मीन राशि में घटित होगा, अतः उ.भा. नक्षत्र और मीनराशि वालों के लिए यह ग्रहण विशेष कष्ट-चिन्ताकारक होगा। विभिन्न राशि वाले जातकों के लिए इस ग्रहण का अलग-अलग फल इस प्रकार है-

जन्म/नामराशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
फल	हानि	धनलाभ	सुख	अपमान	महाकष्ट	स्त्री / पतिकष्ट	सुख	चिन्ता	कष्ट	लाभ	हानि	दुर्घटना

ग्रहण का अन्यफल- यह ग्रहण चैत्र अमा, बुधवार, उ. भा. नक्षत्र एवं मीनराशि में घटित होगा। चित्रकार, लेखक, कवि एवं अध्यापकवर्ग को पीड़ा देगा। नमक, नारियल, सुपारी, कपड़े का स्टॉक करने से लाभ हो। समुद्री खाद्य मंहगे हों। जलोपजीवी (नाविक, जहाजी एवं तैराक) लोगों को तूफान आदि से विशेष कष्ट संभव है।

खण्डग्रास सूर्यग्रहण (२९ मार्च, २००६ ई., चैत्र अमा, बुधवार) -ग्रहण की दक्षिण मर्यादा रेखा का लंघनमार्ग-

('च—छ' रेखा से नीचे ग्रहण नहीं होगा।)
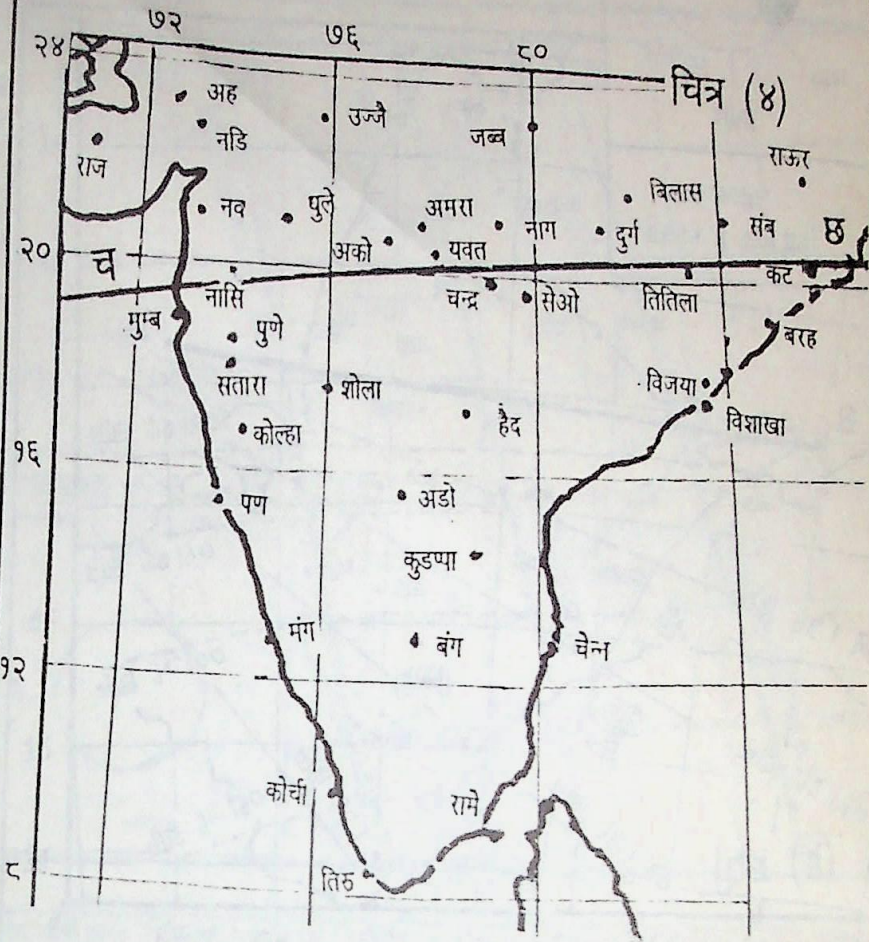
खण्डग्रास सूर्यग्रहण (3 अक्तूबर 2005 ई.)

[भारत के विभिन्न नगरों में ग्रहण का स्पर्श (प्रारम्भ)—मोक्ष (समाप्ति) काल (भा.स्टैं.टा.)]

(जिस नगर का मोक्षकाल नहीं दिया गया है, उस नगर में सूर्य ग्रस्त ही अस्त होगा। जहां ग्रहण ग्रस्तास्त होगा, वहां ग्रहण का पर्वकाल ग्रहण आरम्भ से सूर्यास्तकाल तक ही माना जाएगा। अतः वहां पर सूर्यास्त हो जाने पर स्नान कर लेना चाहिए।)

नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. म.
अकोला	16 18	17 58	कानपुर	16 24	17 38	जोरहाट	16 40	- -	नासिक	16 13	18 00	वृन्दावन	16 20	17 34	रोपड़	16 20	17 18
अगरतला	16 36	- -	कालका	16 21	17 18	जींद	16 18	17 25	नीमच	16 15	17 45	बठिण्डा	16 16	17 18	रोहतक	16 19	17 28
अजमेर	16 14	17 36	काशी	16 27	- -	जैसलमेर	16 13	17 34	नैनीताल	16 24	17 25	भरतपुर	16 20	17 35	लखनऊ	16 25	17 36
अमृतसर	16 17	17 14	किशनगढ (रा)	16 07	17 30	जोधपुर	16 11	17 37	पंचकूला	16 21	17 18	भागलपुर	16 31	- -	लुधियाना	16 22	17 17
अमेठी (उ.प्र.)	16 26	17 40	कुराली (प)	16 20	17 18	झांसी	16 21	17 42	पटना	16 30	- -	भिवानी	16 21	17 28	विजयवाड़ा	16 23	- -
अम्बाला	16 20	17 20	कुरुक्षेत्र	16 20	17 20	झुंझुनु	16 17	17 30	पटियाला	16 20	17 20	भुज (गु)	16 04	17 47	शिमला	16 22	17 18
अयोध्या	16 26	17 38	कुल्लू	16 22	17 12	टोंक	16 17	17 39	पठानकोट	16 20	17 11	भुवनेश्वर	16 30	- -	शिलांग	16 38	- -
अर्की (हि.प्र)	16 22	17 16	कैथल	16 20	17 22	डूंगरपुर	16 12	17 46	पानीपत	16 20	17 24	भोपाल	16 20	17 49	श्रीनगर (का)	16 21	17 02
अलवर	16 20	17 34	कोटा	16 17	17 43	तिरुपति	16 23	- -	पालमपुर	16 21	17 13	मण्डी (हि.प्र)	16 22	17 13	संगरूर	16 21	17 20
अलीगढ	16 22	17 32	कोहिमा	16 40	- -	थानेसर	16 20	17 22	पिलानी	16 17	17 28	मथुरा	16 20	17 34	सरहिन्द	16 20	17 18
अल्मोड़ा	16 25	17 25	खन्ना	16 20	17 18	त्रिवेन्द्रम् (के)	16 22	- -	पुंछ	16 20	17 00	मन्दसोर	16 15	17 47	सहारनपुर	16 22	17 22
अहमदाबाद	16 10	17 49	खुर्जा	16 21	17 30	दतिया	16 21	17 41	पुणे	16 14	18 03	मसूरी	16 23	17 18	सागर	16 21	17 48
आगरा	16 21	17 35	गंगटोक	16 34	- -	दरभंगा	16 31	- -	पुरी	16 30	- -	महेन्द्रगढ	16 23	17 30	सांगानेर	16 16	17 35
आबू	16 10	17 43	गया	16 29	- -	दार्जिलिंग	16 33	- -	प्रतापगढ (उ.प्र)	16 26	17 40	मालेरकोटला	16 19	17 20	सिरसा	16 15	17 24
इटावा	16 22	17 34	गुड़गांव	16 20	17 29	दिल्ली	16 20	17 29	प्रयाग	16 25	17 43	मुंगेर	16 31	- -	सीकर	16 15	17 34
इन्दौर	16 16	17 50	गुरदासपुर	16 19	17 12	देवास (म.प्र)	16 16	17 50	फरीदकोट	16 15	17 18	मुजफ्फर नगर	16 22	17 25	सूरत	16 11	17 55
इम्फाल	16 40	- -	गुआहाटी	16 37	- -	देवप्रयाग	16 23	17 22	फरीदाबाद	16 21	17 29	मुम्बई	16 12	18 02	सोलन	16 22	17 18
उज्जैन	16 16	17 50	गोरखपुर	16 38	- -	देहरादून	16 23	17 21	फाजिल्का	16 13	17 18	मुरादाबाद	16 24	17 27	हमीरपुर (उ.प्र.)	16 24	17 40
उदयपुर (रा)	16 13	17 45	ग्वालियर	16 21	17 38	द्वारिका	16 02	17 50	फिरोजपुर	16 17	17 17	मेरठ	16 21	17 28	हमीरपुर (हि.प्र.)	16 21	17 15
ऊधमपुर (का)	16 20	17 05	चण्डीगढ़	16 21	17 19	धनबाद	16 30	- -	बंगलोर	16 22	- -	मैसूर	16 21	- -	हरिद्वार	16 23	17 22
ऊना	16 20	17 14	चम्बा	16 24	17 10	धर्मशाला	16 10	17 21	बदायूं	16 23	17 32	मोगा	16 18	17 18	हाथरस	16 21	17 34
कठुआ (का)	16 20	17 10	चित्तौड़गढ	16 14	17 42	धूरी	16 20	17 19	बाड़मेर	16 09	17 39	रतनगढ	16 14	17 30	हापुड़	16 21	17 28
कन्नौज	16 24	17 36	चीरापूंजी	16 37	- -	नवलगढ़	16 18	17 31	बिजनौर	16 22	17 25	रतलाम	16 15	17 49	हांसी	16 18	17 28
कपूरथला	16 18	17 14	चेन्नई	16 24	- -	नागपुर	16 21	- -	बिलासपुर(म.प्र)	16 25	- -	राजकोट	16 08	17 51	हिसार	16 17	17 27
करनाल	16 20	17 22	छपरा	16 30	- -	नाथद्वारा	16 13	17 43	बिलासपुर(हि.प्र.)	16 22	17 15	रांची	16 29	- -	हैदराबाद	16 22	- -
कलकत्ता	16 32	- -	जबलपुर	16 23	17 50	नाभा	16 21	17 20	बीकानेर	16 11	17 30	रामपुरबुशहर	16 22	17 15	होशंगाबाद	16 19	17 50
कांगड़ा	16 21	17 12	जम्मू	16 18	17 10	नारनौल	16 20	17 31	बीजापुर	16 18	18 10	रामेश्वरम्	16 26	- -	होशियारपुर	16 20	17 15
कांचीपुरम्	16 36	- -	जयपुर	16 16	17 35	नालागढ़	16 21	17 18	बुलन्दशहर	16 21	17 30	रिवाड़ी	16 19	17 30			
काठियावाड़	16 12	17 52	जालन्धर	16 18	17 17	नाहन	16 22	17 20	बूंदी	16 15	17 41	रीवा	16 25	- -			

ग्रस्तास्त खग्रास चन्द्रग्रहण (17 अक्तू., सन् 2005ई.)

भारत के प्रमुख-प्रमुख नगरों में चन्द्रोदयकाल (भा.स्टैं. टा.)

[जहां चन्द्रोदय 17 घं. 3 मि. (भा. स्टैं. टा.) के बाद होगा वहां यह ग्रहण ग्रस्तोदय होगा। किन्च जहां चन्द्रोदय 18 घं. 02 मि. के बाद होगा, वहां यह ग्रहण नहीं दीखेगा।]
ध्यान रहे- जहां यह ग्रहण ग्रस्तोदय होगा वहां ग्रहण का पर्वकाल चन्द्रोदय के समय ही प्रारम्भ होगा, अतः वहां चन्द्रोदय होने पर ही स्नान-दान-जप करना चाहिए।]

नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.	नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.	नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.	नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.	नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.	नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.	नगर	चन्द्रोदय काल घं. मि.
अकोला	17 49	कटनी	17 32	ग्वालियर	17 39	दतिया	17 38	पानीपत	17 41	भागलपुर	17 03	रोहतक	17 43
अगरतला	16 47	कटुआ (का.)	17 43	चण्डीगढ	17 42	दरभंगा	17 05	पालमपुर	17 40	भिवानी	17 44	लखनऊ	17 27
अजमेर	17 52	कन्नौज	17 31	चम्बा	17 41	दार्जिलिंग	16 55	पाली	17 58	भीनमाल	18 03	लुधियाना	17 43
अनन्तनाग (का.)	17 44	कपूरथला	17 45	चित्तौडगढ	17 55	दिल्ली	17 41	पिलानी	17 48	भुज(गु.)	18 16	वडोदरा (गु.)	18 03
अनूपशहर (उ.प्र)	17 36	करनाल	17 41	चूरू	17 50	देवबन्द	17 37	पुंछ	17 50	भुवनेश्वर	17 15	विजयवाडा	17 37
अमरावती (म.)	17 44	कलकत्ता	16 59	चीरापूंजी	16 43	देवरिया	16 51	पुणे	18 03	भोपाल	17 44	विशाखापतनम्	17 25
अमरोहा (उ. प्र.)	17 35	कांगड़ा	17 41	चेन्नई	17 42	देवास (म.प्र.)	17 51	पुरनिया	16 59	मण्डी (हि.प्र.)	17 38	शाहदरा	17 39
अमृतसर	17 46	कांचीपुरम्	17 43	छतरपुर	17 34	देवप्रयाग	17 34	पुरी	17 12	मथुरा	17 39	शिमला	17 38
अमेठी (उ.प्र.)	17 24	काठियावाड	18 12	छपरा	17 10	देहरादून	17 35	पोरबन्दर	18 19	मदुरै	17 20	शिलांग	16 41
अम्बाला	17 40	कानपुर	17 29	जबलपुर	17 33	द्वारिका	18 19	प्रतापगढ (उ.प्र.)	17 23	मन्दसोर	17 53	श्रीनगर (का.)	17 45
अयोध्या	17 21	कारगिल	17 39	जम्मू	17 46	धनबाद	17 05	प्रयाग	17 23	मसूरी	17 35	संगरूर	17 44
अर्की (हि.प्र.)	17 39	कालका	17 39	जयपुर	17 48	धर्मशाला	17 40	फरीदकोट	17 49	महेन्द्रगढ	17 44	सरहिन्द	17 42
अलवर	17 45	काशी	17 20	जामनगर	18 16	धूरी	17 44	फरीदाबाद	17 40	मारवाड जं.	17 57	सहारनपुर	17 38
अलीगढ	17 37	किशनगढ (रा.)	18 09	जालन्धर	17 46	नरैना	17 55	फाज़िल्का	17 52	मालेरकोटला	17 44	सागर	17 38
अल्मोडा	17 30	कुराली (पं.)	17 41	जालोर	18 03	नवलगढ	17 49	फिरोज़पुर	17 48	मिर्ज़ापुर	17 21	सांगानेर	17 48
अहमदाबाद	18 06	कुरुक्षेत्र	17 41	जोरहाट	17 32	नागपुर	17 40	फुलेरा	17 51	मुंगेर	17 04	सिरसा	17 48
आगरा	17 39	कुल्लू	17 38	जींद	17 44	नागौर	17 56	बंगलोर	17 52	मुज़फ्फर नगर	17 37	सीकर	17 50
आजमगढ	17 18	कैथल	17 42	जैसलमेर	18 08	नाथद्वारा	17 43	बदायूं	17 33	मुम्बई	18 07	सूरत	18 06
आबू	18 02	कोटखाई	17 38	जोधपुर	18 00	नाभा	17 47	बलिया	17 14	मुरादाबाद	17 33	सूरतगढ	17 53
आरा (बि.)	17 13	कोटा	17 50	झरिया	17 05	नारनौल	17 46	बाड़मेर	18 07	मेरठ	17 38	सोलन	17 39
इटारसी	17 43	कोयम्बटूर	17 58	झांसी	17 39	नालागढ	17 40	बांसवाड़ा	17 57	मोगा	17 47	हमीरपुर (उ.प्र.)	17 31
इटावा	17 35	कोहिमा	16 31	झालरापाटन	17 47	नाहन	17 39	बिजनौर	17 35	रतनगढ	17 51	हमीरपुर (हि.प्र.)	17 41
इन्दौर	18 51	खन्ना	17 46	झालावाड	17 58	नासिक	18 02	बिलासपुर (म.प्र.)	17 26	रतलाम	17 54	हरिद्वार	17 34
इम्फाल	16 34	खुर्जा	17 38	झुंझुनु	17 48	नीमच	17 54	बिलासपुर (हि.प्र.)	17 39	राजकोट	18 13	हाथरस	17 39
उज्जैन	17 52	गंगटोक	16 53	टोंक	17 53	नैनीताल	17 31	बीकानेर	17 57	रांची	17 10	हापुड	17 38
उदयपुर (रा.)	17 59	गया	17 11	डिब्रूगढ	16 27	पंचकूला	17 39	बीजापुर	17 58	रामपुरबुशहर	17 37	हांसी	17 45
उन्नाव	17 29	गाजियाबाद	17 40	डीडवाना	17 53	पंजिम	18 06	बुलन्दशहर	17 38	रामेश्वरम्	17 49	हिसार	17 46
ऊधमपुर (का.)	17 45	गुडगांव	.17 40	डूंगरपुर	17 58	पटना	17 09	बून्दी	17 50	रायपुर (म.प्र.)	17 28	हैदराबाद	17 45
ऊना	17 41	गुरदासपुर	17 44	तिरुपति	17 44	पटियाला	17 42	वृन्दावन	17 40	रिवाड़ी	17 43	होशंगाबाद	17 43
एटा	17 36	गुआहाटी	16 41	थानेसर	17 40	पठानकोट	17 42	बठिण्डा	17 49	रीवां	17 28	होशियारपुर	17 43
कटक	17 11	गोरखपुर	17 15	त्रिवेन्द्रम (के.)	17 59	पाण्डिचेरी	17 43	भरतपुर	17 41	रोपड	17 42		

भारत के विभिन्न नगरों में सूर्यग्रहण (29 मार्च 2006 ई.)

का स्पर्श–मोक्षकाल(प्रारम्भ–समाप्तिकाल) (भा.स्टैं.टा.)

(जिस नगर का मोक्षकाल नहीं दिया गया है, वहां सूर्य ग्रस्त ही अस्त होगा।)

नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. मि.	नगर	ग्रहण प्रारम्भ घं. मि.	ग्रहण समाप्ति घं. म.
अकोला	17 00	17 35	करनाल	16 31	18 04	चूरू	16 32	18 02	धर्मशाला	16 26	18 07	बाड़मेर	16 31	17 52	राजकोट	16 40	17 41
अगरतला	17 55	– –	कलकत्ता	17 02	17 46	छतरपुर	16 46	17 53	धूरी	16 29	18 04	बिजनौर	16 34	18 04	रामपुरबुशहर	16 29	18 06
अजमेर	16 35	17 56	कागडा	16 27	18 07	छपरा	16 48	17 55	नवलगढ़	16 33	18 00	बिलासपुर(हि.प्र.)	16 28	18 06	रिवाड़ी	16 34	18 01
अमरावती (म.)	16 58	17 45	काठियावाड	16 41	17 40	जबलपुर	16 53	17 46	नाथद्वारा	16 39	17 50	बीकानेर	16 30	18 00	रीवां	16 49	17 52
अमरोहा (उ.प्र.)	16 35	18 03	कानपुर	16 43	17 58	जम्मू	16 24	18 07	नाभा	16 29	18 04	बुलन्दशहर	16 35	18 02	रोपड़	16 30	18 05
अमृतसर	16 25	18 06	कालका	16 29	18 06	जयपुर	16 35	17 58	नारनौल	16 34	18 00	बून्दी	16 39	17 53	रोहतक	16 33	18 02
अमेठी (उ.प्र)	16 46	17 57	काशी	16 48	17 55	जाम नगर	16 38	17 41	नालागढ़	16 29	18 05	वृन्दावन	16 37	18 00	लखनऊ	16 42	17 59
अम्बाला	16 31	18 05	किशनगढ (रा)	16 25	17 59	जालन्धर	16 27	18 06	नाहन	16 30	18 05	बठिण्डा	16 29	18 04	लुधियाना	16 28	18 05
अयोध्या	16 43	17 58	कुराली (प)	16 29	18 05	जींद	16 32	18 03	नीमच	16 40	17 51	भरतपुर	16 36	18 00	वड़ोदरा (गु.)	16 45	17 45
अर्की (हि.प्र.)	16 29	18 05	कुरुक्षेत्र	16 30	18 04	जैसलमेर	16 27	17 56	नैनीताल	16 35	18 04	भागलपुर	16 51	– –	शिमला	16 30	18 06
अलवर	16 36	18 00	कुल्लू	16 28	18 07	जोधपुर	16 33	17 55	पचकूला	16 30	18 06	भिवानी	16 32	18 02	श्रीनगर (का.)	16 22	18 10
अलीगढ	16 36	18 00	कैथल	16 30	18 04	झांसी	16 44	17 54	पटना	16 49	17 55	भीमनाल	16 35	17 49	संगरूर	16 30	18 04
अल्मोड़ा	16 34	18 04	कोटखाई	16 30	18 05	झालावाड़	16 39	17 50	पटियाला	16 31	18 04	भुज(गु)	16 35	17 44	सरहिन्द	16 30	18 05
अहमदाबाद	16 41	17 45	कोटा	16 39	17 52	झुंझुनु	16 32	18 00	पठानकोट	16 26	18 07	भोपाल	16 48	17 47	सहारनपुर	16 32	18 04
आगरा	16 38	17 49	कोहिमा	16 53	– –	टोंक	16 36	17 55	पानीपत	16 32	18 03	मण्डी (हि.प्र.)	16 28	18 06	सागर	16 49	17 51
आबू	16 35	17 50	खन्ना	16 29	18 04	डीडवाना	16 32	17 59	पालमपुर	16 28	18 07	मथुरा	16 36	18 00	सांगानेर	16 34	17 58
आरा (बि)	16 50	17 55	खुर्जा	16 35	18 01	डूंगरपुर	16 41	17 48	पाली	16 35	17 54	मन्दसौर	16 41	17 49	सिरसा	16 29	18 03
इटारसी	16 51	17 43	गंगटोक	16 47	18 01	थानेसर	16 31	18 04	पिलानी	16 32	18 02	मसूरी	16 31	18 05	सीकर	16 34	17 58
इटावा	16 40	17 58	गया	16 51	17 53	दतिया	16 42	17 54	पुंछ	16 21	18 10	महेन्द्रगढ	16 34	18 01	सूरतगढ़	16 28	18 02
इन्दौर	16 48	17 43	गाजियाबाद	16 34	18 02	दरभंगा	16 48	17 56	पुरनिया	16 50	– –	मालेरकोटला	16 29	18 05	सोलन	16 30	18 06
उज्जैन	16 46	17 45	गुड़गाव	16 34	18 03	दार्जिलिंग	16 48	18 00	प्रतापगढ़	16 45	17 56	मिर्जापुर	16 49	17 54	हमीरपुर (उ.प्र.)	16 44	17 56
उदयपुर (रा)	16 37	17 50	गुरदासपुर	16 26	18 07	दिल्ली	16 34	18 02	प्रयाग	16 47	17 54	मुंगेर	16 50	17 55	हमीरपुर (हि.प्र.)	16 28	18 06
उन्नाव	16 43	17 57	गुआहाटी	16 54	– –	देवबन्द	16 32	18 04	फरीदकोट	16 26	18 05	मुजफ्फर नगर	16 33	18 04	हरिद्वार	16 33	18 04
ऊधमपुर (का)	16 24	18 08	गोरखपुर	16 45	17 58	देवरिया	16 45	17 58	फरीदाबाद	16 34	18 02	मुरादाबाद	16 35	18 03	हाथरस	16 37	18 00
ऊना	16 27	18 06	ग्वालियर	16 40	17 56	देवास (म.प्र.)	16 47	17 45	फाजिल्का	16 26	18 04	मेरठ	16 33	18 03	हापुड़	16 34	18 03
एटा	16 38	18 00	चण्डीगढ	16 29	18 06	देवप्रयाग	16 34	18 04	फिरोजपुर	16 26	18 05	मोगा	16 27	18 05	हांसी	16 31	18 02
कठुआ (का)	16 25	18 07	चम्बा	16 26	18 08	देहरादून	16 32	18 04	फुलेरा	16 34	17 57	रतनगढ़	16 31	18 00	हिसार	16 30	18 02
कन्नौज	16 40	18 00	चित्तौड़गढ	16 38	17 50	द्वारिका	16 35	17 43	बदायूं	16 37	18 01	रतलाम	16 45	17 45	होशियारपुर	16 27	18 06
कपूरथला	16 28	18 06															

शनि की साढेसाती (बृहत्कल्याणी), ढैया (लघुकल्याणी) और गुरु–राहु का गोचरफल (सं. 2062 वि.)

जन्मकुण्डली मे शनैश्चर का शुभग्रह से सम्बन्ध हो अथवा महादशा का अंतर शुभ चल रहा हो, तो ढैया और साढेसाती का अशुभफल कम होता है। यदि चन्द्र, शनि जन्म में अशुभ ग्रहों से युक्त हो तो साढेसाती व ढैया महान् अशुभ, चिंता, अवनति, धनहानि, झगडा, कार्य मे विघ्न, रोजगार में कमी, व्यर्थ कलह एवं रोग, पशु–पीडा आदि का कारण बनती है। यदि जन्मकुण्डली में शनि अष्टमेश या मारकेश हो तो भी ढैया, साढेसाती विशेष अनिष्ट फलप्रद होती है। यदि जन्म में शनि लग्नेश, पंचमेश, नवमेश होकर 3, 6, 11 में स्थित हो तो सुख–सम्पत्ति मिलती है, व्यापारादि में लाभ होता है। शनि के अष्टकवर्ग में अधिक रेखाएं हों तो शुभ, कम रेखाएं हों तो अशुभ फल निश्चित होता है। शान्त्यर्थ--सतनाजा को तेल का हाथ लगाकर पक्षियों को डालना चाहिए या शनिवार को तेल में मुख देखकर उसमें मिष्टान्न, गुलगुले आदि बनाकर गरीबों को, भैंसे या कुत्ते को दें या बन्दरों को गुड–चने डालते रहें। अष्टगंध से शुभमुहूर्त में बना हुआ शनियंत्र धारण करना विशेष शांतिप्रद है।

साढेसाती में प्रत्येक राशि के लिए शनि का अशुभ फल इस प्रकार है–

मेष राशि वालों को बीच के अढाई वर्ष खराब हैं। वृश को पहिले अढाई वर्ष, मिथुन को अंत के अढाई वर्ष, कर्क को बीच के अढाई वर्ष, सिंह को पहिले 5 वर्ष उसमें भी मध्य के अढाई वर्ष खराब हैं। कन्या को पहिले 5 वर्ष, उसमें भी मध्य के अढाई वर्ष विशेष अशुभ हैं। तुला को आखिर के अढाई वर्ष, वृश्चिक को अंतिम 5 वर्ष नेष्ट हैं, उसमें भी मध्य के अढाई वर्ष विशेष अशुभ हैं। धनु को प्रारंभ के अढाई वर्ष, मकर को पहिले 5 वर्ष, उसमें भी पहिले अढाई वर्ष विशेष खराब हैं। कुंभ को आदि एवं अन्त के पांच वर्ष, विशेषतः अन्त के अढाई वर्ष अधिक अशुभ हैं। मीन को पूरे साढेसात वर्ष नेष्ट हैं, उनमें भी अन्त के अढाई वर्ष विशेष अशुभफल देने वाले होते हैं। नोटः– नीचे दिए गए कोष्ठकों में जिन राशियों का निर्देश नहीं किया गया है, उन राशि वाले जातकों के लिए मिथुन/कर्कराशिस्थ शनि की कालावधि में साढेसाती या ढैया नहीं है,– यह समझ लें।

विगत सं. 2061 वि. में 13 जनवरी सन् 2005 ई. को 15 घं. 8 मि. पर शतभिषा नक्षत्र एवं कुम्भस्थ चन्द्र के समय शनि (वक्रस्थिति में) पुनः मिथुन राशि में प्रविष्ट हुआ है, जो कि सं. 2062 वि. में 26 मई (सन् 2005 ई.) प्रातः 7 घं 25 मि. तक मिथुन राशि में ही रहेगा।

मिथुन–राशिस्थ शनि की साढेसाती, ढैया का फल (संवत् के प्रारम्भ से 26 मई 2005 ई. तक)

राशि	ढैया या साढेसाती	पाद	साढेसाती		फल
			किस अंग पर	चढ़ती या उतरती	
वृष	साढेसाती	ताम्र	पाद	उतरती	धनलाभ, कार्य में तरक्की, स्त्री–पुत्रसुख, सम्पत्ति लाभ एवं शारीरिक–सुख।
मिथुन	साढेसाती	रजत	हृदय	– –	व्यापार वृद्धि, धनधान्य सम्पत्ति लाभ, प्रभावक्षेत्र बढ़े, मानसम्मान प्राप्ति, मांगलिक कार्य हों।
कर्क	साढेसाती	लौह	मस्तक	चढ़ती	निजीजन एवं कुटुम्ब में विरोध, क्लेश–रोगमय, धनहानि हो।
वृश्चिक	ढैया	लौह	– –	– –	निजीजन एवं कुटुम्ब में विरोध, क्लेश–रोगमय, धनहानि हो।
मीन	ढैया	लौह	– –	– –	निजीजन एवं कुटुम्ब में विरोध, क्लेश–रोगमय, धनहानि हो।

संवत् 2062 वि. में 26 मई (2005 ई.) को मूल नक्षत्र एवं धनुस्थ चन्द्र के समय 7 घं 25 मिनट (भा. स्टैं. टा.) पर शनि कर्कराशि में प्रवेश करेगा, जोकि संवत्सर के अन्त तक कर्क राशि में ही विचरण करेगा।

कर्क–राशिस्थ शनि की साढेसाती, ढैया का फल (26 मई 2005 ई. से संवत् 2062 वि. के अन्त तक)

राशि	ढैया या साढेसाती	पाद	साढेसाती		फल
			किस अंग पर	चढ़ती या उतरती	
मिथुन	साढेसाती	ताम्र	पाद	उतरती	सुख सम्पति लाभ, व्यापार में प्रगति, स्त्री–पुत्र सुख, धन-धान्य समृद्धि, शारीरिक–सुख
कर्क	साढेसाती	सुवर्ण	हृदय	– –	निजीजन विरोध, शत्रु बढ़ें, गृह क्लेश, अनेक-विध रोगों से परेशानी, वृथा व्यय, धननाश।
सिंह	साढेसाती	रजत	मस्तक	चढ़ती	व्यवसाय में वृद्धि, प्रभाव–वृद्धि, मान–सम्मान बढ़े, धन-धान्य सम्पदा सुख, मांगलिक कार्य हों।
धनु	ढैया	सुवर्ण	– –	– –	निजीजन विरोध, शत्रु बढ़ें, गृह क्लेश, अनेक-विध रोगों से परेशानी, वृथा व्यय, धननाश।
मेष	ढैया	रजत	– –	– –	व्यवसाय में वृद्धि, प्रभाव बढ़े, मान सम्मान प्राप्ति, धन- धान्य वृद्धे, सम्पदा सुख, मांगलिक कार्य हों।

गुरु के संचार का फल

विगत सं. 2061 वि. में 27 अगस्त सन् 2004 ई. को उ.षा. नक्षत्र एवं मकर राशिस्थ चन्द्र के समय गुरुदेव 23 घं. 36 मि. पर कन्या राशि में प्रविष्ट हुए थे जो कि संवत् 2062 वि. में 28 सितम्बर (2005 ई.) तक कन्या राशि में ही रहेंगे।

कन्या–राशिस्थ गुरु का शुभाशुभ फल

(संवत् के प्रारम्भ से 28 सितम्बर, 2005 ई. तक के लिए।)

राशि→	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
फल	रोग	सुख	धनहानि	शरीरकष्ट	धनलाभ	भय	आधि–व्याधि	प्रगति	धनहानि	धनलाभ	धननाश	सम्मान

संवत् 2062 वि. में 28 सितम्बर (2005 ई.) को 5 घं. 36 मिनट (भा.स्टैं.टा.) पर पुष्य नक्षत्र एवं कर्कराशिस्थ चन्द्र के समय गुरुदेव तुलाराशि में प्रविष्ट होकर संवत् के अन्त तक तुला राशि में ही रहेंगे।

तुला–राशिस्थ गुरु का शुभाशुभ फल

(28 सितम्बर, 2005 ई. से सं. 2062 वि. के अन्त तक के लिए)

राशि→	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
फल	सम्मान	रोग	सुख	धनहानि	शरीर कष्ट	धनलाभ	भय	आधि–व्याधि	प्रगति	धनहानि	धनलाभ	धननाश

राहु के संचार का शुभाशुभ फल

गत सं. 2061 वि. में 25 मार्च 2005 ई. को उ.फा. नक्षत्र एवं कन्या राशिस्थ चन्द्र के समय राहु 5 घं. 43 मि. (भा.स्टैं.टा.) पर मीन राशि में प्रविष्ट होगा जो कि संवत् 2062 वि. के अन्त तक मीन राशि में ही रहेगा।

मीन–राशिस्थ राहु का शुभाशुभ फल

(संवत् 2062 वि. के प्रारम्भ से अन्त तक के लिए)

राशि→	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
फल	विनाश	धनलाभ	कलह	दुःख	धननाश	राजभय	महासुख	धनक्षय	अपमान	सौभाग्य	कलह	भय

अथ नवग्रह स्तोत्रम्

जपाकुसुम संकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णव संभवम् ।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम् ।।
धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारं शक्तिहस्तं च मंगलं प्रणमाम्यहम् ।।
प्रियङ्गु कलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरुं काञ्चन–सन्निभम् ।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ।।
हिमकुन्द – मृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम् ।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम् ।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम् ।
सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम् ।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।।
इति व्यासमुखोद्‌गीतं यःपठेत्सुसमाहितः ।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशांतिर्भविष्यति।।
नर–नारी–नृपाणां च भवेत् दुःस्वप्ननाशनम् ।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम् ।।

शनिजन्य नेष्टफल शान्त्यर्थ शनैश्चर स्तोत्र

पिप्पलाद उवाच–

"ॐ नमस्ते कोण–संस्थाय पिंगलाय नमोऽस्तु ते। नमस्ते बभ्रुरूपाय कृष्णाय च नमोऽस्तु ते।।
नमस्ते रौद्र – देहाय नमस्ते चांतकाय च । नमस्ते यम–संज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ।।
नमस्ते मन्द – संज्ञाय शनैश्चर नमोऽस्तु ते। प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।।"

इस स्तोत्र को प्रातः पढ़ने से साढेसाती व ढैया की दुःखद, पीड़ा नहीं होती, अनुभूत है।

आकाशी कौंसिल का विचार (सं. 2062 वि.)

(संसार की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक स्थिति का ग्रहगोचर के आधार पर सर्वेक्षण)

विमृश्य ग्रह–संस्थितिं मुनिवचः सिद्धान्तयित्वा स्फुटम्, शास्त्रं शाकुनकं विचार्य नितरामालोच्य सत्संहिताः।।
राष्ट्रे राज–समाज–धर्म विषये ह्युदभाविनी या स्थितिः, सा शम्भोः कृपया यथामति मया प्रागेव निर्णीयते।।

- ✓ संवत् का राजा शनि एवं मन्त्री बुध होने से राजनैतिक असन्तोष बढ़े, दलित मजदूर वर्ग में मंहगाई से शासनवर्ग के प्रति टकराव की भावना, राजनैतिक हत्याकाण्ड, उग्रवादजन्य पीड़ा से काश्मीर आदि क्षेत्र अशान्त।
- ✓ 'विलम्बी संवत्सर' में प्रगतिप्रद योजनाओं में विलम्ब, वातावरण अशान्त, राजनीतिज्ञों में विरोध, विशिष्ट रोगों से जनता परेशान, कुछ भाग अकालग्रस्त।
- ✓ 25 मई तक पूर्वी भारत एवं तत्पश्चात् दक्षिणी भारत में अनेकत्र प्राकृतिक प्रकोप (भूकम्प–तूफान एवं यानदुर्घटना आदि) से भारी जनधनहानि।
- ✓ जुलाई 2005 ई. से फरवरी 2006 ई. तक शनि–मंगल की पोजीशन सत्तारूढ़ यू. पी. ए. सरकार के घटकतत्त्वों में असन्तोष बनाए, प्रधानमन्त्री का भारी राजनैतिक दलदल में से निकलना कठिन।
- ✓ एक ही महीने (आश्विन) में 3 एवं 17 अक्तूबर को सूर्य–चन्द्र ग्रहण का घटित होना अघटित राजनैतिक घटनाओं को जन्म देगा, राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में उथल–पुथल, कहीं प्राकृतिक प्रकोप भूकम्प आदि से भारी हानि।
- ✓ कार्तिक शुक्लपक्ष (2 से 15 नवं. तक) त्रयोदश दिनात्मक (13 दिन का) होने से विश्व के प्रतिष्ठित नेताओं के लिए भारी संकटपूर्ण रहे, कहीं सीमाप्रान्तों पर घोर अशान्ति, भूस्खलन, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप, यानदुर्घटना।
- ✓ दशाधिकारियों में शनि की पोजीशन से इस वर्ष मंहगाई को बढ़ावा, डीज़ल–पैट्रोल एवं जनजीवनोपयोगी वस्तुओं में अप्रत्याशित मंहगाई का संकेत।
- ✓ प्रधानमन्त्री जी की विवेकपूर्ण नीति से पड़ौसी देशों के साथ नए समीकरण बनें एवं भारत गरिमा प्राप्त करे।

"यद्भासा भासते सर्वं भू-नीर-गगनस्थितम्।
शिवाय सिद्धरूपाय तस्मै ज्योतिष्मते नमः।।"

समस्त–ब्रह्माण्ड के रहस्यों की स्पष्ट एवं उन अगम्य गूढ़ रहस्यों का विशकलन कर देने वाली एकमात्र मनुष्य की बुद्धि ही है– "एकमेव मतिर्बीजमनल्पा कल्पना ह्यतः।" भास्कराचार्य के कथनानुसार एवं प्रागैतिहासिक चिन्तन से यह बात स्पष्टतः सामने आती है, कि –प्राणीमात्र, विशेषतः मनुष्य की प्राकृतिक वस्तुओं के अन्वेषण, चिन्तन एवं उत्कण्ठाजन्य प्रवृत्ति से ही ग्रह–नक्षत्र आदि अनन्त रहस्यमय पिण्डों के बारे में रहस्योद्घाटन की जिज्ञासा पैदा हुई और परिणामतः 'ज्योतिषशास्त्र' का उद्गम हुआ है।

मनुष्य की सर्वप्रथम दृष्टि सूर्य एवं चन्द्र पर ही पड़ी। जिससे प्रभावित होकर इन्हें देवत्त्व प्रदान कर दिया गया । ज्योतिषशास्त्र में कालात्मा सूर्य सभी ग्रहों का प्रधान माना गया है। क्योंकि, विश्व में स्थावर एवं जंगम सभी सूर्य से ही भासमान एवं जीवन्त हैं। ग्रह, पृथ्वी, जलवायु, आकाश किंवा समस्त भूचक्र का भेद सूर्य क़ो ही ज्ञात है। ऋग्वेद की यह ऋचा भी इसी रहस्य का उद्घाटन करती है –

" चित्रं देवानामुदगादनीकं चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः।
आप्रा द्यावा पृथिवी अन्तरिक्षं सूर्य–आत्मा जगतस्तस्थुषश्च।।"

अतः यह बात भी नितांत सत्य है, कि सूर्य की प्राकृतिक व्यवस्था में तनिक भी रूपान्तर होने से दिग्दाह, उल्कापात, भूकम्प, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, युद्ध, महामारी, अराजकता आदि उपद्रवों से संसार त्रस्त हो जाता है। अतः स्पष्ट है, कि– आकाशीय पिण्डों (ग्रहों) का विश्वजनीन घटनाचक्र से कुछ सम्बन्ध अवश्य है। इस तथ्य को वैज्ञानिक विचारक एवं बुद्धिजीवियों का एक बड़ा वर्ग स्पष्ट स्वीकार करता है।

यथार्थ बात तो यह है, कि– ज्योतिष शायद सबसे पुराना विषय है और एक अर्थ में सबसे ज्यादा उपेक्षित भी। उपेक्षित इसलिए कि फलितशास्त्र, में शोध के लिए शासन उपेक्षा भाव लिए है। मनुष्यजाति के इतिहास की जितनी भी खोज हो सकी है, उसमें ऐसा कोई भी समय नहीं था जबकि, ज्योतिष मौजूद न रहा हो। इसलिए इसे पुरातनतम भी माना गया है।

विज्ञान 'कार्य–कारण के सिद्धांत पर' ही आधारित है। परन्तु आज भी असंख्य

घटनाएं ऐसी हैं, जिनका कारण समझने एवं समझाने में चोटी के वैज्ञानिक अपने आपको सर्वथा असमर्थ पा रहे हैं। सिद्धांतों के व्यभिचारमात्र से शास्त्र की वैज्ञानिकता का प्रतिवाद नहीं किया जा सकता। ज्योतिष चिरन्तन सत्य-सिद्धांतों पर आधारित एक विज्ञान है, जिसमें अभी अत्यधिक अनुसंधान की आवश्यकता है।

ऋग्वेद में पचानवें हजार वर्ष पूर्व ग्रहनक्षत्रों का वर्णन उपलब्ध है। महर्षियों द्वारा प्रस्फुरित इस शास्त्र पर गुरु-शिष्य परम्परया चिंतन व संशोधन-संवर्धन होते रहे हैं। प्रत्येक ग्रह जब अपनी गति स्थिति में अंतर लाता है, तभी विश्व का घटनाचक्र प्रभावित होता देखा गया है। इस पृथ्वी पर जो कुछ भी घटित होता अनुभव करते हैं, वह सब ग्रहों के वक्र-मार्ग आदि का ही परिणाम है। इस ग्रहगणितजन्य संकेत के आधार पर ही अपनी मति के अनुसार विश्व में जो भी प्रतिवर्ष घटित होता है, '' श्रीमार्त्तण्डपंचांग '' के माध्यम से प्रिय पाठकों के समक्ष उपस्थित करते हैं और यह इस प्रकाशन का 78वां गौरवपूर्ण वर्ष प्रारम्भ हो रहा है।

श्री वि. संवत् 2062 की ग्रहस्थिति के अनुसार विश्वजनीन घटनाओं की भविष्यवाणी प्रस्तुत करने से पहिले हम अपने विद्वान्-प्रबुद्ध पाठकों का आभार व्यक्त कर देना उचित समझते हैं, जिन्होंने लगातार 77 वर्षों तक हमारी भविष्यवाणियों का सही मूल्यांकन करके हमें आज 78वें वर्षप्रवेश पर भी इस बारे में कुछ लिखने को प्रोत्साहित किया है। पाठको ! आपका यह पंचांग अपनी सर्वांगशुद्ध गणित एवं आश्चर्यजनक भविष्यवाणियों के लिए भारत में ही नहीं, विदेशों में भी विश्रुत हो चुका है।

आपके इस लोकप्रिय पंचांग में प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाली आश्चर्यजनक अव्यभिचरित भविष्यवाणियों में साधारणवर्ग के व्यक्ति से लेकर भारतरत्न श्री जवाहरलाल नेहरु, श्रीमती इन्दिरा गांधी, प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद एवं अन्य गण्यमान्य प्रतिष्ठित-ऐतिहासिक महापुरुषों की अभिरुचि रही है। आज भी यह पंचांग अपनी सफल आश्चर्यचकित कर देने वाली भविष्यवाणियों के कारण तथा ग्रहण आदि पंचांग-गणित की सूक्ष्मता एवं शुद्धि के कारण भारत में ही नहीं, विदेशों में भी लोकप्रिय है और भारत में अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है।

भारत-पाक विभाजन, बंगलादेश का अस्तित्व में आना; श्री जवाहरलाल नेहरु, श्रीलालबहादुर शास्त्री, श्रीमती इन्दिरागांधी के शासन का अंत एवं मृत्यु की सूचना; भारत-पाक युद्ध; भारत-चीन युद्ध; विदेश में घटित होने वाले महत्त्वपूर्ण घटनाचक्र; समय-समय पर भारत की राजनीति में विशेष परिवर्तनों एवं अन्य घटनाचक्र की सूचना एवं ऐतिहासिक भूकम्प आदि की अव्यभिचरित भविष्यवाणियों के लिए यह पंचांग सम्पूर्ण भारत किंवा विदेशों में भी ख्यातनामा हो चुका है।

सं. 2062 वि. की ग्रहस्थिति के आधार पर भावी घटनाओं पर विचार करने से पूर्व सभी स्तब्ध कर देने वाली भविष्यवाणियों की चर्चा करना तो स्थानाभाव के कारण संभव नहीं है, लेकिन गत तीन-चार वर्षों की कुछ भविष्यवाणियों की चर्चा करना प्रासंगिक समझते हैं, ताकि फलितशास्त्र की प्रामाणिकता को स्थापित किया जा सके।

(1) गुजराल सरकार के गिर जाने की भविष्यवाणी –

''संयुक्त मोर्चा की कुण्डली के अनुसार इस वर्ष सत्तारूढदल (संयुक्त मोर्चा) में संवत् के पूर्वार्ध में ही विशेष परिवर्तन आने के योग हैं। नवम्बर '97 से संयुक्त मोर्चा पर अन्य प्रभावी दलों के प्रहार प्रारम्भ होंगे। घटकदलों में एकता कमजोर होगी और कांग्रेस द्वारा समर्थन छलावा सिद्ध होगा। संवत् 2055 वि. के प्रारम्भिक मास गुजराल सरकार के लिए ऐतिहासिक घटना वाले सिद्ध होंगे।''

''श्री गुजराल जी की शपथ ग्रहणकालीन कुण्डली में शनि-मंगल का षडष्टकयोग एवं कर्मेश गुरु की नीच राशि में स्थिति 7 जनवरी 1998 ई. से पूर्व इनके लिए विषम परिस्थितियों को जन्म देने वाली है। इस अवधि में संयुक्त मोर्चा सरकार की गतिविधि पर विशेष आक्षेप होंगे। कुछ पार्टियां अपनी अस्मिता को बनाए रखने के लिए स्वतंत्र सिद्धांतों के कारण विमुख होने लगेंगी। कांग्रेस अपनी कई शर्तें समक्ष रखेगी और इस प्रकार संवत् के पूर्वार्ध से भी पहिले ही गुजराल सरकार संकट को पार करने में असमर्थ अनुभव करेगी। कदाचित् शनि के मीन में आने पर (7 जनवरी के बाद) यह सरकार चलती है तो 4 अप्रैल से 14 मई तक तथा 16 नवम्बर से संवत् के अंत तक का समय सत्तारूढ़ पार्टी के लिए तथा प्रधाननेताओं के लिए विशेष घटनापूर्ण किंवा सत्ता से विलग होने वाला सिद्ध होगा।''

इस भविष्यवाणी की सत्यता पर हमें देश-विदेश से अनेकों पत्र प्राप्त हुए हैं और आज फलितज्योतिष पर आस्था न रखने वाले व्यक्ति भी ज्योतिषशास्त्र की प्रामाणिकता को स्वीकार करने लगे हैं। यह 'श्रीमार्त्तण्डपंचांग' के लिए गौरव की ही बात है।

(2) 16 अप्रैल सन् 1999 ई. को **भाजपा सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित,**– भारत में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन की भविष्यवाणी, पढ़ें – सं. 2056 वि. में पृ. 31, कॉलम 1, पंक्ति 2 के बाद –

भविष्यवाणी :– **''गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार संवत् के आरम्भ में ही संवत् का रक्षामंत्री .... 22 अगस्त तक चलेगा,– यह समय केन्द्रीय शासनसत्ता के सामने विशेष समस्याओं को लाकर खड़ा कर देगा और सरकार को 16 अप्रैल 1999 ई. तक इन समस्याओं को सुलझाना कठिन हो जाएगा, भारत की राजनीति में अचिन्तित घटनाचक्र चलेगा। राजनीतिक पार्टियों में नए समीकरण बनेंगे। तोड़-फोड़-जोड़ की नीति प्रबल होगी और सत्तारूढ़दल के घटक (सहायक) दल छिटकने लगेंगे, कोई आश्चर्य नहीं यदि इस अवधि में कोई विशेष राजनीतिक परिवर्तन हो जाए।''**

भारत की जनता 16/17 अप्रैल को भाजपा सरकार के गिर जाने से अवाक् रह गई। इस प्रकार भारत में एक विशेष राजनैतिक परिवर्तन आया।

(3) 12-10-99 ई. को नवाज़शरीफ का तख्ता पलट–

भविष्यवाणी :–'' पाकिस्तान में नवाज़शरीफ जी के खिलाफ बगावत होकर संवत् 2057 वि. के प्रारम्भ से पूर्व ही सत्ता से च्युत हो जाने का योग है। ....लोकतंत्र खतरे में पड़ेगा, सेना का अधिक दबदबा संभव है।''

(पढ़ें– श्रीमार्त्तण्डपंचांग सं. 2057 वि., पृ. 24 कॉलम 2)।

(4) लोकसभा निर्वाचन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चा को सरकार बनाने का अवसर मिला।

भविष्यवाणी:– ''निर्वाचनकालीन गोचरग्रहस्थिति के अनुसार 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चा' सरकार बनाने की स्थिति में आ सकेगी।'' (सं. 2057 वि., पृ. 28, कॉलम 1)।

(5) सं. 2057 वि. के पंचांग में की गई भविष्यवाणियों के आकलन करने पर 26 जनवरी 2001 ई. को गुजरात में आने वाले भूकम्प का उल्लेख आश्चर्य चकित कर देने वाला था–

भविष्यवाणी :– "13 दिसम्बर को मंगल तुला में आकर 2 फरवरी सन् 2001 ई. तक शनि के साथ षडष्टकयोग बनाएगा। उसके बाद 3 फरवरी से संवत् के अंत तक शनि–मंगल का समसप्तकयोग बना रहता है। यह ग्रहस्थिति विश्व में अघटित घटनाचक्र का आभास कराती है। किसी राष्ट्रविशेष में भूकम्प, जलप्लाव आदि प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि होगी।" (देखें– श्रीमार्त्तण्डपंचांग सं. 2057 वि., पृ. 24, कालम 1)।

(6) " आत्मघाती उग्रवादियों द्वारा अमेरिका पर 'विश्व का सबसे बड़ा हवाई हमला –विश्व स्तब्ध"

भविष्यवाणी :– "वर्षेश चन्द्र का शुक्र के साथ समभाव है, लेकिन वर्ष के मंत्री शुक्र का वर्षेश चन्द्र के साथ शत्रुभाव होने से संकेत मिलता है, विश्व के राष्ट्रसमुदाय में से किसी देश का कोई राजनीतिज्ञ अपनी हठधर्मिता एवं अविमृश्यकरिता से विश्व के किसी देश–विशेष की शान्ति को भंग करेगा, जिससे विश्व का घटनाचक्र प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा। इस वर्ष मुस्लिम– समुदाय का कोई राष्ट्र अपनी कुनीति के कारण .... देशों में युद्ध का सूत्रपात करेगा; अपने उग्रवादी–समुदाय द्वारा मुस्लिमराष्ट्र प्रच्छन्नरूप से कुछ राष्ट्रों में वातावरण को अशांत करेंगे।"– (श्रीमार्त्तण्डपंचांग सं. 2058 वि. पृ., 24, कॉलम 1, लाईन 12 से 18 तक); साथ ही श्रीमार्त्तण्डपंचांग सं. 2058 वि. के पृ. 24 पर और भी स्पष्ट किया गया था –

"इस वर्ष गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार विश्व के कुछ मुस्लिमराष्ट्रों में आन्तरिक क्रान्ति, अशांति एवं युद्ध की संभावना भी बनती है। जगत् लग्न कुण्डली में केन्द्र में क्रूरग्रह होने से मेष, वृष, मिथुन, कन्या, कुम्भ, मीन प्रभावराशि वाले देशविशेष प्राकृतिक प्रकोप एवं राजनैतिक घटनाक्रम किंवा हत्याकाण्ड, विस्फोट, ज्वालामुखी विस्फोट आदि की घटनाओं के लिए विशेष चर्चित रहेंगे। पाक, जापान, चीन, रूस, अफगानिस्तान, अमेरिका, कम्बोडिया, इराक, ईरान, साइप्रस, पोलैण्ड, आयरलैण्ड, नॉर्वे आदि राष्ट्रों में विशेष घटनाएं घटित होंगी।"

ठीक, उपरोक्त भविष्यवाणी के अनुसार अफगानिस्तानी लाडेन आदि उग्रवादियों के संकेत पर आत्मघाती उग्रवादियों द्वारा विमानों से अमेरिका के दो टावर वर्ल्ड ट्रेड सेंटर एवं पैंटागन (सैनिक मुख्यालय) पर हमला कर देने से अरबों रुपए की सम्पत्ति का नाश एवं लगभग 25 हजार से भी अधिक व्यक्ति कालकवलित हो गए।

(7) 'मुस्लिम–देश' – शीर्षक में पाकिस्तान आदि मुस्लिमराष्ट्रों की जो स्थिति ग्रहस्थिति के अनुसार लिखी थी, तदनुसार ही घटनाचक्र चल रहा है;–(पढ़ें– श्रीमार्त्तण्डपंचांग सं. 2058 वि., पृ. 26, कॉलम 2 पर) ।

भविष्यवाणी:– "26 अगस्त से 17 अक्तूबर तक मंगल–शनि का षडष्टकयोग एवं 4 अप्रैल 2002 ई. से संवत् के अन्त तक की ग्रहस्थिति मुस्लिमराष्ट्रों के लिए विशेष भयावह प्रतीत होती है। ग्रहस्थिति के अनुसार पाकिस्तान में उदारवादी लोकतंत्र की स्थापना शीघ्र संभव नहीं है। .... गोचरग्रहस्थिति के अनुसार पाकिस्तान को 13 दिसम्बर 2001 ई. से 23 जून 2002 ई. तक भारी दुर्घटनाओं, राजनीतिक उलझनों एवं प्रशासनिक दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद यहां प्रशासनिक परिवर्तन होंगे। अफगानिस्तान ...... में आतंकवाद पनपेगा एवं पड़ौसी देशों के लिए भी संकट पैदा होगा।"

इस भविष्यवाणी की सत्यता पाठक स्वयं अनुभव कर रहे हैं, आगे भी उल्लिखित भविष्यवाणी के अनुसार ठीक इसी प्रकार घटित होता अनुभव हो रहा है।

(8) 'राजधानी एक्सप्रैस दुर्घटना ग्रस्त'– ' वर्ष की भीषणतम दुर्घटना'– (पंजाब केसरी– 10 सितं.)

भविष्यवाणी:–" शनि–शुक्र दोनों 10/11 अक्तूबर से 20 नवम्बर तक एक साथ वक्री चलते रहते हैं। जुलाई से 14 नवम्बर तक सभी ग्रह राहु–केतु के मध्य ही संचरण कर रहे हैं। इस प्रकार चल रहा 'कालसर्पयोग' राजनीतिज्ञों में वैमनस्य, पश्चिम भूभाग पर अशान्ति, यानदुर्घटना में भारी जनधनहानि के योग बनाएगा।"

ठीक, 9 सितं. की रात्रि में हावड़ा से दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रैस दुर्घटना ग्रस्त हो गई; 125 मरे और 200 से अधिक घायल हुए। इन दिनों अमेरिका–इराक में संघर्ष से पश्चिमी भूभाग अशान्त भी रहा।

संवत् 2059 एवं 2060 वि. के पंचांग से कुछेक आश्चर्यजनक भविष्यवाणियां उद्धृत की जा रही हैं, जिनकी सत्यता से 'श्रीमार्त्तण्ड पञ्चांग' की लोकप्रियता को चार चांद लगे हैं।

(प) 1 फरवरी, सन् 2003 ई. को अमेरिका का "कोलम्बिया अन्तरिक्ष शटल यान" दुर्घटना का शिकार। भारतीय मूल की श्रीमती कल्पना चावला सहित सभी सातों अन्तरिक्ष यात्री मारे गए।"

भविष्यवाणी :– (देखें– 'श्रीमार्त्तण्ड पञ्चांग' सं. 2059 वि.– पृ. 43, कालम 1, पर पंक्ति 9 पर लिखी पंक्तियां)– " जनवरी 2003 से फरवरी के मध्य कहीं.......यानदुर्घटना में ... भारी विनाश के साथ कहीं वरिष्ठ व्यक्तियों की मृत्यु से शोक व्याप्त हो।" (इसी बात की स्पष्ट पुष्टि पृष्ठ 46 पर, कालम 2 में दूसरे संदर्भ की अन्तिम पंक्तियों में पढ़ें;–" माघी अमा 1 फरवरी (2003) शनिवारी होने से किसी प्रतिष्ठित गण्यमान्य व्यक्ति की मृत्यु से शोक व्याप्त होगा।" – श्रीमती कल्पना चावला के निधन से भारत एवं सम्पूर्ण विश्व शोकग्रस्त हो गया – इस भविष्यवाणी को पढ़कर अमेरिका के पाठक भी स्तब्ध रह गए।

(ii) भविष्यवाणी :– (श्री मार्त्तण्डपंचांग सं. 2059 वि. पृष्ठ 43 कालम 2, सदर्भ 3) " 23 फरवरी 2003 से शनि–मंगल का षडष्टकयोग 3 जून, '03 तक चलेगा। इस समय चीन, अमेरिका, इराक, भारत, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान एवं कुछ अन्य राष्ट्रों में सीमाप्रान्तों पर सैनिक हलचल एवं राजनैतिक परिवर्तन व राजनीतिक हत्याकाण्डों से वातावरण अशान्त रहेगा। कहीं सत्ता–हस्तान्तरण किंवा यानदुर्घटना में जनधनहानि के समाचार मिलेंगे।"

इस भविष्यवाणी की सत्यता के प्रमाण निम्नांकित हैं :–

(अ) 14 मार्च को सर्विया के प्रधानमन्त्री की बेलग्रेड में गोली मारकर हत्या (राजनीतिक हत्याकाण्ड)।

(ब) 30 मार्च को अमेरिका और मित्रदेशों द्वारा इराक पर आक्रमण तथा युद्ध प्रारम्भ (विशेष ऐतिहासिक घटना)।

(स) 9 अप्रैल को इराक में 24 वर्षों से चला आ रहा सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हुआ। राजनीतिक परिवर्तन एवं सत्ता–हस्तान्तरण से स्पष्टतः अमेरिका के हाथ में बागडोर चली गई।

(ये उल्लिखित भविष्यवाणी की सत्यता के स्पष्ट उदाहरण हैं।)

(iii) भविष्यवाणी :– श्री मार्त्तण्ड पंचांग (सं. 2060 वि.) पृष्ठ 28, कॉलम 1, स्टैंज़ा 4 में पढ़ें–

"मई–मध्य में (16 मई के लगभग) कहीं भूकम्प, प्राकृतिक प्रकोप व दुर्घटना में जानी–माली नुक्सान किंवा चान्द्रमास ज्येष्ठ में पांच शनिवार होने से कहीं अग्निकाण्ड, बमविस्फोट, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से हानि हो, पूर्वोत्तर के मध्यवर्ती देशों में कहीं भारी हानि के योग हैं।"

22 मई, 2003 ई. को साइबेरिया में भूकम्प से 11 हजार व्यक्ति मरे; यह दुःखद घटना, उल्लिखित भविष्यवाणी में लिखित भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से भारी हानि, जानी–माली नुक्सान को सत्यापित कर रही है।

(iv) अमेरिका के पूर्वी हिस्से में भीषण चक्रवाती तूफान से भारी तबाही की भविष्यवाणी (पढ़ें–सं. 2060 वि. के 'श्रीमार्त्तण्ड पञ्चांग' के पृ. 32, स्टैंजा 5 में–)

" सितम्बर मास में कहीं प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि का योग बनेगा।"

संक्षेपेण सं. 2061 वि. की सफल भविष्यवाणियों की चर्चा कर देना प्रासंगिक होगा।

(1) "तात्पर्य यह है, कि– मंगलग्रह कम्युनिस्ट एवं माओवादी संगठन का प्रतिनिधि है। विदेशों में एवं भारत में प. बंगाल, बिहार, आन्ध्रप्रदेश, तामिलनाडु, नागालैण्ड, पूर्वी उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, मिजोरम, त्रिपुरा आदि में कुछ देशद्रोही, नक्सली आन्दोलन को तीव्रता मिलेगी, लेकिन सूर्य (प्रधान शासक) एवं बृहस्पति (बुद्धिजीविवर्ग का मालिक) अपनी कुशल नीति से इन आन्दोलनों को कुचलने हेतु विशेष रणनीति बनाएंगे; जिससे सीमाप्रान्तों पर उग्रवाद–दमनार्थ विशेष योजनाएं बनें। अधिक खर्च देश–गौरवार्थ ही होगा।

(श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 25, कॉलम 2, अन्तिम स्टैंजा)

स्पष्ट है– कि 'माओवादी' आतंकवादियों के बढ़ रहे प्रभाव से सरकार विशेष प्रबन्धन के लिए विवश है।

(2) नेपाल में पनप रहा माओवाद पड़ौसी देशों को भी परेशान करेगा। परिणामस्वरूप राजनैतिक हत्याकाण्ड, बम विस्फोट आदि भी कई बार अशान्ति का कारण बनेंगे। (श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 26, कॉलम 2, अन्तिम पंक्तियां)।

पाठक जानते हैं कि –नेपाल में भयकर रूप से पसर रहा माओवाद भारत व नेपाल के प्रतिवेशी राष्ट्रों के लिए भी सिरदर्द बन रहा है। पड़ौसी राष्ट्र इस दृष्टि से भारी चिन्तित हैं।

(3) "शनि–मंगल एवं प्लूटो की स्थिति के मुताबिक उग्रवाद एक भयंकर अन्तर्राष्ट्रीय समस्या के रूप में विश्व के प्रतिष्ठित देशों को चिन्तित करेगा; समस्या का हल सहज संभव नहीं। यह उग्रवाद की समस्या संवत् के अन्तिम 4/5 मासों में विशेष उग्ररूप धारण कर सकती है।"

(श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 26, कॉलम 1, अन्तिम पंक्तियां)

अमेरिका–रूस–नेपाल–ब्रिटेन–भारत आदि राष्ट्र इस भयानक उग्रवादरूपी महामारी से स्पष्टतः चिन्तित हैं; आज शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों के समक्ष यही एक बड़ी समस्या उभरी हुई है, जिसके हल के लिए सम्मेलन होते रहते हैं।

(4) "27 अप्रैल को मंगल मिथुन राशि में आकर शनि के साथ राशि–सम्बन्ध बना लेगा। यह शनि–मंगल का सम्बन्ध 13 जून तक चलेगा। इस अवधि में भयंकर अग्निकाण्ड, उग्रवादजन्य उन्माद से किसी देश से भयंकर विनाश का समाचार मिलेगा।"

(श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 27, कॉलम 2,)

(A) स्पष्ट है, कि– 24 अप्रैल को थाईलैण्ड में 100 से अधिक उग्रवादियों को सुरक्षाबलों ने मार दिया था।

(B) पाकिस्तान में 7 मई को खचाखच भरी मस्जिद में आत्मघाती बमविस्फोट से 13 लोगों की मृत्यु तथा 200 से अधिक लोग घायल हुए।

(C) 9 मई को आतंकवादी बमविस्फोट में चेचन्या के राष्ट्रपति अखमद केडीरोव सहित 31 लोगों की मृत्यु हुई। राजधानी के एक स्टेडियम में विजय दिवस समारोह के समय यह दुःखद घटना हुई।

(D) 17 मई को इराकी कौंसिल के प्रधान ABDEL ZAHRAA OTHMAN की आत्मघाती बम्ब ब्लास्ट में मृत्यु हुई।

(5) " 5 मई को गुरु मार्गी होगा, उच्च सूर्य पर गुरु की विशेष दृष्टि भी होगी।....... देश में सुभिक्ष, शुभ समाचार, नई योजना एवं शासनपद्धति से जनमानस आश्वस्त रहे।"

(श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 154, लोकभविष्य)

इस भविष्यवाणी की सत्यता के परिणामस्वरूप 6 मई को चीन के नए मानचित्र से सिक्किम को भारत का प्रान्त दिखाया गया; चीन के मानचित्र से सिक्किम गायब रहा।

(6) "लगभग 4 जून से 2 जुलाई तक बुध का अतिचार....... या प्रतिष्ठित व्यक्ति का निधन हो।" (श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 21, 6–7 पंक्ति)

ठीक, इस भविष्यवाणी के अनुसार अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति (प्रतिष्ठत व्यक्ति) श्री रीगन का 6 जून को निधन हुआ।

(7) "श्रावण चान्द्रमास में (3 से 31 जुलाई तक) पांच शनिवार हैं।.......कहीं अग्निकाण्ड से जनधनहानि के योग बनते है।"

(श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि. पृ. 32, कॉलम 1)

एतदनुसार तामिलनाडु के कुम्भकोणम् शहर के एक स्कूल में 16 जुलाई को भयंकर अग्निकाण्ड में 87 बच्चे जल गए।

(8) " भारत का जलवायु एवं वर्षा" शीर्षक के अन्तर्गत सं. 2061 वि. के पंचांग पृ. 33, कॉलम 2 में लिखा था– "जुलाई 3 से 5 एवं 10 जुलाई को.......आसाम आदि में भारी वर्षा से हानि होगी।"

तदनुसार 10 जुलाई को आसाम, अरुणाचलप्रदेश एवं बिहार में भयंकर बाढ़ से स्थिति विषम हो गई, परिणामस्वरूप जानमाल–रक्षार्थ सेना की मदद लेनी पड़ी।

(9) सं. 2061 वि. में भाजपा एवं एन. डी. ए. (N.D.A.) सरकार की नाटकीय तख्तापलट की भविष्यवाणी– " 6 मई से 27 मई तक शुक्र, मंगल, शनि की एक साथ मिथुनराशि में स्थिति देश की शासनसत्ता को घोर चक्रव्यूह में फंसा सकती है। कहीं सत्तापरिवर्तन एवं घोर आन्तरिक, साम्प्रदायिक अशान्ति से परेशानियों का सामना सत्तारूढ़ दल को करना पड़ेगा।"

तदनुसार चौहदवीं लोकसभा के परिणामों के अनुसार 13 मई, 2004 ई. को N.D.A. को 185, कांग्रेस को 220 तथा अन्य दलों को 134 सीटें प्राप्त हुईं। श्री अटलबिहारी वाजपेयी महोदय ने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति जी को सौंप दिया।

(10) भाजपा एवं सम्मान्य भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्मांङ्ग के आधार पर की गई भविष्यवाणी आश्चर्यजनक रूप से सटीक सही सिद्ध हुई है, (पढ़ें– श्रीमार्त्तण्ड पंचांग– सं. 2061 वि., पृ. 31, कॉलम 2 पर) –

"गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार भाजपा का नेतृत्व अटल जी ही करेंगे। गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार आगामी वर्ष में भाजपा को आशानुरूप सफलता प्राप्त होती मालूम नहीं देती। .... सहयोगी दल ही भाजपा का विरोध करके धर्मनिरपेक्ष नए किसी मोर्चे का निर्माण हो जाएगा, जो कि– सत्ता का भागीदारी न होने देगा। "

गतवर्ष (18 सितम्बर 2003 ई. को) की गई इस भविष्यवाणी ने राजनीतिज्ञों एवं अन्य पाठकों को फलित ज्योतिष की सत्यता को स्वीकार करने पर विवश कर दिया एवं पंचांग के प्रशंसकों ने हमें जो मान प्रदान किया है, उसके लिए हम आभारी हैं। ठीक, इस भविष्यवाणी के अनुसार राजग के कुछ घटक निर्वाचन से पूर्व ही छंट गए। नए धर्मनिरपेक्ष मोर्चे का निर्माण हुआ और पार्टी से जनता के मोहमंग ने छण्क्०ग को सत्ता से अलग कर दिया।

(11) कांग्रेस पार्टी की कुण्डली पर विचार करते हुए सं. 2061 वि. के पंचांग में पृ. 34, कॉलम 2 पर आगामी 'त्रिशंकु' लोकसभा की घोषणा सुस्पष्ट कर दी गई थी एवं कांग्रेस पार्टी के सत्ता हथियाने की भविष्यवाणी भी कम आश्चर्यजनक नहीं थी–

"श्रीमती प्रियंका बडेरा सक्रिय राजनीति में यदि पदार्पण करती हैं तो कांग्रेस कुछ सीटें अधिक पा सकेगी। लेकिन, स्वतन्त्ररूप से सरकार बनाने का दावा फिर भी नहीं बन पाएगा। प्रान्तीय किंवा छोटे दलों का सहयोग लोकसभा निर्वाचन में निर्णायक सिद्ध होगा। अगली लोकसभा के परिणाम त्रिशंकु संसद के रूप में ही सामने आएंगे। ....ग्रहगोचर के अनुसार एक तीसरा राजनीतिक दलीय ध्रुवीकरण सामने आएगा; उसका सहयोग ही कांग्रेस या भाजपा को सत्ता में ला सकेगा। कांग्रेस अन्य क्षेत्रीय–पार्टियों से तालमेल करके सत्ता हथियाने में सफल हो सकती है।"

इस भविष्यवाणी के अनुसार 'लोकसभा त्रिशंकु' ही बनी एवं नए मोर्चे के निर्माण से कांग्रेस सत्ता हथियाने में सफल रही।

इस प्रकार प्रतिवर्ष अनेकों आश्चर्यचकित कर देने वाली अव्यभिचरित भविष्यवाणियों की सफलता का श्रेय 77 वर्षों से आपके इस लोकप्रिय पंचांग को प्राप्त होता आ रहा है। सभी सफल भविष्यवाणियों का उल्लेख/चर्चा स्थानाभाव के कारण यहां संभव नहीं।

पाठको ! श्रीमार्त्तण्ड पंचांग के माध्यम से की गई या की जा रही भविष्यवाणियों की सफलता का श्रेय जो आप हमें दे रहे हैं, वह सब पूर्वाचार्यों एवं ज्योतिषशास्त्र के मर्मज्ञ गुरुचरणों की कृपा ही है या जनता जनार्दन के सौहार्द का परिणाम। हम उन पाठकों के भी आभारी हैं, जो विभिन्न प्रान्तों से पत्राचार द्वारा भविष्यवाणियों की सफलता पर बधाई भेजकर हमें भावी वर्षों में ग्रहगतिजन्य संकेतों के आधार पर कुछ न कुछ लिखने के लिए प्रेरित करते रहते हैं।

संवत् 2062 वि. की ग्रहपरिषद् के अधिकारियों का विश्व पर प्रभाव

ज्योतिष के अनुसार ब्रह्माण्ड के सभी क्रियाकलाप ग्रहों द्वारा नियन्त्रित हैं। आकाश में जो भी ग्रहनक्षत्र हैं, उनसे यह पृथ्वी किंवा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड अप्रभावित नहीं रहते– यह ज्योतिष का एक मूलभूत सिद्धांत है। ग्रहों की प्रभाव–परिधि में ही विश्व का घटनाचक्र अहर्निश चलता रहता है। महाकवि श्रीहर्ष ने इस सिद्धान्त की सत्यता को स्पष्टतः स्वीकारा है–

"अवश्यभव्येष्वनवग्रह–ग्रहा यया दिशा धावति वेधसःस्पृहा।
तृणेन वात्येव तयानुगम्यते जनस्य चित्तेन भृशावशात्मनः।। ' '– *(नैषधचरित)*

जिस तरह पृथ्वी पर लोकतांत्रिक राज्य की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री आदि के चुनाव होते हैं और उन निर्वाचित व्यक्तियों के गुण–कर्म–स्वभाव–योग्यता का प्रभाव उनके अधिकृत क्षेत्रों पर पड़ता है, इसी प्रकार अखिलेश्वर प्रभु की इच्छा से निर्मित आकाशीय शिशुमार चक्रस्थ ग्रहों की परिषद् में संसारचक्र को चलाने के लिए प्रतिवर्ष दिव्य एवं अद्भुत शक्तिमती आकाशी कौंसिल का निर्माण होता है। इस आकाशीय कौंसिल में ग्रहों की शुभाशुभ प्रकृति के अनुकूल संसार में जो उलट–फेर एवं अघटित घटनाएं होती हैं, उन्हें अपनी तुच्छमति के अनुसार त्रिकालज्ञ दैवज्ञों द्वारा लिखित ग्रन्थों के अनुसार वि. सं. 2062 के घटनाचक्र के बारे में कुछ लिखने की चेष्टा कर रहे हैं।

इस वर्ष (संवत् 2062 वि.) की ग्रहपरिषद् में 7 पद क्रूरग्रहों को प्राप्त हुए हैं, तीन पार्षद ग्रह सौम्य हैं। इस असन्तुलित ग्रहपरिषद् में तीन अधिकारक्षेत्रों का स्वामी शनि एवं तीन अधिकारक्षेत्र मंगल के पक्ष में गए हैं– दोनों महाक्रूर हैं। किसान, दलित एवं असन्तुष्ट वर्ग के प्रतिनिधि ये युद्धप्रिय दोनों ग्रह ग्रहपरिषद् में विशिष्ट–स्थानों के अधिपति हैं। शनि संवत्सर का राजा है। रोग–विशेष से जनजीवन त्रस्त होगा। राजनीतिज्ञों में परस्पर वैमत्य किंवा कुछ देशों में उग्रवादजन्य छद्मयुद्ध से शासक एवं जनसाधारण परेशान रहे। क्योंकि, इस वर्ष 25 मई तक शनि की दृष्टि पूर्वदिशा की तरफ रहेगी, तत्पश्चात् संवत् के अन्त तक शनि की दृष्टि दक्षिण दिशा की तरफ रहेगी, अतः पूर्वी एवं दक्षिणी भूभाग पर किंवा कुछ पूर्वी एवं दक्षिणी प्रान्तों में कहीं भयंकर प्राकृतिक प्रकोप से अधिक जनधनहानि के योग स्पष्टतः दिखाई देते हैं। किसी देश–विशेष में अकाल की स्थिति, प्राकृतिक प्रकोप किंवा युद्धजन्य विनाशभय से जनता अपना स्थान छोड़कर दूसरे स्थान पर आश्रय लेने को विवश रहे।

इस ग्रहपरिषद् में संवत् का प्रधानमन्त्री पद बाल एवं कमजोर ग्रह बुध को प्राप्त हुआ है। शनि, बुध को मित्रभाव से देखता है। बुध अपने प्रभाव एवं गतिविधि को

ठीक ढंग से नहीं निभा पाएगा और शनि की नीति के अनुकूल ही कार्य करने को विवश होगा। शनि, सस्येश एवं नीरसेश भी है, अतः किसानवर्ग भारी परेशानी में रहे। अमेरिका आदि देश भारी शस्त्रास्त्र–विक्रय करेंगे, महगाई से साधारणजन दब जाएगा।

युद्धप्रिय मंगल वर्षा–पानी का स्वामी होने से कहीं भयंकर सूखा, कहीं भयंकर बाढ़ से जनधनहानि होगी। तापमान में अधिकता से जनता में परेशानी व मृत्युदर अधिक रहे। फल–फूल आदि का स्वामित्व भी मंगल–ग्रह को प्राप्त है। एड्स, हृद्रोग, टी.बी., पीलिया, हैपेटाइटस आदि रोगों का प्रसार अधिक होगा। त्वचा रोग भी बढ़ेंगे। वृक्षों में फल–फूल की पैदावार कम होगी। किन्हीं दो देशों में युद्धमय वातावरण से अशान्ति रहे–" **नृपतयो बहु विग्रहकारकाः"–**

इस वर्ष मंगल को सबसे महत्त्वपूर्ण पद सेनानायक (दुर्गेश) का प्राप्त हुआ है। शनि राजा एवं दुर्गेश मंगल– ये दोनों विश्व में कहीं मुस्लिमराष्ट्र में भयंकर युद्धाग्नि प्रज्वलित करेंगे। ग्रहपरिषद् के ये दोनों महत्वपूर्ण पार्षद " **युद्धदौ शनि–माहेयौ तथा दुर्भिक्षकारकौ** "– प्रमाणानुसार अपनी प्रकृति के अनुसार कहीं विशिष्टव्यक्ति की हत्या से विश्व के राष्ट्रों को स्तब्ध करेंगे। कहीं शस्त्रभण्डारण की प्रवृत्ति को बल देंगे। परमाणु शस्त्रास्त्र निर्माण गुप्तरूप से चलेगा।

इस वर्ष का धान्येश गुरु होने से धान्यसंग्रह किंवा धान्यभंडारण अधिक होगा। इस वर्ष का रसेश चन्द्र शुभ है। इस वर्ष कोष–खजाने का मालिक शुक्र है। विश्व के समृद्ध देशों की प्रभुसत्ता को कुछ चोट पहुंचेगी। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए विकासशील देशों की समस्याओं पर विचार–समाधानार्थ समृद्ध देशों को आगे आना होगा।

इस ग्रहपरिषद् में शनि–मंगल के पदों को दृष्टि में रखते हुए स्पष्ट आभास होता है, कि– यान्त्रिकीकरण की तरफ बड़े देशों की प्रवृत्ति अधिक रहेगी। विश्व में मारक शस्त्रास्त्रों का प्रयोग करके प्रमुख देश कहीं उग्रवाद को दबाने का प्रयास करेंगे, लेकिन यह समस्या विश्वव्यापी अनुभव होने लगेगी। शान्तिभंग की आशंका यत्र–तत्र बनी रहेगी।

इस वर्ष शनि–मंगल का समसप्तक एवं दशम–चतुर्थ सम्बन्ध विश्व के प्रमुख राष्ट्रों के शासकों को चिन्तातुर रखेगा। कहीं अग्निकाण्ड से भारी जनधनहानि, कहीं भूकम्प से विनाशलीला का दृश्य उपस्थित करेगा। इस वर्ष सीमाप्रान्तों पर अवांछित तत्त्वों से अशान्ति, कहीं सैन्यसंघर्ष रहे। मुस्लिमराष्ट्रों में कहीं आन्तरिक घोर अशान्ति किंवा हत्याकाण्ड से प्रमुखदेश चिन्तित रहेंगे।

सं. 2062 वि. की गोचर ग्रहस्थिति एवं जगत् लग्नकुण्डली के अनुसार विश्वजनीन घटनाओं पर एक नजर

जगत्लग्न कुण्डली में योजना एवं खर्च खाने का स्वामी मंगल उच्च है। नवमेश सूर्य भी योजना स्थान में उच्च है। यह ग्रहस्थिति विश्व के बहुचर्चित प्रमुख देश भारत, इंग्लैण्ड, अमेरिका आदि में विशेष राजनैतिक सम्बन्ध स्थापित होने का संकेत देती है। उग्रवाद के खिलाफ विशेष सन्धियां होंगी। आतंकवाद के खिलाफ अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रयत्न होंगे। समृद्ध देश विकासशील देशों के साथ रक्षा, परमाणु, अन्तरिक्ष कार्यक्रम एवं उच्च तकनीक वाले व्यापारिक–क्षेत्र में सहयोग देने के लिए वचनबद्ध होंगे।

जगत् लग्न कुण्डली

10 मं. | 8 | 11 | 9 | 7 | 12 रा. बु. | गु. 6 के. | सू. | 3 | 1 शु. | श. | 5 | 2 चं. | 4

वर्षकुण्डली में मृत्युस्थान का स्वामी चन्द्रमा, शत्रुस्थान में उच्च होकर बैठा है। लेकिन उच्चस्थ चन्द्र पर बृहस्पति की विशेष दृष्टि है। अतः वृषराशि से सम्बन्धित देश विशेषतः इराक में अमेरिका द्वारा स्थापित शासनसत्ता का इस वर्ष भारी विरोध होगा, लाखों की संख्या में विद्रोही सक्रिय रहेंगे। ईरान में भी उग्रवादियों का खात्मा अमेरिका या अन्य कोई भी देश अभी न कर सकेगा। यह विद्रोह–विष प्रमुख देश–विशेष के प्रधान नेताओं के लिए सिरदर्द बना रहेगा। ऐसा जगत् लग्नगत ग्रहस्थिति से स्पष्ट है। ईरान में गुप्त रणनीति किंवा सशस्त्र संघर्ष से सत्ता में बदलाव की स्थिति बनेगी– ऐसा ग्रह गोचर से ज्ञात होता है। अमेरिका एवं इजराइल **'परमाणु अप्रसार सन्धिवार्ता'** को सामने रखकर ईरान पर युद्ध भी थोप सकते हैं; यह शनि–मंगल के दृष्टिसम्बन्ध में इस वर्ष संभावित है। प्रभावराशि कन्या वाले मुस्लिमराष्ट्र पाकिस्तान एवं अन्य मुस्लिमराष्ट्र अफग़ानिस्तान, बंगलादेश, सीरिया, इराक, इजराइल, श्रीलंका किंवा पश्चिम एशिया के कुछ देशों में इस वर्ष रक्तपात की सम्भावना को गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार नकारा नहीं जा सकता।

संवत् का राजा शनि होने से मुस्लिमराष्ट्रों में आन्तरिक अशान्ति पनपेगी। इराक, ईरान, अफग़ानिस्तान, लीबिया, फिलिस्तीन, इज़राइल आदि देशों में उग्रवादजन्य अशान्ति इस वर्ष उग्ररूप धारण करेगी। 13 अप्रैल से उच्चस्थ सूर्य एवं शुक्र पर मंगल की विशेष नजर है और शनि की सूर्य की राशि सिंह पर विशेष दृष्टि है; यह ग्रहस्थिति प्रतिष्ठित देशों के महानायकों के लिए कहीं भयंकर चिन्ताजनक हालात को जन्म देगी।

चान्द्रमास चैत्र में पांच शनिवार होने से कहीं प्राकृतिक प्रकोप से हानि हो, कहीं अग्निकाण्ड से जानी व माली नुक्सान किंवा किसी प्रतिष्ठित देश के नेतृत्व में नाटकीय परिवर्तन हो।

22 अप्रैल से कुम्भराशिस्थ मंगल की गुरु पर विशेष दृष्टि पड़ेगी। 5 मई को शुक्र भी मंगल की दृष्टि में आ जाएगा। दक्षिण–पूर्व एशिया के इस्लामीकरण को मद्देनज़र रखते हुए कुछ कट्टरपंथी आतंकवादी भारी विनाशकारी वारदात कर सकते हैं। इन दिनों राहु–बुध का बृहस्पति के साथ समसप्तक योग कहीं दुर्भिक्ष का संकेत देता है; कहीं वरिष्ठ नेता लोग परेशानी में रहेंगे– " **क्रूराणां सह सौम्यैश्च यदि स्यात् समसप्तकम्। अनावृष्टिस्तदा ज्ञेया लोकपीड़ा महत्यपि।।"**

14 मई को ज्येष्ठसंक्रान्ति शनिवारी है। ज्येष्ठसंक्रान्ति के दिन मेदिनीग्रह प्लूटो वृश्चिक राशि में आ जाएगा। सूर्य–शुक्र पर प्लूटो एवं मंगल की विशेष दृष्टि रहेगी। इस समय बुध अतिचारी है। इस्लामी कट्टरवाद यूरोप, अमेरिका और एशिया के कोने–कोने में व्याप्त होने का भय शासकों के समक्ष भारी चिन्ता का विषय रहेगा। सिंगापुर, मलेशिया, इण्डोनेशिया,

फिलिपीन्स, बंगलादेश, नेपाल, पाकिस्तान और भारत में इस्लामी आतंकवादियों की गतिविधियां तीव्रता पकड़ेंगी, हत्याकाण्ड होंगे। आत्मघाती हमलों से जनधनहानि के भी योग हैं।

ध्यान दें– 8 नवम्बर, सन् 2004 ई. को शनि वक्री हुआ था, 13 जनवरी, सन् 2005 ई. को वक्री शनि फिर मिथुनराशि में आ गया और 22 मार्च, सन् 2005 ई. को शनि फिर मार्गी होकर, 26 मई, सन् 2005 ई. को फिर से कर्कराशि में दाखिल होगा। शनि का इस प्रकार आगे–पीछे चलना प्रतिष्ठित नेताओं एवं प्रतिष्ठित देशों के लिए भयावह स्थिति को जन्म देगा। कहीं किसी प्रधान नेता की आकस्मिक हत्या व मृत्यु से शोक व्याप्त होगा। कहीं सीमाप्रान्तों पर अशान्ति का वातावरण बने।

3 जून को मंगल मीन राशि में आकर राहु के साथ मेल करेगा। गुरु के साथ मंगल का समसप्तकयोग बनेगा। मीन जलराशि है। 5 जून को गुरु मार्गी होगा। कहीं भारी वर्षा से आगे हानि होगी। इन दिनों कहीं भयंकर प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि के भी संकेत मिलते हैं। 8 जून को बुध मिथुन में आएगा। 14 जून को मिथुनसंक्रान्ति मंगलवारी है, शुक्र पहले ही मिथुन राशि में है। 21/22 जून को सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में मंगलवार को प्रवेश करेगा। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति व शासक की शस्त्राघात–विस्फोट आदि से हत्या का दुःखद प्रयास होगा। कुछ अवांछनीय घटनाएं घटित होंगी।

24 जून से 17 जुलाई तक शनि–मंगल–शुक्र– तीनों कर्क राशि में संचार करेंगे। 5 जुलाई को शनि अस्त होगा एवं 6 जुलाई को बुध–शुक्र दोनों आश्लेषा नक्षत्र में प्रविष्ट होंगे। 23 जुलाई को बुध वक्री होगा एवं 29 जुलाई को वक्री बुध अस्त हो जाएगा। अतः जून–जुलाई मास विश्व की राजनीति में अघटित घटनाओं को जन्म देंगे। अफगानिस्तान, अमेरिका, भारत, चीन, पाकिस्तान, ब्रिटेन में कुछ विशेष उलझनें पेश होंगी। कहीं किसी विशिष्ट व्यक्ति के निधन का समाचार मिलेगा। कहीं सत्तापरिवर्तन भी संभव है।

18 जुलाई को मंगल मेष राशि में आकर 5 फरवरी, सन् 2006 ई. तक मेष राशि में ही रहेगा। 18 जुलाई, 2005 ई. से 5 फरवरी, 2006 ई. तक शनि–मंगल का दशम–चतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध लगातार चलता रहेगा। यह समय विश्वव्यापी घटनाचक्र में अभूतपूर्व कठिन परिस्थिति वाला सिद्ध होगा। 9 अगस्त तक शनि अस्त रहेगा। 19 जुलाई से 1 अगस्त तक परस्पर शत्रुग्रह शनि–सूर्य पुष्य नक्षत्र में ही चलेंगे। इस समय कुछ धार्मिक व राजनैतिक समस्याएं हल होती नजर आएंगी। लेकिन अगस्त–सितम्बर में मानव बम्ब या आतंकवादजन्य दुःखद घटना से वातावरण अशान्त हो उठेगा। सऊदी अरब में ओसामा बिन लादेन के समर्थक यत्र–तत्र शान्ति भंग करेंगे।इस समय आतंकवाद दुनिया की प्रमुख समस्या अनुभव होगी, समाधानार्थ नई–नई योजनाएं बनेंगी, एतदर्थ सम्मेलन भी होंगे। शनि–मंगल का परस्पर दृष्टिसम्बन्ध समृद्ध देशों एवं यावनराष्ट्रों के लिए बहुत भयावह है। इस समयावधि में भयंकर प्राकृतिक प्रकोप से भारी जनधनहानि के योग भी बन रहे हैं। कहने का तात्पर्य यह है, कि– अगस्त से संवत् के अन्त तक का समय अघटित घटनाचक्र को लेकर उपस्थित होगा। कहीं आतंकवाद की साया से भयावह परिणाम मिलेंगे, कहीं दो देशों में किसी प्रभावशाली देश के निर्देश पर युद्धाग्नि से विनाशलीला देखने को मिलेगी। कही किसी प्रमुख व्यक्ति के निधन से शोक व्याप्त होगा।

यूरोप के देश

कुण्डली नं. 1 के अनुसार शुक्र, मंगल, बुध, प्लूटो वृश्चिकराशि में चल रहे हैं। शनि की अष्टमभावस्थ राहु पर नीच दृष्टि है। ग्रहस्थिति के अनुसार यूरोपीय देशों में आन्तरिक अशान्ति बढ़ेगी। मंहगाई जोर पकड़ेगी। ब्रिटेन में संवत् प्रारम्भ होने से पहले ही टोरी पार्टी का शासन हो जाएगा।

ब्रिटेन की वर्तमान शासनसत्ता में जनवरी, 2005 ई. तक परिवर्तन होने का संकेत ग्रहस्थिति से मिलता है। कुछ देशों में युद्ध व किसी देश में प्राकृतिक आपदा या आतंकवाद से अशान्ति एवं जनधनहानि होगी। शनि–मंगल के परस्पर दशम–चतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध की अवधि में (18 जुलाई, सन् 2005 ई. से 5 फरवरी, सन् 2006 ई. तक) यूरोपीय देशों के शासक आतंकवाद पर नकेल डालने में विवशता अनुभव करेंगे। इस बीच कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदश दिनात्मक पक्ष है। इस समय गुरु अतिचारी भी चल रहा है। अतः 3 अक्तूबर से आगे का समय राजनीतिज्ञों के लिए और भी भयावह स्थिति को जन्म देगा। 15/16 नवम्बर के लगभग भयंकर प्राकृतिक आपदा से भारी जानी–माली नुक्सान होने का संकेत मिलता है।

6 दिसम्बर को प्लूटो धनुराशि में आएगा, मंगल–बुध दिसम्बर में मार्गी हो रहे हैं। 15 दिसम्बर को सूर्य भी धनुराशि में आ जाता है। कुछ देशों में शान्तिप्रस्ताव पारित होंगे। 24 दिसम्बर को शुक्र वक्री होगा। यूरोपीय कुण्डली नं. 2 की ग्रहस्थिति के अनुसार 31 दिसम्बर, सन् 2005 ई. को शनैश्चरी अमावस कहीं भूकम्प, तूफान, यानदुर्घटना से यूरोप में हानि का संकेत देती है।

14 जनवरी को मकरराशिस्थ सूर्य पर शनि की दृष्टि पडेगी। यह समय यूरोप के कुछ राष्ट्रों एवं राष्ट्रनायकों के लिए भयावह है, सुरक्षाप्रबन्धों को सुव्यवस्थित करना होगा।

किसी व्यक्ति का पदरिक्त होने का योग है।

7 फरवरी, सन् 2006 ई. से आगे प्लूटो की स्थिति, मंगलवारी चैत्रसंक्रान्ति, बृहस्पति–बुध–शनि का वक्रकाल– ये सब यूरोप के लिए यानदुर्घटना किंवा आतंकवादजन्य दुर्घटनाओं से अशान्तिकारक हैं– सर्वज्ञ तो प्रभु ही हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश की जन्मकालिक ग्रहस्थिति के अनुसार पुनः पदाप्ति का योग कठिन होते हुए भी सफलता मिलेगी। क्योंकि, शनि कर्मस्थान को नीच दृष्टि से देख रहा है, पुनरपि भाग्येश–कर्मेश गुरु एवं मंगल (दोनों) विशेष दृष्टि से भाग्यस्थान को देख रहे हैं, अतः इन्हें सफलता प्राप्त होगी। जन्माङ्ग में विपरीत कालसर्पयोग राजनीतिक जीवन में भारी आपदाओं एवं चुनौतियों का संकेत देता है। सप्तमेश शनि लग्न में है– यह गोचर में भी कर्कस्थ ही है, अतः यह वर्ष जीवन की सुरक्षा के लिए विशेष चिन्तनीय है। शनि–मंगल के दशमचतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध के समय जुलाई, सन् 2005 ई. से फरवरी, सन् 2006 ई. तक समय विशेष सावधानी का है।

मुस्लिम राष्ट्र

मुस्लिम देशों की नववर्ष कुं.

5 | 3 श. | 6 गु. | 4 | 2 | 7 के. | 1 रा. | बु. 10 शु. सू. | 8 | 12 | म. 9 | 11 चं.

1 मुहर्रम से एक दिन पूर्व चन्द्रदर्शन वाले दिन 10 फरवरी (सन् 2005 ई.) गुरुवार को सूर्यास्त के समय 18 घं. 2 मि. पर सिंह लग्न में मुस्लिम नववर्ष का उदय होता है। 11 फरवरी (सन् 2005 ई.) शुक्रवार को यकम मुहर्रम होने से मुस्लिम नववर्ष (सन् 1426 हिजरी) का राजा शुक्र ही है। मुस्लिमराष्ट्रों की नववर्ष कुण्डली में लग्नेश चन्द्रमा अष्टमस्थान (मृत्युस्थान) में शत्रुक्षेत्री है। धनेश सूर्य तृतीयेश (सहयोगी मुस्लिमराष्ट्रों का स्वामी) बुध, चतुर्थेश एवं आयेश (मित्र देशों का स्वामी एवं आयस्थान का स्वामी) शुक्र– ये तीनों सप्तम (मृत्युभाव) में स्थित हैं। ग्रहस्थिति से स्पष्ट ज्ञात होता है, कि– अफ्रीकन देश, अफगानिस्तान, टर्की, इराक, पाकिस्तान अदि देशों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर होगी, समृद्धराष्ट्रों के संकेत पर चलना इन देशों की विवशता होगी।

मुस्लिमराष्ट्रों की नीति एवं इस्लामीकरण की प्रवृत्ति किंवा उन्माद से ये देश अलग–थलग पडते मालूम देंगे। लेकिन अमेरिका आदि राष्ट्र इनकी विवशता का लाभ राजनैतिक दृष्टि से उठाएंगे एवं आर्थिक तोषणनीति इन्हें अन्दरूनी तौर पर कमजोर कर देगी। सीरिया, ईरान, इराक, सऊदी–अरब किंवा कुछ अन्य मुस्लिमराष्ट्रों के साथ कुछ समृद्ध देश कठोर नीति अपनाएंगे। परिणामस्वरूप यावनराष्ट्रों में ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति सन् 2007 ई. से 2009 ई. तक अमेरिका आदि के लिए भयावह स्थिति को पैदा कर देगी। पश्चिमी देशों एवं पश्चिमी एशिया के मुस्लिम देशों में संघर्ष की स्थिति से अचानक वातावरण अशान्त बन सकता है। इजराइल और फिलिस्तीन में शनि–मंगल के समसप्तकयोग के कारण परस्पर संघर्ष की स्थिति बन जाने के योग हैं। मुस्लिमराष्ट्रों की नववर्ष कुण्डली में शनि–मंगल का परस्पर दृष्टिसम्बन्ध एवं जुलाई, 2005 ई. से फरवरी, 2006 ई. के मध्य शनि–मंगल का दशम–चतुर्थदृष्टिसम्बन्ध मुस्लिमराष्ट्रों बंगलादेश, पाकिस्तान, इराक, ईरान, फिलिस्तीन आदि में कहीं प्रधान नेता की हत्या का सफल प्रयास हो सकता है। इस अवधि में प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि भी सम्भव है। शनि–मंगल की पोजीशन के अनुसार मुस्लिमराष्ट्र विशेष की गणतन्त्र के रूप में चल रही तानाशाही–शासनसत्ता में नाटकीय परिवर्तन आ सकता है। गोचर ग्रहस्थिति से इस बात का भी संकेत मिलता है, कि– कहीं प्रधान नेता की हत्या हो एवं उग्रवादी मुखिया ओसामा बिन लादेन भी इस वर्ष अपने आपको गुप्तावस्था में न रख सकेंगे।

अफगानिस्तान, ईरान, इराक एवं सऊदी–अरब की कुण्डलीगत ग्रहस्थिति के अनुसार अमेरिका के खिलाफ गुप्तरूप से अन्दरूनी विध्वंसक कार्रवाई का संचालन होगा; जिससे जनधनहानि का संकेत किंवा प्रधान नेता के लिए भी विशेष संकटापन्न स्थिति का आभास हो रहा है।

संवत् 2062 वि. की गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार भारत एवं भारत सरकार में घटित होने वाले घटना चक्र का आकलन

" संसार का प्रत्येक परमाणु एक निर्धारित नियम से विलग नहीं हो सकता । एक सूक्ष्मतम परमाणु में यदि तनिक अव्यवस्था किंवा अनुशासनहीनता आ जाए, तो विराट् ब्रह्माण्ड एक क्षण के लिए भी न टिक सके। एक क्षणिक विस्फोट से अनन्त प्रकृति अग्नि–ज्वालाओं से अतिरिक्त कुछ न रहे।" इस प्रकार समस्त घटनाचक्र एवं सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को संचालित करने वाला ग्रहपुञ्ज प्रकृति किंवा ईश्वर के अनुशासित कार्यक्रम का एक निदर्शन है, जो कि– गोचर ग्रहगति के संकेतानुसार हमें प्रतिवर्ष कुछ लिखने को प्रेरित करता है। इसी ग्रहगति के संकेत पर हमने संवत् 2061 वि. के श्रीमार्तण्ड पंचांग में पृ. 29, कॉलम दो के प्रारम्भ में ही स्पष्ट घोषणा की थी, कि– लोकसभा निर्वाचन निर्धारित समय से पूर्व ही होंगे और सत्तारूढ़ दल के घटकतत्त्व बिखरेंगे एवं नए सिरे से पार्टियों का ध्रुवीकरण होगा। परिणामस्वरूप, लोकसभा के परिणाम आश्चर्यजनक होंगे। यह घोषणा निम्नांकित शब्दों में की गई थी–

" गत संवत् 2060 वि. के अन्तिम कुछ मासों पर विहंगम दृष्टि डालने से ज्ञात होता है, कि– मकरसंक्रान्ति (14 जनवरी, 2004 ई.) एवं अमावस वाले दिन (21 जनवरी, 2004 ई.) को बुधवार होने से खप्परयोग बन रहा है। ....प्रधान नेतृत्व एवं केन्द्रीय सरकार के घटकदलों में तालमेल न होने से सत्ता–घटकदल छिटकते प्रतीत होंगे। राजनीतिक दृष्टि से सत्तासंघर्ष की पुनः परीक्षा का समय नजदीक आता मालूम देगा। 13 फरवरी, 2004 ई. को पुनः खप्परयोग बन रहा है, साथ ही मार्च के प्रथम सप्ताह में शनि वक्री होगा एवं बुध अतिचारी चलेगा– यह ग्रहस्थिति राजनैतिक दलों में परस्पर वैमत्य से नए सिरे से पार्टियों का ध्रुवीकरण कराएगी। सत्तारूढ़ गठबन्धन कमजोर एवं छिन्न–भिन्न होता नजर आएगा। परिणामस्वरूप, आगामी लोकसभा के गठबन्धन भिन्न होकर परिणाम आश्चर्यजनक होंगे। लोकसभा चुनाव समय पर न होकर राजनैतिक दृष्ट्या आगे–पीछे कराने पर राजनीतिक दलों की मजबूरी बन जाएगी।

इस भविष्यवाणी की सत्यता फलित–शास्त्रियों के लिए गर्व की बात है।

गत संवत् 2061 वि. की जनवरी से मार्च तक की ग्रहस्थिति पर विहंगम दृष्टिपात करने पर 29 जनवरी, सन् 2005 ई. से मंगल–प्लूटो का राशिसम्बन्ध एवं 11 मार्च, सन् 2005 ई. तक शनि–मंगल का समसप्तकयोग, गुरु–शनि का वक्रत्त्व, शनि–मंगल का षडष्टकयोग देश एवं देश की सरकार के समक्ष भारी चुनौतियां लाकर खड़ा कर देगा। शासनतन्त्र एक ऐसे चक्रव्यूह में खड़ा होगा, जहां से निकलना भारी संकटपूर्ण प्रतीत होता है।

संवत् 2061 के अन्तिम चरण की यह सारी ग्रहस्थिति संवत् के अन्तिम मासों में अघटित घटनाओं को जन्म देगी। कुछ प्रतिष्ठित व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त होंगे। भयंकर प्राकृतिक आपदा, भूकम्प आदि से भारी कष्ट, जनधनहानि का संकेत मिलता है। सीमाप्रान्तों पर सैन्यबल को सतर्क रखना होगा। उग्रवादी इस अवधि में भारी विनाशकारक योजनाओं से जनमानस को त्रस्त कर सकते हैं।

यह संवत् 2061 के अन्तिम चरण पर दृष्टिपात था। अब संवत् 2062 वि. की ग्रहस्थिति की समीक्षा करना उचित समझते हैं।

संवत् 2062 वि. में ग्रहपरिषद् का राजा शनि हैं। भारत की जनता में नानाविध रोग (एड्स, टी.बी., हाईपोटाईटस बी एवं हृद्रोग) अधिक पनपेंगे। सत्तरूढ़ दल एवं प्रतिपक्ष पार्टियां लोकसभा में परस्पर उलझेंगी। कहीं नेतृत्व परिवर्तन व सत्तापरिवर्तन के विफल प्रयास होंगे। भारत के उडीसा, आसाम, बंगाल, नागालैण्ड, त्रिपुरा, बिहार, झारखण्ड एवं जम्मू–काश्मीर आदि में उग्रवादी तत्त्वों के उपद्रव केन्द्रीय शासन के लिए सिरदर्द बनेंगे। कहीं सीमाप्रान्तों पर भयत्रस्त जनता स्थानान्तरण करने के लिए विवश हो जाएंगी–

"शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूत रोगैः परिपीड्यते जनः।
यद्वं नृपाणां गद–तस्कराग्नैर्भ्रमन्ति लोकाः क्षुधिताश्च देशान्।।"

इस संवत् का मन्त्री बालग्रह बुध होने से देश व संवत् के संचालन की प्रक्रिया राजा की प्रकृति एवं स्वभाव के अनुरूप ही रहेगी।

इस वर्ष शनिदेव को तीन पद एवं मंगल को मेघेश, फलेश एवं दुर्गेश– ये तीन पद प्राप्त हैं। अतः शनि–मंगल का इस ग्रहपरिषद् में विशेष प्रभाव है। शनि–मंगल दोनों शत्रु एवं समभाव रखते हैं। 25 मई तक शनि की दृष्टि पूर्व में एवं तत्पश्चात् संवत् के अन्त तक शनि की दृष्टि दक्षिणी गोलार्ध पर बनी रहेगी। संवत् का वाहन भैंसा है। स्पष्ट है, कि– इस वर्ष किसी वरिष्ठव्यक्ति व राजनीतिज्ञ की विस्फोट व यानदुर्घटना में मृत्यु होगी। कुछ विशिष्ट राजनीतिज्ञों के लिए इस संवत् की ग्रहस्थिति विशेष कष्टप्रद एवं राजनीतिक अस्थिरता का संकेत देती है। पूर्वी किंवा दक्षिणी प्रान्तों में कहीं भयंकर भूकम्प किंवा प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि का भी संकेत मिलता है।

गतवर्ष संवत् 2061 वि. के पंचांग में, पृ. 30, कॉलम 1, पंक्ति1 पर राजामन्त्री पद की समीक्षा करते समय स्पष्ट लिखा था कि– " इस वर्ष में मेघेश, फलेश एवं दुर्गेश तीन पदों का प्रतिनिधि चन्द्र होने से स्पष्ट संकेत मिलता है, कि – सं. 2061 में देश के संचालन एवं महत्वपूर्ण पदों पर स्त्रीवर्ग की प्रधानता रहेगी।"

देश का संचालन श्रीमती सोनिया गान्धी के निर्देश पर हो रहा है, – यह बात सर्वविदित ही है।

सं. 2062 वि. में त्रयोदश दिनात्मक पक्ष भी आ रहा है,– यह पक्ष 'विश्वघस्र पक्ष', नाम से भी जाना जाता है। यह त्रयोदश दिनात्मक पक्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष में होने से विशेष भयावह लिखा है। त्रयोदश दिनात्मक पक्ष एक ही पक्ष में दो तिथियों के क्षय से बनता है।

" एकत्र पक्षे द्वितिथि प्रपाते महर्धमन्नं जनमध्यवैरम्।"

अर्थात् जनजीवनोपयोगी खाद्य वस्तुओं (अनाज आदि) में भारी मंहगाई होने से जनता में असन्तोष भडकेगा। राजनीतिज्ञ–सत्ताधारी एवं विपक्षी नेताओं में भारी विचार वैमत्य हो, आम जनता एवं राजनीतिक पार्टियों में परस्पर विरोध से राजनैतिक अस्थिरता नजर आएगी। भविष्यफल भास्कर का वचन है–

" यदा च जायते पक्षस्त्रयोदश दिनात्मकः।
भवेल्लोकक्षयो घोरो रुण्डमालायुता मही।।"

मेघमहोदय में इस त्रयोदश दिनपक्ष का फल इस प्रकार लिखा है–

" त्रयोदशदिनः पक्षो भवेद् वर्षाष्टकान्तरे।
तदा नगरभंगः स्यात् छत्रभंगो महर्घता।।"

" अनेकयुग साहस्रयाद् देवयोगात् प्रजायते।
त्रयोदशदिनैः पक्षस्तदा संहरते जगत्।।"

इस त्रयोदश दिनपक्ष का फल विश्व के राष्ट्रों के लिए भयावह परिस्थितियों वाला प्रतीत होता है। इस समय सूर्य तुलाराशि में है। शनि–मंगल की सूर्य पर दृष्टि भी है,अतः यह त्रयोदश दिनपक्ष पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, अमेरिका एवं भारत की शासनसत्ता एवं राजनीतिज्ञों को प्रभावित करेगा। कहीं सत्तापरिवर्तन, उग्रवादजन्य हिंसक घटनाओं से जनमानस त्रस्त होगा। कहीं किसी विशिष्टव्यक्ति की हत्या, निधन व नाटकीय घटना से सत्ता हस्तान्तरण होगा। काश्मीर क्षेत्र के लिए इस वर्ष समय विशेष उलझनपूर्ण रहेगा। इस समय सीमाप्रान्तों पर विशेष सतर्क रहना होगा। शत्रुदेश की गतिविधि अशान्ति का कारण बनेगी।

स्वतन्त्र भारत की जन्माङ्गगत ग्रहस्थिति के अनुसार–हर्षल, नेप्च्यून, प्लूटो आदि मेदिनीग्रह एवं शनि–राहु–गुरु ग्रहों के चार–वक्र–मार्ग के अनुसार भारत देश सशक्त

अर्थशास्त्रज्ञ एवं विवेकपूर्ण नीतिज्ञों के संरक्षण में अहर्निश प्रगतिपथ पर रहेगा। नेपाल में माओवाद, त्रिपुरा, आसाम, नागालैण्ड आदि में हिंसक घटनाओं में वृद्धि प्रधान नेताओं के लिए चिन्ता का विषय अवश्य रहेगा। गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार प्लूटो का धनुराशि में संक्रमण देश में अनेक समस्याओं को हल करेगा। संवत् 2062 वि. के मध्य रामजन्मभूमि विवाद कुशल राजनीतिज्ञों की बुद्धिमत्ता से एव कानूनी देख-रेख के चलते शान्त हो इस समस्या का हल निकल आएगा। जुलाई 2005 ई. से फरवरी 2006 ई. तक का समय सत्तारूढदल के लिए काफी उलझनपूर्ण एवं अग्निपरीक्षा वाला है। नवम्बर-दिसम्बर 2005 ई. में किसी प्राकृतिक आपदा से भारी जनधनहानि होने का योग है। इस समय किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति का निधन व हत्याकाण्ड से वातावरण अशान्त रहे। सीमाप्रान्तों पर चीन एवं पाकिस्तान की सीमापार-शत्रुगतिविधि से देश को सावधान रहना चाहिए।

स्वतन्त्र भारत के 58वें वर्षलग्न के अनुसार--

मुंथेश--शनि अष्टमभाव में सप्तमेश (केन्द्रेश) एवं व्ययेश शुक्र के साथ मेल कर रहा है- यह ग्रहस्थिति कमजोर मुद्रास्फीती का संकेत देती है। लेकिन वर्षलग्न में नवमेश चन्द्र एवं दशमेश सूर्य- दोनों नवम (भाग्यस्थान) में होने से भावी वर्षों में भारत की गौरव-गाथा का निर्माण करेंगे। दशमभाव में मंगल-गुरु-बुध, भारत को सशक्त, गरिमामय एवं वैभवशाली निर्माणकार्यों की तरफ प्रवृत्त करेंगे। सशक्त नेतृत्त्व भारत की आर्थिक स्थिति को सुदृढ बनाने के लिए योजनाएं बनाएगा। परमाणु-ऊर्जा (आयुध) क्षेत्र में विशेष प्रगतिप्रद योजनाएं बनेंगी।परमाणु-भट्ठी जैसी रचना से भारत का आत्मबल मजबूत होगा एवं देश सर्वतोभावेन आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ेगा। ऊर्जाविकास पर प्रमुख कार्य होंगे; जिससे देश महाशक्तियों की पंक्ति में आ खड़ा होगा। यद्यपि राजनयिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से देश के सामने अनेकों उलझनें उपस्थित होने वाली हैं, लेकिन प्रमुख नेता इन उलझनों को पार कर जाएंगे।

स्वतन्त्र भारत का 58 वां वर्ष
15 अग., 2004 ई.(14घं. 43 मि.)

9 | के. 7 | 10 | 8 | 6 | 5 | मुं. 11 | मं. बु. गु. | 12 | 2 | सू. चं. 4 | 1 रा. | श. शु. 3

स्वतन्त्र भारत के 59वें वर्षलग्नगत ग्रहस्थिति के अनुसार-

लग्नेश गुरु सप्तमभाव में स्थित है। यह लग्न एवं लग्नस्थ राहु को पूर्णदृष्टि से देख रहा है। लेकिन केन्द्रेश होकर गुरु के केन्द्रस्थ केतु के साथ सम्बन्ध बनाने से भारत की प्रभुसत्ता एवं गौरव में वृद्धि का संकेत मिलता है-- " यदि केन्द्रे त्रिकोणे वा निवसेतां तमोग्रहौ। नाथेनान्यतरेणापि सम्बधाद्योगकारकौ।।" वर्षलग्न में दूसरे भाव में स्थित द्वितीयेश एवं नवमेश मंगल की नवमस्थान पर विशेष दृष्टि है। नवम भावस्थ चन्द्र नीच होने से प्रधान नेतृत्त्व को भारी परेशानियों एवं विपक्ष से खडी की गई उलझनों से परेशान रहना होगा। पंचमभाव में सूर्य-शनि-बुध होने से एवं इन पर मंगल की विशेष दृष्टि होने से, साथ ही शनि-मंगल का दशमचतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध होने से भारत सरकार को जुलाई 2005 ई. से फरवरी 2006 ई. तक भारी राजनीतिक आपदाओं का सामना करना पड़ेगा; इस समय कम्युनिस्ट पार्टियां एवं कुछ अन्यदल सत्तारूढदल से पृथक् होते नजर आएंगे और स्थिति को संभालना कठिन हो जाएगा। प्रगतिप्रद योजनाएं कार्यान्वित होने में विलम्ब होगा। अन्ततः कुछ रद्दोबदल एवं समझौते के साथ स्थिति सम्भलेगी। भारत पुनः गौरवमय भविष्य की ओर बढ़ने लगेगा।

भारत का 56वां गणतन्त्र

भारतवर्ष का 56वां गणतन्त्र वर्षलग्न इस वर्ष 25 जनवरी को ही लगेगा। गणतन्त्र वर्षलग्न के अनुसार लग्नस्थ प्रबल मंगल की कर्कस्थ शनि पर विशेष-नीच दृष्टि है। शनि भी मंगल पर विशेषरूप से नीच दृष्टि लगाए बैठा है। मुंथेश गुरु केन्द्र में शत्रुक्षेत्री है- यह वर्ष गणतन्त्र की शासनसत्ता, सत्तारूढदल एवं प्रधाननेताओं के लिए कुछ कठिनपरिस्थितियों वाला है। चतुर्थभावस्थ शनि पर मंगल एवं मंगल पर शनि की दृष्टि होने से यह वर्ष सत्तरूढदल के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा। वर्षलग्न में दशमेश शनि दशमभाव को देख रहा है; अतः

विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में नए आयाम उपस्थित होंगे। किसी धार्मिक भावना या हिन्दु–मुस्लिम से सम्बन्धित किसी विषय को लेकर कुछ तत्त्व गणतन्त्र की छवि को चोट पहुंचाने की कोशिश करेंगे, लेकिन दशमेश शनि की दशमभाव पर दृष्टि होने से स्थिति को सामान्य बना दिया जाएगा। इस वर्ष अनेक वर्षों से उलझी हुई किसी धार्मिक भावनात्मक समस्या का समाधान होता प्रतीत होता है, जिससे प्रधान नेता की छवि मुखरित होगी। केन्द्रस्थ भाग्येश गुरु की लग्नेश मंगल पर विशेष दृष्टि होने से भारत–गणतन्त्र का वर्चस्व विश्व में बढ़ेगा एवं **'सुरक्षा परिषद्'** की सदस्यता का भागीदारी हो जाएगा।

महामहिम श्री अब्दुलकलाम महाभाग– भारतीय गणतन्त्र के प्रधान महामहिम राष्ट्रपति श्री ए. पी. जे. अब्दुलकलाम महाभाग की गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार कन्या का गुरु इनकी प्रतिष्ठा–गरिमा को महिमामण्डित रखेगा। जुलाई 2005 ई. के बाद संवत् के अन्त तक की ग्रहस्थिति कुछ राष्ट्रीय उलझनों वाली है, एतदर्थ विशिष्ट विधिवेत्ताओं से सम्पर्क करना पड़ेगा। परमाणु ऊर्जा एवं शक्तिसम्पन्न राष्ट्रनिर्माण में इनकी भूमिका प्रशंसनीय रहेगी।

उपराष्ट्रपति महामहिम श्री भैरों सिंह शेखावत– जन्माङ्गगत ग्रहस्थिति एवं गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार सन् 2005 ई. के अन्तिम चरण से अढ़ाई वर्ष में इनकी कार्यशैली एवं प्रगतिप्रद विशेषताओं के कारण अच्छी प्रतिष्ठा बनेगी। कन्या–तुला में गुरु के आने पर इन्हें विशेष सम्मान पद प्राप्त होने का योग है। जुलाई, नवम्बर से फरवरी तक का समय इनकी राजनीतिक गतिविधि के लिए कुछ कठिन है। इन्हें विशेष विचारपूर्वक निर्णय लेने होंगे। यह समयावधि इनकी सेहत के लिए भी अनुकूल नहीं; स्वास्थ्य–सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना होगा।

संवत् 2062 वि. की गोचर ग्रहस्थिति का भारत पर प्रभाव

भारत की प्रभावराशि मकर है। प्रभावराशि का स्वामी शनि इस संवत् का राजा है। गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार शनि मिथुनराशि में है एवं मकरराशि में स्थित उच्च–मंगल के साथ 22 अप्रैल तक षडष्टकयोग बना रहा है। संवत् का नाम **'विलम्बी'** है। इसका फल शास्त्रों में इसप्रकार लिखा है–

"विलम्बि वत्सरे भूपाः परस्परं विरोधिनः।
प्रजापीड़ा त्वनर्थत्त्वं तथापि सुखिनो जनाः।।"

उल्लिखित शनि–मंगल के षडष्टक एवं विलम्बी संवत्सर के फलस्वरूप देश के राजनीतिज्ञ, विभिन्न राजनैतिक दल एवं सत्तारूढदल में परस्पर असहयोग किंवा विरोध की भावना से देश–संचालन–व्यवस्था बाधित होगी। सत्तारूढदल के ही घटकतत्त्व विभिन्न सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण स्वयं कई बार राष्ट्र के सुचारु संचालन में बाधक बन जाएंगे। प्रधाननेता विवशता की स्थिति में अपनी प्रतिभा के अनुरूप देश की प्रगति को गतिमत्ता न दे सकेंगे। राजनीति के कुचक्र में फंसा–फंसा देश व विपक्षीदल राजनीतिक परिवर्तन की मांग करेंगे। इस वर्ष की ग्रहस्थिति देश में राजनीतिक परिवर्तन–संवर्धन वाली प्रतीत होती है।

क्योंकि, चैत्र चान्द्रमास में पांच शनिवार हैं, अतः देश में कहीं भूकम्प–अग्निकाण्ड आदि प्राकृतिक प्रकोप, बमविस्फोट आदि उग्रवादजन्य आतंक से जनधनहानि के संकेत मिलते हैं–

"शनैश्च पंचकं दृष्ट्वा पाताले कंपते फणी।
ईशान–देश भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।"

संवत् के प्रारम्भ से ही गुरु कन्या राशि में वक्री पोजीशन में केतु के साथ है–केतु स्वभावतः वक्रस्थिति में ही रहता है। केतु–गुरु का राहु–बुध से समसप्तकयोग आगे देश में अनावृष्टि एवं अधिकतर भूभाग के सूखाग्रस्त होने का संकेत देता है–

" क्रूराणां सह सौम्यैश्च यदि स्यात् समसप्तकम्।
अनावृष्टिस्तदा ज्ञेया लोकपीड़ा–महत्यपि।। "

गुरु 5 जून तक वक्री स्थिति में रहेगा। इस बीच **14 मई (शनिवार) को सूर्य वृषराशि में प्रवेश करेगा।** इसी दिन वक्री प्लूटो वृश्चिकराशि में प्रविष्ट होगा। वृश्चिकराशि प्लूटो की अपनी राशि है। प्लूटो युद्धप्रिय मेदिनी ग्रह है। काश्मीर, नागालैण्ड,आसाम, प. बंगाल आदि में आतंकवादी सक्रिय होंगे। कहीं अग्निकाण्ड, बमविस्फोट आदि से हानि के भी योग हैं। लेकिन किसानवर्ग को शासन विशेष सुविधाएं प्रदान करेगा। अच्छे कृषिकर्म से देश में समृद्धि आएगी, महंगाई पर अंकुश लगाने वाले नियम बनेंगे। जड़ी–बूटियों के उत्पादन से विदेशी मुद्रा प्राप्त करने की योजनाएं बनेंगी। क्योंकि, इस दिन बुध उदित होगा और बुध अतिचारी भी है, अतः 23 मई के लगभग किसी प्राकृतिक प्रकोप से हानि के भी योग बनते हैं।

22 अप्रैल को मंगल शनि के क्षेत्र (कुम्भ राशि) में प्रवेश करेगा एवं 26 मई को शनि कर्कराशि में आकर मंगल के साथ 3 जून तक षडष्टकयोग बनाएगा। मंगलग्रह कम्यूनिस्ट एवं माओवादी संगठन का प्रतिनिधि ग्रह है और इस संवत् का दुर्गेश भी है, अतः कहीं उग्रवादजन्य भीषण ताण्डव से जनता को परेशानी में डाले एवं जनधनहानि भी होगी। प. बंगाल, बिहार, आन्ध्रप्रदेश, तामिलनाडु, नागालैण्ड, पू. उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, मिज़ोरम एवं त्रिपुरा आदि में देशद्रोही नक्सली कहीं आन्दोलन को तीव्र करेंगे। गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार इस वर्ष बड़े देशों की अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में भारी परिवर्तनों का संकेत मेदिनीग्रहों से मिल रहा है। परिणामस्वरूप, भारत की विदेशनीति में भी इस संवत् के मध्य से संवत् के अन्त तक विशेष परिवर्तन आने के संकेत मिलते हैं।

24 मई से 22 जून 2005 ई. तक (ज्येष्ठ चान्द्रमास मे) पांच मंगलवार होने से सीमाप्रान्तों पर कहीं अशान्ति, रक्तपात एवं किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के निधन से शोक व्याप्त हो या सत्तापरिवर्तन हो–

"यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पञ्चवासराः।
रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्रभंगस्तदा भवेत्।।"

15 जून तक बुध अतिचारी है। सूर्य–बुध–शुक्र– ये तीनों 14 जून से मिथुनराशि में हैं एवं इन पर मंगल की विशेष दृष्टि है। वर्षा एवं जलवायु के विपरीत रहने से तथा

प्रतिकूल तिजारती नीति के कारण जोरदार महंगाई होगी, जिसके कारण जनता में असन्तोष व्याप्त होगा –

"एकराशौ यदा ह्येते सौम्य–शुक्र दिनाधिपाः।
सर्वधान्य–महर्घत्त्वं मेघाः स्वल्पजलप्रदाः।।"

21 जून को सूर्य आर्द्रानक्षत्र में आएगा। मंगल–राहु भी जलराशि में गुरु से दृष्ट हैं, अतः महाराष्ट्र, उडीसा, बिहार आदि में कहीं भारी वर्षा से जनधनहानि के समाचार मिलेंगे। 23 जून से 6 जुलाई तक शुक्र–बुध एवं 5 जुलाई को अस्तंगत शनि–ये तीनों ग्रह कर्क (जलचर) राशि में पुष्यनक्षत्र में ही संचरण करेंगे। इसलिए कहीं भयंकर बाढ़, समुद्री–तूफान, यानदुर्घटना किंवा बादल फटने, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से हानि होगी, कहीं भयंकर सूखा रहने से क्षेत्र अकालग्रस्त घोषित करने पड़ेंगे।

16 जुलाई को कर्कराशिस्थ सूर्य का बुध–शनि के साथ राशिसम्बन्ध बनेगा। कर्कराशिस्थ शनि–बुध एवं सूर्य पर 18 जुलाई से मंगल की विशेष दृष्टि पड़ेगी। **ध्यान देने योग्य बात यह है, कि– 18 जुलाई, सन् 2005 ई. से 5 फरवरी, सन् 2006 ई. तक शनि–मंगल का दशम–चतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध लगातार लगभग 6 महीने 20 दिन तक चलता रहेगा–** यह समयावधि भारत की शासनसत्ता, केन्द्रीय मन्त्रीमण्डल के समक्ष भारी समस्याओं को उपस्थित करेगी। मुस्लिम जनसंख्या–नियन्त्रणार्थ आवाज उठेगी। विश्वशान्ति स्थापनार्थ एवं एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लडने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संस्था सुरक्षापरिषद की निर्णयप्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और अधिक प्रतिनिधित्त्व प्रदान करने के लिए आवाज उठेगी, जिसका लाभ भारत को होगा।

जुलाई, सन् 2005 ई. से फरवरी, सन् 2006 ई. तक की ग्रहस्थिति के अनुसार भारत को अपनी सुरक्षा वयवस्था को सुदृढ करना होगा और पड़ौसी देशों से विशेष सावधान रहना होगा। क्योंकि, इन दिनों भारत विपरीत राजनैतिक परिस्थितियों से ग्रस्त अनुभव करेगा। पड़ौसी देशों में पनप रहा अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद भारत के सीमावर्ती प्रान्तों में एवं केन्द्र में भारी अवांछनीय घटनाओं को जन्म देगा। मादक पदार्थ, महजबी कट्टरवाद एवं वामपन्थी उग्रवाद से देश में अनेकत्र मृत्युकाण्ड होंगे। पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए उपजाऊ क्षेत्र बन रहा है, नेपाल में पनप रहा माओवाद भारत में दक्षिणी भारत तक परेशानी का कारण बनेगा। भारत सरकार को इस परिप्रेक्ष्य में सख्त कदम उठाने होंगे, अन्यथा परिणाम घातक, गंभीर व दूरगामी सिद्ध होंगे।

18 जुलाई से 5 अगस्त तक गुरु अतिचारी रहेगा। बुध वक्री है। पश्चिमी एशिया, पाकिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान में भयंकर रक्तपात के समाचार मिलेंगे। इस वर्ष नेपाल से प्रचारित माओवाद की गतिविधि इतनी तीव्र हो सकती है, कि माओवादियों के मानवबम सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी जनधनहानि का कारण बन सकते हैं। असम, नागालैण्ड में भी उल्फा विस्फोटों से जनजीवन अस्त–व्यस्त रहेगा।

जुलाई 2005 ई. से फरवरी 2006 ई. तक की गोचर ग्रहस्थिति के मुताबिक (विशेषतः 3 अक्तूबर से 7 दिसम्बर 2005 ई. की अवधि के अन्तर्गत तक त्रयोदश दिनात्मक पक्ष में) इस वर्ष सेनाधिकारी मंगल को वक्रत्त्व एवं गुरु का अतिचारी होना भारत में भयावह परिस्थितियों को जन्म देगा। इसी मध्य 22 नवम्बर को शनि का वक्र होना एवं 6 दिसम्बर को प्लूटो का धनुराशि में संचार भी अघटित घटनाओं को जन्म देगा। राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एक राष्ट्रव्यापी मंच बनाकर सत्तरूढदल के लिए सरदर्द बनेंगे। इस वर्ष नेपाल (भारत के सीमावर्ती मित्रदेश) के गृहयुद्ध की चपेट में आ जाने के योग हैं। यहां पूर्वसत्ताभोगी कोइराला की पार्टी राजशाही के उन्मूलन की प्रक्रिया में लगेगी। नेपाली कम्यूनिस्ट पार्टी मिली–जुली सरकार में भागीदार होने पर भी सिद्धान्त–भिन्नता नजर आएगी। राजशाही यहां खतरे में पड सकती है। इस प्रकार नेपाल की आन्तरिक अशान्ति से भारत का सीमाप्रान्त भी अशान्त हो उठेगा। कदाचित् कठिन परिस्थिति में नेपाल में अमेरिका का हस्तक्षेप होता है तो भारत की काश्मीर समस्या और कठिन रूप ले लेगी। अपने पडौसी देशों से सम्बद्ध अन्तर्राष्ट्रीय हितों को मद्देनजर रखते हुए अपने बल पर आतंकवाद का दलन करना होगा।

6 सितम्बर से 2 अक्तूबर 2005 ई. तक शुक्र–मंगल एवं गुरु–राहु का समसप्तक योग चलेगा। शनि–मंगल का दशमचतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध चल ही रहा है। पश्चिमी एवं दक्षिणी प्रान्तों में कहीं भारी दुर्भिक्ष से हानि होगी। कहीं यान–दुर्घटना, विस्फोट किंवा भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि का योग बनता है। इसी मध्य 27 सितम्बर से गुरु–मंगल का समसप्तकयोग शान्ति योजनाओं एवं देश में सुख–समृद्धिप्रद योजनाओं को बनाएगा।

17 अक्तूबर से 15 नवम्बर तक नीचस्थ सूर्य मंगल के साथ समसप्तकयोग बनाएगा। प्राकृतिक प्रकोप से खडी फसलों को हानि होगी। उपभोग्य किंवा जनजीवनोपयोगी वस्तुओं में अप्रत्याशित तेजी से जनसाधारण शासनतन्त्र से क्रुद्ध नजर आएगा। 3 नवम्बर से 15 नवम्बर तक त्रयोदश दिनपक्ष में भौमवती अमावस, मंगल वक्री एवं गुरु अतिचारी होने से एवं 29 अक्तूबर को गुरु–शुक्र का एक राशि आगे–पीछे चलना मुस्लिमराष्ट्र में कहीं भारी संघर्ष का संकेत देता है–

" यदा क्रूरग्रहो वक्री शुभश्चैवातिचारगः।
तदा भवति दुर्भिक्षं राज्ञां युद्धं परस्परम्।।"

इस समय भारत के पडौसी राष्ट्रविशेष में भी शासन में परिवर्तन, हत्याकाण्ड होंगे। इस अवधि में भारत के विशिष्ट राजनीतिज्ञों को भारी संकटापन्न स्थिति का सामना करना पड सकता है। काश्मीर आदि सीमाप्रान्तों पर सुरक्षा–प्रबन्ध सुदृढ़ रखने होंगे।

29 नवम्बर को शनि वक्री होकर संवत् के अन्त तक वक्री ही रहेगा। 24 दिसम्बर को शुक्र भी वक्री हो जाता है, 31 दिसम्बर को शनैश्चरी अमावस एवं 14 जनवरी को शनिवारी मकर संक्रान्ति होने से भारत के कुछ प्रान्तों में अराजकता एवं बिखराव से बचने का विकल्प ढूंढना सरकार के लिए कठिन हो जाएगा। वे राजनीतिक दल, जो आज राजनीतिक परिदृश्य पर प्रभावी हैं, वे भी संवत् के उत्तरार्ध में भारत में पनप रही अराजकता एवं उग्रवाद व आर्थिक विषमताओं को हल कर सकने में अशक्त अनुभव करेंगे।

2 से 25 मार्च, सन् 2006 ई. तक बुध, गुरु, शनि– ये तीनों ग्रह वक्री रहेंगे। इस मध्य 14 मार्च को चैत्र संक्रान्ति मंगलवारी है। जनता में रोगभय, उपद्रव, यानदुर्घटना किंवा प्राकृतिक प्रकोप से हानि हो। किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति का निधन, हत्या अथवा सत्तापरिवर्तन संभव है। प्रभु सर्वत्र शुभ ही शुभ करें– यही प्रार्थना है।

प्रमुख राजनैतिक दलों पर एक विहंगम दृष्टि

कांग्रेस– कांग्रेस पार्टी की कुण्डली में 27 अगस्त, सन् 2004 ई. को गुरुदेव के कन्याराशि में आने पर देश की सर्वोच्चसत्ता में आने का संकल्प पार्टी ने पूरा कर लिया है। क्योंकि, कर्मस्थान (केन्द्र) में गुरु की स्थिति महत्वपूर्ण मानी गई है। कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी की जन्माङ्गगत ग्रहस्थिति के अनुसार– भाग्येश बृहस्पति लगभग 12 वर्ष बाद भाग्यस्थान को 27 अगस्त, 2004 ई. से देखने लगा है। कर्मेश–मंगल छठे भाव में स्थित होकर विरोधी ग्रुप (पार्टी) को हतप्रभ करने वाला है एवं मंगल की भाग्यस्थान पर दृष्टि भी विशेष प्रभावक्षेत्र को बढाने वाली एवं कांग्रेस पार्टी की छवि को सुधारने वाली है। श्रीमती सोनिया गांधी के जन्माङ्ग में भाग्येश–गुरु की कर्मस्थान पर दृष्टि है एवं कर्मेश मंगल की भाग्यस्थान पर विशेष दृष्टि होने से ग्रहस्थिति लघुपाराशरी के अनुसार कांग्रेस पार्टी एवं कांग्रेस अध्यक्षा के लिए विशेष गरिमामय छवि को बनाने वाली है–

" निवसेतां व्यत्ययेन तावुभौ धर्मकर्मणोः।
एकत्रान्यतरो वापि वसेच्चेद् योगकारकौ।।"

जन्माङ्ग श्रीमती सोनिया गांधी

5 · 3 चं. · ने. 6 · प्लू. 4 श. · 2 रा. सूरे. · शु. 7 गु. · 1 · बु. सू. 8 के. · 10 · 12 · 9 मं. · 11

ज.ता. 9–12–46 टा. 21–15(स्टैं.टा.)
TURIN (ITALY)

श्रीमती सोनिया गांधी जी के जन्माङ्ग में लग्नेश चन्द्र द्वादशस्थ है। यह जन्मकालिक मंगल से दृष्ट भी है, अतः शत्रुकृत चोट या कुनीति से सावधान रहना आवश्यक है, लेकिन लग्नेश गुरुदृष्ट होने से इन्हें विशेष मान–सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

सम्माननीय डॉ. मनमोहन सिंह जी

इन्होंने शनिवार 22 मई, सन् 2004 ई. को देहली में सायं 5 घं 32 मि. पर प्रधानमन्त्री पद की शपथ ग्रहण की शपथ– ग्रहणकालीन ग्रहस्थिति आगे दे रहे हैं–

शपथग्रहणकालीन कुण्डली के अनुसार दशमभावेश चन्द्र शनि–मंगल एवं शुक्र तीन–तीन क्रूरग्रहों से आक्रान्त है। अतः गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार कांग्रेस पार्टी एवं प्रधान नेता के लिए जुलाई 2005 ई. से फरवरी सन् 2006 ई. तक की ग्रहस्थिति चुनौतीपूर्ण रहेगी। देश की आर्थिक स्थिति शोचनीय होगी। कांग्रेस सरकार कोई रास्ता तय नहीं कर पाएगी। एक अस्थिरता एवं अनिश्चय का दौर आ सकता है। भारत की अनुमानित विकास दर में कमी आएगी। कांग्रेस पार्टी एवं U. P. A. के लिए नवम्बर 2005 ई. से 5फरवरी 2006 ई. तक का समय विशेषतः कठिन है। इस अवधि में कुछ विपक्षी नेता नए समीकरण बनाकर देशहित को प्रमुख रखकर सत्तारूढ पार्टी कांग्रेस एवं U. P. A. के लिए सरदर्द बन सकते हैं।

शपथग्रहणकालीन कुण्डली में पंचमेश गुरु तृतीयभाव को विशेष दृष्टि से देख रहा है, अतः पार्टी के संगठन को मजबूत रखने की क्षमता बलवान् रहेगी। क्योंकि, शनि चतुर्थभाव अर्थात् पार्टीघटक तत्त्वों के भाव का स्वामी है एवं खलयुत है। अतः संवत् 2062 वि. का राजा शनि एवं सेनापति मंगल एकत्र चन्द्र के साथ होने से U. P. A. को एकीकृत रखना कठिन प्रतीत होता है।

सम्माननीय प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की शपथकालीन कुण्डली में उल्लिखित विषम ग्रहस्थितिजन्य कठिन परिस्थितियां प्रतीत होने पर भी एकयोग (पद–प्रतिष्ठताप्रद राजयोग) इन्हें अन्ततः सफल एवं यशस्वी अवश्य बनाएगा; वह है– त्रिकोणेश बुध का केन्द्र में राहु के साथ एकराशिसम्बन्ध। पाराशरी के अनुसार यह योग राजनैतिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है। सभी उलझनों को पार करते हुए श्रद्धेय प्रधानमन्त्री अन्ततः अपनी पदप्रतिष्ठा को कायम रखने में सक्षम रहेंगे–

" यदि केन्द्रे त्रिकोणे वा निवसेतां तमोग्रहौ।
नाथेनान्यतरेणापि सम्बन्धाद् योगकारकौ।।"

सम्माननीय प्रधानमन्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की जन्मङ्गगत ग्रहस्थिति के अनुसार मूलत्रिकोण का बुध उच्चस्थिति में सूर्य (भाग्येश) के साथ दशमभाव में बैठकर बुधादित्य योग बना रहा है। वर्तमान समय में राहु की महादशा में बुधान्तर चल ही रहा है। राहु तृतीय भाव में सर्वारिष्ट निवृतिकारक (सारी बाधाओं को दूर करने वाला) है–

"त्रिषडायगतो भौमः त्रिषडायगतः शनिः।
त्रिषडायगतो राहुः सर्वारिष्टान् निवारयेत्।।"

पाकिस्तान, अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध एवं शान्ति–सम्बन्धी नीति के लिए इनके कार्य प्रशंसनीय रहेंगे। कर्मेश बुध उच्च होकर कर्मस्थान में ही नवमेश सूर्य के साथ राशिसम्बन्ध बना रहा है–"निवसेतां व्यत्ययेन तावुभौ

धर्मकर्मणोः। राजयोगावितिं प्रोक्तं विख्यातो विजयी भवेत्।।"– प्रमाणानुसार, राहु में बुधान्तर फरवरी 2007 ई. तक इन्हें (वक्री शनि एवं अस्त बुध होने से) वामपन्थी दलों द्वारा कार्यशैली में अनेक बाधाएं प्रस्तुत करने पर भी यह योग यशस्वी एवं सफलता की ओर अग्रेसर रखेगा एवं ये निष्पक्ष छवि बनाने में सफल रहेंगे। यथालब्ध कुण्डली के अनुसार ही यह लिखा गया है, सर्वज्ञ तो प्रभु ही हैं।

भारतीय जनता पार्टी– सं 2061 वि. में भाजपा की कुण्डली में अष्टमेश (मारकेश) एवं नवमेश (भाग्येश) शनि का आयेश एवं षष्ठेश (शत्रुभावेश) मंगल के साथ 17 अप्रैल, सन् 2004 ई. से 14 जून, सन् 2004 ई. तक एक साथ चलना इस पार्टी को सत्ता से अलग कर गया है– यह सर्वविदित है। 5 सितम्बर, सन् 2004 ई. से शनि कर्कराशि में आकर इस पार्टी के लिए मारकेश जैसी स्थिति पैदा कर रहा है। पार्टी के नायकों एवं पार्टी की छवि को विरोधी दल कमज़ोर करने का प्रयास करेंगे। लेकिन, कर्मेश गुरु केंद्रेश होने से यद्यपि नेष्टफलप्रदलिखा है, पुनरपि गुरु की गोचर में कर्मस्थान पर पूर्णदृष्टि है। इस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पुरानी राममन्दिर सम्बन्धी किंवा जनताजनार्दन से की गईं प्रतिज्ञाओं का स्मरण अवश्य कराएगा, पार्टी को पुनः सञ्जीवित करने व पार्टी कार्यकर्ताओं में पुनः जोश भरने का काम अवश्य करेगा। विपक्षीदल की भूमिका निभाते हुए सत्तारुढ़पार्टी को हर समय सतर्क रखने की भूमिका बरकरार रहेगी

गोचरग्रहस्थिति के अनुसार सितम्बर 2005 ई. से लेकर आगे डेढ़ वर्ष में यह पार्टी पुनः समर्थ पार्टी के रूप में उभरेगी, लेकिन आगामी राजनीतिक रणभूमि में पदार्पण करने के लिए नए समीकरण, नई नीतिनिर्माण करना अनिवार्य होगा। आगे भी अकेले रहकर सत्ता में आना भाजपा के लिए ही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए संभव नहीं। आगामी निर्वाचनों के समय शनि सिंहराशि में होगा। हिन्दुत्व एवं मन्दिर आदि पुनः एक मुद्दा बनेंगे। उस समय गुरु तुला या वृश्चिक में रहकर इस पार्टी की प्रतिष्ठा को उजागर करेगा और पुनः सत्तापक्ष में खड़ा कर सकता है। भाजपा के प्रतिष्ठित एवं सम्मान्य पूर्वप्रधानमन्त्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी जी का स्वास्थ्य उन्हें राजनीति में सशक्त नेतृत्व प्रदान करने में रुचि न रहने देगा, स्वास्थ्य खराब रहेगा। 80 वर्ष आयु के लगभग तक भारत की राजनीति में रहकर भाजपा के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे, लेकिन राजनीति से सन्यास की तरफ प्रवृत्ति बलवती रहेगी। गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार श्री वैंकैया, श्री अरुण जेटली, श्री प्रमोद महाजन एवं श्री आडवाणी इस पार्टी को चेतना प्रदान करने में समर्थ होंगे।

भारत के कुछ प्रान्त

पंजाब–पंजाब की प्रभावराशि मीन है। मीन में राहु के साथ वक्र बृहस्पति का समसप्तक एवं गुरु पर मंगल की विशेष दृष्टि राजनैतिक दृष्टि से कुछ असन्तोष का वातावरण बनाती है। 26 मई को शनि कर्कराशि में आकर पंजाब की नामराशि कन्या को प्रभावित करेगा। 3 जून को मंगल मीनराशि में आकर यहां के कृषकवर्ग में असन्तोष एवं औद्योगिक क्षेत्र में ह्रास से शासकवर्ग के लिए चुनौतीपूर्ण वातावरण बनाएगा। पंजाब के प्रधान नेतृत्व में परिवर्तन की मांग सं. 2062 वि. के प्रारम्भ से पहले ही बल पकड़ेगी। कदाचित् यही स्थिति रही तो आगामी विधानसभा निर्वाचन में सत्तारूढ़दल को भारी हानि उठानी पड़ेगी। जुलाई 2005 ई. से 6 फरवरी 2006 ई. तक का समय रुलिंग पार्टी के लिए कठिन परिस्थितियों वाला है। कहीं विशिष्टव्यक्ति का पदरिक्त हो, जनता एवं पार्टी कार्यकर्ताओं में असन्तोष व्याप्त होगा।

हरियाणा–नामराशि मिथुन है। प्रभावराशि मीन है। मीनराशि का स्वामीग्रह गुरु 5 जून 2005 ई. तक वक्री रहेगा। इस प्रान्त के प्रधान यशस्वी मुख्यमन्त्री श्री ओमप्रकाश चौटाला महाभाग जी की जन्मराशि भी मिथुन ही है। संवत् के शुरु से ही गुरु वक्री एवं मीनरथ राहु भी वक्री चलेगा। प्रतिपक्षी विरोधी ग्रुप अधिक ज़ोर पकड़ सकता है। 26 मई को शनि मुख्यमन्त्री महोदय के योजनास्थान कर्कराशि में आकर 18 जुलाई 2005 ई. को मंगल के साथ विशेष राशि–सम्बन्ध बना लेगा। यह योग सन् 2006 ई. में फरवरी के प्रथम सप्ताह तक प्रभावी रहेगा। तात्पर्य यह है, कि– राजनैतिक दृष्टि से प्रधानशासक एवं सहयोगी वर्ग के लिए समय अनुकूल नहीं। इस अवधि में कांग्रेस पार्टी किसानवर्ग एवं जनता को विशेष प्रलोभन देकर अपने पक्ष में करने का भरसक प्रयास करेगी। प्रधान नेता को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। इस संवत् में देश एवं जनता–हितार्थ नई योजनाएं, नए आयाम स्थापित करने का प्रयास कार्यान्वित होगा।

हिमाचल प्रदेश– इस प्रान्त की प्रभावराशि भी मीन ही है। नामराशि कर्क है। संवत् के प्रारम्भ में मीनस्थ राहु का मीनराशि के स्वामीग्रह गुरु के साथ समसप्तक इस प्रान्त के प्रधान नेता के लिए यश–मान–प्रतिष्ठाप्रद रहेगा। इस प्रान्त में गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार भारी औद्योगिक क्षेत्र का विकास होगा। यह प्रान्त निर्विवादरूप से औद्योगिक एवं पर्यटन की दृष्टि से खुशहाल होगा। केन्द्र से भारी मदद मिलेगी। सम्मान्य श्री वीरभद्रसिंह जी को इस प्रान्त के नागरिकों का सहयोग –स्नेह प्राप्त होता रहेगा। जुलाई से फरवरी 2006 ई. तक इस प्रान्त में प्राकृतिक आपदा (बादल फटना, भूकम्प, भूस्खलन किंवा यानदुर्घटना आदि) से भारी जनधनहानि का योग बनता है, भगवान् कृपादृष्टि रखें।

उत्तर प्रदेश–प्रभावराशि धनु है, नामराशि वृष है। 25 मई सन् 2005 ई. से पहिले श्री मुलायम सिंह जी अपना प्रभावक्षेत्र एवं राजनैतिक प्रभुत्त्व इस क्षेत्र पर स्थापित करने में सफल रहेंगे। जून 2005 ई. से जनवरी 2006 ई. तक इस प्रान्त में प्राकृतिक प्रकोप से हानि के योग बनते हैं। यहां अन्य पार्टी अभी फरवरी 2006 से पहिले विशेष प्रभाव नहीं बना पाएगी। औद्योगिक क्षेत्र में प्रगति के योग हैं।

जम्मू–काश्मीर– प्रभावराशि तुला है। 23 जून 2005 ई. से शुक्र कर्कराशि में आकर शनि के साथ राशि–सम्बन्ध बनाएगा। 15 जुलाई 2005 ई. को सूर्य भी कर्कराशि में शनि के साथ मिलेगा। 18 जुलाई को मंगल मेषराशि में आकर लगातार 6 महीने से भी अधिक समय तक शनि के साथ दशम–चतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध बनाए रखेगा। गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार पाकप्रेरित आतंकवाद इस प्रान्त में भयंकर रूप धारण कर लेगा। सीमाप्रान्तों पर

सैन्यसंघर्ष बनने के योग हैं। भारत सरकार को इस तरफ से बहुत सतर्क रहना होगा। प्रधान नेता एवं मन्त्रीवर्ग के लिए यह 6 मास का समय किंवा यह वर्ष विशेष उलझनपूर्ण एवं खतरनाक है; उग्रवादजन्य हत्याकाण्ड से जनमानस त्रस्त रहेगा।

भारत की जलवायु एवं वर्षा

सं 2062 वि. में बादल–वर्षा का स्वामी मंगल है एवं संवत् का राजा शनि है। दोनों क्रूर ग्रह हैं। शनि वर्षा में कमी का संकेत देता है। **"क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम्"**– प्रमाणानुसार मंगल कहीं भयंकर बाढ़ एवं कहीं सूखा रहने का संकेत देता है। इस वर्ष **'नवमेघों'** में वायु नामक मेघ होने से भी बादल वायुवेग से दूरगामी होते रहेंगे। **चतुर्मेघों** में **'संवर्तक'** मेघ अच्छी वर्षा का संकेत देता है। इस वर्ष **जलस्तम्भ 37 प्रतिशत** होने से क्षीण है। इस वर्ष **रोहिणी का वास 'सन्धि'** में होने से वर्षा में अवरोध होगा। कहीं सूखा, कहीं खण्डवृष्टि हो। वर्षाविचार में आर्द्राप्रवेश कुण्डली का परिशीलन आवश्यक है। देखिए–

21/22 जून (सन् 2005 ई.) की मध्यरात्रि के बाद 27 घं. 19 मि. पर सूर्यदेव आर्द्रा नक्षत्र में प्रविष्ट होंगे। वर्षा पर्याप्त हो, जनता में सुभिक्ष होने से प्रगति का मार्ग प्रशस्त रहे।

आर्द्राप्रवेश कुण्डली

शु. सू. 3 बु.
1
श. 4
2
12 मं. रा.
5
11
गु. 6 के.
8
10
7
9 चं.

अब हम गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार वर्षाविचार लिख रहे हैं; जिन तारीखों में हमने वर्षा का निर्देश किया है, उन तारीखों मे वर्षा यत्र–तत्र होगी। स्थानविशेष के लिए वर्षा का विचार करने हेतु सूक्ष्म विचार की आवश्यकता होती है, जो कि– समयाभाव के कारण संभव नहीं है।

अप्रैल 10, 12, 13, 19, 22, 24, 25 और 27 को भूटान, सिक्किम, आसाम, बंगलादेश में खण्डवृष्टि के योग हैं।

मई 1, 2, 5, 8, 11, 13, 14, 16, 19, 20 को उत्तरप्रदेश के कुछ भागों में, पू. उड़ीसा, आसाम, महाराष्ट्र विशेषतः बम्बई, सिक्किम, भूटान में वर्षा के योग हैं। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। मई 25, 26, 29, 30 और जून 3 से 8 तक, 11, 14, 15 एवं 18 जून को भूटान, शिलांग, काठमण्डु में कहीं वायुवेग के साथ वर्षा हो। इसी बीच मई 23 से 26 तक हवा के ज़ोर के साथ हि. प्र., जम्मू–काश्मीर, पंजाब के तलहटी भाग में वर्षा के योग हैं।

जून 4 से 6 तक उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, आसाम, पंजाब, हरियाणा तथा हि. प्र. में भी (गुरु के मार्गी होने एवं शुक्र के आर्द्रा में आने पर) अच्छी वर्षा के योग हैं।

21 जून को सूर्य आर्द्रानक्षत्र में रात्रि के समय प्रवेश करेगा। इस समय मंगल–राहु भी जलराशि में ही हैं। अतः मुम्बई, उड़ीसा, आसाम, बिहार आदि में भयंकर बाढ़ किंवा अन्यत्र कहीं भयंकर सूखे की स्थिति बनेगी।

23 जून से 6 जुलाई तक शुक्र, बुध एवं अस्त शनि–ये तीनों कर्क (जल) राशि में चलेंगे। इस अवधि में कहीं भयंकर बाढ़ से जनधनहानि होगी, कहीं समुद्री तूफान, भूकम्प या बादल फटने आदि प्राकृतिक आपदाओं से जनधनहानि के योग बनेंगे।

जून 23 से 27 तक, **जुलाई** 5, 6, 8, 9, 16 से 21, 23, 24 एवं 27 से 29 जुलाई तक हि. प्रदेश, पंजाब, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, काश्मीर एवं समस्त उत्तरी भारत में बादल–वर्षा के योग हैं। इस समयावधि में राजस्थान, आन्ध्रप्रदेश, उडीसा, आसाम में कहीं भयंकर बाढ़ से जलथल होगा। एवं कहीं भयंकर सूखे का प्रकोप रहे।

नोट– 18 जुलाई को मंगल मेष में आकर शनि के साथ दशम–चतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध बनाएगा। साथ ही शुक्र सिंहराशि में आकर 11 अगस्त तक सिंहराशि में ही रहेगा। सिंहराशिस्थ शुक्र वर्षा में रुकावट पैदा करेगा, बादल आएंगे और छंट जाएंगे, कहीं–कहीं मामूली बौछार हो।

अगस्त 2 से 7, 9, 10 को विशेषतः 12 से 17 अगस्त तक जम्मू–काश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हि. प्रदेश, दिल्ली एवं मध्यप्रदेश के अधिकांश भागों में वर्षा के योग हैं। दक्षिणी भारत में कहीं बाढ़ से निराशाजनक स्थिति बनेगी।

20 से 27 अगस्त तक एवं 30 अगस्त से 3 सितम्बर तक हि. प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली एवं जम्मू–काश्मीर आदि में वर्षा के योग हैं। इन दिनों कहीं आकाशी बिजली गिरने किंवा बाढ़ से भारी क्षति संभव है।

सितम्बर 6, 8, 11 से 18 एवं 22, 23, 26, 27, 29, 30, **अक्तूबर** 2 से 6, 10, 13, 17, 18, 21, 23, 25, 26, 28 एवं 30 अक्तूबर के लगभग उत्तर–पूर्वी लंका, हि. प्रदेश एवं चिरापूंजी में वर्षा के योग हैं। आसाम, बंगाल, नेपाल, भूटान में वर्षा एवं जम्मू–काश्मीर और हि. प्रदेश के उन्नतशिखरों पर वायुवेग के साथ वर्षा हो या हिमपात का प्रारम्भ हो। उत्तरी भारत में शीत अनुभव होने लगे।

नवं 6 एवं 12 से 15; **दिसम्बर** 2 से 6 एवं 9, 10, 15, 16, 17, 20, 21, 24 एवं 28 से 31 दिसम्बर तक उत्तरी भारत में भयंकर शीतलहर चलेगी एवं अनेकत्र धुन्द का वातावरण रहने से यानदुर्घटनाओं की सम्भावना होगी।

जनवरी (सन् 2006 ई.) 4, 8, 10, 11, 13, 14, 17 से 20, 24, 25, 28 एवं 31 जनवरी के लगभग वायुवेग के साथ कहीं वर्षा व बून्दाबांदी के योग हैं। काश्मीर, हि. प्रदेश में कहीं जोरदार हिमपात से हानि होगी। उत्तरी भारत ठिठुरेगा।

फरवरी (सन् 2006 ई.) में 1 से 5, 12, 13, 17 से 19 और 24, 25, 27 फरवरी को बंगाल, आसाम एवं बंगलादेश में कहीं बादलचाल, खण्डवृष्टि व बून्दाबांदी के योग हैं। **उत्तरीभारत में ज़ोरदार हवा चलेगी और मौसम में कुछ बदलाव आने लगेगा। तापमान बढ़ेगा।**

मार्च 2, 4, 5, 9, 10, 14, 17 एवं 19 से 22 तक, 24, 25 एवं 29 मार्च के लगभग उत्तरीभारत में गर्म हवा का बहाव अनुभव होगा। मध्यप्रदेश, बंगाल, भूटान, सिक्किम, आसाम में कहीं वायुवेग के साथ वर्षा होगी, लेकिन उत्तरीभारत में मौसम खुश्क रहेगा एवं तापमान ऊंचा उठेगा।

पाठको ! आतर्क्य भविष्य देखने की क्षमता तो इस कलियुग में कठिन ही है। पुनरपि, ज्योतिष विज्ञानदृष्ट्या एवं श्रीप्रभुकृपावशात् राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय, जो शुभाशुभ घटनाएं मेरी अल्पविषया मति में प्रस्फुरित हुईं हैं, आपके समक्ष उपस्थित कर दी हैं। आगे 'कर्तुमकर्तुमन्यथा कर्तुम् समर्थ' भविष्य के निर्धारक तो स्वयं प्रभु ही हैं। उनकी प्रबल मायाशक्ति के सम्मुख मुझ जैसे अल्पज्ञ की भविष्यलेखन में प्रवृत्ति बाल–चापल ही तो है–

"तत्त्वं चात्रेश्वरो वेत्ति नाहं वेद्मि कदाचन।"

शुभचिन्तक–
इन्दुशेखर शर्मा,
श्री मार्त्तण्ड भवन,
मु.पो. कुराली, रोपड़(पंजाब)।
PIN - 140 103
Phone- 0160. 2641 277 FAX- 0160.2641577

[लेख पूर्ण होने की तिथि– सितम्बर 6, सन् 2004 ई.]

आभार प्रदर्शन

हमारे परम सहयोगी मित्रवर ज्ञानी श्री करतार सिंह जी 'गढ'

(मालिक, कंवल फोटोस्टेट, चौक माता रानी, कुराली PH. 0160-2641274)

ज्ञानी श्री करतार सिंह जी विगत १३ वर्षो से हमारी 'शिरोमणि तिथपत्रिका' (पंजाबी) और 'श्री मार्त्तण्ड आलम जन्त्री' (उर्दू) के अनुवाद, पाण्डुलिपि-लेखन, प्रूफरीडिंग आदि का श्रमसाध्य पूरा कार्य अत्यन्त आत्मीयभाव, तन्मयता, परिश्रम तथा निःस्वार्थभाव से करते चले आ रहे हैं; जिससे ये दोनों प्रकाशन प्रतिवर्ष उत्तरोत्तर समृद्ध कलेवर में हमारे पाठकों को उपलब्ध होने लगे हैं। अब तक **श्रीमार्त्तण्डपंचांग** (हिन्दी) की ही संस्कार-समृद्धि की ओर हमारा अधिक झुकाव रहा । अत एव ज्योतिष से सम्बद्ध विशेष लेखमाला तथा अन्य ज्ञानवर्धक स्तम्भ हम इसी (हिन्दी) पंचांग में प्रकाशित करते रहे हैं। उर्दू एवम् पंजाबी की इन जन्त्रियों में ऐसे लेख एवम् स्तम्भों को समाविष्ट करने से, हम अनुवाद आदि के लिए समय की कमी के कारण, आज तक कतराते रहे हैं । लेकिन अब **प्रियमित्र ज्ञानी करतार सिंह** जी की हमसे निःस्वार्थ घनिष्ठता एवम् उर्दू-पंजाबी भाषाओं में इनकी प्रशस्य दक्षता के कारण इन दोनों प्रकाशनों को भी हम ऐसे लेख-स्तम्भों से श्री मार्त्तण्डपंचांग की ही भान्ति अलंकृत करने में अपने आप को समर्थ पा रहे हैं। विगत कुछ वर्षो से दिए जा रहे नए-नए आकर्षक, ज्ञानवर्धक विषयों से वर्धमान कलेवर वाली **'शिरोमणि तिथपत्रिका'** का श्रेय आपको ही है। इन उर्दू-पंजाबी जन्त्रियों के अनुवाद आदि के भारी उत्तरदायित्व को पूरी तरह निभाते हुए आप जैसे-तैसे समय निकालकर हिन्दी के श्रीमार्त्तण्डपंचांग की प्रूफ-रीडिंग आदि में भी हाथ बंटाने में हर्ष अनुभव करते हैं। अपने प्रति इस निःस्वार्थ सौहार्दातिशय के लिए हम सभी हृदय से ज्ञानी जी के ऋणी है । आप अपने व्यस्त जीवन के क्षणों में भी हमारे लिए प्रचुर पर्याप्त समय सहर्ष निकाल लेते है । आपके इस सौहार्दभरे स्पृहणीय सहयोग से हमारा प्रकाशन-कार्यभार काफी कुछ हल्का हुआ है। एतदर्थ हम आपके प्रति विनम्रतापूर्वक आभार प्रकट किए बिना सचमुच नहीं रह सकते।

आपका सहयोग भी हमारे लिए कम महत्त्वपूर्ण नहीं है

श्रीमार्त्तण्ड ज्योतिष कार्यालय कुराली के प्रबन्धक, हमारे पूज्य पिताजी के प्रियशिष्य, हमारे अनुजकल्प ***चि. प्रेमचन्द्र शर्मा;*** चि. ***श्रीकृष्णशर्मा,*** M.A. (संस्कृत), वेदाचार्य, साहित्याचार्य, ***चि. दिलबाग शर्मा*** सुपुत्र **श्री रामचन्द शर्मा, ग्राम एवं डा. सिनन्द (कैथल- हरि.) तथा नालाबलोग (पंचकूला) के निवासी** ***चि. सुरेशानन्द शर्मा,*** बी.ए., सुपत्र **श्री सुन्दरराम शर्मा** भी 'श्रीमार्त्तण्डपंचांग' (हिन्दी) की पाण्डुलिपि लेखन, प्रूफरीडिंग आदि का काम बड़ी तत्परता, सावधानी, अपनापन और आदरभाव से करते हैं। इस पंचांग के प्रकाशनकार्य का हमारा भार इन युवाओं के स्वत्व भरे उत्साहपूर्ण सहयोग से हल्का हुआ है। एतदर्थ इनके निरन्तर प्रगतिमय, परमोज्जवल भविष्य के लिए हमारा इन्हें सस्नेह–आशीर्वाद है।

संपादकमण्डल

व्यापार-विमर्श

(संवत् 2062 वि. की ग्रहस्थिति के आधार पर व्यापारिक वस्तुओं में आने वाली तेजी एवम् मन्दी का मासिक विवरण)

लेखक :– इन्दुशेखर शर्मा-संयमी शर्मा,

संसार के सभी पदार्थों पर ग्रहों का नियंत्रण है, सभी पदार्थों का समावेश बारह राशियों में है। जब ग्रह भ्रमण करता हुआ राशिभोग करता है, तो उस राशि में समाहित सभी व्यापारिक वस्तुएं ग्रह की प्रकृति के अनुसार प्रभावित होती रहती हैं। प्रभावित वस्तुओं में परिवर्तन आते हैं और इन्हीं परिवर्तनों से बाजारों में घटा–बढ़ी होती है, जिसे हम ' तेजी–मंदी ' कहते हैं। व्यापारी 'तेजी–मन्दी'– इन दो शब्दों से अपने भाग्य को आजमाता है। परन्तु मनुष्य का भाग्य कर्मफल किंवा ग्रहचाल के मुताबिक आर्थिक स्थिति को कभी बिगाडता है तो कभी सुधारता है। रथ के पहिए में लगे आरों की भांति मनुष्य को समाज में कभी ऊपर उठाता है तो कभी नीचे गिराता है – " चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः "। कहने का तात्पर्य यह है कि, जो व्यक्ति आज व्यापार में घाटा खा चुका है, वह सदा के लिए डूबा ही रहेगा–यह धारणा भ्रामक है। व्यापार में बहुत ही आश्चर्यजनक उतार–चढ़ाव आते हैं, न जाने आपको कब शीघ्र उत्तम धनलाभ हो जाए। जो व्यक्ति धनाढ्य होकर सट्टे का काम विचारपूर्वक नहीं करते, वे शीघ्र ही डूब सकते हैं । व्यापार तो किस्मत के सिकन्दर का ही प्रत्यक्ष साथ देता है। अतः किसी भी तरह का व्यापार करने से पहिले आप पत्राचार द्वारा या प्रत्यक्ष मिलकर ग्रहस्थिति पर विचार करा लें, विश्वास रखें, ग्रहस्थिति के आधार पर किए गए व्यापार से आप हानि में न रहेंगे। आप भारी हानि से भी बच सकते हैं।

जीवन में ग्रहस्थिति के प्रभाव का अध्ययन करने से यह निःसन्देह सत्य सिद्ध हो चुका है, जितना लाभ आपको होना है, उतना ही होगा, अधिक नहीं "यदस्मदीयं नहि तत्परेषाम्" अर्थात् जो मेरा है, वह मिलेगा ही, उसे और कोई नहीं ले सकता । अतः जीवन पर ग्रहों का संकेत समझकर ही व्यापार करना बुद्धिमत्ता है।

खुलकर व्यापार करने से पहिले अप्रत्याशित हानि से बचने के लिए अपनी व्यक्तिगत ग्रहचाल को ध्यान में रखना सतर्कता है । हानिप्रद ग्रह से संबंधित वस्तु का व्यापार न करें। वर्ष में जो ग्रह लाभप्रद हैं, उन ग्रहों के अधिकारक्षेत्र में आने वाली वस्तुओं का ही व्यापार करें, तभी आप लाभ ले सकेंगे।

हाजर एवं वायदा व्यापारी जो अपने व्यापारिक जीवन से निराश हो चुके हैं, उनके लिए हम यहां व्यापार–विमर्श में ग्रहों का पूर्ण अध्ययन करके तेजी–मन्दी का मशवरा देते हैं, व्यापारियो ! निराश न हों । हमसे प्रत्यक्ष मिलें, आपकी उलझी हुई व्यापारिक समस्या का समाधान हम करेंगे ।

संवत् 2062 में गुरु, शनि, राहु, मंगल, यूरेनस, नेप्च्यून और प्लूटो आदि के चार एवं युति–प्रतियुति के आधार पर यह स्पष्ट घोषणा की जाती है कि, इस साल व्यापार जगत् में विशेष लम्बे तेजी एवं मन्दे के रिएक्शन्ज़ आएंगे। इस वर्ष गुड़, खाण्ड, घी, तेल, तिलहन एवं रुई में विशेष लाभ के चांस हैं, तुरन्त फीस भेजकर टेलीफोन से सम्पर्क स्थापित करें । विदेशी व्यापारी पत्र द्वारा या टेलीफोन द्वारा सम्पर्क स्थापित करें, उत्तर मिलेगा। कहने का तात्पर्य है, कि– इस वर्ष व्यापारिक क्षेत्र में रंक से राजा एवं राजा से रंक बना देने वाले विशेष योग हैं । अतः प्रत्यक्ष मिलकर या वर्षभर की फीस भेजकर टेलीफोन के जरिये समय–समय पर ताजा परामर्श प्राप्त करके उतम लाभ प्राप्त करें। व्यापार–विमर्श लेख में जिस जगह हम ताजा मशवरा हासिल करने की बात लिखते हैं , वहां व्यापारी अगर प्रत्यक्ष मिलकर मशवरा लें, तो अच्छा रहे । 'व्यापार–विमर्श 'लेख में हम ग्रहचाल के मुताबिक सभी व्यापारियों को प्रतिवर्ष बाजारों के उतार–चढ़ाव से सावधान करते रहे हैं ।

सं. 2046 वि. में चना के व्यापारी हमारे परामर्श से भारी लाभ उठा चुके हैं । सरसों, तेल, तिलहन में तेजी से सं. 2048 वि. में तो जो व्यापारी हमारे संपर्क में रहे, लाखों का लाभ उठा गए। हमने तेल, सरसों, बिनौला, अलसी, सूरजमुखी, मूंगफली एवं रुई में अपने व्यापारियों को भयंकर तेजी बताई थी, उस साल व्यापारियों को हमारे परामर्श से छः गुणित लाभ प्राप्त हुआ। सं. 2049 वि. में तेल, घी एवं शेयरों के बाजार में जो उथल–पुथल हुई– उसका खुलासा हम निजी व्यापारियों को देते रहे हैं । सं. 2052–53 वि. में रुई एवं दालवाना के व्यापारी हमारे साथ मशवरा करके लाखों रुपये का लाभ प्राप्त कर चुके हैं ।

सं. 2054 वि. में सरसों के व्यापारी हमारे ताजा मशवरे से भारी हानि से बचे एवं गुड़ के व्यापारी लाखों कमा गए। सं. 2055 वि. में तेल के व्यापारी

24 अगस्त तक 5450/-- तेल के भाव में सौदा सैटल करके पूरा लाभ ले गए। सं. 2056-57 वि. में तेल, गुड़, सरसों, सोना-चांदी एवं अनाजों के व्यापारी हमारे मशवरे से विशेष लाभ प्राप्त कर चुके हैं । संवत् 2060 में वायदा व्यापारी एवं हाजर का काम करने वाले व्यापारी दालवाना, सरसों एवं ग्वार में पहले भयंकर तेजी से और बाद में आश्चर्यजनक लगातार मन्दे से भरपूर लाभ हमारे ताजा मशवरे से उठा चुके हैं। आगे भी व्यापारियों से अनुरोध है, कि- व्यक्तिगतरूप से आकर व्यापारिक जानकारी लेने में भारी लाभ ले सकेंगे। दूर-दराज से आने वाले व्यापारी टेलीफोन से समय निश्चित करके आएं या एक मास की फीस एक जिन्स के लिए 500 रु. भेजकर टेलीफोन से ही तेजी-मन्दी जान सकेंगे।

इस वर्ष हम अपने व्यापारियों (जिन्होंने 500 रु. प्रति मास प्रति जिन्स के हिसाब से फीस जमा करवाई है) को टेलीफोन पर सं. 2062 वि. में ग्रहों के वक्रमार्ग, युति, गति के अनुसार तेजी--मन्दी की विशेष लाइनों का संकेत देंगे, साथ ही सामयिक तेजी-मंदी का विवेचन भी करेंगे । व्यापारियों से निवेदन है, कि वे निम्नांकित हिदायतों को ध्यान में रखकर, अपनी ग्रहचाल के अनुकूल होने पर ही व्यापार करें। व्यापार में किसी प्रकार की हानि के लिए सम्पादक/लेखक जिम्मेदार न होंगे।

नोटः- वायदा व्यापार या हाजर सौदा के व्यापार की लाईन अगर लिखे या बताए गए विचार के विपरीत चले तो तुरन्त सौदा काटकर नुक्सान से बचें, तुरन्त प्रत्यक्ष मिलकर या टेलीफोन से ताजा मशवरा हासिल करें। नीचे लिखे 'वायदा व्यापारियों के लिए हिदायतें' को ध्यान में रखकर व्यापार करें। फिर भी किसी प्रकार के नुक्सान (हानि) की जिम्मेदारी हम नहीं लेते । अर्थात्- व्यापार में हानि होने पर हम जिम्मेदार न होंगे ।

-: वायदा व्यापारियों के लिए हिदायतें :-

(1) सदैव उतने ही लाभ की आशा करके व्यापार करें, जितना साधारणतया हानि उठाने का सामर्थ्य हो। (2) सदैव याद रखो, कि वायदा व्यापार में नुक्सान की लिमिट बांधकर काम करें, ज्यादा नुक्सान व घबराहट से बच जाओगे, कम नुक्सान में सौदा काट देना अक्लमन्दी है। (3) व्यापार करते समय ध्यान रहे- कि सबसे पहले अपने मन में व्यापारिक आधार के साथ-साथ ग्रहगति के आधार पर निर्णय कर लें कि यह समय इस वस्तु में मोटी तेजी का है या मोटी मन्दी का ? मन में यह धारणा बांधकर बाजार का रुख देखें। यदि व्यापार की लहर तेजी की चल रही हो तो हमारे परामर्श से तेजी का व्यापार करके लाभ उठावें।

(4) यदि योग भी मन्दे का हो और बाजार में मन्दे के मोटे कारण भी दिखाई देने लगें एवम् व्यापार के वक्त भी बाजार का रुख मन्दे का हो, तो ऐसी स्थति में हर बढ़े भाव में बचाव करते रहिए, थोड़ा सौदा काटकर नफा से सुलटते रहिए। (5) व्यापार की लहर तेजी की है या मन्दी की- यह जानने के लिए खास वस्तु के भावों को देखना चाहिए। यदि उस वस्तु में हर तीसरे-चौथे-आठवें दिन मन्दी के या तेजी के नए-नए भाव आते चले जाएं, जैसे-तीसरे दिन नया भाव मन्दी का आवे तो जान लो, कि उस वस्तु में अब मन्दे की लहर चल रही है, उछाल में बेच दें। (6) यदि मन्दी के भाव छूटते चले जाएं और तेजी के भाव तीसरे या चौथे दिन नए-नए बनते जाएं तो समझ लें कि तेजी की लहर चल रही है, ऐसे समय जब ग्रहचाल से भी तेजी नजर आए तो तेजी का व्यापार करके प्रायः लाभ उठाया जा सकता है। (7) बाजार के खिलाफ कभी काम न करें। मान लो, आपने तेजी का काम किया, उधर सौदा करते ही मन्दे की लहर चल रही है तो किसी भी समय तेजी का उछाल आते ही सौदा खत्म कर दो, बड़े नुक्सान से बच जाओगे।

हमेशा ग्रहयोग को आधार मानकर और बाजार के रुख को ध्यान में रखते हुए अपनी पाराशरी शुभदशा में व्यापार से अच्छा लाभ उठाया जा सकता है। इसके विरुद्ध खोटी ग्रहस्थिति वाले व्यापारियों को वायदे का व्यापार भूलकर भी नहीं करना चाहिए, भारी हानि हो सकती है। सट्टा तो सितारे का साथी है, अतः समयानुसार पत्र द्वारा अपनी दशा के अनुसार हमारे सुझावों द्वारा लाभ उठा सकते हैं।

आगामी मास वायदा व्यापार में तेजी का रहेगा या मन्दे का-यह जानने के लिए अनुभूत प्रकार

(व्यापारी बन्धुओं की सुविधा के लिए यह अनुभूत विधान पहली बार दे रहे हैं;- व्यापारी इस विधि से लाभ उठा सकेंगे- हम प्रतिवर्ष व्यापारियों की सुविधा के लिए ऐसा ही अनुभूत प्रकार दिया करेंगे; आशा है, व्यापारी बन्धु लाभ लेंगे।)

व्यापारिक वस्तुओं में कब कितना उतार-चढ़ाव आएगा;- यह जानने के लिए हमने खास-खास ग्रहों की गति एवं गत्यन्तर के प्रभाव का परीक्षण किया है,- अनुभव में काफी आश्चर्यजनक सही परिणाम उपलब्ध हुए हैं। इस पर और चिन्तन की आवश्यकता है, कुछ वर्षों बाद इसका विश्लेषण हम आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे। लेकिन इस वर्ष व्यापारी बन्धुओं के हितार्थ मासिक तेजी-मन्दी जानने के लिए एक ''सौराष्ट्रीय विधि'' यहां लिख रहे हैं; जो कि अनुभव में बहुत हद तक सही उतरी है। यह विधि कुम्भ एवं मीन के चन्द्र (यानी पंचक नक्षत्र) के आधार पर ही स्थित है।

जिस महीने में जिस वस्तुविशेष की तेजी मन्दी जाननी हो, उस वस्तु के ऊँचे से ऊँचे और नीचे से नीचे भाव कुम्भस्थ चन्द्र से लेकर मीन के चन्द्र (अर्थात् पंचकों के प्रारम्भ से पंचकों के अन्त) तक सही-सही नोट कर लें। फिर उनमें जो ऊँचे से ऊँचा भाव हो, उस भाव में से पंचकों में नीचे से नीचे भाव को घटा कर अन्तर निकाल लें। यह अन्तर पंचकों में आए ऊँचे से ऊँचे भाव में जोड़ने पर जो भाव बने वही भाव उस मास में आगामी पंचकों की समाप्ति तक ऊँचे से ऊँचा भाव होगा। फिर वही अन्तर नीचे से नीचे भावों में से घटाने पर जो भाव प्राप्त होगा, वह उस मास में नीचे से नीचा भाव होगा।

यदि पंचकारम्भ में चन्द्रमा किसी वक्री व क्रूर ग्रहों से युत व दृष्ट हो तो उन ग्रहों के बलाबल के अनुसार जिन्स का भाव दोगुणा या तीनगुणा तक बढ़ जाता है। चन्द्रमा पंचकों में सौम्यग्रहों से युत व दृष्ट हो तो वही अन्तर द्विगुण-त्रिगुण नीचे भी आ सकता है-यह ध्यान कर लें।

संवत् 2062 वि. में ग्रहस्थिति के अनुसार तेजी-मन्दी

संवत् 2062 वि. में तेजी-मन्दी का सुविस्तृत विवरण देने से पहिले हम इस संवत् के नाम, वर्ष के राजा, मन्त्री, धान्येश, सस्येश एवं रसेश का व्यापार पर क्या प्रभाव पड़ता है- संक्षेपेण यहां दिग्दर्शन करा देना प्रासंगिक समझते हैं।

संवत् 2062 वि. का नाम ' विलम्बी ' संवत्सर है।

"विलम्बि - वत्सरे भूपाः परस्परं विरोधिनः।
प्रजापीड़ा त्वनर्थत्वं तथापि सुखिनो जनाः।।"

अर्थात्- "देश में राजनीतिज्ञ परस्पर असहयोग किंवा विरोध का प्रदर्शन करें, राजनीतिक प्रक्रिया सुचारु रूप से न चले। प्रजा में असन्तोष, परेशानी एवं अनर्थकारी घटनाएं घटित हों, पुनरपि जनता सुख का अनुभव करे।" स्पष्ट है, कि- इस वर्ष राजनैतिक कुचक्र में फंसा व्यापार अवश्य प्रभावित होगा।

संवत् 2062 वि. का राजा शनि होने से वर्षा की कमी रहेगी। शासकों में परस्पर विचार न मिलें, परस्पर राजनीतिक अन्तर्द्वन्द चलता रहे। कहीं युद्ध की विभीषिका से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो। कहीं अकाल की स्थिति बने, जनता अपने घर छोड़कर अन्यत्र जाने के लिए विवश हो।

इस वर्ष का मन्त्री बालग्रह बुध है; जनता राजनीतिक वाद-विवाद में उलझे। जौ, चना, मसूर आदि अनाज मंहगे हों। इस वर्ष सस्येश शनि जौ, चना, दालवाना, गेहूं आदि फसलों में हानि का संकेत देता है। धान्येश गुरु चावल (धान) एवं जीरी की अच्छी उपज से राईस शैलर वालों के लिए शुभ संकेत देता है।

सं. 2062 में बादल-वर्षा का स्वामी मंगल है, जो कि कहीं वर्षा की भारी कमी एवं कहीं बाढ़ से भारी विनाश का संकेत देता है। दिशाविचार से आसाम -उड़ीसा, महाराष्ट्र आदि में भारी **बाढ़ से विनाश एवं अकाल की स्थिति** का संकेत मिलता है।

संवत् 2062 वि. में शरत्सस्य जातक कुण्डली के अनुसार सूर्य-शुक्र वृषराशिस्थ हैं, अतः मक्का, जीरी, गन्ना, चावल, मूंग, ज्वार, बाजरा, अरहर, कपास एवं तिल आदि की फसल अच्छी होगी; इनमें विशेष तेजी का संचार नहीं होगा।

ग्रीष्म सस्यजातक कुण्डली के अनुसार सूर्य से छठे मंगल, सप्तमभाव में उच्च चन्द्र है। मंगल के स्वराशिस्थ एवं गुरु से दृष्ट होने पर खड़ी फसलों को हानि पहुंचेगी। गेहूं, जौ, चना, दालवाना एवं सरसों आदि तेलवाना की फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से हानि पहुंचेगी एवं उक्त वस्तुओं में मंहगाई से जनता में असन्तोष पैदा हो। **ध्यान दें-** शारदीय सस्य गेहूं (कणक), जौ, चना आदि की फसल बहुत अच्छी नजर आने पर भी झाड़ आधा पल्ले पड़ेगा; ऐसा ग्रहस्थिति से संकेत मिलता है।

नवमेघ एवं चतुर्मेघ विचार से इस वर्ष कुछ भागों में वर्षा की भारी कमी अनुभव होगी, कहीं अकाल की स्थिति बनेगी। धान की फसल को विशेष हानि हो।

*ग्रहों के वक्रमार्ग, युति-प्रतियुति के अनुसार इस वर्ष चावल, गेहूं, चना, दालवाना, रुई, नरमा, ग्वार, मैंथा, मैंथा ऑयल, सोना-चान्दी एवं तेल, तिलहन में तेजी-मन्दी के भयंकर रिएक्शन आएंगे। हमारा व्यापारियों से अनुरोध है, कि- **टेलीफोन नं. 0160-2641277** पर समय निश्चित करके प्रत्यक्ष मिलें या **पांच सौ रु. (Rs-500/-)** प्रतिमास एक जिन्स के हिसाब से फीस जमा करवाकर टेलीफोन से तेजी-मन्दी के बारे में चांस प्राप्त करें।*

अप्रैल

मास के आरम्भ में अलसी, एरण्ड, सरसों, मूंगफली, लहसुन, गेहूं, जौ, चना, चावल तेज रहेंगे। रुई, कपास, चांदी, चन्दन, गुड़, खाण्ड एवं शक्कर

में कुछ मन्दे का वातावरण रहेगा। 3 अप्रैल को गुरु हस्त नक्षत्र के तीसरे चरण में प्रवेश करेगा। ध्यान दें,– इस समय गुरु केतु के साथ कन्याराशि में वक्री चल रहा है; केतु तो स्वभावतः वक्री ही रहता है। इस समय तिलहन में विशेष मन्दे का दौर चलेगा। शनि के पुनर्वसु के तीसरे चरण में आने पर एवं वक्री बुध के पूर्व में उदित होने पर 5/6 अप्रैल के लगभग रुई में मन्दे के बाद कुछ दिनों में अच्छी तेजी आने के आसार हैं। घी, तिल, लालमिर्च, गेहूं, चना आदि में तेजी का ही वातावरण रहेगा। इस समय तिलहन मे अचानक तेजी का रिएक्शन आ सकता है। 9 अप्रैल तक बाजार में मध्यममानेन तेजी का ही रुख रहेगा।

10 अप्रैल को रविवारी चन्द्रदर्शन एवं शुक्र का मेषराशि में प्रवेश जौ, चना, गेहूं आदि अनाज एवं घी में तेजी करे। सोना, चांदी में विशेष तेजी का झटका आएगा; गुड़, शक्कर, पाट, बारदाना आदि में घटाबढ़ी के बाद तेजी हो। तिल, तेल, सरसों एवं एरण्डी के तेल में कुछ मन्दा बने।

12 अप्रैल को बुध मार्गी होगा। बुध राहु के साथ मीन राशि में गुरु से दृष्ट है; इस पर शनि की दृष्टि भी है। रुई में पहले मन्दी होकर, तुरन्त तेजी बने। चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी; 8 दिन में गेहूं, जौ, चना आदि अनाज तेज हों। रेशम, तेल, अलसी, एरण्ड, गुड़, बिनौला, मूंगफली, कपूर, चन्दन, अगर आदि सुगन्धित चीजें मन्दी हों। रसकस मन्दे; सोना तेज रहे।

13 अप्रैल को सूर्य मेष राशि में आकर शुक्र के साथ मेल करेगा। तेल, तिलहन, सोना, चांदी, लोहा–तांबा, लालचन्दन, नारियल, बादाम, रुई, घी, शक्कर, गुड़, खाण्ड, सुपारी, हींग, सूत, कपड़ा, मेथी, लौंग, इलायची में तेजी बनेगी। गेहूं, चावल, उड़द, मूंग, अरहर, चना, जौ, मटर आदि मन्दे हों।

14 अप्रैल को नेप्च्यून धनिष्ठा 1 में आएगा। इस समय मकर राशि में स्थित मंगल भी धनिष्ठा 1 में ही चल रहा है। नेप्च्यून ग्रह विशेषतः रुई, कपास, तेलवाना एवं गुड़–खाण्ड के बाजारों पर अपना विशेष प्रभाव दिखाता है। इस समय यह मंगल के सम्पर्क में है, अतः रुई, कपास, तेल, तिलहन, गुड़, खाण्ड एवं सोना–चांदी में विशेष तेजी करेगा। वायदा व्यापारी अच्छा लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

(14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक वायदा बाजार तेज रहेंगे।)

21 अप्रैल को शुक्र भरणी नक्षत्र में आकर तेल, तिलहन, सोना, चांदी, घी, लालमिर्च में मन्दा करे; अनाजों में घटाबढ़ी एवं रुई में तेजी करेगा।

22 अप्रैल को मंगल अपने शत्रुग्रह शनि की राशि कुम्भ में प्रवेश करेगा, बृहस्पति की दृष्टि से निकल जाएगा। इस समय रुई और चांदी के बाजारों में जोरदार उठा–पटक होगी। गेहूं आदि अनाजों किंवा गुड़, खाण्ड, सोने में तेजी होगी।

25 अप्रैल को शुक्र का उदय पश्चिम में होगा। घी, खाण्ड मन्दे होंगे। रुई, वस्त्र, सूत, सण, सोना, चांदी, तिल, चावल में तेजी बनेगी।

(22 से 26 अप्रैल तक बाजारों में तेजी का रुख रहेगा।)

27 अप्रैल को सूर्य भरणी में एवं बुध रेवती में आएगा। केसर, मजीठ, कुसुम्भ, लालचन्दन, गेरु, लालमिर्च, सोना, ताम्बा, मूंगा, पीतल के बर्तन, गेहूं, जौ, चना, चावल, मोठ, अलसी, रुई, सरसों, गुड़, खाण्ड, घी में तेजी। रसकस में कुछ मन्दा बने।

(27 से 30 अप्रैल तक वायदा बाजारों में तेजी का वातावरण रहेगा। लेकिन गुड़, खाण्ड, घी, तिल, तेल, सरसों के बाजार कदाचित् नीचे भी जा सकते हैं, ताजा मशवरा प्राप्त करें।)

मई

1 मई को मंगल शतभिषा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। अनाजों में कुछ मन्दा बनेगा; रुई, सोना, चांदी के भाव पहले मन्दे होकर बाद में शीघ्र ही तेज होंगे। **मन्दा आने पर खरीदें; तेजी आने पर अच्छा लाभ मिलेगा।**

2 मई को गुरु हस्त 2 में तथा शुक्र कृत्तिका में प्रविष्ट होगा। **ध्यान दें– गुरु वक्री ही चल रहा है।** रुई, गुड़, खाण्ड, अलसी, सरसों शक्कर, घी, तेल, सोना, चांदी, मोती, गेहूं, चना, चावल, हींग, हीरा, मणि आदि जवाहरात में मन्दा होगा। **इस समय तिलहन के व्यापारी मन्दे का काम करें तो अच्छा लाभ मिलेगा।**

5 मई को शुक्र वृष राशि में आकर बृहस्पति की नजर में आ जाएगा। इस समय बाजार के रुख को देखें; यदि तेजी का बाजार हो तो जोरदार तेजी चलेगी, यदि बाजार मन्दे में चल रहे हों तो जोरदार मन्दा बाजारों में चलेगा– यह विचारकर ही वायदा बाजार में काम करें। क्योंकि, अकेला बुध जोरदार मन्दा करता है, इस समय बृहस्पति की इस पर नज़र भी है। इस समय जोरदार मन्दा या जोरदार तेजी बनेगी। हमारा विचार इस समय मन्दे का है, फिर भी बाजार का रुख देखकर काम करें। शुक्र का सब से ज्यादा प्रभाव चांदी–सोने के बाजार पर अनुभव हुआ है, अतः रुई, कपास, सोना, चांदी, सूत, गुड़, खाण्ड, पाट, बारदाना एवं तिलहन में अच्छी घटाबढ़ी चलेगी। हमारे विचार से अच्छा मन्दा बाजारों में बनेगा। इस समय अनाजों में भी मन्दे का रुख रहेगा।

(1 से 7 मई तक बाजारों में मन्दा प्रधान रहेगा।)

8 मई को बुध अश्विनी नक्षत्र एवं मेष राशि में प्रवेश करके सूर्य के

साथ मेल करेगा। सूर्य के साथ बुध तेजी कारक हो जाता है। बुध बालग्रह होने से जैसे भी ग्रह के सम्पर्क में आता है, वैसा ही असर करना शुरु कर देता है। इस समय सूर्य के साथ इसकी तेजी की क्षमता बढ़ गई है। अफवाहों का प्रभावी ग्रह बुध ही माना जाता है। झूठी-सच्ची अफवाहों से बाजारों में घटाबढ़ी चलती है। रुई, कपास, तेलवाना, पाट, बारदाना, हल्दी के बाजारों पर इसका प्रभाव विशेषरूप से पड़ता है। मेष राशि का बुध गेहूं, ज्वार, बाजरा, जौ, चना, अलसी, मूंग, मोठ में तेजी करेगा। गुड़, खाण्ड, शक्कर, तिल, तेल एवं चान्दी में यद्यपि मन्दे का संकेत देता है, लेकिन सूर्य के साथ मेल होने से हम तेजी की ही धारणा रखते हैं। 9 मई चन्द्रवार को चन्द्रदर्शन सोना-चांदी में घटाबढ़ी के बाद मन्दा; वस्त्र, सूत में तेजी करे एवं जूट व शेयरों में मन्दे के बाद तेजी बनाएगा। रुई में पहले मन्दा, फिर तेज़ी एवं अन्त में फिर मन्दा बने। मूंग, उड़द, मोठ एवं तिल में भी तेजी का ही रुख रहेगा।

11 मई को सूर्य कृत्तिका में दाखिल होगा। 15 दिन में घी, रुई, सोना, चान्दी, अलसी, एरण्ड, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, चावल, राई एवं सरसों में तेजी बनेगी। 13 मई को शुक्र रोहिणी नक्षत्र में आकर चान्दी-सोना आदि धातु; अलसी, एरण्ड, सरसों, घी, तेल, गुड, खाण्ड, दाख, छुहारा, नारियल, सुपारी एवं ऊन में मन्दा करेगा; अफीम तेज रहेगी।

14 मई को सूर्य वृषराशि में आकर शुक्र के साथ मेल करेगा एवं इन पर बृहस्पति की दृष्टि भी रहेगी। ध्यान दें- 14 मई को ही वक्री प्लूटो ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में एवं वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा। प्लूटो 21 वर्ष बाद राशि परिवर्तन करता है। वृश्चिक राशि का स्वामीग्रह मंगल है, प्लूटो में भी मंगल ग्रह जैसी ही विशेषताएं देखी जा रही हैं; मंगल भूमिपति एवं युद्धप्रिय है, **प्लूटो भी युद्धप्रिय एवं असाधारण घटनाओं को जन्म देता है। वृश्चिकराशि में प्लूटो भारत किंवा अन्यत्र अघटित घटनाओं को जन्म देगा, जिससे व्यापारजगत् प्रत्यक्षतः प्रभावित होगा। इस समय तेल, तिलहन, रुई, कपास, जूट, सोना-चांदी एवं शेयर बाजारों में जोरदार तूफान आएगा। बाजार तेजी की तरफ बढ़ने लगेंगे।** सोना, गुड़, खाण्ड, शक्कर, कपास, रुई, सूत, बादाम, सुपारी, नारियल, तिल, तेल, सरसों आदि में तेजी बनेगी। प्लूटो के साथ सूर्य-शुक्र का समसप्तक अच्छी तेजी का संकेत देता है। ताजा मशवरा प्राप्त करें- उत्तम लाभ होगा।

16 मई को बुध भरणी में आएगा एवं 19 मई को नेप्च्यून वक्री होगा। चावल, गेहूं आदि अनाजों में 8 दिन में तेजी बनेगी। शनि के क्षेत्र में नेप्च्यून होने से रुई, कपास, तेलवाना, गुड़, खाण्ड में विशेष तेजी का योग है- सावधानी से काम करें।

20 मई को मंगल पू. भा. में आएगा। तिल, तेल, मूंगफली, एरण्ड, अलसी, नारियल, सुपारी, रुई, सूत, कपास एवं सोना-चांदी में तेजी बने। 23 मई को बुध अस्त होकर कृत्तिका नक्षत्र में प्रवेश करेगा। बुध मेषराशि में स्थित है, गुरु से पूर्ण दृष्ट है। अतः यह योग मन्दीकारक है। चान्दी, अनाज, घी, अफीम में खास घटाबढ़ी होकर मन्दी हो। अनाज में तेजी का रुख रहे। रुई में घटाबढ़ी होकर तेजी बने। (पहले तेज, बीच में मन्दी, अन्त में फिर तेजी बने।) सोने में घटाबढ़ी के बाद तेजी हो।

(नोट- 14 से 23 मई तक वायदा बाजारों में उत्तम-मध्यमरूप से तेजी चलेगी। मन्दा आने पर खरीदें, अच्छी तेजी में सौदा सैटल करके लाभ लेते रहें।)

24 मई को शुक्र मृगशिर नक्षत्र में आता है। गेहूं, चना, ज्वार में मन्दा; गुड़, खाण्ड एवं शक्कर में तेजी बनेगी।

25 मई को सूर्य रोहिणी में, बुध वृष में एवं यूरेनस शतभिषा 4 में प्रविष्ट होगा। **नोट करें- बुध अतिचारी है, सूर्य की सन्निधि में है एवं मंगल की इन पर विशेष दृष्टि भी है।** तिल, तेल, एरण्ड, अलसी, सरसों, गुड़, खाण्ड, घी, गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, ऊन, सूत, वस्त्र, सण, सुपारी, मिर्च एवं रुई में तेजी रहे। चावल, खाण्ड, घी, लौंग एवं करयाणा में तेजी रहे।

26 मई को शनि पुनः कर्क राशि में आ रहा है। साथ ही राहु रेवती 3 में एवं केतु चित्रा 1 में प्रवेश करेगा। रुई, कपास, गुड, खाण्ड एवं अनाजों के भाव तेज रहेंगे। अलसी, तिल, तेल, तिलहन, सोना, चान्दी मन्दे रहें।

29 मई को शुक्र मिथुन राशि में प्रवेश करेगा। गुड़, खाण्ड, रुई, कपास, बारदाना, तिलहन, चान्दी में अच्छी घटाबढ़ी का योग है। अकेला शुक्र बाजारों को मन्दे की तरफ धकेलता है; अतः विचारपूर्वक काम करें। हमारे चिन्तन के अनुसार रुई, कपास, सूत, वस्त्र, पाट, बारदाना, एरण्डी, तिल, तेल, सरसों, अरहर एवं ग्वार आदि में काफी मन्दी बन सकती है। अलसी, गुड़, घी में अच्छी घटाबढ़ी चलेगी। गेहूं, जौ, चना, चावल में कुछ तेजी का रुख रहेगा।

30 मई को बुध रोहिणी में दाखल होगा। बुध अतिचारी है। 8 दिन में रुई, कपास, सूत, सोना, चान्दी, तिल, तेल, सरसों चावल, गुड़, खाण्ड में तेजी दिखाई देगी। राई, तूअर, सण, ऊनी व रेशमी वस्त्र मन्दे होंगे। रुई मे तेजी के बाद मन्दा बने।

(नोट- 26 से 31 मई तक बाजारों में जोरदार मन्दे के अस्थायी रिएक्शन आ सकते हैं; मन्दे में खरीदें एवं तेजी में माल फरोख्त करके लाभ लेते रहें।)

जून

3 जून को मंगल मीन राशि में दाखल होगा। मीनराशि में राहु पहले ही स्थित है। इन पर वक्र बृहस्पति की दृष्टि भी है। रुई, सोना, इमारती लकड़ी तेज हों। चान्दी में घटाबढ़ी चले (पहले मन्दी, फिर तेज रहे)। 4 जून को शुक्र आर्द्रा में आकर गेहूं आदि अनाजों में अचानक मन्दा करेगा। 5 जून को गुरु मार्गी हो जाएगा और बुध मृगशिर नक्षत्र में पदार्पण करेगा। 8 दिन में रुई में मन्दे के बाद तेजी; चान्दी में घटाबढ़ी होकर मन्दी; गेहूं, तिल, सरसों एवं उड़द में मन्दे का रुख रहे। चावल, अलसी, सरसों, गुड़, तम्बाखू में तेजी बनेगी।

(1 से 5 जून तक बाजारों का रुख मन्दे का रहे, अतः यदि इस समय जोरदार मन्दी बने तो स्टॉक करें, आगे जल्दी ही अच्छा लाभ मिलेगा।)

7 जून को सूर्य मृगशिर में आकर रुई, सूत, रेशम, सण, कपूर, कस्तूरी, चन्दन, सोना, चान्दी, उड़द, मूंग, मोठ, चना, बाजरा, अलसी एवं नारियल आदि में तेजी करेगा।

8 जून को बुधवारी चन्द्रदर्शन होगा, इसी दिन मंगल उ. भा. में प्रवेश करेगा एवं 8 जून को ही अतिचारी बुध अपनी राशि मिथुन में प्रविष्ट होकर शुक्र के साथ राशि सम्बन्ध बनाएगा। वस्तुतः बुध अपनी राशि में यद्यपि मन्दे का सूचक माना गया है। बुध अफवाहों एवं पब्लिसिटी का ग्रह है। **बुधग्रह जब शुक्र के साथ मेल करता है तो वायदा बाजारों में जोरदार तेजी या भयंकर मन्दे का वातावरण बनाता है। बाजार यदि पहले मन्दे हों तो जोरदार मन्दा, यदि बाजार तेज चल रहे हों तो जोरदार तेजी को बढ़ावा देना बुध की खासियत है।** हमारे विचार के मुताबिक रुई, सूत, सोना, चान्दी, बारदाना, जूट, गुड़, शक्कर, खाण्ड में सामान्यतया मन्दा चलेगा। गेहूं, चना, जौ का भाव कुछ तेज रहे। 11 जून को आर्द्रा नक्षत्र में बुध का प्रवेश बाजारों में मन्दे का ही संकेत देता है।गेहूं, तिल, उड़द, जौ, चना, मूंग, मोठ मन्दे रहेंगे।

(1 से 13 जून तक जब मन्दा बने तो खरीदें और तेजी आते ही माल निकालकर लाभ लें। ध्यान दें– इन दिनों में बहुत बड़ी तेजी का योग नहीं, थोड़े–थोड़े लाभ से ही अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।)

14 जून को सूर्य मिथुन में आकर शुक्र एवं बुध के साथ एकराशि सम्बन्ध बनाएगा। इन पर इस समय मंगल की विशेष दृष्टि भी है– "एकराशिं गता ह्येते सौम्य–शुक्र–दिनाधिपाः। सर्वधान्य महर्घत्त्वं मेघाः स्वल्प–जलप्रदाः।।"–स्पष्ट है, कि– कहीं वर्षा की कमी से या अतिवर्षण से खड़ी फसलों को हानि पहुंचेगी एवं बाजार तेजी की तरफ बढ़ने लगेंगे। पाट, बारदाना, रेशम, सूत, कपास, रुई, सरसों, घी, लोहा, तिल, तेल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, चीनी, मूंग, उड़द, चना, चावल आदि अनाज एवं सोना–चान्दी में तेजी का वातावरण रहेगा। तम्बाखू एवं सिमेन्ट में भी तेजी रहेगी। **ध्यान दें:– 14 जून को बुध पश्चिम में उदित हो रहा है एवं इसी दिन यूरेनस वक्री भी हो रहा है। कदाचित् बाजार आगे–पीछे भी हो सकते हैं, समझ से काम करें; लेकिन यदि किसी चीज में कुछ मन्दा भी आता है तो ठहरेगा नहीं, शीघ्र ही तेजी बनेगी, सौदा तुरन्त छोड़ने से हानि संभव है।**

15 जून को शुक्र पुनर्वसु में आएगा; 18 जून को बुध भी पुनर्वसु नक्षत्र में दाखिल हो जाएगा– यह योग मन्दे का मालूम देता है। चान्दी, रुई, कपास, सूत, सण में अच्छा मन्दे का झटका आएगा। धान, बिनौला में तेजी ही रहे।

21 जून को सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में प्रविष्ट होगा। **रात्रि के समय सूर्य का आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश अच्छी वर्षा एवं सुभिक्ष का संकेत देता है।** व्यापारिक वस्तुओं में अचानक मन्दे या तेजी की प्रतिक्रिया नजर आएगी। रुई, सूत, कपास, खल, अलसी, एरण्ड, गेहूं, चावल, चना, जौ, चान्दी तेज होंगे। सोने के भाव में घटाबढ़ी चलेगी।

(15 से 22 जून तक मन्दे में खरीदें एवं तेजी में बेचकर लाभ लेते रहें।)

23 जून को शुक्र कर्क राशि में आकर शनि के साथ मेल करेगा एवं 24 जून को बुध भी कर्क राशि में शुक्र–शनि के साथ राशिसम्बन्ध बनाएगा। 26 जून से मासान्त तक शुक्र–बुध एवं शनि –ये तीनों एक ही नक्षत्र पुष्य में संचरण करते रहेंगे। शुक्र अपने राशिभोग में रुई में अच्छी मन्दी करेगा अथवा रुई में जोरदार मन्दे के बाद कुछ तेजी बनेगी। अलसी, एरण्ड, तेल, घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर तेज रहेंगे। चान्दी, गेहूं, जौ, चना, मटर एवं अरहर में मन्दा बनेगा। सरसों, सोना में पहले कुछ तेजी आकर बाद में मन्दा बने। ध्यान दें;– पुष्य नक्षत्र के प्रथम चरण में 24, 25 जून को शनि–शुक्र का प्रवेश तिलहनों में अचानक भारी तेजी कर सकता है– सावधानी से काम करें। **ताजा मशवरा प्राप्त करके उत्तम लाभ ले सकेंगे।** गुड़, खाण्ड, शक्कर में कुछ मन्दा बनेगा।

26 जून को बुध के पुष्य में आने पर 10 दिन में सोना, चान्दी में मन्दी हो। रुई में घटाबढ़ी के बाद अचानक मन्दा बने। मणि, मोती, जवाहरात तथा ऊनी कपड़े का भाव तेज रहे।

27 जून को मंगल रेवती नक्षत्र में आएगा। **मंगल मीनराशि में राहु के साथ है। राहु–मंगल दोनों रेवती नक्षत्र में ही चल रहे हैं। अतः तिलहन में अच्छा मन्दा बन सकता है,** क्योंकि रेवती नक्षत्र का राहु तिलहन में जोरदार मन्दा बनाता है; लेकिन मंगल की राहु के साथ सन्निधि कदाचित् बाजारों में तेजी भी कर सकती है। अतः बाजार के रुख को देखकर काम करें। **लेकिन हमारे विचार से गेहूं, चना, मूंग, मोठ, जौ, ज्वार, बाजरा में मन्दा बनेगा। चान्दी**

में जोरदार तेजी बनेगी; सोना कुछ मन्दा रहे। रुई में घटाबढ़ी होकर बाद में तेजी बनेगी।

30 जून को बाजार उल्लिखित ढंग से चलेंगे; ऐसा विचार है– सर्वज्ञ प्रभु हैं।

जुलाई

जुलाई के पहले सप्ताह में बाजारों में जोरदार तेजी एवं मन्दे के रिएक्शन आएंगे; मन्दे में खरीदें एवं तेजी में लाभ लेते रहें।

5 जुलाई को सूर्य पुनर्वसु में, यूरेनस शतभिषा 3 में आएंगे एवं इसी दिन शनि भी अस्त हो रहा है। रुई, सोना, चान्दी, गुड़, खाण्ड, कपास, बिनौला, एरण्ड, अलसी, सरसों, लाख, तिल, ज्वार, मोठ, बाजरा, उड़द, चावल, नमक, हरड़, सुपारी, नारियल, केसर, मजीठ, नील, सौंफ, गुग्गुल आदि करयाणा में तेजी बनेगी। शेयर बाजार मन्दे रहें।

6 जुलाई को बुध एवं शुक्र आश्लेषा में दाखिल होंगे। 15 दिन में तिल, तेल, सरसों, गुड़, खाण्ड, उड़द, मूंग, मूंगफली में तेजी बनेगी। 12 दिन के अन्तर्गत रुई में कुछ मन्दी, चावल में भी मन्दा रहेगा। 7 जुलाई को कर्कस्थ चन्द्र के समय गुरुवारी चन्द्रदर्शन होगा। रुई, सूत, सरसों, तेल, घी में तेजी बनेगी एवं सोना–चान्दी, गुड़–खाण्ड में मन्दा रहेगा।

9 जुलाई को गुरु हस्त नक्षत्र के तीसरे चरण में आएगा। रुई, गुड़, खाण्ड, अलसी, सरसों, शक्कर, घी, तेल, सोना, चान्दी, मोती, चना, गेहूं, हल्दी में मन्दे का रुख रहेगा। यह मन्दा 15 जुलाई तक चलेगा। 16 जुलाई को सूर्य कर्क राशि में आकर बुध–शनि के साथ राशिसम्बन्ध बनाएगा। **कर्कराशि में स्थित शनि–बुध–सूर्य पर 18 जुलाई से मंगल की विशेष दृष्टि है। यह विशेष योग है। कर्क संक्रान्ति भी शनिवारी लग रही है, मुहूर्ती 45 है।** इस समय गुरु अतिचारी भी हो रहा है। कहीं दुर्भिक्ष की स्थिति बनेगी। सोना–चांदी के बाजारों में झड़पी तेजी बनेगी। रुई, सूत, बादाम, सुपारी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, तिल, नारियल, सरसों आदि में तेजी रहेगी। गेहूं, चना, जौ, मटर, अरहर, उड़द, मूंग, चावल में मन्दे का बाजार रह सकता है– यह फलादेश कर्क संक्रान्ति के आधार पर है, लेकिन गोचर ग्रहस्थिति के अनुसार हमें इस समय सभी बाजारों में जोरदार तेजी मालूम देती है– सावधानी से काम करें।

18 जुलाई को मंगल अश्विनी नक्षत्र एवं मेष राशि में दाखिल होगा। मेषराशिस्थ मंगल की शनि, सूर्य, बुध पर विशेष दृष्टि है; देश में राजनैतिक परिस्थिति का प्रभाव व्यापार पर प्रत्यक्षरूप से अनुभव होगा। सोना, चान्दी,

मूंगा, मोती आदि 'रत्न; ऊन, कपास, पाट, बारदाना, गुड़ एवं रसादि पदार्थों में तेजी आती है। यह फल 15 दिन में विशेष होता है। ज्वार, बाजरा, चना, मूंग, मोठ, गेहूं, उड़द में भी तेजी रहेगी। **18 जुलाई को ही शुक्र मघा नक्षत्र एवं सिंहराशि में दाखल होगा। फलस्वरूप– सोना, तांबा, जौ, चना, गेहूं, लालचन्दन, लालमिर्च, मजीठ, घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी बने। चान्दी में पहले 4 दिन में झटके की मन्दी; रुई में मन्दे के बाद अच्छी तेजी बनेगी।**

19 जुलाई को सूर्य पुष्य में आएगा एवं 21 जुलाई को शनि भी पुष्य नक्षत्र के दूसरे चरण में आ जाता है। इस प्रकार परस्पर– शत्रु एवं पिता–पुत्र ग्रह एक ही राशि एवं एक ही नक्षत्र में चल रहे हैं। अलसी, सूत, सण, तिल, तेल, सरसों, मघ, गुड़, खाण्ड, चावल, गेहूं, जौ, ज्वार, बाजरा, सुपारी, सोंठ, गुग्गुल, मोम, हींग, हल्दी, लाख, सण, सिक्का, सोना–चान्दी में तेजी बनेगी। रुई में पहले तेजी होकर, फिर मन्दा बने। यह तेजी 22 जुलाई तक चलेगी।

23 जुलाई को बुध वक्री हो रहा है। बुध कर्कराशि में सूर्य एवं शनि के साथ है। यह अच्छी तेजी की लाईन बाजारों में बना सकता है। घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में अच्छी तेजी चले। रुई में झटके की मन्दी एवं झटके की तेजी के रिएक्शन आएंगे। गेहूं, जौ, चना आदि में मन्दे का वातावरण रहे।

28 जुलाई को रेवती नक्षत्र के दूसरे चरण में राहु एवं हस्त के चतुर्थ चरण में केतु का पदार्पण अनाजों में मन्दा एवं रुई, गुड़, खाण्ड, चावल में तेजी करेगा। इस समय तिलहन में अचानक जोरदार मन्दा आ सकता है।

29 जुलाई को बुध पश्चिम में अस्त होगा एवं इसी दिन शुक्र पू. फा. में आएगा। यह बाजारों में मन्दा कर सकता है– सावधानी से काम करें। यहां यह बात नोट करने लायक है, कि बुध अस्त होने से पहले ही वक्री हो गया है, अतः गेहूं, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग में कुछ मन्दा आकर तेजी बनेगी। रुई में झटके की मन्दी शीघ्र बनेगी। चान्दी तेज; मगर पाट, हैसियन एवं शेयरों में मन्दा बनता है। तेजी–मन्दी के ये रिएक्शन दो/तीन दिन चल सकते हैं।

अगस्त

2 अगस्त को सूर्य आश्लेषा नक्षत्र में आ जाएगा, बुध पहले ही आश्लेषा नक्षत्र में चल रहा है। सूर्य–बुध एवं शनि पर मंगल की विशेष दृष्टि है। सोना, चान्दी, रुई, बिनौला, गेहूं, चावल, उड़द, चना, गुड़, शक्कर, घी, तिल,

तेल, सरसों, एरण्ड, अलसी, मिर्च, मजीठ, नील का भाव तेज हों। 5 अगस्त तक बाजारों में तेजी का माहौल रहेगा।

5 अगस्त को गुरु हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में आएगा। गुरु, केतु एक साथ हैं, इन पर शनि की विशेष नज़र है। अतः रुई, गुड़, खाण्ड, शक्कर, अलसी, सरसों, घी, तेल, सोना, चान्दी, मोती, गेहूं, चना एवं हल्दी में अच्छी मन्दी के बाद तेजी बने। मन्दे के व्यापारी मन्दा आते ही लाभ लें; तेजी के व्यापारी इस मन्दे में स्टॉक करें– आगे लाभ होगा।

6 अगस्त शनिवार को सिंहस्थ चन्द्र के समय चन्द्रदर्शन होगा। अनाज तेज रहेंगे। रुई, सूत, वस्त्र, चान्दी, सोना, सरसों, तेल, मूंगफली आदि में अच्छी तेजी की धारणा है। यह तेजी 8 अगस्त तक उत्तम–मध्यमरूप से चल सकती है। 9 अगस्त को शुक्र उ.फा. में आकर गेहूं आदि अनाज व रुई में तेजी करेगा एवं सोना–चांदी में घटाबढ़ी चलेगी।

10 अगस्त को मंगल भरणी में, वक्री बुध पुष्य 4 में प्रवेश करेगा एवं शनि इसी दिन उदित हो रहा है। मंगल पर शनि की विशेष दृष्टि है; शनि एवं बुध पर भी मंगल की विशेष दृष्टि है। गेहूं आदि अनाज; सोना, चान्दी आदि धातुओं में तेजी बने। रुई में झटके की मन्दी के बाद अच्छी तेजी संभव है। शेयर, अलसी, सरसों, एरण्ड, बिनौला, मूंगफली में मन्दी या तेजी की अच्छी प्रतिक्रिया आएगी; होशियारी से काम करें।

12 अगस्त को शुक्र कन्या में आकर केतु एवं गुरु के साथ मेल करेगा। इन पर शनि की नजर भी रहेगी। इस समय अच्छी तेजी की धारणा रखें, तेजी से लाभ लें। चान्दी में घटाबढ़ी होकर तेजी बने; गेहूं आदि सभी अनाज; गुड़, खाण्ड, ऊनी व रेशमी कपड़ों में तेजी रहेगी। इस समय चावलों में विशेष तेजी का झटका आने की उम्मीद है।

14 अगस्त को वक्री बुध पूर्व में उदय होगा। इस समय बाजारों का रुख सहसा बदल सकता है– सावधानी से काम करें। रुई में पहले मन्दी; कुछ ही दिन बाद में झटके की जोरदार तेजी बनेगी। गेहूं, चना आदि अनाज; तिल, घी, पाट, हैसियन एवं लालमिर्च में तेजी बनेगी।

16 अगस्त को सूर्य मघा नक्षत्र एवं सिंहराशि में प्रवेश करेगा। इसी दिन बुध मार्गी भी हो रहा है। 16 अगस्त को शनि भी पुष्य नक्षत्र के तीसरे चरण में पदार्पण करेगा। सोना, मूंग, ज्वार, बाजरा, तेल, सरसों, तिल, एरण्ड, दाख, मिर्च, गुड़, खाण्ड, शक्कर, लाल रंग की वस्तुएं तेज होंगी। शेयर एवं अनाजों में मन्दा रहे। रुई में मन्दे के बाद तेजी बनेगी; चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी हो। इस समय तिलहनों में भारी तेजी आ सकती है, बाजार का रुख देखकर काम करें।

(14 अगस्त से 19 अगस्त तक जोरदार तेजी–मन्दी के योग हैं। मन्दे में खरीदें और तेजी में बेचकर लाभ लेते रहें।)

20 अगस्त को शुक्र हस्त में एवं 21 अगस्त को बुध आश्लेषा में दाखल होगा। रुई, चावल एवं अनाजों में यदि इस समय मन्दा आए तो स्टॉक करें; वायदा व्यापारी जल्दी ही लाभ ले सकेंगे। सोना–चांदी तेज रहेंगे। तिल, तेल, सरसों, गुड़, खाण्ड, उड़द, मूंग एवं मूंगफली में तेजी आती है। 24 अगस्त तक बाजार इसी तरह चलेंगे।

25 अगस्त को गुरु चित्रा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। चांदी व अनाजों में मन्दा, रुई में घटाबढ़ी से मन्दी रहे। 29 अगस्त तक बाजारों में कुछ मन्दे का वातावरण रह सकता है।

30 अगस्त को सूर्य पू.फा. नक्षत्र में विचरण करेगा। 14 दिन में जीरा, सोना, गुड़, खाण्ड, सरसों, तिल, तेल, घी, गेहूं, ज्वार, चावल, ऊनी कपड़ा व रुई–सूत में तेजी हो। चांदी में घटाबढ़ी चले।

31 अगस्त को शुक्र चित्रा नक्षत्र में आएगा। इस समय गुरु भी चित्रा नक्षत्र में चल रहा है। अतः सोना, चांदी तथा अनाजों में जोरदार तेजी एवं मन्दे के रिएक्शन आएंगे– सावधानी से काम करें।

सितम्बर

1 सितम्बर को बुध मघा नक्षत्र एवं सिंहराशि में प्रवेश करके सूर्य के साथ मेल करेगा। बुध का मेल जब सूर्य के साथ सूर्य की राशि में होता है तो बुध में तेजी बनाने की सामर्थ्य अधिक हो जाती है। इसलिए इस मास का आरम्भ तेजीकारक ही रहेगा। गेहूं, चना, जौ, रुई, सूत, चांदी, सोना एवं देवदार में तेजी रहेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर आदि रसपदार्थों में मन्दा संभव है।

2 सितंबर को प्लूटो मार्गी होगा; 3 सितम्बर को अगस्त्य के उदय होने से जलवायु के प्रभाव से वायदा बाजार ऊपर–नीचे चलेंगे–सावधानी से काम करें।

3 सितम्बर को शनैश्चरी अमावस है एवं बुध पूर्व में अस्त होगा। अनाज, घी, तेल, तिलहन में जोरदार तेजी एवं मन्दे की प्रतिक्रिया बनेगी। इस समय 5 सितम्बर तक मन्दा आते ही खरीदें एवं तेजी आते ही तेजी से लाभ लेते रहें।

5 सितम्बर सोमवार को कन्यास्थ चन्द्र के समय चन्द्रदर्शन होगा। सूत, जूट, रुई एवं शेयर बाजार में पहले मन्दा बने, बाद में एकदम तेजी बनेगी। चांदी–सोना में घटाबढ़ी के बाद मन्दा रहेगा एवं अनाज भी मन्दे रहेंगे।

6 सितम्बर को शुक्र तुला राशि में आएगा। तुलाराशि शुक्र की अपनी राशि है। शुक्र का राशि व नक्षत्रचार का प्रभाव सबसे अधिक चांदी व सोने के बाजारों पर पड़ता है। अकेला शुक्र कभी–कभी जोरदार मन्दा ला देता है। इस समय शुक्र पर मंगल की विशेष दृष्टि है। बुध एवं शुक्र दोनों चित्रा नक्षत्र पर हैं। बुध अतिचारी है। लोगों की खरीदशक्ति बढ़ेगी। कपड़े व सूत का उठाव अधिक होगा। फौरेन ऐक्सपोर्ट (निर्यात) सम्बन्धी कुछ नए ऐलान होंगे। रुई, चांदी, सूत, कपास, चीनी, चावल में अच्छी तेजी बनेगी। सोना भी कुछ तेज होगा। गुड़, खाण्ड में भी कुछ तेजी का वातावरण रहेगा। क्योंकि, शुक्र पर मंगल की पूर्ण दृष्टि है, अतः अनाजों में इस समय विशेष तेजी का योग है। 7 सितम्बर तक बाजार तेज रहेंगे।

8 सितम्बर को बुध पू.फा. नक्षत्र में प्रवेश करेगा। गुड़, खाण्ड, गेहूं आदि अनाज मन्दे रहेंगे। ध्यान दें;– **इस समय बुध सिंह में अतिचारी है। अतः बुध इस समय विशेष बलवान् है। तिलहन बाजारों पर अतिचारी बुध का प्रभाव विशेष पड़ता है। इस समय तिलहन बाजारों में अचानक जोरदार तेजी बनेगी। वायदा व्यापारी सावधानी से काम करें।** इस प्रकार कुछ जिन्सों पर तेजी और कुछ पर मन्दे का प्रभाव 10 सितम्बर तक प्रत्यक्ष अनुभव किया जाएगा।

11 सितम्बर को मंगल कृत्तिका में एवं गुरु चित्रा 2 में प्रविष्ट होगा। गेहूं, मूंग, मोठ, चावल, तिल, तेल, सरसों, घी, चांदी, सूत, वस्त्र तेज होंगे। रुई में पहले तेजी आकर बाद में मन्दा बनेगा। 12 सितम्बर को शुक्र स्वाती में आकर गुड़–खाण्ड में आरज़ी तेजी एवं अनाजों में मन्दा बनाएगा।

13 सितम्बर को सूर्य उ.फा. में एवं शनि पुष्य नक्षत्र के चतुर्थ चरण में दाखल होगा। 14 दिन में रुई, कपास, रेशम, सूत, सोना, चांदी, लोहा, घी, शक्कर, तेल, अलसी, सरसों, एरण्ड, चावल, उड़द, ज्वार, सुपारी, नारियल, मूंग, बांस, नील में तेजी बनेगी।

15 सितम्बर को बुध उ.फा. नक्षत्र में आएगा। सूर्य पहले ही उ.फा. नक्षत्र में चल रहा है। उड़द, मूंग, मोठ, मसूर एवं अरहर आदि दालवाना में तेजी रहेगी। रुई में घटाबढ़ी के बाद मन्दी रहे। इस समय चांदी में मन्दी रहे।

16 सितम्बर को सूर्य एवं 17 सितम्बर को बुध कन्याराशि में आकर गुरु–केतु के साथ मेल करेंगे। इस समय इन पर शनि की विशेष दृष्टि भी है। नारियल, सुपारी, तिल, तेल, मजीठ, गेहूं, जौ, चना, गुड़, शक्कर, खाण्ड एवं हल्दी में भी तेजी बनेगी। रुई, चांदी व शेयरों में मन्दा रहे।

(13 से 22 सितम्बर तक अनाज, तेल, तिलहन, गुड़, खाण्ड के व्यापारी तेजी से लाभ लें।)

23 सितम्बर को रुई व अनाज मन्दे हों। 25 सितम्बर तक बाजार अस्थिर ही रहें। 26 सितम्बर को सूर्य हस्त में आकर गेहूं, जौ, ज्वार, गुड़, खाण्ड, कपास, रुई, सूत, जूट, इमारती लकड़ी, नमक, हरड़, हींग, धनिया, हल्दी में तेजी करे।

27 सितम्बर को गुरु चित्रा नक्षत्र के तीसरे चरण में एवं अपने शत्रु क्षेत्र तुला में प्रवेश करेगा। तुलाराशि का मार्गी गुरु मूलरूप से मन्दा बनाता है। हमारे अनुभव के अनुसार तुला का गुरु सभी प्रमुख बाजारों में मन्दा करेगा। व्यापारी बन्धुओं से हमारा निवेदन है, कि तेजी का धन्धा बन्द करके मन्दे की धारणा से काम करें। इस समय प्रत्यक्ष मिलें या टेलीफोन से सम्पर्क करें, ज़रूरी है। बाजारों में जोरदार मन्दे का चक्र चलेगा। सोना, मजीठ, नारियल में कुछ तेजी नज़र आ सकती है। घी, तेल, अलसी, सरसों, गुड़, खाण्ड, शक्कर में अच्छा मन्दा आते ही स्टॉक करें– आगे चैत्र मास में उत्तम लाभ होगा। दालवाना एवं मोटे अनाज; रुई, कपास, तिलहन में जोरदार मन्दे की लाईन बनेगी। ताज़ा मशवरा प्राप्त करें, उत्तम लाभ का समय है। **28 सितम्बर को जोरदार मन्दा खेलकर लाभ लें।**

29 सितम्बर को राहु रेवती 1 में एवं केतु हस्त 3 में आएगा। तिलहन, सरसों आदि में मन्दे की लाईन चलेगी। अनाज, दालवाना तेज; सोना–चांदी मन्दे; तिलहन में अचानक भारी मन्दा आने के योग हैं।

30 सितम्बर को बुध चित्रा नक्षत्र में आएगा। गुरु भी चित्रा नक्षत्र में है। इस समय गुरु–बुध–सूर्य एवं केतु पर शनि की दृष्टि भी है। रुई व चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी हो; अनाज भी कुछ तेज रहें।

अक्तूबर

1 अक्तूबर को मंगल वक्री हो रहा है। मंगल इस समय परम मन्दगति में है। मंगल पर तुला राशिस्थ गुरु की पूर्ण दृष्टि है, साथ ही मेष राशिस्थ मंगल पर शनि की विशेष दृष्टि भी है। वायदा बाजारों की लाईन अचानक बदल सकती है। इस समय वायदा किंवा हाजर के व्यापारी सावधानी से बाजार के रुख को देखकर काम करें। रुई, सोना, चान्दी, अलसी, लालमिर्च, गेहूं, गुड़, खाण्ड, शक्कर एवं अन्य लालरंग की चीजों में काफी तेज़ी आएगी, लेकिन बृहस्पति की मंगल पर नजर होने से यह तेजी ठहरेगी नहीं।

2 अक्तूबर को शुक्र वृश्चिक राशि में आकर वक्री मंगल की नजर में ही रहेगा। रुई, शेयर, चांदी और अफीम में पहले मन्दी एवं पीछे तेजी रहे। गुड में घटाबढ़ी एवं अनाजों में भी तेजी रहे।

5 अक्तूबर को बुधवारीचन्द्रदर्शन होगा। सण, वारदाना, गुड़, शक्कर एवं खाण्ड मन्दे होंगे। अनाज एवं घी में तेजी रहेगी। सोना, चांदी, रुई, सूत में भी

तेजी का रुख रहे। 5 अक्तूबर को शुक्र अनुराधा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। गुड़, खाण्ड, चावल, नमक आदि में अच्छा मन्दा बनेगा।

6 अक्तूबर को बुध पश्चिम में उदित होगा। 6 अक्तूबर को ही गुरु अस्त हो रहा है। सोना–चांदी व अनाज मन्दे हों। बाजारों का रुख अचानक बदल सकता है –सावधानी से काम करें। रुई एवं शेयर बाजारों में 15 दिन में मन्दा चले। 9 अक्तूबर को बुध स्वाती में प्रवेश करेगा। बुध गुरु एवं मंगल के साथ समसप्तकयोग बना रहा है। अतः 8 दिन में रुई में अच्छा मन्दा लाकर तेजी करे।

[2 से 9 अक्तूबर तक बाजारों में मन्दे का वातावरण रहेगा; वादा व्यापारी बाजार का रुख देखकर काम करें।]

10 अक्तूबर को सूर्य चित्रा में प्रवेश करेगा। सूर्य पर शनि की दृष्टि है एवं सूर्य–राहु का समसप्तकयोग भी बन रहा है। इस समय सूर्य–गुरु दोनों चित्रा नक्षत्र पर चल रहे हैं। यह योग भी तेजी कारक ही है। रुई, सूत, सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड, अरहर, गेहूं, चना, तिल, नारियल, सण, केसर, कपूर, लालरंग की वस्तुएं तेज होंगी। इस समय दालवाना एवं तिलहन में भी तेजी का ही विचार है। यह तेजी 13 अक्तूबर दोपहर तक चल सकती है।

13 अक्तूबर को गुरु चित्रा के चतुर्थ चरण में दाखिल होगा। चांदी एवं अनाजों में कुछ मन्दा, रुई में भी घटाबढ़ी के बाद मन्दी आएगी।

14 अक्तूबर को यूरेनस शतभिषा 2 में दाखल होगा; डालडा घी एवं तेलों में तेजी बनेगी। गुड़, खाण्ड में तेजी एवं अनाजों में कुछ मन्दा रहे।

17 अक्तूबर को सूर्य तुला राशि में दाखल होगा। संक्रान्ति वाली रात्रि में ही चूड़ामणि चन्द्रग्रहण भी घटित हो रहा है। दालवाना, अनाज, घी, तेल तेज होंगे। रुई, चांदी, गेहूं, जौ, चना, चावल, अलसी, सरसों, सोना एवं तांबा तेज हों।

17 अक्तूबर को ही ज्येष्ठा नक्षत्र का शुक्र बाजारों में कुछ मन्दा करेगा, लेकिन तेजीकारक ग्रहस्थिति अधिक बलवान होने से बाजारों में तेजी ही मालूम देती है। बाजार के रुख को देखकर काम करें।

[13 से 16 अक्तूबर तक यदि मन्दा हो तो स्टॉक करें, आगे 17 अक्तूबर तक वायदा व्यापारी तेजी से लाभ ले सकेंगे।]

18 अक्तूबर को बुध विशाखा नक्षत्र में दाखल होगा। बुध शीघ्रगति है। इस समय बुध पर मंगल की दृष्टि है। रुई में जोरदार मन्दा आकर तेजी आए। बाजार खुलते ही मन्दे का काम करें, अच्छा मन्दा आने पर सौदा काट दें, क्योंकि जल्दी ही तेजी बन सकती है।

21 अक्तूबर को वक्री मंगल भरणी के चतुर्थ चरण में प्रवेश करेगा। इस समय मंगल पर शनि की विशेष दृष्टि है। गेहूं आदि अनाज, ग्वार, दालवाना, सोना, चांदी व रुई में तेजी से लाभ मिलेगा।

[18 से 22 अक्तूबर तक मन्दे में खरीदें, तेजी आते ही लाभ लेने की नीति रखें, लाभ होगा।]

23 अक्तूबर को सूर्य स्वाती नक्षत्र में दाखिल होगा। गुरु, सूर्य, बुध– ये तीनों तुला राशि में मंगल से दृष्ट हैं। रुई, सूत, सण, रेशम, कपड़ा, सोना, चांदी, गुड़, शक्कर, बिनौला, सुपारी, मिर्च, अलसी, सरसों, राई, हींग, घी, तेल एवं गुग्गुल में तेजी बनेगी।

25 अक्तूबर को बुध वृश्चिक राशि में आकर मंगल की दृष्टि में आ जाता है। घी, तिल, तेल, सरसों, रुई एवं चांदी में तेजी बनेगी। सोने में भी तेजी रहे। अनाजों में कदाचित् मन्दी रहे। 25 अक्तूबर को ही शनि आश्लेषा के प्रथम चरण में आकर रुई व तिल में उठापटक कर सकता है– तिलहन एवं रुई के व्यापारी बाजार के रुख को देख लें।

26 अक्तूबर को नेप्च्यून मार्गी होगा। बुध अनुराधा में आएगा एवं गुरु स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में प्रवेश करेगा। ध्यान दें– स्वाती नक्षत्र का गुरु रुई, तेलवाना, कपास, चांदी, सोना, गुड़, खाण्ड एवं अनाज– सभी बाजारों में निश्चित रूप से मन्दा करता है,– यह हमारा अनुभव है। इस समय रुई, तिलहन एवं दालवाना, चना, गेहूं आदि अनाजों के व्यापारी मन्दे का ही काम करें– लाभ मिलेगा, अन्यथा हानि उठानी पड़ेगी।

30 अक्तूबर को शुक्र मूल धनु में आएगा। रुई और सोने में घटाबढ़ी चले; अनाज तेज; चांदी, सोना एवं शेयर बाजारों में भी तेजी रहे। सूत, कपास, पहले मन्दे बाद में तेज रहें।

नोट– अक्तूबर मास के अन्तिम चरण में जोरदार मन्दा बनेगा। यदि कुछ चीजों में तेजी बनती भी है तो ठहरेगी नहीं, अतः ध्यानपूर्वक काम करें।

नवम्बर

1 नवम्बर को मंगलवारी दीपावली और भौमवती अमावस आगे बाजारों में तेजी की सूचना देती है। इस समय मंगल मन्दगति है।

2 नवम्बर को स्वाती नक्षत्र के समय स्वाती नक्षत्र में स्थित गुरु उदय होगा। इस समय गुरु की गति 13/0 है। स्पष्ट है, कि– गुरु अतिचार की ओर बढ़ रहा है। चांदी में तेजी एवं सोने के बाजार मन्दे की तरफ बढ़ेंगे।

रुई, कपास, तेलवाना, चांदी, सोना, गुड़–खाण्ड एवं दालवाना आदि अनाजों में जोरदार मन्दा बनेगा।

2 नवम्बर को गुरुवारी चन्द्रदर्शन भी सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड एवं सभी अनाजों में मन्दे का संकेत देता है।

6 नवम्बर को सूर्य विशाखा में दाखल होगा। सूर्य नीच है एवं वक्री मंगल की इस पर दृष्टि है। मंगल परम मन्दगति से चल रहा है। अलसी व चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी बने। जौ, चावल, गेहूं, मसूर, गुड़, खाण्ड, रुई, सूत, सरसों, तिल, एरण्ड एवं अफीम में तेजी बनेगी। यह तेजी का रुख 11 नवम्बर तक चल सकता है।

12 नवम्बर को बुध ज्येष्ठा में एवं शुक्र पू.षा. में दाखिल होगा। घी, गुड़, खाण्ड एवं चावलों में कुछ तेजी का रुख रह सकता है। लेकिन मूंग, मोठ, उड़द, तिल, तेल, सरसों व नमक आदि खारे पदार्थों में मन्दा हो।

13 नवम्बर को गुरु स्वाती 2 में प्रवेश करके रुई में जोरदार मन्दा कर सकता है। तेल–तिलहन में भी विशेष मन्दा बनेगा। गुरु अतिचार की ओर बढ़ रहा है। कदाचित् तेजी आने लगे तो जोरदार तेजी भी सम्भव है, मगर हमारे विचार से यह विशेष मन्दे का ही योग है।

[12–13 नवम्बर को मन्दा खेलने वाले लाभ में रहेंगे।]

14 नवम्बर को वृश्चिक राशिस्थ बुध वक्री होगा। इस समय बुध मंगल की राशि में है एवं इस पर मंगल की विशेष दृष्टि भी है। मंगल भी वक्री चल रहा है। यह योग बाजार की चाल को अचानक बदल देगा। यहां घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी बने। बुध का सबसे अधिक असर तिलहन बाजारों पर होता है। इस समय तेल–तिलहन में जोरदार तेजी की उम्मीद है, सरकारी नीति व ऐलान से तेजी बनेगी। 15 नवम्बर को मंगलवारी पूर्णिमा भी बाजारों में तेजी का इशारा करती है।

नोट– कार्तिक शुक्ल पक्ष 13 दिन का होने से राजनीतिक–अशान्ति–उलटफेर एवं व्यापारिक नीति में व्यापारियों की अस्वीकार्यता से व्यापार प्रभावित होगा– सावधानी से काम करें।

16 नवम्बर को बुधवारी वृश्चिक संक्रान्ति है, इसी दिन वक्री बुध पश्चिम में उदित होगा, यूरेनस मार्गी होगा एवं वक्री बुध अनुराधा के चतुर्थ चरण में प्रवेश करेगा। इस समय वृश्चिकस्थ सूर्य एवं वक्री बुध पर वक्री मंगल की दृष्टि भी है। इस समय तेजी –मन्दी के झटके आएंगे। रुई, तांबा, चांदी, सोना व ऊनी वस्त्र तेज होंगे। लालरंग की चीजों में मन्दे का प्रभाव रहेगा। बुधास्त के कारण रुई में जोरदार मन्दे का झटका आएगा, चांदी तेज हो; पाट, हैसियन एवं शेयर बाजार मन्दे होंगे।

19 नवम्बर को सूर्य अनुराधा में आएगा। जौ, चना आदि अनाजों; ऊन व धातुओं में तेजी बने। अलसी, मिर्च में तेजी के बाद मन्दा हो। क्योंकि, सूर्य पर वक्री मंगल की विशेष नजर है, अतः अच्छी तेजी–मन्दी उल्लिखित चीजों में बनेगी। 21 नवम्बर तक बेचें–खरीदें– लाभ लें।

22 नवम्बर मंगलवार को शनि वक्री हो रहा है, कर्कराशि में स्थित शनि की वक्री मंगल पर विशेष दृष्टि है। मंगल भी शनि को नीच दृष्टि से देख रहा है। **ध्यान दें– शनि 22 नवम्बर को वक्री होकर संवत् 2062 वि. के अन्त तक वक्री ही चलता रहेगा।** सिक्का, कली, गेहूं, कोयला, सीमेन्ट, तांबा, पीतल, अलसी, तिलहन, कालीमिर्च, मसाले, तेल, मूंगफली, ऊन, लोहा, जूट, जौ, जूते, कृषि यन्त्र, संगमरमर, नारियल, लौंग, सेन्धा नमक, फिटकरी, ज्वार, चावल, घी में अच्छी तेजी से लाभ लें। एरण्ड में घटाबढ़ी चलेगी।

[22 नवम्बर से 27 नवम्बर तक बाजार के रुख को देखकर काम करें– बाजार तेज रहने का संकेत मिलता है।]

28 नवम्बर को बुध वक्री होकर विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में दाखल होगा और शुक्र उ.षा. में प्रविष्ट होगा। गुड़, खाण्ड, सोना, चांदी, अलसी, एरण्ड में मन्दी हो। रुई में विशेष मन्दे का झटका आकर तेजी होगी। 29 नवम्बर को गुरु स्वाती के तीसरे चरण में आकर रुई में भारी मन्दी और तिलहन में भी जोरदार मन्दा बना सकता है। इस समय अनाजों का रुख भी मन्दे की ओर रहेगा।

30 नवम्बर को वक्री बुध पूर्व में उदित होगा। रुई में पहले मन्दी, 25 दिन में झटके से तेजी बनेगी। गेहूं, चना आदि में 40 दिन में तेजी बने। घी, तिल, पाट हैसियन एवं लालमिर्च तेज रहेंगे।

दिसम्बर

1 दिसम्बर को राहु उ.भा. 4 में एवं केतु हस्त 2 में आएगा। राहु मीन राशि में है। सरसों, चांदी, केसर, कुसुम्भ, दालवाना आदि अनाज; रुई, गुड़, खाण्ड में तेजी का रुख बनेगा।

2 दिसम्बर को सूर्य ज्येष्ठा में आएगा एवं 3 दिसम्बर को शनिवारी चन्द्रदर्शन होगा। सूर्य वृश्चिक राशि में मंगल से दृष्ट है, मंगल पर गुरु की दृष्टि है। 15 दिन में वस्त्र, सोना, चांदी, चावल, गेहूं, जौ, चना, अलसी, सरसों,

तेल, मूंगफली, एरण्ड, हींग, गुग्गुल, पारा, गुड़, खाण्ड में तेजी; रुई में पहले मन्दी, बाद में तेजी हो।

3 दिसम्बर को शुक्र शनि के क्षेत्र मकर राशि में आकर शनि की नजर में आ जाता है। सोना, तांबा, कपास, सूत व गेहूं आदि अनाजों में तेजी बनेगी। रुई व चांदी में पहले घटाबढ़ी होकर अन्त में तेजी ही बनेगी।

4 दिसम्बर को बुध के मार्गी होने पर रुई में पहले मन्दी एवं बाद में तेजी बने। 8 दिन में गेहूं, जौ, चना, अनाज तेज हों। रेशम, तेल, अलसी, बिनौला, एरण्ड, मूंगफली एवं कपूर–चन्दन आदि सुगन्धित पदार्थ मन्दे रहेंगे।

6 दिसम्बर को (मार्गी) प्लूटो मूल नक्षत्र के प्रथम चरण एवं धनु राशि में दाखिल होगा। प्लूटो एवं शनि का षडष्टकयोग बनेगा। प्लूटो भी वृश्चिक राशि में ही प्रभावशाली रहता है। मंगल जैसा ही इसका प्रभाव अनुभव किया गया है। कपास, चावल, चना, जौ, मूंग, चांदी, सोना, बिनौला, सरसों आदि तेलवाना एवं अनाजों में तेजी का ही संकेत मिलता है। रुई में घटाबढ़ी के बाद तेजी बनेगी।

9 दिसम्बर को बुध अनुराधा नक्षत्र में वक्री मंगल से दृष्ट है। सूत, सण, रुई, सोना, चांदी में अच्छे मन्दे एवं तेजी के झटके आएंगे। हमारे विचार से पहले मन्दा, बाद में तेजी बनेगी।

10 दिसम्बर को मंगल मार्गी होगा। मंगल के मार्गी होने पर वायदा बाजार में जो चीजें पहले मन्दी चल रही थीं, उनमें तेजी एवं जो चीजें पहले तेज थीं, उनमें मन्दा बनेगा। इसलिए सावधानी से काम करें। इस समय रुई में धमाके की मन्दी आ सकती है। तेल, तिलहन, पीतल एवं चांदी में तेजी संभव है, फिर भी बाजार के रुख को ध्यान में रखकर काम करें।

15 दिसम्बर को सूर्य मूल नक्षत्र एवं धनु राशि में आएगा। प्लूटो पहले ही धनु राशि में आ चुका है। इस प्रकार सूर्य, प्लूटो का शनि के साथ षडष्टकयोग बन गया है। शनि और सूर्य परमशत्रु हैं। रुई, कपास, सूत, तिल, तेल, सोना, चांदी, अलसी में तेजी रहे। दालवाना एवं मोटे अनाजों में कुछ आरज़ी (Temporary) मन्दा संभव है।

[10 से 15 दिसम्बर तक बाजारों में तेजी प्रधान रहेगी।]

16 दिसम्बर को गुरु स्वाती के चतुर्थ चरण में आ जाएगा। गुरु–मंगल का समसप्तक योग बना हुआ है। इस समय रुई, तेल, तिलहन एवं अनाजों में जोरदार मन्दे का संकेत मिलता है। **यदि इस समय मन्दे में सौदा पकड़ेंगे तो 13/14 जनवरी सन् 2006 ई. तक अच्छी तेजी से लाभ मिलेगा।** इस समय ताजा मशवरा हासिल करें।

17 दिसम्बर को यूरेनस शतभिषा 3 में एवं 20 दिसम्बर को वक्री शनि पुष्य 4 में दाखल होगा। तिलहनों में अच्छी तेजी बने। घी, शक्कर, तेल, रुई, अलसी, गुड़, खाण्ड, लौंग, चावल आदि अनाज भी तेज रहें। 21 दिसम्बर को ज्येष्ठा नक्षत्र का बुध घी, गुड़, खाण्ड एवं चावल में तेजी करे।

[16 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक मन्दा आते ही माल पकड़ें, तेजी आते ही लाभ लेते रहें। माल पकड़कर देरी तक बैठे रहना ठीक नहीं।]

24 दिसम्बर को शुक्र मकर राशि में वक्री हो रहा है, इस पर वक्री शनि की विशेष दृष्टि भी है। घी, तेल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गेहूं, जौ, चना आदि में अच्छी तेजी से लाभ लें। रुई में तेजी के बाद मन्दा हो।

28 दिसम्बर को सूर्य पू.षा. में आकर तिल, तेल, सरसों, बिनौला, गुड़, खाण्ड, हल्दी, गुग्गुल, चमड़ा, कपूर, ऊनी वस्त्र, सण एवं चांदी में तेजी करेगा।

30 दिसम्बर को बुध मूल नक्षत्र एवं धनुराशि में आकर सूर्य व प्लूटो के साथ मेल करेगा एवं शनि के साथ षडष्टकयोग बनाएगा। 31 दिसम्बर को शनैश्चरी अमावस भी तेजी कारक ही है। अनाज, सोना, चांदी, वस्त्र, सूत में तेजी रहे। रुई में अच्छी घटाबढ़ी चलेगी।

[24 से 28 दिसम्बर तक बाजार तेज रहेंगे– ऐसा प्रतीत होता है।]

जनवरी (सन् 2006 ई.)

जनवरी (2006 ई.) के प्रारम्भ में ही रविवार को मकर राशि में चन्द्रदर्शन गुड़, तेल, सोना, चांदी में तेजी बनाए। रुई में घटाबढ़ी के बाद मन्दा बने।

4 जनवरी को बुध पूर्व में अस्त होगा। अनाज, घी, तेल, तिलहन मन्दे हों। रुई में पहले तेजी, बीच में मन्दी एवं अन्त में फिर तेजी खेलकर लाभ लें। सोने में घटाबढ़ी के बाद तेजी हो। 4 जनवरी को ही गुरु विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में आकर रुई में मन्दा करेगा एवं अनाजों में तेजी का रुख बनाएगा।

8 जनवरी को बुध पू.षा. में एवं 10 जनवरी को सूर्य उ.षा. में आएगा। बिनौला तेज रहे। इस समय सोना–चांदी में काफी मन्दा आ सकता है। 14 दिन में उड़द, मूंग, चना, चावल, गेहूं, गुड़, खाण्ड, लाल शक्कर, कपास, पिपलामूल, चमड़ा, सरसों, मूंज आदि में तेजी का ही रुख रहेगा।

11 जनवरी को वक्री शुक्र पश्चिम में अस्त होगा। शुक्र पर वक्र शनि की पूर्ण दृष्टि है। घी, तेल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गेहूं, जौ, चना आदि अनाज तेज रहेंगे। रुई में पहले तेजी और बाद में मन्दी बनेगी।

13 जनवरी को वक्री शुक्र धनुराशि में आकर सूर्य, बुध एवं प्लूटो के साथ मेल करेगा। इनका वक्री शनि के साथ षडष्टक योग भी बन रहा है। गेहूं, जौ, चना आदि अनाज; दालवाना, चांदी, सोना, तांबा आदि धातु एवं शेयर तेज होंगे। रुई, सूत, कपास में पहले कुछ मन्दी आकर पीछे विशेष तेजी बनने के योग हैं।

14 जनवरी शनिवार को सूर्य मकर राशि में प्रवेश करके शनि के साथ समसप्तकयोग बनाने लगेगा। गेहूं, जौ, चना, कपास में घटाबढ़ी होकर खास तेजी होगी। घी, तेल, गुड़, शक्कर, खाण्ड, सरसों, अलसी, मूंगफली में तेजी होकर मन्दा हो, फिर तेजी बने। अनाज, लालमिर्च, केसर, हल्दी में तेजी के बाद मन्दा हो। चांदी में भी मन्दा रहे। यह फल शनिवारी मकरसंक्रान्ति का शास्त्रों में लिखा है। **लेकिन गोचर ग्रहस्थिति–दृष्टि आदि के विचार से हमें मकरसंक्रान्ति सब चीजों में तेजीकारक ही मालूम देती है।** फिर भी बाजार के रुख को समझ कर ही चलें।

[4 से 14 जनवरी सन् 2006 ई. तक तेजी मन्दी के अच्छे रिएक्शन आएंगे, अतः मन्दे में खरीदें, तेजी में बेचकर लाभ लेते रहें।]

17 जनवरी को बुध उ.षा. में आकर अनाजों में मन्दा करेगा। **19 जनवरी को बुध मकर में आकर सूर्य के साथ मेल करेगा। बुध अस्त है। इन पर शनि की पूर्णदृष्टि है।** 17 जनवरी को ही वक्री शुक्र पू.षा. के चतुर्थ चरण में प्रवेश करेगा। रुई, सोना, चांदी, तेल, तिलहन में अच्छी तेजी बनेगी। मूंग, मोठ, उड़द आदि अनाज एवं नमक में मन्दा बने। 17 जनवरी को ही शुक्र पूर्व में उदित होगा। शुक्र इस समय बृहस्पति के क्षेत्र में है। रुई, सूत, चांदी, चावल एवं घी, सोना में तेजी बनेगी।

24 जनवरी को सूर्य श्रवण में एवं 25 जनवरी को बुध भी श्रवण नक्षत्र में आ जाता है। गेहूं, जौ, चना, चावल, रुई, सूत, सण, सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड, अलसी, सुपारी, लौंग में अच्छी तेजी बनेगी।

28 जनवरी को मंगल कृत्तिका नक्षत्र में दाखल होगा। गेहूं, मूंग, मोठ, चावल, राई, मसूर, तिल, तेल, सरसों, घी, चांदी, सूती वस्त्र तेज रहें। रुई में पहले तेजी आकर बाद में मन्दा बने।

[19 जनवरी से 28 जनवरी तक यदि बाजार तेजी के हों तो लाभ ले लेना चाहिए। आगे स्टॉक का अवसर फिर मिलेगा।]

30 जनवरी को कुम्भस्थ चन्द्र के समय चन्द्रवार को चन्द्रदर्शन होगा। राजमाह, मूंग, मोठ, उड़द, चना, अरहर, मसूर आदि दालवाना में तेजी रहे। सोना, चांदी में घटाबढ़ी से मन्दी; जूट, शेयर, रुई में मन्दे के बाद तेजी बने।

31 जनवरी को गुरु विशाखा के दूसरे चरण में आकर रुई में मन्दा एवं अनाजों के भाव में तेजी बनाएगा।

फरवरी

1 फरवरी को बुध धनिष्ठा में आएगा। बुध सूर्य के साथ है एवं शनि से दृष्ट है। चावल–स्वांक में तेजी; सोना–चांदी में मन्दा होकर तेजी; रुई में घटाबढ़ी चले।

2 फरवरी को राहु उ.भा. 3 में एवं केतु हस्त 1 में आएगा। रुई, गुड़, खाण्ड, चावल, सरसों आदि तिलहन के भाव ऊँचे रहें। अनाजों में भी तेजी का रुख रहे।

3 फरवरी को धनु राशिस्थ शुक्र मार्गी होगा। प्लूटो भी धनु में ही है। 4 दिन बाद रुई में मन्दा बने। चांदी, सोना, मोती तेज होंगे। इस समय अनाज, गुड़, घी में यदि मन्दा हो तो स्टॉक करें– आगे लाभ होगा।

4 फरवरी को वक्री शनि पुष्य 3 में आएगा। सूर्य, बुध, मंगल की शनि पर दृष्टि है। तिलहनों में भारी तेजी संभव है। अनाज, रुई, अलसी, सूत, सण में भी तेजी बनेगी।

5 फरवरी को मंगल वृष में, बुध कुम्भ में एवं नेपच्यून धनिष्ठा 1 में प्रवेश करेगा। मंगल शनि की दृष्टि से दूर हो गया है। एक मास में लालचन्दन, लालरंग की चीजें, सभी अनाज, रुई, कपास, सूत, कुसुम्भ, चन्दन, कपूर, केसर, तेल, सोना, चांदी, तांबा, जस्ता आदि धातु व शेयरों में तेजी आती है। घी, तेल, गुड़, खाण्ड, रसकस में कुम्भस्थ बुध पर बृहस्पति की विशेष दृष्टि होने से यहां तेजी की जगह मन्दा बनने का योग है– सावधानी से काम करें। मकर राशि में नेप्च्यून, सूर्य, बुध, शनि से पूर्ण दृष्ट हैं। अतः 5 फरवरी को जौ, गेहूं, मोठ, चना, चावल, मूंग, उड़द, मसूर, बाजरा, ज्वार तेज रहेंगे। शक्कर, गुड़, खाण्ड में मन्दा आएगा।

6 फरवरी को सूर्य धनिष्ठा में आएगा। नेप्च्यून भी धनिष्ठा के प्रथम चरण में ही चल रहा है। सोना, चांदी, मणि–मोती आदि जवाहरात; मूंग, मसूर, गेहूं आदि अनाज; अलसी व रुई में तेजी बने।

7 फरवरी को प्लूटो मूल धनु में आकर घी, तेल, दालवाना, तिलहन एवं अनाजों में तेजी करेगा।

9 फरवरी को बुध शतभिषा में आकर चांदी, सोना में मन्दा करे, अनाज तेज हों।

12 फरवरी को सूर्य कुम्भ में आकर गुरु ग्रह से पूर्णतया देखा जाएगा। यह योग मन्दा करेगा। घी, तेल, नमक, सरसों, मूंगफली, राई में भी साधारण तेजी आकर मन्दे की तरफ रुख बने। रुई, पाट, अलसी, एरण्ड एवं गेहूं आदि अनाज, गुड़, शक्कर, एवं खाण्ड मन्दे होंगे।

13 फरवरी को बुध पश्चिम में उदित होगा। बुध, सूर्य एकत्र हैं। अतः रुई, शेयरों में 15 दिन में मन्दा आकर तेजी आए।

17 फरवरी को बुध पूभा. में आकर सोना--चांदी, तांबा, लोहा तथा अनाजों में मन्दा बनाए; रुई में घटाबढी रहे।

19 फरवरी को सूर्य शतभिषा में एवं शुक्र उ.षा. में दाखल होगा। गुड़, खाण्ड, सोना, चांदी, अलसी, एरण्ड मन्दे रहेंगे। रुई में घटाबढी के बाद तेजी एवं अनाज तेज रहें। तिल, तेल, सरसों, हींग, जायफल, दाख, छुहारा, सोंठ, हल्दी, गेहूं एवं गुड का भाव तेज रहे।

24 फरवरी को बुध मीनराशि में आकर राहु के साथ मेल करेगा। इसी दिन शुक्र मकर राशि में आएगा। मकरराशिस्थ शुक्र पर शनि की पूर्ण दृष्टि है। गुड़, खाण्ड, शक्कर, सोना, बिनौला, शेयर, अफीम, घी, गेहूं, चना आदि सारे अनाज तेज रहेंगे। रुई, चांदी में घटाबढ़ी होकर अन्त में उतनी ही तेजी ही रहेगी।

25 फरवरी को मंगल रोहिणी नक्षत्र में आकर रुई, कपास, सूत, वस्त्र, रेशम, सरसों, तिल, तेल, लालमिर्च, हींग एवं शेयरों में तेजी ही करेगा।

27 फरवरी को यूरेनस शतभिषा 4 में आकर चावल, खाण्ड, घी, लौंग एवं करयाणा में तेजी करे।

[24 फरवरी से मासान्त तक बाजार प्रायः तेज ही रहेंगे।]

मार्च

1 मार्च बुधवार को चन्द्रदर्शन होगा। रुई में पहले मन्दी बाद में तेजी आए। सोना, चांदी, सूत, वस्त्र, सण, वारदाना, जूट, गुड़, खाण्ड मन्दे रहें। अनाज एवं घी में तेजी आए।

2 मार्च को बुध वक्री हो जाएगा, स्वभावतः वक्री राहु के साथ मीनराशि में बुध का मेल चल रहा है। रुपए का अवमूल्यन होने का भय है। घी, गुड़, खाण्ड, सोना, चान्दी एवं तिलहन में तेजी बनेगी। गेहूं, जौ, चना आदि अनाजों में आशा के विपरीत मन्दा आ सकता है।

4 मार्च को सूर्य पूभा. में आएगा। तुला राशिस्थ गुरु वक्री होगा। इसी दिन वक्री बुध पश्चिम में अस्त हो जाएगा। रेशम, सोना, चांदी, गेहूं, जौ, चना, चावल आदि अनाज एवं अलसी मन्दे हों। तेल, रसकस, गुड़, खाण्ड में तेजी रहे। घी में पहले मन्दी बाद में तेजी बने।

नोट--क्योंकि, बुध वक्री पोज़ीशन में अस्त हुआ है, अतः अनाजों में मन्दे की जगह तेजी भी आ सकती है-- समझ से काम करें।

9 मार्च को वक्री बुध कुम्भ में आकर सूर्य के साथ मेल करेगा। इस पर गुरु की दृष्टि भी है। अलसी, रुई में मन्दी, चान्दी में मन्दी के बाद तेजी बनेगी। **कई बार बुध जब वक्री होकर सूर्य से राशिसम्बन्ध बनाता है तो तेल, तिलहन, रुई, सोना, चांदी में मन्दे की जगह तेजी कर देता है। अतः समझ से काम करें।**

10 मार्च को शुक्र श्रवण में आएगा। चांदी, सोना, गुड़, खाण्ड, शक्कर, मूंग, मोठ एवं उड़द आदि दालवाना मन्दे रहें। तिल, तेल तेज हों; रुई में मन्दा आकर तेजी आए।

14 मार्च मंगलवार को सूर्य मीन राशि में आएगा। राहु पहले ही मीन राशि में है। तिल, तेल, अलसी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, रुई, सोने में तेजी आए। प्रत्येक जाति के अनाजों में पहले कुछ तेजी, बाद में मन्दे की ओर झुकाव रहता है। इस समय चांदी में जोरदार मन्दी या तेजी के रिएक्शन आएंगे।

17 मार्च को सूर्य उत्तरा भाद्रपदा में आकर चावल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गेहूं एवं तेलों में तेजी करेगा।

19 मार्च को वक्री बुध पूर्व में उदित होगा। रुई में पहले मन्दी, कुछ ही दिन बाद तेजी बने। गेहूं, चना आदि में 40 दिन के अन्दर अच्छी तेजी बने। घी, तिल, पाट, हैसियन एवं लालमिर्च में तेजी बने।

21 मार्च को वक्री बुध शतभिषा 4 में आएगा एवं 22 मार्च को मंगल मृगशिर में प्रवेश करेगा। सोना, चांदी एवं रुई में बाजार ऊपर--नीचे चलें। अन्य व्यापारिक वस्तुओं में प्रायः मन्दे की ओर झुकाव रहेगा। 24 मार्च को शुक्र धनिष्ठा में आएगा; चावल, मूंग, मोठ, उड़द, ज्वार, बाजरा में तेजी चलेगी। रुई, कपास में भी इस समय तेजी नजर आएगी।

25 मार्च को बुध मार्गी होगा। रुई में पहले मन्दी, बाद में तेजी, चांदी में घटाबढ़ी होकर तेजी हो। 8 दिन में गेहूं, जौ, चना आदि अनाज तेज होंगे। रेशम, तेल, अलसी, एरण्ड, बिनौला, मूंगफली, कपूर, चन्दन अगर आदि

सुगन्धित चीजों में मन्दा बने। रसकस मन्दे एवं सोने में तेजी का वातावरण रहे।

29 मार्च को बुध पू.भा. में प्रवेश करेगा। बुध पर गुरु की विशेष दृष्टि है। सोना, चांदी, तांबा, लोहा तथा अनाजों में मन्दा बने और रुई में घटाबढ़ी चले। 29 मार्च को प्लूटो भी वक्री होकर बाजारों में अस्थिरता का संकेत देता है। 29 मार्च को भारत में दृश्य सूर्यग्रहण का प्रभाव तेजीपरक रहेगा। मासान्त में बाजार के रुख को देखकर काम करें।

नोट– 25 मार्च तक बुध एवं गुरु, शनि संवत् के अन्त तक वक्री चलेंगे। अतः इस मास में बहुत समझ से काम करें। विशेषतः वायदा व्यापारी बाजार के रुख को देखकर काम करें। इस समय हमारे कार्यालय से सम्पर्क करके ताजा रिपोर्ट प्राप्त करें। मन्दे में खरीद कर तेजी में माल निकालते रहें. नफा साथ–साथ बुक करते रहें।

सज्जनों ! हमने ग्रहचाल को पूरी तरह जांचकर तेजी–मन्दी के रुख का बेरवा इस पंचांग में दिया है, फिर भी ग्रहचालवश यदि किसी प्रकार से आपको व्यापार में हानि होती है तो हम उसके लिए उत्तरदायी न होंगे। वैसे, हमारी प्रभु से प्रार्थना है, कि– आपको व्यापार में हमेशा उत्तम लाभ प्राप्त होता रहे।

पं. इन्दुशेखर शर्मा, शास्त्री,
ज्योतिषाचार्य, एम.ए.,
मार्त्तण्ड भवन, मु.पो. कुराली (रोपड़), पं.।

मनिऑर्डर इस पते पर भेजें :–
संयमी शर्मा , एम.ए.,
प्रबन्धक :–
श्री मार्तण्ड ज्योतिष कार्यालय ,
कुराली – 140 103 (रोपड़) पं.।

फोनः– 0160- 2641277 / FAX - 0160- 2641577

यन्त्र–मन्त्र–तन्त्र साधना के लिए महत्त्वपूर्ण काल

(1 जनवरी, सन् 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक)

जप एवं यन्त्र–मन्त्र आदि की साधना के लिए शास्त्रों द्वारा बारह सायन संक्रान्तियों के पुण्यकाल तथा सूर्य–चन्द्र के क्रान्तिसाम्य (महापात) के काल को ठीक सूर्य–चन्द्रग्रहण के समान ही महत्त्वपूर्ण माना गया है। संहिता और ज्योतिष ग्रन्थों में इस विषय के अनेक वचन उपलब्ध हैं। क्रान्तिसाम्य को तन्त्रादि की सिद्धि के लिए ऋषियों ने स्पष्ट रूप से फलप्रद माना है। आचार्य भास्कर ने भी 'सिद्धान्तशिरोमणि' में कहा है, कि–क्रांतिसाम्य के काल में विवाहादि मंगलकृत्य करना तो निषिद्ध है, लेकिन यदि इस समय जप, अनुष्ठानादि किया जाए तो उसकी वृद्धि होती है–*"पातस्थितिकालान्तर्गतमंगलकृत्यं न शस्यते तज्ज्ञैः। स्नान–जप–होमदानादिकमत्रोपैति खलु वृद्धिम्।।"* यन्त्र–मन्त्र–तन्त्रों की साधना में विशेष रुचि रखने वाले पाठकों के लिए हम नीचे 1 जनवरी, 2005 ई. से 29 मार्च, सन् 2006 ई. तक की सायन संक्रान्तियों के पुण्यकाल तथा क्रान्तिसाम्य के प्रारंभ और समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.) दे रहे हैं। इन कालों में यंत्र–तंत्रों के निर्माण से एवम् मंत्रजाप से वे अभीष्ट सिद्धि प्राप्त कर सकेंगे।

सूर्य और चन्द्रमा के ग्रहण के पर्वकाल को भी मन्त्रादि साधना के लिए साधकों को उपयोग में लाना चाहिए। सायन संक्रान्तिपुण्यकाल, क्रान्तिसाम्य और सूर्य–चन्द्रग्रहण के अलावा मन्त्रादि साधना के लिए अर्धोदय, महोदय, महामहावारुणीपर्व, महावारुणीपर्व, वारुणीपर्व और षडशीतिमुख पुण्यकाल भी महत्त्वपूर्ण माने गए हैं। षडशीतिमुख पुण्यकाल प्रतिवर्ष चार बार घटित होता है, जबकि शेष अर्धोदय आदि योग कभी–कभी आते हैं।

सावधान–यंत्र–मंत्र–तंत्रों के प्रयोग को प्रभावशाली रूप में सद्यः फलप्रद बनाने के लिए शास्त्रविहित काल में साधना कीजिए, अन्यथा आगमशास्त्र पर साधक की निराधार अनास्था होने की पूर्ण आशंका है।

सायन संक्रान्ति पुण्यकाल (भा. स्टैं. टा.)

प्रारम्भ			समाप्त		
तारीख	घं.	मि.	तारीख	घं.	मि.
(सन् 2005 ई.)					
19 जन.	22	51	20 जन.	10	51
18 फर.	13	02	19 फर.	1	02
20 मार्च	12	03	21 मार्च	0	03
19 अप्रै.	23	07	20 अप्रै.	11	07
20 मई	22	17	21 मई	10	17
21 जून	6	16	21 जून	18	16
22 जुला.	17	11	23 जुला.	5	11
23 अग.	0	15	23 अग.	12	15
21 सितं.	21	53	22 सितं.	9	53
23 अक्तू.	7	12	23 अक्तू.	19	12
22 नवं.	4	45	22 नवं.	16	45
21 दिसं.	18	05	22 दिसं.	6	05
सन 2006 ई.					
20 जन.	4	45	20 जन.	16	45
18 फर.	18	55	19 फर.	6	55
20 मार्च	17	55	21 मार्च	5	55

निरयण संक्रान्ति के पुण्यकाल

सायन संक्रान्तियों के पुण्यकाल की भान्ति निरयण संक्रान्ति के पुण्यकाल में भी यंत्र–मंत्रादि की साधना की जा सकती है, लेकिन सायन संक्रान्तियों का पुण्यकाल इसके लिए विशेष महत्त्व रखता है।

क्रान्तिसाम्य का प्रारम्भ और समाप्तिकाल (भा. स्टैं. टा.)

प्रारम्भ			समाप्त		
तारीख	घं.	मि.	तारीख	घं.	मि.
(सन् 2005 ई.)					
7 जन.	4	33	7 जन.	10	24
19 जन.	9	19	19 जन.	15	14
2 फर.	7	50	2 फर.	12	31
14 फर.	4	24	14 फर.	8	46
27 फर.	23	25	28 फर.	3	30
12 मार्च	0	38	12 मार्च	4	17
25 मार्च	14	11	25 मार्च	18	10
6 अप्रै.	21	43	7 अप्रै.	1	23
20 अप्रै.	6	36	20 अप्रै.	11	05
2 मई	17	28	2 मई	21	43
16 मई	0	58	16 मई	6	35
28 मई	18	09	28 मई	23	29
11 जून	5	24	11 जून	12	49
2 जुला.	20	12	3 जुला.	3	09
17 जुला.	1	39	17 जुला.	7	09
29 जुला.	1	22	29 जुला.	6	31
12 अग.	2	10	12 अग.	6	45
23 अग.	23	17	24 अग.	3	15
6 सितं.	17	46	6 सितं.	21	55
18 सितं.	22	51	19 सितं.	2	19
2 अक्तू.	7	45	2 अक्तू.	11	54
14 अक्तू.	22	03	15 अक्तू.	1	39
27 अक्तू.	22	22	28 अक्तू.	3	01
9 नवं.	18	28	9 नवं.	22	49
22 नवं.	16	10	22 नवं.	22	03
5 दिसं.	20	32	6 दिसं.	2	10
19 दिसं.	1	56	19 दिसं.	9	25
28 दिसं.	7	01	28 दिसं.	13	30
(सन् 2006 ई.)					
9 जन.	16	18	9 जन.	22	21
23 जन.	18	08	23 जन.	23	20
4 फर.	16	15	4 फर.	20	41
18 फर.	11	49	18 फर.	16	16
2 मार्च	14	34	2 मार्च	18	05
16 मार्च	0	13	16 मार्च	4	23
28 मार्च	15	30	28 मार्च	18	51

सूक्ष्म क्रान्तिसाम्य

सूर्य–चन्द्र की राशियों के अनुसार निर्धारित किये जाने वाले क्रान्तिसाम्य का प्रारम्भ– समाप्तिकाल नितान्त स्थूल होता है। यहां दिया गया क्रान्तिसाम्य का प्रारम्भ–समाप्तिकाल महापात गणित द्वारा स्पष्ट किया गया है। यह सर्वथा सूक्ष्म है। विवाहादि मुहूर्तों में इसी सूक्ष्म क्रान्तिसाम्य के काल को ही वर्जित किया गया है।

षडशीतिमुख संक्रान्ति पुण्यकाल (भा. स्टैं. टा.)

प्रारम्भ			समाप्त		
तारीख	घं.	मि.	तारीख	घं.	मि.
(सन् 2005 ई.)					
10 जन.	1	35	10 जन.	13	35
5 अप्रै.	14	42	6 अप्रै.	2	42
3 जुला.	18	35	4 जुला.	6	35
30 सितं.	23	53	1 अक्तू.	11	53
(सन् 2006 ई.)					
10 जन.	7	45	10 जन.	19	45

सूर्य ग्रहण

इस वर्ष भारत में दृश्य दो सूर्य ग्रहण 3 अक्तू. '05 और 29 मार्च '06 ई. को होंगे। इन ग्रहणों के स्थानीय पर्वकालों में यन्त्र–मन्त्र–तन्त्र साधना करनी चाहिए।

चूड़ामणि चन्द्रग्रहण (सन् 2005 ई.)

प्रारम्भ		समाप्त	
17 अक्तू.	17 03	17 अक्तू.	18 02

महोदय पर्व (सन् 2005 ई.)

प्रारम्भ		समाप्त	
8 फर.	7 38	8 फर.	19 02
(सन् 2006 ई.)			
29 जन.	10 55	29 जन.	सूर्यास्त

वारुणी पर्व (सन् 2005 ई.)

प्रारम्भ		समाप्त	
6 अप्रै.	7 42	6 अप्रै.	13 41
(सन् 2006 ई.)			
27 मार्च	सूर्योदय	27 मार्च	सूर्यास्त

यन्त्र-मन्त्र एवम् तन्त्रों का चमत्कार

इस स्तम्भ के अन्तर्गत अनुभूत यन्त्र-मन्त्र-तन्त्र गतवर्षों से देते आ रहे हैं। इस स्तम्भ के अन्तर्गत दिए गए मन्त्रों को शुभमुहूर्त में गुरुमुख से प्राप्त करके ग्रहणवेला, क्रान्तिसाम्य या सायन-संक्रान्तियों के पुण्यकाल में दृढ़ निश्चयपूर्वक अनुष्ठान करके, सिद्ध कर लेना चाहिए। **ध्यान रहे**- दीपमाला के समय एवं महाशिवरात्रि की महत्वपूर्ण रात्रियों में किंवा 'यन्त्र-मन्त्र-तन्त्रों के लिए साधनाकाल' उल्लिखित समयावधियों में इन मन्त्र-तन्त्रों को सिद्ध करके, इनका चमत्कार आप अविलम्ब देख सकेंगे। यन्त्र-मन्त्रों के बल पर ही दैवज्ञ अपने वैदुष्य से अक्षुण्ण यश प्राप्त कर सकता है,- **"सिद्धिर्भूषयते विद्याम्।"**

मन्त्र ऐसे दिव्यशब्दों का समूह है, जिसे दृढ़ इच्छाशक्तिपूर्वक उच्चारण एवं मनन से ही हम अलौकिक काम कर सकते हैं। चुने हुए गुप्त शब्द ही मन्त्र हैं। इनमें शब्दों को ऐसा क्रम दिया जाता है, कि उनके मौन या अमौन अवस्था में उच्चारणमात्र में शून्य-महाकाश में एक विचित्र कम्पन उत्पन्न होता है, जिसमें अभीप्सित कार्यसिद्धि एवं रचनात्मक प्रबल-प्रछन्नशक्ति होती है।

" मननात् त्रायते यस्मात्तस्मात् मन्त्रः प्रकीर्तितः। जपात् सिद्धिर्जपात् सिद्धिर्जपात् सिद्धिर्न संशयः।।"

मन्त्रशास्त्र के अनुसार वेदमन्त्रों को ब्रह्मा ने शक्ति प्रदान की थी। तान्त्रिकप्रयोगों को भगवान् शिव ने शक्ति-सम्पन्न किया। इसी प्रकार कलियुग में शिवावतार श्री शाबरनाथ जी ने शाबरमन्त्रों को अद्भुत शक्ति प्रदान की। शाबरमन्त्र अनमिल बेजोड़ शब्दों का एक समूह होता है, जो कि अर्थहीन मालूम देते हैं, परन्तु भगवान् शंकर जी के प्रताप से ये मन्त्र अवन्ध्य प्रभाव वाले हैं- **" अनमिल आखर अर्थ न जापू। प्रकट प्रभाव महेश प्रतापू।।"** अतः शाबरमन्त्रों को यथावत् उच्चारण करें, किसी प्रकार से इनमें न्यूनाधिकता न करें। **नोटः**- मन्त्र का पुरश्चरण करते समय गुप्त रखें। प्रकट होने पर पुरश्चरण अर्थहीन हो जाता है- **" गोपनीयं गोपनीयं गोपनीयं प्रयत्नतः।"**

जब जीवन घोर संकट में हो, शत्रुओं से मृत्यु किंवा अपमान का भय हो तो कालरात्रि के अनुष्ठान से आप सर्वतोभावेन चिन्तामुक्त हो जाएं-

कालरात्रि तन्त्र अनुष्ठान शत्रुकृत संकट से मुक्ति के साथ-साथ उच्चाटन, स्तम्भन, मारण-मोहनार्थ भी प्रयोग में लाया जाता है। इस तन्त्र की मूलशक्ति **' महाकालिका'** है, जिसके शक्तिचक्र-आवरण में सम्मोहिनी और विमोहिनी शक्तियां काम करती हैं। इस विधान में अष्टगन्ध-मसि का प्रयोग किया जाता है। यन्त्र पूजनार्थ सिन्दूर एवं हिंगुल को प्रयोग में लाते हैं। भोजपत्र किंवा गंगाजल से धुले (सूखे) कागज़ या पीपल के पत्ते पर महामाया कालरात्रि का बीजमन्त्र लिखना श्रेष्ठ माना गया है।

वैशाख शुक्ल चतुर्दशी (नृसिंह जयन्ती) तन्त्रोक्त साधनार्थ विशेष मुहूर्त्त माना गया है। इस दिन रात्रि में महाकाली का यह विशेष अनुष्ठान शत्रुओं को हतप्रभ करने के लिए एवं समस्त बाधाओं से मुक्ति, बन्धन से मोक्ष के लिए तान्त्रिक लोग करते हैं। यह आश्चर्यजनक प्रयोग तन्त्रशास्त्र के लिए विशेष गरिमामय प्रत्यक्ष अनुभव कराने वाला है।

विधान- यह अनुष्ठान विशेष गुरु के संरक्षण में एकान्त कमरे में करें। मध्यरात्रि में द्वार बन्द करके ही करें। साधक लालवस्त्र पहनकर पूजास्थल में जाए; पूजन सामग्री पहले ही संचित करें, ताकि बारम्बार बाहिर न जाना पड़े। सबसे पहिले चौंकी पर लालवस्त्र बिछाकर उसके सामने बाईं ओर तांबे के पात्र में आपदुद्धारक बटुक भैरव जी की स्थापना करें,, ताकि अनुष्ठान में कोई बाधा उपस्थित न हो। दूसरे तांबे के पात्र में एक पुष्प रखकर उस पर **'कालरात्रि महायन्त्र'** स्थापित करें। हाथ में जल लेकर इस प्रकार विनियोग करें-

" ॐ अस्य कालरात्रि-मन्त्रस्य दक्षः ऋषिः, अतिजगती छन्दः, अलर्कनिवासिनी कालरात्रिर्देवता, क्लीम् बीजम्, महाशक्तिः ममाभीष्ट-सिद्धये जपे विनियोगः।"

विनियोग के बाद साधक भोजपत्र या पीपलपत्र के बाहिरी भाग पर **' क्लीम् '** बीजमन्त्र लिखकर, वीरमुद्रा में बैठकर हाथ

में सिन्दूर से रंगे हुए चावल लेकर आत्मनाम कुलादि उच्चारण पूर्वक हस्तंगत चावलों को अपने पीछे की तरफ फेंक दें।

साधक कालरात्रि महाविद्या की महाशक्तियों का पूजन उनके नाममन्त्रों से करें। प्रत्येक मन्त्रोच्चारण के साथ विभिन्न दिशाओं में 'क्रीम्' बीजमन्त्र से चिह्नित पीपल के पत्तों पर पीली सरसों की ढेरी बनाकर, निमन प्रकार से कालरात्रि शक्तिबीज की स्थापना करें।

पूर्व दिशा में – "ॐ मायायै नमः। ॐ कालरात्र्यै नमः।
ॐ वटवासिन्यै नमः।"

दक्षिण दिशा में– "ॐ गणेश्वर्यै नमः। ॐ कान्हायै नमः।
ॐ व्यापिकायै नमः।

पश्चिम दिशा में– "ॐ अलर्कवासिन्यै नमः। ॐ मायाराज्ञ्यै नमः।
ॐ मदनप्रियायै नमः।"

उत्तर दिशा में – "ॐ रत्यै नमः। ॐ लक्ष्म्यै नमः। ॐ कान्हेश्वर्यै नमः।"

इस प्रकार प्रत्येक दिशा में आह्वान करके सिन्दूर, धूप–दीप–नैवेद्य एवं हिंगुल आदि से पूजन करके कालरात्रि देवी का ध्यान करें एवं वर–प्राप्त्यर्थ प्रार्थना करें। **नोट–** यदि विशेष मारणोच्चाटनादि अनुष्ठान करना हो तो कालरात्रि भगवती को मद्य का भोग भी लगाया जाता है। परन्तु मारण, मोहन, उच्चाटनादि प्रयोग करने की आज्ञा शास्त्र नहीं देता। पापकर्म के साथ ऐसा प्रयोग साधक के लिए भारी दुष्परिणामों वाला ही सिद्ध होता है।

प्रार्थना के बाद साधक एक दीपक और जलाकर अपने सामने स्थापित करे। गुग्गुल–लौंग–लोबान एकत्र मिलाकर रखें। इसके बाद निम्नांकित कालरात्रि महामन्त्र का जाप वीरमुद्रा में बैठकर करें;–

कालरात्रि महामन्त्र– **"ॐ ऐं ह्रीम् क्लीम् श्रीम् कान्हेश्वरि सर्वजन–मनोहारि, सर्वमुख–स्तम्भिनि, सर्वराजवशंकरि, सर्व दुष्ट निर्दलनि, सर्वस्त्री–पुरुषाकर्षिणि बन्दिश्रृंखलां त्रोटय त्रोटय, सर्वशत्रून् भंजय भंजय, द्वेष्टारं निर्दलय निर्दलय, सर्वं स्तम्भय–स्तम्भय, मोहनास्त्रेण द्वेषिणम् उच्चाटय उच्चाटय, सर्ववश्यं कुरु कुरु स्वाहा। देहि देहि सर्वम् कालरात्रि कामिनि गणेश्वरि नमः।।"**

पुरश्चरण के दिन पूजन एवं मन्त्रजाप करने के पश्चात् आने वाले चार शनिवारों को विधिवत् पूजन करने से प्रबल से प्रबल शत्रु भी परास्त हो जाते हैं। भगवती कालरात्रि प्रसन्न होकर साधक का मनोभिलषित कार्य सिद्ध करती है। कैसा भी तन्त्रप्रयोग हो, जीवन–संकटग्रस्त हो,– इस प्रयोग से सर्व बाधाओं से विनिर्मुक्त होकर अभीष्ट वर प्राप्त होता है। मन्त्र–शास्त्रानुसार साधक को कम से कम एक हजार मन्त्रजाप करना चाहिए, पूर्ण मन्त्र–साधना के लिए तो दस हजार मन्त्रजाप करना अनिवार्य है।

शत्रुबाधा, तन्त्रबाधा एवं समस्त बाधा निवृत्ति हेतु
रुद्र पूजन

भगवान् रुद्र अपने भक्तों के कार्यों में विघ्नहरण के रूप में जाने जाते हैं। यह प्रयोग विशेषरूपेण श्रावण में विशेष फलप्रद कहा है।

उपकरण–(1) अभिषेकार्थ पारद शिवलिंग, पारद शिवलिंग के अभाव में शिव मन्दिर में शिवलिंग को पंचामृत स्नान करा सकते हैं।

(2) रुद्राक्ष माला।

भगवान् शिव का ध्यान करके निम्नांकित प्रार्थना करें–

" सर्वव्यापिनमीशानं रुद्रं वै विश्वरूपिणम्।
गंगाधरं दशमुखं सर्वाभरण–भूषितम्।।"
" ॐ साम्ब सदाशिवाय नमः" ।।

इस प्रकार प्रार्थना करके निम्नांकित रुद्रस्तुति का मन्त्ररूप पांच श्लोकों का उच्चारण करते हुए शिवपिण्डी को पंचामृत स्नान कराएं एवं शिवलिङ्ग पर बिल्वपत्र चढ़ाते जाएं।

रुद्रस्तुति–

" पश्चिमं पूर्णचन्द्राभं जगत्सृष्टिकरोज्ज्वलम्।
सद्योजातं यजेत् सौम्यं मन्दस्मितं मनोहरम्।।
उत्तरं विद्रुम प्रख्यं विश्वस्थितिकरं शुभम्।
सविलासं त्रिनयनं वामदेवं प्रपूजयेत्।।
दक्षिणं नीलजीमूत–प्रभुं संहारकारकम्।
वक्रभ्रूकुटिलं घोरमघोराख्यं तमर्चयेत्।।
यजेत् पूर्वं सौम्यं बालार्क–सदृश–प्रभम्।
तिरोधान–कृत्यपरं रुद्रं तत्पुरुषाभिधम्।।
ईशानं स्फटिक–प्रख्यं सर्वभूतानुकम्पिनम्।
अतीव सौम्यमोंकार–रूपमूर्ध्वमुखं यजेत्।"

इस पूजन के बाद सर्वाबाधा निवारणार्थ एवं अभीष्टकार्य-सिद्धयर्थ 11 माला मन्त्रजाप करें। आश्चर्यजनक प्रभाव अनुभव होगा- प्रयोग करें।

घर में कलह–क्लेश मिटाने हेतु प्रयोग

पति–पत्नी में छोटे–मोटे कलह–क्लेश कई बार भयंकर रूप धारण करके सम्बन्धविच्छेद का कारण भी बन जाते हैं, एतदर्थ आप 'एक नारियल' को लाल कपड़े में बांधकर 11 दिनों तक 7 बार निम्नांकित मन्त्र पढ़ते रहें। साथ ही छोटी इलायची, लौंग, मिसरी एक बर्तन में रखें। मन्त्रजाप के बाद इनमें हाथ घुमा दें। इलायची आदि परिवार में बांटकर खा लें;– प्रेम सद्भाव का वातावरण बहुत जल्दी बनेगा।

मन्त्रः– " ॐ क्रीम् क्रीम् सर्वविवाद निवारणाय फट्।।"

प्रयोग समाप्ति के बाद नारियल को किसी तालाब या शुद्ध जल में प्रवाहित कर दें।

शीघ्र विवाह प्रयोग

लड़कियों के शीघ्र विवाहार्थ मन्दिर में कम्बलासन पर बैठकर **"गौरी मन्त्र"** जाप के 41–41–41 दिन के तीन अनुष्ठान करें।

गौरी मन्त्रः-"ॐ क्लीम् हे गौरि शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकरप्रिया।
तथा मां कुरु कल्याणि कान्तकान्तां सुदुर्लभाम् क्लीम् ॐ।।"

लड़कों के विवाह के लिए निम्नांकित मन्त्र का जाप करना तुरन्त फलदायक कहा है; –

"ॐ क्लीम् पत्नीम् मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम्।
तारणीम् दुर्ग–संसार–सागरस्य कुलोद्भवाम् क्लीम् ॐ।।"

बालक बुद्धिमान् एवं यशस्वी हो – एतदर्थ एक सिद्ध प्रयोग

प्रत्येक माता–पिता की मानसिक इच्छा होती है कि उनकी सन्तान परम बुद्धिमान् एवं यशस्वी हो। यह सदिच्छा प्रत्येक माता–पिता की पूर्ण हो, इसी भावना से यह सिद्धप्रयोग हम यहां उद्धृत कर रहे हैं।

विधिः– किसी भी बालक के प्रसवोपरान्त नाल काटने से पहले ही यह अद्भुत प्रयोग करें। **सुवर्ण–चांदी आदि किसी धातु के छोटे से पात्र में गोघृत 2 माशा, शुद्ध शहद 4 माशा तथा शुक्ल पक्ष के मध्य पड़ने वाले पुष्यनक्षत्र में या गुरुपुष्य, रविपुष्य योग में उखाड़ी हुई ब्राह्मी और शंखपुष्पी बूटी का बारीक चूर्ण 3–3 रत्ती मिलाकर तैयार रखें।** इसे वाग्-देवी सरस्वती का ध्यान करते हुए निम्न मंत्र से अभिमंत्रित कर लें–

मन्त्रः– " ॐ आनो यज्ञं भारती तूयमेतु।"

अब नवजात सन्तान की धाई आदि मुख–शुद्धयनन्तर पूर्व या उत्तराभिमुख बच्चे को अपने दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली के अग्रभाग में सुवर्ण या चांदी लगाकर उसी से उक्त पात्रस्थ गोघृत आदि से शिशु की जिह्वा पर पहले धीरे से ' ॐ ' लिखें। तदनन्तर " **ॐ ऐं मेधां ते देवी सरस्वती आद्धातु** "– यह मंत्र पढ़कर पुनः जिह्वा पर ' **ऐं** ' यह बीजमन्त्र लिखें। फिर " **ॐ भूस्त्वयि दधामि। ॐ भुवस्त्वयि दधामि। ॐ स्वस्त्वयि दधामि। ॐ भूर्भुवः स्वः सर्वं त्वयि दधामि।** " – इन चार मन्त्रों से बच्चे को थोड़ा–थोड़ा चार बार मधु–घृतयुक्त ब्राह्मी व शंखपुष्पी चटाएं। इस प्रयोग को उपरोक्त विधि के अनुसार सम्पन्न करने से बालक (बच्चा) अवश्य बुद्धिमान् व यशस्वी होता है। यह एक शास्त्रीय प्रयोग है तथा अनेकों महापुरुषों द्वारा अनुभूत है। आप भी इसका लाभ उठाएं।

दुष्टकृत्यजन्य पाप से विमुक्त्यर्थ एक अद्भुत मन्त्र प्रयोग

कई बार देखा जाता है कि–मनुष्य किसी पूर्वजन्म में व कभी भी अनजाने में किए गए दुष्टकृत्यजन्य कुफल से आजीवन पीड़ित रहता है। उसके द्वारा विहित दुष्टकृत्यों के भारी बोझ से वह अपने आपको असहाय मानने लगता है। ऐसे प्राणी, जो अपने जीवन से बेहद परेशान हों, उनके कल्याणार्थ ही प्रायश्चित्त स्वरूप यह मन्त्र प्रयोग हम यहां दे रहे हैं। इसके करने से उसका जीवन कुछ आसान होता मालूम होगा किंवा जन्म–जन्मान्तर के दुष्टकृत्यजन्य बोझ से वह स्वयं को हल्का महसूस कर भगवद्भक्ति में प्रवृत्त हो सुखानुभव करने लगेगा– अनुभव करें।

विधिः– यह प्रयोग किसी भी पर्वतिथि से प्रारम्भ कर सवामास के बाद या इसके आसन्नवर्ती समय में किसी शुभमुहूर्त्त में सम्पन्न करना

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश	अं.क. 28 33	अं.क. 28 34	अं.क. 28 35	अं.क. 28 36	अं.क. 28 37	अं.क. 28 38	अं.क. 28 39	अं.क. 28 40	अं.क. 28 41	अं.क. 28 42	अं.क. 28 43	अं.क. 28 44	अं.क. 28 45	अं.क. 28 46	अं.क. 28 47
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.सें.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00
00 12	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26
00 24	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52
00 36	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 19	01 19	01 19
00 48	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 45	01 45	01 45	01 45	01 45	01 45	01 45
01 00	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11
01 12	02 36	02 36	02 36	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 38	02 38	02 38
01 24	03 02	03 02	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 04	03 04	03 04	03 04	03 04
01 36	03 28	03 29	03 29	03 29	03 29	03 29	03 29	03 30	03 30	03 30	03 30	03 30	03 30	03 30	03 31
01 48	03 55	03 55	03 55	03 55	03 55	03 55	03 56	03 56	03 56	03 56	03 56	03 56	03 57	03 57	03 57
02 00	04 21	04 21	04 21	04 21	04 22	04 22	04 22	04 22	04 22	04 22	04 23	04 23	04 23	04 23	04 23
02 12	04 47	04 47	04 47	04 48	04 48	04 48	04 48	04 48	04 49	04 49	04 49	04 49	04 49	04 50	04 50
02 24	05 13	05 13	05 14	05 14	05 14	05 14	05 14	05 15	05 15	05 15	05 15	05 15	05 16	05 16	05 16
02 36	05 39	05 40	05 40	05 40	05 40	05 40	05 41	05 41	05 41	05 41	05 42	05 42	05 42	05 42	05 43
02 48	06 05	06 06	06 06	06 06	06 06	06 07	06 07	06 07	06 07	06 08	06 08	06 08	06 09	06 09	06 09
03 00	06 32	06 32	06 32	06 32	06 33	06 33	06 33	06 34	06 34	06 34	06 34	06 35	06 35	06 35	06 35
03 12	06 58	06 58	06 58	06 59	06 59	06 59	07 00	07 00	07 00	07 00	07 01	07 01	07 01	07 02	07 02
03 24	07 24	07 24	07 25	07 25	07 25	07 26	07 26	07 26	07 27	07 27	07 27	07 27	07 28	07 28	07 28
03 36	07 50	07 51	07 51	07 51	07 52	07 52	07 52	07 53	07 53	07 53	07 54	07 54	07 54	07 55	07 55
03 48	08 17	08 17	08 17	08 18	08 18	08 18	08 19	08 19	08 19	08 20	08 20	08 20	08 21	08 21	08 21
04 00	08 43	08 43	08 44	08 44	08 44	08 45	08 45	08 45	08 46	08 46	08 46	08 47	08 47	08 48	08 48
04 12	09 09	09 09	09 10	09 10	09 11	09 11	09 11	09 12	09 12	09 13	09 13	09 13	09 14	09 14	09 14
04 24	09 35	09 36	09 36	09 37	09 37	09 37	09 38	09 38	09 39	09 39	09 39	09 40	09 40	09 41	09 41
04 36	10 02	10 02	10 02	10 03	10 03	10 04	10 04	10 05	10 05	10 05	10 06	10 06	10 07	10 07	10 08
04 48	10 28	10 28	10 29	10 29	10 30	10 30	10 31	10 31	10 31	10 32	10 32	10 33	10 33	10 34	10 34
05 00	10 54	10 55	10 55	10 56	10 56	10 57	10 57	10 57	10 58	10 58	10 59	10 59	11 00	11 00	11 01
05 12	11 21	11 21	11 22	11 22	11 23	11 23	11 24	11 24	11 24	11 25	11 25	11 26	11 26	11 27	11 27
05 24	11 47	11 48	11 48	11 49	11 49	11 49	11 50	11 50	11 51	11 51	11 52	11 52	11 53	11 53	11 54
05 36	12 13	12 14	12 14	12 15	12 15	12 16	12 16	12 17	12 18	12 18	12 19	12 19	12 20	12 20	12 21
05 48	12 40	12 40	12 41	12 41	12 42	12 42	12 43	12 44	12 44	12 45	12 45	12 46	12 46	12 47	12 47
06 00	13 06	13 07	13 07	13 08	13 08	13 09	13 10	13 10	13 11	13 11	13 12	13 12	13 13	13 13	13 14
06 12	13 33	13 33	13 34	13 34	13 35	13 36	13 36	13 37	13 37	13 38	13 38	13 39	13 40	13 40	13 41
06 24	13 59	14 00	14 00	14 01	14 02	14 02	14 03	14 03	14 04	14 04	14 05	14 06	14 06	14 07	14 07
06 36	14 26	14 26	14 27	14 28	14 28	14 29	14 29	14 30	14 31	14 31	14 32	14 32	14 33	14 34	14 34
06 48	14 52	14 53	14 54	14 54	14 55	14 55	14 56	14 57	14 57	14 58	14 58	14 59	15 00	15 00	15 01
07 00	15 19	15 19	15 20	15 21	15 21	15 22	15 23	15 23	15 24	15 25	15 25	15 26	15 26	15 27	15 28
07 12	15 45	15 46	15 47	15 47	15 48	15 49	15 49	15 50	15 51	15 51	15 52	15 53	15 53	15 54	15 55
07 24	16 12	16 13	16 13	16 14	16 15	16 15	16 16	16 17	16 17	16 18	16 19	16 19	16 20	16 21	16 21
07 36	16 39	16 39	16 40	16 41	16 41	16 42	16 43	16 44	16 44	16 45	16 46	16 46	16 47	16 48	16 48
07 48	17 05	17 06	17 07	17 07	17 08	17 09	17 10	17 10	17 11	17 12	17 12	17 13	17 14	17 15	17 15
08 00	17 32	17 33	17 33	17 34	17 35	17 36	17 36	17 37	17 38	17 39	17 39	17 40	17 41	17 42	17 42
08 12	17 59	17 59	18 00	18 01	18 02	18 02	18 03	18 04	18 05	18 05	18 06	18 07	18 08	18 09	18 09
08 24	18 25	18 26	18 27	18 28	18 29	18 29	18 30	18 31	18 32	18 32	18 33	18 34	18 35	18 36	18 36
08 36	18 52	18 53	18 54	18 55	18 55	18 56	18 57	18 58	18 59	18 59	19 00	19 01	19 02	19 03	19 03
08 48	19 19	19 20	19 21	19 22	19 22	19 23	19 24	19 25	19 26	19 26	19 27	19 28	19 29	19 30	19 30
09 00	19 46	19 47	19 48	19 48	19 49	19 50	19 51	19 52	19 53	19 53	19 54	19 55	19 56	19 57	19 58
09 12	20 13	20 14	20 15	20 15	20 16	20 17	20 18	20 19	20 20	20 20	20 21	20 22	20 23	20 24	20 25
09 24	20 40	20 41	20 41	20 42	20 43	20 44	20 45	20 46	20 47	20 48	20 48	20 49	20 50	20 51	20 52
09 36	21 07	21 08	21 08	21 09	21 10	21 11	21 12	21 13	21 14	21 15	21 16	21 16	21 17	21 18	21 19
09 48	21 34	21 35	21 36	21 36	21 37	21 38	21 39	21 40	21 41	21 42	21 43	21 44	21 45	21 45	21 46
10 00	22 01	22 02	22 03	22 04	22 04	22 05	22 06	22 07	22 08	22 09	22 10	22 11	22 12	22 13	22 14
10 12	22 28	22 29	22 30	22 31	22 32	22 33	22 33	22 34	22 35	22 36	22 37	22 38	22 39	22 40	22 41
10 24	22 55	22 56	22 57	22 58	22 59	23 00	23 01	23 02	23 03	23 04	23 05	23 05	23 06	23 07	23 08
10 36	23 22	23 23	23 24	23 25	23 26	23 27	23 28	23 29	23 30	23 31	23 32	23 33	23 34	23 35	23 36
10 48	23 49	23 50	23 51	23 52	23 53	23 54	23 55	23 56	23 57	23 58	23 59	24 00	24 01	24 02	24 03
11 00	24 17	24 18	24 19	24 20	24 21	24 22	24 23	24 24	24 25	24 26	24 27	24 28	24 29	24 30	24 31
11 12	24 44	24 45	24 46	24 47	24 48	24 49	24 50	24 51	24 52	24 53	24 54	24 55	24 56	24 57	24 58
11 24	25 11	25 12	25 13	25 14	25 15	25 16	25 17	25 18	25 20	25 21	25 22	25 23	25 24	25 25	25 26
11 36	25 38	25 40	25 41	25 42	25 43	25 44	25 45	25 46	25 47	25 48	25 49	25 50	25 51	25 52	25 54
11 48	26 06	26 07	26 08	26 09	26 10	26 11	26 12	26 14	26 15	26 16	26 17	26 18	26 19	26 20	26 21
12 00	26 33	26 34	26 36	26 37	26 38	26 39	26 40	26 41	26 42	26 43	26 44	26 46	26 47	26 48	26 49

इस पूजन के बाद सर्वाबाधा निवारणार्थ एवं अभीष्टकार्य–सिद्ध्यर्थ 11 माला मन्त्रजाप करें। आश्चर्यजनक प्रभाव अनुभव होगा– प्रयोग करें।

घर में कलह–क्लेश मिटाने हेतु प्रयोग

पति–पत्नी में छोटे–मोटे कलह–क्लेश कई बार भयंकर रूप धारण करके सम्बन्धविच्छेद का कारण भी बन जाते हैं, एतदर्थ आप 'एक नारियल' को लाल कपड़े में बांधकर 11 दिनों तक 7 बार निम्नांकित मन्त्र पढ़ते रहें। साथ ही छोटी इलायची, लौंग, मिसरी एक बर्तन में रखें। मन्त्रजाप के बाद इनमें हाथ घुमा दें। इलायची आदि परिवार में बांटकर खा लें;– प्रेम सद्भाव का वातावरण बहुत जल्दी बनेगा।

मन्त्रः– " ॐ क्रीम् क्रीम् सर्वविवाद निवारणाय फट्।।"

प्रयोग समाप्ति के बाद नारियल को किसी तालाब या शुद्ध जल में प्रवाहित कर दें।

शीघ्र विवाह प्रयोग

लड़कियों के शीघ्र विवाहार्थ मन्दिर में कम्बलासन पर बैठकर **"गौरी मन्त्र"** जाप के 41–41–41 दिन के तीन अनुष्ठान करें।

गौरी मन्त्रः-"ॐ क्लीम् हे गौरि शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकरप्रिया।
तथा मां कुरु कल्याणि कान्तकान्तां सुदुर्लभाम् क्लीम् ॐ।।"

लड़कों के विवाह के लिए निम्नांकित मन्त्र का जाप करना तुरन्त फलदायक कहा है; –

"ॐ क्लीम् पत्नीम् मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम्।
तारणीम् दुर्ग–संसार–सागरस्य कुलोद्भवाम् क्लीम् ॐ।।"

बालक बुद्धिमान् एवं यशस्वी हो – एतदर्थ एक सिद्ध प्रयोग

प्रत्येक माता–पिता की मानसिक इच्छा होती है कि उनकी सन्तान परम बुद्धिमान् एवं यशस्वी हो। यह सदिच्छा प्रत्येक माता–पिता की पूर्ण हो, इसी भावना से यह सिद्धप्रयोग हम यहां उद्धृत कर रहे हैं।

विधिः– किसी भी बालक के प्रसवोपरान्त नाल काटने से पहले ही यह अद्भुत प्रयोग करें। **सुवर्ण–चांदी आदि किसी धातु के छोटे से पात्र में गोघृत 2 माशा, शुद्ध शहद 4 माशा तथा शुक्ल पक्ष के मध्य पड़ने वाले पुष्यनक्षत्र में या गुरुपुष्य, रविपुष्य योग में उखाड़ी हुई ब्राह्मी और शंखपुष्पी बूटी का बारीक चूर्ण 3–3 रत्ती मिलाकर तैयार रखें।** इसे वाग्–देवी सरस्वती का ध्यान करते हुए निम्न मंत्र से अभिमंत्रित कर लें–

मन्त्रः– " ॐ आनो यज्ञं भारती तूयमेतु।"

अब नवजात सन्तान की धाई आदि मुख–शुद्ध्यनन्तर पूर्व या उत्तराभिमुख बच्चे को अपने दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली के अग्रभाग में सुवर्ण या चांदी लगाकर उसी से उक्त पात्रस्थ गोघृत आदि से शिशु की जिह्वा पर पहले धीरे से ' **ॐ** ' लिखें। तदनन्तर " **ॐ ऐं मेधां ते देवी सरस्वती आदधातु** "– यह मंत्र पढ़कर पुनः जिह्वा पर ' **ऐं** ' यह बीजमन्त्र लिखें। फिर " **ॐ भूस्त्वयि दधामि। ॐ भुवस्त्वयि दधामि। ॐ स्वस्त्वयि दधामि। ॐ भूर्भुवः स्वः सर्वं त्वयि दधामि।** " – इन चार मन्त्रों से बच्चे को थोड़ा–थोड़ा चार बार मधु–घृतयुक्त ब्राह्मी व शंखपुष्पी चटाएं। इस प्रयोग को उपरोक्त विधि के अनुसार सम्पन्न करने से बालक (बच्चा) अवश्य बुद्धिमान् व यशस्वी होता है। यह एक शास्त्रीय प्रयोग है तथा अनेकों महापुरुषों द्वारा अनुभूत है। आप भी इसका लाभ उठाएं।

दुष्टकृत्यजन्य पाप से विमुक्त्यर्थ एक अद्भुत मन्त्र प्रयोग

कई बार देखा जाता है कि–मनुष्य किसी पूर्वजन्म में व कभी भी अनजाने में किए गए दुष्टकृत्यजन्य कुफल से आजीवन पीड़ित रहता है। उसके द्वारा विहित दुष्टकृत्यों के भारी बोझ से वह अपने आपको असहाय मानने लगता है। ऐसे प्राणी, जो अपने जीवन से बेहद परेशान हों, उनके कल्याणार्थ ही प्रायश्चित्त स्वरूप यह मन्त्र प्रयोग हम यहां दे रहे हैं। इसके करने से उसका जीवन कुछ आसान होता मालूम होगा किंवा जन्म–जन्मान्तर के दुष्टकृत्यजन्य बोझ से वह स्वयं को हल्का महसूस कर भगवद्भक्ति में प्रवृत्त हो सुखानुभव करने लगेगा– अनुभव करें।

विधिः– यह प्रयोग किसी भी पर्वतिथि से प्रारम्भ कर सवामास के बाद या इसके आसन्नवर्ती समय में किसी शुभमुहूर्त में सम्पन्न करना

क्रान्ति–वेलान्तर कोष्ठक (भाग २)

सायन सूर्य राशि▶	(6) तुला				(7) वृश्चिक				(8) धनु				(9) मकर				(10) कुम्भ				(11) मीन			
अंश ▼	क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर	
	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.
0	द. 0	00	−7	30	द.11	28	−15	37	द.20	09	−13	50	द.23	27	−1	35	द.20	09	+11	03	द.11	28	+13	59
1	0	24	7	52	11	49	15	45	20	22	13	33	23	26	1	06	19	56	11	20	11	07	13	54
2	0	48	8	13	12	10	15	53	20	34	13	16	23	26	0	37	19	43	11	36	10	46	13	47
3	1	12	8	35	12	31	15	59	20	46	12	59	23	25	−0	08	19	29	11	51	10	24	13	40
4	1	35	8	56	12	51	16	05	20	57	12	41	23	23	+0	21	19	16	12	06	10	03	13	33
5	1	59	9	16	13	11	16	10	21	08	12	22	23	21	0	50	19	01	12	20	9	41	13	25
6	2	23	9	36	13	31	16	14	21	19	12	02	23	18	1	19	18	47	12	33	9	19	13	16
7	2	47	9	56	13	51	16	18	21	29	11	41	23	16	1	48	18	32	12	46	8	57	13	07
8	3	10	10	16	14	11	16	20	21	39	11	20	23	12	2	17	18	16	12	58	8	34	12	57
9	3	34	10	36	14	30	16	22	21	48	10	58	23	08	2	46	18	01	13	09	8	12	12	46
10	3	58	10	55	14	49	16	23	21	57	10	36	23	04	3	14	17	45	13	19	7	49	12	35
11	4	21	11	14	15	08	16	23	22	06	10	14	22	59	3	42	17	28	13	28	7	27	12	23
12	4	45	11	32	15	26	16	23	22	14	09	50	22	54	4	09	17	12	13	37	7	04	12	11
13	5	08	11	50	15	45	16	21	22	22	09	26	22	49	4	36	16	55	13	45	6	41	11	58
14	5	31	12	08	16	03	16	19	22	29	09	02	22	42	5	03	16	38	13	52	6	18	11	45
15	5	55	12	25	16	20	16	16	22	36	08	36	22	36	5	30	16	20	13	58	5	55	11	32
16	6	18	12	41	16	38	16	12	22	42	08	10	22	29	5	56	16	03	14	03	5	31	11	18
17	6	41	12	57	16	55	16	07	22	49	07	44	22	22	6	21	15	45	14	08	5	08	11	03
18	7	04	13	13	17	12	16	01	22	54	07	17	22	14	6	46	15	26	14	12	4	45	10	48
19	7	27	13	28	17	28	15	55	22	59	06	50	22	06	7	11	15	08	14	15	4	21	10	33
20	7	49	13	43	17	45	15	47	23	04	06	23	21	57	7	35	14	49	14	17	3	58	10	18
21	8	13	13	57	18	01	15	39	23	08	05	55	21	48	7	58	14	30	14	18	3	34	10	02
22	8	34	14	11	18	16	15	30	23	12	05	27	21	39	8	21	14	11	14	19	3	10	9	46
23	8	57	14	24	18	32	15	20	23	16	04	59	21	29	8	44	13	51	14	19	2	47	9	29
24	9	19	14	36	18	47	15	10	23	18	04	31	21	19	9	06	13	31	14	18	2	23	9	12
25	9	41	14	48	19	01	14	58	23	21	04	02	21	08	9	27	13	11	14	17	1	59	8	56
26	10	03	14	59	19	16	14	46	23	23	03	33	20	57	9	47	12	51	14	15	1	35	8	39
27	10	24	15	10	19	29	14	33	23	25	03	04	20	46	10	07	12	31	14	12	1	12	8	21
28	10	46	15	20	19	43	14	19	23	26	02	35	20	34	10	26	12	10	14	08	0	48	8	03
29	11	07	15	29	19	56	14	05	23	26	02	05	20	22	10	45	11	49	14	04	0	24	7	46
30	द. 11	28	−15	37	द. 20	09	−13	50	द.23	27	−01	35	द.20	09	+11	03	द.11	28	+13	59	द. 0	00	+7	28

चरसारणी भाग(1)

अं.क. 28 19	अं.क. 28 20	अं.क. 28 21	अं.क. 28 22	अं.क. 28 23	अं.क. 28 24	अं.क. 28 25	अं.क. 28 26	अं.क. 28 27	अं.क. 28 28	अं.क. 28 29	अं.क. 28 30	अं.क. 28 31	अं.क. 28 32	अं.क. 28 33
मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00
00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26
00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52
01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18
01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44
02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10
02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 36	02 36	02 36	02 36	02 36	02 36	02 36
03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 02	03 02	03 02	03 02	03 02	03 02	03 02
03 26	03 27	03 27	03 27	03 27	03 27	03 27	03 27	03 28	03 28	03 28	03 28	03 28	03 28	03 28
03 52	03 53	03 53	03 53	03 53	03 53	03 53	03 53	03 54	03 54	03 54	03 54	03 54	03 54	03 55
04 18	04 18	04 19	04 19	04 19	04 19	04 19	04 20	04 20	04 20	04 20	04 20	04 20	04 21	04 21
04 44	04 44	04 45	04 45	04 45	04 45	04 45	04 46	04 46	04 46	04 46	04 46	04 47	04 47	04 47
05 10	05 10	05 11	05 11	05 11	05 11	05 11	05 12	05 12	05 12	05 12	05 12	05 13	05 13	05 13
05 36	05 36	05 36	05 37	05 37	05 37	05 37	05 38	05 38	05 38	05 38	05 39	05 39	05 39	05 39
06 02	06 02	06 02	06 03	06 03	06 03	06 03	06 04	06 04	06 04	06 04	06 05	06 05	06 05	06 05
06 28	06 28	06 28	06 29	06 29	06 29	06 29	06 30	06 30	06 30	06 31	06 31	06 31	06 31	06 32
06 54	06 54	06 54	06 55	06 55	06 55	06 56	06 56	06 56	06 56	06 57	06 57	06 57	06 58	06 58
07 20	07 20	07 20	07 21	07 21	07 21	07 22	07 22	07 22	07 23	07 23	07 23	07 23	07 24	07 24
07 46	07 46	07 46	07 47	07 47	07 47	07 48	07 48	07 48	07 49	07 49	07 49	07 50	07 50	07 50
08 12	08 12	08 12	08 13	08 13	08 13	08 14	08 14	08 14	08 15	08 15	08 16	08 16	08 16	08 17
08 38	08 38	08 38	08 39	08 39	08 40	08 40	08 40	08 41	08 41	08 41	08 42	08 42	08 42	08 43
09 04	09 04	09 05	09 05	09 05	09 06	09 06	09 06	09 07	09 07	09 08	09 08	09 08	09 09	09 09
09 30	09 30	09 31	09 31	09 31	09 32	09 32	09 33	09 33	09 33	09 34	09 34	09 35	09 35	09 35
09 56	09 56	09 57	09 57	09 57	09 58	09 58	09 59	09 59	10 00	10 00	10 00	10 01	10 01	10 02
10 22	10 22	10 23	10 23	10 24	10 24	10 24	10 25	10 25	10 26	10 26	10 27	10 27	10 28	10 28
10 48	10 48	10 49	10 49	10 50	10 50	10 51	10 51	10 52	10 52	10 52	10 53	10 53	10 54	10 54
11 14	11 15	11 15	11 15	11 16	11 16	11 17	11 17	11 18	11 18	11 19	11 19	11 20	11 20	11 21
11 40	11 41	11 41	11 42	11 42	11 43	11 43	11 44	11 44	11 45	11 45	11 46	11 46	11 47	11 47
12 06	12 07	12 07	12 08	12 08	12 09	12 09	12 10	12 10	12 11	12 11	12 12	12 12	12 13	12 13
12 32	12 33	12 34	12 34	12 35	12 35	12 36	12 36	12 37	12 37	12 38	12 38	12 39	12 39	12 40
12 59	12 59	13 00	13 00	13 01	13 01	13 02	13 02	13 03	13 04	13 04	13 05	13 05	13 06	13 06
13 25	13 25	13 26	13 27	13 27	13 28	13 28	13 29	13 29	13 30	13 30	13 31	13 32	13 32	13 33
13 51	13 52	13 52	13 53	13 53	13 54	13 55	13 55	13 56	13 56	13 57	13 57	13 58	13 59	13 59
14 17	14 18	14 19	14 19	14 20	14 20	14 21	14 22	14 22	14 23	14 23	14 24	14 25	14 25	14 26
14 44	14 44	14 45	14 45	14 46	14 47	14 47	14 48	14 49	14 49	14 50	14 50	14 51	14 52	14 52
15 10	15 11	15 11	15 12	15 12	15 13	15 14	15 14	15 15	15 16	15 16	15 17	15 18	15 18	15 19
15 36	15 37	15 38	15 38	15 39	15 40	15 40	15 41	15 41	15 42	15 43	15 43	15 44	15 45	15 45
16 03	16 03	16 04	16 05	16 05	16 06	16 07	16 07	16 08	16 09	16 09	16 10	16 11	16 11	16 12
16 29	16 30	16 30	16 31	16 32	16 32	16 33	16 34	16 34	16 35	16 36	16 37	16 37	16 38	16 39
16 55	16 56	16 57	16 57	16 58	16 59	17 00	17 00	17 01	17 02	17 02	17 03	17 04	17 05	17 05
17 22	17 23	17 23	17 24	17 25	17 25	17 26	17 27	17 28	17 28	17 29	17 30	17 31	17 31	17 32
17 48	17 49	17 50	17 51	17 51	17 52	17 53	17 54	17 54	17 55	17 56	17 56	17 57	17 58	17 59
18 15	18 16	18 16	18 17	18 18	18 19	18 19	18 20	18 21	18 22	18 22	18 23	18 24	18 25	18 25
18 41	18 42	18 43	18 44	18 44	18 45	18 46	18 47	18 48	18 48	18 49	18 50	18 51	18 51	18 52
19 08	19 09	19 09	19 10	19 11	19 12	19 13	19 13	19 14	19 15	19 16	19 17	19 17	19 18	19 19
19 34	19 35	19 36	19 37	19 38	19 39	19 39	19 40	19 41	19 42	19 43	19 43	19 44	19 45	19 46
20 01	20 02	20 03	20 04	20 04	20 05	20 06	20 07	20 08	20 09	20 09	20 10	20 11	20 12	20 13
20 28	20 29	20 29	20 30	20 31	20 32	20 33	20 34	20 35	20 35	20 36	20 37	20 38	20 39	20 40
20 54	20 55	20 56	20 57	20 58	20 59	21 00	21 01	21 01	21 02	21 03	21 04	21 05	21 06	21 07
21 21	21 22	21 23	21 24	21 25	21 26	21 27	21 27	21 28	21 29	21 30	21 31	21 32	21 33	21 34
21 48	21 49	21 50	21 51	21 52	21 53	21 53	21 54	21 55	21 56	21 57	21 58	21 59	22 00	22 01
22 15	22 16	22 17	22 18	22 18	22 19	22 20	22 21	22 22	22 23	22 24	22 25	22 26	22 27	22 28
22 42	22 43	22 43	22 44	22 45	22 46	22 47	22 48	22 49	22 50	22 51	22 52	22 53	22 54	22 55
23 08	23 09	23 10	23 11	23 12	23 13	23 14	23 15	23 16	23 17	23 18	23 19	23 20	23 21	23 22
23 35	23 36	23 37	23 38	23 39	23 40	23 41	23 42	23 43	23 44	23 45	23 46	23 47	23 48	23 49
24 02	24 03	24 04	24 05	24 06	24 07	24 08	24 09	24 10	24 11	24 12	24 13	24 14	24 16	24 17
24 29	24 30	24 31	24 32	24 33	24 35	24 36	24 37	24 38	24 39	24 40	24 41	24 42	24 43	24 44
24 56	24 57	24 59	25 00	25 01	25 02	25 03	25 04	25 05	25 06	25 07	25 08	25 09	25 10	25 11
25 24	25 25	25 26	25 27	25 28	25 29	25 30	25 31	25 32	25 33	25 34	25 35	25 36	25 37	25 38
25 51	25 52	25 53	25 54	25 55	25 56	25 57	25 58	25 59	26 00	26 02	26 03	26 04	26 05	26 06
26 18	26 19	26 20	26 21	26 22	26 23	26 24	26 26	26 27	26 28	26 29	26 30	26 31	26 32	26 33

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश अं.क. →	28 19	28 20	28 21	28 22	28 23	28 24	28 25	28 26	28 27	28 28	28 29	28 30	28 31	28 32	28 33
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
12 00	26 18	26 19	26 20	26 21	26 22	26 23	26 24	26 26	26 27	26 28	26 29	26 30	26 31	26 32	26 33
12 12	26 45	26 46	26 47	26 48	26 50	26 51	26 52	26 53	26 54	26 55	26 56	26 57	26 59	27 00	27 01
12 24	27 12	27 14	27 15	27 16	27 17	27 18	27 19	27 20	27 22	27 23	27 24	27 25	27 26	27 27	27 28
12 36	27 40	27 41	27 42	27 43	27 44	27 46	27 47	27 48	27 49	27 50	27 51	27 53	27 54	27 55	27 56
12 48	28 07	28 08	28 09	28 11	28 12	28 13	28 14	28 15	28 17	28 18	28 19	28 20	28 21	28 22	28 24
13 00	28 35	28 36	28 37	28 38	28 39	28 41	28 42	28 43	28 44	28 45	28 47	28 48	28 49	28 50	28 51
13 12	29 02	29 03	29 04	29 06	29 07	29 08	29 09	29 11	29 12	29 13	29 14	29 15	29 17	29 18	29 19
13 24	29 30	29 31	29 32	29 33	29 34	29 36	29 37	29 38	29 39	29 41	29 42	29 43	29 44	29 46	29 47
13 36	29 57	29 58	30 00	30 01	30 02	30 03	30 05	30 06	30 07	30 08	30 10	30 11	30 12	30 14	30 15
13 48	30 25	30 26	30 27	30 29	30 30	30 31	30 32	30 34	30 35	30 36	30 38	30 39	30 40	30 41	30 43
14 00	30 52	30 54	30 55	30 56	30 58	30 59	31 00	31 02	31 03	31 04	31 05	31 07	31 08	31 09	31 11
14 12	31 20	31 22	31 23	31 24	31 25	31 27	31 28	31 29	31 31	31 32	31 33	31 35	31 36	31 37	31 39
14 24	31 48	31 49	31 51	31 52	31 53	31 55	31 56	31 57	31 59	32 00	32 01	32 03	32 04	32 05	32 07
14 36	32 16	32 17	32 19	32 20	32 21	32 23	32 24	32 25	32 27	32 28	32 29	32 31	32 32	32 34	32 35
14 48	32 44	32 45	32 47	32 48	32 49	32 51	32 52	32 53	32 55	32 56	32 58	32 59	33 00	33 02	33 03
15 00	33 12	33 13	33 15	33 16	33 17	33 19	33 20	33 22	33 23	33 24	33 26	33 27	33 29	33 30	33 31
15 12	33 40	33 41	33 43	33 44	33 45	33 47	33 48	33 50	33 51	33 53	33 54	33 55	33 57	33 58	34 00
15 24	34 08	34 09	34 11	34 12	34 14	34 15	34 17	34 18	34 19	34 21	34 22	34 24	34 25	34 27	34 28
15 36	34 36	34 38	34 39	34 40	34 42	34 43	34 45	34 46	34 48	34 49	34 51	34 52	34 54	34 55	34 57
15 48	35 04	35 06	35 07	35 09	35 10	35 12	35 13	35 15	35 16	35 18	35 19	35 21	35 22	35 24	35 25
16 00	35 33	35 34	35 36	35 37	35 39	35 40	35 42	35 43	35 45	35 46	35 48	35 49	35 51	35 52	35 54
16 12	36 01	36 03	36 04	36 06	36 07	36 09	36 10	36 12	36 13	36 15	36 16	36 18	36 19	36 21	36 22
16 24	36 29	36 31	36 32	36 34	36 36	36 37	36 39	36 40	36 42	36 43	36 45	36 46	36 48	36 49	36 51
16 36	36 58	36 59	37 01	37 03	37 04	37 06	37 07	37 09	37 10	37 12	37 14	37 15	37 17	37 18	37 20
16 48	37 26	37 28	37 30	37 31	37 33	37 34	37 36	37 38	37 39	37 41	37 42	37 44	37 45	37 47	37 49
17 00	37 55	37 57	37 58	38 00	38 02	38 03	38 05	38 06	38 08	38 10	38 11	38 13	38 14	38 16	38 18
17 12	38 24	38 25	38 27	38 29	38 30	38 32	38 34	38 35	38 37	38 38	38 40	38 42	38 43	38 45	38 47
17 24	38 53	38 54	38 56	38 58	38 59	39 01	39 02	39 04	39 06	39 07	39 09	39 11	39 12	39 14	39 16
17 36	39 21	39 23	39 25	39 26	39 28	39 30	39 31	39 33	39 35	39 36	39 38	39 40	39 41	39 43	39 45
17 48	39 50	39 52	39 54	39 55	39 57	39 59	40 00	40 02	40 04	40 06	40 07	40 09	40 11	40 12	40 14
18 00	40 19	40 21	40 23	40 25	40 26	40 28	40 30	40 31	40 33	40 35	40 36	40 38	40 40	40 42	40 43
18 12	40 48	40 50	40 52	40 54	40 55	40 57	40 59	41 01	41 02	41 04	41 06	41 07	41 09	41 11	41 13
18 24	41 18	41 19	41 21	41 23	41 25	41 26	41 28	41 30	41 32	41 33	41 35	41 37	41 39	41 40	41 42
18 36	41 47	41 49	41 50	41 52	41 54	41 56	41 57	41 59	42 01	42 03	42 05	42 06	42 08	42 10	42 12
18 48	42 16	42 18	42 20	42 22	42 23	42 25	42 27	42 29	42 31	42 32	42 34	42 36	42 38	42 39	42 41
19 00	42 46	42 47	42 49	42 51	42 53	42 55	42 56	42 58	43 00	43 02	43 04	43 06	43 07	43 09	43 11
19 12	43 15	43 17	43 19	43 21	43 22	43 24	43 26	43 28	43 30	43 32	43 33	43 35	43 37	43 39	43 41
19 24	43 45	43 46	43 48	43 50	43 52	43 54	43 56	43 58	43 59	44 01	44 03	44 05	44 07	44 09	44 11
19 36	44 14	44 16	44 18	44 20	44 22	44 24	44 26	44 27	44 29	44 31	44 33	44 35	44 37	44 39	44 41
19 48	44 44	44 46	44 48	44 50	44 52	44 54	44 55	44 57	44 59	45 01	45 03	45 05	45 07	45 09	45 11
20 00	45 14	45 16	45 18	45 20	45 22	45 23	45 25	45 27	45 29	45 31	45 33	45 35	45 37	45 39	45 41
20 12	45 44	45 46	45 48	45 50	45 52	45 53	45 55	45 57	45 59	46 01	46 03	46 05	46 07	46 09	46 11
20 24	46 14	46 16	46 18	46 20	46 22	46 24	46 26	46 28	46 29	46 31	46 33	46 35	46 37	46 39	46 41
20 36	46 44	46 46	46 48	46 50	46 52	46 54	46 56	46 58	47 00	47 02	47 04	47 06	47 08	47 10	47 12
20 48	47 14	47 16	47 18	47 20	47 22	47 24	47 26	47 28	47 30	47 32	47 34	47 36	47 38	47 40	47 42
21 00	47 44	47 46	47 48	47 50	47 52	47 54	47 57	47 59	48 01	48 03	48 05	48 07	48 09	48 11	48 13
21 12	48 15	48 17	48 19	48 21	48 23	48 25	48 27	48 29	48 31	48 33	48 35	48 37	48 39	48 41	48 43
21 24	48 45	48 47	48 49	48 51	48 53	48 56	48 58	49 00	49 02	49 04	49 06	49 08	49 10	49 12	49 14
21 36	49 16	49 18	49 20	49 22	49 24	49 26	49 28	49 30	49 33	49 35	49 37	49 39	49 41	49 43	49 45
21 48	49 46	49 49	49 51	49 53	49 55	49 57	49 59	50 01	50 03	50 06	50 08	50 10	50 12	50 14	50 16
22 00	50 17	50 19	50 21	50 24	50 26	50 28	50 30	50 32	50 34	50 36	50 39	50 41	50 43	50 45	50 47
22 12	50 48	50 50	50 52	50 55	50 57	50 59	51 01	51 03	51 05	51 08	51 10	51 12	51 14	51 16	51 18
22 24	51 19	51 21	51 23	51 26	51 28	51 30	51 32	51 34	51 37	51 39	51 41	51 43	51 45	51 48	51 50
22 36	51 50	51 52	51 55	51 57	51 59	52 01	52 03	52 06	52 08	52 10	52 12	52 14	52 17	52 19	52 21
22 48	52 21	52 24	52 26	52 28	52 30	52 32	52 35	52 37	52 39	52 41	52 44	52 46	52 48	52 50	52 53
23 00	52 53	52 55	52 57	52 59	53 02	53 04	53 06	53 08	53 11	53 13	53 15	53 17	53 20	53 22	53 24
23 12	53 24	53 26	53 29	53 31	53 33	53 35	53 38	53 40	53 42	53 45	53 47	53 49	53 51	53 54	53 56
23 24	53 56	53 58	54 00	54 02	54 05	54 07	54 09	54 12	54 14	54 16	54 19	54 21	54 23	54 26	54 28
23 36	54 27	54 30	54 32	54 34	54 37	54 39	54 41	54 43	54 46	54 48	54 50	54 53	54 55	54 57	55 00
23 48	54 59	55 01	55 04	55 06	55 08	55 11	55 13	55 15	55 18	55 20	55 22	55 25	55 27	55 30	55 32
24 00	55 31	55 33	55 36	55 38	55 40	55 43	55 45	55 47	55 50	55 52	55 55	55 57	55 59	56 02	56 04

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश	अं.क. 28 19	अं.क. 28 20	अं.क. 28 21	अं.क. 28 22	अं.क. 28 23	अं.क. 28 24	अं.क. 28 25	अं.क. 28 26	अं.क. 28 27	अं.क. 28 28	अं.क. 28 29	अं.क. 28 30	अं.क. 28 31	अं.क. 28 32	अं.क. 28 33
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00
00 12	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 25	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26
00 24	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 51	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52
00 36	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 17	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18
00 48	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 43	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44
01 00	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 09	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10
01 12	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 35	02 36	02 36	02 36	02 36	02 36	02 36	02 36
01 24	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 01	03 02	03 02	03 02	03 02	03 02	03 02	03 02
01 36	03 26	03 27	03 27	03 27	03 27	03 27	03 27	03 27	03 28	03 28	03 28	03 28	03 28	03 28	03 28
01 48	03 52	03 53	03 53	03 53	03 53	03 53	03 53	03 53	03 54	03 54	03 54	03 54	03 54	03 54	03 55
02 00	04 18	04 18	04 19	04 19	04 19	04 19	04 19	04 20	04 20	04 20	04 20	04 20	04 20	04 21	04 21
02 12	04 44	04 44	04 45	04 45	04 45	04 45	04 45	04 46	04 46	04 46	04 46	04 46	04 47	04 47	04 47
02 24	05 10	05 10	05 11	05 11	05 11	05 11	05 11	05 12	05 12	05 12	05 12	05 12	05 13	05 13	05 13
02 36	05 36	05 36	05 36	05 37	05 37	05 37	05 37	05 38	05 38	05 38	05 38	05 39	05 39	05 39	05 39
02 48	06 02	06 02	06 02	06 03	06 03	06 03	06 03	06 04	06 04	06 04	06 04	06 05	06 05	06 05	06 05
03 00	06 28	06 28	06 28	06 29	06 29	06 29	06 29	06 30	06 30	06 30	06 31	06 31	06 31	06 31	06 32
03 12	06 54	06 54	06 54	06 55	06 55	06 55	06 56	06 56	06 56	06 56	06 57	06 57	06 57	06 58	06 58
03 24	07 20	07 20	07 20	07 21	07 21	07 21	07 22	07 22	07 22	07 23	07 23	07 23	07 23	07 24	07 24
03 36	07 46	07 46	07 46	07 47	07 47	07 47	07 48	07 48	07 48	07 49	07 49	07 49	07 50	07 50	07 50
03 48	08 12	08 12	08 12	08 13	08 13	08 13	08 14	08 14	08 14	08 15	08 15	08 16	08 16	08 16	08 17
04 00	08 38	08 38	08 38	08 39	08 39	08 40	08 40	08 40	08 41	08 41	08 41	08 42	08 42	08 42	08 43
04 12	09 04	09 04	09 05	09 05	09 05	09 06	09 06	09 06	09 07	09 07	09 08	09 08	09 08	09 09	09 09
04 24	09 30	09 30	09 31	09 31	09 31	09 32	09 32	09 33	09 33	09 33	09 34	09 34	09 35	09 35	09 35
04 36	09 56	09 56	09 57	09 57	09 57	09 58	09 58	09 59	09 59	10 00	10 00	10 00	10 01	10 01	10 02
04 48	10 22	10 22	10 23	10 23	10 24	10 24	10 24	10 25	10 25	10 26	10 26	10 27	10 27	10 28	10 28
05 00	10 48	10 48	10 49	10 49	10 50	10 50	10 51	10 51	10 52	10 52	10 52	10 53	10 53	10 54	10 54
05 12	11 14	11 15	11 15	11 15	11 16	11 16	11 17	11 17	11 18	11 18	11 19	11 19	11 20	11 20	11 21
05 24	11 40	11 41	11 41	11 42	11 42	11 43	11 43	11 44	11 44	11 45	11 45	11 46	11 46	11 47	11 47
05 36	12 06	12 07	12 07	12 08	12 08	12 09	12 09	12 10	12 10	12 11	12 11	12 12	12 12	12 13	12 13
05 48	12 32	12 33	12 34	12 34	12 35	12 35	12 36	12 36	12 37	12 37	12 38	12 38	12 39	12 39	12 40
06 00	12 59	12 59	13 00	13 00	13 01	13 01	13 02	13 02	13 03	13 04	13 04	13 05	13 05	13 06	13 06
06 12	13 25	13 25	13 26	13 27	13 27	13 28	13 28	13 29	13 29	13 30	13 30	13 31	13 32	13 32	13 33
06 24	13 51	13 52	13 52	13 53	13 53	13 54	13 55	13 55	13 56	13 56	13 57	13 57	13 58	13 59	13 59
06 36	14 17	14 18	14 19	14 19	14 20	14 20	14 21	14 22	14 22	14 23	14 23	14 24	14 25	14 25	14 26
06 48	14 44	14 44	14 45	14 45	14 46	14 47	14 47	14 48	14 49	14 49	14 50	14 50	14 51	14 52	14 52
07 00	15 10	15 11	15 11	15 12	15 12	15 13	15 14	15 14	15 15	15 16	15 16	15 17	15 18	15 18	15 19
07 12	15 36	15 37	15 38	15 38	15 39	15 40	15 40	15 41	15 41	15 42	15 43	15 43	15 44	15 45	15 45
07 24	16 03	16 03	16 04	16 05	16 05	16 06	16 07	16 07	16 08	16 09	16 09	16 10	16 11	16 11	16 12
07 36	16 29	16 30	16 30	16 31	16 32	16 32	16 33	16 34	16 34	16 35	16 36	16 37	16 37	16 38	16 39
07 48	16 55	16 56	16 57	16 57	16 58	16 59	17 00	17 00	17 01	17 02	17 02	17 03	17 04	17 05	17 05
08 00	17 22	17 23	17 23	17 24	17 25	17 25	17 26	17 27	17 28	17 28	17 29	17 30	17 31	17 31	17 32
08 12	17 48	17 49	17 50	17 51	17 51	17 52	17 53	17 54	17 54	17 55	17 56	17 56	17 57	17 58	17 59
08 24	18 15	18 16	18 16	18 17	18 18	18 19	18 19	18 20	18 21	18 22	18 22	18 23	18 24	18 25	18 25
08 36	18 41	18 42	18 43	18 44	18 44	18 45	18 46	18 47	18 48	18 48	18 49	18 50	18 51	18 51	18 52
08 48	19 08	19 09	19 09	19 10	19 11	19 12	19 13	19 13	19 14	19 15	19 16	19 17	19 17	19 18	19 19
09 00	19 34	19 35	19 36	19 37	19 38	19 39	19 39	19 40	19 41	19 42	19 43	19 43	19 44	19 45	19 46
09 12	20 01	20 02	20 03	20 04	20 04	20 05	20 06	20 07	20 08	20 09	20 09	20 10	20 11	20 12	20 13
09 24	20 28	20 29	20 29	20 30	20 31	20 32	20 33	20 34	20 35	20 35	20 36	20 37	20 38	20 39	20 40
09 36	20 54	20 55	20 56	20 57	20 58	20 59	21 00	21 01	21 01	21 02	21 03	21 04	21 05	21 06	21 07
09 48	21 21	21 22	21 23	21 24	21 25	21 26	21 27	21 27	21 28	21 29	21 30	21 31	21 32	21 33	21 34
10 00	21 48	21 49	21 50	21 51	21 52	21 53	21 53	21 54	21 55	21 56	21 57	21 58	21 59	22 00	22 01
10 12	22 15	22 16	22 17	22 18	22 18	22 19	22 20	22 21	22 22	22 23	22 24	22 25	22 26	22 27	22 28
10 24	22 42	22 43	22 43	22 44	22 45	22 46	22 47	22 48	22 49	22 50	22 51	22 52	22 53	22 54	22 55
10 36	23 08	23 09	23 10	23 11	23 12	23 13	23 14	23 15	23 16	23 17	23 18	23 19	23 20	23 21	23 22
10 48	23 35	23 36	23 37	23 38	23 39	23 40	23 41	23 42	23 43	23 44	23 45	23 46	23 47	23 48	23 49
11 00	24 02	24 03	24 04	24 05	24 06	24 07	24 08	24 09	24 10	24 11	24 12	24 13	24 14	24 16	24 17
11 12	24 29	24 30	24 31	24 32	24 33	24 35	24 36	24 37	24 38	24 39	24 40	24 41	24 42	24 43	24 44
11 24	24 56	24 57	24 59	25 00	25 01	25 02	25 03	25 04	25 05	25 06	25 07	25 08	25 09	25 10	25 11
11 36	25 24	25 25	25 26	25 27	25 28	25 29	25 30	25 31	25 32	25 33	25 34	25 35	25 36	25 37	25 38
11 48	25 51	25 52	25 53	25 54	25 55	25 56	25 57	25 58	25 59	26 00	26 02	26 03	26 04	26 05	26 06
12 00	26 18	26 19	26 20	26 21	26 22	26 23	26 24	26 26	26 27	26 28	26 29	26 30	26 31	26 32	26 33

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश	अं.क. 28 19	अं.क. 28 20	अं.क. 28 21	अं.क. 28 22	अं.क. 28 23	अं.क. 28 24	अं.क. 28 25	अं.क. 28 26	अं.क. 28 27	अं.क. 28 28	अं.क. 28 29	अं.क. 28 30	अं.क. 28 31	अं.क. 28 32	अं.क. 28 33
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
12 00	26 18	26 19	26 20	26 21	26 22	26 23	26 24	26 26	26 27	26 28	26 29	26 30	26 31	26 32	26 33
12 12	26 45	26 46	26 47	26 48	26 50	26 51	26 52	26 53	26 54	26 55	26 56	26 57	26 59	27 00	27 01
12 24	27 12	27 14	27 15	27 16	27 17	27 18	27 19	27 20	27 22	27 23	27 24	27 25	27 26	27 27	27 28
12 36	27 40	27 41	27 42	27 43	27 44	27 46	27 47	27 48	27 49	27 50	27 51	27 53	27 54	27 55	27 56
12 48	28 07	28 08	28 09	28 11	28 12	28 13	28 14	28 15	28 17	28 18	28 19	28 20	28 21	28 22	28 24
13 00	28 35	28 36	28 37	28 38	28 39	28 41	28 42	28 43	28 44	28 45	28 47	28 48	28 49	28 50	28 51
13 12	29 02	29 03	29 04	29 06	29 07	29 08	29 09	29 11	29 12	29 13	29 14	29 15	29 17	29 18	29 19
13 24	29 30	29 31	29 32	29 33	29 34	29 36	29 37	29 38	29 39	29 41	29 42	29 43	29 44	29 46	29 47
13 36	29 57	29 58	30 00	30 01	30 02	30 03	30 05	30 06	30 07	30 08	30 10	30 11	30 12	30 14	30 15
13 48	30 25	30 26	30 27	30 29	30 30	30 31	30 32	30 34	30 35	30 36	30 38	30 39	30 40	30 41	30 43
14 00	30 52	30 54	30 55	30 56	30 58	30 59	31 00	31 02	31 03	31 04	31 05	31 07	31 08	31 09	31 11
14 12	31 20	31 22	31 23	31 24	31 25	31 27	31 28	31 29	31 31	31 32	31 33	31 35	31 36	31 37	31 39
14 24	31 48	31 49	31 51	31 52	31 53	31 55	31 56	31 57	31 59	32 00	32 01	32 03	32 04	32 05	32 07
14 36	32 16	32 17	32 19	32 20	32 21	32 23	32 24	32 25	32 27	32 28	32 29	32 31	32 32	32 34	32 35
14 48	32 44	32 45	32 47	32 48	32 49	32 51	32 52	32 53	32 55	32 56	32 58	32 59	33 00	33 02	33 03
15 00	33 12	33 13	33 15	33 16	33 17	33 19	33 20	33 22	33 23	33 24	33 26	33 27	33 29	33 30	33 31
15 12	33 40	33 41	33 43	33 44	33 45	33 47	33 48	33 50	33 51	33 53	33 54	33 55	33 57	33 58	34 00
15 24	34 08	34 09	34 11	34 12	34 14	34 15	34 17	34 18	34 19	34 21	34 22	34 24	34 25	34 27	34 28
15 36	34 36	34 38	34 39	34 40	34 42	34 43	34 45	34 46	34 48	34 49	34 51	34 52	34 54	34 55	34 57
15 48	35 04	35 06	35 07	35 09	35 10	35 12	35 13	35 15	35 16	35 18	35 19	35 21	35 22	35 24	35 25
16 00	35 33	35 34	35 36	35 37	35 39	35 40	35 42	35 43	35 45	35 46	35 48	35 49	35 51	35 52	35 54
16 12	36 01	36 03	36 04	36 06	36 07	36 09	36 10	36 12	36 13	36 15	36 16	36 18	36 19	36 21	36 22
16 24	36 29	36 31	36 32	36 34	36 36	36 37	36 39	36 40	36 42	36 43	36 45	36 46	36 48	36 49	36 51
16 36	36 58	36 59	37 01	37 03	37 04	37 06	37 07	37 09	37 10	37 12	37 14	37 15	37 17	37 18	37 20
16 48	37 26	37 28	37 30	37 31	37 33	37 34	37 36	37 38	37 39	37 41	37 42	37 44	37 45	37 47	37 49
17 00	37 55	37 57	37 58	38 00	38 02	38 03	38 05	38 06	38 08	38 10	38 11	38 13	38 14	38 16	38 18
17 12	38 24	38 25	38 27	38 29	38 30	38 32	38 34	38 35	38 37	38 38	38 40	38 42	38 43	38 45	38 47
17 24	38 53	38 54	38 56	38 58	38 59	39 01	39 02	39 04	39 06	39 07	39 09	39 11	39 12	39 14	39 16
17 36	39 21	39 23	39 25	39 26	39 28	39 30	39 31	39 33	39 35	39 36	39 38	39 40	39 41	39 43	39 45
17 48	39 50	39 52	39 54	39 55	39 57	39 59	40 00	40 02	40 04	40 06	40 07	40 09	40 11	40 12	40 14
18 00	40 19	40 21	40 23	40 25	40 26	40 28	40 30	40 31	40 33	40 35	40 36	40 38	40 40	40 42	40 43
18 12	40 48	40 50	40 52	40 54	40 55	40 57	40 59	41 01	41 02	41 04	41 06	41 07	41 09	41 11	41 13
18 24	41 18	41 19	41 21	41 23	41 25	41 26	41 28	41 30	41 32	41 33	41 35	41 37	41 39	41 40	41 42
18 36	41 47	41 49	41 50	41 52	41 54	41 56	41 57	41 59	42 01	42 03	42 05	42 06	42 08	42 10	42 12
18 48	42 16	42 18	42 20	42 22	42 23	42 25	42 27	42 29	42 31	42 32	42 34	42 36	42 38	42 39	42 41
19 00	42 46	42 47	42 49	42 51	42 53	42 55	42 56	42 58	43 00	43 02	43 04	43 06	43 07	43 09	43 11
19 12	43 15	43 17	43 19	43 21	43 22	43 24	43 26	43 28	43 30	43 32	43 33	43 35	43 37	43 39	43 41
19 24	43 45	43 46	43 48	43 50	43 52	43 54	43 56	43 58	43 59	44 01	44 03	44 05	44 07	44 09	44 11
19 36	44 14	44 16	44 18	44 20	44 22	44 24	44 26	44 27	44 29	44 31	44 33	44 35	44 37	44 39	44 41
19 48	44 44	44 46	44 48	44 50	44 52	44 54	44 55	44 57	44 59	45 01	45 03	45 05	45 07	45 09	45 11
20 00	45 14	45 16	45 18	45 20	45 22	45 23	45 25	45 27	45 29	45 31	45 33	45 35	45 37	45 39	45 41
20 12	45 44	45 46	45 48	45 50	45 52	45 53	45 55	45 57	45 59	46 01	46 03	46 05	46 07	46 09	46 11
20 24	46 14	46 16	46 18	46 20	46 22	46 24	46 26	46 28	46 29	46 31	46 33	46 35	46 37	46 39	46 41
20 36	46 44	46 46	46 48	46 50	46 52	46 54	46 56	46 58	47 00	47 02	47 04	47 06	47 08	47 10	47 12
20 48	47 14	47 16	47 18	47 20	47 22	47 24	47 26	47 28	47 30	47 32	47 34	47 36	47 38	47 40	47 42
21 00	47 44	47 46	47 48	47 50	47 52	47 54	47 57	47 59	48 01	48 03	48 05	48 07	48 09	48 11	48 13
21 12	48 15	48 17	48 19	48 21	48 23	48 25	48 27	48 29	48 31	48 33	48 35	48 37	48 39	48 41	48 43
21 24	48 45	48 47	48 49	48 51	48 53	48 56	48 58	49 00	49 02	49 04	49 06	49 08	49 10	49 12	49 14
21 36	49 16	49 18	49 20	49 22	49 24	49 26	49 28	49 30	49 33	49 35	49 37	49 39	49 41	49 43	49 45
21 48	49 46	49 49	49 51	49 53	49 55	49 57	49 59	50 01	50 03	50 06	50 08	50 10	50 12	50 14	50 16
22 00	50 17	50 19	50 21	50 24	50 26	50 28	50 30	50 32	50 34	50 36	50 39	50 41	50 43	50 45	50 47
22 12	50 48	50 50	50 52	50 55	50 57	50 59	51 01	51 03	51 05	51 08	51 10	51 12	51 14	51 16	51 18
22 24	51 19	51 21	51 23	51 26	51 28	51 30	51 32	51 34	51 37	51 39	51 41	51 43	51 45	51 48	51 50
22 36	51 50	51 52	51 55	51 57	51 59	52 01	52 03	52 06	52 08	52 10	52 12	52 14	52 17	52 19	52 21
22 48	52 21	52 24	52 26	52 28	52 30	52 32	52 35	52 37	52 39	52 41	52 44	52 46	52 48	52 50	52 53
23 00	52 53	52 55	52 57	52 59	53 02	53 04	53 06	53 08	53 11	53 13	53 15	53 17	53 20	53 22	53 24
23 12	53 24	53 26	53 29	53 31	53 33	53 35	53 38	53 40	53 42	53 45	53 47	53 49	53 51	53 54	53 56
23 24	53 56	53 58	54 00	54 02	54 05	54 07	54 09	54 12	54 14	54 16	54 19	54 21	54 23	54 26	54 28
23 36	54 27	54 30	54 32	54 34	54 37	54 39	54 41	54 43	54 46	54 48	54 50	54 53	54 55	54 57	55 00
23 48	54 59	55 01	55 04	55 06	55 08	55 11	55 13	55 15	55 18	55 20	55 22	55 25	55 27	55 30	55 32
24 00	55 31	55 33	55 36	55 38	55 40	55 43	55 45	55 47	55 50	55 52	55 55	55 57	55 59	56 02	56 04

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश	अं.क. 28 33	अं.क. 28 34	अं.क. 28 35	अं.क. 28 36	अं.क. 28 37	अं.क. 28 38	अं.क. 28 39	अं.क. 28 40	अं.क. 28 41	अं.क. 28 42	अं.क. 28 43	अं.क. 28 44	अं.क. 28 45	अं.क. 28 46	अं.क. 28 47
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00	00 00
00 12	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26	00 26
00 24	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52	00 52
00 36	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 18	01 19	01 19	01 19
00 48	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 44	01 45	01 45	01 45	01 45	01 45	01 45	01 45
01 00	02 10	02 10	02 10	02 10	02 10	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11	02 11
01 12	02 36	02 36	02 36	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 37	02 38	02 38	02 38
01 24	03 02	03 02	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 03	03 04	03 04	03 04	03 04	03 04
01 36	03 28	03 29	03 29	03 29	03 29	03 29	03 29	03 30	03 30	03 30	03 30	03 30	03 30	03 30	03 31
01 48	03 55	03 55	03 55	03 55	03 55	03 55	03 56	03 56	03 56	03 56	03 56	03 56	03 57	03 57	03 57
02 00	04 21	04 21	04 21	04 21	04 22	04 22	04 22	04 22	04 22	04 22	04 23	04 23	04 23	04 23	04 23
02 12	04 47	04 47	04 47	04 48	04 48	04 48	04 48	04 48	04 49	04 49	04 49	04 49	04 49	04 50	04 50
02 24	05 13	05 13	05 14	05 14	05 14	05 14	05 14	05 15	05 15	05 15	05 15	05 15	05 16	05 16	05 16
02 36	05 39	05 40	05 40	05 40	05 40	05 40	05 41	05 41	05 41	05 41	05 42	05 42	05 42	05 42	05 43
02 48	06 05	06 06	06 06	06 06	06 06	06 07	06 07	06 07	06 07	06 08	06 08	06 08	06 09	06 09	06 09
03 00	06 32	06 32	06 32	06 32	06 33	06 33	06 33	06 34	06 34	06 34	06 34	06 35	06 35	06 35	06 35
03 12	06 58	06 58	06 58	06 59	06 59	06 59	07 00	07 00	07 00	07 00	07 01	07 01	07 01	07 02	07 02
03 24	07 24	07 24	07 25	07 25	07 25	07 26	07 26	07 26	07 27	07 27	07 27	07 27	07 28	07 28	07 28
03 36	07 50	07 51	07 51	07 51	07 52	07 52	07 52	07 53	07 53	07 53	07 54	07 54	07 54	07 55	07 55
03 48	08 17	08 17	08 17	08 18	08 18	08 18	08 19	08 19	08 19	08 20	08 20	08 20	08 21	08 21	08 21
04 00	08 43	08 43	08 44	08 44	08 44	08 45	08 45	08 45	08 46	08 46	08 46	08 47	08 47	08 48	08 48
04 12	09 09	09 09	09 10	09 10	09 11	09 11	09 11	09 12	09 12	09 13	09 13	09 13	09 14	09 14	09 14
04 24	09 35	09 36	09 36	09 37	09 37	09 37	09 38	09 38	09 39	09 39	09 39	09 40	09 40	09 41	09 41
04 36	10 02	10 02	10 02	10 03	10 03	10 04	10 04	10 05	10 05	10 05	10 06	10 06	10 07	10 07	10 08
04 48	10 28	10 28	10 29	10 29	10 30	10 30	10 31	10 31	10 31	10 32	10 32	10 33	10 33	10 34	10 34
05 00	10 54	10 55	10 55	10 56	10 56	10 57	10 57	10 57	10 58	10 58	10 59	10 59	11 00	11 00	11 01
05 12	11 21	11 21	11 22	11 22	11 23	11 23	11 24	11 24	11 24	11 25	11 25	11 26	11 26	11 27	11 27
05 24	11 47	11 48	11 48	11 49	11 49	11 49	11 50	11 50	11 51	11 51	11 52	11 52	11 53	11 53	11 54
05 36	12 13	12 14	12 14	12 15	12 15	12 16	12 16	12 17	12 18	12 18	12 19	12 19	12 20	12 20	12 21
05 48	12 40	12 40	12 41	12 41	12 42	12 42	12 43	12 44	12 44	12 45	12 45	12 46	12 46	12 47	12 47
06 00	13 06	13 07	13 07	13 08	13 08	13 09	13 10	13 10	13 11	13 11	13 12	13 12	13 13	13 13	13 14
06 12	13 33	13 33	13 34	13 34	13 35	13 36	13 36	13 37	13 37	13 38	13 38	13 39	13 40	13 40	13 41
06 24	13 59	14 00	14 00	14 01	14 02	14 02	14 03	14 03	14 04	14 04	14 05	14 06	14 06	14 07	14 07
06 36	14 26	14 26	14 27	14 28	14 28	14 29	14 29	14 30	14 31	14 31	14 32	14 32	14 33	14 34	14 34
06 48	14 52	14 53	14 54	14 54	14 55	14 55	14 56	14 57	14 57	14 58	14 58	14 59	15 00	15 00	15 01
07 00	15 19	15 19	15 20	15 21	15 21	15 22	15 23	15 23	15 24	15 25	15 25	15 26	15 26	15 27	15 28
07 12	15 45	15 46	15 47	15 47	15 48	15 49	15 49	15 50	15 51	15 51	15 52	15 53	15 53	15 54	15 55
07 24	16 12	16 13	16 13	16 14	16 15	16 15	16 16	16 17	16 17	16 18	16 19	16 19	16 20	16 21	16 21
07 36	16 39	16 39	16 40	16 41	16 41	16 42	16 43	16 44	16 44	16 45	16 46	16 46	16 47	16 48	16 48
07 48	17 05	17 06	17 07	17 07	17 08	17 09	17 10	17 10	17 11	17 12	17 12	17 13	17 14	17 15	17 15
08 00	17 32	17 33	17 33	17 34	17 35	17 36	17 36	17 37	17 38	17 39	17 39	17 40	17 41	17 42	17 42
08 12	17 59	17 59	18 00	18 01	18 02	18 02	18 03	18 04	18 05	18 05	18 06	18 07	18 08	18 09	18 09
08 24	18 25	18 26	18 27	18 28	18 29	18 29	18 30	18 31	18 32	18 32	18 33	18 34	18 35	18 36	18 36
08 36	18 52	18 53	18 54	18 55	18 55	18 56	18 57	18 58	18 59	18 59	19 00	19 01	19 02	19 03	19 03
08 48	19 19	19 20	19 21	19 22	19 22	19 23	19 24	19 25	19 26	19 26	19 27	19 28	19 29	19 30	19 30
09 00	19 46	19 47	19 48	19 48	19 49	19 50	19 51	19 52	19 53	19 53	19 54	19 55	19 56	19 57	19 58
09 12	20 13	20 14	20 15	20 15	20 16	20 17	20 18	20 19	20 20	20 20	20 21	20 22	20 23	20 24	20 25
09 24	20 40	20 41	20 41	20 42	20 43	20 44	20 45	20 46	20 47	20 48	20 48	20 49	20 50	20 51	20 52
09 36	21 07	21 08	21 08	21 09	21 10	21 11	21 12	21 13	21 14	21 15	21 16	21 16	21 17	21 18	21 19
09 48	21 34	21 35	21 36	21 36	21 37	21 38	21 39	21 40	21 41	21 42	21 43	21 44	21 45	21 45	21 46
10 00	22 01	22 02	22 03	22 04	22 04	22 05	22 06	22 07	22 08	22 09	22 10	22 11	22 12	22 13	22 14
10 12	22 28	22 29	22 30	22 31	22 32	22 33	22 33	22 34	22 35	22 36	22 37	22 38	22 39	22 40	22 41
10 24	22 55	22 56	22 57	22 58	22 59	23 00	23 01	23 02	23 03	23 04	23 05	23 05	23 06	23 07	23 08
10 36	23 22	23 23	23 24	23 25	23 26	23 27	23 28	23 29	23 30	23 31	23 32	23 33	23 34	23 35	23 36
10 48	23 49	23 50	23 51	23 52	23 53	23 54	23 55	23 56	23 57	23 58	23 59	24 00	24 01	24 02	24 03
11 00	24 17	24 18	24 19	24 20	24 21	24 22	24 23	24 24	24 25	24 26	24 27	24 28	24 29	24 30	24 31
11 12	24 44	24 45	24 46	24 47	24 48	24 49	24 50	24 51	24 52	24 53	24 54	24 55	24 56	24 57	24 58
11 24	25 11	25 12	25 13	25 14	25 15	25 16	25 17	25 18	25 20	25 21	25 22	25 23	25 24	25 25	25 26
11 36	25 38	25 40	25 41	25 42	25 43	25 44	25 45	25 46	25 47	25 48	25 49	25 50	25 51	25 52	25 54
11 48	26 06	26 07	26 08	26 09	26 10	26 11	26 12	26 14	26 15	26 16	26 17	26 18	26 19	26 20	26 21
12 00	26 33	26 34	26 36	26 37	26 38	26 39	26 40	26 41	26 42	26 43	26 44	26 46	26 47	26 48	26 49

चाहिए। पञ्चोपचार, अष्टोपचार, दशोपचार या षोडशोपचार में से किसी भी क्रम से **इन्द्र, वरुण, बृहस्पति एवं सविता भगवान्** की पूजा करनी चाहिए किंवा मन्त्रजापकाल में इन्हीं का ध्यान निर्मल चित्त से करते रहना चाहिए। प्रत्येक मन्त्रोच्चारण के साथ मनोवृत्ति हो कि – मेरे द्वारा जाने–अनजाने में किसी भी प्रकार किए गए दुष्टकृत्य के कुफल की शान्ति हो अथवा मैं सब प्रकार से पवित्र हो जाऊँ। इस मन्त्र की 11 या 21 माला प्रतिदिन संयमपूर्वक करें। सामर्थ्य के अनुसार **'नाक्षत्रमाला'** भी की जा सकती है।

मन्त्रः– " ॐ यन्मे मनसा वाचा कर्मणा वा दुष्कृतं कृतम्। तन्न इन्द्रो वरुणो बृहस्पतिस्सविता च पुनन्तु पुनः पुनः ॐ "।।

नोटः– यह एक वैदिक मन्त्रप्रयोग है; इसमें किसी भी प्रकार से परिवर्तन करने का प्रयत्न बिल्कुल न करें।

सर्वप्रकार से रक्षार्थ एक अनुभूत मन्त्र प्रयोग

नवरात्र पक्ष में या किसी भी शुक्लपक्ष में (शुभमुहूर्त में) इस मन्त्रप्रयोग का शुभारम्भ भगवती जगदम्बा की सामान्य व केवल मानसिक पूजा के साथ किया जा सकता है। सपाद एक लक्ष इसका पुरुश्चरण माना गया है। सामान्यतः नियमितरूप से प्रतिदिन प्रातः, सायं या निशीथकाल में भी यथाशक्ति इस मन्त्र का जाप करना हर प्रकार से शुभ किंवा रक्षाकारक है। **ध्यान दें–** इस मन्त्र के समर्पण में सिद्ध कुञ्जिका स्तोत्र का पाठ अवश्य करें। मन में किसी भी तरह की विकृति, इस मन्त्रजाप के समय न आने दें।

मन्त्रः–"ॐ नमस्तेऽस्तु भगवति मातरस्मान् पाहि सर्वतःॐ"।।

इस के साथ **'देव्यथर्वशीर्ष'** का पाठ भी यदि किया जाए तो विशेष शुभफल की प्राप्ति होगी– अनुभूत है।

वशीकरण यन्त्र

निम्नांकित यन्त्र को सूती कपड़े पर अनार की कलम से कस्तूरी, केसर एवं लाल–चन्दन से शुभमुहूर्त में लिखें। यन्त्र में **'अमुक'** के स्थान पर सर्वजन या व्यक्तिविशेष जिस पर वशीकरण करना हो, उसका नाम लिखें। यन्त्र में लिखित 'क्षः' बीजमन्त्र पर एक फूल रखें एवं निम्नांकित मन्त्र का जाप करते जाएं। मन्त्र की 5 या 7 माला प्रतिदिन करें। यह सात दिन का विधान है। आठवें दिन यन्त्र पर रखे पुष्पाक्षतों को जल में प्रवाहित करें। साधक का मुख प्रातः पूर्व की ओर और सायं पश्चिम की तरफ होना चाहिए।

मन्त्र– "ॐ श्रीम् ह्रीम् हुम् वशमानय क्लीम् ॐ फट्।।"

यन्त्र
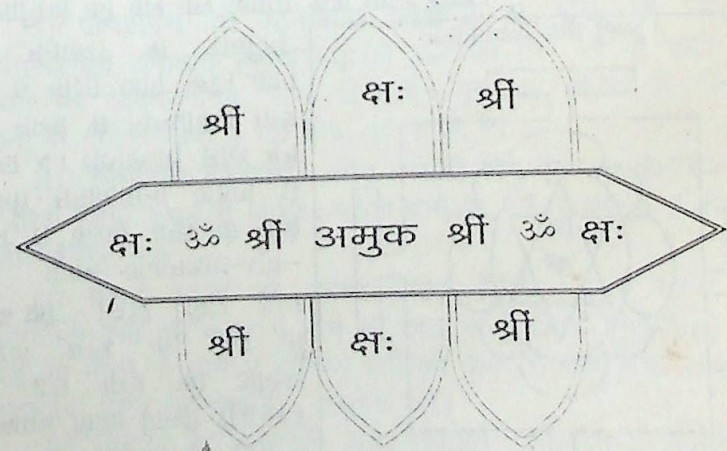
विवाद या मुकद्दमे में विजयार्थ यन्त्र

निम्नांकित यन्त्र को भोजपत्र या शुद्ध कपड़े पर लाल चन्दन, केसर एवं कस्तूरी की स्याही से शुभमुहूर्त में अंकित करें। यन्त्रमध्य में जहां **'अमुक'** लिखा है, वहां अपने प्रतिवादी (शत्रु) किंवा विपक्ष के प्रधान व्यक्ति का नाम लिखें।प्रतिवादी के नाम (जो कि यन्त्रमध्य में लिखा है) पर थोड़ी पीली सरसों रख दें एवं पीले अकीक रत्न की माला से 5 माला निम्नांकित मन्त्रजाप करें–

मन्त्र–"ॐ क्लीम् ह्रीम् महामाये विजयसिद्धिं मे देहि ॐ फट्।।"

कोर्ट–कचहरी या पंचायत में जाते समय यन्त्र को धूप देकर दाएं बाजू पर लाल कपड़े से बांधकर ले जाएं, पलड़ा आपका भारी रहेगा– विजय प्राप्त होगी। 7 दिन का प्रयोग है–**यन्त्र सामने दिया गया है।**

ह्रीं

ह्रीं अमुक ह्रीं

ह्रीं
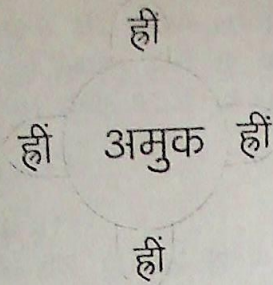
बनते सरकारी कामों में विलम्ब एवं अनेकविध राज्यबाधा निवारणार्थ यन्त्र

नौकरी में ऑफिसर से परेशानी, अकारण स्थानान्तरण, पेंशन लगने में देरी आदि के कारण यदि आप दफतरों के चक्कर लगाकर तंग आ चुके हैं तो यह यन्त्र आपके लिए वरदान सिद्ध हो सकता है– अनुभव करें। **यन्त्र यह है –**
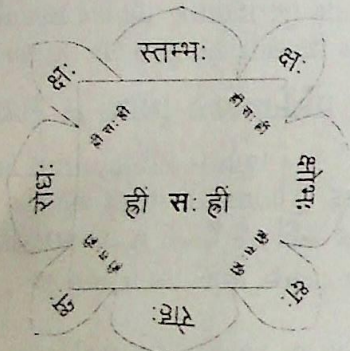
विधि– शुद्ध भूमि पर चावल की चार ढेरियां बनाकर, उस पर एक स्टील की थाली को स्थापित करें। थाली के मध्य निम्नांकित यन्त्र को कुंकुम से *'राज्यबाधा निवारण'* मन्त्रोचारण पूर्वक लिखें। यन्त्र के मध्य एवं दाईं ओर भगवती के ध्यानपूर्वक शक्ति स्थापना की कल्पना करें। बाईं ओर कालीमिर्च के 5 या 7 दाने स्थापित करें। फिर यन्त्र की मन्त्रोच्चारणपूर्वक पुष्पाक्षतों से पूजा करें। 8 दिन तक प्रतिदिन

राज्यबाधानिवारण मन्त्र की 5–5 माला जाप करें। नौवें दिन में यन्त्र, माला, पुष्पाक्षत– सब जलप्रवाहित कर दें। थाली के मध्य लिखे यन्त्र को धोकर पीपल या फलदार वृक्ष की जड़ में डालें। आपका काम तुरन्त हो जाएगा– अनुभव करें।

मन्त्र– "ॐ ऐं क्रीं ह्रीं राज्यबाधा निवारणाय फट्।"

साधक की मनोकामना सिद्ध्यर्थ कार्तवीर्यार्जुन यन्त्र

भगवान् विष्णु के सुदर्शनचक्र की कल्पना कार्तवीर्यार्जुन के रूप में की गई है। इसके धारण करने से मनोकामना सिद्ध्यर्थ अद्भुत सामर्थ्य का लाभ होता है। मनोबल प्रबल रहता है।

मनोकामना यहां लिखें।

दीपावली की रात्रि में भोजपत्र किंवा किसी शुद्धवस्त्र पर इस यन्त्र को अंकित करके यन्त्र के मध्य में **"ॐ फ्रों"** लिखें, फिर यन्त्र का पूजन कुंकुमाक्षत–धूप–दीप से करके यन्त्र के नीचे अपनी मनोकामना कुंकुम से लिख दें। तत्पश्चात् लाल मूंगे की माला से निम्नांकित मन्त्र की 5 माला जाप करें। आप पूर्ण मनोबल से सर्वविध परेशानियों को पार कर जाएंगे; यश प्राप्त होगा।
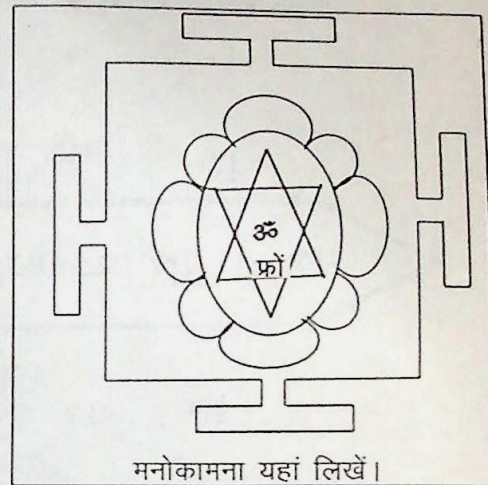
मन्त्र–ॐ हूं फ्रों हूं मनोवांछित सिद्धये कार्तवीर्याय फट्।।"

यह प्रयोग 11 दिन का है। यन्त्र को पूजास्थल पर सुरक्षित रखें। पुष्पाक्षत को जलप्रवाहित करें।

आमदनी के विभिन्न स्रोत प्राप्त्यर्थ मन्त्र

भगवान् शंकर या इष्टदेव की प्रतिमा (फोटो) की स्थापना करके चन्दन पुष्पाक्षत–धूपदीप से पूजन करें, छोटी इलायची, मिसरी एक थाली में सामने रखकर निम्नांकित मन्त्र को 108 बार पढ़ें। मन्त्रजाप के बाद

इलायची एवं मिसरी में अपना हाथ फिरा दें। कार्यार्थ जहां जाएं, इलायची-मिसरी मूंह में डालकर जावें, आय के साधन स्वतः बनते जाऐंगे।

मन्त्र- "ॐ शम् ह्रीम् शम् ॐ।।"

मन्त्रजाप के पश्चात् ये प्रार्थना करें-

प्रार्थना- "ॐ नमः परमकल्याण नमस्ते विश्वभावन।
नमस्ते पार्वतीनाथ उमाकान्त नमोऽस्तु ते।।"

शत्रुओं को हतप्रभ किंवा समाप्त करने के लिए मन्त्र

शत्रुपक्ष को समाप्त करने के लिए श्रावण मास के प्रारम्भ में त्र्यम्बक भगवान् शंकर की कल्पना बिर्मी (बिम्मी) की मिट्टी के पिण्ड में करके पूजन-ध्यानपूर्वक भगवान् शिव से निम्न प्रकार से प्रार्थना करें :-

"ॐ उग्रवीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्।
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु-मृत्युं नमाम्यहम्।।

निम्नांकित मन्त्र का प्रतिदिन 1100 बार जाप करें।

मन्त्रः- "ॐ शत्रुदलनाशाय रुद्ररूपाय फट्।"

तीन दिन बाद बिर्मी की मिट्टी से बने शिव-पिण्ड को पुष्पाक्षत सहित जल में प्रवाहित करें.।

यदि आपका बच्चा पढ़ाई में मन नहीं लगाता हो तो सरस्वती मन्त्र का जाप करें।

सरस्वती मन्त्र का जाप प्रारम्भ करने से पहले अपने सामने जल तथा मिसरी रख लें। जाप की समाप्ति के पश्चात् सम्मुखस्थ जल को बच्चे को पिला दें एवं मिसरी को रोजाना बच्चे को दें- बच्चे की प्रवृत्ति पढ़ाई में लगने लगेगी।

मन्त्रः- "ॐ ह्रीम् ऐं ह्रीम् ॐ सरस्वत्यै नमः।

इस मन्त्र का जाप प्रतिदिन 3 माला करें; 41-41-41 दिन के तीन अनुष्ठान करें। आश्चर्यजनक लाभ होगा, अनुभव करें।

कुछ अनुभूत टोटके

(1) **विषमज्वर हेतु**- इतवार के दिन सफेद कनेर की जड़ को कुछ समय के लिए कान पर बांध लें- विषमज्वर समाप्त हो जाएगा।

(2) **बवासीर से मुक्ति के लिए**- काले धतूरे की जड़ को कमर पर बांधने से आश्चर्यजनक लाभ होगा।

(3) **पागलपन या मानसिक परेशानी से मुक्ति के लिए**- सर्पगन्धा एवं अपामार्ग (पुठकण्डा) की जड़ को सिर पर या चोटी से बांधने पर आश्चर्यजनक लाभ होता है। वृथालाप (बेकार में बोलते रहने) से मुक्ति मिलती है एवं निद्रा आ जाती हैं।

(4) **मिर्गीरोग शान्त्यर्थ**- लौंग, असली हींग एवं एक जायफल- ये तीनों रेशमी कपड़े में बांधकर रेशमी धागे से गले में बांध दें, दौरा नहीं पड़ेगा।

(5) **प्रसव-वेदना से तुरन्त राहत मिले**- प्रसव वेदना से छटपटाती स्त्री की कमर में नीम की जड़ या अपामार्ग (पुठक्रण्डा) की जड़ को मौली के धागे में बांधकर स्त्री की कमर में बांध दिया जाए तो सुखपूर्वक प्रसव तुरन्त होगा- अनुभव करें।

यदि चिटपटे (पुठकण्डे)की जड़ उखाड़ते समय सबूत निकले तो पुत्र अन्यथा पुत्री हो- ऐसा किसी का कहना है।

(6) **सर्पभय से मुक्ति के लिए**- सोमवार को निर्गुण्डी की जड़ उखाड़ कर घर में रखने से सर्प का भय नहीं रहता। घर में मोरपंख रखने से भी सर्पभय नहीं रहता।

सन्धिगत लग्न का निर्णय

(प्रो. प्रियव्रत शर्मा कृत 'विश्व लग्नसारणी' से उद्धृत)

जब जातक का जन्म एक लग्न (लग्नराशि) की समाप्ति और दूसरे लग्न (लग्नराशि) के प्रारम्भकाल के काफी समीप (4-5 मिनटों के अन्तर पर ही) हुआ हो, अथवा ऐसा कहिए–जन्मकालिक स्पष्ट लग्न यदि राशि के लगभग अन्तिम या प्रथम अंश में हो, तब निश्चयपूर्वक यह निर्णय कर पाना दैवज्ञ के लिए कठिन हो जाता है कि–जन्मलग्न की वास्तविक राशि इन दो पार्श्वस्थ राशियों में से कौन सी है। अनिश्चय (सन्देह) की यह स्थिति इसलिए उत्पन्न होती होती है क्योंकि लग्न की उदयगति बहुत द्रुत है, जिससे लग्न की उपरोक्त स्थिति में जन्मकालगत एक–आध मिनट या कुछ ही सेकण्डों की तथा अक्षांश-रेखांशगत कला या कुछ ही विकलाओं की अशुद्धि से अथवा लग्नसारणी की कुछ स्थूलता से भी लग्नराशि इधर–उधर हो सकती है। इस प्रकार की लग्नसम्बन्धी Sensitive (असहिष्णु) स्थिति को **'सन्धिगतलग्न'** (दो राशियों की सीमा से सटे लग्न) या **'सन्देहास्पद लग्न'** की स्थिति कहा जाता है।

यदि दैवज्ञ द्वारा लग्नसाधन के लिए प्रयुक्त जातक का जन्मकाल जन्मस्थलीय अक्षांश, रेखांश तथा जन्मस्थलीय लग्नसारणी में कोई अशुद्धि न हो, अर्थात् ये सभी यथासम्भव शुद्ध हों, तब तो दो राशियों की सीमा से लगभग सटे जन्मलग्न की यथार्थ राशि वही मानी जाएगी, जो साधित लग्न के भोगांशों द्वारा ज्ञापित होती है। हां, यदि लग्न स्पष्ट करने के बाद सन्धिगत लग्न की स्थिति प्रतीत हो और दैवज्ञ समझे कि– वहां प्रयुक्त जन्मकाल आदि अपेक्षित सूक्ष्मता वाले नहीं हैं तब तो दैवज्ञ को उस लग्न का साधन पुनः सूक्ष्म जन्मकाल आदि द्वारा करना चाहिए। इस प्रकार दुबारा साधित लग्न के भोगांश जिस राशि को प्रकट करें, उसे ही वास्तविक लग्नराशि जाने। सन्धिगत लग्न की वास्तविक राशि के निर्धारणार्थ किस स्थिति में संशोधित जन्मकाल आदि द्वारा पुनः गणित (लग्नसाधन) करना आवश्यक है और किस स्थिति में नहीं– इस विषय में नीचे दिया गया विवेचन पढ़िए, जिससे आप जान सकेंगे कि– लग्नसाधनोपयोगी किस पदार्थ में अधिकतम कितनी अशुद्धि लग्नसाधन–प्रक्रिया में अपरिहार्य होने से दैवज्ञ को स्वीकार कर लेनी चाहिए।

जन्मकाल में अशुद्धि– क्योंकि, सभी लोग जातक का जन्मकाल मिनटान्त (मिनट तक) ही लेते हैं, सेकण्डों का वे निर्देश नहीं करते। अतः स्पष्ट है, जन्मकाल में 30 सेकण्ड तक की अशुद्धि से इन्कार नहीं किया जा सकता। जन्मकाल में 30 सेकण्ड की यह अशुद्धि साम्पातिककाल में भी 30 सेकण्ड तक की अशुद्धि उत्पन्न करती है– यह स्पष्ट है।

रेखांश में अशुद्धि– जन्मस्थलीय रेखांश कलान्त ही लिए जाते हैं। विकलाओं की यहां उपेक्षा की जाती है। एटलसों से प्राप्त रेखांशों में तो एक–दो कलाओं की अशुद्धि (स्थूलता) अक्सर पाई जाती है। यदि हम एटलसों से प्राप्त जन्मस्थलीय रेखांश को कला तक भी शुद्ध मान लें तो भी रेखांश में 30 विकला तक की अशुद्धि तो सम्भावित ही है। 30 विकला की यह अशुद्धि स्था. म. का. में, जिसका प्रयोग साम्पातिककाल साधन के लिए किया जाता है, 2 सेकण्ड तक की अशुद्धि उत्पन्न करती है।

इस प्रकार उपरोक्त जन्मकालगत 30 सेकण्ड तक की और रेखांश की स्थूलता से उत्पन्न 2 से. तक की अशुद्धि– ये दोनों अशुद्धियां मिलकर साम्पातिककाल में 32 से. तक की अशुद्धि उत्पन्न करती हैं। साम्पातिककाल में 32 सेकण्ड तक की इस अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि से विभिन्न अक्षांशीय स्थलों पर लग्न में उत्पन्न होने वाली अशुद्धि का विवरण इस प्रकार है–

साम्पातिककाल में 32 सेकण्ड की अशुद्धि से शून्य अक्षांशीय स्थलों पर लग्न में लगभग 512 वि. (8 क. 32 वि.) 35 अक्षांशीय स्थलों पर 768 वि. (12 क. 48 वि.), 48 अक्षांशीय स्थलों पर 1024 वि.(17 क. 4 वि.), 60 अक्षांशीय पर 2112 वि. (35 क. 12 वि.) और 66 अक्षांशीय पर 16512 वि. (4 अं. 35 क. 12 वि.) तक की अपरिहार्य अशुद्धि उत्पन्न होती है।

अक्षांश में अशुद्धि– जातक के जन्मस्थलीय अक्षांश भी कलान्त ही लिए जाते हैं। रेखांशों की भान्ति एटलसों से प्राप्त अक्षांशों में भी एक–दो कला की अशुद्धि पाई जाती है। यदि जातक के जन्मस्थलीय अक्षांश को भी कलान्त शुद्ध मान लिया जाए, तब भी 30 विकला तक की अशुद्धि इसमें सम्भावित है । अक्षांश में 30 विकला तक की इस अशुद्धि से विभिन्न अक्षांशीय स्थलों पर लग्न में उत्पन्न होने वाली इस अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि का विवरण यह है–

जातक के जन्मस्थलीय अक्षांश में 30 वि. की अशुद्धि से शून्य अक्षांशीय स्थल पर (शून्य अक्षांशीय स्थल के आस–पास) लगभग 12 विकला, 35 अक्षांशीय

स्थल पर 20 वि., 48 अक्षांशीय स्थल पर 42 वि., 60 अक्षांशीय स्थल पर 145 वि. (2 क. 25 वि.) तथा 66 अक्षांशीय स्थल के आस–पास 840 वि. (14 क.) की अशुद्धि पैदा होती है।

इस प्रकार जन्मकालिक साम्पातिककाल (जन्मकाल, रेखांश) तथा जन्मस्थलीय अक्षांश में उपरोक्त अपरिहार्य अशुद्धियों के योग से उत्पन्न विभिन्न अक्षांशीय लग्नों में कुल अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि को कोष्ठक द्वारा इस प्रकार स्पष्टतापूर्वक उपस्थापित किया जा सकता है–

लग्न में अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि

अक्षांश (उत्तर या दक्षिण)	0°	35°	48°	60°	66°
साम्पातिककालगत अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि से लग्न में अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि	9′ 00″	13′ 00″	17′ 00″	36′ 00″	276′ 00″
अक्षांशगत अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि से लग्न में अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि	0′ 12″	0′ 20″	0′ 42″	2′ 30″	14′ 00″
लग्न में कुल अपरिहार्य अधिकतम अशुद्धि	9′ 12″	13′ 20″	17′ 42″	38′ 30″	290′ 00″

यह सारणी बतलाती है कि– अमुक अक्षांश वाले स्थलों पर लग्न में अपरिहार्य परम अशुद्धि कितनी है। जैसे– 0° अक्षांश के कॉलम के नीचे अन्तिम पंक्ति में 9′-12″ लिखा है। इसका अर्थ है-शून्य अक्षांशीय स्थलों पर लग्न के भोगांश में 9′-12″ तक की अशुद्धि उपरोक्त अपरिहार्य कारणों से दैवज्ञों को उपेक्षित कर देनी चाहिए। इससे यह भी स्पष्ट हो जाता है कि – यदि शून्य अक्षांशीय स्थल पर साधित लग्न का अन्तर पूर्वापरवर्त्ती राशियों के क्रमशः समाप्ति या प्रारम्भबिन्दु से 9 क. 12 वि. या इससे अधिक हो तो उसे सन्देहास्पद लग्न नहीं मानना चाहिए। इस स्थिति में साधित लग्न के भोगांश वाली राशि को ही वास्तव जन्मलग्नराशि माना जाएगा। अन्यथा (यदि अन्तर 9′.12″ से कम हो तो) जन्मकाल, जन्मस्थलीय रेखांश, अक्षांश की शुद्धिपरीक्षा करे। यदि इनमें कुछ अन्तर उपलब्ध हो तो उसे दूर करके नए जन्मकाल आदि द्वारा सूक्ष्म लग्नसारणी से अपने अक्षांश का सूक्ष्मतापूर्वक पुनः लग्नसाधन करे और इससे प्राप्त लग्नभोगांश द्वारा ज्ञापित राशि को वास्तविक जन्मलग्नराशि जानें।

ध्यान दें– 'लग्न में अशुद्धि की उपरोक्त मात्रा, जिसे उक्त अपरिहार्य कारणों से दैवज्ञ को स्वीकार करने के लिए हमने परामर्श दिया है, को अपसारित कर सकना सर्वथा असम्भव है'- ऐसी बात नहीं है। इस 'अपरिहार्य' अशुद्धि से लग्न को काफी कुछ (लगभग पूरी तरह) मुक्त किया जा सकता है। इसके लिए जन्मस्थलीय अक्षांश–रेखांश सर्वथा सूक्ष्म (विकलान्त) लेने होंगे। अक्षांश–रेखांश की इतनी सूक्ष्मता एटलसों द्वारा तो नहीं प्राप्त हो सकती, अतः इसके लिए G.P.S.✪ यन्त्र का प्रयोग करना होगा। जन्मकाल को सेकण्ड तक की सूक्ष्मता से ज्ञात करना असम्भव है, क्योंकि वास्तविक जन्मकाल के बारे में ज्योतिषशास्त्री एक मत नहीं हैं। कोई योनि से सिर के बाहिर आने के काल को, कोई नालच्छेद काल को तो कोई प्रथम श्वासग्रहण काल को जन्मकाल मानते हैं। जन्मकाल, की परिभाषा कुछ भी हो, जन्मकाल के निर्णय में 5–7 सेकण्ड की अशुद्धि हो जाना स्वाभाविक है। मैं समझता हूँ– परम सूक्ष्म रेखांश, अक्षांश और जन्मकाल जिसमें 5–7 सेकण्ड से अधिक अशुद्धि न हो– इनसे सूक्ष्म शुद्ध जन्मस्थानीय लग्नसारणी से साधित लग्न पर्याप्त सूक्ष्म शुद्ध होगा। क्योंकि, लग्नसारणियां एक–एक या आधा–आधा अक्षांशों के अन्तर पर बनी होती हैं, अतः जातक के जन्मस्थानीय अक्षांशों की अंश–कलाओं का लग्न उनसे स्पष्ट करते समय अक्षांश–कलाओं के लिए त्रैराशिक करना पड़ता है, इस त्रैराशिक प्रक्रिया में कुछ विकलाओं की स्थूलता लग्न में अवश्य आती है। लेकिन सारणी द्वारा लग्नसाधन करते हुए इस स्थूलता से बचा नहीं जा सकता। यदि इस स्थूलता से भी बचना है, तब तो Scientific Calculator द्वारा लग्नसाधन के त्रिकोणमितीय सूत्र से लग्नसाधन करना चाहिए। इससे साधित लग्न परम सूक्ष्म शुद्ध होगा। जहां साधित लग्न दो राशियों के संगमबिन्दु से केवल एक–दो विकलाओं के ही अन्तर पर हो, वहां G.P.S. से जन्मस्थानीय सूक्ष्म अक्षांश, रेखांश लेकर लग्नसाधक त्रिकोणमितीय सूत्र द्वारा लग्नसाधन से ही वास्तविक जन्मलग्नराशि प्रामाणिकरूप से जानी जा सकती है। ऐसे स्थलों पर सन्दिगत लग्न का निर्णय अन्य प्रकार से कभी सम्भव नहीं है। **भारतीय दैवज्ञ तो ऐसे स्थलों पर जातक की आकृति, वर्ण आदि द्वारा जातकोक्त राशिलक्षणानुसार जन्मलग्नराशि का निर्णय जैसे–तैसे कर लेते हैं। ध्यान रहे– राशिलक्षणानुसार किया गया सन्देहास्पद लग्न का निर्धारण त्रिकोणमितीय लग्नसाधन-सूत्र से**

✪ G.P.S. के बारे में 'विश्व लग्न सारणी' पृ. 552 देखें।

निर्धारित वास्तविक लग्न से अनेकत्र मेल नहीं खाता। ✕

लग्नेतर भावों तथा द्वादशभावों के नवांशादि की सन्धिगत स्थिति

ध्यान रहे– दो राशियों की सन्धि के आसन्न स्थिति के कारण केवल लग्न की राशि ही सन्देहास्पद स्थिति में नहीं आती, अपितु–अन्य भावों की राशियां भी सन्धिगत स्थिति में आती हैं। नीचे चण्डीगढ़ में उत्पन्न जातक के जन्मकालीन स्पष्टभाव दिए गए हैं। इन्हें देखिए–

जन्मतारीख 18 मई, 1997 ई.

जन्मस्थान चण्डीगढ़ (U.T.)

अक्षांश 30°-44′ (उ.)

स्टैं. अं. –22^मि^-32^से^

जन्मकाल 5^घ^–39^मि^ (I.S.T.)

साम्पातिककाल 20^घ^–59^मि^–21^से^

निरयणलग्न 1^रा^ 5^अं^ 47^क^

निरयणदशम 9^रा^– 18^अं^– 33^क.^

स्पष्ट भाव

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
राशि	1	2	2	3	4	6	7	8	8	9	10	0
अंश	5	0	24	18	24	0	5	0	24	18	24	0
कला	47	2	17	33	17	2	47	2	17	33	17	2

देखिए– यहां लग्नभोगांश 1 रा. 5 अं. 47 क. है। अतः स्पष्ट है , यह लग्न किसी भी दृष्टि से सन्धिगत नहीं है। लेकिन, यहां द्वितीय, षष्ठ, अष्टम और द्वादश– ये चारों भाव क्रमशः मिथुन, तुला, धनु और मेष राशियों के बिल्कुल प्रारम्भबिन्दुओं पर हैं। इनके प्रारम्भ बिन्दुओं से ये केवल 2–2 कला ही आगे हैं। अतः स्पष्ट रूप में इन चारों भावों की राशियां सन्देहास्पद स्थिति में हैं। यहां यदि जातक के जन्मकाल में 8–9 सेकण्ड की भी अशुद्धि हो अर्थात् दैवज्ञ द्वारा यहां प्रयुक्त जातक का जन्मकाल वास्तव जन्मकाल से 8–9 सेकण्ड अधिक हो तो इन सभी (द्वितीय आदि) भावों की राशियां मिथुन आदि भी अशुद्ध होंगी– यह स्पष्ट है।

ऊपर दिए गए इस उदाहरण से स्पष्ट है कि– लग्न को सन्धिगत स्थिति से सर्वथा मुक्त देखकर अन्य भावों को भी सर्वथा शुद्ध समझ लेना हमेशा ठीक नहीं होता। लगभग 8–10 प्रतिशत कुण्डलियों में कुछ भाव इस प्रकार सन्धिगत स्थिति में रहते ही हैं, ▣, जिनकी ओर दैवज्ञ लोग ध्यान नहीं देते, जिससे अनेक ऐसे स्थलों पर जातकोक्त फलादेश अन्यथा होने का प्रसंग उपस्थित होता है। स्पष्ट है– ये दैवज्ञ लोग केवल प्रथमभाव की ही शुद्धयशुद्धि के बारे में चिन्तित रहते हैं, अन्य भावों के बारे में उन्हें कोई चिन्ता नहीं है। सन्धिगत भाव की यथार्थ राशि स्पष्ट भाव के भोगांशों द्वारा ज्ञापित राशि से भिन्न होने की 50 प्रतिशत सम्भावना रहती है। यदि इसका निर्णय न किया जाए तो ऐसे स्थलों पर फलादेश व्यत्यय तो होगा ही। यह विशेष ध्यान देने योग्य है कि– सन्धिगत लग्नेतर भाव की यथार्थ राशि का निर्णय तभी सम्भव होगा जबकि, उस भाव के भोगांश सूक्ष्मता से निर्धारित किए जाएं, ऐसा करने के लिए स्पष्ट है– असन्धिगत लग्न के भोगांशों की भी गणना (गणित) पुनः सूक्ष्मता से करनी होगी ⊙।

किञ्च– सन्धिगत भावों की ही भान्ति भावों के नवांशादि भी कई बार सन्धिगत हो जाते हैं। लगभग प्रत्येक जातक के जन्मकालिक किसी न किसी भाव के नवांशादि की सन्धिगत स्थिति अवश्य होती है। इस ओर भी दैवज्ञ ध्यान नहीं देते– यह भी आश्चर्य है, जबकि फलादेश में लग्नादि भावों के नवांशादि का पर्याप्त प्रयोग होता है। सन्धिगत नवांशादि की यथार्थ राशि का निर्धारण करने के लिए स्पष्ट है, असन्धिगत लग्न की भी सूक्ष्मता से पुनः गणित द्वारा वैसे ही परीक्षा करना आवश्यक है, जैसे कि सन्धिगत लग्न की की जाती है।⊙

✕ *बहुमूल्य G.P.S. यन्त्र और त्रिकोणमितीय लग्नसाधन सूत्र से लग्नसाधन सामान्य दैवज्ञ की क्षमता से बाहिर है,अतः लग्नभोगांश में उपरोक्त अपरिहार्य अशुद्धि को सहन करने के अलावा उसके पास और कोई विकल्प नहीं है।*

▣ यह विषमविभागात्मक भावों के लिए है। लेकिन यदि भाव समानमानात्मक हों तब तो लग्न की सन्धिगत स्थिति होने पर अन्य सभी भाव भी सन्धिगत स्थिति में ही होंगे, अन्यथा कोई भी भाव सन्धिगत स्थिति में नहीं होगा।

⊙ यदि स्पष्टभाव विषमविभागात्मक हैं तो दशमभाव का साधन भी पुनः सूक्ष्म साम्पातिककाल आदि द्वारा करना होगा, क्योंकि लग्न और दशमभाव के अन्तर पर ही विषमविभागात्मक भाव एवं नवांश निर्भर करते हैं। समान–मानात्मक भावों के भोगांश तो दशमभाव से सम्बद्ध नहीं हैं।

अन्त में सन्धिगत लग्न से सम्बद्ध आवश्यक इन कुछ निर्देशों की ओर दैवज्ञ का ध्यान आकृष्ट किया जाता है–

(i) सन्धिगत लग्न सायन हो या निरयण दोनों का निर्णयप्रकार एक (उपरोक्त) ही है।

(ii) सन्धिगत निरयण लग्न के निर्णय के लिए अयनांश स्पष्ट (धूननसंस्कृत)⊕ लेने चाहिएं।

(iii) उपरोक्त सन्धिगत लग्ननिर्णय की प्रक्रिया में सूक्ष्म साम्पातिक– काल को प्रयोग करने का निर्देश है। यह नवीन (साम्पातिककाल वाली) पद्धति के लिए है। यदि दैवज्ञ प्राचीन पद्धति (सूर्योदयाद् इष्टपद्धति) के अनुसार लग्नसाधन करने का अभ्यासी हो तो सन्धिगत लग्न के निर्णय के लिए वह साम्पातिककाल की जगह सूक्ष्म सूर्योदयाद् इष्टकाल प्रयोग में लाए, वहां उसे जन्मकालीन सूक्ष्म विकलान्त स्पष्टसूर्य का ही प्रयोग करना चाहिए।

(iv) लग्नसाधन के लिए जन्मस्थानीय अक्षांश भौगोलिक नहीं, अपितु भूकैन्द्रिक ⊗ लेने चाहिएं।

⊕ " अयनांश धूनन " देखें 'विश्व लग्न सारणी' पृष्ठ 155 पर।

⊗ भूकैन्द्रिक अक्षांश के लिए देखें– 'विश्व लग्न सारणी' पृष्ठ 2

अनेक अयनांशमान और सन्दिग्ध निरयण लग्न

विभिन्नपक्षा (सिद्धान्ता)नुसारी अयनांशमानों में अनेकता के कारण इन विभिन्न पक्षों के अनुसार निरयण मेषादि राशियों के प्रारम्भबिन्दु भी भिन्न–भिन्न हैं। अतः कोई भी लग्न (निरयण लग्न) किसी एक पक्षानुसार सन्दिग्ध (राशि सन्धि-गत) स्थिति में होने पर भी अनेकदा अन्यपक्षानुसार सन्दिग्ध स्थिति में नहीं होता। इसी प्रकार एकपक्षानुसार असन्दिग्ध लग्न अनेक बार अन्यपक्षानुसार सर्वथा सन्दिग्ध स्थिति में भी रहता है। अपि च– राश्यारम्भबिन्दुओं में इस वैमत्य के कारण सन्दिग्ध लग्न का एकपक्षानुसार निर्णय कर लेने पर भी अन्यपक्ष या पक्षों के अनुसार वह सन्दिग्ध ही बना रहता है– यह अनेकपक्षानुसारी अयनांशमानों में विविधता से परिचित सिद्धान्तज्ञ ज्योतिषी जानते ही हैं।

विषम विभागात्मक भाव : एक समीक्षा

(प्रो. प्रियव्रत शर्मा कृत **'विश्वलग्नसारणी'** से उद्धृत)

द्वादश भावों के निर्धारण की चार पद्धतियां प्रचलित हैं। इनमें से दो पद्धतियां पाश्चात्त्य ज्योतिष जगत् में और दो भारतीय ज्योतिष जगत् में दैवज्ञों द्वारा प्रयुक्त की जा रही हैं। भारतीय दैवज्ञों द्वारा प्रयुक्त पद्धतियां ये हैं–

(i) विषमविभागात्मक भावपद्धति

(ii) समानविभागात्मक भावपद्धति।

हम यहां इन्हीं दो पद्धतियों की समीक्षा करेंगे।

(i) विषमविभागात्मक भावपद्धति – विषमविभागात्मक भावपद्धति, जिसे ताजिकोक्त ' **विषमविभागात्मक भाव-पद्धति**' कहना चाहिए, वस्तुतः भारतीय नहीं है। यह यावन ज्योतिषपरम्परा से कुछ शताब्दियों पूर्व ही भारत में प्रचलित हुई है। ' **ताजिक नीलकण्ठी** ' आदि ताजिकग्रन्थों तथा श्रीपति, केशवादि की **'जातकपद्धतियों'** द्वारा इसका भारतीय दैवज्ञों में प्रचार हुआ है। आधुनिक लगभग शत–प्रतिशत भारतीय दैवज्ञों द्वारा इसी पद्धति के आधार पर भावों का निर्धारण किया जा रहा है। यह पद्धति दोषपूर्ण है। इसमें अक्षांशभेद से भावों की सीमाएं अक्षम्यरूप से छोटी /बड़ी हो जाती हैं। इस पद्धति की उत्पत्ति मध्यलग्न (क्रान्तिवृत्त एवं स्थानीय याम्योत्तरवृत्त के सम्पातबिन्दु) को **'दशमभाव'** मान लेने से हुई है। जबकि यह बिन्दु सर्वत्र दशम (लग्न से दशम राशि में) नहीं होता। अधिक अक्षांशीय स्थलों पर तो यह कई बार लग्न राशि से सप्तम, अष्टम, नवम, या एकादश राशि पर भी आता है। **ध्यान रहे–** इस ' याम्योत्तरवृत्तीयबिन्दु ' को सूर्यसिद्धान्त आदि किसी भी प्राचीन सिद्धान्तग्रन्थ में ' दशमभाव ' की संज्ञा नहीं दी है। इस पद्धति को हमारे भारतीय आचार्यों ने अनार्ष पद्धति कहा है। इस विषय में आचार्य ' **कमलाकर** ' का यह वाक्य है, जिसमें उन्होंने बड़े आक्रोश में विषमविभागात्मक भावप्रणाली के समर्थकों की बुरी तरह भर्त्सना की है–

महर्षिभिः स्वीयकृतौ निरुक्ता लग्नांशतुल्या रवि-संख्यका ये।
भावाः समा एव सदा फलार्थं ग्राह्यास्त एव ग्रहगोलविद्भिः॥
लोकेषु मूर्खोदरपूरणार्थं मूर्खैर्विलग्नाद्रविसंख्यका ये।
भावाः निरुक्ताः स्वधिया त्वनार्षाः सम्यक् फलार्थं न हि तेऽवगम्याः॥

याम्योत्तरवृत्त के इस बिन्दु को दशमभाव मानकर **" सषड्भे लग्नखे जायातुर्यौ........"** इस प्रणाली अनुसार जो भाव स्पष्ट किए जाते हैं,– इनसे इस पद्धति में अनेक अव्यवस्थाएं उत्पन्न होती हैं, जिनका हम यहां सोदाहरण निर्देश कर रहे हैं–

(क) इस पद्धति अनुसार दशम भाव लग्न से कहीं सप्तम, कहीं अष्टम, नवम, दशम और कहीं एकादश राशि में भी होता है।

(ख) विषमविभागात्मक भावों वाली कुण्डलियों में कई राशियां तो भावों से वञ्चित रह जाती हैं अर्थात् उन्हें कोई भाव नहीं मिलता और कई जगह एक ही राशि तीन–तीन, चार–चार भावों को भी व्याप्त कर लेती है।

(ग) कई ग्रहों को किसी भी भाव का स्वामित्त्व प्राप्त नहीं होता और किसी एक ही ग्रह को चार भावों तक का स्वामित्त्व मिल जाता है।

ऐसी दोषपूर्ण स्थितियां अधिकतर अधिक अक्षांशीय स्थलों पर घटित होती हैं।

नीचे हम इन स्थितियों से सम्बद्ध उदाहरण दे रहे हैं–

उदाहरण (i)– अक्षांश 50° 00′ (उ.)

	रा.	अं.
साम्पातिककाल	15 घं. 04 मि.	
निरयण लग्न	8	21
निरयण दशम लग्न	6	25
अन्तर	1 रा. 26 अंश	

अन्तर का तृतीय अंश 19 अंश

विषमविभागात्मक स्पष्ट भाव

निरयण	रा.	अं.	निरयण	रा.	अं.
लग्न (प्रथम)	8	21	सप्तम	2	21
द्वितीय	10	02	अष्टम	4	02
तृतीय	11	13	नवम	5	13
चतुर्थ	0	25	दशम	6	25
पंचम	1	14	एकादश	7	14
षष्ठ	2	03	द्वादश	8	03

देखिए– यहां तथाकथित दशमभाव लग्न से एकादश राशि में है।

और भी देखिए– यहां धनुराशि में द्वादश और लग्न तथा मिथुन में षष्ठ और सप्तमभाव हैं– इस प्रकार एक ही राशि में दो–दो भाव आ गए हैं। जबकि मकर और कर्क राशियों को कोई भाव नहीं मिला, **जिससे यहां चन्द्रमा किसी भी भाव का स्वामी नहीं रहा।**

उदाहरण (ii)– अक्षांश 60° 00′ (उ.)
साम्पातिककाल 15घं. 16मि.

	रा.	अं.
निरयण लग्न	8	07
निरयण दशम लग्न	6	28
अन्तर	1	09

अन्तर का तृतीय अंश 13 अंश

विषमविभागात्मक स्पष्ट भाव

निरयण	रा.	अं.	निरयण	रा.	अं.
लग्न (प्रथम)	8	07	सप्तम	2	07
द्वितीय	9	24	अष्टम	3	24
तृतीय	11	11	नवम	5	11
चतुर्थ	0	28	दशम	6	28
पंचम	1	11	एकादश	7	11
षष्ठ	1	24	द्वादश	7	24

देखिए– इस उदाहरण में भी दशमभाव लग्नराशि से एकादशराशि में है। **अपि च**–पंचम, षष्ठभाव वृषराशि और एकादश, द्वादशभाव वृश्चिकराशि में आ गए हैं, जबकि कुम्भ और सिंह राशियों को कोई भाव नहीं मिला। परिणामस्वरूप, **यहां सूर्य किसी भी भाव का स्वामी नहीं बन सका।**

उदाहरण (iii)– अक्षांश 65° 00′ (उ.)
साम्पातिककाल 19घं. 30मि.

	रा.	अं.
निरयण लग्न	2	06
निरयण दशम लग्न	8	27
अन्तर	5	09

अन्तर का तृतीय अंश 1 रा. 23 अं.

विषमविभागात्मक स्पष्ट भाव

निरयण	रा.	अं.	निरयण	रा.	अं.
लग्न (प्रथम)	2	06	सप्तम	8	06
द्वितीय	2	13	अष्टम	8	13
तृतीय	2	20	नवम	8	20
चतुर्थ	2	27	दशम	8	27
पंचम	4	20	एकादश	10	20
षष्ठ	6	13	द्वादश	0	13

ध्यान दें– यहां वृष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर और मीन राशियों को कोई भाव नहीं मिल सका। भावहीन कर्कराशि के कारण **चन्द्रमा भावेश भी नहीं बन पाया। और भी देखिए–** यहां लग्न, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ– ये चारों भाव मिथुन में एवं सप्तम, अष्टम, नवम, दशम– ये चारों भाव धनुराशि में एकत्र हो गए हैं। इस काल की भावकुण्डली, जो नीचे दी जा रही है। देखें, यह कितनी हास्यास्पद है–

भावकुण्डली
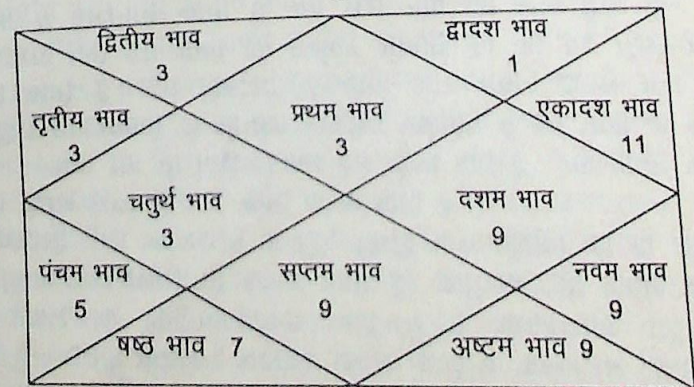
यहां इस कुण्डली में दिखाया गया है कि– प्रथम (लग्न) आदि बारह भाव किस–किस राशि में स्थित हैं।

इसे प्रकारान्तर से इस राशिकुण्डली द्वारा भी दर्शाया जा सकता है, जहां पाठक देख सकते हैं कि किसी एक ही राशि में चार–चार भाव समाविष्ट हैं और किसी राशि में एक भी भाव नहीं है–

राशिकुण्डली
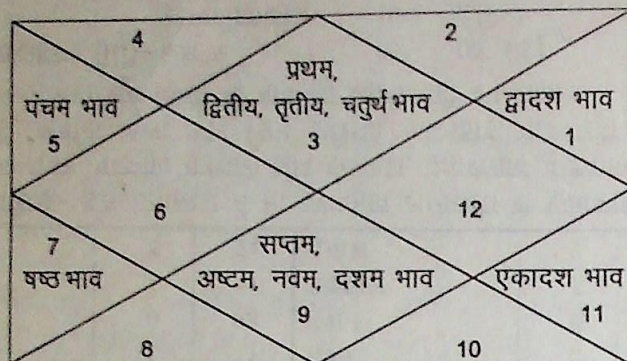
स्पष्ट है कि इस प्रकार की अव्यवस्थाएं विषमविभागात्मक भावप्रणाली को दोषपूर्ण बतलाती हैं। यही कारण है कि भारत एवं विदेश के भी अनेक प्रबुद्ध ज्योतिर्विद् इस असंगत प्रणाली को छोड़कर समानमानात्मक भावप्रणाली को अपनाने के लिए बल दे रहे हैं।

(ii) **समानविभागात्मक भावपद्धति** – इस पद्धति (भावप्रणाली) से भावसाधन के लिए दशमभावसाधन की आवश्यकता बिल्कुल नहीं होती। स्पष्टलग्न की राशि (भुक्तराशि) में क्रमशः एक, दो, तीन आदि राशियां जोड़ने पर क्रमशः द्वितीयादि भावों की भुक्तराशियां प्राप्त हो जाती हैं। लग्न के भुक्तांशादि के तुल्य ही द्वितीयादि भावों के भुक्तांशादि होते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है– उनके मध्यबिन्दु परस्पर 30–30 अंशों के अन्तर पर स्थित होते हैं। इस प्रकार के समानमानात्मक भावों में वे अव्यवस्थाएं, जो उपरोक्त विषमविभागात्मकप्रणाली में घटित होती हैं, उपस्थित नहीं होतीं। स्पष्ट है– इस प्रणाली द्वारा भावसाधन के लिए किसी गणितप्रक्रिया की भी अपेक्षा नहीं होती। केवल लग्न ही यहां स्पष्ट करना होता है।

यहां यह भी विशेष ध्यान देने योग्य बात है– भावसाधन पद्धति से साधित द्वादशभावों के भोगांश भारतीय ज्योतिष में इन भावों के मध्यबिन्दु माने जाते हैं। इन बिन्दुओं के दोनों ओर समान अन्तर पर (15–15 अंशान्तर पर) इन भावों की पूर्वापर सीमाएं हैं। जो ग्रह जिस भाव की सीमा में विद्यमान रहता है, वह उस भाव का फल देता है– ऐसा 'होराशास्त्र ' कहता है, लेकिन आश्चर्य की बात है– लगभग शत–प्रतिशत दैवज्ञ लोग इन भावों की सर्वथा उपेक्षा करते हैं। वे लग्न का मध्यबिन्दु जिस राशि में स्थित होता है, उस पूरी राशि को प्रथमभाव, तदनन्तरवर्ती द्वितीय, तृतीयादि पूरी–पूरी राशियों को क्रमशः द्वितीय, तृतीयादि भाव मानते हुए, फलित शास्त्रोक्त तत्तद्भावगत फलादेश, उन्हीं से कह डालने की लम्बी परम्परा अपनाए हुए हैं। इस प्रकार स्पष्टभाव अब अर्थहीन होकर, जन्मपत्रियों का केवल अलंकारमात्र बन कर रह गए हैं।

यद्यपि पाश्चात्त्य ज्योतिष में प्रयुक्त की जाने वाली द्वादशभावसाधन पद्धति से भी विषमविभागात्मक भाव ही बनते हैं; पुनरपि उसके भावभोगांश और भारतीय भावभोगांशों में एकरूपता नहीं है। भावों के मध्य एवं प्रारम्भ बिन्दुओं के बारे में भी इन (पाश्चात्त्य एवं भारतीय) प्रणलियों में भारी मतभेद है, सायन और निरयण गणना का मतभेद तो है ही। इस प्रकार देह, द्रव्यादि द्वादशभाव भी, जिनकी व्याख्या के लिए ही जातक होराशास्त्र की शरण में जाता है, फलित ज्योतिष के अन्य पदार्थों की ही भान्ति अनेकविध मतवैषम्य का शिकार बनने से नहीं बच पाए।

भारत में काल परिवर्त्तन

(भारत के कालपरिवर्तन का कुछ इतिहास, जो भारतीय दैवज्ञ के लिए जानना अवश्यक है।) (प्रो. प्रियव्रत शर्मा कृत "विश्वलग्नसारणी" से उद्धृत)

सन् 1890 ई. से पहिले भारत के सभी नगर अपना–अपना स्था.म. का. (स्थानीय मध्यमकाल=L.M.T.) ही प्रयोग में लाते थे।

सन् 1890 ई. से 30–6–1905 ई. तक की अवधि में भारत में सर्वत्र (कलकत्ता को छोड़कर) मद्रास की मेरिडियन (80° 15´पू.) का समय (मद्रास का स्था.म.का.), जो G.M.T. से 5 घं. 21 मि. आगे है, प्रयोग में लाया जाता रहा।

1 जुलाई सन् 1905 ई. से शासन द्वारा रेखांश 82° 30´ पू. को **भारत की स्टैण्डर्ड मेरिडियन के रूप में स्वीकार** किया गया, जिसका समय G.M.T. से 5 घं. 30 मि. आगे है, इसी समय को भा. स्टैं. टा. (भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम = Indian Standard Time = I.S.T.) की संज्ञा दी गई है। यही समय आज भारत में सर्वत्र प्रयुक्त हो रहा है।

17 जुलाई सन् 1911 ई. तक पुर्तगाली एवं फ्रांसिसी उपनिवेशों (Goa, Daman & Diu एवं Dadra & Nagar Haveli, Pondicherry) में स्था. म. का. अथवा मद्रास टाईम का ही प्रयोग होता रहा। 18 जुलाई सन् 1911 ई. से इन उपनिवेशों ने भी भा. स्टैं. टा. को अपना लिया।

बंगाल के महानगर कलकत्ता (कोलकाता) द्वारा शुरू से (सन् 1890 ई. के पहिले से) ही अपना स्था. म. का. (88° 20´ पू. का काल) ही, जो G.M.T. से 5 घं. 53 मि. आगे है, प्रयोग में लाया जाता रहा और एक सितम्बर, सन् 1947 के बाद ही इस नगर ने भा. स्टैं. टा. को पूर्णरूप से स्वीकार किया।

इस प्रकार 17 जुलाई, सन् 1911 ई. के बाद कलकत्ता (कोलकाता) नगर को छोड़कर भारत के सभी प्रान्तों में भा. स्टैं. टा. के अनुसार घड़ियां चलने लगीं। लेकिन लगभग 30 वर्ष बाद द्वितीय विश्वयुद्ध एवं अन्य कुछ कारणों से कभी समस्त देश एवं कभी देश के कुछ प्रान्तों में कुछ–कुछ समय के लिए भा. स्टैं. टा. का प्रयोग अस्थायी रूप से विच्छिन्न रहा, जिसका विवरण नीचे दिया जा रहा है–

कलकत्ता तथा बंगाल में 1–10–1941, आसाम में 1–11–1941 और बिहार में 1–12–1941 से लेकर 15–5–1942 ई. तक भा.स्टैं. टा. की जगह बर्मा स्टैं.टा. (97° 30´ पू. मेरिडियन वाला टाईम, जो भा. स्टैं. टा. से एक घण्टा आगे रहता है) का प्रयोग किया गया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण ब्रिटिश सरकार द्वारा एक सितम्बर, सन् 1942 ई. से 14 अक्तू. सन् 1945 ई. तक भारत के सभी प्रान्तों में घड़ियों को एक–एक घण्टा आगे कर दिया गया था, जिससे इस अवधि में भी सारे भारत में बर्मा स्टैं. टा. का ही प्रयोग हुआ।

14 अक्तूबर, सन् 1945 ई. के बाद कलकत्ता तथा बंगाल के अलावा सभी भारतीय प्रान्तों एवं 1 सितम्बर सन् 1947 ई. के बाद कलकत्ता तथा बंगाल प्रान्त की घड़ियां एक–एक घंटा पीछे कर दी गईं अर्थात् तब सारे देश की घड़ियां पुनः भा.स्टैं.टा. बतलाने लगीं। **अब 1 सितम्बर, सन् 1947 से आज तक भारत में सर्वत्र भा. स्टैं. टा. का ही प्रयोग होता चला आ रहा है।**

दैवज्ञ ध्यान दें– जब युद्ध अथवा अन्य (Summer Time, Daylight saving time आदि) किसी कारण से देश के स्टैं. टा. में अस्थायी परिवर्तन किया जाता है तब उस देश के पंचांग (Almanacs & Ephemeris) पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पंचांगों में तो स्थायी रूप से स्वदेश के स्टैं. टा. का ही प्रयोग रहता है। अतः जन्मपत्र आदि का निर्माण करने के लिए दैवज्ञ को परिवर्तित समय वाले दिनों में उत्पन्न जातक के उस जन्मकाल को, जो अक्सर परिवर्तित समयानुसार ही होता है, उस देश के स्टैं.टा. में बदलकर उससे ही देशीय पंचांग द्वारा लग्न, ग्रहस्पष्ट आदि करने चाहिएं– यह नितान्त आवश्यक है। उदाहरण के रूप में मान लीजिए– कोई बच्चा भारत में 20 जून, सन् 1944 ई. को प्रातः 9 घं. 30 मि. पर पैदा हुआ । स्पष्ट है, बच्चे का यह जन्मकाल भा. स्टैं. टा. में नहीं है, क्योंकि इन दिनों युद्ध के कारण भारत की घड़ियां भा. स्टैं. टा. से एक घण्टा आगे चलती थीं अर्थात् उस समय परिवर्तित काल भा. स्टैं. टा. से एक घण्टा आगे था। अतः दैवज्ञ को इस जन्मकाल में से एक घण्टा घटाकर प्राप्तकाल 8 घं. 30 मि. (प्रातः) को बच्चे के जन्म का भा. स्टैं. टा.

समझना चाहिए, और इसी के अनुसार जन्मपत्र आदि का निर्माण उसे करना चाहिए।

लीजिए– नीचे एक कोष्ठक (" भारतीय कालपरिवर्त्तन ज्ञापक कोष्ठक ") दिया जा रहा है, जिससे दैवज्ञ लोग आसानी से यह जान सकेंगे कि भारत में विगत लगभग 90 वर्षों की अवधि में कहां–कहां, कब–कब और कितने समय के लिए भा. स्टैं. टा. का प्रयोग विच्छिन्न रहा, और उसके स्थान पर कौन सा नया समय प्रचलित किया गया। कोष्ठक में यह भी दर्शाया गया है कि– उस नए (परिवर्त्तित) समय का भा. स्टैं. टा. से कितना अन्तर था। यह कोष्ठक विगत पृष्ठ पर दिए गए " **भारत में कालपरिवर्त्तन** " विवेचन का ही सरलीकृत रूप है।

भारतीय कालपरिवर्त्तन ज्ञापक कोष्ठक

[सन् 1911 से वर्त्तमानकाल तक भारत के किस भाग (प्रान्त आदि)में कब और कितने दिनों तक भा. स्टैं. टा. (स्टैण्डर्ड मेरिडियन 82° 30′ पूर्व के काल) से भिन्न समय प्रचलित रहा और वह समय भा. स्टैं. टा. से कितना आगे था– इसका सरलतम प्रकार से निर्देश।]

तारीख	प्रान्त आदि	प्रचलित समय का भा. स्टैं. टा. से अन्तर घं. मि.
18–7–1911 से 30–9–1941	कलकत्ता	+ 0 23
,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,	कलकत्ता को छोड़कर शेष पूरा भारत	0 00
1–10–1941 से 31–10–1941	बंगाल	+ 1 00
,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,	बंगाल को छोडकर शेष पूरा भारत	0 00
1–11–1941 से 30–11–1941	बंगाल, आसाम	+ 1 00
,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,	बंगाल, आसाम को छोडकर शेष पूरा भारत	0 00
1–12–1941 से 15–5–1942	बंगाल, आसाम और बिहार	+ 1 00
,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,	बंगाल, आसाम और बिहार को छोड़कर शेष पूरा भारत	0 00
16–5–1942 से 31–8–1942	पूरा भारत	0 00
1–9–1942 से 14–10–1945	पूरा भारत	+ 1 00
15–10–1945 से 31–8–1947	बंगाल	+ 1 00
,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,,	बंगाल को छोड़कर शेष पूरा भारत	0 00
1–9–1947 से आज तक	सारा भारत	0 00

इस कोष्ठक का प्रयोग इस प्रकार होगा–

मान लीजिए– जातक का जन्म कलकत्ता में 18 फरवरी, सन् 1930 ई. को कलकत्ता के टाईम के अनुसार 10 घं. 25 मि. A.M. पर हुआ। कोष्ठक से ज्ञात होता है कि– इन दिनों कलकत्ता में प्रयोग किया जाने वाला टाईम भा. स्टैं. टा. से 23 मि. आगे था। अतः स्पष्ट है, जातक का जन्मकालिक भा. स्टैं. टा. 10 घं. 2 मि. A.M. था। इसी प्रकार मान लें – यदि बच्चे का जन्म 25 दिसं. ′44 को दिल्ली में 2 घं. 55 मि. P.M. पर हुआ हो तो उसका जन्मकालिक भा. स्टैं. टा. 1 घं. 55 मि. P.M. होगा, क्योंकि कोष्ठक बतला रहा है कि– इन दिनों पूरे भारत में प्रचलित (प्रयुक्त होने वाला) टाईम भा. स्टैं. टा. से एक घण्टा आगे था। इसी तरह मुम्बई में 12 मार्च ′46 को 22 घं. 35 मि. पर उत्पन्न बालक का जन्मकालिक भा. स्टैं. टा. 22 घं. 35 मि. ही होगा, क्योंकि– कोष्ठक से स्पष्ट है कि इस दिन बंगाल को छोड़कर शेष पूरे भारत में भा. स्टैं. टा. ही प्रचलित था।

पाकिस्तान और बंगलादेश में कालपरिवर्त्तन

15 अगस्त 1947 को भारत का विभाजन हो जाने पर इसके पश्चिमी पंजाब, सिन्ध और पूर्वी बंगाल प्रान्त इससे पृथक् हो कर इन से एक नए राष्ट्र पाकिस्तान की स्थापना हुई, जिसके पूर्वी और पश्चिमी दो भाग थे। प. पंजाब एवं सिन्ध प्रान्त से पश्चिमी पाकिस्तान (जिसे अब केवल पाकिस्तान कहा जाता है) और पूर्वी बंगाल से पूर्वी पाकिस्तान (जो अब बंगलादेश कहलाता है) बना।

15–8–1947, से 30–9–1951 तक पश्चिमी पाकिस्तान की Standard Meridian 82° 30′ पू. (भा.स्टैं.टा. वाली ही) रही। ता. 1–10–1951 को इसकी Standard Meridian 75° 00′ पू. निर्धारित की गई। तब से इसकी यही Standard Meridian चली आ रही है। पूर्वी पाकिस्तान की Standard Meridian 15–8–1947 से 30–9–1951 तक 97° 30′ पू. रही। ता. 1–10–1951 को इसकी Standard Meridian 90° 00′ पू. स्वीकार की गई। तब से आज तक इसी Meridian का समय यहां प्रचलित है।

सन् 1971 में पूर्वी पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान से पृथक् हो कर बंगलादेश बन गया और तब से पश्चिमी पाकिस्तान का नाम केवल पाकिस्तान रह गया। क्योंकि, 15–8–1947 से पहिले पाकिस्तान (प.पाकिस्तान) और बंगलादेश (पू. पाकिस्तान), दोनों भारत का ही अंग थे, अतः इनके 15–8–1947 से पूर्ववर्त्ती काल के बारे में जानकारी के लिए देखें – 'भारत में कालपरिवर्त्तन' पृष्ठ 65

समस्याएं और समाधान

लेखकः- प्रियव्रत शर्मा, 59/6 (अभिजित्), पंचकूला-134109

फलित एवं गणित (सिद्धांत) ज्योतिष से सम्बद्ध अपनी समस्याएं मुझे भेजिए। आवश्यक समझने पर डाक से उत्तर देने का भी मेरा पूरा प्रयास रहता है। लेकिन इसके लिए कृपया जवाबी त्र न डालिए। यदि मुझे आपकी समस्या का उत्तर पत्र द्वारा देना होगा, मैं अपने व्यय पर ही दे दूंगा। मुझे प्रतिदिन अनेक पाठकों की समस्याएं पत्रों द्वारा प्राप्त होती हैं। सीमित समय आदि के ारण मैं प्रत्येक पाठक को पत्र द्वारा समस्याओं का समाधान भेजने के लिए किसी भी तरह बाधित नहीं होना चाहता ।

[ध्यान दें- मैं ज्योतिष का व्यवसाय नहीं करता हूँ। अतः अपनी ज्योतिषसम्बन्धी व्यक्तिगत समस्याओं के लिए मुझे कृपया पत्र न लिखें, और न ही इसके लिए मुझे कोई फीस वगैरह भेजिए। इस सम्बन्ध में मैं किसी से मिलता भी नहीं हूँ- कृपया कर्मकाण्डसम्बन्धी समस्याएं मुझे मत भेजिए। यह मेरा विषय नहीं है । प्रियव्रत शर्मा]

यहां इन समस्याओं के समाधान पढ़िए

- क्या गृहप्रवेश और गृहारम्भ मुहूर्त के निर्धारण में कलशचक्र और वृष वास्तुचक्र का विचार अनिवार्य है ?
- दीपावली के दिन प्रदोष में अमा की व्याप्ति यदि बहुत कम (लक्ष्मीपूजा के लिए अपर्याप्त) हो तो लक्ष्मीपूजा की व्यवस्था कैसे की जाए ?
- क्या यूरेनस आदि नवज्ञात तीन ग्रहों को विशोत्तरीदशाक्रम में समाविष्ट करना उचित है ?
- जातक की आयु के वर्ष का वास्तविकमान क्या है ?
- स्वस्तिक चिह्न का शुद्ध (शुभ) रूप कौनसा है ?
- विवाहलग्नपत्रिका में कन्यादान के लिए लग्नराशि की जगह लग्नगत शुभनवांश का निर्देश ज्योतिषी लोग क्यों नहीं करते ?
- होलाष्टक कहां से कहां तक माना जाए ?
- विपाशा, इरावती, शतद्रु के तटवर्त्ती प्रदेश, जहां होलाष्टक में शुभकृत्य निषिद्ध हैं, कौन–कौन से हैं ?
- ग्रहप्रवेश में क्या शनिवार ग्राह्य है ?
- कुछ दृक्पक्षीय पंचांगों के तिथ्यादि काल में अन्तर क्यों होता है ?
- 'मार्त्तण्ड पंचांग' गत सूर्योदय काल और Computer से ज्ञात सूर्योदयकाल में $1\frac{1}{2}$ मिनट का अन्तर क्यों ?
- 'कल्याण' मासिक पत्र द्वारा प्रकाशित तिथ्यादिकाल और दृक्पक्षीय तिथ्यादि–काल में इतना भारी अन्तर क्यों ?
- क्या शनि मंगल की 1, 4, 7, 8, 12 भावों में युति से मांगलिकदोष समाप्त हो जाता है ?
- 'भवनभास्कर' कर्त्ता मध्याह्न में शिलान्यास का निषेध करता है, लेकिन मार्त्तण्ड पंचांग अभिजित् में इसे शुद्ध लिखता है, ऐसा क्यों ?
- त्रिबलशुद्धि का विचार जन्मराशि से किया जाए या नामराशि से ?
- कालसर्प योग का निर्णय राशिकुण्डली से किया जाए या भावकुण्डली से ?
- सत्यनारायण व्रत क्या केवल पूर्णिमा को ही किया जाता है ?
- मंगल कई बार एकही राशि में 6–7 मास तक विचरण करता है, ऐसा क्यों ?
- कईबार दो वर्ष तक गुरु शत्रुराशिगत रहता है। ऐसी स्थिति में गुरुशुद्धि के अभाव में क्या कन्याओं का विवाह दो वर्ष तक नहीं होगा ?
- क्या जन्मांग से जातक के लिंग एवं योनि का निर्णय सम्भव है ?
- क्या जन्मांग से जातक का जीवित या मृत होना जाना जा सकता है ?
- अंशात्मक साम्पातिक काल और परमक्रान्ति कैसे ज्ञात करें ?
- भारत के विभिन्न प्रदेशों में अगस्त्य तारे की उदयास्त तारीखें ?।

समस्या–पञ्चाङ्ग शुद्धि एवं लग्नशुद्धि मिलजाने पर क्या कलशचक्रशुद्धि के बिना गृहप्रवेश और वृषवास्तुचक्रशुद्धि के बिना शिलान्यास किया जा सकता है ?

वैद्य श्री पूरणदत्त शर्मा
मु. पो. धरोट (सोलन)हि.प्र.

समाधान– मुहूर्त्तशास्त्र के अनुसार यह सम्भव नहीं है। लेकिन, यह ध्यान देने योग्य है, कलशचक्रशुद्धि और वृषवास्तुचक्रशुद्धि का विचार करने पर क्रमशः गृहप्रवेश और गृहारम्भ के मुहूर्त्त अत्यन्त विरल हो जाते हैं (कई बार तो वर्ष में ये मुहूर्त्त दो–दो, तीन–तीन ही रह जाते हैं), जिससे ज्योतिषी लोग विवश होकर इन चक्रों की शुद्धि के बिना ही गृहप्रवेश और गृहारम्भ के मुहूर्त्त निकाल लेते हैं।

समस्या– प्रदोषव्यापिनी कार्त्ति. अमा में लक्ष्मीपूजन का विधान है, कईबार कार्तिक अमा सूर्यास्त के बाद कुछ ही मिनट तक विद्यमान रहती है, ऐसी स्थिति में क्या लक्ष्मीपूजन प्रदोष के उन्हीं मिनटों में सम्पन्न हो जाना चाहिए ?

श्री कृष्णगोपाल गोस्वामी,
सैक्टर 27 A, चण्डीगढ़।

समाधान– दीपावली को भले ही अमा सूर्यास्त के बाद एक ही मिनट तक व्याप्त हो, शास्त्रानुसार उसे पूरे प्रदोषकाल में (सूर्यास्त के अनन्तर तीन मुहूर्त्त तक) व्याप्त माना जाता है, अतः इस स्थिति में भी पूरा प्रदोषकाल लक्ष्मीपूजन के लिए विहित है।

समस्या–यदि हम नेप्च्यून, प्लूटो को विंशोत्तरी दशाक्रम में सम्मिलित करना चाहें तो 27 नक्षत्रों में किन–किन नक्षत्रों पर इनका स्वामित्व माना जाएगा।

श्री विकास ठाकुर,
म.नं. 1400, सेक्टर 13, कुरुक्षेत्र।

समाधान– विंशोत्तरीदशाक्रम भारतीय ज्योतिषानुसार सूर्यादि नवग्रहों से ही सम्बद्ध है। इसे 12 ग्रहों में विभाजित करनेपर पूरी विंशोत्तरीदशा–व्यवस्था बिगड़ जाएगी, जिससे यह प्रश्न भी जनसामान्य दैवज्ञ से पूछ सकता है कि, नवग्रहों में विभाजित विंशोत्तरीदशा, अन्तर्दशा आदि का फलादेश, जिसे वे (दैवज्ञ लोग) शताब्दियों से प्रामाणिक मान जातक के भविष्य का निर्णय करते रहे हैं, क्या भ्रान्तिपूर्ण था ? इन नवज्ञात ग्रहों को प्राचीन भारतीयफलादेश–प्रणाली में समाविष्ट करने के अन्य अनेक आपत्तिजनक परिणाम उपस्थित होते हैं, यह जान लेना चाहिए।

समस्या– किसी व्यक्ति की आयु (आयु के वर्षों) का निर्णय क्या 360 दिनों का वर्ष मान कर किया जाए या 365 दिनों का वर्ष मान कर ?

श्री एम. अच्छूवी सिंह,
P.O. *इम्फाल (मणिपुर)*

समाधान– जातक की आयु के वर्षों का निर्णय सौर वर्षों के अनुसार किया जाता है। जातक के जन्मकालिक सूर्यभोगांश जितनी बार आवृत्त होते हैं (अथवा यूं कहिए जातक के जन्म के बाद जितने सौर वर्ष सम्पन्न होते हैं) जातक की आयु के उतने ही वर्ष व्यतीत माने जाते हैं। सूर्य को क्रान्तिवृत्त (अपने भ्रमणवृत्त) के उसी बिन्दु (राश्यादि) पर एक पूरा भ्रमण कर पुनः पहुंचने में सावनमानानुसार 365 दिन 6 घं. 9 मि. लगते हैं। जातक की आयु के वर्ष का मान यही है।

समस्या– कौनसा स्वस्तिक चिह्न शुद्ध (शुभ) माना जाए, वामावर्त्त (anti-clockwise) भुजाओं वाला (卍 ऐसा) या दक्षिणावर्त्त (clockwise) (卐 ऐसा) ?

पं. गौरी शंकर मिश्र,
मु. सिमथला, P.O. जामुना (अलीगढ़)।

समाधान– दक्षिणावर्त्त भुजाओं वाला (卐) स्वस्तिक ही शुभ माना जाता है, यह गणेश का प्रतीक है। Adol Hitler ने इसी स्वस्तिक को Nazi germany का Emblem बनाया था।

समस्या– कई एक ज्योतिषी विवाहलग्नपत्रिका में कन्यादान के लिए लग्नराशि का ही निर्देश करते हैं। मेरे विचार से वहां उन्हें कन्यादानार्थ शुभनवांश का काल लिखना चाहिए। ऐसा निर्देश न करने पर सम्भव है, कन्यादान कुनवांश के काल में हो जाए, जो शुभफलप्रद नहीं होगा। आप का इस सम्बन्ध में क्या विचार है ?

शास्त्री कृपानन्द शर्मा,
ग्राम. हामणी, P.O. ढयावला (सोलन) (H.P.)।

समाधान– पंचांगों में दिए गए विवाहमुहूर्त्तों में शुद्ध लग्न की राशि ही दी रहती है। तदन्तर्गत शुभाशुभ नवांशों का विचार वहां भी नहीं किया

होता। यदि लग्न शुद्ध है तो शास्त्रकारों ने गुरु–शुक्र–बुध के सप्तमहीन केन्द्र एवं त्रिकोण में स्थित होने पर कुनवांश के दोष को नगण्य माना है। पुनरपि यदि वहां कन्यादान वर्गोत्तम या अन्य शुभ नवांश में किया जाए तो परिणाम अधिक शुभप्रद होगा– यह तो स्पष्ट ही है।

समस्या– (i) होलाष्टक का प्रारम्भ फाल्गु. शुक्ल अष्टमी के प्रारम्भ से तथा समाप्ति फाल्गु. पूर्णिमा की समाप्ति पर माना जाए अथवा उदयकालिक अष्टमी से प्रारम्भ और उदयकालिक पूर्णिमा पर समाप्ति ?

(ii) मंगलकार्यों में विपाशा, इरावती और शतद्रु नदियों के तटवर्त्ती प्रदेशों में होलाष्टक का समय मंगलकृत्यों में त्याज्य माना है। ये प्रदेश भारत के किन–किन राज्यों में कहां–कहां पड़ते हैं ?

(iii) गृहप्रवेश के लिए कुछ मुहूर्तकारों ने शनिवार को त्याज्य और कुछेक ने ग्राहय बताया है, कौन सा मत मान्य है ?

श्री इन्दरमल चौधरी,
सादड़ी (राजसमन्द) (राजस्थान)।

समाधान–(i) 'होलाष्टक' शब्द तो स्पष्ट करता है, इस अवधि में आठ तिथियां (अष्टमी से पूर्णिमा तक) समाविष्ट हैं। लेकिन यहां उदय–व्यापिनी अष्टमी से उदयव्यापिनी पूर्णिमा तक के सावन दिनों को ही होलाष्टक के रूप में शुभकृत्यों के लिए वर्जित करने की परम्परा है।

(ii) विपाशा (व्यास), इरावती (रावी), शतद्रु (सतलुज) नदियों के तटवर्ती प्रदेश पंजाब एवं हि. प्र. हैं– यह तो स्पष्ट ही है।

(iii) गृहप्रवेश के लिए शनिवार को कुछेक मुहुर्त्तकारों ने ग्राह्य एवं अग्राह्य– दोनों रूप में माना है। वसिष्ठ का मत है कि शनिवार को गृहप्रवेश के लिए स्वीकार किया जा सकता है, क्योंकि यह वार स्थिरता देने वाला है, लेकिन यह चोरभय का कारण भी है–

"सूर्यसूनु–दिवसे स्थिरप्रदं किन्तु चौरभयमत्र विद्याते।" – (वसिष्ठ)

अन्य अधिकतर मुहूर्त्तशास्त्रियों ने तो गृहप्रवेश में केवल रवि और मंगलवार को ही वर्ज्य लिखा है। श्रीपति का वचन है–

"रिक्तातिथिर्भूसुत–भानुवारौ निन्द्याश्च योगाः परिवर्जनीयाः।"(श्रीपति)

समस्या–(i) आपका कथन है कि तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण, चन्द्रमा, भद्रा आदि का भा.स्टैं.टा. में दिया गया समय भारत में सर्वत्र समान होता है। परन्तु एक राजस्थानी पंचांग में, जो केतकी चित्रापक्षीय गणित से निर्मित है, घंटा–मिनिटात्मक समय (भा.स्टैं.टा.) लिखा रहता है। वह 'मार्त्तण्ड पंचांग' में लिखे घण्टा–मिनटात्मक समय (भा.स्टैं.टा.) से मेल नहीं खाता। जबकि सूक्ष्मदृश्य गणित और केतकी चित्रापक्षीय गणित में कोई अन्तर नहीं माना जाता, फिर यह अन्तर क्यों ?

(ii) 'मार्त्तण्ड पंचांग' 2054 में तैयार सूर्योदय और कम्प्यूटर द्वारा जन्मकुण्डली बनाते समय आने वाले सूर्योदय में $1\frac{1}{2}$ मि. का अन्तर आता है। ऐसा क्यों ?

(iii) गीताप्रेस गोरखपुर के 'कल्याण' में 'व्रतोत्सव पर्व' शीर्षक से तिथि, नक्षत्रादि का समय दिया जाता है, परन्तु यह समय घं. मिनटात्मक होते हुए भी 'मार्तण्ड पंचांग' के घं. मि. से नहीं मिलता, जबकि भा. स्टैं. टा. तो समान होना चाहिए।

(iv) 'फलित सूत्र' के अनुसार शनि, मंगल के दोष को समाप्त कर देता है। क्या शनि मंगल की युति होने पर (1, 4, 7, 8, 12 भावों में) शनि मंगल के दोष को समाप्त कर देगा ? यदि आप इसे प्रबल मंगली मानेंगे तो क्या शास्त्रीय सिद्धान्त की अवहेलना नहीं होगी ?

(v) 'भवन भास्कर' पुस्तक गीताप्रेस से प्रकाशित पृष्ठांक 29 पर लिखा है, 'मध्याह्न तथा मध्यरात्रि में शिलान्यास करने से कर्ता और धन का नाश होता है। जबकि 'मार्त्तण्ड पंचांग' व अन्य पंचांगकार मध्याह्न (अभिजित्) में शिलान्यास मुहूर्त्त देते हैं । कृपया यथार्थता से अवगत करावें।

श्री प्रभुलाल शास्त्री,M.A.,
महाराजा उम्मेद मिल्ज़,
पाली (राज.)।

समाधान– केतकी चित्रापक्षीय गणित का आधार **'केतकी ग्रहगणितम्:'** पुस्तक है। इसके रचयिता श्री वेंकटेश बापू केतकर ने वेधसिद्ध दृक्तुल्य गणित के सूत्रों के आधार पर इस पुस्तक की रचना की। इसकी रचना में उन्होंने छोटे–मोटे कुछ संस्कारों की उपेक्षा की है। हमारा पंचांग दृक्तुल्य लगभग सभी छोटे–मोटे ग्रहगणितीय संस्कारों को स्वीकार कर प्रस्तुत किए गए सूक्ष्मातिसूक्ष्म Computer Program पर आधारित है। राजस्थानीय पंचांग की गणित से हमारे पंचांग की गणित में अन्तर का यही कारण है।

(ii) 'मार्त्तण्डपंचांग' 2054 वि. में दिया गया ' सूर्योदयास्त काल' किरणवक्रीभवनरहित है, जब कि जन्मपत्रगणित की लगभग सभी प्रचलित Softwares द्वारा किरणवक्रीभवनसंस्कृत सूर्योदयास्त ही दिया जाता है। ध्यान रहे– किरणवक्रीभवनसंस्कृत सूर्योदयास्त काल लग्नादि साधन के लिए निरुपयोगी है।

(iii) गीताप्रेस गोरखपुर द्वारा प्रकाशित तिथ्यादि पंचांग सूर्यसिद्धान्तीय है, यह दृक्तुल्य नहीं है। दृक्तुल्य और सूर्यसिद्धान्तीय प्रणाली से साधित तिथ्यादि काल में अनेकत्र असह्य अन्तर रहता है।

(iv) शनि–मंगल की 1, 4, 7, 8, 12 भावों में युति मंगल दोष को दूर कर देती है, यह मत प्रामाणिक मूल जातक एवं संहिता ग्रन्थों के प्रतिकूल है। सप्तम भाव में मंगल आदि क्रूरग्रह दाम्पत्य जीवन के लिए अशुभ माने गए हैं। अतः इस भाव में यदि मंगल के साथ शनि भी स्थित हो तो यह भाव और भी अधिक दूषित होगा– यह फलितशास्त्रीय तर्क है। सभी फलितशास्त्री एकवचसा इसके समर्थक हैं। इसके विपरीत मत रखने वाले 'फलितसूत्र' कार अन्य सभी जातक–मुहूर्त्त–संहिताकारों के प्रति उत्तरदायी हैं।

(v) मध्याह्न और मध्यरात्रि के मध्यवर्ती केवल 10–10 पल ही मुहूर्त्त कारों ने दूषित माने हैं, इनके शेषभाग नहीं।

समस्या– (i) त्रिबलशुद्धि का विचार वर–कन्या की जन्मराशियों के अनुसार करना चाहिए या उनकी नामराशियों के अनुसार ?

(ii) कालसर्पयोग का निर्धारण राशिकुण्डली के अनुसार किया जाए या भाव कुण्डली के अनुसार ?

श्री आर. पी. उपाध्याय,
कोलकाता।

समाधान– (i) यदि दोनों की जन्मराशियां ज्ञात हों तो उनके अनुसार त्रिबलशुद्धि का निर्णय करना चाहिए। यदि दोनों में से एक की ही जन्मराशि ज्ञात हो तो दोनों की नामराशियों के अनुसार ही त्रिबलशुद्धि का निर्णय करना चाहिए। इसके लिए एक की जन्मराशि और दूसरे की नाम राशि का प्रयोग करना सर्वथा निषिद्ध है।

(ii) इस योग का निर्धारण राहु-केतु और अन्यग्रहों के भोगांशों के आधार पर करना चाहिए। राहु और केतु के भोगांशों के बीच इधर या उधर एक ही ओर यदि शेष सात ग्रहों के भोगांश पड़ते हों तो कालसर्प योग बनता है। **ध्यान रहे– इस योग की चर्चा प्रामाणिक फलितग्रन्थों में उपलब्ध नहीं है।**

समस्या(i) हम देखते हैं–श्री सत्यनारायण व्रत पूर्णिमा के दिन किया जाता है। लेकिन अनेकत्र अमावस्या और गंगादशहरा वाले दिन भी यह व्रत रखने की परम्परा देखने को मिली है। ऐसा क्यों ?

(ii) मंगल लगभग दो मास में एक राशि भोगता है। सन् 2003 ई. में यह ग्रह जून से 5 दिसम्बर तक कुम्भ में ही रहा। इसका क्या कारण है ?

स. महेन्द्र सिंह,
618/F, विश्वासनगर,
शाहदरा, दिल्ली–32।

समाधान (i) सत्य नारायण का व्रत किसी भी तिथि को किया जा सकता है, यह पुराण वचन है–

यस्मिन् कस्मिन् दिने मर्त्यो भक्तिश्रद्धासमन्वितः।
सत्यनारायणं देवं यजेच्चैव निशामुखे।।

लेकिन परम्परया इसे पूर्णिमा के दिन ही अधिकतर लोग करते हैं।

(ii) मंगल मध्यमगति से दो मास में एकराशिभोग करता है। स्पष्ट गति से यह एक राशि को इससे न्यूनाधिक काल में भी भोगता है। वक्रता की स्थिति में यह 30 अंशों को लांघने में 6–7 मास भी लगा देता है।

समस्या– 27 अगस्त, 2004 ई. को गुरु कन्याराशि में आएगा जोकि शत्रुक्षेत्री होगा। इसके बाद वह 26 सितं., 2005 ई. को तुला में प्रविष्ट होगा, पुनः वह शत्रुक्षेत्री होगा। 27 अक्तू. 2006 ई. को वह वृश्चिक में जाएगा। इसप्रकार गुरु 26 मास तक शत्रुक्षेत्री रहेगा। इस स्थिति में त्रिबलशुद्धि के प्रसंग में गुरुबल के नितान्त अभाव अथवा गूं कहिए अत्यन्त दोषकारक गुरु के कारण अनेक कन्याओं का विवाह क्या इन 26 मासों में अनिष्टफलप्रद नहीं होगा ?

श्री आनन्द स्वरूप,
सत्यब्राह्मण, बदायूं (उ.प्र.)

समाधान–यौवनशालिनी कन्या का विवाह गुरु की ऐसी दोषपूर्ण गोचर स्थिति में भी किया जा सकता है। मुहूर्तशास्त्रकार इसकी अनुमति देते हैं–

"रजस्वलायां कन्यायां गुरुशुद्धिं न चिन्तयेत्"– *(बृहस्पति)*

ऐसी स्थिति में दोषनिवृत्त्यर्थ गुरु की त्रिगुण पूजन करने का शास्त्रनिर्देश है।

समस्या– (i) अमुक जन्मांग लड़का, लड़की, पशु, पक्षी में से किसका है– क्या यह जान पाना सम्भव है ?

(ii) यह जन्माङ्ग मृत व्यक्ति का है या जीवित का– क्या यह भी जाना जा सकता है ?

(iii) लग्न एवं दशम के साधक त्रिकोणमितीय सूत्रों में अंशात्मक साम्पातिक काल और परमक्रान्ति कोण का प्रयोग किया जाता है। साम्पातिक काल को अंशों में कैसे बदलें और परमक्रान्तिकोण कहां से उपलब्ध करें ? कृपया स्पष्ट करें।

श्री नरेन्द्रप्रतापसिंह गौर (आचार्य),
7/ 312, शारदानगर, लखनऊ (उ.प्र.)।

समाधान– (i) जन्माङ्ग देखकर जातक के लिंग (स्त्री एवं पुरुष) एवं उसकी योनि (पशुयोनि, पक्षियोनि आदि) का निर्धारण कतई सम्भव नहीं है, क्योंकि लिंगभेद एवं योनिभेद से जन्म के क्षण विभाजित नहीं है। काल के ये क्षण केवल स्त्री के , ये क्षण केवल पुरुष के, ये क्षण केवल पशुओं के और ये क्षण केवल पक्षियों के जन्म के लिए निश्चित किए गए हैं– ऐसी कोई व्यवस्था प्रकृति ने नहीं बनाई है। कोई भी प्राणी वह किसी भी लिंग, जाति, योनि का क्यों न हो, किसी भी क्षण में जन्मग्रहण के लिए स्वतन्त्र है। प्रत्यक्ष में भी हम यह देखते हैं। **वराहमिहिर** ने **बृहज्जातक** के वियोनिजन्माध्याय में पशु,पक्षी और वृक्षों की जन्मकालिक ग्रहस्थितियों का जो विवरण दिया है– वह तनिक भी तर्कसंगत नहीं है।

(ii) जातक की परम आयु का निर्धारण करने वाली जैमिनि, सत्याचार्य, यवन, वराह, केशव, श्रीपति आदि की लम्बी गणितप्रक्रियाओं के परिणाम परस्पर विसंवादी प्राप्त होते हैं। किसी दो में भी ऐकमत्य नहीं है। विभिन्न जातक ग्रन्थों में निर्दिष्ट विभिन्न ग्रहयोगों पर आधारित जातक की वयोऽवधि के निर्णयों में भी एकरूपता नहीं मिलती। इस प्रकार स्पष्ट है– अमुक जन्माङ्ग या जन्मपत्र वाला जातक जीवत है या नहीं– यह निर्णय कोई नहीं कर सकता।

(iii) साम्पातिक काल के मिनटों को चार से भाग देने पर अंशात्मक साम्पातिक काल बन जाता है, क्योंकि साम्पातिककाल विषुवद्वृत्त का कालात्मक चाप है।

विषुवद्वृत एवं क्रान्तिवृत्त के संयोग (कटाव) से उत्पन्न कोण ही परमक्रान्तिकोण है। यह सूर्य की परमक्रान्ति ही तो है। लगभग 21 जून और 22 दिसं. को सूर्य की यह परमक्रान्ति पंचांग के दैनिक स्पष्टग्रह वाले पृष्ठों पर देखी जा सकती है। यह आजकल 23 अं. 26 क. है। यह परमक्रान्ति प्रतिवर्ष कुछ–कुछ (अत्यन्त अल्प मात्रा में) घटती जा रही है।

समस्या– दूर्वाव्रत, जो सामान्यतः भाद्र. शुक्ल अष्टमी को किया जाता है, अगस्त्य तारा के उदय (दृश्य) होने पर नहीं किया जा सकता। आप "सन्दिग्ध व्रतपर्व व्यवस्था" स्तम्भ में अक्सर लिखा करते हैं कि इस समय अगस्त्य तारा अमुक अमुक प्रदेश में अस्त और अमुक अमुक प्रदेश में उदित है। भारत के विभिन्न प्रदेशों में इस (अगस्त्य) तारे के उदय–अस्त की तारीखें कृपया लिखने का कष्ट करें।

पं. चक्रधर भट्ट, शास्त्री,
म. नं. 1240, कैथमाजरी,
अम्बाला शहर (हरि.)।

समाधान– भारत के विभिन्न अक्षांशीय स्थलों पर अगस्त्य तारे के अस्त, उदय की तारीखें अगले पृष्ठ पर दिए गए कोष्टक से आप जान सकते हैं–

अगस्त्य तारा की अस्तोदय तारीखें

अक्षांश उत्तर	अस्तकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	अस्तकालिक तारीख	उदयकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	उदयकालिक तारीख	अक्षांश उत्तर	अस्तकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	अस्तकालिक तारीख	उदयकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	उदयकालिक तारीख
8	1 17 56	3 जून	3 06 04	23 जुला.	23	0 23 49	9 मई	4 00 11	17 अग.
9	1 16 28	1 जून	3 07 32	25 जुला.	24	0 21 50	7 मई	4 02 10	20 अग.
10	1 15 08	31 मई	3 08 52	26 जुला.	25	0 19 51	5 मई	4 04 09	22 अग.
11	1 13 44	29 मई	3 10 16	28 जुला.	26	0 17 51	3 मई	4 06 10	24 अग.
12	1 12 15	28 मई	3 11 45	29 जुला.	27	0 15 38	30 अप्रै.	4 08 22	26 अग.
13	1 10 44	26 मई	3 13 16	31 जुला.	28	0 13 29	28 अप्रै.	4 10 32	28 अग.
14	1 09 13	25 मई	3 14 47	1 अग.	29	0 11 13	26 अप्रै.	4 12 47	30 अग.
15	1 07 35	23 मई	3 16 25	3 अग.	30	0 08 55	23 अप्रै.	4 15 04	2 सितं.
16	1 06 06	22 मई	3 17 54	4 अग.	31	0 06 31	21 अप्रै.	4 17 29	4 सितं.
17	1 04 31	20 मई	3 19 29	6 अग.	32	0 04 04	19 अप्रै.	4 19 56	7 सितं.
18	1 02 46	18 मई	3 21 14	8 अग.	33	0 01 25	16 अप्रै.	4 22 35	10 सितं.
19	1 01 04	16 मई	3 22 56	10 अग.	34	11 28 43	13 अप्रै.	4 25 16	12 सितं.
20	0 29 20	14 मई	3 24 40	12 अग.	35	11 26 01	10 अप्रै.	4 27 58	15 सितं.
21	0 27 18	12 मई	3 26 43	14 अग.	36	11 23 04	7 अप्रै.	5 00 56	18 सितं.
22	0 25 45	11 मई	3 28 15	15 अग.	37	11 20 05	4 अप्रै.	5 03 55	21 सितं.

इस कोष्ठक में प्रत्येक भारतीय अक्षांश के आगे अगस्त्य तारा के अस्त कालिक और उदय कालिक स्पष्ट सूर्य (निरयण) तथा अंग्रेज़ी तारीख दी गई है। जैसे बीकानेर का अक्षांश (उत्तर) 28 अंश है। 28 अंश अक्षांश के आगे इस कोष्ठक में अस्तकालिक स्पष्टसूर्य 0रा. 13अं. 29क. और अस्तकालिक तारीख 28 अप्रैल लिखी है। इसका अर्थ है कि बीकानेर में अगस्त्य तारा उस दिन अस्त होगा जिसदिन निरयण स्पष्टसूर्य 0रा. 13अं. 29क. होगा और इस दिन लगभग 28 अप्रैल तारीख पड़ती है। अतः स्पष्ट है कि बीकानेर में अगस्त्य तारा 28 अप्रै. को अस्त हो जाता है। इसी प्रकार इसी अक्षांश के आगे कोष्ठक में उदयकालिक स्पष्टसूर्य 4रा. 10अं. 32क. और 28 अगस्त लिखा है। इसका अभिप्राय है कि बीकानेर में अगस्त्य तारा तब उदय होगा जब स्पष्ट सूर्य 4रा. 10अं. 32क. होगा। इस दिन तारीख 28 अगस्त होगी।

प्रसूति-लग्न विचार

मेष- जन्म समय मेष लग्न हो, तो माता का पूर्व या पश्चिम में सिर,उपसूतिका दो या ..., प्रसव में माता को कष्ट अधिक, पाद से प्रसव, भूमि में घर के पूर्व भाग में जन्म हुआ, बालक ...मोपरान्त दीर्घ शब्द से रोया। माता ने लाल एवं मीठा भोजन किया था। वस्त्र लाल मलिन थे। ११।१६।४४।५८ वर्षों में बालक कष्ट पावे, इन वर्षों के प्रारम्भ में तुलादान, गोदान, मृत्युञ्जय जप ...ना श्रेष्ठ है। इन वर्षों से बचे, तो १०० वर्ष जीवे।

वृष-माता का दक्षिण में सिर, उपसूतिका ३ या ४ जन्मोपरान्त दो और आईं, जन्मते बालक दीर्घ शब्द से रोया,गौरवर्ण, अधोमुख, पाद से प्रसव, घर से पूर्व में सूतिका स्थान, श्वेत ...च्छ वस्त्र, जन्म से पहले माता ने शुष्क शाकादि भोजन किया। १।२८।३३।४४।६१ वर्षों में ...लक कष्ट पावे। इन वर्षों के प्रारम्भ में रुद्रमृत्युञ्जय का जाप और ब्राह्मणभोजन करवाना श्रेष्ठ है। ...दि इन वर्षों से बचे तो ९० वर्ष जीवे।

मिथुन-माता का सिर पश्चिम में, उपसूतिका ३या ५ ,माता का हरा या जीर्ण वस्त्र, ...र से प्रसव,मुख ऊपर को , जन्मते ही दीर्घ शब्द किया, नाल छूटा था , घर के आग्नेय भाग में ...न्म, माता ने पहले लवणयुक्त विचित्राल्प भोजन किया , दूध कम उतरे । ४।१०।२४।३८।५८ वर्षों ... बालक कष्ट पावे, इन वर्षों के आरम्भ में शिवार्चन और मृत्युञ्जय का जप करवायें । यदि इन वर्षों ... बचे तो ८६ वर्ष जीवे ।

कर्क- माता का उत्तर में सिर, उपसूतिका ५ या ४ , बालक जन्मते ही छींका , नाल ...टा, भूमि पर जन्म , घर के दक्षिण भाग में प्रसवस्थान , माता के वस्त्र श्वेत व लाल , माता ने प्रसव ... पहले मधुर व शीतल भोजन किया था, दीपक उठाया गया , बालक के वामांग में लहसन आदि का ...ह्न , देर से रोया, ५।२५।४०।५८।६२ इन वर्षों में बालक कष्ट पावे । इनसे बचे तो १०० वर्ष जीवे ... कष्टकारक वर्षो के प्रवेश के समय तुलादान ,छायादान और मृतसञ्जीवनी मन्त्र का जाप करवाना ...ल्याणप्रद है ।

सिंह- माता का पश्चिम या पूर्व में सिर , मलिन या लाल वस्त्र, शुष्क कसैला या खट्टा ...ोजन किया था, जन्म समय स्त्री ३, पीछे से १ आई, दीपक स्थिर रहा, बालक जन्मते ही तुरन्त रोया ... घर के दक्षिण भाग में प्रसवस्थान , ५।१३।२८।३६।४८ इन वर्षों में बालक कष्ट पावे । इनसे बचे ...ो ६७वर्ष जीवे । कष्टकारक वर्षों के प्रवेश होते ही श्री सूर्यनारायण के मन्त्र का जाप या आदित्यहृदय ...का पाठ और मीठा भोजन करावे तो कल्याण रहेगा ।

कन्या- माता का दक्षिण में सिर , रक्त जीर्ण वस्त्र, मिष्टान्न बासी-चीज या बड़े आदि ...का भोजन,जन्म समय स्त्री ३या ५, दीपक हाथ में उठाया गया ,बालक ने जन्मते ही अर्द्ध शब्द ...किया,घर के नैर्ऋत्य कोण में सूतिका-स्थान , ४।१६।२३।३६।५५ वर्ष कष्टकारक है । यदि इन वर्षो ...से बचे तो १०० वर्ष जीवे ।

तुला -माता का सिर पश्चिम या पूर्व को , श्वेत जीर्ण वस्त्र , भुना हुआ अन्न , ठंडा जल , या कोइ मामूली चीज क्रो...क खाई थी। जन्म समय स्त्री ३या ६, वहां १कन्या भी हो , दीपक उठाया गया,बालक जन्म ...य कुछ ठहर कर अर्धशब्द करके रोया , घर के पश्चिम भाग में सूतिका स्थान , ८।१५।३१।३५।६२।६४ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में नवग्रह का दान , हवन, जप करवाना श्रेष्ठ है । यदि इन वर्षों से बचे तो ७५ वर्ष जीवे ।

वृश्चिक-माता का दक्षिण या उत्तर में सिर , रक्त या दग्ध वस्त्र , कष्ट अधिक,अमधुर मामूली क्रोधपूर्वक भोजन , जन्म समय स्त्री २ या ३, पीछे से भी दो आई , दीपक स्वस्थान में टिका रहा, बालक जन्मोत्तर देरी से रोया। छींक भी किया, दीर्घकेश, घर के पश्चिम भाग में प्रसवस्थान, ११।२८।३८।५२।६२ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में मृत्युञ्जय जप और तुलादान कराना श्रेष्ठ है । यदि इन वर्षों से बचे तो १०० वर्ष जीवे ।

धनु-माता का सिर पश्चिम या पूर्व को , पीत या रक्त वस्त्र, पक्वान्नादि भोजन, जन्म समय स्त्री १या ५,दीपक हाथ में उठाया गया, बालक जन्मोत्तर तत्काल दीर्घ शब्द से रोया और छींक भी किया, घर के वायव्य कोण में सूतिका स्थान २,१०,१८,३१,३८,४२,६७, इन वर्षो के आरम्भ में शिवार्चन, महामृत्युञ्जय जप , ब्राह्मण भोजन श्रेष्ठ है , यदि इन वर्षो से बचे तो ८१ वर्ष जीवे।

मकर-माता का सिर पूर्व दक्षिण में ऊपर काला वा जीर्ण कमजोर वस्त्र, गुड़, दुग्ध, कसैला भोजन, ठण्डा जलपान किया था। जन्म समय स्त्रियाँ माईं, पीछे से एक आई । दीपक हाथ में उठाया गया। बालक जन्मोत्तर अर्धशब्द से रोया और छींक भी किया, घर के उत्तर भाग में पुराना सूतिकास्थान, ५।१३।२७।३६।५७।६३।८७ इन कष्ट कारक वर्षों से बचे, तो ९५ वर्ष जीवे।

कुम्भ-माता का सिर पश्चिम को, जीर्ण, धूम्रवर्ण वा कुरूप वस्त्र, मधुर शीत शाकादि कु...जन, कष्ट अधिक, जन्म समय पास स्त्रियां ४, दो स्त्री पीछे से आई। उनमें एक स्त्री गर्भिणी भी हो। दीपक स्वस्थान में टिका रहा, बालक जन्मोत्तर अर्द्ध शब्द से रोया, वामांग में कोई चिह्न भी हो, घर के उत्तर भाग में सूतिका-गृह, २।२८।३३।४८।६४ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में तुलादान, गोदान, मृत्युञ्जय जप हितकारक है, इन वर्षों से बचे तो ९० वर्ष जीवे।

मीन-माता को सिर उत्तर में, पीत या मलीन वस्त्र, विचित्र अल्प भोजन, जन्म समय स्त्री २ या ५, दीपक हाथ में उठाया व जलाया गया था, बालक जन्मोत्तर देरी से रोया, घर के ईशान में सूतिका-स्थान, १।८।१३।३६।४८ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में ग्रह-शान्ति हवन मृतसञ्जीवनी मन्त्र का जप कराना श्रेष्ठ है, यदि इन वर्षों से बचे तो ८३ वर्ष जीवे। स्मरण रहे, अधिकांश जिस लग्न के लक्षण मिले-वहीं बालक का जन्मलग्न जानना, क्योंकि यह साधारण लग्न के फल बलाबल के कारण सभी नहीं मिल सकते।

पितृपरोक्ष ज्ञान- (१) जन्म लग्न को चन्द्रमा न देखे,(२) बुध-शुक्र के मध्य में चन्द्रमा हो,(३)लग्न में शनैश्चर चन्द्रमा से अदृष्ट हो,(४)भौम सप्तम, चन्द्रमा लग्न को न देखता हो -इन चारों योगों में से एक भी योग में उत्पन्न हुए बालक का पिता के परोक्ष में जन्म कहना।

जन्म कुण्डली में दिशा ज्ञान- प्रथम भाव पूर्व, द्वितीय,तृतीय ईशान। चतुर्थ-उत्तर। पञ्चम-षष्ठ-वायव्य। सप्तम-पश्चिम। अष्टम, नवम-नैर्ऋत्य। दशम-दक्षिण। एकादश तथा द्वादश भाव को आग्नेय समझना।

अगस्त्य तारा की अस्तोदय तारीखें

अक्षांश उत्तर	अस्तकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	अस्तकालिक तारीख	उदयकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	उदयकालिक तारीख	अक्षांश उत्तर	अस्तकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	अस्तकालिक तारीख	उदयकालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क.	उदयकालिक तारीख
8	1 17 56	3 जून	3 06 04	23 जुला.	23	0 23 49	9 मई	4 00 11	17 अग.
9	1 16 28	1 जून	3 07 32	25 जुला.	24	0 21 50	7 मई	4 02 10	20 अग.
10	1 15 08	31 मई	3 08 52	26 जुला.	25	0 19 51	5 मई	4 04 09	22 अग.
11	1 13 44	29 मई	3 10 16	28 जुला.	26	0 17 51	3 मई	4 06 10	24 अग.
12	1 12 15	28 मई	3 11 45	29 जुला.	27	0 15 38	30 अप्रै.	4 08 22	26 अग.
13	1 10 44	26 मई	3 13 16	31 जुला.	28	0 13 29	28 अप्रै.	4 10 32	28 अग.
14	1 09 13	25 मई	3 14 47	1 अग.	29	0 11 13	26 अप्रै.	4 12 47	30 अग.
15	1 07 35	23 मई	3 16 25	3 अग.	30	0 08 55	23 अप्रै.	4 15 04	2 सितं.
16	1 06 06	22 मई	3 17 54	4 अग.	31	0 06 31	21 अप्रै.	4 17 29	4 सितं.
17	1 04 31	20 मई	3 19 29	6 अग.	32	0 04 04	19 अप्रै.	4 19 56	7 सितं.
18	1 02 46	18 मई	3 21 14	8 अग.	33	0 01 25	16 अप्रै.	4 22 35	10 सितं.
19	1 01 04	16 मई	3 22 56	10 अग.	34	11 28 43	13 अप्रै.	4 25 16	12 सितं.
20	0 29 20	14 मई	3 24 40	12 अग.	35	11 26 01	10 अप्रै.	4 27 58	15 सितं.
21	0 27 18	12 मई	3 26 43	14 अग.	36	11 23 04	7 अप्रै.	5 00 56	18 सितं.
22	0 25 45	11 मई	3 28 15	15 अग.	37	11 20 05	4 अप्रै.	5 03 55	21 सितं.

इस कोष्ठक में प्रत्येक भारतीय अक्षांश के आगे अगस्त्य तारा के अस्त कालिक और उदय कालिक स्पष्ट सूर्य (निरयण) तथा अंग्रेज़ी तारीख दी गई है। जैसे बीकानेर का अक्षांश (उत्तर) 28 अंश है। 28 अंश अक्षांश के आगे इस कोष्ठक में अस्तकालिक स्पष्टसूर्य 0 रा. 13 अं. 29 क. और अस्तकालिक तारीख 28 अप्रैल लिखी है। इसका अर्थ है कि बीकानेर में अगस्त्य तारा उस दिन अस्त होगा जिसदिन निरयण स्पष्टसूर्य 0 रा. 13 अं. 29 क. होगा और इस दिन लगभग 28 अप्रैल तारीख पड़ती है। अतः स्पष्ट है कि बीकानेर में अगस्त्य तारा 28 अप्रै. को अस्त हो जाता है। इसी प्रकार इसी अक्षांश के आगे कोष्ठक में उदयकालिक स्पष्टसूर्य 4 रा. 10 अं. 32 क. और 28 अगस्त लिखा है। इसका अभिप्राय है कि बीकानेर में अगस्त्य तारा तब उदय होगा जब स्पष्ट सूर्य 4 रा. 10 अं. 32 क. होगा। इस दिन तारीख 28 अगस्त होगी।

प्रसूति-लग्न विचार

मेष- जन्म समय मेष लग्न हो, तो माता का पूर्व या पश्चिम में सिर,उपसूतिका दो या तीन, प्रसव में माता को कष्ट अधिक, पाद से प्रसव, भूमि में घर के पूर्व भाग में जन्म हुआ, बालक जन्मोपरान्त दीर्घ शब्द से रोया। माता ने लाल एवं मीठा भोजन किया था। वस्त्र लाल मलिन थे। ४।११।१६।४४।५८ वर्षों में बालक कष्ट पावे, इन वर्षों के प्रारम्भ में तुलादान, गोदान, मृत्युञ्जय जप कराना श्रेष्ठ है। इन वर्षों से बचे, तो १०० वर्ष जीवे।

वृष-माता का दक्षिण में सिर, उपसूतिका ३ या ४ जन्मोपरान्त दो और आईं, जन्मते ही बालक दीर्घ शब्द से रोया,गौरवर्ण, अधोमुख, पाद से प्रसव, घर से पूर्व में सूतिका स्थान, श्वेत स्वच्छ वस्त्र, जन्म से पहले माता ने शुष्क शाकादि भोजन किया। १।२८।३३।४४।६१ वर्षों में बालक कष्ट पावे। इन वर्षों के प्रारम्भ में रुद्रमृत्युञ्जय का जाप और ब्राह्मणभोजन करवाना श्रेष्ठ है। यदि इन वर्षों से बचे तो ९० वर्ष जीवे।

मिथुन-माता का सिर पश्चिम में, उपसूतिका ३या ५ ,माता का हरा या जीर्ण वस्त्र, शिर से प्रसव,मुख ऊपर को , जन्मते ही दीर्घ शब्द किया, नाल छूटा था , घर के आग्नेय भाग में जन्म, माता ने पहले लवणयुक्त विचित्राल्प भोजन किया , दूध कम उतरे । ४।१०।१४।३८।५८ वर्षो में बालक कष्ट पावे, इन वर्षों के आरम्भ में शिवार्चन और मृत्युञ्जय का जप करवायें । यदि इन वर्षो से बचे तो ८६ वर्ष जीवे ।

कर्क- माता का उत्तर में सिर, उपसूतिका ५ या ४ , बालक जन्मते ही छींका , नाल छुटा, भूमि पर जन्म , घर के दक्षिण भाग में प्रसवस्थान , माता के वस्त्र श्वेत व लाल , माता ने प्रसव के पहले मधुर व शीतल भोजन किया था, दीपक उठाया गया , बालक के वामांग में लहसन आदि का चिह्न , देर से रोया, ५।२५।४०।५८।६२ इन वर्षों में बालक कष्ट पावे । इनसे बचे तो १०० वर्ष जीवे । कष्टकारक वर्षों कें प्रवेश के समय तुलादान ,छायादान और मृतसञ्जीवनी मन्त्र का जाप करवाना कल्याणप्रद है ।

सिंह- माता का पश्चिम या पूर्व में सिर , मलिन या लाल वस्त्र, शुष्क कसैला या खट्टा भोजन किया था, जन्म समय स्त्री ३, पीछे से १ आई, दीपक स्थिर रहा, बालक जन्मते ही तुरन्त रोया , घर के दक्षिण भाग में प्रसवस्थान , ५।१३।२८।३६।४८ इन वर्षों में बालक कष्ट पाये । इनसे बचे तो ६७वर्ष जीवे । कष्टकारक वर्षो के प्रवेश होते ही श्री सूर्यनारायण के मन्त्र का जाप या आदित्यहृदय का पाठ और मीठा भोजन करावे तो कल्याण रहेगा ।

कन्या- माता का दक्षिण में सिर , रक्त जीर्ण वस्त्र, मिष्टान्न बासी-चीज या बड़े आदि का भोजन,जन्म समय स्त्री ३या ५, दीपक हाथ में उठाया गया ,बालक ने जन्मते ही अर्द्ध शब्द किया,घर के नैर्ऋत्य कोण में सूतिका-स्थान , ४।१६।२३।३६।५५ वर्ष कष्टकारक है । यदि इन वर्षो से बचे तो १०० वर्ष जीवे ।

तुला -माता का सिर पश्चिम या पूर्व को , श्वेत जीर्ण वस्त्र , भुना हुआ अन्न , ठंडा जल , या कोइ मामूली चीज क्रोधपूर्वक खाई थी। जन्म समय स्त्री ३या ६, वहां १कन्या भी हो , दीपक उठाया गया,बालक जन्मोपरान्त कुछ ठहर कर अर्धशब्द करके रोया , घर के पश्चिम भाग में सूतिका स्थान , ८।१५।३१।३५।६२।६४ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में नवग्रह का दान , हवन, जप करवाना श्रेष्ठ है । यदि इन वर्षों से बचे तो ७५ वर्ष जीवे ।

वृश्चिक-माता का दक्षिण या उत्तर में सिर , रक्त या दग्ध वस्त्र , कष्ट अधिक,अमधुर मामूली क्रोधपूर्वक भोजन , जन्म समय स्त्री २ या ३, पीछे से भी दो आई , दीपक स्वस्थान में टिका रहा, बालक जन्मोत्तर देरी से रोया। छींक भी किया, दीर्घकेश, घर के पश्चिम भाग में प्रसवस्थान, ११।२८।३८।५२।६२ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में मृत्युञ्जय जप और तुलादान कराना श्रेष्ठ है । यदि इन वर्षों से बचे तो १०० वर्ष जीवे ।

धनु-माता का सिर पश्चिम या पूर्व को , पीत या रक्त वस्त्र, पक्वान्नादि भोजन, जन्म समय स्त्री १या ५,दीपक हाथ में उठाया गया, बालक जन्मोत्तर तत्काल दीर्घ शब्द से रोया और छींक भी किया, घर के वायव्य कोण में सूतिका स्थान २,१०,१८,३१,३८,४२,६७, इन वर्षो के आरम्भ में शिवार्चन, महामृत्युञ्जय जप , ब्राह्मण भोजन श्रेष्ठ है , यदि इन वर्षो से बचे तो ८१ वर्ष जीवे।

मकर-माता का सिर दक्षिण में ऊपर काला वा जीर्ण कमजोर वस्त्र, गुड़, दुग्ध, कसैला भोजन, ठण्डा जलपान किया था। जन्म समय स्त्रियाँ, पीछे से एक आई । दीपक हाथ में उठाया गया। बालक जन्मोत्तर अर्धशब्द से रोया और छींक भी किया, घर के उत्तर भाग में पुराना सूतिकास्थान, ५।१३।२७।३६।५७।६३।८७ इन कष्ट कारक वर्षों से बचे, तो ९५ वर्ष जीवे।

कुम्भ-माता का सिर पश्चिम को, जीर्ण, धूम्रवर्ण वा कुरूप वस्त्र, मधुर शीत शाकादि कु भोजन, कष्ट अधिक, जन्म समय पास स्त्रियां ४, दो स्त्री पीछे से आई। उनमें एक स्त्री गर्भिणी भी हो। दीपक स्वस्थान में टिका रहा, बालक जन्मोत्तर अर्द्ध शब्द से रोया, वामांग में कोई चिह्न भी हो, घर के उत्तर भाग में सूतिका-गृह, २।२८।३३।४८।६४ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में तुलादान, गोदान, मृत्युञ्जय जप हितकारक है, इन वर्षों से बचे तो ९० वर्ष जीवे।

मीन-माता को सिर उत्तर में, पीत या मलीन वस्त्र, विचित्र अल्प भोजन, जन्म समय स्त्री २ या ५, दीपक हाथ में उठाया व जलाया गया था, बालक जन्मोत्तर देरी से रोया, घर के ईशान में सूतिका-स्थान, १।८।१३।३६।४८ इन कष्टकारक वर्षों के प्रारम्भ में ग्रह-शान्ति हवन मृतसञ्जीवनी मन्त्र का जप कराना श्रेष्ठ है, यदि इन वर्षों से बचे तो ८३ वर्ष जीवे। स्मरण रहे, अधिकांश जिस लग्न के लक्षण मिले-वहीं बालक का जन्मलग्न जानना, क्योंकि यह साधारण लग्न के फल बलाबल के कारण सभी नहीं मिल सकते।

पितृपरोक्ष ज्ञान- (१) जन्म लग्न को चन्द्रमा न देखे,(२) बुध-शुक्र के मध्य में चन्द्रमा हो,(३)लग्न में शनैश्चर चन्द्रमा से अदृष्ट हो,(४)भौम सप्तम, चन्द्रमा लग्न को न देखता हो -इन चारों योगों में से एक भी योग में उत्पन्न हुए बालक का पिता के परोक्ष में जन्म कहना।

जन्म कुण्डली में दिशा ज्ञान- प्रथम भाव पूर्व, द्वितीय,तृतीय ईशान। चतुर्थ-उत्तर। पञ्चम-षष्ठ-वायव्य। सप्तम-पश्चिम। अष्टम, नवम-नैर्ऋत्य। दशम-दक्षिण। एकादश तथा द्वादश भाव को आग्नेय समझना।

प्रसूति स्थान से पाकशालादि विचार

जन्म कुण्डली में सूर्य मंगल जिस दिशा में हो, वहाँ अग्नि स्थान (पाकगृह) जानना, इसी तरह चन्द्रमा से जलस्थान, बुध से भण्डार, गुरु से धनस्थान, शुक्र से देवस्थान और शनि से अशुभ मैला स्थान जानना चाहिए। दोहा- लग्ननाथ जो केन्द्र में तीन दिशा को द्वार। वा लग्न दिशि जानिए कहत बुद्धि आगार॥ केन्द्र (१।४।७।१०) स्थान में एक से अधिक ग्रह हो तो उनमें जो बली (स्वराशिमित्रोच्च व मूल त्रिकोण राशि का) केन्द्र स्थान में स्वमित्र शुभ के नवांश में स्थित ग्रह हो उसकी दिशा में वा-लग्न पति की दिशा में सूतिकागृह का द्वार होता है। ग्रहों की दिशा-सूर्य की पूर्व, चन्द्र की वायव्य, भौम की दक्षिण, बुध की उत्तर, गुरु की ईशान, शुक्र की आग्नेय, शनैश्चर की पश्चिम, राहु केतु की नैर्ऋत्य।

चन्द्रात्तैल-ज्ञानम्-चन्द्रमा से दीप के तैल को ज्ञान होता है, जैसे रात्रि का जन्म है और जन्मकाल पर चन्द्रमा के कम अंश व्यतीत हुए हैं, तो दीपक में तैल ज्यादा कहना। यदि चन्द्रमा आधी राशि भोग कर चुका हो, तो दीपक में आधा तैल कहना। यदि चन्द्रमा शीघ्र ही दूसरी राशि पर बदलने वाला हो तो बहुत ही कम तैल कहना। सो० तनुस्थान शशि जाई, वा शशि षष्ठे भवन में, शिशु जन्म तब आई, तब कही दीपक तैल नहीं। सित-शनि दशमें धाम, पंचम तनुपै चन्द्रमा, शिशु जन्म में तव वाम, दीपक तैल सौं युक्त कहि।

लग्नाद्दीपवर्ति-ज्ञानम्-जन्म लग्न के कम अंश हो तो बड़ी बत्ती कहना, अधिक अंश हो तो छोटी कहें।

चन्द्रलग्नांतर्गतैर्ग्रहैः स्युरुपसूतिकाः- यदि लग्न की निर्बलता के कारण लग्न फलानुसार उपसूतिका का पूरा पता न लगे तो जन्म काल में लग्न से चन्द्र पर्यन्त जितने ग्रह हों उतनी ही उपसूतिका कहना। परन्तु जब कोई ग्रह चन्द्रमा के साथ हो तो उसके अंश देखें। यदि उसके अंश चन्द्रमा से कम हो तो उसकी गणना करे अन्यथा उसे नहीं जोड़ें। इस प्रकार जो ग्रह लग्न में हो और उसके अंश लग्न से अधिक हों तब ही उसकी संख्या जोड़े अन्यथा नहीं जोड़ें। लग्नचन्द्रांतर्गत कोई ग्रह वक्र या उच्च का हो तो तीन गुणा करना और स्वराशि, स्वनवमांश, स्वद्रेष्काण में हो तो द्विगुण करना, इसी प्रकार जितने ग्रह नीचे राशि के अस्त होवें उनका आधा करके उपसूतिका में जोड़ने से ठीक उपसूतिका स्त्रियों की संख्या का ज्ञान होगा। इसमें भी विशेष यह ध्यान में रखने योग्य है, कि वह लग्न चन्द्रांतर्गत ग्रह लग्न के भोगांश से सप्तम भाव पर्यन्त होवे तो सूतिकागृह से बाहर समीप में, और सप्तम भाव से लग्न के भुग्तांश पर्यन्त हों तो सूतिका के समीप में अन्दर जानना। उन ग्रहों में जो शुभ ग्रह वहाँ, धर्मशील सौभाग्यवती स्त्रियां कहना, अशुभ ग्रहों से विधवा दुश्चरित्रा कहें।

शय्या-शिर व पाद विचार

"लग्नदिशि शय्या शिरस्त्रिषट्क्रान्त्येषु पादाः।" लग्न की दिशा की तरफ पलंग का सिराहना कहना, अर्थात् १।२ लग्न में पूर्व, ३ में अग्निकोण, ४।५ में दक्षिण, ६ में नैर्ऋत्य, ७।८ में पश्चिम, ९ में वायव्यकोण, १०।११ में उत्तर और १२ लग्न में ईशान कोण की तरफ जानना। तीसरा, छठा, नौवां, बारहवां, स्थान पाये जानना। इन स्थानों में से जिन स्थानों में पाप ग्रह हों वहाँ सूतिका के पलंग का पावा फटा टूटा समझना।

दो०-मीन-मिथुन-सिंह-तुला, मेष होय तत्काल। अन्तरिक्ष भयो बालक, शेषे भूमि विशाल।।

अथ चिह्नज्ञानम्-दोहा-षट्त्रिकोण वा लग्न रवि बुध भाषे धरि ध्यान। वामें कुछ लहसन अहै गर्गवचन परमाण॥ भानू तथा सौरी तनथन कुंज कण्टक चन्द। बालक के षट् अंगुली भाषत कविकुलवृन्द। तनु स्थान में शुक्र हो अष्टम जावे राह। वाम कर्ण वा मस्तके अवश चिह्न दरशाह॥ सुहृद भाव में कवि तव भौम वा सौरी लग्न। वाम पाद के चिह्न को भाषत ज्योतिषमग्न॥ नौमें पांचे भृगु बसे तनु वा चौथे मन्द। मृत्यु जावे बुध गुरु उदरे चिह्न भणंद।''

प्रसवकष्ट दूर--प्रसव काल से पहले शुक्लपक्ष के चतुर्दशी को प्रातः सूर्योदय से पहले सहदेवी या अपामार्ग (पुठकंडा) की जड़ें लाकर घृतयुक्त गुगुल की धूनी देकर कटि में बांधे और साथ ही "ओंमुक्ताः आशा विपाशाश्च मुक्ताः सूर्येण रश्मयः। मुक्ताः सर्वभयाद् गर्भमेहि माचिर-माचिर-स्वाहा॥" इस मंत्र से सात बार शुद्ध जल अभिमन्त्रित करके गर्भिणी स्त्री को पिलावे तो सुख से हो शीघ्र प्रसव होगा। अगर तीस का यंत्र भी अनार की कलम से कांसे की थाली में लिख धोकर पिला देवें तो गर्भिणी को कोई भय न होके बच्चा बिना कष्ट पैदा होवे। स्मरण रहे कि पहले उपरोक्त मंत्र तथा तन्त्र ग्रहण के समय या दीपमाला की रात्रि को मन्त्र का जाप करके तथा यन्त्र को लिखकर सिद्ध कर लेवें, तव कष्ट को मिटाता है।

बालक के लिए अरिष्ट

दो०:- द्यूनाष्टमतनु पाप खग, बरहै शशि जो खीन। कण्टक शुभ खगना बसै, वेगि ताहि यमलीन। बसै चन्द्र द्वादसे अष्ट भवन दो पाप। एक मास में शिशु मरे मातु पिता संताप॥ लग्नाष्टम शशि राहुयुत जन्म समय जो पाप। एक मास में शिशु मरे मातु पिता संताप। लग्नाष्टम शशि राहुयुत जन्म समय जो पाव। बालक दशवासर जिये कहत बुद्धि गुण भाव॥''

अथ काणयोग--तनु धन व्ययपतियुक्त भृगु आई बसे त्रिकधाम। वा शशि धन कवि पाप युत, ताहि नेत्र बेकाम। सार्कशुक्र तनुनाथयुक्त भवन बसै त्रिक जाय। जन्म अन्ध यह योग है भाषत बुध समुदाय॥ तात पात भ्राता तनय [illegible] त्रियघर नाथ॥ चन्द्र भौम जो द्वादशे वाम नैन की हान॥ भानु राहु दहे नयन, बुधजन कहत बखान॥''

मूकयोग-"पञ्चमेश गुरु युक्त त्रिक मूक बाल तब होय। जौन भौमपतियुक्त गुरु त्रिकहि मूक कहि सोय॥ शुक्र त्रिके गुरु सिंह अज दशम भानु कुज वास। मूक होय संशय नहीं बुधजन करत प्रकाश।''

दुःखदयोग -रिपु मृत्यु द्वादश गेह में पाप युक्त लग्नेश। जन्म समय जाके परे ताको अंग कलेश॥ पाप युक्त तनु भवन में रिपु मृत्युप के ईश। यथा जोग जाके परे तनु मुख विश्वाबीस॥ पापग्रहयुत लग्न पति परै लग्न में आय। वीर्यहीन नर होय तो अधिक व्याधि रुजताय॥

बन्धनयोग- क्रूर रहै धन नवम व्यय, और पञ्चम आगार। सो नर सूर कसूर करि निवसै कारागार॥

सर्पवेष्टितयोग- यदि अष्टमेश लग्न में राहु सहित हो तो बालक सर्पवेष्टित अर्थात् सर्प जैसे नाल से वेष्टित होता है।

यमल जन्मयोग- चतुष्पद राशि (मेष, वृष, सिंह, मकर का पूर्वार्द्ध और धन के उत्तरार्द्ध) की [illegible]

बच्चों का इकट्ठा जन्म कहना। अथवा आधान लग्न (गर्भ वाले दिन का लग्न) का स्वामी लग्न में हो तो यमल का जन्म होता है।

माता बच्चे को त्याग दे- शनि मंगल से ५।७।९ स्थान मे चन्द्रमा हो तो माता बालक को त्याग दे, यदि गुरु देखता हो तो त्याग देने पर भी दीर्घायु हो।

मृत्यु-समय-विचार-- जिन अरिष्ट योगों में मरण काल नहीं कहा गया, उन अरिष्ट योगकारक ग्रहों में जो ग्रह बली हो, वह जन्मकाल में जिस राशि में स्थित हो उस राशि में जब चन्द्रमा आता है तब मृत्यु कहना। अथवा-जन्मकाल में जिस राशि में चन्द्रमा स्थित हो जब फिर उसी राशि में चन्द्रमा आता है, तब मरण कहना। अथवा चन्द्रमा जब लग्न राशि में आता है, तब मरण कहना। अथवा वर्ष के भीतर जब जिस योगयुक्त स्थान में जाकर चन्द्रमा बली हो और पापग्रहों द्वारा देखा जाता हो, तब मरण कहना चाहिए। किन्तु जब तक आयु का विचार न हो सके तब तक अन्य विचार करना निरर्थक है, इसलिए आयु का प्रथम विचार करे, फिर मृत्यु कहें।

सुखदयोगाः-अंगधीश निज लग्न में बुध गुरु कवि के संग। या केन्द्र गृह दो परे तो जानो सुख संग॥ जन्म लग्न में उच्च ग्रह जो कण्ड के होय। मित्र दृष्टि ता पर परे सबसुखी नर होय॥

क्लीब (नपुंसक) योगाः- दशम भवन भृगु मन्द दोउ क्लीब योग तब जान। शुक्र भवन से रिष्फ षट मन्द बसे किल भानु॥

श्वेतकुष्ठयोगाः--लग्नप बुध कुज शशि युते राहुयुक्त या केतु। श्वेतकुष्ठ को योग यह वरणत गुणी सचेतु॥ भौम भास्कर मन्दयुक्त रक्तकृष्ण कह कुष्ठ। लग्नाधिप रविसाथ त्रिक तापगण्ड अति रुष्ट॥ अल्लजगंडयुत चन्द जो ग्रन्थिगंड कुज साथ। पित्त रोग तब जानियो बुध त्रिकयुत तनु नाथ॥ अंगसंग गुरुयुक्त त्रिक क्षयी रोग भगसून। यमतम शिखि वा युक्त त्रिक, दिन प्रति रुज्जि कहि दून॥

केमद्रुमः-आगे पीछे चन्द्र के जो ना परै ग्रह कोय। केमद्रुम यह योग है सब धन डारे खोय॥ उच्च चन्द्र शुभयुक्त दृग केन्द्रधाम में होय। तब केमद्रुम शुभ कहे दोष न मानो कोय॥

स्त्रीजातक

क्रूरलग्नयुक्त क्रूर जो, स्वामी दृष्टि नहीं होय। सो कन्या कुल गरल है, भूलि न व्याहेउ कोय॥ जाके कुज दशमे बसे ऋणी होय पति तासु। लग्न राहु शनि सातवें पति जीवे नहीं जासु। क्रूर युक्त लग्नेश जो पापग्रहों के बीच सो कन्या व्यभिचारिणी बुधवर कहै कुज नीच। राहु शुक्र जो लग्न में कन्या को पति और। पाप दृष्टि शनि सातवें कन्या वास कुठौर। लग्न बीच शनि कुज तमसि निर्धन स्वेच्छाचारि। सप्तम कुज राण्ड कहै पति को तजि तमारि। छटे आठवें चन्द्र जो क्रूर पर निज अङ्ग। भौम आठवे भवन में सो पति करै है भंग॥ राहु सातवें लग्न कुज कंटक शुभ सो हीन। ताको पति जीवित रहे वर्ष दो या तीन॥ द्वादशाष्ट कुज क्रूरयुत राहु बसै त्रिकधाम। राण्ड होय कुछ दिवस में कहत गणक गुणग्राम॥ पापग्रहों के बीच में लग्न होय वा चन्द। सो त्रिय नासे कुलो दुबो भाषत कविकुल वृन्द॥ सप्तम भृगु जाके बसै सो कुल दोषी नारि। रूपवती तनु भृग बसै बुधजन कहत विचारि॥

वैधव्य-विषकन्यायोगाः-चौ.- रविवार द्वितीया जो होय श्लेषा ताहि दिन में जोय॥ १॥ कृत्तिका होय शनिश्चर वार साते तिथि को करो विचार॥२॥ होय शतभिषा मंगलवार कहो द्वादशी तिथि निर्धार॥ ३॥ इन योगन में कन्या होय निश्चय विधवा जाने सोय॥ ४॥ जन्मलग्न द्वै शुभग्रह होय एक पाप ग्रह नभ १० में जोय॥ ५॥ शत्रु क्षेत्र में द्वै ग्रह मानो ता कन्या को विधवा जानो॥ ६॥ अश्लेषा द्वितीया को होय मंदवार युत लीजो जोय॥ ७॥ परे शतभिषा मंगलवार साते तिथि लीजो निर्धार॥ ८॥ रविवार द्वादशी जो होय नक्षत्र विसाखा जानो होय॥ ९॥ ऐसो योग लखो जो परै तो कन्या को विधवा करै॥ १०॥ दो० धर्म सदन में भूमिसुत जन्म सदन शनि जान। सूर्य होत सुत सदन में कन्या विधवा मान॥ ११॥

वैधव्य- विषकन्याभंगयोगः-जन्मलग्न या चन्द्र ते शुभग्रह सप्तम होय। अथवा सप्तम लग्नपति सुभगा कन्या होय॥

काकवन्ध्यादियोगः- ज्ञे अष्टमे काकबन्ध्या। मन्दाकावष्टमे बन्ध्या अष्टमे जीवे वा शुक्रे नष्टगर्भा वा मृतापत्या॥

स्त्रीणां राजयोगः--चौपाई- केन्द्रधाम नभगा शुभ होई नरतनु पाय कलत्र समोई। रानी होय बहुत धन ताके मन प्रसन्न होई है सुत वाके-चन्द्रज तुग बसे तनु जाई लाभ धन गुरु आवे धाई। सो तिय होय नृपति की नारी जन विख्यात होय सुकुमारी। जो षडवर्ग शुद्ध गुरु होई शशि दृग केन्द्र भवन में होई॥ ऐसे योग जन्म सुकुमारी रानी होय सदन धनभारी॥ दोहा.... कर्क चन्द्रमा सातवें जीव दृष्टि परिपूर। पुत्र पौत्र धन भूरि युत ताको पति नृप शूर॥ लाभ भवन सित चन्द्र जो सोमज सप्तम भौम। सुरगुर परिपूर्ण लखे रानी होई है तौन॥

स्त्रीणां पुत्रभावविचारः--पञ्चमं शुभदृष्टे च पञ्चमाधिपतावपि। केन्द्रकोणे तदा नारी बहुपुत्रवती भवेत्"॥

अशुभ प्रसव भासः-कार्तिक में स्त्री, भाद्रपद में गौ, मार्गशीर्ष में हथनी, श्रावण में गधी व घोड़ी, माघ में भैंस, ज्येष्ठ में बिल्ली, बैसाख में ऊँटनी, पौष में बकरी, चैत में कुतिया के बच्चे जन्में तो ६ मास में पिता व घरवाले की मृत्यु अथवा महाभय होता है। माघ में बुधवार को भैंस, श्रावण में दिन में घोड़ी प्रसूति हो तो महाभय शीघ्र होवे। स्मरण रहें कि यहां सर्वत्र सौरमास ग्रहण है, प्रसूता गौ आदि का तत्क्षण दानकर व्याहृति मन्त्रों से घृतयुक्त श्वेत सरसों का हवन करें, बच्चा जन्में तो कार्तिक शान्ति करने से शुभ है।

त्रिखलजन्म फलः-यदि तीन कन्याओं के पश्चात् पुत्रोत्पत्ति हो अथवा तीन पुत्रों के पश्चात् कन्या का जन्म हो तो त्रिखल नामक दोष के कारण कन्या माता को, लड़का पिता को भय, धनहानि आदि कष्टप्रद होते हैं, कृपणता छोड़कर त्रिखल शांति करें तो शुभ होता है। तीन अन्न, तीन वस्त्र, तीन धातु(सोना, चांदी, तांबा) दान करें।

बालक की दन्तोत्पत्ति का फल

बालक के जन्मते ही दांत निकले हो तो माता-पिता को अरिष्ट, ऊपर की पक्ति में दांत से युक्त जन्म ले तो अधिक अरिष्ट, प्रथम ऊपर की पंक्ति में दांत निकले तो मातृपक्ष को भय हो, मामा शान्ति करे। पहले मास में दांत निकले तो शरीर नष्ट, द्वितीय में छोटा भ्राता नष्ट, तृतीय में भगिनी नष्ट, चतुर्थ में भाई नष्ट, पांचवे में ज्येष्ठबन्धु नष्ट, छठे में बहुभोग, सातवें में पितृ सुख, आठवें में पुष्टि, ९वें में धनी, १०वें में सुख, ११वें में सुख, १२वे में धनी।

अथैकनक्षत्रजनन-फल:--वृद्ध गर्ग कहते हैं, कि- यदि भ्राताओं वा पिता - पुत्र, माता वा कन्या का एक नक्षत्र हो तो दोनों की अथवा एक की अवश्य मृत्यु होती है। स्वर्णदान से कल्याण होता है।

जन्म-कुण्डली से विशेष विचार

लघु-भ्राता का जन्म समय जानना-(१) जन्म लग्न स्पष्ट में दशम भाव का स्पष्ट जोड़ें, जो राशि हो उस पर जब गोचर में गुरु ग्रह आवे तो भाई या बहन का जन्म होता है।

(२) तृतीयेश, तृतीयस्थग्रह की दशा में छोटे भ्राता का जन्म होता है, यदि भ्रात-प्रतिबन्धक योग न हो तो।

भ्राता के कष्ट (खतरे) का समय जानना-(१)जन्म लग्न के स्पष्ट में से तृतीयेश के स्पष्ट को घटावें, शेष राश्यादि का जो नक्षत्र हो उस नक्षत्र पर जब गोचर में शनि आता है तब भाई या बहन को कष्ट होता है।

(२)लग्नेश स्पष्ट में से तृतीयेश स्पष्ट घटावें, शेष में दशमेश स्पष्ट और मंगल-स्पष्ट घटावें - शेष राशि में जब गोचर का शनि आता है तब भ्रातृकष्ट होता है।

(४)लग्नेश, तृतीयेश, दशमेश,भौम, इन चारों स्पष्टों को जोड़कर जो राश्यादि हो उसके नवांश राशि में जब गोचर का शनि होता है उस काल में भ्रातृ-कष्ट होता है।

(५)लग्नेश,तृतीयेश, दशमेश ओर भौम को जोड़कर जो राश्यादि हो उसके द्रेष्काण राशि में जब गोचर का गुरु होता है, तब भ्रातृकष्ट जानिये।

माता की मृत्यु का समय जानना-(१)जन्म के सूर्य में से चन्द्रस्पष्ट को घटावे शेष की राशि में या त्रिकोण राशि में या उस शेष राशि के नवांश राशि में जब गोचर का शनि या गुरु होगा तब माता की मृत्यु का समय जानना।

अथ कन्याजन्मनि मूलचक्रम्

शीर्षे	[illegible]	कण्ठे	हृदये	बाह्वो	हस्ते	गुह्ये	जंघा	जान्वो	पादे	स्थानम्
४	६	५	५	५	४	९	४	४	१०	घटी
पशुना.	धनना.	[illegible]तला.	कुटिला	धनला.	दयावती	कामिनी	मातृना.	भ्रातृना	वैधव्य	फलम

कन्याजन्मनि नक्षत्रफलम्

जन्म नक्षत्र	मूल (१।२।३ च.)	आश्लेषा (२।३।४ च.)	ज्येष्ठा	विशाखा (४च.)
फलम्	ससुरहानि	सास नाश	ज्येष्ठनाश	देवरनाश

सुतः सुता वा म्रियते श्वशुरं हन्ति मूलजः। तदन्त्यपादजो नैव तथाश्लेषाद्यपादजः।

तिथिगण्डान्त-पूर्णा तिथियों के अन्त की ७ घड़ी, नन्दा तिथियों की शुरू की दो-दो घड़ी तिथि गण्डान्त होता है। यह गण्डान्त जन्म, यात्रा, विवाह में भयप्रद होता है।

अथ गण्डमूलनक्षत्राणि

अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती

उपरोक्त ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं, इन नक्षत्रों में उत्पन्न होने वाला बालक, माता, पिता, कुल और अपने शरीर का नाश करने वाला होता है। यदि अपना शरीर नष्ट होने से बच जाए, तो धन तथा घोड़ों का स्वामी होता है।

गण्डमूल में उत्पन्न पुत्र का ६ मास अथवा २७ दिन तक पिता को दर्शन नहीं करना चाहिए, तत्पश्चात शान्ति करके विधि से मुख देखना कल्याणप्रद है।

मूल और आश्लेषा नक्षत्र के चरण जन्मफल

मूल पाद	फल	आश्लेषा पाद	फल
१	पितृनाश	४	पितृनाश
२	मातृनाश	३	मातृनाश
३	धननाश	२	धननाश
४	शान्ति से मुख	१	शान्ति से सुख

मूलजनने वृक्षविभाग फलम्

मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा	विभाग
७	८	१०	११	१२	५	४	३	घटी
मूल नाश	वंश नाश	मातृ क्लेश	मातुल नाश	मन्त्री पद	मन्त्री पद	विपुल लाभ	अल्प जीवन	फल

अथ मूल पुरुष चक्रम्

मूर्ध्नि	मुख	स्कन्धे	बाह्वोः	हस्ते	हृदये	नाभौ	गुह्ये	जान्वोः	पाद	स्थान
५	७	४	८	४	९	२	१०	६	६	घटी
राजा	पि.मृ.	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	मतिमा.	मतिमा.	फलम.

अथ मूलनिवासचक्रम्

जन्ममासानुसारेण	वै. ज्ये. मार्ग. फा.	चैत्र. श्रा. का. पौ.	आषा. आ. माघ. भा.
जन्मलग्नानुसारेण	२।५।८।११	३।६।९।१२	१।४।७।१०
मूलनिवासस्थानम्	पाताले	भूमौ	स्वर्गे
फलम्	शुभम्	कुलनाशः	शुभम्

मूल का निवास मास व लग्नानुसार दोनों प्रकार से भूमि पर आवे तो महाभयप्रद होता है, एक प्रकार से स्वल्पभय होता है। तृतीया,दशमी,षष्ठी शनिभौमसमन्विता। शुक्ला चतुर्दशी मूले जातः संहरते कुलम्॥ यत्र गण्डे क्रूरयुते महादोषकरो भवेत्। शुभग्रहसमायोगे ईषच्छुभकरं भवेत्॥ दिनक्षये व्यतीपाते व्याघाते विष्टिवैधृतौ। शूले गंडातिगंडे च परिघे यमघण्टके॥ ब्रह्मदण्डे मृत्युयोगे प्राप्ते गंडदिने शिशुः। जातो हन्ति कुलं सर्वं तस्मात् कुर्वीत शान्तिकम्।यथा सर्पविषं चैव मन्त्रश्रवणाद्विलीयते। तथैव गंडदोषोऽपि विधानेन विलीयते॥ रवैः शतौषधीमूलैः सप्तमृद्भिः प्रपूर्यते। शतच्छिद्रं घटं तस्मान्निःसृतेन जलेन हि।बालकस्यापि ततूस्नाने विप्रैः सम्पादिते सति। जपहोमप्रदानेन कृते स्यान्मंगलं ध्रुवम्।विरुद्धावयवे मूले विधिरेव स्मृतो बुधैः। मुनीनां वचनं सत्यं मन्तव्यं क्षेममीप्सुभिः॥

अथाभुक्तमूलविचार :- ज्येष्ठा नक्षत्र की अन्तिम चार घटी, किसी के मत से एक घटी एवं मूल नक्षत्र की आदि की चार घटी विशेष आधी, अभुक्तमूल कहलाता है। इस

समय में जो बच्चा जन्म ले उसका परित्याग कर दें या आठ वर्ष, असमर्थ हों तो ६ मास अथवा २७ दिन तक पिता मुख न देखे। धनगंडे दरिद्रोऽपि शांतिं कुर्यात्स्वशक्तितः। अन्यथा नाशमाप्नोति चाभुक्तर्क्षे विशेषतः॥

गण्डमूलोत्पन्न बालक का जन्मकाल फल

दिन में	रात्रि में	सन्ध्या	प्रातः	समय
मू. पू. पिता को भय	मू. मू. माता को भय	१ अधि. शरीर को भय	पशु- हानि	फल

अथ पुरुष जन्मकुण्डल्यां भावस्थ-ग्रह फलानि

भाव	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
तनु १	अंगपीड़ा	कान्तिसुख	रक्तकोप	सुखी	विद्वान्	सुखी	दुखी	रोगी	सकाम
धन २	धननाश	सम्पत्तिवान्	ऋणी	धनी, गुणी	धनागम	धनी	धनहानि	निर्धन	खल
सहज ३	नीरोगी	कीर्तिमान्	विक्रमी	अरिमर्दन	पापी	पापी	पराक्रमी	विक्रमी	शूर
सुहृत् ४	दुखी	सुखभोगी	दुःखी	सुखी	सुखी	सुखी	दुखी	मातृहा	दुःखी
सुत ५	सुतहानि	धनी, पुत्रवान्	पुत्रहीन	अल्पपुत्र	प्रतापी	धीमान्	पुत्रहीन	कुमति	मूर्ख
शत्रु ६	शत्रुनाश	अल्पआयु	शत्रुनाश	रोगी	कामी	रोगी	शत्रुजित्	सबल	सबल
स्त्री ७	स्त्रीदुष्टा	सुभार्यावान्	स्त्रीनाश	धर्मज्ञ	सुभार्या	कामी	स्त्रीकुलटा	स्त्रीरोगी	स्त्रीहा
मृत्यु ८	अल्पायु	योगी	शरीरपी.	गुणी	नीचस्थ	नीच	नेत्ररोगी	रोगी	क्लेशयुक्त
धर्म ९	दुष्टमति	धर्मात्मा	पापरत	सुखी	धार्मिक	तपस्वी	दुष्टबुद्धि	दैन्ययुक्त	पापी
कर्म १०	शूर	तेजयुक्त	तेजस्वी	कीर्तिमान्	सम्पत्तिमान्	संपत्ति	पराक्रमी	मानी	पितृहीन
लाभ ११	धनी	धनी	धनी	धनी	सुलाभ	सुमति	धनवान्	सुख्यात	धनी
व्यय १२	दुष्टस्वभाव	कामी	पतितदार	दरिद्र	खल	रोगी	दुःखी	पतित	दुर्जन

अथ स्त्रीजन्मकुण्डल्यां भावस्थग्रहफलानि

भाव	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
तनु १	क्रोधिनी	गतायुः	विधवा	सौभाग्य	सती	ससुखा	बन्ध्या	पुत्रहीना	दुखिनी
धन २	दरिद्रा	बहुधन	बन्ध्या	धनाढ्य	धनाढ्या	सुभगा	दुःखिनी	दरिद्रा	दुःखार्ता
सहज ३	सुसुता	सुखिनी	विसहजा	पुत्रवती	सुसहजा	धनाढ्या	सुदक्षा	सवित्ता	रोगिणी
सुहृत् ४	सर्पीड़ा	दुर्भगा	दुःखार्ता	सुगृहा	सुखिनी	सुखिनी	हृद्रोगा	रोगार्त्ता	मातृहा
सुत ५	विपुत्रा	ससुखा	विपुत्रा	धीकीर्तियुत्ता	सगुणा	पुत्रवती	विपुत्रा	विपुत्रा	अपुत्रा
शत्रु ६	सुखिनी	सरोगा	अरोगा	सकोपा	सापदा	दरिद्रा	गुणज्ञा	सधना	धनयुता
पति ७	दुःखार्ता	पतिप्रिया	विधवा	पतिव्रता	कीर्तियुता	पतिप्रिया	विधवा	दुःखिता	विधवा
मृत्यु ८	विधवा	रोगिणी	विधर्मा	कृतघ्ना	सरोगा	विसुखा	दुःखिनी	विधवा	दुःखिनी
धर्म ९	धर्मज्ञा	सुखिनी	दुःखिनी	सुभोगा	पुत्राढ्या	धर्मरता	बन्ध्या	बन्ध्या	शोकयुक्ता
कर्म १०	सुकर्मा	धर्मज्ञा	कुपुत्रा	सत्कर्मा	साध्वी	सधना	पापिनी	दुष्कर्मा	पापिनी
लाभ ११	सधना	गुणज्ञा	सुलाभा	पतिव्रता	सुपुत्रा	सुपुत्रा	सुलाभा	नीरोगा	सुभगा
व्यय १२	क्रोधिनी	हीनांगी	खला	कृशांगी	सुव्यया	सुव्यया	मूढा	दुष्टा	रोगिणी

अश्विनीजातस्य फलम्– अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्म हो तो पिता को भय, द्वितीय में सुखेश्वर्य, तृतीय में मंत्री तुल्य, चतुर्थ में नृपति समान होता है।

मघाफलम्–मघा के प्रथम चरण में जन्म हो तो माता या मातृपक्ष को हानि, दूसरे में पिता को भय, तीसरे में सुख, चतुर्थ चरण में धन विद्या लाभ होंगे।

ज्येष्ठापाद फलम्– प्रथम चरण में बड़े भाई को नेष्ट, द्वितीय में छोटे का नाश, तृतीय में माता का नाश, चतुर्थ में अपने बाप का नाश होता है। ज्येष्ठाद्यपादजी ज्येष्ठं हन्ति बालो न बालिका। न बालिका तु मूलर्क्षे मातरं पितरं तथा।

रेवतीपाद फलम्–रेवती के प्रथम चरण में जन्म हो तो नृप समान, दूसरे में मंत्री या मुख्तार, तीसरे में सुख सम्पत्तियुक्त, चतुर्थ चरण में अनेक कष्ट हों।

अथ मातृसुखनाश योगा :–(१)पापग्रह युक्त चन्द्रमा सातवें भाव में होवे,(२) चन्द्रमा से सातवें पायुक्त शुक्र हों, (३)पाप ग्रहों के बीच चन्द्रमा हो अथवा चन्द्रमा से चौथे सातवें पापग्रह हो,(४)तीसरे अथवा सातवें स्थान में सूर्य और लग्न में मंगल होवे,(५)चौथे भाव में शनि पापग्रहों से ही दृष्ट हो - इन पाचों में से एक भी योग मिले तो माता को भय हो, जप दान करना चाहिए ।

पितृनाश योगा - (१) सूर्य मंगल दसवें या नवम में गये हो(२) दशमेश रवि मंगल से युक्त हो,(३) शत्रु राशि का मंगल १०वें हो, (४)पापग्रह से युक्त सूर्य सातवें हो,इन चार योगों में से एक भी योग हो तो पिता को भय हो ।

भ्रातृनाश योगा:- भ्रातृ गृह को ईश जो भौम संगत्रिक होय। जाके ऐसे योग है भ्रातृहीन नर होय॥

सन्तानसुख नाशयोगा:- गुरु ते पञ्चम गेह पति, जाय परे त्रिक भाव। ऐसा योग जो लखि परे ताकि पुत्र अभाव । पुत्र धर्म अरु लग्नपति जाय परे, त्रिक धाम। जन्म समय या योग ते सदा पुत्र की हान।

रोगिणी स्त्रीयोग- शुक्र और सूर्य सप्तम, पंचम और नवम में हो तो उसकी स्त्री प्रायः रोगयुक्त रहती है ।

नीचयोगा:–सहज सप्तम धन सदन में क्रूर बसे खग आई। भवन पांचवें गुरु बसै नीच जाति मनसाई॥ सिंह लग्न जन्मे शिशु सप्तम शनि विकराल। म्लेच्छ होय कुछ दिवस में यदपि ब्रह्म को बाल। जिनके बुध भग राह सग सप्तम भाव विराज। लहे सर्वदा राजसुख होवे वेश्यावाज।

जारज योगा : –भानुचन्द्रतनु ना लखै लग्नप लखै न लग्न। सो शिशुहै पर पुरुष को भाषत ज्योतिषमग्न॥ रवि कुज गुरु तिथि अष्टमी चौथ चतुर्दशी सार। तीन उत्तर जन्म में तब शिशु कहो परार॥

गोचरग्रहाणां द्वादशभाव-फल बोध-चक्रम्

गृह	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्य:	स्थाननाः	भय	श्री:	मानभंग	दैन्य	विजय:	यात्रा	पीड़ा	सुकृ. ना.	सिद्धि:	धनलाभ	द्रव्यनाश
चन्द्र:	अलाभ,	धननाश	सुख	रोग	कार्यनाश	धनलाभे	स्त्रीलाभ	रोग:	धर्मलाभ	सौख्यं	धनलाभ	धननाश
भौम:	शत्रुभीति,	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	द्रव्यनाश	शत्रुभीति	शत्रुभय	शोक:	धनलाभ	धननाश
बुध:	बन्धनं	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुखं	स्थानलाभ	पीड़ा	धनला.	पीड़ा	सौख्यं	धनलाभ	धननाश
गुरु	भयं	धनलाभ	क्लेश	धननाश	सुखं	शोक	राजमान	पीड़ा	सौख्य	दैन्यं	धनलाभ	पीड़ा
शुक्र:	शत्रुनाश,	धनलाभ	सौख्यं	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक:	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दु:ख	धनलाभ	धनलाभ
शनि:	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश:	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	दौर्मनस्य	धनलाभ	धननाश
राहु:	हानि	धननाश	धनलाभ	वैर	शोक :	श्री:	कलह:	मृत्यु	दु:ख	वैर	सुखं	शोक
केतु:	रोग	वैर	सुख	भय	सुखं	धनलाभ	कलह:	रोग	पाप	शोक:	कीर्ति:	शत्रुभीति

अथग्रहाणामेक भोगफल-समयादि ज्ञानम्

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा. के	ग्रहा:
मा.१	दि. २।	मा१ ॥	मा. १	मा.१२	मा.१	मा.३०	मा.१८	एकार्थभोग
आदौ	अन्ते	आदौ	सदा	मध्ये	मध्ये	अन्ते	अन्ते	फलसमय:
भय.५	घ.३	दि.८	दि.७	मा.२	दि.७	मा.६	मा.३	गतव्यराशे:
								प्राक्फलम

अथ ग्रहतुष्ट्यर्थं धारणाय मणय:

सु.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
माणिक्यम्	मुक्ताफलम्	प्रवाल	पन्ना	पुष्पराग	हीरा	नीलम	गोमेदम	रौप्यम्
विद्रुमम्	रौप्यम्	विद्रुमम्	सुवर्णम्	मुक्ताफलम्	लोहम्	वैडूर्यम्	लाजवर्त:	लाजवर्त:

पूतना-ग्रसित लक्षण एवं शांति

बहुत मैले बिछौने पर अकेली जगह में छोटे बच्चे को सुला देने से पूतना नाम राक्षसी का उसमें प्रवेश होने से बच्चा बीमार हो जाता है । तब पूतना की बली निकालने से अच्छा होता है । जब कभी बच्चा बैठे बैठे गिर पड़े, या यों मालूम हो कि किसी के पीटने से गिरा है और मूर्छा आ गई है अथवा एकाएक कोई रोग हो गया है तब जानो, कि उसे महापूतना ने ग्रसा है । यदि कोई लाभादि के वश में आकर वनदेवता या नाकृदेवता का तिरस्कार कर दे तो उसके बालक में ऊर्ध्वपूतना प्रवेश कर लेती है । यदि कोई मनुष्य अपनी ऋतुस्नाता स्त्री का गमन करने के पश्चात् स्नान न करे या बिना ऋतु के संगम करके हाथ मुंह न धोवे और माता अपवित्र अवस्था में ही बालक के साथ सो जावे तो बालक्रांता नाम की राक्षसी का दोष होगा । बच्चे को इतर फुलेन और फूल माला पहिना कर बाहर जाने से रेवती ग्रही का दोष होता है । सिर खुले जूठे बाल को संध्या के समय सोने से भी रेवती का आवेश हो जाता है । संध्या के समय जमीन पर सोने से अथवा खेलने से बालक को पुष्प रेवती का दोष होता है । कदाचित् बालक खेलता खेलता गिर जाये अथवा उसे उल्टी हो या हाथ पांव नहीं धुले हों तब उसे शुष्क रेवती का आवेश होता है। जूठा खाने और देवता के स्थान पर मल मूत्र करने से शकुनी ग्रही बालक को पकड़ लेती है । जो नित्य कर्म संध्या बंदनादि नहीं करते या जो लोग पक्षियों को पालते हैं जन्मान्तर में उनके बालकों पर शिशुमुण्डिका राक्षसी का दोष हो जाता है । फिर उसका पूजन और बलि धूपादि दान करने से शांति होती है ।

चेष्टा:- जिस बालक के नखों और दांतों में विकार हो, नींद नहीं आवे, डर लगे, मन में उद्वेग रहे, शरीर में दुर्गन्ध उठे, अनेक प्रकार की चेष्टा करे, बल अधिक हो जावे, उसे ग्रहाविष्ट जानना।

उद्वर्तनम् - दूर्वा, कुटकी, नीम के पत्ते, तज, इनका उबटना बालक के शरीर में मलकर पीछे पीपल के पत्ते मुलट्ठी,लसूडे के पते इनका काढ़ा बनाकर स्नान करावे यह रोग दूर होगा ।

सर्वबालग्रहशान्त्यर्थं देवालये ज्योतिदर्शन निवासश्च तत्र रात्रौ- "ॐ हिनस्ति दैत्यतेजांसि स्वनेनापूर्य या जगत्। सा घण्टा पातु नो देवि पापेभ्यो नः सुतानिव॥" इत्यस्य जपः. ततोऽनेनैव मन्त्रेण सदीप दधिमाषान्नबलिदाने घण्टाबन्धने च सर्वबालग्रहशान्तिः ॥

अथ बाल रक्षा विधि (प्रयोगसारे)

यदि दुष्टदृष्टि (नजरादिदोषों) के कारण बालक के शरीर में कोई रोग कष्ट हो जाये तो- ॐवासुदेवो जगन्नाथ: पूतनातर्जनो हरि: । रक्षति त्वरितं बालं मुञ्च मुञ्च कुमारकम् ॥ १ ॥ कृष्ण, रक्ष शिशुं शंख-मधुकैटभ-मर्दन! प्रात:-सङ्गव मध्याह्न सायाह्नेषु च सन्ध्ययो: ॥ २ ॥ महानिशि सदा रक्ष कंसाराति निषूदन! यद्गोरज: पिशाचांश्च ग्रहान् मातृग्रहानपि ॥ ३ ॥ बालग्रहान्विशेषेण छिन्धि छिन्धि महाभयान् । त्राहि त्राहि हरे नित्यं त्वद्रक्षाभूषितं शिशुम् ॥ ४ ॥

इन चारों मंत्रों से अभिमंत्रित हुई गौ के गोबर की शुद्ध भस्म को बालक के मस्तक, कण्ठ, हृदयादि अंगों में लगाने से बालक का कष्ट दूर होगा।

बाल कष्टावली चक्रम्

किस समय कौन पूतना ग्रस्त करती है?	मूर्ति निर्माणार्थ द्रव्य	पूजन द्रव्य	बलि विधान व समय	स्नान पूजा मार्जन मंत्र	धूप
प्रथम दिन मास वर्ष में योगिनी	नदी के दोनों किनारों की मृत्तिका	श्वेत चन्दन, तिलक, श्वेतपुष्प ५ रंग की झंडी ५,५दीपक, ५आटे के सतिये,कपूर,लोहबान	श्वेत भात,५पूर्ण पोली(सुहाली) १प्रहर दिन चढ़े पूर्व दिशा में चौरास्ते पर रखना।	ॐ ब्रह्माविष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वै श्रवणस्तथा। रक्षन्तु त्वरितं बालं मुञ्च मुञ्च कुमारकम्।	राई, खस, आक के फुल, बिल्ली और मनुष्य के बाल, निम्ब पत्र, गौघृत
द्वितीय दिन मास वर्ष में सुनन्दना	एक सेर चावलों का आटा	१०दीपक,१०झण्डी,पुष्प, चावलों के आटे के सतिये १०	भात एक सेर, आटे के पूड़े, मत्स्य व बकरे का मांस, संध्या समय पश्चिम दिशा में चौरास्ते पर रखना	ॐ नमश्चामुण्डायै विच्चे ह्रां ह्रां ह्रीं ह्रीं हूं हूं स्थानाद्राज्ञया स्वाहा	
तृतीय दिन मास वर्ष में पूतना	एक सेर चावलों का आटा	रक्त चन्दन,रक्त पुष्प,श्वेत ध्वजा, दीपक१०,गेहूं केआटे केसतिए१०	एक सेर लाल भात,आधा सेर पूर्ण पौली, पश्चिम दिशा में किसी वृक्ष के नीचे	सुनन्दना विधानोक्त	लहसुन, गाम्भृग, साप का काचली नीम के पत्ते, पुरुष और बिल्ली के बाल गोघृत
चतुर्थदिन मास वर्ष में मुख मंडिका	तिल -चूर्ण एक सेर	श्वेत पुष्प, श्वेत ध्वजा ५,दीपक, मिल सके तो अर्जुन वृक्ष के पुष्प	भात, सेर आटे के पूड़े आध सेर पूर्ण पौली, सांय, पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे	सुनन्दना विधानोक्त	
पंचम दिन मास वर्ष में बिडालिका	एक सेर चावलों का आटा	श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, दीपक ५,श्वेत ध्वजा ५,गेंहु के आटे के सतिये	श्वेत भात, ७ पूड़ियां, सांयकाल पश्चिम दिशा में वृक्ष के नीचे।	ओंभगवती ह्रीं ह्रीं ह्रीं हूं हूं मुञ्च रक्षां कुरु कुरु बलिं गृहाण अस्त्र ठ:ठ: चामुंडे सर्वारि चण्डिके ठ:ठ:स्वाहा।	
षष्ठ दिन मास वर्ष में, षट्कारिका	नदी के दोनों किनारों की मिट्टी	श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, दीपक ५,श्वेत ध्वजा ५,	भात,५ मिठाई ,५सुहाली ,७पूड़ियां,१ प्रहर दिन चढ़े पूर्व में चौरास्ते पर	योगिनी विधानोक्त	कूठ, गुग्गल, राई, हाथीदांत, घृत।
सप्तमदिन मास वर्ष में में कालिका	चावल का आटा एक सेर	श्वेत चन्दन, श्वेत पुष्प, दीपक ५,श्वेत ध्वजा ५,	भात, ७ पूड़ियाँ, सांयकाल पश्चिम में चौरास्ते पर मौन होकर	बिडालिका विधानोक्त	
अष्टम दिन मास वर्ष में में कामिनी	जल के दोनों किनारों की मिट्टी	रक्त चन्दन, ५रंग की झण्डी ५, दीपक ५,	गेहूं की रोटी,मसूर की दाल,हरा साग, छाग मांस संध्या में चौरास्ते पर	बिडालिका विधानोक्त	
नवम दिन मास वर्ष में, मदना	एक सेर गेहूं का आटा	चन्दन, पुष्प,५दीपक,५ रंग की झण्डी ५।	भात, मत्स्य मांस, पापडी, सुहाली उत्तर में प्रात: चौरास्ते पर	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय कृष्णाय मंडल बलिमादाय हन २हुं फट् स्वाहा	गोशृंग, लसुन, सांप की कांचली निम्बपत्र, मनुष्य और बिल्ली के बाल, राई, गोघृत।
दशमदिन मास वर्ष में में रेवती	एक सेर गेहूं का आटा	रक्त पुष्प २५, झंडी,२५ दीपक,२५ सतिये।	गुड़ के घी भुने चावल,गौ घृत, सांय,दक्षिण में चौरास्ते पर	ॐ नमो भगवते वैश्वदेवाय हन हुं फट् स्वाहा	
एकादश दिन मास वर्ष में, सुर्दशना	काले उड़दों का आटा एक सेर	श्वेत पुष्प,२५ दीपक,२५ सफेद झण्डी,२५ आटे के सतिये।	श्वेत भात, ७ पूड़े, सुहाली ७,सांय व प्रात: दक्षिण में चौरास्ते पर	ॐ नमो भगवते रावणाय चन्द्रहास वज्रहस्ताय ज्वल २ दुष्ट ग्रहादीन् ॐ ह्रीं फट् स्वाहा	
द्वादश दिन मास वर्ष में अद्भुता	चावलों का आटा आटा एक सेर	१३ दीपक,१३झण्डी,१३ सतिये सतिये आटे के।	सुहाली ,पूड़े ७,पूड़ियां ७ , मत्स्य मांस, पापड़ी , सांयकाल दक्षिण में चौरास्ते पर।	ॐ नमो नारायणाय ज्वलद्धस्ताय हन हन शोषय२ मर्दय२ तापय२ हुं३ हन २ दुष्टानां ह्रां हुं स्वाहा	

अब बाल पूतना विधि — यहां लिखे बाल कष्टावली चक्रोक्त हर एक बलिदान के पीछे मार्जन शिखास्थान-स्पर्श निम्नलिखित मंत्रों द्वारा एक ही प्रकार से होता है, बलिदान विधि तीन दिन निरंतर करें। चौथे दिन पलाश, अश्वत्थ, बिल्व, गूलर, मिल सके तो कपित्थ, इनके पत्रों को उबाल कर बालक को मंत्र पाठपूर्वक स्नान कराना। तदन्तर कल्याणार्थ यथा शक्ति भिक्षुकों को तथा कुत्ते आदि जीवों को मिष्ठान भोजन कराना तदनन्तर "ओं द्यौः शांतिरन्तरिक्षं" इत्यादि शांतिमंत्रों व मार्जनमंत्रों से कुशा से छींटे देने के अनन्तर बालक की शिखा या शिखा-स्थान स्पर्श पूर्वक यह मंत्र पढ़ें- "ओं रक्ष रक्ष महादेव नीलग्रीव जटाधर। ग्रहैस्तु सहितो रक्ष मुञ्च मुञ्च कुमारकम् ॥ ओं सर्वमातर हमं ग्रहं संहरंतु हुं रोदय रोदय, स्फोटय स्फोटय स्वाहा। गर्ज २ सः गृहाण गृहाण आमर्दय २ ह्रीम् ह्रीम्, हन हन एवं सिद्धि रुद्रो ज्ञापय स्वाहा॥ इति रक्षामंत्रः॥

अथ नक्षत्र -कष्टावली

रोग नक्षत्र	रोगशान्त्यर्थ दान	नक्षत्रपादवशाद् रोग दिन संख्या				रोगशांत्यर्थ जपनीयमन्त्र	रोगनिवृत्त्यर्थ बलि
अश्विनी	भोजनदान	९	११	१	२०	मृत्युञ्जयमंत्र:	घोड़ी के मुख में सात व्रीही धान्य देवे।
भरणी	गो-अन्नादिदान	०	८०	४०	११	यमायतवेति मंत्र	हाथी के मुख में तिल चावल
कृत्तिका	स्वर्णदान	९	११	१६	२८	अग्निर्मर्धेति	कछुए के मुख में घी दे
रोहिणी	घृतदान	३	९	१८	३०	ब्रह्मायेति	सर्प को दूध-दही खिलावे
मृगशिरा	तिलदान	९	५	७	१०	इमंदेवेति मन्त्र:	खरगोश को दूध पिलावे
आर्द्रा	गोदान	०	१८	०	०	नमस्ते रुद्र इति मन्त्र	बकरे के मुख में रक्त डालें
पुनर्वसु	पीतलदान	७	१४	२	२१	अदितिर्द्यौ रितिमन्त्र:	सूअर को धान्य खिलावे
पुष्य	तैलान्नदान	६	७	१०	२१	बृहस्पतेति मन्त्र:	बकरे के मुख में दही डाले
आश्लेषा	गो-अजादिदान	०	०	४१	०	नमोस्तुसर्पेति मन्त्र:	बिलाब को दूध पिलाने
मघा	वस्त्राज्यदान	१५	७	१७	२०	पितृभ्य इति मन्त्र:	बन्दर को तिल उड़द खिलावे
पू. फा.	भोजनदान	०	१५	०	३०	भगम्प्रणेति मन्त्र:	ऊंट के मुख में शहद दें
उ. फा.	अन्नदान	७	१४	७	६०	दध्यावद्धेति मन्त्र:	गाय को शाक खिलावे
हस्त	तैलदान	१५	१७	१५	०	उदत्यंजातवेदैति मन्त्र:	भैसे को कमल के फूल खिलायें
चित्रा	दुग्ध दान	११	९	९	१६	त्वष्टा तुरिगति मन्त्र:	बाघ के लिए तगर धतूरे के फूल वन में रखें
स्वाती	गौघृत दान	६०	१७	३०	०	वायोरग्रेति मन्त्र:	भैंसे को गुड़ चावल खिलावें
विशाखा	गौ-स्वर्णदान	१५	०	४	१३	इंद्राग्नी इति मन्त्र:	बाघ के मुख में गुड़ भात की बलि दें
अनुराधा	गौघृत दान	६०	१२	३६	३०	नमोमित्रेति मन्त्र:	बकरे को कुलथी सहित भात गुड़ दें
ज्येष्ठा	तिलदान	६९	९	६	४	त्रातारमिन्द्रमिति मन्त्र:	बंदरों को गुड़ तिल डालें
मूल	रौप्यपात्रदान	०	९	१५	६	माता पुत्रेति मन्त्र:	बिलाब को दूध पिलावें
पू. षा.	गोमुक्तादान	०	१५	२४	१०	आपो धर्मेति मन्त्र:	कछुए के मुख में नागर मोथे की बलि दें
उ.षा.	भोजनदान	३०	२४	२६	१६	विश्वेदेवेति मन्त्र:	गौ को धान्य डालें
श्रवण	श्रीफलदान	६०	२४	६	९	विष्णोररा. मन्त्र	भैंसे के मुख में रक्त, मीठा की बलि दें
धनिष्ठा	अश्वान्नादान	१५	४	२०	२१	वसो: पवित्रेति मन्त्र	मनुष्य के मुख में दही अन्न की बलि दें
शतभिषा	भोजनान्नदान	४	४५	३	२२	वरुणस्तम्भेति मन्त्र	गौ को चावल खिलावें
पू. भा.	भोजनदान	०	१२	२१	१९	अहिर्बुध्न्येति मन्त्र	कौए के मुख में फल की बलि दें
उ.भा.	अन्नदान	१०	३	९	१५	अहिर्बुध्न्येति मन्त्र	गाय को चावल खिलावें
रेवती	फल दा.कन्यापूजन	१८	१०	९	२०	पूषन्नयेति मन्त्र	हाथी के मुख में पूरी-पूओं की बलि दें

जिस नक्षत्र में रोग पैदा हुआ है उसे यहां कष्टावली में रोग नक्षत्र का नाम दिया गया है।

रोग नक्षत्र को जानकर इन कोष्ठों में लिखा उपाय एवं यथाशक्ति दान करने से रोग शान्त होगा। 'रोग निवृत्यर्थ बलिदान'-वाले कालम में घोड़ी हाथी आदि के मुख में बलि देने के लिए लिखा है, वह गेहूं के आटे की वैसी ही आकृति बनाकर (मन में हाथी आदि की धारणा करके) उसके मुख में बलीद्रव्य देकर धूप-दीपादि करके आटे की आकृति को जल में प्रवाहित कर दें- ऐसा तीन दिन करें। साथ ही दान और जप भी करें।

ज्वालामुखी योग

तिथि	१	५	६	९	१०
नक्षत्र	मूल	भर.	कृत्ति.	रोहि.	आश्लेषा

जम्मे सो जीवे नहीं बसै जो उजड़ जाय। चूड़ा पहिरे कामिनी चटपट विधवा होय। गये गए ना बुहरे कूए नीर सुकाय।

पुत्रोत्पत्ति का समय जानना - (१) जन्मलग्नेश व पुत्रेश के स्पष्ट को जोड़े। योगफल के राश्यादि और नवांश की राशि में या इन दोनों के त्रिकोण राशि में जब गोचर का गुरु होता है तब संतान उत्पन्न होती हैं।

(२) चं. ल. गु. इन तीनों से पंचम स्थानेश या नवमस्थानेश की दशान्तर्दशा में संतानोत्पत्ति होती है।

विवाह (स्त्रीसुख)होने का समय जानना-(१)जन्म लग्नेश सप्तमेश को जोड़कर जो राशि हो उस राशि में जब गोचर का गुरु हो तब विवाह होता है॥

(२) चन्द्र राशीश और अष्टमेश को जोड़े, उस राशि में जब गोचर का गुरु आवे तब विवाह होता है।

(३) लग्नेश का नवांशेश जिस राशि में हो उस राशि से द्वितीय भाव में जब गोचर में गुरु चन्द्र होते हैं, तब विवाह होता है।

(४) शुक्र-चन्द्र व सप्तमेश की दशान्तर्दशा में विवाह होता है।

पिता के खतरे का समय जानना-(१) गुलिक स्पष्ट से सूर्य-स्पष्ट घटावें, शेष राशि के त्रिकोण में जब गोचर का शनि हो तब पिता की मृत्यु होती है।

(२) सूर्य से १।२।७।१२ भाव में जो पापग्रह हो उस की दशान्तर्दशा में पिता की मृत्यु होती है।

नोट -

इस कष्टावली में प्रत्येक नक्षत्र का जपनीय मंत्र पृथक् पृथक् लिखा है वह न कर सके तो महामृत्युञ्जय ही करे। जिस नक्षत्र के जिस चरण में पहले रोग उत्पन्न हुआ है उस चरणानुसार कष्ट व दिन जाने, शून्य से विशेष भय जाने, दान, जप करे।

रोगोत्पत्ती कुयोगाः

(१)रोग के शुरु दिन में जन्मराशि नक्षत्र लग्न में या राशि व लग्न से आठवें चन्द्र या यमघंट कुयोग हो।

(२)सूर्यवार को मघा, द्वादशी या भरणी अनुराधा नक्षत्र हो।

(३)सोमवार को आर्द्रा या उत्तराषाढा नक्षत्र हो।

(४) मंगलवार को कृ. मघा व शतभिषा या नन्दा (१।६।११)हो।

(५)बुधवार को अश्विनी व विशाखा या भद्रा(२।७।१२) आश्लेषा हो।

(६)गुरुवार छठ व शतभिषा या ज्येष्ठा व मृग. या जया (३।८।१३)व मघा, हस्त हो।

(७)शुक्रवार अष्टमी व अश्विनी या आश्लेषा श्रवण या रिक्ता(४।९।१४) आर्द्रा या धनिष्ठा हो।

(८) शनिवार को नवमी व पू. षा. या हस्त व पू. भा. या पूर्णा(५।१०।१५)व भरणी हो।

(९)सूर्य मंगल शनिवारों को ४।६।९।१२।१४।३० तिथि, भरणी, कृत्ति, आर्द्रा, आश्लेषा, पूर्वा ३, विशा, ज्ये, धनि, शत, नक्षत्र हो तो मृत्युतुल्य कष्ट होता है।

परञ्च जन्मपत्र में मारकेश का और भी विचार कर लेना। क्योंकि बिना मारकेश आये मृत्यु तो होती ही नहीं। हाँ, ऐसे योग में कष्ट जरूर मृत्युतुल्य होता है। उपरोक्त योगों में से किसी भी एक योग में रोगारम्भ होते ही तुला दान, गोदान तथा मृत्युञ्जय जप करना कल्याणप्रद है।

अथ रोगत्रिनाड़ी चक्रम्

आर्द्रा	पू.फा	उ.फा.	उ.फा.	ज्ये.	धनि.	शत.	भर.	कृ.	प्रथमा
पुन.	मघा	हस्त	विशा.	मूल	श्रवण	पू. भा.	अश्वि	रो.	मध्या
पुष्य	आश्ले	चित्रा	स्वा.	पू.षा.	उ.षा.	उ. भा.	रेव.	मृ.	अन्त्या

सूर्य नक्षत्र, दिन नक्षत्र और जन्म नक्षत्र व नाम नक्षत्र रोगत्रिनाडीचक्र में एक ही नाडी पर हों तो असाध्य रोगी का मरण होता है। मरने को हो तो प्रतिदिन देखने से जिस दिन यह योग मिले उसी दिन निःसदेह रोगी की मृत्यु कहे। यह रोगत्रिनाडीचक्र यात्रा तथा रण के समय वर्जित करना।

कालस्य मुखदंष्ट्रा ज्ञानम्

दिन नक्षत्र से नाम नक्षत्र ५।१३।२३संख्या का हो तो काल का मुख होता है और उसी प्रकार १०। १८ वां, नक्षत्र दंष्ट्रा (दाढ़) होती है। काल के मुख में दाढ़ में जिस दिन गोचर में नक्षत्र प्राप्त हो उस दिन अत्यन्त रोगग्रस्त पुरूष की मृत्युपर्यन्त हालत होती है। रोग पर सर्पादि दर्शन पर,विग्रह - युद्ध में जाने पर काल के मुख दंष्ट्रा में नक्षत्र हो तो अशुभ होता है

कालांग चक्र से शुभाशुभ फलज्ञान

यदि किसी व्यक्ति के अंङ्ग विशेष में पीड़ा, कष्ट, घाव, फोड़ा आदि चर्म विकार किंवा वायु-विकारादिजन्य कोई कष्ट हो तो तात्कालिक प्रश्नकुण्डली लगा कर निम्नलिखित कालांग चक्र में दिए भावों के अनुसार उस पीड़ित भाव को देखें। यदि उस भाव में कोई अशुभ ग्रह हो, किंवा वह भाव खलदृष्ट, अस्त, नीच तथा शुभग्रह की दृष्टि से रहित हो तो समझें, कि उस अवयव में और विशेष कष्ट की संभावना है। शांति के लिए उस ग्रह की शांति करावें। यदि प्रश्नकुण्डली में पीड़ित-भाव शुभग्रह से युक्त किंवा शुभ ग्रह दृष्ट हो तो रोग (कष्ट)शीघ्र निवृत्त हो जाएगा।

कालांग चक्र

भाव	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
अंङ्ग	सिर	मुख	भुजाएं	हृदय	उदर	कटिभाग	बस्ति (मूत्राशय)	लिङ्ग गुदा	जंघाएं	घुटने	पिण्डलियां	पाद-युगल

तिथि कष्टावली यन्त्रम्

ति.	तिथीश	कष्टदिन	बलि	दान
१	अग्नि	१२	शर्कराज्यबलि	धृतदान
२	ब्रह्मा	५	पायसबलि	भोजनदान
३	काम	७	घृतान्नबलि	रक्तवस्त्रद.न
४	गणेश	१६	मोदकान्नबलि	मूंगादान
५	सर्प	२१	पायसबलि	दुग्धदान
६	स्कन्द	१२	मोदकान्नबलि	चित्रवस्त्र दान
७	सूर्य	८	पायसबलि	ताम्रपात्रदान
८	ईश्वर	१३	नानाभक्ष्यबलि	पीतवस्त्रदान
९	दुर्गा	१८	मिष्टान्न बलि	रक्तवस्त्रदान
१०	यम	२५	कृशरान्नबलि	नीलवस्त्रदान
११	विश्वेदेव	७	मोदकान्नबलि	पीतवस्त्रदान
१२	विष्णु	७	मोदकान्नबलि	श्वेत वस्त्रदान
१३	काम	१०	दधिशर्कराबलि	सुवर्णदान
१४	शिव	६०	मिष्टान्नबलि	क्षौद्रशाक भो.
१५	चन्द्र	३	दध्योदनबलि	रौप्यदान
३०	पितर	१८	अपूपकान्न बलि	उत्तमान्नभोजन

वारकष्टावली यंत्रम्

वा.	वारेश	क.दि.	बलि व दान
सू.	रुद्र	५	पायसबलि, सूर्यदान
च.	गौरी	८	नानाभक्ष्यबलि, चन्द्रदान
मं.	स्कन्द	५	दुग्धबलि, भौमदान
बु.	विष्णु	७	मुद्गान्नबलि, बुधदान
वृ.	ब्रह्मा	५	घृतपक्वबलि,गुरुदान
शु.	इन्द्र	७	तिलयवाज्यमधुबलि, शुक्रदान
श.	यम	१५	माषान्नबलि, शनिदान

बाल-रक्षार्थ धूप

राई, लाख,नीम के पत्ते, बांस का छिलका, लहसुन, शिवजी पर चढ़े हुए फूल, अगर, गाय का घी, इन सब को मिलाकर धूप देने से सब पूतना तथा अन्य बालग्रह दूर हो जाते हैं। धूप देते समय ''खुं खुर्दनं हुं फट् स्वाहा-'' इस मंत्र का उच्चारण करें।

ग्रहगोचराद्यैर्दशा क्रमाद्यैर्ग्रह कृतानिष्ट-फल-शमनार्थ प्रत्येक-ग्रहाणां-दान-पदार्थाः												जप संख्या	जपनीय-मंत्राः	दान समय	हवन-समिधः
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूं	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तपुष्प	केशर	मूंग, रक्तगाय	रक्तचन्दन	७०००	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	उदय	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दही	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	शंख	कपूर. श्वेतबैल	श्वेतचन्दन	११०००	ॐ श्रां श्रीं सः चन्द्राय नमः	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तवस्त्र	रक्तकनेर	केशर	कस्तूरी, रक्तबैल	रक्तचन्दन	१००००	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	घ. २ शेष दिन	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खांड	घी	हरावस्त्र	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कपूर, शस्त्र	फल	१९०००	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	घ. ५ शेष दिन	अपामार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दालचने	खांड	घी	पीतवस्त्र	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक, घोड़ा	पीतफल	१९०००	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः	संध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिसरी	दूध	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	सुगंध	दधि, श्वेतघोड़ा	श्वेतचन्दन	६०००	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	सूर्य उ.	उदुम्बर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णवस्त्र	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्णांग, भैंस	उपानह	२३०००	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	मध्याह्ने	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तिल	नीलवस्त्र	कृष्णपुष्प	खड्ग	कंबल, घोड़ा	शूर्प	१८०००	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	रात्री	दूर्वा
केतु	लहसुनी	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तधान्य	तेल	धूम्रवस्त्र	धूम्रपुष्प	नारियल	कंबल, बकरा	शस्त्र	१७०००	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	रात्री	कुशा
मुन्था	मोती	सुवर्ण	कांसी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतवस्त्र	श्वेतपुष्प	कपूर	मसरी, श्वेतचन्दन	हाथीदांत	मुन्थेशवत्	ॐ मुन्थेशमन्त्रः	मुन्थेशकाले	

नवग्रहों के व्रत की विधि

यदि किसी व्यक्ति का कोई ग्रह गोचर से या दशा-अन्तर्दशा से खराब चल रहा हो तो निम्नलिखित प्रकार के उस ग्रह का शास्त्रोक्त व्रत-विधान ब्रह्मचर्य पूर्वक करने से अशुभ फल निवृत्ति होती है।

रविवार के व्रत की विधि-सूर्य का व्रत रविवार को करें। यह व्रत शुक्लपक्ष के पहले (जेठे) रविवार से आरम्भ करके वर्ष पर्यन्त तीस या कम से कम १२ व्रत करें। उस रोज़ केवल गेहूं की रोटी घी लाल खण्ड के साथ या गेहूं का गुड़ से बना दलिया या हलवा इलायची डाल कर दान करके शेष का दिन में ही सूर्यास्त से पहले भोजन करें। नमक बिल्कुल न खायें। भोजन से पूर्व हो सके तो लाल वस्त्र पहनकर ऊपर चक्रोकत बीज-मन्त्र की माला जप करें। तदनन्तर सूर्य को गन्धाक्षत रक्त पुष्पदूर्वायुक्त अर्घ्य प्रदान करे। अपने मस्तक में लाल चन्दन का तिलक करें। जब व्रत का अन्तिम रविवार हो तो हवन पूर्णाहुति के बाद ब्राह्मण को भोजन करावें। ऐसा करने से सूर्य का अशुभ फल शुभ फल में परणित हो जायेगा। तेजस्विता बढ़ेगी। नेत्र रोग, चर्म रोग एव अन्य शारीरिक रोग भी शान्त होंगे।

सूर्य शान्ति का सरल उपचार :- लाल वस्तुओं का विशेष उपयोग जैसे चादर, परना तथा तांबे की अंगूठी का पहनना।

सोमवार के व्रत की विधि-चन्द्रमा का व्रत शुक्ल-पक्ष के प्रथम (जेठे) सोमवार से प्रारम्भ करके ५४ या १० व्रत करें। व्रत के दिन श्वेत वस्त्र धारण करके चक्रलिखित बीज-मन्त्र को ११ माला या ३ माला जप करें। सफेद फूलों से पूजन करके सफेद चन्दन का तिलक करें। मध्यान्ह के समय नमक के बिना दही - चावल, घी, खण्ड का यथाशक्ति दान करके स्वयं भोजन करें। जब व्रत का अन्तिम सोमवार हो उस दिन हवन पूर्णाहुति करके खीर-खण्ड से ब्राह्मण व बटुकों को भोजन करावें। इस व्रत के करने से व्यापार में लाभ, मानसिक कष्टों की शान्ति होती है, विशेष कार्य सिद्धयर्थ भी पूर्ण फलदायक होता है।

चन्द्र शान्ति का सरल उपचार:-सफेद जुराब, रुमाल, सफेद वस्त्र, दूध, दही का उपयोग, चांदी की अंगूठी पहनना।

मंगलवार के व्रत की विधि-यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठे) मंगलवार से प्रारम्भ करके २१ या ४५ व्रत करने चाहिएं। हो सके तो यह व्रत आजीवन रखें। बिना सिला हुआ लाल वस्त्र धारण करके बीज-मन्त्र की १, ५ या ७ माला जप करें। नमक सेवन न करे, यह जरूरी है। उस दिन गुड़ से बने हलवे का या लड्डुओं का दान करें। और स्वयं भी खावें। गुड़ से बना कुछ हलवा आदि बैल को भी खिलावें। मंगलवार का व्रत ऋण-हर्ता तथा सन्तति-सुखप्रद है। जब व्रत का अन्तिम मंगलवार हो उस दिन हवन-पूर्णाहुति करके लाल वस्त्र, तांबा, मसूर, गुड़, गेहूं तथा नारियल का दान करें। ब्राह्मणों तथा बच्चों को मीठा भोजन करावें।

मंगल शान्ति का सरल उपचार:- लाल रंग की वस्तुओं का उपयोग रात को लाल वस्त्र पहनें, तांबे के बर्तन, तांबे की अंगूठी पहनना।

बुधवार का व्रत- यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम बुधवार (जेठे) से प्रारम्भ करें। २१ या ४५ व्रत करें। हरा वस्त्र धारण करके बीज-मन्त्र की १७ या तीन माला जप करना चाहिए। उस दिन भोजन में नमक-रहित खण्ड, घी से बने पदार्थ जैसे मूंगी का बना हुआ हलवा, मूंगी की बनी मीठी पंजीरी या मूंगी के लड्डूओं का दान करे। फिर तीन तुलसीपत्र, गंगाजल या चरणामृत के साथ लेकर स्वयं भी उपरोक्त पदार्थ खावें। व्रत के अन्तिम बुधवार को हवन पूर्णाहुति करके अङ्गहीन भिक्षुक को मूंगीयुक्त भोजन कराकर हरा वस्त्र, मूंगी आदि का दान भी करें। इस व्रत से विद्या, धन-लाभ, व्यापार में तरक्की तथा स्वास्थ्य लाभ होता है। अमावस का व्रत करने से भी बुध ग्रह जन्य नेष्ट फल से मुक्ति मिलती है।

बुध शान्ति का सरल उपचार:- हरा रंग, हरे वस्त्र तथा श्रृंगार की अन्य वस्तुएं हरा रूमाल आदि रखना, कांसी के बर्तन में भोजन, बुधाष्टमी व्रत।

बृहस्पति के व्रत की विधि- यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठ) गुरुवार से आरम्भ करें, तीन वर्ष पर्यन्त या १६ गुरुवार व्रत करें, उस दिन पीत वस्त्र धारण करके बीज-मन्त्र की ११ या तीन माला जप करें। पीत पुष्पों से पूजन-अर्घ्य दानादि के बाद भोजन में चने के बेसन की बनी घी-खण्ड से बनी मिठाई लड्डू या हल्दी से पीले या केसरी चावल आदि ही खावें और यही दान करें। जब व्रत का अन्तिम गुरुवार हो तो हवन पूर्णाहुति के बाद ब्राह्मण व बटुकों को लड्डू भोजन करावे। स्वर्ण, पीत-वस्त्र चने की दाल आदि का दान करें। यह व्रत-विद्यार्थियों के लिए बुद्धि तथा विद्या-प्रद है, धन की स्थिरता तथा यश-वृद्धि करता है। अविवाहितों के लिए स्त्री प्राप्तिप्रद सिद्ध होता है।

बृहस्पति शान्ति का सरल उपचार- पीले वस्त्र, रूमाल आदि पीले फूल धारण करना, सोने की अंगूठी पहनना।

शुक्र के व्रत की विधि- यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठ) शुक्रवार से प्रारम्भ होता है। ३१ या २१ व्रत करें। श्वेत वस्त्र धारण करके बीज-मन्त्र की ३ या २१ माला जपें। भोजन में चावल, खण्ड या दूध से बने पदार्थ ही सेवन करें। यही पदार्थ यथा-शक्ति सम्भव हो तो एकाक्षी (एक आंख वाले) भिक्षुक को या श्वेत गाय को दें। जब व्रत का अन्तिम शुक्रवार हो, हवन पूर्णाहुति के बाद खीर-खण्ड से बने पदार्थ ब्राह्मण बटुकों को खिलावें। चांदी, श्वेतवस्त्र, खाण्ड, चावल का दान करें। इस व्रत से स्त्री सुख एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती है।

शुक्र शान्ति का सरल उपचार:- सफेद वस्त्र, सफेद रूमाल , सफेद फूल धारण करना आदि गाय को हरा घास या पेड़ा देना, शिव पूजन।

शनि के व्रत की विधि- यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठ) शनिवार से आरम्भ करे, व्रत ५१ या ३१ करने चाहिएं। व्रत के दिन काला वस्त्र धारण करके बीज-मन्त्र की १९ या तीन माला का जप करें। फिर एक बर्तन में शुद्ध जल, काले तिल, काले फूल या लवंग (लौंग), गङ्गाजल तथा शक्कर, थोड़ा दूध डालकर पश्चिम की ओर मुंह करके पीपल-वृक्ष की जड़ में डाल दें। भोजन में उड़द के आटे का बना पदार्थ, पंजीरी, कुछ तेल से पका हुआ पदार्थ कुत्ते व गरीब को दें तथा तेलपक्व वस्तु के साथ केला व अन्य फल स्वयं प्रयोग में लाना चाहिए। यही पदार्थ दान भी करें। व्रत के अन्तिम शनिवार को हवन पूर्णाहुति के बाद तेल में पकी हुई वस्तुओं को देने के बाद काला वस्त्र, केवल उड़द तथा देसी जूता, तेल लगाकर दान करें। इस व्रत से सब प्रकार की सांसारिक परेशानी दूर हो जाती है। झगड़े में विजय होती है। लोह-मशीनरी कारखाने वालों के व्यापार में उन्नति होती है।

शनि शान्ति का सरल उपचार:- घर के परदे, जूते, जुराब, घड़ी का पट्टा, रूमाल आदि काले रंग के धारण करें।

राहू केतु के व्रत की विधि- शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठ) शनिवार से यह व्रत शुरू करना चाहिए। यह व्रत १८ करें। काला वस्त्र धारण करके १८ या ३ बीज-मन्त्र की माला जपें। तदनन्तर एक बर्तन में जल, दूर्वा और कुशा लेकर पीपल की जड़ में डालें। भोजन में मीठा चूरमा, मीठी रोटी समयानुसार रेवड़ी, भुग्गा, तिल के बने मीठे पदार्थ सेवन करें और यही दान में भी दें। रात को घी का दीपक जलाकर पीपल की जड़ में रख दें। इस व्रत से शत्रुभय दूर तथा राजपक्ष से विजय मिलती है।

राहू, केतु शान्ति का सरल उपचार:- नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी पहनें।

ग्रहों के अरिष्ट-निवृत्त्यर्थ स्नान-विधि

यथा सिद्धौषधैः रोगाः नश्येयुर्मन्त्रतो भयम्॥
तथा स्नान-विधानेन ग्रह-दोषः प्रणश्यति॥

रवि ग्रह के दोष की शान्ति के लिए कभी-कभी व्रत के दिन बिल्ववृक्ष की जड़, देवदारू, मुलेठी, लाल फूल, केसर, पानी में उबाल कर स्नान करे। सोमवार के व्रत के दिन खिरनी की जड़, श्वेत, चन्दन, लाल फूल, केसर, पानी में उबाल कर स्नान करें। ऐसे ही मंगल के दिन अनन्त मूल, रक्त चन्दन, मौलश्री, लाल सिप्पी, पञ्चगव्य उबाल कर स्नान करें। ऐसे ही मंगल के दिन अनन्त मूल, रक्त चन्दन, मौलश्री, लाल फूल ये सब उबाल कर, बुध के दिन गोबर, मधु, चावल, विधारा उबाल कर, गुरु के दिन भारंगी, मुलेठी, श्वेत सरसों, मालती पुष्प उबाल कर, शुक्र के दिन इलायची, मजीठ तथा शनि के दिन काले तिल, सौंफ, सुरमा, अपलबेत, सफेद बिनौला उबाल कर स्नान करें। ऐसे ही राहु केतु की शान्ति के लिए शनिवार के दिन देवदारू, सरसों तथा लोहबान उबाल कर स्नान करें, तो ग्रह शान्ति होती है।

नोट- स्नानोक्त कोई वस्तु उपलब्ध न हो तो जो वस्तु मिले उससे ही स्नान करें।

सर्वग्रह किंवा सर्वविध शान्ति के लिए सामान्य औषध स्नान

लाजवन्ती (छुई-मुई), कूट, खिलां, कांगनी, जौं, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि लोध इन औषधियों के जल एवं से मत्तीर्थादक स्नान करने से सब ग्रहों की पीड़ा नष्ट होती है तथा पूर्व ही जो दान कह चुके हैं उनके करने से शान्ति होती है। गुरू, वचन, देवता ब्राह्मणों की वेदना, वेदादि श्रवण, साधुओं से बातें, मन की शुद्धता, जप, दान, होम तथा यज्ञ के करने से दुष्ट स्थानों में स्थित ग्रह पीड़ा नहीं करते (श्रीपतिः)॥

शनि विचार- अथ लघु कल्याणी (ढैया) फलम्-कल्याणी प्रददाति वा रविसुते राशेश्चतुर्थाष्टमे व्याधिः बन्धु विरोध देशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम्। मृत्युं चैव करोति चापि मनुजं दुःखादि वह्नेर्भयं लोह शस्त्रभयं सदैव-असुखं कुर्यादसौ सर्वदा॥ १॥ बृहत्कल्याणी फलम् . . . . राशौ द्वादश (१२) मूर्ध्नि जन्म (१) हृदये पादौ द्वितीये (२) शनिः। नानाक्लेशकरोऽति दुर्जनभयं पुत्रान्पशून्पीडयेत्॥ हानिः स्थानमरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम्, रामार्कद्विविनाशनं प्रकुरुते तुर्याष्टमे वाऽथवा॥ २॥

सप्तधान्य- उड़द १. मूंगी २. गेहूं ३. चने ४. जौ ५. धान्य (तंदुल) ६. कंगनी ७.

अष्टगंध- अगर, कस्तूरी, कुंकुम कर्पूर, चन्दन, टोपीदार लौंग, गोरोचन देवदारु।

अष्टगंध धूप- अगर, छरीला, जटामासी, कर्पूर-कचरी, गुग्गुल, देवदारु गोमूत सफेद चन्दन।

नक्षत्र-राशि ज्ञान चक्र

राशिज्ञाने विशेष :-

नक्षत्र वा राशि में श और स में, ब और व में कोई भेद नहीं होता। जिसके नाम का पहला अक्षर संयुक्त हो, वहां प्रथमाक्षर ग्रहण करें। (संयोगाक्षरं नाम्नि ग्राह्यं तत्रादिमाक्षरम्)

राशयः	मेष			वृष			मिथुन			कर्क		
नक्षत्राणि	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिर	मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
प्रथमचरण	चू	ला	अ	०	ओ	वे	०	कु	के	०	हु	डी
द्वितीय च.	चे	लू	०	ई	वा	वो	०	घ	को	०	हे	डू
तृतीय च.	चो	ले	०	उ	वी	०	क	ङ	ह	०	हो	डे
चतुर्थ च.	ला	लो	०	ए	वु	०	की	छ	०	हि	डा	डो

राशयः	सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक		
नक्षत्राणि	मघा	पू. फा.	उ. फा.	उ. फा.	हस्त	चित्रा	चित्रा	स्वाती	विशाखा	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
प्रथमचरण	मा	मो	टे	०	पू	पे	०	रू	ती	०	ना	नो
द्वितीय च.	मी	टा	०	टो	ष	पो	०	रे	तू	०	नी	या
तृतीय च.	मू	टी	०	पा	ण	०	रा	रो	ते	०	नू	यी
चतुर्थ च.	मे	टू	०	पी	ठ	०	री	ता	०	तो	ने	यू

राशयः	धनु			मकर				कुम्भ			मीन		
नक्षत्राणि	मूल	पू. षा.	उ. षा.	उ. षा.	अभिजित्	श्रवण	धनिष्ठा	धनिष्ठा	शतभिषा	पू. भा.	पू. भा.	उ. भा.	रेवती
प्रथमचरण	ये	भू	भे	०	जू	खी	गा	०	गो	से	०	दू	दे
द्वितीय च.	यो	धा	०	भो	जे	खू	गी	०	सा	सो	०	थ	दो
तृतीय च.	भा	फ	०	जा	जो	खे	०	गू	सी	दा	०	झ	चा
चतुर्थ च.	भी	ढ	०	जी	खा	खो	०	गे	सू	०	दी	ञ	चि

ध्यान दें— नामों का प्रारम्भ ङ, ञ, ण इन अक्षरों से नहीं होता। यदि नक्षत्र के आधार पर इन अक्षरों से नाम प्रारम्भ हो रहा हो तो ङ की जगह घ, ञ की जगह दु तथा ण की जगह पू से प्रारम्भ करें। ऐसा करने से भेद नहीं होता।

॥ १ ॥ बहूनि यस्य नामानि नरस्य स्युः कथञ्च। ततः पश्चाद्भवं नाम ग्राह्यं स्वर-विशारदैः ॥ २ ॥ प्रसुप्तो भाषते येन येनागच्छति शब्दितः। तस्य नामाद्यवर्णो या मात्रा स स्वर एव हि ॥ ३ ॥ अथ जन्मराशि नामराश्योः प्रधानता निर्णीयते - विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रादौ ग्रहगोचरे ॥ जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत् ॥ ४ ॥ देशे ग्रामे गृहे युद्धे सेवायां व्यवहारके ॥ नामराशेः प्रधानत्वं जन्मराशिं न चिन्तयेत् ॥ ५ ॥ काकिण्यां वर्ग शुद्धौ च दाने द्यूते स्वरोदये। मन्त्रे पुनर्भूवरणे च नामराशेः प्रधानता ॥ ६ ॥ कुर्यात्षोडश कर्माणि जन्मराशौ बलान्विते। सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते ॥ ७ ॥ विवाह घटनं चैवं लग्नजं ग्रहजं बलम्। काममाकृचिन्तयेत् सर्वं जन्म न ज्ञायते यदा ॥ ८ ॥

अभिजित्-निर्णय-वैश्यप्रान्त्याघ्रिः श्रुति-तिथि-भागतोऽभिजित्स्यात् ॥

उत्तराषाढ़ा का चौथा चरण श्रवण का पहला १५वां भाग जोड़कर उसके चार भाग करो। उसको अभिजित् का एक चरण मानकर नाम रखने आदि के विचार में उपयोग करो। उत्तराषाढ़ा के तीन चरणों के ही चार भाग करके उत्तराषाढ़ा का एक-एक चरण मानो। श्रवण का १५वां भाग छोड़कर जो शेष रहे उसके चार भाग करो, उसको श्रवण के १-१ चरण मानो। इस प्रकार को प्रायः सामान्य गणक नहीं जानते, एतदर्थ यहां लिखा गया है।

राशि ज्ञानम्- चू. ला. अ मेषः, इ वो वृषः, क घ ङ छ ह मिथुनम् ॥
हीडो कर्कः, माटे सिंहः, टो प ष ण ठ पो कन्या ॥
राते तुला तो ना यू वृश्चिक ये भफढभे धनुः ॥
भोजा खीगी मकरः गुसादः कुम्भः दीथझञचा मीनः ॥

उपरोक्त राशि- ज्ञान में प्रत्येक राशि के आदि और अन्त का अक्षर है और जहां जो अक्षर बदलता है, वहां वह भी ले लिया गया है। जैसे-मेष में पहला अक्षर 'चू' लेने से अश्विनी के तीन चरण (चू चे चो) का ग्रहण होता है और 'ल' से (ला ली लू ले लो) पांचों का ग्रहण हुआ अर्थात् एक चरण (चौथा चरण) अश्विनी का और चतुर्थ चरण भरणी का ग्रहण हुआ और उसे कृत्तिका के प्रथम चरण इन नौ चरणों की एक राशि मेष हुई। इसी तरह अन्य राशियों का ज्ञान करें।

विशेष- जहां 'ज्ञ' का उच्चारण 'ग्य' होता है वहां ज्ञान चन्द्र का नक्षत्र उ. षा. और जहां इसका उच्चारण 'ग्य' होता है, वहां ज्ञान चन्द्र का नक्षत्र धनिष्ठा माना जाएगा क्योंकि 'ज' और 'ग' वर्ण क्रमशः उ. षा. और धनिष्ठा नक्षत्र में पड़ते हैं।

नोट- चन्द्रमा की राशि एवं नक्षत्र के अनुसार जातक का नाम रखने से फलितज्ञ को काफी सुभीता रहता है। नाम जानने से ही ज्योतिषी जातक के जन्म समय चन्द्रमा की राशि एवं नक्षत्र जान लेता है तथा फलित-शास्त्र में काफी महत्त्वपूर्ण फलादेश चन्द्रमा की स्थिति पर ही निर्भर है। इसका एक वैज्ञानिक रहस्य भी है। निकटतम होने से चन्द्रमा का प्रभाव भू-स्थित-वनस्पति एवं प्राणियों पर अन्य सभी ग्रहों की अपेक्षा अधिक होता है। ज्वार-भाटा लाने में भी चन्द्रमा की देन सूर्य की देन से दुगुनी है। चन्द्रमा का ज्वार-भाटांक सूर्य के ज्वार-भाटांक से दुगुना है। चन्द्रमा के भगणकाल का स्त्री के मासिक-धर्म से साक्षात् सम्बन्ध है। आजकल वैज्ञानिकों ने कुछ प्रयोग भी किए हैं, जिससे अचर-जगत् (वनस्पति आदि) पर चन्द्रमा का प्रभाव स्पष्ट रूप से ज्ञात होता है। अतः जन्म-पत्र आदि के अभाव में चन्द्रमा की स्थिति से ही फलादेश करने की परिपाटी फलितज्ञों में है।

नवीन- फलितवेत्ता जन्म-पत्र की अंग्रेज़ी तारीखों के हिसाब से भी फलादेश करने लग गए हैं। इस पद्धति में सायन सूर्य की राशि के आधार पर ही फलादेश होता है। चन्द्रमा की राशि के आधार पर फलादेश करना अधिक उपयुक्त है। अतः प्राचीन फलित-शास्त्रियों ने जन्म-कालीन चन्द्रमा की स्थिति को जन्म राशि के नाम से कहा है। हमारे ज्योतिष के अनुसार इसी का महत्त्व है।

बारह राशियों का मासिक फलादेश (सम्वत् 2062 वि.)

राशि	वैशाख (13 अप्रै. से 13 मई तक, सन् '05 ई.)	राशि	ज्येष्ठ (14 मई से 13 जून तक सन् '05 ई.)	राशि	आषाढ़ (14 जून से 15 जुला. तक, सन् '05 ई.)
मेष	सेहत ठीक, अर्थलाभ, पराक्रम बढ़े, निजीजनों से मेल, मन अशान्त, कारोबार उत्तम। अप्रै. 17, 18, 19, 26, 27; मई 4, 5, 6 अशुभ।	मेष	सेहत ठीक, अर्थहानि, बन्धुसुख, नई योजना, स्त्रीकष्ट, कारोबार में गड़बड़, व्यय विशेष। मई 14, 15, 16, 23, 24, 25, 31; जून 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।	मेष	सेहत ठीक, धनहानि होकर लाभ, सम्पत्तिविवाद, स्त्रीसुख, कार्यान्तर से लाभ, मासान्त में विशेष व्यय। जून 19, 20, 21, 28, 29; जुला. 7, 8, 9 अशुभ।
वृष	सेहत ठीक, अर्थहानि, निजी लोगों से कुछ मनमुटाव, मित्रों से लाभ, शत्रु बढ़ें। अप्रै. 20, 21, 28, 29; मई 6, 7, 8 अशुभ।	वृष	सेहत गड़बड़, अर्थलाभ, निजीजन विरोध, अच्छे लोगों से मेल, अपमानभय, कार्यान्तर का विचार। मई 16, 17, 18, 25, 26, 27; जून 3, 4, 12, 13 अशुभ।	वृष	हानिभय, धननाश, रोगकष्ट, गुप्त चिन्ता, कार्यान्तर व स्थानान्तर का विचार। जून 14, 22, 23, 30; जुला. 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।
मिथुन	सेहत गड़बड़, अर्थलाभ होकर हानि हो, बन्धुसुख, सन्तानपक्ष से चिन्ता, कारोबार में गड़बड़। अप्रै. 22, 23, 30; मई 1, 9, 10, 11 अशुभ।	मिथुन	सेहत ठीक, धनलाभ, बन्धुसुख, सम्पति विवाद, शत्रु बढ़ें, स्त्रीकष्ट, चोटभय, मासान्त कष्टप्रद। मई 11, 19, 20, 27, 28, 29; जून 5, 6, 7 अशुभ।	मिथुन	सेहत ठीक, धनलाभ, यात्रा में कष्ट, सन्तान हेतु खर्च विशेष, स्त्रीकष्ट, आय से व्यय अधिक। जून 15, 16, 17, 24, 25; जुला. 2, 3, 4, 12, 13, 14 अशुभ।
कर्क	पित्तविकार, धनलाभ, भ्रातृसुख, अच्छे लोगों से मेल, सन्तानहेतु खर्च, कार्यान्तर का विचार। अप्रै. 15, 16, 17, 23, 24, 25; मई 1, 2, 3, 11, 12, 13 अशुभ।	कर्क	सेहत गड़बड़, क्रोध बढ़े, धनलाभ होकर हानि, गुप्त चिन्ता, गुप्त शत्रु से भय, कारोबार कुछ ठीक। मई 21, 22, 29, 30; जून 7, 8, 9 अशुभ।	कर्क	विशेष कष्टभय, सन्तानपक्ष शुभ, गुप्त चिन्ता, कारोबार ठीक, मासान्त में धनहानि। जून 16, 17, 18, 25, 26, 27; जुला. 5, 6, 7, 15 अशुभ।
सिंह	सेहत ठीक, धनलाभ, बन्धुसुख, सन्तानकष्ट, अपमानभय, कारोबार में लाभ, शत्रु कमज़ोर। अप्रै. 17, 18, 19, 26, 27; मई 4, 5, 6 अशुभ।	सिंह	सेहत ठीक, अर्थहानि, भ्रातृ सुख, यात्रा में कष्ट, शत्रु बढ़ें, स्त्रीपक्ष से चिन्ता, कारोबार में परेशानी। मई 14, 15, 16, 23, 24, 25, 31; जून 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।	सिंह	सेहत ठीक, अर्थलाभ, सम्पति विवाद, मित्रों से मदद, शत्रु कमजोर, काराबार में हानिभय। जून 19, 20, 21, 28, 29; जुला. 7, 8, 9 अशुभ।
कन्या	उदर विकार, धनलाभ, भ्रातृकष्ट, सन्तानहेतु खर्च, स्त्रीकष्ट, कार्यान्तर का विचार। अप्रै. 20, 21, 28, 29; मई 6, 7, 8 अशुभ।	कन्या	वायुविकार, आर्थिक परेशानी, उलझने बढ़ें, पुराने झगड़े–झंझट बढ़ें, कारोबार कुछ ठीक। मई 16, 17, 18, 25, 26, 27; जून 3, 4, 12, 13 अशुभ।	कन्या	पित्तविकार, धनलाभ, बन्धुसुख, सन्ततिकष्ट, गुप्त चिन्ता, कारोबार में रद्दोबदल। जून 14, 22, 23, 30; जुला. 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।
तुला	कफ विकार, अर्थहानि, निजीजनकष्ट, मित्रों से मदद, मानसिक चिन्ता, स्त्रीसुख। अप्रै. 22, 23, 30; मई 1, 9, 10, 11 अशुभ।	तुला	सेहत ठीक, अर्थहानिभय, बन्धुकष्ट, सम्पति विवाद, असफल योजना, सत्री सुख, कारोबार कुछ ठीक। मई 11, 19, 20, 27, 28, 29; जून 5, 6, 7 अशुभ।	तुला	कष्टभय, धनहानि, यात्रा में कष्ट, स्त्रीसुख, कारोबार ठीक, सम्पति लाभ का योग। जून 15, 16, 17, 24, 25; जुला. 2, 3, 4, 12, 13, 14 अशुभ।
वृश्चिक	मन चिन्तत, उत्साह वृद्धि, सन्तानपक्ष से चिन्ता, स्त्रीपक्ष से लाभ, कारोबार कुछ ठीक, मासान्त में विशेष खर्च। अप्रै. 15, 16, 17, 23, 24, 25; मई 1, 2, 3, 11, 12, 13 अशुभ।	वृश्चिक	सेहत ठीक, धनलाभ होकर हानि, यात्रा में परेशानी, स्त्रीपक्ष से चिन्ता, कारोबार ठीक। मई 21, 22, 29, 30; जून 7, 8, 9 अशुभ।	वृश्चिक	सेहत ठीक, धनलाभ, सुखलाभ, स्त्रीकष्ट, कारोबार ठीक, मासान्त में लाभ। जून 16, 17, 18, 25, 26, 27; जुला. 5, 6, 7, 15 अशुभ।
धनु	वायुविकार, धनलाभ, मित्रों से अनबन, नई योजना, शत्रु प्रबल, कारोबार गड़बड़। अप्रै. 17, 18, 19, 26, 27; मई 4, 5, 6 अशुभ।	धनु	सेहत गड़बड़, कारोबार कमजोर, निजी लोगों से अनबन, स्त्रीसुख, कार्यान्तर से लाभ। मई 14, 15, 16, 23, 24, 25, 31; जून 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।	धनु	पित्तविकार, नेत्रकष्ट, धनहानिभय, शत्रु बढ़ें, स्त्रीसुख, साझेदारी में नुकसान। जून 19, 20, 21, 28, 29; जुला. 7, 8, 9 अशुभ।
मकर	कफ–पित्त विकार, धनलाभ होकर हानि, सम्पदा लाभ, स्त्रीसुख, कारोबार गड़बड़। अप्रै. 20, 21, 28, 29; मई 6, 7, 8 अशुभ।	मकर	पित्तविकार, अर्थहानि, बन्धुसुख, असफल योजना, कष्टभय, कार्यान्तर व स्थानान्तर का विचार। । मई 16, 17, 18, 25, 26, 27; जून 3, 4, 12, 13 अशुभ।	मकर	हानिकष्ट भय, अच्छे लोगों से मेल, जायदाद लाभ, नई योजना असफल, कार्यान्तर से लाभ। जून 14, 22, 23, 30; जुला. 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।
कुम्भ	सेहत गड़बड़, धनलाभ, विशेष व्यय, बन्धुसुख, सन्तानपक्ष से चिन्ता, मासान्त में विशेष खर्च से परेशानी। अप्रै. 22, 23, 30; मई 1, 9, 10, 11 अशुभ।	कुम्भ	उदरविकार, बन्धुसुख, मित्रकष्ट, स्त्रीसुख, कारोबार गड़बड़, मासान्त में विशेष खर्च। मई 11, 19, 20, 27, 28, 29; जून 5, 6, 7 अशुभ।	कुम्भ	मस्तक व नेत्रपीड़ा, निजीजन सहयोग, गुप्त शत्रु से भय, स्त्रीसुख, आय से व्यय अधिक। जून 15, 16, 17, 24, 25; जुला. 2, 3, 4, 12, 13, 14 अशुभ।
मीन	उदरविकार, धनलाभ होकर हानि, निजीजन सहयोग, सम्पत्ति विवाद, स्त्रीसुख, मासान्त शुभ। अप्रै. 15, 16, 17, 23, 24, 25; मई 1, 2, 3, 11, 12, 13 अशुभ।	मीन	बन्धनभय, अर्थहानि, किसी की मदद से लाभ हो, रोगभय, शत्रु प्रबल, मन अशान्त। मई 21, 22, 29, 30; जून 7, 8, 9 अशुभ।	मीन	नेत्र कष्ट, वृथा व्यय, सन्ततिसुख, स्त्रीष्ट, आय से व्यय अधिक, यात्रा में हानि। जून 16, 17, 18, 25, 26, 27; जुला. 5, 6, 7, 15 अशुभ।

बारह राशियों का मासिक फलादेश (सम्वत् 2062 वि.)

राशि	श्रावण (16 जुला. से 15 अग. तक, सन् '05 ई.)	राशि	भाद्रपद (16 अग. से 15 सितं. तक, सन् '05 ई.)	राशि	आश्विन (16 सितं. से 16 अक्तू. तक, सन् '05 ई.)
मेष	विवाद में न फंसें, बन्धनभय, शत्रु प्रबल, निजी लोगों से अनबन, गुप्त चिन्ता। जुला. 17, 18, 25, 26, 27; अग. 3, 4, 5, 13, 14, 15 अशुभ।	मेष	सेहत ठीक, धनलाभ, नई योजना, शत्रु कमजोर, कारोबार ठीक, नेत्रकष्ट योग। अग. 21, 22, 23, 31; सितं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	मेष	स्थानहानि भय, रोगभय, धनलाभ, शत्रु प्रबल, स्त्रीकष्ट, क्रोध बढ़े, साझेदारी में हानि। सितं. 18, 19, 27, 28, 29; अक्तू. 7, 8, 15, 16 अशुभ।
वृष	धनहानि, सम्पत्तिविवाद, निजीलोगों से अनबन, मित्रों की मदद से लाभ, मासान्त में कष्टभय। जुला. 19, 20, 27, 28, 29; अग. 6, 7, 8 अशुभ।	वृष	सेहत ठीक, अचानक कष्ट भय, बन्धु कष्ट, वृथा कलह, बुरे कार्यों में मन लगे। अग. 16, 17, 24, 25; सितं. 3, 4, 12, 13 अशुभ।	वृष	सेहत ठीक, बने हुए काम में रुकावट, शत्रु कमजोर, स्त्रीसुख, मासान्त ठीक। सितं. 20, 21, 22, 29, 30; अक्तू. 1, 9, 10, 11 अशुभ।
मिथुन	उदरविकार, अचानक कष्ट, अर्थ चिन्ता, सन्तानपक्ष शुभ, अपमानभय। जुला. 21, 22, 30, 31; अग. 9, 10 अशुभ।	मिथुन	कारोबार ठीक, क्रोध बढ़े, सुखलाभ, द्रव्यलाभ, शत्रु कमजोर, गुप्तशत्रु से भय। अग. 18, 19, 26, 27, 28; सितं. 5, 6, 7, 14, 15 अशुभ।	मिथुन	सेहत ठीक, धनलाभ, भ्रातृसुख, सम्पत्तिविवाद, यात्रा में कष्ट, असफल योजना। सितं. 22, 23, 24; अक्तू. 2, 3, 4, 11, 12, 13 अशुभ।
कर्क	मन अशान्त, निजीलोगों से अनबन, असफल योजना, स्त्रीसुख, कार्यान्तर से लाभ। जुला. 16, 23, 24; अग. 1, 2, 3, 11, 12 अशुभ।	कर्क	सेहत ठीक, धनहानि होकर लाभ, असफल योजना, शत्रु बढ़ें, स्त्रीसुख, कारोबार ठीक। अग. 19, 20, 21, 28, 29, 30; सितं. 7, 8, 9 अशुभ।	कर्क	सेहत ठीक, धनलाभ, सम्पत्तिविवाद, सन्तानपक्ष शुभ, कारोबार में लाभ। सितं. 16, 17, 25, 26; अक्तू. 4, 5, 6, 13, 14, 15 अशुभ।
सिंह	रक्त–पित्त विकार, असफल योजना, स्त्रीपक्ष से लाभ, कारोबार कुछ ठीक। जुला. 17, 18, 25, 26, 27; अग. 3, 4, 5, 13, 14, 15 अशुभ।	सिंह	गुप्त चिन्ता, यात्रा में कष्ट, कारोबार में हानि, कार्यान्तर व स्थानान्तर का विचार। अग. 21, 22, 23, 31; सितं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	सिंह	रक्त–पित्त विकार, धनलाभ होकर हानि, उत्साह बना रहे, गुप्त चिन्ता, कारोबार ठीक। सितं. 18, 19, 27, 28, 29; अक्तू. 7, 8, 15, 16 अशुभ।
कन्या	उदर विकार, सम्पदाविवाद, स्त्रीकष्ट, कारोबार में रद्दोबदल, मासान्त में खर्च ज्यादा। जुला. 19, 20, 27, 28, 29; अग. 6, 7, 8 अशुभ।	कन्या	सेहत ठीक, धनलाभ, भूमिलाभ, स्त्रीकष्ट, कारोबार में लाभ, मासान्त में वृथा व्यय। अग. 16, 17, 24, 25; सितं. 3, 4, 12, 13 अशुभ।	कन्या	सेहत गड़बड़, अर्थहानि भय, बन्धुसुख, स्त्रीकष्ट, कारोबार ठीक। सितं. 20, 21, 22, 29, 30; अक्तू. 1, 9, 10, 11 अशुभ।
तुला	सेहत ठीक, निजीलोगों से मदद, शत्रु कमजोर, स्त्रीसुख, कारोबार कुछ ठीक। जुला. 21, 22, 30, 31; अग. 9, 10 अशुभ।	तुला	सेहत गड़बड़, धनहानि भय, कार्यान्तर से लाभ, स्त्रीसुख, मासान्त में विशेषलाभ का योग है। अग. 18, 19, 26, 27, 28; सितं. 5, 6, 7, 14, 15 अशुभ।	तुला	उदरविकार, धनलाभ, असफल योजना, स्त्रीपक्ष से लाभ, कार्यान्तर व स्थानान्तर का विचार। सितं. 22, 23, 24; अक्तू. 2, 3, 4, 11, 12, 13 अशुभ।
वृश्चिक	सेहत गड़बड़, अर्थलाभ होकर हानि, स्त्रीकष्ट, वृथाविवाद, कारोबार असन्तोषजनक। जुला. 16, 23, 24; अग. 1, 2, 3, 11, 12 अशुभ।	वृश्चिक	हानिभय, उदर विकार,, नेत्र व सिरपीड़ा, सन्तानपक्ष से कष्ट, स्त्रीपक्ष से लाभ, मासान्त शुभ। अग. 19, 20, 21, 28, 29, 30; सितं. 7, 8, 9 अशुभ।	वृश्चिक	सेहत ठीक, धनलाभ, सम्पत्तिविवाद, सफल योजना, स्त्रीसुख, कारोबार ठीक, मासान्त में विशेष खर्च। सितं. 16, 17, 25, 26; अक्तू. 4, 5, 6, 13, 14, 15 अशुभ।
धनु	सेहत गड़बड़, अर्थहानि, नई योजना से लाभ, स्त्रीसुख, मन अशान्त, कारोबार की चिन्ता। जुला. 17, 18, 25, 26, 27; अग. 3, 4, 5, 13, 14, 15 अशुभ।	धनु	सेहत ठीक, मित्रों से अनबन, सन्तानपक्ष ठीक, रोग व शोकभय, शत्रु बढ़ें, राजभय। अग. 21, 22, 23, 31; सितं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	धनु	सेहत ठीक, अर्थलाभ, निजीजन से अनबन, नई योजना, स्त्रीसुख, कारोबार कमजोर। सितं. 18, 19, 27, 28, 29; अक्तू. 7, 8, 15, 16 अशुभ।
मकर	गुप्त चिन्ता, निजीलोगों से अनबन, नई योजना से लाभ, स्त्रीसुख, मासान्त में हानिभय। जुला. 19, 20, 27, 28, 29; अग. 6, 7, 8 अशुभ।	मकर	वायुविकार, सम्पति सुख, निजीलोगों से अनबन, सफल योजना, स्त्रीसुख, मासान्त में अचानक कष्ट। अग. 16, 17, 24, 25; सितं. 3, 4, 12, 13 अशुभ।	मकर	सेहत गड़बड़, धनहानि, शत्रु से भय, अपमानभय, निजीजन सहयोग, गुप्त चिन्ता, कार्यान्तर से लाभ। सितं. 20, 21, 22, 29, 30; अक्तू. 1, 9, 10, 11 अशुभ।
कुम्भ	अर्थलाभ होकर हानि, बन्धु से मदद, शत्रु प्रबल, मासान्त में विशेष व्यय एवं लाभ का योग बने। जुला. 21, 22, 30, 31; अग. 9, 10 अशुभ।	कुम्भ	वायुविकार, धनहानि भय, बन्धुसुख, मित्रों से मदद, सफल योजना, स्त्रीकष्ट, कारोबार कमजोर। अग. 18, 19, 26, 27, 28; सितं. 5, 6, 7, 14, 15 अशुभ।	कुम्भ	सेहत गड़बड़, धनलाभ, रोगभय, मन में उत्साह,कारोबार में लाभ, वृथा विवाद से दूर रहें। सितं. 22, 23, 24; अक्तू. 2, 3, 4, 11, 12, 13 अशुभ।
मीन	अर्थहानि, नई योजना से लाभ, यात्रा में सुख, स्त्रीसुख, कारोबार में रद्दोबदल व स्थानान्तर का विचार। जुला. 16, 23, 24; अग. 1, 2, 3, 11, 12 अशुभ।	मीन	धनहानि भय, घरेलू झंझट, स्त्रीपक्ष से लाभ, कारोबार में लाभ, सम्पत्तिविवाद। अग. 19, 20, 21, 28, 29, 30; सितं. 7, 8, 9 अशुभ।	मीन	राजभय, अर्थलाभ होकर हानि, बन्धुसुख, सम्पतिलाभ, मासमध्य में लाभ, कारोबार ठीक। सितं. 16, 17, 25, 26; अक्तू. 4, 5, 6, 13, 14, 15 अशुभ।

बारह राशियों का मासिक फलादेश (सम्वत् 2062 वि.)

राशि	कार्तिक (17 अक्तू. से 15 नवं. तक, सन् '05 ई.)	राशि	मार्गशीर्ष (16 नवं. से 14 दिसं. तक, सन् '05 ई.)	राशि	पौष (15 दिसं., सन् '05 ई. से 13 जन. सन् '06 ई. तक)
मेष	क्रोध बढ़े, धनलाभ, शत्रु हतप्रभ, अचानक लाभ, स्त्रीसुख, कार्यान्तर व स्थानान्तर से लाभ। अक्तू. 17, 24 25, 26; नवं. 3, 4, 5, 12, 13 अशुभ।	मेष	राजभय, मन चिन्तित, अर्थलाभ, स्थानान्तर का विचार, स्त्रीपक्ष से मदद, कारोबार में रुकावट। नवं. 21, 22, 29, 30; दिसं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	मेष	स्थानान्तर का विचार, सुख-धनलाभ, दुश्मन बढ़ें, सन्तानपक्ष शुभ, गुप्त चिन्ता। दिसं. 18, 19, 20, 28, 29; जन. 5, 6, 7 अशुभ।
वृष	कफ-वायु विकार, धनलाभ, निजीजन सहयोग, गुप्त चिन्ता, शत्रु प्रबल, बन्धुसुख। अक्तू. 17, 18, 19, 27, 28, 29; नवं. 5, 6, 7, 14, 15 अशुभ।	वृष	सेहत ठीक, धनलाभ, स्थिरसम्पत्ति विवाद, नई योजना, स्त्रीसुख, कार्यान्तर से लाभ। नवं. 23, 24, 25; दिसं. 3, 4, 12, 13 अशुभ।	वृष	सेहत ठीक, निजीजन विरोध, मित्रों से मेल, शत्रु बढ़ें, नीच से अपमानभय, कारोबार ठीक। दिसं. 21, 22, 30, 31; जन. 7, 8, 9 अशुभ।
मिथुन	सेहत गड़बड़, अर्थलाभ, सम्पत्तिविवाद, नई योजना, कार्यान्तर व स्थानान्तर से लाभ। अक्तू. 20, 21, 29, 30, 31; नवं. 7, 8, 9; अशुभ।	मिथुन	कफ-पित्त विकार, उत्साह बढ़े, निजीजन सहयोग, स्त्रीसुख, आमदन से खर्च अधिक। नवं. 16, 17, 18, 26, 27; दिसं. 5, 6, 13, 14 अशुभ।	मिथुन	सेहत गड़बड़, नेत्र व सिर पीड़ा, सुखलाभ, बनते काम में रुकावट, अचानक लाभ का योग। दिसं. 15, 23, 24, 25; जन. 1, 2, 3, 10, 11 अशुभ।
कर्क	सेहत ठीक, अर्थ हानिभय, निजीलोगों से अनबन, जमीन-जायदाद से लाभ, कारोबार ठीक। अक्तू. 22, 23, 24; नवं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	कर्क	सेहत गड़बड़, नेत्रकष्ट, बन्धुसुख, अच्छे लोगों से मेल, शत्रु प्रबल, धर्म-कर्म में मन लगे। नवं. 18, 19, 20, 28, 29; दिसं. 7, 8 अशुभ।	कर्क	उदरविकार, धनलाभ होकर हानिभय, रोग विशेष से कष्ट, कारोबार यथावत। दिसं. 15, 16, 17, 25, 26, 27; जन. 3, 4, 12, 13 अशुभ।
सिंह	रक्त-पित्त विकार, नेत्रकष्ट, निजीजन सहयोग, सम्पत्ति-सुख, नई योजना से हानि। अक्तू. 17, 24 25, 26; नवं. 3, 4, 5, 12, 13 अशुभ।	सिंह	उदरविकार, धनलाभ, निजीजन से मदद, गुप्त चिन्ता, स्त्रीकष्ट, कारोबार ठीक। नवं. 21, 22, 29, 30; दिसं. 1, 2, 9, 10,11 अशुभ।	सिंह	सेहत ठीक, क्रोध बढ़े, अर्थलाभ, शत्रु बढ़ें, शुभ समाचार, कारोबार ठीक। दिसं. 18, 19, 20, 28, 29; जन. 5, 6, 7 अशुभ।
कन्या	उदर व नेत्रकष्ट, धनलाभ, गुप्त चिन्ता, कारोबार कुछ ठीक, गुप्तशत्रु से सावधान। अक्तू. 17, 18, 19, 27, 28, 29; नवं. 5, 6, 7, 14, 15 अशुभ।	कन्या	सेहत ठीक, अर्थलाभ, बन्धुसुख, सम्पति विवाद, वृथा कलह, अच्छे लोगों से मेल। नवं. 23, 24, 25; दिसं. 3, 4, 12, 13 अशुभ।	कन्या	सेहत ठीक, धनहानिभय, शत्रु हतप्रभ, यात्रा में कष्ट, असफल योजना, सम्मान मिले। दिसं. 21, 22, 30, 31; जन. 7, 8, 9 अशुभ।
तुला	सेहत ठीक, सम्पत्तिविवाद, शत्रु प्रबल, स्त्रीपक्ष से लाभ, मासान्त में हानि, कारोबार यथावत। अक्तू. 20, 21, 29, 30, 31; नवं. 7, 8, 9; अशुभ।	तुला	मन शान्त, धनलाभ, निजीलोगों से अनबन, अच्छे लोगों से मेल, आय से व्यय अधिक। नवं. 16, 17, 18, 26, 27; दिसं. 5, 6, 13, 14 अशुभ।	तुला	सेहत ठीक, अर्थहानि, शत्रु कमजोर, वृथा विवाद, सफल योजना, स्त्रीपक्ष से अनबन। दिसं. 15, 23, 24, 25; जन. 1, 2, 3, 10, 11 अशुभ।
वृश्चिक	सेहत ठीक, धनलाभ होकर हानिभय, सुखलाभ, सन्तानपक्ष से चिन्ता, नीच से अपमानभय। अक्तू. 22, 23, 24; नवं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	वृश्चिक	सेहत गड़बड़, अर्थहानिभय, नई योजना से लाभ, मन शान्त, कार्यान्तर व स्थानान्तर से लाभ। नवं. 18, 19, 20, 28, 29; दिसं. 7, 8 अशुभ।	वृश्चिक	विशेषकष्ट भय, गुप्त शत्रु से सावधान, वृथा विवाद, निजीजन सहयोग, स्त्रीपक्ष से लाभ। दिसं. 15, 16, 17, 25, 26, 27; जन. 3, 4, 12, 13 अशुभ।
धनु	सेहत गड़बड़, धनहानि, निजीलोगों से अनबन, स्त्रीकष्ट, कार्यान्तर से लाभ। अक्तू. 17, 24 25, 26; नवं. 3, 4, 5, 12, 13 अशुभ।	धनु	सेहत गड़बड़, अर्थहानि, भ्रातृकष्ट, सम्पत्तिलाभ का योग, मासान्त में अच्छा लाभ। नवं. 21, 22, 29, 30; दिसं. 1, 2, 9, 10,11 अशुभ।	धनु	पित-कफ विकार, अकस्मात् हानिभय, बन्धुकष्ट, कार्यान्तर से लाभ। दिसं. 18, 19, 20, 28, 29; जन. 5, 6, 7 अशुभ।
मकर	पीड़ाभय, शत्रु कमजोर, बन्धुसुख, योजना सफल, स्त्रीसुख, कारोबार ठीक। अक्तू. 17, 18, 19, 27, 28, 29; नवं. 5, 6, 7, 14, 15 अशुभ।	मकर	सेहत ठीक, अचानक कष्ट की सम्भावना, सम्पत्तिलाभ, कारोबार में रद्दोबदल, मासान्त शुभ। नवं. 23, 24, 25; दिसं. 3, 4, 12, 13 अशुभ।	मकर	उदरविकार, अर्थलाभ, सुखलाभ, बन्धुसुख, गुप्त चिन्ता से मन अशान्त, कारोबार गड़बड़। दिसं. 21, 22, 30, 31; जन. 7, 8, 9 अशुभ।
कुम्भ	सेहत गड़बड़, अर्थहानि, निजीलोगों से अनबन, गुप्त चिन्ता, स्थानान्तर का विचार। अक्तू. 20, 21, 29, 30, 31; नवं. 7, 8, 9; अशुभ।	कुम्भ	उदरविकार, धनलाभ, बन्धुसुख, गुप्तशत्रु से भय, क्रोध बढ़े, कारोबार ठीक। नवं. 16, 17, 18, 26, 27; दिसं. 5, 6, 13, 14 अशुभ।	कुम्भ	सेहत ठीक, धनलाभ, निजीजन सुख, सम्पत्ति विवाद सुलझे, स्त्रीपक्ष शुभ, कारोबार गड़बड़। दिसं. 15, 23, 24, 25; जन. 1, 2, 3, 10, 11 अशुभ।
मीन	रोगभय, धनहानि होकर लाभ, नीच से अपमानभय, वृथा विवाद से दूर रहें। अक्तू. 22, 23, 24; नवं. 1, 2, 9, 10, 11 अशुभ।	मीन	कष्टभय, अचानक धनहानि, चिन्ता, किसी की मदद से काम बने, कारोबार कमजोर। नवं. 18, 19, 20, 28, 29; दिसं. 7, 8 अशुभ।	मीन	बन्धनभय, अर्थलाभ होकर हानि, नए कारोबार में असफलता, गुप्त चिन्ता। दिसं. 15, 16, 17, 25, 26, 27; जन. 3, 4, 12, 13 अशुभ।

बारह राशियों का मासिक फलादेश (सम्वत् 2062 वि.)

राशि	माघ (14 जन. से 11 फर. तक, सन् 2006 ई.)	राशि	फाल्गुन (12 फर. से 13 मार्च तक, सन् 2006 ई.)	राशि	चैत्र (14 मार्च से 13 अप्रै. तक, सन् 2006 ई.)
मेष	स्थानान्तर का विचार, पराक्रम बढ़े, सम्पत्तिलाभ, स्त्रीकष्ट, कारोबार ठीक। जन. 14, 15, 16, 24, 25, 26; फर. 1, 2, 3, 10, 11 अशुभ।	मेष	बन्धनभय, स्थानहानिभय, आर्थिक तंगी, शत्रु बढ़ें, स्त्रीपक्ष से मदद, कारोबार मासान्त में ठीक। फर. 12, 20, 21, 22; मार्च 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।	मेष	अचानक कष्ट योग, शत्रु हतप्रभ, घरेलू झंझटबढ़ें, योजनाऐं असफल, यात्रा में कष्ट। मार्च 20, 21, 28, 29, 30; अप्रै. 6, 7, 8 अशुभ।
वृष	सेहत गड़बड़, नेत्र व सिरपीड़ा, बन्धुसुख, बनते काम में रुकावट, अचानक धनलाभ। जन. 17, 18, 19, 26, 27, 28; फर. 4, 5 अशुभ।	वृष	हानिभय, अचानक धनलाभ, मासमध्य में विशेष कष्टभय, कारोबार कुछ ठीक। फर. 13, 14, 15, 23, 24; मार्च 3, 4, 12, 13 अशुभ।	वृष	सेहत ठीक, नेत्र व सिरपीड़ा, शत्रु बढ़ें, बनते काम में रुकावट, गुप्त चिन्ता, कारोबार ठीक। मार्च 14, 22, 23, 24, 30, 31; अप्रै. 1, 9, 10, 11 अशुभ।
मिथुन	हानिभय, धननाश व नेत्र रोग, सन्तानपक्ष से चिन्ता, गुप्त रोग, कारोबार कमजोर। जन. 19, 20, 21, 29, 30; फर. 6, 7 अशुभ।	मिथुन	नेत्र व सिरपीड़ा, मानसिक अशान्ति का कारण बने, घरेलू झंझट बढ़ें, कारोबार कमजोर। फर. 16, 17, 18, 25, 26; मार्च 5, 6, 7 अशुभ।	मिथुन	क्रोध बढ़े, शत्रु कमजोर, सुखलाभ, अचानक रोगभय, स्त्रीसुख, कारोबार कुछ ठीक। मार्च 15, 16, 17, 24, 25, 26; अप्रै. 1, 2, 3, 11, 12, 13 अशुभ।
कर्क	सेहत ठीक, धनलाभ, शत्रु बढ़ें, स्त्रीपक्ष से लाभ, कारोबार ठीक। जन. 14, 22, 23, 30, 31; फर. 8, 9, 10 अशुभ।	कर्क	क्रोध बढ़े, निजीलोगों से अनबन, बन्धुओं (मित्रों) से मदद, अर्थहानि, अशुभ समाचार। फर. 18, 19, 27, 28; मार्च 7, 8, 9 अशुभ।	कर्क	अकस्मात् धनहानि भय, नई योजना से लाभ, कारोबार कुछ ठीक, मासान्त में विशेष खर्च। मार्च 17, 18, 19, 26, 27; अप्रै. 4, 5, 13 अशुभ।
सिंह	कफ–पित्त विकार, धनहानि भय, अचानक अर्थलाभ, यात्रा में कष्ट, कारोबार गड़बड़। जन. 14, 15, 16, 24, 25, 26; फर. 1, 2, 3, 10, 11 अशुभ।	सिंह	सेहत गड़बड़, विशेष धनहानि भय, अपने भी पराए बनें, स्त्रीपक्ष से मदद, कारोबार में रद्दोबदल। फर. 12, 20, 21, 22; मार्च 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।	सिंह	कष्टभय, धनहानि होकर लाभ, निजीजन से अनबन, अच्छे लोगों से मेल, स्त्रीपक्ष से मदद। मार्च 20, 21, 28, 29, 30; अप्रै. 6, 7, 8 अशुभ।
कन्या	लाभ होकर हानिभय, शत्रु बढ़ें, स्त्रीसुख, कार्यान्तर व स्थानान्तर से लाभ। जन. 17, 18, 19, 26, 27, 28; फर. 4, 5 अशुभ।	कन्या	मन अशान्त, धनलाभ होकर हानि हो, निजीलोगों से अनबन, स्त्रीकष्ट, कारोबार कुछ ठीक हो। फर. 13, 14, 15, 23, 24; मार्च 3, 4, 12, 13 अशुभ।	कन्या	धनहानि, रोगभय, शत्रु बढ़ें, लड़ाई–झगड़े से बचें, वृथाव्यय, कारोबार में लाभ हो। मार्च 14, 22, 23, 24, 30, 31; अप्रै. 1, 9, 10, 11 अशुभ।
तुला	झगड़े–झंझट बढ़ें, निजीजन विरोध, स्त्रीकष्ट, कारोबार में रुकावट। जन. 19, 20, 21, 29, 30; फर. 6, 7 अशुभ।	तुला	सेहत ठीक, घरेलू झंझट बढ़ें, स्थानलाभ, स्त्रीपक्ष से चिन्ता, कारोबार ठीक। फर. 16, 17, 18, 25, 26; मार्च 5, 6, 7 अशुभ।	तुला	मानसिक परेशानी बढ़े, धनलाभ हो, सन्तानपक्ष शुभ, स्त्रीपक्ष से चिन्ता, कारोबार में हानि। मार्च 15, 16, 17, 24, 25, 26; अप्रै. 1, 2, 3, 11, 12, 13 अशुभ।
वृश्चिक	सेहत गड़बड़, हानिभय, अचानक रोग से कष्ट, सन्तानसुख, गुप्त शत्रु से सावधान। जन. 14, 22, 23, 30, 31; फर. 8, 9, 10 अशुभ।	वृश्चिक	उदर विकार, धनलाभ, शत्रु कमजोर, कलह–क्लेश बढ़ें, रोगभय, कारोबार में हानि,। फर. 18, 19, 27, 28; मार्च 7, 8, 9 अशुभ।	वृश्चिक	अचानक कष्ट भय, धनलाभ, वृथाव्यय, कारोबार में नुकसान, गुप्तशत्रु से सावधान। मार्च 17, 18, 19, 26, 27; अप्रै. 4, 5, 13 अशुभ।
धनु	उदर विकार, धनलाभ, सन्तानपक्ष से चिन्ता, वृथा विवाद में न उलझें, कारोबार कमजोर। जन. 14, 15, 16, 24, 25, 26; फर. 1, 2, 3, 10, 11 अशुभ।	धनु	सेहत ठीक, सुख–धनलाभ, दुष्टसंग से बचें, अशान्ति का कारण बने, कारोबार कमजोर। फर. 12, 20, 21, 22; मार्च 1, 2, 10, 11, 12 अशुभ।	धनु	सेहत ठीक, सुख–अर्थलाभ, अचानक रोग भय, स्त्रीकष्ट, मासान्त में विशेषहानि। मार्च 20, 21, 28, 29, 30; अप्रै. 6, 7, 8 अशुभ।
मकर	अचानक कष्ट भय, अर्थलाभ होकर हानि, शत्रु हतप्रभ, स्त्रीसुख, कारोबार में हानि से चिन्ता। जन. 17, 18, 19, 26, 27, 28; फर. 4, 5 अशुभ।	मकर	शत्रु से हानि, धनलाभ, वृथाविवाद से दूर रहें, मासान्त में अचानक कष्टभय। फर. 13, 14, 15, 23, 24; मार्च 3, 4, 12, 13 अशुभ।	मकर	सुख–धनप्राप्ति, गुप्तशत्रु से सावधान, स्त्रीकष्ट, कार्यान्तर व स्थानान्तर का विचार। मार्च 14, 22, 23, 24, 30, 31; अप्रै. 1, 9, 10, 11 अशुभ।
कुम्भ	कफ–पित्त विकार, सुख और धनलाभ, बन्धुओं से मेल, अशुभ समाचार, दुश्मन बढ़ें। जन. 19, 20, 21, 29, 30; फर. 6, 7 अशुभ।	कुम्भ	सेहत गड़बड़, अर्थहानि भय, निजीजन असहयोग, सन्तान हेतु विशेष खर्च, स्त्रीसुख। फर. 16, 17, 18, 25, 26; मार्च 5, 6, 7 अशुभ।	कुम्भ	शत्रु से हानि, धनलाभ, शारीरिक कष्ट, दुर्घटना से बचें, कारोबार ठीक। मार्च 15, 16, 17, 24, 25, 26; अप्रै. 1, 2, 3, 11, 12, 13 अशुभ।
मीन	राजभय, विरोधी पक्ष से हानि, आर्थिक स्थिति कमजोर, घरेलू झंझट, मित्रवर्ग से मदद। जन. 14, 22, 23, 30, 31; फर. 8, 9, 10 अशुभ।	मीन	सेहत गड़बड़, नेत्र व सिरपीड़ा, शत्रु बढ़ें, रोगभय, गुप्त चिन्ता, कारोबार ठीक। फर. 18, 19, 27, 28; मार्च 7, 8, 9 अशुभ।	मीन	बन्धनभय, अचानक हानि के कारण बनें, गुप्त शत्रु से सावधान, मासान्त में अचानक सुखलाभ। मार्च 17, 18, 19, 26, 27; अप्रै. 4, 5, 13 अशुभ।

अथ वर्षराजादि फल विचार (संवत् २०६२ वि.)

(सन् २००५-०६ की ग्रहपरिषद् का विवरण)

कल्पादि से गतवर्ष १९७२९४९१०६, सृष्टि संवत् १९५५८८५१०६, श्रीविक्रम संवत् २०६२, शक संवत् १९२७, श्रीकृष्णजन्म संवत् ५२४१, कलि-संवत् ५१०६, सप्तर्षि-संवत् ५०८१, श्री जैन महावीर निर्वाण संवत् २५३०-३१, श्रीबुद्ध संवत् २६२८-२९, हिजरी सन् १४२६-२७, फसली सन् १४१२-१३, ईस्वी सन् २००५-०६।

वर्षारम्भ में गुरुमान से विष्णुविंशति का 'विलम्ब' नामक संवत्सर है। इसका फल शास्त्रों में इस प्रकार लिखा है;-

विलम्बि वत्सरे भूपाः परस्परं विरोधिनः।
प्रजापीड़ा त्वनर्थत्त्वं तथापि सुखिनो जनाः।।

अर्थात्- विलम्बि संवत्सर में राजा किंवा शासकवर्ग में परस्पर विरोध (विचार-वैमत्य) रहे। प्रजा में रोग व शासनकृत कुनीतियों से परेशानी रहे। ठगी-चोरी आदि अनैतिक कार्यों से अनर्थकारक घटनाएं घटित हों। पुनरपि सभी जन सुखी रहें।

किञ्च-"विलम्बे वत्सरे रविः स्वामी, चैत्र-वैशाखयोर्धान्यमहर्घता, आषाढ़े-श्रावणे धान्य-कलशिका प्रतिटका ५, फदिया २५ लभ्यन्ते, आषाढ़े मेघोऽल्पः। श्रावणे महामेघः सुभिक्षम्। भाद्रपदे दिन ११ वर्षा बहुला; परं गोधूमाश्चणकाश्च महर्घाः, पश्चिमायां सुभिक्षम्, राजविग्रहः, पूर्वदेशेऽन्नं दुष्प्राप्यम्। दक्षिणदेशे राज्ञामन्योन्यं विरोधः। आश्विनेऽन्न-महर्घता, रोगपीड़ा। सर्वक्रयाणक-वस्तु-महर्घता, कार्त्तिकादि मास-पंचके धान्यकलशिका प्रतिफदिया १० लभ्यन्ते।"

इस संवत् का राजा (ग्रहपरिषद् के प्रधान) **शनि, मन्त्री बुध, सस्येश** (चौमासी फसलों के स्वामी) **शनि, धान्येश** (शीतकालीन फसलों के स्वामी) **गुरु, मेघेश** (मौसम, वर्षा-पानी के स्वामी) **मंगल, रसेश** (गुड़-खाण्ड, रसकस आदि के स्वामी) **चन्द्र, नीरसेश** (सर्वविध धातु आदि व्यापार के स्वामी) **शनि, फलेश** (फल-फूल आदि के स्वामी) **मंगल, धनेश** (धन-दौलत एवं खजाना के स्वामी) **शुक्र, एवं दुर्गेश** (सुरक्षा एवं प्रतिरक्षा के स्वामी) **मंगल हैं।**

संवत् के उल्लिखित पदाधिकारियों के फल निम्नलिखित हैं;-

(१) राजा शनि का फल-

" शनैश्चरे भूमिपतौ सकृज्जलं प्रभूतरोगैः परिपीड्यते जनः।
युद्धं नृपाणां गद-तस्कराद्यैर्भ्रमन्तिलोकाः क्षुधिताश्च देशान्।।"

अर्थात्- वर्षा कम हो, नानाविध रोगों से जनता परेशान रहे, शासकों में परस्पर युद्ध व विचार-वैमत्य, रोग, चौर-डकैत आदि की घटनाओं से जनता परेशान रहे। कहीं भूभाग पर किंवा देश विशेष में (कहीं अकाल की स्थिति से) जनता भूख से परेशान होकर स्थानान्तरण करने को विवश हो।

(२) मन्त्री बुध का फल-

"शशिसुते शुभ मन्त्रिपदं गते स्वपतिना रमते मदनक्रियाम्।
बहुधनं बहुवादि-समन्वितं यव-मसूर-चणान्न-महर्घता ।।"

अर्थात्- बुध के मन्त्री होने पर स्त्रियां अपने पतियों के साथ रमण करें, लोग धनाढ्य हों एवं जनता परस्पर वाद-विवाद में अधिक उलझे। जौ, चना, मसूर आदि अनाज मंहगे हों।

(३) सस्येश शनि का फल-

"रविसुते यदि धान्यपतौ जनाः नृपतिभिः परिपीड़ित-विग्रहाः।
गदभयं तुषधान्यहरं सदा दुरित वाद-विवादयुताः नराः।।"

अर्थात्- शनि सस्येश हो तो लोग राजभय से पीड़ित रहें, जनता रोगत्रस्त रहे। जौ, गेहूं आदि की खेतियां खराब हों। अधिकतर लोग वाद-विवाद (कानूनी उलझनों) में उलझे रहें।

(४) धान्येश गुरु का फल-

"गुरौ धान्यपतौ याते यव-गोधूम-शालयः।
पच्यन्ते सर्वदेशेषु यज्वानो ब्राह्मणादयः।।"

अर्थात्- यदि बृहस्पति धान्येश हो तो सर्वत्र गेहूं-जौ-चावलों की फसल अच्छी हो। उत्तम विचारों वाले (ब्राह्मणादि) लोग यजन-याजन आदि शुभकार्यों में प्रवृत्ति रखें।

(५) मेघेश मंगल का फल-

"अवनिजे जलदस्य पतौ भुविश्रुति -विचार-विहीन-धरामराः।
क्वचिदपि प्रचुरं जलमल्पकं क्वचिदपि प्रशमं बहुतापदम्।।

अर्थात्- मंगल मेघेश हो तो ब्राह्मण लोग वैदिक परम्परा का उल्लंघन करें एवं वेदविचार से हीन हों। कहीं वर्षा की भारी कमी अनुभव होगी एवं कहीं बाढ़ आदि से हानि भी हो। कहीं वर्षा न होने से तापमान ऊंचा रहे।

(६) रसेश चन्द्र का फल-

"यदि विधौ रसपे भुवि मानवो नवनवां युवतीं बुभुजे प्रियाम्।
जलधरा बहुवारि-विधायका रसवती धनधान्यवती मही।।"

अर्थात्-चन्द्रमा रसेश हो तो मनुष्य नवीन-नवीन युवतियों से सम्पर्क रखें। बादल अत्यधिक जलवृष्टिकारक हों। पृथ्वी पर आनन्द-मंगल एवं धन-धान्य समृद्धि रहे।

(७) नीरसेश-शनि का फल-

"अयः पिण्डादि लौहानां कृष्णवस्त्रादि वस्तुनाम्।
अर्घवृद्धिः प्रजायेत मन्दे नीरसनायके।।"

अर्थात्- शनि के नीरसेश होने पर लौहपिण्डों (लोहे से निर्मित वस्तुओं) एवम् समग्र कृष्णवर्ण की वस्तुओं किंवा कृष्ण वस्त्रादि में मंहगाई हो।

(८) फलेश मंगल का फल-

"फलपतिर्यदि भूतनयो भवेन्न बहुपुष्प फलान्वित-पादपाः।
गद-भयान्वित-देश-जनास्तदा नृपतयो बहुविग्रह-कारकाः।।"

अर्थात्- मंगल फलेश हो तो वृक्षों में फल-फूल कम लगें। मनुष्यों में रोगभय हो और राजाओं में परस्पर संघर्ष की स्थिति बने।

(६) धनेश शुक्र का फल-

"द्रविणपो भृगुजो द्रविणैर्युताः समधनाः सकलाः ननु मानवाः।
समसुखाः क्रयविक्रयजीविनो नृपतयो जनपालन-तत्पराः।।"

अर्थात्- शुक्र के धनेश होने पर जनता का जीवनस्तर ऊंचा उठे, जनता धनवान् हो, समान धन-धान्य सुविधाएं उपलब्ध हों। व्यापारी वर्ग क्रय-विक्रय में बराबर सुख के भागी रहे। राजा किंवा शासकवर्ग जनता के पालन-पोषण में तत्पर रहे।

(१०) दुर्गेश मंगल का फल-

"अवनिजो गढ़नायकतां गतो विविध-दुःख -वियोग-समन्वितः।
जनपदेषु जनाः क्रय-विक्रये भय विशेषतया न फलं क्वचित्।।"

अर्थात्- मंगल दुर्गेश (रक्षा-प्रतिरक्षा का स्वामी) हो तो जनता को अनेकविध

परेशानियों व दुःखों का सामना करना पड़े। वियोग किंवा विछोह की घटनाएं घटित हों। व्यापारिक स्थलों पर क्रय-विक्रय में शासनतन्त्र किंवा अन्य प्रकार के भय से विशेष परिणाम की उपलब्धि न हो।

सूचना- यद्यपि वर्ष के इन दशाधिकारियों का फल सर्वत्र होता है। किन्तु विशेषतः **राजा** का फल काश्मीर, अफगानिस्तान एवं बराड़ देश में; **मन्त्री** का फल आन्ध्र, वाल्हीक, उज्जैन एवम् मालवा में; **सस्येश** का पौण्ड्र, विदर्भ में; **धान्येश** का गुजरात, नर्मदा के तटवर्ती प्रदेश एवं मध्यप्रदेश में; **मेघेश** का मगध एवं बंगाल में; **रसेश** का कोंकण एवं गोवा में; **नीरसेश** का मालवा व बिहार में; **धनेश** का राजस्थान एवं बाड़मेर में; **फलेश-दुर्गेश** एवं **राजा** का फल सब जगह विशेष होता है।

वर्षा आदि के विश्वामान

वर्षाविश्वा १७, धान्य १३, तृण ६, शीत १५, तेज ११, वायु १३, वृद्धि १५, क्षय १५, विग्रह ११, क्षुधा ५, तृषा ५, निद्रा ६, आलस्य ५, उद्यम ५, शांति १५, क्रोध १३, दम्भ ५, लोभ ३, मैथुन १५, रस ६, फल १३, उत्साह ११, उग्रता १७, पाप १५, पुण्य १, व्याधि १५, व्याधिनाश ११, आचार ६, अनाचार १३, मृत्यु ६, जन्म १७, देशोपद्रव ५, देशस्वास्थ्य ६, चौर १५, चौरनाश ७, अग्नि ३, अग्निशांति ५, उद्भिज्ज ६, जरायुज ३, अण्डज ११, स्वेदज ५, टिड्डी १७, तोता ५, मूषक ५, सोना १५, तांबा१३, स्वचक्र ११, परचक्र १३, वृष्टि १५, वृष्टिनाश ५ एवं संवत् विश्वा ५ हैं।

आवर्तकादि चतुर्मेघ- चतुर्मेघों में **'संवर्त्तक'** संज्ञक मेघ है।

फल- इस वर्ष संवर्त्तक नामका मेघ अच्छी वर्षा का संकेत देता है;- **"संवर्त्तो जलपूरितः"**। धर्म-कर्म में जनता की रुचि कम हो। समयानुसार वर्षा-जल पर्याप्त मात्रा में होने से किसानवर्ग में प्रसन्नता रहे। दालवाना, धान, तिलहन की फसल पर्याप्तमात्रा में हो। कहीं वायुवेग से हानि भी हो।

नवमेघ विचार- नवमेघों में **'वायु'** नामक मेघ है।

फल- वर्षा की भारी कमी अनुभव हो। कृषकवर्ग परेशान रहे। मेघ आकर भी वायुवेग से छंटते रहेंगे। धान की फसल को विशेष नुक्सान रहे। कहीं अकाल आदि कारणों से जनता को अपना घर छोड़कर स्थानान्तरण के लिए विवश होना पड़ेगा। **'वायुनामक'** मेघ का फल शास्त्रों में इस प्रकार लिखा है-

"नैवाम्बु-वृष्टिं कुरुते सुरेशः समस्त धान्याबर कण्यनाशः।
धराधरः स्याद्यदि वायु नामा जनव्रजस्तर्हि विहीन-धामा।।"

अनन्तादि अष्टनाग- इस वर्ष अनन्तादि अष्टनागों में **'शंख'** नामक नाग है।

फल- समयानुसार वर्षा हो एवं जलीय-पदार्थ सहज उपलब्ध हों।

सुबुम्नादि द्वादशनाग- इसव र्ष बारह नागों में **'हेममाली'** नामक नाग है।

फल- कुछ प्रान्तों में महावृष्टि का योग है; कहीं बाढ़ से हानि के भी समाचार मिलेंगे। पृथ्वी पर समस्त धान्य अधिक होंगे- **'हेममालिनि महावृष्टिः।'**

किञ्च- **"हेममालिनि नागेन्द्रे जायते त्वखिला मही।
समस्त धान्य-सम्पूर्णा प्रभूत जलवृष्टितः।।"**

आवह आदि सप्तवायु विचार - इस वर्ष आवह आदि 'वायु सप्तक' में **'संवह'** नामक वायु है।

फल- जल-वर्षा उपयुक्त हो। वायुवेग व आंधी-तूफ़ान से कहीं खड़ी फसलों को हानि पहुंचे। उत्तर-पश्चिम एवं दक्षिण में विशेष हानि के योग हैं।

संवत् २०६२ वि. का वाहन- इस संवत् का राजा शनि होने से संवत् का वाहन महिष **(भैंसा)** है।

फल- कुछ वरिष्ठ व्यक्तियों व राजनीतिज्ञों की विस्फोट व दुर्घटना में मृत्यु हो। राजनीतिज्ञों के लिए यह वर्ष विशेष कष्टप्रद एवं राजनैतिक अस्थिरता वाला है। पूर्वी एवं दक्षिणी भूभाग पर प्राकृतिक प्रकोप से हानि के योग हैं।

इस वर्ष के चार स्तम्भ

(१) **जलस्तम्भ**-(चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र) ३७ प्रतिशत है।
(२) **वायुस्तम्भ**-(ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा को मृगशिरा नक्षत्र)६२ प्रतिशत है।
(३) **तृणस्तम्भ**-(वैशाख शुक्ल प्रतिपदा को भरणी नक्षत्र) २१ प्रतिशत है।
(४) **अन्नस्तम्भ**-(आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को पुनर्वसु नक्षत्र)६७ प्रतिशत है।

ये उल्लिखित चार स्तम्भ देश के कुशल-क्षेम ज्ञानार्थ विशेष महत्त्व रखते हैं। क्योंकि सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड की सत्ता जल, वायु, अन्न एवं तृण (जड़ी-बूटियों) आदि पर ही निर्भर है। संवत् के शुभारम्भ पर देश की प्राकृतिक व्यवस्था के नियामक चार स्तम्भों का आकलन आवश्यक समझा गया है। जनमानस एवं देश-विशेष की खुशहाली के मूलभूत इन चार स्तम्भों का प्रतिशतता के आधार पर सामूहिक फल इस वर्ष निम्नांकित है;-

फल- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र ३७ प्रतिशत होने से 'जलस्तम्भ' इस वर्ष क्षीण है। साथ ही चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को शनिवार होने से ("शनौ धान्यतृण-जलशोषः प्रजार्तयः"- प्रमाणानुसार) अनाज, पशुचारा एवं वर्षा-पानी की कमी अनुभव होगी एवं प्रजा रोगादि से परेशान रहे। वर्षा की कमी से किसानवर्ग चिन्तित रहेगा। सरकार को न्यूनतम वर्षाक्षेत्रों को संरक्षण देना होगा।

वायुस्तम्भ ६२ प्रतिशत है। ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा को मंगलवार भी है, अतः कुछ क्षेत्र भारी तूफान व बवण्डर से प्रभावित होंगे। कहीं झंझावात (वर्षासहित आंधी) से भारी हानि होने का भी योग है।

तृणस्तम्भ (वैशाख शुक्ल प्रतिपदा को भरणी नक्षत्र) २१ प्रतिशत है। तृणस्तम्भ कमजोर होने से राजस्थान, उड़ीसा, बिहार में पशुचारे की कमी अनुभव होगी। इस वर्ष जलस्तम्भ भी कमजोर है, अतः जंगली जड़ी-बूटियों एवं वन्य औषधियों की कमी से देसी दवाओं में मंहगाई होगी।

अन्नस्तम्भ (आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को पुनर्वसु नक्षत्र) ६७ प्रतिशत है। इस दिन गुरुवार होने से भी अन्नस्तम्भ और प्रबल हो जाता है। अनाज पर्याप्त मात्रा में होगा। अन्नभण्डारण के लिए सरकार को विशेष प्रबन्ध करने होंगे। इस वर्ष जल एवं तृणस्तम्भ के कमजोर होने से किसानवर्ग को पानी प्राप्त करने के लिए डीजल पर विशेष खर्च करना होगा एवं पशुचारा मंहगा होने से दूध -रसादि पदार्थ मंहगे होंगे।

आर्षमान विचार (वर्षरक्षा के लिए चार दुर्ग)

(१) **प्रथम आर्ष**-(अक्षय तृतीया को रोहिणी नक्षत्र) २६ प्रतिशत है।
(२) **द्वितीय आर्ष**-(सं. २०६१ वि. में पौष अमा को मूल नक्षत्र) का अभाव है।
(३) **तृतीय आर्ष**-(श्रावण पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र) २६ प्रतिशत है।
(४) **चतुर्थ आर्ष** -(कार्तिक पूर्णिमा को कृत्तिका नक्षत्र) २५ प्रतिशत है।

फल- संवत् २०६२ वि. में चार दुर्गों का विचार चिन्ताजनक स्थिति का संकेत देता है। क्योंकि राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक स्थिति, राजनैतिक स्थिति एवं वर्षा-पानी की दृष्टि से यह वर्ष शासनतन्त्र के सामने अनेकविध समस्याओं को लेकर उपस्थित होगा। प्रथम एवं तृतीय आर्ष २६ प्रतिशत, चतुर्थ आर्ष २५ प्रतिशत एवं द्वितीय आर्ष शून्य है।

देश में जल-थल-वायु सेनाओं में विशेष संशोधन की आवश्यक्ता है। विशेष आधुनिकतम प्रक्षेपणास्त्रों की कमी अनुभव होगी। प्राकृतिक आपदाओं से भी देश की आर्थिक-सामाजिक स्थिति चिन्तनीय हो सकती है। आर्षमान विचार से इस वर्ष मंहगाई जोर पकड़ेगी। वर्षा-पानी की कमी एवं कहीं अकाल की स्थिति रहेगी। जनता परेशान रहेगी।

दोहा : " अखैतीज रोहिणी न होई, पौष अमावस मूल न जोई।
राखी श्रवणो हीन विचारो, कार्तिक पुण्यो कृत्तिका टारो।
महीमाह खलबली प्रकाशै, कहै भड्डली साख विनाशै।।"

रोहिणी का वास- इस वर्ष रोहिणी का वास 'सन्धि' में है।

फल- "खण्डवृष्टिश्च सन्धिषु"- सन्धि में रोहिणी का वास होने से कहीं वर्षा रुक-रुक कर एवं कहीं सूखा तो कहीं छिटपुट वर्षा हो। लेकिन अकाल की स्थिति नहीं बने-

"सन्धिसंस्थं यदा ब्राह्मं जायते। खण्डवृष्टिस्तदा सर्व-धान्याप्तयः।।"

समय का वास- इस वर्ष समय का वास **'वैश्य'** के घर में है।

फल- अनाज एवं अन्य खाद्य वस्तुओं के स्टॉक (भण्डारण) की प्रवृत्ति से जनजीवनोपयोगी वस्तुओं में मंहगाई रहे। कृषक एवं सामान्यजन शासनतन्त्र को दोषी ठहराकर शासन का ध्यान मंहगाई रोकने के लिए आकर्षित करे।

शनि की दृष्टि- वर्षारम्भ से २५ मई सन् २००५ ई. तक शनि मिथुन राशि में रहेगा। तत्पश्चात् संवत् के अन्त तक शनि कर्कराशि में ही विराजमान रहेगा। अतः २५ मई तक शनि की दृष्टि पूर्व की ओर एवं बाद में संवत् के अन्त तक शनि की नजर दक्षिण दिशा की तरफ रहेगी।

फल - "शनैश्चरः क्रमात्पश्यन् तत्तद्देशान् प्रपीड़येत्।
दुर्भिक्ष -देशभङ्गाद्यैर्विग्रहो राजविड्वरैः।।"

संवत् २०६२ वि. के प्रारम्भ से २५ मई सन् २००५ ई. तक शनि की दृष्टि पूर्वी प्रान्तों एवं पूर्वी गोलार्ध पर रहेगी। तत्पश्चात् संवत् २०६२ वि. के अन्त तक शनि दक्षिणी प्रान्तों एवं दक्षिणी गोलार्ध के देशों पर क्रूरदृष्टि रखेगा। फलस्वरूप उपरोक्त समयावधियों में कहीं राजनैतिक अस्थिरता, समुद्री तूफान, सत्ता-परिवर्तन हो। कहीं दो देशों में युद्ध-ज्वाला से बड़े देश चिन्तित हों। आन्दोलन, हत्याकाण्ड, भंयकर रोग से मृत्युदर बढ़े। कहीं भूकम्प, तूफान आदि प्राकृतिक प्रकोप से भारी जन-धनहानि हो। पूर्व में शनिदृष्टि होने से मेष, मिथुन, वृष, मकर, कन्या,

तुला नामराशि वाले देशों में विशेषतः मुस्लिम देशों में अघटित घटनाचक्र चलेगा। दक्षिण में कहीं अवर्षण व कहीं अकाल से कृषकों के लिए चिन्ताजनक स्थिति बने।

शरत्सस्य जातक

संवत् २०६२ वि. में वैशाख शुक्ल ६ शनिवार तदनुसार १४ मई, सन् २००५ ई. को भा. स्टैं. टा. के अनुसार २१ घं. ०३ मि. पर सूर्यदेव वृषराशि में प्रवेश करेंगे।

शरत् सस्य जातक कुण्डली

९ | ८ | ७ | गु. ६ के. | ५ | ४ चं. | ३ श. | २ सू. शु. | १ बु. | १२ रा. | ११ मं. | १०

फल- शरत्सस्य जातक शास्त्रानुसार यदि वृषराशिस्थ सूर्य, शुक्र के साथ हो एवं सूर्य-शुक्र पर गुरु की दृष्टि भी हो तो खरीफ (मक्का, जीरी, गन्ना, चावल, मूंग, ज्वार, बाजरा, अरहर, कपास एवं तिल आदि) की फसलें सहज उपलब्ध होती हैं, विशेष तेजी का संचार नहीं होता। यह योग इस वर्ष शरत् जातक कुण्डली में बन रहा है। इसका फल बृहत्संहिता में इस प्रकार है-

"त्रिषु मेषादिषु सूर्यः सौम्ययुतो वीक्षितोऽपि वा विचरन्।
ग्रैष्मिकं-धान्यं कुरुते समर्घमुभयोपयोग्यं च ।।"

ग्रीष्म सस्य जातक

संवत् २०६२ विक्रमी में मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष १ बुधवार तदनुसार १६ नवम्बर, सन् २००५ ई. को भा. स्टैं. टा. के अनुसार १० घं. ३१ मि.पर सूर्यदेव वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे।

फल- ग्रीष्मसस्य जातक कुण्डली में सूर्य से छठे भाव में मंगल है। लेकिन सप्तम-भावस्थ उच्च चन्द्र है। कहने का तात्पर्य यह है, कि छठे भाव में मंगल क्रूर अवश्य है, लेकिन स्वराशिस्थ है एवं गुरु दृष्ट है, अतः खड़ी फसलों को हानि होने का योग है। सिद्धान्तानुसार छठे एवं सातवें भाव में क्रूर ग्रह फसलों को हानि नहीं पहुंचाते-

"वृश्चिक-संस्यादर्कात् सप्तम-षष्ठोपगौ यदा क्रूरौ।
भवति तदा निष्पत्तिः सस्यानामर्घ-परिहानिः ।। "

योगायोग से स्पष्ट है, कि-गेहूं, जौ, चना, मसरी, दालवाना, सरसों आदि की फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से हानि पहुंचे एवं मंहगाई उत्तरोत्तर बढ़ेगी।

ध्यान दें- वृश्चिकस्थ सूर्य के साथ बुध और धनुराशि में शुक्र है। सूर्य से सप्तम उच्च चन्द्र है । सूर्य पर मित्र ग्रह मंगल की और मंगल पर गुरु दृष्टि है, अतः ग्रीष्मधान्य भारी मात्रा में होंगे-

"शुभमध्येऽलिनि सूर्यात् गुरु-शशिनोः सप्तमे परा सम्पत्।
अल्पादिस्थे सवितरि गुरौ द्वितीयेऽर्घनिष्पत्तिः।।"

उक्त ग्रहगति के अनुसार 'अर्घनिष्पत्ति' (आधी फसल घर आए,) ऐसा योग भी है। कहने का तात्पर्य यह है, कि- फसल अच्छी नजर आने पर भी मंहगाई खूब बनी रहेगी।

संवत् २०६२ वि. का शुभारम्भ

नववर्ष प्रवेश कुण्डली

११ ९
रा. बु. सू.चं.शु. १२
१० मं.
८
१ ७
२ ४
६ के. गु.
३ श. ५

सं. २०६१ वि. में चैत्र अमावस शुक्रवार तदनुसार ८/९ अप्रैल, सन् २००५ ई. को मध्यरात्रि के बाद २६ घं. ३ मि. भा.स्टें.टा. पर रेवती नक्षत्र, वैधृति योग एवं मीनस्थ चन्द्र के समय वि. संवत् २०६२ का शुभारम्भ होगा।

फल- नववर्ष (संवत् २०६२) का प्रारम्भ मकर लग्न में हो रहा है। लग्न में उच्च मंगल है। लग्नस्थ उच्च मंगल पर बृहस्पति की विशेष दृष्टि है। उत्तरदिशा-स्थित -शासकों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़े। कहीं प्राकृतिक प्रकोप, भूकम्प एवं सूखा आदि से जनधनहानि के योग हैं। कहीं विशिष्ट व्यक्ति के निधन से सत्ता परिवर्तन के योग या शोक प्रस्ताव पारित हों। कृषि पैदावार अच्छी हो, पश्चिम में सुख-समृद्धि रहे। मध्यप्रदेश में फसल को कुछ हानि हो। अनाज मंहगे, असामयिक वर्षा-पानी से किसानों को परेशानी हो। व्यापारी धान्यविक्रय से लाभान्वित हों;-

"मकरे च महोत्पातः उत्तरस्यां नृपक्षयः। वर्षमेकं सुनिष्पत्तिः पश्चिमायां महासुखम्।।"

"मध्यदेशेऽर्धनिष्पत्तिः किञ्चिद्धान्य-महर्घता । अकाले मेघवृष्टिः स्याल्लाभो धान्यस्य विक्रयात्।।"

नववर्ष-प्रवेशकालीन ग्रहस्थिति के अनुसार लग्नेश शनि छठे भाव में एवं लग्नस्थ उच्च मंगल गुरुदृष्ट होने से राजनैतिक दृष्टि से विरोधी पक्ष को हतप्रभ करता है एवं शत्रुकृत कुचालों को निष्क्रिय करता है। नववर्षाङ्ग में सप्तमेश- अष्टमेश- नवमेश-दशमेश (चं., सू., बु. एवं शु.)- ये चारों ग्रह राहुयुत होकर तृतीयस्थान में हैं और इन पर गुरु की पूर्ण दृष्टि है। देश में आर्थिक उदारीकरण जोर पकड़ेगा। देश विशेष प्रगतिप्रद योजनाओं को कार्यान्वित करके विश्व में विकसित देश के तौर पर नई दिशा प्राप्त करेगा। वैशाख, आषाढ़, आश्विन एवं पौष मास विशेष घटनाप्रद होंगे।

वर्षेश (जगत्) लग्न

संवत् २०६२ वि. में चैत्र शुक्ल पंचमी बुधवार, तदनुसार १३-१४ अप्रैल, २००५ ई. की मध्यरात्रि के बाद २४ घं. ९ मि. पर मृगशिर नक्षत्र, शोभन योग एवं वृषस्थ चन्द्र के समय सूर्यदेव मेषराशि में प्रवेश करेंगे।

फल-मेष संक्रमण कुण्डली में धनस्थान में उच्च मंगल, चतुर्थभाव में सप्तमेश-दशमेश (केन्द्रेश) नीच बुध से युत राहु है। राहु-बुध दोनों शनि एवं गुरु की दृष्टि में हैं। अष्टमेश चन्द्र उच्च होकर छठे भाव में गुरुदृष्ट है। पंचमभाव में उच्च सूर्य के साथ षष्ठेश-आयेश शुक्र है;- संवत् (इस वर्ष) में सुभिक्ष रहे। दशम भावस्थ गुरु-केतु एवं चतुर्थ भावस्थ राहु-बुध राष्ट्र को प्रगतिपथ पर ले जाने वाले हैं-

"यदि केन्द्रे त्रिकोणे वा निवसेतां तमोग्रहौ ।
नाथेनान्यतरेणापि सम्बन्धाद्योगकारकौ ।।"

विश्व में अभूतपूर्व सुधारात्मक कार्य होंगे। भारत देश में आर्थिक एवं औद्यौगिक क्षेत्र में विशेष प्रगतिप्रद योजनाएं कार्यान्वित होंगी। इस संवत् में ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, माघ एवं चैत्र मास विशेष ऐतिहासिक घटनापूर्ण सिद्ध होंगे।

जगत्लग्न से व्यक्तिगत फल विचार

जन्मकुण्डली में लग्न बलवान् हो तो जन्मराशि से जगत्लग्न जिस राशि पर आए, वह भाव शुभग्रह या भावेश से दृष्ट या युक्त हो तो उस वर्ष में उस भाव की वृद्धि कहनी चाहिए। यदि पापग्रह की दृष्टि या योग हो तो उस भाव की हानि

कहें। जन्मलग्न, जन्मराशि एवं अपने वर्षलग्न से वर्षेश (जगत्) लग्न आठवें या बारहवें हो तो वह वर्ष उस व्यक्ति के लिए शुभ नहीं होगा। इसी प्रकार देश एवं ग्राम के शुभाशुभ विचार के लिए भी समझना चाहिए ।

आर्द्राप्रवेश लग्न

वि. संवत् २०६२ में ज्येष्ठ शुक्ल १४ मंगलवार तदनुसार २१-२२ जून, सन् २००५ ई. की मध्यरात्रि के बाद भा. स्टैं. टा. के अनुसार २७ घं. १६ मि. पर मूल नक्षत्र, शुक्ल योग एवं धनुःस्थ चन्द्र के समय सूर्यदेव आर्द्रानक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

आर्द्रा प्रवेश कुण्डली

सू. शु. बु. ३
२
१
१२ मं. रा.
४ श.
५
११
६ गु.के.
८
१०
७
९ चं.

फल- ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्दशी वाले दिन आर्द्रा नक्षत्र में सूर्य प्रवेश करेगा। फलस्वरूप सर्वत्र सुभिक्ष, धन-धान्यसमृद्धि रहे। मंहगाई कम हो।देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहे-

"एकादश्यां तिथौ सूर्यो रौद्रभं याति चेत्तदा।
सकलं धन-धान्यादि सुभिक्षं जायते ध्रुवम्।।"

मंगलवार को आर्द्राप्रवेश होने से किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति किंवा शासक की शस्त्राघात-विस्फोट आदि से हत्या का दुःखद कुप्रयास हो, चिन्तनीय घटनाएं घटें-

"भानोर्वेशः पृथ्वीसूनोवरि रौद्रे घिष्ण्ये चेत्स्यात्।
शस्त्राघातात् पृथ्वीशानां निःसन्देहं मृत्युस्तर्हि।।"

आर्द्राप्रवेश रात्रि में होने से जनता में सुख-ऐश्वर्य की वृद्धि करता है;- **"रात्रौ स्थिता सर्वसुखाय लोके।।"**

मूल नक्षत्र के समय आर्द्राप्रवेश होने से नानाविध रोगों से जनता परेशान रहे;- **"भयं नानाविधं पुंसां कृशत्त्वं रोगवृद्धिदा"**। शुक्ल योग में आर्द्राप्रवेश अच्छी वर्षा, उत्तम कृषि का संकेत देता है।

गुर्रा विचार (सन् २००५-२००६ ई.)

इस्लामी मतानुसार एक (यकम) मुहर्रम से ही नया हिजरी सन् प्रारम्भ होता है। उस दिन जो वार होता है, वही इस्लामी मतानुसार साल का राजा किंवा "गुर्रा" होता है।

संवत् २०६१ वि. में माघ शुक्ल तृतीया, शुक्रवार, तदनुसार ११ फरवरी, सन् २००५ ई. को मुहर्रम एक (यकम मुहर्रम) से हिजरी सन् १४२६ प्रारम्भ होगा। अतः इस्लामी मतानुसार इस **हिजरी सन् का बादशाह शुक्र ही माना जाएगा।**

फल- राजा-प्रजा में परस्पर विरोध, प्रजा में आपसी लड़ाई-झगड़े की घटनाएं अधिक हों। पशुओं में रोग से मृत्यु की दर बढ़े। चोरी-डाके एवं सीमाप्रान्तों पर उग्रवाद व हिंसक घटनाओं से जनता त्रस्त रहे। व्यापार में लाभ कम हो, गेहूं के अतिरिक्त सब वस्तुओं के भाव तेज रहें। तूफान-आंधी से कुछ स्थानों पर हानि हो। किसी मुस्लिमराष्ट्र में भयंकर युद्ध का सूत्रपात हो एवं कहीं आन्तरिक खून-खराबा अथवा सत्ता-हस्तान्तरण के आसार भी बनते हैं।

संवत् २०६२ वि. में माघ शुक्ल द्वितीया, मंगलवार, तदनुसार ३१ जनवरी सन् २००६ ई. एक मुहर्रम (यकम मुहर्रम) को हिजरी सन् १४२७ प्रारम्भ होगा। अतः इस्लामी मतानुसार **हिजरी सन् १४२७ का बादशाह मंगल ही माना जाएगा।**

फल- देश के भूभाग पर कहीं अकाल की स्थिति बने। समयानुसार वर्षा न हो। व्यापारी अनाजों का स्टॉक करके जनता को परेशान करें। कहीं जंग की स्थिति से अशान्ति पैदा हो। किसी विशिष्ट व्यक्ति की मृत्यु से शोक पैदा होगा। फलों की फसल भी खराब हो। गुड़, शक्कर, कपास, चीनी मंहगे हों। तिलहन, गेहूं, चना, चावल- सब मंहगे हों। जनता में परस्पर द्वेष रहे। चोरी आदि अनैतिक कार्य अधिक हों। टिड्डी-चूहा आदि से फसल को हानि पहुंचे।

आय-व्यय चक्र (विंशोत्तरी-मतानुसार)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
लाभ	८	२	८	२	५	८	२	८	५	१४	१४	५
व्यय	५	१४	११	८	५	११	१४	५	११	११	११	११

लाभ-व्यय देखने की रीति- अपनी राशि के लाभ-व्यय अंको को जोड़कर, उसमें से १ घटाकर, शेष को ८ से भाग देने पर यदि १, २, ६, ७ बचें तो वर्ष में उत्तम लाभ होगा। ३, ४, ५, ० बचें तो लाभ बहुत कम हो, चिन्ता भी रहे।

"इतीदं वत्सरफलं वत्सरादि-तिथौ शुभम्।
यः श्रृणोति नरो भक्त्या स सुखी वत्सरं भवेत्।।"

सन्दिग्ध व्रत-पर्व व्यवस्था (सं. 2062 वि.) सन् 2005-06 ई.

लेखक- प्रियव्रत शर्मा, 59/6 (अभिजित्), पंचकूला-134 109

(यदि इस स्तम्भ में चर्चित या अन्य किसी व्रत-पर्व की तिथि के बारे में किसी को सन्देह/शंका हो तो पत्र देकर मुझसे स्पष्टीकरण मांग लेना चाहिए, - प्रियव्रत शर्मा)

श्री दुर्गाष्टमी (चैत्र शुक्ल)

दुर्गाष्टमी का व्रत परविद्धा (नवमी विद्धा) अष्टमी में किया जाता है।

" चैत्रशुक्लाष्टम्यां भवान्युत्पत्तिः। सा नवमीविद्धा ग्राह्या। "
(वर्षकृत्य प्रदीपः)

इस वर्ष १७ अप्रैल को अष्टमी नवमीविद्धा है, अतः इसी दिन श्रीदुर्गाष्टमी शास्त्रविहित है।

श्रीरामनवमी

क्योंकि चैत्र शुक्ल नवमी के समय मध्याह्नकाल में श्रीरामावतार हुआ था, अतः मध्याह्नव्यापिनी नवमी के दिन "श्रीराम नवमी" व्रत करना चाहिए- ऐसी शास्त्राज्ञा है। यदि दोनों दिन नवमी मध्याह्नव्यापिनी हो तो यह व्रत दूसरे दिन दशमी विद्धा में करना चाहिए। अष्टमी विद्धा नवमी में इस व्रत का शास्त्र निषेध करते हैं। अगस्त्यसंहिता का वाक्य है-

नवमी चाष्टमी विद्धा त्याज्या विष्णुपरायणैः ।
उपोषणं नवम्यां च दशम्यां चैव पारणम् ।।

इस निर्णयानुसार श्रीरामनवमी व्रत दशमीविद्धा नवमी के दिन १८ अप्रैल को ही होगा, १७ अप्रैल को नहीं, क्योंकि इस दिन नवमी अष्टमीविद्धा है; जिसे शास्त्रकारों ने वर्ज्य लिखा है। १८ अप्रैल को मध्याह्नकाल भा.स्टैं.टा. अनुसार ११ घं. ४ मि. से १३ घं. ३८ मि. तक होगा।

वटसावित्री व्रत (पूर्णिमा पक्ष)

वटसावित्री व्रत के अनुष्ठान में दो परम्पराएं (पक्ष) हैं। एक परम्परा -अनुसार यह व्रत ज्येष्ठ अमा को और दूसरी परम्परानुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा को किया जाता है। दोनों परम्पराओं में यह व्रत पूर्व (चतुर्दशी) विद्धा अमा या पूर्णिमा के दिन किया जाता है। ब्रह्मवैवर्त पुराण का वचन है-

" भूत-विद्धा न कर्त्तव्या दर्शः पूर्णा कदाचन।
वर्जयित्वा मुनिश्रेष्ठ सावित्रीव्रतमुत्तमम्।।"

इस वचनानुसार इस वर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा वाला वटसावित्री व्रत चतुर्दशी-विद्धा पूर्णिमा वाले दिन २१ जून को ही होगा।

श्रीदूर्वाष्टमी

दूर्वाष्टमी व्रत सौभाग्यवती स्त्रियों का नित्य व्रत है। यह सामान्यतः पूर्वविद्धा भाद्र. शुक्ल अष्टमी के दिन किया जाता है। यह व्रत अगस्त्योदय हो जाने पर नहीं किया जाता। यदि भाद्र. शुक्ल अष्टमी के दिन अगस्त्य तारा उदित (आकाश में रात्रि के समय दृश्य) हो जाए तो इस व्रत को किसी पूर्ववर्ती पक्ष में, जहां अगसत्य अस्त है, वहां (भाद्र. कृष्ण या श्रावण शुक्ल पक्ष में) अष्टमी के दिन किया जाता है। इस वर्ष भाद्रपद शुक्ल अष्टमी के दिन पंजाब-दिल्ली-हरियाणा- हि.प्र.-जम्मू आदि प्रदेशों में अगस्त्य दृश्य (उदित) होगा। अतः इन प्रदेशों में यह व्रत सप्तमी-विद्धा भाद्र. कृष्ण अष्टमी में २६ अगस्त को (जबकि अगस्त्य अस्त होगा) किया जाएगा। यह व्रत पूर्व (सप्तमी) विद्धा अष्टमी को किया जाता है। २६ अगस्त को अष्टमी सप्तमी विद्धा है।

श्रवणद्वादशी (विष्णुशृंखलयोग)

भाद्र. शुक्ल में दिन के समय द्वादशी एवं श्रवण का योग (मुहूर्त्तमात्र भी) हो तो श्रवणद्वादशी व्रत किया जाता है। यदि इस पक्ष में किसी दिन एकादशी, द्वादशी और श्रवण- तीनों परस्पर एक-दूसरे को स्पर्श करें तो उस दिन 'विष्णुशृंखल' नामक योग बनता है। विष्णुशृंखल योग बनने पर श्रवणद्वादशी का व्रत उसी (विष्णुशृंखल योग वाले) दिन ही किया जाता है। विष्णुशृंखल योग तभी बनता है, जबकि उपरोक्त तीनों (एकादशी, द्वादशी और श्रवण) दिन के काल में ही परस्पर स्पर्श कर रहे हों। अनेक आचार्यों का मत है कि- इस योग के लिए इन तीनों का पारस्परिक स्पर्श रात्रि के प्रथम प्रहर तक भी स्वीकार्य है। अधिकतर यही मत मान्य है। इस वर्ष १४ सितम्बर को इन तीनों का परस्पर स्पर्श रात्रि के प्रथम प्रहर में उपलब्ध है। अतः विष्णुशृंखल योग बनने से इसी दिन श्रवणद्वादशी व्रत किया जाएगा।

प्रदोषव्रत (भाद्र. कृष्णपक्ष)

भाद्रपद कृष्ण पक्ष में प्रदोषव्यापिनी त्रयोदशी वाले दिन प्रदोषव्रत किया जाता है। दोनों दिन त्रयोदशी प्रदोषव्यापिनी हो तो उस दिन व्रत किया जाता है, जिस दिन वह प्रदोष के अपेक्षाकृत अधिककाल को व्याप्त कर रही हो-

" वैषम्येण एकदेश स्पर्शे तदाधिक्यवती पूर्वाऽपि ग्राह्या।"

(धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष भाद्र. कृष्ण त्रयोदशी ३१ अगस्त एवं १ सितम्बर को- दोनों दिन प्रदोषव्यापिनी है। लेकिन वह ३१ अगस्त के दिन प्रदोष की अधिक मात्रा को व्याप्त किए हुए है; अतः इसी दिन प्रदोष व्रत करना होगा।

आश्विन कृष्ण 'त्रयोदशी का श्राद्ध'

इस वर्ष ३० सितम्बर को ही त्रयोदशी अपराह्नव्यापिनी है, अतः इसी दिन **त्रयोदशी श्राद्ध** लिखा गया है। यहां अपराह्नकाल १३ घं. २४ मि. से १५ घं. ४४ मि. (भा.स्टैं.टा.) तक है।

आश्विन कृष्ण 'चतुर्दशी का श्राद्ध'

इस वर्ष १ अक्तूबर को चतुर्दशी अपराह्नकाल को अपेक्षाकृत अधिक व्याप्त कर रही है, अतः **"चतुर्दशी श्राद्ध"** इसी दिन माना जाएगा। यहां भी अपराह्नकाल भा. स्टैं. टा. के अनुसार लगभग १३ घं. २४ मि. से १५ घं. ४४ मि. तक है।

गौरी तृतीया (माघशुक्ल)

द्वितीयाविद्धा तृतीया में गौरीव्रत का सर्वथा निषेध है। धर्मशास्त्रकारों का कहना है, कि सूर्योदयानन्तर एक-मुहूर्त्त मात्र भी तृतीया विद्यमान हो तो भी उसी दिन गौरीव्रत करना चाहिए-

"चैत्र-भाद्रपद-माघशुक्ल-तृतीयासु गौरीव्रतं विहितम्। तत्र मुहूर्त्तमात्राप्युत्तरैव।"

(पुरुषार्थ चिन्तामणिः)

किञ्च- कालमाधव का वचन है;-

" मुहूर्त्तमात्र सत्त्वेऽपि दिने गौरीव्रतं परे।"

इसके अनुसार इस वर्ष १ फरवरी २००६ ई. को गौरी तृतीया पंचांग में लिखी है। इस दिन तृतीया दो मुहूर्त्त से भी अधिक विद्यमान है।

(९ से २४ अप्रैल तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, उत्तरायण, वसन्त – ग्रीष्म ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. पूर्व कपाल में, बु. पूर्व में तथा सायं गु. पूर्व में एवम् श. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। शु. अदृश्य है।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ — चैत्र शुक्ल पक्ष १

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. चैत्र	अं. अप्रैल	श. चैत्र	मु. सफर	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय–कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
३१	३०	१	श.	४७	१६	रेव.	११	०८	वै.	२९	४०	किं.	१८	२३	२७	९	१९	२९	मेष	११	०८	६	०६	१८	४२	११	२५	२०	१०	पंचक समाप्त ११/८, वासन्त नवरात्र प्रारम्भ, कलश स्थापन, (A)
३१	३४	२	र.	४६	०४	अश्वि.	१०	४७	वि.	२५	३५	बा.	१६	२७	२८	१०	२०	३०	मेष			६	०५	१८	४३	११	२६	१९	०४	चन्द्र दर्शन, मु. १५, शुक्र अश्वि. मेष में ५५/५९
३१	४०	३	च.	४६	२७	भर.	११	५३	प्री.	२२	४३	तै.	१६	०२	२९	११	२१	र. १	वृष	२७	२४	६	०४	१८	४४	११	२७	१७	५७	गौरी तृतीया (गणगौर), श्रीमत्स्य जयन्ती, आन्दोलन तृतीया, (B)
३१	४२	४	म.	४८	२६	कृत्ति.	१४	३३	आ.	२१	०६	व.	१७	१३	३०	१२	२२	२	वृष			६	०३	१८	४४	११	२८	१६	४७	भ. १७/१३ से ४८/२६ तक, बुध मार्गी १८/२
३१	४३	५	बु.	५१	५८	रोहि.	१८	४५	सौ.	२०	४३	ब.	१९	५९	वै. १	१३	२३	३	मिथुन	५१	२७	६	०२	१८	४५	११	२९	१५	३५	सं. सूर्य अश्वि. मेष में ४५/२५, मु. ३०, पुण्यकाल अगले दिन, (C)
३१	५४	६	गु.	५६	४६	मृग.	२४	२२	शो.	२१	२७	कौ.	२४	१३	२	१४	२४	४	मिथुन			६	००	१८	४६	०	००	१४	२१	नेपच्यून धनि. १ में १६/५२, स्कन्द षष्ठी
३१	५७	७	शु.	६०	००	आर्द्रा	३१	०१	अ.	२३	०१	ग.	२९	३०	३	१५	२५	५	मिथुन			५	५९	१८	४६	०	०१	१३	०३	**विलम्बी संवत्सर**
३२	०२	७	श.	२	२६	पुन.	३८	१५	सु.	२५	०६	व.	२	२६	४	१६	२६	६	कर्क	२१	२६	५	५८	१८	४७	०	०२	११	४४	भ. २/२६ से ३५/२६ तक
३२	०७	८	र.	८	२९	पुष्य	४५	३७	धृ.	२७	२१	ब.	८	२९	५	१७	२७	७	कर्क			५	५७	१८	४८	०	०३	१०	२३	श्रीदुर्गाष्टमी (देखें पृष्ठ ६५)), अशोकाष्टमी
३२	०९	९	च.	१४	२२	आश्ले.	५२	२९	शू.	२९	२०	कौ.	१४	२२	६	१८	२८	८	सिंह	५२	२९	५	५६	१८	४८	०	०४	०९	०१	श्रीरामनवमी (देखें पृष्ठ ६५), नवरात्र समाप्त
३२	१५	१०	म.	१९	३१	मघा	५८	२४	ग.	३०	४२	ग.	१९	३१	७	१९	२९	९	सिंह			५	५५	१८	४९	०	०५	०७	३५	भ. ५१/४२ बाद, सूर्य सायन वृष में ५८/७, ग्रीष्म ऋतु प्रारम्भ
३२	२०	११	बु.	२३	३२	पू. फा.	६०	००	वृ.	३१	०९	वि.	२३	३२	८	२०	३०	१०	सिंह			५	५४	१८	५०	०	०६	०६	०८	भ. २३/३२ तक, कामदा एकादशी व्रत (स.)
३२	२२	१२	गु.	२६	०६	पू. फा.	३	०२	ध्रु.	३०	२९	बा.	२६	०६	९	२१	वै. १	११	कन्या	१८	५७	५	५३	१८	५०	०	०७	०४	३९	शुक्र भर. में ४३/३, शक वैशाख प्रारम्भ, प्रदोष व्रत
३२	२७	१३	शु.	२७	०५	उ. फा.	६	११	व्या.	२८	३६	तै.	२७	०५	१०	२२	२	१२	कन्या			५	५२	१८	५१	०	०८	०३	०७	मंगल कुम्भ में ४४/३५, अनङ्ग त्रयोदशी, श्रीमहावीर जयन्ती (जैन)
३२	३०	१४	श.	२६	३१	हस्त	७	४७	ह.	२५	२८	व.	२६	३१	११	२३	३	१३	तुला	३८	००	५	५१	१८	५१	०	०९	०१	३४	भ. २६/३१ से ५५/४१ तक, श्रीसत्यनारायण व्रत
३२	३४	१५	र.	२४	२८	चित्रा	७	५४	व.	२१	१२	ब.	२४	२८	१२	२४	४	१४	तुला			५	५०	१८	५२	०	०९	५९	५८	चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नान प्रारम्भ

(A) चान्द्र संवत्सर २०६२ प्रारम्भ, वर्षफल श्रवण, तैलाभ्यङ्ग, प्रपादान, (B) रबी–उल–अव्वल मु. प्रारम्भ, (C) मध्याह्न तक, मंगल धनि. में ३३/१२, नाग पंचमी, श्री (लक्ष्मी) पंचमी

चैत्र शुक्ल ८ रवि, इष्ट ५८/५२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	३	९	११	५	०	२	११	५
०४	१९	२६	०९	१८	०८	२७	२८	२८
०७	१९	३२	०९	१४	४३	०७	४३	४३
५८	००	४६	५०	०८	१०	१६	३५	३५
५८	७९१	४३	२९	७	७४	२	३	३
३७	३१	३४	४२	९	१२	५६	१९	१९
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	अ.	उ.	अ.	अ.
अश्वि २	आश्ले. २	धनि २	उ. फा. २	हस्त ३	अश्वि ३	पू. षा. ३	भर. ४	विशा २

कुण्डली सूर्योदये

२	बु. १२ रा.	११
३ श.	सू. १ शु.	
४ चं.		१० मं.
५	७	९
गु. ६ के.		८

लोकभविष्य– संवत् २०६२ वि. का राजा शनि है। मुस्लिमराष्ट्र इराक, ईरान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आदि में आन्तरिक अशान्ति, सत्ता- लोलुपता कहीं युद्धमय वातावरण बना दे। कहीं विस्फोट से हानि व प्रधाननेता की हत्या से शोक व्याप्त हो। दक्षिणी भारत में कहीं आगजनी व प्राकृतिक प्रकोप से हानि भी हो। चान्द्रमास चैत्र में पांच शनिवार होने से कहीं भूकम्प से विनाशलीला उपस्थित हो, ईशानकोण में कहीं विशिष्ट-व्यक्ति का निधन हो व सत्ता-हस्तान्तरण हो, अग्निकाण्ड से हानि, जनजीवनोपयोगी वस्तुओं में तेजी हो-

" शनेश्च पंचकं दृष्ट्वा पाताले कम्पते फणी। ईशान-देश-भंगश्च वह्नि दाहो महर्घता।।"

ग्रहचाल और बाजार का रुख– पक्षारम्भ में गेहूं, जौ, चना, घी, सोना-चांदी में तेजी रहे। तेल-तिलहन में कुछ मन्दा बने। १३ अप्रैल को रुई, कपास, सूत, तेल, तिलहन, सुपारी, बादाम, गुड़, खाण्ड, शक्कर, सोना, चान्दी तेज रहेंगे। २२ अप्रैल के लगभग रुई, चान्दी में काफी घटाबढ़ी; गेहूं आदि अनाज, गुड़-खाण्ड और सोने में तेजी रहे।

आकाश लक्षण– अप्रैल १०, १२, १३, १६, २२, २३ को भूटान, सिक्किम, आसाम, बंगलादेश और हि. प्र. में खण्डवृष्टि के योग हैं।

शकुन विचार– यदि चैत्र शुक्ल पंचमी को वर्षा सहित दक्षिण-पूर्व की वायु चले तो उस वर्ष अनाजों में तेजी बनती है -

" चैत्रस्य शुक्ल-पंचम्यां वायुर्दक्षिणपूर्वयोः। वृष्ट्या सह तदा वर्षे धान्ये त्रिगुणता भवेत्।।"

(नोट करें- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन नीम के कोमल पत्ते, कालीमिर्च, हींग, अजवायन, जीरा, तुलसीदल- ये सब खाण्ड या शक्कर में इच्छानुसार मिलाकर शर्बत बनाकर प्रातः सेवन करने से रक्त विकार, वात-पित्त एवं कफजन्य कष्टों से मुक्ति मिलती है।)

कुण्डली सूर्योदये

२	बु. १२ रा.	११ मं.
३ श.	सू. १ शु.	
४		१०
५	चं. ७	९
गु. ६ के.		८

चैत्र शुक्ल १५ रवि, इष्ट ५९/१०,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	६	१०	११	५	०	२	११	५
१०	१८	०१	१३	१७	१७	२७	२८	२८
५७	१७	३७	५८	२५	२२	२९	२१	२१
३५	१८	४०	५४	५५	०५	४५	२०	२०
५८	८३०	४३	५५	६	७४	३	३	३
२४	२८	३३	११	३०	३	३६	११	११
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	अ.	उ.	अ.	अ.
अश्वि ४	स्वा. ४	धनि ३	उ. फा. ४	हस्त ३	पुन. २	मृग. ३	भर. ४	विशा २

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ वैशाख कृष्ण पक्ष २

(२५ अप्रैल से ८ मई तक सन् २००५ ई.) उत्तरगोल, उत्तरायण, ग्रीष्म ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पूर्व में और बु. पूर्व क्षितिज से उपर होगा। सायं गु. पूर्व कपाल में तथा श. याम्योत्तरवृत्त से पश्चिम में होगा। शु. २५ अप्रैल से सायं पश्चिम में दीखने लगेगा।

दिनमान घ. प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. प.	योग	समाप्ति काल घ. प.	करण	समाप्ति काल घ. प.	तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ. प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं. मि.	सूर्यास्त घं. मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क. वि.	
३२ ४०	१	च	२१ १०	स्वा.	६ ४४	सि.	१५ ५४	कौ.	२१ १०	१३	२५	५	१५	वृश्चिक	५० ०८	५ ४९	१८ ५३	० १० ५८ २१	शुक्र पश्चिम में उदित १०/१५
३२ ४२	२	मं	१६ ४९	विशा.	४ २८	व्य.	९ ४४	ग.	१६ ४९	१४	२६	६	१६	वृश्चिक		५ ४८	१८ ५३	० ११ ५६ ४२	भ. ४४/१९ बाद
३२ ४७	३	बु.	११ ४२	अनु. ज्ये.	१ २२ / ५७ ४२	व. प.	२ ५६ / ५५ ४०	वि.	११ ४२	१५	२७	७	१७	धनु	५७ ४२	५ ४७	१८ ५४	० १२ ५५ ०१	भ. ११/४२ तक, सूर्य भर. में २५/४३, बुध रेव. मे ४६/२८, श्री, (A)
३२ ५२	४	गु.	६ ०४	मूल	५३ ४४	शि.	४८ ०९	बा.	६ ०४	१६	२८	८	१८	धनु		५ ४६	१८ ५५	० १३ ५३ १८	शुक्र बाल्य समाप्त १०/१५
३२ ५४	५	शु.	० ०९	पू. षा	४९ ४२	सि.	४० ३०	तै.	० ०९	१७	२९	९	१९	धनु		५ ४५	१८ ५५	० १४ ५१ ३४	भ. ५४/११ बाद
अवम	६	शु.	५४ ११	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	० ०	० ० ० ०	षष्ठी तिथिक्षय
३२ ५९	७	श	४८ २०	उ. षा.	४५ ४६	सा.	३२ ५८	वि.	२१ १३	१८	३०	१०	२०	मकर	३ ४१	५ ४४	१८ ५६	० १५ ४९ ४८	भ. २१/१३ तक
३३ ०५	८	र	४२ ४५	श्रव.	४२ ०५	शु.	२५ ३९	बा.	१५ ३०	१९	म १	११	२१	मकर		५ ४३	१८ ५७	० १६ ४८ ०१	मंगल शत. में ५६/१४, मई प्रारम्भ
३३ ०७	९	च	३७ ३८	धनि.	३८ ५२	शु.	१८ ३९	तै.	१० ०९	२०	२	१२	२२	कुम्भ	१० २६	५ ४२	१८ ५७	० १७ ४६ १२	पंचक प्रारम्भ १०/२६, गुरु हस्त २ में २९/२२, शुक्र कृत्ति. में ३१/५५
३३ १२	१०	मं.	३३ ०३	शत.	३६ ११	ब्र.	१२ ०३	व.	५ १७	२१	३	१३	२३	कुम्भ		५ ४१	१८ ५८	० १८ ४४ २२	भ. ५/१७ से ३३/३ तक
३३ १५	११	बु.	२९ ०३	पू. भा.	३४ ०५	ऐं.	५ ५४	ब.	० ५८	२२	४	१४	२४	मीन	१९ ३३	५ ४१	१८ ५९	० १९ ४२ ३१	वरूथिनी एकादशी व्रत (स.), श्रीवल्लभाचार्य जयन्ती
३३ १७	१२	गु.	२५ ४९	उ. भा.	३२ ४७	वै. वि.	० २१ / ५५ २७	तै.	२५ ४९	२३	५	१५	२५	मीन		५ ४०	१८ ५९	० २० ४० ४०	शुक्र वृष में १४/२१, प्रदोष व्रत
३३ २२	१३	शु.	२३ २६	रेव.	३२ १९	प्री.	५१ १६	व.	२३ २६	२४	६	१६	२६	मेष	३२ १९	५ ३९	१९ ००	० २१ ३८ ४६	भ. २३/२६ से ५२/३७ तक, पंचक समाप्त ३२/१९
३३ २७	१४	श.	२२ ००	अश्वि.	३२ ४८	आ.	४७ ५३	श.	२२ ००	२५	७	१७	२७	मेष		५ ३८	१९ ०१	० २२ ३६ ५०	
३३ ३०	३०	र.	२१ ३८	भर.	३४ २१	सौ.	४५ २०	ना.	२१ ३८	२६	८	१८	२८	वृष	४९ ५५	५ ३७	१९ ०१	० २३ ३४ ५२	बुध अश्वि. मेष में २४/१६, अमावस

शुक्रोदय २५ अप्रै.

(A) गणेश चतुर्थी व्रत

वैशा. कृष्ण ८ रवि, इष्ट ५९/२७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	९	१०	११	५	०	२	११	५
१७	२७	०६	२१	१६	२६	२७	२७	२७
४५	२६	४२	२४	४२	००	५६	५९	५९
४४	१५	२४	५९	५०	०६	४७	०४	०४
५८	८४३	४३	७४	५	७३	४	३	३
१२	२९	३०	१०	४०	५६	१२	११	११
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
२	२	२	२	३	४	३	४	३

कुण्डली सूर्योदये

सू. १ शु. | २ | ३ श. | ४ | ५ | ६ गु. के. | ७ | ८ | ९ | चं. १० | ११ मं. | बु. १२ रा.

लोकभविष्य— इस पक्ष में मीनस्थ राहु के साथ नीच बुध का राशि-सम्बन्ध है एवं शुभग्रह गुरु के साथ समसप्तकयोग बन रहा है; जो कि जनता में नानाविध कष्टों का संकेत देता है तथा आगे अनावृष्टि का भी संकेत देता है -

"क्रूराणां सह सौम्यैश्च यदि स्यात् समसप्तकम्। अनावृष्टिस्तदा ज्ञेया लोकपीड़ा महत्यपि।।"

इस चान्द्रमास में पांच चन्द्रवार होने से उत्तरी भारत में धनधान्य-समृद्धि एवं सुख-शान्ति रहे -

"सोमस्य पंचवारास्तु यत्र मासे भवन्ति हि। धन-धान्य समृद्धिः स्यात् सुखं भवति सर्वदा।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— २७ अप्रैल को अलसी, एरण्ड, तिल, तेल, सोना मेथी, लौंग, इलायची एवं अनाज तेज रहें। लालमिर्च, लाल वस्तुओं में तेजी; गुड़-खाण्ड, तिल, तेल, सरसों, घी में मन्दा बने; चान्दी में पहले तेजी बाद में मन्दा बने। १ मई के लगभग रुई, सोना, चांदी के भाव पहले मन्दे, बाद में तेज रहें। २ मई को रुई, गुड़, खाण्ड, अलसी, सरसों, घी, तेल, सोना, चांदी में अच्छा मन्दा बने। ५ मई के लगभग रुई, कपास में अच्छा मन्दा बने। पश्चान्त में तेल, तिलहन, रुई, कपास, घी, गुड़, खाण्ड में मन्दा ही रहे।

कुण्डली सूर्योदये

सू. १ | २ शु. | चं. | ३ श. | ४ | ५ | ६ गु. के. | ७ | ८ | ९ | १० | ११ मं. | बु. १२ रा.

वैशा. कृष्ण ३० रवि, इष्ट ५९/४२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
०	१	१०	०	५	१	२	११	५
२४	०२	११	००	१६	०४	२८	२७	२७
३२	०५	४६	५२	०६	३७	२८	३६	३६
३९	५६	३२	०५	०९	२१	०३	४९	४९
५८	७६०	४३	८९	४	७३	४	३	३
२	१२	२१	४४	३९	४९	४८	११	११
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
४	२	२	२	२	३	३	४	२

आकाश लक्षण— अप्रैल २७; मई १, २, ५, ८ को राजस्थान, उ. प्र., हि. प्र., आसाम, महाराष्ट्र विशेषतः मुम्बई में बादलचाल व वर्षा के योग हैं।

शकुन विचार— वैशाख कृष्ण एकादशी को यदि आकाश मेघाच्छन्न रहे तो अनाजों के व्यापारी स्टॉक तुरन्त निकाल दें, अन्यथा हानि में रहेंगे।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ वैशाख शुक्ल पक्ष ३

(९ से २३ मई तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, उत्तरायण, ग्रीष्म ऋतु।

ग्रह दर्शन : बु. २३ मई से प्रातः पूर्व में लुप्त हो जाएगा। प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पूर्व की ओर होगा। सायं गु. पूर्व कपाल में और शु. पश्चिम क्षितिज से ऊपर तथा श. पश्चिम कपाल में दिखाई देगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. वैशाख	तारीखें अं. मई	तारीखें श. वैशाख	तारीखें मु. र.उ.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
३३	३२	१	च.	२२	२४	कृत्ति.	३७	०२	शो.	४३	४५	ब.	२२	२४	२७	९	१९	२९	वृष			५	३७	१९	०२	०	२४	३२	५३	चन्द्र दर्शन, मु. ३०
३३	३७	२	म	२४	२७	रोहि.	४०	५८	अ	४३	११	कौ.	२४	२७	२८	१०	२०	र.१	वृष			५	३६	१९	०३	०	२५	३०	५५	श्रीपरशुराम जयन्ती, श्रीशिवाजी जयन्ती, रबी–उस्सानी मु. प्रारम्भ
३३	३९	३	बु.	२७	४४	मृग.	४६	०९	सु.	४३	३४	ग	२७	४४	२९	११	२१	२	मिथुन	१३	२५	५	३५	१९	०३	०	२६	२८	५२	भ. ५९/५१ बाद, सूर्य कृत्ति. में ११/३३, अक्षय तृतीया
३३	४५	४	गु.	३२	११	आर्द्रा	५२	१९	धृ.	४४	४९	वि.	३२	११	३०	१२	२२	३	मिथुन			५	३४	१९	०४	०	२७	२६	४८	भ. ३२/११ तक
३३	४७	५	शु.	३७	३१	पुन.	५९	१९	शू.	४६	४४	ब	४	४६	३१	१३	२३	४	कर्क	४२	२९	५	३४	१९	०५	०	२८	२४	४२	शुक्र रोहि. में २२/१३, आद्य जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जयन्ती
३३	५०	६	श.	४३	२७	पुष्य	६०	००	ग.	४९	०२	कौ.	१०	२८	ज्ये.१	१४	२४	५	कर्क			५	३३	१९	०५	०	२९	२२	३७	सं. सूर्य वृष में ३८/४७, मु. ३०, पुण्यकाल मध्याह्न के बाद, व., (A)
३३	५५	७	र.	४९	२८	पुष्य	६	४२	वृ.	५१	१९	ग.	१६	३०	२	१५	२५	६	कर्क			५	३२	१९	०६	१	००	२०	२७	भ. ४९/२८ बाद, श्रीगंगा जन्म
३३	५७	८	च.	५५	००	आश्ले.	१३	५७	ध्रु.	५३	१६	वि.	२२	१८	३	१६	२६	७	सिंह	१३	५७	५	३२	१९	०७	१	०१	१८	१६	भ. २२/१८ तक, बुध भर. में ४३/५५
३४	००	९	म.	५९	२८	मघा	२०	३५	व्या.	५४	२५	बा.	२७	२४	४	१७	२७	८	सिंह			५	३१	१९	०७	१	०२	१६	०५	श्रीजानकी जयन्ती
३४	०२	१०	बु.	६०	००	पू. फा.	२६	०१	ह	५४	२८	तै.	३१	११	५	१८	२८	९	कन्या	४२	०९	५	३१	१९	०८	१	०३	१३	५१	
३४	०७	१०	गु.	२	२८	उ. फा.	२९	५३	व.	५३	१५	ग.	२	२८	६	१९	२९	१०	कन्या			५	३०	१९	०९	१	०४	११	३७	भ. ३३/२० बाद, नेपच्यून वक्री ५७/५७
३४	०९	११	शु.	३	४८	हस्त	३२	०३	सि.	५०	२८	वि.	३	४८	७	२०	३०	११	कन्या			५	२९	१९	०९	१	०५	०९	२२	भ. ३/४८ तक, सूर्य सायन मिथुन में ५७/४, मंगल पू. भा. में, (B)
३४	१२	१२	श.	३	०८	चित्रा	३२	१६	व्य.	४६	११	बा.	३	०८	८	२१	३१	१२	तुला	२	२३	५	२९	१९	१०	१	०६	०७	००	शनि प्रदोष व्रत
३४	१७	१३	र.	०	४०	स्वा.	३०	४६	व.	४०	३४	तै.	०	४०	९	२२	ज्ये.१	१३	तुला			५	२८	१९	११	१	०७	०४	४१	भ. ५६/२८ बाद, शक ज्येष्ठ प्रारम्भ, श्रीनृसिंह जयन्ती
अवम		१४	र.	५६	२८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	चतुर्दशी तिथिक्षय
३४	१७	१५	च.	५०	५२	विशा.	२७	४१	प.	३३	४१	वि.	२३	५०	१०	२३	२	१४	वृश्चिक	१३	३५	५	२८	१९	११	१	०८	०२	१९	भ. २३/५० तक, बुध कृत्ति. में ५२/३३, बुध पूर्व में अस्त, (C)

(A) प्लूटो ज्ये ४ वृश्चिक में ५२/२०, श्रीरामानुजाचार्य जयन्ती, (B) २५/१५, मोहिनी एकादशी व्रत (स.), (C) ५/५९, श्रीकूर्म जयन्ती, श्रीबुद्ध जयन्ती, वैशाखी पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्त, श्रीसत्यनारायण व्रत

वैशा. शुक्ल ८ चन्द्र, इष्ट ५९/५४,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	४	१०	०	५	१	२	११	५
०२	०९	१७	१३	१५	१४	२९	२७	२७
१६	११	३२	४८	३३	२७	०८	११	११
०४	२४	३९	०४	२७	२५	३४	२३	२३
५७	७२८	४३	१०६	३	७३	५	३	३
४८	२४	८	१८	२०	४१	२४	११	११
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
कृत्ति. २	मघा ३	शत. ४	भर. १	हस्त २	रोहि. २	पुन. ३	रेव. ४	चित्रा २

कुण्डली सूर्योदये

३ श. | शु. | सू. २ | १ बु. | ४ चं. | १२ रा. | ५ | ११ मं. | ६ गु. के. | ८ | १० | ७ | ९

लोकभविष्य— ज्येष्ठ संक्रान्ति शनिवारी है, चोर-उचक्के लोगों का बोलबाला रहे। अग्नि से जनधनहानि के समाचार मिलें। अनाज किंवा खाद्य वस्तुएं तेज हों। वृष संक्रान्ति के दिन ही मेदिनी ग्रह प्लूटो वृश्चिकराशि में आएगा, वृश्चिकराशि इसकी अपनी राशि है। २१ वर्ष तक इसी राशि में चलेगा। शासन कृषकों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान करेगा एवं अच्छे कृषिकर्म से देश समृद्धि की ओर बढ़ेगा। जड़ी-बूटियों के उत्पादन से विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी। पूर्णिमा के दिन बुध पूर्व में अस्त हो रहा है; जो कहीं तूफान, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से हानि का संकेत देता है।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— ११ मई को घी, रुई, सोना, चान्दी, गेहूं, जौ, चना, मूंग, मोठ, चावल एवं सरसों में तेजी बने। १३ मई को चांदी, सोना, तेल, तिलहन, गुड़, खाण्ड, छुहारा, सुपारी, नारियल में मन्दा आकर तुरन्त तेजी बने। १९-२० मई को सब तरह के बाजार तेजी की तरफ रहें। २३ मई को बुध के अस्त होने पर बाजारों का रुख अचानक बदल सकता है।

कुण्डली सूर्योदये

३ श. | शु. | सू. २ | १ बु. | ४ | १२ रा. | मं. | ५ | ११ | ६ गु. के. | ८ | १० | ७ चं. | ९

वैशा. शुक्ल १५ चन्द्र, इष्ट ०/४,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	६	१०	०	५	१	२	११	५
०८	२६	२१	२४	१५	२१	२९	२६	२६
०२	५०	५०	५६	१५	४९	४१	५२	५२
२७	१३	५६	३५	५९	०९	५८	१८	१८
५७	८५३	४२	११८	२	७३	५	३	३
३८	४८	५५	२८	१८	३४	४७	१९	१९
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
कृत्ति. ४	विशा. ३	पू.भा. १	भर. ४	हस्त २	रोहि. ४	पुन. ३	रेव. ४	चित्रा २

आकाश लक्षण— मई ११, १३, १४, १६, १९, २० को पूर्वी उड़ीसा, विन्ध्यप्रदेश, हि. प्र., मुम्बई, आसाम, सिक्किम, भूटान में वर्षा के योग हैं। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान एवं म.प्र. में गर्मी का प्रकोप बढ़े।

शकुन विचार— वैशाख शुक्ल तृतीया किंवा पंचमी के दिन यदि दिनभर बादल रहें एवं मेघ गरजें तो भाद्रपद में अनाज मंहगे होंगे, भाद्रपद में ही स्टॉक निकालें; लाभ मिलेगा।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष ४

(२४ मई से ६ जून तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, उत्तरायण, ग्रीष्म ऋतु।

ग्रह दर्शन : बुध अस्त है। प्रातः म. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पूर्व की ओर होगा। सायं गु. पूर्व कपाल में, शु. पश्चिम में तथा श. पश्चिमकपाल में दिखाई देगा।

दिनमान घ. प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ. प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ. प.	योग	समाप्ति काल घ. प.	करण	समाप्ति काल घ. प.	तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ. प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं. मि.	सूर्यास्त घं. मि.	उदय–कालिक स्पष्ट सूर्य रा. अं. क. वि.	
३४ २०	१	मं.	४४ १३	अनु.	२३ २४	शि.	२५ ४९	बा.	१७ ३९	११	२४	३	१५	वृश्चिक		५ २८	१९ १२	१ ०८ ५९ ५७	शुक्र मृग. में १४/१४
३४ २२	२	बु.	३६ ५४	ज्ये.	१८ १८	सि.	१७ २०	तै.	१० ३८	१२	२५	४	१६	धनु	१८ १८	५ २७	१९ १२	१ ०९ ५७ ३५	सूर्य रोहि. में २/३३, बुध वृष में ३१/५७, यूरेनस शत. ४ में ४४/३६
३४ २५	३	गु.	२९ १४	मूल	१२ ४३	सा. शु.	८ २५ ५९ २९	व.	३ ०५	१३	२६	५	१७	धनु		५ २७	१९ १३	१ १० ५५ ०९	भ. ३/५ से २९/१४ तक, शनि पुन. ४ कर्क में ४/४८, राहु, (A)
३४ ३०	४	शु.	२१ ३९	पू. षा.	७ ०७	शु.	५० ४२	बा.	२१ ३९	१४	२७	६	१८	मकर	२० ४४	५ २६	१९ १४	१ ११ ५२ ४४	
३४ ३०	५	श.	१४ २५	उ. षा. श्रव.	१ ४६ ५७ ०१	ब्र.	४२ २२	तै.	१४ २५	१५	२८	७	१९	मकर		५ २६	१९ १४	१ १२ ५० १६	
३४ ३२	६	र.	७ ५०	धनि.	५३ ०९	ऐं.	३४ ४२	व.	७ ५०	१६	२९	८	२०	कुम्भ	२४ ५७	५ २६	१९ १५	१ १३ ४७ ४९	भ. ७/५० से ३४/५२ तक, पंचक प्रारम्भ २४/५७, शुक्र मिथुन, (B)
३४ ३५	७	चं.	२ ११	शत.	५० १६	वै.	२७ ५२	ब.	२ ११	१७	३०	९	२१	कुम्भ		५ २५	१९ १५	१ १४ ४५ २१	बुध रोहि. में १७/१८
अवम	८	चं.	५७ ३१	०	० ०	०	० ०	०	० ०	०	०	०	०	०	० ०	० ०	० ०	० ० ० ०	अष्टमी तिथिक्षय
३४ ३७	९	मं.	५३ ५८	पू. भा.	४८ २८	वि.	२१ ५२	तै.	२५ ३६	१८	३१	१०	२२	मीन	३३ ४९	५ २५	१९ १६	१ १५ ४२ ५१	
३४ ४०	१०	बु.	५१ ३२	उ. भा.	४७ ४८	प्री.	१६ ४७	व.	२२ ३६	१९	जू. १	११	२३	मीन		५ २५	१९ १७	१ १६ ४० २२	भ. २२/३६ से ५१/३२ तक, जून प्रारम्भ
३४ ४०	११	गु.	५० १४	रेव.	४८ १५	आ.	१२ ३६	ब.	२० ४४	२०	२	१२	२४	मेष	४८ १५	५ २५	१९ १७	१ १७ ३७ ५२	पंचक समाप्त ४८/१५, अपरा एकादशी व्रत (स.), (C)
३४ ४५	१२	शु.	४९ ५८	अश्वि.	४९ ४३	सौ.	९ १९	कौ.	१९ ५८	२१	३	१३	२५	मेष		५ २४	१९ १८	१ १८ ३५ २१	मंगल मीन में २७/३३
३४ ४५	१३	श.	५० ४१	भर.	५२ ०९	शो.	६ ५०	ग.	२० १२	२२	४	१४	२६	मेष		५ २४	१९ १८	१ १९ ३२ ४७	भ. ५०/४१ बाद, शुक्र आर्द्रा में ७/५१, शनि प्रदोष व्रत
३४ ४७	१४	र.	५२ २४	कृत्ति.	५५ ३४	अ.	५ ०८	वि.	२१ २६	२३	५	१५	२७	वृष	७ ५५	५ २४	१९ १९	१ २० ३० १५	भ. २१/२६ तक, बुध मृग. में २२/३०, गुरु मार्गी १९/५५
३४ ४७	३०	चं.	५५ ०५	रोहि.	५९ ५४	सु.	४ १३	च.	२३ ३७	२४	६	१६	२८	वृष		५ २४	१९ १९	१ २१ २७ ४२	सोमवती अमावस, वटसावित्री व्रत (अमा पक्ष), भावुका अमावस

(A) रेव. ३ में ५२/२४, केतु चित्रा १ में ५२/२४, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, (B) में ४०/५१, (C) भद्रकाली एकादशी (पं.)

ज्येष्ठ कृष्ण ७ चन्द्र, इष्ट ०/१२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१०	१०	१	५	२	३	११	५
१४	०८	२६	०९	१५	००	००	२६	२६
४५	२०	५०	२३	०३	२३	२३	३०	३०
३४	०८	३३	१३	३७	४१	५०	०३	०३
५७	८३८	४२	१२९	१	७३	६	३	३
३२	८	३८	४५	४	२७	१४	११	११
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
रोहि. २	शत. २	पू. भा. ३	कृत्ति. ४	[illegible] २	मृग. ३	पुन. ४	[illegible] ३	[illegible] २

कुण्डली सूर्योदये

- १
- २ सू. बु.
- ३ शु.
- ४ श.
- ५
- ६ गु.
- ७ के.
- ८
- ९
- १०
- ११ मं. चं.
- १२ रा.

लोकभविष्य– ज्येष्ठ में पांच मंगलवार एवं पांच बुधवार होने से विश्व के कुछ प्रतिष्ठित किंवा बहुचर्चित मुस्लिमराष्ट्रों में प्रधान नेतृत्व को भारी परेशानियों का सामना करना पड़े, कहीं राजनीतिक हत्याकाण्ड एवं युद्धविभीषिका से जनमानस त्रस्त रहे;- " यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पञ्च-वासराः। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्रभंगस्तदा भवेत्।।
इस पक्ष में पांच बुधवार भारत की गरिमा, शासनतन्त्र की कार्यकुशलता में प्रगति का संकेत देते हैं। कर्कराशि में शनि आकर महाराष्ट्र, उड़ीसा, बिहार एवं कुछ अन्य प्रान्तों में खड़ी फसलों को हानि पहुंचाएगा- "नागपुरं विनश्येत् अन्यैर्दुर्भिक्षमुच्यते।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– पक्षारम्भ में तेल, तिलहन, गुड़, खाण्ड, घी, अनाज में तेजी; रुई में मन्दे के बाद तेजी बने। २६ मई को कपास और रुई में विशेष तेजी का योग है। २९ मई के करीब रुई, कपास, सूत, पाट, बारदाना, तिल, तेल, सरसों, अरहर एवं ग्वार में काफी मन्दा आ सकता है। गेहूं, जौ, चना, चावल में तेजी ही रहे। ५ जून के लगभग रुई और चांदी में जोरदार मन्दे का योग है।

आकाश लक्षण– मई २५, २६, २९, ३०; जून ३ से ६ को मुम्बई, भूटान, उड़ीसा, आसाम एवं बिहार में वर्षा के योग हैं। जून के प्रथम सप्ताह में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान में गर्मी का प्रकोप बढ़े।

शकुन विचार– यदि ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया को दक्षिण की वायु चले तो घी, तेल, तिल के स्टॉक से आश्विन में लाभ मिलेगा।

कुण्डली सूर्योदये

- १
- २ सू. बु. चं.
- ३ शु.
- ४ श.
- ५
- ६ गु.
- ७ के.
- ८
- ९
- १०
- ११
- १२ मं. रा.

ज्येष्ठ कृष्ण ३० चन्द्र, इष्ट ०/१५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१	१	११	१	५	२	३	११	५
२१	१०	०१	२४	१५	०८	०१	२६	२६
२८	५९	४७	४२	००	५७	०८	०७	०७
००	११	४३	५४	०१	२८	३३	४८	४८
५७	७४५	४२	१३१	०	७३	६	३	३
२६	३५	१२	६	१३	२०	३५	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible] ४	[illegible] १	[illegible] ४	[illegible] १	[illegible] २	[illegible] २	[illegible] ४	[illegible] ३	[illegible] २

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष ५

(७ से २२ जून तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, उत्तर– दक्षिणायन, ग्रीष्म – वर्षा ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पूर्व की ओर तथा सायं गु. याम्योत्तरवृत्तासन्न, शु. पश्चिम में एवम् शनि उस से ऊपर पश्चिम में ही दीखेगा। बु. १४ जून से सायं पश्चिम में दीखने लगेगा।

दिनमान		तिथि	वार	समाप्ति काल		नक्षत्र	समाप्ति काल		योग	समाप्ति काल		करण	समाप्ति काल		तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल		चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय		सूर्यास्त		उदय–कालिक स्पष्ट सूर्य				
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.	ज्येष्ठ	जून	ज्येष्ठ	[illegible]		घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	
३४	५०	१	म	५८	४२	मृग.	६०	००	धृ.	४	०२	किं.	२६	४७	२५	७	१७	२९	मिथुन	३२	२५	५	२४	१९	२०	१	२२	२५	०८	सूर्य मृग. में ५७/१९
३४	५०	२	बु	६०	००	मृग.	५	१०	शू.	४	३५	बा	३०	५१	२६	८	१८	३०	मिथुन			५	२४	१९	२०	१	२३	२२	३४	चन्द्र दर्शन, मु. १५, मंगल उ. भा. में ११/३७, बुध मिथुन में २६/८
३४	५०	२	गु	३	१४	आर्द्रा	११	१७	ग.	५	५०	कौ.	३	१४	२७	९	१९	ज. १	मिथुन			५	२४	१९	२०	१	२४	१९	५८	रम्भा तृतीया (पूर्व विद्धा), जमद–उल–अव्वल मु. प्रारम्भ
३४	५२	३	शु.	८	३२	पुन.	१८	०८	वृ.	७	४१	ग.	८	३२	२८	१०	२०	२	कर्क	१	२२	५	२४	१९	२१	१	२५	१७	२१	भ. ४१/२५ बाद, श्रीप्रताप जयन्ती
३४	५२	४	श.	१४	२५	पुष्य	२५	३०	ध्रु.	९	५८	वि.	१४	२५	२९	११	२१	३	कर्क			५	२४	१९	२१	१	२६	१४	४४	भ. १४/२५ तक, बुध आर्द्रा में ३५/१०
३४	५५	५	र.	२०	३१	आश्ले.	३३	०२	व्या.	१२	२७	बा	२०	३१	३०	१२	२२	४	सिंह	३३	०२	५	२४	१९	२२	१	२७	१२	०५	
३४	५५	६	च.	२६	२५	मघा	४०	१६	ह.	१४	४९	तै.	२६	२५	३१	१३	२३	५	सिंह			५	२४	१९	२२	१	२८	०९	२६	
३४	५५	७	म.	३१	३४	पू. फा.	४६	४०	व.	१६	४२	व.	३१	३४	आ १	१४	२४	६	सिंह			५	२४	१९	२२	१	२९	०६	४६	भ. ३१/३४ बाद, सं. सूर्य मिथुन में ५५/४३, मु. ४५, पुण्यकाल , (A)
३४	५७	८	बु.	३५	२८	उ. फा.	५१	४६	सि.	१७	४२	वि.	३	४३	२	१५	२५	७	कन्या	३	०५	५	२४	१९	२३	२	००	०४	०४	भ. ३/४३ तक, शुक्र पुन. में २/५४
३४	५७	९	गु.	३७	४०	हस्त	५५	०७	व्य.	१७	२९	बा.	६	४८	३	१६	२६	८	कन्या			५	२४	१९	२३	२	०१	०१	२२	
३४	५७	१०	शु.	३७	५३	चित्रा	५६	२८	व.	१५	४६	तै.	८	०३	४	१७	२७	९	तुला	२६	०३	५	२४	१९	२३	२	०१	५८	३९	श्रीगंगा दशहरा
३५	००	११	श.	३६	०१	स्वा.	५५	४६	प.	१२	२४	व.	७	१३	५	१८	२८	१०	तुला			५	२४	१९	२४	२	०२	५५	५५	भ. ७/१३ से ३६/१ तक, बुध पुन. में २३/३७, (B)
३५	००	१२	र.	३२	०६	विशा.	५३	०४	शि.	७	२२	ब.	४	१८	६	१९	२९	११	वृश्चिक	३८	५७	५	२४	१९	२४	२	०३	५३	११	चम्पक द्वादशी, प्रदोष व्रत
३५	००	१३	च.	२६	२०	अनु.	४८	४३	सि. सा.	० ५२	४४ ४६	तै.	२६	२०	७	२०	३०	१२	वृश्चिक			५	२५	१९	२४	२	०४	५०	२५	
३५	००	१४	म.	१९	०७	ज्ये.	४३	०१	शु.	४३	४४	व.	१९	०७	८	२१	३१	१३	धनु	४३	०१	५	२५	१९	२४	२	०५	४७	४२	भ. १९/७ से ४५/५ तक, सूर्य आर्द्रा में ५४/५०, सूर्य सायन कर्क , (C)
३५	००	१५	बु.	१०	४९	मूल	३६	२५	शु.	३३	५७	ब.	१०	४९	९	२२	आ १	१४	धनु			५	२५	१९	२५	२	०६	४४	५५	शाक आषाढ़ प्रारम्भ

(A) अगले दिन मध्याह्न तक, बुध पश्चिम में उदित ३०/५७, यूरेनस वक्री ५५/१७, (B) निर्जला एकादशी व्रत (स.), त्रिस्पृशा महाद्वादशी, (C) में १७/११, दक्षिणायन प्रारम्भ, वर्षा ऋतु प्रारम्भ, वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा पक्ष) (देखें पृष्ठ ६५),

श्रीसत्यनारायण व्रत

ज्येष्ठ शुक्ल ८ बुध, इष्ट ०/१५,

सू.	चं.	मं.	बु	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	४	११	२	५	२	३	११	५
००	२९	०८	१३	१५	१९	०२	२५	२५
०४	२५	०४	३४	०८	५६	०९	३९	३९
२२	५०	४९	०४	२५	४९	३५	११	११
५७	७४०	४१	११६	१	७३	७	३	३
१८	३०	३०	३३	४९	१०	०	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
मृग. ३	उ.फा. १	उ.भा. २	आर्द्रा ३	हस्त २	आर्द्रा ४	पुन. ४	रेव. ३	हस्त १

कुण्डली सूर्योदये

चं. ४ श.
२
सू. बु. ३ शु.
५
१
रा.
गु. ६ के.
१२ मं.
७
९
११
८
१०

लोकभविष्य– राहु-मंगल दोनों मीनराशि में एकत्र होकर आगे कुछ प्रान्तों में दुर्भिक्ष की स्थिति बनाएंगे एवं अनावृष्टि से खड़ी फसलों को हानि पहुंचने का योग बनता है -
" राहुरंगारकश्चैक-राशि-ऋक्षगतौ तथा। महाभयं च सस्यानां न च वृष्टिः प्रजायते।।"
साथ ही इस पक्ष में सूर्य, शुक्र, बुध- ये तीनों मिथुन राशि में ही हैं, जो कि सभी अनाजों में तेजी का संकेत देते हैं एवं कुछ प्रान्तों में वर्षा की भारी कमी से कृषक वर्ग चिन्तित भी रहेगा-
" एकराशौ गता होते सौम्य-शुक्र-दिनाधिपाः। सर्वधान्य-महर्घत्त्वं मेघाः स्वल्प-जलप्रदाः।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– ७ जून को रुई, सूत, रेशम, सोना, चांदी, दालवाना में तेजी बने। गेहूं, जौ, चना भी तेज रहें। ११ जून से बाजारों में मन्दे का रुख बनेगा। १४ जून के लगभग बारदाना, सूत, कपास,रुई, सरसों, तिल, तेल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, चीनी, घी, चना, चावल, सोना, चांदी में अच्छी तेजी से लाभ लें। पक्षान्त में रुई, सूत, कपास, खल, अलसी, एरण्ड, गेहूं, चावल, चना, जौ में तेजी रहे; लेकिन वर्षा आदि के कारण बाजारों में अचानक बदलाव भी आ सकता है।

आकाश लक्षण– जून ७, ८, ११, १४, १५, १८, २१ को भूटान, शिलांग, काठमाण्डु में कहीं वायुवेग के साथ वर्षा हो एवं उ. प्र., म. प्र., आसाम, पंजाब, हरियाणा तथा हि. प्र. में कहीं आंधी से हानि; कहीं गर्म हवाओं से नुकसान हो।

शकुन विचार– ज्येष्ठ शुक्ल सप्तमी को यदि बादल गरजें, दक्षिण की हवा चले तो तिलहन के स्टॉक से कार्तिक में लाभ मिलेगा।

कुण्डली सूर्योदये

श. ४
२
सू. बु. ३ शु.
५
१
रा.
गु. ६ के.
१२ मं.
७
चं. ९
११
८
१०

ज्येष्ठ शुक्ल १५ बुध, इष्ट ०/१२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	८	११	२	५	२	३	११	५
०६	०४	१२	२६	१५	२८	०२	२५	२५
४५	१६	५३	२२	२४	२८	५९	१६	१६
१०	५९	२६	२०	४६	२८	२०	५५	५५
५७	९०२	४०	१००	३	७३	७	३	३
१३	२६	५२	२८	१	१	१५	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
आर्द्रा १	मूल २	उ.भा. ३	पुन. २	हस्त २	पुन. ३	पुन. ४	रेव. ३	हस्त १

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ आषाढ़ कृष्ण पक्ष ६

(२३ जून से ६ जुलाई तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, दक्षिणायन, वर्षा ऋतु।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र.	तारीखें अं.	तारीखें श.	तारीखें मु.	चन्द्रराशि प्रवेशकाल	घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त से पूर्व में, सायं गु. याम्योत्तरवृत्तासन्न और बु., शु. पश्चिम में परस्पर आसन्न दीखेंगे। श. ५ जुलाई से सायं पश्चिम में अदृश्य हो जाएगा।
३५	००	१	गु.	१	५२	पू.षा.	२९	२४	ब्र.	२३	४७	कौ.	१	५२	१०	२३	२	१५	मकर	४२	३८	५	२५	१९	२५	२	०७	४२	०८	शुक्र कर्क में १५/२८
अवम		२	गु.	५२	४३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	द्वितीया तिथिक्षय
३५	००	३	शु.	४३	४९	उ.षा.	२२	२५	ऐं.	१३	३७	व.	१८	१३	११	२४	३	१६	मकर			५	२५	१९	२५	२	०८	३९	२१	भ. १८/१३ से ४३/४९ तक, बुध कर्क में १२/६, शनि पुष्य १, (A)
३४	५७	४	श.	३५	३१	श्रव.	१५	५३	वै. वि.	३ ५४	४६ ३७	ब.	९	३२	१२	२५	४	१७	कुम्भ	४२	५७	५	२६	१९	२५	२	०९	३६	३३	पंचक प्रारम्भ ४२/५७, शुक्र पुष्य में ५९/५४, व. नेपच्यून श्रव., (B)
३४	५७	५	र.	२८	१६	धनि.	१०	१७	प्री.	४६	२५	कौ.	१	४५	१३	२६	५	१८	कुम्भ			५	२६	१९	२५	२	१०	३३	४८	बुध पुष्य में १९/५०
३४	५७	६	चं.	२२	१८	शत.	५	५४	आ.	३९	२०	व.	२२	१८	१४	२७	६	१९	मीन	४८	३०	५	२६	१९	२५	२	११	३१	०१	भ. २२/१८ से ४९/५० तक, मंगल रेव. में ३४/४८
३४	५४	७	मं.	१७	४७	पू.भा.	२	५४	सौ.	३३	२८	ब.	१७	४७	१५	२८	७	२०	मीन			५	२७	१९	२५	२	१२	२८	१३	
३४	५४	८	बु.	१४	५३	उ.भा.	१	३०	शो.	२८	५४	कौ.	१४	५३	१६	२९	८	२१	मीन			५	२७	१९	२५	२	१३	२५	२८	
३४	५४	९	गु.	१३	३२	रेव.	१	४०	अ.	२५	३६	ग.	१३	३२	१७	३०	९	२२	मेष	१	४०	५	२७	१९	२५	२	१४	२२	४१	भ. ४३/२५ बाद, पंचक समाप्त १/४०
३४	५२	१०	शु.	१३	३६	अश्वि.	३	१४	सु.	२३	२२	वि.	१३	३६	१८	जु.१	१०	२३	मेष			५	२८	१९	२५	२	१५	१९	५३	भ. १३/३६ तक, जुलाई प्रारम्भ
३४	५२	११	श.	१५	०१	भर.	६	०९	धृ.	२२	१२	बा.	१५	०१	१९	२	११	२४	वृष	२२	०४	५	२८	१९	२५	२	१६	१७	०८	योगिनी एकादशी व्रत (स.)
३४	४९	१२	र.	१७	२९	कृत्ति.	१०	०८	शू.	२१	५०	तै.	१७	२९	२०	३	१२	२५	वृष			५	२९	१९	२५	२	१७	१४	२१	प्रदोष व्रत
३४	४९	१३	चं.	२०	५७	रोहि.	१५	०६	गं.	२२	१४	व.	२०	५७	२१	४	१३	२६	मिथुन	४७	५३	५	२९	१९	२५	२	१८	११	३७	भ. २०/५७ से ५३/० तक
३४	४९	१४	मं.	२५	१४	मृग.	२०	५१	वृ.	२३	१५	श.	२५	१४	२२	५	१४	२७	मिथुन			५	२९	१९	२५	२	१९	०८	५०	सूर्य पुन. में ५३/३३, शनि अस्त ३२/३०, व. यूरेनस शत. ३, (C)
३४	४७	३०	बु.	३०	०६	आर्द्रा	२७	११	ध्रु.	२४	४३	ना.	३०	०६	२३	६	१५	२८	मिथुन			५	३०	१९	२५	२	२०	०६	०३	बुध आश्ले. में ३०/१४, शुक्र आश्ले. में ५८/५१

(A) में ५०/३७, (B) ४ में ३८/५०, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, (C) में २३/३

आषा. कृष्ण ८ बुध, इष्ट ०/७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	११	११	३	५	३	३	११	५
१३	१६	१७	०७	१५	०६	०३	२४	२४
२५	२१	३७	१५	४९	५९	५०	५४	५४
३८	५७	१७	३४	२०	०४	४२	४०	४०
५७	७९८	४०	८३	४	७२	७	३	३
१३	२३	६	३८	१०	५२	२७	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
आर्द्रा ३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुण्डली सूर्योदये

बु. श. ४ शु. | सू. ३ | २ | १ | रा. चं. १२ मं. | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | गु. ६ के. | ५

लोकभविष्य— आषाढ़ चान्द्रमास में पांच गुरुवार हैं। गुरु राहु एवं मंगल से दृष्ट है। पक्षमध्य से पक्षान्त तक शनियुत शुक्र-बुध पुष्यनक्षत्र में ही चल रहे हैं। पश्चिमी गोलार्ध के देशों में कहीं युद्धविभीषिका से शान्ति भंग हो। कहीं मुस्लिमराष्ट्रों में आन्तरिक उग्रवाद से नेतावर्ग हत्याकाण्ड के शिकार हों। प्रभावशाली राष्ट्र भी उग्रवादजन्य समस्या के समाधानार्थ विवश मालूम देंगे। भारत की प्रभावराशि मकर पर बृहस्पति की दृष्टि होने से भारत का वर्चस्व बढ़ेगा।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— २३ से २६ जून तक रुई में जोरदार मन्दा बने अलसी, एरण्ड, तेल, घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी और मन्दे के झटके आएं- बाजार के रुख को जांचकर काम करें। २७ जून को चांदी में खास तेजी का योग है। जुलाई ५, ६ को तेल, तिलहन, गुड़, खाण्ड, उड़द, मूंग, मूंगफली और चावल में अच्छी तेजी के बाद मन्दा आए।

आकाश लक्षण— जून २३ से २७ और जुलाई ५, ६ को पंजाब, हि. प्र., हरियाणा, उ. प्र., भूटान, शिलांग और आसाम में जोरदार वर्षा के योग हैं।

शकुन विचार— यदि आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा को बिजली चमके, वर्षा भी हो तो आगे अनाज में तेजी से लाभ मिलेगा।

कुण्डली सूर्योदये

बु. श. ४ शु. | सू. ३ चं. | २ | १ | रा. १२ मं. | ११ | १० | ९ | ८ | ७ | गु. ६ के. | ५

आषा. कृष्ण ३० बुध, इष्ट ०/०,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	२	११	३	५	३	३	११	५
२०	१४	२२	१६	१६	१५	०४	२४	२४
०६	३३	१५	०६	२१	२८	४३	३२	३२
०९	२२	१५	५१	४४	४१	२०	२४	२४
५७	७२१	३१	६५	५	७२	७	३	३
१३	१६	८	४	१५	४३	३६	१९	१९
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.	अ.
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ आषाढ़ शुक्ल पक्ष ७

(७ से २१ जुलाई तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, दक्षिणायन, वर्षा ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त में और सायं गु. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पश्चिम में हटा होगा। इस समय बु. शु. पश्चिम में होंगे। श. अस्त है।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.
३४	४७	१	गु.	३५	३७	पुन.	३४	१०	व्या.	२६	४२	किं.	२	४८
३४	४५	२	शु.	४१	३४	पुष्य	४१	३३	ह.	२९	०२	बा.	८	३३
३४	४२	३	श.	४७	४१	आश्ले.	४९	०५	व.	३१	३४	तै.	१४	३८
३४	४०	४	र.	५३	४५	मघा	५६	३५	सि.	३४	०३	व.	२०	४५
३४	४०	५	चं.	५९	११	पू. फा.	६०	००	व्य.	३६	१८	ब.	२६	३८
३४	३७	६	मं.	६०	००	पू. फा.	३	३४	व.	३७	५६	कौ.	३१	४७
३४	३४	६	बु.	३	५८	उ. फा.	९	४०	प.	३८	४१	तै.	३	५८
३४	३२	७	गु.	७	१२	हस्त	१४	२०	शि.	३८	०७	व.	७	१२
३४	३२	८	शु.	८	४२	चित्रा	१७	१६	सि.	३६	०६	ब.	८	४२
३४	२७	९	श.	८	०७	स्वा.	१८	०९	सा.	३२	२१	कौ.	८	०७
३४	२४	१०	र.	५	२४	विशा.	१६	५६	शु.	२६	५५	ग.	५	२४
३४	२४	११	चं.	०	४१	अनु.	१३	४५	शु.	१९	५३	वि.	०	४१
अवम		१२	चं	५४	०६	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३४	२०	१३	मं.	४६	०४	ज्ये.	८	४६	ब्र.	११	२४	कौ.	२०	१५
३४	२०	१४	बु.	३६	५८	मूल पू. षा.	२ ५५	२६ ०७	ऐं. वै.	१ ५१	४९ २५	ग.	११	३८
३४	१५	१५	गु.	२७	१३	उ. षा.	४७	२४	वि.	४०	३८	वि.	२	०७

तारीखें प्र. आषाढ़	अं. जुलाई	श. आषाढ़	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२४	७	१६	२९	कर्क	१७	२२	५	३०	११	२५	२	२१	०३	२२	चन्द्र दर्शन, मु. ३०
२५	८	१७	ज. १	कर्क			५	३१	११	२५	२	२२	००	३५	रथयात्रा (पुरी), जमद–उस्मानी मु. प्रारम्भ
२६	९	१८	२	सिंह	४९	०५	५	३१	११	२४	२	२२	५७	४८	गुरु हस्त ३ में २२/९
२७	१०	१९	३	सिंह			५	३२	११	२४	२	२३	५५	०२	भ. २०/४५ से ५३/४५ तक
२८	११	२०	४	सिंह			५	३२	११	२४	२	२४	५२	१८	
२९	१२	२१	५	कन्या	२०	१२	५	३३	११	२४	२	२५	४९	३१	कुमारषष्ठी
३०	१३	२२	६	कन्या			५	३३	११	२३	२	२६	४६	४७	
३१	१४	२३	७	तुला	४६	०२	५	३४	११	२३	२	२७	४४	००	भ. ७/१२ से ३८/१२ तक, विवस्वत् सप्तमी
३२	१५	२४	८	तुला			५	३४	११	२३	२	२८	४१	१६	
श्रा १	१६	२५	९	तुला			५	३५	११	२२	२	२९	३८	३०	सं. सूर्य कर्क में २२/२९, मु. ४५, पुण्यकाल सारा दिन
२	१७	२६	१०	वृश्चिक	२	२५	५	३६	११	२२	३	००	३५	४६	भ. ३३/१७ बाद, हरिशयनी एकादशी व्रत (स्मा.)
३	१८	२७	११	वृश्चिक			५	३६	११	२२	३	०१	३३	०२	भ. ०/४१ तक, मंगल अश्वि. मेष में ९/०, शुक्र मघा सिंह में , (A)
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	द्वादशी तिथिक्षय
४	१९	२८	१२	धनु	८	४६	५	३७	११	२१	३	०२	३०	१६	सूर्य पुष्य में ५२/५, भौम प्रदोष व्रत
५	२०	२९	१३	धनु			५	३७	११	२१	३	०३	२७	३२	भ. ३६/५८ बाद, श्रीसत्यनारायण व्रत
६	२१	३०	१४	मकर	८	१३	५	३८	११	२०	३	०४	२४	४७	भ. २/७ तक, शनि पुष्य २ में ९/५४, गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा, (B)

(A) ०/१५, हरिशयनी एकादशी व्रत (वै.), (B) शिवशयनोत्सव, आषाढ़ी पूर्णिमा, चातुर्मास्य व्रतनियमादि प्रा., कोकिला व्रत

आषा. शुक्ल ८ शुक्र, इष्ट ५९/५०,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
२	६	११	३	५	३	३	११	५
२९	१५	२८	२४	१७	२७	०६	२४	२४
३८	५६	३९	३२	२०	३४	००	००	००
२३	२८	३०	१७	४४	३७	००	३७	३७
५७	८०७	३७	३०	६	७२	७	३	३
१४	२५	२९	३०	४०	२६	४४	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.	अ.
पुन. ३	स्वा. ३	रेव. ४	आश्ले. ३	हस्त ३	आश्ले. ४	पुष्य २	रेव. ३	चित्रा १

कुण्डली सूर्योदये

बु. ४ श. शु.
सू. ३
२
५
१
गु. ६ के.
रा. १२ मं.
चं. ७
९
११
८
१०

लोकभविष्य– इस पक्ष में शनिवार को सूर्य कर्कराशि में आकर शनि एवं बुध के साथ राशिसम्बन्ध बनाएगा। १८ जुलाई को मंगल मेषराशि में आकर शनि के साथ दशम-चतुर्थ दृष्टि-सम्बन्ध बना लेगा। इस प्रकार शनि-मंगल का दृष्टि-सम्बन्ध एवं सूर्य-शनि का राशिसम्बन्ध देश में कहीं आन्तरिक अशान्ति, मुस्लिमराष्ट्र विशेष में भारी उलटफेर का संकेत देता है। मुस्लिमराष्ट्र में कहीं सत्ता-हस्तान्तरण हो एवं कहीं विस्फोटक पदार्थों से जनधनहानि का भी समाचार मिले।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– ६ जुलाई को रुई, गुड़, खाण्ड, शक्कर, अलसी, सरसों, घी, तेल, सोना, चांदी, गेहूं, चना, हल्दी में मन्दा बने। १६ से १८ जुलाई के लगभग रुई, सूत, बादाम, सुपारी, गुड़, खाण्ड, शक्कर, तिल, नारियल, सरसों, सोना, चांदी में तेजी का रुख बने एवं पक्षान्त में बाजार डांवाडोल रहेंगे।

कुण्डली सूर्योदये

शु. ५
सू.
३
गु. ६ के.
श. ४ बु.
२
मं. १
७
८
१०
रा. १२
चं. ९
११

आषा. शुक्ल १५ गुरु, इष्ट ५९/४०,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	९	०	३	५	४	३	११	५
०५	१३	०२	२६	१८	०४	०६	२३	२३
२१	०८	२१	२९	०२	४८	४६	४१	४१
४८	३३	३७	०३	४२	४२	२६	३२	३२
५७	९१५	३६	३	७	७२	७	३	३
१६	१६	२०	५	२७	१४	४५	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.	अ.
पुष्य १	श्रव. १	अश्वि. १	आश्ले. ३	हस्त ३	मघा २	पुष्य २	रेव. ३	चित्रा १

आकाश लक्षण– जुला. ८, ६, १६ से २१ को पंजाब, हि. प्र., हरियाणा, उ. प्र., भूटान, शिलांग और आसाम में अनेकत्र वायुवेग के साथ वर्षा के योग हैं। नोट- १८ जुलाई को शुक्र के सिंहराशि में आने पर उत्तर भारत के कुछ प्रान्तों में वर्षा की कमी का अनुभव हो।

शकुन विचार– आषाढ़ शुक्ल पंचमी को यदि पश्चिम की हवा चले, बादल-वर्षा हो और इन्द्रधनुष दीखे तो अनाज का स्टॉक करने से कार्तिक में लाभ होगा।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ श्रावण कृष्ण पक्ष ८

(२२ जुलाई से ५ अगस्त तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, दक्षिणायन, वर्षा ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। श. अस्त है। सायं गु. याम्योत्तरवृत्त से पश्चिम में हटा और शु. पश्चिम क्षितिज से ऊपर दिखाई देगा। बु. २६ जुलाई से सायं पश्चिम में अदृश्य हो जाएगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखे प्र. श्रावण	तारीखे अं. जुलाई	तारीखे श. श्रावण	तारीखे मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घ.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
३४	१५	१	शु	१७	२१	श्रव.	३९	४३	प्री.	२९	५१	कौ.	१७	२१	७	२२	३१	१५	मकर			५	३८	१९	२०	३	०५	२२	०४	सूर्य सायन सिंह में ४३/५५
३४	१०	२	श.	७	४७	धनि.	३२	३२	आ.	१९	२३	ग.	७	४७	८	२३	श्रा. १	१६	कुम्भ	६	०१	५	३९	१९	१९	३	०६	१९	२०	भ. ३३/१७ से ५८/५९ तक, पंचक प्रारम्भ ६/१, बुध वक्री , (A)
अवम		३	श.	५८	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	तृतीया तिथिक्षय
३४	०७	४	र.	५१	२३	शत.	२६	२०	सौ.	९	३९	ब.	२५	०१	९	२४	२	१७	कुम्भ			५	४०	१९	१९	३	०७	१६	३९	श्री गणेश चतुर्थी व्रत
३४	०४	५	चं.	४५	१८	पू. भा.	२१	३३	शो. अ.	१ ५३	०१ ३७	कौ.	१८	०८	१०	२५	३	१८	मीन	७	३६	५	४०	१९	१८	३	०८	१३	५८	
३४	००	६	म.	४०	५४	उ. भा.	१८	२२	सु.	४७	४२	ग.	१२	५१	११	२६	४	१९	मीन			५	४१	१९	१७	३	०९	११	१६	भ. ४०/५४ बाद
३४	००	७	बु.	३८	२५	रेव.	१७	०२	धृ.	४३	१७	वि.	९	२६	१२	२७	५	२०	मेष	१७	०२	५	४१	१९	१७	३	१०	०८	३८	भ. ९/२५ तक, पंचक समाप्त १७/२
३३	५५	८	गु.	३७	४४	अश्वि.	१७	३१	शू.	४०	१९	बा.	७	४९	१३	२८	६	२१	मेष			५	४२	१९	१६	३	११	०५	५८	राहु रेव. २ में ४५/५३, केतु हस्त ४ में ४५/५३
३३	४९	९	शु.	३८	४६	भर.	१९	४५	गं.	३८	४२	तै.	८	०२	१४	२९	७	२२	वृष	३५	३४	५	४३	१९	१५	३	१२	०३	२१	व. बुध पश्चिम में अस्त २/१९, शुक्र पू. फा. में ४/५०
३३	४९	१०	श.	४१	२२	कृत्ति.	२३	३३	वृ.	३८	१८	व.	९	५४	१५	३०	८	२३	वृष			५	४३	१९	१५	३	१३	००	४५	भ. ९/५४ से ४१/२२ तक
३३	४५	११	र.	४५	०८	रोहि.	२८	३५	ध्रु.	३८	४९	ब.	१३	०५	१६	३१	९	२४	वृष			५	४४	१९	१४	३	१३	५८	०८	कामिका एकादशी व्रत (स.)
३३	४२	१२	च.	४९	४९	मृग.	३४	३८	व्या.	४०	०७	कौ.	१७	२४	१७	अ. १	१०	२५	मिथुन	१	३०	५	४४	१९	१३	३	१४	५५	३५	अगस्त प्रारम्भ
३३	४०	१३	म.	५५	११	आर्द्रा	४१	१९	ह.	४१	५३	ग.	२२	२७	१८	२	११	२६	मिथुन			५	४५	१९	१३	३	१५	५३	००	भ. ५५/११ बाद, सूर्य आश्ले. में ४९/०, भौम प्रदोष व्रत
३३	३५	१४	बु.	६०	००	पुन.	४८	२८	व.	४४	०२	वि.	२८	०३	१९	३	१२	२७	कर्क	३१	३८	५	४६	१९	१२	३	१६	५०	२९	भ. २८/३ तक
३३	३२	१४	गु.	१	००	पुष्य	५५	५२	सि.	४६	२३	श.	१	००	२०	४	१३	२८	कर्क			५	४६	१९	११	३	१७	४७	५८	
३३	२७	३०	शु.	७	०१	आश्ले.	६०	००	व्य.	४८	४८	ना.	७	०१	२१	५	१४	२९	कर्क			५	४७	१९	१०	३	१८	४५	२७	गुरु हस्त ४ में १४/२७, हरियाली अमावस

(A) ७/१२, शक श्रावण प्रारम्भ, अशून्य शयन व्रत

श्राव. कृष्ण ८ गुरु, इष्ट ५९/३०,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	०	०	३	५	४	३	११	५
१२	२२	०६	२५	१८	१३	०७	२३	२३
०२	२२	३१	०६	५७	१३	४०	१९	१९
५५	१३	२६	५५	२२	३६	४०	१७	१७
५७	७५८	३४	३०	८	७१	७	३	३
२२	१५	४५	३६	१७	५९	४५	११	११
—	—	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.	अ.
पुष्य ३	पू. ३	अश्वि. २	आश्ले. ३	हस्त ३	मघा ४	पुन. २	पू. फा. २	उ. फा. ४

कुण्डली सूर्योदये

शु. ५ | ३ | गु. ६ के. | सू. श. ४ बु. | २ | म. १ | ७ | च. | रा. १२ | ८ | १० | ९ | ११

लोकभविष्य— शनि-मंगल का परस्पर विशेष दृष्टिसम्बन्ध बना हुआ है। कन्यास्थ गुरु पर शनि की विशेष दृष्टि है, राहु एवं गुरु का समसप्तकयोग भी चल रहा है। कहीं भयंकर सूखा, कहीं भयंकर बाढ़ से भारी हानि के समाचार मिलेंगे। कहीं प्राकृतिक प्रकोप से जनधनहानि एवं यानदुर्घटना में किसी विशिष्ट-व्यक्ति के निधन से शोक व्याप्त होगा। इस चान्द्रमास में पांच शुक्रवार होने से जनसंख्या पर कंट्रोल एवं राष्ट्रहितार्थ नई योजनाओं का निर्माण होगा।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— २३ जुलाई को बुध के वक्र होने पर घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी; गेहूं, जौ, चना में अचानक मन्दा बने। २८ जुलाई के लगभग बाजार में उथल-पुथल रहे। २६ जुलाई को रुई में झटके के साथ मन्दा आकर तुरन्त तेजी बने; चांदी और अनाज तेज रहें; शेयर बाजार में मन्दा बने। २ अगस्त के करीब सोना, चान्दी, रुई, बिनौला, गेहूं, चावल, उड़द, चना, गुड़, शक्कर, घी, तेल, तिलहन के भाव तेज रहें। पश्चान्त में अचानक मन्दा आ सकता है- होशियारी से काम करें।

आकाश लक्षण— जुलाई २३, २४, २७ से २९; अगस्त २ से ५ तक हि. प्र., हरियाणा, पंजाब, उ. प्र., दिल्ली एवं उत्तर भारत में बादल-वर्षा के योग हैं। राजस्थान, आं. प्र., उड़ीसा में कहीं सूखा एवं आसाम में बाढ़ से हानि का दुःखद समाचार मिले।

शकुन विचार— श्रावण में यदि बिजली चमके, बादल गरजे तो आगे सुभिक्ष की सूचना मिलती है; यदि श्रावण में .त्तिका नक्षत्र में वर्षा हो तो आगे चौमासे में अच्छी वर्षा हो।

कुण्डली सूर्योदये

शु. ५ | ३ | गु. ६ के. | सू. श. ४ बु. | २ | चं. | म. १ | ७ | रा. १२ | ८ | १० | ९ | ११

श्राव. कृष्ण ३० शुक्र, इष्ट ५९/१७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	३	०	३	५	४	३	११	५
१९	२९	११	१९	२०	२२	०८	२२	२२
४२	१२	०२	४०	०६	४८	४२	५३	५३
२१	००	०४	३६	४७	३४	२०	५०	५०
५७	७११	३२	४५	९	७१	७	३	३
३०	५८	३३	४१	१०	४२	३९	१९	१९
—	—	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	अ.	अ.	अ.
आश्ले. २	आश्ले. ४	अश्वि. ४	आश्ले. १	हस्त ४	पू. फा. ३	पू. फा. २	पू. फा. २	उ. फा. ४

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ श्रावण शुक्ल पक्ष ९

(६ से १९ अगस्त तक सन् २००५ ई.) उत्तरगोल, दक्षिणायन, वर्षा ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। सायं गु. पश्चिम कपाल में और शु. पश्चिम क्षितिज से ऊपर होगा। १४ अगस्त से बु. और १० अगस्त से श. प्रातः पूर्व में दृश्य हो जाएगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. श्रावण	अं. अगस्त	श. श्रावण	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय–कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
३३	२२	१	श.	१३	०५	आश्ले.	३	२०	व.	५१	१२	ब	१३	०५	२२	६	१५	३०	सिंह	३	२०	५	४८	१९	०९	३	१९	४२	५८	चन्द्र दर्शन, मु. ३०
३३	१९	२	र.	१९	०२	मघा	१०	४४	प.	५३	२०	कौ	१९	०२	२३	७	१६	र. १	सिंह			५	४८	१९	०८	३	२०	४०	३१	रजब मु. प्रारम्भ
३३	१७	३	चं.	२४	३१	पू. फा.	१७	४३	शि.	५५	०५	ग.	२४	३१	२४	८	१७	२	कन्या	३४	२३	५	४९	१९	०८	३	२१	३८	०२	भ. ५७/३ बाद, मधुश्रवा तृतीया, संधारा तीज
३३	१५	४	मं.	२९	२१	उ. फा.	२४	०६	सि.	५६	०७	वि	२९	२१	२५	९	१८	३	कन्या			५	४९	१९	०७	३	२२	३५	३६	भ. २९/२१ तक, शुक्र उ. फा. में १३/२
३३	०९	५	बु.	३३	०५	हस्त	२९	२७	सा.	५६	१४	ब	१	२१	२६	१०	१९	४	कन्या			५	५०	१९	०६	३	२३	३३	०९	मंगल भर. में १७/३०, व. बुध पुष्य ४ में १७/३३, शनि उदित , (A)
३३	०५	६	गु.	३५	२५	चित्रा	३३	२८	शु.	५५	१३	कौ	४	२६	२७	११	२०	५	तुला	१	३७	५	५१	१९	०५	३	२४	३०	४६	गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती
३३	०२	७	शु.	३६	०७	स्वा.	३५	५३	शु.	५२	४६	ग.	६	००	२८	१२	२१	६	तुला			५	५१	१९	०४	३	२५	२८	२३	भ. ३६/७ बाद, शुक्र कन्या में ०/४४
३२	५७	८	श.	३४	५३	विशा.	३६	२५	ब्र.	४८	५०	वि.	५	४४	२९	१३	२२	७	वृश्चिक	२१	२७	५	५२	१९	०३	३	२६	२५	५८	भ. ५/४४ तक, श्रीदुर्गाष्टमी
३२	५४	९	र.	३१	४६	अनु.	३५	०४	ऐं.	४३	२०	बा	३	३४	३०	१४	२३	८	वृश्चिक			५	५२	१९	०२	३	२७	२३	३७	व. बुध पूर्व में उदित ३५/२२
३२	४९	१०	चं.	२६	४३	ज्ये.	३१	५०	वै.	३६	१७	ग	२६	४३	३१	१५	२४	९	धनु	३१	५०	५	५३	१९	०१	३	२८	२१	१५	भ. ५३/३२ बाद
३२	४५	११	मं.	२०	०१	मूल	२६	५७	वि.	२७	५५	वि	२०	०१	भा. १	१६	२५	१०	धनु			५	५४	१९	००	३	२९	१८	५५	भ. २०/१ तक, सं. सूर्य मघा सिंह में ४२/४९, मु. ३०, पुण्यकाल , (B)
३२	४२	१२	बु.	११	५९	पू. षा.	२०	४७	प्री.	१८	२९	बा	११	५९	२	१७	२६	११	मकर	३४	०५	५	५४	१८	५९	४	००	१६	३७	प्रदोष व्रत
३२	३७	१३	गु.	२	५६	उ. षा.	१३	३९	आ. सौ.	८, ५७	१४, ३६	तै.	२	५६	३	१८	२७	१२	मकर			५	५५	१८	५८	४	०१	१४	१८	भ. ५३/२२ बाद
अवम		१४	गु.	५३	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	चतुर्दशी तिथिक्षय
३२	३५	१५	शु.	४३	४२	श्रव. धनि	६, ५८	०६, ३०	शो.	४६	५२	वि.	१८	३१	४	१९	२८	१३	कुम्भ	३२	१७	५	५५	१८	५७	४	०२	१२	०२	भ. १८/३१ तक, पंचक प्रारम्भ ३२/१७, श्रीसत्यनारायण व्रत, (C)

(A) ४७/४५, नाग पंचमी , श्रीकल्कि जयन्ती, (B) मध्याह्न के बाद, बुध मार्गी ८/४५, शनि पुष्य ३ में १४/२९, पवित्रा एकादशी व्रत (स.), (C) ऋक–शुक्ल–कृष्ण–यजु–उपाकर्म, रक्षाबन्धन (राखी), श्रावणी पूर्णिमा

श्राव. शुक्ल ८ शनि, इष्ट ५९/४,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
३	७	०	३	५	५	३	११	५
२७	०८	१५	१५	२१	०२	०९	२२	२२
२२	२६	१३	०५	२२	२०	४३	२८	२८
४८	३४	३६	२२	५२	५७	०६	२४	२४
५७	८२९	२९	११	९	७१	७	३	३
३७	६	५६	३१	५६	२०	३०	१९	१९
–	–	मा.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
आश्ले. ४	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुण्डली सूर्योदये

गु. ६ शु. के. | ५ | सू. श. ४ बु. | ३ | २ | म. १ | ७ चं. | ८ | १० | रा. १२ | ९ | ११

लोकभविष्य– भारत की प्रभावराशि मकर के स्वामी शनि पर मंगल की विशेष दृष्टि है। गुरु एवं शनि मकर राशि को पूर्ण दृष्टि से देख रहे हैं। शासनतन्त्र के लिए समय कुछ कठिन अवश्य है; लेकिन कुशल नेतृत्व समस्याओं के समाधानार्थ सफल प्रयास करता रहेगा। पक्षमध्य में शुक्र कन्या राशि में आकर बृहस्पति एवं केतु के साथ राशिसम्बन्ध बना रहा है। इन पर शनि की दृष्टि भी है; कहीं प्राकृतिक प्रकोप से हानि हो, असामयिक वर्षा हो एवं कहीं युद्धभय व्याप्त हो। कन्या प्रभावराशि वाले देश पाकिस्तान आदि में अघटित घटनाचक्र, ऐतिहासिक उलटफेर, राजनीतिक हत्याकाण्ड हों -

"गुरुशुक्री यदैकस्थौ नरयुद्धं तदा भवेत्। अकाले वा भवेत् वृष्टिर्जगत्यां नात्र संशयः।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– अगस्त ६, १० को गेहूं, जौ, चना, बाजरा आदि अनाजों; सोना, चांदी, रुई और बारदाना में तेजी रहेगी। १२ अगस्त को चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी; अनाजों एवं चावलों में विशेष तेजी बने। १४ अगस्त को बुधोदय पर अनाजों में तेजी का ही रुख रहे। तिल, घी, लालमिर्च में भी तेजी ही चले। १६ अगस्त को बाजारों में तेजी-मन्दे के अच्छे रिएक्शन बनेंगे- सावधानी से काम करें।

आकाश लक्षण– ६, ७, ६, १० अगस्त को और विशेषतः १२ से १७ अग. तक जम्मू-काश्मीर, पंजाब, हरियाणा, हि. प्र., उ. प्र., बिहार, दिल्ली एवं म. प्र. के अधिकांश भागों में वर्षा के योग हैं। दक्षिण भारत के कुछ प्रान्तों में बाढ़ से निराशाजनक स्थिति बने।

शकुन विचार– यदि श्रावण शुक्ल सप्तमी को वर्षा हो तो सभी प्रकार के धान्य उत्तम हों।

कुण्डली सूर्योदये

के. ६ शु. गु. | ७ | सू. ५ | ४ श. बु. | ३ | ८ | २ | ९ | ११ | मं. १ | चं. १० | १२ रा.

श्राव. शुक्ल १५ शुक्र, इष्ट ५८/५७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१०	०	३	५	५	३	११	५
०३	०६	१८	१५	२२	०९	१०	२२	२२
०८	४६	०७	४३	२३	२८	२७	०९	०९
४८	५३	४४	२४	४८	०९	४४	२०	२०
५७	१०५	२७	३२	१०	७१	७	३	३
४४	४४	४१	१४	२७	१	२१	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
मघा [illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ भाद्रपद कृष्ण पक्ष १०

(२० अगस्त से ३ सितम्बर तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, दक्षिणायन, वर्षा – शरद् ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त से पश्चिम में और श. पूर्व कपाल में दीखेगा। सायं गु., शु., पश्चिम कपाल में होंगे। १६ अगस्त से बुध पूर्व में अदृश्य हो जाएगा।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
३२	२९	१	श.	३४	२०	शत.	५१	२६	अ.	३६	२९	बा.	८	५६	५	२०	२९	१४	कुम्भ			५	५६	१८	५६	४	०३	०९	४५	शुक्र हस्त में २५/५२
३२	२७	२	र.	२५	४८	पू. भा.	४५	१६	सु.	२६	४६	ग.	२५	४८	६	२१	३०	१५	मीन	३१	४४	५	५६	१८	५५	४	०४	०७	३२	भ. ५१/५५ बाद, बुध आश्ले. में ३७/६
३२	१९	३	चं.	१८	२५	उ. भा.	४०	२८	धृ.	१८	०१	वि.	१८	२५	७	२२	३१	१६	मीन			५	५७	१८	५३	४	०५	०५	१७	भ. १८/२५ तक, श्री गणेश (संकष्ट) चतुर्थी व्रत, बहुला चतुर्थी
३२	१५	४	मं.	१२	३४	रेव.	३७	१८	शू.	१०	३२	बा.	१२	३४	८	२३	भा. १	१७	मेष	३७	१८	५	५८	१८	५२	४	०६	०३	०७	पंचक समाप्त ३७/१८, सूर्य सायन कन्या में ०/४६, शरद् ऋतु, (A)
३२	१२	५	बु.	८	३४	अश्वि.	३६	०२	गं.	४	३३	तै.	८	३४	९	२४	२	१८	मेष			५	५८	१८	५१	४	०७	००	५९	
३२	०७	६	गु.	६	२८	भर.	३६	४०	वृ.	०	०६	व.	६	२८	१०	२५	३	१९	वृष	५२	०९	५	५९	१८	५०	४	०७	५८	५०	भ. ६/२८ से ३६/१२ तक, गुरु चित्रा १ में १६/१२
									ध्रु.	५७	१६																			
३२	०५	७	शु.	६	२४	कृत्ति.	३९	१५	व्या.	५५	५३	ब.	६	२४	११	२६	४	२०	वृष			५	५९	१८	४९	४	०८	५६	४५	दूर्वाष्टमी (देखें पृष्ठ ६५), श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (रोहिणी योग), (B)
३१	५९	८	श.	८	०९	रोहि.	४३	२९	ह.	५५	४९	कौ.	८	०९	१२	२७	५	२१	वृष			६	००	१८	४८	४	०९	५४	३९	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वैष्णवों, सन्यासियों के लिए)
३१	५७	९	र.	११	३४	मृग.	४९	०६	व.	५६	४६	ग.	११	३४	१३	२८	६	२२	मिथुन	१६	१०	६	००	१८	४७	४	१०	५२	३८	भ. ४३/४६ बाद, श्रीगुग्गा नवमी
३१	५०	१०	चं.	१६	११	आर्द्रा	५५	४३	सि.	५८	२८	वि.	१६	११	१४	२९	७	२३	मिथुन			६	०१	१८	४५	४	११	५०	३६	भ. १६/११ तक
३१	४५	११	मं.	२१	४२	पुन.	६०	००	व्य.	६०	००	बा.	२१	४२	१५	३०	८	२४	कर्क	४६	०७	६	०२	१८	४४	४	१२	४८	३८	सूर्य पू. फा. में ३२/२२, अजा एकादशी व्रत (स.)
३१	४२	१२	बु.	२७	४४	पुन.	२	५९	व्य.	०	४०	तै.	२७	४४	१६	३१	९	२५	कर्क			६	०२	१८	४३	४	१३	४६	४२	शुक्र चित्रा में ४४/३४, प्रदोष व्रत(देखें पृष्ठ ६६)
३१	३७	१३	गु.	३३	५२	पुष्य	१०	२७	व.	३	०२	ग.	०	४७	१७	सि. १	१०	२६	कर्क			६	०३	१८	४२	४	१४	४४	४६	भ. ३३/५२ बाद, बुध मघा सिंह में १८/३३, सितम्बर प्रारम्भ
३१	३४	१४	शु.	३९	५४	आश्ले.	१७	५४	प.	५	२५	वि.	६	५५	१८	२	११	२७	सिंह	१७	५४	६	०३	१८	४१	४	१५	४२	५३	भ. ६/५५ तक, प्लूटो मार्गी २७/३०
३१	२७	३०	श.	४५	३१	मघा	२५	०१	शि.	७	३४	च.	१२	४५	१९	३	१२	२८	सिंह			६	०४	१८	३९	४	१६	४१	००	बुध पूर्व में अस्त ५३/४२, शनैश्चरी अमावस, अगस्त्य उदित, (C)

(A) प्रारम्भ, शक भाद्रपद प्रारम्भ, (B) (स्मार्त्तों, गृहस्थियों के लिए), (चन्द्रोदय घं. २३ मि. ०६), (C) पिठोरी अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस

भाद्र. कृष्ण ८ शनि, इष्ट ५८/४५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	१	०	३	५	५	३	११	५
१०	२६	२१	२३	२३	१८	११	२१	२१
५१	२७	३७	१७	४९	५४	२५	४३	४३
२९	४५	१४	५९	३८	४१	३७	५४	५४
५७	७२८	२४	८५	११	७०	७	३	३
५८	३८	८	४	५	३४	५	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
मघा ४	मृग. २	भर. ३	आश्ले. २	चित्रा १	हस्त ३	पुष्य ३	रेव. २	हस्त ४

कुण्डली सूर्योदये

के. ६ शु. गु.
सू. ५
४ बु. श.
७
३
८
च. २
९
११
मं. १
१०
१२ रा.

लोकभविष्य– प्रतिपदा, अष्टमी और अमावस तीनों शनिवारी हैं। शनि-मंगल का विशेष दृष्टिसम्बन्ध चल ही रहा है। राजनीतिज्ञों के लिए समय कठिन है। कुछ उलझे हुए पुराने मसले उभरेंगे और वरिष्ठ नेता परेशानी में रहें। गठबन्धन कमजोर होते नजर आएंगे। धार्मिक उन्माद कहीं शासनतन्त्र को कठिन परिस्थिति में खड़ा करे। भाद्रपद चान्द्रमास में पांच शनिवार एवं पांच रविवार है - अमेरिका, चीन, जापान किंवा कहीं पर्वतीय भूभाग पर भूकम्प, भूस्खलन आदि प्राकृतिक प्रकोप से भारी हानि हो। ईशानकोण में कहीं भयंकर राजनैतिक विप्लव, कहीं अग्निकाण्ड से हानि एवं भयंकर मंहगाई हो। कहीं दुर्भिक्ष एवं सत्ता-परिवर्तन का भी योग है -

" शनिवाराः यदा पञ्च पाताले कम्पते फणी। ईशान-देश-भंगश्च वह्निदाहो महर्घता।।"

" यत्र मासे रवेर्वाराः जायन्ते पञ्च-सन्ततम्। दुर्भिक्षं छत्रभंगः स्यात्तदा स्यात्तु महद्भयम्।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– पक्षारम्भ में तिल, तेल, सरसों, गुड़, खाण्ड, उड़द, मूंग, मूंगफली में तेजी बने। (अगर इन दिनों अनाज मन्दे हों तो स्टॉक करें- आगे लाभ मिलेगा।) २५ अगस्त को चांदी व अनाजों में अचानक मन्दा आए। ३० अगस्त को जीरा, सोना, गुड़, खाण्ड, सरसों, तिल, तेल, घी, गेहूं, ज्वार, चावल, रुई, सूत में तेजी बने। १ सितम्बर को रुई, चांदी में मन्दा; गेहूं, जौ, चना, गुड़, खाण्ड में तेजी रहे। पक्षान्त में ३ सितं. के लगभग बाजारों में जोरदार तेजी-मन्दे के रिएक्शन आएंगे।

आकाश लक्षण– २० से २७ अगस्त तक और ३० अगस्त से ३ सितम्बर तक जम्मू-काश्मीर, पंजाब, हि. प्र., उ. प्र., दिल्ली आदि में वर्षा के योग हैं। कहीं आकाशी बिजली गिरने किंवा बाढ़ से नुक्सान की स्थिति बने।

शकुन विचार– यदि भाद्र. कृष्ण तृतीया को बादल हों तो अनाज के स्टॉक से आगे छठे मास में लाभ हो।

कुण्डली सूर्योदये

के. ६ शु. गु.
सू.
बु. ५ च.
४ श.
७
३
८
२
९
११
मं. १
१०
१२ रा.

भाद्र. कृष्ण ३० शनि, इष्ट ५८/३५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	४	०	४	५	५	३	११	५
१७	२०	२४	०४	२५	२७	१२	२१	२१
३७	०२	१५	४२	०८	०७	१४	२१	२१
५२	२२	११	०४	३६	२२	२०	३८	३८
५८	७२३	२०	११०	११	७०	६	३	३
११	८	२३	७	३३	८	४७	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
पू.फा. २	पू.फा. ३	भर. ४	मघा २	चित्रा १	चित्रा २	पुष्य ३	रेव. २	हस्त ४

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ भाद्रपद शुक्ल पक्ष ११

(४ से १८ सितम्बर तक सन् २००५ ई.)
उत्तरगोल, दक्षिणायन, शरद् ऋतु।

ग्रह दर्शन : बु. अस्त है, प्रातः मं. याम्योत्तरवृत्त से पश्चिम में और श. पूर्व कपाल में होगा। सायं गु. शु. पश्चिम कपाल में होंगे।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. भाद्रपद	अं. सितम्बर	श. भाद्रपद	मु. रजब	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.
३१	२४	१	र.	५०	३३	पू.फा.	३१	४१	सि.	९	२३	कि.	१८	०८	२०	४	१३	२९	कन्या	४८	१२	६	०४	१८	३८	४	१७	३९	१२
३१	१९	२	चं.	५४	५२	उ.फा.	३७	३८	सा.	१०	४१	बा	२२	४९	२१	५	१४	३०	कन्या			६	०५	१८	३७	४	१८	३७	२२
३१	१७	३	मं.	५८	१३	हस्त	४२	४६	शु.	११	२४	तै	२६	४२	२२	६	१५	शा. १	कन्या			६	०५	१८	३६	४	१९	३५	३७
३१	१०	४	बु.	६०	००	चित्रा	४६	४७	शु.	११	१९	व	२९	३१	२३	७	१६	२	तुला	१४	५५	६	०६	१८	३४	४	२०	३३	५०
३१	०४	४	गु.	०	२८	स्वा.	४९	४०	ब्र.	१०	२०	वि.	०	२८	२४	८	१७	३	तुला			६	०७	१८	३३	४	२१	३२	०८
३१	०२	५	शु.	१	२८	विशा.	५१	०९	ऐं.	८	२३	बा	१	२८	२५	९	१८	४	वृश्चिक	३५	५७	६	०७	१८	३२	४	२२	३०	२७
३०	५७	६	श.	०	५९	अनु.	५१	११	वै.	५	१५	तै	०	५९	२६	१०	१९	५	वृश्चिक			६	०८	१८	३१	४	२३	२८	४६
अवम		७	श.	५९	०२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
३०	५२	८	र.	५५	३०	ज्ये.	४९	३९	वि. / प्री.	० / ५५	५६ / २१	वि.	२७	२९	२७	११	२०	६	धनु	४९	३९	६	०८	१८	२९	४	२४	२७	०८
३०	४७	९	चं.	५०	३२	मूल	४६	४१	आ.	४८	३६	बा	२३	१२	२८	१२	२१	७	धनु			६	०९	१८	२८	४	२५	२५	२९
३०	४५	१०	मं.	४४	१६	पू.षा.	४२	२४	सौ.	४०	४७	तै	१७	३३	२९	१३	२२	८	मकर	५६	०७	६	०९	१८	२७	४	२६	२३	५५
३०	३९	११	बु.	३६	५३	उ.षा.	३७	००	शो.	३२	०१	व	१०	४०	३०	१४	२३	९	मकर			६	१०	१८	२६	४	२७	२२	१९
३०	३५	१२	गु.	२८	४६	श्रव	३०	५१	अ.	२२	३७	ब	२	५४	३१	१५	२४	१०	कुम्भ	५७	३३	६	१०	१८	२४	४	२८	२०	४८
३०	३०	१३	शु.	२०	११	धनि.	२४	१५	सु.	१२	४७	तै	२०	११	आ. १	१६	२५	११	कुम्भ			६	११	१८	२३	४	२९	१९	१६
३०	२५	१४	श.	११	३३	शत.	१७	३८	धृ. / शू.	२ / ५३	५३ / १४	व.	११	३३	२	१७	२६	१२	मीन	५७	५७	६	१२	१८	२२	५	००	१७	४७
३०	२०	१५	र.	३	१९	पू.भा.	११	२८	गं.	४४	०९	ब.	३	१९	३	१८	२७	१३	मीन		-	६	१२	१८	२०	५	०१	१६	२१

चन्द्र दर्शन, मु. ४५, मेला बाबा गोसाई आणां, कुराली (पं.)
शुक्र तुला में २६/२२, साम उपाकर्म, श्रीवराह जयन्ती, गौरी, (A)
भ. २९/३१ बाद, कलंक चतुर्थी (चन्द्र दर्शन निषिद्ध), (चन्द्रास्त घं., (B)
भ. ०/२८ तक, बुध पू.फा. में ३४/३१, ऋषि पंचमी
सूर्य षष्ठी
भ. ५९/२ बाद, संवत्सरी पर्व जैन
सप्तमी तिथिक्षय
भ. २७/२९ तक, मंगल कृति. में ५३/४८, गुरु चित्रा २ में, (C)
शुक्र स्वा. में १०/९, श्रीचन्द नवमी (उदासीन सम्प्रदाय महोत्सव)
सूर्य उ.फा. में १६/३१, शनि पुष्य ४ में ५८/४५
भ. १०/४० से ३६/५३ तक, पद्मा एकादशी व्रत (स.), श्रवण, (D)
पंचक प्रारम्भ ५७/३३, बुध उ.फा. में ३३/५५, वामन द्वादशी, (E)
सं. सूर्य कन्या में ४२/४४, मु. १५, पुण्यकाल मध्याह्न के बाद
भ. ११/३३ से ३७/२२ तक, बुध कन्या में २०/५९, अनन्त, (F)
अथर्व उपाकर्म, श्राद्धपक्ष (महालय) प्रारम्भ, प्रतिपदा श्राद्ध

(A) तृतीया, हरितालिका तृतीया, शाबान मु. प्रारम्भ, (B) २० मि. २८), सिद्धि विनायक व्रत, हरितालिका चतुर्थी, (C) ४५/२०, राधाष्टमी, श्रीमहालक्ष्मी व्रत प्रारम्भ, (D) द्वादशी व्रत, विष्णु शृखल योग (देखें पृष्ठ ६५), (E) प्रदोष व्रत
(F) चतुर्दशी व्रत, श्रीसत्यनारायण व्रत, प्रोष्ठपदी श्राद्ध, पूर्णिमा श्राद्ध

भाद्र. शुक्ल ८ रवि, इष्ट ५८/२५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
४	८	०	४	५	६	३	११	५
२५	०२	२६	१९	२६	०६	१३	२०	२०
२४	०१	४१	५०	४२	२६	०७	५६	५६
००	३८	१३	५४	३७	२४	१५	१२	१२
५८	८४५	१५	११४	११	६९	६	३	३
२३	१६	२३	३५	५९	३१	२३	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.

कुण्डली सूर्योदये

के. ६ गु. | सू. बु. ५ | ४ श. | ३ | शु. ७ | चं. ८ | २ | ९ | ११ | मं. १ | १० | १२ रा.

लोकभविष्य— शुक्र-मंगल एवं गुरु-राहु का समसप्तक योग चल रहा है। शनि-मंगल का दशम-चतुर्थ दृष्टिसम्बन्ध बना हुआ है। पश्चिमी देशों में किंवा दक्षिणी गोलार्ध के देशों में कहीं भारी दुर्भिक्ष से हानि हो, कहीं यान-दुर्घटना में जनधनहानि का योग है। अपनी राशि तुला में शुक्र की स्थिति भारत में क्षेम-आरोग्य का वातावरण बनाएगी। कहीं-कहीं राजनैतिक गतिरोध भी पैदा होगा-
" यदा दैत्यगुरुश्चैव तुलाराशिं प्रवर्तते। मेदिन्यां क्षेममारोग्यं-किञ्चिद्-किञ्चिद् विरोधकृत्।।"
पश्चात् में गुरु-सूर्य-केतु एवं बुध चारों कन्याराशि में होने से कहीं प्राकृतिक प्रकोप से भयंकर हानि एवं कहीं अराजकता किंवा युद्धभय का संकेत देते हैं-
" प्लावयन्ति महीं सर्वां रुधिरेण जलेन वा।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— ६ सितम्बर के आस-पास रुई, चांदी, सोना एवं गुड़, खाण्ड में तेजी का ही रुख रहे। ८ से १२ सितम्बर तक गुड़, खाण्ड, गेहूं आदि अनाजों; घी, सरसों, कपास में तेजी के बाद कुछ मन्दा बने। १३ से १५ सितम्बर तक बाजार अस्थिर रहेंगे। १६ से १८ सितम्बर तक रुई, नारियल, सुपारी, तिल, तेल, मजीठ में तेजी किंवा गुड़, खाण्ड, शक्कर में भी तेजी का ही रुख रहेगा। चांदी में मन्दे का वातावरण रहे।

आकाश लक्षण— ६, ८ एवं ११ से १८ सितम्बर तक नेपाल, सूरत, दार्जिलिंग, म. प्र., उ. प्र, भूटान एवं जम्मू-काश्मीर में वायुवेग के साथ वर्षा हो। उत्तरी भारत में ऋतु परिवर्तन के आसार नज़र आएंगे।

शकुन विचार— भाद्र. शुक्ल पूर्णिमा को यदि आकाश निर्मल रहे तो गेहूं, जौ, चना, चावल के स्टॉक से आगे लाभ मिले।

कुण्डली सूर्योदये

७ शु. | ५ | सू. गु. ६ बु. के. | ८ | ४ श. | ९ | ३ | चं. १२ | १० | २ | ११ | रा. | मं. १

भाद्र. शुक्ल १५ रवि, इष्ट ५८/१५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	११	०	५	५	६	३	११	५
०२	१४	२८	०२	२८	१४	१३	२०	२०
१३	४६	१४	५९	०७	३१	५०	३३	३३
१५	४४	२४	१४	३७	१०	४३	५७	५७
५८	८६२	१०	१०९	१२	६८	५	३	३
३५	१०	२५	१९	१९	५३	५८	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ आश्विन कृष्ण पक्ष १२

(१९ सितम्बर से ३ अक्तूबर तक सन् २००५ ई.)
उत्तर – दक्षिण गोल, दक्षिणायन, शरद् ऋतु।

ग्रह दर्शन : बु. अस्त है, प्रातः मं. पश्चिम कपाल में और श. पूर्व कपाल में होगा। सायं गु. पश्चिम क्षितिज पर और उससे ऊपर शु. होगा। ३ अक्तू. को भारत में सूर्य ग्रहण दिखाई पड़ेगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. आश्विन	अं. सितम्बर	श. भाद्रपद	मु. शाबान	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
अवम		१	र	५५	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	प्रतिपदा तिथिक्षय
३०	१५	२	चं.	४९	२४	उ. भा.	६	०३	वृ.	३५	५२	तै.	२२	२६	४	१९	२८	१४	मीन			६	१३	१८	१९	५	०२	१४	५५	द्वितीया का श्राद्ध
३०	१२	३	मं.	४४	२६	रेव. अश्वि.	१ ५९	५१ ०८	ध्रु.	२८	४५	व.	१६	४४	५	२०	२९	१५	मेष	१	५१	६	१३	१८	१८	५	०३	१३	३२	भ. १६/४४ से ४४/२६ तक, पंचक समाप्त १/५१, तृतीया श्राद्ध
३०	०७	४	बु.	४१	१३	भर.	५८	१२	व्या.	२२	५६	ब.	१२	३६	६	२१	३०	१६	मेष			६	१४	१८	१७	५	०४	१२	१०	श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय घं. २० मि. २२), चतुर्थी श्राद्ध
३०	०२	५	गु.	३९	५५	कृत्ति.	५९	०८	ह.	१८	३८	कौ.	१०	१९	७	२२	३१	१७	वृष	१३	१६	६	१४	१८	१५	५	०५	१०	५१	सूर्य सायन तुला में ५४/८, दक्षिण गोल प्रारम्भ, बुध हस्त में ५२/६, (A)
२९	५७	६	शु.	४०	३०	रोहि.	६०	००	व.	१५	५०	ग.	९	५७	८	२३	आ. १	१८	वृष			६	१५	१८	१४	५	०६	०९	३३	भ. ४०/३० बाद, शुक्र विशा. में ४५/२२, शाक आश्विन प्रारम्भ, (B)
२९	५२	७	श.	४२	५७	रोहि.	१	५६	सि.	१४	३१	वि.	११	२९	९	२४	२	१९	मिथुन	३४	०१	६	१६	१८	१३	५	०७	०८	१९	भ. ११/२९ तक, सप्तमी श्राद्ध
२९	५०	८	र.	४७	००	मृग.	६	३०	व्य.	१४	३४	बा.	१४	४९	१०	२५	३	२०	मिथुन			६	१६	१८	१२	५	०८	०७	०८	अष्टमी श्राद्ध, महालक्ष्मी व्रत समाप्त
२९	४२	९	चं.	५२	१८	आर्द्रा	१२	२६	व.	१५	३९	तै.	१९	३१	११	२६	४	२१	मिथुन			६	१७	१८	१०	५	०९	०५	५६	सूर्य हस्त में ५५/४, नवमी श्राद्ध, सौभाग्यवती श्राद्ध
२९	४०	१०	मं.	५८	१७	पुन.	१९	२४	प.	१७	३२	व.	२५	१५	१२	२७	५	२२	कर्क	२	३५	६	१७	१८	०९	५	१०	०४	४९	भ. २५/१५ से ५८/१७ तक, गुरु चित्रा ३ तुला में ५८/९, दशमी श्राद्ध
२९	३४	११	बु.	६०	००	पुष्य	२६	४९	शि.	१९	४७	ब.	३१	२५	१३	२८	६	२३	कर्क			६	१८	१८	०८	५	११	०३	४२	इन्दिरा एकादशी व्रत (स्मा.), एकादशी श्राद्ध
२९	३२	११	गु.	४	३३	आश्ले.	३४	१८	सि.	२२	०८	बा.	४	३३	१४	२९	७	२४	सिंह	३४	१८	६	१८	१८	०७	५	१२	०२	४०	राहु रेव. १ में ३८/३३, केतु हस्त ३ में ३८/३३, (C)
२९	२५	१२	शु.	१०	३४	मघा	४१	२१	सा.	२४	१०	तै.	१०	३४	१५	३०	८	२५	सिंह			६	१९	१८	०५	५	१३	०१	३७	बुध चित्रा में ४०/५९, प्रदोष व्रत, त्रयोदशी श्राद्ध (देखें पृष्ठ ६६.)
२९	२०	१३	श.	१५	५८	पू. फा.	४७	४२	शु.	२५	४३	व.	१५	५८	१६	अ. १	९	२६	सिंह			६	२०	१८	०४	५	१४	००	३९	भ. १५/५८ से ४८/२३ तक, मंगल वक्री ५३/१०, अक्तूबर, (D)
२९	१७	१४	र.	२०	३३	उ. फा.	५३	०८	शु.	२६	३७	श.	२०	३३	१७	२	१०	२७	कन्या	४	१०	६	२०	१८	०३	५	१४	५९	४३	शुक्र वृश्चिक में ३४/५६
२९	१२	३०	चं.	२४	०४	हस्त	५७	३३	ब्र.	२६	४१	ना.	२४	०४	१८	३	११	२८	कन्या			६	२१	१८	०२	५	१५	५८	४७	सोमवती अमावस, मेला फल्गु (हरि.), अमावस श्राद्ध, सर्वपितृ, (E)

सूर्य ग्रहण ३ अक्तू. (देखें पृष्ठ ११.)

(A) पंचमी श्राद्ध, (B) षष्ठी श्राद्ध, (C) इन्दिरा एकादशी व्रत (वै.), द्वादशी श्राद्ध, (D) प्रारम्भ, सन्यासियों का श्राद्ध, शस्त्र–विषादि से मृतों का श्राद्ध, चतुर्दशी श्राद्ध (देखें पृष्ठ ६६.), (E) श्राद्ध (देखें पृष्ठ १२.), गजच्छाया पर्व, श्राद्ध (महालय पक्ष) समाप्त, गुरु वार्धक्य प्रारम्भ २०/३०, सूर्य ग्रहण (भारत में दृश्य)

आश्वि. कृष्ण ८ रवि, इष्ट ५८/५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	२	०	५	५	६	३	११	५
०९	१७	२९	१५	२९	२२	१४	२०	२०
०४	०७	१०	२४	३४	३१	३१	११	११
०७	०७	४४	११	४५	११	०९	४१	४१
५८	७११	४	१०२	१२	६८	५	३	३
५०	९	४५	३५	३६	१०	३१	११	११
–	–	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
उ. फा. ४	आर्द्रा ४	कृत्ति. १	हस्त २	चित्रा २	विशा. १	पुष्य ४	रेवती १	हस्त ४

कुण्डली सूर्योदये

७ शु., ५, ८, गु. ६ बु. सू. के., ४ श., ९, चं. ३, १०, १२, २, ११, रा., मं. १

लोकभविष्य– आश्विन चान्द्रमास में पांच रविवार एवं पांच सोमवार होने से पूर्वी तथा पश्चिमी प्रान्तों में अशान्ति, मुस्लिमराष्ट्रों में कहीं सत्ता-परिवर्तन एवं कहीं दुर्भिक्ष की स्थिति बने। उत्तरी भारत में सुख-शान्ति, धन-धान्यसमृद्धि रहे। पक्षमध्य के बाद तुला राशि का गुरु, मंगल के साथ समसप्तक-योग बनाएगा-

" तुलाराशौ गते जीवे ज्वरव्याधिं विनिर्दिशेत्। सर्वं सुभिक्षं ज्ञातव्यं क्वचित् क्वापि महर्घता।।"

ज्वर व अन्य प्रकार की व्याधियों से जनता परेशान हो। कहीं कहीं जनजीवनोपयोगी वस्तुओं की महंगाई से जनता में असन्तोष भी नजर आए।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– २२ सितम्बर के लगभग गेहूं आदि अनाजों एवं रुई में मन्दा बने। २६ सितम्बर को गेहूं, जौ, ज्वार, गुड़, खाण्ड, कपास, रुई, सूत, नमक, हरड़, हींग, धनिया में तेजी का माहौल रहे। २७ सितम्बर को (गुरु के तुला में आने पर) व्यापारी नोट करें- सोने में तेजी; घी, तेल, सरसों और अलसी में जोरदार मन्दे की लाईन बनेगी। गुड़, खाण्ड, शक्कर भी मन्दे ही रहें (मार्गशीर्ष और पौष में स्टॉक करने से अच्छा लाभ मिलेगा)। १ से ३ अक्तूबर तक कुछ तेजी आकर बाजार जोरदार मन्दे की तरफ बढ़ सकते हैं- सावधानी से काम करें।

आकाश लक्षण– सितम्बर २२, २३, २६, २७, २९, ३०; अक्तूबर २, ३ को आसाम, बंगाल, नेपाल, भूटान और लंका के कुछ प्रान्तों में वर्षा के योग हैं। उत्तर भारत में कहीं बादलचाल व खण्डवृष्टि हो।

शकुन विचार– यदि आश्विन कृष्ण दशमी से द्वादशी तक बादल गरजें, बिजली चमके तो गेहूं आदि अनाजों के स्टॉक से आगे लाभ मिले।

कुण्डली सूर्योदये

गु., शु., ७, ५, सू., चं. ६ बु. के., ८, ४ श., ९, ३, १०, १२, २, ११, रा., मं. १

आश्वि. कृष्ण ३० चन्द्र, इष्ट ५७/५२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	५	०	५	६	७	३	११	५
१६	२३	२९	२८	०१	०१	१५	१९	१९
५५	२४	२४	३९	१६	३३	१३	४६	४६
५३	२८	१६	४३	२५	११	१०	१५	१५
५९	७५७	२	९५	१२	६७	४	३	३
८	४४	११	३५	५१	११	५४	११	११
–	–	व.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
हस्त ३	चित्रा १	कृत्ति. १	चित्रा २	चित्रा ३	विशा. ४	पुष्य ४	रेवती १	हस्त ३

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ आश्विन शुक्ल पक्ष १३

(४ से १७ अक्तूबर तक सन् २००५ ई.)
दक्षिणगोल, दक्षिणायन, शरद् ऋतु।

ग्रह दर्शन : ६ अक्तू. से बुध सायं पश्चिम में दीखने लगेगा। प्रातः मं. पश्चिम कपाल में और श. याम्योत्तरवृत्त से पूर्व में झुका होगा। सायं शु. पश्चिम कपाल में दीखेगा। गु. ६ अक्तू. से सायं पश्चिम में लुप्त हो जाएगा। १७ अक्तू. को भारत में चन्द्र ग्रहण दीखेगा।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र. आश्विन	अं. अक्तूबर	श. आश्विन	मु. शाबान	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२९	०७	१	मं.	२६	३१	चित्रा	६०	००	ऐं.	२५	५५	ब.	२६	३१	१९	४	१२	२९	तुला	२९	२१	६	२१	१८	००	५	१६	५७	५५	बुध तुला में ४८/१४, मातामह (नाना का) श्राद्ध, शारद नवरात्र , (A)
२९	०२	२	बु.	२७	४६	चित्रा	०	५०	वै.	२४	१३	कौ.	२७	४६	२०	५	१३	३०	तुला			६	२२	१७	५९	५	१७	५७	०३	चन्द्र दर्शन, मु. १५, शुक्र अनु. में ३३/२०
२८	५७	३	गु.	२७	५२	स्वा.	३	००	वि.	२१	३८	ग.	२७	५२	२१	६	१४	रम. १	वृश्चिक	४८	५६	६	२३	१७	५८	५	१८	५६	१५	भ. ५७/३१ बाद, बुध पश्चिम में उदित ४/४७, गुरु अस्त , (B)
२८	५५	४	शु.	२६	५४	विशा.	४	०७	प्री.	१८	१२	वि.	२६	५४	२२	७	१५	२	वृश्चिक			६	२३	१७	५७	५	१९	५५	३०	भ. २६/५४ तक
२८	४९	५	श.	२४	४९	अनु.	४	०६	आ.	१३	५२	बा.	२४	४९	२३	८	१६	३	वृश्चिक			६	२४	१७	५६	५	२०	५४	४३	उपाङ्गललिता व्रत
२८	४५	६	र.	२१	४१	ज्ये.	३	०३	सौ.	८	४२	तै.	२१	४१	२४	९	१७	४	धनु	३	०३	६	२५	१७	५५	५	२१	५४	०१	बुध स्वा. में ४/२४, सरस्वती आवाहन
२८	४०	७	चं.	१७	३८	मूल / पू. षा.	१ / ५८	०४ / ०९	शो. / अ.	२ / ५६	४७ / ०६	व.	१७	३८	२५	१०	१८	५	धनु			६	२५	१७	५३	५	२२	५३	२१	भ. १७/३८ से ४५/१४ तक, सूर्य चित्रा में २६/५७, सरस्वती पूजन
२८	३५	८	मं.	१२	४०	उ. षा.	५४	२६	सु.	४८	४६	ब.	१२	४०	२६	११	१९	६	मकर	१२	१८	६	२६	१७	५२	५	२३	५२	३९	सरस्वती बलिदान, ओली प्रा. (जैन), श्रीदुर्गाष्टमी, महाष्टमी, (C)
२८	३०	९	बु.	६	५७	श्रव.	५०	०८	धृ.	४०	५६	कौ.	६	५७	२७	१२	२०	७	मकर			६	२७	१७	५१	५	२४	५२	०२	सरस्वती विसर्जन, आयुधपूजा, महानवमी (बलिदान के लिए), (D)
२८	२७	१०	गु.	०	४०	धनि.	४५	२०	शू.	३२	४२	ग.	०	४०	२८	१३	२१	८	कुम्भ	१७	४८	६	२७	१७	५०	५	२५	५१	२७	भ. २७/२१ से ५३/५६ तक, पंचक प्रारम्भ १७/४७, गुरु चित्रा ४ , (E)
अवम		११	गु.	५३	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	एकादशी तिथिक्षय
२८	२२	१२	शु.	४७	०१	शत.	४०	२१	गं.	२४	१२	ब.	२०	३०	२९	१४	२२	९	कुम्भ			६	२८	१७	४९	५	२६	५०	५१	व. यूरेनस शत. २ में २४/१०, पापांकुशा एकादशी व्रत (वै.)
२८	१७	१३	श.	४०	१५	पू. भा.	३५	२४	वृ.	१५	४१	कौ.	१३	३६	३०	१५	२३	१०	मीन	२१	३६	६	२९	१७	४८	५	२७	५०	२०	शनि प्रदोष व्रत
२८	१४	१४	र.	३३	५१	उ. भा.	३०	५०	ध्रु. / व्या.	७ / ५१	२४ / ३१	ग.	६	५९	३१	१६	२४	११	मीन			६	२९	१७	४७	५	२८	४९	५०	भ. ३३/५१ बाद, कोजागर व्रत
२८	०९	१५	चं.	२८	०६	रेव.	२६	५३	ह.	५२	१८	वि.	०	५१	का. १	१७	२५	१२	मेष	२६	५३	६	३०	१७	४६	५	२९	४९	११	भ. ०/५१ तक, पंचक समाप्त २६/५३, सं. सूर्य तुला में १०/४२, (F)

गुरु अस्त ६ अक्तू.

चन्द्रग्रहण १७ अक्तू.

(A) प्रारम्भ, घट स्थापन, (B) २०/३०, रमजान मु. प्रारम्भ, (C) महानवमी (पूजा के लिए), (D) नवरात्र समाप्त, विजयादशमी (दशहरा), अपराजिता पूजन, सीमोल्लंघन, (E) में ३१/२८, पापांकुशा एकादशी व्रत (स्मा.), (F) मु. ३०, पुण्यकाल २६/४२ तक, शुक्र ज्ये. में ३९/५८, श्रीसत्यनारायण व्रत, शरद् पूर्णिमा, महर्षि वाल्मीकि जयन्ती, कार्तिक स्नान प्रारम्भ, चूडामणि चन्द्रग्रहण (भारत में दृश्य)

आश्वि. शुक्ल ८ मंगल, इष्ट ५७/३९,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
५	९	०	६	६	७	३	११	५
२४	१०	२८	११	०२	१०	१५	१९	१९
४९	४६	४०	०२	५९	२६	५०	२०	२०
४७	०८	३८	३९	४२	२६	०७	४९	४९
५९	८६२	९	८९	१२	६५	४	३	३
२२	४१	२४	२७	५९	५५	१४	११	११
—	—	व.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	अ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible] १	[illegible] १	[illegible] १	[illegible] १	[illegible] ३	[illegible] ३	[illegible] ४	[illegible] १	[illegible] ३

कुण्डली सूर्योदये

गु. ७ बु. | सू. ६ के. | ५ | ४ श. | शु. ८ | चं. ९ | ३ | १० | १२ | २ | ११ | रा. | मं. १

लोकभविष्य— शनि-मंगल परस्पर विशेष दृष्टि से एक दूसरे को देख रहे हैं। भारत की राजनीति में विशेष धमाके होंगे। कहीं क्षेत्रीय पार्टियां शासनतन्त्र को क्षुब्ध करेंगी, प्रधाननेता परेशान होंगे। किसी विशिष्ट व्यक्ति का पद रिक्त होगा। सीमाप्रान्तों पर वातावरण अशान्त रहे। काश्मीर में उग्रवादजन्य हत्याकाण्ड से जनजीवन अशान्त हो। शनि की दृष्टि सूर्य पर है। सूर्य-राहु का समसप्तक भी चल रहा है। भारी राजनैतिक संकट उपस्थित हो सकते हैं। अमेरिका आदि देश में प्रधान नेताओं पर कष्ट का समय है; कहीं प्राकृतिक प्रकोप से हानि भी हो।

ग्रहचाल और बाजार का रुख— ४ अक्तूबर को रुई, गुड़, खाण्ड, सोना में तेजी; अलसी, सरसों, बिनौला, एरण्ड और मूंगफली में मन्दे का वातावरण रहेगा। ६ अक्तूबर के लगभग रुई और शेयर बाजारों में मन्दे का झटका आएगा। यह मन्दा ६ अक्तूबर तक चल सकता है। १० अक्तूबर को रुई, सूत, सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड, अरहर आदि अनाजों में तेजी बने। १३ अक्तूबर के आस-पास व्यापारिक वस्तुओं में अचानक मन्दा आ सकता है। १७ अक्तू. को अनाजों में तेजी; रुई, चांदी में मन्दे का योग है।

कुण्डली सूर्योदये

गु. ७ बु. | सू. ६ के. | ५ | ४ श. | शु. ८ | ९ | ३ | १० | चं. १२ | २ | ११ | रा. | मं. १
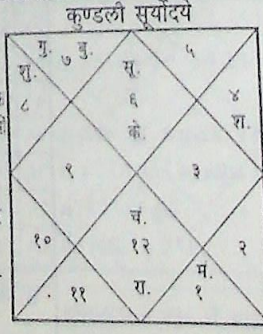
आश्वि. शुक्ल १५ चन्द्र, इष्ट ५७/३०

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	०	०	६	६	७	३	११	५
००	०७	२७	११	०४	१६	१६	११	११
४६	११	३२	४७	१७	५८	१४	०१	०१
२८	३६	०१	५४	४६	५९	११	४४	४४
५९	८३०	१४	८४	१३	६४	३	३	३
३४	५५	११	४७	३	४२	४२	११	११
—	—	व.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	अ.	उ.	उ.	अ.	अ.
चित्रा ३	अश्वि. ३	कृत्ति. १	स्वा. ४	चित्रा ४	[illegible] १	[illegible] ४	[illegible] १	[illegible] ३

आकाश लक्षण— अक्तूबर ४, ६, १०, १३, १७ को उ. प्र. के कुछ भाग, लंका, आसाम और बंगाल में वर्षा के योग हैं। उत्तर भारत में कहीं वायुवेग के साथ खण्डवृष्टि भी सम्भव है।

शकुन विचार— -यदि आश्विन शुक्ल पूर्णिमा को आकाश मेघाछन्न हो तो धान्य के स्टॉक से आगामी चैत्रमास में लाभ मिले-
" अश्विनी निर्मलापूर्णा शुभाय जलदोदये। धान्यस्य संग्रहं कुर्यात् चैत्रे लाभप्रदो मतः।।"

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ कार्तिक कृष्ण पक्ष १४

(१८ अक्तूबर से २ नवम्बर तक सन् २००५ ई.)
दक्षिणगोल, दक्षिणायन, शरद् – हेमन्त ऋतु।

ग्रह दर्शन : २ नवं. से गु. प्रातः पूर्व में दीखने लगेगा। प्रातः मं. पश्चिम में और श. याम्योत्तरवृत्त से पूर्व में होगा। सायं बु. पश्चिम क्षितिजलग्न और शु. पश्चिम कपाल में दिखाई देगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. कार्तिक	अं. अक्तूबर	श. कार्तिक	मु. रमज़ान	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय–कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२८	०२	१	मं.	२३	२२	अश्वि.	२३	५६	व.	४६	०२	कौ.	२३	२२	२	१८	२६	१३	मेष			६	३१	१७	४४	६	००	४८	५४	बुध विशा. में ६/१
२८	००	२	बु.	१९	५७	भर.	२२	१८	सि.	४०	५४	ग.	१९	५७	३	१९	२७	१४	वृष	३७	०७	६	३१	१७	४३	६	०१	४८	३०	भ. ४८/४७ बाद
२७	५५	३	गु.	१८	०४	कृत्ति.	२२	०९	व्य.	३७	००	वि.	१८	०४	४	२०	२८	१५	वृष			६	३२	१७	४२	६	०२	४८	०५	भ. १८/४ तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करक चतुर्थी व्रत, करवा, (A)
२७	४९	४	शु.	१७	५४	रोहि.	२३	४२	व.	३४	२९	बा.	१७	५४	५	२१	२९	१६	मिथुन	५५	०८	६	३३	१७	४१	६	०३	४७	४६	व. मंगल भर. ४ में २४/३९
२७	४७	५	श.	१९	३४	मृग.	२७	०१	प.	३३	२३	तै.	१९	३४	६	२२	३०	१७	मिथुन			६	३३	१७	४०	६	०४	४७	२९	
२७	४२	६	र.	२२	५४	आर्द्रा	३१	५५	शि.	३३	३१	व.	२२	५४	७	२३	का. १	१८	मिथुन			६	३४	१७	३९	६	०५	४७	११	भ. २२/५४ से ५५/७ तक, सूर्य स्वा. में ५२/५७, सूर्य सायन, (B)
२७	३७	७	चं.	२७	४२	पुन.	३८	०९	सि.	३४	४१	ब.	२७	४२	८	२४	२	१९	कर्क	२१	२९	६	३५	१७	३८	६	०६	४६	५८	
२७	३२	८	मं.	३३	३०	पुष्य	४५	१७	सा.	३६	३४	बा.	०	२९	९	२५	३	२०	कर्क			६	३६	१७	३७	६	०७	४६	४७	बुध वृश्चिक में २६/२४, शनि आश्ले. १ में ३५/५०, अहोई, (C)
२७	३०	९	बु.	३९	५०	आश्ले.	५२	४५	शु.	३८	५०	तै.	६	३९	१०	२६	४	२१	सिंह	५२	४५	६	३६	१७	३६	६	०८	४६	३९	नेपच्यून मार्गी ५८/०
२७	२५	१०	गु.	४५	५८	मघा	६०	००	शु.	४०	५८	व.	१२	५७	११	२७	५	२२	सिंह			६	३७	१७	३५	६	०९	४६	३०	भ. १२/५७ से ४५/५८ तक **गुरु उदित २ नवं.**
२७	२०	११	शु.	५१	२८	मघा	०	०१	ब्र.	४२	३८	ब.	१८	५१	१२	२८	६	२३	सिंह			६	३८	१७	३४	६	१०	४६	२६	बुध अनु. में ३/५९, गुरु स्वा. १ में ५०/३७, रमा एकादशी व्रत (स.)
२७	१५	१२	श.	५५	५३	पू. फा.	६	३२	ऐं.	४३	२८	कौ.	२३	५२	१३	२९	७	२४	कन्या	२३	०१	६	३९	१७	३३	६	११	४६	२५	गोवत्स द्वादशी
२७	१२	१३	र.	५८	५८	उ. फा.	११	५६	वै.	४३	[illegible]	ग.	२७	३६	१४	३०	८	२५	कन्या			६	४०	१७	३३	६	१२	४६	२५	भ. ५८/५८ बाद, शुक्र मूल धनु में १७/१७, प्रदोष व्रत, धन त्रयोदशी
२७	१०	१४	चं.	६०	००	हस्त	१६	००	वि.	४२	०७	वि.	२९	५६	१५	३१	९	२६	तुला	४७	२७	६	४०	१७	३२	६	१३	४६	२७	भ. २९/५६ तक, नरक चतुर्दशी (पूर्व अरुणोदय वाली), (D)
२७	०४	१४	मं.	०	३०	चित्रा	१८	३५	प्री.	३९	४१	श.	०	३०	१६	न. १	१०	२७	तुला			६	४१	१७	३१	६	१४	४६	२९	नवम्बर प्रारम्भ, दीपावली, श्रीमहालक्ष्मी पूजन, श्रीमहावीर निर्वाण, (E)
२७	००	३०	बु.	०	३४	स्वा.	१९	४६	आ.	३६	०९	ना.	०	३४	१७	२	११	२८	तुला			६	४२	१७	३०	६	१५	४६	३५	गोक्रीड़ा, बलिपूजा, अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, गुरु उदित १५/२०

(A) चौथ, (चन्द्रोदय घं. ११ मि. ३५), (B) वृश्चिक में १६/३८, हेमन्त ऋतु प्रारम्भ, शक कार्त्तिक प्रारम्भ, (C) अष्टमी (पंजाब), (D) श्रीहनुमान् जयन्ती, (E) (जैन)

कार्त्ति. कृष्ण ८ मंगल, इष्ट ५७/१५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	३	०	७	६	७	३	११	५
०८	१९	२५	००	०६	२५	१६	१८	१८
४३	०२	११	३९	०२	३०	४१	३६	३६
५८	२४	४८	५५	१५	०३	०४	१८	१८
५९	७१०	११	७६	१३	६२	२	३	३
५१	५०	८	३२	४	४४	५५	११	११
–	–	व.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	उ.	अ.	उ.	उ.	अ.	अ.
स्वा. १	आश्ले. २	भर. ४	विशा. ४	चित्रा ४	[illegible] ३	आश्ले. २	[illegible] १	[illegible] ३

कुण्डली सूर्योदये

८ शु. | के. ६ | ९ | बु. | सू. ७ | गु. | ५ | १० | श. ४ चं. | ११ | १ मं. | ३ | रा. १२ | २

लोकभविष्य– नीचस्थ सूर्य मंगल के साथ समसप्तक योग बना रहा है। शनि-मंगल का दशम-चतुर्थ सम्बन्ध यथावत् बना हुआ है। प्राकृतिक प्रकोप के कारण खड़ी फसलों को हानि पहुंचे। अनाज, घी, खाद्य तेल एवं पैट्रोल आदि में अप्रत्याशित तेजी आने से जनता में शासनतन्त्र के विरुद्ध रोष-प्रदर्शन हो। २६ अक्तूबर तक गुरु-शुक्र के एकराशि आगे-पीछे रहने एवं शुक्र पर मंगल की दृष्टि होने से मुस्लिमराष्ट्र में जनता किंवा शासकों में कहीं भारी संघर्ष का संकेत मिलता है। राजनैतिक हत्याकाण्ड भी हों। पश्चात में शुक्र धनुराशि में आकर विशेष मंहगाई की सूचना देता है-
"यदा च धनुराशिस्थो दैत्याचार्यः प्रवर्तते। महर्घं च विजानीयात् सर्वं सस्यं विनश्यति।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– पक्षारम्भ में रुई में अच्छा मन्दा बनेगा। २१ अक्तूबर को गेहूं आदि अनाजों किंवा सोना, चांदी व रुई में तेजी बने। यह तेजी २४ अक्तूबर तक चल सकती है। २५ अक्तूबर के लगभग घी, तेल, सरसों, रुई, चांदी में अच्छी तेजी बने- वायदा व्यापारी लाभ लें। २८ अक्तूबर को रुई, सूत, सण, सोना, चांदी मन्दे हों किंवा तिलहन में भी इस समय मन्दा आने का योग है। ३० अक्तूबर को गेहूं, जौ, चना, चांदी, सोना, तांबा एवं शेयर बाजार तेज होंगे। रुई में इस समय जोरदार मन्दा आने का योग है।

आकाश लक्षण– अक्तूबर १८, २१, २३, २५, २६, २८ एवं ३० के लगभग उत्तर-पूर्वी लंका, हि. प्र. एवं चिरापूंजी में कहीं वर्षा के योग हैं। आसाम, बंगाल, नेपाल, भूटान एवं काश्मीर के उन्नत शिखरों पर वायुवेग के साथ वर्षा हो। उत्तर भारत मे शीत का प्रभाव नजर आने लगेगा।

शकुन विचार– कार्तिक कृष्ण पक्ष में सूर्य के चारों ओर परिवेष दिखाई दे तो सरसों, तिल, तेल तेज होंगे; शीघ्र ही स्टॉक से निःसंदेह लाभ होगा। दीपावली की सायं को यदि जोरदार वायु चले तो आगामी शीतकालीन फसलें खराब होने से तेजी जोर पकड़ेगी।

कुण्डली सूर्योदये

बु. ८ | के. ६ | ९ शु. | सू. ७ चं. | गु. | ५ | १० | श. ४ | ११ | १ मं. | ३ | रा. १२ | २

कार्त्ति. कृष्ण ३० बुध, इष्ट ५७/०,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	६	०	७	६	८	३	११	५
१६	२८	२२	१०	०७	०३	१७	१८	१८
४३	१५	३६	०४	४६	४३	०१	१०	१०
४६	४०	४१	२८	३४	३१	३२	५२	५२
६०	८१०	२१	६०	१३	६०	२	३	३
८	११	२०	२९	०	११	५	११	११
–	–	व.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
–	–	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
स्वा. ४	[illegible] ३	[illegible] ३	[illegible] ३	[illegible] २	[illegible] २	आश्ले. २	[illegible] २	[illegible] ३

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ कार्तिक शुक्ल पक्ष १५

(३ से १५ नवम्बर तक सन् २००५ ई.)
दक्षिणगोल, दक्षिणायन, हेमन्त ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः मं. पश्चिम में, गु. पूर्व क्षितिज से ऊपर और शनि याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। सायं बुध पश्चिम और शु. पश्चिम कपाल में दिखाई देगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.
अवम		१	बु.	५९	१६	०	०	०	०	०	०	०	०	०
२६	५४	२	गु.	५६	४८	विशा.	१९	४०	सौ.	३१	३८	बा.	२८	११
२६	५०	३	शु.	५३	२५	अनु.	१८	२९	शो.	२६	१६	तै.	२५	१३
२६	५०	४	श	४९	१६	ज्ये.	१६	३०	अ.	२०	१७	व.	२१	२६
२६	४५	५	र.	४४	३५	मूल	१३	५०	सु.	१३	४५	ब.	१७	००
२६	३९	६	चं.	३९	३५	पू. षा.	१०	४३	धृ. / शू.	६ / ५९	५१ / ४३	कौ.	१२	०७
२६	३७	७	मं.	३४	२१	उ. षा.	७	१९	गं.	५२	२८	ग.	६	५७
२६	३२	८	बु.	२९	०१	श्रव.	३	४८	वृ.	४५	१०	वि.	१	४०
२६	२७	९	गु.	२३	४३	धनि. / शत	० / ५६	१५ / ४८	ध्रु.	३७	५६	कौ.	२३	४३
२६	२७	१०	शु.	१८	३५	पू. भा.	५३	३०	व्या.	३०	५०	ग.	१८	३५
२६	२२	११	श.	१३	३७	उ. भा.	५०	२८	ह.	२३	५२	वि.	१३	३७
२६	१७	१२	र.	८	५९	रेव.	४७	५४	व.	१७	१३	बा.	८	५९
२६	१५	१३	चं.	४	५२	अश्वि.	४५	५६	सि.	१०	५८	तै.	४	५२
२६	१०	१४	मं.	१	२७	भर.	४४	४९	व्य.	५	१८	व.	१	२७
अवम		१५	म	५८	५६	०	०	०	०	०	०	०	०	०

तिथि	तारीखें प्र. कार्तिक	अं. नवम्बर	श. कार्तिक	मु. रमजा.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	प्रतिपदा तिथिक्षय
२	१८	३	१२	२९	वृश्चिक	४	४७	६	४३	१७	२९	६	१६	४६	४३	चन्द्र दर्शन, मु. ३०, भाई दूज, यमद्वितीया, विश्वकर्मा पूजा
३	१९	४	१३	श. १	वृश्चिक			६	४४	१७	२८	६	१७	४६	५३	शब्वाल मु. प्रारम्भ
४	२०	५	१४	२	धनु	१६	३०	६	४४	१७	२८	६	१८	४७	०५	भ. २१/२६ से ४९/१६ तक, गुरु बाल्य समाप्त १५/२०
५	२१	६	१५	३	धनु			६	४५	१७	२७	६	१९	४७	१६	सूर्य विशा. में १२/३८
६	२२	७	१६	४	मकर	२४	५४	६	४६	१७	२६	६	२०	४७	३१	सूर्यषष्ठी
७	२३	८	१७	५	मकर			६	४७	१७	२६	६	२१	४७	४७	भ. ३४/२१ बाद
८	२४	९	१८	६	कुम्भ	३२	०२	६	४८	१७	२५	६	२२	४८	०५	भ. १/४० तक, पंचक प्रारम्भ ३२/२, गोपाष्टमी
९	२५	१०	१९	७	कुम्भ			६	४९	१७	२४	६	२३	४८	२४	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी
१०	२६	११	२०	८	मीन	३९	२०	६	४९	१७	२४	६	२४	४८	४४	भ. ४६/२ बाद
११	२७	१२	२१	९	मीन			६	५०	१७	२३	६	२५	४९	०४	भ. १३/३७ तक, बुध ज्ये. में १/३२, शुक्र पू. षा. में ४९/५७, (A)
१२	२८	१३	२२	१०	मेष	४७	५४	६	५१	१७	२२	६	२६	४९	२७	पंचक समाप्त ४७/५४, गुरु स्वा. २ में १६/५८, प्रदोष व्रत
१३	२९	१४	२३	११	मेष			६	५२	१७	२२	६	२७	४९	५२	बुध वक्री १०/५५, वैकुण्ठ चतुर्दशी
१४	३०	१५	२४	१२	वृष	५९	४२	६	५३	१७	२१	६	२८	५०	१९	भ. १/२७ से ३०/५ तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, श्रीगुरु नानक, (B)
१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	पूर्णिमा तिथिक्षय

त्रयोदशदिन पक्ष

(A) देवप्रबोधिनी एकादशी व्रत (स.), भीष्म पंचक प्रारम्भ, तुलसी विवाह, (B) जयन्ती, कार्त्तिक पूर्णिमा, कार्त्तिक स्नान समाप्त, चातुर्मास्य व्रत नियम समाप्त, भीष्म पंचक समाप्त

कार्त्ति. शुक्ल ८ बुध, इष्ट ५६/४५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	१०	०	७	६	८	३	११	५
२३	०५	२०	१५	०९	१०	१७	१७	१७
४५	५०	०८	४७	१७	३६	१३	४८	४८
११	३१	३३	२१	१०	१६	५१	३६	३६
६०	८४८	२०	२८	१२	५७	१	३	३
१८	४२	२८	५९	५२	१०	२०	१९	१९
—	—	व.	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
विशा. २	धनि. ४	भर. ३	अनु. ४	स्वा. १	मूल ४	आश्ले. १	रेव. १	हस्त ३

कुण्डली सूर्योदये

बु. ८ | के. ६ | ९ शु. | सू. ७ गु. | ५ | श. ४ | १० चं. | ११ | १ मं. | ३ | रा. १२ | २

लोकभविष्य— मंगल वक्र चल रहा है। सूर्य नीच है। भारत की प्रभावराशि मकर पर शनि की पूर्ण दृष्टि है। कन्या राशि में केतु शनि से प्रभावित है। भारत एवं पाकिस्तान के परस्पर सन्धि-शान्ति प्रयासों को ठेस पहुंचेगी। फौजीशासकों की कुनीति बने कार्यों में बाधक होगी। शुक्र ११ नवंबर तक पंचम मंडल में चल रहा है, जो कि जनजीवनोपयोगी वस्तुओं में मंहगाई से जनसाधारण में असन्तोष उत्पन्न करता है। १२ नवंबर को शुक्र पू.षा. नक्षत्र एवं राजद्वार में पदार्पण करेगा-

"लोके भयं छत्रपति-क्षयं तत्र विनिर्दिशेत्।"

कहीं प्रतिष्ठित व्यक्ति का निधन हो; प्रजा में उग्रवादजन्य भय व्याप्त हो।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— ६ नवम्बर के लगभग जौ, चावल, गेहूं, मसूर, गुड़, खाण्ड, रुई, सरसों सूत एवं तिलहन में तेजी का योग है। १२ नवम्बर के लगभग घी, गुड़, खाण्ड, तेज होंगे; दालवाना, तिल, तेल, सरसों में अचानक मन्दा आ सकता है। १४ नवम्बर के आस-पास घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी और अनाजों में सहसा मन्दे का योग है।

आकाश लक्षण— नवम्बर ६ एवं १२ से १५ नवम्बर तक जम्मू-काश्मीर, हि. प्र., एवं अन्य उत्तर भारत में कहीं बादलवाल व खण्डवृष्टि के योग हैं। इन दिनों हि. प्र. एवं काश्मीर के उन्नत शिखरों पर हिमपात हो तथा उत्तर भारत शीतग्रस्त होने लगेगा।

शकुन विचार— कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को सूर्य के चारों तरफ परिवेष (घेरा) दिखाई दे तो तेल के सटॉक से आगे लाभ मिलता है।

कुण्डली सूर्योदये

बु. ८ | के. ६ | ९ शु. | सू. ७ गु. | ५ | श. ४ | १० | चं. १ मं. | ११ | ३ | रा. १२ | २

कार्त्ति. शुक्ल १४ मंगल, इष्ट ५६/३२

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
६	०	०	७	६	८	३	११	५
२९	२९	१८	१६	१०	१६	१७	१७	१७
४७	१७	११	४५	३३	११	२०	२९	२९
२१	३८	२३	१८	५६	१९	०८	३२	३२
६०	७९७	१७	२२	१२	५३	०	३	३
२७	१९	५५	३	४१	४९	४०	११	११
—	—	व.	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
विशा. ३	कृत्ति. १	भर. २	ज्ये. १	स्वा. २	पू.षा. १	आश्ले. १	रेव. १	हस्त ३

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष १६

(१६ नवम्बर से १ दिसम्बर तक सन् २००५ ई.)
दक्षिणगोल, दक्षिणायन, हेमन्त ऋतु।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. मार्गशीर्ष	अं. नवम्बर	श. कार्तिक	मु. रज्जबुल	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	ग्रह दर्शन : बु. १८ नवं. को अदृश्य होकर ३० नवं. से प्रातः पूर्व में दीखने लगेगा। प्रातः गु. पूर्व में और श. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। सायं मं. पूर्वकपाल मे और शु. पश्चिम कपाल में होगा।
२६	०७	१	बु.	५७	३३	कृत्ति.	४४	४४	व. प.	० ५६	२१ १८	बा.	२८	०७	मा. १	१६	२५	१३	वृष			६	५४	१७	२१	६	२९	५०	४७	सं. सूर्य वृश्चिक में ९/६, मु. ३०, पुण्यकाल २५/६ तक, व., (A)
२६	०२	२	गु.	५७	३४	रोहि.	४५	५९	शि.	५३	२०	तै.	२७	२३	२	१७	२६	१४	वृष			६	५५	१७	२०	७	००	५१	१६	
२६	०२	३	शु.	५९	०१	मृग.	४८	३५	सि.	५१	२८	व.	२८	०७	३	१८	२७	१५	मिथुन	१७	०७	६	५५	१७	२०	७	०१	५१	४८	भ. २८/७ से ५९/१ तक, व. बुध पश्चिम में अस्त ३३/३०
२५	५७	४	श.	६०	००	आर्द्रा	५२	४२	सा.	५०	४७	ब.	३०	२१	४	१९	२८	१६	मिथुन			६	५६	१७	१९	७	०२	५२	१८	सूर्य अनु. में २७/२४, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
२५	५५	४	र.	२	०२	पुन.	५८	१२	शु.	५१	१२	बा.	२	०२	५	२०	२९	१७	कर्क	४१	४४	६	५७	१७	१९	७	०३	५२	५३	
२५	५२	५	च.	६	३०	पुष्य	६०	००	शु.	५२	३४	तै.	६	३०	६	२१	३०	१८	कर्क			६	५८	१७	१९	७	०४	५३	२९	
२५	४७	६	मं.	१२	०८	पुष्य	४	५२	ब्र.	५४	३५	व.	१२	०८	७	२२	मा. १	१९	कर्क			६	५९	१७	१८	७	०५	५४	०७	भ. १२/८ से ४५/१४ तक, सूर्य सायन धनु में ९/२७, शनि वक्री, (B)
२५	४४	७	बु.	१८	२९	आश्ले.	१२	१६	ऐं.	५६	५०	ब.	१८	२९	८	२३	२	२०	सिंह	१२	१६	७	००	१७	१८	७	०६	५४	४७	श्रीकालाष्टमी, श्रीभैरवाष्टमी
२५	४२	८	गु.	२४	५६	मघा	११	४९	वै.	५८	५३	कौ.	२४	५६	९	२४	३	२१	सिंह			७	०१	१७	१८	७	०७	५५	२८	
२५	३९	९	शु.	३०	५२	पू. फा.	२६	५४	वि.	६०	००	ग.	३०	५२	१०	२५	४	२२	कन्या	४३	३३	७	०२	१७	१७	७	०८	५६	११	
२५	३७	१०	श.	३५	४१	उ. फा.	३२	५९	वि.	०	२०	व.	३	२७	११	२६	५	२३	कन्या			७	०२	१७	१७	७	०९	५६	५६	भ. ३/२७ से ३५/४१ तक
२५	३४	११	र.	३८	५३	हस्त	३७	३२	प्री. आ.	० ५१	४३ ४१	ब.	७	२९	१२	२७	६	२४	कन्या			७	०३	१७	१७	७	१०	५७	३९	उत्पन्ना एकादशी व्रत (स.)
२५	३२	१२	चं.	४०	१४	चित्रा	४०	१८	सौ.	५७	२७	कौ.	९	४७	१३	२८	७	२५	तुला	९	०७	७	०४	१७	१७	७	११	५८	२७	व. बुध विशा. ४ में ४९/२९, शुक्र उ. षा. में ३७/२४
२५	२९	१३	मं.	३९	४२	स्वा.	४१	१४	शो.	५३	३९	ग.	१०	११	१४	२९	८	२६	तुला			७	०५	१७	१७	७	१२	५९	१६	भ. ३९/४२ बाद, गुरु स्वा. ३ में १५/३७, भौम प्रदोष व्रत
२५	२७	१४	बु.	३७	२३	विशा.	४०	२७	अ.	४८	२९	वि.	८	४४	१५	३०	९	२७	वृश्चिक	२५	४७	७	०६	१७	१७	७	१४	००	०७	भ. ८/४४ तक, व. बुध पूर्व में उदित ४६/२०
२५	२४	३०	गु.	३३	३२	अनु.	३८	११	सु.	४२	११	च.	५	३६	१६	दि. १	१०	२८	वृश्चिक			७	०७	१७	१७	७	१५	००	५९	राहु उ. भा. ४ में ३०/४०, केतु हस्त २ में ३०/४०, दिसम्बर प्रारम्भ

(A) बुध अनु. ४ में १३/४८, यूरेनस मार्गी ०/२७, (B) १७/२०, शक मार्गशीर्ष प्रारम्भ

मार्ग. कृष्ण ८ गुरु, इष्ट ५६/१२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	४	०	७	६	८	३	११	५
०८	२०	१५	०८	१२	२३	१७	१७	१७
५२	३२	५२	०३	२६	५०	२२	००	००
२४	५८	२२	०७	५३	४३	०१	५५	५५
६०	७२९	११	८०	१२	४७	०	३	३
४२	४८	५८	४५	२२	८	२२	११	११
—	—	व.	व.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
अनु. २	पू. फा. ३	भर. १	अनु. २	स्वा. २	पू. षा. ४	आश्ले. १	ज्ये. १	हस्त ३

कुण्डली सूर्योदये

९ शु. | सू. ८ बु. | ७ गु. | के. ६ | १० | ११ | व. ५ | १२ रा. | २ | श. ४ | १ मं. | ३

लोकभविष्य– सूर्य-बुध वृश्चिक राशि में एकत्र हैं, इन पर मंगल की विशेष दृष्टि भी है। मंगल-बुध दोनों वक्री हैं। पक्षमध्य में शनि भी वक्री हो गया है। मंहगाई उत्तरोत्तर बढ़ेगी। कहीं प्राकृतिक प्रकोप से भारी हानि का भी संकेत मिलता है। कपास, सूत, चांदी में आगे भारी तेजी बनेगी। मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष में चतुर्थी तिथि की वृद्धि है- कहीं भारी आन्तरिक अशान्ति, वरिष्ठ नेता की मृत्यु से शोक व्याप्त हो, प्रजा त्रस्त रहे-
"मार्गशीर्षे कृष्णपक्षे तिथिवृद्धिश्च जायते। तदा युद्धाकुला पृथ्वी प्रजाः क्रन्दन्ति नित्यशः।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– पक्षारम्भ में रुई, तांबा, चांदी एवं सोने में तेजी और मन्दे के रिएक्शन आएंगे। १८ नवम्बर को बाजार का रुख अचानक बदल सकता है २२ नवम्बर को (शनि के वक्री होने पर) सिक्का, कली, गेहूं, चावल, ज्वार, घी, तेल, अलसी, सरसों में तेजी बने। २८ नवम्बर के करीब रुई में अच्छा मन्दा बने; गुड़, खाण्ड, सोना और चांदी में भी इस समय मन्दे का ही योग है। नवम्बर ३० और १ दिसम्बर को बाजारों में उठापटक चले।

आकाश लक्षण– नवम्बर १६, १८, १६, २२ एवं २८ नवम्बर से दिसम्बर १ के लगभग उत्तर भारत में कहीं बादलवाल, बूंदाबांदी व खण्डवृष्टि के योग बनते हैं। इस पक्ष में हि. प्र. व जम्मू-काश्मीर के उन्नत शिखरों पर अनेकत्र वर्फबारी के समाचार मिलेंगे।

शकुन विचार– मार्ग. कृष्ण चतुर्दशी किंवा अमावस वाले दिन बादल हों तो अनाजों में शीघ्र तेजी आती है।

कुण्डली सूर्योदये

९ शु. | सू. चं. ८ बु. | ७ गु. | के. ६ | १० | ११ | ५ | १२ रा. | २ | श. ४ | १ मं. | ३

मार्ग. कृष्ण ३० गुरु, इष्ट ५५/५७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	७	०	७	६	८	३	११	५
१५	२०	१४	०१	१३	२९	१७	१६	१६
५७	५०	४५	१२	५२	००	१७	३८	३८
५०	१८	१३	०९	२२	२७	०९	३९	३९
६०	८५२	६	१७	१२	४०	१	३	३
५१	३५	२०	४०	१	०	८	१९	१९
—	—	व.	व.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible] ४	[illegible] २	[illegible] १	[illegible] ४	[illegible] ३	[illegible] १	[illegible] २	[illegible] ४	[illegible] २

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष १७

(२ से १५ दिसम्बर तक सन् २००५ ई.)
दक्षिणगोल, दक्षिणायन, हेमन्त ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः बु. पूर्व क्षितिज में, गु. पूर्वकपाल में और श. पश्चिम कपाल में होगा। सायं मं. पूर्व कपाल और शु. पश्चिम कपाल में दीखेगा।

दिनमान घ.	दिनमान प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	योग	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	करण	समाप्ति काल घ.	समाप्ति काल प.	तारीखें प्र. मार्गशीर्ष	अं. दिसम्बर	श. मार्गशीर्ष	मु. शव्वाल	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प्रवेशकाल प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	सूर्योदय मि.	सूर्यास्त घं.	सूर्यास्त मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२५	२४	१	शु.	२८	३१	ज्ये.	३४	४७	धृ.	३४	५८	किं.	१	०९	१७	२	११	२९	धनु	३४	४७	७	०७	१७	१७	७	१६	०१	५२	सूर्य ज्ये. में ३७/३५
२५	२२	२	श.	२२	३८	मूल	३०	३४	शू.	२७	०५	कौ.	२२	३८	१८	३	१२	३०	धनु			७	०८	१७	१७	७	१७	०२	४४	चन्द्र दर्शन, मु. ३०, शुक्र मकर में २५/५८
२५	१९	३	र.	१६	१६	पू. षा.	२५	५६	गं.	१८	५०	ग.	१६	१६	१९	४	१३	जि. १	मकर	३९	४६	७	०९	१७	१७	७	१८	०३	३९	भ. ४३/० बाद, बुध मार्गी १/५७, जिल्काद मु. प्रारम्भ
२५	१७	४	च.	९	४६	उ. षा.	२१	१४	वृ.	१०	२९	वि.	९	४६	२०	५	१४	२	मकर			७	१०	१७	१७	७	१९	०४	३६	भ. ९/४७ तक
२५	१४	५	मं.	३	२७	श्रव.	१६	४४	ध्रु.	२	१६	बा.	३	२७	२१	६	१५	३	कुम्भ	४४	४०	७	११	१७	१७	७	२०	०५	३३	पंचक प्रारम्भ ४४/४०, प्लूटो मूल १ धनु में २४/२, स्कन्द (गुह), (A)
									व्या.	५४	२५																			
अवम		६	मं.	५७	३४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	षष्ठी तिथिक्षय
२५	१४	७	बु.	५२	१२	धनि.	१२	४४	ह.	४६	५८	ग.	२४	४९	२२	७	१६	४	कुम्भ			७	११	१७	१७	७	२१	०६	३१	भ. ५२/१२ बाद, मित्र सप्तमी
२५	१२	८	गु.	४७	३२	शत.	९	१७	व.	४०	०७	वि.	१९	४८	२३	८	१७	५	मीन	५२	०८	७	१२	१७	१७	७	२२	०७	२७	भ. १९/४८ तक
२५	०९	९	शु.	४३	३४	पू. भा.	६	३१	सि.	३३	४६	बा.	१५	२९	२४	९	१८	६	मीन			७	१३	१७	१७	७	२३	०८	२६	बुध अनु. में ५०/५२
२५	०७	१०	श.	४०	२३	उ. भा.	४	२८	व्य.	२८	०१	तै.	११	५३	२५	१०	१९	७	मीन			७	१४	१७	१७	७	२४	०९	२६	मंगल मार्गी ५/५७
२५	०७	११	र.	३७	५६	रेव	३	११	व.	२२	५३	व.	९	०४	२६	११	२०	८	मेष	३	११	७	१४	१७	१७	७	२५	१०	२६	भ. ९/४ से ३७/५६ तक, पंचक समाप्त ३/११, मोक्षदा एकादशी, (B)
२५	०७	१२	च.	३६	१२	अश्वि.	२	३४	प.	१८	१८	ब.	६	५७	२७	१२	२१	९	मेष			७	१५	१७	१८	७	२६	११	२४	
२५	०४	१३	मं.	३५	१६	भर.	२	४३	शि.	१४	१८	कौ.	५	३६	२८	१३	२२	१०	वृष	१७	५३	७	१६	१७	१८	७	२७	१२	२६	भौम प्रदोष व्रत
२५	०४	१४	बु.	३५	१६	कृत्ति.	३	४२	सि.	११	०२	ग.	५	०९	२९	१४	२३	११	वृष			७	१६	१७	१८	७	२८	१३	२८	भ. ३५/१६ बाद
२५	०५	१५	गु.	३६	१४	रोहि.	५	३४	सा.	८	२७	वि.	५	३५	पौ. १	१५	२४	१२	मिथुन	३६	५४	७	१७	१७	१९	७	२९	१४	२९	भ. ५/३५ तक, सं. सूर्य मूल धनु में ४४/४०, मु. ३०, (C)

(A) षष्ठी, चम्पा षष्ठी (महाराष्ट्र), (B) व्रत (स.), श्रीगीता जयन्ती, (C) पुण्यकाल अगले दिन मध्याह्न तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, श्रीदत्त जयन्ती

मार्ग. शुक्ल ८ गुरु, इष्ट ५५/४५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
७	११	०	७	६	९	३	११	५
२३	००	१४	०२	१५	०३	१७	१६	१६
०४	५०	१८	३८	१५	१३	०६	१६	१६
१०	१७	२२	५१	१०	१७	५२	२४	२४
६०	८२९	०	४५	११	३०	१	३	३
५७	२५	३२	०	३५	२४	५४	११	११
—	—	व.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
ज्ये. २	पू.भा. ४	भर. १	विशा. ४	स्वा. ३	उ.षा. २	आश्ले. १	उ.भा. ४	हस्त २

कुण्डली सूर्योदये

शु. १० | ९ | सू. ८ बु. | गु. ७ | के. ६
चं. ११ | ५
१२ रा. | २ | श. ४
१ मं. | ३

लोकभविष्य-- दैत्यगुरु शुक्र भारत की प्रभावराशि मकर में आकर शनि के साथ समसप्तक योग बनाने लगा है, देवगुरु बृहस्पति शुक्रक्षेत्र में मंगल के साथ समसप्तक योग बनाता है- " मकरे च यदा शुक्रो सर्वसस्य विनाशकृत्। जायतेऽत्र महर्घाणि नात्र कार्या विचारणा।।" फसलों को हानि पहुंचेगी, जनजीवनोपयोगी वस्तुओं में भारी तेजी से जनता में शासनतन्त्र के विरुद्ध रोष भड़केगा। राजनीतिज्ञों के लिए समय विशेष उलझनपूर्ण है। शुक्र-गुरु का क्रूरग्रहों के साथ दृष्टिसम्बन्ध कहीं राजनीतिक उलटफेर का संकेत देता है। कहीं धार्मिक उन्माद से अशान्ति भी बने।

ग्रहचाल और बाजार का रुख-- पक्षारम्भ में सोना, चावल, गेहूं, जौ, चना, अलसी, सरसों, एरण्ड एवं गुड़-खाण्ड में तेजी बने किंवा रुई और चांदी में घटाबढ़ी रहे। ४ दिसम्बर को बाजारों में अचानक मन्दे का माहौल बने। ६ दिसं. के लगभग भारी तेजी एवं मन्दे के रिएक्शन्ज आएंगे- बाजार का रुख देखकर काम करें। १० दिसम्बर को वायदा बाजार का रुख अचानक बदले रुई में यहां जोरदार मन्दा बने। पक्षान्त में रुई, कपास, सूत, तिल, तेल, सोना, चांदी तेज होंगे।

कुण्डली सूर्योदये

शु. १० | ९ | सू. ८ बु. | गु. ७ | के. ६
११ | ५
१२ रा. | चं. २ | श. ४
१ मं. | ३

मार्ग. शुक्ल १५ गुरु, इष्ट ५५/३२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	२	०	७	६	९	३	११	५
००	०३	१४	०९	१६	०६	१६	१५	१५
११	५६	३१	३२	३४	१०	५१	५४	५४
०४	४७	०३	३२	४४	०३	२६	०९	०९
६१	७५२	४	७२	११	१७	२	३	३
१	२०	५०	५९	५	४७	३६	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
मूल १	मृग. ४	भर. १	अनु. २	स्वा. ३	उ.षा. ३	आश्ले. १	उ.भा. ४	हस्त २

आकाश लक्षण-- दिसम्बर २ से ६ एवं ८, १० व १५ को उत्तर भारत के शीतलहर की लपेट में आ जाने के योग हैं। कहीं खण्डवृष्टि व कहीं वायुवेग के साथ ओलावृष्टि भी हो। हि. प्र., दिल्ली, हरियाणा, पंजाब में कहीं धुंध (धुन्द) की वजह से यातायात अवरुद्ध हो।

शकुन विचार-- यदि इस पक्ष में धनिष्ठा नक्षत्र के समय मेघ गरजें तो जनता में संक्रामक रोग हों। यदि इस पक्ष में इन्द्रधनुष दीखे तो आगे वर्षा अच्छी हो।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ पौष कृष्ण पक्ष १८

(१६ से ३१ दिसम्बर तक सन् २००५ ई.) दक्षिणगोल, दक्षिण– उत्तरायण, हेमन्त – शिशिर ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः बु. पूर्व क्षितिज से ऊपर, गु. पूर्व कपाल और श. पश्चिम कपाल में होगा। सायं मं. को पूर्व कपाल में और शु. को पश्चिम में देखें।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र. पौष	अं. दिसम्बर	श. मार्गशीर्ष	मु. ज़िल्हि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२५	०२	१	शु.	३८	१९	मृग.	८	२८	शु.	६	४१	बा.	७	०६	२	१६	२५	१३	मिथुन			७	१८	१७	१९	८	००	१५	३२	गुरु स्वा. ४ में २४/१
२५	०२	२	श.	४१	४१	आर्द्रा	१२	३३	शु.	५	५२	तै.	९	५१	३	१७	२६	१४	मिथुन			७	१८	१७	१९	८	०१	१६	३७	यूरेनस शत. ३ में ५१/४२
२५	०२	३	र.	४६	१३	पुन.	१७	४५	ब्र.	५	५७	व.	१३	४७	४	१८	२७	१५	कर्क	१	२०	७	१९	१७	२०	८	०२	१७	३९	भ. १३/४७ से ४६/१३ तक
२५	०२	४	च.	५१	५१	पुष्य	२४	०७	ऐं.	६	५७	ब.	१८	५६	५	१९	२८	१६	कर्क			७	१९	१७	२०	८	०३	१८	४५	श्री गणेश चतुर्थी व्रत
२५	०२	५	मं.	५८	१९	आश्ले.	३१	१९	वै.	८	३९	कौ.	२५	००	६	२०	२९	१७	सिंह	३१	१९	७	२०	१७	२१	८	०४	१९	४९	व. शनि पुष्य ४ में ४/२५
२५	०२	६	बु.	६०	००	मघा	३९	०३	वि.	१०	५४	ग.	३१	४१	७	२१	३०	१८	सिंह			७	२०	१७	२१	८	०५	२०	५६	सूर्य सायन मकर में ४१/५२, उत्तरायण प्रारम्भ, शिशिर ऋतु प्रारम्भ, (A)
२५	०२	६	गु.	५	०२	पू. फा.	४६	४१	प्री.	१३	१६	व.	५	०२	८	२२	पौ. १	१९	सिंह			७	२१	१७	२२	८	०६	२२	०२	भ. ५/२ से ३८/२१ तक, शाक पौष प्रारम्भ
२५	०२	७	शु.	११	३०	उ. फा.	५३	३९	आ.	१५	२३	ब.	११	३०	९	२३	२	२०	कन्या	३	३२	७	२१	१७	२२	८	०७	२३	११	
२५	०२	८	श.	१६	५८	हस्त	५९	२४	सौ.	१६	४४	कौ.	१६	५८	१०	२४	३	२१	कन्या			७	२२	१७	२३	८	०८	२४	१७	शुक्र वक्री १९/२२
२५	०२	९	र.	२०	५७	चित्रा	६०	००	शो.	१६	५८	ग.	२०	५७	११	२५	४	२२	तुला	३१	३८	७	२२	१७	२३	८	०९	२५	२८	भ. ५२/११ बाद
२५	०२	१०	चं.	२२	५६	चित्रा	३	२१	अ.	१५	४२	वि.	२२	५६	१२	२६	५	२३	तुला			७	२३	१७	२४	८	१०	२६	३६	भ. २२/५६ तक
२५	०४	११	मं.	२२	४८	स्वा.	५	१८	सु.	१२	५०	बा.	२२	४८	१३	२७	६	२४	वृश्चिक	५०	२१	७	२३	१७	२५	८	११	२७	४७	सफला एकादशी व्रत (स.)
२५	०२	१२	बु.	२०	२९	विशा.	५	०७	धृ.	८	१५	तै.	२०	२९	१४	२८	७	२५	वृश्चिक			७	२४	१७	२५	८	१२	२८	५६	सूर्य पू. षा. में ५०/२, प्रदोष व्रत
२५	०४	१३	गु.	१६	१४	अनु. ज्ये.	२ ५९	५९ १०	शू. गं.	२ ५४	०७ ३६	व.	१६	१४	१५	२९	८	२६	धनु	५९	१०	७	२४	१७	२६	८	१३	३०	०८	भ. १६/१४ से ४३/२९ तक
२५	०७	१४	शु.	१०	२२	मूल	५४	०३	वृ.	४६	००	श.	१०	२२	१६	३०	९	२७	धनु			७	२४	१७	२७	८	१४	३१	१८	बुध मूल धनु में ४५/५७
२५	०७	३०	श.	३	१६	पू. षा.	४८	०३	ध्रु.	३६	४०	ना.	३	१६	१७	३१	१०	२८	धनु			७	२४	१७	२७	८	१५	३२	२९	शनैश्चरी अमावस

(A) बुध ज्ये. में २७/३

पौष कृष्ण ८ शनि, इष्ट ५५/१९,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	५	०	७	६	९	३	११	५
०९	२२	१५	२१	१८	०७	१६	१५	१५
२०	३०	३९	३०	११	३१	२४	२५	२५
४६	२६	२९	२२	२९	११	३७	३२	३२
६१	७४७	१०	८५	१०	२	३	३	३
८	५८	५३	३७	१९	४२	२५	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
मूल ३	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुण्डली सूर्योदये

१० शु. | ९ सू. | ८ बु. | ७ गु. | ६ के. चं. | ५ | ४ श. | ३ | २ | १ मं. | १२ रा. | ११

लोकभविष्य— सूर्य के साथ धनुराशि में प्लूटो की सन्निधि किसी विशेष कष्ट का संकेत देती है। सूर्य-प्लूटो का शनि के साथ षडष्टक सम्बन्ध होने से मुस्लिमराष्ट्रों में कहीं आन्तरिक अशान्ति उग्ररूप धारण करे। पौष मास में किसी यूरोपीय बहुचर्चित प्रतिष्ठित नेता की आकस्मिक मृत्यु व हत्या से शोक व्याप्त हो। उग्रवाद के संचालक नेताओं का मनोबल ऊँचा मालूम देगा। कहीं भयंकर भूकम्प, भूस्खलन, तूफान आदि प्राकृतिक प्रकोप से भारी जनधनहानि का योग है। पौष मास में किसी यानदुर्घटना से भी जनधनहानि हो।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— पक्षारम्भ में ही तिलहन, अनाज, रुई में अच्छी मन्दी बन सकती है, लेकिन २० दिसम्बर को तेल, तिलहन में उठापटक के आसार भी बन सकते हैं। २४ दिसम्बर को (शुक्र के वक्र होने पर) घी, तेल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गेहूं, जौ, चना तेज होंगे; रुई में पहले तेजी आकर बाद में मन्दी बने। २८ दिसम्बर को तेल, तिलहन, गुड़, खाण्ड आदि के बाजार तेज रहेंगे किंवा रुई, कपास, चांदी में मन्दा बने।

कुण्डली सूर्योदये

१० शु. | ९ सू. चं. बु. | ८ | ७ गु. | ६ के. | ५ | ४ श. | ३ | २ | १ मं. | १२ रा. | ११

पौष कृष्ण ३० शनि, इष्ट ५५/१५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	८	०	८	६	९	३	११	५
१६	२८	१७	०१	१९	०६	१५	१५	१५
२८	२७	०८	४३	२१	२०	५८	०३	०३
५२	१६	०९	०१	४१	१३	५८	१६	१६
६१	८९५	१४	८९	९	१९	३	३	३
१०	९	५६	३९	३७	५३	५८	१९	१९
—	—	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

आकाश लक्षण— दिसम्बर १६, १७, २०, २१, २४, २८ से ३१ तक उत्तर भारत में भयंकर शीतलहर से जनधनहानि के समाचार मिलेंगे। कहीं वायुवेग के साथ ओलावृष्टि व खण्डवृष्टि भी संभव है। मैदानी इलाकों में धुंध का वातावरण रहे।

शकुन विचार— यदि पौष कृष्ण पंचमी को वर्षा हो तो आगे अच्छी वर्षा होगी। यदि इस पक्ष में अष्टमी के दिन बादलचाल एवम् वर्षा हो तो आगे फरवरी में अनाज तेज हों।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ पौष शुक्ल पक्ष १९

(१ से १४ जनवरी तक सन् २००६ ई.)
दक्षिणगोल, उत्तरायण, शिशिर ऋतु।

ग्रह दर्शन : ४ जनवरी को बु. और ११ जनवरी को शु. अदृश्य हो जाएगा। प्रातः गु. पूर्व कपाल और श. पश्चिम कपाल में होगा। सायं मं. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पूर्व की ओर हटा होगा।

दिनमान		तिथि	वार	समाप्ति काल		नक्षत्र	समाप्ति काल		योग	समाप्ति काल		करण	समाप्ति काल		तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि प्रवेशकाल			चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय		सूर्यास्त		उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य				
घ.	प.			घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.		घ.	प.	पौष	जनवरी	पौष	जिल्हिज्ज		घ.	प.	घं.	मि.	घं.	मि.	रा.	अं.	क.	वि.	
अवम		१	श.	५५	२२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	प्रतिपदा तिथिक्षय
२५	०७	२	र.	४७	१०	उ.षा.	४१	४१	व्या.	२६	५२	बा.	२१	१७	१८	ज.१	११	२९	मकर	१	२८	७	२५	१७	२८	८	१६	३३	३९	चन्द्र दर्शन, मु. ४५, जनवरी सन् २००६ प्रारम्भ
२५	१०	३	चं.	३९	०४	श्रव.	३५	२३	ह.	१७	०४	तै.	१३	०५	१९	२	१२	जि.१	मकर			७	२५	१७	२९	८	१७	३४	५२	जिल्हिज्ज मु. प्रारम्भ
२५	१०	४	मं.	३१	२७	धनि.	२९	३२	व.	७	३३	व.	५	११	२०	३	१३	२	कुम्भ	२	२३	७	२५	१७	२९	८	१८	३६	०३	भ. ५/११ से ३१/२७ तक, पंचक प्रारम्भ २/२३
									सि.	५८	३४																			
२५	१२	५	बु.	२४	३९	शत.	२४	३०	व्य.	५०	२१	बा.	२४	३९	२१	४	१४	३	कुम्भ			७	२५	१७	३०	८	१९	३७	१३	बुध पूर्व में अस्त ३३/४९, गुरु विशा. १ में ५८/१७
२५	१५	६	गु.	१८	५५	पू.भा.	२०	३०	व.	४३	०१	तै.	१८	५५	२२	५	१५	४	मीन	६	२३	७	२५	१७	३१	८	२०	३८	२३	
२५	१४	७	शु.	१४	२१	उ.भा.	१७	३९	प.	३६	४४	व.	१४	२१	२३	६	१६	५	मीन			७	२६	१७	३२	८	२१	३९	३२	भ. १४/२१ से ४२/३३ तक
२५	१४	८	श.	११	०६	रेव.	१६	०६	शि.	३१	२७	ब.	११	०६	२४	७	१७	६	मेष	१६	०६	७	२६	१७	३२	८	२२	४०	४४	पंचक समाप्त १६/६
२५	१७	९	र.	९	०६	अश्वि.	१५	४८	सि.	२७	०९	कौ.	९	०६	२५	८	१८	७	मेष			७	२६	१७	३३	८	२३	४१	५३	बुध पू.षा. में ३४/२७, शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ ३०/४०
२५	२०	१०	चं.	८	१९	भर.	१६	३८	सा.	२३	४६	ग.	८	१९	२६	९	१९	८	वृष	३२	०१	७	२६	१७	३४	८	२४	४३	०१	भ. ३८/२१ बाद
२५	२२	११	मं.	८	३९	कृत्ति.	१८	३२	शु.	२१	१३	वि.	८	३९	२७	१०	२०	९	वृष			७	२६	१७	३५	८	२५	४४	०८	भ. ८/३९ तक, सूर्य उ.षा. में ५४/४९, पुत्रदा एकादशी व्रत (स.)
२५	२५	१२	बु.	९	५९	रोहि.	२१	२५	शु.	१९	२६	बा.	९	५९	२८	११	२१	१०	मिथुन	५३	१२	७	२६	१७	३६	८	२६	४५	१६	प्रदोष व्रत, शुक्र पश्चिम में अस्त ३०/४०
२५	२७	१३	गु.	१२	१८	मृग.	२५	१३	ब्र.	१८	२३	तै.	१२	१८	२९	१२	२२	११	मिथुन			७	२६	१७	३७	८	२७	४६	२२	
२५	२७	१४	शु.	१५	३२	आर्द्रा	२९	५४	ऐं.	१८	०२	व.	१५	३२	३०	१३	२३	१२	मिथुन			७	२६	१७	३७	८	२८	४७	२९	भ. १५/३२ से ४७/३३ तक, व. शुक्र धनु में २८/३४, लोहड़ी, (A)
२५	३२	१५	श.	१९	४५	पुन.	३५	३१	वै.	१८	२६	ब.	१९	४५	मा.१	१४	२४	१३	कर्क	११	०२	७	२५	१७	३८	८	२९	४८	३५	सं. सूर्य मकर में ११/१५, मु. ४५, पुण्यकाल सारा दिन, मकर, (B)

शुक्र अस्त ११ जन.

(A) (पू.), श्रीसत्यनारायण व्रत, (B) संक्रान्ति, माघ स्नान प्रारम्भ, पौषी पूर्णिमा

पौष शुक्ल ८ शनि, इष्ट ५५/९,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
८	०	०	८	६	९	३	११	५
२३	०८	१९	१२	२०	०३	१५	१४	१४
३७	४५	०३	१९	२६	१६	२९	४१	४१
००	५१	२४	२९	४६	४८	५१	०१	०१
६१	७९४	१८	९२	८	३३	४	३	३
९	०	२३	३५	५०	१८	२४	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
पू.षा. ४	अश्वि. ३	भर. २	मूल ४	विशा. १	उ.षा. २	पुष्य ४	उ.भा. ४	उ.फा. २

कुण्डली सूर्योदये

१० शु. | सू. ९ बु. | ८ | ११ | ७ गु. | रा. १२ चं. | के. ६ | १ मं. | ३ | ५ | २ | ४ श.

लोकभविष्य-- चान्द्रमास पौष में पांच शुक्रवार एवं पांच शनिवार है। शनि के दृष्टि विचार से दक्षिणी एवं पश्चिमी देशों में कहीं आन्तरिक कलह, हत्याकाण्ड से घोर अशान्ति का वातावरण बन सकता है। ईशानकोण में कहीं सत्ता में परिवर्तन, अग्निकाण्ड से हानि, भूकम्प आदि से भारी हानि के भी योग है-

" ईशान देशभङ्गश्च वह्निदाहो महर्घता।"

पश्चात् में सूर्य-बुध-शुक्र एवं प्लूटो का धनुराशि में होना अनाजों में भारी तेजी से जनता में परेशानी का कारण बनेगा; वर्षा की कमी भी अनुभव हो-

"एकराशौ यदा होते सौम्य-शुक्र-दिनाधिपाः। सर्वधान्य-महर्घत्वं मेघाः स्वल्पजलप्रदाः।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख-- ४ जनवरी के लगभग अनाज, घी आदि मन्दे; चांदी में घटाबढ़ी और सोना तेज रहे। ८ जनवरी को बिनौला तेज; अनाज मन्दे एवं सोना-चांदी में विशेष तेजी का रुख रहे। १० जनवरी को उड़द, मूंग, चावल, चना, गेहूं, गुड़, खाण्ड, शक्कर, कपास में तेजी का ही योग है। १३ /१४ जनवरी को अनाज, घी, तेल, अलसी, गुड़, शक्कर, खाण्ड, चांदी, सोना, तांबा और रूई एवं शेयरबाजारों में तेजी रहे।

आकाश लक्षण-- जनवरी ४, ८, १०, ११, १३, १४ के आस-पास वायुवेग के साथ कहीं वर्षा व बूंदाबांदी हो। उत्तरभारत में भयंकर शीतलहर से कुछ स्थानों पर जनधनहानि के समाचार मिलेंगे। धुंध (धुंद) के कारण वातावरण दुर्घटना ग्रस्त रहे।

शकुन विचार-- पौष शुक्ल पूर्णिमा को बिजली चमके या आकाश मेघाछन्न रहे तो फसल अच्छी हो। यदि पौषशुक्ल पंचमी को वर्षा हो तो आगे वर्षा अच्छी होती है।

कुण्डली सूर्योदये

१० | ८ | सू. | ११ | शु. ९ बु. | ७ गु. | रा. १२ | के. ६ | चं. ३ | १ मं. | ५ | २ | ४ श.

पौष शुक्ल १५ शनि, इष्ट ५५/१२,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	३	०	८	६	८	३	११	५
००	०७	२१	२३	२१	२९	१४	१४	१४
४४	१८	२१	१६	२६	०६	५८	१८	१८
४८	४६	००	३९	०९	४०	०६	४६	४६
६१	७२०	२१	९५	७	३६	४	३	३
५	३७	१४	४३	५९	३८	४२	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	अ.	उ.	अ.	अ.
उ.षा. २	पुष्य २	भर. ३	पू.षा. ३	विशा. १	उ.षा. १	पुष्य ४	उ.भा. ४	उ.फा. २

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ — माघ कृष्ण पक्ष २०

(१५ से २९ जनवरी तक सन् २००६ ई.)
दक्षिणगोल, उत्तरायण, शिशिर ऋतु।

ग्रह दर्शन : बु. अस्त है। १७ जनवरी को शु. प्रातः पूर्व में दीखने लगेगा। प्रातः गु. याम्योत्तरवृत्त से पूर्व की ओर और श. पश्चिम में होगा। सायं मं. याम्योत्तरवृत्तासन्न दिखाई पड़ेगा।

शुक्र उदित १७ जन.

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र. (माघ)	अं. (जनवरी)	श. (पौष)	मु. (जिल्हिज्ज)	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टै. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२५	३५	१	र.	२४	४९	पुष्य	४१	५५	वि.	१९	२८	कौ.	२४	४९	२	१५	२५	१४	कर्क			७	२५	१७	३९	९	००	४९	३७	
२५	३७	२	च.	३०	४३	आश्ले.	४१	०४	प्री.	२१	०६	ग.	३०	४३	३	१६	२६	१५	सिंह	४९	०४	७	२५	१७	४०	९	०१	५०	४२	
२५	३९	३	म.	३७	१४	मघा	५६	४५	आ.	२३	१५	व.	३	५४	४	१७	२७	१६	सिंह			७	२५	१७	४१	९	०२	५१	४७	भ. ३/५४ से ३७/१४ तक, बुध उ.षा. में २/२०, शुक्र पूर्व में .(A)
२५	४२	४	बु.	४४	०६	पू.फा.	६०	००	सौ.	२५	४०	ब.	१०	३८	५	१८	२८	१७	सिंह			७	२५	१७	४२	९	०३	५२	५१	श्री गणेश (संकष्ट) चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय २१ घं. २० मि.)
२५	४७	५	गु.	५०	४८	पू.फा.	४	३९	शो.	२८	०९	कौ.	१७	३०	६	१९	२९	१८	कन्या	२१	३६	७	२४	१७	४३	९	०४	५३	५५	बुध मकर में ५/५९, व. शुक्र पू.षा. ४ म ३/२२
२५	५०	६	शु.	५६	५०	उ.फा.	१२	१४	अ.	३०	१४	ग.	२३	५६	७	२०	३०	१९	कन्या			७	२४	१७	४४	९	०५	५४	५६	भ. ५६/५० बाद, सूर्य सायन कुम्भ में ८/२६, शुक्र बाल्य समाप्त .(B)
२५	५०	७	श.	६०	००	हस्त	१९	००	सु.	३१	३३	वि.	२९	२४	८	२१	मा १	२०	तुला	५१	५५	७	२४	१७	४४	९	०६	५६	००	भ. २९/२४ तक, शाक माघ प्रारम्भ
२५	५२	७	र.	१	३६	चित्रा	२४	२५	धृ.	३१	४४	ब.	१	३६	९	२२	२	२१	तुला			७	२४	१७	४५	९	०७	५७	०२	
२५	५७	८	च.	४	४०	स्वा.	२८	०४	शू.	३०	२९	कौ.	४	४०	१०	२३	३	२२	तुला			७	२३	१७	४६	९	०८	५८	०५	
२६	००	९	म.	५	३७	विशा.	२९	३५	गं.	२७	३२	ग.	५	३७	११	२४	४	२३	वृश्चिक	१४	२५	७	२३	१७	४७	९	०९	५९	०४	भ. ३५/१४ बाद, सूर्य श्रव. में ०/५४
२६	०४	१०	बु.	४	२१	अनु.	२८	५९	वृ.	२२	५४	वि.	४	२१	१२	२५	५	२४	वृश्चिक			७	२२	१७	४८	९	११	००	०५	भ. ४/२१ तक, बुध श्रव. में ८/१८, षट्तिला एकादशी व्रत (स्मा.)
२६	०७	११	गु.	०	५२	ज्ये.	२६	१५	ध्रु.	१६	३१	बा.	०	५२	१३	२६	६	२५	धनु	२६	१५	७	२२	१७	४९	९	१२	०१	०४	षट्तिला एकादशी व्रत (वै.), त्रिस्पृशा महाद्वादशी
अवम		१२	गु.	५५	२७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	द्वादशी तिथिक्षय
२६	१२	१३	शु.	४८	२१	मूल	२१	४६	व्या. ह.	८ ५९	४१ ३४	ग.	२२	०५	१४	२७	७	२६	धनु			७	२१	१७	५०	९	१३	०२	०४	भ. ४८/२१ बाद, प्रदोष व्रत
२६	१५	१४	श.	४०	०४	पू.षा.	१५	५०	व.	४१	३५	वि.	१४	२०	१५	२८	८	२७	मकर	२९	११	७	२१	१७	५१	९	१४	०३	०१	भ. १४/२० तक, मंगल कृत्ति. में ३४/४३
२६	१९	३०	र.	३१	०४	उ.षा.	८	५८	सि.	३९	००	च.	५	३९	१६	२९	९	२८	मकर			७	२०	१७	५२	९	१५	०४	००	मौनी अमावस, महोदय योग

(A) उदित ३५/४०, (B) ३५/४०

माघ कृष्ण ८ चन्द्र, इष्ट ५५/१७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	६	०	९	६	८	३	११	५
०१	२५	२४	०७	२२	२४	१४	१३	१३
५४	५१	४४	५७	३३	१६	१४	५०	५०
२०	०२	३९	२६	१४	२७	४८	०९	०९
६१	७९२	२४	१००	६	२३	४	३	३
२	२४	१५	४६	४६	५०	५५	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
उ.षा. ४	विशा. २	भर. ४	उ.भा. ४	विशा. १	पू.षा. ४	[illegible] ४	पू.फा. ४	[illegible] २

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२ | ११ | सू. १० बु. | ९ शु. | ८ | मं. १ | ७ चं. गु. | २ | ४ श. | के. ६ | ३ | ५

लोकभविष्य— शनि-सूर्य का समसप्तक योग एवं मंगल-शनि का पहले से चल रहा दशम-चतुर्थ सम्बन्ध सीमाप्रान्तों पर अशान्ति का संकेत देता है। कहीं शासन के विरुद्ध जनान्दोलन हों। मुस्लिमराष्ट्रों में कहीं अकस्मात् हत्याकाण्ड व अशान्ति से शासनसत्ता में परिवर्तन होगा। मंहगाई उत्तरोत्तर बढ़ेगी। २४ जनवरी से पक्षान्त तक सूर्य-बुध श्रवण नक्षत्र में ही चलेंगे; पशुओं में रोग फैलें। जनता में शीतजन्य रोगों से भारी कष्ट रहे। त्वचा रोगी भी भारी कष्ट में रहें। इस चान्द्रमास में ५ रविवार हैं- कहीं अकाल की स्थिति बने, कहीं राजनैतिक हत्याकाण्ड व सत्तापरिवर्तन हो-" दुर्भिक्षं छत्रभंगः स्यात् तदा स्यात् महद्भयम्।।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— १७ जनवरी को सभी अनाज मन्दे रहेंगे। १६ जन. को रुई, सोना, चांदी में अच्छी तेजी बने। २४ जनवरी के लगभग गेहूं, जौ, चावल, सोना, चांदी, गुड़, खाण्ड, अलसी तेज हों। पक्षान्त में दालवाना, मोटे अनाज एवं तिलहन में तेजी; चांदी और रुई में तेजी के बाद मन्दा बने।

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२ | ११ | सू. १० चं. बु. | ९ शु. | ८ | मं. १ | ७ गु. | २ | ४ श. | के. ६ | ३ | ५

माघ कृष्ण ३० रवि, इष्ट ५५/२५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	९	०	९	६	८	३	११	५
१६	२१	२७	१८	२३	२२	१३	१३	१३
००	४६	१४	११	११	२८	४५	३१	३१
१९	४९	२७	२३	३४	२०	१६	०४	०४
६०	९१२	२५	१०४	५	९	४	३	३
५७	२७	५६	३०	५१	३३	५५	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible] २	[illegible] ४	[illegible] १	[illegible] ३	[illegible] १	[illegible] ३	[illegible] ४	[illegible] ४	[illegible] २

आकाश लक्षण— जनवरी १७ से २०, २४, २५, २८ को उत्तर भारत शीतग्रस्त रहे एवं कुछ स्थलों पर वायुवेग के साथ खण्डवृष्टि भी हो। काश्मीर, हि. प्र. में कहीं जोरदार हिमपात के समाचार भी मिलें।

शकुन विचार— माघ कृष्ण तृतीया को यदि मेघ गरजें, लेकिन वर्षा न हो तो गेहूं और जौ के स्टॉक से आगे लाभ मिलेगा।

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ — माघ शुक्ल पक्ष २१

(३० जनवरी से १३ फरवरी तक सन् २००६ ई.)
दक्षिणगोल, उत्तरायण, शिशिर ऋतु।

ग्रह दर्शन : १३ फरवरी से बु. सायं पश्चिम में दीखने लगेगा। प्रातः शु. पूर्व में और गु. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। सायं मं. को याम्योत्तरवृत्त में ओर श. को पूर्व में देखें।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र. माघ	अं. जनवरी	श. माघ	मु. जिल्हिज.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टें. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२६	१९	१	चं.	२१	४४	श्रव. धनि	१ ५४	३४ १४	व्य.	२८	१६	व.	२१	४४	१७	३०	१०	२९	कुम्भ	२७	५१	७	२०	१७	५२	९	१६	०४	५५	चन्द्र दर्शन, मु. ३०, पंचक प्रारम्भ २७/५१
२६	२४	२	मं.	१२	३८	शत.	४७	१८	व.	१७	४६	कौ.	१२	३८	१८	३१	११	मु. १	कुम्भ			७	१९	१७	५३	९	१७	०५	५२	गुरु विशा. २ में २२/२८, मुहर्रम मु. (हिजरी १४२७) प्रा.
२६	२७	३	बु.	४	०६	पू. भा.	४१	१४	प. शि.	७ ५८	४६ ३८	ग.	४	०६	१९	फ. १	१२	२	मीन	२७	३९	७	१९	१७	५४	९	१८	०६	४६	भ. ३०/११ से ५६/३६ तक, बुध धनि. में ५१/४७, फरवरा, (A)
अवम		४	बु.	५६	३६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	चतुर्थी तिथिक्षय
२६	३२	५	गु.	५०	२५	उ. भा.	३६	२७	सि.	५०	३४	ब.	२३	१८	२०	२	१३	३	मीन			७	१८	१७	५५	९	१९	०७	४०	राहु उ. भा. ३ में २४/२४, केतु हस्त १ में २४/ २४, श्रीवसन्त, (B)
२६	३७	६	शु.	४५	४२	रेव.	३३	०७	सा.	४३	४२	कौ.	१७	५१	२१	३	१४	४	मेष	३३	०७	७	१७	१७	५६	९	२०	०८	३१	पंचक समाप्त ३३/७, शुक्र मार्गी १८/४७
२६	४०	७	श.	४२	४२	अश्वि.	३१	२२	शु.	३८	१०	ग.	१३	५८	२२	४	१५	५	मेष			७	१७	१७	५७	९	२१	०९	२०	भ. ४२/४२ बाद, व. शनि पुष्य ३ में ५/२९, रथ सप्तमी (पूर्व, (C)
२६	४५	८	र.	४१	२१	भर.	३१	१९	शु.	३४	००	वि.	११	४९	२३	५	१६	६	वृष	४६	३५	७	१६	१७	५८	९	२२	१०	११	भ. ११/४९ तक, मंगल वृष में ९/१५, बुध कुम्भ में ३६/३८, (D)
२६	५०	९	चं.	४१	४०	कृत्ति.	३२	५१	ब्र.	३१	०६	बा.	११	२०	२४	६	१७	७	वृष			७	१५	१७	५९	९	२३	१०	५७	सूर्य धनि. में ८/५७
२६	५०	१०	मं.	४३	२८	रोहि.	३५	४८	ऐ.	२९	२०	तै.	१२	२२	२५	७	१८	८	वृष			७	१५	१७	५९	९	२४	११	४२	
२६	५४	११	बु.	४६	३२	मृग.	४०	०३	वै.	२८	३७	व.	१४	५०	२६	८	१९	९	मिथुन	७	४८	७	१४	१८	००	९	२५	१२	२८	भ. १४/५० से ४६/३२ तक, जया एकादशी व्रत (स.)
२६	५९	१२	गु.	५०	४२	आर्द्रा	४५	२४	वि.	२८	४६	ब.	१८	२८	२७	९	२०	१०	मिथुन			७	१३	१८	०१	९	२६	१३	१०	बुध शत. में १९/३०, भीष्म द्वादशी
२७	०४	१३	शु.	५५	४४	पुन.	५१	३४	प्री.	२९	३८	कौ.	२३	०६	२८	१०	२१	११	कर्क	३४	५५	७	१२	१८	०२	९	२७	१३	५१	प्रदोष व्रत
२७	०९	१४	श.	६०	००	पुष्य	५८	२५	आ.	३१	०५	ग.	२८	३१	२९	११	२२	१२	कर्क			७	११	१८	०३	९	२८	१४	३०	
२७	१५	१४	र.	१	२९	आश्ले.	६०	००	सौ.	३२	५९	व.	१	२९	फा. १	१२	२३	१३	कर्क			७	१०	१८	०४	९	२९	१५	०८	भ. १/२९ से ३४/३२ तक, सं. सूर्य कुम्भ में ४४/२५, मु. १५, (E)
२७	१५	१५	चं.	७	४३	आश्ले.	५	४३	शो.	३५	११	ब.	७	४३	२	१३	२४	१४	सिंह	५	४३	७	१०	१८	०४	१०	००	१५	४४	बुध पश्चिम में उदित ५/१९, माघी पूर्णिमा, माघ स्नान समाप्त, (F)

(A) प्रारम्भ, गौरी तृतीया (गोंतरी) (देखें पृष्ठ ६६), तिल-वरद-कुन्द चतुर्थी, (B) पंचमी, श्रीपंचमी, (C) अरुणोदय वाली), आरोग्य सप्तमी (D) नेपच्यून धनि. १ में ४७/२७, भीष्माष्टमी, (E) पुण्यकाल अगले दिन मध्याह्न तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, (F) जन्म दिन श्री गुरु रविदास जी

माघ शुक्ल ८ रवि, इष्ट ५५/३५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
९	१	१	१०	६	८	३	११	५
२३	०१	००	००	२३	२२	१३	१३	१३
०६	५८	२१	३४	४९	१२	११	०८	०८
३२	४१	११	०३	१३	५३	०८	४९	४९
६०	७७३	२७	१०७	४	७	४	३	३
४८	१६	३६	४१	४३	१९	४७	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२, ११, सू. बु. १०, ९ शु., ८, मं. १, चं., ७ गु., के. ६, २, ४, ३, श., ५

लोकभविष्य— इस पक्ष में मंगल वृष राशि में आकर जनजीवनोपयोगी वस्तुओं एवं खाद्यपदार्थों में भारी मंहगाई का संकेत देता है-

" वृषराशौ यदा भौमः सर्वधान्य-महर्घता। चंदनं कुंकुमं वस्त्रं कार्पासादौ महर्घता।।"

पक्षान्त में रविवारी संक्रान्ति होने से कहीं रोगादि से जनता में परेशानी रहे। बुध का पश्चिम में उदय कहीं प्राकृतिक उत्पात से जनधनहानि का प्रतीक है-

"नोत्पात-परित्यक्तः चन्द्रजो व्रजत्युदयम्।"

पक्षमध्य में कहीं यानदुर्घटना एवं भूकम्प आदि से हानि का भी योग बनता है।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख— ३० जनवरी से १ फरवरी तक चावल और अनाजों में कुछ तेजी; रुई और सोने में मन्दे का वातावरण रहे। २ फरवरी को चांदी, चन्दन, केसर, सरसों के वायदा बाजार में कुछ तेजी हो, लेकिन ३ फरवरी को अचानक बाजार का रुख बदल सकता है। ५ फरवरी के लगभग रुई और चांदी में काफी घटाबढ़ी और गेहूं आदि अनाज एवं गुड़, खाण्ड, सोने में तेजी बने। १२ फरवरी के करीब वायदा बाजार एवं सभी व्यापारिक वस्तुओं में मन्दा आने का योग है।

आकाश लक्षण— जनवरी ३१; फरवरी १ से ५ एवं १२, १३ फरवरी को लंका के पूर्वी छोर, शिलांग व अन्य कुछ भागों में बादलचाल किंवा बूंदाबांदी के योग हैं। २ से ५ फरवरी के मध्य उत्तरी भारत में हवा का जोर रहे।

शकुन विचार— माघी पूर्णिमा के दिन यदि बादल हो तो अन्नसंग्रह से सातवें मास अच्छा लाभ मिले। यदि इस दिन आकाश साफ रहे तो आगे आषाढ़ में प्रत्येक प्रकार का अनाज सस्ता रहेगा।

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२, १०, सू. ११ बु., शु. ९, १, मं. २, ८, गु. ७, ३, ५, श. ४ चं., ६ के.

माघ शुक्ल १५ चन्द्र, इष्ट ५५/४९,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	४	१	१०	६	८	३	११	५
०१	०९	०४	१४	२४	२४	१२	१२	१२
१२	५३	०७	४९	२२	११	३३	४३	४३
१२	२०	३२	०४	२०	११	४४	२२	२२
६०	७०८	२९	१०२	३	२३	४	३	३
३६	३४	७	५२	२१	४१	३०	१९	१९
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ फाल्गुन कृष्ण पक्ष २२

(१४ से २७ फरवरी तक सन् २००६ ई.)
दक्षिणगोल, उत्तरायण, शिशिर – वसन्त ऋतु।

ग्रह दर्शन : प्रातः शु. पूर्व कपाल में और गु. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। साय बु. पश्चिम में, मं. याम्योत्तरवृत्तासन्न और श. पूर्व कपाल में होगा।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२७	२०	१	मं.	१४	१९	मघा	१३	२४	अ.	३७	३६	कौ.	१४	१९	३	१४	२५	१५	सिंह			७	०९	१८	०५	१०	०१	१६	२१	
२७	२५	२	बु.	२१	०२	पू. फा	२१	१२	सु.	४०	०२	ग.	२१	०२	४	१५	२६	१६	कन्या	३८	०७	७	०८	१८	०६	१०	०२	१६	५५	भ. ५४/२२ बाद
२७	३०	३	गु.	२७	३४	उ. फा.	२८	४८	धृ.	४२	१८	वि.	२७	३४	५	१६	२७	१७	कन्या			७	०७	१८	०७	१०	०३	१७	२७	भ. २७/३४ तक
२७	३४	४	शु.	३३	३२	हस्त	३५	५३	शू.	४४	०३	ब.	०	४०	६	१७	२८	१८	कन्या			७	०६	१८	०८	१०	०४	१७	५७	बुध पू. भा. में १/३१, श्री गणेश चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय घं. २१ मि. ५५)
२७	३७	५	श.	३८	३३	चित्रा	४२	०३	गं.	४५	०३	कौ.	६	१२	७	१८	२९	१९	तुला	९	०८	७	०५	१८	०८	१०	०५	१८	२७	सूर्य सायन मीन में ४४/४२, वसन्त ऋतु प्रारम्भ
२७	४२	६	र.	४२	१२	स्वा.	४६	५६	वृ.	४४	५९	ग.	१०	३५	८	१९	३०	२०	तुला			७	०४	१८	०९	१०	०६	१८	५५	भ. ४२/१२ बाद, सूर्य शत. में २०/५६, शुक्र उ. षा. में २१/४०
२७	४७	७	चं.	४४	१०	विशा.	५०	०६	ध्रु.	४३	३७	वि.	१३	२५	९	२०	फा. १	२१	वृश्चिक	३४	२७	७	०३	१८	१०	१०	०७	१९	२२	भ. १३/२५ तक, शक फाल्गुन प्रारम्भ
२७	५२	८	मं.	४४	१०	अनु.	५१	२३	व्या.	४०	४३	बा.	१४	२४	१०	२१	२	२२	वृश्चिक			७	०२	१८	११	१०	०८	१९	४८	
२७	५४	९	बु.	४२	०४	ज्ये	५०	४१	ह.	३६	१५	तै.	१३	२२	११	२२	३	२३	धनु	५०	४१	७	०१	१८	११	१०	०९	२०	१२	
२८	००	१०	गु.	३८	०१	मूल	४८	०३	व.	३०	१३	व.	१०	१८	१२	२३	४	२४	धनु			७	००	१८	१२	१०	१०	२०	३५	भ. १०/१८ से ३८/१ तक
२८	०५	११	शु.	३२	११	पू. षा.	४३	४१	सि.	२२	४३	ब.	५	२०	१३	२४	५	२५	मकर	५७	२१	६	५९	१८	१३	१०	११	२०	५६	बुध मीन में ३५/३९, शुक्र मकर में ५८/२४, विजया एकादशी, (A)
२८	०९	१२	श.	२४	५१	उ. षा.	३७	५२	व्य.	१३	५७	तै.	२४	५१	१४	२५	६	२६	मकर			६	५८	१८	१४	१०	१२	२१	१७	मंगल रोहि. में ४१/५३, शनि प्रदोष व्रत
२८	१२	१३	र.	१६	२४	श्रव.	३१	०४	व. / प.	४ / ५३	१२ / ४७	व.	१६	२४	१५	२६	७	२७	कुम्भ	५७	२६	६	५७	१८	१४	१०	१३	२१	३५	भ. १६/२४ से ४१/५१ तक, पंचक प्रारम्भ ५७/२६. (B)
२८	१७	१४	चं.	७	१३	धनि.	२३	४०	शि.	४३	०२	श.	७	१३	१६	२७	८	२८	कुम्भ			६	५६	१८	१५	१०	१४	२१	५३	यूरेनस शत. ४ में ३०/५९, सोमवती अमावस
अवम		३०	चं.	५७	४७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	अमावस्या-तिथिक्षय

(A) व्रत (स.), (B) श्रीमहाशिवरात्रि व्रत

फाल्गु. कृष्ण ८ मंगल, इष्ट ५६/९,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	७	१	१०	६	८	३	११	५
०९	१७	०८	२७	२४	२८	११	१२	१२
१६	४४	०५	०६	४४	०६	५९	१७	१७
२३	३७	०४	०४	१५	३५	१७	५६	५६
६०	८१२	३०	७१	१	३६	४	३	३
२६	२९	२३	१४	५६	६	३	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
शत. १	ज्ये. १	कृत्ति. ४	पू.भा. ३	विशा. २	उ.षा. १	पुष्य ३	उ.भा. ३	हस्त १

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२ | सू. ११ बु. | १० शु. ९ | १ | चं. ८ | २ मं. | ३ | ५ | गु. ७ | श ४ | ६ के.
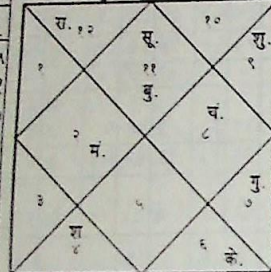
लोकभविष्य– इस चान्द्रमास में ५ मंगलवार है। कहीं सैन्यसंघर्ष रहे, कहीं प्रधान-नेता को विषम परिस्थिति का सामना करना पड़े, राजनैतिक हत्याकाण्ड आदि अराजकता से अचानक सत्ता-हस्तान्तरण का भी योग बनता है-

" यत्र मासे महीसूनोर्जायन्ते पञ्चवासराः। रक्तेन पूरिता पृथ्वी छत्रभंगस्तदा भवेत्।।"

बुध राहु के साथ नीच राशि में आ गया है, शुक्र मकर राशि में आकर शनि के साथ समसप्तक योग बना रहा है- चौपाए पशुओं को हानि पहुंचे, कहीं शासक एवं जनता में परस्पर विरोध, कहीं धार्मिक व जातिगत उन्माद परेशानी का कारण बने- " राजविरोधकृत्तत्र चान्यथा न भविष्यति।"

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– १७ फरवरी को सोना, चांदी, तांबा, लोहा तथा अनाजों में मन्दा बने; रुई में घटाबढ़ी चले। १९ फरवरी के लगभग सोना-चांदी, सूत-सण, तिलहन, हींग, दाख, छुहारा, हल्दी, गुड़, गेहूं में तेजी बने। २४ फरवरी के लगभग रुई, गुड़, खाण्ड, शक्कर, सोना, चांदी, घी एवं गेहूं-चना आदि सभी अनाजों में तेजी बने। २५ फरवरी को शेयर बाजार भी तेज ही रहेंगे। पश्चात्त में बाजारों का रुख अचानक बदल सकता है।

आकाश लक्षण– फरवरी १७ से १९, २४, २५ और २७ को प. बंगाल, आसाम एवं बंगलादेश में कहीं बादलचाल, खण्डवृष्टि किंवा बूंदाबांदी के योग हैं। उत्तरी भारत में जोरदार हवा चले और मौसम में कुछ बदलाव होने लगे।

शकुन विचार– यदि फाल्गुन में बादल हो, परन्तु वर्षा न हो तो आगे वर्षा-ऋतु में अच्छी वर्षा हो।

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२ बु. | सू. ११ चं. | १० शु. | ९ | १ | २ मं. | ८ | ३ | ५ | गु. ७ | श. ४ | ६ के.
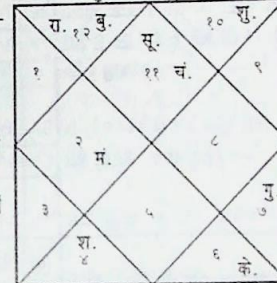
फाल्गु. कृष्ण १४ चन्द्र, इष्ट ५६/२४,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	१०	१	११	६	९	३	११	५
१५	१५	११	०२	२४	०२	११	११	११
१८	००	०९	२०	५३	०१	३६	५८	५८
३५	२२	२८	०६	०१	२६	०६	५२	५२
६०	९१२	३१	२२	०	४३	३	३	३
१७	१३	१२	२४	४८	४	३७	११	११
—	—	मा.	मा.	मा.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
शत. ३	शत. ३	रोहि. १	पू.भा. ४	विशा. २	उ.षा. २	पुष्य ३	उ.भा. ३	हस्त १

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ फाल्गुन शुक्ल पक्ष २३

(२८ फरवरी से १४ मार्च तक सन् २००६ ई.)
दक्षिणगोल, उत्तरायण, वसन्त ऋतु।

ग्रह दर्शन : बु. ४ मार्च को पश्चिम में अदृश्य होगा। प्रातः शु. पूर्व में, गु. याम्योत्तरवृत्तासन्न होगा। सायं मं. याम्योत्तरवृत्तासन्न और शु. पूर्व कपाल में होगा।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र. फाल्गुन	अं. फरवरी	श. फाल्गुन	मु. मुह.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय-कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२८	२२	१	मं.	४८	३२	शत.	१६	०९	सि.	३२	१७	किं.	२३	०४	१७	२८	९	२९	मीन	५५	४५	६	५५	१८	१६	१०	१५	२२	०८	
२८	३०	२	बु.	३९	४८	पू. भा.	९	००	सा.	२२	००	बा.	१४	०४	१८	मा. १	१०	३०	मीन			६	५३	१८	१७	१०	१६	२२	२२	चन्द्र दर्शन, मु. ४५, **मार्च प्रारम्भ**
२८	३२	३	गु.	३२	०६	उ. भा. रेव.	२ ५७	३३ १६	शु.	१२	२२	तै.	५	४९	१९	२	११	स. १	मेष	५७	१६	६	५२	१८	१७	१०	१७	२२	३१	भ. ५८/४५ बाद, पंचक समाप्त ५७/१६, **बुध वक्री ४७/४७**, (A)
२८	३७	४	शु.	२५	४५	अश्वि.	५३	२९	शु. ब्र.	३ ५६	४५ २३	वि.	२५	४५	२०	३	१२	२	मेष			६	५१	१८	१८	१०	१८	२२	४१	भ. २५/४५ तक
२८	४२	५	श.	२१	०२	भर.	५१	२५	ऐं.	५०	२६	बा.	२१	०२	२१	४	१३	३	मेष			६	५०	१८	१९	१०	१९	२२	४९	सूर्य पू. भा. में ३७/६, **व. बुध पश्चिम में अस्त २३/५४, गुरु**, (B)
२८	४७	६	र.	१८	०९	कृत्ति.	५१	१३	वै.	४६	००	तै.	१८	०९	२२	५	१४	४	वृष	६	११	६	४९	१८	२०	१०	२०	२२	५६	
२८	५०	७	चं.	१७	१३	रोहि.	५२	५८	वि.	४३	०७	व.	१७	१३	२३	६	१५	५	वृष			६	४८	१८	२०	१०	२१	२२	५९	भ. १७/१३ से ४७/३२ तक
२८	५७	८	मं.	१८	१३	मृग.	५६	२५	प्री.	४१	३६	ब.	१८	१३	२४	७	१६	६	मिथुन	२४	२७	६	४६	१८	२१	१०	२२	२३	०१	**होलाष्टक प्रारम्भ**
२९	०२	९	बु.	२०	५५	आर्द्रा	६०	००	आ.	४१	२३	कौ.	२०	५५	२५	८	१७	७	मिथुन			६	४५	१८	२२	१०	२३	२२	५८	
२९	०४	१०	गु.	२५	०६	आर्द्रा	१	२५	सौ.	४२	१३	ग.	२५	०६	२६	९	१८	८	कर्क	५०	५९	६	४४	१८	२२	१०	२४	२२	५६	भ. ५७/४० बाद, **व. बुध कुम्भ में १६/२९**
२९	०९	११	शु.	३०	२६	पुन.	७	३७	शो.	४३	५४	वि.	३०	२६	२७	१०	१९	९	कर्क			६	४३	१८	२३	१०	२५	२२	५१	भ. ३०/२६ तक, शुक्र श्रव. में ५/४७, आमला एकादशी व्रत (स.)
२९	१५	१२	श.	३६	३३	पुष्य	१४	४२	अ.	४६	०६	ब.	३	२६	२८	११	२०	१०	कर्क			६	४२	१८	२४	१०	२६	२२	४४	गोविन्द द्वादशी
२९	२०	१३	र.	४३	०७	आश्ले.	२२	२०	सु.	४८	३३	कौ.	९	५१	२९	१२	२१	११	सिंह	२२	२०	६	४०	१८	२४	१०	२७	२२	३५	**प्रदोष व्रत**
२९	२४	१४	चं.	४९	४७	मघा	३०	०७	धृ.	५१	०३	ग.	१६	२८	३०	१३	२२	१२	सिंह			६	३९	१८	२५	१०	२८	२२	२२	भ. ४९/४७ बाद
२९	२९	१५	मं.	५६	१३	पू. फा.	३७	४७	शू.	५३	२४	वि.	२३	०१	चै. १	१४	२३	१३	कन्या	५४	४२	६	३८	१८	२६	१०	२९	२२	०९	भ. २३/१ तक, **सं. सूर्य मीन में ३८/०**, मु. ४५, पुण्यकाल, (C)

(A) सफर मु. प्रारम्भ, (B) वक्री ४९/७, (C) मध्याह्न के बाद, श्रीसत्यनारायण व्रत, होलिका दहन, होलाष्टक समाप्त

फाल्गु. शुक्ल ८ मंगल, इष्ट ५६/५०

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
१०	२	१	११	६	९	३	११	५
२३	०६	१५	०१	२४	०८	११	११	११
१९	४६	२२	०१	५४	११	०९	३३	३३
५१	११	२५	४७	०८	४४	३६	२५	२५
६०	७३९	३२	४५	०	५०	२	३	३
०	२९	६	४४	४३	२	५५	१९	१९
—	—	मा.	व.	व.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
पू.भा. १	आर्द्रा १	रोहिणी २	पू.भा. ४	विशाखा २	उ.षा. ४	पुष्य ३	उ.भा. ३	हस्त १

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२ बु. | सू. ११ | १० शु. | ९ | १ | च. २ मं. | ८ | ३ | ५ | गु. ७ | श. ४ | ६ के.

लोकभविष्य– इस पक्ष में बुध-गुरु वक्री हो रहे हैं, शनि पहले ही वक्री है। सीमाप्रान्तों पर सैनिक हलचल एवं काश्मीर-आसाम- नागालैण्ड आदि में राजनीतिक हत्याकाण्ड हों। कहीं यानदुर्घटना से जानी-माली हानि के भी समाचार मिलेंगे। इस पक्ष में मंगलवारी मीन संक्रान्ति सोने के व्यापारियों को लाभ देने वाली रहेगी। जनता में रोग-भय-उपद्रव-दुर्घटना आदि से परेशानी अधिक रहे। अनाज, नमक, तिल, तेल मंहगे होने से जनता में असन्तोष रहेगा-

" मीनराशिगते भानौ सर्वधान्य-महर्घता। लवणं तिल-तैलं च महर्घं सञ्जायते।। "

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– २ मार्च के आस-पास घी, गुड़, खाण्ड, शक्कर में तेजी; गेहूं, जौ, चना आदि अनाजों में अचानक मन्दा बने। ४ मार्च को गेहूं, जौ, चना, चावल आदि अनाज किंवा अलसी व घी में जोरदार तेजी और मन्दी के रिएक्शन्ज़ आएंगे। वायदा व्यापारी सोच-समझकर काम करें- अच्छा लाभ मिल सकेगा। ६ मार्च के लगभग अलसी, रुई और चांदी में मन्दा; घी, तेल एवं गुड़-खाण्ड में तेजी बने। १४ मार्च को तेल-तिलहन, गुड़-खाण्ड-शक्कर, रुई और सोना तेज हों। अनाजों में पहले तेजी बाद में मन्दा; चांदी में भी मन्दा बने।

आकाश लक्षण– मार्च २, ४, ५, ६, १०, १४ को म. प्र., बंगाल आदि में कहीं बादलचाल व बूंदाबांदी हो। उत्तरी भारत में हवा का जोर रहे एवं तापमान में वृद्धि हो।

शकुन विचार– यदि फाल्गुनशुक्ल पूर्णिमा के दिन वर्षा हो तो फसल को रोली (काल अंगारी) नामक रोग से हानि पहुंचे। इस समय अन्न-संग्रह से सातवें मास लाभ मिलता है।

कुण्डली सूर्योदये

रा. १२ | सू. बु. ११ | १० श. | ९ | १ | २ मं. | ८ | चं. ५ | ३ | गु. ७ | श. ४ | ६ के.

फाल्गु. शुक्ल १५ मंगल, इष्ट ५७/१०

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	५	१	१०	६	९	३	११	५
००	००	१९	२४	२४	१४	१०	११	११
१९	३०	०९	३८	४५	१६	५१	११	११
०८	१८	१०	४८	१६	१७	०९	१०	१०
५९	७१४	३२	५४	२	५४	२	३	३
४५	४०	४४	४१	०	३६	१५	११	११
—	—	मा.	व.	व.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	अ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
पू.भा. ४	उ.फा. २	रोहिणी ३	पू.भा. २	विशाखा २	श्रव. २	पुष्य ३	उ.भा. ३	हस्त १

श्री वि. सं. २०६२, शाक १९२७ चैत्र कृष्ण पक्ष २४

(१५ से २९ मार्च तक सन् २००६ ई.)
दक्षिण – उत्तर गोल, उत्तरायण, वसन्त ऋतु।

ग्रह दर्शन : बु. १६ मार्च से प्रातः पूर्व में दीखने लगेगा। प्रातः शु. पूर्व कपाल और गु. पश्चिम कपाल में होगा। सायं म. याम्योत्तरवृत्तासन्न और श. याम्योत्तरवृत्त से कुछ पूर्व की ओर झुका होगा।

दिनमान घ.	प.	तिथि	वार	समाप्ति काल घ.	प.	नक्षत्र	समाप्ति काल घ.	प.	योग	समाप्ति काल घ.	प.	करण	समाप्ति काल घ.	प.	तारीखें प्र.	अं.	श.	मु.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घ.	प.	चण्डीगढ़ भा. स्टैं. टा. सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	उदय–कालिक स्पष्ट सूर्य रा.	अं.	क.	वि.	
२९	३२	१	बु	६०	००	उ फा	४६	०९	गं.	५५	२७	बा	२९	१६	२	१५	२४	१४	कन्या			६	३७	१८	२६	११	००	२१	५४	वसन्त उत्सव, होला मेला श्री आनन्दपुर साहिब
२९	३७	१	गु	२	१२	हस्त	५१	५६	वृ.	५७	०३	कौ	२	१२	३	१६	२५	१५	कन्या			६	३६	१८	२७	११	०१	२१	३७	
२९	४५	२	शु	७	३३	चित्रा	५७	५२	ध्रु.	५७	५७	ग	७	३३	४	१७	२६	१६	तुला	२४	५९	६	३४	१८	२८	११	०२	२१	१८	भ. ३९/५२ बाद, सूर्य उ.भा. में ५९/६
२९	४७	३	श	११	५८	स्वा.	६०	००	व्या.	५८	०४	वि	११	५८	५	१८	२७	१७	तुला			६	३३	१८	२८	११	०३	२०	५५	भ. ११/५८ तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
२९	५२	४	र	१५	१६	स्वा.	२	४६	ह.	५७	१३	बा	१५	१६	६	१९	२८	१८	वृश्चिक	५०	४०	६	३२	१८	२९	११	०४	२०	३२	व. बुध पूर्व में उदित १/४
२९	५७	५	च	१७	१४	विशा	६	२८	व.	५५	१८	तै	१७	१४	७	२०	२९	१९	वृश्चिक			६	३१	१८	३०	११	०५	२०	०८	सूर्य सायन मेष में ४३/३५, उत्तर गोल प्रारम्भ, महाविषुव दिन
३०	०२	६	म	१७	४८	अनु.	८	४७	सि.	५२	०९	व	१७	४८	८	२१	३०	२०	वृश्चिक			६	२९	१८	३०	११	०६	१९	४२	भ. १७/४८ से ४७/२९ तक, व. बुध शत. ४ में ३७/१२
३०	०७	७	बु	१६	४३	ज्ये	९	३३	व्य.	४७	४५	ब	१६	४३	९	२२	चै. १	२१	धनु	९	३३	६	२८	१८	३१	११	०७	१९	११	मंगल मृग. में ३३/३५, शक चैत्र प्रारम्भ
३०	१२	८	गु	१४	०२	मूल	८	४५	व.	४२	०१	कौ	१४	०२	१०	२३	२	२२	धनु			६	२७	१८	३२	११	०८	१८	४२	मेला श्री शीतला माता कुराली (पं.)
३०	१४	९	शु	९	४७	पू.षा	६	२३	प.	३५	०८	ग	९	४७	११	२४	३	२३	मकर	२०	३३	६	२६	१८	३२	११	०९	१८	११	भ. ३७/५ बाद, शुक्र धनि. में ३२/८
३०	२२	१०	श	४	०८	उ.षा. / श्रव	२ / ५७	३८ / ३८	शि.	२७	११	वि	४	०८	१२	२५	४	२४	मकर			६	२४	१८	३३	११	१०	१७	३८	भ. ४/८ तक, बुध मार्गी ३२/०, पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.)
अवम		११	श	५७	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	एकादशी तिथिक्षय
३०	२४	१२	र	४९	२४	धनि	५१	४१	सि.	१८	१९	कौ	२३	२४	१३	२६	५	२५	कुम्भ	२४	४४	६	२३	१८	३३	११	११	१७	०१	पंचक प्रारम्भ २४/४४, पापमोचिनी एकादशी व्रत (वै.)
३०	३०	१३	च	४०	५४	शत.	४५	०८	सा. / शु.	८ / ५८	४५ / ४८	ग	१५	१२	१४	२७	६	२६	कुम्भ			६	२२	१८	३४	११	१२	१६	२४	भ. ४०/५४ बाद, सोम प्रदोष व्रत, वारुणी पर्व
३०	३५	१४	म	३२	११	पू.भा	३८	१९	शु.	४८	४५	वि	६	३४	१५	२८	७	२७	मीन	२५	०२	६	२१	१८	३५	११	१३	१५	४६	भ. ६/३४ तक, मेला पिहोवा तीर्थ (हरि.)
३०	३३	३०	बु	२३	३५	उ.भा	३१	४४	ब्र.	३८	५२	ना	२३	३५	१६	२९	८	२८	मीन			६	२०	१८	३५	११	१४	१५	०५	बुध पू.भा. में ३७/४, प्लूटो वक्री ३०/२, अमावस, सूर्य ग्रहण . (A)

सूर्य ग्रहण २९ मार्च (देखें पृष्ठ 13)

(A) (भारत में दृश्य), चान्द्र संवत्सर २०६२ वि. पूर्ण

चैत्र कृष्ण ८ गुरु, इष्ट ५७/३७,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	८	१	१०	६	९	३	११	५
०९	२४	२४	१९	२४	२२	१०	१०	१०
१५	३८	०६	२१	२०	४६	३४	४२	४२
५३	०९	४३	२९	४४	१३	३६	३३	३३
५९	८५२	३३	६	३	५८	१	३	३
२९	४	२६	१९	३७	५८	२०	११	११
—	—	मा.	व.	व.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
उ.भा. २	पू.षा. ४	मृग. १	शत. ४	विशा. २	श्रव. ४	पुष्य ३	उ.भा. ३	हस्त १

कुण्डली सूर्योदये

म. २, १, ११ बु., सू. १२ रा., १० शु., ३, चं. ९, श. ४, ६ के., ८, ५, ७ गु.

लोकभविष्य– इस चान्द्रमास में पांच बुधवार हैं; प्रजा में सुख-समृद्धि एवं सुभिक्ष रहे- " बुधस्य पंचवाराश्चेज्जायन्ते च निरन्तरम्। प्रजानां सुखमत्यन्तं सुभिक्षं च प्रजायते।।" १६ मार्च को वक्री बुध पूर्व में उदय होगा-" नोत्पात परित्यक्तः चन्द्रजो व्रजत्युदयम्"- प्रमाणानुसार कहीं प्राकृतिक प्रकोप से हानि का योग बनता है। मीनराशि के साथ राहु का सम्बन्ध राजनीतिज्ञों के लिए भारी उलझनपूर्ण रहेगा। कहीं भारी राजनीतिक उलटफेर का संकेत भी मिलता है। चैत्रकृष्ण प्रतिपदा को तिथिवृद्धि अनाजों में तेजी का संकेत देती है।

ग्रहचाल और बाज़ार का रुख– १७ मार्च के करीब चावल, गुड़, खाण्ड, शक्कर, गेहूं और तेल में तेजी आकर २० मार्च को अचानक जोरदार तेजी या मन्दे का रिएक्शन आ सकता है। २२ मार्च को तिल और चांदी में तेजी; रुई में पहले मन्दा, बाद में तेजी; अन्य व्यापारिक वस्तुओं में मन्दे का रुख रहेगा। २६ मार्च को बाजार अस्थिर नजर आएंगे, लेकिन तेजी की तरफ बढ़ेंगे।

आकाश लक्षण– मार्च १७, १९ से २२ तक एवं २४, २५ तथा २६ के लगभग कुछ गर्म हवा का बहाव हो। मध्यप्रदेश, बंगाल आदि में कहीं बादलचाल व बूंदाबांदी के योग हैं। म. प्र., बंगाल, भूटान, सिक्किम, आसाम में कहीं वायुवेग के साथ वर्षा हो, लेकिन उत्तरी भारत मे मौसम प्रायः खुश्क ही रहेगा।

शकुन विचार– यदि चैत्रकृष्ण अष्टमी को आकाश बादलों से ढका रहे तो गुड़, खांड, गेहूं एवं सोना तेज रहें।

" चन्द्रमौलि-शकरचरण बार-बार सिरनाय। संवत् यह पूरण कियो गिरा-गणेश मनाय।।"

कुण्डली सूर्योदये

म. २, १, ११ बु., सू. चं. १२ रा., १० शु., ३, ९, श. ४, ६ के., ८, ५, ७ गु.

चैत्र कृष्ण ३० बुध, इष्ट ५७/५५,

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
११	११	१	१०	६	९	३	११	५
१५	२३	२७	२०	२३	२८	१०	१०	१०
१२	१०	२८	०७	५६	४५	२८	२३	२३
२३	२४	२४	५२	३३	४१	१८	२८	२८
५९	८८१	३३	२५	४	६१	०	३	३
१८	५१	५१	४७	३६	८	४०	११	११
—	—	मा.	मा.	व.	मा.	व.	व.	व.
—	—	उ.	उ.	उ.	उ.	उ.	अ.	अ.
उ.भा. ४	रेव. २	मृग. २	पू.भा. १	विशा. २	धनि. २	पुष्य ३	उ.भा. ३	हस्त १

मास पक्ष	जनवरी	तिथि	वार	तिथि समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	नक्षत्र समाप्ति काल घं.	मि.	योग	योग समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	दिल्ली सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	जयपुर सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	वाराणसी सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
पौष कृष्ण	1	5	श	8	28	पू. फा.	27	40	आ.	19	50	सिंह			7	25	17	28	7	19	17	31	7	20	17	41	6	48	17	16	1	यूरेनस शत. 2 में 14/13, जनवरी सन् 2005 प्रारम्भ
	2	6	र.	10	03	उ. फा.	29	19	सौ.	19	43	कन्या	10	08	7	25	17	29	7	19	17	32	7	20	17	41	6	48	17	16	2	भ. 10/3 से 22/37 तक
	3	7	च.	11	02	हस्त	30	19	शो.	19	07	कन्या			7	25	17	30	7	19	17	33	7	21	17	42	6	48	17	17	3	नेपच्यून श्रव. 4 में 10/47
	4	8	मं.	11	19	चित्रा	30	34	अ.	17	57	तुला	18	32	7	25	17	30	7	19	17	34	7	21	17	43	6	49	17	18	4	शुक्र मूल धनु में 26/1
	5	9	बु.	10	48	स्वा.	30	00	सु.	16	09	तुला			7	25	17	31	7	19	17	34	7	21	17	44	6	49	17	18	5	भ. 22/14 बाद, बुध मूल धनु में 19/44
	6	10	गु.	9	28	विशा.	28	40	धृ.	13	42	वृश्चिक	23	05	7	26	17	32	7	19	17	35	7	21	17	44	6	49	17	19	6	भ. 9/28 तक
		/11		31	21																											एकादशी तिथिक्षय
	7	12	शु.	28	33	अनु	26	39	शू.	10	39	वृश्चिक			7	26	17	33	7	20	17	36	7	21	17	45	6	49	17	20	7	सफला एकादशी व्रत (स.)
									ग.	31	04																					
	8	13	श.	25	12	ज्ये.	24	04	वृ.	27	03	धनु	24	04	7	26	17	33	7	20	17	37	7	21	17	46	6	49	17	20	8	भ. 25/12 बाद, शनि प्रदोष व्रत
	9	14	र.	21	28	मूल	21	06	ध्रु.	22	44	धनु			7	26	17	34	7	20	17	37	7	21	17	47	6	49	17	21	9	भ. 11/22 तक, मंगल ज्ये. में 30/18
	10	30	च.	17	33	पू. षा.	17	56	व्या.	18	15	मकर	23	08	7	26	17	35	7	20	17	38	7	21	17	47	6	49	17	22	10	सूर्य उ. षा. में 23/12, सोमवती अमावस
पौष शुक्ल	11	1	मं.	13	39	उ. षा.	14	46	ह.	13	48	मकर			7	26	17	36	7	20	17	39	7	22	17	48	6	49	17	23	11	पौष शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, चन्द्र दर्शन, मु. 30
	12	2	बु.	9	56	श्रव.	11	50	व.	9	31	कुम्भ	22	31	7	26	17	37	7	20	17	40	7	22	17	49	6	49	17	23	12	पंचक प्रारम्भ 22/31, लोहड़ी (प.)
		/3		30	38				सि.	29	33																					तृतीया तिथिक्षय
	13	4	गु.	27	54	धनि.	9	19	व्य.	26	03	कुम्भ			7	26	17	38	7	20	17	41	7	22	17	50	6	49	17	24	13	भ. 17/11 से 27/54 तक, स. सूर्य मकर में 29/42, मु. 15, पुण्यकाल, (A)
						शत.	31	23																								
	14	5	शु.	25	53	पू. भा.	30	10	व.	23	07	मीन	24	24	7	25	17	39	7	20	17	41	7	21	17	50	6	49	17	25	14	
	15	6	श.	24	40	उ. भा.	29	47	प.	20	50	मीन			7	25	17	39	7	20	17	42	7	21	17	51	6	49	17	26	15	बुध पू. षा. में 13/14, शुक्र पू. षा. में 17/30
	16	7	र.	24	20	रेव.	30	13	शि.	19	13	मेष	30	13	7	25	17	40	7	19	17	43	7	21	17	52	6	49	17	27	16	भ. 24/20 बाद, पंचक समाप्त 30/13
	17	8	च.	24	48	अश्वि.	--	--	सि.	18	15	मेष			7	25	17	41	7	19	17	44	7	21	17	53	6	49	17	27	17	भ. 12/28 तक
	18	9	मं.	26	01	अश्वि.	7	26	सा.	17	52	मेष			7	25	17	42	7	19	17	45	7	21	17	53	6	49	17	28	18	
	19	10	बु.	27	49	भर.	9	20	शु.	17	58	वृष	15	53	7	24	17	43	7	19	17	46	7	21	17	54	6	49	17	29	19	सूर्य सायन कुम्भ में 28/52
	20	11	गु.	30	03	कृत्ति.	11	44	शु.	18	26	वृष			7	24	17	44	7	19	17	46	7	21	17	55	6	49	17	30	20	भ. 16/54 से 30/3 तक, राहु अश्वि. 1 में 31/4, केतु चित्रा 3 में 31/4, (B)
	21	12	शु.	--	--	रोहि.	14	29	ब्र.	19	07	मिथुन	27	56	7	24	17	45	7	18	17	47	7	20	17	56	6	49	17	30	21	वंजुली महाद्वादशी
	22	12	श.	8	30	मृग.	17	25	ऐं.	19	57	मिथुन			7	23	17	46	7	18	17	48	7	20	17	57	6	48	17	31	22	शनि प्रदोष व्रत
	23	13	र.	11	04	आर्द्रा	20	24	वै.	20	48	मिथुन			7	23	17	46	7	18	17	49	7	20	17	57	6	48	17	32	23	सूर्य श्रव. में 25/30
	24	14	च.	13	36	पुन.	23	20	वि.	21	37	कर्क	16	36	7	23	17	47	7	17	17	50	7	20	17	58	6	48	17	33	24	भ. 13/36 से 26/50 तक, बुध उ. षा. में 11/30, श्रीसत्यनारायण व्रत
	25	15	मं.	16	03	पुष्य	26	10	प्री	22	21	कर्क			7	22	17	48	7	17	17	51	7	19	17	59	6	48	17	33	25	बुध पूर्व में अस्त 21/40, माघ स्नान प्रारम्भ, पौषी पूर्णिमा
माघ कृष्ण	26	1	बु.	18	21	आश्ले.	28	50	आ.	22	58	सिंह	28	50	7	22	17	49	7	17	17	51	7	19	18	00	6	47	17	34	26	माघ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, बुध मकर में 15/3, शुक्र उ. षा. में 8/58
	27	2	गु.	20	26	मघा	31	17	सौ.	23	25	सिंह			7	21	17	50	7	16	17	52	7	19	18	01	6	47	17	35	27	
	28	3	शु.	22	16	पू. फा.	--	--	शो.	23	41	सिंह			7	21	17	51	7	16	17	53	7	18	18	01	6	47	17	36	28	भ. 9/23 से 22/16 तक, शुक्र मकर में 24/50
	29	4	श.	23	45	पू. फा.	9	28	अ.	23	41	कन्या	15	57	7	20	17	52	7	15	17	54	7	18	18	02	6	46	17	36	29	मंगल मूल धनु में 9/3, श्री गणेश (संकष्ट) चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय घं. २१ मि. ३१)
	30	5	र.	24	49	उ. फा.	11	17	सु.	23	21	कन्या			7	20	17	53	7	15	17	55	7	17	18	03	6	46	17	37	30	
	31	6	च.	25	21	हस्त	12	39	धृ.	22	38	तुला	25	07	7	19	17	54	7	14	17	.56	7	17	18	04	6	45	17	38	31	भ. 25/21 बाद

(A) अगला सारा दिन, व. शनि पुन. 3 मिथुन में 15/10, मकर संक्रान्ति, (B) पुत्रदा एकादशी व्रत (स.)

मास पक्ष	फरवरी	तिथि	वार	समाप्ति काल घं. मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं. मि.	योग	समाप्ति काल घं. मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं. मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं. मि.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त घं. मि.	दिल्ली सूर्योदय घं. मि.	दिल्ली सूर्यास्त घं. मि.	जयपुर सूर्योदय घं. मि.	जयपुर सूर्यास्त घं. मि.	वाराणसी सूर्योदय घं. मि.	वाराणसी सूर्यास्त घं. मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
माघ कृष्ण	1	7	मं.	25 15	चित्रा	13 27	शू.	21 26	तुला		7 19	17 54	7 14	17 56	7 16	18 04	6 45	17 39	1	भ. 13/23 तक, बुध श्रव. में 21/21, फरवरी प्रारम्भ
	2	8	बु.	24 29	स्वा.	13 38	गं.	19 43	तुला		7 18	17 55	7 13	17 57	7 16	18 05	6 44	17 39	2	गुरु वक्री 7/42
	3	9	गु.	23 00	विशा.	13 07	वृ.	17 27	वृश्चिक	7 19	7 17	17 56	7 12	17 58	7 15	18 06	6 44	17 40	3	
	4	10	शु.	20 51	अनु.	11 56	ध्रु.	14 38	वृश्चिक		7 17	17 57	7 12	17 59	7 15	18 07	6 43	17 41	4	भ. 10/1 से 20/51 तक
	5	11	श.	18 07	ज्ये.	10 07	व्या.	11 19	धनु	10 07	7 16	17 58	7 11	18 00	7 14	18 07	6 43	17 41	5	सूर्य धनि. में 28/43, शुक्र श्रव में 24/27, षट्तिला एकादशी व्रत (स.)
	6	12	र.	14 53	मूल	7 47	ह.	7 35	धनु		7 15	17 59	7 11	18 00	7 13	18 08	6 42	17 42	6	प्रदोष व्रत
					पू. षा.	29 04	व.	27 32												
	7	13	चं.	11 20	उ. षा.	26 09	सि.	23 18	मकर	10 21	7 14	18 00	7 10	18 01	7 13	18 09	6 42	17 43	7	भ. 11/20 से 21/30 तक
	8	14	मं.	7 38	श्रव.	23 12	व्य.	19 02	मकर		7 14	18 00	7 09	18 02	7 12	18 10	6 41	17 44	8	प्लूटो मूल 1 धनु में 18/2, **भौमवती अमावस, मौनी अमावस** – , (A) अमावस्या तिथिक्षय
		/30		27 59																
माघ शुक्ल	9	1	बु.	24 32	धनि.	20 27	व.	14 54	कुम्भ	9 47	7 13	18 01	7 08	18 03	7 11	18 10	6 41	17 44	9	**माघ शुक्ल पक्ष प्रारम्भ**, पंचक प्रारम्भ 9/47, बुध धनि. में 19/38, (B)
	10	2	गु.	21 30	शत.	18 04	प.	11 01	कुम्भ		7 12	18 02	7 08	18 03	7 11	18 11	6 40	17 45	10	चन्द्र दर्शन, मु. 15
	11	3	शु.	19 03	पू. भा.	16 14	शि.	7 32	मीन	10 38	7 11	18 03	7 07	18 04	7 10	18 12	6 39	17 46	11	भ. 30/5 बाद, **गौरी तृतीया (गोंतरी)**, तिल–वरद–कुन्द चतुर्थी
							सि.	28 35												
	12	4	श.	17 19	उ. भा.	15 05	सा.	26 15	मीन		7 10	18 04	7 06	18 05	7 09	18 12	6 39	17 46	12	भ. 17/19 तक, सं. सूर्य कुम्भ में 18/43, मु. 30, पुण्यकाल , (C)
	13	5	र.	16 24	रेव.	14 45	शु.	24 35	मेष	14 45	7 09	18 05	7 05	18 06	7 09	18 13	6 38	17 47	13	पंचक समाप्त 14/45, बुध कुम्भ में 14/36, **वसन्त पंचमी**, श्रीपंचमी
	14	6	चं.	16 21	अश्वि.	15 15	शु.	23 35	मेष		7 08	18 05	7 04	18 06	7 08	18 14	6 37	17 48	14	
	15	7	मं.	17 07	भर.	16 32	ब्र.	23 12	वृष	22 59	7 08	18 06	7 04	18 07	7 07	18 15	6 36	17 48	15	भ. 17/7 से 29/47 तक, रथ सप्तमी (पूर्व अरुणोदय वाली), (D)
	16	8	बु.	18 36	कृति.	18 32	ऐ.	23 20	वृष		7 07	18 07	7 03	18 08	7 06	18 15	6 36	17 49	16	मंगल पू. षा. में 30/1, बुध शत. में 31/3, शुक्र धनि. में 16/4, (E)
	17	9	गु.	20 39	रोहि.	21 03	वै.	23 52	वृष		7 06	18 08	7 02	18 09	7 05	18 16	6 35	17 49	17	
	18	10	शु.	23 04	मृग.	23 55	वि.	24 39	मिथुन	10 28	7 05	18 09	7 01	18 09	7 05	18 17	6 34	17 50	18	सूर्य सायन मीन में 19/3, वसन्त ऋतु प्रारम्भ
	19	11	श.	25 37	आर्द्रा	26 55	प्री.	25 32	मिथुन		7 04	18 09	7 00	18 10	7 04	18 17	6 33	17 51	19	भ. 12/20 से 25/37 तक, सूर्य शत. में 9/11, जया एकादशी व्रत (स.)
	20	12	र.	28 09	पुन.	29 54	आ.	26 24	कर्क	23 10	7 03	18 10	6 59	18 11	7 03	18 18	6 33	17 51	20	भीष्म द्वादशी
	21	13	चं.	30 31	पुष्य	-- --	सौ.	27 09	कर्क		7 02	18 11	6 58	18 12	7 02	18 19	6 32	17 52	21	शुक्र कुम्भ में 24/1, **सोम प्रदोष व्रत** — शुक्र पूर्व में अस्त 12 फर.
	22	14	मं.	-- --	पुष्य	8 42	शो.	27 43	कर्क		7 01	18 12	6 57	18 12	7 01	18 19	6 31	17 52	22	
	23	14	बु.	8 37	आश्ले.	11 15	अ.	28 03	सिंह	11 15	7 00	18 12	6 56	18 13	7 00	18 20	6 30	17 53	23	भ. 8/37 से 21/33 तक, श्रीसत्यनारायण व्रत
	24	15	गु.	10 24	मघा	13 30	सु.	28 08	सिंह		6 59	18 13	6 55	18 14	6 59	18 20	6 29	17 54	24	बुध पू. भा. में 10/39, **माघी पूर्णिमा, माघ स्नान समाप्त**, जन्म दिन , (F)
फाल्गुन कृष्ण	25	1	शु.	11 51	पू. फा.	15 25	धृ.	27 56	कन्या	21 50	6 58	18 14	6 54	18 14	6 58	18 21	6 28	17 54	25	फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
	26	2	श.	12 55	उ. फा.	16 59	शू.	27 28	कन्या		6 56	18 15	6 53	18 15	6 57	18 22	6 27	17 55	26	भ. 25/18 बाद
	27	3	र.	13 36	हस्त	18 10	गं.	26 40	तुला	30 37	6 55	18 15	6 52	18 16	6 56	18 22	6 27	17 55	27	भ. 13/36 तक, शुक्र शत. में 8/2, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
	28	4	चं.	13 52	चित्रा	18 57	वृ.	25 33	तुला		6 54	18 16	6 51	18 16	6 55	18 23	6 26	17 56	28	

(A) महोदय योग 7/38 से 19/02 तक, (B) शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ 13/14, (C) 12/19 के बाद, **शुक्र पूर्व में अस्त 13/14**, (D) आरोग्य सप्तमी, (E) भीष्माष्टमी, (F) श्री गुरु रविदास जी

तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.)

मास पक्ष	मार्च	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	समाप्ति काल मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	समाप्ति काल मि.	योग	समाप्ति काल घं.	समाप्ति काल मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	प्रवेशकाल मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	चण्डीगढ़ सूर्योदय मि.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त घं.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	दिल्ली सूर्योदय मि.	दिल्ली सूर्यास्त घं.	दिल्ली सूर्यास्त मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	जयपुर सूर्योदय मि.	जयपुर सूर्यास्त घं.	जयपुर सूर्यास्त मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	वाराणसी सूर्योदय मि.	वाराणसी सूर्यास्त घं.	वाराणसी सूर्यास्त मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
फाल्गुन कृष्ण	1	5	म.	13	42	स्वा.	19	17	ध्रु.	24	05	तुला			6	53	18	17	6	50	18	17	6	54	18	23	6	25	17	56	1	बुध मीन में 19/43, बुध पश्चिम में उदित 24/37, मार्च प्रारम्भ
	2	6	बु.	13	02	विशा	19	09	व्या.	22	13	वृश्चिक	13	14	6	52	18	18	6	49	18	18	6	53	18	24	6	24	17	57	2	भ. 13/2 से 24/31 तक
	3	7	गु.	11	53	अनु.	18	32	ह.	19	57	वृश्चिक			6	51	18	18	6	48	18	18	6	52	18	25	6	23	17	57	3	बुध उ. भा. में 16/37
	4	8	शु.	10	14	ज्ये.	17	26	व.	17	18	धनु	17	26	6	50	18	19	6	47	18	19	6	51	18	25	6	22	17	58	4	सूर्य पू. भा. में 15/35
	5	9	श.	8	06	मूल	15	52	सि.	14	17	धनु			6	49	18	20	6	46	18	19	6	50	18	26	6	21	17	58	5	भ. 18/53 से 29/34 तक
		/10		29	34																											दशमी तिथिक्षय
	6	11	र.	26	43	पू. षा.	13	56	व्य.	10	58	मकर	19	24	6	47	18	20	6	45	18	20	6	49	18	26	6	20	17	59	6	व. गुरु हस्त 4 में 17/14, यूरेनस शत. 3 में 8/31, विजया एकादशी व्रत (स्मा.)
	7	12	चं.	23	39	उ. षा.	11	44	व.	7	23	मकर			6	46	18	21	6	44	18	21	6	48	18	27	6	19	17	59	7	मगल उ. षा. में 22/0, व. शनि पुन. 2 में 15/22, विजया एकादशी व्रत (वै.)
									प.	27	41																					
	8	13	मं.	20	32	श्रव.	9	22	शि.	23	56	कुम्भ	20	11	6	45	18	22	6	43	18	21	6	47	18	27	6	18	18	00	8	भ. 20/32 बाद, पंचक प्रारम्भ 20/11, **भौम प्रदोष व्रत, श्रीमहाशिवरात्रि व्रत**
	9	14	बु.	17	29	धनि.	7	01	सि.	20	17	कुम्भ			6	44	18	22	6	42	18	22	6	46	18	28	6	17	18	00	9	भ. 6/59 तक, शुक्र पू. भा. में 24/20
						शत.	28	49																								
	10	30	गु.	14	41	पू. भा.	26	58	सा.	16	51	मीन	21	23	6	43	18	23	6	40	18	23	6	45	18	29	6	16	18	01	10	
फाल्गुन शुक्ल	11	1	शु.	12	17	उ. भा.	25	34	शु.	13	45	मीन			6	41	18	24	6	39	18	23	6	44	18	29	6	15	18	01	11	**फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रारम्भ**, चन्द्र दर्शन, मु. 45
	12	2	श.	10	25	रेव.	24	47	शु.	11	06	मेष	24	47	6	40	18	25	6	38	18	24	6	43	18	30	6	14	18	02	12	पंचक समाप्त 24/47, मंगल मकर में 13/18, बुध रेव. में 26/6
	13	3	र.	9	12	अश्वि.	24	43	ब्र.	8	58	मेष			6	39	18	25	6	37	18	24	6	42	18	30	6	13	18	02	13	भ. 20/52 बाद
	14	4	चं.	8	44	भर.	25	23	ऐ.	7	26	मेष			6	38	18	26	6	36	18	25	6	41	18	31	6	12	18	03	14	भ. 8/44 तक, सं. सूर्य मीन में 15/38, मु. 15, पुण्यकाल 9/14 के बाद
									वै.	30	31																					
	15	5	मं.	9	03	कृति.	26	48	वि.	30	10	वृष	7	41	6	37	18	26	6	35	18	25	6	40	18	31	6	11	18	03	15	
	16	6	बु.	10	06	रोहि.	28	52	प्री.	30	19	वृष			6	35	18	27	6	34	18	26	6	39	18	32	6	10	18	04	16	
	17	7	गु.	11	47	मृग.	--	--	आ.	--	--	मिथुन	18	06	6	34	18	28	6	32	18	27	6	38	18	32	6	09	18	04	17	भ. 11/47 से 24/50 तक, सूर्य उ. भा. में 23/57, शुक्र मीन में 24/52
	18	8	शु.	13	57	मृग	7	26	आ.	6	51	मिथुन			6	33	18	28	6	31	18	27	6	36	18	33	6	08	18	04	18	होलाष्टक प्रारम्भ
	19	9	श.	16	23	आर्द्रा	10	18	सौ.	7	39	मिथुन			6	32	18	29	6	30	18	28	6	35	18	33	6	07	18	05	19	बुध वक्री 29/45
	20	10	र.	18	52	पुन.	13	16	शो.	8	32	कर्क	6	32	6	30	18	30	6	29	18	28	6	34	18	34	6	06	18	05	20	सूर्य सायन मेष में 18/4, उत्तर गोल प्रारम्भ, शुक्र उ. भा. में 17/7, **महा**, (A)
	21	11	चं.	21	11	पुष्य	16	07	अ.	9	21	कर्क			6	29	18	30	6	28	18	29	6	33	18	34	6	05	18	06	21	भ. 8/3 से 21/11 तक, व. बुध पश्चिम में अस्त 17/9, आमला एकादशी, (B)
	22	12	मं.	23	11	आश्ले.	18	42	सु.	9	59	सिंह	18	42	6	28	18	31	6	27	18	29	6	32	18	35	6	04	18	06	22	शनि मार्गी 8/46, **गोविन्द द्वादशी**
	23	13	बु.	24	46	मघा	20	54	धृ.	10	21	सिंह			6	27	18	32	6	25	18	30	6	31	18	35	6	03	18	07	23	**प्रदोष व्रत**
	24	14	गु.	25	52	पू. फा.	22	38	शू.	10	22	कन्या	29	00	6	25	18	32	6	24	18	31	6	30	18	36	6	02	18	07	24	भ. 25/52 बाद, राहु रेव. 4 मीन में 28/44, केतु चित्रा 2 कन्या में 28/44
	25	15	शु.	26	29	उ. फा.	23	54	ग.	10	00	कन्या			6	24	18	33	6	23	18	31	6	29	18	36	6	01	18	08	25	भ. 14/14 तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, **होलिका दहन, होलाष्टक समाप्त**
चैत्र कृष्ण	26	1	श.	26	37	हस्त	24	42	वृ.	9	16	कन्या			6	23	18	34	6	22	18	32	6	28	18	37	6	00	18	08	26	**चैत्र कृष्ण पक्ष प्रारम्भ**, मगल श्रव. में 10/1, **वसन्त उत्सव, होला मेला श्री**, (C)
	27	2	र.	26	18	चित्रा	25	04	ध्रु.	8	11	तुला	12	56	6	22	18	34	6	21	18	32	6	27	18	37	5	59	18	08	27	व. बुध उ. भा. ४ में 24/47, प्लूटो वक्री 8/1
	28	3	चं.	25	35	स्वा.	25	02	व्या.	6	44	तुला			6	20	18	35	6	20	18	33	6	25	18	38	5	58	18	09	28	भ. 14/0 से 25/35 तक
									ह.	28	59																					
	29	4	मं.	24	30	विशा.	24	39	व.	26	57	वृश्चिक	18	46	6	19	18	35	6	18	18	33	6	24	18	38	5	57	18	09	29	**श्री गणेश चतुर्थी व्रत**
	30	5	बु.	23	05	अनु.	23	56	सि.	24	39	वृश्चिक			6	18	18	36	6	17	18	34	6	23	18	39	5	56	18	10	30	
	31	6	गु.	21	22	ज्ये.	22	55	व्य.	22	08	धनु	22	55	6	17	18	37	6	16	18	35	6	22	18	39	5	55	18	10	31	भ. 21/22 बाद, सूर्य रेव. में 10/53, शुक्र रेव. में 10/30, **मेला श्री**, (D)

(A) विषुव दिन, (B) व्रत (स.), (C) आनन्दपुर साहिब, (D) शीतला माता कुराली (प.)

मास पक्ष	अंग्रे.	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.
चैत्र कृष्ण	1	7	शु.	19	25	मूल	21	40	व.	19	24	धनु		
	2	8	श.	17	14	पू.षा.	20	13	प.	16	30	मकर	25	50
	3	9	र.	14	55	उ.षा.	18	37	शि.	13	29	मकर		
	4	10	च.	12	30	श्रव.	16	56	सि.	10	22	कुम्भ	28	06
	5	11	मं.	10	04	धनि.	15	16	सा.	7	15	कुम्भ		
									शु.	28	11			
	6	12	बु.	7	42	शत.	13	41	शु.	25	14	कुम्भ		
		/13		29	30									
	7	14	गु.	27	35	पू.भा.	12	18	ब्र.	22	30	मीन	6	37
	8	30	शु.	26	03	उ.भा.	11	13	ऐ.	20	03	मीन		
चैत्र शुक्ल	9	1	श.	24	59	रेव.	10	33	वै.	17	58	मेष	10	33
	10	2	र.	24	29	अश्वि.	10	23	वि.	16	19	मेष		
	11	3	च.	24	37	भर.	10	49	प्री.	15	09	वृष	17	01
	12	4	मं.	25	24	कृति.	11	52	आ.	14	29	वृष		
	13	5	बु.	26	47	रोहि.	13	32	सौ.	14	19	मिथुन	26	34
	14	6	गु.	28	41	मृग.	15	45	शो.	14	35	मिथुन		
	15	7	शु.	--	--	आर्द्रा	18	23	अ.	15	11	मिथुन		
	16	7	श.	6	56	पुन.	21	16	सु.	16	00	कर्क	14	32
	17	8	र.	9	20	पुष्य	24	11	धृ.	16	53	कर्क		
	18	9	च.	11	40	आश्ले.	26	54	शू.	17	40	सिंह	26	54
	19	10	मं.	13	43	मघा	29	15	गं.	18	12	सिंह		
	20	11	बु.	15	18	पू.फा.	--	--	वृ.	18	21	सिंह		
	21	12	गु.	16	19	पू.फा.	7	06	ध्रु.	18	04	कन्या	13	28
	22	13	शु.	16	42	उ.फा.	8	20	व्या.	17	18	कन्या		
	23	14	श.	16	27	हस्त	8	57	ह.	16	02	तुला	21	03
	24	15	र.	15	37	चित्रा	8	59	व.	14	18	तुला		
वैशाख कृष्ण	25	1	च.	14	17	स्वा.	8	30	सि.	12	10	वृश्चिक	25	51
	26	2	मं.	12	31	विशा.	7	35	व्य.	9	41	वृश्चिक		
	27	3	बु.	10	28	अनु.	6	19	व.	6	57	धनु	28	51
						ज्ये.	28	51	प.	28	02			
	28	4	गु.	8	11	मूल	27	14	शि.	25	00	धनु		
	29	5	शु.	5	48	पू.षा.	25	36	सि.	21	57	धनु		
		/6		27	24									
	30	7	श.	25	03	उ.षा.	24	01	सा.	18	55	मकर	7	12

चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
6	16	18	37	6	15	18	35	6	21	18	40	5	54	18	11	1	भ. 8/25 तक, अप्रैल प्रारम्भ
6	14	18	38	6	14	18	36	6	20	18	40	5	53	18	11	2	
6	13	18	39	6	13	18	36	6	19	18	41	5	52	18	11	3	भ. 25/43 बाद, व. गुरु हस्त 3 में 28/55
6	12	18	39	6	12	18	37	6	18	18	41	5	51	18	12	4	भ. 12/30 तक, पंचक प्रारम्भ 28/6
6	11	18	40	6	11	18	37	6	17	18	42	5	50	18	12	5	शनि पुन. 3 में 27/15, पापमोचिनी एकादशी व्रत (स.)
6	10	18	41	6	09	18	38	6	16	18	42	5	49	18	13	6	भ. 29/30 बाद, व. बुध पूर्व में उदित 9/12, वारुणी पर्व (7/42 से 13/41 तक), प्रदोष व्रत त्रयोदशी तिथिक्षय
6	08	18	41	6	08	18	38	6	15	18	43	5	48	18	13	7	भ. 16/30 तक, मेला पिहोवा तीर्थ (हरि.)
6	07	18	42	6	07	18	39	6	14	18	43	5	47	18	14	8	अमावस, चान्द्र संवत्सर 2061 वि. पूर्ण
6	06	18	42	6	06	18	40	6	13	18	44	5	46	18	14	9	चैत्र शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, पंचक समाप्त 10/33, वासन्त नवरात्र प्रारम्भ, (A)
6	05	18	43	6	05	18	40	6	12	18	44	5	45	18	15	10	चन्द्र दर्शन, मु. 15, शुक्र अश्वि. मेष में 28/27
6	04	18	44	6	04	18	41	6	11	18	45	5	44	18	15	11	गौरी तृतीया (गणगौर), श्रीमत्स्य जयन्ती, आन्दोलन तृतीया
6	03	18	44	6	03	18	41	6	10	18	45	5	43	18	15	12	भ. 12/56 से 25/24 तक, बुध मार्गी 13/17
6	02	18	45	6	02	18	42	6	09	18	46	5	42	18	16	13	सं. सूर्य अश्वि. मेष में 24/10, मु. 30, पुण्यकाल अगले दिन मध्याह्न तक, (B)
6	00	18	46	6	01	18	42	6	08	18	46	5	41	18	16	14	नेपच्यून धनि. 1 में 12/45, स्कन्द षष्ठी
5	59	18	46	6	00	18	43	6	07	18	47	5	40	18	17	15	
5	58	18	47	5	59	18	44	6	06	18	47	5	39	18	17	16	भ. 6/56 से 20/8 तक
5	57	18	48	5	58	18	44	6	05	18	48	5	38	18	18	17	श्रीदुर्गाष्टमी (देखें पृ. ६५), अशोकाष्टमी
5	56	18	48	5	57	18	45	6	04	18	48	5	37	18	18	18	श्रीरामनवमी (देखें पृष्ठ ६५), नवरात्र समाप्त
5	55	18	49	5	56	18	45	6	03	18	49	5	36	18	19	19	भ. 26/35 बाद, सूर्य सायन वृष में 29/8, ग्रीष्म ऋतु प्रारम्भ
5	54	18	50	5	55	18	46	6	02	18	49	5	35	18	19	20	भ. 15/18 तक, कामदा एकादशी व्रत (स.)
5	53	18	50	5	54	18	46	6	01	18	50	5	34	18	20	21	शुक्र भर. में 23/6, प्रदोष व्रत
5	52	18	51	5	53	18	47	6	00	18	50	5	33	18	20	22	मंगल कुम्भ में 23/42, अनङ्ग त्रयोदशी, श्रीमहावीर जयन्ती (जैन)
5	51	18	51	5	52	18	48	5	59	18	51	5	33	18	21	23	भ. 16/27 से 28/6 तक, श्रीसत्यनारायण व्रत
5	50	18	52	5	51	18	48	5	58	18	52	5	32	18	21	24	चैत्री पूर्णिमा, वैशाख स्नान प्रारम्भ
5	49	18	53	5	50	18	49	5	57	18	52	5	31	18	21	25	वैशाख कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, शुक्र पश्चिम में उदित 09/55
5	48	18	53	5	49	18	49	5	57	18	53	5	30	18	22	26	भ. 23/31 बाद
5	47	18	54	5	48	18	50	5	56	18	53	5	29	18	22	27	भ. 10/28 तक, सूर्य भर. में 16/4, बुध रेव. में 24/19, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
5	46	18	55	5	47	18	51	5	55	18	54	5	28	18	23	28	शुक्र बाल्य समाप्त 09/55
5	45	18	55	5	46	18	51	5	54	18	54	5	28	18	23	29	भ. 27/24 बाद षष्ठी तिथिक्षय
5	44	18	56	5	46	18	52	5	53	18	55	5	27	18	24	30	भ. 14/13 तक

शुक्र उदित 25 अप्रै.

(A) कलश स्थापन, चान्द्र संवत्सर 2062 प्रारम्भ, वर्षफल श्रवण, तैलाभ्यङ्ग, प्रपादान, (B) मंगल धनि. मे 19/18, नाग पंचमी, श्री (लक्ष्मी) पंचमी

श्री वि. सं. 2062 तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.) मई, सन् 2005 ई.

मास पक्ष	ता.	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	दिल्ली सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	जयपुर सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	वाराणसी सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह — राशि — नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
वैशाख कृष्ण	1	8	र.	22	49	श्रव.	22	33	शु	15	58	मकर			5	43	18	57	5	45	18	52	5	52	18	55	5	26	18	24	1	मंगल शत. में 28/11, मई प्रारम्भ
	2	9	च.	20	45	धनि.	21	14	शु.	13	09	कुम्भ	9	52	5	42	18	57	5	44	18	53	5	52	18	56	5	25	18	25	2	पंचक प्रारम्भ 9/52, गुरु हस्त 2 में 17/26, शुक्र कृत्ति. में 18/28
	3	10	मं.	18	54	शत.	20	09	ब्र.	10	30	कुम्भ			5	41	18	58	5	43	18	54	5	51	18	56	5	25	18	25	3	भ. 7/48 से 18/54 तक
	4	11	बु.	17	18	पू. भा.	19	19	ऐं.	8	02	मीन	13	30	5	41	18	59	5	42	18	54	5	50	18	57	5	24	18	26	4	वरूथिनी एकादशी व्रत (स.), श्रीवल्लभाचार्य जयन्ती
	5	12	गु.	15	59	उ. भा.	18	46	वै.	5	48	मीन			5	40	18	59	5	42	18	55	5	49	18	58	5	23	18	26	5	शुक्र वृष में 11/24, प्रदोष व्रत
									वि.	27	49																					
	6	13	शु.	15	01	रेव.	18	34	प्री.	26	08	मेष	18	34	5	39	19	00	5	41	18	55	5	49	18	58	5	23	18	27	6	भ. 15/1 से 26/40 तक, पंचक समाप्त 18/34
	7	14	श.	14	26	अश्वि.	18	45	आ.	24	46	मेष			5	38	19	01	5	40	18	56	5	48	18	59	5	22	18	27	7	
	8	30	र.	14	16	भर.	19	21	सौ.	23	45	वृष	25	35	5	37	19	01	5	39	18	57	5	47	18	59	5	21	18	28	8	बुध अश्वि. मेष में 15/19, अमावस
वैशाख शुक्ल	9	1	च.	14	34	कृत्ति.	20	26	शो.	23	07	वृष			5	37	19	02	5	39	18	57	5	47	19	00	5	21	18	28	9	वैशाख शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, चन्द्र दर्शन, मु. 30
	10	2	मं.	15	22	रोहि.	21	59	अ.	22	52	वृष			5	36	19	03	5	38	18	58	5	46	19	00	5	20	18	29	10	श्रीपरशुराम जयन्ती, श्रीशिवाजी जयन्ती
	11	3	बु.	16	40	मृग	24	01	सु.	23	00	मिथुन	10	57	5	35	19	03	5	37	18	58	5	46	19	01	5	20	18	30	11	भ. 29/30 बाद, सूर्य कृत्ति. में 10/12, अक्षय तृतीया
	12	4	गु.	18	26	आर्द्रा	26	29	धृ.	23	29	मिथुन			5	34	19	04	5	37	18	59	5	45	19	01	5	19	18	30	12	भ. 18/26 तक
	13	5	शु.	20	34	पुन.	29	16	शू.	24	14	कर्क	22	33	5	34	19	05	5	36	19	00	5	44	19	02	5	18	18	31	13	शुक्र रोहि. में 14/27, आद्य जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जयन्ती
	14	6	श.	22	56	पुष्य	--	--	गं.	25	08	कर्क			5	33	19	05	5	35	19	00	5	44	19	03	5	18	18	31	14	सं. सूर्य वृष में 21/3, मु. 30, पुण्यकाल मध्याह्न के बाद, व. प्लूटो ज्ये. 4, (A)
	15	7	र.	25	19	पुष्य	8	13	वृ.	26	03	कर्क			5	32	19	06	5	35	19	01	5	43	19	03	5	17	18	32	15	भ. 25/19 बाद, श्रीगंगा जन्म
	16	8	च.	27	31	आश्ले.	11	07	ध्रु.	26	49	सिंह	11	07	5	32	19	07	5	34	19	01	5	43	19	04	5	17	18	32	16	भ. 14/27 तक, बुध भर. में 23/6
	17	9	मं.	29	18	मघा	13	45	व्या.	27	17	सिंह			5	31	19	07	5	34	19	02	5	42	19	04	5	16	18	33	17	श्रीजानकी जयन्ती
	18	10	बु.	--	--	पू. फा.	15	55	ह.	27	18	कन्या	22	22	5	31	19	08	5	33	19	03	5	42	19	05	5	16	18	33	18	
	19	10	गु.	6	30	उ. फा.	17	28	व.	26	47	कन्या			5	30	19	09	5	33	19	03	5	41	19	05	5	16	18	34	19	भ. 18/51 बाद, नेपच्यून वक्री 28/42
	20	11	शु.	7	00	हस्त	18	18	सि.	25	40	कन्या			5	29	19	09	5	32	19	04	5	41	19	06	5	15	18	34	20	भ. 7/0 तक, सूर्य सायन मिथुन में 28/18, मंगल पू. भा. में 15/35, (B)
	21	12	श.	6	44	चित्रा	18	23	व्य.	23	57	तुला	6	26	5	29	19	10	5	32	19	04	5	40	19	06	5	15	18	35	21	शनि प्रदोष व्रत
	22	13	र.	5	44	स्वा.	17	46	व.	21	41	तुला			5	28	19	11	5	31	19	05	5	40	19	07	5	14	18	35	22	भ. 28/3 बाद, श्रीनृसिंह जयन्ती
		/14		28	03																											चतुर्दशी तिथिक्षय
	23	15	चं.	25	49	विशा.	16	32	प.	18	56	वृश्चिक	10	54	5	28	19	11	5	31	19	06	5	40	19	08	5	14	18	36	23	भ. 15/0 तक, बुध कृत्ति. में 26/29, बुध पूर्व में अस्त 7/51, श्रीकूर्म जयन्ती, (C)
ज्येष्ठ कृष्ण	24	1	मं.	23	09	अनु.	14	49	शि.	15	47	वृश्चिक			5	28	19	12	5	30	19	06	5	39	19	08	5	14	18	36	24	ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, शुक्र मृग. में 11/9
	25	2	बु.	20	12	ज्ये.	12	46	सि.	12	23	धनु	12	46	5	27	19	12	5	30	19	07	5	39	19	09	5	13	18	37	25	सूर्य रोहि. में 6/28, बुध वृष में 18/13, यूरेनस शत. 4 में 23/17
	26	3	गु.	17	08	मूल	10	32	सा.	8	49	धनु			5	27	19	13	5	30	19	07	5	39	19	09	5	13	18	37	26	भ. 6/41 से 17/8 तक, शनि पुन. 4 कर्क में 7/22, राहु रेव. 3 में 26/23, (D)
									शु.	29	13																					
	27	4	शु.	14	05	पू. षा.	8	16	शु.	25	42	मकर	13	43	5	26	19	14	5	29	19	08	5	38	19	10	5	13	18	38	27	
	28	5	श.	11	12	उ. षा.	6	08	ब्र.	22	23	मकर			5	26	19	14	5	29	19	08	5	38	19	10	5	13	18	38	28	
						श्रव.	28	14																								
	29	6	र.	8	34	धनि.	26	40	ऐं.	19	18	कुम्भ	15	24	5	26	19	15	5	29	19	09	5	38	19	11	5	12	18	39	29	भ. 8/34 से 19/23 तक, पंचक प्रारम्भ 15/24, शुक्र मिथुन में 21/46
	30	7	च.	6	17	शत.	25	31	वै.	16	33	कुम्भ			5	25	19	15	5	28	19	09	5	38	19	11	5	12	18	39	30	बुध रोहि. में 12/20
		/8		28	25																											अष्टमी तिथिक्षय
	31	9	मं.	27	00	पू. भा.	24	48	वि.	14	09	मीन	18	56	5	25	19	16	5	28	19	10	5	37	19	12	5	12	18	40	31	

(A) वृश्चिक में 26/28, श्रीरामानुजाचार्य जयन्ती, (B) मोहिनी एकादशी व्रत (स.), (C) श्रीबुद्ध जयन्ती, वैशाखी पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्त, श्रीसत्यनारायण व्रत, (D) केतु चित्रा 1 में 26/23, श्री गणेश चतुर्थी व्रत

मास पक्ष	तारीख	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.
ज्येष्ठ कृष्ण	1	10	बु.	26	01	उ.भा.	24	32	प्री.	12	07	मीन		
	2	11	गु.	25	29	रेव.	24	42	आ.	10	27	मेष	24	42
	3	12	शु.	25	23	अश्वि.	25	17	सौ.	9	07	मेष		
	4	13	श.	25	40	भर.	26	15	शो.	8	08	मेष		
	5	14	र.	26	21	कृत्ति.	27	37	अ.	7	27	वृष	8	34
	6	30	च.	27	26	रोहि.	29	21	सु.	7	05	वृष		
ज्येष्ठ शुक्ल	7	1	मं.	28	53	मृग.	--	--	धृ.	7	01	मिथुन	18	22
	8	2	बु.	--	--	मृग.	7	28	शू.	7	14	मिथुन		
	9	2	गु.	6	41	आर्द्रा	9	54	गं.	7	44	मिथुन		
	10	3	शु.	8	49	पुन.	12	39	वृ.	8	28	कर्क	5	56
	11	4	श.	11	10	पुष्य	15	36	ध्रु.	9	23	कर्क		
	12	5	र.	13	36	आश्ले.	18	36	व्या.	10	22	सिंह	18	36
	13	6	चं.	15	58	मघा	21	30	ह.	11	19	सिंह		
	14	7	मं.	18	01	पू.फा.	24	04	व.	12	04	सिंह		
	15	8	बु.	19	35	उ.फा.	26	06	सि.	12	29	कन्या	6	38
	16	9	गु.	20	28	हस्त	27	26	व्य.	12	23	कन्या		
	17	10	शु.	20	33	चित्रा	27	59	व.	11	42	तुला	15	49
	18	11	श.	19	48	स्वा.	27	42	प.	10	21	तुला		
	19	12	र.	18	14	विशा.	26	38	शि.	8	21	वृश्चिक	20	58
	20	13	चं.	15	57	अनु.	24	54	सि.	5	42	वृश्चिक		
									सा.	26	31			
	21	14	मं.	13	04	ज्ये.	22	37	शु.	22	54	धनु	22	37
	22	15	बु.	9	44	मूल	19	59	शु.	18	59	धनु		
आषाढ़ कृष्ण	23	1	गु.	6	10	पू.षा.	17	10	ब्र.	14	56	मकर	22	28
		2		26	30									
	24	3	शु.	22	56	उ.षा.	14	23	ऐं.	10	52	मकर		
	25	4	श.	19	38	श्रव.	11	47	वै.	6	56	कुम्भ	22	37
									वि.	27	17			
	26	5	र.	16	44	धनि.	9	32	प्री.	24	00	कुम्भ		
	27	6	चं.	14	21	शत.	7	47	आ.	21	10	मीन	24	51
	28	7	मं.	12	34	पू.भा.	6	36	सौ.	18	50	मीन		
	29	8	बु.	11	24	उ.भा.	6	03	शो.	17	00	मीन		
	30	9	गु.	10	52	रेव.	6	07	अ.	15	41	मेष	6	07

	चण्डीगढ़				दिल्ली				जयपुर				वाराणसी					
	सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त			भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	तारीख	
	5	25	19	17	5	28	19	10	5	37	19	12	5	12	18	40	1	भ. 14/27 से 26/1 तक, जून प्रारम्भ
	5	25	19	17	5	28	19	11	5	37	19	13	5	12	18	40	2	पंचक समाप्त 24/42, अपरा एकादशी व्रत (स.), (A)
	5	24	19	18	5	28	19	11	5	37	19	13	5	11	18	41	3	मंगल मीन में 16/25
	5	24	19	18	5	28	19	12	5	37	19	14	5	11	18	41	4	भ. 25/40 बाद, शुक्र आर्द्रा में 8/32, शनि प्रदोष व्रत
	5	24	19	19	5	27	19	12	5	37	19	14	5	11	18	42	5	भ. 13/58 तक, बुध मृग. में 14/24, गुरु मार्गी 13/22
	5	24	19	19	5	27	19	13	5	37	19	14	5	11	18	42	6	सोमवती अमावस, वटसावित्री व्रत (अमा पक्ष), भावुका अमावस
	5	24	19	20	5	27	19	13	5	36	19	15	5	11	18	43	7	ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, सूर्य मृग. में 28/19
	5	24	19	20	5	27	19	14	5	36	19	15	5	11	18	43	8	चन्द्र दर्शन, मु. 15, मंगल उ.भा. में 10/3, बुध मिथुन में 15/51
	5	24	19	20	5	27	19	14	5	36	19	16	5	11	18	43	9	रम्भा तृतीया (पूर्व विद्धा)
	5	24	19	21	5	27	19	15	5	36	19	16	5	11	18	44	10	भ. 21/58 बाद, श्रीप्रताप जयन्ती
	5	24	19	21	5	27	19	15	5	36	19	16	5	11	18	44	11	भ. 11/10 तक, बुध आर्द्रा में 19/28
	5	24	19	22	5	27	19	15	5	36	19	17	5	11	18	45	12	
	5	24	19	22	5	27	19	16	5	37	19	17	5	11	18	45	13	
	5	24	19	22	5	27	19	16	5	37	19	18	5	11	18	45	14	भ. 18/1 बाद, सं. सूर्य मिथुन में 27/41, मु. 45, पुण्यकाल, (B)
	5	24	19	23	5	27	19	16	5	37	19	18	5	11	18	45	15	भ. 6/53 तक, शुक्र पुन. में 6/33
	5	24	19	23	5	27	19	17	5	37	19	18	5	12	18	46	16	
	5	24	19	23	5	28	19	17	5	37	19	18	5	12	18	46	17	श्रीगंगा दशहरा
	5	24	19	24	5	28	19	17	5	37	19	19	5	12	18	46	18	भ. 8/17 से 19/48 तक, बुध पुन. में 14/50, निर्जला एकादशी, (C)
	5	24	19	24	5	28	19	18	5	37	19	19	5	12	18	47	19	चम्पक द्वादशी, प्रदोष व्रत
	5	25	19	24	5	28	19	18	5	37	19	19	5	12	18	47	20	
	5	25	19	24	5	28	19	18	5	38	19	19	5	12	18	47	21	भ. 13/4 से 23/27 तक, सूर्य आर्द्रा में 27/21, सूर्य सायन कर्क में, (D)
	5	25	19	25	5	28	19	18	5	38	19	20	5	13	18	47	22	
	5	25	19	25	5	29	19	18	5	38	19	20	5	13	18	47	23	आषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, शुक्र कर्क में 11/36 द्वितीया तिथिक्षय
	5	25	19	25	5	29	19	19	5	38	19	20	5	13	18	48	24	भ. 12/42 से 22/56 तक, बुध कर्क में 10/15, शनि पुष्य 1 में 25/41
	5	26	19	25	5	29	19	19	5	39	19	20	5	13	18	48	25	पंचक प्रारम्भ 22/37, शुक्र पुष्य में 29/23, व. नेपच्यून श्रव. 4 में, (E)
	5	26	19	25	5	30	19	19	5	39	19	20	5	14	18	48	26	बुध पुष्य में 13/22
	5	26	19	25	5	30	19	19	5	39	19	20	5	14	18	48	27	भ. 14/21 से 25/23 तक, मंगल रेव. में 19/21
	5	27	19	25	5	30	19	19	5	40	19	20	5	14	18	48	28	
	5	27	19	25	5	31	19	19	5	40	19	21	5	15	18	48	29	
	5	27	19	25	5	31	19	19	5	40	19	21	5	15	18	48	30	भ. 22/49 बाद, पंचक समाप्त 6/7

(A) भद्रकाली एकादशी (प.) ., (B) अगले दिन मध्याह्न तक, बुध पश्चिम में उदित 17/47, यूरेनस वक्री 27/31, (C) व्रत (स.), त्रिस्पृशा महाद्वादशी, (D) 12/17, दक्षिणायन प्रारम्भ, वर्षा ऋतु प्रारम्भ, वट सावित्री व्रत (पूर्णिमा पक्ष) (देखें पृष्ठ ९५), श्रीसत्यनारायण व्रत, (E) 20/58, श्री गणेश चतुर्थी व्रत

तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.)

मास पक्ष	जुलाई	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.
आषाढ़ कृष्ण	1	10	शु.	10	54	अश्वि	6	45	सु.	14	49	मेष		
	2	11	श.	11	28	भर.	7	55	धृ.	14	20	वृष	14	17
	3	12	र.	12	28	कृत्ति.	9	32	शू.	14	13	वृष		
	4	13	च.	13	52	रोहि.	11	31	ग.	14	22	मिथुन	24	38
	5	14	मं.	15	34	मृग.	13	49	वृ.	14	47	मिथुन		
	6	30	बु.	17	33	आर्द्रा	16	23	ध्रु.	15	24	मिथुन		
आषाढ़ शुक्ल	7	1	गु.	19	46	पुन.	19	11	व्या.	16	12	कर्क	12	28
	8	2	शु.	22	08	पुष्य	22	08	ह.	17	07	कर्क		
	9	3	श.	24	36	आश्ले.	25	10	व.	18	08	सिंह	25	10
	10	4	र.	27	02	मघा	28	10	सि.	19	09	सिंह		
	11	5	च.	29	16	पू. फा.	--	--	व्य.	20	03	सिंह		
	12	6	मं.	--	--	पू. फा.	6	58	व.	20	43	कन्या	13	37
	13	6	बु.	7	08	उ. फा.	9	25	प.	21	01	कन्या		
	14	7	गु.	8	27	हस्त	11	18	शि.	20	49	तुला	23	59
	15	8	शु.	9	03	चित्रा	12	28	सि.	20	00	तुला		
	16	9	श.	8	50	स्वा.	12	50	सा.	18	31	तुला		
	17	10	र.	7	45	विशा.	12	22	शु.	16	22	वृश्चिक	6	34
	18	11	च.	5	52	अनु.	11	06	शु.	13	33	वृश्चिक		
		/12		27	15									
	19	13	मं.	24	02	ज्ये.	9	07	ब्र.	10	10	धनु	9	07
	20	14	बु.	20	24	मूल	6	35	ऐ.	6	20	धनु		
						पू. षा.	27	41	वै.	26	12			
	21	15	गु.	16	31	उ. षा.	24	35	वि.	21	53	मकर	8	55
श्रावण कृष्ण	22	1	शु.	12	34	श्रव.	21	31	प्री.	17	34	मकर		
	23	2	श.	8	45	धनि.	18	40	आ.	13	24	कुम्भ	8	03
		/3		29	15									
	24	4	र.	26	13	शत.	16	12	सौ.	9	31	कुम्भ		
	25	5	च.	23	47	पू. भा.	14	17	शो.	6	04	मीन	8	42
									अ.	27	07			
	26	6	मं.	22	02	उ. भा.	13	01	सु.	24	45	मीन		
	27	7	बु.	21	03	रेव.	12	30	धृ.	23	00	मेष	12	30
	28	8	गु.	20	47	अश्वि.	12	42	शू.	21	49	मेष		
	29	9	शु.	21	13	भर.	13	37	गं.	21	12	वृष	19	56
	30	10	श.	22	15	कृत्ति.	15	08	वृ.	21	02	वृष		
	31	11	र.	23	47	रोहि.	17	10	ध्रु.	21	15	वृष		

चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
5	28	19	25	5	31	19	19	5	41	19	21	5	15	18	48	1	भ. 10/54 तक, जुलाई प्रारम्भ
5	28	19	25	5	32	19	19	5	41	19	21	5	16	18	48	2	योगिनी एकादशी व्रत (स.)
5	29	19	25	5	32	19	19	5	41	19	21	5	16	18	48	3	प्रदोष व्रत
5	29	19	25	5	32	19	19	5	42	19	21	5	16	18	48	4	भ. 13/52 से 26/41 तक
5	29	19	25	5	33	19	19	5	42	19	21	5	17	18	48	5	सूर्य पुन. में 26/56, शनि अस्त 18/29, **व. यूरेनस शत. 3 में 14/42**
5	30	19	25	5	33	19	19	5	42	19	20	5	17	18	48	6	बुध आश्ले. में 17/36, शुक्र आश्ले. में 29/3
5	30	19	25	5	34	19	19	5	43	19	20	5	18	18	48	7	आषाढ़ शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, चन्द्र दर्शन, मु. 30
5	31	19	25	5	34	19	19	5	43	19	20	5	18	18	48	8	रथयात्रा (पुरी)
5	31	19	24	5	35	19	18	5	44	19	20	5	18	18	48	9	**गुरु हस्त 3 में 14/22**
5	32	19	24	5	35	19	18	5	44	19	20	5	19	18	48	10	भ. 13/50 से 27/2 तक
5	32	19	24	5	36	19	18	5	45	19	20	5	19	18	48	11	
5	33	19	24	5	36	19	18	5	45	19	20	5	20	18	47	12	कुमारषष्ठी
5	33	19	23	5	37	19	18	5	46	19	19	5	20	18	47	13	
5	34	19	23	5	37	19	17	5	46	19	19	5	21	18	47	14	भ. 8/27 से 20/50 तक, विवस्वत् सप्तमी
5	34	19	23	5	38	19	17	5	46	19	19	5	21	18	47	15	
5	35	19	22	5	38	19	17	5	47	19	18	5	22	18	46	16	**सं. सूर्य कर्क में 14/34**, मु. 45, पुण्यकाल सारा दिन
5	36	19	22	5	39	19	16	5	47	19	18	5	22	18	46	17	भ. 18/55 बाद, हरिशयनी एकादशी व्रत (स्मा.)
5	36	19	22	5	39	19	16	5	48	19	18	5	22	18	46	18	भ. 5/52 तक, **मंगल अश्वि. मेष में 9/12, शुक्र मघा सिंह में 5/42**, (A) द्वादशी तिथिक्षय
5	37	19	21	5	40	19	15	5	48	19	17	5	23	18	46	19	सूर्य पुष्य मे 26/27, **भौम प्रदोष व्रत**
5	37	19	21	5	40	19	15	5	49	19	17	5	23	18	45	20	भ. 20/24 बाद, श्रीसत्यनारायण व्रत
5	38	19	20	5	41	19	15	5	49	19	17	5	24	18	45	21	भ. 6/29 तक, **शनि पुष्य 2 में 9/35, गुरु पूर्णिमा, व्यास पूजा**, (B)
5	38	19	20	5	41	19	14	5	50	19	16	5	24	18	44	22	श्रावण कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, सूर्य सायन सिंह में 23/12
5	39	19	19	5	42	19	14	5	50	19	16	5	25	18	44	23	भ. 18/57 से 29/15 तक, पंचक प्रारम्भ 8/3, **बुध वक्री 8/31**, अशून्य शयन व्रत तृतीया तिथिक्षय
5	40	19	19	5	42	19	13	5	51	19	15	5	25	18	44	24	श्री गणेश चतुर्थी व्रत
5	40	19	18	5	43	19	13	5	51	19	15	5	26	18	43	25	
5	41	19	17	5	43	19	12	5	52	19	14	5	26	18	43	26	भ. 22/2 बाद
5	41	19	17	5	44	19	11	5	52	19	14	5	27	18	42	27	भ. 9/27 तक, पंचक समाप्त 12/30
5	42	19	16	5	44	19	11	5	53	19	13	5	27	18	42	28	**राहु रेव. 2 में 24/4, केतु हस्त 4 में 24/3**
5	43	19	15	5	45	19	10	5	53	19	13	5	28	18	41	29	व. बुध पश्चिम में अस्त 6/37, शुक्र पू. फा. में 7/39
5	43	19	15	5	46	19	10	5	54	19	12	5	28	18	40	30	भ. 9/40 से 22/15 तक
5	44	19	14	5	46	19	09	5	54	19	11	5	29	18	40	31	कामिका एकादशी व्रत (स.)

(A) हरिशयनी एकादशी व्रत (वै.), (B) शिवशयनोत्सव, आषाढ़ी पूर्णिमा, चातुर्मास्य व्रतनियमादि प्रा., कोकिला व्रत

तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.)

मास पक्ष	अगस्त	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
श्रावण कृष्ण	1	12	च.	25	40	मृग.	19	35	व्या.	21	46	मिथुन	6	20	5	44	19	13	5	47	19	08	5	55	19	11	5	29	18	39	1	अगस्त प्रारम्भ
	2	13	म.	27	50	आर्द्रा	22	16	ह.	22	30	मिथुन			5	45	19	13	5	47	19	08	5	55	19	10	5	30	18	39	2	भ. 27/50 बाद, सूर्य आश्ले. में 25/22, भौम प्रदोष व्रत
	3	14	बु.	--	--	पुन.	25	09	व.	23	22	कर्क	18	25	5	46	19	12	5	48	19	07	5	56	19	09	5	30	18	38	3	भ. 16/59 तक
	4	14	गु.	6	10	पुष्य	28	07	सि.	24	20	कर्क			5	46	19	11	5	48	19	06	5	56	19	09	5	31	18	37	4	
	5	30	शु.	8	35	आश्ले.	--	--	व्य.	25	19	कर्क			5	47	19	10	5	49	19	05	5	57	19	08	5	31	18	37	5	गुरु हस्त 4 में 11/34, हरियाली अमावस
श्रावण शुक्ल	6	1	श.	11	02	आश्ले.	7	08	व.	26	17	सिंह	7	08	5	48	19	09	5	49	19	05	5	57	19	07	5	32	18	36	6	श्रावण शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, चन्द्र दर्शन, मु. 30
	7	2	र.	13	24	मघा	10	05	प.	27	09	सिंह			5	48	19	08	5	50	19	04	5	58	19	06	5	32	18	35	7	
	8	3	च.	15	37	पू. फा.	12	54	शि.	27	51	कन्या	19	34	5	49	19	08	5	51	19	03	5	58	19	06	5	32	18	35	8	भ. 28/38 बाद, मधुश्रवा तृतीया, संधारा तीज
	9	4	म.	17	33	उ. फा.	15	27	सि.	28	17	कन्या			5	49	19	07	5	51	19	02	5	59	19	05	5	33	18	34	9	भ. 17/33 तक, शुक्र उ. फा. में 11/1
	10	5	बु.	19	04	हस्त	17	36	सा.	28	20	कन्या			5	50	19	06	5	52	19	01	5	59	19	04	5	33	18	33	10	मंगल भर. में 12/50, व. बुध पुष्य ४ में 12/51, शनि उदित 24/55, नाग. (A)
	11	6	गु.	20	01	चित्रा	19	14	शु.	27	56	तुला	6	30	5	51	19	05	5	52	19	00	6	00	19	03	5	34	18	32	11	गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती
	12	7	शु.	20	18	स्वा.	20	12	शु.	26	58	तुला			5	51	19	04	5	53	18	59	6	00	19	02	5	34	18	32	12	भ. 20/18 बाद, शुक्र कन्या में 6/8
	13	8	श.	19	49	विशा.	20	26	ब्र.	25	24	वृश्चिक	14	27	5	52	19	03	5	53	18	59	6	01	19	02	5	35	18	31	13	भ. 8/9 तक, श्रीदुर्गाष्टमी
	14	9	र.	18	34	अनु.	19	53	ऐं.	23	12	वृश्चिक			5	52	19	02	5	54	18	58	6	01	19	01	5	35	18	30	14	व. बुध पूर्व में उदित 20/1
	15	10	च.	16	34	ज्ये.	18	37	वै.	20	24	धनु	18	37	5	53	19	01	5	54	18	57	6	02	19	00	5	36	18	29	15	भ. 27/19 बाद
	16	11	मं.	13	54	मूल	16	40	वि.	17	04	धनु			5	54	19	00	5	55	18	56	6	02	18	59	5	36	18	28	16	भ. 13/54 तक, सं. सूर्य मघा सिंह में 22/58, मु. 30, पुण्यकाल मध्याह्न, (B)
	17	12	बु.	10	41	पू. षा.	14	12	प्री.	13	17	मकर	19	32	5	54	18	59	5	55	18	55	6	03	18	58	5	36	18	27	17	प्रदोष व्रत
	18	13	गु.	7	05	उ. षा.	11	22	आ.	9	12	मकर			5	55	18	58	5	56	18	54	6	03	18	57	5	37	18	27	18	भ. 27/16 बाद
		/14		27	16				सौ.	28	57																					चतुर्दशी तिथिक्षय
	19	15	शु.	23	24	श्रव.	8	21	शो.	24	40	कुम्भ	18	50	5	55	18	57	5	56	18	53	6	04	18	56	5	37	18	26	19	भ. 13/19 तक, पंचक प्रारम्भ 18/50, श्रीसत्यनारायण व्रत, (C)
						धनि.	29	20																								
भाद्रपद कृष्ण	20	1	श.	19	40	शत.	26	30	अ.	20	31	कुम्भ			5	56	18	56	5	57	18	52	6	04	18	55	5	38	18	25	20	भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, शुक्र हस्त में 16/16
	21	2	र.	16	15	पू. भा.	24	03	सु.	16	38	मीन	18	37	5	56	18	55	5	57	18	51	6	05	18	54	5	38	18	24	21	भ. 26/43 बाद, बुध आश्ले. में 20/46
	22	3	च.	13	19	उ. भा.	22	08	धृ.	13	09	मीन			5	57	18	53	5	58	18	50	6	05	18	53	5	39	18	23	22	भ. 13/19 तक, श्री गणेश (संकष्ट) चतुर्थी व्रत, बहुला चतुर्थी
	23	4	म.	10	59	रेव.	20	53	शू.	10	11	मेष	20	53	5	58	18	52	5	58	18	49	6	06	18	52	5	39	18	22	23	पंचक समाप्त 20/53, सूर्य सायन कन्या में 6/16, शरद् ऋतु प्रारम्भ
	24	5	बु.	9	23	अश्वि.	20	22	गं.	7	47	मेष			5	58	18	51	5	59	18	48	6	06	18	51	5	39	18	21	24	
	25	6	गु.	8	34	भर.	20	39	वृ.	6	01	वृष	26	50	5	59	18	50	5	59	18	47	6	06	18	50	5	40	18	20	25	भ. 8/34 से 20/27 तक, गुरु चित्रा 1 में 12/28
									ध्रु.	28	53																					
	26	7	शु.	8	32	कृत्ति.	21	41	व्या.	28	21	वृष			5	59	18	49	6	00	18	45	6	07	18	49	5	40	18	19	26	दूर्वाष्टमी (देखें पृष्ठ ६५), श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (रोहिणी योग) (स्मार्त्तों, . (D)
	27	8	श.	9	15	रोहि.	23	23	ह.	28	19	वृष			6	00	18	48	6	00	18	44	6	07	18	48	5	41	18	18	27	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वैष्णवों, सन्यासियों के लिए)
	28	9	र.	10	37	मृग.	25	39	व.	28	43	मिथुन	12	28	6	00	18	47	6	01	18	43	6	08	18	47	5	41	18	17	28	भ. 23/30 बाद, श्रीगुग्गा नवमी
	29	10	च.	12	29	आर्द्रा	28	19	सि.	29	25	मिथुन			6	01	18	45	6	01	18	42	6	08	18	46	5	41	18	16	29	भ. 12/29 तक
	30	11	म.	14	42	पुन.	--	--	व्य.	--	--	कर्क	24	29	6	02	18	44	6	02	18	41	6	09	18	45	5	42	18	15	30	सूर्य पू. फा. में 18/59, अजा एकादशी व्रत (स.)
	31	12	बु.	17	07	पुन.	7	13	व्य.	6	18	कर्क			6	02	18	43	6	02	18	40	6	09	18	44	5	42	18	14	31	शुक्र चित्रा में 23/51, प्रदोष व्रत (देखें पृष्ठ ६६)

(A) पंचमी, श्रीकल्कि जयन्ती, (B) के बाद, बुध मार्गी 9/23, शनि पुष्य 3 में 11/41, पवित्रा एकादशी व्रत (स.), (C) ऋक्–शुक्ल–कृष्ण–यजु–उपाकर्म, रक्षाबन्धन (राखी), (D) गृहस्थियों के लिए). (चन्द्रोदय घ. 23 मि. 06)

श्री वि. सं. 2062 तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.) सितम्बर, सन् 2005 ई.

मास पक्ष	सितम्बर	तिथि	वार	समाप्ति काल		नक्षत्र	समाप्ति काल		योग	समाप्ति काल		चन्द्रराशि	प्रवेशकाल		चण्डीगढ़				दिल्ली				जयपुर				वाराणसी				तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि
															सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त			
				घं.	मि.		घं.	मि.		घं.	मि.		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.		(सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
भा. कृष्ण	1	13	गु.	19	36	पुष्य	10	13	व.	7	16	कर्क			6	03	18	42	6	03	18	39	6	10	18	43	5	43	18	13	1	भ. 19/36 बाद, बुध मघा सिंह में 13/28, सितम्बर प्रारम्भ
	2	14	शु.	22	00	आश्ले.	13	12	प	8	13	सिंह	13	12	6	03	18	41	6	03	18	38	6	10	18	42	5	43	18	12	2	भ. 8/49 तक, प्लूटो मार्गी 17/3
	3	30	श.	24	16	मघा	16	04	शि.	9	05	सिंह			6	04	18	39	6	04	18	36	6	10	18	41	5	43	18	11	3	बुध पूर्व में अस्त 27/32, शनैश्चरी अमावस, अगस्त्य उदित, पिठोरी , (A)
भाद्रपद शुक्ल	4	1	र.	26	18	पू. फा.	18	44	सि	9	49	कन्या	25	22	6	04	18	38	6	04	18	35	6	11	18	40	5	44	18	10	4	भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रारम्भ
	5	2	च.	28	02	उ. फा.	21	08	सा.	10	21	कन्या			6	05	18	37	6	05	18	34	6	11	18	39	5	44	18	09	5	चन्द्र दर्शन, मु. 45, मेला बाबा गोसाई आणां, कुराली (प)
	6	3	म.	29	23	हस्त	23	11	शु.	10	38	कन्या			6	05	18	36	6	05	18	33	6	12	18	37	5	44	18	08	6	शुक्र तुला में 16/38, साम उपाकर्म, श्रीवराह जयन्ती, गौरी तृतीया, (B)
	7	4	बु.	--	--	चित्रा	24	49	शु	10	37	तुला	12	04	6	06	18	34	6	06	18	32	6	12	18	36	5	45	18	07	7	भ. 17/54 बाद, कलंक चतुर्थी (चन्द्र दर्शन निषिद्ध), (चन्द्रास्त घ. 20 मि., (C)
	8	4	गु.	6	18	स्वा.	25	59	ब्र	10	15	तुला			6	07	18	33	6	06	18	31	6	12	18	35	5	45	18	06	8	भ. 6/18 तक, बुध पू. फा. में 19/55, ऋषि पंचमी
	9	5	शु.	6	42	विशा.	26	35	ऐं.	9	28	वृश्चिक	20	29	6	07	18	32	6	07	18	29	6	13	18	34	5	46	18	05	9	सूर्य षष्ठी
	10	6	श.	6	31	अनु.	26	36	वै	8	14	वृश्चिक			6	08	18	31	6	07	18	28	6	13	18	33	5	46	18	04	10	भ. 29/45 बाद, संवत्सरी पर्व जैन
		/7		29	45																											सप्तमी तिथिक्षय
	11	8	र	28	21	ज्ये.	26	00	वि	6	30	धनु	26	00	6	08	18	29	6	08	18	27	6	14	18	32	5	46	18	03	11	भ. 17/7 तक, मंगल कृति. में 27/40, गुरु चित्रा 2 मे 24/17, राधाष्टमी, (D)
									धी.	28	17																					
	12	9	च.	26	22	मूल	24	49	आ.	25	35	धनु			6	09	18	28	6	08	18	26	6	14	18	31	5	47	18	02	12	शुक्र स्वा. में 10/12, श्रीचन्द नवमी (उदासीन सम्प्रदाय महोत्सव)
	13	10	म.	23	51	पू. षा.	23	06	सौ.	22	27	मकर	28	36	6	09	18	27	6	09	18	25	6	15	18	30	5	47	18	01	13	सूर्य उ. फा. में 12/45, शनि पुष्य 4 में 29/40
	14	11	बु.	20	55	उ. षा.	20	58	शो.	18	58	मकर			6	10	18	26	6	09	18	23	6	15	18	28	5	47	18	00	14	भ. 10/26 से 20/55 तक, पद्मा एकादशी व्रत (स.), श्रवण द्वादशी व्रत, (E)
	15	12	गु.	17	40	श्रव	18	30	अ.	15	12	कुम्भ	29	12	6	10	18	24	6	10	18	22	6	15	18	27	5	48	17	59	15	पंचक प्रारम्भ 29/12, बुध उ. फा. में 19/44, वामन द्वादशी, प्रदोष व्रत
	16	13	शु.	14	15	धनि.	15	53	सु.	11	18	कुम्भ			6	11	18	23	6	10	18	21	6	16	18	26	5	48	17	58	16	सं. सूर्य कन्या में 22/52, मु. 15, पुण्यकाल मध्याह्न के बाद
	17	14	श.	10	49	शत.	13	15	धृ	7	21	मीन	29	22	6	12	18	22	6	11	18	20	6	16	18	25	5	48	17	56	17	भ. 10/49 से 21/9 तक, बुध कन्या में 14/35, अनन्त चतुर्दशी व्रत, (F)
									शू.	27	29																					
	18	15	र.	7	31	पू. भा.	10	47	ग.	23	51	मीन			6	12	18	20	6	11	18	19	6	17	18	24	5	49	17	55	18	अथर्व उपाकर्म, श्राद्धपक्ष (महालय) प्रारम्भ, प्रतिपदा श्राद्ध
आश्विन कृष्ण		/1		28	31																											आश्विन कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, प्रतिपदा तिथिक्षय
	19	2	च.	25	58	उ. भा.	8	38	वृ.	20	34	मीन			6	13	18	19	6	12	18	18	6	17	18	23	5	49	17	54	19	द्वितीया का श्राद्ध
	20	3	म.	24	00	रेव.	6	57	ध्रु.	17	43	मेष	6	57	6	13	18	18	6	12	18	16	6	18	18	22	5	50	17	53	20	भ. 12/54 से 24/0 तक, पंचक समाप्त 6/57, तृतीया श्राद्ध
						अश्वि	29	53																								
	21	4	बु.	22	43	भर.	29	31	व्या.	15	24	मेष			6	14	18	17	6	13	18	15	6	18	18	20	5	50	17	52	21	श्री गणेश चतुर्थी व्रत, चतुर्थी श्राद्ध
	22	5	गु.	22	12	कृति.	29	54	ह.	13	41	वृष	11	32	6	14	18	15	6	13	18	14	6	18	18	19	5	50	17	51	22	सूर्य सायन तुला में 27/54, दक्षिण गोल प्रारम्भ, बुध हस्त में 27/5, पंचमी श्राद्ध
	23	6	शु.	22	27	रोहि.	--	--	व.	12	35	वृष			6	15	18	14	6	14	18	13	6	19	18	18	5	51	17	50	23	भ. 22/27 बाद, शुक्र विशा. में 24/24, षष्ठी श्राद्ध
	24	7	श.	23	27	रोहि.	7	02	सि.	12	04	मिथुन	19	52	6	16	18	13	6	14	18	12	6	19	18	17	5	51	17	49	24	भ. 10/51 तक, सप्तमी श्राद्ध
	25	8	र.	25	05	मृग	8	52	व्य.	12	05	मिथुन			6	16	18	12	6	15	18	10	6	20	18	16	5	52	17	48	25	अष्टमी श्राद्ध, महालक्ष्मी व्रत समाप्त
	26	9	च.	27	12	आर्द्रा	11	15	व.	12	32	मिथुन			6	17	18	10	6	15	18	09	6	20	18	15	5	52	17	47	26	सूर्य हस्त में 28/18, नवमी श्राद्ध, सौभाग्यवती श्राद्ध
	27	10	म.	29	37	पुन.	14	02	प	13	18	कर्क	7	19	6	17	18	09	6	16	18	08	6	21	18	14	5	52	17	46	27	भ. 16/23 से 29/37 तक, गुरु चित्रा 3 तुला 29/33, दशमी श्राद्ध
	28	11	बु.	--	--	पुष्य	17	01	शि	14	13	कर्क			6	18	18	08	6	16	18	07	6	21	18	13	5	53	17	45	28	इन्दिरा एकादशी व्रत (स्मा.), एकादशी श्राद्ध
	29	11	गु.	8	07	आश्ले.	20	01	सि	15	09	सिंह	20	01	6	18	18	07	6	17	18	06	6	22	18	11	5	53	17	44	29	राहु रेव. 1 में 21/43, केतु हस्त 3 में 21/43, इन्दिरा एकादशी व्रत (वै.), (G)
	30	12	शु.	10	32	मघा	22	51	सा.	15	59	सिंह			6	19	18	05	6	17	18	05	6	22	18	10	5	53	17	43	30	बुध चित्रा में 22/42, प्रदोष व्रत, त्रयोदशी श्राद्ध (देखें पृष्ठ ६६)

(A) अमावस, कुशोत्पाटिनी अमावस, (B) हरितालिका तृतीया, (C) 28), सिद्धि विनायक व्रत, हरितालिका चतुर्थी, (D) श्रीमहालक्ष्मी व्रत प्रारम्भ, (E) विष्णु शृंखल योग (देखें पृष्ठ ६५), (F) श्रीसत्यनारायण व्रत, प्रोष्ठपदी श्राद्ध, पूर्णिमा श्राद्ध, (G) द्वादशी श्राद्ध

श्री वि. सं. 2062 तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.) अक्तूबर, सन् 2005 ई.

मास पक्ष	अक्तूबर	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
श्रा. कृष्ण	1	13	श.	12	43	पू.फा.	25	24	शु.	16	37	सिंह			6	20	18	04	6	18	18	03	6	23	18	09	5	54	17	42	1	भ. 12/43 से 25/41 तक, मंगल वक्री 27/35, अक्तूबर प्रारम्भ, (A)
	2	14	र.	14	33	उ.फा.	27	36	शु.	16	59	कन्या	8	00	6	20	18	03	6	18	18	02	6	23	18	08	5	54	17	40	2	शुक्र वृश्चिक में 20/18
	3	30	च.	15	58	हस्त	29	22	ब्र.	17	01	कन्या			6	21	18	02	6	19	18	01	6	23	18	07	5	55	17	39	3	सोमवती अमावस, अमावस श्राद्ध, सर्वपितृ श्राद्ध (देखे पृष्ठ ११२) (B)
आश्विन शुक्ल	4	1	म.	16	57	चित्रा	--	--	ऐ.	16	43	तुला	18	05	6	21	18	00	6	19	18	00	6	24	18	06	5	55	17	38	4	आश्विन शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, बुध तुला में 25/39, मातामह (नाना का) श्राद्ध, (C)
	5	2	बु.	17	28	चित्रा	6	42	वै.	16	03	तुला			6	22	17	59	6	20	17	59	6	24	18	05	5	56	17	37	5	चन्द्र दर्शन, मु. 15, शुक्र अनु. में 19/42
	6	3	गु.	17	32	स्वा.	7	35	वि.	15	02	वृश्चिक	25	57	6	23	17	58	6	20	17	58	6	25	18	04	5	56	17	36	6	भ. 29/23 बाद, बुध पश्चिम में उदित 8/16, गुरु अस्त 14/35
	7	4	शु.	17	08	विशा.	8	01	प्री.	13	40	वृश्चिक			6	23	17	57	6	21	17	57	6	25	18	03	5	56	17	35	7	भ. 17/8 तक
	8	5	श.	16	19	अनु.	8	02	आ.	11	57	वृश्चिक			6	24	17	56	6	21	17	55	6	26	18	02	5	57	17	34	8	उपाङ्गललिता व्रत
	9	6	र.	15	05	ज्ये.	7	38	सौ.	9	54	धनु	7	38	6	25	17	55	6	22	17	54	6	26	18	01	5	57	17	33	9	बुध स्वा. में 8/10, सरस्वती आवाहन
	10	7	च.	13	28	मूल	6	50	शो.	7	32	धनु			6	25	17	53	6	23	17	53	6	27	18	00	5	58	17	32	10	भ. 13/28 से 24/31 तक, सूर्य चित्रा में 17/12, सरस्वती पूजन
						पू.षा.	29	41	अ.	28	52																					
	11	8	म.	11	30	उ.षा.	28	13	सु.	25	57	मकर	11	21	6	26	17	52	6	23	17	52	6	27	17	59	5	58	17	31	11	सरस्वती बलिदान, ओली प्रा. (जैन), श्रीदुर्गाष्टमी, महाष्टमी, महानवमी, (D)
	12	9	बु.	9	13	श्रव.	26	30	धृ.	22	49	मकर			6	27	17	51	6	24	17	51	6	28	17	58	5	59	17	30	12	सरस्वती विसर्जन, आयुधपूजा, महानवमी (बलिदान के लिए), नवरात्र, (E)
	13	10	गु.	6	43	धनि.	24	36	शू.	19	32	कुम्भ	13	34	6	27	17	50	6	24	17	50	6	28	17	57	5	59	17	29	13	भ. 17/23 से 28/2 तक, पंचक प्रारम्भ 13/34, गुरु चित्रा 4 में 19/2, (F) एकादशी तिथिक्षय
		/11		28	02																											
	14	12	शु.	25	17	शत.	22	36	गं.	16	09	कुम्भ			6	28	17	49	6	25	17	49	6	29	17	56	6	00	17	28	14	यूरेनस शत. 2 में 16/8, पापांकुशा एकादशी व्रत (वै.)
	15	13	श.	22	35	पू.भा.	20	38	वृ.	12	45	मीन	15	07	6	29	17	48	6	25	17	48	6	30	17	55	6	00	17	27	15	शनि प्रदोष व्रत
	16	14	र.	20	01	उ.भा.	18	49	ध्रु.	9	26	मीन			6	29	17	47	6	26	17	47	6	30	17	54	6	01	17	27	16	भ. 20/1 बाद, कोजागर व्रत
									व्या.	30	18																					
	17	15	च.	17	44	रेव.	17	15	ह.	27	26	मेष	17	15	6	30	17	46	6	27	17	46	6	31	17	53	6	01	17	26	17	भ. 6/50 तक, पंचक समाप्त 17/15, सं. सूर्य तुला में 10/47, मु. 30, (G)
कार्तिक कृष्ण	18	1	म.	15	51	अश्वि.	16	05	व.	24	56	मेष			6	31	17	44	6	27	17	45	6	31	17	52	6	02	17	25	18	कार्तिक कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, बुध विशा. में 8/55
	19	2	बु.	14	30	भर.	15	26	सि.	22	52	वृष	21	21	6	31	17	43	6	28	17	44	6	32	17	51	6	02	17	24	19	भ. 26/2 बाद
	20	3	गु.	13	45	कृति.	15	23	व्य.	21	20	वृष			6	32	17	42	6	29	17	43	6	32	17	50	6	03	17	23	20	भ. 13/45 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत, करक चतुर्थी व्रत, करवा चौथ, (H)
	21	4	शु.	13	42	रोहि.	16	01	व.	20	20	मिथुन	28	36	6	33	17	41	6	29	17	42	6	33	17	49	6	03	17	22	21	व. मंगल भर. 4 में 16/24
	22	5	श.	14	22	मृग.	17	21	प.	19	54	मिथुन			6	33	17	40	6	30	17	41	6	34	17	48	6	04	17	21	22	
	23	6	र.	15	43	आर्द्रा	19	20	शि.	19	58	मिथुन			6	34	17	39	6	31	17	40	6	34	17	47	6	04	17	20	23	भ. 15/43 से 28/38 तक, सूर्य स्वा. में 27/45, सूर्य सायन वृश्चिक में, (I)
	24	7	च.	17	39	पुन.	21	50	सि.	20	27	कर्क	15	10	6	35	17	38	6	31	17	39	6	35	17	46	6	05	17	20	24	
	25	8	म.	20	00	पुष्य	24	42	सा.	21	13	कर्क			6	36	17	37	6	32	17	38	6	35	17	46	6	05	17	19	25	बुध वृश्चिक में 17/9, शनि आश्ले. 1 में 20/56, अहोई अष्टमी (पंजाब)
	26	9	बु.	22	32	आश्ले.	27	43	शु.	22	08	सिंह	27	43	6	36	17	36	6	33	17	37	6	36	17	45	6	06	17	18	26	नेपच्यून मार्गी 29/48
	27	10	गु.	25	01	मघा	--	--	शु.	23	00	सिंह			6	37	17	35	6	33	17	36	6	37	17	44	6	06	17	17	27	भ. 11/48 से 25/1 तक
	28	11	शु.	27	14	मघा	6	38	ब्र.	23	41	सिंह			6	38	17	34	6	34	17	36	6	37	17	43	6	07	17	16	28	बुध अनु. में 8/13, गुरु स्वा. 1 में 26/54, रमा एकादशी व्रत (स.)
	29	12	श.	29	01	पू.फा.	9	16	ऐ.	24	03	कन्या	15	51	6	39	17	33	6	35	17	35	6	38	17	42	6	08	17	16	29	गोवत्स द्वादशी
	30	13	र.	30	15	उ.फा.	11	26	वै.	24	00	कन्या			6	40	17	33	6	35	17	34	6	39	17	42	6	08	17	15	30	भ. 30/15 बाद, शुक्र मूल धनु में 13/34, प्रदोष व्रत, धन त्रयोदशी
	31	14	च.	--	--	हस्त	13	04	वि.	23	31	तुला	25	40	6	40	17	32	6	36	17	33	6	39	17	41	6	09	17	14	31	भ. 18/38 तक, नरक चतुर्दशी (पूर्व अरुणोदय वाली), श्रीहनुमान् जयन्ती

सूर्य ग्रहण 3 अक्तू. (देखें पृष्ठ 11)

गुरु अस्त 6 अक्तू.

चन्द्रग्रहण 17 अक्तू. (देखें पृष्ठ 12)

(A) सन्यासियों का श्राद्ध, शस्त्र–विषादि से मृतों का श्राद्ध, चतुर्दशी श्राद्ध (देखे पृष्ठ ६६), (B) गजच्छाया पर्व, श्राद्ध (महालय पक्ष) समाप्त, गुरु वार्धक्य प्रारम्भ 14/35, सूर्य ग्रहण (भारत में दृश्य), (C) शारद नवरात्र प्रारम्भ, घट स्थापन, (D) (पूजा के लिए), (E) समाप्त, विजयादशमी (दशहरा), अपराजिता पूजन, सीमोल्लंघन, (F) पापांकुशा एकादशी व्रत (स्मा.), (G) पुण्यकाल 17/11 तक, शुक्र ज्ये. में 22/29, श्रीसत्यनारायण व्रत, शरत् पूर्णिमा, महर्षि वाल्मीकि जयन्ती, कार्तिक स्नान प्रारम्भ, चूड़ामणि चन्द्रग्रहण (भारत में दृश्य), (H) (चन्द्रोदय घ. 19 मि. 35), (I) 13/13, हेमन्त ऋतु प्रारम्भ

श्री वि. सं. 2062 — तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.) — नवम्बर, सन् 2005 ई.

मास पक्ष	नवम्बर	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.
का. कृ.	1	14	म.	6	53	चित्रा	14	07	प्री.	22	33	तुला		
	2	30	बु.	6	55	स्वा.	14	36	आ.	21	09	तुला		
कार्तिक शुक्ल		/1		30	25									
	3	2	गु.	29	27	विशा.	14	35	सौ.	19	22	वृश्चिक	8	38
	4	3	शु.	28	06	अनु.	14	07	शो.	17	14	वृश्चिक		
	5	4	श.	26	27	ज्ये.	13	20	अ.	14	51	धनु	13	20
	6	5	र.	24	36	मूल	12	17	सु.	12	15	धनु		
	7	6	च.	22	36	पू. षा.	11	03	धृ.	9	30	मकर	16	43
									शू.	30	40			
	8	7	म.	20	31	उ. षा.	9	42	ग.	27	47	मकर		
	9	8	बु.	18	24	श्रव	8	19	वृ.	24	53	कुम्भ	19	37
	10	9	गु.	16	18	धनि.	6	55	ध्रु.	21	59	कुम्भ		
						शत.	29	32						
	11	10	शु.	14	15	पू. भा.	28	14	व्या.	19	09	मीन	22	33
	12	11	श.	12	16	उ. भा	27	02	ह.	16	23	मीन		
	13	12	र.	10	26	रेव	26	01	व.	13	44	मेष	26	01
	14	13	च.	8	49	अश्वि.	25	15	सि.	11	15	मेष		
	15	14	म.	7	27	भर.	24	49	व्य.	9	00	वृष	30	46
		/15		30	28									
मार्गशीर्ष कृष्ण	16	1	बु.	29	56	कृत्ति.	24	48	व.	7	02	वृष		
									प.	29	26			
	17	2	गु.	29	56	रोहि.	25	18	शि.	28	15	वृष		
	18	3	शु.	30	32	मृग	26	22	सि.	27	31	मिथुन	13	46
	19	4	श.	--	--	आर्द्रा	28	01	सा.	27	15	मिथुन		
	20	4	र.	7	45	पुन.	30	15	शु.	27	27	कर्क	23	38
	21	5	च.	9	34	पुष्य	--	--	शु.	28	00	कर्क		
	22	6	म.	11	50	पुष्य	8	56	ब्र.	28	50	कर्क		
	23	7	बु.	14	23	आश्ले.	11	54	ऐं.	29	45	सिंह	11	54
	24	8	गु.	16	59	मघा	14	56	वै.	30	35	सिंह		
	25	9	शु.	19	22	पू. फा	17	47	वि.	--	--	कन्या	24	27
	26	10	श.	21	18	उ. फा.	20	13	वि.	7	10	कन्या		
	27	11	र.	22	36	हस्त	22	03	प्री.	7	20	कन्या		
									आ.	30	59			
	28	12	च.	23	09	चित्रा	23	11	सौ.	30	04	तुला	10	43
	29	13	म.	22	57	स्वा.	23	34	शो.	28	33	तुला		
	30	14	बु.	22	03	विशा.	23	16	अ.	26	30	वृश्चिक	17	25

चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	दिल्ली सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	जयपुर सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	वाराणसी सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह — राशि — नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है).
6	41	17	31	6	37	17	32	6	40	17	40	6	09	17	14	1	नवम्बर प्रारम्भ, दीपावली, श्रीमहालक्ष्मी पूजन, श्रीमहावीर निर्वाण (जैन)
6	42	17	30	6	38	17	32	6	41	17	39	6	10	17	13	2	गोक्रीड़ा, बलिपूजा, अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, गुरु उदित 12/50
																	कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, प्रतिपदा तिथिक्षय
6	43	17	29	6	38	17	31	6	41	17	39	6	11	17	12	3	चन्द्र दर्शन, मु. 30, भाई दूज, यमद्वितीया, विश्वकर्मा पूजा
6	44	17	28	6	39	17	30	6	42	17	38	6	11	17	12	4	
6	44	17	28	6	40	17	29	6	43	17	37	6	12	17	11	5	भ. 15/18 से 26/27 तक, गुरु बाल्य समाप्त 12/50
6	45	17	27	6	41	17	29	6	43	17	37	6	13	17	10	6	सूर्य विशा. में 11/48
6	46	17	26	6	41	17	28	6	44	17	36	6	13	17	10	7	सूर्यषष्ठी
6	47	17	26	6	42	17	27	6	45	17	36	6	14	17	09	8	भ. 20/31 बाद
6	48	17	25	6	43	17	27	6	46	17	35	6	15	17	09	9	भ. 7/28 तक, पंचक प्रारम्भ 19/37, गोपाष्टमी
6	49	17	24	6	44	17	26	6	46	17	34	6	15	17	08	10	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी
6	49	17	24	6	44	17	26	6	47	17	34	6	16	17	08	11	भ. 25/15 बाद
6	50	17	23	6	45	17	25	6	48	17	33	6	17	17	07	12	भ. 12/16 तक, बुध ज्ये. में 7/27, शुक्र पू. षा. में 26/50, (A)
6	51	17	22	6	46	17	25	6	49	17	33	6	17	17	07	13	पंचक समाप्त 26/1, गुरु स्वा. 2 में 13/38, प्रदोष व्रत
6	52	17	22	6	47	17	24	6	49	17	33	6	18	17	06	14	बुध वक्री 11/13, वैकुण्ठ चतुर्दशी
6	53	17	21	6	48	17	24	6	50	17	32	6	19	17	06	15	भ. 7/27 से 18/55 तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, श्रीगुरु नानक जयन्ती, (B)
																	पूर्णिमा तिथिक्षय
6	54	17	21	6	48	17	23	6	51	17	32	6	19	17	06	16	मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, स. सूर्य वृश्चिक में 10/32, मु. 30, (C)
6	55	17	20	6	49	17	23	6	52	17	31	6	20	17	05	17	
6	55	17	20	6	50	17	22	6	52	17	31	6	21	17	05	18	भ. 18/10 से 30/32 तक, व. बुध पश्चिम में अस्त 20/19
6	56	17	19	6	51	17	22	6	53	17	31	6	22	17	05	19	सूर्य अनु. में 17/53, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
6	57	17	19	6	52	17	22	6	54	17	30	6	22	17	05	20	
6	58	17	19	6	53	17	21	6	55	17	30	6	23	17	04	21	
6	59	17	18	6	53	17	21	6	55	17	30	6	24	17	04	22	भ. 11/50 से 25/5 तक, सूर्य सायन धनु में 10/46, शनि वक्री 13/54
7	00	17	18	6	54	17	21	6	56	17	30	6	25	17	04	23	श्रीकालाष्टमी, श्रीभैरवाष्टमी
7	01	17	18	6	55	17	21	6	57	17	29	6	25	17	04	24	
7	02	17	17	6	56	17	20	6	58	17	29	6	26	17	04	25	
7	02	17	17	6	57	17	20	6	59	17	29	6	27	17	04	26	भ. 8/24 से 21/18 तक
7	03	17	17	6	57	17	20	6	59	17	29	6	27	17	03	27	उत्पन्ना एकादशी व्रत (स.)
7	04	17	17	6	58	17	20	7	00	17	29	6	28	17	03	28	व. बुध विशा. ४ में 26/52, शुक्र उ. षा. में 22/1
7	05	17	17	6	59	17	20	7	01	17	29	6	29	17	03	29	भ. 22/57 बाद, गुरु स्वा. 3 में 13/19, भौम प्रदोष व्रत
7	06	17	17	7	00	17	20	7	02	17	29	6	30	17	03	30	भ. 10/35 तक, व. बुध पूर्व में उदित 25/37

गुरु उदित 2 नवं.

(A) देवप्रबोधिनी एकादशी व्रत (स.), भीष्म पंचक प्रारम्भ, तुलसी विवाह, (B) कार्तिक स्नान समाप्त, चातुर्मास्य व्रत नियम समाप्त, भीष्म पंचक समाप्त, (C) पुण्यकाल 16/56 तक, व. बुध अनु. 4 में 12/25, यूरेनस मार्गी 7/4

मास पक्ष	दिसम्बर	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि प्रवेशकाल	घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
मा. कृ.	1	30	गु.	20	31	अनु.	22	23	सु.	23	59	वृश्चिक			7	07	17	17	7	01	17	20	7	02	17	29	6	30	17	03	1	राहु उ. भा. 4 में 19/23, केतु हस्त 2 में 19/23, दिसम्बर प्रारम्भ
मार्गशीर्ष शुक्ल	2	1	शु.	18	31	ज्ये.	21	02	धृ.	21	06	धनु	21	02	7	07	17	17	7	01	17	20	7	03	17	29	6	31	17	03	2	मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, सूर्य ज्ये. में 22/9, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
	3	2	श.	16	11	मूल	19	21	शू.	17	58	धनु			7	08	17	17	7	02	17	20	7	04	17	29	6	32	17	03	3	चन्द्र दर्शन, मु. 30, शुक्र मकर में 17/31
	4	3	र.	13	39	पू. षा.	17	31	गं.	14	41	मकर	23	03	7	09	17	17	7	03	17	20	7	05	17	29	6	32	17	04	4	भ. 24/22 बाद, बुध मार्गी 7/55
	5	4	च.	11	04	उ. षा.	15	39	वृ.	11	21	मकर			7	10	17	17	7	04	17	20	7	05	17	29	6	33	17	04	5	भ. 11/4 तक
	6	5	मं.	8	33	श्रव.	13	52	ध्रु.	8	05	कुम्भ	25	03	7	11	17	17	7	04	17	20	7	06	17	29	6	34	17	04	6	पंचक प्रारम्भ 25/3, प्लूटो मूल 1 धनु में 16/47, स्कन्द (गुह) षष्ठी, चम्पा , (A)
		/6		30	12				व्या.	28	57																					षष्ठी तिथिक्षय
	7	7	बु.	28	05	धनि.	12	16	ह.	25	59	कुम्भ			7	11	17	17	7	05	17	20	7	07	17	29	6	35	17	04	7	भ. 28/5 बाद, मित्र सप्तमी
	8	8	गु.	26	13	शत.	10	54	व.	23	14	मीन	28	04	7	12	17	17	7	06	17	20	7	08	17	30	6	35	17	04	8	भ. 15/7 तक
	9	9	शु.	24	39	पू. भा.	9	49	सि.	20	43	मीन			7	13	17	17	7	07	17	20	7	08	17	30	6	36	17	04	9	बुध अनु. में 27/35
	10	10	श.	23	23	उ. भा.	9	01	व्य.	18	26	मीन			7	14	17	17	7	07	17	21	7	09	17	30	6	37	17	05	10	मंगल मार्गी 9/36
	11	11	र.	22	24	रेव.	8	30	व.	16	23	मेष	8	30	7	14	17	17	7	08	17	21	7	10	17	30	6	37	17	05	11	भ. 10/51 से 22/24 तक, पंचक समाप्त 8/30, मोक्षदा एकादशी व्रत (स.), (B)
	12	12	च.	21	43	अश्वि.	8	16	प.	14	34	मेष			7	15	17	18	7	09	17	21	7	10	17	31	6	38	17	05	12	
	13	13	मं.	21	22	भर.	8	21	शि.	12	59	वृष	14	25	7	16	17	18	7	09	17	21	7	11	17	31	6	39	17	06	13	भौम प्रदोष व्रत
	14	14	बु.	21	22	कृत्ति.	8	45	सि.	11	40	वृष			7	16	17	18	7	10	17	22	7	12	17	31	6	39	17	06	14	भ. 21/22 बाद
	15	15	गु.	21	46	रोहि.	9	30	सा.	10	39	मिथुन	22	02	7	17	17	19	7	11	17	22	7	12	17	32	6	40	17	06	15	भ. 9/31 तक, सं. सूर्य मूल धनु में 25/10, मु. 30, पुण्यकाल अगले दिन , (C)
पौष कृष्ण	16	1	शु.	22	37	मृग.	10	41	शु.	9	58	मिथुन			7	18	17	19	7	11	17	23	7	13	17	32	6	40	17	07	16	पौष कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, गुरु स्वा. 4 में 16/54
	17	2	श.	23	58	आर्द्रा	12	19	शु.	9	39	मिथुन			7	18	17	19	7	12	17	23	7	13	17	32	6	41	17	07	17	यूरेनस शत. 3 में 27/59
	18	3	र.	25	48	पुन.	14	25	ब्र.	9	41	कर्क	7	51	7	19	17	20	7	12	17	23	7	14	17	33	6	42	17	07	18	भ. 12/50 से 25/48 तक
	19	4	चं.	28	04	पुष्य	16	57	ऐं.	10	05	कर्क			7	19	17	20	7	13	17	24	7	14	17	33	6	42	17	08	19	श्री गणेश चतुर्थी व्रत,
	20	5	मं.	30	39	आश्ले.	19	51	वै.	10	47	सिंह	19	51	7	20	17	21	7	14	17	24	7	15	17	34	6	43	17	08	20	व. शनि पुष्य 4 में 9/6
	21	6	बु.	–	--	मघा	22	57	वि.	11	41	सिंह			7	20	17	21	7	14	17	25	7	16	17	34	6	43	17	09	21	सूर्य सायन मकर में 24/6, उत्तरायण प्रारम्भ, शिशिर ऋतु प्रारम्भ, बुध ज्ये. , (D)
	22	6	गु.	9	22	पू. फा.	26	01	प्री.	12	39	सिंह			7	21	17	22	7	15	17	25	7	16	17	35	6	44	17	09	22	भ. 9/22 से 22/41 तक
	23	7	शु.	11	57	उ. फा.	28	49	आ.	13	30	कन्या	8	45	7	21	17	22	7	15	17	26	7	17	17	35	6	44	17	10	23	
	24	8	श.	14	09	हस्त	31	07	सौ.	14	03	कन्या			7	22	17	23	7	16	17	26	7	17	17	36	6	45	17	10	24	शुक्र वक्री 15/6
	25	9	र.	15	45	चित्रा	--	--	शो.	14	09	तुला	20	01	7	22	17	23	7	16	17	27	7	17	17	36	6	45	17	11	25	भ. 28/15 बाद
	26	10	च.	16	33	चित्रा	8	43	अ.	13	40	तुला			7	23	17	24	7	16	17	27	7	18	17	37	6	46	17	12	26	भ. 16/33 तक
	27	11	मं.	16	30	स्वा.	9	30	सु.	12	31	वृश्चिक	27	32	7	23	17	25	7	17	17	28	7	18	17	37	6	46	17	12	27	सफला एकादशी व्रत (स.)
	28	12	बु.	15	35	विशा.	9	26	धृ.	10	42	वृश्चिक			7	24	17	25	7	17	17	29	7	19	17	38	6	46	17	13	28	सूर्य पू. षा. में 27/25, प्रदोष व्रत
	29	13	गु.	13	53	अनु.	8	35	शू.	8	14	धनु	31	04	7	24	17	26	7	18	17	29	7	19	17	39	6	47	17	13	29	भ. 13/53 से 24/47 तक
						ज्ये.	31	04	ग.	29	14																					
	30	14	शु.	11	33	मूल	29	01	वृ.	25	48	धनु			7	24	17	27	7	18	17	30	7	19	17	39	6	47	17	14	30	बुध मूल धनु में 25/47
	31	30	श.	8	42	पू. षा.	26	38	ध्रु.	22	04	धनु			7	24	17	27	7	18	17	31	7	20	17	40	6	47	17	15	31	शनैश्चरी अमावस
पौ. शु.		/1		29	33																											पौष शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, प्रतिपदा तिथिक्षय

(A) षष्ठी (महाराष्ट्र), (B) श्रीगीता जयन्ती, (C) मध्याह्न तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, श्रीदत्त जयन्ती, (D) में 18/9

श्री वि. सं. 2062 — **तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.)** — **जनवरी, सन् 2006 ई.**

मास पक्ष	जनवरी	तिथि	वार	समाप्ति काल		नक्षत्र	समाप्ति काल		योग	समाप्ति काल		चन्द्रराशि प्रवेशकाल			चण्डीगढ़				दिल्ली				जयपुर				वाराणसी				तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि
															सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त		सूर्योदय		सूर्यास्त			(सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
				घं.	मि.		घं.	मि.		घं.	मि.		घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.		
पौष शुक्ल	1	2	र.	26	17	उ.षा	24	05	व्या.	18	10	मकर	8	00	7	25	17	28	7	18	17	31	7	20	17	41	6	48	17	15	1	चन्द्र दर्शन, मु. 45, जनवरी सन् 2006 प्रारम्भ
	2	3	च	23	02	श्रव.	21	34	ह.	14	14	मकर			7	25	17	29	7	19	17	32	7	20	17	41	6	48	17	16	2	
	3	4	म.	20	00	धनि.	19	14	व.	10	26	कुम्भ	8	22	7	25	17	29	7	19	17	33	7	20	17	42	6	48	17	17	3	भ. 9/29 से 20/0 तक, पंचक प्रारम्भ 8/22
									सि	30	50																					
	4	5	बु.	17	16	शत.	17	13	व्य.	27	33	कुम्भ			7	25	17	30	7	19	17	33	7	21	17	43	6	48	17	17	4	बुध पूर्व में अस्त 20/57, गुरु विशा. 1 में 30/44
	5	6	गु.	14	59	पू.भा.	15	37	व.	24	38	मीन	9	58	7	25	17	31	7	19	17	34	7	21	17	43	6	49	17	18	5	**शुक्र अस्त 11 जन.**
	6	7	शु.	13	10	उ.भा.	14	29	प.	22	07	मीन			7	26	17	32	7	19	17	35	7	21	17	44	6	49	17	19	6	भ. 13/10 से 24/27 तक
	7	8	श.	11	52	रेव.	13	52	शि.	20	00	मेष	13	52	7	26	17	32	7	20	17	36	7	21	17	45	6	49	17	20	7	पंचक समाप्त 13/52
	8	9	र	11	04	अश्वि	13	45	सि.	18	17	मेष			7	26	17	33	7	20	17	36	7	21	17	46	6	49	17	20	8	बुध पू. षा. में 21/13, शुक्र वार्धक्य प्रारम्भ 19/42
	9	10	चं.	10	45	भर.	14	05	सा.	16	56	वृष	20	14	7	26	17	34	7	20	17	37	7	21	17	46	6	49	17	21	9	भ. 22/46 बाद
	10	11	मं.	10	53	कृत्ति.	14	51	शु.	15	55	वृष			7	26	17	35	7	20	17	38	7	21	17	47	6	49	17	22	10	भ. 10/53 तक, सूर्य उ. षा. में 29/21, पुत्रदा एकादशी व्रत (स.)
	11	12	बु	11	25	रोहि.	16	00	शु.	15	12	मिथुन	28	43	7	26	17	36	7	20	17	39	7	22	17	48	6	49	17	23	11	प्रदोष व्रत, शुक्र पश्चिम में अस्त 19/42
	12	13	गु.	12	21	मृग.	17	31	ब्र.	14	47	मिथुन			7	26	17	37	7	20	17	40	7	22	17	49	6	49	17	23	12	
	13	14	शु.	13	39	आर्द्रा	19	23	ऐं.	14	39	मिथुन			7	26	17	37	7	20	17	40	7	22	17	49	6	49	17	24	13	भ. 13/39 से 26/26 तक, व. शुक्र उ. षा. १ धनु में 18/51, लोहड़ी (पं.), (A)
	14	15	श.	15	19	पुन.	21	37	वै.	14	47	कर्क	15	02	7	25	17	38	7	20	17	41	7	21	17	50	6	49	17	25	14	सं. सूर्य मकर में 11/55, मु. 45, पुण्यकाल सारा दिन, मकर संक्रान्ति, (B)
माघ कृष्ण	15	1	र.	17	20	पुष्य	24	11	वि.	15	12	कर्क			7	25	17	39	7	20	17	42	7	21	17	51	6	49	17	26	15	माघ कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
	16	2	च	19	42	आश्ले.	27	02	प्री.	15	51	सिंह	27	02	7	25	17	40	7	19	17	43	7	21	17	52	6	49	17	26	16	
	17	3	मं.	22	18	मघा	30	07	आ	16	43	सिंह			7	25	17	41	7	19	17	44	7	21	17	53	6	49	17	27	17	भ. 8/58 से 22/18 तक, बुध उ. षा. में 8/21, शुक्र पूर्व में उदित 21/41
	18	4	बु.	25	02	पू.फा.	--	--	सौ.	17	41	सिंह			7	25	17	42	7	19	17	45	7	21	17	53	6	49	17	28	18	श्री गणेश (संकष्ट) चतुर्थी व्रत
	19	5	गु.	27	43	पू.फा.	9	15	शो.	18	39	कन्या	16	02	7	24	17	43	7	19	17	45	7	21	17	54	6	49	17	29	19	बुध मकर में 9/47, व. शुक्र पू. षा. ४ में 8/44
	20	6	शु.	30	08	उ.फा.	12	17	अ.	19	29	कन्या			7	24	17	44	7	19	17	46	7	21	17	55	6	49	17	29	20	भ. 30/8 बाद, सूर्य सायन कुम्भ में 10/46, शुक्र बाल्य समाप्त 21/41
	21	7	श.	--	--	हस्त	15	00	सु.	20	01	तुला	28	10	7	24	17	44	7	18	17	47	7	20	17	56	6	49	17	30	21	भ. 19/9 तक
	22	7	र.	8	02	चित्रा	17	10	धृ.	20	05	तुला			7	24	17	45	7	18	17	48	7	20	17	56	6	49	17	31	22	**शुक्र उदित 17 जन.**
	23	8	च.	9	15	स्वा.	18	36	शू.	19	34	तुला			7	23	17	46	7	18	17	49	7	20	17	57	6	48	17	32	23	
	24	9	मं.	9	37	विशा.	19	13	गं.	18	24	वृश्चिक	13	09	7	23	17	47	7	17	17	50	7	20	17	58	6	48	17	32	24	भ. 21/28 बाद, सूर्य श्रव. में 7/44
	25	10	बु.	9	06	अनु.	18	57	वृ.	16	31	वृश्चिक			7	22	17	48	7	17	17	50	7	19	17	59	6	48	17	33	25	भ. 9/6 तक, बुध श्रव. में 10/41, षट्तिला एकादशी व्रत (स्मा.)
	26	11	गु.	7	42	ज्ये.	17	52	ध्रु.	13	58	धनु	17	52	7	22	17	49	7	17	17	51	7	19	18	00	6	47	17	34	26	षट्तिला एकादशी व्रत (वै.), त्रिस्पृशा महाद्वादशी द्वादशी तिथिक्षय
		/12		29	31																											
	27	13	शु.	26	41	मूल	16	03	व्या.	10	49	धनु			7	21	17	50	7	16	17	52	7	19	18	00	6	47	17	35	27	भ. 26/41 बाद, प्रदोष व्रत
									ह.	31	10																					
	28	14	श.	23	22	पू.षा.	13	41	व.	27	10	मकर	19	01	7	21	17	51	7	16	17	53	7	18	18	01	6	47	17	35	28	भ. 13/5 तक, मंगल कृत्ति. में 21/14
	29	30	र.	19	45	उ.षा.	10	55	सि.	22	56	मकर			7	20	17	52	7	15	17	54	7	18	18	02	6	46	17	36	29	मौनी अमावस,महोदय योग
माघ शु.	30	1	च.	16	01	श्रव.	7	57	व्य.	18	38	कुम्भ	18	28	7	20	17	52	7	15	17	55	7	17	18	03	6	46	17	37	30	माघ शुक्ल पक्ष प्रारम्भ, चन्द्र दर्शन, मु. 30, पंचक प्रारम्भ 18/28
						धनि	29	00																								
	31	2	मं.	12	22	शत.	26	14	व.	14	25	कुम्भ			7	19	17	53	7	14	17	55	7	17	18	03	6	46	17	38	31	गुरु विशा. 2 में 16/18

(A) श्रीसत्यनारायण व्रत, (B) माघ स्नान प्रारम्भ, पौषी पूर्णिमा

मास पक्ष	फरवरी	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.
माघ शुक्ल	1	3	बु.	8	57	पू. भा.	23	48	प.	10	25	मीन	18	22
		/4		29	56				शि.	30	45			
	2	5	गु.	27	27	उ. भा.	21	52	सि.	27	30	मीन		
	3	6	शु.	25	34	रेव.	20	31	सा.	24	46	मेष	20	31
	4	7	श.	24	21	अश्वि.	19	49	शु.	22	33	मेष		
	5	8	र.	23	48	भर.	19	47	शु.	20	52	वृष	25	53
	6	9	चं.	23	55	कृत्ति.	20	23	ब्र.	19	41	वृष		
	7	10	मं.	24	37	रोहि.	21	34	ऐं.	18	59	वृष		
	8	11	बु.	25	50	मृग.	23	15	वै.	18	41	मिथुन	10	21
	9	12	गु.	27	28	आर्द्रा	25	21	वि.	18	43	मिथुन		
	10	13	शु.	29	28	पुन.	27	48	प्री.	19	03	कर्क	21	10
	11	14	श.	--	--	पुष्य	30	32	आ.	19	37	कर्क		
	12	14	र.	7	45	आश्ले.	--	--	सौ.	20	21	कर्क		
	13	15	चं.	10	15	आश्ले.	9	27	शो.	21	14	सिंह	9	27
फाल्गुन कृष्ण	14	1	मं.	12	52	मघा	12	30	अ.	22	11	सिंह		
	15	2	बु.	15	33	पू. फा.	15	36	सु.	23	09	कन्या	22	22
	16	3	गु.	18	08	उ. फा.	18	38	धृ.	24	01	कन्या		
	17	4	शु.	20	30	हस्त	21	27	शू.	24	42	कन्या		
	18	5	श.	22	30	चित्रा	23	54	गं.	25	05	तुला	10	44
	19	6	र.	23	56	स्वा.	25	49	वृ.	25	02	तुला		
	20	7	चं.	24	42	विशा.	27	04	ध्रु.	24	29	वृश्चिक	20	49
	21	8	मं.	24	41	अनु.	27	34	व्या.	23	19	वृश्चिक		
	22	9	बु.	23	50	ज्ये.	27	16	ह.	21	31	धनु	27	16
	23	10	गु.	22	12	मूल	26	12	व.	19	05	धनु		
	24	11	शु.	19	51	पू. षा.	24	26	सि.	16	04	मकर	29	54
	25	12	श.	16	54	उ. षा.	22	07	व्य.	12	33	मकर		
	26	13	र.	13	30	श्रव.	19	22	व.	8	38	कुम्भ	29	54
									प.	28	26			
	27	14	चं.	9	49	धनि.	16	24	शि.	24	08	कुम्भ		
		/30		30	01									
फा. शु.	28	1	मं.	26	17	शत.	13	22	सि.	19	49	मीन	29	11

फरवरी	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
1	7	19	17	54	7	14	17	56	7	16	18	04	6	45	17	38	1	भ. 19/23 से 29/56 तक, बुध धनि. में 28/0, फरवरी प्रारम्भ, (A) चतुर्थी तिथिक्षय
2	7	18	17	55	7	13	17	57	7	16	18	05	6	45	17	39	2	राहु उ. भा. 3 में 17/3, केतु हस्त 1 में 17/3, श्रीवसन्त पंचमी, श्रीपंचमी
3	7	17	17	56	7	13	17	58	7	15	18	06	6	44	17	40	3	पंचक समाप्त 20/31, शुक्र मार्गी 14/49
4	7	17	17	57	7	12	17	59	7	15	18	06	6	44	17	41	4	भ. 24/21 बाद, व. शनि पुष्य 3 में 9/28, रथ सप्तमी (पूर्व, (B)
5	7	16	17	58	7	11	17	59	7	14	18	07	6	43	17	41	5	भ. 11/59 तक, मंगल वृष में 10/58, बुध कुम्भ में 21/55, (C)
6	7	15	17	59	7	11	18	00	7	14	18	08	6	43	17	42	6	सूर्य धनि. में 10/50
7	7	15	17	59	7	10	18	01	7	13	18	09	6	42	17	43	7	
8	7	14	18	00	7	09	18	02	7	12	18	09	6	41	17	43	8	भ. 13/10 से 25/50 तक, जया एकादशी व्रत (स.)
9	7	13	18	01	7	09	18	03	7	12	18	10	6	41	17	44	9	बुध शत. में 15/1, भीष्म द्वादशी
10	7	12	18	02	7	08	18	03	7	11	18	11	6	40	17	45	10	प्रदोष व्रत
11	7	11	18	03	7	07	18	04	7	10	18	12	6	39	17	45	11	
12	7	10	18	04	7	06	18	05	7	10	18	12	6	39	17	46	12	भ. 7/45 से 20/59 तक, सं. सूर्य कुम्भ में 24/56, मु. 15, (D)
13	7	10	18	04	7	06	18	06	7	09	18	13	6	38	17	47	13	बुध पश्चिम में उदित 9/17, माघी पूर्णिमा, माघ स्नान समाप्त, जन्म, (E)
14	7	09	18	05	7	05	18	06	7	08	18	14	6	37	17	47	14	फाल्गुन कृष्ण पक्ष प्रारम्भ
15	7	08	18	06	7	04	18	07	7	07	18	14	6	37	17	48	15	भ. 28/51 बाद
16	7	07	18	07	7	03	18	08	7	06	18	15	6	36	17	49	16	भ. 18/8 तक
17	7	06	18	08	7	02	18	08	7	06	18	16	6	35	17	49	17	बुध पू. भा. में 7/42, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
18	7	05	18	08	7	01	18	09	7	05	18	16	6	34	17	50	18	सूर्य सायन मीन में 24/56, वसन्त ऋतु प्रारम्भ
19	7	04	18	09	7	00	18	10	7	04	18	17	6	34	17	50	19	भ. 23/56 बाद, सूर्य शत. में 15/26, शुक्र उ. षा. में 15/44
20	7	03	18	10	6	59	18	11	7	03	18	18	6	33	17	51	20	भ. 12/25 तक
21	7	02	18	11	6	58	18	11	7	02	18	18	6	32	17	52	21	
22	7	01	18	11	6	58	18	12	7	01	18	19	6	31	17	52	22	
23	7	00	18	12	6	57	18	13	7	00	18	20	6	30	17	53	23	भ. 11/7 से 22/12 तक
24	6	59	18	13	6	56	18	13	6	59	18	20	6	29	17	53	24	बुध मीन में 21/14, शुक्र मकर में 30/19, विजया एकादशी व्रत (स.)
25	6	58	18	14	6	55	18	14	6	59	18	21	6	29	17	54	25	मंगल रोहि. में 23/43, शनि प्रदोष व्रत
26	6	57	18	14	6	54	18	15	6	58	18	21	6	28	17	55	26	भ. 13/30 से 23/41 तक, पंचक प्रारम्भ 29/54, श्रीमहाशिवरात्रि व्रत
27	6	56	18	15	6	53	18	15	6	57	18	22	6	27	17	55	27	यूरेनस शत. 4 में 19/19, सोमवती अमावस अमावस्या तिथिक्षय
28	6	55	18	16	6	52	18	16	6	56	18	23	6	26	17	56	28	फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रारम्भ

(A) गौरी तृतीया (गोतरी) (देखें पृष्ठ 288), तिल–वरद–कुन्द चतुर्थी, (B) अरुणोदय वाली), आरोग्य सप्तमी, (C) नेपच्यून धनि. 1 में 26/14, भीष्माष्टमी, (D) पुण्यकाल अगले दिन मध्याह्न तक, श्रीसत्यनारायण व्रत, (E) दिन श्री गुरु रविदास जी

श्री वि. सं. 2062

तिथ्यादि पंचांग (भा. स्टैं. टा.)

मार्च, सन् 2006 ई.

मास पक्ष	गते	तिथि	वार	समाप्ति काल घं.	मि.	नक्षत्र	समाप्ति काल घं.	मि.	योग	समाप्ति काल घं.	मि.	चन्द्रराशि	प्रवेशकाल घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्योदय घं.	मि.	चण्डीगढ़ सूर्यास्त घं.	मि.	दिल्ली सूर्योदय घं.	मि.	दिल्ली सूर्यास्त घं.	मि.	जयपुर सूर्योदय घं.	मि.	जयपुर सूर्यास्त घं.	मि.	वाराणसी सूर्योदय घं.	मि.	वाराणसी सूर्यास्त घं.	मि.	तारीख	भद्रा, ग्रह – राशि – नक्षत्रप्रवेश एवं पर्वोत्सवादि (सर्वत्र भा. स्टैं. टा. दिया गया है)
फाल्गुन शुक्ल	1	2	बु.	22	48	पू. भा.	10	29	सा.	15	41	मीन			6	53	18	17	6	50	18	17	6	55	18	23	6	25	17	56	1	चन्द्र दर्शन, मु. 45, मार्च प्रारम्भ
	2	3	गु.	19	42	उ. भा.	7	53	शु.	11	49	मेष	29	45	6	52	18	17	6	49	18	17	6	54	18	24	6	24	17	57	2	भ. 30/21 बाद, पंचक समाप्त 29/45, बुध वक्री 26/0
						रेव.	29	45																								
	3	4	शु.	17	09	अश्वि.	28	13	शु.	8	21	मेष			6	51	18	18	6	48	18	18	6	53	18	24	6	23	17	57	3	भ. 17/9 तक
									ब्र.	29	23																					
	4	5	श.	15	14	भर.	27	23	ऐ.	26	59	मेष			6	50	18	19	6	47	18	19	6	52	18	25	6	22	17	58	4	सूर्य पू. भा. में 21/40, व. बुध पश्चिम में अस्त 16/24, गुरु वक्री 23/18
	5	6	र.	14	04	कृत्ति.	27	17	वै.	25	12	वृष	9	17	6	49	18	20	6	46	18	19	6	51	18	26	6	21	17	58	5	
	6	7	चं.	13	41	रोहि.	27	57	वि.	24	01	वृष			6	48	18	20	6	45	18	20	6	50	18	26	6	20	17	59	6	भ. 13/41 से 25/46 तक
	7	8	मं.	14	03	मृग.	29	19	प्री.	23	24	मिथुन	16	33	6	46	18	21	6	44	18	21	6	49	18	27	6	19	17	59	7	होलाष्टक प्रारम्भ
	8	9	बु.	15	07	आर्द्रा	--	--	आ.	23	18	मिथुन			6	45	18	22	6	43	18	21	6	48	18	27	6	18	18	00	8	
	9	10	गु.	16	46	आर्द्रा	7	18	सौ.	23	37	कर्क	27	06	6	44	18	22	6	42	18	22	6	46	18	28	6	17	18	00	9	भ. 29/47 बाद, व. बुध पू. भा. ३ कुम्भ में 13/19
	10	11	शु.	18	53	पुन.	9	46	शो.	24	15	कर्क			6	43	18	23	6	41	18	22	6	45	18	28	6	16	18	01	10	भ. 18/53 तक, शुक्र श्रव. में 9/1, आमला एकादशी व्रत (स.)
	11	12	श.	21	19	पुष्य	12	35	अ.	25	06	कर्क			6	42	18	24	6	40	18	23	6	44	18	29	6	15	18	01	11	गोविन्द द्वादशी
	12	13	र.	23	55	आश्ले.	15	36	सु.	26	04	सिंह	15	36	6	40	18	24	6	38	18	24	6	43	18	29	6	14	18	02	12	प्रदोष व्रत
	13	14	चं.	26	33	मघा	18	41	धृ.	27	03	सिंह			6	39	18	25	6	37	18	24	6	42	18	30	6	13	18	02	13	भ. 26/33 बाद
	14	15	मं.	29	06	पू. फा.	21	45	शू.	27	58	कन्या	28	29	6	38	18	26	6	36	18	25	6	41	18	31	6	12	18	03	14	भ. 15/50 तक, सं. सूर्य मीन में 21/50, मु. 45, पुण्यकाल मध्याह्न के बाद, (A)
चैत्र कृष्ण	15	1	बु.	--	--	उ. फा.	24	39	ग.	28	46	कन्या			6	37	18	26	6	35	18	25	6	40	18	31	6	11	18	03	15	चैत्र कृष्ण पक्ष प्रारम्भ, वसन्त उत्सव, होला मेला श्री आनन्दपुर साहिब
	16	1	गु.	7	29	हस्त	27	20	वृ.	29	23	कन्या			6	36	18	27	6	34	18	26	6	39	18	32	6	10	18	03	16	
	17	2	शु.	9	35	चित्रा	29	41	ध्रु.	29	44	तुला	16	33	6	34	18	28	6	33	18	26	6	38	18	32	6	09	18	04	17	भ. 22/31 बाद, सूर्य उ. भा. में 30/11
	18	3	श.	11	20	स्वा.	--	--	व्या.	29	45	तुला			6	33	18	28	6	32	18	27	6	37	18	33	6	08	18	04	18	भ. 11/20 तक, श्री गणेश चतुर्थी व्रत
	19	4	र.	12	38	स्वा.	7	38	ह.	29	24	वृश्चिक	26	47	6	32	18	29	6	30	18	28	6	36	18	33	6	07	18	05	19	व. बुध पूर्व में उदित 6/58
	20	5	चं.	13	24	विशा.	9	06	व.	28	36	वृश्चिक			6	31	18	30	6	29	18	28	6	35	18	34	6	06	18	05	20	सूर्य सायन मेष में 23/57, उत्तर गोल प्रारम्भ, महा विषुव दिन
	21	6	मं.	13	36	अनु.	10	00	सि.	27	19	वृश्चिक			6	29	18	30	6	28	18	29	6	33	18	34	6	05	18	06	21	भ. 13/36 से 25/27 तक, व. बुध शत. ४ में 21/22
	22	7	बु.	13	09	ज्ये.	10	17	व्य.	25	33	धनु	10	17	6	28	18	31	6	27	18	29	6	32	18	35	6	04	18	06	22	मंगल मृग. में 19/54
	23	8	गु.	12	03	मूल	9	57	व.	23	15	धनु			6	27	18	32	6	26	18	30	6	31	18	35	6	03	18	07	23	मेला श्री शीतला माता कुराली (पं.)
	24	9	शु.	10	20	पू. षा.	8	59	प.	20	29	मकर	14	39	6	26	18	32	6	25	18	30	6	30	18	36	6	02	18	07	24	भ. 21/16 बाद, शुक्र धनि. में 19/17
	25	10	श.	8	03	उ. षा.	7	27	शि.	17	16	मकर			6	24	18	33	6	23	18	31	6	29	18	36	6	01	18	07	25	भ. 8/3 तक, बुध मार्गी 19/14, पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.)
		/11		29	16	श्रव.	29	26																								एकादशी तिथिक्षय
	26	12	र.	26	07	धनि.	27	02	सि.	13	42	कुम्भ	16	16	6	23	18	33	6	22	18	32	6	28	18	37	6	00	18	08	26	पंचक प्रारम्भ 16/16, पापमोचिनी एकादशी व्रत (वै.)
	27	13	चं.	22	43	शत.	24	24	सा.	9	52	कुम्भ			6	22	18	34	6	21	18	32	6	27	18	37	5	59	18	08	27	भ. 22/43 बाद, सोम प्रदोष व्रत, वारुणी पर्व
									शु.	29	52																					
	28	14	मं.	19	13	पू. भा.	21	40	शु.	25	50	मीन	16	21	6	21	18	35	6	20	18	33	6	26	18	38	5	58	18	09	28	भ. 8/58 तक, मेला पिहोवा तीर्थ (हरि.)
	29	30	बु.	15	46	उ. भा.	19	01	ब्र.	21	52	मीन			6	20	18	35	6	19	18	33	6	25	18	38	5	57	18	09	29	बुध पू. भा. में 21/9, प्लूटो वक्री 18/22, अमावस, सूर्य ग्रहण (भारत में , (B)

सूर्य ग्रहण 29 मार्च
(देखें पृष्ठ 13)

(A) श्रीसत्यनारायण व्रत, होलिका दहन, होलाष्टक समाप्त, (B) दृश्य), चान्द्र संवत्सर 2062 वि. पूर्ण

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भा. स्टैं. टा.)

जनवरी 2005 ई.	नक्षत्र	चंद्र नक्षत्र चरण : 1 घं. मि.	2 घं. मि.	3 घं. मि.	4 घं. मि.
1	पू. फा.	01 29	08 04	14 38	21 10
2	उ. फा.	03 40	10 08	16 34	22 58
3/ 4	हस्त	05 19	11 38	17 55	00 08
4/ 5	चित्रा	06 19	12 27	18 32	00 34
5/ 6	स्वा.	06 34	12 30	18 23	00 13
6	वि.	06 00	11 45	17 26	23 05
7	अनु.	04 40	10 14	15 45	21 13
8	ज्ये.	02 39	08 03	13 25	18 45
9	मूल	00 04	05 21	10 37	15 52
9/ 10	पू. षा.	21 06	02 19	07 31	12 44
10/ 11	उ. षा.	17 56	23 08	04 20	09 33
11/ 12	श्रव.	14 46	20 01	01 16	06 32
12/ 13	धनि.	11 50	17 09	22 31	03 54
13/ 14	शत.	09 19	14 46	20 16	01 48
14/ 15	पू. भा.	07 23	13 00	18 41	00 24
15	उ. भा.	06 10	12 00	17 52	23 48
16/ 17	रेव.	05 47	11 49	17 54	00 02
17/ 18	अश्वि.	06 13	12 27	18 44	01 04
18/ 19	भर.	07 26	13 51	20 18	02 48
19/ 20	कृत्ति.	09 19	15 53	22 28	05 05
20/ 21	रोहि.	11 44	18 23	01 04	07 46
21/ 22	मृग.	14 29	21 12	03 56	10 40
22/ 23	आर्द्रा	17 25	00 09	06 54	13 39
23/ 24	पुन.	20 24	03 08	09 52	16 36
24/ 25	पुष्य	23 20	06 03	12 46	19 28
26	आश्ले.	02 10	08 51	15 31	22 11
27/ 28	मघा	04 50	11 28	18 05	00 42
28/ 29	पू. फा.	07 17	13 51	20 25	02 57
29/ 30	उ. फा.	09 28	15 57	22 25	04 52
30/ 31	हस्त	11 17	17 40	00 02	06 21

फरवरी 2005 ई.	नक्षत्र	चंद्र नक्षत्र चरण : 1 घं. मि.	2 घं. मि.	3 घं. मि.	4 घं. मि.
31/ 1	चित्रा	12 39	18 54	01 07	07 18
1/ 2	स्वा.	13 27	19 34	01 37	07 39
2/ 3	वि.	13 38	19 34	01 28	07 19
3/ 4	अनु.	13 07	18 53	00 37	06 17
4/ 5	ज्ये.	11 56	17 32	23 06	04 38
5/ 6	मूल	10 07	15 35	21 00	02 24
6	पू. षा.	07 47	13 08	18 28	23 46
7	उ. षा.	05 04	10 21	15 37	20 53
8	श्रव.	02 09	07 24	12 40	17 56
8/ 9	धनि.	23 12	04 29	09 47	15 07
9/ 10	शत.	20 27	01 49	07 12	12 37
10/ 11	पू. भा.	18 04	23 33	05 04	10 38
11/ 12	उ. भा.	16 14	21 52	03 34	09 18
12/ 13	रेव.	15 05	20 56	02 49	08 45
13/ 14	अश्वि.	14 45	20 48	02 53	09 02
14/ 15	भर.	15 15	21 30	03 48	10 09
15/ 16	कृत्ति.	16 32	22 59	05 27	11 59
16/ 17	रोहि.	18 32	01 07	07 44	14 23
17/ 18	मृग.	21 03	03 45	10 28	17 11
18/ 19	आर्द्रा	23 55	06 40	13 25	20 10
20	पुन.	02 55	09 41	16 25	23 10
21/ 22	पुष्य	05 54	12 37	19 19	02 01
22/ 23	आश्ले.	08 42	15 22	22 01	04 38
23/ 24	मघा	11 15	17 51	00 25	06 58
24/ 25	पू. फा.	13 30	20 01	02 30	08 58
25/ 26	उ. फा.	15 25	21 50	04 15	10 37
26/ 27	हस्त	16 59	23 19	05 37	11 54
27/ 28	चित्रा	18 10	00 24	06 37	12 47

मार्च 2005 ई.	नक्षत्र	चंद्र नक्षत्र चरण : 1 घं. मि.	2 घं. मि.	3 घं. मि.	4 घं. मि.
28/ 1	स्वा.	18 57	01 04	07 10	13 15
1/ 2	वि.	19 17	01 18	07 17	13 14
2/ 3	अनु.	19 09	01 03	06 54	12 44
3/ 4	ज्ये.	18 32	00 18	06 02	11 45
4/ 5	मूल	17 26	23 05	04 42	10 18
5/ 6	पू. षा.	15 52	21 25	02 57	08 27
6/ 7	उ. षा.	13 56	19 24	00 52	06 18
7/ 8	श्रव.	11 44	17 09	22 33	03 58
8/ 9	धनि.	09 22	14 47	20 11	01 36
9	शत.	07 01	12 27	17 53	23 21
10	पू. भा.	04 50	10 19	15 50	21 23
11	उ. भा.	02 58	08 34	14 12	19 52
12	रेव.	01 34	07 19	13 06	18 55
13	अश्वि.	00 47	06 42	12 40	18 40
14	भर.	00 43	06 49	12 58	19 09
15	कृत्ति.	01 23	07 41	14 01	20 23
16	रोहि.	02 48	09 16	15 46	22 18
17/ 18	मृग.	04 52	11 28	18 06	00 45
18/ 19	आर्द्रा	07 26	14 08	20 51	03 34
19/ 20	पुन.	10 18	17 03	23 47	06 32
20/ 21	पुष्य	13 16	20 00	02 43	09 26
21/ 22	आश्ले.	16 07	22 48	05 27	12 05
22/ 23	मघा	18 42	01 17	07 51	14 23
23/ 24	पू. फा.	20 54	03 22	09 49	16 15
24/ 25	उ. फा.	22 38	05 00	11 20	17 38
25/ 26	हस्त	23 54	06 09	12 22	18 33
27	चित्रा	00 42	06 50	12 56	19 01
28	स्वा.	01 04	07 06	13 06	19 05
29	वि.	01 02	06 58	12 53	18 46
30	अनु.	00 39	06 30	12 19	18 08
30/ 31	ज्ये.	23 56	05 42	11 27	17 12

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भा. स्टैं. टा.)

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
अप्रैल 2005 ई.	नक्षत्र	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
31/ 1	मूल	22 55	04 38	10 19	16 00
1/ 2	पू. षा.	21 40	03 19	08 58	14 36
2/ 3	उ. षा.	20 13	01 50	07 26	13 02
3/ 4	श्रव.	18 37	00 12	05 47	11 22
4/ 5	धनि.	16 56	22 31	04 06	09 41
5/ 6	शत.	15 16	20 51	02 27	08 04
6/ 7	पू. भा.	13 41	19 19	00 57	06 37
7/ 8	उ. भा.	12 18	18 00	23 43	05 27
8/ 9	रेव.	11 13	17 00	22 49	04 40
9/ 10	अश्वि.	10 33	16 28	22 24	04 23
10/ 11	भर.	10 23	16 26	22 32	04 39
11/ 12	कृत्ति.	10 49	17 01	23 16	05 33
12/ 13	रोहि.	11 52	18 13	00 37	07 03
13/ 14	मृग.	13 32	20 02	02 34	09 09
14/ 15	आर्द्रा	15 45	22 22	05 01	11 42
15/ 16	पुन.	18 23	01 05	07 48	14 32
16/ 17	पुष्य	21 16	04 00	10 44	17 27
18	आश्ले.	00 11	06 53	13 35	20 15
19	मघा	02 54	09 32	16 08	22 43
20/ 21	पू. फा.	05 15	11 46	18 15	00 41
21/ 22	उ. फा.	07 06	13 28	19 47	02 05
22/ 23	हस्त	08 20	14 33	20 43	02 51
23/ 24	चित्रा	08 57	15 01	21 03	03 02
24/ 25	स्वा.	08 59	14 55	20 48	02 40
25/ 26	वि.	08 30	14 18	20 05	01 51
26/ 27	अनु.	07 35	13 18	18 59	00 40
27	ज्ये.	06 19	11 58	17 36	23 14
28	मूल	04 51	10 27	16 03	21 39
29	पू. षा.	03 14	08 50	14 25	20 01
30	उ. षा.	01 36	07 12	12 48	18 24

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
मई 2005 ई.	नक्षत्र	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	श्रव.	00 01	05 38	11 16	16 54
1/ 2	धनि.	22 33	04 12	09 52	15 33
2/ 3	शत.	21 14	02 57	08 40	14 24
3/ 4	पू. भा.	20 09	01 55	07 42	13 30
4/ 5	उ. भा.	19 19	01 09	07 00	12 53
5/ 6	रेव.	18 46	00 41	06 38	12 35
6/ 7	अश्वि.	18 34	00 35	06 37	12 40
7/ 8	भर.	18 45	00 51	07 00	13 10
8/ 9	कृत्ति.	19 21	01 35	07 50	14 07
9/ 10	रोहि.	20 25	02 46	09 09	15 33
10/ 11	मृग.	21 59	04 27	10 57	17 28
12	आर्द्रा	00 01	06 36	13 12	19 50
13	पुन.	02 29	09 09	15 51	22 33
14/ 15	पुष्य	05 16	12 00	18 44	01 28
15/ 16	आश्ले.	08 13	14 57	21 41	04 24
16/ 17	मघा	11 07	17 48	00 28	07 07
17/ 18	पू. फा.	13 45	20 20	02 54	09 26
18/ 19	उ. फा.	15 55	22 22	04 47	11 09
19/ 20	हस्त	17 28	23 45	05 58	12 09
20/ 21	चित्रा	18 18	00 23	06 26	12 26
21/ 22	स्वा.	18 23	00 17	06 09	11 59
22/ 23	वि.	17 46	23 31	05 13	10 54
23/ 24	अनु.	16 32	22 09	03 44	09 17
24/ 25	ज्ये.	14 49	20 20	01 49	07 18
25/ 26	मूल	12 46	18 13	23 40	05 06
26/ 27	पू. षा.	10 32	15 58	21 24	02 50
27/ 28	उ. षा.	08 16	13 43	19 11	00 39
28	श्रव.	06 08	11 38	17 09	22 41
29	धनि.	04 14	09 49	15 24	21 02
30	शत.	02 40	08 21	14 03	19 46
31	पू. भा.	01 31	07 18	13 06	18 56

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
जून 2005 ई.	नक्षत्र	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	उ. भा.	00 48	06 42	12 37	18 33
2	रेव.	00 32	06 32	12 34	18 37
3	अश्वि.	00 42	06 48	12 56	19 06
4	भर.	01 17	07 29	13 43	19 59
5	कृत्ति.	02 15	08 34	14 53	21 15
6	रोहि.	03 37	10 01	16 26	22 53
7/ 8	मृग.	05 21	11 51	18 22	00 54
8/ 9	आर्द्रा	07 28	14 02	20 39	03 16
9/ 10	पुन.	09 54	16 34	23 15	05 56
10/ 11	पुष्य	12 39	19 22	02 06	08 51
11/ 12	आश्ले.	15 36	22 21	05 06	11 51
12/ 13	मघा	18 36	01 21	08 05	14 48
13/ 14	पू. फा.	21 30	04 11	10 50	17 28
15	उ. फा.	00 04	06 38	13 10	19 39
16	हस्त	02 06	08 30	14 52	21 11
17	चित्रा	03 26	09 39	15 49	21 56
18	स्वा.	03 59	10 00	15 57	21 51
19	वि.	03 42	09 30	15 16	20 58
20	अनु.	02 38	08 16	13 51	19 23
21	ज्ये.	00 54	06 22	11 49	17 14
21/ 22	मूल	22 37	03 59	09 20	14 40
22/ 23	पू. षा.	19 59	01 17	06 35	11 53
23/ 24	उ. षा.	17 10	22 28	03 46	09 04
24/ 25	श्रव.	14 23	19 42	01 03	06 24
25/ 26	धनि.	11 47	17 11	22 37	04 04
26/ 27	शत.	09 32	15 03	20 36	02 10
27/ 28	पू. भा.	07 47	13 26	19 07	00 51
28/ 29	उ. भा.	06 36	12 24	18 15	00 08
29/ 30	रेव.	06 03	12 00	18 00	00 02

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भा. स्टैं. टा.)

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
जुलाई 2005 ई.	नक्षत्र	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.
30/ 1	अश्वि.	06 07	12 13	18 22	00 33
1/ 2	भर.	06 45	13 00	19 17	01 35
2/ 3	कृति.	07 55	14 17	20 41	03 06
3/ 4	रोहि.	09 32	16 00	22 29	04 59
4/ 5	मृग.	11 31	18 04	00 38	07 13
5/ 6	आर्द्रा	13 49	20 26	03 04	09 43
6/ 7	पुन.	16 23	23 04	05 45	12 28
7/ 8	पुष्य	19 11	01 54	08 38	15 23
8/ 9	आश्ले.	22 08	04 53	11 39	18 24
10	मघा	01 10	07 55	14 41	21 25
11/ 12	पू. फा.	04 10	10 53	17 36	00 18
12/ 13	उ. फा.	06 58	13 37	20 15	02 51
13/ 14	हस्त	09 25	15 56	22 26	04 53
14/ 15	चित्रा	11 18	17 40	23 59	06 15
15/ 16	स्वा.	12 28	18 38	00 46	06 50
16/ 17	वि.	12 50	18 48	00 43	06 34
17/ 18	अनु.	12 22	18 07	23 50	05 29
18/ 19	ज्ये.	11 06	16 40	22 11	03 40
19/ 20	मूल	09 07	14 32	19 55	01 16
20	पू. षा.	06 35	11 53	17 10	22 26
21	उ. षा.	03 41	08 55	14 08	19 22
22	श्रव.	00 35	05 49	11 02	16 16
22/ 23	धनि.	21 31	02 46	08 03	13 21
23/ 24	शत.	18 40	00 00	05 22	10 46
24/ 25	पू. भा.	16 12	21 40	03 10	08 42
25/ 26	उ. भा.	14 17	19 54	01 34	07 16
26/ 27	रेव.	13 01	18 49	00 40	06 33
27/ 28	अश्वि.	12 30	18 29	00 30	06 35
28/ 29	भर.	12 42	18 52	01 04	07 19
29/ 30	कृति.	13 37	19 56	02 18	08 42
30/ 31	रोहि.	15 08	21 36	04 06	10 37

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
अगस्त 2005 ई.	नक्षत्र	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.
31/ 1	मृग.	17 10	23 44	06 20	12 57
1/ 2	आर्द्रा	19 35	02 14	08 54	15 35
2/ 3	पुन.	22 16	04 59	11 41	18 25
4	पुष्य	01 09	07 53	14 38	21 22
5/ 6	आश्ले.	04 07	10 53	17 38	00 23
6/ 7	मघा	07 08	13 53	20 37	03 21
7/ 8	पू. फा.	10 05	16 48	23 31	06 13
8/ 9	उ. फा.	12 54	19 34	02 13	08 51
9/ 10	हस्त	15 27	22 02	04 35	11 07
10/ 11	चित्रा	17 36	00 04	06 30	12 53
11/ 12	स्वा.	19 14	01 32	07 48	14 01
12/ 13	वि.	20 12	02 20	08 25	14 27
13/ 14	अनु.	20 26	02 22	08 15	14 06
14/ 15	ज्ये.	19 53	01 38	07 20	13 00
15/ 16	मूल	18 37	00 11	05 43	11 13
16/ 17	पू. षा.	16 40	22 06	03 30	08 52
17/ 18	उ. षा.	14 12	19 32	00 49	06 06
18/ 19	श्रव.	11 22	16 38	21 52	03 07
19/ 20	धनि.	08 21	13 35	18 50	00 04
20	शत.	05 20	10 36	15 53	21 11
21	पू. भा.	02 30	07 51	13 13	18 37
22	उ. भा.	00 03	05 31	11 01	16 33
22/ 23	रेव.	22 08	03 45	09 25	15 07
23/ 24	अश्वि.	20 53	02 41	08 32	14 26
24/ 25	भर.	20 22	02 22	08 25	14 30
25/ 26	कृति.	20 39	02 50	09 04	15 21
26/ 27	रोहि.	21 41	04 03	10 27	16 54
27/ 28	मृग.	23 23	05 55	12 28	19 03
29	आर्द्रा	01 39	08 17	14 57	21 37
30/ 31	पुन.	04 19	11 01	17 45	00 29

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
सितम्बर 2005 ई.	नक्षत्र	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.
31/ 1	पुष्य	07 13	13 58	20 43	03 28
1/ 2	आश्ले.	10 13	16 58	23 43	06 28
2/ 3	मघा	13 12	19 56	02 39	09 22
3/ 4	पू. फा.	16 04	22 45	05 26	12 05
4/ 5	उ. फा.	18 44	01 22	07 58	14 34
5/ 6	हस्त	21 08	03 41	10 12	16 42
6/ 7	चित्रा	23 11	05 38	12 04	18 27
8	स्वा.	00 49	07 10	13 28	19 44
9	वि.	01 59	08 11	14 21	20 29
10	अनु.	02 35	08 39	14 40	20 39
11	ज्ये.	02 36	08 30	14 23	20 13
12	मूल	02 00	07 46	13 29	19 10
13	पू. षा.	00 49	06 26	12 01	17 35
13/ 14	उ. षा.	23 06	04 36	10 05	15 32
14/ 15	श्रव.	20 58	02 22	07 46	13 08
15/ 16	धनि.	18 30	23 51	05 12	10 32
16/ 17	शत.	15 53	21 13	02 33	07 54
17/ 18	पू. भा.	13 15	18 37	23 59	05 22
18/ 19	उ. भा.	10 47	16 12	21 39	03 08
19/ 20	रेव.	08 38	14 10	19 43	01 19
20/ 21	अश्वि.	06 57	12 37	18 20	00 05
21	भर.	05 53	11 43	17 36	23 32
22	कृति.	05 31	11 32	17 37	23 44
23/ 24	रोहि.	05 54	12 07	18 23	00 41
24/ 25	मृग.	07 02	13 26	19 52	02 21
25/ 26	आर्द्रा	08 52	15 25	22 00	04 37
26/ 27	पुन.	11 15	17 55	00 36	07 19
27/ 28	पुष्य	14 02	20 46	03 31	10 16
28/ 29	आश्ले.	17 01	23 46	06 32	13 16
29/ 30	मघा	20 01	02 45	09 28	16 10

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भा. स्टैं. टा.)

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
अक्तूबर 2005 ई.	नक्षत्र	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.
30/ 1	पू. फा.	22 51	05 31	12 10	18 48
2	उ. फा.	01 24	08 00	14 33	21 05
3	हस्त	03 36	10 05	16 32	22 58
4/ 5	चित्रा	05 22	11 45	18 05	00 24
5/ 6	स्वा.	06 42	12 58	19 12	01 24
6/ 7	वि.	07 35	13 44	19 51	01 57
7/ 8	अनु.	08 01	14 04	20 05	02 04
8/ 9	ज्ये.	08 02	13 58	19 53	01 46
9/ 10	मूल	07 38	13 28	19 17	01 04
10/ 11	पू. षा.	06 50	12 35	18 18	00 00
11	उ. षा.	05 41	11 21	16 59	22 37
12	श्रव.	04 13	09 49	15 23	20 57
13	धनि.	02 30	08 02	13 34	19 05
14	शत.	00 36	06 06	11 36	17 06
14/ 15	पू. भा.	22 36	04 06	09 37	15 07
15/ 16	उ. भा.	20 38	02 10	07 42	13 15
16/ 17	रेव.	18 49	00 23	05 59	11 36
17/ 18	अश्वि.	17 15	22 55	04 37	10 20
18/ 19	भर.	16 05	21 52	03 41	09 32
19/ 20	कृत्ति.	15 26	21 21	03 20	09 20
20/ 21	रोहि.	15 23	21 29	03 37	09 48
21/ 22	मृग.	16 01	22 17	04 36	10 57
22/ 23	आर्द्रा	17 21	23 47	06 16	12 47
23/ 24	पुन.	19 20	01 55	08 32	15 10
24/ 25	पुष्य	21 50	04 32	11 14	17 58
26	आश्ले.	00 42	07 27	14 12	20 58
27	मघा	03 43	10 28	17 12	23 55
28/ 29	पू. फा.	06 38	13 19	20 00	02 38
29/ 30	उ. फा.	09 16	15 51	22 25	04 56
30/ 31	हस्त	11 26	17 54	00 19	06 43

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
नवम्बर 2005 ई.	नक्षत्र	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.
31/ 1	चित्रा	13 04	19 23	01 40	07 54
1/ 2	स्वा.	14 07	20 17	02 25	08 32
2/ 3	वि.	14 36	20 38	02 39	08 38
3/ 4	अनु.	14 35	20 30	02 24	08 16
4/ 5	ज्ये.	14 07	19 57	01 46	07 33
5/ 6	मूल	13 20	19 05	00 50	06 34
6/ 7	पू. षा.	12 17	17 59	23 41	05 22
7/ 8	उ. षा.	11 03	16 43	22 23	04 03
8/ 9	श्रव.	09 42	15 22	21 01	02 40
9/ 10	धनि.	08 19	13 58	19 37	01 16
10	शत.	06 55	12 34	18 13	23 52
11	पू. भा.	05 32	11 12	16 52	22 33
12	उ. भा.	04 14	09 55	15 37	21 19
13	रेव.	03 02	08 46	14 30	20 15
14	अश्वि.	02 01	07 48	13 36	19 25
15	भर.	01 15	07 07	12 59	18 54
16	कृत्ति.	00 49	06 46	12 45	18 46
17	रोहि.	00 48	06 53	12 59	19 08
18	मृग.	01 18	07 31	13 46	20 03
19	आर्द्रा	02 22	08 43	15 07	21 33
20	पुन.	04 01	10 32	17 04	23 38
21/ 22	पुष्य	06 15	12 53	19 32	02 13
22/ 23	आश्ले.	08 56	15 39	22 23	05 08
23/ 24	मघा	11 54	18 40	01 26	08 11
24/ 25	पू. फा.	14 56	21 41	04 24	11 07
25/ 26	उ. फा.	17 47	00 27	07 04	13 40
26/ 27	हस्त	20 13	02 45	09 13	15 40
27/ 28	चित्रा	22 03	04 24	10 43	16 58
28/ 29	स्वा.	23 11	05 21	11 28	17 32
29/ 30	वि.	23 34	05 34	11 30	17 24

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
दिसम्बर 2005 ई.	नक्षत्र	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.	घं.मि.
30/ 1	अनु.	23 16	05 06	10 54	16 39
1/ 2	ज्ये.	22 23	04 05	09 45	15 24
2/ 3	मूल	21 02	02 38	08 13	13 48
3/ 4	पू. षा.	19 21	00 54	06 27	11 59
4/ 5	उ. षा.	17 31	23 03	04 35	10 07
5/ 6	श्रव.	15 39	21 12	02 45	08 18
6/ 7	धनि.	13 52	19 27	01 03	06 39
7/ 8	शत.	12 16	17 54	23 33	05 13
8/ 9	पू. भा.	10 55	16 37	22 20	04 04
9/ 10	उ. भा.	09 49	15 36	21 23	03 11
10/ 11	रेव.	09 01	14 52	20 43	02 36
11/ 12	अश्वि.	08 30	14 25	20 21	02 18
12/ 13	भर.	08 16	14 16	20 16	02 18
13/ 14	कृत्ति.	08 21	14 25	20 30	02 37
14/ 15	रोहि.	08 45	14 54	21 05	03 17
15/ 16	मृग.	09 30	15 46	22 02	04 21
16/ 17	आर्द्रा	10 41	17 03	23 26	05 52
17/ 18	पुन.	12 19	18 48	01 18	07 51
18/ 19	पुष्य	14 25	21 01	03 38	10 17
19/ 20	आश्ले.	16 57	23 39	06 22	13 06
20/ 21	मघा	19 51	02 37	09 23	16 10
21/ 22	पू. फा.	22 57	05 44	12 30	19 16
23	उ. फा.	02 01	08 45	15 28	22 10
24/ 25	हस्त	04 49	11 27	18 03	00 36
25/ 26	चित्रा	07 07	13 36	20 01	02 24
26/ 27	स्वा.	08 43	15 00	21 13	03 23
27/ 28	वि.	09 30	15 34	21 34	03 32
28/ 29	अनु.	09 26	15 18	21 06	02 52
29/ 30	ज्ये.	08 35	14 16	19 54	01 30
30	मूल	07 04	12 36	18 06	23 34
31	पू. षा.	05 01	10 27	15 51	21 15

चन्द्रमा का नक्षत्र चरणों में प्रवेश काल (भा. स्टैं. टा.)

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
जनवरी 2006 ई.	नक्षत्र	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	उ. षा.	02 38	08 00	13 22	18 44
2	श्रव.	00 05	05 27	10 49	16 11
2/ 3	धनि.	21 34	02 57	08 22	13 47
3/ 4	शत.	19 14	00 41	06 10	11 41
4/ 5	पू. भा.	17 13	22 46	04 21	09 58
5/ 6	उ. भा.	15 37	21 17	02 59	08 43
6/ 7	रेव.	14 29	20 17	02 07	07 59
7/ 8	अश्वि.	13 52	19 48	01 45	07 44
8/ 9	भर.	13 45	19 47	01 52	07 57
9/ 10	कृत्ति.	14 05	20 14	02 25	08 37
10/ 11	रोहि.	14 51	21 06	03 22	09 40
11/ 12	मृग.	16 00	22 20	04 42	11 06
12/ 13	आर्द्रा	17 31	23 57	06 24	12 53
13/ 14	पुन.	19 23	01 55	08 27	15 02
14/ 15	पुष्य	21 37	04 14	10 51	17 31
16	आश्ले.	00 11	06 52	13 35	20 18
17	मघा	03 02	09 48	16 33	23 20
18/ 19	पू. फा.	06 07	12 54	19 41	02 28
19/ 20	उ. फा.	09 15	16 02	22 48	05 33
20/ 21	हस्त	12 17	19 00	01 42	08 22
21/ 22	चित्रा	15 00	21 36	04 10	10 41
22/ 23	स्वा.	17 10	23 36	05 59	12 19
23/ 24	वि.	18 36	00 50	07 01	13 09
24/ 25	अनु.	19 13	01 14	07 11	13 06
25/ 26	ज्ये.	18 57	00 45	06 30	12 12
26/ 27	मूल	17 52	23 28	05 02	10 34
27/ 28	पू. षा.	16 03	21 30	02 56	08 19
28/ 29	उ. षा.	13 41	19 01	00 20	05 38
29/ 30	श्रव.	10 55	16 11	21 27	02 42
30	धनि.	07 57	13 13	18 28	23 44
31	शत.	05 00	10 17	15 35	20 54

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
फरवरी 2006 ई.	नक्षत्र	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	पू. भा.	02 14	07 35	12 58	18 22
1/ 2	उ. भा.	23 48	05 16	10 46	16 18
2/ 3	रेव.	21 52	03 29	09 07	14 48
3/ 4	अश्वि.	20 31	02 17	08 05	13 56
4/ 5	भर.	19 49	01 45	07 43	13 44
5/ 6	कृत्ति.	19 47	01 53	08 00	14 11
6/ 7	रोहि.	20 23	02 38	08 54	15 13
7/ 8	मृग.	21 34	03 57	10 21	16 47
8/ 9	आर्द्रा	23 15	05 44	12 15	18 48
10	पुन.	01 21	07 56	14 32	21 10
11	पुष्य	03 48	10 28	17 08	23 49
12/ 13	आश्ले.	06 32	13 14	19 58	02 42
13/ 14	मघा	09 27	16 12	22 58	05 44
14/ 15	पू. फा.	12 30	19 17	02 04	08 50
15/ 16	उ. फा.	15 36	22 22	05 08	11 53
16/ 17	हस्त	18 38	01 22	08 05	14 46
17/ 18	चित्रा	21 27	04 06	10 44	17 20
18/ 19	स्वा.	23 54	06 26	12 56	19 24
20	वि.	01 49	08 12	14 32	20 49
21	अनु.	03 04	09 16	15 25	21 31
22	ज्ये.	03 34	09 34	15 31	21 25
23	मूल	03 16	09 04	14 49	20 32
24	पू. षा.	02 12	07 49	13 24	18 56
25	उ. षा.	00 26	05 54	11 20	16 44
25/ 26	श्रव.	22 07	03 27	08 47	14 05
26/ 27	धनि.	19 22	00 39	05 54	11 09
27/ 28	शत.	16 24	21 38	02 53	08 07

चंद्र नक्षत्र चरण :		1	2	3	4
मार्च 2006 ई.	नक्षत्र	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
28/ 1	पू. भा.	13 22	18 38	23 54	05 11
1/ 2	उ. भा.	10 29	15 48	21 08	02 30
2/ 3	रेव.	07 53	13 18	18 45	00 14
3	अश्वि.	05 45	11 19	16 54	22 32
4	भर.	04 13	09 56	15 42	21 31
5	कृत्ति.	03 23	09 17	15 14	21 14
6	रोहि.	03 17	09 23	15 31	21 43
7	मृग.	03 57	10 13	16 33	22 54
8/ 9	आर्द्रा	05 19	11 45	18 14	00 45
9/ 10	पुन.	07 18	13 52	20 28	03 06
10/ 11	पुष्य	09 46	16 26	23 08	05 51
11/ 12	आश्ले.	12 35	19 19	02 04	08 50
12/ 13	मघा	15 36	22 22	05 08	11 55
13/ 14	पू. फा.	18 41	01 28	08 14	14 59
14/ 15	उ. फा.	21 45	04 29	11 13	17 57
16	हस्त	00 39	07 21	14 02	20 41
17	चित्रा	03 20	09 57	16 33	23 08
18/ 19	स्वा.	05 41	12 13	18 43	01 12
19/ 20	वि.	07 38	14 03	20 26	02 47
20/ 21	अनु.	09 06	15 22	21 37	03 50
21/ 22	ज्ये.	10 00	16 08	22 13	04 16
22/ 23	मूल	10 17	16 15	22 12	04 05
23/ 24	पू. षा.	09 56	15 45	21 32	03 17
24/ 25	उ. षा.	08 59	14 39	20 17	01 53
25	श्रव.	07 27	12 59	18 30	23 59
26	धनि.	05 26	10 52	16 16	21 40
27	शत.	03 02	08 24	13 44	19 04
28	पू. भा.	00 24	05 43	11 02	16 21
28/ 29	उ. भा.	21 40	03 00	08 20	13 40
29/ 30	रेव.	19 01	00 23	05 46	11 10
30/ 31	अश्वि.	16 36	22 03	03 31	09 02

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

1 जनवरी 2005 ई. को अयनांश 23° 55' 29"

जनवरी	साम्पातिक काल 0.0 h GMT	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	मध्यम राहु	स्पष्ट राहु	सूर्य क्रां.	चन्द्र क्रां.	चन्द्रशर	चन्द्रोदय (चण्डीगढ (भा. स्टै. टा.))	चन्द्रास्त
	घं. मि. से.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घं. मि.	घं. मि.
1	6 42 59	8 16 44 29	4 15 22 12	7 10 25 30	7 24 28 36	5 23 21 46	7 25 10 32	3 01 00 21	0 04 23 48	0 04 59 51	-23 00	11 38	3 50	22 40	11 03
2	6 46 55	8 17 45 38	4 27 36 55	7 11 06 50	7 25 36 54	5 23 27 24	7 26 25 37	3 00 55 38	0 04 20 37	0 04 55 39	-22 55	6 10	3 03	23 36	11 30
3	6 50 52	8 18 46 47	5 10 05 55	7 11 48 12	7 26 47 33	5 23 32 51	7 27 40 43	3 00 50 52	0 04 17 26	0 04 53 45	-22 50	0 20	2 07	-- --	11 57
4	6 54 49	8 19 47 56	5 22 53 43	7 12 29 36	7 28 00 18	5 23 38 10	7 28 55 49	3 00 46 05	0 04 14 15	0 04 53 26	-22 44	-5 38	1 03	0 33	12 25
5	6 58 45	8 20 49 06	6 06 04 47	7 13 11 02	7 29 14 57	5 23 43 18	8 00 10 56	3 00 41 15	0 04 11 05	0 04 53 36	-22 37	-11 34	-0 06	1 34	12 56
6	7 02 42	8 21 50 15	6 19 42 50	7 13 52 29	8 00 31 16	5 23 48 17	8 01 26 04	3 00 36 25	0 04 07 54	0 04 52 50	-22 30	-17 10	-1 17	2 38	13 33
7	7 06 38	8 22 51 25	7 03 50 00	7 14 33 59	8 01 49 06	5 23 53 06	8 02 41 12	3 00 31 32	0 04 04 43	0 04 50 02	-22 23	-22 02	-2 26	3 47	14 15
8	7 10 35	8 23 52 35	7 18 25 43	7 15 15 30	8 03 08 18	5 23 57 45	8 03 56 20	3 00 26 39	0 04 01 32	0 04 44 49	-22 15	-25 43	-3 28	4 59	15 08
9	7 14 31	8 24 53 45	8 03 25 54	7 15 57 03	8 04 28 44	5 24 02 14	8 05 11 29	3 00 21 44	0 03 58 22	0 04 36 56	-22 07	-27 42	-4 17	6 12	16 11
10	7 18 28	8 25 54 55	8 18 42 38	7 16 38 38	8 05 50 18	5 24 06 32	8 06 26 38	3 00 16 49	0 03 55 11	0 04 26 21	-21 58	-27 38	-4 49	7 19	17 22
11	7 22 24	8 26 56 04	9 04 05 03	7 17 20 14	8 07 12 54	5 24 10 41	8 07 41 48	3 00 11 53	0 03 52 00	0 04 14 10	-21 49	-25 27	-5 00	8 17	18 37
12	7 26 21	8 27 57 14	9 19 21 07	7 18 01 52	8 08 36 27	5 24 14 39	8 08 56 57	3 00 06 56	0 03 48 49	0 04 02 35	-21 39	-21 27	-4 49	9 06	19 52
13	7 30 18	8 28 58 23	10 04 19 52	7 18 43 31	8 10 00 53	5 24 18 26	8 10 12 07	3 00 01 59	0 03 45 39	0 03 53 07	-21 29	-16 07	-4 19	9 47	21 03
14	7 34 14	8 29 59 31	10 18 53 18	7 19 25 12	8 11 26 09	5 24 22 03	8 11 27 17	2 29 57 02	0 03 42 28	0 03 46 05	-21 19	-10 01	-3 32	10 21	22 09
15	7 38 11	9 01 00 39	11 02 57 13	7 20 06 55	8 12 52 11	5 24 25 30	8 12 42 27	2 29 52 05	0 03 39 17	0 03 41 27	-21 08	-3 36	-2 34	10 53	23 12
16	7 42 07	9 02 01 46	11 16 31 08	7 20 48 39	8 14 18 58	5 24 28 45	8 13 57 37	2 29 47 09	0 03 36 06	0 03 39 13	-20 57	2 46	-1 29	11 22	-- --
17	7 46 04	9 03 02 52	11 29 37 19	7 21 30 25	8 15 46 26	5 24 31 50	8 15 12 46	2 29 42 12	0 03 32 55	0 03 38 41	-20 45	8 48	-0 21	11 51	0 12
18	7 50 00	9 04 03 57	0 12 19 45	7 22 12 13	8 17 14 36	5 24 34 44	8 16 27 56	2 29 37 16	0 03 29 45	0 03 38 36	-20 33	14 19	0 45	12 21	1 12
19	7 53 57	9 05 05 02	0 24 43 15	7 22 54 02	8 18 43 25	5 24 37 28	8 17 43 05	2 29 32 21	0 03 26 34	0 03 37 36	-20 21	19 07	1 48	12 55	2 10
20	7 57 53	9 06 06 05	1 06 52 41	7 23 35 52	8 20 12 53	5 24 40 00	8 18 58 15	2 29 27 27	0 03 23 23	0 03 34 40	-20 08	23 01	2 45	13 32	3 09
21	8 01 50	9 07 07 08	1 18 52 37	7 24 17 45	8 21 42 59	5 24 42 22	8 20 13 24	2 29 22 34	0 03 20 12	0 03 29 00	-19 55	25 52	3 34	14 13	4 07
22	8 05 47	9 08 08 10	2 00 46 56	7 24 59 39	8 23 13 41	5 24 44 32	8 21 28 34	2 29 17 42	0 03 17 02	0 03 20 10	-19 42	27 32	4 13	15 00	5 03
23	8 09 43	9 09 09 11	2 12 38 46	7 25 41 35	8 24 45 02	5 24 46 32	8 22 43 43	2 29 12 51	0 03 13 51	0 03 08 28	-19 28	27 56	4 40	15 52	5 56
24	8 13 40	9 10 10 11	2 24 30 31	7 26 23 32	8 26 16 59	5 24 48 20	8 23 58 52	2 29 08 02	0 03 10 40	0 02 54 40	-19 14	27 03	4 56	16 47	6 44
25	8 17 36	9 11 11 11	3 06 23 52	7 27 05 32	8 27 49 33	5 24 49 58	8 25 14 02	2 29 03 15	0 03 07 29	0 02 39 48	-18 59	24 56	4 58	17 45	7 27
26	8 21 33	9 12 12 09	3 18 20 10	7 27 47 33	8 29 22 45	5 24 51 24	8 26 29 11	2 28 58 30	0 03 04 19	0 02 24 57	-18 44	21 43	4 48	18 42	8 03
27	8 25 29	9 13 13 07	4 00 20 31	7 28 29 36	9 00 56 35	5 24 52 39	8 27 44 20	2 28 53 47	0 03 01 08	0 02 11 16	-18 29	17 35	4 24	19 39	8 36
28	8 29 26	9 14 14 04	4 12 26 08	7 29 11 40	9 02 31 03	5 24 53 42	8 28 59 29	2 28 49 05	0 02 57 57	0 01 59 53	-18 13	12 43	3 49	20 35	9 06
29	8 33 22	9 15 15 00	4 24 38 36	7 29 53 47	9 04 06 10	5 24 54 35	9 00 14 38	2 28 44 27	0 02 54 46	0 01 51 33	-17 57	7 19	3 02	21 31	9 34
30	8 37 19	9 16 15 55	5 07 00 05	8 00 35 55	9 05 41 56	5 24 55 16	9 01 29 48	2 28 39 50	0 02 51 35	0 01 46 24	-17 41	1 34	2 06	22 27	10 00
31	8 41 16	9 17 16 50	5 19 33 21	8 01 18 05	9 07 18 23	5 24 55 45	9 02 44 57	2 28 35 17	0 02 48 25	0 01 43 59	-17 24	-4 20	1 03	23 25	10 27

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रातः 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

1 फरवरी 2005 ई. को अयनांश 23° 55′ 34″

फरवरी	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	8 45 12	9 18 17 44	6 02 21 45	8 02 00 17	9 08 55 31	5 24 56 04	9 04 00 06	2 28 30 46	0 02 45 14	0 01 43 23	-17 07	-10 11	-0 03		
2	8 49 09	9 19 18 37	6 15 28 55	8 02 42 31	9 10 33 21	5 24 56 10	9 05 15 15	2 28 26 18	0 02 42 03	0 01 43 38	-16 50	-15 46	-1 12	-- --	10 56
3	8 53 05	9 20 19 29	6 28 58 18	8 03 24 46	9 12 11 53	5 24 56 06	9 06 30 24	2 28 21 53	0 02 38 52	0 01 43 21	-16 33	-20 44	-2 19	0 26	11 29
4	8 57 02	9 21 20 21	7 12 52 27	8 04 07 03	9 13 51 10	5 24 55 49	9 07 45 33	2 28 17 31	0 02 35 42	0 01 41 17	-16 15	-24 43	-3 19	1 31	12 07
5	9 00 58	9 22 21 12	7 27 12 07	8 04 49 22	9 15 31 11	5 24 55 22	9 09 00 42	2 28 13 13	0 02 32 31	0 01 37 02	-15 57	-27 17	-4 10	2 39	12 53
6	9 04 55	9 23 22 01	8 11 55 20	8 05 31 42	9 17 11 57	5 24 54 43	9 10 15 51	2 28 08 58	0 02 29 20	0 01 30 39	-15 39	-28 03	-4 45	3 50	13 50
7	9 08 51	9 24 22 50	8 26 56 47	8 06 14 05	9 18 53 29	5 24 53 52	9 11 30 59	2 28 04 47	0 02 26 09	0 01 22 07	-15 20	-26 46	-5 01	4 57	14 55
8	9 12 48	9 25 23 38	9 12 08 01	8 06 56 28	9 20 35 49	5 24 52 50	9 12 46 08	2 28 00 40	0 02 22 58	0 01 11 52	-15 01	-23 32	-4 56	5 59	16 08
9	9 16 45	9 26 24 24	9 27 18 30	8 07 38 53	9 22 18 56	5 24 51 36	9 14 01 16	2 27 56 37	0 02 19 48	0 01 01 25	-14 42	-18 42	-4 31	6 52	17 24
10	9 20 41	9 27 25 10	10 12 17 32	8 08 21 20	9 24 02 52	5 24 50 11	9 15 16 23	2 27 52 38	0 02 16 37	0 00 52 21	-14 23	-12 45	-3 47	7 37	18 37
11	9 24 38	9 28 25 54	10 26 56 03	8 09 03 48	9 25 47 36	5 24 48 35	9 16 31 30	2 27 48 43	0 02 13 26	0 00 45 36	-14 03	-6 13	-2 49	8 15	19 47
12	9 28 34	9 29 26 36	11 11 08 02	8 09 46 18	9 27 33 09	5 24 46 47	9 17 46 37	2 27 44 53	0 02 10 15	0 00 41 24	-13 43	0 26	-1 42	8 48	20 53
13	9 32 31	10 00 27 17	11 24 50 57	8 10 28 49	9 29 19 30	5 24 44 48	9 19 01 43	2 27 41 07	0 02 07 05	0 00 39 38	-13 23	6 52	-0 30	9 20	21 57
14	9 36 27	10 01 27 56	0 08 05 23	8 11 11 21	10 01 06 41	5 24 42 38	9 20 16 49	2 27 37 26	0 02 03 54	0 00 39 40	-13 03	12 47	0 39	9 50	22 59
15	9 40 24	10 02 28 33	0 20 54 12	8 11 53 55	10 02 54 39	5 24 40 17	9 21 31 54	2 27 33 49	0 02 00 43	0 00 40 27	-12 42	17 58	1 46	10 20	24 00
16	9 44 20	10 03 29 09	1 03 21 40	8 12 36 30	10 04 43 24	5 24 37 44	9 22 46 58	2 27 30 18	0 01 57 32	0 00 40 53	-12 22	22 14	2 45	10 53	-- --
17	9 48 17	10 04 29 43	1 15 32 45	8 13 19 06	10 06 32 55	5 24 35 01	9 24 02 02	2 27 26 51	0 01 54 22	0 00 40 03	-12 01	25 26	3 36	11 29	1 00
18	9 52 14	10 05 30 15	1 27 32 31	8 14 01 45	10 08 23 09	5 24 32 07	9 25 17 05	2 27 23 30	0 01 51 11	0 00 37 13	-11 40	27 25	4 16	12 09	2 00
19	9 56 10	10 06 30 46	2 09 25 44	8 14 44 24	10 10 14 03	5 24 29 02	9 26 32 08	2 27 20 13	0 01 48 00	0 00 32 07	-11 19	28 09	4 45	12 55	2 57
20	10 00 07	10 07 31 14	2 21 16 36	8 15 27 05	10 12 05 34	5 24 25 47	9 27 47 09	2 27 17 02	0 01 44 49	0 00 24 49	-10 57	27 34	5 01	13 45	3 52
21	10 04 03	10 08 31 41	3 03 08 37	8 16 09 48	10 13 57 37	5 24 22 21	9 29 02 11	2 27 13 57	0 01 41 38	0 00 15 50	-10 36	25 43	5 05	14 39	4 41
22	10 08 00	10 09 32 06	3 15 04 31	8 16 52 32	10 15 50 05	5 24 18 45	10 00 17 12	2 27 10 56	0 01 38 28	0 00 05 48	-10 14	22 44	4 55	15 37	5 25
23	10 11 56	10 10 32 30	3 27 06 20	8 17 35 17	10 17 42 52	5 24 14 58	10 01 32 12	2 27 08 02	0 01 35 17	11 29 55 37	-9 52	18 46	4 32	16 34	6 04
24	10 15 53	10 11 32 51	4 09 15 29	8 18 18 04	10 19 35 48	5 24 11 02	10 02 47 11	2 27 05 12	0 01 32 06	11 29 46 23	-9 30	14 00	3 56	17 32	6 38
25	10 19 49	10 12 33 11	4 21 32 59	8 19 00 53	10 21 28 43	5 24 06 55	10 04 02 10	2 27 02 29	0 01 28 55	11 29 38 50	-9 08	8 38	3 09	18 29	7 09
26	10 23 46	10 13 33 30	5 03 59 42	8 19 43 43	10 23 21 24	5 24 02 38	10 05 17 09	2 26 59 51	0 01 25 45	11 29 33 31	-8 45	2 51	2 13	19 26	7 37
27	10 27 43	10 14 33 46	5 16 36 30	8 20 26 35	10 25 13 36	5 23 58 11	10 06 32 07	2 26 57 19	0 01 22 34	11 29 30 34	-8 23	-3 06	1 09	20 22	8 04
28	10 31 39	10 15 34 01	5 29 24 33	8 21 09 28	10 27 05 01	5 23 53 35	10 07 47 04	2 26 54 53	0 01 19 23	11 29 29 40	-8 00	-9 03	0 00	21 20	8 30
														22 20	8 59

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रातः 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 मार्च 2005 ई. को अयनांश 23° 55′ 38″

चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.)

मार्च	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	10 35 36	10 16 34 15	6 12 25 20	8 21 52 23	10 28 55 22	5 23 48 50	10 09 02 01	2 26 52 33	0 01 16 12	11 29 30 19	-7 37	-14 43	-1 09	23 23	9 30
2	10 39 32	10 17 34 27	6 25 40 37	8 22 35 20	11 00 44 14	5 23 43 55	10 10 16 57	2 26 50 19	0 01 13 02	11 29 31 47	-7 15	-19 49	-2 17	-- --	10 06
3	10 43 29	10 18 34 38	7 09 12 12	8 23 18 18	11 02 31 15	5 23 38 50	10 11 31 53	2 26 48 11	0 01 09 51	11 29 33 12	-6 52	-24 01	-3 18	0 29	10 48
4	10 47 25	10 19 34 47	7 23 01 27	8 24 01 17	11 04 15 56	5 23 33 37	10 12 46 49	2 26 46 09	0 01 06 40	11 29 33 34	-6 29	-26 56	-4 09	1 37	11 39
5	10 51 22	10 20 34 54	8 07 08 48	8 24 44 18	11 05 57 49	5 23 28 15	10 14 01 43	2 26 44 13	0 01 03 29	11 29 32 15	-6 05	-28 13	-4 47	2 44	12 39
6	10 55 18	10 21 35 00	8 21 33 03	8 25 27 20	11 07 36 22	5 23 22 44	10 15 16 38	2 26 42 24	0 01 00 18	11 29 29 13	-5 42	-27 37	-5 07	3 46	13 47
7	10 59 15	10 22 35 05	9 06 10 59	8 26 10 24	11 09 11 05	5 23 17 05	10 16 31 31	2 26 40 41	0 00 57 08	11 29 24 53	-5 19	-25 08	-5 08	4 41	14 59
8	11 03 12	10 23 35 08	9 20 57 10	8 26 53 28	11 10 41 23	5 23 11 18	10 17 46 24	2 26 39 04	0 00 53 57	11 29 19 41	-4 56	-20 58	-4 48	5 28	16 12
9	11 07 08	10 24 35 09	10 05 44 28	8 27 36 34	11 12 06 44	5 23 05 23	10 19 01 17	2 26 37 33	0 00 50 46	11 29 14 18	-4 32	-15 29	-4 10	6 08	17 23
10	11 11 05	10 25 35 08	10 20 24 59	8 28 19 41	11 13 26 35	5 22 59 20	10 20 16 08	2 26 36 10	0 00 47 35	11 29 09 27	-4 09	-9 09	-3 15	6 43	18 31
11	11 15 01	10 26 35 06	11 04 51 15	8 29 02 50	11 14 40 26	5 22 53 09	10 21 30 59	2 26 34 52	0 00 44 25	11 29 05 53	-3 45	-2 26	-2 08	7 15	19 37
12	11 18 58	10 27 35 01	11 18 57 23	8 29 45 59	11 15 47 46	5 22 46 51	10 22 45 49	2 26 33 42	0 00 41 14	11 29 03 53	-3 21	4 14	-0 54	7 46	20 40
13	11 22 54	10 28 34 55	0 02 39 50	9 00 29 09	11 16 48 08	5 22 40 27	10 24 00 38	2 26 32 37	0 00 38 03	11 29 03 33	-2 58	10 33	0 19	8 16	21 44
14	11 26 51	10 29 34 46	0 15 57 25	9 01 12 20	11 17 41 09	5 22 33 55	10 25 15 26	2 26 31 40	0 00 34 52	11 29 04 25	-2 34	16 13	1 31	8 49	22 46
15	11 30 47	11 00 34 35	0 28 51 12	9 01 55 33	11 18 26 27	5 22 27 18	10 26 30 14	2 26 30 49	0 00 31 42	11 29 05 57	-2 11	20 58	2 36	9 24	23 47
16	11 34 44	11 01 34 22	1 11 23 56	9 02 38 46	11 19 03 46	5 22 20 34	10 27 45 00	2 26 30 05	0 00 28 31	11 29 07 34	-1 47	24 39	3 31	10 03	-- --
17	11 38 41	11 02 34 07	1 23 39 31	9 03 22 00	11 19 32 54	5 22 13 44	10 28 59 45	2 26 29 27	0 00 25 20	11 29 08 50	-1 23	27 06	4 15	10 48	0 47
18	11 42 37	11 03 33 49	2 05 42 31	9 04 05 15	11 19 53 42	5 22 06 49	11 00 14 29	2 26 28 56	0 00 22 09	11 29 09 05	-0 59	28 14	4 48	11 37	1 44
19	11 46 34	11 04 33 29	2 17 37 43	9 04 48 31	11 20 06 10	5 21 59 48	11 01 29 12	2 26 28 32	0 00 18 58	11 29 08 08	-0 36	28 02	5 07	12 30	2 35
20	11 50 30	11 05 33 07	2 29 29 49	9 05 31 48	11 20 10 20	5 21 52 43	11 02 43 54	2 26 28 14	0 00 15 48	11 29 06 09	-0 12	26 33	5 13	13 27	3 22
21	11 54 27	11 06 32 43	3 11 23 13	9 06 15 06	11 20 06 24	5 21 45 33	11 03 58 35	2 26 28 04	0 00 12 37	11 29 03 28	0 11	23 53	5 06	14 24	4 02
22	11 58 23	11 07 32 17	3 23 21 44	9 06 58 25	11 19 54 37	5 21 38 18	11 05 13 15	2 26 27 59	0 00 09 26	11 29 00 14	0 34	20 11	4 46	15 22	4 38
23	12 02 20	11 08 31 48	4 05 28 35	9 07 41 45	11 19 35 25	5 21 30 59	11 06 27 54	2 26 28 02	0 00 06 15	11 28 56 40	0 58	15 37	4 12	16 19	5 10
24	12 06 16	11 09 31 17	4 17 46 13	9 08 25 07	11 19 09 20	5 21 23 37	11 07 42 32	2 26 28 11	0 00 03 05	11 28 53 25	1 22	10 21	3 27	17 17	5 39
25	12 10 13	11 10 30 44	5 00 16 16	9 09 08 29	11 18 36 59	5 21 16 11	11 08 57 09	2 26 28 27	11 29 59 54	11 28 50 57	1 45	4 36	2 30	18 14	6 06
26	12 14 10	11 11 30 09	5 12 59 40	9 09 51 52	11 17 59 10	5 21 08 42	11 10 11 45	2 26 28 49	11 29 56 43	11 28 49 25	2 09	-1 25	1 26	19 12	6 33
27	12 18 06	11 12 29 32	5 25 56 43	9 10 35 16	11 17 16 45	5 21 01 10	11 11 26 20	2 26 29 18	11 29 53 32	11 28 48 49	2 32	-7 31	0 15	20 12	7 01
28	12 22 03	11 13 28 53	6 09 07 14	9 11 18 41	11 16 30 40	5 20 53 36	11 12 40 54	2 26 29 53	11 29 50 21	11 28 49 01	2 56	-13 24	-0 56	21 16	7 32
29	12 25 59	11 14 28 11	6 22 30 40	9 12 02 07	11 15 41 57	5 20 45 59	11 13 55 27	2 26 30 36	11 29 47 11	11 28 49 50	3 19	-18 47	-2 07	22 22	8 06
30	12 29 56	11 15 27 29	7 06 06 21	9 12 45 34	11 14 51 38	5 20 38 20	11 15 10 00	2 26 31 24	11 29 44 00	11 28 50 59	3 43	-23 16	-3 11	23 30	8 47
31	12 33 52	11 16 26 44	7 19 53 25	9 13 29 02	11 14 00 47	5 20 30 40	11 16 24 31	2 26 32 20	11 29 40 49	11 28 52 10	4 06	-26 31	-4 06	-- --	9 35

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

1 अप्रैल 2005 ई. को अयनांश 23° 55′ 42″

तारीख	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रास्त घं. मि.
1	12 37 49	11 17 25 57	8 03 50 54	9 14 12 31	11 13 10 24	5 20 22 58	11 17 39 01	2 26 33 22	11 29 37 38	11 28 53 07	4 29	-28 12	-4 46	0 37	10 31
2	12 41 45	11 18 25 09	8 17 57 30	9 14 56 00	11 12 21 26	5 20 15 16	11 18 53 31	2 26 34 30	11 29 34 28	11 28 53 32	4 52	-28 03	-5 10	1 40	11 36
3	12 45 42	11 19 24 19	9 02 11 26	9 15 39 31	11 11 34 47	5 20 07 32	11 20 08 00	2 26 35 45	11 29 31 17	11 28 53 17	5 15	-26 05	-5 15	2 36	12 45
4	12 49 39	11 20 23 28	9 16 30 15	9 16 23 02	11 10 51 13	5 19 59 49	11 21 22 28	2 26 37 07	11 29 28 06	11 28 52 31	5 38	-22 27	-5 01	3 24	13 56
5	12 53 35	11 21 22 34	10 00 50 46	9 17 06 33	11 10 11 23	5 19 52 05	11 22 36 55	2 26 38 35	11 29 24 55	11 28 51 34	6 01	-17 28	-4 28	4 05	15 06
6	12 57 32	11 22 21 39	10 15 09 07	9 17 50 05	11 09 35 50	5 19 44 21	11 23 51 21	2 26 40 09	11 29 21 45	11 28 50 41	6 24	-11 32	-3 38	4 40	16 13
7	13 01 28	11 23 20 42	10 29 20 58	9 18 33 38	11 09 05 00	5 19 36 39	11 25 05 46	2 26 41 50	11 29 18 34	11 28 50 02	6 47	-5 03	-2 36	5 13	17 18
8	13 05 25	11 24 19 43	11 13 22 04	9 19 17 11	11 08 39 12	5 19 28 57	11 26 20 10	2 26 43 38	11 29 15 23	11 28 49 38	7 09	1 36	-1 24	5 43	18 22
9	13 09 21	11 25 18 42	11 27 08 36	9 20 00 44	11 08 18 38	5 19 21 16	11 27 34 34	2 26 45 31	11 29 12 12	11 28 49 29	7 31	8 04	-0 09	6 13	19 25
10	13 13 18	11 26 17 39	0 10 37 45	9 20 44 17	11 08 03 27	5 19 13 38	11 28 48 56	2 26 47 31	11 29 09 01	11 28 49 32	7 54	14 03	1 05	6 45	20 28
11	13 17 14	11 27 16 34	0 23 47 56	9 21 27 50	11 07 53 40	5 19 06 01	0 00 03 17	2 26 49 38	11 29 05 51	11 28 49 37	8 16	19 15	2 14	7 19	21 31
12	13 21 11	11 28 15 27	1 06 38 58	9 22 11 24	11 07 49 16	5 18 58 27	0 01 17 37	2 26 51 51	11 29 02 40	11 28 49 37	8 38	23 26	3 14	7 57	22 33
13	13 25 08	11 29 14 18	1 19 12 02	9 22 54 58	11 07 50 12	5 18 50 55	0 02 31 55	2 26 54 10	11 28 59 29	11 28 49 38	9 00	26 24	4 04	8 39	23 32
14	13 29 04	0 00 13 06	2 01 29 29	9 23 38 31	11 07 56 20	5 18 43 26	0 03 46 13	2 26 56 35	11 28 56 18	11 28 49 44	9 21	28 03	4 41	9 28	-- --
15	13 33 01	0 01 11 52	2 13 34 42	9 24 22 05	11 08 07 32	5 18 36 01	0 05 00 29	2 26 59 06	11 28 53 08	11 28 49 44	9 43	28 18	5 05	10 20	0 27
16	13 36 57	0 02 10 36	2 25 31 41	9 25 05 39	11 08 23 38	5 18 28 39	0 06 14 44	2 27 01 43	11 28 49 57	11 28 49 23	10 04	27 14	5 16	11 16	1 16
17	13 40 54	0 03 09 18	3 07 24 54	9 25 49 12	11 08 44 28	5 18 21 22	0 07 28 58	2 27 04 27	11 28 46 46	11 28 49 02	10 26	24 56	5 13	12 13	1 59
18	13 44 50	0 04 07 58	3 19 19 00	9 26 32 46	11 09 09 50	5 18 14 08	0 08 43 10	2 27 07 16	11 28 43 35	11 28 49 13	10 47	21 34	4 56	13 11	2 36
19	13 48 47	0 05 06 35	4 01 18 31	9 27 16 20	11 09 39 32	5 18 06 59	0 09 57 22	2 27 10 12	11 28 40 25	11 28 49 58	11 08	17 18	4 27	14 08	3 09
20	13 52 43	0 06 05 10	4 13 27 46	9 27 59 53	11 10 13 24	5 17 59 55	0 11 11 32	2 27 13 13	11 28 37 14	11 28 50 47	11 28	12 17	3 45	15 05	3 39
21	13 56 40	0 07 03 44	4 25 50 28	9 28 43 27	11 10 51 15	5 17 52 56	0 12 25 41	2 27 16 20	11 28 34 03	11 28 51 30	11 49	6 42	2 52	16 01	4 07
22	14 00 37	0 08 02 15	5 08 29 32	9 29 27 00	11 11 32 53	5 17 46 02	0 13 39 49	2 27 19 33	11 28 30 52	11 28 52 10	12 09	0 43	1 50	16 59	4 34
23	14 04 33	0 09 00 43	5 21 26 50	10 00 10 33	11 12 18 09	5 17 39 14	0 14 53 55	2 27 22 51	11 28 27 41	11 28 52 40	12 29	-5 25	0 40	17 59	5 01
24	14 08 30	0 09 59 10	6 04 42 59	10 00 54 07	11 13 06 52	5 17 32 31	0 16 08 00	2 27 26 16	11 28 24 31	11 28 52 43	12 49	-11 29	-0 32	19 03	5 31
25	14 12 26	0 10 57 35	6 18 17 18	10 01 37 40	11 13 58 54	5 17 25 55	0 17 22 05	2 27 29 45	11 28 21 20	11 28 52 09	13 09	-17 10	-1 45	20 09	6 05
26	14 16 23	0 11 55 59	7 02 07 46	10 02 21 13	11 14 54 05	5 17 19 25	0 18 36 08	2 27 33 21	11 28 18 09	11 28 51 05	13 28	-22 04	-2 53	21 19	6 44
27	14 20 19	0 12 54 20	7 16 11 12	10 03 04 45	11 15 52 19	5 17 13 01	0 19 50 10	2 27 37 02	11 28 14 58	11 28 49 35	13 47	-25 47	-3 52	22 28	7 30
28	14 24 16	0 13 52 40	8 00 23 44	10 03 48 18	11 16 53 27	5 17 06 45	0 21 04 11	2 27 40 48	11 28 11 48	11 28 47 45	14 06	-27 56	-4 37	23 34	8 25
29	14 28 12	0 14 50 58	8 14 41 10	10 04 31 50	11 17 57 23	5 17 00 35	0 22 18 11	2 27 44 40	11 28 08 37	11 28 45 56	14 25	-28 14	-5 06	-- --	9 29
30	14 32 09	0 15 49 15	8 28 59 34	10 05 15 22	11 19 04 01	5 16 54 32	0 23 32 10	2 27 48 37	11 28 05 26	11 28 44 34	14 44	-26 40	-5 15	0 33	10 37

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 मई 2005 ई. को अयनांश 23° 55′ 45″

मै	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	14 36 06	0 16 47 30	9 13 15 30	10 05 58 53	11 20 13 15	5 16 48 37	0 24 46 08	2 27 52 39	11 28 02 15	11 28 43 57	15 02	-23 23	-5 05	1 23	11 48
2	14 40 02	0 17 45 44	9 27 26 15	10 06 42 24	11 21 24 59	5 16 42 50	0 26 00 06	2 27 56 47	11 27 59 04	11 28 44 09	15 20	-18 44	-4 36	2 05	12 56
3	14 43 59	0 18 43 56	10 11 29 44	10 07 25 54	11 22 39 09	5 16 37 10	0 27 14 02	2 28 00 59	11 27 55 54	11 28 44 58	15 38	-13 06	-3 51	2 42	14 03
4	14 47 55	0 19 42 07	10 25 24 24	10 08 09 23	11 23 55 42	5 16 31 39	0 28 27 57	2 28 05 17	11 27 52 43	11 28 46 11	15 55	-6 52	-2 53	3 14	15 07
5	14 51 52	0 20 40 17	11 09 09 01	10 08 52 51	11 25 14 33	5 16 26 15	0 29 41 52	2 28 09 41	11 27 49 32	11 28 47 27	16 13	-0 23	-1 46	3 44	16 09
6	14 55 48	0 21 38 25	11 22 42 27	10 09 36 18	11 26 35 39	5 16 21 01	1 00 55 46	2 28 14 09	11 27 46 21	11 28 48 18	16 30	6 01	-0 33	4 13	17 12
7	14 59 45	0 22 36 31	0 06 03 39	10 10 19 44	11 27 58 58	5 16 15 55	1 02 09 38	2 28 18 42	11 27 43 11	11 28 48 15	16 46	12 05	0 39	4 44	18 13
8	15 03 41	0 23 34 36	0 19 11 43	10 11 03 08	11 29 24 27	5 16 10 57	1 03 23 30	2 28 23 20	11 27 40 00	11 28 46 56	17 03	17 31	1 49	5 16	19 16
9	15 07 38	0 24 32 39	1 02 05 56	10 11 46 32	0 00 52 05	5 16 06 09	1 04 37 21	2 28 28 03	11 27 36 49	11 28 44 18	17 19	22 03	2 52	5 52	20 18
10	15 11 35	0 25 30 41	1 14 46 08	10 12 29 53	0 02 21 49	5 16 01 30	1 05 51 10	2 28 32 51	11 27 33 38	11 28 40 33	17 35	25 28	3 45	6 33	21 20
11	15 15 31	0 26 28 41	1 27 12 42	10 13 13 14	0 03 53 39	5 15 57 01	1 07 04 59	2 28 37 43	11 27 30 28	11 28 36 03	17 51	27 34	4 27	7 19	22 16
12	15 19 28	0 27 26 39	2 09 26 52	10 13 56 32	0 05 27 33	5 15 52 41	1 08 18 46	2 28 42 40	11 27 27 17	11 28 31 30	18 06	28 18	4 55	8 10	23 08
13	15 23 24	0 28 24 35	2 21 30 43	10 14 39 49	0 07 03 32	5 15 48 30	1 09 32 32	2 28 47 42	11 27 24 06	11 28 27 20	18 21	27 40	5 09	9 05	23 54
14	15 27 21	0 29 22 30	3 03 27 09	10 15 23 04	0 08 41 35	5 15 44 30	1 10 46 17	2 28 52 48	11 27 20 55	11 28 23 37	18 36	25 45	5 10	10 02	-- --
15	15 31 17	1 00 20 23	3 15 19 51	10 16 06 18	0 10 21 41	5 15 40 39	1 12 00 01	2 28 57 59	11 27 17 44	11 28 20 41	18 50	22 43	4 58	10 59	0 33
16	15 35 14	1 01 18 14	3 27 13 02	10 16 49 29	0 12 03 51	5 15 36 58	1 13 13 44	2 29 03 14	11 27 14 34	11 28 19 13	19 04	18 45	4 33	11 56	1 08
17	15 39 10	1 02 16 04	4 09 11 24	10 17 32 39	0 13 48 04	5 15 33 27	1 14 27 25	2 29 08 34	11 27 11 23	11 28 19 29	19 18	14 01	3 56	12 53	1 39
18	15 43 07	1 03 13 52	4 21 19 48	10 18 15 47	0 15 34 22	5 15 30 07	1 15 41 06	2 29 13 58	11 27 08 12	11 28 20 54	19 31	8 42	3 08	13 49	2 06
19	15 47 04	1 04 11 38	5 03 42 57	10 18 58 53	0 17 22 43	5 15 26 57	1 16 54 45	2 29 19 25	11 27 05 01	11 28 22 32	19 44	2 55	2 10	14 45	2 33
20	15 51 00	1 05 09 22	5 16 25 05	10 19 41 56	0 19 13 07	5 15 23 57	1 18 08 23	2 29 24 57	11 27 01 51	11 28 23 51	19 57	-3 06	1 04	15 44	3 00
21	15 54 57	1 06 07 05	5 29 29 27	10 20 24 58	0 21 05 35	5 15 21 07	1 19 21 59	2 29 30 34	11 26 58 40	11 28 24 21	20 09	-9 11	-0 05	16 45	3 29
22	15 58 53	1 07 04 47	6 12 57 53	10 21 07 58	0 23 00 04	5 15 18 28	1 20 35 35	2 29 36 14	11 26 55 29	11 28 23 25	20 21	-15 02	-1 18	17 50	4 00
23	16 02 50	1 08 02 27	6 26 50 13	10 21 50 56	0 24 56 35	5 15 15 59	1 21 49 09	2 29 41 58	11 26 52 18	11 28 20 39	20 33	-20 19	-2 28	18 59	4 37
24	16 06 46	1 09 00 05	7 11 04 01	10 22 33 51	0 26 55 03	5 15 13 41	1 23 02 43	2 29 47 45	11 26 49 08	11 28 16 17	20 44	-24 34	-3 30	20 10	5 21
25	16 10 43	1 09 57 43	7 25 34 32	10 23 16 44	0 28 55 28	5 15 11 34	1 24 16 15	2 29 53 37	11 26 45 57	11 28 10 42	20 55	-27 21	-4 20	21 21	6 14
26	16 14 39	1 10 55 19	8 10 15 11	10 23 59 35	1 00 57 43	5 15 09 37	1 25 29 46	2 29 59 32	11 26 42 46	11 28 04 23	21 06	-28 16	-4 53	22 24	7 16
27	16 18 36	1 11 52 54	8 24 58 30	10 24 42 24	1 03 01 45	5 15 07 51	1 26 43 16	3 00 05 31	11 26 39 35	11 27 58 08	21 16	-27 11	-5 08	23 19	8 25
28	16 22 33	1 12 50 28	9 09 37 20	10 25 25 10	1 05 07 26	5 15 06 15	1 27 56 46	3 00 11 34	11 26 36 24	11 27 52 56	21 26	-24 15	-5 02	-- --	9 38
29	16 26 29	1 13 48 02	9 24 05 51	10 26 07 53	1 07 14 39	5 15 04 51	1 29 10 14	3 00 17 40	11 26 33 14	11 27 49 29	21 36	-19 48	-4 36	0 05	10 48
30	16 30 26	1 14 45 34	10 08 20 08	10 26 50 33	1 09 23 13	5 15 03 37	2 00 23 41	3 00 23 50	11 26 30 03	11 27 47 52	21 45	-14 19	-3 54	0 43	11 56
31	16 34 22	1 15 43 06	10 22 18 16	10 27 33 11	1 11 32 58	5 15 02 33	2 01 37 08	3 00 30 04	11 26 26 52	11 27 47 48	21 53	-8 11	-2 59	1 17	13 01

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

1 जून 2005 ई. को अयनांश 23° 55′ 50″

दि.	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	16 38 19	1 16 40 37	11 05 59 57	10 28 15 45	1 13 43 41	5 15 01 41	2 02 50 33	3 00 36 20	11 26 23 41	11 27 48 40	22 02	-1 47	-1 54	1 48	14 03
2	16 42 15	1 17 38 07	11 19 25 59	10 28 58 16	1 15 55 07	5 15 00 59	2 04 03 58	3 00 42 40	11 26 20 31	11 27 49 38	22 10	4 34	-0 45	2 16	15 04
3	16 46 12	1 18 35 36	0 02 37 40	10 29 40 43	1 18 07 01	5 15 00 28	2 05 17 22	3 00 49 04	11 26 17 20	11 27 49 47	22 17	10 38	0 25	2 46	16 05
4	16 50 08	1 19 33 05	0 15 36 23	11 00 23 07	1 20 19 09	5 15 00 08	2 06 30 45	3 00 55 30	11 26 14 09	11 27 48 12	22 25	16 09	1 34	3 17	17 06
5	16 54 05	1 20 30 33	0 28 23 16	11 01 05 27	1 22 31 12	5 14 59 59	2 07 44 07	3 01 02 00	11 26 10 58	11 27 44 19	22 32	20 52	2 36	3 51	18 08
6	16 58 02	1 21 28 00	1 10 59 11	11 01 47 43	1 24 42 54	5 15 00 01	2 08 57 28	3 01 08 33	11 26 07 48	11 27 38 02	22 38	24 33	3 30	4 29	19 09
7	17 01 58	1 22 25 26	1 23 24 46	11 02 29 55	1 26 54 00	5 15 00 14	2 10 10 48	3 01 15 08	11 26 04 37	11 27 29 42	22 44	27 01	4 12	5 13	20 07
8	17 05 55	1 23 22 51	2 05 40 39	11 03 12 03	1 29 04 13	5 15 00 38	2 11 24 07	3 01 21 47	11 26 01 26	11 27 19 52	22 50	28 09	4 43	6 02	21 01
9	17 09 51	1 24 20 15	2 17 47 41	11 03 54 06	2 01 13 20	5 15 01 12	2 12 37 25	3 01 28 29	11 25 58 15	11 27 09 26	22 55	27 54	5 00	6 56	21 49
10	17 13 48	1 25 17 39	2 29 47 09	11 04 36 05	2 03 21 07	5 15 01 57	2 13 50 42	3 01 35 13	11 25 55 04	11 26 59 24	23 00	26 20	5 03	7 53	22 31
11	17 17 44	1 26 15 01	3 11 41 02	11 05 17 59	2 05 27 22	5 15 02 53	2 15 03 58	3 01 42 00	11 25 51 54	11 26 50 27	23 04	23 36	4 54	8 50	23 07
12	17 21 41	1 27 12 23	3 23 32 01	11 05 59 49	2 07 31 56	5 15 04 00	2 16 17 13	3 01 48 50	11 25 48 43	11 26 43 09	23 08	19 54	4 31	9 47	23 39
13	17 25 37	1 28 09 43	4 05 23 36	11 06 41 34	2 09 34 38	5 15 05 18	2 17 30 26	3 01 55 43	11 25 45 32	11 26 38 04	23 12	15 25	3 57	10 43	-- --
14	17 29 34	1 29 07 03	4 17 19 57	11 07 23 14	2 11 35 23	5 15 06 46	2 18 43 38	3 02 02 37	11 25 42 21	11 26 35 24	23 15	10 19	3 13	11 38	0 07
15	17 33 31	2 00 04 22	4 29 25 50	11 08 04 49	2 13 34 04	5 15 08 25	2 19 56 49	3 02 09 35	11 25 39 11	11 26 34 47	23 18	4 46	2 19	12 33	0 34
16	17 37 27	2 01 01 40	5 11 46 20	11 08 46 19	2 15 30 37	5 15 10 14	2 21 09 59	3 02 16 35	11 25 36 00	11 26 35 09	23 20	-1 04	1 18	13 30	1 00
17	17 41 24	2 01 58 57	5 24 26 27	11 09 27 43	2 17 24 57	5 15 12 13	2 22 23 07	3 02 23 37	11 25 32 49	11 26 35 36	23 22	-7 01	0 11	14 28	1 27
18	17 45 20	2 02 56 13	6 07 30 37	11 10 09 03	2 19 17 03	5 15 14 23	2 23 36 14	3 02 30 41	11 25 29 38	11 26 35 09	23 24	-12 52	-0 57	15 30	1 57
19	17 49 17	2 03 53 28	6 21 02 03	11 10 50 17	2 21 06 51	5 15 16 44	2 24 49 20	3 02 37 48	11 25 26 27	11 26 32 54	23 25	-18 20	-2 06	16 37	2 30
20	17 53 13	2 04 50 43	7 05 01 54	11 11 31 25	2 22 54 21	5 15 19 15	2 26 02 24	3 02 44 57	11 25 23 17	11 26 28 14	23 26	-23 00	-3 09	17 47	3 10
21	17 57 10	2 05 47 57	7 19 28 31	11 12 12 28	2 24 39 31	5 15 21 55	2 27 15 27	3 02 52 07	11 25 20 06	11 26 21 12	23 26	-26 24	-4 02	18 59	3 59
22	18 01 06	2 06 45 10	8 04 16 59	11 12 53 26	2 26 22 20	5 15 24 46	2 28 28 28	3 02 59 20	11 25 16 55	11 26 12 10	23 26	-28 05	-4 40	20 07	4 57
23	18 05 03	2 07 42 23	8 19 19 25	11 13 34 18	2 28 02 48	5 15 27 47	2 29 41 29	3 03 06 35	11 25 13 44	11 26 01 53	23 25	-27 44	-4 59	21 08	6 05
24	18 09 00	2 08 39 36	9 04 26 00	11 14 15 04	2 29 40 54	5 15 30 58	3 00 54 28	3 03 13 52	11 25 10 34	11 25 51 48	23 24	-25 21	-4 58	21 59	7 19
25	18 12 56	2 09 36 49	9 19 26 42	11 14 55 43	3 01 16 38	5 15 34 19	3 02 07 25	3 03 21 10	11 25 07 23	11 25 43 20	23 23	-21 12	-4 36	22 41	8 33
26	18 16 53	2 10 34 01	10 04 13 00	11 15 36 17	3 02 49 59	5 15 37 50	3 03 20 22	3 03 28 30	11 25 04 12	11 25 37 13	23 21	-15 48	-3 56	23 18	9 45
27	18 20 49	2 11 31 13	10 18 39 04	11 16 16 44	3 04 20 56	5 15 41 30	3 04 33 17	3 03 35 53	11 25 01 01	11 25 33 28	23 19	-9 38	-3 01	23 50	10 52
28	18 24 46	2 12 28 26	11 02 42 05	11 16 57 04	3 05 49 28	5 15 45 21	3 05 46 11	3 03 43 16	11 24 57 51	11 25 31 47	23 17	-3 08	-1 57	-- --	11 57
29	18 28 42	2 13 25 38	11 16 21 57	11 17 37 17	3 07 15 34	5 15 49 20	3 06 59 04	3 03 50 42	11 24 54 40	11 25 31 29	23 14	3 20	-0 48	0 19	12 59
30	18 32 39	2 14 22 51	11 29 40 20	11 18 17 23	3 08 39 12	5 15 53 30	3 08 11 56	3 03 58 09	11 24 51 29	11 25 31 30	23 10	9 30	0 21	0 49	14 00

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 जुलाई 2005 ई. को अयनांश 23° 55′ 56″

तारीख	साम्पातिक काल 0.0 h GMT	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	मध्यम राहु	स्पष्ट राहु	सूर्य क्रां.	चन्द्र क्रां.	चन्द्रशर	चन्द्रोदय (चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.))	चन्द्रास्त
	घं. मि. से.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घं. मि.	घं. मि.
1	18 36 35	2 15 20 04	0 12 40 00	11 18 57 22	3 10 00 19	5 15 57 49	3 09 24 46	3 04 05 37	11 24 48 18	11 25 30 38	23 07	15 07	1 29	1 19	15 00
2	18 40 32	2 16 17 16	0 25 24 00	11 19 37 13	3 11 18 55	5 16 02 17	3 10 37 36	3 04 13 07	11 24 45 07	11 25 27 47	23 02	19 58	2 30	1 52	16 01
3	18 44 29	2 17 14 29	1 07 55 11	11 20 16 56	3 12 34 55	5 16 06 55	3 11 50 24	3 04 20 38	11 24 41 57	11 25 22 15	22 58	23 51	3 23	2 29	17 02
4	18 48 25	2 18 11 43	1 20 15 57	11 20 56 31	3 13 48 17	5 16 11 42	3 13 03 11	3 04 28 11	11 24 38 46	11 25 13 51	22 53	26 34	4 06	3 11	18 01
5	18 52 22	2 19 08 56	2 02 28 12	11 21 35 57	3 14 58 58	5 16 16 39	3 14 15 57	3 04 35 45	11 24 35 35	11 25 02 52	22 47	28 00	4 37	3 58	18 56
6	18 56 18	2 20 06 09	2 14 33 22	11 22 15 15	3 16 06 51	5 16 21 44	3 15 28 41	3 04 43 20	11 24 32 24	11 24 49 59	22 42	28 04	4 54	4 50	19 46
7	19 00 15	2 21 03 22	2 26 32 38	11 22 54 23	3 17 11 55	5 16 26 59	3 16 41 24	3 04 50 56	11 24 29 14	11 24 36 09	22 35	26 48	4 59	5 46	20 29
8	19 04 11	2 22 00 36	3 08 27 12	11 23 33 23	3 18 14 02	5 16 32 22	3 17 54 05	3 04 58 33	11 24 26 03	11 24 22 31	22 29	24 20	4 50	6 43	21 07
9	19 08 08	2 22 57 49	3 20 18 32	11 24 12 14	3 19 13 07	5 16 37 55	3 19 06 45	3 05 06 11	11 24 22 52	11 24 10 21	22 22	20 51	4 29	7 40	21 40
10	19 12 04	2 23 55 03	4 02 08 36	11 24 50 54	3 20 09 05	5 16 43 36	3 20 19 23	3 05 13 50	11 24 19 41	11 24 00 22	22 15	16 32	3 56	8 36	22 09
11	19 16 01	2 24 52 16	4 14 00 02	11 25 29 26	3 21 01 48	5 16 49 26	3 21 32 00	3 05 21 30	11 24 16 31	11 23 53 05	22 07	11 34	3 13	9 32	22 36
12	19 19 58	2 25 49 30	4 25 56 10	11 26 07 47	3 21 51 09	5 16 55 25	3 22 44 35	3 05 29 11	11 24 13 20	11 23 48 36	21 59	6 10	2 21	10 25	23 02
13	19 23 54	2 26 46 43	5 08 01 06	11 26 45 58	3 22 37 01	5 17 01 32	3 23 57 08	3 05 36 52	11 24 10 09	11 23 46 29	21 50	0 28	1 22	11 21	23 28
14	19 27 51	2 27 43 56	5 20 19 30	11 27 23 59	3 23 19 15	5 17 07 48	3 25 09 40	3 05 44 34	11 24 06 58	11 23 45 55	21 41	-5 20	0 18	12 16	23 55
15	19 31 47	2 28 41 10	6 02 56 21	11 28 01 50	3 23 57 44	5 17 14 11	3 26 22 10	3 05 52 17	11 24 03 47	11 23 45 53	21 32	-11 06	-0 48	13 16	-- --
16	19 35 44	2 29 38 23	6 15 56 28	11 28 39 30	3 24 32 17	5 17 20 44	3 27 34 37	3 06 00 00	11 24 00 37	11 23 45 13	21 22	-16 35	-1 54	14 18	0 26
17	19 39 40	3 00 35 37	6 29 23 53	11 29 16 59	3 25 02 47	5 17 27 24	3 28 47 03	3 06 07 44	11 23 57 26	11 23 42 53	21 13	-21 27	-2 56	15 25	1 02
18	19 43 37	3 01 32 51	7 13 20 57	11 29 54 18	3 25 29 03	5 17 34 12	3 29 59 27	3 06 15 28	11 23 54 15	11 23 38 17	21 02	-25 18	-3 50	16 35	1 45
19	19 47 33	3 02 30 05	7 27 47 24	0 00 31 25	3 25 50 57	5 17 41 08	4 01 11 49	3 06 23 12	11 23 51 04	11 23 31 23	20 52	-27 41	-4 31	17 45	2 37
20	19 51 30	3 03 27 19	8 12 39 32	0 01 08 20	3 26 08 21	5 17 48 12	4 02 24 08	3 06 30 56	11 23 47 54	11 23 22 18	20 41	-28 11	-4 55	18 49	3 41
21	19 55 27	3 04 24 33	8 27 49 59	0 01 45 05	3 26 21 05	5 17 55 23	4 03 36 26	3 06 38 41	11 23 44 43	11 23 11 34	20 29	-26 36	-4 59	19 46	4 53
22	19 59 23	3 05 21 48	9 13 08 33	0 02 21 37	3 26 29 03	5 18 02 42	4 04 48 42	3 06 46 26	11 23 41 32	11 23 00 43	20 17	-23 03	-4 42	20 33	6 08
23	20 03 20	3 06 19 04	9 28 23 49	0 02 57 57	3 26 32 08	5 18 10 09	4 06 00 56	3 06 54 11	11 23 38 21	11 22 51 33	20 05	-17 56	-4 05	21 13	7 24
24	20 07 16	3 07 16 20	10 13 25 16	0 03 34 05	3 26 30 15	5 18 17 43	4 07 13 07	3 07 01 56	11 23 35 10	11 22 44 58	19 53	-11 46	-3 11	21 48	8 35
25	20 11 13	3 08 13 38	10 28 04 59	0 04 10 00	3 26 23 24	5 18 25 25	4 08 25 17	3 07 09 41	11 23 32 00	11 22 40 55	19 40	-5 05	-2 06	22 19	9 44
26	20 15 09	3 09 10 56	11 12 18 29	0 04 45 42	3 26 11 33	5 18 33 13	4 09 37 24	3 07 17 26	11 23 28 49	11 22 39 02	19 27	1 38	-0 54	22 50	10 48
27	20 19 06	3 10 08 15	11 26 04 38	0 05 21 11	3 25 54 46	5 18 41 09	4 10 49 30	3 07 25 11	11 23 25 38	11 22 38 44	19 14	8 06	0 18	23 21	11 52
28	20 23 02	3 11 05 34	0 09 24 52	0 05 56 25	3 25 33 09	5 18 49 12	4 12 01 34	3 07 32 56	11 23 22 27	11 22 38 57	19 00	14 00	1 27	23 53	12 54
29	20 26 59	3 12 02 55	0 22 22 13	0 06 31 26	3 25 06 55	5 18 57 22	4 13 13 36	3 07 40 40	11 23 19 17	11 22 38 32	18 46	19 07	2 30	-- --	13 56
30	20 30 56	3 13 00 17	1 05 00 28	0 07 06 11	3 24 36 19	5 19 05 39	4 14 25 35	3 07 48 25	11 23 16 06	11 22 36 30	18 32	23 15	3 24	0 29	14 57
31	20 34 52	3 13 57 41	1 17 23 35	0 07 40 42	3 24 01 43	5 19 14 03	4 15 37 33	3 07 56 08	11 23 12 55	11 22 32 14	18 17	26 13	4 08	1 09	15 56

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 अगस्त 2005 ई. को अयनांश 23° 56′ 2″

तारीख	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	20 38 49	3 14 55 05	1 29 35 12	0 08 14 57	3 23 23 32	5 19 22 34	4 16 49 29	3 08 03 52	11 23 09 44	11 22 25 21	18 02	27 55	4 39	1 55	16 52
2	20 42 45	3 15 52 30	2 11 38 28	0 08 48 55	3 22 42 19	5 19 31 12	4 18 01 22	3 08 11 35	11 23 06 34	11 22 16 02	17 47	28 16	4 57	2 45	17 43
3	20 46 42	3 16 49 56	2 23 35 55	0 09 22 38	3 21 58 40	5 19 39 56	4 19 13 14	3 08 19 17	11 23 03 23	11 22 04 53	17 32	27 16	5 02	3 40	18 28
4	20 50 38	3 17 47 23	3 05 29 33	0 09 56 04	3 21 13 19	5 19 48 47	4 20 25 03	3 08 26 59	11 23 00 12	11 21 52 46	17 16	25 03	4 54	4 37	19 08
5	20 54 35	3 18 44 52	3 17 21 04	0 10 29 13	3 20 27 01	5 19 57 44	4 21 36 50	3 08 34 40	11 22 57 01	11 21 40 49	17 00	21 45	4 33	5 35	19 42
6	20 58 31	3 19 42 21	3 29 12 00	0 11 02 04	3 19 40 36	5 20 06 47	4 22 48 34	3 08 42 20	11 22 53 50	11 21 30 07	16 43	17 35	4 00	6 31	20 12
7	21 02 28	3 20 39 51	4 11 03 58	0 11 34 37	3 18 54 55	5 20 15 57	4 24 00 16	3 08 49 59	11 22 50 40	11 21 21 28	16 27	12 43	3 16	7 27	20 39
8	21 06 25	3 21 37 22	4 22 58 56	0 12 06 52	3 18 10 50	5 20 25 13	4 25 11 56	3 08 57 38	11 22 47 29	11 21 15 19	16 10	7 23	2 24	8 21	21 05
9	21 10 21	3 22 34 54	5 04 59 21	0 12 38 48	3 17 29 14	5 20 34 35	4 26 23 33	3 09 05 15	11 22 44 18	11 21 11 40	15 53	1 44	1 25	9 15	21 31
10	21 14 18	3 23 32 27	5 17 08 17	0 13 10 25	3 16 50 56	5 20 44 02	4 27 35 08	3 09 12 52	11 22 41 07	11 21 10 13	15 35	-4 03	0 21	10 10	21 57
11	21 18 14	3 24 30 01	5 29 29 22	0 13 41 43	3 16 16 43	5 20 53 36	4 28 46 39	3 09 20 27	11 22 37 57	11 21 10 24	15 18	-9 47	-0 44	11 07	22 26
12	21 22 11	3 25 27 35	6 12 06 41	0 14 12 41	3 15 47 18	5 21 03 16	4 29 58 08	3 09 28 01	11 22 34 46	11 21 11 16	15 00	-15 15	-1 50	12 07	22 58
13	21 26 07	3 26 25 11	6 25 04 29	0 14 43 18	3 15 23 20	5 21 13 01	5 01 09 34	3 09 35 34	11 22 31 35	11 21 11 47	14 42	-20 13	-2 51	13 10	23 37
14	21 30 04	3 27 22 48	7 08 26 34	0 15 13 36	3 15 05 22	5 21 22 52	5 02 20 57	3 09 43 06	11 22 28 24	11 21 11 03	14 23	-24 19	-3 45	14 17	-- --
15	21 34 00	3 28 20 25	7 22 15 40	0 15 43 32	3 14 53 51	5 21 32 48	5 03 32 17	3 09 50 36	11 22 25 14	11 21 08 34	14 05	-27 11	-4 29	15 25	0 24
16	21 37 57	3 29 18 03	8 06 32 29	0 16 13 06	3 14 49 11	5 21 42 50	5 04 43 34	3 09 58 05	11 22 22 03	11 21 04 25	13 46	-28 23	-4 57	16 31	1 21
17	21 41 54	4 00 15 43	8 21 14 54	0 16 42 20	3 14 51 38	5 21 52 56	5 05 54 48	3 10 05 32	11 22 18 52	11 20 58 41	13 27	-27 39	-5 06	17 30	2 27
18	21 45 50	4 01 13 23	9 06 17 27	0 17 11 10	3 15 01 25	5 22 03 08	5 07 05 58	3 10 12 58	11 22 15 41	11 20 51 30	13 08	-24 55	-4 56	18 21	3 41
19	21 49 47	4 02 11 05	9 21 31 36	0 17 39 39	3 15 18 39	5 22 13 26	5 08 17 05	3 10 20 22	11 22 12 30	11 20 43 54	12 48	-20 24	-4 24	19 05	4 56
20	21 53 43	4 03 08 48	10 06 46 53	0 18 07 44	3 15 43 24	5 22 23 48	5 09 28 09	3 10 27 44	11 22 09 20	11 20 37 16	12 29	-14 32	-3 33	19 42	6 10
21	21 57 40	4 04 06 32	10 21 52 37	0 18 35 25	3 16 15 38	5 22 34 15	5 10 39 10	3 10 35 05	11 22 06 09	11 20 32 36	12 09	-7 52	-2 28	20 15	7 22
22	22 01 36	4 05 04 18	11 06 39 47	0 19 02 42	3 16 55 18	5 22 44 47	5 11 50 07	3 10 42 24	11 22 02 58	11 20 29 58	11 49	-0 53	-1 14	20 47	8 30
23	22 05 33	4 06 02 06	11 21 02 13	0 19 29 34	3 17 42 14	5 22 55 24	5 13 01 01	3 10 49 41	11 21 59 47	11 20 29 13	11 29	5 56	0 02	21 19	9 36
24	22 09 29	4 06 59 55	0 04 57 00	0 19 56 00	3 18 36 17	5 23 06 06	5 14 11 51	3 10 56 57	11 21 56 37	11 20 29 52	11 08	12 17	1 17	21 52	10 41
25	22 13 26	4 07 57 45	0 18 24 11	0 20 22 00	3 19 37 11	5 23 16 52	5 15 22 39	3 11 04 10	11 21 53 26	11 20 31 08	10 48	17 50	2 25	22 27	11 45
26	22 17 23	4 08 55 38	1 01 25 54	0 20 47 33	3 20 44 40	5 23 27 43	5 16 33 23	3 11 11 21	11 21 50 15	11 20 32 09	10 27	22 23	3 23	23 06	12 48
27	22 21 19	4 09 53 32	1 14 05 42	0 21 12 38	3 21 58 24	5 23 38 38	5 17 44 03	3 11 18 30	11 21 47 04	11 20 32 21	10 06	25 45	4 09	23 51	13 49
28	22 25 16	4 10 51 29	1 26 27 45	0 21 37 14	3 23 17 59	5 23 49 38	5 18 54 41	3 11 25 37	11 21 43 54	11 20 31 17	9 45	27 48	4 43	-- --	14 47
29	22 29 12	4 11 49 27	2 08 36 23	0 22 01 22	3 24 43 03	5 24 00 43	5 20 05 15	3 11 32 42	11 21 40 43	11 20 28 30	9 24	28 28	5 03	0 40	15 40
30	22 33 09	4 12 47 27	2 20 35 41	0 22 24 59	3 26 13 08	5 24 11 51	5 21 15 45	3 11 39 45	11 21 37 32	11 20 23 53	9 02	27 47	5 10	1 34	16 27
31	22 37 05	4 13 45 28	3 02 29 20	0 22 48 06	3 27 47 46	5 24 23 04	5 22 26 12	3 11 46 45	11 21 34 21	11 20 17 54	8 41	25 49	5 03	2 30	17 08

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 सितम्बर 2005 ई. को अयनांश 23° 56′ 6″

														चण्डीगढ (भा. स्टैं. टा.)	
सितम्बर	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	22 41 02	4 14 43 32	3 14 20 27	0 23 10 41	3 29 26 28	5 24 34 21	5 23 36 35	3 11 53 43	11 21 31 10	11 20 11 19	8 19	22 45	4 43	3 28	17 44
2	22 44 58	4 15 41 37	3 26 11 37	0 23 32 44	4 01 08 44	5 24 45 42	5 24 46 55	3 12 00 38	11 21 28 00	11 20 04 50	7 57	18 44	4 11	4 25	18 15
3	22 48 55	4 16 39 44	4 08 04 58	0 23 54 14	4 02 54 06	5 24 57 07	5 25 57 10	3 12 07 30	11 21 24 49	11 19 59 06	7 35	13 59	3 28	5 21	18 43
4	22 52 52	4 17 37 52	4 20 02 22	0 24 15 11	4 04 42 04	5 25 08 36	5 27 07 22	3 12 14 20	11 21 21 38	11 19 54 36	7 13	8 41	2 35	6 16	19 10
5	22 56 48	4 18 36 03	5 02 05 30	0 24 35 34	4 06 32 11	5 25 20 09	5 28 17 30	3 12 21 07	11 21 18 27	11 19 51 37	6 51	3 02	1 35	7 11	19 35
6	23 00 45	4 19 34 15	5 14 16 06	0 24 55 21	4 08 24 01	5 25 31 45	5 29 27 34	3 12 27 52	11 21 15 17	11 19 50 12	6 29	-2 47	0 30	8 06	20 01
7	23 04 41	4 20 32 29	5 26 36 07	0 25 14 33	4 10 17 09	5 25 43 25	6 00 37 34	3 12 34 33	11 21 12 06	11 19 50 15	6 06	-8 35	-0 37	9 02	20 28
8	23 08 38	4 21 30 44	6 09 07 47	0 25 33 08	4 12 11 13	5 25 55 09	6 01 47 29	3 12 41 12	11 21 08 55	11 19 51 21	5 44	-14 09	-1 43	10 01	21 00
9	23 12 34	4 22 29 01	6 21 53 37	0 25 51 07	4 14 05 54	5 26 06 56	6 02 57 20	3 12 47 47	11 21 05 44	11 19 52 50	5 21	-19 14	-2 47	11 02	21 36
10	23 16 31	4 23 27 19	7 04 56 18	0 26 08 27	4 16 00 54	5 26 18 46	6 04 07 06	3 12 54 20	11 21 02 33	11 19 54 11	4 58	-23 31	-3 42	12 07	22 18
11	23 20 27	4 24 25 39	7 18 18 20	0 26 25 09	4 17 55 58	5 26 30 40	6 05 16 47	3 13 00 49	11 20 59 23	11 19 54 57	4 36	-26 41	-4 28	13 13	23 10
12	23 24 24	4 25 24 00	8 02 01 38	0 26 41 13	4 19 50 54	5 26 42 37	6 06 26 24	3 13 07 15	11 20 56 12	11 19 54 56	4 13	-28 21	-4 59	14 18	-- --
13	23 28 21	4 26 22 23	8 16 06 54	0 26 56 36	4 21 45 29	5 26 54 36	6 07 35 55	3 13 13 38	11 20 53 01	11 19 53 59	3 50	-28 16	-5 13	15 18	0 10
14	23 32 17	4 27 20 48	9 00 32 58	0 27 11 19	4 23 39 35	5 27 06 39	6 08 45 22	3 13 19 58	11 20 49 50	11 19 52 10	3 27	-26 17	-5 09	16 11	1 19
15	23 36 14	4 28 19 14	9 15 16 28	0 27 25 22	4 25 33 05	5 27 18 45	6 09 54 42	3 13 26 14	11 20 46 40	11 19 49 35	3 04	-22 30	-4 44	16 56	2 32
16	23 40 10	4 29 17 41	10 00 11 35	0 27 38 42	4 27 25 52	5 27 30 54	6 11 03 58	3 13 32 26	11 20 43 29	11 19 46 42	2 41	-17 14	-3 59	17 36	3 45
17	23 44 07	5 00 16 11	10 15 10 39	0 27 51 20	4 29 17 52	5 27 43 06	6 12 13 08	3 13 38 35	11 20 40 18	11 19 44 13	2 18	-10 55	-2 59	18 10	4 57
18	23 48 03	5 01 14 42	11 00 05 07	0 28 03 14	5 01 09 00	5 27 55 20	6 13 22 12	3 13 44 41	11 20 37 07	11 19 42 33	1 54	-3 59	-1 46	18 42	6 07
19	23 52 00	5 02 13 15	11 14 46 44	0 28 14 24	5 02 59 14	5 28 07 37	6 14 31 10	3 13 50 43	11 20 33 57	11 19 41 47	1 31	3 02	-0 27	19 15	7 15
20	23 55 56	5 03 11 50	11 29 08 54	0 28 24 49	5 04 48 33	5 28 19 56	6 15 40 03	3 13 56 41	11 20 30 46	11 19 41 55	1 08	9 46	0 52	19 47	8 21
21	23 59 53	5 04 10 28	0 13 07 15	0 28 34 28	5 06 36 55	5 28 32 18	6 16 48 49	3 14 02 36	11 20 27 35	11 19 42 47	0 45	15 51	2 05	20 22	9 27
22	0 03 50	5 05 09 07	0 26 39 58	0 28 43 20	5 08 24 18	5 28 44 43	6 17 57 30	3 14 08 26	11 20 24 24	11 19 43 54	0 21	20 57	3 10	21 01	10 33
23	0 07 46	5 06 07 49	1 09 47 30	0 28 51 25	5 10 10 43	5 28 57 10	6 19 06 05	3 14 14 13	11 20 21 13	11 19 44 49	-0 01	24 52	4 02	21 44	11 37
24	0 11 43	5 07 06 32	1 22 32 05	0 28 58 41	5 11 56 10	5 29 09 39	6 20 14 33	3 14 19 56	11 20 18 03	11 19 45 34	-0 24	27 25	4 41	22 32	12 38
25	0 15 39	5 08 05 19	2 04 57 14	0 29 05 07	5 13 40 40	5 29 22 11	6 21 22 56	3 14 25 35	11 20 14 52	11 19 46 11	-0 48	28 32	5 06	23 26	13 34
26	0 19 36	5 09 04 07	2 17 07 07	0 29 10 44	5 15 24 11	5 29 34 45	6 22 31 11	3 14 31 09	11 20 11 41	11 19 46 24	-1 11	28 13	5 16	-- --	14 23
27	0 23 32	5 10 02 57	2 29 06 16	0 29 15 29	5 17 06 46	5 29 47 21	6 23 39 21	3 14 36 40	11 20 08 30	11 19 45 53	-1 35	26 36	5 12	0 22	15 07
28	0 27 29	5 11 01 50	3 10 59 09	0 29 19 23	5 18 48 25	5 29 59 59	6 24 47 24	3 14 42 06	11 20 05 20	11 19 44 43	-1 58	23 48	4 55	1 20	15 45
29	0 31 25	5 12 00 45	3 22 49 56	0 29 22 25	5 20 29 10	6 00 12 39	6 25 55 20	3 14 47 28	11 20 02 09	11 19 43 29	-2 21	20 01	4 25	2 17	16 17
30	0 35 22	5 12 59 43	4 04 42 22	0 29 24 34	5 22 09 00	6 00 25 20	6 27 03 09	3 14 52 45	11 19 58 58	11 19 42 29	-2 45	15 26	3 44	3 14	16 46

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

1 अक्तूबर 2005 ई. को अयनांश 23° 56′ 9″

अक्तूबर	साम्पातिक काल 0.0 h GMT	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	मध्यम राहु	स्पष्ट राहु	सूर्य क्रां.	चन्द्र क्रां.	चन्द्रशर	चण्डीगढ़ (भा. स्टै. टा.) चन्द्रोदय	चन्द्रास्त
	घं. मि. से.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घं. मि.	घं. मि.
1	0 39 19	5 13 58 42	4 16 39 42	0 29 25 50	5 23 47 58	6 00 38 04	6 28 10 51	3 14 57 58	11 19 55 47	11 19 41 46	-3 08	10 15	2 53	4 09	17 13
2	0 43 15	5 14 57 44	4 28 44 32	0 29 26 13	5 25 26 03	6 00 50 50	6 29 18 25	3 15 03 07	11 19 52 37	11 19 41 16	-3 31	4 38	1 53	5 04	17 39
3	0 47 12	5 15 56 47	5 10 58 57	0 29 25 42	5 27 03 18	6 01 03 37	7 00 25 52	3 15 08 11	11 19 49 26	11 19 40 58	-3 54	-1 13	0 48	5 59	18 05
4	0 51 08	5 16 55 53	5 23 24 28	0 29 24 16	5 28 39 43	6 01 16 25	7 01 33 11	3 15 13 10	11 19 46 15	11 19 40 57	-4 18	-7 07	-0 20	6 56	18 32
5	0 55 05	5 17 55 01	6 06 02 12	0 29 21 57	6 00 15 18	6 01 29 16	7 02 40 22	3 15 18 04	11 19 43 04	11 19 41 04	-4 41	-12 51	-1 29	7 55	19 02
6	0 59 01	5 18 54 11	6 18 52 54	0 29 18 43	6 01 50 06	6 01 42 07	7 03 47 25	3 15 22 54	11 19 39 53	11 19 41 12	-5 04	-18 08	-2 35	8 56	19 37
7	1 02 58	5 19 53 22	7 01 57 07	0 29 14 35	6 03 24 06	6 01 55 00	7 04 54 19	3 15 27 39	11 19 36 43	11 19 41 07	-5 27	-22 41	-3 33	10 00	20 17
8	1 06 54	5 20 52 36	7 15 15 14	0 29 09 34	6 04 57 20	6 02 07 54	7 06 01 03	3 15 32 18	11 19 33 32	11 19 40 48	-5 50	-26 08	-4 21	11 06	21 06
9	1 10 51	5 21 51 51	7 28 47 28	0 29 03 39	6 06 29 48	6 02 20 50	7 07 07 39	3 15 36 53	11 19 30 21	11 19 40 27	-6 13	-28 10	-4 56	12 11	22 03
10	1 14 48	5 22 51 08	8 12 33 48	0 28 56 51	6 08 01 30	6 02 33 46	7 08 14 05	3 15 41 23	11 19 27 10	11 19 40 21	-6 35	-28 31	-5 14	13 12	23 07
11	1 18 44	5 23 50 27	8 26 33 45	0 28 49 10	6 09 32 27	6 02 46 43	7 09 20 21	3 15 45 47	11 19 24 00	11 19 40 31	-6 58	-27 03	-5 14	14 05	-- --
12	1 22 41	5 24 49 47	9 10 46 08	0 28 40 38	6 11 02 39	6 02 59 42	7 10 26 26	3 15 50 07	11 19 20 49	11 19 40 54	-7 21	-23 52	-4 56	14 51	0 16
13	1 26 37	5 25 49 09	9 25 08 49	0 28 31 14	6 12 32 06	6 03 12 41	7 11 32 21	3 15 54 21	11 19 17 38	11 19 41 22	-7 43	-19 11	-4 18	15 32	1 28
14	1 30 34	5 26 48 33	10 09 38 34	0 28 21 01	6 14 00 47	6 03 25 41	7 12 38 04	3 15 58 30	11 19 14 27	11 19 41 53	-8 06	-13 22	-3 24	16 07	2 38
15	1 34 30	5 27 47 59	10 24 11 03	0 28 09 57	6 15 28 44	6 03 38 41	7 13 43 36	3 16 02 33	11 19 11 16	11 19 42 30	-8 28	-6 47	-2 16	16 39	3 46
16	1 38 27	5 28 47 27	11 08 41 03	0 27 58 06	6 16 55 54	6 03 51 42	7 14 48 56	3 16 06 31	11 19 08 06	11 19 43 02	-8 50	0 06	-1 00	17 11	4 53
17	1 42 23	5 29 46 56	11 23 03 00	0 27 45 26	6 18 22 18	6 04 04 44	7 15 54 04	3 16 10 24	11 19 04 55	11 19 43 09	-9 12	6 57	0 18	17 42	6 00
18	1 46 20	6 00 46 28	0 07 11 36	0 27 32 01	6 19 47 54	6 04 17 46	7 16 58 59	3 16 14 11	11 19 01 44	11 19 42 47	-9 34	13 21	1 35	18 16	7 06
19	1 50 17	6 01 46 02	0 21 02 31	0 27 17 50	6 21 12 41	6 04 30 49	7 18 03 41	3 16 17 53	11 18 58 33	11 19 41 55	-9 56	18 57	2 44	18 53	8 12
20	1 54 13	6 02 45 37	1 04 32 51	0 27 02 55	6 22 36 37	6 04 43 52	7 19 08 10	3 16 21 29	11 18 55 23	11 19 40 27	-10 17	23 27	3 43	19 35	9 19
21	1 58 10	6 03 45 15	1 17 41 24	0 26 47 19	6 23 59 40	6 04 56 56	7 20 12 25	3 16 24 59	11 18 52 12	11 19 38 22	-10 39	26 36	4 28	20 22	10 23
22	2 02 06	6 04 44 55	2 00 28 41	0 26 31 02	6 25 21 48	6 05 09 59	7 21 16 27	3 16 28 24	11 18 49 01	11 19 35 59	-11 00	28 17	4 58	21 15	11 23
23	2 06 03	6 05 44 38	2 12 56 46	0 26 14 06	6 26 42 57	6 05 23 03	7 22 20 13	3 16 31 43	11 18 45 50	11 19 34 08	-11 21	28 28	5 13	22 11	12 16
24	2 09 59	6 06 44 22	2 25 08 54	0 25 56 34	6 28 03 05	6 05 36 07	7 23 23 45	3 16 34 56	11 18 42 40	11 19 33 10	-11 42	27 15	5 14	23 09	13 03
25	2 13 56	6 07 44 09	3 07 09 14	0 25 38 27	6 29 22 05	6 05 49 11	7 24 27 02	3 16 38 03	11 18 39 29	11 19 32 51	-12 03	24 48	5 01	-- --	13 43
26	2 17 52	6 08 43 58	3 19 02 24	0 25 19 48	7 00 39 55	6 06 02 15	7 25 30 03	3 16 41 04	11 18 36 18	11 19 33 03	-12 23	21 18	4 35	0 07	14 17
27	2 21 49	6 09 43 49	4 00 53 14	0 25 00 40	7 01 56 27	6 06 15 19	7 26 32 47	3 16 43 59	11 18 33 07	11 19 33 55	-12 44	16 58	3 57	1 04	14 47
28	2 25 46	6 10 43 42	4 12 46 30	0 24 41 04	7 03 11 36	6 06 28 22	7 27 35 15	3 16 46 48	11 18 29 56	11 19 35 32	-13 04	11 58	3 09	1 59	15 15
29	2 29 42	6 11 43 38	4 24 46 38	0 24 21 05	7 04 25 13	6 06 41 25	7 28 37 25	3 16 49 31	11 18 26 46	11 19 37 19	-13 24	6 30	2 12	2 54	15 41
30	2 33 39	6 12 43 36	5 06 57 33	0 24 00 44	7 05 37 10	6 06 54 28	7 29 39 17	3 16 52 08	11 18 23 35	11 19 38 44	-13 44	0 42	1 09	3 49	16 06
31	2 37 35	6 13 43 35	5 19 22 21	0 23 40 05	7 06 47 17	6 07 07 31	8 00 40 50	3 16 54 38	11 18 20 24	11 19 39 17	-14 04	-5 13	0 01	4 45	16 33

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 नवम्बर 2005 ई. को अयनांश 23° 56′ 13″

नवम्बर	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	2 41 32	6 14 43 37	6 02 03 10	0 23 19 11	7 07 55 21	6 07 20 33	8 01 42 04	3 16 57 03	11 18 17 13	11 19 38 41	-14 23	-11 05	-1 07	5 44	17 02
2	2 45 28	6 15 43 41	6 15 01 00	0 22 58 04	7 09 01 10	6 07 33 34	8 02 42 58	3 16 59 21	11 18 14 03	11 19 36 48	-14 42	-16 36	-2 14	6 45	17 36
3	2 49 25	6 16 43 46	6 28 15 40	0 22 36 49	7 10 04 28	6 07 46 34	8 03 43 31	3 17 01 32	11 18 10 52	11 19 33 37	-15 01	-21 28	-3 16	7 50	18 15
4	2 53 21	6 17 43 54	7 11 45 51	0 22 15 29	7 11 04 57	6 07 59 34	8 04 43 42	3 17 03 37	11 18 07 41	11 19 29 27	-15 20	-25 18	-4 07	8 56	19 02
5	2 57 18	6 18 44 03	7 25 29 21	0 21 54 06	7 12 02 19	6 08 12 33	8 05 43 30	3 17 05 36	11 18 04 30	11 19 24 45	-15 38	-27 45	-4 45	10 03	19 57
6	3 01 15	6 19 44 13	8 09 23 23	0 21 32 44	7 12 56 10	6 08 25 31	8 06 42 55	3 17 07 28	11 18 01 20	11 19 20 09	-15 56	-28 31	-5 07	11 06	21 00
7	3 05 11	6 20 44 26	8 23 25 03	0 21 11 27	7 13 46 06	6 08 38 27	8 07 41 55	3 17 09 14	11 17 58 09	11 19 16 23	-16 14	-27 27	-5 11	12 02	22 08
8	3 09 08	6 21 44 39	9 07 31 37	0 20 50 17	7 14 31 37	6 08 51 23	8 08 40 29	3 17 10 53	11 17 54 58	11 19 14 03	-16 32	-24 39	-4 56	12 50	23 19
9	3 13 04	6 22 44 55	9 21 40 45	0 20 29 18	7 15 12 14	6 09 04 17	8 09 38 36	3 17 12 25	11 17 51 47	11 19 13 21	-16 49	-20 20	-4 23	13 32	-- --
10	3 17 01	6 23 45 11	10 05 50 31	0 20 08 33	7 15 47 21	6 09 17 10	8 10 36 16	3 17 13 51	11 17 48 36	11 19 14 00	-17 06	-14 53	-3 34	14 07	0 27
11	3 20 57	6 24 45 29	10 19 59 13	0 19 48 05	7 16 16 20	6 09 30 02	8 11 33 26	3 17 15 11	11 17 45 26	11 19 15 25	-17 23	-8 40	-2 32	14 39	1 35
12	3 24 54	6 25 45 49	11 04 05 12	0 19 27 56	7 16 38 32	6 09 42 52	8 12 30 06	3 17 16 24	11 17 42 15	11 19 16 53	-17 39	-2 02	-1 21	15 10	2 39
13	3 28 50	6 26 46 10	11 18 06 30	0 19 08 08	7 16 53 14	6 09 55 40	8 13 26 15	3 17 17 30	11 17 39 04	11 19 17 37	-17 55	4 39	-0 06	15 41	3 44
14	3 32 47	6 27 46 32	0 02 00 49	0 18 48 46	7 16 59 42	6 10 08 27	8 14 21 51	3 17 18 29	11 17 35 53	11 19 16 56	-18 11	11 05	1 08	16 12	4 48
15	3 36 44	6 28 46 56	0 15 45 27	0 18 29 50	7 16 57 16	6 10 21 12	8 15 16 52	3 17 19 22	11 17 32 43	11 19 14 18	-18 27	16 54	2 18	16 47	5 54
16	3 40 40	6 29 47 21	0 29 17 38	0 18 11 23	7 16 45 18	6 10 33 56	8 16 11 19	3 17 20 08	11 17 29 32	11 19 09 44	-18 42	21 48	3 19	17 27	7 00
17	3 44 37	7 00 47 48	1 12 34 57	0 17 53 28	7 16 23 15	6 10 46 37	8 17 05 08	3 17 20 48	11 17 26 21	11 19 03 28	-18 57	25 28	4 08	18 12	8 05
18	3 48 33	7 01 48 17	1 25 35 39	0 17 36 05	7 15 50 49	6 10 59 17	8 17 58 20	3 17 21 20	11 17 23 10	11 18 55 52	-19 11	27 44	4 43	19 03	9 08
19	3 52 30	7 02 48 47	2 08 19 05	0 17 19 18	7 15 07 58	6 11 11 54	8 18 50 52	3 17 21 46	11 17 20 00	11 18 47 33	-19 25	28 28	5 03	19 58	10 05
20	3 56 26	7 03 49 19	2 20 45 51	0 17 03 07	7 14 15 01	6 11 24 30	8 19 42 43	3 17 22 06	11 17 16 49	11 18 39 45	-19 39	27 43	5 08	20 56	10 55
21	4 00 23	7 04 49 53	3 02 57 52	0 16 47 35	7 13 12 44	6 11 37 03	8 20 33 51	3 17 22 18	11 17 13 38	11 18 33 27	-19 53	25 39	4 58	21 55	11 38
22	4 04 19	7 05 50 28	3 14 58 12	0 16 32 43	7 12 02 24	6 11 49 34	8 21 24 15	3 17 22 24	11 17 10 27	11 18 28 58	-20 06	22 28	4 36	22 52	12 14
23	4 08 16	7 06 51 05	3 26 50 56	0 16 18 33	7 10 45 47	6 12 02 03	8 22 13 52	3 17 22 23	11 17 07 16	11 18 26 19	-20 19	18 23	4 02	23 49	12 46
24	4 12 13	7 07 51 44	4 08 40 48	0 16 05 05	7 09 25 10	6 12 14 30	8 23 02 42	3 17 22 15	11 17 04 06	11 18 25 28	-20 31	13 36	3 17	-- --	13 15
25	4 16 09	7 08 52 24	4 20 32 58	0 15 52 22	7 08 03 07	6 12 26 53	8 23 50 43	3 17 22 01	11 17 00 55	11 18 26 06	-20 43	8 19	2 24	0 43	13 41
26	4 20 06	7 09 53 06	5 02 32 46	0 15 40 24	7 06 42 22	6 12 39 15	8 24 37 51	3 17 21 39	11 16 57 44	11 18 27 23	-20 54	2 41	1 24	1 38	14 06
27	4 24 02	7 10 53 50	5 14 45 15	0 15 29 12	7 05 25 39	6 12 51 33	8 25 24 05	3 17 21 11	11 16 54 33	11 18 28 18	-21 06	-3 08	0 19	2 32	14 32
28	4 27 59	7 11 54 35	5 27 14 57	0 15 18 47	7 04 15 25	6 13 03 49	8 26 09 23	3 17 20 36	11 16 51 23	11 18 27 57	-21 17	-8 59	-0 47	3 29	15 01
29	4 31 55	7 12 55 22	6 10 05 20	0 15 09 10	7 03 13 41	6 13 16 02	8 26 53 43	3 17 19 54	11 16 48 12	11 18 25 34	-21 27	-14 38	-1 53	4 29	15 32
30	4 35 52	7 13 56 10	6 23 18 22	0 15 00 22	7 02 22 00	6 13 28 12	8 27 37 02	3 17 19 06	11 16 45 01	11 18 20 41	-21 37	-19 47	-2 55	5 33	16 09

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)   1 दिसम्बर 2005 ई. को अयनांश 23° 56′ 18″

दिसम्बर	साम्पातिक काल 0.0 h GMT	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	मध्यम राहु	स्पष्ट राहु	सूर्य क्रां.	चन्द्र क्रां.	चन्द्रशर	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.)	
	घ. मि. से.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	4 39 48	7 14 56 59	7 06 54 04	0 14 52 23	7 01 41 20	6 13 40 19	8 28 19 17	3 17 18 11	11 16 41 50	11 18 13 24	-21 47	-24 03	-3 49	6 39	16 53
2	4 43 45	7 15 57 50	7 20 50 18	0 14 45 13	7 01 12 09	6 13 52 22	8 29 00 27	3 17 17 09	11 16 38 39	11 18 04 23	-21 56	-27 03	-4 30	7 48	17 47
3	4 47 42	7 16 58 41	8 05 02 53	0 14 38 53	7 00 54 29	6 14 04 23	8 29 40 27	3 17 16 01	11 16 35 29	11 17 54 32	-22 04	-28 22	-4 56	8 55	18 49
4	4 51 38	7 17 59 34	8 19 26 04	0 14 33 23	7 00 48 01	6 14 16 20	9 00 19 14	3 17 14 45	11 16 32 18	11 17 44 48	-22 13	-27 48	-5 03	9 55	19 58
5	4 55 35	7 19 00 28	9 03 53 35	0 14 28 43	7 00 52 08	6 14 28 13	9 00 56 47	3 17 13 24	11 16 29 07	11 17 36 15	-22 21	-25 21	-4 51	10 47	21 09
6	4 59 31	7 20 01 22	9 18 19 33	0 14 24 53	7 01 06 08	6 14 40 03	9 01 33 01	3 17 11 56	11 16 25 56	11 17 29 48	-22 28	-21 17	-4 21	11 32	22 20
7	5 03 28	7 21 02 18	10 02 39 23	0 14 21 54	7 01 29 09	6 14 51 49	9 02 07 53	3 17 10 21	11 16 22 46	11 17 25 55	-22 35	-16 00	-3 34	12 09	23 28
8	5 07 24	7 22 03 13	10 16 50 06	0 14 19 43	7 02 00 21	6 15 03 32	9 02 41 20	3 17 08 40	11 16 19 35	11 17 24 24	-22 42	-9 55	-2 35	12 42	-- --
9	5 11 21	7 23 04 10	11 00 50 17	0 14 18 22	7 02 38 51	6 15 15 10	9 03 13 17	3 17 06 52	11 16 16 24	11 17 24 32	-22 48	-3 24	-1 27	13 13	0 33
10	5 15 17	7 24 05 07	11 14 39 42	0 14 17 50	7 03 23 51	6 15 26 45	9 03 43 41	3 17 04 58	11 16 13 13	11 17 25 00	-22 54	3 11	-0 14	13 42	1 37
11	5 19 14	7 25 06 05	11 28 18 39	0 14 18 06	7 04 14 35	6 15 38 15	9 04 12 29	3 17 02 58	11 16 10 03	11 17 24 33	-22 59	9 33	0 57	14 13	2 39
12	5 23 11	7 26 07 04	0 11 47 29	0 14 19 09	7 05 10 23	6 15 49 41	9 04 39 36	3 17 00 52	11 16 06 52	11 17 22 07	-23 04	15 24	2 05	14 46	3 43
13	5 27 07	7 27 08 03	0 25 06 17	0 14 20 59	7 06 10 35	6 16 01 04	9 05 04 59	3 16 58 39	11 16 03 41	11 17 16 53	-23 08	20 27	3 05	15 23	4 47
14	5 31 04	7 28 09 02	1 08 14 38	0 14 23 35	7 07 14 40	6 16 12 22	9 05 28 33	3 16 56 21	11 16 00 30	11 17 08 37	-23 12	24 26	3 55	16 05	5 51
15	5 35 00	7 29 10 03	1 21 11 46	0 14 26 57	7 08 22 08	6 16 23 35	9 05 50 16	3 16 53 56	11 15 57 19	11 16 57 38	-23 15	27 06	4 31	16 53	6 54
16	5 38 57	8 00 11 04	2 03 56 47	0 14 31 03	7 09 32 32	6 16 34 44	9 06 10 03	3 16 51 26	11 15 54 09	11 16 44 48	-23 18	28 18	4 53	17 47	7 53
17	5 42 53	8 01 12 05	2 16 29 07	0 14 35 53	7 10 45 31	6 16 45 49	9 06 27 50	3 16 48 50	11 15 50 58	11 16 31 08	-23 21	28 01	5 00	18 44	8 46
18	5 46 50	8 02 13 08	2 28 48 44	0 14 41 27	7 12 00 43	6 16 56 48	9 06 43 33	3 16 46 08	11 15 47 47	11 16 17 48	-23 23	26 20	4 53	19 44	9 33
19	5 50 46	8 03 14 11	3 10 56 32	0 14 47 43	7 13 17 53	6 17 07 43	9 06 57 10	3 16 43 20	11 15 44 36	11 16 06 06	-23 24	23 27	4 33	20 42	10 11
20	5 54 43	8 04 15 15	3 22 54 29	0 14 54 40	7 14 36 46	6 17 18 34	9 07 08 36	3 16 40 26	11 15 41 26	11 15 56 47	-23 25	19 36	4 01	21 39	10 45
21	5 58 40	8 05 16 20	4 04 45 32	0 15 02 19	7 15 57 09	6 17 29 19	9 07 17 47	3 16 37 27	11 15 38 15	11 15 50 11	-23 26	15 01	3 18	22 33	11 15
22	6 02 36	8 06 17 25	4 16 33 39	0 15 10 38	7 17 18 50	6 17 39 59	9 07 24 41	3 16 34 23	11 15 35 04	11 15 46 21	-23 26	9 54	2 27	23 28	11 42
23	6 06 33	8 07 18 31	4 28 23 34	0 15 19 36	7 18 41 42	6 17 50 34	9 07 29 15	3 16 31 13	11 15 31 53	11 15 44 46	-23 26	4 25	1 30	-- --	12 07
24	6 10 29	8 08 19 38	5 10 20 38	0 15 29 14	7 20 05 34	6 18 01 04	9 07 31 25	3 16 27 58	11 15 28 43	11 15 44 33	-23 25	-1 15	0 28	0 21	12 32
25	6 14 26	8 09 20 46	5 22 30 26	0 15 39 29	7 21 30 22	6 18 11 29	9 07 31 11	3 16 24 37	11 15 25 32	11 15 44 28	-23 24	-7 01	-0 35	1 16	12 59
26	6 18 22	8 10 21 54	6 04 58 24	0 15 50 22	7 22 55 59	6 18 21 48	9 07 28 29	3 16 21 12	11 15 22 21	11 15 43 24	-23 22	-12 38	-1 39	2 13	13 28
27	6 22 19	8 11 23 02	6 17 49 21	0 16 01 52	7 24 22 19	6 18 32 01	9 07 23 18	3 16 17 41	11 15 19 10	11 15 40 12	-23 20	-17 54	-2 40	3 13	14 01
28	6 26 15	8 12 24 12	7 01 06 47	0 16 13 58	7 25 49 20	6 18 42 09	9 07 15 38	3 16 14 06	11 15 15 59	11 15 34 05	-23 17	-22 30	-3 35	4 18	14 41
29	6 30 12	8 13 25 21	7 14 52 08	0 16 26 39	7 27 16 57	6 18 52 11	9 07 05 28	3 16 10 26	11 15 12 49	11 15 25 15	-23 14	-26 01	-4 19	5 26	15 31
30	6 34 09	8 14 26 31	7 29 04 04	0 16 39 55	7 28 45 08	6 19 02 07	9 06 52 50	3 16 06 41	11 15 09 38	11 15 14 25	-23 10	-28 03	-4 48	6 34	16 29
31	6 38 05	8 15 27 42	8 13 38 11	0 16 53 45	8 00 13 50	6 19 11 57	9 06 37 44	3 16 02 52	11 15 06 27	11 15 02 27	-23 06	-28 12	[illegible]	[illegible]	[illegible]

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घ. 30 मि., भा. स्टे. टा.) 1 जनवरी 2006 ई. को अयनांश 23° 56′ 24″

जनवरी	साम्पातिक काल 0.0 h GMT	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	मध्यम राहु	स्पष्ट राहु	सूर्य क्रां.	चन्द्र क्रां.	चन्द्रशर	चण्डीगढ़ (भा. स्टे. टा.) चन्द्रोदय	चन्द्रास्त
	घ. मि. से.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	घं. मि.	घं. मि.
1	6 42 02	8 16 28 52	8 28 27 16	0 17 08 09	8 01 43 01	6 19 21 41	9 06 20 13	3 15 58 58	11 15 03 16	11 14 50 18	-23 01	-26 22	-4 51	8 36	18 50
2	6 45 58	8 17 30 02	9 13 22 25	0 17 23 05	8 03 12 40	6 19 31 18	9 06 00 20	3 15 55 00	11 15 00 06	11 14 39 23	-22 56	-22 41	-4 23	9 26	20 04
3	6 49 55	8 18 31 13	9 28 14 33	0 17 38 33	8 04 42 45	6 19 40 49	9 05 38 10	3 15 50 58	11 14 56 55	11 14 30 59	-22 51	-17 32	-3 37	10 07	21 16
4	6 53 51	8 19 32 23	10 12 55 58	0 17 54 32	8 06 13 16	6 19 50 14	9 05 13 47	3 15 46 52	11 14 53 44	11 14 25 37	-22 45	-11 25	-2 37	10 42	22 24
5	6 57 48	8 20 33 33	10 27 21 22	0 18 11 01	8 07 44 13	6 19 59 32	9 04 47 19	3 15 42 42	11 14 50 33	11 14 22 59	-22 39	-4 48	-1 28	11 15	23 30
6	7 01 44	8 21 34 42	11 11 28 09	0 18 28 00	8 09 15 34	6 20 08 43	9 04 18 53	3 15 38 29	11 14 47 22	11 14 22 18	-22 32	1 54	-0 15	11 45	-- --
7	7 05 41	8 22 35 52	11 25 15 55	0 18 45 28	8 10 47 19	6 20 17 48	9 03 48 39	3 15 34 11	11 14 44 12	11 14 22 18	-22 25	8 24	0 57	12 15	0 33
8	7 09 38	8 23 37 00	0 08 45 51	0 19 03 24	8 12 19 29	6 20 26 46	9 03 16 48	3 15 29 51	11 14 41 01	11 14 21 36	-22 17	14 22	2 05	12 47	1 37
9	7 13 34	8 24 38 09	0 21 59 51	0 19 21 47	8 13 52 04	6 20 35 36	9 02 43 30	3 15 25 27	11 14 37 50	11 14 19 01	-22 09	19 33	3 04	13 23	2 40
10	7 17 31	8 25 39 16	1 04 59 58	0 19 40 37	8 15 25 04	6 20 44 20	9 02 09 00	3 15 21 01	11 14 34 39	11 14 13 45	-22 00	23 43	3 53	14 03	3 44
11	7 21 27	8 26 40 24	1 17 47 58	0 19 59 53	8 16 58 29	6 20 52 56	9 01 33 30	3 15 16 31	11 14 31 29	11 14 05 18	-21 51	26 39	4 30	14 48	4 46
12	7 25 24	8 27 41 30	2 00 25 09	0 20 19 34	8 18 32 21	6 21 01 26	9 00 57 16	3 15 11 59	11 14 28 18	11 13 53 57	-21 42	28 11	4 52	15 40	5 46
13	7 29 20	8 28 42 37	2 12 52 19	0 20 39 39	8 20 06 39	6 21 09 48	9 00 20 32	3 15 07 23	11 14 25 07	11 13 40 40	-21 32	28 15	5 00	16 35	6 40
14	7 33 17	8 29 43 43	2 25 10 01	0 21 00 07	8 21 41 25	6 21 18 02	8 29 43 35	3 15 02 46	11 14 21 56	11 13 26 41	-21 22	26 56	4 54	17 34	7 28
15	7 37 13	9 00 44 48	3 07 18 46	0 21 21 00	8 23 16 39	6 21 26 09	8 29 06 40	3 14 58 06	11 14 18 46	11 13 13 11	-21 11	24 20	4 34	18 32	8 09
16	7 41 10	9 01 45 53	3 19 19 23	0 21 42 14	8 24 52 22	6 21 34 08	8 28 30 02	3 14 53 24	11 14 15 35	11 13 01 07	-21 00	20 43	4 03	19 30	8 45
17	7 45 07	9 02 46 58	4 01 13 13	0 22 03 51	8 26 28 36	6 21 42 00	8 27 53 58	3 14 48 40	11 14 12 24	11 12 51 14	-20 48	16 17	3 21	20 25	9 16
18	7 49 03	9 03 48 02	4 13 02 18	0 22 25 49	8 28 05 20	6 21 49 43	8 27 18 43	3 14 43 54	11 14 09 13	11 12 44 07	-20 36	11 16	2 30	21 20	9 44
19	7 53 00	9 04 49 06	4 24 49 34	0 22 48 08	8 29 42 36	6 21 57 19	8 26 44 31	3 14 39 06	11 14 06 02	11 12 39 57	-20 24	5 52	1 33	22 13	10 09
20	7 56 56	9 05 50 10	5 06 38 43	0 23 10 47	9 01 20 25	6 22 04 47	8 26 11 34	3 14 34 17	11 14 02 52	11 12 38 14	-20 11	0 15	0 31	23 07	10 34
21	8 00 53	9 06 51 13	5 18 34 16	0 23 33 46	9 02 58 48	6 22 12 06	8 25 40 07	3 14 29 26	11 13 59 41	11 12 38 11	-19 58	-5 25	-0 31	-- --	10 59
22	8 04 49	9 07 52 16	6 00 41 17	0 23 57 05	9 04 37 45	6 22 19 17	8 25 10 20	3 14 24 35	11 13 56 30	11 12 38 50	-19 45	-11 00	-1 34	0 01	11 26
23	8 08 46	9 08 53 18	6 13 05 08	0 24 20 43	9 06 17 18	6 22 26 20	8 24 42 24	3 14 19 42	11 13 53 19	11 12 39 03	-19 31	-16 18	-2 35	0 59	11 57
24	8 12 42	9 09 54 20	6 25 51 02	0 24 44 39	9 07 57 26	6 22 33 14	8 24 16 27	3 14 14 48	11 13 50 09	11 12 37 37	-19 17	-21 02	-3 29	2 00	12 32
25	8 16 39	9 10 55 22	7 09 03 26	0 25 08 54	9 09 38 12	6 22 40 00	8 23 52 37	3 14 09 53	11 13 46 58	11 12 33 37	-19 03	-24 55	-4 14	3 04	13 16
26	8 20 36	9 11 56 22	7 22 45 15	0 25 33 27	9 11 19 35	6 22 46 36	8 23 31 01	3 14 04 58	11 13 43 47	11 12 27 20	-18 48	-27 32	-4 47	4 11	14 08
27	8 24 32	9 12 57 23	8 06 56 58	0 25 58 16	9 13 01 35	6 22 53 04	8 23 11 44	3 14 00 03	11 13 40 36	11 12 19 38	-18 32	-28 29	-5 03	5 18	15 12
28	8 28 29	9 13 58 22	8 21 35 47	0 26 23 24	9 14 44 13	6 22 59 23	8 22 54 50	3 13 55 07	11 13 37 26	11 12 11 04	-18 17	-27 30	-5 00	6 19	16 22
29	8 32 25	9 14 59 21	9 06 35 27	0 26 48 47	9 16 27 29	6 23 05 33	8 22 40 21	3 13 50 12	11 13 34 15	11 12 01 56	-18 01	-24 33	-4 37	7 13	17 38
30	8 36 22	9 16 00 19	9 21 46 49	0 27 14 27	9 18 11 23	6 23 11 34	8 22 28 20	3 13 45 16	11 13 31 04	11 11 53 14	-17 45	-19 51	-3 54	7 58	18 53
31	8 40 18	9 17 01 16	10 06 59 16	0 27 40 23	9 19 55 53	6 23 17 25	8 22 18 47	3 13 40 21	11 13 27 53	11 11 46 30	-17 28	-13 52	-2 55	8 37	20 05

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

1 फरवरी 2006 ई. को अयनांश 23° 56′ 30″

फरवरी	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चण्डीगढ़ (भा. स्टैं. टा.) चन्द्रोदय घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	8 44 15	9 18 02 12	10 22 02 35	0 28 06 35	9 21 40 58	6 23 23 07	8 22 11 43	3 13 35 27	11 13 24 42	11 11 42 28	-17 12	-7 07	-1 43	9 12	21 15
2	8 48 11	9 19 03 07	11 06 48 37	0 28 33 02	9 23 26 38	6 23 28 40	8 22 07 06	3 13 30 33	11 13 21 32	11 11 40 52	-16 54	-0 06	-0 26	9 44	22 21
3	8 52 08	9 20 04 00	11 21 12 13	0 28 59 43	9 25 12 50	6 23 34 02	8 22 04 57	3 13 25 40	11 13 18 21	11 11 41 04	-16 37	6 45	0 51	10 15	23 27
4	8 56 05	9 21 04 52	0 05 11 15	0 29 26 39	9 26 59 30	6 23 39 16	8 22 05 13	3 13 20 48	11 13 15 10	11 11 42 08	-16 19	13 05	2 03	10 48	-- --
5	9 00 01	9 22 05 43	0 18 46 04	0 29 53 48	9 28 46 36	6 23 44 19	8 22 07 53	3 13 15 57	11 13 11 59	11 11 42 56	-16 01	18 36	3 06	11 23	0 32
6	9 03 58	9 23 06 32	1 01 58 41	1 00 21 11	10 00 34 03	6 23 49 13	8 22 12 53	3 13 11 08	11 13 08 49	11 11 42 32	-15 43	23 04	3 57	12 02	1 37
7	9 07 54	9 24 07 20	1 14 51 57	1 00 48 47	10 02 21 44	6 23 53 56	8 22 20 12	3 13 06 21	11 13 05 38	11 11 40 13	-15 25	26 18	4 35	12 45	2 40
8	9 11 51	9 25 08 06	1 27 29 03	1 01 16 35	10 04 09 33	6 23 58 30	8 22 29 45	3 13 01 35	11 13 02 27	11 11 35 48	-15 06	28 07	4 58	13 35	3 41
9	9 15 47	9 26 08 50	2 09 52 58	1 01 44 36	10 05 57 22	6 24 02 54	8 22 41 31	3 12 56 51	11 12 59 16	11 11 29 18	-14 47	28 30	5 08	14 29	4 37
10	9 19 44	9 27 09 34	2 22 06 19	1 02 12 49	10 07 45 00	6 24 07 08	8 22 55 25	3 12 52 08	11 12 56 06	11 11 21 16	-14 27	27 29	5 02	15 27	5 26
11	9 23 40	9 28 10 15	3 04 11 18	1 02 41 13	10 09 32 15	6 24 11 11	8 23 11 23	3 12 47 29	11 12 52 55	11 11 12 39	-14 08	25 10	4 44	16 25	6 09
12	9 27 37	9 29 10 56	3 16 09 44	1 03 09 48	10 11 18 52	6 24 15 04	8 23 29 23	3 12 42 51	11 12 49 44	11 11 04 19	-13 48	21 46	4 12	17 23	6 46
13	9 31 34	10 00 11 34	3 28 03 12	1 03 38 35	10 13 04 35	6 24 18 47	8 23 49 20	3 12 38 16	11 12 46 33	11 10 56 56	-13 28	17 30	3 30	18 19	7 18
14	9 35 30	10 01 12 12	4 09 53 20	1 04 07 32	10 14 49 04	6 24 22 20	8 24 11 11	3 12 33 44	11 12 43 22	11 10 51 03	-13 08	12 35	2 39	19 14	7 47
15	9 39 27	10 02 12 48	4 21 41 54	1 04 36 39	10 16 31 56	6 24 25 41	8 24 34 52	3 12 29 14	11 12 40 12	11 10 47 03	-12 48	7 13	1 41	20 08	8 12
16	9 43 23	10 03 13 23	5 03 31 03	1 05 05 57	10 18 12 48	6 24 28 53	8 25 00 19	3 12 24 48	11 12 37 01	11 10 45 04	-12 27	1 36	0 39	21 01	8 37
17	9 47 20	10 04 13 56	5 15 23 29	1 05 35 25	10 19 51 10	6 24 31 54	8 25 27 27	3 12 20 24	11 12 33 50	11 10 44 52	-12 06	-4 05	-0 25	21 55	9 02
18	9 51 16	10 05 14 28	5 27 22 26	1 06 05 02	10 21 26 31	6 24 34 44	8 25 56 15	3 12 16 03	11 12 30 39	11 10 45 56	-11 45	-9 41	-1 29	22 51	9 28
19	9 55 13	10 06 14 59	6 09 31 45	1 06 34 49	10 22 58 19	6 24 37 23	8 26 26 37	3 12 11 46	11 12 27 29	11 10 47 42	-11 24	-15 02	-2 30	23 49	9 57
20	9 59 09	10 07 15 28	6 21 55 39	1 07 04 45	10 24 25 55	6 24 39 51	8 26 58 30	3 12 07 33	11 12 24 18	11 10 49 35	-11 02	-19 52	-3 26	-- --	10 29
21	10 03 06	10 08 15 57	7 04 38 33	1 07 34 50	10 25 48 44	6 24 42 09	8 27 31 50	3 12 03 23	11 12 21 07	11 10 50 41	-10 41	-23 57	-4 13	0 51	11 08
22	10 07 03	10 09 16 23	7 17 44 37	1 08 05 04	10 27 06 04	6 24 44 15	8 28 06 35	3 11 59 17	11 12 17 56	11 10 50 08	-10 19	-26 56	-4 48	1 55	11 55
23	10 10 59	10 10 16 49	8 01 17 06	1 08 35 27	10 28 17 18	6 24 46 11	8 28 42 41	3 11 55 14	11 12 14 45	11 10 47 54	-9 57	-28 30	-5 09	2 59	12 51
24	10 14 56	10 11 17 13	8 15 17 42	1 09 05 59	10 29 21 45	6 24 47 55	8 29 20 04	3 11 51 16	11 12 11 35	11 10 44 46	-9 35	-28 18	-5 12	4 01	13 57
25	10 18 52	10 12 17 36	8 29 45 38	1 09 36 39	11 00 18 48	6 24 49 28	8 29 58 41	3 11 47 22	11 12 08 24	11 10 41 22	-9 13	-26 13	-4 56	4 57	15 09
26	10 22 49	10 13 17 57	9 14 37 04	1 10 07 27	11 01 07 53	6 24 50 50	9 00 38 29	3 11 43 32	11 12 05 13	11 10 37 46	-8 51	-22 18	-4 20	5 46	16 24
27	10 26 45	10 14 18 17	9 29 45 05	1 10 38 24	11 01 48 28	6 24 52 01	9 01 19 25	3 11 39 46	11 12 02 02	11 10 34 07	-8 28	-16 51	-3 25	6 28	17 38
28	10 30 42	10 15 18 35	10 15 00 22	1 11 09 28	11 02 20 06	6 24 53 01	9 02 01 26	3 11 36 06	11 11 58 52	11 10 31 11	-8 06	-10 18	-2 15	7 05	18 50

दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.) 1 मार्च 2006 ई. को अयनांश 23° 56′ 34″

तारीख	साम्पातिक काल 0.0 h GMT घं. मि. से.	सूर्य रा. अं. क. वि.	चन्द्र रा. अं. क. वि.	मंगल रा. अं. क. वि.	बुध रा. अं. क. वि.	गुरु रा. अं. क. वि.	शुक्र रा. अं. क. वि.	शनि रा. अं. क. वि.	मध्यम राहु रा. अं. क. वि.	स्पष्ट राहु रा. अं. क. वि.	सूर्य क्रां. अं. क.	चन्द्र क्रां. अं. क.	चन्द्रशर अं. क.	चन्द्रोदय चण्डीगढ़ (भा. स्टै. टा.) घं. मि.	चन्द्रास्त घं. मि.
1	10 34 38	10 16 18 52	11 00 12 35	1 11 40 40	11 02 42 30	6 24 53 49	9 02 44 30	3 11 32 29	11 11 55 41	11 10 29 37	-7 43	-3 11	-0 56	7 39	20 00
2	10 38 35	10 17 19 06	11 15 12 04	1 12 12 00	11 02 55 24	6 24 54 25	9 03 28 33	3 11 28 58	11 11 52 30	11 10 29 22	-7 20	4 01	0 25	8 11	21 08
3	10 42 32	10 18 19 19	11 29 51 13	1 12 43 27	11 02 58 46	6 24 54 51	9 04 13 34	3 11 25 31	11 11 49 19	11 10 30 10	-6 57	10 51	1 44	8 44	22 16
4	10 46 28	10 19 19 30	0 14 05 17	1 13 15 01	11 02 52 40	6 24 55 05	9 04 59 31	3 11 22 10	11 11 46 09	11 10 31 33	-6 34	16 56	2 54	9 20	23 24
5	10 50 25	10 20 19 38	0 27 52 25	1 13 46 42	11 02 37 23	6 24 55 08	9 05 46 20	3 11 18 53	11 11 42 58	11 10 32 57	-6 11	21 57	3 52	9 58	-- --
6	10 54 21	10 21 19 45	1 11 13 12	1 14 18 30	11 02 13 21	6 24 54 59	9 06 33 59	3 11 15 42	11 11 39 47	11 10 33 49	-5 48	25 40	4 35	10 41	0 30
7	10 58 18	10 22 19 49	1 24 09 59	1 14 50 24	11 01 41 13	6 24 54 39	9 07 22 28	3 11 12 36	11 11 36 36	11 10 33 55	-5 24	27 56	5 03	11 30	1 34
8	11 02 14	10 23 19 51	2 06 46 11	1 15 22 25	11 01 01 47	6 24 54 08	9 08 11 44	3 11 09 36	11 11 33 25	11 10 33 18	-5 01	28 41	5 15	12 23	2 32
9	11 06 11	10 24 19 51	2 19 05 40	1 15 54 31	11 00 16 03	6 24 53 25	9 09 01 46	3 11 06 41	11 11 30 15	11 10 32 02	-4 38	27 59	5 12	13 21	3 24
10	11 10 07	10 25 19 49	3 01 12 22	1 16 26 44	10 29 25 10	6 24 52 32	9 09 52 31	3 11 03 51	11 11 27 04	11 10 30 14	-4 14	25 56	4 55	14 19	4 09
11	11 14 04	10 26 19 45	3 13 10 00	1 16 59 02	10 28 30 23	6 24 51 27	9 10 43 58	3 11 01 07	11 11 23 53	11 10 28 08	-3 51	22 47	4 26	15 17	4 47
12	11 18 01	10 27 19 39	3 25 01 51	1 17 31 26	10 27 33 02	6 24 50 11	9 11 36 05	3 10 58 29	11 11 20 42	11 10 26 01	-3 27	18 42	3 45	16 13	5 21
13	11 21 57	10 28 19 31	4 06 50 53	1 18 03 55	10 26 34 27	6 24 48 44	9 12 28 52	3 10 55 57	11 11 17 32	11 10 24 09	-3 04	13 55	2 55	17 09	5 50
14	11 25 54	10 29 19 20	4 18 39 37	1 18 36 30	10 25 35 57	6 24 47 05	9 13 22 16	3 10 53 30	11 11 14 21	11 10 22 46	-2 40	8 38	1 57	18 02	6 16
15	11 29 50	11 00 19 08	5 00 30 18	1 19 09 10	10 24 38 48	6 24 45 16	9 14 16 17	3 10 51 09	11 11 11 10	11 10 22 00	-2 16	3 02	0 54	18 56	6 41
16	11 33 47	11 01 18 53	5 12 24 58	1 19 41 54	10 23 44 07	6 24 43 16	9 15 10 53	3 10 48 54	11 11 07 59	11 10 21 49	-1 53	-2 41	-0 11	19 50	7 06
17	11 37 43	11 02 18 37	5 24 25 40	1 20 14 44	10 22 52 55	6 24 41 04	9 16 06 02	3 10 46 46	11 11 04 49	11 10 22 04	-1 29	-8 23	-1 17	20 45	7 32
18	11 41 40	11 03 18 19	6 06 34 32	1 20 47 39	10 22 06 00	6 24 38 42	9 17 01 44	3 10 44 43	11 11 01 38	11 10 22 34	-1 05	-13 50	-2 20	21 43	8 00
19	11 45 36	11 04 17 59	6 18 53 54	1 21 20 38	10 21 24 03	6 24 36 09	9 17 57 57	3 10 42 46	11 10 58 27	11 10 23 10	-0 41	-18 50	-3 18	22 43	8 31
20	11 49 33	11 05 17 37	7 01 26 19	1 21 53 42	10 20 47 35	6 24 33 25	9 18 54 40	3 10 40 55	11 10 55 16	11 10 23 50	-0 18	-23 06	-4 07	23 46	9 07
21	11 53 30	11 06 17 14	7 14 14 30	1 22 26 50	10 20 16 56	6 24 30 31	9 19 51 52	3 10 39 11	11 10 52 05	11 10 24 33	0 05	-26 21	-4 45	-- --	9 50
22	11 57 26	11 07 16 48	7 27 21 08	1 23 00 04	10 19 52 20	6 24 27 26	9 20 49 33	3 10 37 33	11 10 48 55	11 10 25 01	0 29	-28 18	-5 09	0 49	10 41
23	12 01 23	11 08 16 21	8 10 48 30	1 23 33 21	10 19 33 51	6 24 24 10	9 21 47 40	3 10 36 01	11 10 45 44	11 10 24 59	0 52	-28 38	-5 17	1 51	11 42
24	12 05 19	11 09 15 53	8 24 38 09	1 24 06 43	10 19 21 29	6 24 20 14	9 22 46 13	3 10 34 36	11 10 42 33	11 10 24 36	1 16	-27 14	-5 08	2 47	12 49
25	12 09 16	11 10 15 22	9 08 50 13	1 24 40 09	10 19 15 10	6 24 17 07	9 23 45 11	3 10 33 16	11 10 39 22	11 10 24 27	1 40	-24 04	-4 39	3 37	14 00
26	12 13 12	11 11 14 50	9 23 22 55	1 25 13 40	10 19 14 45	6 24 13 20	9 24 44 33	3 10 32 04	11 10 36 12	11 10 24 35	2 03	-19 20	-3 52	4 20	15 12
27	12 17 09	11 12 14 16	10 08 12 17	1 25 47 15	10 19 20 02	6 24 09 23	9 25 44 18	3 10 30 57	11 10 33 01	11 10 24 48	2 27	-13 20	-2 49	4 58	16 23
28	12 21 05	11 13 13 40	10 23 12 03	1 26 20 54	10 19 30 49	6 24 05 16	9 26 44 25	3 10 29 58	11 10 29 50	11 10 24 57	2 50	-6 31	-1 34	5 33	17 34
29	12 25 02	11 14 13 03	11 08 14 18	1 26 54 37	10 19 46 50	6 24 01 00	9 27 44 53	3 10 29 04	11 10 26 39	11 10 25 00	3 14	0 40	-0 12	6 06	18 43

मार्त्तण्ड त्रिस्कंध ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

www.martand.com

अक्षांश भेद से भारत में चन्द्रदर्शन की तारीखें और चन्द्र के उन्नत शृंग की दिशा तथा अंश (सं. 2062 वि.)

मास	चैत्र		वैशाख		ज्येष्ठ		आषाढ़		श्रावण		भाद्रपद		आश्विन		कार्तिक		मार्गशीर्ष		पौष		माघ		फाल्गुन	
भारतीय अक्षांश	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	*चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2005 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2006 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	⊕चन्द्रदर्शन (2006 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)	चन्द्रदर्शन (2006 ई.)	उन्नत शृंग (अंश)
$+5^\circ$	10 अप्रै.	द. 23	9 मई	द. 24	8 जून	द. 17	7 जुला.	द. 14	6 अग.	उ. 7	5 सितं.	उ. 25	5 अक्तू.	उ. 39	3 नवं.	उ. 37	3 दिसं.	उ. 26	1 जन.	उ. 17	30 जन.	उ. 5	1 मार्च	द. 17
$+15^\circ$	10 "	द. 13	9 "	द. 14	8 "	द. 6	7 "	द. 4	6 "	उ. 17	5 "	उ. 35	5 "	उ. 51	3 "	उ. 47	3 "	उ. 36	1 "	उ. 27	30 "	उ. 15	1 "	द. 6
$+25^\circ$	10 "	द. 2	9 "	द. 4	8 "	उ. 4	7 "	उ. 6	6 "	उ. 27	5 "	उ. 45	5 "	उ. 60	4 "	उ. 55	3 "	उ. 47	1 "	उ. 38	30 "	उ. 25	1 "	उ. 4
$+35^\circ$	10 "	उ. 8	9 "	उ. 6	8 "	उ. 14	7 "	उ. 16	6 "	उ. 38	5 "	उ. 55	5 "	उ. 70	4 "	उ. 64	3 "	उ. 56	1 "	उ. 47	31 "	उ. 26	1 "	उ. 15

*दक्षिण भारत में चन्द्रदर्शन 3 नवम्बर को होगा। 19 से अधिक अक्षांशीय स्थलों पर चन्द्रदर्शन 4 नवम्बर को ही होगा।

⊕ उत्तरी काश्मीर में 30 जनवरी को चन्द्रदर्शन सम्भव नहीं है।

नोटः– यहां दिए गए शृंगोन्नति के अंश लगभग हैं।

यूरेनस, नेपच्यून, प्लूटो के निरयण भोगांश और भौमादि ग्रहों के क्रांति—शर (प्रात: 5 घं.30 मि., भा. स्टैं. टा.)

तारीख सन्	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		यूरेनस		नेपच्यून		प्लूटो	
				क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर
2005 ई.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
जन. 1	10 09 59	9 19 55	7 28 47	-20 51	0 09	-21 17	1 38	-5 35	1 17	-22 15	0 44	21 07	0 00	-10 46	-0 44	-16 45	-0 05	-15 12	8 02
4	10 10 06	9 20 01	7 28 54	-21 15	0 07	-21 58	1 12	-5 41	1 18	-22 38	0 36	21 10	0 00	-10 43	-0 44	-16 43	-0 05	-15 12	8 02
7	10 10 13	9 20 07	7 29 00	-21 37	0 05	-22 35	0 47	-5 46	1 19	-22 54	0 29	21 13	0 00	-10 40	-0 44	-16 42	-0 05	-15 12	8 02
10	10 10 21	9 20 14	7 29 07	-21 58	0 03	-23 04	0 22	-5 50	1 19	-23 04	0 21	21 16	0 00	-10 37	-0 44	-16 40	-0 05	-15 13	8 02
13	10 10 30	9 20 20	7 29 13	-22 17	0 01	-23 24	-0 01	-5 54	1 20	-23 08	0 13	21 19	0 00	-10 34	-0 44	-16 38	-0 05	-15 13	8 02
16	10 10 38	9 20 26	7 29 19	-22 34	0 00	-23 35	-0 24	-5 57	1 21	-23 06	0 05	21 22	0 00	-10 31	-0 44	-16 36	-0 05	-15 13	8 03
19	10 10 47	9 20 33	7 29 25	-22 50	-0 02	-23 35	-0 45	-6 00	1 22	-22 57	-0 01	21 25	0 01	-10 28	-0 44	-16 34	-0 05	-15 13	8 03
22	10 10 56	9 20 40	7 29 30	-23 03	-0 05	-23 23	-1 04	-6 02	1 22	-22 42	-0 09	21 28	0 01	-10 24	-0 44	-16 32	-0 05	-15 13	8 03
25	10 11 05	9 20 46	7 29 36	-23 15	-0 07	-23 00	-1 20	-6 03	1 23	-22 20	-0 16	21 30	0 01	-10 21	-0 44	-16 30	-0 05	-15 13	8 03
28	10 11 14	9 20 53	7 29 41	-23 25	-0 09	-22 25	-1 35	-6 04	1 24	-21 53	-0 24	21 33	0 02	-10 17	-0 44	-16 28	-0 05	-15 13	8 03
30	10 11 21	9 20 58	7 29 44	-23 30	-0 11	-21 55	-1 43	-6 04	1 24	-21 31	-0 28	21 35	0 02	-10 15	-0 44	-16 27	-0 05	-15 13	8 03
फर. 1	10 11 27	9 21 02	7 29 48	-23 35	-0 12	-21 19	-1 50	-6 04	1 25	-21 07	-0 33	21 36	0 02	-10 13	-0 44	-16 26	-0 05	-15 13	8 04
4	10 11 37	9 21 09	7 29 53	-23 40	-0 14	-20 14	-1 58	-6 03	1 26	-20 26	-0 40	21 39	0 02	-10 09	-0 43	-16 24	-0 05	-15 13	8 04
7	10 11 47	9 21 16	7 29 57	-23 43	-0 17	-18 56	-2 03	-6 01	1 26	-19 39	-0 46	21 41	0 03	-10 05	-0 43	-16 22	-0 05	-15 13	8 04
10	10 11 57	9 21 23	8 00 02	-23 44	-0 19	-17 25	-2 05	-5 59	1 27	-18 47	-0 52	21 43	0 03	-10 02	-0 43	-16 20	-0 06	-15 13	8 05
13	10 12 07	9 21 30	8 00 06	-23 44	-0 22	-15 42	-2 03	-5 57	1 28	-17 51	-0 58	21 46	0 03	-9 58	-0 43	-16 18	-0 06	-15 13	8 05
16	10 12 17	9 21 36	8 00 10	-23 41	-0 24	-13 45	-1 56	-5 53	1 29	-16 49	-1 03	21 48	0 04	-9 54	-0 43	-16 16	-0 06	-15 12	8 06
19	10 12 27	9 21 43	8 00 13	-23 36	-0 27	-11 36	-1 44	-5 49	1 29	-15 44	-1 07	21 49	0 04	-9 50	-0 43	-16 14	-0 06	-15 12	8 06
22	10 12 38	9 21 50	8 00 17	-23 29	-0 29	-9 16	-1 28	-5 45	1 30	-14 34	-1 12	21 51	0 04	-9 46	-0 43	-16 12	-0 06	-15 12	8 06
25	10 12 48	9 21 56	8 00 20	-23 21	-0 32	-6 46	-1 06	-5 40	1 31	-13 21	-1 15	21 53	0 05	-9 43	-0 43	-16 10	-0 06	-15 11	8 07
28	10 12 58	9 22 03	8 00 23	-23 10	-0 35	-4 09	-0 38	-5 34	1 31	-12 05	-1 18	21 54	0 05	-9 39	-0 43	-16 08	-0 06	-15 11	8 07
मार्च 1	10 13 02	9 22 05	8 00 23	-23 06	-0 36	-3 16	-0 28	-5 32	1 32	-11 39	-1 19	21 55	0 05	-9 37	-0 43	-16 08	-0 06	-15 11	8 07
4	10 13 12	9 22 11	8 00 26	-22 52	-0 38	-0 37	0 06	-5 26	1 32	-10 19	-1 22	21 56	0 05	-9 34	-0 43	-16 06	-0 06	-15 11	8 08
7	10 13 23	9 22 17	8 00 28	-22 37	-0 41	1 55	0 45	-5 19	1 33	-8 56	-1 24	21 57	0 06	-9 30	-0 43	-16 04	-0 06	-15 10	8 08
10	10 13 33	9 22 23	8 00 30	-22 19	-0 44	4 14	1 25	-5 12	1 33	-7 31	-1 25	21 58	0 06	-9 26	-0 43	-16 02	-0 06	-15 10	8 09
13	10 13 43	9 22 29	8 00 31	-22 00	-0 47	6 10	2 05	-5 04	1 34	-6 05	-1 26	21 59	0 06	-9 22	-0 43	-16 00	-0 06	-15 09	8 10
16	10 13 53	9 22 35	8 00 33	-21 39	-0 50	7 36	2 41	-4 56	1 34	-4 37	-1 26	21 59	0 06	-9 19	-0 43	-15 59	-0 06	-15 09	8 10
19	10 14 03	9 22 40	8 00 34	-21 16	-0 53	8 26	3 09	-4 48	1 34	-3 08	-1 25	22 00	0 07	-9 15	-0 44	-15 57	-0 06	-15 08	8 11
22	10 14 13	9 22 46	8 00 34	-20 52	-0 56	8 36	3 25	-4 39	1 35	-1 38	-1 24	22 00	0 07	-9 11	-0 44	-15 56	-0 06	-15 08	8 11
25	10 14 22	9 22 51	8 00 35	-20 25	-0 58	8 08	3 27	-4 31	1 35	-0 07	-1 23	22 00	0 07	-9 08	-0 44	-15 54	-0 06	-15 07	8 12
28	10 14 32	9 22 56	8 00 35	-19 57	-1 01	7 05	3 13	-4 22	1 35	1 22	-1 21	22 00	0 07	-9 04	-0 44	-15 53	-0 06	-15 07	8 12
30	10 14 38	9 22 59	8 00 35	-19 37	-1 03	6 09	2 54	-4 16	1 35	2 23	-1 19	22 00	0 08	-9 02	-0 44	-15 52	-0 06	-15 06	8 12

यूरेनस, नेपच्यून, प्लूटो के निरयण भोगांश और भौमादि ग्रहों के क्रांति–शर (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

तारीख सन्	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		यूरेनस		नेपच्यून		प्लूटो	
				क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर
2005 ई.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
अप्रै. 1	10 14 44	9 23 02	8 00 34	-19 17	-1 05	5 07	2 31	-4 10	1 35	3 23	-1 17	22 00	0 08	-9 00	-0 44	-15 51	-0 06	-15 06	8 13
4	10 14 53	9 23 06	8 00 34	-18 45	-1 09	3 32	1 47	-4 01	1 35	4 53	-1 14	22 00	0 08	-8 56	-0 44	-15 50	-0 06	-15 06	8 13
7	10 15 02	9 23 10	8 00 33	-18 12	-1 12	2 06	0 59	-3 52	1 35	6 21	-1 10	22 00	0 08	-8 53	-0 44	-15 48	-0 06	-15 05	8 14
10	10 15 10	9 23 14	8 00 32	-17 37	-1 15	0 58	0 11	-3 43	1 35	7 49	-1 06	21 59	0 09	-8 50	-0 44	-15 47	-0 06	-15 05	8 14
13	10 15 18	9 23 18	8 00 30	-17 01	-1 18	0 11	-0 33	-3 35	1 35	9 15	-1 01	21 58	0 09	-8 47	-0 44	-15 46	-0 06	-15 04	8 15
16	10 15 26	9 23 21	8 00 28	-16 24	-1 21	-0 11	-1 12	-3 26	1 35	10 39	-0 56	21 57	0 09	-8 44	-0 44	-15 45	-0 06	-15 04	8 15
19	10 15 34	9 23 25	8 00 26	-15 45	-1 24	-0 11	-1 45	-3 18	1 34	12 01	-0 50	21 56	0 09	-8 41	-0 44	-15 44	-0 06	-15 03	8 15
22	10 15 41	9 23 27	8 00 24	-15 06	-1 27	0 08	-2 12	-3 10	1 34	13 20	-0 44	21 55	0 09	-8 39	-0 44	-15 43	-0 06	-15 03	8 16
25	10 15 48	9 23 30	8 00 22	-14 25	-1 30	0 47	-2 32	-3 03	1 34	14 36	-0 38	21 54	0 10	-8 36	-0 44	-15 43	-0 06	-15 02	8 16
28	10 15 55	9 23 32	8 00 19	-13 43	-1 33	1 43	-2 46	-2 55	1 33	15 49	-0 31	21 52	0 10	-8 33	-0 44	-15 42	-0 07	-15 02	8 17
30	10 15 59	9 23 34	8 00 17	-13 15	-1 35	2 28	-2 52	-2 51	1 33	16 36	-0 27	21 51	0 10	-8 32	-0 44	-15 42	-0 07	-15 01	8 17
मई 1	10 16 01	9 23 34	8 00 16	-13 00	-1 36	2 53	-2 55	-2 49	1 33	16 59	-0 24	21 50	0 10	-8 31	-0 45	-15 41	-0 07	-15 01	8 17
4	10 16 08	9 23 36	8 00 13	-12 17	-1 39	4 16	-2 57	-2 43	1 32	18 04	-0 17	21 49	0 10	-8 29	-0 45	-15 41	-0 07	-15 01	8 17
7	10 16 13	9 23 37	8 00 09	-11 32	-1 42	5 50	-2 54	-2 37	1 32	19 06	-0 10	21 47	0 11	-8 27	-0 45	-15 40	-0 07	-15 01	8 17
10	10 16 18	9 23 39	8 00 06	-10 47	-1 46	7 33	-2 46	-2 32	1 31	20 02	-0 03	21 45	0 11	-8 25	-0 45	-15 40	-0 07	-15 00	8 18
13	10 16 23	9 23 39	8 00 02	-10 01	-1 49	9 25	-2 32	-2 27	1 30	20 54	0 03	21 42	0 11	-8 23	-0 45	-15 40	-0 07	-15 00	8 18
16	10 16 28	9 23 40	7 29 58	-9 15	-1 52	11 23	-2 14	-2 24	1 30	21 41	0 11	21 40	0 11	-8 22	-0 45	-15 40	-0 07	-15 00	8 18
19	10 16 32	9 23 40	7 29 54	-8 29	-1 55	13 26	-1 52	-2 20	1 29	22 22	0 18	21 37	0 11	-8 20	-0 45	-15 40	-0 07	-14 59	8 18
22	10 16 36	9 23 40	7 29 50	-7 41	-1 58	15 30	-1 26	-2 18	1 28	22 58	0 25	21 35	0 12	-8 19	-0 45	-15 40	-0 07	-14 59	8 18
25	10 16 39	9 23 40	7 29 45	-6 54	-2 00	17 33	-0 57	-2 16	1 28	23 27	0 33	21 32	0 12	-8 18	-0 45	-15 40	-0 07	-14 59	8 18
28	10 16 42	9 23 39	7 29 41	-6 06	-2 03	19 31	-0 25	-2 14	1 27	23 51	0 40	21 29	0 12	-8 17	-0 45	-15 40	-0 07	-14 59	8 18
30	10 16 43	9 23 39	7 29 38	-5 34	-2 05	20 44	-0 04	-2 14	1 26	24 03	0 44	21 27	0 12	-8 16	-0 46	-15 40	-0 07	-14 59	8 18
जून 1	10 16 45	9 23 38	7 29 35	-5 03	-2 07	21 51	0 16	-2 13	1 26	24 13	0 49	21 25	0 12	-8 16	-0 46	-15 41	-0 07	-14 59	8 18
4	10 16 47	9 23 37	7 29 30	-4 15	-2 10	23 17	0 46	-2 13	1 25	24 21	0 55	21 22	0 13	-8 15	-0 46	-15 41	-0 07	-14 58	8 18
7	10 16 48	9 23 35	7 29 26	-3 27	-2 13	24 20	1 13	-2 14	1 24	24 24	1 01	21 19	0 13	-8 15	-0 46	-15 42	-0 07	-14 58	8 18
10	10 16 49	9 23 33	7 29 21	-2 39	-2 15	24 59	1 34	-2 16	1 23	24 20	1 07	21 15	0 13	-8 15	-0 46	-15 42	-0 07	-14 58	8 17
13	10 16 49	9 23 31	7 29 16	-1 51	-2 18	25 13	1 49	-2 18	1 23	24 09	1 13	21 11	0 13	-8 15	-0 46	-15 43	-0 07	-14 58	8 17
16	10 16 49	9 23 29	7 29 11	-1 04	-2 20	25 03	1 58	-2 20	1 22	23 52	1 18	21 08	0 14	-8 15	-0 46	-15 44	-0 07	-14 58	8 17
19	10 16 49	9 23 26	7 29 07	-0 17	-2 23	24 34	1 59	-2 24	1 21	23 29	1 22	21 04	0 14	-8 15	-0 46	-15 45	-0 07	-14 59	8 16
22	10 16 48	9 23 23	7 29 02	0 28	-2 25	23 47	1 54	-2 27	1 20	23 00	1 26	21 00	0 14	-8 15	-0 46	-15 45	-0 07	-14 59	8 16
25	10 16 47	9 23 20	7 28 57	1 14	-2 27	22 47	1 44	-2 32	1 20	22 25	1 30	20 56	0 14	-8 16	-0 47	-15 46	-0 07	-14 59	8 16
28	10 16 45	9 23 17	7 28 53	2 00	-2 29	21 37	1 27	-2 37	1 19	21 44	1 33	20 52	0 14	-8 17	-0 47	-15 47	-0 07	-14 59	8 15
30	10 16 44	9 23 15	7 28 50	2 30	-2 31	20 46	1 13	-2 41	1 18	21 13	1 35	20 49	0 15	-8 17	-0 47	-15 48	-0 07	-14 59	8 15

यूरेनस, नेपच्यून, प्लूटो के निरयण भोगांश और भौमादि ग्रहों के क्रांति–शर (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

तारीख सन्	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		यूरेनस		नेपच्यून		प्लूटो	
				क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर
2005 ई.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
जुला. 1	10 16 43	9 23 13	7 28 48	2 45	-2 31	20 19	1 05	-2 42	1 18	20 57	1 35	20 48	0 15	-8 17	-0 47	-15 49	-0 07	-14 59	8 15
4	10 16 41	9 23 10	7 28 44	3 29	-2 33	18 57	0 39	-2 49	1 17	20 05	1 37	20 43	0 15	-8 18	-0 47	-15 50	-0 08	-15 00	8 14
7	10 16 38	9 23 06	7 28 39	4 13	-2 35	17 33	0 08	-2 55	1 17	19 09	1 38	20 39	0 15	-8 20	-0 47	-15 51	-0 08	-15 00	8 13
10	10 16 35	9 23 02	7 28 35	4 55	-2 37	16 10	-0 26	-3 02	1 16	18 08	1 39	20 35	0 15	-8 21	-0 47	-15 52	-0 08	-15 01	8 13
13	10 16 31	9 22 58	7 28 31	5 37	-2 39	14 50	-1 04	-3 10	1 15	17 02	1 38	20 30	0 16	-8 22	-0 47	-15 53	-0 08	-15 01	8 12
16	10 16 27	9 22 53	7 28 27	6 18	-2 40	13 37	-1 45	-3 18	1 14	15 52	1 38	20 25	0 16	-8 24	-0 47	-15 55	-0 08	-15 02	8 11
19	10 16 23	9 22 49	7 28 23	6 57	-2 42	12 33	-2 26	-3 27	1 14	14 39	1 36	20 21	0 16	-8 26	-0 47	-15 56	-0 08	-15 02	8 11
22	10 16 18	9 22 44	7 28 20	7 36	-2 43	11 42	-3 08	-3 36	1 13	13 22	1 34	20 16	0 16	-8 28	-0 48	-15 58	-0 08	-15 03	8 10
25	10 16 13	9 22 40	7 28 16	8 14	-2 44	11 07	-3 47	-3 45	1 13	12 03	1 31	20 11	0 17	-8 30	-0 48	-15 59	-0 08	-15 03	8 09
28	10 16 08	9 22 35	7 28 13	8 50	-2 45	10 50	-4 20	-3 55	1 12	10 40	1 27	20 06	0 17	-8 32	-0 48	-16 00	-0 08	-15 04	8 08
30	10 16 04	9 22 32	7 28 11	9 14	-2 46	10 51	-4 37	-4 02	1 12	9 44	1 24	20 03	0 17	-8 33	-0 48	-16 01	-0 08	-15 04	8 08
अग. 1	10 16 00	9 22 28	7 28 09	9 37	-2 46	11 02	-4 49	-4 09	1 11	8 47	1 21	20 00	0 17	-8 35	-0 48	-16 02	-0 08	-15 05	8 07
4	10 15 54	9 22 24	7 28 06	10 10	-2 47	11 34	-4 56	-4 19	1 11	7 19	1 15	19 55	0 18	-8 37	-0 48	-16 04	-0 08	-15 06	8 06
7	10 15 48	9 22 19	7 28 04	10 43	-2 47	12 22	-4 46	-4 30	1 10	5 50	1 09	19 50	0 18	-8 39	-0 48	-16 05	-0 08	-15 06	8 05
10	10 15 42	9 22 14	7 28 01	11 13	-2 48	13 20	-4 20	-4 42	1 09	4 19	1 03	19 45	0 18	-8 42	-0 48	-16 07	-0 08	-15 07	8 04
13	10 15 35	9 22 09	7 27 59	11 43	-2 48	14 21	-3 41	-4 53	1 09	2 48	0 55	19 40	0 18	-8 44	-0 48	-16 08	-0 08	-15 08	8 03
16	10 15 28	9 22 04	7 27 58	12 11	-2 48	15 16	-2 53	-5 05	1 08	1 15	0 47	19 35	0 19	-8 47	-0 48	-16 10	-0 08	-15 09	8 02
19	10 15 21	9 21 59	7 27 56	12 38	-2 48	15 59	-2 01	-5 18	1 08	-0 16	0 39	19 30	0 19	-8 49	-0 48	-16 11	-0 08	-15 10	8 01
22	10 15 14	9 21 54	7 27 55	13 04	-2 47	16 23	-1 09	-5 30	1 08	-1 49	0 30	19 25	0 19	-8 52	-0 48	-16 13	-0 08	-15 11	8 00
25	10 15 07	9 21 50	7 27 54	13 28	-2 47	16 25	-0 20	-5 43	1 07	-3 22	0 20	19 20	0 20	-8 55	-0 48	-16 14	-0 08	-15 12	7 59
28	10 15 00	9 21 45	7 27 53	13 50	-2 46	16 01	0 21	-5 56	1 07	-4 54	0 10	19 15	0 20	-8 57	-0 48	-16 16	-0 08	-15 13	7 58
30	10 14 55	9 21 42	7 27 53	14 05	-2 45	15 29	0 45	-6 04	1 06	-5 55	0 03	19 12	0 20	-8 59	-0 48	-16 17	-0 08	-15 14	7 57
सित. 1	10 14 51	9 21 39	7 27 53	14 18	-2 44	14 45	1 05	-6 13	1 06	-6 56	-0 03	19 08	0 20	-9 01	-0 48	-16 17	-0 08	-15 14	7 57
4	10 14 43	9 21 35	7 27 53	14 38	-2 43	13 19	1 28	-6 26	1 06	-8 26	-0 14	19 04	0 21	-9 04	-0 48	-16 19	-0 08	-15 15	7 56
7	10 14 36	9 21 30	7 27 53	14 55	-2 41	11 32	1 42	-6 40	1 05	-9 55	-0 25	18 59	0 21	-9 06	-0 48	-16 20	-0 08	-15 16	7 55
10	10 14 29	9 21 26	7 27 54	15 12	-2 39	9 30	1 47	-6 54	1 05	-11 22	-0 37	18 54	0 21	-9 09	-0 48	-16 21	-0 08	-15 18	7 53
13	10 14 22	9 21 23	7 27 55	15 27	-2 36	7 16	1 46	-7 07	1 05	-12 46	-0 49	18 50	0 22	-9 12	-0 48	-16 22	-0 08	-15 19	7 52
16	10 14 15	9 21 19	7 27 56	15 40	-2 33	4 57	1 39	-7 21	1 04	-14 09	-1 01	18 45	0 22	-9 14	-0 48	-16 24	-0 08	-15 20	7 51
19	10 14 08	9 21 15	7 27 57	15 53	-2 30	2 34	1 28	-7 35	1 04	-15 28	-1 13	18 41	0 22	-9 17	-0 48	-16 25	-0 08	-15 21	7 50
22	10 14 02	9 21 12	7 27 59	16 03	-2 27	0 12	1 14	-7 49	1 04	-16 45	-1 25	18 37	0 23	-9 19	-0 48	-16 26	-0 08	-15 22	7 49
25	10 13 55	9 21 09	7 28 01	16 13	-2 22	-2 08	0 57	-8 03	1 04	-17 59	-1 37	18 33	0 23	-9 22	-0 48	-16 27	-0 08	-15 23	7 48
28	10 13 49	9 21 06	7 28 03	16 21	-2 18	-4 26	0 38	-8 17	1 03	-19 09	-1 49	18 29	0 23	-9 24	-0 48	-16 27	-0 08	-15 25	7 47
30	10 13 45	9 21 04	7 28 05	16 25	-2 15	-5 56	0 25	-8 27	1 03	-19 53	-1 57	18 26	0 24	-9 25	-0 48	-16 28	-0 08	-15 25	7 46

यूरेनस, नेपच्यून, प्लूटो के निरयण भोगांश और भौमादि ग्रहों के क्रांति–शर (प्रात: 5 घं.30 मि., भा. स्टैं. टा.)

तारीख सन्	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		यूरेनस		नेपच्यून		प्लूटो	
				क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर
2005 ई.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
अक्तू. 1	10 13 43	9 21 04	7 28 06	16 27	-2 13	-6 40	0 18	-8 32	1 03	-20 15	-2 01	18 25	0 24	-9 26	-0 48	-16 28	-0 08	-15 26	7 46
4	10 13 37	9 21 01	7 28 09	16 32	-2 07	-8 49	-0 02	-8 46	1 03	-21 17	-2 13	18 21	0 24	-9 28	-0 48	-16 29	-0 08	-15 27	7 45
7	10 13 32	9 20 59	7 28 12	16 36	-2 01	-10 53	-0 23	-9 00	1 03	-22 14	-2 24	18 18	0 25	-9 30	-0 48	-16 29	-0 09	-15 28	7 44
10	10 13 27	9 20 57	7 28 15	16 38	-1 54	-12 51	-0 44	-9 14	1 03	-23 07	-2 34	18 14	0 25	-9 32	-0 48	-16 30	-0 09	-15 29	7 43
13	10 13 22	9 20 56	7 28 19	16 39	-1 47	-14 42	-1 05	-9 28	1 02	-23 55	-2 45	18 11	0 25	-9 34	-0 48	-16 30	-0 09	-15 30	7 42
16	10 13 17	9 20 55	7 28 23	16 38	-1 39	-16 26	-1 25	-9 42	1 02	-24 38	-2 54	18 08	0 26	-9 35	-0 47	-16 31	-0 09	-15 32	7 41
19	10 13 13	9 20 54	7 28 27	16 36	-1 31	-18 03	-1 44	-9 56	1 02	-25 15	-3 03	18 06	0 26	-9 37	-0 47	-16 31	-0 09	-15 33	7 40
22	10 13 09	9 20 53	7 28 31	16 32	-1 22	-19 31	-2 02	-10 10	1 02	-25 48	-3 12	18 03	0 27	-9 38	-0 47	-16 31	-0 09	-15 34	7 39
25	10 13 06	9 20 53	7 28 36	16 27	-1 12	-20 49	-2 18	-10 24	1 02	-26 14	-3 19	18 01	0 27	-9 39	-0 47	-16 31	-0 09	-15 35	7 38
28	10 13 03	9 20 53	7 28 41	16 21	-1 02	-21 58	-2 31	-10 38	1 02	-26 35	-3 26	17 59	0 27	-9 40	-0 47	-16 32	-0 09	-15 36	7 38
30	10 13 01	9 20 53	7 28 44	16 16	-0 56	-22 38	-2 39	-10 47	1 02	-26 46	-3 29	17 58	0 28	-9 41	-0 47	-16 31	-0 09	-15 37	7 37
नव. 1	10 12 59	9 20 53	7 28 48	16 11	-0 49	-23 13	-2 44	-10 56	1 02	-26 55	-3 33	17 57	0 28	-9 41	-0 47	-16 31	-0 09	-15 37	7 37
4	10 12 57	9 20 54	7 28 53	16 03	-0 39	-23 54	-2 49	-11 10	1 02	-27 02	-3 37	17 56	0 28	-9 42	-0 47	-16 31	-0 09	-15 39	7 36
7	10 12 56	9 20 55	7 28 58	15 54	-0 28	-24 21	-2 48	-11 23	1 02	-27 05	-3 39	17 54	0 29	-9 43	-0 47	-16 31	-0 09	-15 40	7 35
10	10 12 55	9 20 56	7 29 04	15 46	-0 18	-24 32	-2 39	-11 36	1 02	-27 02	-3 40	17 54	0 29	-9 43	-0 47	-16 31	-0 09	-15 41	7 34
13	10 12 54	9 20 57	7 29 10	15 38	-0 08	-24 23	-2 20	-11 49	1 02	-26 53	-3 40	17 53	0 30	-9 43	-0 46	-16 30	-0 09	-15 42	7 34
16	10 12 54	9 20 59	7 29 16	15 30	0 01	-23 51	-1 49	-12 02	1 02	-26 40	-3 38	17 53	0 30	-9 43	-0 46	-16 30	-0 09	-15 43	7 33
19	10 12 54	9 21 02	7 29 22	15 23	0 11	-22 52	-1 04	-12 14	1 02	-26 22	-3 34	17 53	0 31	-9 43	-0 46	-16 29	-0 09	-15 43	7 32
22	10 12 55	9 21 04	7 29 28	15 17	0 20	-21 25	-0 07	-12 27	1 02	-26 00	-3 28	17 53	0 31	-9 42	-0 46	-16 28	-0 09	-15 44	7 32
25	10 12 56	9 21 07	7 29 35	15 12	0 29	-19 41	0 53	-12 39	1 02	-25 34	-3 20	17 54	0 32	-9 42	-0 46	-16 27	-0 09	-15 45	7 31
28	10 12 57	9 21 10	7 29 41	15 09	0 37	-18 01	1 46	-12 51	1 02	-25 04	-3 10	17 54	0 32	-9 41	-0 46	-16 27	-0 09	-15 46	7 31
30	10 12 59	9 21 12	7 29 45	15 08	0 42	-17 10	2 12	-12 59	1 03	-24 42	-3 02	17 55	0 32	-9 41	-0 46	-16 26	-0 09	-15 47	7 30
दिस. 1	10 12 59	9 21 13	7 29 47	15 08	0 44	-16 52	2 21	-13 03	1 03	-24 31	-2 57	17 55	0 33	-9 40	-0 46	-16 26	-0 09	-15 47	7 30
4	10 13 02	9 21 17	7 29 54	15 08	0 51	-16 23	2 38	-13 14	1 03	-23 55	-2 42	17 57	0 33	-9 39	-0 46	-16 25	-0 09	-15 48	7 30
7	10 13 05	9 21 21	8 00 01	15 11	0 58	-16 31	2 39	-13 25	1 03	-23 17	-2 23	17 59	0 33	-9 38	-0 46	-16 23	-0 09	-15 48	7 29
10	10 13 08	9 21 25	8 00 07	15 15	1 03	-17 07	2 30	-13 36	1 03	-22 37	-2 02	18 00	0 34	-9 37	-0 45	-16 22	-0 09	-15 49	7 29
13	10 13 12	9 21 29	8 00 14	15 21	1 09	-17 59	2 13	-13 47	1 03	-21 56	-1 37	18 03	0 34	-9 35	-0 45	-16 21	-0 09	-15 50	7 29
16	10 13 17	9 21 34	8 00 21	15 29	1 14	-18 59	1 53	-13 57	1 04	-21 15	-1 09	18 05	0 35	-9 33	-0 45	-16 20	-0 09	-15 50	7 28
19	10 13 21	9 21 39	8 00 28	15 39	1 18	-20 01	1 30	-14 07	1 04	-20 34	-0 37	18 08	0 35	-9 32	-0 45	-16 18	-0 09	-15 51	7 28
22	10 13 26	9 21 44	8 00 34	15 50	1 22	-21 01	1 06	-14 17	1 04	-19 53	-0 02	18 11	0 36	-9 30	-0 45	-16 17	-0 09	-15 51	7 28
25	10 13 32	9 21 49	8 00 41	16 02	1 25	-21 55	0 43	-14 26	1 04	-19 14	0 36	18 14	0 36	-9 27	-0 45	-16 15	-0 09	-15 52	7 28
28	10 13 38	9 21 54	8 00 48	16 16	1 29	-22 42	0 19	-14 35	1 05	-18 36	1 19	18 17	0 37	-9 25	-0 45	-16 14	-0 09	-15 52	7 27
30	10 13 42	9 21 58	8 00 52	16 26	1 31	-23 09	0 04	-14 41	1 05	-18 12	1 48	18 19	0 37	-9 23	-0 45	-16 12	-0 09	-15 52	7 27

यूरेनस, नेपच्यून, प्लूटो के निरयण भोगांश और भौमादि ग्रहों के क्रांति–शर (प्रात: 5 घं. 30 मि., भा. स्टैं. टा.)

तारीख सन्	यूरेनस	नेपच्यून	प्लूटो	मंगल		बुध		गुरु		शुक्र		शनि		यूरेनस		नेपच्यून		प्लूटो	
				क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर	क्रांति	शर
2006 ई.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	रा. अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.	अं. क.
जन. 1	10 13 46	9 22 02	8 00 56	16 37	1 32	-23 31	-0 09	-14 47	1 05	-17 49	2 19	18 22	0 37	-9 22	-0 45	-16 11	-0 09	-15 52	7 27
4	10 13 53	9 22 08	8 01 03	16 53	1 35	-23 57	-0 30	-14 55	1 06	-17 17	3 06	18 25	0 38	-9 19	-0 45	-16 10	-0 09	-15 53	7 27
7	10 14 00	9 22 14	8 01 09	17 11	1 37	-24 11	-0 50	-15 03	1 06	-16 48	3 52	18 29	0 38	-9 16	-0 44	-16 08	-0 09	-15 53	7 27
10	10 14 08	9 22 20	8 01 16	17 30	1 39	-24 14	-1 08	-15 10	1 06	-16 23	4 37	18 33	0 38	-9 14	-0 44	-16 06	-0 09	-15 53	7 27
13	10 14 15	9 22 26	8 01 22	17 49	1 40	-24 05	-1 23	-15 17	1 07	-16 02	5 18	18 37	0 39	-9 11	-0 44	-16 04	-0 09	-15 53	7 27
16	10 14 23	9 22 33	8 01 28	18 09	1 42	-23 43	-1 37	-15 24	1 07	-15 45	5 53	18 41	0 39	-9 07	-0 44	-16 02	-0 09	-15 54	7 27
19	10 14 32	9 22 39	8 01 34	18 29	1 43	-23 09	-1 48	-15 30	1 07	-15 32	6 22	18 45	0 40	-9 04	-0 44	-16 00	-0 09	-15 54	7 27
22	10 14 40	9 22 46	8 01 40	18 50	1 44	-22 21	-1 57	-15 36	1 08	-15 24	6 44	18 49	0 40	-9 01	-0 44	-15 58	-0 09	-15 54	7 27
25	10 14 49	9 22 53	8 01 45	19 11	1 45	-21 20	-2 03	-15 42	1 08	-15 20	6 58	18 53	0 40	-8 58	-0 44	-15 56	-0 09	-15 54	7 28
28	10 14 58	9 22 59	8 01 51	19 32	1 46	-20 06	-2 05	-15 47	1 09	-15 19	7 05	18 57	0 41	-8 54	-0 44	-15 54	-0 09	-15 54	7 28
30	10 15 05	9 23 04	8 01 54	19 46	1 46	-19 08	-2 04	-15 50	1 09	-15 21	7 07	19 00	0 41	-8 52	-0 44	-15 53	-0 09	-15 54	7 28
फर. 1	10 15 11	9 23 08	8 01 58	20 00	1 46	-18 05	-2 01	-15 53	1 09	-15 24	7 06	19 03	0 41	-8 49	-0 44	-15 52	-0 09	-15 54	7 28
4	10 15 20	9 23 15	8 02 03	20 21	1 47	-16 19	-1 54	-15 57	1 10	-15 30	7 00	19 07	0 41	-8 46	-0 44	-15 50	-0 09	-15 54	7 28
7	10 15 30	9 23 22	8 02 07	20 41	1 47	-14 20	-1 41	-16 00	1 10	-15 38	6 51	19 11	0 42	-8 42	-0 44	-15 48	-0 09	-15 53	7 29
10	10 15 40	9 23 29	8 02 12	21 02	1 47	-12 10	-1 23	-16 03	1 11	-15 47	6 38	19 15	0 42	-8 38	-0 44	-15 45	-0 09	-15 53	7 29
13	10 15 50	9 23 36	8 02 16	21 22	1 48	-9 50	-0 58	-16 06	1 11	-15 55	6 22	19 18	0 42	-8 35	-0 44	-15 43	-0 09	-15 53	7 29
16	10 16 00	9 23 43	8 02 20	21 42	1 48	-7 26	-0 28	-16 09	1 12	-16 04	6 05	19 22	0 42	-8 31	-0 44	-15 41	-0 09	-15 53	7 29
19	10 16 10	9 23 49	8 02 24	22 01	1 48	-5 02	0 08	-16 10	1 12	-16 10	5 46	19 25	0 42	-8 27	-0 44	-15 39	-0 10	-15 53	7 30
22	10 16 20	9 23 56	8 02 28	22 19	1 48	-2 46	0 50	-16 12	1 13	-16 15	5 26	19 29	0 42	-8 23	-0 44	-15 37	-0 10	-15 52	7 30
25	10 16 31	9 24 03	8 02 31	22 37	1 47	-0 49	1 34	-16 13	1 14	-16 18	5 05	19 32	0 43	-8 19	-0 44	-15 35	-0 10	-15 52	7 31
28	10 16 41	9 24 09	8 02 34	22 54	1 47	0 38	2 18	-16 13	1 14	-16 17	4 44	19 35	0 43	-8 15	-0 44	-15 33	-0 10	-15 52	7 31
मार्च 1	10 16 44	9 24 11	8 02 35	23 00	1 47	1 00	2 32	-16 13	1 14	-16 17	4 36	19 36	0 43	-8 14	-0 44	-15 33	-0 10	-15 52	7 31
4	10 16 55	9 24 18	8 02 37	23 16	1 47	1 36	3 08	-16 13	1 15	-16 12	4 15	19 38	0 43	-8 10	-0 44	-15 31	-0 10	-15 51	7 32
7	10 17 05	9 24 24	8 02 40	23 31	1 46	1 30	3 32	-16 12	1 15	-16 03	3 53	19 41	0 43	-8 06	-0 44	-15 29	-0 10	-15 51	7 32
10	10 17 15	9 24 30	8 02 42	23 45	1 46	0 43	3 39	-16 11	1 16	-15 51	3 31	19 43	0 43	-8 02	-0 44	-15 27	-0 10	-15 50	7 32
13	10 17 26	9 24 36	8 02 44	23 58	1 46	-0 34	3 28	-16 10	1 16	-15 35	3 10	19 45	0 44	-7 58	-0 44	-15 25	-0 10	-15 50	7 33
16	10 17 36	9 24 42	8 02 45	24 11	1 45	-2 05	3 00	-16 08	1 17	-15 15	2 49	19 47	0 44	-7 54	-0 44	-15 23	-0 10	-15 50	7 33
19	10 17 46	9 24 47	8 02 46	24 22	1 45	-3 35	2 21	-16 06	1 17	-14 50	2 28	19 48	0 44	-7 51	-0 44	-15 22	-0 10	-15 49	7 34
22	10 17 56	9 24 53	8 02 47	24 31	1 44	-4 52	1 37	-16 03	1 18	-14 21	2 08	19 50	0 44	-7 47	-0 44	-15 20	-0 10	-15 49	7 34
25	10 18 06	9 24 58	8 02 48	24 40	1 43	-5 48	0 51	-16 00	1 18	-13 48	1 48	19 51	0 44	-7 43	-0 44	-15 19	-0 10	-15 48	7 35
28	10 18 15	9 25 03	8 02 48	24 48	1 43	-6 22	0 08	-15 56	1 18	-13 11	1 29	19 52	0 44	-7 39	-0 44	-15 17	-0 10	-15 48	7 35
30	10 18 22	9 25 07	8 02 48	24 52	1 42	-6 32	-0 18	-15 53	1 19	-12 44	1 16	19 52	0 44	-7 37	-0 44	-15 16	-0 10	-15 48	7 35

ग्रहों के निरयण राशि—नक्षत्र चरण—चार (संवत् 2062 ई.)

सूर्य—चार (सन् 2005-2006 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा. स्टैं. टा) घं. मि.
अप्रैल 10		रेवती	4	14 37
13	मेष	अश्विनी	1	24 10
17		अश्विनी	2	9 53
20		अश्विनी	3	19 47
24		अश्विनी	4	5 51
27		भरणी	1	16 4
30		भरणी	2	26 25
मई 4		भरणी	3	12 53
7		भरणी	4	23 29
11		कृत्तिका	1	10 12
14	वृष	कृत्तिका	2	21 3
18		कृत्तिका	3	8 4
21		कृत्तिका	4	19 12
25		रोहिणी	1	6 28
28		रोहिणी	2	17 49
31		रोहिणी	3	29 15
जून 4		रोहिणी	4	16 45
7		मृगशिर	1	28 19
11		मृगशिर	2	15 58
14	मिथुन	मृगशिर	3	27 41
18		मृगशिर	4	15 29
21		आर्द्रा	1	27 21
25		आर्द्रा	2	15 14
28		आर्द्रा	3	27 9
जुलाई 2		आर्द्रा	4	15 3
5		पुनर्वसु	1	26 56

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा. स्टैं. टा) घं. मि.
9		पुनर्वसु	2	14 49
12		पुनर्वसु	3	26 42
16	कर्क	पुनर्वसु	4	14 34
19		पुष्य	1	26 27
23		पुष्य	2	14 17
26		पुष्य	3	26 4
30		पुष्य	4	13 45
अगस्त 2		आश्लेषा	1	25 22
6		आश्लेषा	2	12 53
9		आश्लेषा	3	24 19
13		आश्लेषा	4	11 41
16	सिंह	मघा	1	22 58
20		मघा	2	10 10
23		मघा	3	21 15
27		मघा	4	8 11
30		पू. फा.	1	18 59
सितम्बर 2		पू. फा.	2	29 37
6		पू. फा.	3	16 8
9		पू. फा.	4	26 30
13		उ. फा.	1	12 45
16	कन्या	उ. फा.	2	22 52
20		उ. फा.	3	8 51
23		उ. फा.	4	18 40
26		हस्त	1	28 18
30		हस्त	2	13 46
अक्तूबर 3		हस्त	3	23 4

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि. (भा. स्टैं. टा)
7		हस्त	4	8 12
10		चित्रा	1	17 12
13		चित्रा	2	26 3
17	तुला	चित्रा	3	10 47
20		चित्रा	4	19 21
23		स्वाती	1	27 45
27		स्वाती	2	12 0
30		स्वाती	3	20 5
नवम्बर 2		स्वाती	4	28 0
6		विशाखा	1	11 48
9		विशाखा	2	19 29
12		विशाखा	3	27 4
16	वृश्चिक	विशाखा	4	10 32
19		अनुराधा	1	17 53
22		अनुराधा	2	25 7
26		अनुराधा	3	8 14
29		अनुराधा	4	15 14
दिसम्बर 2		ज्येष्ठा	1	22 9
5		ज्येष्ठा	2	28 58
9		ज्येष्ठा	3	11 45
12		ज्येष्ठा	4	18 28
15	धनु	मुला	1	25 10
19		मुला	2	7 48
22		मुला	3	14 23
25		मुला	4	20 55
28		पू. षा.	1	27 25

तारीख 2006 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा. स्टैं. टा) घं. मि.
जनवरी 1		पू. षा.	2	9 53
4		पू. षा.	3	16 21
7		पू. षा.	4	22 50
10		उ. षा.	1	29 21
14	मकर	उ. षा.	2	11 55
17		उ. षा.	3	18 29
20		उ. षा.	4	25 6
24		श्रवण	1	7 44
27		श्रवण	2	14 25
30		श्रवण	3	21 8
फरवरी 2		श्रवण	4	27 56
6		धनिष्ठा	1	10 50
9		धनिष्ठा	2	17 49
12	कुम्भ	धनिष्ठा	3	24 56
16		धनिष्ठा	4	8 8
19		शत.	1	15 26
22		शत.	2	22 50
25		शत.	3	30 19
मार्च 1		शत.	4	13 56
4		पू. भा.	1	21 40
7		पू. भा.	2	29 34
11		पू. भा.	3	13 37
14	मीन	पू. भा.	4	21 50
17		उ. भा.	1	30 11
21		उ. भा.	2	14 41
24		उ. भा.	3	23 19
28		उ. भा.	4	8 4

ग्रहों के निरयण राशि—नक्षत्र चरण—चार (संवत् 2062 ई.)

मंगल—चार (सन् 2005-2006 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
अप्रैल 13		धनिष्ठा	1	19 18
18		धनिष्ठा	2	9 30
22	कुम्भ	धनिष्ठा	3	23 42
27		धनिष्ठा	4	13 55
मई 1		शत.	1	28 11
6		शत.	2	18 36
11		शत.	3	9 16
15		शत.	4	24 14
20		पू. भा.	1	15 35
25		पू. भा.	2	7 20
29		पू. भा.	3	23 34
जून 3	मीन	पू. भा.	4	16 25
8		उ. भा.	1	10 3
12		उ. भा.	2	28 37
17		उ. भा.	3	24 15
22		उ. भा.	4	21 7
27		रेवती	1	19 21
जुलाई 2		रेवती	2	19 16
7		रेवती	3	21 16
12		रेवती	4	25 45
18	मेष	अश्विनी	1	9 12
23		अश्विनी	2	20 8
29		अश्विनी	3	11 25
अगस्त 4		अश्विनी	4	8 21
10		भरणी	1	12 50

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
16		भरणी	2	27 35
24		भरणी	3	9 11
सितम्बर 1		भरणी	4	15 35
11		कृत्तिका	1	27 40
अक्तूबर 1	वक्री			27 35
21		भरणी	4	16 24
31		भरणी	3	28 34
नवम्बर 10		भरणी	2	15 30
21		भरणी	1	17 37
दिसम्बर 10	मार्गी			9 36
29		भरणी	2	29 39
सन् 2006 ई.				
जनवरी 10		भरणी	3	29 39
20		भरणी	4	15 11
28		कृत्तिका	1	21 14
फरवरी 5	वृष	कृत्तिका	2	10 58
12		कृत्तिका	3	14 2
19		कृत्तिका	4	9 41
25		रोहिणी	1	23 43
मार्च 4		रोहिणी	2	9 17
10		रोहिणी	3	15 23
16		रोहिणी	4	18 45
22		मृगशिर	1	19 54
28		मृगशिर	2	19 7

बुध—चार (सन् 2005 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि. (भा.स्टैं.टा)
अप्रैल 12	मार्गी			13 17
19		उ. भा.	3	20 21
24		उ. भा.	4	11 43
27		रेवती	1	24 19
30		रेवती	2	24 59
मई 3		रेवती	3	18 24
6		रेवती	4	6 47
8	मेष	अश्विनी	1	15 19
10		अश्विनी	2	20 47
12		अश्विनी	3	23 40
14		अश्विनी	4	24 21
16		भरणी	1	23 6
18		भरणी	2	20 6
20		भरणी	3	15 34
22		भरणी	4	9 39
23		कृत्तिका	1	26 29
25	वृष	कृत्तिका	2	18 13
27		कृत्तिका	3	9 1
28		कृत्तिका	4	23 0
30		रोहिणी	1	12 20
31		रोहिणी	2	25 10
जून 2		रोहिणी	3	13 41
3		रोहिणी	4	26 2
5		मृगशिर	1	14 24
6		मृगशिर	2	26 56
8	मिथुन	मृगशिर	3	15 51
9		मृगशिर	4	29 18

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
11		आर्द्रा	1	19 28
13		आर्द्रा	2	10 31
14		आर्द्रा	3	26 39
16		आर्द्रा	4	20 1
18		पुनर्वसु	1	14 50
20		पुनर्वसु	2	11 19
22		पुनर्वसु	3	9 41
24	कर्क	पुनर्वसु	4	10 15
26		पुष्य	1	13 22
28		पुष्य	2	19 31
30		पुष्य	3	29 25
जुलाई 3		पुष्य	4	20 9
6		आश्लेषा	1	17 36
9		आश्लेषा	2	25 31
23	वक्री			8 31
14		आश्लेषा	3	5 57
अगस्त 1		आश्लेषा	2	7 38
5		आश्लेषा	1	19 28
10		पुष्य	4	12 51
16	मार्गी			9 23
21		आश्लेषा	1	20 46
25		आश्लेषा	2	13 53
28		आश्लेषा	3	6 6
30		आश्लेषा	4	12 26
सितम्बर 1	सिंह	मघा	1	13 28
3		मघा	2	11 19
5		मघा	3	7 12

ग्रहों के निरयण राशि—नक्षत्र चरण—चार (संवत् 2062 ई.)

बुध—चार (सन् 2005-2006 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
सितम्बर 6		मघा	4	25 53
8		पू. फा.	1	19 55
10		पू. फा.	2	13 40
12		पू. फा.	3	7 25
13		पू. फा.	4	25 23
15		उ. फा.	1	19 44
17	कन्या	उ. फा.	2	14 35
19		उ. फा.	3	10 3
20		उ. फा.	4	30 12
22		हस्त	1	27 5
24		हस्त	2	24 45
26		हस्त	3	23 14
28		हस्त	4	22 32
30		चित्रा	1	22 42
अक्तूबर 2		चित्रा	2	23 45
4	तुला	चित्रा	3	25 39
6		चित्रा	4	28 27
9		स्वाती	1	8 10
11		स्वाती	2	12 49
13		स्वाती	3	18 27
15		स्वाती	4	25 7
18		विशाखा	1	8 55
20		विशाखा	2	18 1
22		विशाखा	3	28 38
25	वृश्चिक	विशाखा	4	17 9
28		अनुराधा	1	8 13
30		अनुराधा	2	26 59

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
नवम्बर 2		अनुराधा	3	27 47
6		अनुराधा	4	16 43
12		ज्येष्ठा	1	7 27
14	वक्री			11 13
16		अनुराधा	4	12 25
20		अनुराधा	3	26 52
23		अनुराधा	2	19 14
25		अनुराधा	1	30 14
28		विशाखा	4	26 52
दिसम्बर 4	मार्गी			7 55
9		अनुराधा	1	27 35
13		अनुराधा	2	16 42
16		अनुराधा	3	14 38
18		अनुराधा	4	30 10
21		ज्येष्ठा	1	18 9
23		ज्येष्ठा	2	27 55
26		ज्येष्ठा	3	12 12
28		ज्येष्ठा	4	19 25
30	धनु	मुला	1	25 47
सन् 2006 ई.				
जनवरी 2		मुला	2	7 28
4		मुला	3	12 35
6		मुला	4	17 9
8		पू. षा.	1	21 13
10		पू. षा.	2	24 46
12		पू. षा.	3	27 49

तारीख 2006 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि. (भा.स्टैं.टा)
14		पू. षा.	4	30 21
17		उ. षा.	1	8 21
19	मकर	उ. षा.	2	9 47
21		उ. षा.	3	10 40
23		उ. षा.	4	10 58
25		श्रवण	1	10 41
27		श्रवण	2	9 50
29		श्रवण	3	8 25
30		श्रवण	4	30 27
फरवरी 1		धनिष्ठा	1	28 0
3		धनिष्ठा	2	25 8
5	कुम्भ	धनिष्ठा	3	21 55
7		धनिष्ठा	4	18 29
9		शत.	1	15 1
11		शत.	2	11 45
13		शत.	3	9 2
15		शत.	4	7 25
17		पू. भा.	1	7 42
19		पू. भा.	2	11 20
21		पू. भा.	3	21 13
24	मीन	पू. भा.	4	21 14
मार्च 2	वक्री			26 00
9	कुम्भ	पू. भा.	3	13 19
12		पू. भा.	2	27 15
16		पू. भा.	1	16 35
21		शत.	4	21 22
25	मार्गी			19 14
29		पू. भा.	1	21 10

गुरु — चार (सन् 2005-6 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
मई 2		हस्त	2	17 26
जून 5	मार्गी			13 22
जुलाई 9		हस्त	3	14 22
अगस्त 5		हस्त	4	11 34
25		चित्रा	1	12 28
सितम्बर 11		चित्रा	2	24 17
27	तुला	चित्रा	3	29 33
अक्तूबर 13		चित्रा	4	19 2
28		स्वाती	1	26 54
नवम्बर 13		स्वाती	2	13 38
29		स्वाती	3	13 19
दिसम्बर 16		स्वाती	4	16 54
सन् 2006 ई.				
जनवरी 4		विशाखा	1	30 44
31		विशाखा	2	16 18
मार्च 4	वक्री			23 18

शुक्र — चार (सन् 2005-6 ई.)

तारीख	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि.
अप्रैल 10	मेष	अश्विनी	1	28 27
13		अश्विनी	2	21 3
16		अश्विनी	3	13 41
19		अश्विनी	4	6 22
21		भरणी	1	23 6
24		भरणी	2	15 53
27		भरणी	3	8 42
29		भरणी	4	25 34
मई 2		कृत्तिका	1	18 28

ग्रहों के निरयण राशि—नक्षत्र चरण—चार (संवत् 2062 ई.)

शुक्र – चार (सन् 2005 - 2006 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा. स्टैं. टा) घं. मि.
मई 5	वृष	कृत्तिका	2	11 24
7		कृत्तिका	3	28 22
10		कृत्तिका	4	21 23
13		रोहिणी	1	14 27
16		रोहिणी	2	7 33
18		रोहिणी	3	24 42
21		रोहिणी	4	17 54
24		मृगशिर	1	11 9
26		मृगशिर	2	28 27
29	मिथुन	मृगशिर	3	21 46
जून 1		मृगशिर	4	15 8
4		आर्द्रा	1	8 32
6		आर्द्रा	2	25 58
9		आर्द्रा	3	19 27
12		आर्द्रा	4	12 59
15		पुनर्वसु	1	6 33
17		पुनर्वसु	2	24 11
20		पुनर्वसु	3	17 52
23	कर्क	पुनर्वसु	4	11 36
25		पुष्य	1	29 23
28		पुष्य	2	23 14
जुलाई 1		पुष्य	3	17 7
4		पुष्य	4	11 3
6		आश्लेषा	1	29 3

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा. स्टैं. टा) घं. मि.
9		आश्लेषा	2	23 6
12		आश्लेषा	3	17 13
15		आश्लेषा	4	11 25
18	सिंह	मघा	1	5 42
20		मघा	2	24 3
23		मघा	3	18 30
26		मघा	4	13 2
29		पू. फा.	1	7 39
31		पू. फा.	2	26 21
अगस्त 3		पू. फा.	3	21 8
6		पू. फा.	4	16 2
9		उ. फा.	1	11 1
12	कन्या	उ. फा.	2	6 8
14		उ. फा.	3	25 22
17		उ. फा.	4	20 45
20		हस्त	1	16 16
23		हस्त	2	11 56
26		हस्त	3	7 45
28		हस्त	4	27 44
31		चित्रा	1	23 51
सितम्बर 3		चित्रा	2	20 9
6	तुला	चित्रा	3	16 38
9		चित्रा	4	13 18
12		स्वाती	1	10 12

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि. (भा. स्टैं. टा)
15		स्वाती	2	7 21
17		स्वाती	3	28 45
20		स्वाती	4	26 26
23		विशाखा	1	24 24
26		विशाखा	2	22 42
29		विशाखा	3	21 19
अक्तूबर 2	वृश्चिक	विशाखा	4	20 18
5		अनुराधा	1	19 42
8		अनुराधा	2	19 32
11		अनुराधा	3	19 54
14		अनुराधा	4	20 51
17		ज्येष्ठा	1	22 29
20		ज्येष्ठा	2	24 52
23		ज्येष्ठा	3	28 5
27		ज्येष्ठा	4	8 17
30	धनु	मुला	1	13 34
नवम्बर 2		मुला	2	20 10
5		मुला	3	28 20
9		मुला	4	14 24
12		पू. षा.	1	26 50
16		पू. षा.	2	18 16
20		पू. षा.	3	13 35
24		पू. षा.	4	14 7

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा. स्टैं. टा) घं. मि.
28		उ. षा.	1	22 1
दिसम्बर 3	मकर	उ. षा.	2	17 31
9		उ. षा.	3	10 43
17		उ. षा.	4	23 48
24	वक्री			15 6
30		उ. षा.	3	26 9
सन् 2006 ई.				
जनवरी 7		उ. षा.	2	27 9
13	धनु	उ. षा.	1	18 51
19		पू. षा.	4	8 44
26		पू. षा.	3	18 52
फरवरी 3	मार्गी			14 49
11		पू. षा.	4	17 19
19		उ. षा.	1	15 44
24	मकर	उ. षा.	2	30 19
मार्च 1		उ. षा.	3	24 53
6		उ. षा.	4	8 30
10		श्रवण	1	9 1
13		श्रवण	2	28 30
17		श्रवण	3	20 11
21		श्रवण	4	8 54
24		धनिष्ठा	1	19 17
27		धनिष्ठा	2	27 45

ग्रहों के निरयण राशि–नक्षत्र चरण–चार (संवत् 2062 ई.)

शनि — चार (सन् 2005-2006 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टैं.टा) घं. मि.
मई 26	कर्क	पुनर्वसु	4	7 22
जून 24		पुष्य	1	25 41
जुलाई 21		पुष्य	2	9 35
अगस्त 16		पुष्य	3	11 41
सितम्बर 13		पुष्य	4	29 40
अक्तूबर 25		आश्लेषा	1	20 56
नवम्बर 22	वक्री			13 54
दिसम्बर 20		पुष्य	4	9 6
सन् 2006 ई.				
फरवरी 4		पुष्य	3	9 28

राहु — चार
सन् 2005 ई.

तारीख	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि.
मई 26		रेवती	3	26 23
जुलाई 28		रेवती	2	24 4
सितम्बर 29		रेवती	1	21 43
दिसम्बर 1		उ. भा.	4	19 23
सन् 2006 ई.				
फरवरी 2		उ. भा	3	17 3

केतु — चार
सन् 2005 ई.

तारीख	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि.
मई 26		चित्रा	1	26 23
जुलाई 28		हस्त	4	24 3
सितम्बर 29		हस्त	3	21 43
दिसम्बर 1		हस्त	2	19 23
सन् 2006 ई.				
फरवरी 2		हस्त	1	17 3

यूरेनस — चार (सन् 2005-6 ई.)

तारीख 2005 ई.	राशि	नक्षत्र	चरण	(भा.स्टै.टा) घं. मि.
मई 25		शत.	4	23 17
जून 14	वक्री			27 31
जुलाई 5		शत.	3	14 42
अक्तूबर 14		शत.	2	16 8
नवम्बर 16	मार्गी			7 4
दिसम्बर 17		शत.	3	27 59
सन् 2006 ई.				
फरवरी 27		शत.	4	19 19

नेप्चयून — चार
सन् 2005 ई.

तारीख	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि.
अप्रैल 14		धनिष्ठा	1	12 45
मई 19	वक्री			28 42
जून 25		श्रवण	4	20 58
अक्तूबर 26	मार्गी			29 48
सन् 2006 ई.				
फरवरी 5		धनिष्ठा	1	26 14

प्लूटो — चार
सन् 2005 ई.

तारीख	राशि	नक्षत्र	चरण	घं. मि.
मई 14	वृश्चिक	ज्येष्ठा	4	26 28
सितम्बर 2	मार्गी			17 3
दिसम्बर 6	धनु	मुला.	1	16 48
सन् 2006 ई.				
मार्च 29	वक्री			18 22

ग्रहों के वक्र मार्ग (सन् 2005-6 ई.)

ग्रह	वक्री मार्गी	तारीख
मंगल	वक्री	अक्तू. 1
मंगल	मार्गी	दिसं. 10
बुध	मार्गी	अप्रै. 12
बुध	वक्री	जुला. 23
बुध	मार्गी	अग. 16
बुध	वक्री	नवं. 14
बुध	मार्गी	दिसं. 4
बुध	वक्री	मार्च 2
बुध	मार्गी	मार्च 25
गुरु	मार्गी	जून 5
गुरु	वक्री	मार्च 4
शुक्र	वक्री	दिसं. 24
शुक्र	मार्गी	फर. 3
शनि	वक्री	नवं. 22
यूरेनस	वक्री	जून 14
-	मार्गी	नवं. 16
नपच्यून	वक्री	मई 19
नेपच्यून	मार्गी	अक्तू. 26
प्लूटो	मार्गी	सितं. 2
प्लूटो	वक्री	मार्च 29

ग्रहों के उदय - अस्त (सन् 2005-6 ई.)

ग्रह	उदय अस्त	तारीख
बुध	पू. अ.	मई 23
बुध	प. उ.	जून 14
बुध	प. अ.	जुला. 29
बुध	पू. उ.	अग. 14
बुध	पू. अ.	सितं. 4
बुध	प. उ.	अक्तू. 6
बुध	प. अ.	नवं. 18
बुध	पू. उ.	दिसं. 1
बुध	पू. अ.	जन. 4
बुध	प. उ.	फर. 13
बुध	प. अ.	मार्च 4
बुध	पू. उ.	मार्च 19
बुध	पू. अ.	अप्रै. 14
बुध	प. उ.	सितं. 16
गुरु	अस्त	अक्तू. 6
गुरु	उदय	नवं. 2
शुक्र	प. उ.	अप्रै. 25
शुक्र	प. अ.	जन. 11
शुक्र	पू. उ.	जन. 17
शनि	अस्त	जुलाई 5
शनि	उदय	अगस्त 11

www.martand.com

श्री मार्त्तण्ड त्रिस्कन्ध ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

'श्री मार्त्तण्ड पचांग' के सम्पादक डॉ० शक्तिधर शर्मा एवं पण्डित संजय शर्मा 'श्री मार्त्तण्ड ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र' के लिए कार्य कर रहे हैं। इस अनुसंधान केन्द्र मे संभावना - सिद्धात (Probability) का प्रयोग ज्योतिषशास्त्र के लिए किया जाएगा।

डॉ० शक्तिधर शर्मा ने संभावना सिद्धान्त (Probability) का प्रयोग सिद्धातज्योतिष में तीन हजार धूमकेतुओं और आठ हजार लघुग्रहों के परस्पर संबध एवं उत्पत्ति के लिए किया है। देश–विदेशों की विश्वविख्यात अनुसंधान पत्रिकाओं (Journals) में उनके शोधलेख प्रकाशित हुए हैं। उनमें से कुछ ये है –"Monthly Notices of Royal Astronomical Society of London" (England), "Journal of Planetary & Space Sciences" (Great Britain), "Royal Astronomical Journal of Japan" (Japan).

डॉ० शक्तिधर शर्मा एवं पंडित संजय शर्मा फलितज्योतिष, संहिताग्रंथों के वायुवर्षा विज्ञान आदि के क्षेत्रों में संभावनासिद्धांतों का प्रयोग करके शोधकार्य शुरु कर रहे हैं। इस शोधकार्य से दैवज्ञों को सफल भविष्यवाणी करने में सहायता मिलेगी।

'श्री मार्त्तण्ड त्रिस्कंध ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र' में कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष का प्रशिक्षण भविष्य में समय समय पर दिया जाएगा।

यह अनुसंधानकेन्द्र दैवज्ञों के लिए "भूमण्डलीय लग्नसारिणी", "मार्त्तण्ड मौहूर्तिक", "मार्त्तण्ड निरयण ग्रहस्पष्ट" आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित कर रहा है। इन पुस्तकों के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित पते पर पत्र लिखें।

पंडित संजय शर्मा
ब्लॉक–44, बी–1, सैक्टर–6,
परवाणू, सोलन (हिमाचल प्रदेश)
दूरभाष :(01792)-233409

दैनिक लग्नसारणी, चण्डीगढ़ (U.T.) में लग्नों का समाप्तिकाल [भा.स्टैं.टा.]

वैशाख

अंग्रेज़ी तारीख	वैशाख तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
		घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
अप्रैल १३	१	७ ३६	९ ३०	११ ४४	१४ ०७	१६ २७	१८ ४४	२१ ०६	२३ २६	१ ३१	३ १२	४ ३७	५ ५९
१४	२	७ ३२	९ २६	११ ४०	१४ ०३	१६ २३	१८ ४०	२१ ०२	२३ २२	१ २७	३ ०८	४ ३३	५ ५५
१५	३	७ २८	९ २२	११ ३७	१३ ५९	१६ १९	१८ ३६	२० ५८	२३ १८	१ २३	३ ०४	४ २९	५ ५१
१६	४	७ २४	९ १८	११ ३३	१३ ५५	१६ १५	१८ ३३	२० ५४	२३ १४	१ १९	३ ००	४ २५	५ ४७
१७	५	७ २०	९ १४	११ २९	१३ ५१	१६ ११	१८ २९	२० ५०	२३ १०	१ १५	२ ५६	४ २१	५ ४३
१८	६	७ १६	९ ११	११ २५	१३ ४७	१६ ०७	१८ २५	२० ४६	२३ ०६	१ ११	२ ५२	४ १७	५ ३९
१९	७	७ १२	९ ०७	११ २१	१३ ४३	१६ ०३	१८ २१	२० ४२	२३ ०२	१ ०७	२ ४८	४ १३	५ ३५
२०	८	७ ०८	९ ०३	११ १७	१३ ३९	१५ ५९	१८ १७	२० ३८	२२ ५८	१ ०३	२ ४४	४ ०९	५ ३१
२१	९	७ ०४	८ ५९	११ १३	१३ ३५	१५ ५५	१८ १३	२० ३४	२२ ५४	० ५९	२ ४०	४ ०५	५ २८
२२	१०	७ ००	८ ५५	११ ०९	१३ ३१	१५ ५१	१८ ०९	२० ३०	२२ ५१	० ५५	२ ३६	४ ०१	५ २४
२३	११	६ ५६	८ ५१	११ ०५	१३ २७	१५ ४७	१८ ०५	२० २७	२२ ४७	० ५१	२ ३२	३ ५७	५ २०
२४	१२	६ ५२	८ ४७	११ ०१	१३ २३	१५ ४३	१८ ०१	२० २३	२२ ४३	० ४७	२ २८	३ ५३	५ १६
२५	१३	६ ४८	८ ४३	१० ५७	१३ १९	१५ ३९	१७ ५७	२० १९	२२ ३९	० ४३	२ २४	३ ४९	५ १२
२६	१४	६ ४४	८ ३९	१० ५३	१३ १६	१५ ३६	१७ ५३	२० १५	२२ ३५	० ३९	२ २०	३ ४५	५ ०८
२७	१५	६ ४१	८ ३५	१० ४९	१३ १२	१५ ३२	१७ ४९	२० ११	२२ ३१	० ३५	२ १६	३ ४२	५ ०४
२८	१६	६ ३७	८ ३१	१० ४५	१३ ०८	१५ २८	१७ ४५	२० ०७	२२ २७	० ३२	२ १३	३ ३८	५ ००
२९	१७	६ ३३	८ २७	१० ४२	१३ ०४	१५ २४	१७ ४१	२० ०३	२२ २३	० २८	२ ०९	३ ३४	४ ५६
३०	१८	६ २९	८ २३	१० ३८	१३ ००	१५ २०	१७ ३७	१९ ५९	२२ १९	० २४	२ ०५	३ ३०	४ ५२
मई १	१९	६ २५	८ १९	१० ३४	१२ ५६	१५ १६	१७ ३४	१९ ५५	२२ १५	० २०	२ ०१	३ २६	४ ४८
२	२०	६ २१	८ १६	१० ३०	१२ ५२	१५ १२	१७ ३०	१९ ५१	२२ ११	० १६	१ ५७	३ २२	४ ४४
३	२१	६ १७	८ १२	१० २६	१२ ४८	१५ ०८	१७ २६	१९ ४७	२२ ०७	० १२	१ ५३	३ १८	४ ४०
४	२२	६ १३	८ ०८	१० २२	१२ ४४	१५ ०४	१७ २२	१९ ४३	२२ ०३	० ०८	१ ४९	३ १४	४ ३६
५	२३	६ ०९	८ ०४	१० १८	१२ ४०	१५ ००	१७ १८	१९ ३९	२१ ५९	० ०४	१ ४५	३ १०	४ ३२
६	२४	६ ०५	८ ००	१० १४	१२ ३६	१४ ५६	१७ १४	१९ ३५	२१ ५६	० ००	१ ४१	३ ०६	४ २९
७	२५	६ ०१	७ ५६	१० १०	१२ ३२	१४ ५२	१७ १०	१९ ३२	२१ ५२	२३ ५६	१ ३७	३ ०२	४ २५
८	२६	५ ५७	७ ५२	१० ०६	१२ २८	१४ ४८	१७ ०६	१९ २८	२१ ४८	२३ ५२	१ ३३	२ ५८	४ २१
९	२७	५ ५३	७ ४८	१० ०२	१२ २४	१४ ४४	१७ ०२	१९ २४	२१ ४४	२३ ४८	१ २९	२ ५४	४ १७
१०	२८	५ ४९	७ ४४	९ ५८	१२ २०	१४ ४०	१६ ५८	१९ २०	२१ ४०	२३ ४४	१ २५	२ ५०	४ १३
११	२९	५ ४६	७ ४०	९ ५४	१२ १७	१४ ३६	१६ ५४	१९ १६	२१ ३६	२३ ४०	१ २१	२ ४६	४ ०९
१२	३०	५ ४२	७ ३६	९ ५०	१२ १३	१४ ३३	१६ ५०	१९ १२	२१ ३२	२३ ३७	१ १८	२ ४३	४ ०५
१३	३१	५ ३८	७ ३२	९ ४६	१२ ०९	१४ २९	१६ ४६	१९ ०८	२१ २८	२३ ३३	१ १४	२ ३९	४ ०१
१४	ज्ये१	५ ३४											

ज्येष्ठ

अंग्रेज़ी तारीख	ज्येष्ठ तिथि	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
		घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
मई १४	१	७ २८	९ ४३	१२ ०५	१४ २५	१६ ४२	१९ ०४	२१ २४	२३ २९	१ १०	२ ३५	३ ५७	५ ३०
१५	२	७ २४	९ ३९	१२ ०१	१४ २१	१६ ३९	१९ ००	२१ २०	२३ २५	१ ०६	२ ३१	३ ५३	५ २६
१६	३	७ २०	९ ३५	११ ५७	१४ १७	१६ ३५	१८ ५६	२१ १६	२३ २१	१ ०२	२ २७	३ ४९	५ २२
१७	४	७ १७	९ ३१	११ ५३	१४ १३	१६ ३१	१८ ५२	२१ १२	२३ १७	० ५८	२ २३	३ ४५	५ १८
१८	५	७ १३	९ २७	११ ४९	१४ ०९	१६ २७	१८ ४८	२१ ०८	२३ १३	० ५४	२ १९	३ ४१	५ १४
१९	६	७ ०९	९ २३	११ ४५	१४ ०५	१६ २३	१८ ४४	२१ ०४	२३ ०९	० ५०	२ १५	३ ३७	५ १०
२०	७	७ ०५	९ १९	११ ४१	१४ ०१	१६ १९	१८ ४०	२१ ०१	२३ ०५	० ४६	२ ११	३ ३४	५ ०६
२१	८	७ ०१	९ १५	११ ३७	१३ ५७	१६ १५	१८ ३६	२० ५७	२३ ०१	० ४२	२ ०७	३ ३०	५ ०२
२२	९	६ ५७	९ ११	११ ३३	१३ ५३	१६ ११	१८ ३३	२० ५३	२२ ५७	० ३८	२ ०३	३ २६	४ ५८
२३	१०	६ ५३	९ ०७	११ २९	१३ ४९	१६ ०७	१८ २९	२० ४९	२२ ५३	० ३४	१ ५९	३ २२	४ ५४
२४	११	६ ४९	९ ०३	११ २५	१३ ४५	१६ ०३	१८ २५	२० ४५	२२ ४९	० ३०	१ ५५	३ १८	४ ५०
२५	१२	६ ४५	८ ५९	११ २२	१३ ४१	१५ ५९	१८ २१	२० ४१	२२ ४५	० २६	१ ५१	३ १४	४ ४७
२६	१३	६ ४१	८ ५५	११ १८	१३ ३८	१५ ५५	१८ १७	२० ३७	२२ ४२	० २२	१ ४८	३ १०	४ ४३
२७	१४	६ ३७	८ ५१	११ १४	१३ ३४	१५ ५१	१८ १३	२० ३३	२२ ३८	० १९	१ ४४	३ ०६	४ ३९
२८	१५	६ ३३	५ ४७	११ १०	१३ ३०	१५ ४७	१८ ०९	२० २९	२२ ३४	० १५	१ ४०	३ ०२	४ ३५
२९	१६	६ २९	८ ४४	११ ०६	१३ २६	१५ ४३	१८ ०५	२० २५	२२ ३०	० ११	१ ३६	२ ५८	४ ३१
३०	१७	६ २५	८ ४०	११ ०२	१३ २२	१५ ४०	१८ ०१	२० २१	२२ २६	० ०७	१ ३२	२ ५४	४ २७
३१	१८	६ २२	८ ३६	१० ५८	१३ १८	१५ ३६	१७ ५७	२० १७	२२ २२	० ०३	१ २८	२ ५०	४ २३
जून १	१९	६ १८	८ ३२	१० ५४	१३ १४	१५ ३२	१७ ५३	२० १३	२२ १८	२३ ५९	१ २४	२ ४६	४ १९
२	२०	६ १४	८ २८	१० ५०	१३ १०	१५ २८	१७ ४९	२० ०९	२२ १४	२३ ५५	१ २०	२ ४२	४ १५
३	२१	६ १०	८ २४	१० ४६	१३ ०६	१५ २४	१७ ४५	२० ०५	२२ १०	२३ ५१	१ १६	२ ३८	४ ११
४	२२	६ ०६	८ २०	१० ४२	१३ ०२	१५ २०	१७ ४१	२० ०२	२२ ०६	२३ ४७	१ १२	२ ३५	४ ०७
५	२३	६ ०२	८ १६	१० ३८	१२ ५८	१५ १६	१७ ३७	१९ ५८	२२ ०२	२३ ४३	१ ०८	२ ३१	४ ०३
६	२४	५ ५८	८ १२	१० ३४	१२ ५४	१५ १२	१७ ३४	१९ ५४	२१ ५८	२३ ३९	१ ०४	२ २७	३ ५९
७	२५	५ ५४	८ ०८	१० ३०	१२ ५०	१५ ०८	१७ ३०	१९ ५०	२१ ५४	२३ ३५	१ ००	२ २३	३ ५५
८	२६	५ ५०	८ ०४	१० २६	१२ ४६	१५ ०४	१७ २६	१९ ४६	२१ ५०	२३ ३१	० ५६	२ १९	३ ५१
९	२७	५ ४६	८ ००	१० २३	१२ ४३	१५ ००	१७ २२	१९ ४२	२१ ४६	२३ २७	० ५२	२ १५	३ ४८
१०	२८	५ ४२	७ ५६	१० १९	१२ ३९	१४ ५६	१७ १८	१९ ३८	२१ ४३	२३ २३	० ४९	२ ११	३ ४४
११	२९	५ ३८	७ ५२	१० १५	१२ ३५	१४ ५२	१७ १४	१९ ३४	२१ ३९	२३ २०	० ४५	२ ०७	३ ४०
१२	३०	५ ३४	७ ४९	१० ११	१२ ३१	१४ ४८	१७ १०	१९ ३०	२१ ३५	२३ १६	० ४१	२ ०३	३ ३६
१३	३१	५ ३०	७ ४५	१० ०७	१२ २७	१४ ४५	१७ ०६	१९ २६	२१ ३१	२३ १२	० ३७	१ ५९	३ ३२
१४	आ१	५ २६											

दैनिक लग्नसारणी, चण्डीगढ़ (U.T.) में लग्नों का समाप्तिकाल [भा.स्टैं.टा.]

आषाढ़

मास	अंग्रेज़ी तारीख	आषाढ़ प्रविष्टे	मिथुन घं. मि.	कर्क घं. मि.	सिंह घं. मि.	कन्या घं. मि.	तुला घं. मि.	वृश्चिक घं. मि.	धनु घं. मि.	मकर घं. मि.	कुम्भ घं. मि.	मीन घं. मि.	मेष घं. मि.	वृष घं. मि.
जून	१४	१	७ ४१	१० ०३	१२ २३	१४ ४१	१७ ०२	१९ २२	२१ २७	२३ ०८	० ३३	१ ५५	३ २८	५ २३
	१५	२	७ ३७	९ ५९	१२ १९	१४ ३७	१६ ५८	१९ १८	२१ २३	२३ ०४	० २९	१ ५१	३ २४	५ १९
	१६	३	७ ३३	९ ५५	१२ १५	१४ ३३	१६ ५४	१९ १४	२१ १९	२३ ००	० २५	१ ४७	३ २०	५ १५
	१७	४	७ २९	९ ५१	१२ ११	१४ २९	१६ ५०	१९ १०	२१ १५	२२ ५६	० २१	१ ४३	३ १६	५ ११
	१८	५	७ २५	९ ४७	१२ ०७	१४ २५	१६ ४६	१९ ०६	२१ ११	२२ ५२	० १७	१ ३९	३ १२	५ ०७
	१९	६	७ २१	९ ४३	१२ ०३	१४ २१	१६ ४२	१९ ०३	२१ ०७	२२ ४८	० १३	१ ३६	३ ०८	५ ०३
	२०	७	७ १७	९ ३९	११ ५९	१४ १७	१६ ३९	१८ ५९	२१ ०३	२२ ४४	० ०९	१ ३२	३ ०४	४ ५९
	२१	८	७ १३	९ ३५	११ ५५	१४ १३	१६ ३५	१८ ५५	२० ५९	२२ ४०	० ०५	१ २८	३ ००	४ ५५
	२२	९	७ ०९	९ ३१	११ ५१	१४ ०९	१६ ३१	१८ ५१	२० ५५	२२ ३६	० ०१	१ २४	२ ५६	४ ५१
	२३	१०	७ ०५	९ २७	११ ४७	१४ ०५	१६ २७	१८ ४७	२० ५१	२२ ३२	२३ ५७	१ २०	२ ५३	४ ४७
	२४	११	७ ०१	९ २४	११ ४४	१४ ०१	१६ २३	१८ ४३	२० ४८	२२ २८	२३ ५४	१ १६	२ ४९	४ ४३
	२५	१२	६ ५७	९ २०	११ ४०	१३ ५७	१६ १९	१८ ३९	२० ४४	२२ २५	२३ ५०	१ १२	२ ४५	४ ३९
	२६	१३	६ ५३	९ १६	११ ३६	१३ ५३	१६ १५	१८ ३५	२० ४०	२२ २१	२३ ४६	१ ०८	२ ४१	४ ३५
	२७	१४	६ ५०	९ १२	११ ३२	१३ ४९	१६ ११	१८ ३१	२० ३६	२२ १७	२३ ४२	१ ०४	२ ३७	४ ३१
	२८	१५	६ ४६	९ ०८	११ २८	१३ ४६	१६ ०७	१८ २७	२० ३२	२२ १३	२३ ३८	१ ००	२ ३३	४ [illegible]
	२९	१६	६ ४२	९ ०४	११ २४	१३ ४२	१६ ०३	१८ २३	२० २८	२२ ०९	२३ ३४	० ५६	२ २९	४ २४
	३०	१७	६ ३८	९ ००	११ २०	१३ ३८	१५ ५९	१८ १९	२० २४	२२ ०५	२३ ३०	० ५२	२ २५	४ २०
जुलाई	१	१८	६ ३४	८ ५६	११ १६	१३ ३४	१५ ५५	१८ १५	२० २०	२२ ०१	२३ २६	० ४८	२ २१	४ १६
	२	१९	६ ३०	८ ५२	११ १२	१३ ३०	१५ ५१	१८ ११	२० १६	२१ ५७	२३ २२	० ४४	२ १७	४ १२
	३	२०	६ २६	८ ४८	११ ०८	१३ २६	१५ ४७	१८ ०८	२० १२	२१ ५३	२३ १८	० ४१	२ १३	४ ०८
	४	२१	६ २२	८ ४४	११ ०४	१३ २२	१५ ४३	१८ ०४	२० ०८	२१ ४९	२३ १४	० ३७	२ ०९	४ ०४
	५	२२	६ १८	८ ४०	११ ००	१३ १८	१५ ४०	१८ ००	२० ०४	२१ ४५	२३ १०	० ३३	२ ०५	४ ००
	६	२३	६ १४	८ ३६	१० ५६	१३ १४	१५ ३६	१७ ५६	२० ००	२१ ४१	२३ ०६	० २९	२ ०१	३ ५६
	७	२४	६ १०	८ ३२	१० ५२	१३ १०	१५ ३२	१७ ५२	१९ ५६	२१ ३७	२३ ०२	० २५	१ ५७	३ ५५
	८	२५	६ ०६	८ २९	१० ४९	१३ ०६	१५ २८	१७ ४८	१९ ५२	२१ ३३	२२ ५८	० २१	१ ५४	३ ४८
	९	२६	६ ०२	८ २५	१० ४५	१३ ०२	१५ २४	१७ ४४	१९ ४९	२१ २९	२२ ५५	० १७	१ ५०	३ ४४
	१०	२७	५ ५८	८ २१	१० ४१	१२ ५८	१५ २०	१७ ४०	१९ ४५	२१ २६	२२ ५१	० १३	१ ४६	३ ४०
	११	२८	५ ५५	८ १७	१० ३७	१२ ५४	१५ १६	१७ ३६	१९ ४१	२१ २२	२२ ४७	० ०९	१ ४२	३ ३६
	१२	२९	५ ५१	८ १३	१० ३३	१२ ५०	१५ १२	१७ ३२	१९ ३७	२१ १८	२२ ४३	० ०५	१ ३८	३ ३२
	१३	३०	५ ४७	८ ०९	१० २९	१२ ४७	१५ ०८	१७ २८	१९ ३३	२१ १४	२२ ३९	० ०१	१ ३४	३ २९
	१४	३१	५ ४३	८ ०५	१० २५	१२ ४३	१५ ०४	१७ २४	१९ २९	२१ १०	२२ ३५	२३ ५७	१ ३०	३ २५
	१५	३२	५ ३९	८ ०१	१० २१	१२ ३९	१५ ००	१७ २०	१९ २५	२१ ०६	२२ ३१	२३ ५३	१ २६	३ २१
	१६	श्रा.१	५ ३५											

श्रावण

मास	अंग्रेज़ी तारीख	श्रावण प्रविष्टे	कर्क घं. मि.	सिंह घं. मि.	कन्या घं. मि.	तुला घं. मि.	वृश्चिक घं. मि.	धनु घं. मि.	मकर घं. मि.	कुम्भ घं. मि.	मीन घं. मि.	मेष घं. मि.	वृष घं. मि.	मिथुन घं. मि.
जुलाई	१६	१	७ ५७	१० १७	१२ ३५	१४ ५६	१७ १६	१९ २१	२१ ०२	२२ २७	२३ ४९	१ २२	३ १७	५ ३१
	१७	२	७ ५३	१० १३	१२ ३१	१४ ५२	१७ १२	१९ १७	२० ५८	२२ २३	२३ ४५	१ १८	३ १३	५ २७
	१८	३	७ ४९	१० ०९	१२ २७	१४ ४८	१७ ०९	१९ १३	२० ५४	२२ १९	२३ ४१	१ १४	३ ०९	५ २३
	१९	४	७ ४५	१० ०५	१२ २३	१४ ४५	१७ ०५	१९ ०९	२० ५०	२२ १५	२३ ३८	१ १०	३ ०५	५ १९
	२०	५	७ ४१	१० ०१	१२ १९	१४ ४१	१७ ०१	१९ ०५	२० ४६	२२ ११	२३ ३४	१ ०६	३ ०१	५ १५
	२१	६	७ ३७	९ ५७	१२ १५	१४ ३७	१६ ५७	१९ ०१	२० ४२	२२ ०७	२३ ३०	१ ०२	२ ५७	५ ११
	२२	७	७ ३३	९ ५३	१२ ११	१४ ३३	१६ ५३	१८ ५७	२० ३८	२२ ०३	२३ २६	० ५८	२ ५३	५ ०७
	२३	८	७ ३०	९ ५०	१२ ०७	१४ २९	१६ ४९	१८ ५३	२० ३४	२१ ५९	२३ २२	० ५५	२ ४९	५ ०३
	२४	९	७ २६	९ ४६	१२ ०३	१४ २५	१६ ४५	१८ ५०	२० ३०	२१ ५६	२३ १८	० ५१	२ ४५	४ ५९
	२५	१०	७ २२	९ ४२	११ ५९	१४ २१	१६ ४१	१८ ४६	२० २७	२१ ५२	२३ १४	० ४७	२ ४१	४ ५६
	२६	११	७ १८	९ ३८	११ ५५	१४ १७	१६ ३७	१८ ४२	२० २३	२१ ४८	२३ १०	० ४३	२ ३७	४ ५२
	२७	१२	७ १४	९ ३४	११ ५२	१४ १३	१६ ३३	१८ ३८	२० १९	२१ ४४	२३ ०६	० ३९	२ ३३	४ ४८
	२८	१३	७ १०	९ ३०	११ ४८	१४ ०९	१६ २९	१८ ३४	२० १५	२१ ४०	२३ ०२	० ३५	२ ३०	४ ४४
	२९	१४	७ ०६	९ २६	११ ४४	१४ ०५	१६ २५	१८ ३०	२० ११	२१ ३६	२२ ५८	० ३१	२ २६	४ ४०
	३०	१५	७ ०२	९ २२	११ ४०	१४ ०१	१६ २१	१८ २६	२० ०७	२१ ३२	२२ ५४	० २७	२ २२	४ ३६
	३१	१६	६ ५८	९ १८	११ ३६	१३ ५७	१६ १७	१८ २२	२० ०३	२१ २८	२२ ५०	० २३	२ १८	४ ३१
अगस्त	१	१७	६ ५४	९ १४	११ ३२	१३ ५३	१६ १३	१८ १८	१९ ५९	२१ २४	२२ ४७	० १९	२ १४	४ २८
	२	१८	६ ५०	९ १०	११ २८	१३ ४९	१६ १०	१८ १४	१९ ५५	२१ २०	२२ ४३	० १५	२ १०	४ २४
	३	१९	६ ४६	९ ०६	११ २४	१३ ४६	१६ ०६	१८ १०	१९ ५१	२१ १६	२२ ३९	० ११	२ ०६	४ २०
	४	२०	६ ४२	९ ०२	११ २०	१३ ४२	१६ ०२	१८ ०६	१९ ४७	२१ १२	२२ ३५	० ०७	२ ०२	४ १६
	५	२१	६ ३८	८ ५८	११ १६	१३ ३८	१५ ५८	१८ ०२	१९ ४३	२१ ०८	२२ ३१	० ०३	१ ५८	४ १२
	६	२२	६ ३४	८ ५४	११ १२	१३ ३४	१५ ५४	१७ ५८	१९ ३९	२१ ०४	२२ २७	० ००	१ ५४	४ ०८
	७	२३	६ ३१	८ ५१	११ ०८	१३ ३०	१५ ५०	१७ ५५	१९ ३५	२१ ०१	२२ २३	२३ ५६	१ ५०	४ ०४
	८	२४	६ २७	८ ४७	११ ०४	१३ २६	१५ ४६	१७ ५१	१९ ३२	२० ५७	२२ १९	२३ ५२	१ ४६	४ ००
	९	२५	६ २३	८ ४३	११ ००	१३ २२	१५ ४२	१७ ४७	१९ २८	२० ५३	२२ १५	२३ ४८	१ ४२	३ ५७
	१०	२६	६ १९	८ ३९	१० ५६	१३ १८	१५ ३८	१७ ४३	१९ २४	२० ४९	२२ ११	२३ ४४	१ ३८	३ ५३
	११	२७	६ १५	८ ३५	१० ५३	१३ १४	१५ ३४	१७ ३९	१९ २०	२० ४५	२२ ०७	२३ ४०	१ ३४	३ ४९
	१२	२८	६ ११	८ ३१	१० ४९	१३ १०	१५ ३०	१७ ३५	१९ १६	२० ४१	२२ ०३	२३ ३६	१ ३१	३ ४५
	१३	२९	६ ०७	८ २७	१० ४५	१३ ०६	१५ २६	१७ ३१	१९ १२	२० ३७	२१ ५९	२३ ३२	१ २७	३ ४१
	१४	३०	६ ०३	८ २३	१० ४१	१३ ०२	१५ २२	१७ २७	१९ ०८	२० ३३	२१ ५५	२३ २८	१ २३	३ ३७
	१५	३१	५ ५९	८ १९	१० ३७	१२ ५८	१५ १८	१७ २३	१९ ०४	२० २९	२१ ५१	२३ २४	१ १९	३ ३३
	१६	भा.१	५ ५५											

दैनिक लग्नसारणी, चण्डीगढ़ (U.T.) में लग्नों का समाप्तिकाल [भा.स्टैं.टा.]

			भाद्रपद											
	अंग्रेज़ी तारीख	भाद्रपद प्रविष्टे	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
			घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
अगस्त	१६	१	८ १५	१० ३३	१२ ५४	१५ १५	१७ १९	१९ ००	२० २५	२१ ४८	२३ २०	१ १५	३ २९	५ ५१
	१७	२	८ ११	१० २९	१२ ५०	१५ ११	१७ १५	१८ ५६	२० २१	२१ ४४	२३ १६	१ ११	३ २५	५ ४७
	१८	३	८ ०७	१० २५	१२ ४७	१५ ०७	१७ ११	१८ ५२	२० १७	२१ ४०	२३ १२	१ ०७	३ २१	५ ४३
	१९	४	८ ०३	१० २१	१२ ४३	१५ ०३	१७ ०७	१८ ४८	२० १३	२१ ३६	२३ ०८	१ ०३	३ १७	५ ३९
	२०	५	७ ५९	१० १७	१२ ३९	१४ ५९	१७ ०३	१८ ४४	२० ०९	२१ ३२	२३ ०४	० ५९	३ १३	५ ३६
	२१	६	७ ५६	१० १३	१२ ३५	१४ ५५	१६ ५९	१८ ४०	२० ०५	२१ २८	२३ ०१	० ५५	३ ०९	५ ३२
	२२	७	७ ५२	१० ०९	१२ ३१	१४ ५१	१६ ५६	१८ ३६	२० ०२	२१ २४	२२ ५७	० ५१	३ ०५	५ २८
	२३	८	७ ४८	१० ०५	१२ २७	१४ ४७	१६ ५२	१८ ३३	१९ ५८	२१ २०	२२ ५३	० ४७	३ ०२	५ २४
	२४	९	७ ४४	१० ०१	१२ २३	१४ ४३	१६ ४८	१८ २९	१९ ५४	२१ १६	२२ ४९	० ४३	२ ५८	५ २०
	२५	१०	७ ४०	९ ५७	१२ १९	१४ ३९	१६ ४४	१८ २५	१९ ५०	२१ १२	२२ ४५	० ३९	२ ५४	५ १६
	२६	११	७ ३६	९ ५४	१२ १५	१४ ३५	१६ ४०	१८ २१	१९ ४६	२१ ०८	२२ ४१	० ३६	२ ५०	५ १२
	२७	१२	७ ३२	९ ५०	१२ ११	१४ ३१	१६ ३६	१८ १७	१९ ४२	२१ ०४	२२ ३७	० ३२	२ ४६	५ ०८
	२८	१३	७ २८	९ ४६	१२ ०७	१४ २७	१६ ३२	१८ १३	१९ ३८	२१ ००	२२ ३३	० २८	२ ४२	५ ०४
	२९	१४	७ २४	९ ४२	१२ ०३	१४ २३	१६ २८	१८ ०९	१९ ३४	२० ५६	२२ २९	० २४	२ ३८	५ ००
	३०	१५	७ २०	९ ३८	११ ५९	१४ १९	१६ २४	१८ ०५	१९ ३०	२० ५२	२२ २५	० २०	२ ३४	४ ५६
	३१	१६	७ १६	९ ३४	११ ५५	१४ १६	१६ २०	१८ ०१	१९ २६	२० ४९	२२ २१	० १६	२ ३०	४ ५२
सितम्बर	१	१७	७ १२	९ ३०	११ ५२	१४ १२	१६ १६	१७ ५७	१९ २२	२० ४५	२२ १७	० १२	२ २६	४ ४८
	२	१८	७ ०८	९ २६	११ ४८	१४ ०८	१६ १२	१७ ५३	१९ १८	२० ४१	२२ १३	० ०८	२ २२	४ ४४
	३	१९	७ ०४	९ २२	११ ४४	१४ ०४	१६ ०८	१७ ४९	१९ १४	२० ३७	२२ ०९	० ०४	२ १८	४ ४०
	४	२०	७ ००	९ १८	११ ४०	१४ ००	१६ ०४	१७ ४५	१९ १०	२० ३३	२२ ०६	० ००	२ १४	४ ३७
	५	२१	६ ५७	९ १४	११ ३६	१३ ५६	१६ ००	१७ ४१	१९ ०६	२० २९	२२ ०२	२३ ५६	२ १०	४ ३३
	६	२२	६ ५३	९ १०	११ ३२	१३ ५२	१५ ५७	१७ ३८	१९ ०३	२० २५	२१ ५८	२३ ५२	२ ०६	४ २९
	७	२३	६ ४९	९ ०६	११ २८	१३ ४८	१५ ५३	१७ ३४	१८ ५९	२० २१	२१ ५४	२३ ४८	२ ०३	४ २५
	८	२४	६ ४५	९ ०२	११ २४	१३ ४४	१५ ४९	१७ ३०	१८ ५५	२० १७	२१ ५०	२३ ४४	१ ५९	४ २१
	९	२५	६ ४१	८ ५९	११ २०	१३ ४०	१५ ४५	१७ २६	१८ ५१	२० १३	२१ ४६	२३ ४०	१ ५५	४ १७
	१०	२६	६ ३७	८ ५५	११ १६	१३ ३६	१५ ४१	१७ २२	१८ ४७	२० ०९	२१ ४२	२३ ३७	१ ५१	४ १३
	११	२७	६ ३३	८ ५१	११ १२	१३ ३२	१५ ३७	१७ १८	१८ ४३	२० ०५	२१ ३८	२३ ३३	१ ४७	४ ०९
	१२	२८	६ २९	८ ४७	११ ०८	१३ २८	१५ ३३	१७ १४	१८ ३९	२० ०१	२१ ३४	२३ २९	१ ४३	४ ०५
	१३	२९	६ २५	८ ४३	११ ०४	१३ २४	१५ २९	१७ १०	१८ ३५	१९ ५७	२१ ३०	२३ २५	१ ३९	४ ०१
	१४	३०	६ २१	८ ३९	११ ००	१३ २१	१५ २५	१७ ०६	१८ ३१	१९ ५४	२१ २६	२३ २१	१ ३५	३ ५७
	१५	३१	६ १७	८ ३५	१० ५६	१३ १७	१५ २१	१७ ०२	१८ २७	१९ ५०	२१ २२	२३ १७	१ ३१	३ ५३
	१६	आ. १	६ १३											

			आश्विन											
	अंग्रेज़ी तारीख	आश्विन प्रविष्टे	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
			घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
सितम्बर	१६	१	८ ३१	१० ५३	१३ १३	१५ १७	१६ ५८	१८ २३	१९ ४६	२१ १८	२३ १३	१ २७	३ ४९	६ ०९
	१७	२	८ २७	१० ४९	१३ ०९	१५ १३	१६ ५४	१८ १९	१९ ४२	२१ १४	२३ ०९	१ २३	३ ४५	६ ०५
	१८	३	८ २३	१० ४५	१३ ०५	१५ ०९	१६ ५०	१८ १५	१९ ३८	२१ १०	२३ ०५	१ १९	३ ४२	६ ०१
	१९	४	८ १९	१० ४१	१३ ०१	१५ ०५	१६ ४६	१८ ११	१९ ३४	२१ ०७	२३ ०१	१ १५	३ ३८	५ ५८
	२०	५	८ १५	१० ३७	१२ ५७	१५ ०२	१६ ४२	१८ ०८	१९ ३०	२१ ०३	२२ ५७	१ ११	३ ३४	५ ५४
	२१	६	८ ११	१० ३३	१२ ५३	१४ ५८	१६ ३९	१८ ०४	१९ २६	२० ५९	२२ ५३	१ ०७	३ ३०	५ ५०
	२२	७	८ ०७	१० २९	१२ ४९	१४ ५४	१६ ३५	१८ ००	१९ २२	२० ५५	२२ ४९	१ ०४	३ २६	५ ४६
	२३	८	८ ०३	१० २५	१२ ४५	१४ ५०	१६ ३१	१७ ५६	१९ १८	२० ५१	२२ ४५	१ ००	३ २२	५ ४२
	२४	९	८ ००	१० २१	१२ ४१	१४ ४६	१६ २७	१७ ५२	१९ १४	२० ४७	२२ ४१	० ५६	३ १८	५ ३८
	२५	१०	७ ५६	१० १७	१२ ३७	१४ ४२	१६ २३	१७ ४८	१९ १०	२० ४३	२२ ३८	० ५२	३ १४	५ ३४
	२६	११	७ ५२	१० १३	१२ ३३	१४ ३८	१६ १९	१७ ४४	१९ ०६	२० ३९	२२ ३४	० ४८	३ १०	५ ३०
	२७	१२	७ ४८	१० ०९	१२ २९	१४ ३४	१६ १५	१७ ४०	१९ ०२	२० ३५	२२ ३०	० ४४	३ ०६	५ २६
	२८	१३	७ ४४	१० ०५	१२ २५	१४ ३०	१६ ११	१७ ३६	१८ ५८	२० ३१	२२ २६	० ४०	३ ०२	५ २२
	२९	१४	७ ४०	१० ०१	१२ २२	१४ २६	१६ ०७	१७ ३२	१८ ५५	२० २७	२२ २२	० ३६	२ ५८	५ १८
	३०	१५	७ ३६	९ ५७	१२ १८	१४ २२	१६ ०३	१७ २८	१८ ५१	२० २३	२२ १८	० ३२	२ ५४	५ १४
अक्तूबर	१	१६	७ ३२	९ ५४	१२ १४	१४ १८	१५ ५९	१७ २४	१८ ४७	२० १९	२२ १४	० २८	२ ५०	५ १०
	२	१७	७ २८	९ ५०	१२ १०	१४ १४	१५ ५५	१७ २०	१८ ४३	२० १५	२२ १०	० २४	२ ४६	५ ०६
	३	१८	७ २४	९ ४६	१२ ०६	१४ १०	१५ ५१	१७ १६	१८ ३९	२० ११	२२ ०६	० २०	२ ४३	५ ०३
	४	१९	७ २०	९ ४२	१२ ०२	१४ ०६	१५ ४७	१७ १२	१८ ३५	२० ०८	२२ ०२	० १६	२ ३९	४ ५९
	५	२०	७ १६	९ ३८	११ ५८	१४ ०३	१५ ४३	१७ ०९	१८ ३१	२० ०४	२१ ५८	० १२	२ ३५	४ ५५
	६	२१	७ १२	९ ३४	११ ५४	१३ ५९	१५ ४०	१७ ०५	१८ २७	२० ००	२१ ५४	० ०८	२ ३१	४ ५१
	७	२२	७ ०८	९ ३०	११ ५०	१३ ५५	१५ ३६	१७ ०१	१८ २३	१९ ५६	२१ ५०	० ०५	२ २७	४ ४७
	८	२३	७ ०५	९ २६	११ ४६	१३ ५१	१५ ३२	१६ ५७	१८ १९	१९ ५२	२१ ४६	० ०१	२ २३	४ ४३
	९	२४	७ ०१	९ २२	११ ४२	१३ ४७	१५ २८	१६ ५३	१८ १५	१९ ४८	२१ ४३	२३ ५७	२ १९	४ ३९
	१०	२५	६ ५७	९ १८	११ ३८	१३ ४३	१५ २४	१६ ४९	१८ ११	१९ ४४	२१ ३९	२३ ५३	२ १५	४ ३५
	११	२६	६ ५३	९ १४	११ ३४	१३ ३९	१५ २०	१६ ४५	१८ ०७	१९ ४०	२१ ३४	२३ ४९	२ ११	४ ३१
	१२	२७	६ ४९	९ १०	११ ३०	१३ ३५	१५ १६	१६ ४१	१८ ०३	१९ ३६	२१ ३१	२३ ४५	२ ०७	४ २७
	१३	२८	६ ४५	९ ०६	११ २६	१३ ३१	१५ १२	१६ ३७	१७ ५९	१९ ३२	२१ २७	२३ ४१	२ ०३	४ २३
	१४	२९	६ ४१	९ ०२	११ २३	१३ २७	१५ ०८	१६ ३३	१७ ५६	१९ २८	२१ २३	२३ ३७	१ ५९	४ १९
	१५	३०	६ ३७	८ ५९	११ १९	१३ २३	१५ ०४	१६ २९	१७ ५२	१९ २४	२१ १९	२३ ३३	१ ५५	४ १५
	१६	का. १	६ ३३											

दैनिक लग्नसारणी, चण्डीगढ़ (U.T.) में लग्नों का समाप्तिकाल [भा.स्टैं.टा.]

कार्तिक

अंग्रेज़ी मास	अंग्रेज़ी तारीख	कार्तिक प्रविष्टे	तुला घं. मि.	वृश्चिक घं. मि.	धनु घं. मि.	मकर घं. मि.	कुम्भ घं. मि.	मीन घं. मि.	मेष घं. मि.	वृष घं. मि.	मिथुन घं. मि.	कर्क घं. मि.	सिंह घं. मि.	कन्या घं. मि.
अक्तूबर	१६	१	८ ५५	११ १५	१३ १९	१५ ००	१६ २५	१७ ४८	१९ २०	२१ १५	२३ २९	१ ५१	४ ११	६ २९
	१७	२	८ ५१	११ ११	१३ १५	१४ ५६	१६ २१	१७ ४४	१९ १६	२१ ११	२३ २५	१ ४७	४ ०७	६ २५
	१८	३	८ ४७	११ ०७	१३ ११	१४ ५२	१६ १७	१७ ४०	१९ १३	२१ ०७	२३ २१	१ ४४	४ ०४	६ २१
	१९	४	८ ४३	११ ०३	१३ ०८	१४ ४८	१६ १४	१७ ३६	१९ ०९	२१ ०३	२३ १७	१ ४०	४ ००	६ १७
	२०	५	८ ३९	१० ५९	१३ ०४	१४ ४५	१६ १०	१७ ३२	१९ ०५	२० ५९	२३ १३	१ ३६	३ ५६	६ १३
	२१	६	८ ३५	१० ५५	१३ ००	१४ ४१	१६ ०६	१७ २८	१९ ०१	२० ५५	२३ ०९	१ ३२	३ ५२	६ ०९
	२२	७	८ ३१	१० ५१	१२ ५६	१४ ३७	१६ ०२	१७ २४	१८ ५७	२० ५१	२३ ०६	१ २८	३ ४८	६ ०६
	२३	८	८ २७	१० ४७	१२ ५२	१४ ३३	१५ ५८	१७ २०	१८ ५३	२० ४७	२३ ०२	१ २४	३ ४४	६ ०२
	२४	९	८ २३	१० ४३	१२ ४८	१४ २९	१५ ५४	१७ १६	१८ ४९	२० ४४	२२ ५८	१ २०	३ ४०	५ ५८
	२५	१०	८ १९	१० ३९	१२ ४४	१४ २५	१५ ५०	१७ १२	१८ ४५	२० ४०	२२ ५४	१ १६	३ ३६	५ ५४
	२६	११	८ १५	१० ३५	१२ ४०	१४ २१	१५ ४६	१७ ०८	१८ ४१	२० ३६	२२ ५०	१ १२	३ ३२	५ ५०
	२७	१२	८ ११	१० ३१	१२ ३६	१४ १७	१५ ४२	१७ ०४	१८ ३७	२० ३२	२२ ४६	१ ०८	३ २८	५ ४६
	२८	१३	८ ०७	१० २८	१२ ३२	१४ १३	१५ ३८	१७ ०१	१८ ३३	२० २८	२२ ४२	१ ०४	३ २४	५ ४२
	२९	१४	८ ०३	१० २४	१२ २८	१४ ०९	१५ ३४	१६ ५७	१८ २९	२० २४	२२ ३८	१ ००	३ २०	५ ३८
	३०	१५	८ ००	१० २०	१२ २४	१४ ०५	१५ ३०	१६ ५३	१८ २५	२० २०	२२ ३४	० ५६	३ १६	५ ३४
	३१	१६	७ ५६	१० १६	१२ २०	१४ ०१	१५ २६	१६ ४९	१८ २१	२० १६	२२ ३०	० ५२	३ १२	५ ३०
नवम्बर	१	१७	७ ५२	१० १२	१२ १६	१३ ५७	१५ २२	१६ ४५	१८ १७	२० १२	२२ २६	० ४८	३ ०९	५ २६
	२	१८	७ ४८	१० ०८	१२ १२	१३ ५३	१५ १८	१६ ४१	१८ १३	२० ०८	२२ २२	० ४५	३ ०५	५ २२
	३	१९	७ ४४	१० ०४	१२ ०९	१३ ४९	१५ १५	१६ ३७	१८ ०९	२० ०४	२२ १८	० ४१	३ ०१	५ १८
	४	२०	७ ४०	१० ००	१२ ०५	१३ ४६	१५ ११	१६ ३३	१८ ०६	२० ००	२२ १५	० ३७	२ ५७	५ १४
	५	२१	७ ३६	९ ५६	१२ ०१	१३ ४२	१५ ०७	१६ २९	१८ ०२	१९ ५६	२२ ११	० ३३	२ ५३	५ १०
	६	२२	७ ३२	९ ५२	११ ५७	१३ ३८	१५ ०३	१६ २५	१७ ५८	१९ ५२	२२ ०७	० २९	२ ४९	५ ०७
	७	२३	७ २८	९ ४८	११ ५३	१३ ३४	१४ ५९	१६ २१	१७ ५४	१९ ४९	२२ ०३	० २५	२ ४५	५ ०३
	८	२४	७ २४	९ ४४	११ ४९	१३ ३०	१४ ५५	१६ १७	१७ ५०	१९ ४५	२१ ५९	० २१	२ ४१	४ ५९
	९	२५	७ २०	९ ४०	११ ४५	१३ २६	१४ ५१	१६ १३	१७ ४६	१९ ४१	२१ ५५	० १७	२ ३७	४ ५५
	१०	२६	७ १६	९ ३६	११ ४१	१३ २२	१४ ४७	१६ ०९	१७ ४२	१९ ३७	२१ ५१	० १३	२ ३३	४ ५१
	११	२७	७ १२	९ ३२	११ ३७	१३ १८	१४ ४३	१६ ०५	१७ ३८	१९ ३३	२१ ४७	० ०९	२ २९	४ ४७
	१२	२८	७ ०८	९ २९	११ ३३	१३ १४	१४ ३९	१६ ०२	१७ ३४	१९ २९	२१ ४३	० ०५	२ २५	४ ४३
	१३	२९	७ ०५	९ २५	११ २९	१३ १०	१४ ३५	१५ ५८	१७ ३०	१९ २५	२१ ३९	० ०१	२ २१	४ ३९
	१४	३०	७ ०१	९ २१	११ २५	१३ ०६	१४ ३१	१५ ५४	१७ २६	१९ २१	२१ ३५	२३ ५७	२ १७	४ ३५
	१५	मा. १	६ ५७											

मार्गशीर्ष

अंग्रेज़ी मास	अंग्रेज़ी तारीख	मार्गशीर्ष प्रविष्टे	वृश्चिक घं. मि.	धनु घं. मि.	मकर घं. मि.	कुम्भ घं. मि.	मीन घं. मि.	मेष घं. मि.	वृष घं. मि.	मिथुन घं. मि.	कर्क घं. मि.	सिंह घं. मि.	कन्या घं. मि.	तुला घं. मि.
नवम्बर	१५	१	९ १७	११ २१	१३ ०२	१४ २७	१५ ५०	१७ २२	१९ १७	२१ ३१	२३ ५३	२ १३	४ ३१	६ ५३
	१६	२	९ १३	११ १७	१२ ५८	१४ २३	१५ ४६	१७ १८	१९ १३	२१ २७	२३ ५०	२ १०	४ २७	६ ४९
	१७	३	९ ०९	११ १३	१२ ५४	१४ १९	१५ ४२	१७ १५	१९ ०९	२१ २३	२३ ४६	२ ०६	४ २३	६ ४५
	१८	४	९ ०५	११ १०	१२ ५०	१४ १६	१५ ३८	१७ ११	१९ ०५	२१ १९	२३ ४२	२ ०२	४ १९	६ ४१
	१९	५	९ ०१	११ ०६	१२ ४७	१४ १२	१५ ३४	१७ ०७	१९ ०१	२१ १६	२३ ३८	१ ५८	४ १५	६ ३७
	२०	६	८ ५७	११ ०२	१२ ४३	१४ ०८	१५ ३०	१७ ०३	१८ ५७	२१ १२	२३ ३४	१ ५४	४ १२	६ ३३
	२१	७	८ ५३	१० ५८	१२ ३९	१४ ०४	१५ २६	१६ ५९	१८ ५३	२१ ०८	२३ ३०	१ ५०	४ ०८	६ २९
	२२	८	८ ४९	१० ५४	१२ ३५	१४ ००	१५ २२	१६ ५५	१८ ५०	२१ ०४	२३ २६	१ ४६	४ ०४	६ २५
	२३	९	८ ४५	१० ५०	१२ ३१	१३ ५६	१५ १८	१६ ५१	१८ ४६	२१ ००	२३ २२	१ ४२	४ ००	६ २१
	२४	१०	८ ४१	१० ४६	१२ २७	१३ ५२	१५ १४	१६ ४७	१८ ४२	२० ५६	२३ १८	१ ३८	३ ५६	६ १७
	२५	११	८ ३७	१० ४२	१२ २३	१३ ४८	१५ १०	१६ ४३	१८ ३८	२० ५२	२३ १४	१ ३४	३ ५२	६ १३
	२६	१२	८ ३३	१० ३८	१२ १९	१३ ४४	१५ ०७	१६ ३९	१८ ३४	२० ४८	२३ १०	१ ३०	३ ४८	६ ०९
	२७	१३	८ ३०	१० ३४	१२ १५	१३ ४०	१५ ०३	१६ ३५	१८ ३०	२० ४४	२३ ०६	१ २६	३ ४४	६ ०६
	२८	१४	८ २६	१० ३०	१२ ११	१३ ३६	१४ ५९	१६ ३१	१८ २६	२० ४०	२३ ०२	१ २२	३ ४०	६ ०२
	२९	१५	८ २२	१० २६	१२ ०७	१३ ३२	१४ ५५	१६ २७	१८ २२	२० ३६	२२ ५८	१ १८	३ ३६	५ ५८
	३०	१६	८ १८	१० २२	१२ ०३	१३ २८	१४ ५१	१६ २३	१८ १८	२० ३२	२२ ५४	१ १४	३ ३२	५ ५४
दिसम्बर	१	१७	८ १४	१० १८	११ ५९	१३ २४	१४ ४७	१६ २०	१८ १४	२० २८	२२ ५१	१ ११	३ २८	५ ५०
	२	१८	८ १०	१० १५	११ ५५	१३ २१	१४ ४३	१६ १६	१८ १०	२० २४	२२ ४७	१ ०७	३ २४	५ ४६
	३	१९	८ ०६	१० ११	११ ५२	१३ १७	१४ ३९	१६ १२	१८ ०६	२० २०	२२ ४३	१ ०३	३ २०	५ ४२
	४	२०	८ ०२	१० ०७	११ ४८	१३ १३	१४ ३५	१६ ०८	१८ ०२	२० १७	२२ ३९	० ५९	३ १६	५ ३८
	५	२१	७ ५८	१० ०३	११ ४४	१३ ०९	१४ ३१	१६ ०४	१७ ५८	२० १३	२२ ३५	० ५५	३ १३	५ ३४
	६	२२	७ ५४	९ ५९	११ ४०	१३ ०५	१४ २७	१६ ००	१७ ५४	२० ०९	२२ ३१	० ५१	३ ०९	५ ३०
	७	२३	७ ५०	९ ५५	११ ३६	१३ ०१	१४ २३	१५ ५६	१७ ५१	२० ०५	२२ २७	० ४७	३ ०५	५ २६
	८	२४	७ ४६	९ ५१	११ ३२	१२ ५७	१४ १९	१५ ५२	१७ ४७	२० ०१	२२ २३	० ४३	३ ०१	५ २२
	९	२५	७ ४२	९ ४७	११ २८	१२ ५३	१४ १५	१५ ४८	१७ ४३	१९ ५७	२२ १९	० ३९	२ ५७	५ १८
	१०	२६	७ ३८	९ ४३	११ २४	१२ ४९	१४ ११	१५ ४४	१७ ३९	१९ ५३	२२ १५	० ३५	२ ५३	५ १४
	११	२७	७ ३४	९ ३९	११ २०	१२ ४५	१४ ०८	१५ ४०	१७ ३५	१९ ४९	२२ ११	० ३१	२ ४९	५ १०
	१२	२८	७ ३१	९ ३५	११ १६	१२ ४१	१४ ०४	१५ ३६	१७ ३१	१९ ४५	२२ ०७	० २७	२ ४५	५ ०७
	१३	२९	७ २७	९ ३१	११ १२	१२ ३७	१४ ००	१५ ३२	१७ २७	१९ ४१	२२ ०३	० २३	२ ४१	५ ०३
	१४	३०	७ २३	९ २७	११ ०८	१२ ३३	१३ ५६	१५ २८	१७ २३	१९ ३७	२१ ५९	० १९	२ ३७	४ ५९
	१५	पौ. १	७ १९											

दैनिक लग्नसारणी, चण्डीगढ़ (U.T.) में लग्नों का समाप्तिकाल [भा.स्टैं.टा.]

पौष

अंग्रेज़ी तारीख		पौष प्रविष्टे	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
			घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
दिसम्बर	१५	१	९ २३	११ ४	१२ २९	१३ ५२	१५ २४	१७ १९	१९ ३३	२१ ५६	० १६	२ ३३	४ ५५	७ १५
	१६	२	९ १९	११ ००	१२ २५	१३ ४८	१५ २१	१७ १५	१९ २९	२१ ५२	० १२	२ २९	४ ५१	७ ११
	१७	३	९ १६	१० ५६	१२ २२	१३ ४४	१५ १७	१७ ११	१९ २५	२१ ४८	० ०८	२ २५	४ ४७	७ ०७
	१८	४	९ १२	१० ५३	१२ १८	१३ ४०	१५ ,३	१७ ०७	१९ २२	२१ ४४	० ०४	२ २१	४ ४३	७ ०३
	१९	५	९ ०८	१० ४९	१२ १४	१३ ३६	१५ ०९	१७ ०३	१९ १८	२१ ४०	० ००	२ १७	४ ३९	६ ५९
	२०	६	९ ०४	१० ४५	१२ १०	१३ ३२	१५ ०५	१६ ५९	१९ १४	२१ ३६	२३ ५६	२ १४	४ ३५	६ ५५
	२१	७	९ ००	१० ४१	१२ ०६	१३ २८	१५ ०१	१६ ५६	१९ १०	२१ ३२	२३ ५२	२ १०	४ ३१	६ ५१
	२२	८	८ ५६	१० ३७	१२ ०२	१३ २४	१४ ५७	१६ ५२	१९ ०६	२१ २८	२३ ४८	२ ०६	४ २७	६ ४७
	२३	९	८ ५२	१० ३३	११ ५८	१३ २०	१४ ५३	१६ ४८	१९ ०२	२१ २४	२३ ४४	२ ०२	४ २३	६ ४३
	२४	१०	८ ४८	१० २९	११ ५४	१३ १६	१४ ४९	१६ ४४	१८ ५८	२१ २०	२३ ४०	१ ५८	४ १९	६ ३९
	२५	११	८ ४४	१० २५	११ ५०	१३ १२	१४ ४५	१६ ४०	१८ ५४	२१ १६	२३ ३६	१ ५४	४ १५	६ ३६
	२६	१२	८ ४०	१० २१	११ ४६	१३ ०९	१४ ४१	१६ ३६	१८ ५०	२१ १२	२३ ३२	१ ५०	४ १२	६ ३२
	२७	१३	८ ३६	१० १७	११ ४२	१३ ०५	१४ ३७	१६ ३२	१८ ४६	२१ ०८	२३ २८	१ ४६	४ ०८	६ २८
	२८	१४	८ ३२	१० १३	११ ३८	१३ ०१	१४ ३३	१६ २८	१८ ४२	२१ ०४	२३ २४	१ ४२	४ ०४	६ २४
	२९	१५	८ २८	१० ०९	११ ३४	१२ ५७	१४ २९	१६ २४	१८ ३८	२१ ००	२३ २०	१ ३८	४ ००	६ २०
	३०	१६	८ २४	१० ०५	११ ३०	१२ ५३	१४ २६	१६ २०	१८ ३४	२० ५७	२३ १७	१ ३४	३ ५६	६ १६
	३१	१७	८ २०	१० ०१	११ २६	१२ ४९	१४ २२	१६ १६	१८ ३०	२० ५३	२३ १३	१ ३०	३ ५२	६ १२
जनवरी	१	१८	८ १६	९ ५७	११ २२	१२ ४४	१४ १७	१६ ११	१८ २६	२० ४८	२३ ०८	१ २५	३ ४७	६ ०७
	२	१९	८ १२	९ ५३	११ १८	१२ ४०	१४ १३	१६ ०७	१८ २२	२० ४४	२३ ०४	१ २१	३ ४३	६ ०३
	३	२०	८ ०८	९ ४९	११ १४	१२ ३६	१४ ०९	१६ ०३	१८ १८	२० ४०	२३ ००	१ १७	३ ३९	५ ५९
	४	२१	८ ०४	९ ४५	११ १०	१२ ३२	१४ ०५	१५ ५९	१८ १४	२० ३६	२२ ५६	१ १४	३ ३५	५ ५५
	५	२२	८ ००	९ ४१	११ ०६	१२ २८	१४ ०१	१५ ५६	१८ १०	२० ३२	२२ ५२	१ १०	३ ३१	५ ५१
	६	२३	७ ५६	९ ३७	११ ०२	१२ २४	१३ ५७	१५ ५२	१८ ०६	२० २८	२२ ४८	१ ०६	३ २७	५ ४७
	७	२४	७ ५२	९ ३३	१० ५८	१२ २०	१३ ५३	१५ ४८	१८ ०२	२० २४	२२ ४४	१ ०२	३ २३	५ ४३
	८	२५	७ ४८	९ २९	१० ५४	१२ १६	१३ ४९	१५ ४४	१७ ५८	२० २०	२२ ४०	० ५८	३ १९	५ ३९
	९	२६	७ ४४	९ २५	१० ५०	१२ १३	१३ ४५	१५ ४०	१७ ५४	२० १६	२२ ३६	० ५४	३ १५	५ ३६
	१०	२७	७ ४०	९ २१	१० ४६	१२ ०९	१३ ४१	१५ ३६	१७ ५०	२० १२	२२ ३२	० ५०	३ १२	५ ३२
	११	२८	७ ३६	९ १७	१० ४२	१२ ०५	१३ ३७	१५ ३२	१७ ४६	२० ०८	२२ २८	० ४६	३ ०८	५ २८
	१२	२९	७ ३२	९ १३	१० ३८	१२ ०१	१३ ३३	१५ २८	१७ ४२	२० ०४	२२ २४	० ४२	३ ०४	५ २४
	१३	मा.१	७ २८											

माघ

अंग्रेज़ी तारीख		माघ प्रविष्टे	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
			घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
जनवरी	१३	१	९ ०९	१० ३४	११ ५७	१३ २९	१५ २४	१७ ३८	२० ००	२२ २०	० ३८	३ ००	५ २०	७ २४
	१४	२	९ ०५	१० ३०	११ ५३	१३ २६	१५ २०	१७ ३४	१९ ५७	२२ १७	० ३४	२ ५६	५ १६	७ २०
	१५	३	९ ०१	१० २७	११ ४९	१३ २२	१५ १६	१७ ३०	१९ ५३	२२ १३	० ३०	२ ५२	५ १२	७ १७
	१६	४	८ ५८	१० २३	११ ४५	१३ १८	१५ १२	१७ २६	१९ ४९	२२ ०९	० २६	२ ४८	५ ०८	७ १३
	१७	५	८ ५४	१० १९	११ ४१	१३ १४	१५ ०८	१७ २३	१९ ४५	२२ ०५	० २२	२ ४४	५ ०४	७ ०९
	१८	६	८ ५०	१० १५	११ ३७	१३ १०	१५ ०४	१७ १९	१९ ४१	२२ ०१	० १९	२ ४०	५ ००	७ ०५
	१९	७	८ ४६	१० ११	११ ३३	१३ ०६	१५ ०१	१७ १५	१९ ३७	२१ ५७	० १५	२ ३६	४ ५६	७ ०१
	२०	८	८ ४२	१० ०७	११ २९	१३ ०२	१४ ५७	१७ ११	१९ ३३	२१ ५३	० ११	२ ३२	४ ५२	६ ५७
	२१	९	८ ३८	१० ०३	११ २५	१२ ५८	१४ ५३	१७ ०७	१९ २९	२१ ४९	० ०७	२ २८	४ ४८	६ ५३
	२२	१०	८ ३४	९ ५९	११ २१	१२ ५४	१४ ४९	१७ ०३	१९ २५	२१ ४५	० ०३	२ २४	४ ४४	६ ४९
	२३	११	८ ३०	९ ५५	११ १७	१२ ५०	१४ ४५	१६ ५९	१९ २१	२१ ४१	२३ ५९	२ २०	४ ४१	६ ४५
	२४	१२	८ २६	९ ५१	११ १४	१२ ४६	१४ ४१	१६ ५५	१९ १७	२१ ३७	२३ ५५	२ १६	४ ३७	६ ४१
	२५	१३	८ २२	९ ४७	११ १०	१२ ४२	१४ ३७	१६ ५१	१९ १३	२१ ३३	२३ ५१	२ १३	४ ३३	६ ३७
	२६	१४	८ १८	९ ४३	११ ०६	१२ ३८	१४ ३३	१६ ४७	१९ ०९	२१ २९	२३ ४७	२ ०९	४ २९	६ ३३
	२७	१५	८ १४	९ ३९	११ ०२	१२ ३४	१४ २९	१६ ४३	१९ ०५	२१ २५	२३ ४३	२ ०५	४ २५	६ २९
	२८	१६	८ १०	९ ३५	१० ५८	१२ ३०	१४ २५	१६ ३९	१९ ०२	२१ २२	२३ ३९	२ ०१	४ २१	६ २५
	२९	१७	८ ०६	९ ३१	१० ५४	१२ २७	१४ २१	१६ ३५	१८ ५८	२१ १८	२३ ३५	१ ५७	४ १७	६ २२
	३०	१८	८ ०२	९ २८	१० ५०	१२ २३	१४ १७	१६ ३१	१८ ५४	२१ १४	२३ ३१	१ ५३	४ १३	६ १८
	३१	१९	७ ५९	९ २४	१० ४६	१२ १९	१४ १३	१६ २८	१८ ५०	२१ १०	२३ २७	१ ४९	४ ०९	६ १४
फरवरी	१	२०	७ ५५	९ २०	१० ४२	१२ १५	१४ ०९	१६ २४	१८ ४६	२१ ०६	२३ २३	१ ४५	४ ०५	६ १०
	२	२१	७ ५१	९ १६	१० ३८	१२ ११	१४ ०५	१६ २०	१८ ४२	२१ ०२	२३ २०	१ ४१	४ ०१	६ ०६
	३	२२	७ ४७	९ १२	१० ३४	१२ ०७	१४ ०२	१६ १६	१८ ३८	२० ५८	२३ १६	१ ३७	३ ५७	६ ०२
	४	२३	७ ४३	९ ०८	१० ३०	१२ ०३	१३ ५८	१६ १२	१८ ३४	२० ५४	२३ १२	१ ३३	३ ५३	५ ५८
	५	२४	७ ३९	९ ०४	१० २६	११ ५९	१३ ५४	१६ ०८	१८ ३०	२० ५०	२३ ०८	१ २९	३ ४९	५ ५४
	६	२५	७ ३५	९ ००	१० २२	११ ५५	१३ ५०	१६ ०४	१८ २६	२० ४६	२३ ०४	१ २५	३ ४५	५ ५०
	७	२६	७ ३१	८ ५६	१० १९	११ ५१	१३ ४६	१६ ००	१८ २२	२० ४२	२३ ००	१ २१	३ ४२	५ ४६
	८	२७	७ २७	८ ५२	१० १५	११ ४७	१३ ४२	१५ ५६	१८ १८	२० ३८	२२ ५६	१ १७	३ ३८	५ ४२
	९	२८	७ २३	८ ४८	१० ११	११ ४३	१३ ३८	१५ ५२	१८ १४	२० ३४	२२ ५२	१ १४	३ ३४	५ ३८
	१०	२९	७ १९	८ ४४	१० ०७	११ ३९	१३ ३४	१५ ४८	१८ १०	२० ३०	२२ ४८	१ १०	३ ३०	५ ३४
	११	३०	७ १५	८ ४०	१० ०३	११ ३५	१३ ३०	१५ ४४	१८ ०६	२० २६	२२ ४४	१ ०६	३ २६	५ ३०
	१२	फा.१	७ ११											

दैनिक लग्नसारणी, चण्डीगढ़ (U.T.) में लग्नों का समाप्तिकाल [भा.स्टैं.टा.]

अंग्रेज़ी तारीख		फाल्गुन तिथि	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
			घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
फरवरी	१२	१	८ ३६	९ ५९	११ ३२	१३ २६	१५ ४०	१८ ०३	२० २३	२२ ४०	१ ०२	३ २२	५ २६	७ ०७
	१३	२	८ ३३	९ ५५	११ २८	१३ २२	१५ ३६	१७ ५९	२० १९	२२ ३६	० ५८	३ १८	५ २३	७ ०४
	१४	३	८ २९	९ ५१	११ २४	१३ १८	१५ ३२	१७ ५५	२० १५	२२ ३२	० ५४	३ १४	५ १९	७ ००
	१५	४	८ २५	९ ४७	११ २०	१३ १४	१५ २९	१७ ५१	२० ११	२२ २८	० ५०	३ १०	५ १५	६ ५६
	१६	५	८ २१	९ ४३	११ १६	१३ १०	१५ २५	१७ ४७	२० ०७	२२ २५	० ४६	३ ०६	५ ११	६ ५२
	१७	६	८ १७	९ ३९	११ १२	१३ ०६	१५ २१	१७ ४३	२० ०३	२२ २१	० ४२	३ ०२	५ ०७	६ ४८
	१८	७	८ १३	९ ३५	११ ०८	१३ ०३	१५ १७	१७ ३९	१९ ५९	२२ १७	० ३८	२ ५८	५ ०३	६ ४४
	१९	८	८ ०९	९ ३१	११ ०४	१२ ५९	१५ १३	१७ ३५	१९ ५५	२२ १३	० ३४	२ ५४	४ ५९	६ ४०
	२०	९	८ ०५	९ २७	११ ००	१२ ५५	१५ ०९	१७ ३१	१९ ५१	२२ ०९	० ३०	२ ५०	४ ५५	६ ३६
	२१	१०	८ ०१	९ २३	१० ५६	१२ ५१	१५ ०५	१७ २७	१९ ४७	२२ ०५	० २६	२ ४६	४ ५१	६ ३२
	२२	११	७ ५७	९ २०	१० ५२	१२ ४७	१५ ०१	१७ २३	१९ ४३	२२ ०१	० २२	२ ४३	४ ४७	६ २८
	२३	१२	७ ५३	९ १६	१० ४८	१२ ४३	१४ ५७	१७ १९	१९ ३९	२१ ५७	० १९	२ ३९	४ ४३	६ २४
	२४	१३	७ ४९	९ १२	१० ४४	१२ ३९	१४ ५३	१७ १५	१९ ३५	२१ ५३	० १५	२ ३५	४ ३९	६ २०
	२५	१४	७ ४५	९ ०८	१० ४०	१२ ३५	१४ ४९	१७ ११	१९ ३१	२१ ४९	० ११	२ ३१	४ ३५	६ १६
	२६	१५	७ ४१	९ ०४	१० ३६	१२ ३१	१४ ४५	१७ ०७	१९ २७	२१ ४५	० ०७	२ २७	४ ३१	६ १२
	२७	१६	७ ३७	९ ००	१० ३३	१२ २७	१४ ४१	१७ ०४	१९ २४	२१ ४१	० ०३	२ २३	४ २८	६ ०८
	२८	१७	७ ३४	८ ५६	१० २९	१२ २३	१४ ३७	१७ ००	१९ २०	२१ ३७	२३ ५९	२ १९	४ २४	६ ०५
मार्च	१	१८	७ ३०	८ ५२	१० २५	१२ १९	१४ ३३	१६ ५६	१९ १६	२१ ३३	२३ ५५	२ १५	४ २०	६ ०१
	२	१९	७ २६	८ ४८	१० २१	१२ १५	१४ ३०	१६ ५२	१९ १२	२१ २९	२३ ५१	२ ११	४ १६	५ ५७
	३	२०	७ २२	८ ४४	१० १७	१२ ११	१४ २६	१६ ४८	१९ ०८	२१ २६	२३ ४७	२ ०७	४ १२	५ ५३
	४	२१	७ १८	८ ४०	१० १३	१२ ०८	१४ २२	१६ ४४	१९ ०४	२१ २२	२३ ४३	२ ०३	४ ०८	५ ४९
	५	२२	७ १४	८ ३६	१० ०९	१२ ०४	१४ १८	१६ ४०	१९ ००	२१ १८	२३ ३९	१ ५९	४ ०४	५ ४५
	६	२३	७ १०	८ ३२	१० ०५	१२ ००	१४ १४	१६ ३६	१८ ५६	२१ १४	२३ ३५	१ ५५	४ ००	५ ४१
	७	२४	७ ०६	८ २८	१० ०१	११ ५६	१४ १०	१६ ३२	१८ ५२	२१ १०	२३ ३१	१ ५१	३ ५६	५ ३७
	८	२५	७ ०२	८ २४	९ ५७	११ ५२	१४ ०६	१६ २८	१८ ४८	२१ ०६	२३ २७	१ ४८	३ ५२	५ ३३
	९	२६	६ ५८	८ २१	९ ५३	११ ४८	१४ ०२	१६ २४	१८ ४४	२१ ०२	२३ २३	१ ४४	३ ४८	५ २९
	१०	२७	६ ५४	८ १७	९ ४९	११ ४४	१३ ५८	१६ २०	१८ ४०	२० ५८	२३ २०	१ ४०	३ ४४	५ २५
	११	२८	६ ५०	८ १३	९ ४५	११ ४०	१३ ५४	१६ १६	१८ ३६	२० ५४	२३ १६	१ ३६	३ ४०	५ २१
	१२	२९	६ ४६	८ ०९	९ ४१	११ ३६	१३ ५०	१६ १२	१८ ३२	२० ५०	२३ १२	१ ३२	३ ३६	५ १७
	१३	३०	६ ४२	८ ०५	९ ३८	११ ३२	१३ ४६	१६ ०९	१८ २९	२० ४६	२३ ०८	१ २८	३ ३२	५ १३
	१४	चै.१	६ ३८											

अंग्रेज़ी तारीख		चैत्र तिथि	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
			घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
मार्च	१४	१	८ ०१	९ ३४	११ २८	१३ ४२	१६ ०५	१८ २५	२० ४२	२३ ०४	१ २४	३ २९	५ ०९	६ ३५
	१५	२	७ ५७	९ ३०	११ २४	१३ ३८	१६ ०१	१८ २१	२० ३८	२३ ००	१ २०	३ २५	५ ०६	६ ३१
	१६	३	७ ५३	९ २६	११ २०	१३ ३५	१५ ५७	१८ १७	२० ३४	२२ ५६	१ १६	३ २१	५ ०२	६ २७
	१७	४	७ ४९	९ २२	११ १६	१३ ३१	१५ ५३	१८ १३	२० ३०	२२ ५२	१ १२	३ १७	४ ५८	६ २३
	१८	५	७ ४५	९ १८	११ १२	१३ २७	१५ ४९	१८ ०९	२० २७	२२ ४८	१ ०८	३ १३	४ ५४	६ १९
	१९	६	७ ४१	९ १४	११ ०९	१३ २३	१५ ४५	१८ ०५	२० २३	२२ ४४	१ ०४	३ ०९	४ ५०	६ १५
	२०	७	७ ३७	९ १०	११ ०५	१३ १९	१५ ४१	१८ ०१	२० १९	२२ ४०	१ ००	३ ०५	४ ४६	६ ११
	२१	८	७ ३३	९ ०६	११ ०१	१३ १५	१५ ३७	१७ ५७	२० १५	२२ ३६	० ५६	३ ०१	४ ४२	६ ०७
	२२	९	७ २९	९ ०२	१० ५७	१३ ११	१५ ३३	१७ ५३	२० ११	२२ ३२	० ५२	२ ५७	४ ३८	६ ०३
	२३	१०	७ २५	८ ५८	१० ५३	१३ ०७	१५२९	१७ ४९	२० ०७	२२ २८	० ४९	२ ५३	४ ३४	५ ५९
	२४	११	७ २२	८ ५४	१० ४९	१३ ०३	१५ २५	१७ ४५	२० ०३	२२ २५	० ४५	२ ४९	४ ३०	५ ५५
	२५	१२	७ १८	८ ५०	१० ४५	१२ ५९	१५ २१	१७ ४१	१९ ५९	२२ २१	० ४१	२ ४५	४ २६	५ ५१
	२६	१३	७ १४	८ ४६	१० ४१	१२ ५५	१५ १७	१७ ३७	१९ ५५	२२ १७	० ३७	२ ४१	४ २२	५ ४७
	२७	१४	७ १०	८ ४२	१० ३७	१२ ५१	१५ १३	१७ ३३	१९ ५१	२२ १३	० ३३	२ ३७	४ १८	५ ४३
	२८	१५	७ ०६	८ ३८	१० ३३	१२ ४७	१५ १०	१७ ३०	१९ ४७	२२ ०९	० २९	२ ३३	४ १४	५ ३९
	२९	१६	७ ०२	८ ३५	१० २९	१२ ४३	१५ ०६	१७ २६	१९ ४३	२२ ०५	० २५	२ ३०	४ १०	५ ३६
	३०	१७	६ ५८	८ ३१	१० २५	१२ ३९	१५ ०२	१७ २२	१९ ४०	२२ ०१	० २१	२ २६	४ ०७	५ ३२
	३१	१८	६ ५४	८ २७	१० २१	१२ ३६	१४ ५८	१७ १८	१९ ३६	२१ ५७	० १७	२ २२	४ ०३	५ २८
अप्रैल	१	१९	६ ५०	८ २३	१० १७	१२ ३२	१४ ५४	१७ १४	१९ ३२	२१ ५३	० १३	२ १८	३ ५९	५ २४
	२	२०	६ ४६	८ १९	१० १३	१२ २८	१४ ५०	१७ १०	१९ २८	२१ ४९	० ०९	२ १४	३ ५५	५ २०
	३	२१	६ ४२	८ १५	१० १०	१२ २४	१४ ४६	१७ ०६	१९ २४	२१ ४५	० ०५	२ १०	३ ५१	५ १६
	४	२२	६ ३८	८ ११	१० ०६	१२ २०	१४ ४२	१७ ०२	१९ २०	२१ ४१	० ०१	२ ०६	३ ४७	५ १२
	५	२३	६ ३४	८ ०७	१० ०२	१२ १६	१४ ३८	१६ ५८	१९ १६	२१ ३७	२३ ५७	२ ०२	३ ४३	५ ०८
	६	२४	६ ३०	८ ०३	९ ५८	१२ १२	१४ ३४	१६ ५४	१९ १२	२१ ३३	२३ ५३	१ ५८	३ ३९	५ ०४
	७	२५	६ २७	७ ५९	९ ५४	१२ ०८	१४ ३०	१६ ५०	१९ ०८	२१ २९	२३ ५०	१ ५४	३ ३५	५ ००
	८	२६	६ २३	७ ५५	९ ५०	१२ ०४	१४ २६	१६ ४६	१९ ०४	२१ २६	२३ ४६	१ ५०	३ ३१	४ ५६
	९	२७	६ १९	७ ५१	९ ४६	१२ ००	१४ २२	१६ ४२	१९ ००	२१ २२	२३ ४२	१ ४६	३ २७	४ ५२
	१०	२८	६ १५	७ ४७	९ ४२	११ ५६	१४ १८	१६ ३८	१८ ५६	२१ १८	२३ ३८	१ ४२	३ २३	४ ४८
	११	२९	६ ११	७ ४३	९ ३८	११ ५२	१४ १४	१६ ३४	१८ ५२	२१ १४	२३ ३४	१ ३८	३ १९	४ ४४
	१२	३०	६ ०७	७ ४०	९ ३४	११ ४८	१४ ११	१६ ३१	१८ ४८	२१ १०	२३ ३०	१ ३५	३ १५	४ ४१
	१३	वै.१	६ ०३											

भारत के प्रमुख-प्रमुख नगरों में लग्नों का समाप्तिकाल

इस पंचांग में जो दैनिक लग्नसारणी दी गई है, वह चण्डीगढ़ में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टै.टा.) बतलाती है। इसी लग्नसारणी से नीचे दिए गए कोष्ठक की सहायता से भारत के प्रमुख-प्रमुख नगरों में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टै.टा.) आसानी से इस प्रकार जाना जा सकता है :-दैनिक लग्नसारणी से अपनी अभीष्ट तारीख को चण्डीगढ़ में लग्न का समाप्तिकाल जान लीजिए और उसमें अपने नगर के आगे और लग्न के नीचे इस कोष्ठक में लिखे मिनटों को चिह्न के अनुसार जोड़ने या घटाने से उस नगर में लग्न का समाप्ति काल मालूम हो जाएगा। जैसे-मद्रास में ९ अप्रैल को मिथुन लग्न का समाप्ति काल जानना है। ९ अप्रैल को चण्डीगढ़ में मिथुन का समाप्तिकाल १२ घं. ० मि. है, यह हमने दैनिक लग्नसारणी से ज्ञात किया। नीचे कोष्ठक में मद्रास, के आगे मिथुन के नीचे + १९ मिनट लिखे हैं। + होने से १९ मिनटों को १२ घं. ० मिनट में जोड़ने पर १२ घं. १९ मिनट मद्रास में ९ अप्रैल को मिथुनलग्न का समाप्तिकाल (भा.स्टै.टा.) बन गया।

नगर \ लग्न	मेष मि.	वृष मि.	मिथुन मि.	कर्क मि.	सिंह मि.	कन्या मि.	तुला मि.	वृश्चिक मि.	धनु मि.	मकर मि.	कुंभ मि.	मीन मि.
अजमेर	+१७	+१८	+१७	+१४	+१०	+६	+१	-१	०	+४	+८	+१२
अम्बाला	०	०	०	०	०	०	-१	-१	-१	०	०	०
अमृतसर	+७	+६	+६	+७	+८	+९	+१०	+१०	+१०	+९	+८	+७
अलवर	+७	+८	+७	+५	+२	-२	-५	-६	-६	-३	०	+४
अलीगढ़	+१	+२	+१	-१	-४	-८	-११	-१२	-१२	-९	-६	-२
अहमदाबाद	+३०	+३३	+३१	+२५	+१८	+११	+४	-१	+१	+८	+१५	+२३
आगरा	+१	+३	+२	-१	-४	-८	-११	-१३	-१३	-९	-६	-२
उज्जैन	+१८	+२१	+१९	+१३	+६	-१	-८	-१३	-११	-४	+३	+११
उदयपुर	+२४	+२६	+२५	+२०	+१४	+८	+२	-२	०	+५	+१२	+१८
इन्दौर	+१८	+२२	+२०	+१४	+५	-३	-१०	-१५	-१३	-६	+३	+१०
करनाल	+१	+१	+१	०	०	-१	-२	-२	-२	-१	-१	०
कलकत्ता	-३२	-२८	-३०	-३६	-४५	-५३	-६०	-६५	-६३	-५६	-४७	-४०
कांगड़ा	०	-१	-१	+१	+२	+३	+५	+६	+५	+४	+३	+१
कानपुर	-६	-५	-६	-९	-१३	-१७	-२२	-२४	-२३	-१९	-१५	-११
काशी	-१५	-१३	-१४	-१८	-२४	-२९	-३४	-३७	-३६	-३१	-२५	-२०
कुरुक्षेत्र	+२	+२	+२	+१	+१	०	-१	-१	-१	०	०	+१
कोटा	+१४	+१६	+१५	+११	+५	०	-५	-८	-७	-२	+४	+९
गुड़गांव	+४	+४	+४	+२	०	-२	-४	-५	-५	-३	-१	+१
गुरदासपुर	+३	+२	+२	+४	+५	+६	+८	+९	+८	+७	+६	+४
गोरखपुर	-१८	-१७	-१८	-२१	-२५	-२९	-३४	-३६	-३५	-३१	-२७	-२३
ग्वालियर	+३	+५	+४	०	-४	-९	-१३	-१६	-१५	-११	-६	-२
चम्बा	-१	-२	-१	०	+२	+५	+७	+८	+७	+६	+३	+१
जम्मू	+४	+३	+४	+५	+७	+१०	+१२	+१३	+१२	+११	+८	+६
जयपुर	+११	+१२	+११	+८	+५	+१	-३	-५	-४	०	+३	+७
जालन्धर	+५	+५	+५	+६	+६	+६	+६	+६	+६	+६	+६	+५
जीन्द	+५	+६	+५	+४	+३	+१	०	-१	-१	+१	+२	+४
जैसलमेर	+३१	+३२	+३१	+२८	+२५	+२१	+१७	+१५	+१६	+२०	+२३	+२७
जोधपुर	+२३	+२५	+२४	+२०	+१६	+११	+७	+४	+५	+९	+१४	+१८
झांसी	+३	+५	+४	०	-६	-११	-१६	-१९	-१८	-१३	-७	-२
दिल्ली	+३	+३	+३	+१	-१	-३	-५	-६	-६	-४	-२	०
देहरादून	-५	-५	-५	-५	-५	-५	-६	-६	-६	-५	-५	-५
नागपुर	+८	+११	+१०	+२	-७	-१७	-२६	-३१	-३९	-२०	-११	-२
नाभा	+३	+३	+३	+३	+३	+३	+२	+२	+२	+३	+३	+३

नगर \ लग्न	मेष मि.	वृष मि.	मिथुन मि.	कर्क मि.	सिंह मि.	कन्या मि.	तुला मि.	वृश्चिक मि.	धनु मि.	मकर मि.	कुंभ मि.	मीन मि.
नैनीताल	-८	-७	-८	-९	-१०	-१२	-१३	-१४	-१४	-१२	-११	-९
पटियाला	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+१	+१	+१	+२	+२	+२
पठानकोट	+१	+१	+१	+३	+४	+६	+८	+९	+८	+७	+५	+३
पटना	-२४	-२२	-२३	-२७	-३२	-३८	-४२	-४५	-४४	-३९	-३४	-२९
पुंछ	+४	+३	+४	+७	+१०	+१४	+१८	+२०	+१९	+१५	+१२	+८
प्रयाग	-११	-९	-१०	-१४	-१९	-२४	-२९	-३१	-३१	-२६	-२१	-१६
फरीदकोट	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+८
फिरोजपुर	+९	+९	+९	+९	+९	+९	+९	+९	+९	+९	+९	+९
बम्बई	+३६	+४१	+३८	+२९	+१८	+७	-४	-१०	-८	+३	+१४	+२५
बरेली	-६	-६	-६	-८	-१०	-१२	-१४	-१५	-१५	-१३	-११	-९
बंगलौर	+२६	+३३	+३०	+१७	०	-१६	-३२	-४०	-३७	-२२	-६	+११
बुलन्दशहर	०	०	०	-२	-४	-६	-८	-९	-९	-७	-५	-३
भटिण्डा	+८	+८	+८	+८	+८	+८	+७	+७	+७	+८	+८	+८
भरतपुर	+३	+५	+४	+१	-२	-६	-९	-११	-११	-७	-४	०
भुवनेश्वर	-१८	-१४	-१६	-२४	-३४	-४४	-५४	-५८	-५७	-४८	-३८	-२८
भोपाल	+११	+१४	+१२	+६	-१	-८	-१५	-२०	-१८	-११	-४	+४
मद्रास	+१५	+२२	+१९	+६	-११	-२७	-४३	-५१	-४८	-३३	-१७	०
मथुरा	+३	+४	+३	+१	-२	-६	-९	-१०	-१०	-७	-४	०
मण्डी (हि.प्र.)	-२	-३	-३	-२	-१	०	+२	+२	+२	+१	०	-१
मलेरकोटला	+४	+४	+४	+४	+४	+४	+३	+३	+३	+४	+४	+४
मेरठ	-१	०	-१	-२	-३	-५	-६	-७	-७	-५	-४	-२
रोपड	+१	+१	+१	+१	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+२	+१
रोहतक	+४	+५	+४	+३	+१	०	-२	-३	-३	-१	+१	+२
लखनऊ	-९	-८	-९	-१२	-१५	-१९	-२३	-२५	-२४	-२०	-१७	-१३
लुधियाना	+३	+३	+३	+३	+४	+४	+४	+४	+४	+४	+४	+३
शिमला	-२	-२	-२	-२	-१	-१	-१	-१	-१	-१	-१	-२
श्रीनगर (का.)	+१	०	+१	+४	+७	+११	+१५	+१७	+१६	+१२	+९	+५
सहारनपुर	-१	-१	-१	-२	-२	-३	-४	-४	-४	-३	-३	-२
हरिद्वार	-४	-४	-४	-५	-५	-६	-७	-७	-७	-६	-६	-५
हिसार	+७	+८	+७	+६	+५	+३	+२	+१	+१	+३	+४	+६
हैदराबाद	+१५	+२१	+१८	+८	-५	-१७	-२९	-३५	-३३	-२२	-९	+३
होशियारपुर	+२	+१	+१	+२	+३	+४	+५	+५	+५	+४	+३	+२

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांशादि)

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं.	क.	रेखांश (पूर्व) अं.	क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.	सै.
अकोला (म.)	२०	४२	७७	२	—२१	५२
अगरतल्ला (त्रि.)	२३	४९	९१	१८	+३५	१२
अंकलेश्वर (गु.)	२१	३८	७३	३	—३७	४८
अखनूर (का.)	३२	५४	७४	४५	—३१	०
अजन्ता (म.)	२०	३३	७५	४८	—२६	४८
अजमेर (रा.)	२६	२७	७४	४२	—३१	१२
अनन्तनाग (का.)	३३	४३	७५	१७	—२८	५२
अनामलै (ता.)	१०	३४	७६	५०	—२२	४०
अनूपशहर (उ.प्र.)	२८	२१	७८	१६	—१६	५६
अमरावती (म.)	२०	५६	७७	४८	—१८	४८
अमरेली (ग.)	२१	३६	७१	१५	—४५	०
अमरोहा (उ.प्र.)	२८	५४	७८	३१	—१५	५६
अमृतसर (पं.)	३१	३७	७४	५५	—३०	२०
अमेठी (उ.प्र.)	२६	८	८१	५०	—२	४०
अम्बाला (ह.)	[illegible]	२१	७६	५२	—२२	३२
अयोध्या (उ.प्र.)	२६	४८	८२	१४	—१	४
अरकोणम् (ता.)	१३	५	७९	४३	—११	८
अर्की (हि.प्र.)	३१	९	७६	५८	—२२	८
अल्मोड़ा (उ.प्र.)	२९	३७	७९	४०	—११	२०
अलवर (रा.)	२७	३४	७६	३८	—२३	२८
अलीगढ़ (उ.प्र.)	२७	५४	७८	६	—१७	३६
अहमदनगर (मं.)	१९	५	७४	४८	—३०	४८
अहमदाबाद (गु.)	२३	२	७२	३८	—३९	२८
आगरा (उ.प्र.)	२७	१०	७८	५	—१७	४०
आजमगढ़ (उ.प्र.)	२६	५	८३	१२	+२	४८
आनन्द (गु.)	२२	३२	७६	०	—३८	०
आबू (राज.)	२४	४०	७३	४५	—३९	०
आरा (बि.)	२५	३४	८४	३४	+८	१६
आसनसोल (बं.)	२३	४२	८७	१	+१८	४
इटारसी (म.प्र.)	२२	३७	७७	४५	—१९	०
इटावा (उ.प्र.)	२६	४७	७९	२	—१३	५२
इन्दौर (म.प्र.)	२२	४४	७५	५०	—२६	४०
इम्फाल (मणि.)	२४	४४	९३	५८	—४५	५२
उज्जैन (म.प्र.)	२३	९	७४	४३	—२७	८
उदयपुर (रा.)	२४	३५	७३	४२	—३५	१२
उन्नाव (उ.प्र.)	२६	३४	८०	३०	—८	०
ऊधमपुर (का.)	३२	५५	७५	७	—२९	३२

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं.	क.	रेखांश (पूर्व) अं.	क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.	सै.
ऊना (हि.प्र.)	३१	३२	७६	१८	—२४	४८
एकलिंगजी (राज.)	२४	४३	७३	४६	—३४	५६
एटा (उ.प्र.)	२७	३५	७८	४०	—१५	२०
एर्नाकुलम् (के.)	१०	०	७६	१५	—२५	०
एलिचपुर (म.)	२१	१८	७७	३३	—१९	४८
एलेप्पे (के.)	९	३०	७६	२३	—२४	२८
ऐलोरा (म.)	२०	२	७५	१३	—२९	८
औरंगाबाद (आं.)	१९	५३	७५	२३	—२८	२८
कटक (उ.)	२०	२८	८५	५४	+१३	३६
कटनी (म.प्र.)	२३	५०	८०	२३	—८	२८
कठुआ (का.)	३२	१७	७५	३६	—२७	३६
कण्डाघाट (हि.प्र.)	३०	५७	७७	६	—२१	३६
कन्नौज (उ.प्र.)	२७	३	७९	५८	—१०	८
कपूर्थला (पं.)	३१	२३	७५	२५	—२८	२०
करतारपुर (पं.)	३१	२७	७५	३२	—२७	५२
करनाल (हरि.)	२९	४२	७७	२	—२१	५२
करौली (रा.)	२६	३०	७७	४	—२१	४४
कलकत्ता (बं)	२२	३४	८८	२४	+२३	३६
कसौली (हि.प्र.)	३०	५३	७७	१	—२१	५६
काँगड़ा (हि.प्र.)	३२	५	७६	१८	—२४	४८
कांचीपुरम् (ता.)	१२	५०	७९	४५	—११	०
काठियाबाड़ (गु.)	२२	०	७१	०	—४६	०
कानपुर (उ.प्र.)	२६	२७	८०	२४	—८	२४
कारगिल (का.)	३४	३०	७६	१३	—२५	८
कालका (ह.)	३०	५०	७७	१	—२१	५६
काशी (उ.प्र.)	२५	२०	८३	०	+२	०
किसनगढ़ (राज.)	२७	५३	७०	३७	—४७	३२
कुराली (पं.)	३०	५०	७६	३५	—२३	४०
कुरुक्षेत्र (हरि.)	३०	०	७६	४८	—२२	४८
कुल्लू (हि.प्र.)	३१	५८	७७	६	—२१	३६
कुमारी (अन्तरीप)	८	५	७७	३४	—१९	४४
कुम्भकोणम् (ता.)	१०	५८	७९	२५	—१२	२०
कैथल (ह.)	२९	४८	७६	२६	—२४	१६
कोचीन (के.)	९	५८	७६	१७	—२४	५२
कोटखाई (हि.प्र.)	३१	८	७७	३६	—१९	३६
कोटा (राज.)	२५	१०	७५	५२	—२६	३२
कोडैकनाल (ता.)	१०	१३	७७	३२	—१९	५२

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं.	क.	रेखांश (पूर्व) अं.	क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.	सै.
कोल्हापुर (म.)	१६	४२	७४	१६	—३२	५६
कोहिमा (ना.)	२५	४१	९४	७	+४६	२८
खन्ना (पं.)	३०	४२	७६	१३	—२५	८
खुर्जा (उ.प्र.)	२८	१५	७७	५०	—१८	४०
गया (बिहार)	२४	४९	८५	१	+१०	४
गंगटोक (सि.)	२७	२०	८८	४०	+२४	४०
गढ़शंकर (पं.)	३१	१३	७६	११	—२५	१६
गाजियाबाद (उ.प्र.)	[illegible]	४०	७७	२८	—२०	८
गाजीपुर (उ.प्र.)	२५	३४	८३	३५	+४	२०
गिलगित (का.)	३५	५५	७४	२२	—३२	३२
गुड़गांव (हरि.)	२८	२७	७७	४	—२१	४४
गुरदासपुर (पं.)	३२	२	७५	२७	—२८	१२
गोंड़ा (उ.प्र.)	२७	१०	८१	५७	—२	१२
गोरखपुर (उ.प्र.)	२६	४५	८३	२४	+३	३६
गोहाटी (आसाम)	२६	११	९१	४५	+३७	०
ग्वालियर (म.प्र.)	२६	१४	७८	१०	—१७	२०
चण्डीगढ़ (पं.)	३०	४४	७६	५२	—२२	३२
चन्दौसी (उ.प्र.)	२८	२७	७८	४९	—१४	४४
चम्बा (हि.प्र.)	३२	२९	७६	१०	—२५	२०
चित्तौड़गढ़ (रा.)	२४	५४	७४	४२	—३१	१२
चीरापूंजी (मे.)	२५	१७	९१	४७	+३७	८
चूरू (राज.)	२८	१९	७५	१	—२९	५६
छतरपुर (म. प्र.)	२४	५४	७९	३८	—११	२८
छपरा (बिहार)	२५	४७	८४	४१	+८	४४
जबलपुर (म.प्र.)	२३	१०	७९	५९	—१०	४
जम्मू (का.)	३२	४४	७४	५४	—३०	२४
जयपुर (राज.)	२६	५५	७५	५२	—२६	३४
जलगांव (म.)	२१	५	७५	४०	—२७	२०
जलपाई गुड़ी (बं.)	२६	३२	८८	४६	+२५	४
जामनगर (गुज.)	२२	२७	७०	७	—४९	३२
जालंधर (पं.)	३१	१९	७५	३४	—२७	४०
जालोर (राज.)	२५	२२	७२	३८	—३९	२८
जलोन (उ.प्र.)	२६	८	७९	२३	—१२	२८
जीन्द (हरि.)	२९	१९	७६	२३	—२४	२८
जूनागढ़ (गु.)	२१	३१	७०	३६	—४७	३६
जैसलमेर (राज.)	२६	५५	७०	५७	—४६	१२
जोगिन्दर नगर (हि.प्र.)	३१	५०	७६	४५	—२३	०

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं.	क.	रेखांश (पूर्व) अं.	क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि.	सै.
जोधपुर (राज.)	२६	१८	७३	४	—३७	४४
जौनपुर (उ. प्र.)	२५	४६	८२	४४	+०	५६
ज्वालाजी (हि.प्र.)	३१	५६	७६	२२	—२४	३२
जालना (म.)	१९	५१	७५	५६	—२६	१६
झरिया (बि.)	२३	५०	८६	३३	+१६	१२
झांसी (उ.प्र.)	२५	२७	७८	३७	—१५	३२
झालरापाटन (रा.)	२४	३२	७६	१२	—२५	१२
झालाबाड़ (रा.)	२४	३६	७४	९	—३३	२४
झुंझुनू (रा.)	२८	६	७५	२५	—२८	२०
टाडाउरमुर (पं.)	३१	४०	७५	४१	—२७	१६
टिहरी (उ.प्र.)	३०	२०	७८	२०	—१६	०
टोंक (राज.)	२६	११	७५	५०	—२६	४०
टोडारायसिंह (रा.)	२६	०	७५	२९	—२८	४
ट्रावनकोर (के.)	९	०	७७	०	—२२	०
डगशई (हि.प्र.)	३०	५३	७७	६	—२१	३६
डलहोजी (हि.प्र.)	३२	३२	७५	५९	—२६	४
डिबाई (उ.प्र.)	२८	१२	७८	१५	—१७	०
डिब्रूगढ़ (आ.)	२७	२९	९४	५६	+४९	४४
डीडवाना (राज.)	२७	२४	७४	३४	—३१	४४
डीसा (गु.)	२४	१४	७२	१३	—४१	८
डूंगरपुर (राज.)	२३	५०	७६	४६	—३५	८
तिरुपति (आंध्र.)	१३	४०	७९	२०	—१२	५०
त्रिचनापल्ली (ता.)	१०	५०	७८	४६	—१४	५६
त्रिचुर (के.)	[illegible]	३०	७६	१५	—२५	०
त्रिवेन्द्रम् (के.)	८	३०	७६	५७	—२२	१२
थराड (गु.)	२४	२३	७१	३७	—४३	३२
थानेसर (हरि.)	२९	५८	७६	५६	—२२	१६
दतिया (म.प्र.)	२५	३९	७८	२७	—१६	१२
दमोह (म.प्र.)	२३	५०	७९	२९	—१२	४
दरभंगा (बिहार)	२६	१०	८५	५७	+१३	४८
दसूआ (पं.)	३१	४९	७५	४२	—२७	१२
दार्जिलिंग (बं.)	२७	३	८८	१८	+२३	१२
दिल्ली	२८	३८	७७	१२	—२१	१२
दीनानगर (पं.)	३२	८	७५	३१	—२७	५६
देवबन्द (उ.प्र.)	२९	४२	७७	४३	—१९	८
देवरिया (उ.प्र.)	२३	३३	८३	४५	+५	०
देवास (म.प्र.)	२२	५८	७६	६	—२५	३६

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांशादि)

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.
देव प्रयाग (उ.प्र.)	३० ९	७८ ३७	-१५ ३२
देहरादून (उ.प्र.)	३० १९	७८ ४	-१७ ४४
द्वारिका (गु.)	२२ १४	६९ ७	-५३ ३२
धनबाद (बि.)	२३ ४७	८६ ३०	+१६ ०
धर्मशाला (हि.प्र.)	३२ १६	७६ २३	-२४ २८
धारवाड़ (क.)	१५ २७	७५ ५	-२९ ४०
धौलपुर (रा.)	२६ ४२	७७ ५३	-१८ २८
नडियाद (गु.)	२२ ४१	७२ ५५	-३८ २०
नरैना (रा.)	२३ ५०	७४ ११	-३३ १६
नवलगढ़ (रा.)	२७ ५१	७५ १८	-२८ ४८
नसीराबाद (रा.)	२६ १८	७४ ४६	-३० ५६
नागपुर (म.)	२१ ९	७९ ९	-१३ २४
नागौर (रा.)	२७ ११	७३ ४०	-३५ २०
नाचना (रा.)	२७ २९	७१ ७५	-४३ ०
नाथद्वारा (रा.)	२४ ५६	७६ ५२	-३४ ३२
नान्देड़ (म.)	१९ ९	७७ २७	-२० १२
नाभा (पं.)	३० २५	७६ ९	-२५ ३६
नारनौल (ह.)	२८ २	७६ १४	-२५ ४
नालागढ़ (हि.प्र.)	३१ ३	७६ ४२	-२३ १२
नाहन (हि.प्र.)	३० ३३	७७ २१	-२० ३६
नासिक (म.)	२० २	७३ ५०	-३४ ४०
निम्बहेड़ा (रा.)	२४ ३७	७४ ४५	-३१ ०
नीमच (म.प्र.)	२४ २७	७४ ५२	-३० ३२
नूरपुर (हि.प्र.)	३२ १८	७५ ५६	-२६ १६
नैनवा (रा.)	२५ ४५	७५ ५७	-२६ १२
नैनीताल (उ.प्र.)	२९ २३	७९ ३०	-१२ ०
नोहर (राज.)	२९ ११	७४ ४६	-३० ५६
नौशेरा (का.)	३३ १३	७४ १७	-३२ ५२
पचपदरा (रा.)	२५ ५५	७२ २१	-४० ३६
पंचमढ़ी (म.प्र.)	२२ ३०	७८ २२	-१६ ३२
पचकूला (हरि.)	३० ४६	७६ ५६	-२२ १६
पंजिम (गोआ)	१५ २९	७३ ४९	-३४ ४४
पटना (बि.)	२५ ३७	८५ १३	+१० ५२
पटियाला (पं.)	३० २०	७६ २५	-२४ २०

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.
पटौदी (ह.)	२८ ४८	७६ ४८	-२२ ४८
पठानकोट (पं.)	३२ १७	७५ ४२	-२७ १२
पन्ना (म.प्र.)	२४ ४४	८० १४	-९ ४
पाटन (गु.)	२३ ५३	७२ १०	-४१ २०
पाण्डिचेरी	११ ५६	७९ ५३	-१० २८
पालमपुर (हि.प्र.)	३२ ७	७६ ३२	-२३ ५२
पाली (रा.)	२५ ४६	७३ २५	-३६ २०
पूंछ (का.)	३३ ५१	७४ ८	-३३ २८
पुरनिया (वि.)	२५ ४९	८७ ३१	+२० ४
पुरी (उडी.)	१९ ४८	८५ ५२	+१३ २८
पूना (म.)	१८ ३०	७३ ५६	-३४ २८
पोरबन्दर (गु.)	२१ ३७	६९ ४९	-५० ४४
पोर्टब्लेअर	११ ४०	९२ ४६	+४१ ४
प्रतापगढ़ (उ.प्र.)	२५ ५४	८१ ५९	-२ ४
प्रतापगढ़ (म.प्र.)	२४ २	७४ ४०	-३१ २०
प्रयाग (उ.प्र.)	२५ २८	८१ ५४	-२ २४
फगवाड़ा (पं.)	३१ १४	७५ ४६	-२६ ५६
फतेहाबाद (उ.प्र.)	२७ १	७८ १९	-१६ ४०
फतेहाबाद (ह.)	२९ ३१	७५ ३०	-२८ ०
फरीदकोट (पं.)	३० ४०	७४ ४०	-३१ २०
फरीदबाद (ह.)	२८ २५	७७ २२	-२० ३२
फर्रुखबाद (उ.प्र.)	२७ २४	७९ ३७	-११ ३२
फाजिल्का (पं.)	३० २५	७४ ४	-३३ ४४
फिरोजपुर (पं.)	३० ५५	७४ ४०	-३१ २०
फुलेरा (रा.)	२६ ५२	७५ १६	-२८ ५६
फैजाबद (उ.प्र.)	२६ ४७	८२ १२	-१ १२
बंगलोर (क.)	१२ ५८	७७ ३८	-१९ २८
बटाला (पं.)	३१ ४९	७५ १४	-२९ ४
बदायूं (उ. प्र.)	२८ २	७९ १०	-१३ २०
बड़ोदा (गु.)	२२ १८	७३ १२	-३७ १२
बम्बई (म.)	१९ ०	७२ ५४	-३८ २४
बद्रीनाथ (उ.प्र.)	३० ४४	७९ ३२	-११ ५२
बर्दवान (ब.)	२३ १६	८७ ५२	+२१ २८
बलिया (उ.प्र.)	२५ ४४	८४ ११	+६ ४४

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.
बागलकोट (क.)	१६ १२	७५ ४४	-२७ ४
बाकीपुर (बि.)	२५ ४०	८५ १२	+१० ४८
बांसबाड़ा (रा.)	२३ ३०	७४ २४	-३२ २४
बांदा (उ.प्र.)	२५ ३०	८० २२	-८ ३२
बाराबंकी (उ.प्र.)	२६ ५६	८१ १३	-५ ८
बारामूला (का.)	३४ १०	७४ २०	-३२ ४०
बालासोर (उ.)	२१ ३०	८६ ५४	+१७ ३६
बालोतरा (रा.)	२५ ४९	७२ १५	-४१ ०
बिजनोर (उ.प्र.)	२९ २३	७८ ११	-१७ १६
बिलासपुर (म.प्र.)	२२ ५	८२ १३	-१ ८
बिलासपुर (हि.प्र.)	३१ १९	७६ ५०	-२२ ४०
बीकानेर (रा.)	२८ १	७३ २२	-३६ ३२
बीजापुर (म.)	१६ ५०	७५ ४७	-२६ ५२
बुलन्दशहर (उ.प्र.)	२८ २४	७७ ५४	-१८ २४
बूंदी (रा.)	२५ २७	७५ ४१	-२७ १६
बृन्दावन (उ.प्र.)	२७ ३३	७७ ४४	-१९ ४
बुद्धगया (बि.)	२४ ४२	८४ ५९	+९ ५९
भद्रवाह (का.)	३३ १	७५ ४३	-२७ ८
भटिण्डा (पं.)	३० ११	७५ ०	-३० ०
भरतपुर (रा.)	२७ १५	७७ ३०	-२० ०
भरूच (गु.)	२१ ४८	७३ १	-३७ ५६
भागलपुर (बि.)	२५ १४	८६ ५९	+१७ ५६
भिवानी (ह.)	२८ ४६	७३ १८	-२४ ४८
भीनमाल (रा.)	२५ ०	७२ १९	-४० ४४
भुज (गुज.)	२३ १६	६९ ४४	-५१ ४
भुवनेश्वर (उ.)	२० १५	८५ ५२	+१३ २८
भोपाल (म.प्र.)	२३ १६	७७ २३	-२० २८
मऊ (उ.प्र.)	२५ ५८	८३ ३६	+४ २४
मछलीपट्टण (आ.)	१६ ९	८१ ८	-५ २८
मण्डी (हि.प्र.)	३१ ४३	७६ ५८	-२२ ८
मद्रास (ता.)	१३ ४	८० १७	-८ ५२
मथुरा (उ.प्र.)	२७ २८	७७ ४१	-१९ १६
मन्दसोर (म.प्र.)	२४ ४	७५ ५	-२९ ४०
मंसूरी (उ.प्र.)	३० २७	७८ ६	-१७ ३६

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.
महेसाणा (गु.)	२३ ३५	७२ २७	-४० १२
माछीबाड़ा (पं.)	३० ५५	७६ १५	-२५ ०
महेन्द्रगढ़ (हरि.)	२८ १७	७६ १४	-२५ ४
मण्डवी (गु.)	२२ ५१	६९ ३०	-५२ ०
मारबाड़ जं. (रा.)	२५ ४३	७३ ४०	-३५ २०
मालेगांव (म.)	२० ३०	७४ ४०	-३१ २०
मालेरकोटला (पं.)	३० ३१	७५ ५९	-२६ ४
मिर्जापुर (उ.प्र.)	२५ १०	८२ ३३	-० १२
मीरपुर (का.)	३३ १२	७३ ५१	-३४ ३६
मुगलसराय (उ.प्र.)	२५ १७	८३ ११	+२ ४४
मुंगेर (बि.)	२५ २३	८६ ३०	+१६ ०
मुजफर न. (उ.प्र.)	२९ २८	७७ ४४	-१९ ४
मुजफर पुर (बि.)	२६ ७	८५ २७	+११ ४८
मुरादाबाद (उ.प्र.)	२८ ५१	७८ ४९	-१४ ४४
मेरठ (उ.प्र.)	२९ १	७७ ४५	-१९ ०
मैननुरी (उ.प्र.)	२७ १४	७९ ३	-१३ ४८
मोगा (पं.)	३० ४८	७५ १०	-२९ २०
मोरार (म.प्र.)	२६ १३	७८ १४	-१७ ४
मोरेना (म.प्र.)	२६ २६	७८ ४	-१७ ४४
यवतमाल (म.)	२० २३	७८ ११	-१७ १६
चोल (हि.प्र.)	३२ ११	७६ २३	-२४ २८
रतलाम (म.प्र.)	२३ २०	७५ ७	-२९ ३२
रत्नागिरि (म.)	१७ २	७३ १९	-३६ ४४
राजकोट (गु.)	२२ १८	७० ५०	-४६ ४०
राजमहेन्द्री (आ.)	१७ ५	८१ ४८	-२ ४८
रांची (बि.)	२३ २०	८५ २०	+११ २०
रानीखेत (उ.प्र.)	२९ ४०	७९ ३०	-११ ४८
रापर (गु.)	२३ ३२	७० ४०	-४७ २०
रामपुर बुशहर (हि.प्र.)	३१ २७	७७ ३८	-१९ २८
रायपुर (म.प्र.)	२१ १५	८१ ४१	-३ १६
रायबरेली (उ.प्र.)	२६ १२	८१ १४	-५ ४
रामेश्वरम् (ता.)	९ १७	७९ २२	-१२ ३२
रिवाड़ी (ह.)	२८ १२	७६ ४०	-२३ २०
रीवां (म.प्र.)	२४ ३१	८१ १९	-४ ४४

अक्षांशादि सारणी (भारत के प्रमुख नगरों के अक्षांशादि)

नगर	अक्षांश (उतर) अं. क	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उतर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उतर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.	नगर	अक्षांश (उतर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर मि. सै.
रोपड़ (पं.)	३० ५७	७६ ३०	—२४ ०	श्रीमाधोपुर (रा.)	२७ २५	७५ ३२	—२७ ५२	सिन्दरी (बं.)	२३ [illegible]५	८६ ४२	+ १६ ४८	सोलन (हि.प्र.)	३० ५५	७७ ९	—२१ २४
रोहतक (ह.)	२८ ५४	७६ ३८	—२३ २८	संगरूर (पं.)	३० १२	७५ ५३	—२६ २८	सिरसा (ह.)	२९ ३२	७५ ४	—२९ ४४	हाजारी बाग (बि.)	२३ ५९	८५ २५	+ ११ ४०
लखनऊ (उ.प्र.)	२६ ५५	८० ५९	—६ ४	सतारा (म.)	१७ ४२	७४ २	—३३ ५२	सिरोही (रा.)	२४ ५३	७२ ५४	—३८ २४	हमीरपुर (उ.प्र.)	२५ ५८	८० १२	—९ १२
लाडवा (ह.)	२९ ५९	७७ ५	—२१ ४०	सनावर (पं.)	३० १८	७६ ३०	—२४ ०	सिलीगुड़ी (बं.)	२६ ४२	८८ २५	+२३ ४०	हमीरपुर (हि.प्र.)	३१ ४१	७६ ३१	—२३ ५६
लुधियाना (पं.)	३० ५५	७५ ५४	—२६ २४	सरदार शहर (रा.)	२८ २७	७४ ३२	—३१ ५२	सिवाना (रा.)	२५ ३६	७२ २७	—४० १२	हनुमानगढ़ (राज.)	२[illegible] ३५	७४ २१	—३२ ३६
लेह (का.)	३४ १०	७७ ४०	—१९ २०	सरहिन्द (पं.)	३० ३८	७६ २५	—२४ २०	सिहोरा (म.प्र.)	२३ २९	८० १९	—९ २४	हरदोई (उ.प्र.)	२७ २३	८० १०	—९ २०
लोहारू (ह.)	२८ २६	७५ ४७	—२६ ५२	सवाईमधोपुर (रा.)	२६ ०	७६ ३०	—२४ ०	सिंहभूम (वि.)	२२ २४	८५ ३०	+१२ ००	हरिद्वार (उ.प्र.)	२९ ५८	७५ १३	—१७ ८
बर्धा (म.)	२० ४५	७८ ३९	—१५ २४	ससाराम (बि.)	२४ ५७	८४ ३	+६ १२	सीकर (रा.)	२७ ३६	७५ १२	—२९ १२	हाथरस (उ.प्र.)	२७ ३६	७८ ६	—१७ ३६
विजयवाड़ा (आं.)	१६ ३१	८० ३९	—७ २४	सहारनपुर (उ.प्र.)	२९ ५८	७७ ३३	—१९ ४८	सीतापुर (उ.प्र.)	२७ ३२	८० ४३	—७ ८	हापुड़ (उ.प्र.)	२८ ४३	७७ ५०	—१८ ४०
विशाखापट्टनम् (आं.)	१७ ४२	८३ २०	+ ३ २०	सागर (म.प्र.)	२३ ५०	७८ ४५	—१५ ०	सुन्दर नगर (हि.प्र.)	३१ ३२	७६ ५३	—२२ २८	हांसी (ह.)	२९ ६	७६ ०	—२६ ०
शाहदरा (दिल्ली)	२८ ४०	७७ २०	—२० ४०	सांगली (म.)	१६ ५२	७४ ३६	—३१ ३६	सूरत (गु.)	२१ १२	७२ ५२	—३८ ३२	हिसार (ह.)	२९ १०	७५ ४६	—२६ ५६
शाहावाद (उ.प्र.)	२७ ३०	८० ०	—१० ०	सांगानेर (रा.)	२६ ४९	७५ ४९	—२६ ४४	सूरतगढ़ (रा.)	२९ १९	७३ ५७	—३४ १२	हुबली (क.)	१५ २०	७५ १२	—२९ १२
शिमला (हि.प्र.)	३१ ६	७७ १३	—२१ ८	साम्भर (रा.)	२६ ५४	७५ १३	—२९ ८	सोजत (रा.)	२५ ५६	७३ ४२	—३५ १२	हैदराबाद (आं)	१७ २०	७८ ३०	—१६ ०
शिलांग (मेघा.)	२५ ३४	९१ ५४	+३७ ३६	सिकन्दराबाद (आं.)	२७ २७	७८ ३३	—१५ ४८	सोनहाट (म.प्र.)	२३ २९	८२ ३०	० ०	होशंगाबाद (म.प्र.)	२२ ४६	७७ ४५	—१९ ०
श्रीनगर (का.)	३४ ६	७४ ५१	—३० ३६	सिन्दरी (रा.)	२५ ३३	७१ ५५	—४२ २०	सोमनाथ (गु.)	२१ ४	७० २६	—४८ १६	होशियारपुर (पं.)	३१ ३२	७५ ५७	—२६ १२
												होसुर (ता.)	१२ ४४	७७ ५२	—१८ ३२

राजस्थान के नगरों के अक्षांश, रेखांश एवं स्टैण्डर्ड अन्तर

(स्टैण्डर्ड अन्तर सर्वत्र ऋण है)

अकलेरा	२४ २३	७६ ३६	२३ ३६	ओसिया	२६ ४३	७२ ५५	३८ २०	गंगानगर	२९ ४९	७३ ५०	३४ ४०	जयपुर	२६ ५५	७५ ५२	२६ ३२
अजमेर	२६ २७	७४ ४२	३१ १२	करौली	२६ ३०	७७ १	२१ ५६	गंगापुर (भीलबाड़ा)	२५ १३	७४ १६	३२ ५६	जसरासर	२७ ४५	७३ ५०	३४ ४०
अनूपगढ़	२९ ७	७३ ६	३७ ३६	कांकरोली	२५ ४	७३ ५४	३४ २४	गंगापुर (टोंक)	२६ २९	७६ ४६	२२ ५६	जसवंत पुरा	२४ ४८	७२ ३०	४० ०
अमेट	२५ २०	७३ ५९	३४ ४	कामन	२७ ३९	७७ १६	२० ५६	गिराब	२६ २	७० ३५	४७ ४०	जहाजपुर	२५ ३८	७५ १२	२९ १२
अलवर	२७ ३४	७६ ३८	२३ २८	किशनगढ़	२६ ३४	७४ ५२	३० ३२	गागरिया	२५ ४४	७० ४२	४७ १२	जाएल	२७ १५	७४ १२	३३ १२
अलीगढ़	२५ ५८	७६ ७	२५ ३०	कुशालगढ़	२३ १०	७४ २७	३२ १२	गूढ़ा	२५ १२	७१ ४८	४२ ४८	जालोर	२५ २२	७२ ३८	३९ २८
आबू	२४ ४०	७२ ४५	३९ ०	कूचामन	२७ ९	७४ ५२	३० ३२	घोटारू	२७ १८	७० ४	४९ ४४	जैसलमेर	२६ ५५	७० ५४	४६ २४
आबू रोड़	२४ २९	७२ ४७	३८ ५२	कूरी	२६ ४२	७० ४०	४७ २०	चात्सू	२६ ३६	७५ ५९	२६ ४	जोधपुर	२६ १८	७३ ४	३७ ४४
आमेर	२६ ५९	७५ ५२	२६ ३२	केकड़ी	२५ ५६	७५ १०	२९ २०	चारनवाला	२७ ५३	७२ १०	४१ २०	जोधासर	२८ ७	७३ ५०	३४ ४०
आसपुर	२३ ५८	७४ ३	३३ ४८	कोटरा	२४ २२	७३ १०	३७ २०	चित्तौड़गढ़	२४ ५४	७४ ४०	३१ २०	झालरापाटन	२४ ३३	७६ १०	२५ २०
आहोर	२५ २३	७२ ५२	३८ ३२	कोटा	२५ १०	७५ ५२	२६ ३२	चिरावा	२८ १५	७५ ३८	२७ २८	झालावाड़	२४ ३६	७६ ९	२५ २४
इन्द्रगढ़	२५ ४४	७६ १२	२५ १२	कोलायत	२७ ५०	७२ ५७	३८ १२	चीलो	२७ २२	७३ ३०	३६ ०	झुंझुनु	२८ ६	७५ २५	२८ २०
उतारनी	२६ ६	७१ ५८	४२ ८	खण्डेला	२७ ६	७५ ३२	२७ ५२	चूरू	२८ १९	७५ १	२१ ५६	टोडगढ़	२५ ४२	७४ ०	३४ ०
उदयपुर	२४ ३५	७३ ४१	३५ १६	खुईआला	२७ ६	७० २५	४८ २०	चोगू	२७ ८	७५ ४७	२६ ५२	टोड़ाराय सिंह	२६ ०	७५ २९	२८ ४
एकलिंगजी	२४ ४३	७३ ४६	३४ ५६	खेड़ब्रह्मा	२४ ५	७३ ३	३७ ४८	छबरा	२४ ४०	७६ ५०	२२ ४०	टौंक	२६ ११	७५ ५०	२६ ४०
एरिनपुरा	२५ ९	७३ ६	३७ ३६	खेरबड़ा	२४ ०	७३ ३५	३५ ४०	छोटी साढड़ी	२४ २४	७४ ४२	३१ १२	डीन	२७ २८	७७ २०	२० ४०

राजस्थान के नगरों के अक्षांश, रेखांश एवं स्टैण्डर्डअन्तर

नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर ऋण मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर ऋण मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर ऋण मि. सै.	नगर	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर ऋण मि. सै.
डोड़वाना	२७ २४	७४ ३४	३१ ४४	पीपार रोड़	२६ २७	७३ २७	३६ १२	मकराना	२७ ३	७४ ४३	३१ ८	शाहपुरा(भीलवाड़ा)	२५ ४०	७४ ५०	३० ४०
डूंगरपुर	२३ ५०	७३ ४३	३५ ८	पुनासर	२७ २	७३ २	३७ ५२	मण्डलगढ़	२५ १२	७५ ९	२९ २४	शेओं	२६ ११	७१ १५	४५ ००
डेगाना	२६ ५०	७४ १८	३२ ४८	पुष्कर	२८ ३०	७४ ३३	३१ ४८	महला	२६ ५०	७५ ३०	२८ ०	शेरगढ़ (जोधपुर)	२६ २५	७२ २१	४० ३६
तिजारा	२७ ५५	७६ ५०	२२ ४०	पूगल	२८ ३१	७२ ४७	३८ ५२	महाजन	२८ ४८	७३ ५६	३४ १६	सेरगढ़(झालाबाड़)	२४ ४०	७६ ३२	२३ ५२
थाना कस्बा	२५ १३	७७ २०	२० ४०	प्रसाद	२४ ११	७३ ४२	३५ १२	मांगरोल	२५ २०	७६ ३०	२४ ०	श्री गंगानगर	२९ ४९	७३ ५०	३४ ४०
थाना गाजी	२७ २५	७६ १९	२४ ४४	फतेहपुर	२८ ०	७५ ०	३० ०	मारवाड़ जंक्शन	२५ ४३	७३ ४५	३५ ०	श्री डूगरगढ़	२८ ६	७४ १	३३ ५६
दान्ता	२४ १२	७२ ४७	३८ ५२	फलौदी	२७ ९	७२ २२	४० ३२	माल्पुरा	२६ १८	७५ २५	२८ २०	श्री माधोपुर	२७ २५	७५ ३२	२७ ५२
देओरा	२६ ३०	७० ४२	४७ १२	फुलेरा	२६ ५२	७५ १६	२८ ५६	मावली	२४ ४७	७३ ५८	३४ ८	श्री मोहनगढ़	२७ १७	७१ १२	४५ १२
देचू	२६ ४७	७२ २०	४० ४०	बड़ी सादड़ी	२४ २५	७४ २८	३२ ८	मेड़ता	२६ ३९	७४ ६	३३ ६	सम	२६ ५०	७० ३१	४७ ५६
देवलिया	२४ ३	७४ ४३	३१ ८	पोखरन	२६ ५५	७१ ५५	४२ २०	मेड़ता रोड़	२६ ४३	७३ ५५	३४ २०	समदरी	२५ ४९	७२ ३५	३९ ४०
देवली	२५ ४६	७५ २५	३८ २०	बनस्थली	२६ २३	७५ ५०	२६ ४०	मियालजर	२६ १८	७० २२	४८ ३२	सरदार शहर	२८ २७	७४ ३०	३२ ००
देवीकोट	२६ ४२	७१ १२	४५ १२	बयाना	२६ ५४	७७ १७	२० ५२	मुकन्दवाड़ा	२४ ४९	७५ ५९	२६ ४	सरवार	२६ २	७४ ५५	३० २०
देशनोक	२७ ४८	७३ २१	३६ ३६	बान्दनवाड़ा	२६ ०	७४ ४२	३१ १२	मुनबाओ	२५ ४३	७० १५	४९ ०	सरूप सर	२९ २२	७३ ३७	३५ ३२
देसुरी	२५ २०	७३ ३७	३५ ३२	बस्वा	२७ ६	७६ ३२	२३ ५२	मोदरी	२४ २५	७३ २५	३६ २०	सवाई माधोपुर	२५ ५८	७६ २५	२४ २०
धौलपुर	२६ ४२	७७ ५३	१८ २८	बान्दी कुई	२७ ३	७६ ३५	२३ ४४	मोहनगढ़	२७ १७	७१ १८	४४ ४८	सहारा	२५ १५	७४ १६	३२ ५६
नैरना	२६ ५०	७४ ११	३३ १६	बाड़मेर	२५ ४५	७१ २५	४४ २०	रतनगढ़	२८ ५	७४ ३९	३१ २४	सागवाड़ा	२३ ४१	७४ १	३३ ५६
नवलगढ़	२७ ५१	७५ १८	२८ ४८	बाड़ी	२६ ३९	७७ ३६	१९ ३६	राजगढ़	२८ ३९	७५ २६	२८ १६	सांगानेर	२६ ४९	७५ ४९	२६ ४४
नसीराबाद	२६ १८	७४ ४६	३० ५६	बाप	२७ २२	७२ २२	४० ३२	रानीवाड़ा	२४ ४५	७२ १३	४१ ८	सांगोढ़	२४ ५५	७६ २१	२४ ३६
नागौर	२७ ११	७३ ४४	३५ ४	बारन	२५ ६	७६ ३०	२४ ०	रामगढ़ (जयपुर)	२७ १५	७५ १०	२९ २०	सांचोर	२४ ४०	७१ ५०	४२ ४०
नाचना	२६ २९	७१ ४५	४३ १०	बांसवाड़ा	२३ ३०	७४ २४	३२ २४	रामगढ़(जैसलमेर)	२७ २०	७० ३०	४८ ०	साम्भर	२६ ५४	७५ १०	२९ २०
नाथद्वारा	२४ ५६	७३ ५०	३४ ४०	बाली	२५ ५०	७४ ५	३३ ४०	रामदेवरा	२७ ०	७१ ५२	४२ ३४	सादूलपुर	२८ ३८	७५ २४	२८ २४
निम्बेहड़ा	२४ ३७	७४ ४५	३१ ०	बालोतरा	२५ ४९	७२ १४	४१ ४	रायसिंह नगर	२९ ३२	७३ २७	३६ १२	सिन्दरी	२५ ३३	७१ ५५	४२ २०
नीम का थाना	२७ ४४	७५ ४८	२६ ४८	बिरसलपुर	२८ १०	७२ १५	४१ ०	रिखभदेव	२४ ४	७३ ४०	३५ २०	सिरमुटरा	२६ ३१	७७ २२	२० ३२
नोखा	२७ ३५	७३ २९	३६ ४	बिलारा	२६ १०	७३ ४२	३५ १२	रींगस	२७ २१	७५ ३४	२७ ४४	सिरोही	२४ ५३	७२ ५४	३८ २४
नैनवा	२५ ४५	७५ ५७	२६ १२	बीकानेर	२८ १	७३ २०	३६ ४०	रूपनगर	२६ ४८	७४ ५४	३० २४	सिवाना	२५ ३६	७२ २७	४० १२
नोहर	२९ ११	७४ ४६	३० ५६	बूंदी	२५ २७	७५ ४०	२७ २०	रेनी	२८ ४१	७५ ५	२९ ४०	सीकर	२७ ३६	७५ ९	२९ २४
पचपदरा	२५ ५५	७२ २१	४० ३६	ब्यावर	२६ ६	७४ २०	३२ ४०	लछमनगढ़	२७ ४५	७५ ४	२९ ४४	सुजानगढ़	२७ ४२	७४ ३०	३२ ००
परतापगढ़	२४ २	७४ ४७	३० ५२	भरतपुर	२७ १५	७७ ३०	२० ०	लाठी	२७ ३	७१ ३०	४४ ००	सूरतगढ़	२९ १९	७३ ५७	३४ १२
पर्वतसर	२६ ५२	७४ ४७	३० ५२	भवारी	२५ ४३	७२ ५२	३८ ३२	लाडंनू	२७ ३९	७५ २३	३२ २८	सोजत	२५ ५६	७३ ४२	३५ १२
पल्लू	२८ ५६	७४ १३	३३ ८	भंवरगढ़	२५ ६	७६ ५०	२२ ४०	लालसोत	२६ ३४	७६ २३	२४ २८	हनुमानगढ़	२९ ३५	७४ २१	३२ ३६
पाली	२५ ४६	७३ २०	३६ ४०	भाद्रा	२९ १५	७५ २०	२८ ४०	लूनी	२६ ०	७२ ५२	३८ ३२	हिन्दौन	२६ ४३	७७ १	२१ ५६
पिपिलोदा	२३ ३५	७४ ५०	३० ४०	भीनमाल	२५ ०	७२ १९	४० ४४	लोहारिया	२३ ४८	७४ १५	३३ ००				
पिरावा	२४ १३	७६ ३	२५ ४८	भीम	२५ ३९	७४ ९	३३ २४	शाहगढ़	२७ ८	६९ ५७	५० १२				
पिलानी	२८ २३	७५ ३५	२७ ४०	भीलवाड़ा	२५ २१	७४ ४०	३१ २०	शाहपुरा (जयपुर)	२७ २३	७५ ५८	२६ ८				

दुनिया के कुछ देशों के स्टैं. टा. का भारतीय स्टैं. टा. से अन्तर

देश या प्रदेश के आगे लिखे घं.मि. को उस देश या प्रदेश के स्टैं. टा. में धन (+) ऋण (-) चिह्न के विपरीत घटाने या जोड़ने से उस समय का भा. स्टैं. टा. ज्ञात हो जाएगा।

देश तथा प्रदेश	देश या प्रदेश के स्टैं. टा. का भा. स्टैं. टा. से अन्तर (घं. मि.)
अदन	-२। ३०
अफगानिस्तान	-१। ००
अर्जेण्टाइना	-८। ३०
आस्ट्रेलिया	
कैपिटल टैरिटरी, विक्टोरिया, न्यू साऊथ वेल्स, क्वीन्स लैण्ड, तस्मानिया	+४। ३०
साऊथ आस्ट्रेलिया, नार्दन टैरिटरी, ब्रोकन हिल एरिया	+४। ०
प.आस्ट्रेलिया	+२। ३०
ऑस्ट्रिया	-४। ३०
बेल्जियम	-४। ३०
बर्मा	+१। ०
कनाडा	
न्यू फाउण्ड लैण्ड	-९। ०*
एटलांटिक टाईम(A.T)	-९। ३०*
ईस्टर्न टाईम(E.T)	-१०। ३०*
सैन्ट्रल टाईम(C.T)	-११। ३०*
माउण्टेन टाईम(M.T)	-१२। ३०*
पैसिफिक टाईम(P.T)	-१३। ३०*
सिलोन	०। ०
चीन	+२। ३०
कोलम्बिया	-१०। ३०
क्युबा	-१०। ३०*
चेकोस्लावाकिया	-४। ३०*
डेन्मार्क	-४। ३०
इजिप्ट (मिस्र)	-३। ३०*
इथोपिया	-२। ३०
फिन्लैण्ड	-३। ३०
फ्रांस	-४। ३०
जर्मनी	-४। ३०
घाना	-५। ३०
ग्रीस	-३। ३०
हांककांग	+२। ३०
हंगरी	-४। ३०
इन्डोनेशिया	
सुमात्रा,जावा,बाली, बांगका,बिलीटान	+१। ३०
बोर्नियो, सेलीबिस, टिमोर, फ्लोर्स	+२। ३०
आरु, केई,टनिमबर, मोलुक्स,प०इरियन	+३। ३०
ईरान(पर्सिया)	-२। ०
ईराक	-२। ३०
आयरलैण्ड (उ.)	-५। ३०*
इजरायल	-३। ३०
इटली, सिसली	-४। ३०*
जापान	+३। ३०
जार्डन	-३। ३०
केन्या	-२। ३०
कोरिया	+३। ३०
कुवैत	-२। ३०
मलेशिया गणतन्त्र	
मलाया	+२। ०
सरवक	+२। ३०
मारिशस	-१। ३०
मैक्सिको	
सैन्ट्रल टाईम(C.T)	-११। ३०
माउण्टेन टाईम(M.T)	-१२। ३०
पेसिफिक टाईम(P.T)	-१३। ३०
नीदरलैण्ड्स(हालैण्ड)	-४। ३०
न्यूजीलैण्ड	+६। ३०
पाकिस्तान	-०। ३०
बंगला देश	+०। ३०
फिलिपाइन गणतन्त्र	+२। ३०
पोलैण्ड	-४। ३०*
पुर्त्तगाल	-४। ३०
रोडेशिया,न्यासालैण्ड	-३। ३०
रोमानिया	-३। ३०
सऊदी अरब	
जेद्दा	-२। ३०
धहरान, कतर	-१। ३०
सिंगापुर	+२। ०
सोमाली लैण्ड,सोमालिया	-२। ३०
साउथ अफ्रीकन गणतन्त्र	-३। ३०
स्पेन	-४। ३०
सूडान	-३। ३०
स्वीडन	-४। ३०
स्विट्जरलैण्ड	-४। ३०
सीरिया	-३। ३०*
थाईलैण्ड (स्याम)	+१। ३०
टर्की	-३। ३०*
युगांडा	-२। ३०
इंगलैण्ड	-५। ३०*
अमेरिका(U.S.A)	
ईस्टर्न टाईम(E.T)	१०। ३०*
सैण्ट्रल टाईम(C.T)	-११। ३०*
अमेरिका	
माउण्टेन टाईम(M.T)	-१२। ३०*
पेसिफिक टाईम(P.T)	-१३। ३०*
रूस(U.S.S.R)	
मास्को	-२। ३०
'ब्लैक सी, से कैस्पियन सी तक'	-१। ३०
स्वेर्दलोवस्क, प. कजक	-०। ३०
ओमस्क,पू. कजक	+०। ३०
क्रस्नोयार्स्क न्यू साईबेरिया	+१। ३०
इर्कुत्स्क	+२। ३०
याकुत्स्क,चितिन्स्क, द. सकलिन	+३। ३०
खबरोव्स्क, ब्लादिवोस्तक, उ. सखलिन	+४। ३०
मगदन	+५। ३०
पेत्रोपव्लोव्स्क	+६। ३०
वियतनाम	
उत्तरी	+१। ३०
दक्षिणी	+२। ३०
वेनेजुएला	-९। ३०
युगोस्लाविया	-४। ३०
नेपाल	+०। १५
भूटान	०। ०

*इन स्थलों पर Summer Time (ग्रीष्मकाल समय) प्रचलित है। ग्रीष्मकालीन समय स्टैं.टा. से एक घण्टा आगे रहता है।
जिन देशों में Summer Time प्रचलित है वहाँ गर्मी के दिनों में घड़ियां एक घण्टा आगे कर दी जाती हैं। इसी एक घण्टा आगे किए हुए टाईम को Summer Time कहा जाता है।

प्राचीन पद्धति द्वारा लग्न एवं दशम का साधन

जन्मपत्री एवं वर्षफल आदि की गणित में शुद्ध लग्न का साधन सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण एवं श्रमसाध्य विषय है। इसके लिए ज्योतिषी को स्थानीय-काल का ज्ञान होना चाहिए, नगरों के अक्षांश-रेखाओं की प्रामाणिक सूची भी उसके पास होनी चाहिए, किंच भिन्न-भिन्न अक्षांशों की लग्न सारणियां उसके पास होना नितान्त आवश्यक है,क्योंकि किसी स्थान पर लग्न स्पष्ट करने के लिए उस स्थान के अक्षांश की लग्न सारणी का ही प्रयोग होता है। आगे हमने साम्पातिक काल द्वारा लग्न एवं दशम लग्न स्पष्ट करने की नवीन विधि दी है। यह विधि अपेक्षाकृत अधिक सूक्ष्म और सुविधाजनक है। इस विधि में अभीष्ट नगर का सूर्योदय, सूर्योदयात् इष्ट काल, दिनमान और इष्ट कालिक सूर्य की जरूरत नहीं होती, जबकि प्राचीन विधि में इन सबकी जरूरत रहती है। यहां हम लग्न एवं दशम साधन की प्राचीन विधि दे रहे हैं।

लग्न-साधन विधि

जिस नगर में लग्न स्पष्ट करना है, उस नगर में उस दिन का सूक्ष्म सूर्योदय काल ज्ञात कीजिए। सूर्योदय काल से अभीष्ट समय का सूर्योदयात् इष्ट (घ.प.) बना लीजिए और इष्ट कालिक सूर्य स्पष्ट कर लीजिए। इस पंचाग में दी गई ''अक्षांशादि सारणी'' से अपने अभीष्ट नगर का अक्षांश ज्ञात कीजिए। अभीष्ट नगर के अक्षांश वाली लग्न सारणी द्वारा इस प्रकार लग्न स्पष्ट कीजिए:-

आगे २९,३०, ३१ अक्षांशों की तीन लग्न सारणियां दी गई हैं जो दिल्ली, पंजाब तथा हरियाणा के लगभग सभी नगरों के लिए पर्याप्त हैं। अपने अभीष्ट नगर के अक्षांश वाली लग्न सारणी में इष्ट कालिक स्पष्ट सूर्य की राशि के आगे और अंश के नीचे लिखे घड़ी, पलों को लेकर अलग लिख लीजिए। सारणी में इन घड़ी पलों के दाईं ओर अगले अंश के नीचे जो घड़ी - पल दिए गए हैं, उनसे इन अलग लिखे गए घड़ी, पलों का अन्तर जानिये। अन्तर के इन पलों को ''सहायक सारणी'' (जो आगे दी गई है) के बाईं ओर पहले कालम में देखिये। इसके आगे इस सारणी में जहां स्पष्ट सूर्य की कला-विकलाओं के बराबर या लगभग बराबर कला-विकलाएं लिखी हों उनके बिल्कुल ऊपर सारणी की पहली लाईन में जो पल लिखे हों उन्हे लेकर अलग लिखे हुए घड़ी, पलों में जोड़ दीजिए और उसमें इष्ट काल के घड़ी पल भी जोड़ दीजिए। इसे हम ''अभीष्ट घड़ी पल'' कहेंगे ''अभीष्ट घड़ी पल '' यदि ६० घड़ी से अधिक हों तो उनमें से ६० घड़ी घटाकर शेष ग्रहण करना चाहिए। ''अभीष्ट घड़ी पलों'' के बराबर (बराबर न मिले तो उनसे कुछ कम) घड़ी पल लग्न सारणी में ढूढ़िये, जिन्हे **''सारणीस्थ घड़ी पल''** कहा जाएगा। ''सारणीस्थ घड़ी पलों'' के बाईं ओर लग्न सारणी के पहले कालम में लिखी राशि और सबसे ऊपर लिखे अंशों को अलग लिख लीजिए। ''सारणीस्थ घड़ी पलों'' के दाईं ओर सारणी के अगले अंश के नीचे दिये गए घड़ी पलों का ''सारणीस्थ घड़ी पलों'' से अन्तर कीजिए। इसे ''सारणीस्थ अन्तर'' कहेंगे। ''सारणीस्थ घड़ी पलों'' और ''अभीष्ट घड़ी पलों'' का भी अन्तर कीजिए। अन्तर के ये पल ''सहायक सारणी'' के बिल्कुल ऊपर वाली लाईन में जहाँ लिखें हैं, उसके नीचे ''सारणीस्थ अन्तर'' के बराबर पलों के आगे जो कला-विकला मिलें, उन्हें अलग लिखे राशि अंशों मे जोड़ दें। अब इसमें आगे दी गई ''अयनाँश संस्कार सारणी'' से अपने संवत् के आगे दी गई कलाओं को लेकर चिह्न के अनुसार जोड़ने या घटाने पर निरयण लग्न स्पष्ट हो जाएगा।

उदाहरण- मान लीजिए- वि. स. २०२९ के वैशाख प्रविष्टे ३ को ५८ घ. ४५ प. इष्ट पर शिमला (हि.प्र.) में लग्न स्पष्ट करना है। इस समय स्पष्ट सूर्य ० रा., २ अंश ३७ क. ४७ वि. है। शिमला के अक्षांश ३१ अंश ६क. (उत्तर) हैं, अत: ३१ अक्षांश वाली लग्न सारणी में स्पष्ट सूर्य की ० (मेष) राशि के आगे २ अंश के नीचे २ घ. ५५ प. हैं, इन्हे अलग लिखा। सारणी में २ घ. ५५ प. के दाईं ओर ३ अंश के नीचे ३ घ. २ प. लिखे हैं। इनका २ घ. ५५ पल. से अन्तर ७ पल है। ''सहायक सारणी'' के बाईं ओर पहले कालम में लिखे हुए ७ पल के आगे वाली पंक्ति में स्पष्ट सूर्य की ३७ क. ४७ वि. नहीं मिली। अतः सारणी में इनके लगभग बराबर ३४ क. १७ वि. देखें जिनके बिल्कुल ऊपर ४ प. लिखें हैं। इन्हे अलग लिखे २ घ. ५५ प. में जोड़ा और इष्ट काल के घ. प. भी इसमें जोड़े तो ६१ घ. ४४ प. (६० घड़ी घटाने पर १ घ. ४४ प.) 'अभीष्ट घड़ी पलं' हुए। लग्न सारणी में 'अभीष्ट घड़ी पल' १घ. ४४ प. नहीं हैं, अतः इससे कुछ कम १ घ. ४० पल सारणी में देखें जो ''सारणीस्थ घड़ी पल'' हैं। इनके बाईं ओर सारणी के पहले कालम में ११ राशि और बिल्कुल ऊपर की लाईन में २१ अंश लिखें है। इन ११ रा. २१ अं. को अलग लिखा। लग्न सारणी में ''सारणीस्थ घड़ी पलों'' (१ घ. ४० प.) के दाईं ओर २२ अंश के नीचे १ घ. ४६ प. का १ घ. ४० पल. से अन्तर ६ प. सारणीस्थ अन्तर है। ''अभीष्ट घड़ी पल'' (१ घ. ४४ प.) और सारणीस्थ घड़ी पल (१ घ. ४४ प.) का अन्तर ४ पल है। सहायक सारणी की ऊपर वाली लाइन में लिखे गए ४ पल के नीचे सारणीस्थ अन्तर के बराबर ६ प. के आगे ४० क. ० वि. लिखा है। इन्हे ११ रा. २१ अं. में जोड़ने पर ११ रा. और २१ अ. ४०क. ० वि. हुआ। ''अयनांश संस्कार सारणी '' में वि. सं. २०२९ के आगे + १ कला लिखा है। इसे चिह्नानुसार ११ रा. २१ अं. ४० क. ० वि. में जोड़ने पर ११ रा. २१ अं. ४१ क. ० वि. निरयण लग्न स्पष्ट हुआ।

दशम लग्न साधन

आगे साम्पातिक काल द्वारा दशम लग्न साधन की सरल पद्धति दी है, जिससे अभीष्ट स्थल का सूर्योदय, दिनमान तथा तात्कालिक सूर्य स्पष्ट जानने की आवश्यकता नहीं होती है। प्राचीन पद्धति से, जिसका निर्देश यहां किया जा रहा है, इन सबकी आवश्यकता रहती है।

दशम साधन विधि-इष्ट काल के घ .प. में से दिनार्ध (अभीष्ट नगर के दिनमान का आधा) घटाएं। यदि दिनार्ध से इष्ट कम हो तो इष्ट में ६० घड़ी जोड़कर दिनार्ध घटाएं, जो शेष बचे वह नतकाल होगा। नतकाल के घ. प. को इष्ट के घ. प. समझकर तात्कालिक स्पष्ट सूर्य द्वारा दशम लग्न सारणी से ठीक उसी तरह दशम लग्न स्पष्ट कीजिए, जैसे कि ऊपर लग्न सारणी से लग्न स्पष्ट किया गया है। दशम लग्न सारणी सभी नगरों के लिए एक ही होती है।

सारणी (अक्षांश २९° उत्तर) (पलभा ६।३९।६)

दिल्ली, मेरठ, रोहतक, हिसार, जींद, नैनीताल, मुरादाबाद आदि के लिए।

अंश→	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
० प.	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	२	११	१९	२७	३५	४४	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	५८	६	१५	२३	३१	३९	४८
वृष घ.	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
१ प.	४८	५६	४	१२	२१	२९	३७	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७
मि. घ.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
२ प.	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४८	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११
क. घ.	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
३ प.	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०
सिं. घ.	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प.	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१६	२७	३८	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४४
क. घ.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५ प.	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२६	३८	४९	१	१२	२३	३५	४६	५८	९	२०	३२	४३	५५	६	१७	२९	४०	५२	३	१४	२६
तु. घ.	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
६ प.	२६	३७	४९	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२१	३२	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१६	२७	३९	५१	२	१४
वृ. घ.	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५
७ प.	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९
धनु घ.	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
८ प.	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११
म. घ.	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
९ प.	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२२	३०	३८	४६	५५	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२६	३४	४२	५०	५९	७	१५	२३	३२
कु. घ.	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
१० प.	३२	४०	४८	५६	५	१३	२१	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	६	१४
मी. घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ प.	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	४	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	१	८	१५	२२	२९	३६	४३	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४८

लग्न सारणी ३०° उत्तर (पलभा ६।५५।४२)

अम्बाला, करनाल, कुरुक्षेत्र, देहरादून, नाभा, पटियाला, भटिण्डा, जैसलमेर, अल्मोड़ा, सहारनपुर और हरिद्वार आदि के लिए

अंश→	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ.	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
० प.	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३२	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	४०
वृष घ.	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
१ प.	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६
मि. घ.	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
२ प.	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२
क. घ.	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३ प.	२	१३	२५	३६	४८	५९	११	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	९	२०	३२	४४	५६	८	१९	३१	४३	५५	७	१८	३०	४२	५४
सिं. घ.	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प.	५४	६	१७	२९	४१	५३	५	१६	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५६	८	१९	३१	४३
क. घ.	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५ प.	४३	५४	६	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	३०
तु. घ.	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
६ प.	३०	४१	५३	४	१६	२७	३९	५०	२	१४	२६	३८	४९	१	१३	२५	३७	४८	०	१२	२४	३६	४७	५९	११	२३	३५	४६	५८	१०	२२
वृ. घ.	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६
७ प.	२२	३४	४५	५७	९	२१	३३	४४	५६	८	१९	३१	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१४	२६	३७	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०
धनु घ.	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
८ प.	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०
म. घ.	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
९ प.	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३८
कु. घ.	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९
१० प.	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	८	१५
मी. घ.	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ प.	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	३	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३७	४४

लग्न सारणी (अक्षांश ३१ उत्तर) (पलभा ७।१२।३७)

कपूरथला, चण्डीगढ़ , जालंधर, फरीदकांट, फिरोजपुर, रोपड़, लुधियाना, शिमला आदि के लिए

अंश →	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
० प	४१	४८	५५	२	९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३०	३८	४७	५५	३	११	१९	२७	३५
वृष घ	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
१ प	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१
मि. घ	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
२ प	२१	३१	४१	५१	१	१०	२०	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५१	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६
क. घ	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
३ प	५६	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५३	५	१७	२९	४०	५२	४	१६	२८	४०	५२	४	१५	२७	३९	५१	३	१५	२७	३८	५०
सिं. घ	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
४ प	५०	२	१४	२६	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२
क. घ	२८	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
५ प	४२	५३	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	१२	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३३	४५	५७	८	२०	३२
तु. घ	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
६ प	३२	४३	५५	७	१८	३०	४२	५३	५	१७	२९	४१	५३	५	१६	२८	४०	५२	४	१६	२८	४०	५१	३	१५	२७	३९	५१	३	१४	२६
वृ. घ	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
७ प	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	४९	१	१३	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१८	२९	४१	५२	४	१५
धनु घ	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
८ प	१५	२७	३९	५०	२	१३	२५	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६
म. घ	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५
९ प	२६	३६	४६	५६	६	१५	२५	३५	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५३	१	९	१७	२५	३३	४१
कु. घ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९	५९
१० प	४१	४९	५७	५	१३	२१	२९	३७	४४	५१	५८	५	१२	१९	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२०	२७	३४	४१	४८	५५	२	८	१५
मी. घ	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
११ प	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५१	५८	५	१२	१९	२६	३३	४०	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३४	४१

दशम लग्न सारणी (सर्वत्र उपयोगी)

अंश →	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
मेष घ	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८
० प	३८	४७	५६	६	१५	२४	३३	४३	५३	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२
वृष घ	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३
१ प	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९
मि. घ	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९
२ प	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	१	१२
क. घ	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४
३ प	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	३६	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७
सिं. घ	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८	२९
४ प	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४०	५०	५९	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०
क. घ	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३
५ प	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	०	९	१९	२८	३७	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५१	१	१०	१९	२८	३८
तु. घ	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८
६ प	३८	४७	५६	६	१५	२४	३३	४३	५३	३	१३	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२
वृ. घ	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३
७ प	३२	४२	५२	२	१२	२२	३२	४२	५२	३	१४	२४	३५	४६	५७	८	१९	२९	४०	५१	२	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४९
धनु घ	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९
८ प	४९	०	११	२२	३२	४३	५४	५	१५	२६	३७	४८	५८	९	२०	३१	४२	५२	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०	५१	१	१२
म. घ	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४
९ प	१२	२३	३४	४५	५५	६	१७	२८	३८	४८	५८	७	१७	२७	२७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७
कु. घ	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९
१० प	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५४	४	१३	२२	३१	४१	५०	५९	९	१८	२७	३६	४६	५५	४	१३	२३	३२	४१	५०	०
मी. घ	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	३	३	३	३	३
११ प	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१४	२३	३२	४२	५१	०	९	१९	२८	३७	४७	५६	५	१४	२४	३३	४२	५१	१	१०	१९	२८	३८

दशमलग्न साधन का उदाहरण:- वि.सं. २०२९ के वैशाख प्रविष्टे ३ को शिमला में ५८ घ. ४५ प. इष्ट पर दशमलग्न स्पष्ट करना है। इस समय स्पष्ट सूर्य ० रा. २ अं.३७ क. ४७ वि. है। इस दिन शिमला में दिनमान ३१ घ. ५९ प. हैं अत: दिनार्ध १६ घ. ० प. हुआ। इष्ट काल ५८ घ. ४५ प. में से दिनार्ध घटाने पर ४२ घ. ४५ प. नतकाल हुआ, जो दशमसाधन के लिए इष्टकाल है।

दशमलग्न सारणी में स्पष्ट सूर्य की ० राशि के आगे २ अंश के नीचे ३ घ. ५६ प. मिला। इसे पृथक् लिखा। सारिणी में ३ घ. ५६ प. के दाईं ओर (३ अं. के नीचे) ४ घ. ६ प. लिखा है। ३।५६ और ४।६ का अन्तर १० पल है। सहायक सारिणी में १० पल के आगे स्पष्ट सूर्य की ३७ क. ४७ वि. के लगभग बराबर ३६ क.० वि. है। इसके ऊपर सारिणी में ६ पल लिखा है। इन ६ पलों को अलग लिखे ३ घ. ५६ प. में जोड़कर इसमें नतकाल जोड़ा तो ४६ घ. ४७ प.'अभीष्ट घड़ी-पल' हुए । "दशमलग्न सारणी" में इन " अभीष्ट घड़ी पलों " से कुछ कम घ.प. ४६।४२'सारणीस्थ घ.पल'. धनु (८)राशि के आगे १६ अंश के नीचे लिखे हैं ।अत: ८ रा. १६ अं. को अलग लिखा। सारिणी में ४६। ४२ के दाईं ओर(१७ अं. के नीचे) लिखे ४६। ५२ का ४६। ४२ से अन्तर १० पल का "सारणीस्थ अन्तर" हुआ। "सारणीस्थ घड़ी पल" ४६। ४२ और अभीष्ट घड़ी पल ४६। ४७ का अन्तर ५पल है। अब 'सहायक सारणी' में १० पल के आगे ५ पल के नीचे ३०क. ० वि. मिली, इन्हें अलग लिखे ८ रा. १६ अं.में जोड़ने पर ८ रा. १६ अं. ३० क. ०.वि.हुई। इसमें "अयनांश संस्कार सारणी" में वि.सं. २०२९ के आगे दिया गया, अयनांश संस्कार+१क. चिह्नानुसार जोड़ने पर ८ रा. १६ अं. ३१ क. ० वि. निरयण दशमलग्न स्पष्ट हुआ।

सहायक सारणी

पल →	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
↓	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.	क. वि.
६	१०।०	२०।०	३०।०	४०।०	५०।०	६०।०							
७	८।३४	१७।९	२५।४३	३४।१७	४२।५१	५१।२६	६०।०						
८	७।३०	१५।०	२२।३०	३०।०	३७।३०	४५।०	५२।३०	६०।०					
९	६।४०	१३।२०	२०।०	२६।४०	३३।२०	४०।०	४६।४०	५३।२०	६०।०				
१०	६।०	१२।०	१८।०	२४।०	३०।०	३६।०	४२।०	४८।०	५४।०	६०।०			
११	५।२७	१०।५५	१६।२२	२१।४९	२७।१६	३२।४४	३८।११	४३।३८	४९।५	५४।३३	६०।०		
१२	५।०	१०।०	१५।०	२०।०	२५।०	३०।०	३५।०	४०।०	४५।०	५०।०	५५।०	६०।०	
१३	४।३७	९।१४	१३।५१	१८।२८	२३।५	२७।४२	३२।१९	३६।५६	४१।३३	४६।१०	५०।४७	५५।२३	६०।०

अयनांश संस्कार सारणी

विक्रम संवत्	संस्कार कला	वि. संवत्	संस्कार कला	वि. सवंत्	संस्कार कला	वि. संवत्	संस्कार कला	वि. संवत्	संस्कार कला	वि. संवत्	संस्कार कला
२०२२	+७	२०२८	+२	२०३४	-३	२०४०	-८	२०४६	-१३	२०५२	-१८
२०२३	+७	२०२९	+१	२०३५	-४	२०४१	-९	२०४७	-१३	२०५३	-१८
२०२४	+६	२०३०	+१	२०३६	-४	२०४२	-९	२०४८	-१४	२०५४	-१९
२०२५	+५	२०३१	०	२०३७	-५	२०४३	-१०	२०४९	-१५	२०५५	-२०
२०२६	+४	२०३२	-१	२०३८	-६	२०४४	-११	२०५०	-१६	२०५६	-२१
२०२७	+३	२०३३	-२	२०३९	-७	२०४५	-१२	२०५१	-१७	२०५७	-२२

सूक्ष्म लग्न एवं दशमलग्न स्पष्ट करने की नवीन सरल विधि

यहां हम सूक्ष्म लग्न एवं दशमलग्न स्पष्ट करने की एक नवीन सरल विधी दे रहे है । स्पष्ट सूर्य द्वारा लग्न स्पष्ट करने में अधिक परिश्रम होता है, इसलिए इस विषय में पाश्चात्य ज्योतिषियों ने 'साम्पातिककाल' की पद्धति को अपनाया है । यहां हम ''साम्पातिककाल क्या है''- इस विषय का कुछ सैद्धान्तिक- विवेचन न करते हुए, इससे लग्न स्पष्ट-करने की सर्व- साधारणोपयोगी विधि प्रस्तुत कर रहे हैं ।

विधि:- सां. का. (साम्पतिककाल)से लग्न स्पष्ट करने के लिए सर्वप्रथम नीचे लिखे उपकरण (चीजें), जो इस पंचांग में दिए गए कोष्ठकों (सारणियों)से बिना किसी परिश्रम के तैयार किए जा सकते है, तैयार करें -

(१) अभीष्ट नगर के अक्षांश (उत्तर या दक्षिण)
(२) अभीष्ट नगर के रेखांश (पूर्व या पश्चिम)
(३) अभीष्ट नगर का स्टैण्डर्ड अन्तर(+या-)

ये तीनों उपकरण 'अक्षांशादि सारणी'से उठाइये।

विशेष- यदि ''अक्षांशादि सारणी'' में अभीष्ट नगर न मिले तो उसके निकटतम किसी अन्य नगर के अक्षांशादि प्रयोग में लाए जा सकते है ।

ध्यान रहे- भारत के सभी नगरों के अक्षांश उत्तर और रेखांश पूर्व ही है ।

(४) अभीष्ट नगर का स्थानीयमध्यमकाल- जिस समय लग्न स्पष्ट करना हो उस समय के स्वदेशीय स्टैण्डर्ड - टाईम में अभीष्ट नगर (जहां का लग्न स्पष्ट करना हो, वहां) के स्टैण्डर्ड - अन्तर के मिनटादि(या घण्टादि) को चिन्हानुसार जोड़ने या घटाने से अभीष्ट नगर का ''**स्थानीयमध्यमकाल**'' बन जाता है + यह चिह्न जोड़ने की एवं- यह चिह्न घटाने की प्रक्रिया को बतलाता है ।

जैसे- चण्डीगढ में दोपहर के १२घं. ५७ मि. (भा. स्टैं टा.) पर स्थानीयमध्यकाल जानने के लिए इस (भा. स्टैं टा.)में से चण्डीगढ का स्टैण्डर्ड अन्तर -२२ मिनट ३२ सेकण्ड चिन्हानुसार घटाया, तो १२ घं. ३४ मि. २८ सें. स्थानीयमध्यमकाल बना।

१सितं.१९४२ ई. से १५ अक्तू १९४५ ई. तक भारत में युद्ध के कारण घड़ियां एक घण्टा आगे की गई थी । अतः इन दिनों में घड़ियों द्वारा जाने गए टाईम में से १ घण्टा घटा कर उसे भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम समझना चाहिए।

जैसे- सन्१९४४ की २० अग. को काई बच्चा भारत में युद्ध के समयानुसार दिन में १२ बज कर ४५ मि. पर पैदा हुआ । इसका जन्मपत्र बनाने के लिए हमें इस बच्चे का जन्म काल भा. स्टै.टा. के अनुसार ११ घं ४५ मि. मानना होगा ।

(५) अभीष्ट तारीख का अयनांश - आगे दो [नं.(१) और नं.(२)]अयनांशसारणियां दी गई है । अयनांशसारणी नं.(१) में से अभीष्ट सन् के आगे लिखा अंशादि अयनांश लें, और अयनांशसारणी नं. (२) में से अभीष्ट मास की अभीष्ट तारीख का विकलादि फल लेकर उसमें जोड़ दें; - यह अभीष्ट तारीख का अयनांश होगा ।

जैसे - १५ जुलाई १९६९ ई. को अयनांश जानने के लिए अयनांशसारणी नं.(१) में से सन् १९६९ ई. के आगे लिखा अयनांश २३अं.२५ क २६ वि. प्राप्त किया । इसमें अयनांशसारणी नं.(२)से प्राप्त की गई १५ जुलाई की २७ वि. जोडने पर २३ अं.२५क. ५६ वि. हमारा अभीष्ट अयनांश हुआ ।

(६) इष्टकालिक साम्पातिककाल - आगे साम्पातिककाल के चार कोष्ठक दिए गये है । इनके आधार पर इष्टकालिक साम्पातिककाल इस प्रकार सरलता से बनाया जा सकता है-

सां. का. कोष्ठक नं. (१) में से अभीष्ट सन् का सां. का. उठाएं। उसमें साम्पातिक काल कोष्ठक नं.(२)से अभीष्टमास की अभीष्ट तारीख का (लीप ईयर हो तो केवल फरवरी के बाद के महीनों में अभीष्ट तारीख की जगह उससे एक आगे की तारीख का) सां. का. लेकर जोड़ें । इसमें सां. का. कोष्ठक नं.(३)से अभीष्ट नगर के रेखांशों द्वारा सैकण्डात्मक संस्कार उठा कर चिन्हानुसार जोडें या घटाएं । इस प्रकार मिले सां. का के घं. मि. में अभीष्ट स्थानीयमध्यमकाल(जिसका साधन पहले बताया जा चुका है) के घण्टा- मिनटादि जोडें और फिर इस योगफल में स्थानीयमध्यमकाल के घण्टा- मिनटों द्वारा सां. का. कोष्ठक नं.(४)से प्राप्त किए गए मिनटादि जोड़ देने से इष्टसमय का घण्टादि सां. का बन जाएगा । इस प्रकार बना सां. का. यदि २४ घं. से अधिक हो तो उसमें से २४ घटा कर शेष ही ग्रहण करना चाहिए ।

साम्पातिककाल साधन का उदाहरण - यहां हम १५ जुलाई १९६९ को भा. स्टै.टा. के अनुसार प्रातः १०घं.४५मि. पर चम्बा (हि. प्र.)में सां. का. स्पष्ट करें । अक्षांशादि सारणी में चम्बा के अक्षांश ३२ अं. २९ क. (उत्तर), रेखांश ७६ अं. १०क.(पूर्व)एंव स्टैं. अन्तर - २५ मि. २० से. है । स्टैण्डर्ड अन्तर ऋण चिह्न वाला है, अतः इसे १० घण्टे४५ मि. में से घटाने पर १० घं. १९ मि. ४० से. चम्बा का स्थानीयमध्यमकाल हुआ । सां. का . कोष्ठक नं. (१)से सन् १९६९ ई. का सां. का. (६घं.४१ मि. २ से.) लिया । इसमें कोष्ठक नं.(२)सें लिया गया १५ जुला. का सां का. (१२घं. ४८ मि. ४९ से.)जोड़ा तो १९ घं.२९ मि. ५१ सै. हुआ । चम्बा के रेखांश ७६अं.१० क. के लिए कोष्ठक नं.(३)वाला संस्कार तो० है। अब १९घं. २९ मि. ५१सैं. चम्बा का स्थानीयमध्यमकाल १०घं.१९मि ४० सै. जोडा तो २९घं. ४९मि. ३१ सै. हुए। इसमें कोष्ठक न. (४)से स्थानीयमध्यमकाल के १०घं. २० मि. उठाए गए १ मि. ४२सै. जोड़ने पर २९ घं. ५१ मि. १३ से. हुए । क्योकि यहां घण्टे२४से अधिक हैं अतः२४ घं. घटाए तो ५घं. ५१मि. १३से. अभीष्ट साम्पातिककाल हुआ ।

साम्पातिककाल बनाते समय नीचे लिखी इन बातों को भी ध्यान में रखें:-

(१)यदि धन (+)चिह्न वाले स्टैण्डर्डअन्तर (स्टैं. अं.)के मिनटों को स्टैण्डर्ड टाईम में जोड़ने पर स्थानीयमध्यमकाल २४ घं. या इससे ज्यादा हो जाए तब उसमें से २४ घण्टा घटा दें और ऊपर बतलाई विधि से प्राप्त साम्पातिककाल में ४ मि. जोड कर उसे शुद्ध साम्पातिककाल समझें । जैसे - कलकता में २जन. १९७४ ई. को २३ घंटा ५५ मि. (रात के ११ बज कर ५५ मि.)भा. स्टै. टा. पर साम्पातिककाल ज्ञात करना है । कलकता का रेखांश ८८अं. २४ क, (पूर्व)और स्टैं. अन्तर +२३ मि. ३६ से. है। स्थानीयमध्यमकाल बनाने के लिए२३ घं. ५५ मि. में २३ मि. ३६ सै. जोड़े तो २४ घं. १८ मि. ३६से. हुए यह २४ घं. से ज्यादा हो गया है , अतः इसमें से २४ घं. घटाने पर ० घं. १८ मि. ३६ से.

स्थानीयमध्यमकाल हुआ । अब सां. का. बनाने के लिए कोष्टक नं.(१) से १९७४ केआगे लिखे ६ घं. ४० मि. १२ से. में कोष्ठक नं.(२) से लिए गए २ जन. के ० घं. ३ मि. ५७ से. जोडने पर ६ घं. ४४ मि. ९ से. हुए। इसमें कोष्ठक नं. (३) से कलकता के रेखांश ८८ से प्राप्त −८ से. चिह्न के अनुसार घटाए, तो ६ घं. ४४ मि. १ से. हुए । इसमें स्थानीयमध्यमकाल जोड़ने पर ७ घं., २ मि. ३७ से. हुए । इसमें कोष्ठक नं.(४)से स्थानीयमध्यमकाल के ० घं. १९ मि. द्वारा प्राप्त ३ से. जोडने पर ७घं. २ मि. ४० से. हुए । क्योंकि स्टैं .टा. में स्टैं. अन्तर के मिनट जोडने पर स्थानीयमध्यमकाल २४ घं. से ज्यादा हो गया था । अतः उपरोक्त नियमानुसार इसमें ४ मि. और जोड़ने पर ७ घं. ६ मि. ४० से. हमारा अभीष्ट साम्पातिककाल बना । लग्न और दशम को स्पष्ट करने के लिए इसी सां. का. को प्रयोग में लाइए ।

(२)सां. का. बनाते समय दूसरी बात यह भी ध्यान में रखें कि यदि स्टैं. टा. से ऋण चिह्न वाले स्टैं. अन्तर के मिनटादि अधिक हों तो स्थानीयमध्यमकाल बनाने के लिए स्टैं. टा. में २४ घंटे जोड कर स्टैं. अन्तर घटाना चाहिए और ऐसी स्थिति में सा.का. कोष्ठक नं. (४)का प्रयोग नहीं करना चाहिए । जैसे- जयपुर में १५ मार्च १९७० को ०घं. १५ मि.(भा. स्टै. टा.) पर साम्पातिककाल ज्ञात करना है । जयपुर के रेखांश ७५ अं. ५२ क. (पूर्व)और स्टैं अं.- २६ मि. ३२ से. है । यहां स्टैं टा. के घं. मि. में से स्टैं. अं. ज्यादा है , अतः स्टै. टा. में २४ घं. जोड़ कर स्टैं अं. घटाने पर २३ घं. ४८ मि. २८ से. स्थानीयमध्यमकाल बना । सां. का. के कोष्ठक नं.(१)से प्राप्त १९७० ई. के ६ घं. ४० मि. ५ से. में कोष्ठक नं. (२) से प्राप्त १५ मार्च के ४ घं. ४७ मि. ४९ से जोड़ने पर ११ घं. २७ मि. ५४से. हुए । जयपुर के रेखांश ७६ (पूर्व) का कोष्ठक नं. ३ वाला संस्कार लगभग ० है । अब ११ घं. २७ मि.५४ से. में स्थानीयमध्यमकाल जोड़ा तो ३५ घं. १६ मि. २२ से. हुए । क्योंकि हमारा स्टैं. टा. हमारे नगर के ऋण स्टैं . अं. से कम था अतः यहां साम्पातिककाल कोष्ठक नं.(४)का प्रयोग हम नहीं करेगें । इसलिए हमारा अभीष्ट साम्पातिककाल ११घं. १६ मि. २२ से. ही हुआ । यहां घंटे २४ से अधिक होने से उसमें से २४ घंटे घटा दिए गए हैं।

(३)जैसाकि हम पहिले भी लिख चुके हैं - लीप इयर (२९ फरवरी वाले साल)में फरवरी के बाद के महीनों की किसी तारीख का सां. का. बनाना हो तो उस तारीख में एक जोड़ कर साम्पातिककाल कोष्ठक नं. (२) को प्रयोग में लाना चाहिए। जैसे -मान लीजिए , १५ मार्च सन् १९४४ को किसी नगर में सां. का. स्पष्ट करना है। साम्पातिककाल कोष्ठक नं. (१) में सन् १९४४ के आगे लिखे ६ घं. ३७ मि. १७ से. मिलें । क्योंकि हमारा सन् लीप इयर है और हमारी तारीख (१५ मार्च)फरवरी के बाद की भी है , इसलिए ''साम्पातिककाल कोष्ठक नं. (२)'' में से हम १५ मार्च की जगह १६ मार्च के घं. मि. सै. (४ घं.५१ मि. ४५ से.)ही लेगें और इन्हें ही ६ घं. ३७मि. १७ से. में जोड़ेंगे । ध्यान रहे- यदि सन् १९४४ की १० फर को हमें सां. का. स्पष्ट करना हो तो ''साम्पातिककाल कोष्ठक नं.(२)''से १० फर.के ही घं. मि. से. उठाने होगें ।

साम्पातिककाल से लग्नसाधन की विधिः-

उपर दी गई विधि से जाने गए अभीष्ट सां. का. (साम्पातिककाल) के घं. मि. को आगे दी गई लग्नसारणी के बाई और वाले पहिले कालम में देखें । इसके आगे अभीष्ट नगर के अक्षांश के नीचे जो लग्न की अंश कला लिखी हैं, उन्हें अलग नोट कर लें। क्योंकि सारणी में सां. का. ३०-३० मिनटों के अन्तर पर और लग्नसारणी ३-३ अक्षांशों के अन्तर पर दी हुई है । अतः अधिकतर यहां सम्भव है कि आपको लग्न सारणी में अभीष्ट सां. का. के घं. मिं. न मिले और यह भी अधिकतर सभव है कि आपको लग्नसारणी में अभीष्ट सां का. के घं. मि. न मिलें और यह भी सम्भव है कि अभीष्ट अक्षांश वाली लग्नसारणी भी न मिले । ऐसी स्थिति में सारणी में अभीष्ट सां. का. के समीपतम (अभीष्ट सां. का. से कम)सां. का. के आगे और अपने अभीष्ट अक्षांश के समीपतम(अभीष्ट अक्षांश से कम) अक्षांश वाली लग्नसारणी में लिखीं लग्न की अंश - कलाएं नोट करें - यह ''स्थूलतम लग्न''है । अब ३० मि. में लग्न की गति सारणी से ही ज्ञात कीजिए, (अर्थात् यह ज्ञात कीजिए कि ३०मि. में लग्न कितना आगे बढ़ता है) ३० मि. की लग्नगति की कलाओं को सां. का. के शेष मिनटों से गुणा करके ३० से भाग देने पर कलाएं मिलेंगी । इन्हें ''स्थूलतम लग्न'' में जोड़ देने से ''स्थूललग्न'' बन जाएगा। अब सारणी से ही ३ अक्षांशों की लग्न की गति मालूम करें । ३ अक्षांशों में लग्न घटता है तो यह ''३ अक्षाशों की लग्नगति'' ऋण, अन्यथा धन होगी । अपने अक्षांश की शेष अंश−कलाओं की कलाएं बना कर उन्हें ''३ अक्षाशों की लग्नगति '' की कलाओं से गुणा करके १८० से भाग देने पर कलाएं मिलेंगी । इन्हें ''३ अक्षांशों की लग्नगति'' के धन,ऋण चिह्न के अनुसार स्थूललग्न में जोड़ने या घटाने से सायनलग्न स्पष्ट होगा । इसमें से उस दिन के अयनांश घटा देने पर फलितोपयोगी निरयण लग्न स्पष्ट हो जाएगा।

दशमलग्न स्पष्ट करने की विधि :- लग्नसारणी के दूसरे कालम में दशम (दशमलग्न)दिया गया है । इससे सभी नगरों में दशमलग्न स्पष्ट किया जा सकता है (अर्थात् -दशम स्पष्ट करने के लिए अंक्षाशों की जरूरत नहीं होती।) अभीष्ट सां. का. के घं. मि. के आगे सारणी में दशम (दशमलग्न)की अंश-कलाएं उठा लें। यह ''स्थूलदशमलग्न'' है। सां.का. के शेष मिनटों से दशमलग्न की ३० मि. की गति की कलाओं को गुणा करके ३०से भाग देने पर कलाएं मिलेगी। इन्हें ''स्थूलदशमलग्न'' में जोड़ने पर इष्टकालिक सायनदशम होगा । इसमें से उसदिन का अयनांश घटा देने पर निरयण दशमलग्न स्पष्ट हो जाएगा।

लग्नसाधन का उदाहरणः-चम्बा (हि.प्र.) में १५ जुलाई सन् १९६९ को प्रातः १० घं. ४५ मि. (भा. स्टै. टा.)पर लग्न स्पष्ट करना है ।

ऊपर हमने चम्बा में १५ जुलाई १९६९ को प्रातः १० घंटे ४५मि. (भा. स्टै. टा.)पर सां.का. ५ घं. ५१ मि. १३ सै. स्पष्ट किया है । चम्बा के अक्षांश ३२ अं.२९ क. है। लग्नसारणी में अक्षांश ३२ के नीचे सां. का. ५ घं. ३० मि. के आगे लग्न १७३ अं. ३४ क. लिखा है । यह ''स्थूलतम लग्न''है। लग्नसारणी में अक्षांश ३२ के नीचे सां. का. ५ घ. ३० मि. के आगे १७३ अं. ३४ क. और सां. का.६घं. ० मि. के आगे १८० अं.० क. लिखा है । इन दोनों का अन्तर ६अं. २६ क. (=३८६क.) लग्न की ३० मि. की गति है । हमारे अभीष्ट सां. का. ५ घ. ५१ मि. और ५ घं. ३० मि. का अन्तर २१ मि. है । इन २१ मि. (सा.का.के शेष मिनटों) से लग्न की ३० मिनट की गति कलाओं (३८६) को गुणा करके ३० का भाग देने पर २७० क. (= ४ अं. ३० क.) मिलीं। इन्हें '' स्थूलतम लग्न '' में जोड़ने पर १७८ अं. ४ क. ''स्थूल लग्न '' हुआ ।

लग्न सारणी (पूरे भारत के लिए) [भाग १ म]

सम्पातिक काल		सभी स्थलों के लिए		अक्षांश ८°(उ.)		अक्षांश ११°(उ.)		अक्षांश १४°(उ.)		अक्षांश १७°(उ.)		अक्षांश २०°(उ.)	
		दशम		लग्न		लग्न		लग्न		लग्न		लग्न	
घं.	मि.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.
०	०	०	०	९३	१२	९४	२५	९५	४०	९६	५६	९८	१४
०	३०	८	१०	१००	३	१०१	१५	१०२	२७	१०३	४१	१०४	५७
१	०	१६	१७	१०६	५४	१०८	३	१०९	१३	११०	२४	१११	३६
१	३०	२४	१८	११३	४७	११४	५३	११५	५९	११७	६	११८	१४
२	०	३२	११	१२०	४३	१२१	४५	१२२	४७	१२३	५०	१२४	५२
२	३०	३९	५५	१२७	४५	१२८	४३	१२९	४०	१३०	३६	१३१	३३
३	०	४७	२८	१३४	५४	१३५	४५	१३६	३६	१३७	२७	१३८	१८
३	३०	५४	५१	१४२	१०	१४२	५५	१४३	३९	१४४	२२	१४५	६
४	०	६२	५	१४९	३३	१५०	१०	१५०	४६	१५१	२३	१५१	५८
४	३०	६९	१२	१५७	३	१५७	३१	१५८	०	१५८	२७	१५८	५५
५	०	७६	११	१६४	३८	१६४	५८	१६५	१७	१६५	३६	१६५	५४
५	३०	८३	७	१७२	१८	१७२	२८	१७२	३८	१७२	४७	१७२	५७
६	०	९०	०	१८०	०	१८०	०	१८०	०	१८०	०	१८०	०
६	३०	९६	५३	१८७	४२	१८७	३२	१८७	२२	१८७	१३	१८७	३
७	०	१०३	४९	१९५	२२	१९५	२	१९४	४३	१९४	२४	१९४	६
७	३०	११०	४८	२०२	५७	२०२	२९	२०२	०	२०१	३३	२०१	५
८	०	११७	५५	२१०	२७	२०९	५०	२०९	१४	२०८	३७	२०८	२
८	३०	१२५	९	२१७	५०	२१७	५	२१६	२१	२१५	३८	२१४	५४
९	०	१३२	३२	२२५	६	२२४	१५	२२३	२४	२२२	३३	२२१	४२
९	३०	१४०	५	२३२	१५	२३१	१७	२३०	२०	२२९	२४	२२८	२७
१०	०	१४७	४९	२३९	१७	२३८	१५	२३७	१३	२३६	१०	२३५	८
१०	३०	१५५	४२	२४६	१३	२४५	७	२४४	१	२४२	५४	२४१	४६
११	०	१६३	४३	२५३	६	२५१	५७	२५०	४७	२४९	३६	२४८	२४
११	३०	१७१	५०	२५९	५७	२५८	४५	२५७	३३	२५६	१९	२५५	३
१२	०	१८०	०	२६६	४८	२६५	३५	२६४	२०	२६३	४	२६१	४६

सम्पातिक काल		सभी स्थलों के लिए		अक्षांश ८°(उ.)		अक्षांश ११°(उ.)		अक्षांश १४°(उ.)		अक्षांश १७°(उ.)		अक्षांश २०°(उ.)	
		दशम		लग्न		लग्न		लग्न		लग्न		लग्न	
घं.	मि.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.	अं.	क.
१२	०	१८०	०	२६६	४८	२६५	३५	२६४	२०	२६३	४	२६१	४६
१२	३०	१८८	१०	२७३	४१	२७२	२७	२७१	११	२६९	५३	२६८	३३
१३	०	१९६	१७	२८०	३९	२७९	२५	२७८	९	२७६	५०	२७५	२९
१३	३०	२०४	१८	२८७	४३	२८६	३०	२८५	१५	२८३	५७	२८२	३५
१४	०	२१२	११	२९४	५७	२९३	४६	२९२	३३	२९१	१६	२८९	५५
१४	३०	२१९	५५	३०२	२१	३०१	१४	३००	४	२९८	५०	२९७	३२
१५	०	२२७	२८	३०९	५८	३०८	५६	३०७	५१	३०६	४२	३०५	२८
१५	३०	२३४	५१	३१७	४९	३१६	५४	३१५	५५	३१४	५३	३१३	४५
१६	०	२४२	५	३२५	५४	३२५	७	३२४	१७	३२३	२३	३२२	२५
१६	३०	२४९	१२	३३४	१२	३३३	३५	३३२	५५	३३२	१२	३३१	२६
१७	०	२५६	११	३४२	४१	३४२	१५	३४१	४८	३४१	१८	३४०	४५
१७	३०	२६३	७	३५१	१८	३५१	५	३५०	५१	३५०	३६	३५०	१९
१८	०	२७०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
१८	३०	२७६	५३	८	४१	८	५५	९	९	९	२४	९	४१
१९	०	२८३	४९	१७	१९	१७	४५	१८	१२	१८	४२	१९	१५
१९	३०	२९०	४८	२५	४८	२६	२५	२७	५	२७	४८	२८	३४
२०	०	२९७	५५	३४	६	३४	५३	३५	४३	३६	३७	३७	३५
२०	३०	३०५	९	४२	११	४३	६	४४	५	४५	७	४६	१४
२१	०	३१२	३२	५०	२	५१	४	५२	९	५३	१८	५४	३२
२१	३०	३२०	५	५७	३९	५८	४६	५९	५६	६१	१०	६२	२८
२२	०	३२७	४९	६५	३	६६	१४	६७	२७	६८	४४	७०	५
२२	३०	३३५	४२	७२	१७	७३	३०	७४	४५	७६	३	७७	२५
२३	०	३४३	४३	७९	२१	८०	३५	८१	५१	८३	१०	८४	३१
२३	३०	३५१	५०	८६	१९	८७	३३	८८	४९	९०	७	९१	२७
२४	०	०	०	९३	१२	९४	२५	९५	४०	९६	५६	९८	१४

अब लग्न सारणी में ३२ अक्षांश और ३५ अक्षांश वाले कालमों में सां.का. ५घं. ३० मि. के आगे क्रमशः १७३ अं. ३४ क. और १७३ अं. ४४ क. लिखा है। इन दोनों का अन्तर १० क. हुआ। यह लग्न की "३ अक्षांश की गति" है। क्योंकि लग्न ३५ अक्षांश में बढ़ रहा है। अतः यह गति धन है। ३२ अक्षांश और चम्बा के अक्षांश ३२ अं. २९ क. का अन्तर २९ क. है। इससे ३ अक्षांश की लग्न की गति कलाओं (१०) को गुणा करके १८० से भाग देने पर लब्धि १ क. मिली। क्योंकि ३ अक्षांशों की लग्न गति धन है अतः इसे "स्थूल लग्न" में जोड़ने पर १७८ अं. ५ क. सायन लग्न हुआ। इसमें से इस दिन का अयनांश २३अं. २६कं. घटा देने पर १५४ अं. ३९ क. (= ५ रा ४ अं. ३९ क.) नियरणलग्न बन गया।

दशमलग्न साधन का उदाहरण- १५ जुला. १९६९ ई. को प्रातः १० घं. ४५ मि. (भा.स्टै.टा.) पर ही चम्बा, हि.प्र. में दशमलग्न स्पष्ट करना है। इस समय चम्बा में सां का ५ घं. ५१ मि. है। लग्नसारणी के दूसरे कालम में सां.का. ५ घं. ३० मिनट के आगे दशमलग्न८३ अं.७क. है, यह "स्थूल दशमलग्न" है। सारणी में सां.का. ५ घं.३०मि. और ६ घं. ० मि. के आगे क्रमशः ८३ अं. ७ क. एवं ९० अं. ० क. है इन दोनों का अन्तर ६ अं. ५३ क. (= ४१३ क.) है, यह ३० मि. की दशमलग्न की गति है। इन कलाओं को सां. का. के शेष मि. (५ घं. ५१ मि.- ५घं. ३० मि.=२१ मि.) से गुणा करके ३० का भाग देने पर २८९ क. (=४अं.४९क.) मिली। इन्हें "स्थूलदशमलग्न" में जोड़ने पर ८७ अं. ५६ क. सायन दशमलग्न स्पष्ट हुआ। इसमें से इस दिन का अयनांश २३ अं. २६ क. घटा देने पर ६४ अं.३० क. (=२ रा.४अं. ३०क.)इष्टकालिक निरयण दशम लग्न हुआ।

ध्यान दें-यहां हमने सां.का. के सेकण्ड और अयनांश की विकलाओं को अनावश्यक समझकर छोड़ दिया है। क्योंकि लग्न और दशम में विकलाओं तक की सूक्ष्मता लाने का प्रयास वस्तुतः अर्थहीन है। कला तक की सूक्ष्मता भी लग्न में संभव नहीं है; इस तथ्य का विस्तार पूर्वक स्पष्टीकरण गणित द्वारा "गणकमार्तण्ड" में हमने किया है वहाँ पढ़ें।

लग्न सारणी (पूरे भारत के लिए) [भाग २ य]

साम्पातिक काल घं. मि.	सभी स्थलों के लिए दशम अं. क.	अंक्षाश २३° (उ.) लग्न अं. क.	अंक्षाश २६° (उ.) लग्न अं. कं.	अंक्षाश २९° (उ.) लग्न अं. क.	अंक्षाश ३२° (उ.) लग्न अं. क.	अंक्षाश ३५° (उ.) लग्न अं. क.
० ०	० ०	९९ ३५	१०० ५९	१०२ २६	१०३ ५७	१०५ ३४
० ३०	८ १०	१०६ १४	१०७ ३४	१०८ ५७	११० २४	१११ ५३
१ ०	१६ १७	११२ ४९	११४ ४	११५ २२	११६ ४३	११८ ७
१ ३०	२४ १८	११९ २२	१२० ३३	१२१ ४५	१२३ ०	१२४ १७
२ ०	३२ ११	१२५ ५६	१२७ ०	१२८ ७	१२९ १७	१३० २५
२ ३०	३९ ५५	१३२ ३१	१३३ २९	१३४ २९	१३५ ३०	१३६ ३२
३ ०	४७ २८	१३९ ३	१४० ००	१४० ५२	१४१ ४५	१४२ ४०
३ ३०	५४ ५१	१४५ ५०	१४६ ३४	१४७ १८	१४८ ४	१४८ ५०
४ ०	६२ ५	१५२ ३४	१५३ १०	१५३ ४७	१५४ २४	१५५ १
४ ३०	६९ १२	१५९ २२	१५९ ५०	१६० १७	१६० ४६	१६१ १४
५ ०	७६ ११	१६६ १३	१६६ ३२	१६६ ५०	१६७ ९	१६७ २८
५ ३०	८३ ७	१७३ ६	१७३ १५	१७३ २५	१७३ ३४	१७३ ४४
६ ०	९० ०	१८० ००	१८० ००	१८० ०	१८० ०	१८० ०
६ ३०	९६ ५३	१८६ ५४	१८६ ४५	१८६ ३५	१८६ २६	१८६ १६
७ ०	१०३ ४९	१९३ ४७	१९३ २८	१९३ १०	१९२ ५१	१९२ ३२
७ ३०	११० ४८	२०० ३८	२०० १०	१९९ ४३	१९९ १४	१९८ ४६
८ ०	११७ ५५	२०७ २६	२०६ ५०	२०६ १३	२०५ ३६	२०४ ५९
८ ३०	१२५ ५९	२१४ १०	२१३ २६	२१२ ४२	२११ ५६	२११ १०
९ ०	१३२ ३२	२२० ५१	२२० ००	२१९ ८	२१८ १५	२१७ २०
९ ३०	१४० ५	२२७ २९	२२६ ३१	२२५ ३१	२२४ ३०	२२३ २८
१० ००	१४७ ४९	२३४ ४	२३३ ०	२३१ ५३	२३० ४५	२२९ ३५
१० ३०	१५५ ४२	२४० ३८	२३९ २७	२३८ १५	२३७ ०	२३५ ४३
११ ०	१६३ ४३	२४७ ११	२४५ ५६	२४४ ३८	२४३ १७	२४१ ५३
११ ३०	१७१ ५०	२५३ ४६	२५२ २६	२५१ ३	२४९ ३६	२४८ ७
१२ ०	१८० ००	२६० २५	२५९ ३	२५७ ३४	२५६ ३	२५४ २६

साम्पातिक काल घं. मि.	सभीस्थलों के लिए दशम अं. क.	अंक्षाश २३° (उ.) लग्न अं. क.	अंक्षाश २६° (उ.) लग्न अं. कं.	अंक्षाश २९° (उ.) लग्न अं. क.	अंक्षाश ३२° (उ.) लग्न अं. क.	अंक्षाश ३५° (उ.) लग्न अं. क.
१२ ०	१८० ००	२६० २५	२५९ १	२५७ ३४	२५६ ३	२५४ २६
१२ ३०	१८८ १०	२६७ १०	२६५ ४३	२६४ १२	२६२ ३६	२६० ५४
१३ ०	१९६ १७	२७४ ३	२७२ ३४	२७१ ०	२६९ २१	२६७ ३३
१३ ३०	२०४ १८	२८१ ९	२७९ ३९	२७८ २	२७६ १९	२७४ २९
१४ ०	२१२ ११	२८८ ३०	२८६ ५९	२८५ २२	२८३ ३६	२८१ ४५
१४ ३०	२१९ ५५	२९६ ९	२९४ ४०	२९३ ४	२९१ २०	२८९ २६
१५ ००	२२७ २८	३०४ १०	३०२ ४४	३०१ १२	२९९ २८	२९७ ३८
१५ ३०	२३४ ५१	३१२ ३३	३११ १५	३०९ ४८	३०८ १३	३०६ २५
१६ ०	२४२ ५	३२१ २२	३२० १३	३१८ ५६	३१७ ३०	३१५ ५४
१६ ३०	२४९ १२	३३० ३५	३२९ ३९	३२८ ३६	३२७ २५	३२६ ४
१७ ०	२५६ ११	३४० ९	३३९ ३०	३३८ ४५	३३७ ५४	३३६ ५५
१७ ३०	२६३ ७	३५० ००	३४९ ४०	३४९ १६	३४८ ४९	३४८ १९
१८ ०	२७० ०	० ०	० ०	० ०	० ०	० ०
१८ ३०	२७६ ५३	१० ०	१४ २०	१० ४४	११ ११	११ ४१
१९ ०	२८३ ४९	१९ ५१	२० ३०	२१ १५	२२ ६	२३ ४
१९ ३०	२९० ४८	२९ २५	३० २१	३१ २४	३२ ३५	३३ ५६
२० ०	२९७ ५५	३८ ३८	३९ ४७	४१ ४	४२ ३०	४४ ६
२० ३०	३०५ ९	४७ २७	४८ ४५	५० १२	५१ ४७	५३ ३५
२१ ०	३१२ ३२	५५ ५०	५७ १६	५८ ४८	६० ३२	६२ २२
२१ ३०	३२० ५	६३ ५१	६५ २०	६६ ५६	६८ ४०	७० ३४
२२ ०	३२७ ४९	७१ ३०	७३ १	७४ ३८	७६ २४	७८ १५
२२ ३०	३३५ ४२	७८ ५१	८० २१	८१ ५८	८३ ४१	८५ ३१
२३ ०	३४३ ४३	८५ ५६	८७ २६	८९ ०	९० ३९	९२ २६
२३ ३०	३५१ ५०	९२ ४०	९४ १७	९५ ४८	९७ २४	९९ ६
२४ ०	००० ०	९९ ३५	१०० ५९	१०२ २६	१०३ ५७	१०५ ३४

साम्पातिककाल कोष्ठक नं. १

सन्	घं. मि.से.	सन	घं. मि.से.	सन्	घं. मि.से.	सन्	घं.मि.से.	सन्	घं.मि.से.	सन्	घं. मि.से.	सन्	घं. मि. से.	सन्	घं. मि. से.
१९५०	६ ३९ २७	१९५७	६ ४० ४०	१९६४	६ ३७ ५६	१९७१	६ ३९ ७	१९७८	६ ४० १९	१९८५	६ ४१ ३२	१९९२	६ ३८ ४७	१९९९	६।३९।५९
१९५१	६ ३८ ३०	१९५८	६ ३९ ४३	१९६५	६ ४० ५५	१९७२	६ ३८ १०	१९७९	६ ३९ २२	१९८६	६ ४० ३५	१९९३	६ ४१ ४६	२०००	६।३९।०२
१९५२	६ ३७ ३३	१९५९	६ ३८ ४५	१९६६	६ ३९ ५७	१९७३	६ ४१ १०	१९८०	६ ३८ २४	१९८७	६ ३९ ३८	१९९४	६ ४० ४९	२००१	६।४२।०१
१९५३	६ ४० ३३	१९६०	६ ३७ ४७	१९६७	६ ३९ ००	१९७४	६ ४० १२	१९८१	६ ४१ २३	१९८८	६ ३८ ४०	१९९५	६ ३९ ५२	२००२	६।४१।०४
१९५४	६ ३९ ३५	१९६१	६ ४० ४७	१९६८	६ ३८ ३	१९७५	६ ३९ १५	१९८२	६ ४० २६	१९८९	६ ४१ ३९	१९९६	६ ३८ ५४	२००३	६।४०।०७
१९५५	६ ३८ ३८	१९६२	६ ३९ ५०	१९६९	६ ४१ २	१९७६	६ ३८ १७	१९८३	६ ३९ २९	१९९०	६ ४० ४१	१९९७	६ ४१ ५३	२००४	६।३९।१०
१९५६	६ ३७ ४१	१९६३	६ ३८ ५३	१९७०	६ ४० ५	१९७७	६ ४१ १६	१९८४	६ ३८ ३२	१९९१	६ ३९ ४४	१९९८	६ ४० ५६	२००५	६।४२।०९

साम्पातिक काल कोष्ठक नं० २

ता.	जनवरी			फरवरी			मार्च			अप्रैल			मई			जून			जुलाई			अगस्त			सितम्बर			अक्तूबर			नवम्बर			दिसम्बर			ता.
↓	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	घं.	मि.	से.	↓
१	०	०	०	२	२	१३	३	५२	३७	५	५४	५१	७	५३	७	९	५५	२१	११	५३	३८	१३	५५	५०	१५	५८	४	१७	५६	२१	१९	५८	३४	२१	५६	५०	१
२	०	३	५७	२	६	९	३	५६	३३	५	५८	४७	७	५७	४	९	५९	१७	११	५७	३४	१३	५९	४७	१६	२	०	१८	०	१७	२०	२	३१	२२	०	४७	२
३	०	७	५३	२	१०	६	४	०	३०	६	२	४३	८	१	०	१०	३	१४	१२	१	३१	१४	३	४४	१६	५	५७	१८	४	१४	२०	६	२७	२२	४	४३	३
४	०	११	५०	२	१४	२	४	४	२६	६	६	४०	८	४	५७	१०	७	१०	१२	५	२७	१४	७	४०	१६	९	५३	१८	८	१०	२०	१०	२४	२२	८	४०	४
५	०	१५	४६	२	१७	५९	४	८	२३	६	१०	३६	८	८	५३	१०	११	७	१२	९	२४	१४	११	३६	१६	१३	५०	१८	१२	७	२०	१४	२०	२२	१२	३६	५
६	०	१९	४३	२	२१	५५	४	१२	१९	६	१४	३३	८	१२	५०	१०	१५	३	१२	१३	२१	१४	१५	३३	१६	१७	४६	१८	१६	३	२०	१८	१७	२२	१६	३३	६
७	०	२३	३९	२	२५	५२	४	१६	१६	६	१८	२९	८	१६	४६	१०	१९	०	१२	१७	१७	१४	१९	२९	१६	२१	४३	१८	२०	०	२०	२२	१३	२२	२०	३०	७
८	०	२७	३६	२	२९	४८	४	२०	१२	६	२२	२६	८	२०	४३	१०	२२	५६	१२	२१	१४	१४	२३	२६	१६	२५	४०	१८	२३	५७	२०	२६	१०	२२	२४	२७	८
९	०	३१	३२	२	३३	४५	४	२४	९	६	२६	२२	८	२४	३९	१०	२६	५३	१२	२५	१०	१४	२७	२३	१६	२९	३७	१८	२७	५४	२०	३०	६	२२	२८	२३	९
१०	०	३५	२९	२	३७	४२	४	२८	५	६	३०	१९	८	२८	३६	१०	३०	४९	१२	२९	६	१४	३१	२०	१६	३३	३३	१८	३१	५०	२०	३४	३	२२	३२	२०	१०
११	०	३९	२५	२	४१	३९	४	३२	२	६	३४	१६	८	३२	३२	१०	३४	४६	१२	३३	३	१४	३५	१६	१६	३७	३०	१८	३५	४७	२०	३८	०	२२	३६	१६	११
१२	०	४३	२२	२	४५	३५	४	३५	५९	६	३८	१३	८	३६	२९	१०	३८	४२	१२	३६	५९	१४	३९	१३	१६	४१	२६	१८	३९	४३	२०	४१	५६	२२	४०	१३	१२
१३	०	४७	१८	२	४९	३२	४	३९	५६	६	४२	९	८	४०	२५	१०	४२	३९	१२	४०	५६	१४	४३	९	१६	४५	२३	१८	४३	४०	२०	४५	५२	२२	४४	९	१३
१४	०	५१	१५	२	५३	२८	४	४३	५२	६	४६	६	८	४४	२२	१०	४६	३५	१२	४४	५२	१४	४७	६	१६	४९	१९	१८	४७	३७	२०	४९	४९	२२	४८	६	१४
१५	०	५५	१२	२	५७	२५	४	४७	४९	६	५०	२	८	४८	१८	१०	५०	३२	१२	४८	४९	१४	५१	२	१६	५३	१६	१८	५१	३३	२०	५३	४५	२२	५२	२	१५
१६	०	५९	८	३	१	२१	४	५१	४५	६	५३	५९	८	५२	१५	१०	५४	२८	१२	५२	४५	१४	५४	५९	१६	५७	१२	१८	५५	३०	२०	५७	४२	२२	५५	५९	१६
१७	१	३	४	३	५	१८	४	५५	४२	६	५७	५५	८	५६	११	१०	५८	२५	१२	५६	४२	१४	५८	५५	१७	१	९	१८	५९	२६	२१	१	३९	२२	५९	५६	१७
१८	१	७	१	३	९	१४	४	५९	३८	७	१	५२	९	०	८	११	२	२१	१३	०	३८	१५	२	५२	१७	५	५	१९	३	२२	२१	५	३६	२३	३	५३	१८
१९	१	१०	५७	३	१३	११	५	३	३५	७	५	४८	९	४	४	११	६	१८	१३	४	३५	१५	६	४८	१७	९	२	१९	७	१९	२१	९	३२	२३	७	४९	१९
२०	१	१४	५४	३	१७	८	५	७	३१	७	९	४५	९	८	१	११	१०	१५	१३	८	३२	१५	१०	४५	१७	१२	५८	१९	११	१५	२१	१३	२९	२३	११	४६	२०
२१	१	१८	५१	३	२१	५	५	११	२८	७	१३	४१	९	११	५८	११	१४	११	१३	१२	२९	१५	१४	४१	१७	१६	५५	१९	१५	१२	२१	१७	२५	२३	१५	४२	२१
२२	१	२२	४८	३	२५	१	५	१५	२५	७	१७	३८	९	१५	५५	११	१८	८	१३	१६	२५	१५	१८	३८	१७	२०	५१	१९	१९	८	२१	२१	२२	२३	१९	३९	२२
२३	१	२६	४४	३	२८	५८	५	१९	२२	७	२१	३४	९	१९	५१	११	२२	५	१३	२०	२२	१५	२२	३४	१७	२४	४८	१९	२३	५	२१	२५	१८	२३	२३	३५	२३
२४	१	३०	४१	३	३२	५४	५	२३	१८	७	२५	३१	९	२३	४८	११	२६	१	१३	२४	१८	१५	२६	३१	१७	२८	४४	१९	२७	१	२१	२९	१५	२३	२७	३२	२४
२५	१	३४	३७	३	३६	५१	५	२७	१५	७	२९	२८	९	२७	४४	११	२९	५८	१३	२८	१५	१५	३०	२७	१७	३२	४१	१९	३०	५८	२१	३३	११	२३	३१	२८	२५
२६	१	३८	३४	३	४०	४७	५	३१	११	७	३३	२४	९	३१	४१	११	३३	५४	१३	३२	११	१५	३४	२४	१७	३६	३७	१९	३४	५४	२१	३७	८	२३	३५	२५	२६
२७	१	४२	३०	३	४४	४४	५	३५	८	७	३७	२०	९	३५	३७	११	३७	५१	१३	३६	८	१५	३८	२०	१७	४०	३४	१९	३८	५१	२१	४१	४	२३	३९	२१	२७
२८	१	४६	२७	३	४८	४०	५	३९	५	७	४१	१७	९	३९	३४	११	४१	४७	१३	४०	४	१५	४२	१७	१७	४४	३१	१९	४२	४८	२१	४५	१	२३	४३	१८	२८
२९	१	५०	२३	३	५२	३७	५	४३	१	७	४५	१३	९	४३	३०	११	४५	४४	१३	४४	१	१५	४६	१४	१७	४८	२८	१९	४६	४५	२१	४८	५७	२३	४७	१४	२९
३०	१	५४	२०				५	४६	५८	७	४९	१०	९	४७	२७	११	४९	४१	१३	४७	५७	१५	५०	११	१७	५२	२४	१९	५०	४१	२१	५२	५४	२३	५१	११	३०
३१	१	५८	१६				५	५०	५४				९	५१	२४				१३	५१	५४	१५	५४	७				१९	५४	३८				२३	५५	७	३१
																																		२३	५९	३	३२

लीप इयर हो तो केवल फरवरी के बाद के महीनों में अभीष्ट तारीख में एक जोड़ कर कोष्ठक नं० २ को प्रयोग में लाइए ।

साम्पातिक काल कोष्ठक नं० ३

रेखांश	०°	पू.२०°	पू.४०°	पू.६०°	पू.८०°	पू.१००°	पू.१२०°	पू.१४०°	पू.१६०°
संस्कार सेकण्ड	+५०	+३७	+२४	+११	-२	-१५	-२८	-४१	-५४
रेखांश	१८०°	प.१६०°	प.१४०°	प.१२०°	प.१००°	प.८०°	प.६०°	प.४०°	प.२०°
संस्कार सेकण्ड	-६७/+१६९	+१५६	+१४३	+१२९	+११६	+१०३	+८९	+७७	+६३

साम्पातिक काल कोष्ठक नं. ४

मि.	०	५	१०	१५	२०	२५	३०	३५	४०	४५	५०	५५
घं.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.
०	० ००	० १	० २	० २	० ३	० ४	० ५	० ६	० ७	० ७	० ८	० ९
१	० १०	० ११	० ११	० १२	० १३	० १४	० १५	० १६	० १६	० १७	० १८	० १९
२	० २०	० २१	० २१	० २२	० २३	० २४	० २५	० २५	० २६	० २७	० २८	० २९
३	० ३०	० ३०	० ३१	० ३२	० ३३	० ३४	० ३४	० ३५	० ३६	० ३७	० ३८	० ३९
४	० ३९	० ४०	० ४१	० ४२	० ४३	० ४४	० ४४	० ४५	० ४६	० ४७	० ४८	० ४८
५	- ४९	० ५०	० ५१	० ५२	० ५३	० ५३	० ५४	० ५५	० ५६	० ५७	० ५७	० ५८
६	० ५९	१ ००	१ १	१ २	१ २	१ ३	१ ४	१ ५	१ ६	१ ७	१ ७	१ ८
७	१ ९	१ १०	१ ११	१ ११	१ १२	१ १३	१ १४	१ १५	१ १६	१ १६	१ १७	१ १८
८	१ १९	१ २०	१ २०	१ २१	१ २२	१ २३	१ २४	१ २५	१ २५	१ २६	१ २७	१ २८
९	१ २९	१ ३०	१ ३०	१ ३१	१ ३२	१ ३३	१ ३४	१ ३४	१ ३५	१ ३६	१ ३७	१ ३८
१०	१ ३९	१ ३९	१ ४०	१ ४१	१ ४२	१ ४३	१ ४३	१ ४४	१ ४५	१ ४६	१ ४७	१ ४८
११	१ ४८	१ ४९	१ ५०	१ ५१	१ ५२	१ ५३	१ ५३	१ ५४	१ ५५	१ ५६	१ ५७	१ ५७
१२	१ ५८	१ ५९	२ ०	२ १	२ २	२ २	२ ३	२ ४	२ ५	२ ६	२ ६	२ ७
१३	२ ८	२ ९	२ १०	२ ११	२ ११	२ १२	२ १३	२ १४	२ १५	२ १६	२ १६	२ १७
१४	२ १८	२ १९	२ २०	२ २०	२ २१	२ २२	२ २३	२ २४	२ २५	२ २५	२ २६	२ २७
१५	२ २८	२ २९	२ २९	२ ३०	२ ३१	२ ३२	२ ३३	२ ३४	२ ३४	२ ३५	२ ३६	२ ३७
१६	२ ३८	२ ३९	२ ३९	२ ४०	२ ४१	२ ४२	२ ४३	२ ४३	२ ४४	२ ४५	२ ४६	२ ४७
१७	२ ४८	२ ४८	२ ४९	२ ५०	२ ५१	२ ५२	२ ५२	२ ५३	२ ५४	२ ५५	२ ५६	२ ५७
१८	२ ५७	२ ५८	२ ५९	३ ०	३ १	३ २	३ २	३ ३	३ ४	३ ५	३ ६	३ ६
१९	३ ७	३ ८	३ ९	३ १०	३ ११	३ ११	३ १२	३ १३	३ १४	३ १५	३ १५	३ १६
२०	३ १७	३ १८	३ १९	३ २०	३ २०	३ २१	३ २२	३ २३	३ २४	३ २५	३ २५	३ २६
२१	३ २७	३ २८	३ २९	३ २९	३ ३०	३ ३१	३ ३२	३ ३३	३ ३४	३ ३४	३ ३५	३ ३६
२२	३ ३७	३ ३८	३ ३८	३ ३९	३ ४०	३ ४१	३ ४२	३ ४३	३ ४३	३ ४४	३ ४५	३ ४६
२३	३ ४७	३ ४८	३ ४८	३ ४९	३ ५०	३ ५१	३ ५२	३ ५२	३ ५३	३ ५४	३ ५५	३ ५६

अयनांश सारणी नं. १

ई. सन्	अयनांश	ई. सन्	अयनांश	ई. सन्	अयनांश
	अं. क. वि.		अं. क. वि.		अं. क. वि.
१९५१	२३ १० २१	१९७५	२३ ३० २८	१९९९	२३ ५० ३४
१९५२	२३ ११ १२	१९७६	२३ ३१ १७	२०००	२३ ५१ २४
१९५३	२३ १२ ०२	१९७७	२३ ३२ ०८	२००१	२३ ५२ १५
१९५४	२३ १२ ५२	१९७८	२३ ३२ ५६	२००२	२३ ५३ ०५
१९५५	२३ १३ ४२	१९७९	२३ ३३ ४६	२००३	२३ ५३ ५५
१९५६	२३ १४ ३३	१९८०	२३ ३४ ३६	२००४	२३ ५४ ४६
१९५७	२३ १५ २३	१९८१	२३ ३५ २६	२००५	२३ ५५ ३६
१९५८	२३ १६ १३	१९८२	२३ ३६ २०	२००६	२३ ५६ २६
१९५९	२३ १७ ०३	१९८३	२३ ३७ १०	२००७	२३ ५७ १७
१९६०	२३ १७ ५४	१९८४	२३ ३८ ००	२००८	२३ ५८ ०७
१९६१	२३ १८ ४४	१९८५	२३ ३८ ५१	२००९	२३ ५८ ५७
१९६२	२३ १९ ३५	१९८६	२३ ३९ ४१	२०१०	२३ ५९ ४८
१९६३	२३ २० २५	१९८७	२३ ४० ३१	२०११	२४ ०० ३८
१९६४	२३ २१ १५	१९८८	२३ ४१ २१	२०१२	२४ ०१ २८
१९६५	२३ २२ ०५	१९८९	२३ ४२ १२	२०१३	२४ ०२ १८
१९६६	२३ २२ ५५	१९९०	२३ ४३ ०२	२०१४	२४ ०३ ०६
१९६७	२३ २३ ४६	१९९१	२३ ४३ ५२	२०१५	२४ ०३ ५६
१९६८	२३ २४ ३६	१९९२	२३ ४४ ४२	२०१६	२४ ०४ ४६
१९६९	२३ २५ २६	१९९३	२३ ४५ ३३	२०१७	२४ ०५ ४०
१९७०	२३ २६ १६	१९९४	२३ ४६ २३	२०१८	२४ ०६ ३०
१९७१	२३ २७ ०७	१९९५	२३ ४७ १३	२०१९	२४ ०७ २०
१९७२	२३ २७ ५७	१९९६	२३ ४८ ०३	२०२०	२४ ०८ १०
१९७३	२३ २८ ४७	१९९७	२३ ४८ ५४	२०२१	२४ ०९ ०१
१९७४	२३ २९ ३७	१९९८	२३ ४९ ४४	२०२२	२४ ०९ ५१

अयनांश सारणी नं. २

तारीख	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८	तारीख	१	४	७	१०	१३	१६	१९	२२	२५	२८
	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.		वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.	वि.
जनवरी	०	१	१	१	२	२	३	३	३	४	जुलाई	२५	२५	२६	२६	२७	२७	२८	२८	२८	२९
फरवरी	४	५	५	६	६	६	७	७	८	८	अगस्त	२९	३०	३०	३१	३१	३१	३२	३२	३३	३३
मार्च	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	सितम्बर	३४	३४	३४	३५	३५	३६	३६	३६	३७	३७
अप्रैल	१३	१३	१३	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	अक्तूबर	३८	३८	३९	३९	३९	४०	४०	४१	४१	४१
मई	१७	१७	१७	१८	१८	१९	१९	२०	२०	२०	नवम्बर	४२	४२	४३	४३	४४	४४	४४	४५	४५	४६
जून	२१	२१	२२	२२	२३	२३	२३	२४	२४	२५	दिसम्बर	४६	४७	४७	४७	४८	४८	४९	४९	४९	५०

महर्षि-पराशरोक्त विंशोत्तरी महादशान्तर्दशा ज्ञान-चक्र

सूर्यदशा वर्ष ६ एक घड़ी में ३६ दिन	चंद्र दशा वर्ष १० एक घड़ी में ६० दिन	भौमदशा वर्ष ७ एक घड़ी में ४२ दिन	राहुदशा वर्ष १८ एक घड़ी में १०८ दिन	गुरु दशा वर्ष १६ एक घड़ी में ९६ दिन	शनि दशा वर्ष १९ एक घड़ी में ११४ दिन	बुध दशा वर्ष १७ एक घड़ी में १०२ दिन	केतुदशा वर्ष ७ एक घड़ी में ४२ दिन	शुक्रदशा वर्ष २० एक घड़ी में १२० दिन
कृ. उ. फा. उ. षा.	रो. ह. श्रवण	मृ. चि. ध.	आर्द्रा स्वा. श.	पुन. वि. पू. भा.	पुष्य अनु. उ. भा	आश्ले. ज्ये. रे.	म. मू. अश्वि.	पू. फा. पूषा. भ.
तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्	तन्मध्येऽन्तरम्
ग्रह व. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.	ग्रह च. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.	ग्रह व. मा. दि.
र ० ३ १८	चं. ० १० ०	मं. ० ४ २७	रा. २ ८ १२	बृ. २ १ १८	श. ३ ० ३	बु. २ ४ २७	के. ० ४ २७	शु. ३ ४ ०
चं. ० ६ ०	मं. ० ७ ०	रा. १ ० १८	बृ. २ ४ २४	श. २ ६ १२	बु. २ ८ ९	के ० ११ २७	शु. १ २ ०	र. १ ० ०
मं. ० ४ ६	रा. १ ६ ०	बृ. ० ११ ६	श. २ १० ६	बु. २ ३ ६	के. १ १ ९	शु. २ १० ०	र. ० ४ ६	च. १ ८ ०
रा. ० १० २४	बृ. १ ४ ०	श. १ १ ९	बु. २ ६ १८	के. ० ११ ६	शु. ३ २ ०	र. ० १० ६	चं. ० ७ ०	म. १ २ ०
बृ. ० ९ १८	श. १ ७ ०	बु. ० ११ २७	के. १ ० १८	शु. २ ८ ०	र. ० ११ १२	चं. १ ५ ०	मं. ० ४ २७	रा. ३ ० ०
श. ० ११ १२	बु. १ ५ ०	के. ० ४ २७	शु. ३ ० ०	र. ० ९ १८	चं. १ ७ ०	मं. ० ११ २७	रा. १ ० १८	बृ. २ ८ ०
बु. ० १० ६	के. ० ७ ०	शु. १ २ ०	र. ० १० २४	चं. १ ४ ०	मं. १ १ ९	रा. २ ६ १८	बृ. ० ११ ६	श. ३ २ ०
के. ० ४ ६	शु. १ ८ ०	र. ० ४ ६	चं. १ ६ ०	मं. ० ११ ६	रा. २ १० ६	बृ. २ ३ ६	श. १ १ ९	बु. २ १० ०
शु. १ ० ०	र. ० ६ ०	चं. ० ७ ०	मं. १ ० १८	रा. २ ४ २४	बृ. २ ६ १२	श. २ ८ ९	बु. ० ११ २७	के. १ २ ०

शिवोक्त योगिनी-दशाऽन्तर्दशा ज्ञानार्थ चक्र

मंगला व. १	पिंगला व. २	धान्या व. ३	भ्रामरी व. ४	भद्रा व. ५	उल्का व. ६	सिद्धा व. ७	संकटा व. ८	दशा तथा वर्ष
चन्द्र	सूर्य	गुरु	मंगल	बुध	शनि	शुक्र	केतु	दशेश ग्रहा
आर्द्रा चि. श्र.	पुन. स्वा. ध.	पुष्य. वि.श.	अश्वि.आश्ले.अनु.पू.भा.	भ.म.ज्ये.उ.भा	कृ. पू. फा. मू.रे.	रो.ऊ.फा.पू.षा.	मृ. ह. उ.षा	जन्म नक्षत्र
मं. ० १०	पिं. १ १०	धा. ३ ०	भ्रा. ५ १०	भ. ८ १०	उ. १२ ०	सि. १६ १०	सं. २१ १०	अन्तर्दशा के मास, दिन।
पिं. ० २०	धा. २ ०	भ्रा. ४ ०	भ. ६ २०	उ. १० ०	सि. १४ ०	सं. १८ २०	म. २ २०	
धा. १ ०	भ्रा. २ २०	भ. ५ ०	उ ८ ०	सि. ११ २०	सं. १६ ०	मं. २ १०	पि ५ १०	
भ्रा. १ १०	भ ३ १०	उ ६ ०	सि. ९ १०	सं १३ १०	मं. २	पिं. ४ २०	धा. ८ ०	
भ. १ २०	उ. ४ ०	सि. ७ ०	स. १० २०	मं. १ २०	पिं. ४ ०	धा. ७ ०	भ्रा. १० २०	
उ. २ ०	सि. ४ २०	सं. ८ ०	मं. १ १०	पिं. ३ १०	धा. ६ ०	भ्रा. ९ १०	भ. १३ १०	
सि. २ १०	सं ५ १०	मं. १ ०	पिं. २ २०	धा. ५ ०	भ्रा. ८ ०	भ. ११ २०	उ. १६ ०	
सं. २ २०	मं. ० २०	पिं. २ ०	धा. ४ ०	भ्रा ६ २०	भ. १० ०	उ. १४ ०	सि. १८ २०	

दशा का भुक्तभोग्य

गत नक्षत्र की घट्यादि को ६० में से घटाकर इष्ट घटी पल जोड़ने से भयात होता है । ६०में से घटाए हुए अंकों में प्रवेश नक्षत्र के घट्यादि जोड़ने से भभोग होता है। भयात और भभोग की घटियों को ६० से गुणा कर पल बना लें। भयात के पलों को दशा के वर्षों से गुणाकर भभोग के पलों से भाग दें, लब्ध अंक वर्ष, फिर शेषांक को १२ से गुणा करें, भभोग के पलों से भाग दें,लब्ध मास, फिर शेषांक को ३० से गुणाकर भभोग के पलों से भाग दें, लब्ध दिन, फिर शेषांक को ६० से गुणाकर भभोग के पलों का भाग दें. लब्धांक घटी, फिर शेषांक को ६० से गुणाकर भभोग के पलों का भाग दें, लब्ध पल होंगे । यह वर्षादि दशा का भुक्त होता है। इसको दशा के वर्षों में से घटाने पर भोग्य दशा होगी ।

वर्षकुंडली में तनु आदि भावों में स्थित ग्रहों का फल

ग्रह	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सूर्य	चिन्ता	नृप भीः	धनलाभः	हानिः	कष्टम्	शत्रुनाश	पीड़ा	कष्टम्	धर्म नाश	सुखम्	धनला.	पीड़ा
चन्द्र	पीड़ा	धनलाभः	हर्ष	शत्रुनाश	सुखम्	पीड़ा	कष्टम्	दुःखम्	भाग्योदयः	विजय	धनला.	व्यय
भौम	व्रजः	धननाशः	जयः	व्यसन	दुर्गतिः	शत्रुनाश	स्त्रीकष्टम्	पीड़ा	पुण्योदयः	राज्यला.	धनला.	विरोध
बुध	सौख्यम्	धनलाभः	सुखम्	द्रव्यलाभ	पुत्रलाभ	कलह	धनलाभ	व्यग्रता	सुखम्	मानला.	सुखला.	विग्रह
गुरु	सुखम्	धनलाभः	जयः	वाहन ला.	पुत्रलाभ	कष्टम्	सुखम्	रोग	धर्मलाभ	राज्यला.	धनला.	शोक
शुक्र	मानत्रा.	धनप्राप्ति	कीर्तिला	सुखलाभ	धनलाभः	शत्रुभीति	स्त्रीसुखम्	कष्टम्	धर्मोदय	मानला.	धनला.	व्यय
शनि	वातार्ति	पीड़ा	धनलाभः	दुःखम्	पुत्रप्रा.	जयः	स्त्रीकष्टम्	रोग	भाग्यहा.	धनहा.	धनला.	चिंता
राहु	शिरोर्ति	राजभी	सुखम्	दुःखम्	बुद्धिनाश	शत्रुनाश	रोगभीः	कष्टम्	हानि	विजय.	सुलाभ.	व्याधि
केतु	चिन्ता	क्लेश	आरोग्य	राजभीः	दुर्बुद्धि	सुखम्	क्लेशः	पीड़ा	भाग्यना.	धनला.	लाभ	शोक
प्रश्न	सुखम्	यश,अर्थ	पुष्टि	दुःखम्	सुखाप्तिः	कष्टम्	व्यसनम्	दुःखम्	भाग्योदय	राज्यप्रा.	लाभ	कष्टम्

सूर्यसिद्धान्तीय वर्षप्रवेश-सारणी

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१
घटी	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१
पल	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५
घटी	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२
पल	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

सूचना- वेधसिद्धि वर्षमान सूर्य सिद्धान्तीय वर्षमान से ८.५ पल कम है। अत: सूक्ष्म-वर्ष प्रवेश-कालिक इष्ट निकालने के लिए गताब्दों को ८.५ से गुणा करके पलात्मक फल को सारणी से साधित इष्ट में से घटा देना चाहिए। यही सूक्ष्म-वर्ष मानानुसारी इष्ट होगा, चाहो तो इस इष्ट पर भी फल अनुभव करें।

वर्षफल साधन प्रकार:- (१.)अभीष्ट संवत् (जिस संवत् का वर्ष निकालना हो) में से जन्म समय का संवत् हीन करने से जो शेष बचे वह गतवर्ष, (गताब्द) जाने। स्मरण रहे, कि-मेषार्क प्रवेश के प्रथम और चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अनन्तर का यदि वर्ष करना हो तो पिछले संवत् से करना (**वर्षायनर्तुयुगपूर्वकमत्र सौरात्**)। इस प्रकार गताब्द निकालकर उसी गताब्द अंक के नीचे सारणी में जो वारादि अंक हैं उनमें जन्म का वार, इष्ट घड़ी पल जोड़ने से वर्ष प्रवेश कालिक वारादि इष्ट ज्ञात हो जाता है। यदि नीचे घटयादि अंक साठ से अधिक हों तो ६० का भाग/देने से लब्धांक को ऊपर युक्त करते जाना। ऊपर से वारांक में सात से अधिक आजाय तो सात का भाग देकर लब्ध त्याग देने से वर्षप्रवेश समय का स्पष्ट वारादि इष्ट होगा। (२.) जिस दिन जन्म समय के स्पष्ट सूर्य तुल्य वर्ष में सूर्य मिले उसी दिन वर्ष प्रवेश जानना। प्रविष्टों के अनुसार कभी-कभी बार नहीं मिलता। वहाँ पर बार को ठीक जाने। इस इष्ट के अनुसार स्वदेशीय लग्न सारणी से लग्न साधन करके वर्ष कुण्डली लगाना। **मुन्थानयनप्रकार-** गताब्द संख्या में जन्म लग्न जोड़कर उसमें १२ का भाग देना जो शेष बचे वह मुन्था जानना। यह मुन्था प्रतिदिन पांच कला चलती है।

मुद्दा दशा- गत वर्ष में जन्म नक्षत्र जोड़कर उसमें दो घटायें, ९ का भाग देने से जो शेष बचे सो दशा जाननी १ बचे तो सूर्य, २ से चन्द्रमा, ३ से मंगल, ४ से राहु, ५ से गुरु, ६ से शनि, ७ से बुध, ८से केतु, ९ से शुक्र की दशा जानें।

दशा दिनादि- सूर्य के १८ दिन, चन्द्रमा के ३०, मंगल २१,राहु ५४, गुरु ४८, शनि ५७, बुध ५१, केतु २१, शुक्र ६०,यह दशा के दिन हैं।

हर्ष स्थान बल- सूर्य वर्ष लग्नन से ९ चन्द्रमा ३, मंगल ६, बुध १, गुरु ११वें, शुक्र ५वें, शनि. १२वें स्थान में हो तो ५ हर्ष बल देते हैं।

स्वोच्च बल- सू. १।५ च. २।४, मं. १।८।१०, बु. ३।६, गुरु. ९।१२।४, शु. २।७।१२, श. १०।११।७, इन राशियों में ५ बल देते हैं। **पुरुषस्त्री- ग्रह- बल-**स्त्रीग्रह (चं.बु.शु.श.) १।२।३।७।८।९ और पुरुष ग्रह (सू. मं. बृ.) ४।५।६।१०।११।१२वें स्थानों में ५ बल देते हैं। **दिनरात्रि बल-** दिन के वर्षेष्ट में पुरुषग्रह ५ बल देते हैं और रात्रि के इष्ट में स्त्रीग्रह ५ बल देते हैं।

त्रिराशिपति चक्र

मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशि
सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	वृ.	चं.	दिनलग्नपति
बृ.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.	रात्रिलग्नपति

वर्ष में दृष्टि ज्ञान और फल

वर्ष में जो ग्रह जिस भाव में पडा हो उस भाव से पांचवे ९वें भाग को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से देखता है। **फल** - कार्य में शीघ्र सफलता, सुख, प्रेम, लाभ ओर जिन मनुष्यों के साथ पहले शत्रुता होती है, उनसे प्रेम होता है। तीसरे, ग्यारहवें गुप्त मित्र दृष्टि से देखता है। कार्य कठिनता से एंव गुप्त भाव से सफल हो, पहले सातवें प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि होती है। फल- शत्रुता उत्पन्न करे, मित्र से बैर, धन हानि, बनते काम को बिगाडना आदि फल होते है।४-१० गुप्तशत्रु दृष्टि से देखते है। फल - कार्य बडी कठिनता से सफल हो, गुप्तरूप से शत्रु भी उत्पन्न होते हैं।

अथ वर्षेश निर्णय :- जन्म लग्नेश १, वर्ष लग्नेश २, मुन्थेश ३ त्रैराशींश ४ समयेश ५ (दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिसे राशि पर हो उस राशि का स्वामी और रात्रि में हो तो चन्द्रराशि का स्वामी) इन पांचों अधिकारियों में से जो सबसे बलवान हो और लग्न को देखेंवह वर्षेश होगा,। यदि पाँचों में से कोई भी लग्न को न देखता हो तो उन में से अधिक बलवान हो वही वर्षवेश्वर होगा। कई ग्रहों का बल समान हो तो जिसकी लग्न पर अधिक दृष्टि हो वह बल. दृष्टि. अधिकार यह तीनों समान हो तो मुन्थेश ही वर्षेश हो। यदि चन्द्रमा वर्षेश प्राप्त हो तो जिससे वह इत्थशाल करे या जिसकी राशि में बैठा हो वही वर्षेश हो॥ फल - वर्षेश ६।८।१२ व अस्तंगत हीन बली हो तो वर्ष में दु:ख शोक, चिन्ता, भय विशेष होगा। यदि बलिष्ठ होकर शुभ स्थान में सुयोग के साथ बैठा हो तो वर्ष में सुखैश्वर्य की वृद्धि हो।

वर्ष में तबदीली का योग- वर्ष कुण्डली में लग्नेश - तृतीयेश वा चतर्थेश-नवमेश एक घर में हो या एक दुसरे को मित्र दृष्टि से देखें तो उस वर्ष तबदीली होगी। अगर वर्ष- लग्नेश वक्री हो और वह मित्रग्रह से दृष्ट हो तो भी तबदीली होगी।

सूक्ष्म, शुद्ध वर्षमान के अनुसार वर्षप्रवेश काल

वेध द्वारा यह सिद्ध हो चुका है कि सूर्यसिद्धान्तीय वर्षमान वास्तविक (शुद्ध) वर्षमान से ३$\frac{१}{२}$ मिनट अधिक है। शुद्ध वर्षफल बनाने के लिए सूक्ष्म वर्षप्रवेशकाल का होना आवश्यक है। हम यहां "सूक्ष्म वर्ष-प्रवेश-सारणी" दे रहे हैं। जो दैवज्ञ वर्षफल के लिए सूक्ष्म वर्षप्रवेशकाल जानना चाहते हैं, उन्हें इसी सारणी का प्रयोग करना चाहिए।

इस सारणी में घं.मि. का प्रयोग है, अतः इससे वर्षप्रवेशकाल जानने के लिए जातक के जन्म का स्टैं.टा. ही यहां प्रयोग में लाना होगा। जैसे- मान लीजिए किसी व्यक्ति के दसवें वर्ष का प्रवेशकाल जानना है। उस व्यक्ति के जन्म का वार चन्द्र और जन्मकाल (भा.स्टैं. टा.) ८ घं. २० मि. (प्रातः) है। उसके वारादि जन्मकाल (२ वा.८घं.२० मि.)में सारणी से गताब्द ९ द्वारा प्राप्त वारादि काल ४ वा. ७घं. २२ मि. जोड़ने पर ६ वा. १५ घं. ४२ मि. मिले। इसका अर्थ हुआ कि इस व्यक्ति के दसवें वर्ष का प्रवेश शुक्रवार को १५ घं. ४२ मि. (भा.स्टैं.टा.) पर होगा।

ध्यान रहे- इस सारणी के प्रयोग से प्राप्त वार रात्रि के १२ बजे बदलने वाला होगा। अतः यहां प्रयोग में लाया जाने वाला जन्मकालिक वार भी इसी प्रकार का होना चाहिए।

सूक्ष्म वर्ष प्रवेश सारणी

गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.	गताब्द	वार घं. मि.
१	१/६/९	१३	२/७/५९	२५	३/९/४९	३७	४/११/३९	४९	५/१३/२९	६१	६/१५/१९	७३	०/१७/९	८५	१/१८/५९	९७	२/२०/४९	१०९	३/२२/३९
२	२/१२/१८	१४	३/१४/८	२६	४/१५/५८	३८	५/१७/४८	५०	६/१९/३८	६२	०/२१/२८	७४	१/२३/१८	८६	३/१/८	९८	४/२/५८	११०	५/४/४८
३	३/१८/२७	१५	४/२०/१७	२७	५/२२/७	३९	६/२३/५७	५१	१/१/४७	६३	२/३/३७	७५	३/५/२७	८७	४/७/१७	९९	५/९/७	१११	६/१०/५७
४	५/०/३७	१६	६/२/२७	२८	०/४/१६	४०	१/६/६	५२	२/७/५६	६४	३/९/४६	७६	४/११/३६	८८	५/१३/२६	१००	६/१५/१६	११२	०/१७/६
५	६/६/४६	१७	०/८/३६	२९	१/१०/२६	४१	२/१२/१६	५३	३/१४/६	६५	४/१५/५६	७७	५/१७/४५	८९	६/१९/३५	१०१	०/२१/२५	११३	१/२३/१५
६	०/१२/५५	१८	१/१४/४५	३०	२/१६/३५	४२	३/१८/२५	५४	४/२०/१५	६६	५/२२/५	७८	६/२३/५५	९०	१/१/४५	१०२	२/३/३४	११४	३/५/२४
७	१/१९/४	१९	२/२०/५४	३१	३/२२/४४	४३	५/०/३४	५५	६/२/२४	६७	०/४/१४	७९	१/६/४	९१	२/७/५४	१०३	३/९/४४	११५	४/११/३४
८	३/१/१३	२०	४/३/३	३२	५/४/५३	४४	६/६/४३	५६	०/८/३३	६८	१/१०/२३	८०	२/१२/१३	९२	३/१४/३	१०४	४/१५/५३	११६	५/१७/४३
९	४/७/२२	२१	५/९/१२	३३	६/११/२	४५	०/१२/५२	५७	१/१४/४२	६९	२/१६/३२	८१	३/१८/२२	९३	४/२०/१२	१०५	५/२२/२	११७	६/२३/५२
१०	५/१३/३२	२२	६/१५/२२	३४	०/१७/११	४६	१/१९/१	५८	२/२०/५१	७०	३/२२/४१	८२	५/०/३१	९४	६/२/२१	१०६	०/४/११	११८	१/६/१
११	६/१९/४१	२३	०/२१/३१	३५	१/२३/२१	४७	३/१/११	५९	४/३/०१	७१	५/४/५०	८३	६/६/४०	९५	०/८/३०	१०७	१/१०/२०	११९	२/१२/१०
१२	१/१/५०	२४	२/३/४०	३६	३/५/३०	४८	४/७/२०	६०	५/९/१०	७२	६/११/०	८४	०/१२/५०	९६	१/१४/४०	१०८	२/१६/२९	१२०	३/१८/१९

-वर्षप्रवेश का लग्न किस स्थान का होना चाहिए।

जिस प्रकार जातक का जन्म जिस स्थान पर होता है उसी स्थान के अक्षांश-रेखांशानुसार ही लग्न का निर्णय किया जाता है, ठीक उसी प्रकार वर्षप्रवेश के समय जातक जिस स्थान पर हो उसी स्थान के अक्षांश -रेखांशानुसार ही वर्षप्रवेश का लग्न होना चाहिए, क्योंकि वर्ष प्रवेश भी जातक का एक 'उपजन्म' ही है। इस प्रकार न्यूयार्क (अमेरिका) में जन्म लेने वाला जातक यदि अपने किसी वर्ष के प्रवेश के समय दिल्ली (भारत) में मौजूद है तो उसके उस वर्ष का प्रवेशकालीन लग्न दिल्ली के अक्षांश-रेखांशानुसार ही लगाना चाहिए। इसी तरह यदि दिल्ली में जन्म लेने वाला जातक वर्षप्रवेश के समय न्यूयार्क में हो तो उसके उस वर्ष का प्रवेशकालीन लग्न न्यूयार्क के अक्षांश-रेखांशानुसार ही होना चाहिए। क्योंकि प्राचीन काल में अधिकतर लोग अपने जन्मस्थान को छोड़कर बहुत कम दूसरे स्थान पर जाते थे, अतः ज्योतिषी लोगों में वर्षप्रवेश के लग्न को जन्मस्थान से ही जोड़ने की परम्परा बन गई, जो तर्कसंगत नहीं है।

इस विषय को स्पष्टता से समझने के लिए 'सं २०५२ वि. के ' "श्री मार्त्तण्ड पंचांग" में पृ. ४१ -४२ पर छपा मेरा लेख **"वर्षप्रवेश का लग्न किस स्थान का होना चाहिए?"** पढ़ें।

मास प्रवेशकाल

भिन्न भिन्न राशियों में संचार करता हुआ सूर्य जब-जब जातक के जन्म-कालिक स्पष्ट सूर्य की अंश, कला, विकलाओं के तुल्य अंश,कला, विकलाओं पर आता है तब-तब जातक के मासों का प्रारम्भ (मास प्रवेश)होता है। उदाहरणार्थ- यदि जातक का जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य २ रा. १० अं. २५ क. ४० वि. है, तो जब जब वह (सूर्य) जातक की आयु के विभिन्न वर्षों मे मेष आदि राशियों के १० अं. २५ क. ४० वि. पर पहुँचेगा, तब -तब जातक के तत्तद् वर्षों के मासों का प्रारम्भ माना जाएगा। सूर्य अमुक राशि के अमुक अं.क. वि. पर कब पहुँचेगा-इसका निर्णय सूर्य की मास-प्रवेश वाले दिन की गति और उस दिन के पंचांगस्थ दैनिक सूर्य तथा मास-प्रवेशकालिक सूर्य के अन्तर से त्रैराशिक द्वारा किया जा सकता है। (इसके लिए सं. २०५० वि. के "मार्त्तण्ड पंचांग" में पृष्ठ ४१ पर दिया गया मेरा लेख **"स्पष्टमान से मास प्रवेश काल"** पढ़ें।)

— प्रियव्रत शर्मा

ग्रहशील-चक्र

रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	
३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	३।१०	०	३।१०	३।१०	ग्रहाणां एकपाददृष्टिः
५।९	५।९	५।९	५।९	०	५।९	५।९	५।९	५।९	द्विपाददृष्टि
४।८	४।८	०	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	४।८	त्रिपाददृष्टि
७	७	४।७।८	७	५।७।९	७	३।७।१०	७	७	सम्पूर्ण दृष्टि
चं मं गु	र. बु.	र. बृ. चं.	र. रा. शु.	र. चं. मं.	बु. रा. श.	बु. रा. शु.	बु. श. शु.	बु.	मित्र-ग्रहाः
बु.	मं. श. गु. शु.	शु. श.	मं. गु. श.	रा. श.	मं. गु.	गु.	गु.	०	समग्रहाः
श. रा. शु.	रा.	बु. रा.	चं.	बु. शु.	र. चं.	र. चं. मं.	र. चं. मं.	०	शत्रुग्रहाः
मेष	वृष	मकर	कन्या	कर्क	मीन	तुला	मिथुन	धनु	उच्चराशयः
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	१५	१५	परमोच्चांशा:
तुला	वृश्चिक	कर्क	मीन	मकर	कन्या	मेष	धनु.	मिथुन	नीचराशयः
१०	३	२८	१५	५	२७	२०	१५	१५	नीचांशा:
सिंह	कर्क	मे. वृश्चि.	मि. कं.	ध. मी.	वृष, तुला	म. कुं.	कन्या	मीन	स्वगृहाणि
सिंह	वृष	मेष	कन्या	धनु	तुला	कुम्भ	कर्क	मकर	मूलत्रिकोण
क्षत्रिय	वैश्य	क्षत्रिय	शूद्र	विप्र	विप्र	शूद्र निषाद	निषाद	निषाद	वर्ण
पुरुष	स्त्री	पुरुष	नपुंसक	पुरुष	स्त्री	नपुंसक	पुरुष	पुरुष	पु.स्त्री.नपुंसक
मध्याह्न	अपराह्न	मध्याह्न	प्रभात	प्रभात	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	अपराह्न	समय
पूर्व	वायव्य	दक्षिण	उत्तर	ईशान	आग्नेय	पश्चिम	नैर्ऋत्य	नैर्ऋत्य	दिशा
सुवर्ण	रौप्य	सुवर्ण	कांस्य	सुवर्ण	रौप्य	लोह	लोह	लोह	धातु
चतुष्पद	बहुपद	चतुष्पद	द्विपद	द्विपद	द्विपद	भुजंगपद	अपद	अपद	पाद
उग्र	सौम्य	उग्र	शुभ	शुभ	शुभ	पाप	पाप	पाप	सौम्यादि
सत्व	सत्व	तम	रज	सत्व	रज	तम	तम	तम	गुण
स्थिर	चर	चर	द्विस्व.	स्थिर	चर	पक्षी, स्थिर	चर	पक्षी	चरादि
तिक्त	क्षार	कटु	सर्व रस	मधुर	अम्ल	कषाय	कषाय	कषाय	रस
पशु	जलभु.	दुग्ध	श्मशान	वाणी	जल	उत्कट	ऊपर	ऊपर	भूमि
पित्त	श्लेष्म	पित्त	समधातु	समधातु	कफशुक्र	वायु	धूम्र	वायु	पित्तादि
वृद्ध	युवा	युवा	युवा	वृद्ध	युवा	अतिवृद्ध	वृद्ध	वृद्ध	अवस्था
पाटल	गौरश्वेत	रक्त	नील	पीत	श्वेत	नील	धूम्र	धूम्र	रंग
मूल	जीव	धातु	जीव	जीव	मूल	मूल	धातु	धातु	धात्वादि
वन	जल	वन	ग्राम	ग्राम	ग्राम	सन्धि	विवर	विवर	स्थान

वर्ष में योगिनी के लिए जन्म नक्षत्र संख्या में गताब्द जोड़ें ३ और जोड़ें ८ से शेष करें तो मंगलादि योगिनी दशा होती है

वर्षयोगिनीमतेन मुद्दादशा (मास-दिन)

मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
०	०	१	१	१	२	२	२
१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

गर्भ योग - वर्ष कुण्डली में लग्रेश पांचवे या सातवें पड़ा हो वा पंचमेश और सप्तमेश लग्न में पड़े हों तो उस वर्ष गर्भयोग होता है । मुंथेश और चन्द्रमा बली होकर पांचवे हो और पंचमेश भी बली हो तो गर्भ होता है ।

जन्मपत्री न हो तो वर्ष बनाने की रीति

स्पष्ट प्रश्न लग्न की राशि को छोड़कर अंशादिक की कला करना, फिर उसमें १५० (डेढ़ सौ)का भाग देना । लब्ध जो राश्यादि चार फल आवे उसकी राशि के अंक में प्रश्न लग्न की राशि अंक मिलाना, यह मुंथा का स्पष्ट लग्न जानना। और प्रश्न लग्न से चतुर्थ राशि का स्वामी जन्म लग्रेश जानना अर्थात् पंचाधिकारियों में जन्म लग्न पति के स्थान में प्रश्नलग्न से चतुर्थ राशि का स्वामी जो हो वह लिखना। प्रश्न पत्र पर वर्ष बनाने में इतना ही विशेष जानना। अन्य सर्व रीति में कुछ न्यूनाधिक नहीं है ।

अरिष्ट योग :

यदि जन्म लग्न ही वर्ष लग्न होऔर जन्म नक्षत्र भी वर्ष में वहीं आ जाये तो यह द्विजन्मा वर्ष अशुभ है । वर्ष में गुरु चन्द्र शुभ न हो तो अशुभ कष्ट भय होता है। वर्ष में गुरु चन्द्र शुभ हो तो अशुभ फल नहीं होगा ।

आवश्यक मुहूर्त

कोई भी कार्य यह शास्त्र- सम्मत शुभ-मुहूर्त में करें तो अवश्य सफल होकर सुखप्रद होता है। गुरु शुक्रास्त में गया-गोदावरी यात्रा में नवरात्र कृत्य में एवं चातुर्मास्य व्रत में गुरु - शुक्रास्त का दोष नहीं होता।

गर्भाधान संस्कार का मुहूर्त

शुभ तिथियां- १,२,३,५,७,१०,११,१२,१३। शुभ नक्षत्र- तीनों उत्तरा मृ.ह.अनु.रो.स्वा.श्र.ध.श.। शुभ लग्न-जब लग्न और ४,५,७,९,१० स्थानों में शुभग्रह हों,३,६,११ स्थानों में पापग्रह हों सूर्य मंगल या गुरु लग्न हो देखते हों,विषम राशि के नवांशक में चन्द्रमा हो, रजोदर्शनकाल से पहली चार रात्रि छोड़ कर १६ रात्रि तक समरात्रि में गर्भ हो तो पुत्र, विषम में कन्या होती है।

चित्रा, पुन., पुष्य, अश्विनी गर्भाधान के लिए मध्यम है।

गर्भाधान के लिए अशुभ-काल

भद्रा ४,६,८,९,१४,१५, ३० तिथियां, संक्रान्ति का दिन। सन्ध्याकाल, मंगल, रवि, शनिवार, रजोदर्शनकाल की पहली चार रात्रियां, ज्येष्ठा, रेवती और आश्लेषा नक्षत्रों के अन्त की दो घड़ी, मूल अश्विनी और मघा के आदि की २ घड़ी ४,८,१२, लग्नों के अन्त की आधी घड़ी ५,९,१ लग्नों की आधी घड़ी ५,१,१५ तिथियों के अन्त की एक घड़ी,६,११,१ तिथियों के आदि की एक घड़ी, निर्बल तारा, जन्म नक्षत्र मूल, भरणी, अश्विनी,रेवती, मघा-नक्षत्र, ग्रहण के दिन व्यत्तिपात वैधृतियोग माता-पिता के श्राद्ध का दिन, दिन का समय, परिघ योग का आधा भाग, उत्पात से हत नक्षत्र, जन्मराशि से अष्टमलग्न, पापयुक्त लग्न तथा नक्षत्र गर्भाधान के लिए वर्जित है।

गर्भ मासों के स्वामी

मास	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
स्वामी	शुक्र	मंगल	गुरु	सूर्य	चन्द्रमा	शनि	बुध	गर्भाधान समय का लग्नेश	चन्द्रमा	सूर्य

स्त्री पुरुष के चन्द्रबल की विशेषता

गर्भाधान संस्कार में स्त्री का चन्द्रबल देखना चाहिए, और अन्य कर्मो में पति का चन्द्रबल देखना चाहिए, यह सदा स्मरण रखें।

पुंसवन का मुहूर्त - यह गर्भाधान के तीसरे मास में गुरु. रवि. मंगलवार को मृ, पुन, पु, ह, मूल और श्रवण नक्षत्रों में १,२,३,५,७,१०,११,१३,१५,तिथियों में जब लग्न से १,४,५,७,९, और १० स्थानों में शुभग्रह और ३,६,११ स्थान में पापग्रह हों तो तब शुभ होता है। तीनों उत्तरा, रोहिणी और रेवती नक्षत्र तथा सोम, बुध, और शुक्रवार भी शुभ है।

सीमान्त संस्कार का मुहूर्त - गर्भाधान के छठे या आठवें मास में, जब मास का स्वामी बली हो तब पुंसवन के मुहूर्त में निर्दिष्ट तिथियों, वारों, नक्षत्रों और लग्नों में सीमान्त शुभ होता है।

सीमन्त जातकदीनि प्राशनान्तानि यानि वै। न दोषो मलमासस्य मौढ्यस्य गुरुशुक्रयोः॥

गर्भ-रक्षा के लिए विष्णुपूजा - गर्भाधान के आठवें मास में श्रवण, रोहिणी और पुष्य नक्षत्र में शुभ लग्न, वार और तिथियों में जब लग्न से आठवां स्थान शुद्ध हो तब विष्णु की पूजा करनी चाहिए।

मेधा-जनन संस्कार - बालक उत्पन्न होने के अनन्तर नाल काटने से पहले दाहिने हाथ की अनामिका अंगली के अग्रभाग में सुवर्ण लगाकर सुवर्ण सहित अंगुली से शहद और गौ के घी को मिलाकर "ॐ भूस्त्वयि दधामि, ॐ भुवस्त्वयि दधामि, ॐ स्वस्त्वयि दधामि, ॐ भूर्भुव स्वः सर्वं त्वयि दधामि" इन चारों मन्त्रों से बालक को थोड़ा-थोड़ा चार बार मधु चटावें, ऐसा करने से बालक बुद्धिमान और यशस्वी होता है।

स्तनपान कराने व सुतिका पथ्य का मुहूर्त - रिक्तामा.. भद्रा, व्यातिपात एवं वैधृति को छोडकर शुभ तिथियां हों. वार चं. बु. गु. श. हों. नक्षत्र मृग. पुन. पु. श्र. रे. म. हो. तब स्तनपान कराना शुभ है। आगे अन्नप्राशन में कही गई तिथि नक्षत्रों में सूतिकापथ्य शुभ है।

प्रसूता स्त्री के स्नान का मुहूर्त - रेवती तीनों उत्तरा. रो. मृ. ह. स्वा. अश्विनी और अनुराधा नक्षत्रों में रवि गुरु और भौम वारों में. १.२.३.५.७.१०.११.१३.१५. तिथियां शुभ है। आर्द्रा पुन. पु. श्र. म. भ. कृ. वि. मू. और चित्रा नक्षत्र तथा शनि और बुधवार त्याज्य है। अन्य नक्षत्र और वार मध्यम है।

प्रसूता स्त्री के जलपूजन का मुहूर्त - मास समाप्त हाने पर बुध. गुरु या चन्द्रवार की ४.९.१४. तिथियों को छोडकर अन्य तिथियों में श्र. पुन. पु. मृ. ह. मू. अनु. नक्षत्रों में जलपूजन उत्तम है। परन्तु गुरु और शुक्र के अस्त में चैत्र. पौष या अधिक मास में (मास पूरा होने पर भी) जलपूजन नहीं करना चाहिए।

जातकर्म और नामकरण का मुहूर्त - संक्रान्ति का दिन. भद्रा और व्यतिपात को छोडकर १.२.३.५.७.१०.११.१२.१३ तिथयों में जन्मकाल से ११ वें या १२ वें दिन सोम. बुध और शुक्रवार को मृ. रे. चि. अनु. तीनों उत्तरा. रो. ह. अश्विनी पुष्य. अभि. स्वा. पुन. श्र. ध. श. नक्षत्रों में जब लग्न से १,४,५,७,१० स्थनों में शुभग्रह तथा ३.६.११ स्थानों में पापग्रह हो तब शुभ होता है।

अथ दोला (झूला) आरोहण मुहूर्त

जन्म दिन से १०।१२।१६।१८।३२ दिन शुक्रवार में मृ. रे. चि. अनु. ह. अश्वि. पुष्य. अभि. तीनों उत्तरा. रो. नक्षत्रों में ४।९।१४।३० इनसे रहित तिथियों में १।४।७।१० इन लग्नों में शुभग्रह से युक्त हाने पर १।४।५।६।७।९।१०।११ वें शुभग्रह हों ३।६।११वें पापग्रह हो तो उत्तम होता है।

सूर्य नक्षत्र से चन्द्रनक्षत्र तक गिनें				
५	५	५	५	७
नैरुज्य	मरण	कृशता	व्याधि	सौख्य

निष्क्रमण मुहूर्त - स्वा. अश्वि. पुन. ह.मू. पु. अनु. श्र. रो. ध. नक्षत्रों में भौम. शनि को छोडकर अन्य वारों में, रिक्ता अमा. भद्रादि से रहित शुभ दिन मे, तीसरे चौथे मास में शुभ है। शीघ्रता होवे तो १२ वें दिन बालक का निष्क्रमण करें। इसी दिन सूर्य और नक्षत्र पूजन पूर्वक सूर्य नक्षत्रों का दर्शन करावें।

भूम्युपवेशन मुहूर्त-पांचवे महीने में पृथ्वी वाराह का पूजन करके भौम के पूर्ण बल में तीनों उत्तरा.रो.मृ.ज्ये.अनु.अश्वि.ह.पुष्य.अभि.इन नक्षत्रों में ४।९।१४।३० इन तिथियों को छोड़कर स्थिर लग्न मे शुभ दिन में बालक के करधनी का त्रिसूत्र- बांध कर पृथ्वी पर बिठावें।

भूम्युपवेशन के लिए मंत्र-''रक्षैनं वसुधे देवि सदा सर्वगतं शुभे। आयुः प्रमाणं सकलं निक्षिपस्व हरिप्रिये!'' इति॥ इसी समय बालक के सामने पुस्तक, कलम, वस्त्र, शस्त्र, स्वर्ण, चांदी, तुला आदि वस्तु रखें, जिसको बालक ग्रहण करे उससे उसकी जीविका होती है।

अन्नप्राशन का मुहूर्त-जन्ममास से ६,८,१० या १२ वें मास में पुत्र का और ५,७,९ या ११वें मास में कन्या का भद्रादि- दोष रहित १,३,५,७,१०,१३,१५ तिथियों में सोम,बुध,गुरु ,और शुक्रवार को म.रे.चि.अनु.ह.अश्वि.पु.अभि.स्वा.पुन.श्र.ध.श.तीनों उत्तरा, रोहिणी नक्षत्रों में जन्मराशि या जन्मलग्न से आठवें लग्न या नवांशक तथा मेष,वृश्चिक और मीन लग्न को छोड़कर ऐसे लग्न में १,३,४,५,७,९,१० स्थानों में शुभ ग्रह हो या शुभ ग्रह की दृष्टि हो,३,६,११ स्थानों में पापग्रह हों दशम स्थान पापग्रह रहित हो ,१,६,८ स्थान में चन्द्रमा न हो तो शुभ होता है किसी-किसी के मत से जन्मनक्षत्र अनु,शत-तारिका और स्वाती अशुभ है।

कर्णवेध का मुहूर्त-चैत्र पौष देवशयन (आषाढ़ शुक्ल ११ से कार्तिक शुक्ल ११ तक)जन्ममास, जन्मनक्षत्र ४,९,१४ तिथियां, जन्मतारा क्षय तिथि और सम वर्षो को छोड़कर जन्म के १२वें दिन या १६वें दिन,६वें, ७वें, ८वें मास या विषम वर्षों में सोम,बुध,गुरु ,शुक्रवार को श्र.ध.पुन.मृ.रे.चि.अनु.ह.अश्वि.पुष्य.अभि. नक्षत्रों में जब लग्न से अष्टम स्थान शुद्ध हो,१,४,५,७,९,१०,स्थानों में शुभ ग्रह हों,३,६,११,स्थानों में पाप ग्रह हों तुला,वृष,धनु,या मीन लग्न में वृहस्पतिवार हो तो कर्णछेदन श्रेष्ठ है। इस संस्कार के समय पर करने से मनुष्य के हर्निया (अंत्रवृद्धि) जैसे भयानक रोग की जड़ ही कट जाती है।

कन्या की नासिका छेदन का मुहूर्त-कर्णवेधोक्त नक्षत्रों में तथा उत्तरा ३, शत.स्वा. में शुभ तिथ्यादिक शुक्लपक्ष में दिन के प्रथम प्रहर के समय नासिका वेध शुभ है।

मुण्डन मुहूर्त-गर्भाधानकाल से या जन्मकाल से विषम अर्थात् ३रे,५ वे,७ वे वर्ष में (मनु जी के मत से प्रथम वर्ष में भी)चैत्र को छोड़कर उत्तरायण सूर्य में चन्द्र,बुध,गुरु,और शुक्रवार, लग्न तथा नवांशक में, जन्मराशि या जन्मलग्न से अष्टम लग्न को छोड़ २,३,५,७,१०,११,१३ तिथियों में संक्रान्ति के दिन को छोड़कर जब लग्न से आठवां स्थान शुद्ध (ग्रहरहित)हो, ३,६,११,स्थानों में पापग्रह हो ज्ये.मृ.रे.चि.स्वा.पुन.श्र.ध.शत.ह.अश्वि.पुष्य और अभिजित नक्षत्रों में शुभ है। **लड़के की माता को पांच मास का गर्भ हो तो मुण्डन निषिद्ध है, परन्तु पांच वर्ष से अधिक अवस्था के बालक के लिए निषेध नहीं है। जेठे लड़के का मुण्डन ज्येष्ठ मास में नहीं करना चाहिए।**

मुण्डन कर्म में विशेष-स्व-कुल शिष्टाचारानुसार पूर्वोक्त नक्षत्र तिथ्यादि शुभ समय में अपने-अपने इष्टदेव के स्थानों में मुण्डन तथा कर्णवेध का होना देखा जाता है। सो ''यथाकुलधर्म वः'' इस स्मृति के स्मरण से ठीक ही है॥

क्षौर बनवाने का मुहूर्त-मुण्डन के लिए जो तिथियां और नक्षत्र शुभ बतलाये गये हैं वे ही हजामत बनवाने के लिए शुभ है-वर्जित काल शनि.रवि.भौमवार, हजामत में नौवें दिन, संध्याकाल, ४,८,९,१४,१५,३, तिथियां संक्रान्ति का दिन, रात्रि में, बिना आसन, संग्राम में,यात्रा करने के दिन, स्नान करके, शरीर में उबटन लगवाकर और भोजन् के पीछे हजामत बनवाना अशुभ है।

विशेष फल-यज्ञ विवाह, मृतक कर्म में, कारागार से छूटने पर, ब्राह्मण और राजा की आज्ञा से किसी भी समय हजामत बनवाई जा सकती है। किसी-किसी आचार्य का मत है कि जो लोग राजकार्य में नियुक्त हैं वे रुपजीवी जैसे नट-भांड आदि किसी भी दिन हजामत बनवा सकते हैं।

कर्णवेध और क्षौर का वार--ब्राह्मण को रविवार, क्षत्रिय सोमवार को,वैश्य और शूद्र शनिवार को क्षौरोक्त तिथ्यादि में हजामत बनवा सकते हैं।

अक्षरारम्भ का मुहूर्त-जन्म से ५वें या ७वें वर्ष में उत्तरायण सूर्य में गणेश, विष्णु,सरस्वती और लक्ष्मी का पूजन करके सोम, बुध, गुरु और शुक्रवार को ह.अश्वि.पुष्य.अभि.श्र.स्वा.रे.पुन. आर्द्रा.चित्रा.अनुराधा नक्षत्रों में बुरे योगों और भद्रा को छोड़कर २,३,५,६,१०,११,१२ तिथियों में (शुक्लपक्ष उत्तम) अक्षरारम्भ शुभ होता है, लग्न में मेष,कर्क तुला,और मकर राशियां नहीं होनी चाहिए।

विद्यारम्भ का मुहूर्त-उत्तरायण में (कुम्भ का सूर्य छोड़कर)रवि,बुध,गुरु और शुक्रवार को २,३,५,६,१०,११,१२ तिथियों में म. आर्द्रा पुन., हस्त,चि.,स्वा. श्र.ध. शत.,अश्विनी ,म. तीनों पूर्वा , तीनों उत्तरा , रो. पुष्य, आश्ले, अनु. ,रेवती,नक्षत्रों में , जब लग्न से १,४,५,७,९,१० स्थान में शुभ ग्रह हों तो विद्यारम्भ शुभ है ।

फारसी, अंग्रेजी विद्यारम्भ का मुहूर्त - सूर्य , भौम , शनिवार हों ,४।९।१४ तिथि हों, ज्ये. आश्ले, म. तीनों पूर्वा . भ.कृ.वि.आर्द्रा उ. षा. शत. नक्षत्र शुभ है ।

सीने पिरोने(सूचिकर्म)का मुहूर्त - अश्वि.पु. चि. अनु. ध. ये नक्षत्र , सूर्य, बुध,चन्द्र,गु., श.ये वार ,१।२।३।४।५।६ ।७ ।८।९।१०।११ ।१३ ।१५-ये तिथियां शुभ हैं।

यज्ञोपवीत संस्कार का मुहूर्त - यज्ञ और उपवीत इन दो शब्दों से यज्ञोपवीत बना है देवताओं की पूजा, संगति(सम्मेलन या कान्फ्रेंस)और जिसमें दान हों , उसे यज्ञ कहते है । उपवीत का अर्थ है पिरो देने वाला अर्थात् देव पूजा, सम्मेलन और दान के साथ पुरूष को मिला देने वाला संस्कृत (तन्तु- धागा - विशेष)यह यज्ञोपवीत का अर्थ हुआ । बालक को गुरु चन्द्र शुद्धि देखकर जन्म से या गर्भ से(गर्भाज्जनेर्वा इति पारस्करमन्वादीनां मते विकल्पः) ब्रह्मण आठवें वर्ष, क्षत्रिय ११ वे. वैश्य १२वें, इन वर्षों में यदि न किया जाये तो ब्राह्मण १६ तक, क्षत्रिय २२ तक और वैश्य २५ तक संस्कार कर सकते हैं, उसके बाद सावित्री पतित व्रात्य संज्ञा वाले होते है। माघादि पांच मासों में देवशयनी से पूर्व ह. अश्वि. पुष्य. अभि. ३ उत्तरा, रो., आश्ले., स्वा., श्र., ध., मू., मृ., रे., चि., अनु., तीनों पूर्वा, आर्द्रा वेध रहित इन नक्षत्रों में (क्षत्रीय वैश्यों के लिए पुनर्वसु भी ग्राह्य है) सू., चं. बु. (बुधास्त हो तो बुधवार त्याज्य) श. गुरुवार को, शुक्ल २।३।१०।११।१२ तथा कृष्ण २।३।५ तिथियों में शुभ है। किंतु सोपपदा तिथि जैसे आषाढ़ शुक्ल १०, ज्येष्ठ शुक्ल २, पौष शुक्ल ११, माघशुक्ल १२ को और संक्राति दिन को तथा रोगबाण को छोड़कर मध्याह्न से पहले शुभ है। शु.गु.चं. और लग्नेश ६।८ स्थान में, चं., शु. १२वें स्थान में और १।५।८ वें, में, पापग्रह अशुभ है। शुभ ग्रह ६।८।१२ स्थानों के सिवाय अन्य स्थानों में पाप ग्रह ३।६।११ स्थानों, वृष या कर्क का पूर्ण चन्द्रमा लग्न में हो तो शुभ होता है। गुरु, शुक्र, के बाल्य वृद्धत्व, अस्त के समय को छोड़ कर उपन्यन शुभ है। यदि गोचराष्टक वर्ग से बालक के उपनयन संस्कार के लिये समय शुद्धि न मिले अथवा सिंह, मकर किवां अशुभ स्थान में गुरु हो तो सौर चैत्र में उपनयन संस्कार किया जा सकता है-ऐसी शास्त्र की आज्ञा है।

मेलापक सारणी देखने की रीति और अष्टकूट दोषों के परिहार

लेखक:- प्रियव्रत शर्मा

आगे चार पृष्ठों पर 'मेलापक सारणी' दी गई है । इसके बाई ओर पहिले,दूसरे कालमों में लड़की की और सबसे ऊपर वाली पहिली,दूसरी पंक्तियों में लड़के की राशियां तथा चरण-नक्षत्र दिए गए हैं । लड़की के नक्षत्र चरण के आगे लड़के के नक्षत्र-चरण के नीचे वर्ण आदि अष्टकूटों के गुण और मिलान में होने वाले वर्ण आदि दोषों का निर्देश है । वर्ण आदि दोषों के लिए नीचे लिखे सांकेतिक अक्षरों का इस सारणी में प्रयोग किया गया है:-

वर्ण दोष के लिए	= ब	राशीश दोष के लिए	= र
वश्य दोष के लिए	= व	गण दोष के लिए	= ग
तारा दोष के लिए	= त	भकूट दोष के लिए	= भ
योनि दोष के लिए	= य	नाडी दोष के लिए	= न

उदाहरणार्थ - यदि लड़की का जन्म चित्रा के ४ र्थ चरण में और लड़के का पू. भा. के २ य चरण में हुआ हो तो इनके मिलान में इस मेलापक सारणीसे अष्टकूटों के गुण १८ ३ मिले, और ज्ञात हुआ कि इस मिलान में त (तारा), य (योनि), ग (गण), तथा भ (भकूट) दोष हैं ।

अष्टकूट दोषों के परिहार-

वर, कन्या के राशीशों अथवा नवमांशेशों की मैत्री तथा राशीशों , नवशांशेशों की एकता द्वारा नाड़ी दोष के अलावा शेष सभी दोषों का परिहार हो जाता है । राशीश-नवमांशेशों की मैत्री-एकता के अलावा अन्य और भी अनेक परिहार हैं, जिनसे वर्ण आदि दोष दूर हो जाते हैं। इनका विवरण नीचे दिया जा रहा है -

(१) वर्ण दोष का परिवार:- वर की राशि के वर्ण से कन्या की राशि का वर्ण उत्तम होने पर वर्ण दोष होता है । लेकिन यदि वर के राशीश का वर्ण कन्या के राशीश के वर्ण से उत्तम हो तो वर्ण दोष का परिहार हो जाता है । सभी ग्रहों के वर्ण इस प्रकार हैं:-

रवि का वर्ण क्षत्रिय,चन्द्र का वैश्य,मंगल का क्षत्रिय,बुध का शूद्र, गुरु का ब्राह्मण, शुक्र का ब्राह्मण और शनि का शूद्र है ।

(२) वश्य दोष का परिहार:- वर कन्या की राशियों की योनिमैत्री होने पर वश्य दोष दूर हो जाता है ।

(३) तारा दोष का परिहार:-वर कन्या के राशीशों, नवमांशेशों की मैत्री या एकता के अलावा तारा दोष का दूसरा कोई परिहार नहीं है ।

(४) योनि दोष का परिहार:- भकूट और वश्य कूटों में से कोई एक भी यदि शुभ(ठीक) हो तो योनिदोष का परिहार हो जाता है ।

(५) राशीश दोष का परिहार:- भकूट शुभ होने पर (यानि द्विर्द्वादश, नवपंचम और षडष्टक का अभाव होने पर) राशीश दोष दूर हो जाता है ।

(६) गण दोष का परिहार:- वर -कन्या की राशि एक और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों या भकूट दोष न हों तो गण दोष दूर हो जाता है।

(७) भकूट दोष का परिहार :- वर कन्या के राशीशों, नवांशेशों की मैत्री या एकता ही भकूट दोष का प्रमुख परिहार है। यदि इसके साथ ताराशुद्धि या वश्यशु[illegible] हो तो भकूट दोष का उत्तम परिहार माना जाता है ।

(८) नाड़ी दोष का परिहार :- वर,कन्या की राशि एक और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों, अथवा नक्षत्र एक और राशियां, भिन्न-भिन्न हों तो नाड़ी दोष दूर हो जाता है । दोनों के नक्षत्रों के चरणों का वेध न होने की स्थिति में भी नाड़ी दोष का परिहार माना जाता है ।

नाड़ी दोष के परिहार के प्रसंगमें वर-कन्या में से किसी एक का जन्म नक्षत्र के प्रथम चरण में और दूसरे का चतुर्थ चरण में अथवा एक का द्वितीय चरण में और दूसरे का तृतीय चरण में हुआ हो तो पादवेध मान लिया जाता है । लेकिन यह नियम सर्वत्र लागू नहीं होता । इसके स्पष्टीकरण के लिए सं. २०४७ के 'श्री मार्त्तण्ड पंचांग' में पृष्ठ ३४ पर दिया गया मेरा लेख **''पाद वेध द्वारा नाड़ी दोष के परिहार में परम्परागत एक भ्रांति''** पढ़ना चाहिए । यह लेख मेरी पुस्तक **'ग्रहयोग एवं दाम्पत्य जीवन'** में भी है ।

ध्यान दें:-जैसा कि ऊपर भी बता चुके हैं,वर,कन्या के राशीशों,नवमांशों की मैत्री और एकता तो वर्ण,वश्य,तारा,योनि,राशीश,गण और भकूट दोषों का परिहार कर देती है,लेकिन नाड़ी दोष का परिहार इनसे नहीं होता । नाड़ी दोष का परिहार तो केवल उपरोक्त स्थितियों में ही होता है ।

दैवज्ञ को यह विशेष रूप से ध्यान में रखना चाहिए,कि नाड़ीदोष का यदि परिहार नहीं मिले तो किसी भी स्थिति में (भले ही अन्य सातों कूट शुद्ध क्यों न हों, मिलान में गुण अठाईस भी क्यों न प्राप्त हों), सम्बन्ध करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए । इस बारे में मुहूर्तशास्त्रकारों का यही स्पष्ट निर्णय है ।

'नाड़ीदोषस्तु विप्राणाम्'-वाक्य को संहिताकारों ने मान्यता नहीं दी है । 'मुहूर्त चिन्तामणि' आदि अन्य प्रामाणिक मुहूर्तग्रन्थों ने भी इसकी उपेक्षा की है,अत: इसे मान्यता नहीं दी जा सकती।

'एकनक्षत्र जातानां नाड़ीदोषो न विद्यते'- वाक्य भी प्रामाणिक नहीं है । एक ही नक्षत्र में उत्पन्न वर,कन्या को नाड़ी दोष तब नहीं माना जाता, जबकि उनका जन्म भिन्न-भिन्न चरणों में हुआ हो । 'मुहूर्तचिन्तामणि' का वाक्य है -**'नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्'** (अर्थात् दोनों का नक्षत्र एक होने पर दोष (नाड़ीदोष) की निवृत्ति तभी होती है,जबकि दोनों के चरण भिन्न-भिन्न हों)। **ध्यान रहे**, दोनों का जन्म एक ही नक्षत्र के एक ही चरण में होने पर नाड़ी दोष परमाधिक माना जाता है। एक ही नक्षत्र में पादवेध भी नहीं माना जाता ।

दोषपूर्ण अष्टकूटों के ,परिहारों को प्रमाणित करने वाले शास्त्रवाक्य बहुत हैं,उनको विस्तारभय से यहां उद्धृत नहीं किया गया। उन्हें मेरी पुस्तक **''ग्रहयोग एवं दाम्पत्यजीवन''** में आप देख सकते हैं)

सरलता पूर्वक एक ही दृष्टि में सभी अष्टकूटों के परिहार आ जाएं- इसके लिए नीचे दिया गया यह कोष्ठक देखें :-

अष्टकूट परिहार कोष्ठक

कूट	परिहार
वर्ण	१ राशीशों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता हो। २ वर के राशीश का वर्ण कन्या के राशीश के वर्ण से उत्तम हो।
वश्य	१ राशीशों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता हो। २ योनिमैत्री हो ।
तारा	१ राशीशों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता हो।
योनि	१ राशीशों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता हो। २ वश्यशुद्धि हो। ३ सद्भकूट हो।
राशीश	१ दोनों के नवमांशेशों में मैत्री या एकता हो। २ भकूट दोष न हो।
गण	१ राशीशों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता हो। २ भकूट दोष न हो। ३ दोनों की राशि एक और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हों ।
भकूट	१ राशीशों या नवमांशेशों की मैत्री या एकता हो।*
नाडी	१ दोनों की राशि एक और नक्षत्र भिन्न - भिन्न हों । २ दोनों का नक्षत्र एक और राशियां भिन्न-भिन्न हों । ३ दोनों का नक्षत्र एक और चरण भिन्न - भिन्न हों । ४ पाद वेध न हो।

* यदि इस परिहार के साथ ताराशुद्धि , वश्यशुद्धि में से कोई एक भी हो तो यह परिहार उत्तम माना जाता है।

परिहृत कूट के गुण

वर्ण आदि जो कूट दोषपूर्ण होता है, उसके लिए निर्धारित पूरे गुणों को छोड़ दिया जाता है। जब उस दोषपूर्ण कूट का कोई उपरोक्त परिहार मिल जाए तब उसके पूरे गुणों को पुनः स्वीकार कर उन्हें मेलापक सारणी से प्राप्त गुण संख्या में जोड़कर उस गुणसंख्या को वास्तविक गुणसंख्या माना जाए- ऐसा कुछ आचार्यों का मत है । कुछ आचार्यों का मत है कि परिहार द्वारा दोष का पूरा नहीं, अपितु

आंशिक निवारण होता है,अतः परिहृत कूट के आधे गुणों को ही स्वीकार करना चाहिए । यह (दूसरा)मत तर्कसंगत है। इसके अनुसार परिहृत कूट के आधे गुण(उस कूट के लिए निर्धारित पूरे गुणों का आधा भाग)मेलापक सारणी से मिली गुणसंख्या में जोड़कर उसे ही यथार्थ गुणसंख्या मानना युक्तियुक्त है ।

कितने गुण मिलने पर सम्बन्ध कर देना चाहिए ?

परिहृत कूटों की आधी गुणसंख्या को मेलापक सारणी में उपलब्ध गुणसंख्या में जोड़ने. पर मिली गुणसंख्या यदि १६ $\frac{१}{२}$ से कम है तो सम्बन्ध नहीं करना चाहिए । यदि षडष्टक भकूट का परिहार न मिल रहा हो तब २० से कम गुण संख्या होने पर सम्बन्ध नहीं करना चाहिए । ध्यान रहे- यहां प्रत्येक स्थिति में नाड़ी दोष का परिहार मिलना नितान्त आवश्यक है। यदि नाड़ी दोष के उपरोक्त परिहारों में से कोई एक भी परिहार न मिल रहा हो तब तो २८ गुण मिलने पर भी सम्बन्ध करने की अनुमति शास्त्रकारों ने नहीं दी है ।

यदि किसी विशेष कारण (विवशता) वश सम्बन्ध करना आवश्यक (अपरिहार्य)हो जाए, तब १६ से कम गुणों और षडष्टक तथा नाड़ीदोष के अपरिहार की स्थिति में भी गाय,अन्न,वस्त्र,सुवर्ण का यथाशक्ति दान, तथा जप -शान्ति करके सम्बन्ध किया जा सकता है । इस स्थिति में कन्या का नाम बदलकर मिलान को अनुकूल बनाने की भी परम्परा है । लेकिन दान,जप,शान्ति करना भी इस स्थिति में अत्यन्त आवश्यक है । साधाराण स्थिति में (नितान्त विवशता की स्थिति के अभाव में) लड़की का नाम बदलकर मिलान को अनुकूल बनाना सर्वथा अशास्त्रीय है । नाम बदलकर मिलान को अनुकूल बनाने का 'सिद्धान्त' अपनाने पर तो किसी भी लड़की का किसी भी लड़के के साथ और किसी भी लड़के का किसी भी लड़की के साथ सम्बन्ध बेरोक-टोक किया जा सकता है और वहां अष्टकूटों के गुण इच्छानुसार अधिकाधिक प्राप्त किए जा सकते हैं, जिससे दोषपूर्ण कूटों का परिहार बतलाने वाले सभी शास्त्रवाक्य अर्थहीन हो जायेंगे।

मिलान में कुछ और विचार्य विषय

यद्यपि संहिताओं में इन आठ कूटों के अतिरिक्त अनेक और भी विचार्य विषय मिलते हैं, लेकिन वर्गमैत्री और नृदूर का भी विचार करने की भी कुछ दैवज्ञों में परम्परा हैं,इन दोनों का विवेचन इस प्रकार है-

वर्गमैत्री-

वर्गमैत्री का विचार वर,कन्या के नाम के आदिम वर्णो से सम्बद्ध है। हिन्दी वर्णमाला के अकार आदि स्वर 'अवर्ग' , 'क' आदि पांच वर्ण 'कवर्ग', 'च' आदि पांच वर्ण 'चवर्ग', 'ट' आदि पाँच वर्ण 'टवर्ग' त आदि पांच वर्ण 'तवर्ग','प'आदि पांच वर्ण 'पवर्ग', 'य' आदि पांच वर्ण 'यवर्ग' तथा 'श' आदि पांच वर्ण 'शवर्ग' कहलाते हैं। इन अवर्ग आदि आठ वर्गों को उपरोक्त क्रमानुसार क्रमशः प्रथम वर्ग, द्वितीय वर्ग, आदि संज्ञाएं दी गई हैं। इन आठ वर्गों केस्वामी क्रमशः गरुड़, मार्जार,सिंह, श्वान,

सर्प, मूषक, मृग और मेष माने गये हैं । प्रत्येक वर्गेश अपने से पंचम वर्ग के स्वामी का शत्रु माना गया है । जैसे :- गरुड़ और सर्प तथा मूषक और मार्जार परस्पर शत्रु हैं ।

नामाक्षरों से वर्ग ज्ञान कोष्ठक :

वर्ग	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
वर्ग के	अ, इ,	क, ख, ग,	च,छ,ज,	ट,ठ,ड,	त,थ,द,	प, फ,ब,	य,र,	श,ष,
वर्ण	उ,ए	घ,ङ	झ,ञ	ढ,ण	ध,न	भ,म	ल,व	स,ह
वर्गेश	गरुड	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेष

वर, कन्या के नामों के आदिम वर्णों के वर्गों के स्वामी परस्पर शत्रु हों तो अच्छा नहीं माना जाता, उनका जीवन दुःखमय रहता है ।

यदि वर्गेशों में शत्रुता है तो अष्टकूटों से प्राप्त गुण १७ से अधिक होने पर ही सम्बन्ध करना चाहिए। यदि मिलान में अष्टकूटों से प्राप्त गुण लगभग १४,१५ ही हों और नाडी दोष न हो तब वर्गेश की एकता (अभिन्नता) होने पर सम्बन्ध किया जा सकता है-ऐसा कुछ लोगों का मत है

नृदूर

वर का नक्षत्र या नक्षत्र चरण यदि कन्या के नक्षत्र या नक्षत्र चरण से तुरन्त परवर्ती हो तो 'नृदूर' दोष कहलाता है। जैसे - कन्या का जन्म नक्षत्र अश्विनी और वर का भरणी, अथवा कन्या का जन्म अश्विनी के प्रथम चरण में और वर का अश्विनी के द्वितीय चरण में हो तो भी नृदूर दोष होगा। 'नृदूर' दोष का फल मुहूर्त्त शास्त्रों में बहुत अशुभ लिखा है।

दोनों (वर ,कन्या) की राशि एक और नक्षत्र भिन्न-भिन्न या दोनों का नक्षत्र एक और राशियां भिन्न-भिन्न हों तो नृदूर का परिहार हो जाता है।

अष्टकूटों से प्राप्त गुण लगभग १६ $\frac{१}{२}$,१७,१८ हों और 'नृदूर' दोष का परिहार न मिले, तब नाड़ी दोष के अभाव में भी मिलान को कुछ मुहूर्त्तकार अच्छा नहीं मानते । १८ से अधिक गुण होने पर 'नृदूर' की उपेक्षा की जा सकती है।

नामराशि से अष्टकूटों का निर्णय

वर और कन्या-दोनों का यदि जन्मकाल ज्ञात न हो, तब दोनों की नामराशि, नामनक्षत्रों (नामों के आदिम अक्षरों से अबकहड़ा चक्र द्वारा निर्णीत राशि और नक्षत्रों) के आधार पर ही मेलापक सारणी से अष्ट कूटों के गुणों का निर्णय करना चाहिए। अपिच यदि वर, कन्या-दोनों में से किसी एक का जन्मकाल ज्ञात न हो तो भी दोनों की नामराशि, नामनक्षत्रों के आधार पर ही अष्टकूटों का निर्णय करना चाहिए। एक की जन्मराशि, जन्मनक्षत्र और दूसरे की नामराशि, नाम नक्षत्र के आधार पर अष्टकूटों का निर्णय करने की अनुमति शास्त्र नहीं देते।

कुज (मंगली) दोष-

निम्नलिखित स्थितियों में कुजदोष (मंगली दोष) माना गया है -

(१) जन्म कुण्डली में १,४,७,८,१२ वें भावमें मंगल या अन्य कोई क्रूर ग्रह हो।
(२) चन्द्र कुण्डली में १,४,७,८,१२ वें भाव में मंगल या कोई क्रूर ग्रह हो ।
(३) शुक्र से १,४,७,८,१२ वें भाव में मंगल या अन्य कोई क्रूर ग्रह हो ।

कुजदोष बनाने वाला ग्रह अस्त, नीचस्थ या शत्रुराशिस्थ हो तो कुजदोष का फल अधिक माना गया है । कुजदोष दाम्पत्य जीवन के लिए अच्छा नहीं माना जाता ।

कुजदोष के सामान्य कुछ परिहार -

इन स्थितियों में वर, कन्या का कुज दोष दूर हो जाता है -

(१) कुजदोष बनाने वाला ग्रह (क्रूरग्रह) उच्चस्थ स्वराशिस्थ, स्वनवांशस्थ, मित्रराशिस्थ, उच्चनवांश या मित्रनवांश में हो।
(२) कुजदोष बनाने वाले ग्रह पर वृहस्पति की पूर्णदृष्टि हो ।
(३) वर-कन्या दोनों की कुण्डलियों में कुजदोष विद्यमान हो तो दोनों के कुजदोष समाप्त हो जाते हैं।

ध्यान रहे, कुजदोष वाले वर और कन्या दोनों की कुण्डलियों में कुजदोषों का परिहार मिलने पर कुजदोष का कुफल समाप्त हो जाता है । दोनों की कुण्डलियों में से किसी एक की कुण्डली में ही कुजदोष परिहार हो तो कुजदोष का कुप्रभाव रहता है ।

कुण्डली मिलान की प्रामाणिकता

हमारे ज्योतिष के मानक ग्रन्थों (संहिता, जातक, मुहूर्त्त ग्रन्थों) में वर, कन्या का सम्बन्ध करने से पूर्व उनकी कुण्डलियों में ग्रहस्थितियों के मिलान द्वारा कुजदोष के परिहार की चर्चा कहीं भी नहीं की गई है। पुनरपि कुण्डली मिलान की परम्परा सभी भारतीय प्रदेशों में प्रचलित है । इसका शास्त्रीय मूल अभी तक अज्ञात है। आश्चर्य है-सभी वशिष्ठ, नारद, गर्ग आदि की संहिताओं, मुहूर्त्तमार्तण्ड, मुहूर्त्तचिन्तामणि आदि मुहूर्त्तग्रन्थों तथा वर-कन्या के सम्बन्ध की अनुकूलता के परीक्षण के लिए रचित 'विवाहवृन्दावन' आदि सभी ग्रन्थों में वर-कन्या के सम्बन्ध के लिए केवल अष्टकूटों के परीक्षण का ही निर्देश है, कुण्डली मिलान का कहीं भी नहीं ।

षट्कूट चक्र

वर्ण, वश्य, योनि, राशीश, गण और नाड़ी ज्ञापक चक्र।

राशि	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
नक्षत्र	अश्वि.	भर	कृ.	कृ.	रो.	मृ.	मृ.	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	उ.फा.	ह.	चि.
चरण	१, २ ३,४	१,२ ३,४	१	२,३ ४	१,२ ३,४	१,२	३,४	१,२ ३,४	१,२ ३	४	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१	२,३ ४	१,२ ३,४	१,२
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.	वै.	वै.	वै.	शू.	शू.	शू.	ब्रा.	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.	वै.	वै.	वै.
वश्य	च.	च.	च.	च.	च.	च.	द्वि.	द्वि.	द्वि.	ज.	ज.	ज.	व.	व.	व.	द्वि.	द्वि.	द्वि.
योनि	अ.	ग.	मे.	मे.	स.	स.	स.	श्वा.	मा.	मा.	मे.	मा.	मू.	मू.	गौ.	गौ.	म	व्या.
राशीश	मं.	मं.	मं.	शु.	शु.	शु.	ब.	बु.	बु.	[illegible]	चं.	चं.	सू.	सू.	सू.	बु.	बु.	बु.
गण	दे.	म.	रा.	रा.	म.	दे.	दे.	म.	दे.	दे.	दे.	रा.	रा.	म.	म.	म.	दे.	रा.
नाड़ी	आ.	म.	अ.	अ.	अ.	म.	म	आ.	आ	आ.	म.	अ.	अ.	म.	आ.	आ.	आ.	म.

राशि	तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
नक्षत्र	चि.	स्वा	वि.	वि.	अनु.	ज्ये.	मू.	पू.षा.	उ.षा.	उ.षा.	श्रव.	ध.	ध.	श.	पू.भा.	पू.भा.	उ.भा	रेव.
चरण	३,४	१,२ ३,४	१,२ ३	४	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१,२ ३,४	१	२,३ ४	१,२ ३,४	१,२	३,४	१,२ ३,४	१,२ ३	४	१,२ ३,४	१,२ ३,४
वर्ण	शू.	शू.	शू.	ब्रा.	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.	वै.	वै.	वै.	शू.	शू.	शू.	ब्रा.	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	द्वि.	द्वि.	द्वि.	की.	की.	की.	द्वि.	द्वि.	द्वि.	ज.	ज.	ज.	द्वि.	द्वि.	द्वि.	ज.	ज.	ज.
योनि	व्या.	म.	व्या.	व्या.	मृ.	मृ.	श्वा.	वा.	न.	न.	वा.	सिं.	सिं.	अ.	सिं.	सिं	गौ.	ग.
राशीश	शु.	शु.	शु.	मं.	मं.	मं.	गु.	गु.	गु.	श.	श.	श.	श.	श.	श.	गु.	गु.	गु.
गण	रा.	दे.	रा.	रा.	दे.	रा.	रा.	म.	म.	म.	दे.	रा.	रा.	रा.	म.	म.	म.	दे.
नाड़ी	म.	अं.	अं.	अं.	म.	आ.	आ.	म.	अं.	अं.	अं.	म.	म.	आ.	आ.	आ.	म.	अं.

वर्ण- ब्रा.= ब्राह्मण, क्ष= क्षत्रिय, वै= वैश्य, शू.=शूद्र

योनि- अ.=अश्व, ग=गज, मे=मेष, स=सर्प, श्वा.=श्वान, मा.=मार्जार, मू = मूषक, म=महिष, व्या=व्याघ्र, मृ=मृग, वा=वानर, न=नकुल, सिं=सिंह

गण- दे=देव, म=मनुष्य, रा=राक्षस

वश्य- च=चतुष्पद, की=कीट, व= वनचर, द्वि=द्विपद, ज=जलचर

राशीश- सू=सूर्य, चं=चन्द्र, मं.=मंगल, बु=बुध, गु=गुरु, शु=शुक्र, श=शनि

नाड़ी- आ=आद्य, म=मध्य, अं=अन्त्य

मेलापक सारणी (भाग १)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३,४	भर. १,२,३,४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३,४	मृग. १,२,	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३,४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३,४	आश्ले. १,२,३,४	मघा १,२,३,४	पू.फा. १,२,३,४	उ.फा १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३,४	चित्रा १,२
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२८ न	३३	२८½ त	१८½ बभत	२१½ बभत	२२½ बभत	२६ बतर	१७ बनतर	१९ बनतर	२३½ नत	३१½ त	२८ ग	२१ वभग	२५ वभ	१५½ वभनत	११ बभनतर	९ तबभयनर	१३ वभतर
	भर. १,२,३,४	३४	२८ न	२९ ग	१९ बगभ	२१½ बभत	१४ बभतन	१८ नबतर	२६ बतर	२७ बतर	३१½ त	२३½ नत	२५½ गत	२० गवभ	१८ वभन	२६ वभ	२१½ वभर	२० बभत	४ बभगनतर
	कृत्ति. १	२७½ गत	२९ ग	२८ न	१८ बभन	१० गबनभ	१६½ गबभत	२० गबत	२० गबत	२१ गबतर	२५½ गत	२६½ गत	२३½ नत	१६½ बभनत	२० गवभ	२० गवभ	१५½ गबभ	१५½ गबभर	१८ बभत
वृष	कृत्ति. २,३,४	१८½ गभत	२० गभ	१९ भन	२८ न	२० गन	२६½ गत	१७½ गबभत	१७½ बगभत	१८½ गबभत	२२ गतर	२३ गतर	२० नतर	१८½ नवरत	२२ रवग	२२ रवग	२१ गभ	२१ गभ	२३½ भत
	रोहि. १,२,३,४	२३½ भत	२३½ भत	११ गभन	२० गन	२८ न	३६	२७½ बभ	२३ बभत	२२½ भबतय	२६ तरय	२७ तर	१२ गनतरय	१०½ रवगबतय	२४½ रवतय	२७ रव	२६ भ	२६ भ	२० गभ
	मृग. १,२	२३½ भत	१४½ भनत	१८½ भतग	२७½ तग	३५	२६ न	१९ बभन	२४ ब.भ	२२ बभतय	२६ तयर	१९½ तरन	२१ [illegible]रयग	१९½ गरवतय	१५½ रवनतय	२४½ रवत	२३½ भत	२६ भ	१३ भनग
मिथुन	मृग. ३,४	२७ तर	१८ नतर	२२ तरग	१९½ भगत	२७ भ	२० भन	२८ न	३३	३१½ तय	१९ भवतयर	१२ भनवतर	१४ भवतयरग	२३½ वतयग	१९½ वनतय	२८½ वत	३१½ त	३४	२१ नग
	आर्द्रा १,२,३,४	१९ तरन	२७ तर	२१ तरग	१८½ गभत	२४½ भत	२६ भ	३४	२८ न	२५ नय	१२½ भनतयर	२० भवतर	१३ गभरवतय	२३½ गतव	२९½ वत	२१½ नवत	२४½ नत	२४½ नत	२७ गय
	पुन. १,२,३	२० नतर	२७ तर	२३ तर	२०½ भतग	२२½ भत	२३½ भतय	३१ तय	२४ नय	२८ न	१५½ नभवर	२२ भवर	१७ भवतरग	२२½ यवतग	२६½ यवत	२१½ नवत	२४½ नत	२५½ नत	२७½ तग
कर्क	पुन. ४	२२½ बनत	२९½ बत	२५½ बतग	२२ बगतर	२४ बतयर	२५ बतयर	१८ बभवरतय	१० बभवनयर	१४ बभरनत	२८ न	३५	२९½ तग	१६½ बभयगत	२०½ बभतय	१५½ बभनत	१८ नबतर	१९ नबवतर	२१ बगवतर
	पुष्य १,२,३,४	३०½ बत	२१½ बनत	२६½ बतग	२३ बतरग	२५ बतर	१८ बनतर	११ बभनवतर	१८ बभवतर	२१ बभवर	३५	२८ न	३० ग	१९½ बभगत	१५½ बभनत	२३½ बभत	२६ बवतर	२७ बवतर	१२ नबवयतरग
	आश्ले. १,२,३,४	२६ बग	२४½ बगत	२२ नबत	१९ नबतर	११ गबतनयर	१९ गबतयर	१२ गबतभवयर	१२ गबभवतयर	१५ गबतभवर	२८ गत	२९ ग	२८ न	१५ यबभन	१५½ गबयभत	१८½ गबभत	२१ गबवतर	२१ गबवतर	२६ बवतर
सिंह	मघा १,२,३,४	२० गवभ	२० गवभ	१६ वभनत	१७½ वबरनत	९ बबतगरनय	१७½ बबतगरय	२१ वबगतय	२२ वबगत	२०½ वबगयत	१६ गभयत	१९½ गभत	१६ नभय	२८ न	३० ग	२७½ गत	१६½ वबगभत	१६½ वबगभत	२१ वबभत
	पू.फा. १,२,३,४	२६ वभ	१८ वभन	२० गवभ	२१ बवरग	२३ वबरतय	१५ बबनरतय	१९ वबनतय	२८ वबत	२६ वबतय	२२ यभत	१७ भनत	१६ गभयत	३० ग	२८ न	३५	२४ वबभ	२२ वबभत	७ वबतगनभ
	उ.फा. १	१६ वभनत	२६ वभ	२० बगभ	२१ बवगर	२६ वबर	२४ वबरत	२८ वबत	२० वबनत	२१ वबनत	१७ भनत	२५ भत	१९ गभत	२७ गत	३५	२८ न	१७ वबभन	१६ वबभन	२३ वयबतगभ
कन्या	उ.फा. २,३,४	१३ भनतर	२२ भर	१६ गभर	२१ ग[illegible]	२६ भ	२४ भत	३१ बत	२३ नबत	२४ नबत	२० नबतर	२८ वतर	२२ गवतर	१७ गवभत	२५ भव	१८ वभन	२८ न	२७ न	२४ यगत
	हस्त १,२,३,४	१० यभनतर	२० भतर	१७ भरग	२२ भग	२५ भ	२६ भ	३३ ब	२२ नबत	२४ नबत	२० नबतर	२८ वतर	२३ वतरग	१८ वभतग	२२ वभत	१६ वभन	२६ न	२८ न	२८ यग
	चित्रा १,२	१३ भतयर	५ गभनतयर	१९ भतयर	२३ भतय	२० गभ	१२ गभन	१९ गबन	२६ गबय	२५ गबत	२१ गवतर	१२ गनवतयर	२७ वतर	२२ वभत	८ गवभनत	१४ वयगभत	२४ गयत	२७ गय	२८ न

(व=वर्णदोष। ब=वश्यदोष। त=तारादोष। य=योनिदोष। र=राशीश दोष। ग=गणदोष। भ=भ कूट दोष। न=नाडी दोष।)

मेलापक सारणी (भाग २)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२,३,४	विशा. १,२,३	विशा ४	अनु. १,२,३,४	ज्येष्ठा १,२,३,४	मूल १,२,३,४	पू.षा. १,२,३,४	उ.षा. १	उषा. २,३,४	श्रव. १,२,३,४	धनि. १,२,	धनि. ३,४	शत. १,२,३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२,३,४	रेव. १,२,३,४
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२२½ बय तग	२६½ बय त	२२½ तब यग	१८½ गभ तय	२५½ भ त	१४ भन ग	१३½ भन ग	२५ भ	२३½ भ त	२५ ब तर	२६ ब त र	२० ब त यरग	२० बत यरग	१५ बन तरग	१६ बन तयर	१४½ नभ तय	२४½ भ त	२६ भ
	भर. १,२,३,४	१३½ बगन तय	२९½ ब त	२१½ ग ब तय	१७½ ग भ तय	१७½ न भ त	१९½ ग भ त	२० ग भ	१८ न भ	२६ भ	२७½ ब र	२६ ब तर	१० बय गनतर	१० बय गनतर	२० ग ब त र	२४ ब य तर	२२½ तभ य	१७½ नभ त	२६½ भ त
	कृत्ति. १	२७½ ब त य	१५½ ब ग न त	१९½ ब न त य	१५½ भ न त य	१९½ गभ त	२५½ भ त	२४½ भ त	१८ गभ य	१२ गभ न	१३½ बग नर	११½ ब य रगन	२५ बत यर	२५ ब त यर	२७ ब त र	१९ बग तयर	१७½ ग भ तय	१९½ गभ त	११½ गभ तन
वृष	कृत्ति. २,३,४	२२½ बभ तय	१०½ ग ब भनत	१४½ बभ तनय	२०½ न तय	२४½ ग त	३०½ त	२० भ तर	१३½ यग भर	७½ गभ नर	१२ गभ न	१० यग भन	२३½ भ तय	२९½ ब तय	३१½ ब त	२३½ गब तय	२० गत यर	२२ ग तर	१४ गन तर
	रोहि. १,२,३,४	१९ गब भ	१५½ बभ नत	९½ तबग नभ	१५½ गन त	२९½ त	२३½ ग त	१४ गभ तर	१९ रभ तय	११½ यभन र	१६ भय न	१७ नभ य	२० गभ	२६½ गब	२४½ गब त	३०½ ब त	२७ तर	२७ तर	१९ र नत
	मृग. १,२	१२ बभ न ग	२५ बभ	१८½ बभ तग	२४½ त ग	२१½ न त	२४½ तग	१५ भ तरग	१० नभ तयर	१७ यभ तर	२१½ भय त	२५ भ य	१३ नभ ग	१९ ब गन	२७ बग	२९½ ब त	२६ त र	१८ न त र	२७ त र
मिथुन	मृग. ३,४	१४ नभ ग	२७ भ	२०½ भ तग	१४ भव तरग	११ भवन तर	१४ भव तरग	२३ तर ग	१८ नतय र	२५ यतर	२० भय वत	२३½ भ यव	११½ नभ वग	१३ नभ ग	२१ भ ग	२३½ भ त	२५½ तव र	१७½ नव तर	२६½ वत र
	आर्द्रा १,२,३,४	२० गभ य	२७ भ	२० गभ य	१३½ रगव भ य	१७ तभव यर	३ यतगव भनर	१६ गन तर	२८ तर	२८ तर	२३ भ वत	२३ भ वत	१७½ गभ वय	१९ गभ य	१२ गभ न	१७ नभ य	१९ नर वय	२६½ वत र	२६½ वत र
	पुन. १,२,३	२०½ भ तग	२८ भ	२२ भ ग	१५½ वभ रग	२१½ वभ र	७ रगवभ नत	१४ यरतन ग	२७ तर	२७ तर	२२ व त भ	२३ वत भ	१७ व त भयग	१८½ भग त य	१४ नभ ग	१६ नभ य	१८ रन य व	२८ रव	२७½ वत र
कर्क	पुन. ४	२०½ बतर ग	२८ वरब	२२ वरब ग	२० गभ	२६ भ	११½ तग भन	८ वतव भगनय	२१ बभ वत	२१ बभ वत	२६ बत र	२७ बत र	२१ बगत यर	१२½ बभव तयगर	८ बभव नगर	१० बभर नवय	१६ नभ य	२६ भ	२५½ भ त
	पुष्य १,२,३,४	११½ गनबव तयर	२६½ ब वतर	२१ रबग वय	१९ भ यग	१८ भन	२१ भग	१७ गबभ वत	११ यबभ तनव	२१ बभ वत	२६ ब तर	२५ बय तर	१३ गबन तयर	४½ भबगय वनतर	१४½ बवत रगभ	१८ बभ वयर	२४ भ य	१८ नभ	२७ भ
	आश्ले. १,२,३,४	२५½ बव तर	१२½ गबव तरन	१७½ नब वतर	१५½ नभ त	२० गभ	२६ भ	२२½ बभ वय	१६ गबव भत	८ गबव भनत	१३ गयर नत	१३ बगत नर	२६ बत यर	१७½ बभव तरय	१९½ बभ वतर	११½ गबभ वतयर	१७½ गभ तय	२१ गभ	१३ गभ न
सिंह	मघा १,२,३,४	२४½ बव तर	११½ बवत रगन	१६½ बवत रन	२२½ नव त	२५½ गव त	३३ व	२५ भव	१९ गवभ	८½ वगभ नतय	३½ बरतय गभन	४½ बरत गभन	१८½ बरत भ	२४½ बव तर	२५½ बव तर	१८½ बव रगत	१८½ गभ त	१९½ गभ त	१३ गभ न
	पू.फा. १,२,३,४	१०½ बवत रगन	२५½ बव तर	१८½ बव रगत	२४½ गव त	२३½ नव त	२५½ गव त	१९ ग व भ	१७ भव न	२४ भव य	१७ बर भय	१८½ बर भत	४½ बरत गभन	१०½ बवत रगन	१९½ बव रगत	२४½ बव रत	२४½ भ त	१७½ नभ त	२५½ भत
	उ.फा. १	१६½ बवत यगर	२५½ बव तर	१६½ बवय गरत	२२½ यव गत	३१½ वत	१७½ गव नत	९½ गव नभत	२५ भव	२५ भव	२० बर भ	२० बर भ	११½ बरत गभय	१७½ बवत गरय	११½ बवत गनर	१५½ बवत नरय	१५½ नभ तय	२६½ भ त	२५½ भ त
कन्या	उ.फा. २,३,४	१६½ गबय भत	२५½ बभ त	१६½ गबय भत	१८ यबत गर	२७ ब तर	१३ गब तनर	१४ गन तर	२९½ र	२९½ र	२४½ भ ब	२४½ भ ब	१६ गभ बतय	१६½ गब भतय	१०½ गब नभत	१४½ बभ नतय	१७½ तनब यर	२८½ बतर	२७½ बतर
	हस्त १,२,३,४	२० बभ यग	२६½ बभ त	१८½ बभ तयग	२० वग तयर	२६ वतर	१३ नवत रग	१५ नत रग	२७ तर	२८½ र	२३½ भव	२४½ भव	१८½ भग वर	१९ बभ यग	८½ बयभ नतग	१३½ बभ नतय	१६½ बनत यर	२६½ वतर	२७½ वतर
	चित्रा १,२	२० बभ न	१९ गब भय	२६½ बभ त	२८ ब तर	११ गबन तयर	२५ बत यर	२७ तयर	१४ गन तर	२२ ग तर	१७ गभ त	१८½ गभ व	१५½ भ वनय	१६ बय भन	२४ बभ य	१६½ गबत भय	१९½ गब तयर	१०½ गयव नतर	१९½ बगत यर

(ब=वर्णदोष। व=वश्यदोष । त=तारादोष । य=योनिदोष । र=राशीश दोष। ग=गणदोष। भ=भकूट दोष। न=नाडी दोष।)

मेलापक सारणी (भाग ३)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३,४	भर. १,२,३,४	कृत्ति. १	कृत्ति २,३,४	रोहि. १,२,३,४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३,४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३,४	आश्ले. १,२,३,४	मघा १,२,३,४	पू.फा. १,२,३,४	उ.फा १	उ.फा. २.३.४	हस्त १,२,३,४	चित्रा १,२
तुला	चित्रा ३,४	२२½ ग तय	१४½ गन तय	२८½ तय	२३½ भ तय	२० गभ	१२ गभ न	१३ गभ न	२१ गभ	१९½ गभ त	२०½ गर वत	११½ गनय वरत	२६½ वत र	२५½ वर त	११½ वर गनत	१७½ वय गरत	१७½ यग भत	२० गभ य	२१ भन
	स्वाती १,२,३,४	२७½ यत	२९½ त	१७½ न त	१२½ भन त	१५½ भन त	२६ भ	२७ भ	२६ भ	२८ भ	२९ वर	२७½ व तर	१४½ नव तर	१३½ वन तग	२५½ वर त	२५½ वर त	२५½ भ त	२७½ भ त	२१ भ यग
	विशा. १,२,३	२२½ तय ग	२२½ तय ग	२०½ तय न	१५½ तभ नय	१०½ गभ तन	१८½ गभ त	१९½ गभ त	२० गभ य	२१ गभ	२२ ग वर	२१ ग तर	१८½ नव तर	१७½ वर तन	१९½ वर तग	१७½ वय रगत	१७½ यग भत	१८½ गभ तय	२७½ भ त
वृश्चिक	विशा. ४	१६½ बग भयत	१६½ बग भयत	१४½ बभ नयत	१९½ बन तय	१४½ बग नत	२२½ बग त	१२ बवर गभत	१२½ वबय गभर	१३½ बव गभर	१९ गभ	१८ गभ य	१५½ भन त	२२½ बव नत	२३½ बव गत	२१½ बव गयत	१७ तबव गयर	१८ बवग तयर	२७ बव तर
	अनु. १,२,३,४	२४½ बभ त	१५½ बभ नत	१९½ बभ तग	२४½ बत ग	२७½ ब त	२०½ बन त	१० बवत नभर	१५ तबव रभय	२०½ बव भर	२६ भ	१८ भन	२१ भग	२४½ बव तग	२०½ बव तन	२९½ बव त	२५ बव तर	२६ बव त	११ बरव नतय
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१२ बग भन	१८½ बग तभ	२४½ बभ त	२९½ ब त	२२½ बग त	२२½ बग त	१२ तबव गभर	२ तवबय गभनर	५½ तबवर गभन	१०½ त गभन	२० ग भ	२६ भ	३१ बव	२३½ बव गत	१६½ तबव गन	१२ तबव गनर	१२ तबव गनर	२४ बव तयर
धनु	मूल १,२,३,४	१२ गभ न	२० गभ	२४½ भ त	१९ बभ तर	१३ बग तभर	१३ रबग तभ	२१ बग तर	१५ बगन तर	१२ रबग तनय	८ यगभ वनत	१७ गभ वत	२३½ भ वय	२५ वभ	१९ वग भ	९½ तवग भन	१३ तरब गन	१३ बग तनर	२६ रब तय
	पू.षा. १,२,३,४	२६ भ	१८ भन	१८ गभ य	१२½ बय गभर	१८ बभ तयर	१० रबभ तनय	१८ बन तयर	२७ ब तर	२७ ब तर	२३ भ वत	१३ यभन वत	१७ गभ वत	१९ वग भ	१७ वभ न	२५ वभ	२८½ ब र	२७ बत र	१३ तबग नर
	उ.षा. १	२४½ भत	२६ भ	१२ गभ न	६½ रगब भन	१०½ बयर भन	१७ बय तभर	२५ बय तर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भ वत	२३ भ वत	९ गभ वनत	८½ तगव यभन	२४ वभ य	२५ वभ	२८½ ब र	२८½ ब र	२१ गब तर
मकर	उ.षा. २,३,४	२७ तर	२८½ र	१४½ गन र	१२ गभ न	१६ भन य	२२½ यभ त	२० बय तभ	२२ बभ त	२२ बभ वत	२८ त र	२८ तर	१४ गन तर	४½ तयर गभन	२० रभ य	२१ रभ	२४½ भ त	२४½ वभ	१७ गभ वत
	श्रव. १,२,३,४	२७ तर	२६ तर	१३½ यन र	११ यभ गन	१६ भन य	२५ भ य	२२½ बभ वय	२१ बभ वत	२२ बभ वत	२८ त	२६ यत र	१५ नत र	६½ तगर भन	१८½ रभ त	२० भर	२३½ भ व	२४½ भ व	१९½ भ व
	धनि. १,२	२० गत यर	११ यग नरत	२६ तय र	२३½ भ तय	२० गभ	१२ गभ न	९½ वबग भन	१६½ वयब गभ	१६ बग वतभ	२२ ग तर	१३ रगन तय	२८ तर	१९½ रभ त	५½ तगर भन	१२½ तयर गभ	१६ गभ वतय	१७½ गभ व	१५½ भन वय
कुम्भ	धनि. ३,४	२० तग यर	११ यग तनर	२६ तय र	३०½ तय	२७ ग	१९ गन	१२ गभ न	१९ गभ य	१८½ गभ त	१३½ गभ वतर	४½ तयर गभनव	१९½ भव तर	२५½ वर त	११½ वतर गन	१८½ वर गतय	१७½ गभ तय	१९ गभ य	१७ यभ न
	शत. १,२,३,४	१५ गन तर	२१ ग तर	२८ तर	३२½ त	२५½ गत	२७ ग	२० गभ	१२ गभ न	१३ गभ न	८ गभ वनर	१४½ गभ वतर	२०½ वभ तर	२६½ वर त	२०½ वर गत	१२½ वरत गन	११½ तग नभ	८½ तयग भन	२५ भ य
	पू.भा. १,२,३	१८ नत यर	२५ य तर	२० गर तय	२४½ ग तय	३१½ त	३१½ त	२४½ भत	१७ भन य	१८ भन	१३ भन व	२० भर वय	१३½ गभ वतर	१९½ वर तग	२५½ वर त	१६ वर यनत	१५½ भन त	१५½ भन तय	१७½ गभ तय
मीन	पू.भा. ४	१४½ बभ तनय	२१½ बय तभ	१६½ गब तभय	१९ गब तयर	२६ ब तर	२६ ब तर	२५½ बव तर	१८ बन वयर	१९ नब वर	१८ नभ	२५ भ य	१८½ गभ त	१७½ बग तभ	२३½ बभ त	१४½ बभ तनय	१६½ रबन वतय	१६½ रनब वतय	१८½ रबग वतय
	उ.भा. १,२,३,४	२४½ बभ त	१६½ बभ तन	१८½ गब तभ	२१ गब तर	२६ बत र	१८ नब तर	१७½ नब वतर	२५½ बर वत	२८ ब वर	२७ भ	१९ भन	२१ गभ	१८½ गब तभ	१६½ बभ न	२५½ बभ त	२७½ बव तर	२६½ बव तर	९½ वतर वयगन
	रेव. १,२,३,४	२५ बभ	२४½ बभ त	११½ तगब भन	१४ गबन तर	१७ वन तर	२६ ब तर	२५½ बर वत	२४½ रब वत	२६½ रब वत	२५½ भ त	२७ भ	१४ भन ग	१३ बभ गन	२३½ बभ त	२३½ बभ त	२५½ बर वत	२६½ बर वत	१९½ बयर वतग

(ब=वर्णदोष। व=वश्यदोष । त=तारादोष । य=योनिदोष । र=राशीश दोष। ग=गणदोष। भ=भ कूट दोष। न=नाडी दोष।)

मेलापक सारणी (भाग ४)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२,३,४	विशा. १,२,३	विशा ४	अनु. १,२,३,४	ज्येष्ठा १,२,३,४	मूल १,२,३,४	पू.षा. १,२,३,४	उ.षा. १	उषा. २,३,४	श्रव. १,२,३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२,३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२,३,४	१,२,३,४
तुला	चित्रा ३,४	२८ न	२७ गय	३४½ त	२३½ भवत	६½ यगवतनभ	२०½ भवतय	२७ तयर	१४ गभतर	२२ गतर	२५ गतव	२६½ गव	२३½ नवय	१८ नभय	२६ भय	१८½ गभतय	१२½ गभवतयर	३½ वतयगभनर	१२ यगभवत
	स्वाती १,२,३,४	२८ यग	२८ न	२० नयग	९ भवयनग	२१½ भवत	१६½ भवतग	२३ तरग	२७ तरग	१९ तनर	२२ नवत	२३ नवत	२६½ वयग	२१ यगभ	२० गयभ	२५ यभ	१९ वभयर	१९½ वतभर	१२ वतभनर
	विशा. १,२,३	३४½ त	१९ गनय	२८ न	१७ भवन	१६ गवभय	२०½ भवतय	२७ तयर	२२ गतर	१४ गनतर	१७ गनवत	१७ गनवत	३० वतय	२४½ भतय	२६ भय	२० गभय	१४ गभवयर	१३ गयभतर	४ गभव[illegible]
वृश्चिक	विशा. ४	२२½ बवभत	७ बवगनभय	१६ बवनभ	२८ न	२७ गय	३१½ तय	२१½ बवतयभ	१६½ बवगभत	८½ बवगनभत	१२ गबनतर	१२ बनगतर	२५ बतयर	२४ बवतयर	२५½ बवयर	१९½ बवगयर	१९ गभय	१८ गयभ	९ गभनतय
	अनु. १,२,३,४	६½ बवतभयगन	२१½ बवभत	१६ बवभयग	२८ यग	२८ न	३१ ग	१५½ बवतगयभ	१३½ तबवनभ	२१½ बवतभ	२५ बतर	२६ बतर	१२ तयबनरग	११ तयबवनरग	२१ बवतरग	२४½ बवयर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१९½ बवतभय	१५½ तबवगभ	१९½ बवभतय	३१½ तय	३० ग	२८ न	१४ बवनभय	१६½ बवतगभ	१६½ बवतगभ	२० गबतर	२० गबतर	२५ बतयर	२४ बवतयर	१८ बवनरत	१० तबवयगनर	९½ गभतनय	२१ गभ	२१ गभ
धनु	मूल १,२,३,४	२६ तबयर	२१ गबतर	२६ तबयर	२२½ भवतय	१५½ गवभयत	१५ यवनभ	२८ न	२८ ग	२६½ गत	१५ गबभवत	१५ गबभवत	२० बभवतय	२८½ बवय	२१½ बनत	१४½ गनबतय	१६ गनवतय	२५ गवत	२६ गव
	पू.षा. १,२,३,४	१३ गबतनर	२७ बतर	२१ गबतर	१७½ गवभत	१५½ भवनत	१७½ गवभत	२८ ग	२८ न	३४	२२½ बभव	२३ बभवत	६ गबवभनतय	१४½ गबतनय	२३½ गबत	२८½ बतय	३० वतय	२३ नवत	३१ वत
	उ.षा. १	२१ गबतर	१९ नबतर	१३ गबनतर	९½ गवभनत	२३ भवत	१७½ गवभत	२६½ गत	३४	२८ न	१६½ बभवन	१४½ बभवन	१५ गबवभत	२३½ गबत	२३½ गबत	२९½ बत	३१ वत	३१ वत	२३ नवत
मकर	उ.षा. २,३,४	२४ गबत	२२ नबवत	१६ गबनत	१३ गनतर	२७ तर	२१ गतर	१६ गभवत	२३½ भव	१७½ नभव	२८ न	२६ न	२६½ गत	१७ गबभवत	१७ गबवभत	२३ बभवत	३०½ त	३० त	२२ नत
	श्रव. १,२,३,४	२६½ बवग	२२ नबवत	१७ नबगवत	१४ नतर	२७ तर	२२ तर	१७ भवतग	२३ भवत	१४½ नभव	२५ न	२८ न	२८ यग	१८½ बभवयग	१८ बभवतग	२१ बभवतय	२८½ तय	२९ त	२२ नत
	धनि. १,२	२२½ नबवय	२४½ गबवय	२९ बवतय	२६ तयर	१२ गनतयर	२६ तयर	२१ भवतय	७ गभयवनत	१६ गभवत	२६½ गत	२७ गय	२८ न	१८½ बभनव	२३½ बभवय	१९ गबवतभ	२६½ गत	१५½ गनतय	२२ गयत
कुम्भ	धनि. ३,४	१८ नभय	२० गभय	२४½ भतय	२५ तबयर	११ गवयतनर	२५ तवयर	२९½ तय	१५½ गतनय	२४½ तग	१८ गभवत	१८½ गभवय	१९½ भवन	२८ न	३३ य	२८½ गत	१८ गभवत	७ तगभवनय	१४ गयवभत
	शत. १,२,३,४	२६ भय	१९ भयग	२६ भय	२६½ यवर	२१ गवतर	१९ नवतर	२२½ नत	२४½ गत	२४½ गत	१८ गभवत	१८ गभवत	२४½ भवय	३३ य	२८ न	१९ गनय	८½ गभवनय	१७ गभवत	१६ गभवत
	पू.भा. १,२,३	१८½ गभतय	२६ भय	२० गभय	२०½ गवयर	२६½ वयर	११ गवतयनर	१५½ नगतय	२९½ तय	३०½ त	२४ भवत	२३ भवतय	२० भगवत	२८½ गत	१९ नगय	२८ न	१७½ नभव	२२½ भवय	२० भयवत
मीन	पू.भा. ४	११½ गबवभतयर	१९ बभवयर	१३ गबवभयर	१९ गभय	२५ भय	९½ गभनतय	१५ गवतनय	२९½ बवतय	३० बवत	२९½ बत	२८½ बतय	२५½ गबत	१७ गबभत	७½ गबयभतन	१६½ बभतन	२८ न	३३ य	३०½ यत
	उ.भा. १,२,३,४	२½ [illegible]	१९½ भवबतर	१२ गबरभयब	१८ गयभ	१९ नभ	२१ गभ	२४ गवबत	२२ नबवत	३० बवत	२९½ बत	२९½ बत	१४½ गबतनय	६ गबवनभतय	१६ गबवभत	२१½ बभतय	३३ य	२८ न	३५
	रेव. १,२,३,४	१२½ बभवतयर	११½ बभतवनर	४½ बभवनतगयर	१०½ नभतयग	२७ भ	२२ भग	२६ बगय	२९ बवत	२१ नबवत	२०½ नबत	२१½ नबत	२२½ बयतग	१४ बवयभतग	१६ बभवतग	१८ बयभवत	२९½ यत	३४	२८ न

(ब=वर्णदोष। व=वश्यदोष । त=तारादोष । य=योनिदोष। र=राशीश दोष। ग=गणदोष। भ=भकूट दोष। न=नाडी दोष।)

लग्न-गण्डान्त-कर्क सिंह वृश्चिक धनु मीन और मेष के अन्त एवं आदि की आधी घड़ी लग्न गण्डान्त होता है। वह भी जन्म में भयप्रद होता है।

अथ विवाहमासा : आचार्य चूड़ामणौ-''माङ्गल्येषु विवाहेषु कन्या-संवरणेषु च। दशमासाः प्रशस्यन्ते चैत्र-पौष-विवर्जिताः ॥'' वर्षासु पाणिग्रहणं न केचित् केचिद् वदन्तीत्यपरो विशेषः। तस्मात्सदाचार इह प्रमाणं देशे यथा यत्र तथैव तत्र ॥ केशवेन यदि नोररीकृतं श्रावणादिषु च पाणिपीडनम्। तेन चोक्तमपरैरुदाहृतं तद्विकल्प इति मन्यते मया ॥ २ ॥

अथ जन्म-मासादिषु निषेधः-सबसे बड़े (जेठे) लड़के अथवा सबसे बड़ी लड़की (जेठी) के जन्ममास (अर्थात् जन्मतिथि से ३० दिन) जन्मनक्षत्र अथवा जन्म तिथि में विवाह करना शुभ नहीं है। द्वितीयादि गर्भोत्पन्न का दोष नहीं। अत्यावश्यके परिहारः-जातं दिनं दूषयते वसिष्ठः पञ्चैव गर्गास्त्रिदिनं तथात्रिः। तज्जन्मपक्षं किल भागुरिश्च व्रते विवाहे गमने क्षुरे च ॥

यदि दो कार्यों की आवश्यकता हो तो-एक घर में दो शुभ काम करना मना है परन्तु अति आवश्यकता में ९ दिन का अन्तर देकर दो घरों में अलग-अलग मण्डप गाड़कर और जो पुरोहित पहला कार्य करा चुका है उसी से दूसरा कार्य न करावें, दूसरे आचार्य से करावें। इसी प्रकार जिस गृह में पहला कार्य हुआ हो तो दूसरे कार्य में दूसरे घर में मण्डप गाड़कर कार्य को करें।

अथ ज्येष्ठ विचारः-ज्येष्ठ पुत्र व कन्या का ज्येष्ठ मास में विवाह करना अशुभ है। अत्यावश्यकता में कृत्तिका सूर्य को छोड़कर दानादिपूर्वक करें

षट्मास के भीतर दो विवाह आदि का निर्णय-दो सगी बहनों का विवाह एक साथ या छः मास के अन्दर करें तो निस्संदेह ३ वर्ष के अन्दर अशुभ फल हो। पुत्र के विवाह के पीछे षट्मास तक कन्या का विवाह न करें और कन्या व पुत्र के पीछे छः मास तक यज्ञोपवीत न करें अर्थात् पहले कर लें और मंगल कार्य के पीछे अमंगल अर्थात् श्राद्ध तिलतर्पण भी न करें मुण्डन भी विवाह जनेऊ के पीछे न करें। वर्ष पलटने पर फिर भले ही शुभ कार्य कर लें। वहाँ छः मास का विचार नहीं है। यह ६ महीने का निषेध तीन पीढ़ी तक ही है।

विवाहादि शुभ कार्यों में मरणाशौच-साहे चिट्ठी (कुंकुम पत्रिका) आने पर विवाह दिन निश्चय हो जाने पर किसी की मृत्यु हो जावे तो माता के मरण से ६ मास, पिता के मरण से एक साल, स्त्री के मरण से तीन मास, भाई व पुत्र के मरण से १॥ मास कुल वालों के मरण से २२॥ दिन तक कोई शुभ कार्य न करें। अति संकट में ३० दिन के बाद शान्ति करके अथवा विशेष शान्ति और गोदान करके अशौच के बाद करें।

विवाह के शुद्ध मुहूर्त पंचांग के अन्त में दिये गये हैं। उनमें से उत्तम मुहूर्त देखकर और उसी दिन वर की राशि से सूर्य चन्द्र देखिए और कन्या राशि से चन्द्र गुरु देखिये, बस इसी को त्रिबलशुद्धि कहते हैं। यह त्रिबलशुद्धि जिस उत्तम विवाहलग्न के दिन मिले वही विवाह-दिन उत्तम है। यदि रवि, गुरु पूज्य हो तो मध्यम है, यदि सूर्य नेष्ट हो तो विवाह नहीं बनेगा - ऐसा कहना। इसी प्रकार कुमार के उपनयन में भी त्रिबल (गु.सू.चं) शुद्धि प्रथम देखें।'' झष-चाप-कुलीरस्थो जीवोप्यशुभगोचरः अतिशोभनतां दद्याद्विवाहोपनयनादिषु ॥ (बृहस्पतिः) ॥ अत्यावश्यकता में '' द्विरर्च्यो द्वादशस्तुर्योऽथाष्टम-स्त्रिगुणार्चनात्। उच्च उच्चांशके ग्राह्य : चन्द्राद्दष्टमगो रविः। नीचे नीचांशके त्याज्य: अरिलाभादिगोऽपि चेत् ॥

तुलाराशौ अपूज्यःरविः -धर्म-धी-धन-गतो दिवाकरस्तौलिराशि-जनितस्य शोभनः।
आवश्यके पूज्य रवि परिहारः-गार्ग्याङ्गिरोवत्स वशिष्ठ गौतम पराशराद्या मुनयो वदन्ति।
द्वितीयपञ्चांकगतो दिवाकरस्त्रयोदशाहात्परतःशुभावह ॥ (मु०प्र०सा०)।

विवाहाद त्रिबल-शोधनम्

पूज्यगुरुः—१०।६।३।९
श्रेष्ठगुरु :—९।५।११।२।७
नेष्टगुरु—४।८।१२
श्रेष्ठरविः—३।६।१०।११
पूज्यरविः—२।५।९
विशेष पूज्य रविः—१।७
नेष्टरविः-४।८।१२
नेष्टचन्द्रः—४।८
श्रेष्ठचन्द्रः-१।२।३।५।६।७।९।१०।११।१२

कन्या-वरयोः तैलादि-लापन (बन्न)

दिन संख्या

राशि	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
तैल्य सं.	७	१०	५	११	५	७	७	५	५	५	५	७

अथ विवाहे तिथि वार नक्षत्राणि -रो. मृ. उत्तरा ३. म. ह. स्वा. अनु. मू. रे. एतद्वेध-रहितेषु शुभेऽहि अमाक्षय-रहित-तिथिषु कात्यायन-मते अश्वि. चि. श्र. धनिष्ठास्वपि शुभम् ॥

अथ विवाहांगकृत्यारम्भ मुहूर्त- वर कन्या की चन्द्रशुद्धि विचार कर विवाह दिन से पहिले ३। ६। ९ इन दिनों को छोड़कर विवाह के नक्षत्रों में चन्द्रशुद्धि वाली सौभाग्यवती स्त्री के प्रथमोद्योग से हल्दी हाथ, दलना, पीसना, कूटना, मंगलकशादि स्थापन करना, घर लीपना, आंगन सफाई भूषण गढ़ाना, वस्त्र सिलाना, वेदी रचना, चन्दोया बांधना, गणेशादि पूजन और नान्दीश्राद्ध, मंगल स्नानादि सर्व कार्य का आरम्भ करना शुभ होता है।

विवाह-मुहूर्त में दस दोषों का विचार

विवाह के मुहूर्त में लता, पात, युति, वेध, जामित्र, पञ्चबाण, एकार्गल, उपग्रह, क्रान्तिसाम्य और दग्धातिथि- इन दस दोषों का विचार करना आवश्यक है। इन सबका विचार करके इस वर्ष के विवाह मुहूर्त लग्न दिये हुए हैं। इन दसों दोषों में जो दोष जिस मुहूर्त में हैं वे क्रमानुसार टेढ़ी रेखा से सूचित किये गये हैं। उक्त दसों दोषों का विचार इस प्रकार किया जाता है।

(१) लत्तादोष ज्ञानाय चक्रम्

सूर्य	पूर्णचन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	ग्रहाः
१२	२२	३	७	६	५	८	९	लग्न नक्षत्र
दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दक्षिण	वाम	दिशा
धननाशः	भयम्	मृत्यु	भयम्	बन्धुनाश	कार्यहानिः	कुलक्षयः	मरणं	फलम्

यथा-सूर्य अश्विनी नक्षत्र पर हो और विवाह उ.फा. का हो, सूर्यस्थित अश्विनी नक्षत्र से गिना तो, उ.फा. १२वाँ हुआ यह सूर्य की लत्तादोषयुक्त साहा हुआ। इसी प्रकार अन्य ग्रहों की लत्ता भी जाने।

(२) पातदोष ज्ञानचक्र

रो.	मृ.	मघा.	उफा.	ह.	स्वा.	अनु.	मू.	उषा.	उभा.	रे	वि. नक्ष	हर्षणवैधृति साध्य व्यतिपात, गंड और शूल योगों का अन्त जिस नक्षत्र में हो वह पात से दूषित होता है। इन नक्षत्रों में विवाह करने से पात दोष होता है।
आर्द्रा	मृ	अ	कृ.	भ	कृ.	अ.	रो.	भ.	भ.	अ	सूर्याधिष्ठित नक्षत्र	
पुन	आ	मृ	आ	मृ	श्र.	आ.	ज्ये.	पुन.	श.	ज्ये		
श	ज्ये	ज्ये	वि	श	ध.	उषा.	ध	श.	वि.	ध.		
पूफा	ध	पुष्य	पूफा	पूभ.	पुष्य.	पूभा.	श्ले.	वि.	उफा.	म.		
चि	म	ह	उ.भा.	स्वा.	ह.	पूषा.	मू.	ऽनु	पूफा.	पूफा		
मू.	ह	रे	पूभा.	म.	रे	पूफा.	उभा.	उषा.	मू.	स्वा.		

(३) युति :-जिस नक्षत्र का विवाह हो उसी नक्षत्र में यदि कोई ग्रह हो तो उस ग्रह की युति का दोष समझा जाता है। चन्द्र उच्च, मित्र वा स्वक्षेत्री हो तो युति दोष नहीं होता, किन्तु श्रेष्ठ है। सू.मं.शु.श.रा.के. की युति दारिद्र्य मृत्यु आदि भयप्रद मानी गई है। शुक्र की युति विशेष करके वर्जित है।

(४) वेध दोष चक्रम्

रो.	म.	मृ.	उफा.	ह.	स्वा.	अनु.	मू.	उषा.	उभा.	रे.
अभि	उषा	श्रवण	रे.	उभा.	श.	भ.	पुन.	मृग.	ह.	उफा.

ऊपर के नक्षत्र का विवाह हो और नीचे के नक्षत्र पर ग्रह हो तो वेध दोष होता है। यह सर्वत्र अवश्य ही त्याग करना चाहिए।

(५) जामित्र दोष चक्रम्

रो	मृ	म.	उ. फा	ह.	स्वा	ऽनु	मू.	उ. षा.	उ. भा.	रे	वि. न.
अनु	ज्ये	ध.	पू. भा.	उ. भा.	अ.	कृ.	मृ.	पुन.	उ. फा.	ह.	ग्रह नक्षत्र

विवाह लग्न से सातवें ग्रह होने पर जामित्र दोष होता है। ऊपर वैवाहिक नक्षत्र और नीचे ग्रह नक्षत्र है। याने १४वें नक्षत्र में पापीग्रह का जामित्र दोष वर्जनीय हैं।

(७) एकार्गल-दोष

व्याघात, गण्ड, व्यतिपात, विष्कम्भ, शूल, वैधृति, वज्र, परिघ, अतिगण्ड ये योग हों और सूर्य के नक्षत्र से विवाह का नक्षत्र अभिजित् सहित गिनने से विषम हो तो एकार्गल दोष होता है।

(८) उपग्रह

सूर्य के नक्षत्र से ५वें, ७वें, ८वें, १०वे, १४वें, १५वें, १८वें, १९वें, २१वें, २२वें, २३वें, २४वें और २५ वे नक्षत्रपर चन्द्रमा हो तो उपग्रह दोष होता है।

(९) स्थूल-क्रांतिसाम्य-दोष चक्रम्

मे.	वृ.	मि	कर्क	कन्या	तुला
सिंह.	म.	ध.	वृश्चि.	मी.	कुं

नीचे और ऊपर की राशि पर सूर्य एवं चन्द्रमा हो तो स्थूल रूप से क्रांतिसाम्य दोष होता है यह सर्वत्र वर्जित है। जैसे मेष के सूर्य सिंह के चन्द्रमा में या सिंह के सूर्य, मेष के चन्द्रमा में। सूक्ष्म क्रांतिसाम्य ही सर्वत्र वर्जित है। जिसका निर्णय महापातगणित से करना चाहिए।

(६) बाणज्ञान चक्रम्

बाण नाम	गतांशा:प्रति राशौ अर्कस्य	कर्मसु वर्ज्या:	वारे वर्ज्या:	समयपरत्वेन वर्ज्या:
रोग	८।१७।२६	व्रतबंध	रवौ	रात्रौ त्याज्यम्
अग्नि	२।११।२०।२९	गेहगोपे	भौमे	सदैव वर्ज्यम्
नृप	४।१३।२२	नृप सेवा	मन्दे	दिवा त्याज्यम्
चोर	६।१५।२४	यात्रायां	भौमे	रात्रौ वर्ज्यम्
मृत्यु	१।१०।१९।२८	विवाहे	बुधे	संध्ययो:वर्ज्यम्

(१०) दग्धातिथि दोष:

९	२	४	६	५	१०	सूर्य
१२	११	१	३	८	७	राशय:
२	४	६	८	१०	१२	तिथय:

इन संक्रांतियों में ये तिथियां दग्धा होती हैं। विशेषत:ये मध्य प्रदेश में ही वर्ज्य हैं।-कश्यप

भुजंगं क्रान्तिसाम्यञ्च बाणवेधं तथैव च। लग्नहीन विवाहन्तु कलौ पञ्च विवर्जयेत्॥

लत्तादि-दोषाणां परिहार वाक्यानि-लता मालवके (उज्जैन प्रान्त) देशे, पातश्च कुरु (कुरुक्षेत्र बागर) जांगले (फिरोजपुर भटिण्डा प्रान्त)। एकार्गलं च काश्मीरे वेधं सर्वत्र वर्जयेत्। ॥ उपग्रहर्क्षं कुरु वाह्लिकेषु (आगरा प्रान्त) कलिंगबंगेषु (जगन्नाथपुरी बंगाल अयोध्या) च पातितं भम्। सौराष्ट्र (काठियावाड़) शाल्वे (उज्जैन प्रान्ते) च लत्तितं भं त्यजेत्तु विद्धं किल सर्वदेशे॥ युतिदोषो भवेद् गौडे (बंगाले) जामित्रस्य च यामुने (मथुरा प्रान्ते)। मासदग्धाश्च तिथियो मध्यदेशे विवर्जिता: ॥

विशेष परिहार-चित्रां गते पातविचित्रदेशे मैत्रे मघा मालवके निषिद्धा: पौष्णश्रुतिश्चोत्तरदेशजात: सर्वत्र वर्ज्यश्च भुजंगपात: ॥

युति परिहार-स्वक्षेत्रग: स्वोच्चगो वा मित्रक्षेत्रगतो विधु:। युतिदोषाय न भवेद्दम्पत्यो: श्रेयसे तदा।। अत्यावश्यके वेधपरिहार:-पादमेकं शुभैर्विद्धमशुभैनेव कृत्स्नत: (नारद)॥ ग्रह प्रथम चरण में हो तो दूसरे नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वेध होता है, यदि चतुर्थ चरण में हो तो प्रथम चरण विद्ध होता है। द्वितीय में हो तृतीय, तथा तृतीय चरण में ग्रह हो तो द्वितीय चरण विद्ध होता है। आवश्यकता में चरण मात्र का त्याग किया जाता है। भुक्तं भोग्यं तथाक्रान्तं विद्धं पापग्रहेण च। शुभाशुभेषु कार्येषु वर्जनीयं प्रयत्नत: ॥ अस्यापवाद:-ऋक्षाणि क्रूरविद्धानि क्रूरयुक्तादिकानि च। भुक्त्वा चन्द्रेण युक्तानि शुभार्हाणि प्रचक्षते। एकार्गलोपग्रह पात लत्ता-जामित्रकर्तर्युदयास्त दोषा:। नश्यन्ति चन्द्रार्क बलोपपन्ने लग्ने यथार्काभ्युदये तु दोषा॥ मु.चि. ।

उक्तानुक्ताश्च ये दोषास्तान्निहन्ति बली गुरु:।
केन्द्रसंस्थ: सितो वापि पन्नगान् गरुडो यथा ॥

विवाहे लग्न -शुद्धि चक्रम्

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	भावा:
चं. पाप.	०	शु.	रा.	०	चं. शु. लग्नेश	सर्वे	च. मं. शुभा: लग्नेश	०	मं.	०	श.	त्याज्या:
चं. मं.	कुलिकं क्रांतिसाम्यञ्च				चं.	मं.	चं. मं.	विद्धभञ्च				गोधूलौ त्याज्या:

लग्न भंग-योगा-व्यये शनि: खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ता: । लग्नद् कविग्लौ च रिपौ मृतौ ग्लौ लग्नेट् शुभाराश्च मदे न सर्वे (अस्तेऽब्जगुरू समौ)॥ वर्गोत्तमं विनान्त्यांशो विवाहे न शुभप्रद: । वर्गोत्तमश्चेदन्त्यांश: पुत्रपौत्रादिवृद्धिद: ॥ दम्पत्योरष्टमं लग्नं त्वष्टमो राशिरेव च । यदि लग्नगत: सोऽपि दम्पत्योर्निधनप्रद: ॥ पंग्वन्धादिलग्नानां गौडमालवयोरेव त्याग: । बादरायण- मासशून्याह्वयास्तारा राशयो बधिरादय: । गौडमालवयोस्त्याज्यास्त्वन्यदेशे न गर्हिता: ।

कर्तरी दोष:-लग्नस्य पृष्ठाग्रगयोश्च साध्वो: सा कर्तरी स्यादृजुवक्रगत्यो: । तावेव शीघ्रौ यदि वक्रचारौ न कर्तरी चेति पितामहोक्ति: ॥ इय कर्तरी चन्द्रस्यापि द्रष्टव्या। केषाञ्चिल्लग्नदोषाणां परिहार:-पापौ कर्तरिकारकौ रिपुगृहनीचास्तगौ कर्तरी दोषो नैव सितेऽरिनीचगृहगे तत्पष्ठदोषोऽपि न। भौमेऽस्ते रिपुनीचगे नहि भवेद् भौमोऽष्टमो दोषकृन्नीचे नीचनवांशके शशिनि रि:फाष्टारिदोषोऽपि न।।

दोषापवादा: ज्योतिर्निबन्धे-दोषाश्च बहव सन्ति गुणा: स्वल्पा: कलौ युगे। तथापि दोषा नश्यन्ति स्वापवादगुणै: सह।। अपवादान्तरम्-उक्तानुक्ताश्च ये दोषास्तान्निहन्ति बली गुरु: । केन्द्र संस्थ: सितो वापि पन्नगानारुडो यथा॥ मुहूर्तलग्नषड्वर्गकुनवांश ग्रहोद्भवा: । ये दोषास्तान्निहन्त्येव यत्रैकादशग:शशी ॥ अब्दायनर्तुमासोत्था: पक्षतिथ्यृक्षसम्भवा: । ते सर्वे नाशमायान्ति केन्द्रसंस्थे शुभग्रहे ॥ लग्नाधिपो यदा केन्द्रे लग्नादेकादशालये । सर्वग्रहकृतं रिष्टमेकोपि विलयं नयेत् ॥ बलवान् केन्द्रग: सौम्यो हन्ति दोषशतत्रयम् । द्यूनं विहाय दैत्येज्य: सहस्रं लक्षमंगिरा: ॥ स्मरण रहे, कि- पूर्वोक्त अपवाद वाक्यों में सप्तमरहित केन्द्र (१।४।१०)ही ग्रहण करना।

विवाहे ग्रहाणां रेखाप्रद स्थानानि

र.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	केतु	ग्रहा	मुहूर्त्त गणपतौ
३ ६ ८ ११	२ ३ ११	३ ६ ११	१ २ ३ ४ ५ ६ ९ १० ११	१ २ ३ ४ ५ ६ ९ १० ११	१ २ ४ ५ ९ १० ११	३ ६ ८ ११	३ ६ ८ ११	३ ६ ८ ११		लग्नं शुभं विवाहे स्याद् दशविंशोपकाधिकंम्
३॥	५	१॥	२	३	२	१॥	१॥	१॥		विंशोपका बलम्

अथ गोधूलि लग्न विचार-लग्नशुद्धिर्यदा नास्ति कन्या यौवनशालिनी। तदा वै सर्ववर्णानां लग्नं गोधूलिकं शुभम् ॥ लग्नं यदा नास्ति विशुद्धमन्यद् गोधूलिकं साधु तदा वदन्ति । लग्ने विशुद्धे सति वीर्ययुक्ते गोधूलिकं नैव फलं विधत्ते ॥ मार्ग, माघ, फाल्गुन में संध्यासमय सूर्य गोलक समान दृष्टिगोचर होने पर चै. वै. में गौओं को धूली से आकाश आच्छादित होने पर, ज्येष्ठ, आषाढ़ में सूर्य आधा अस्त होने पर, श्रा. भा.आश्वि. का. में सूर्य पूर्ण अस्त होने पर गोधूलि लग्न होता है ।

गोधूलिके त्याज्या दोषा:-कुलिकं क्रातिसाम्यञ्च लग्ने षष्ठेऽष्टमे शशी । तथा गोधूलिकं त्याज्यं पञ्चदोषैस्तु दूषितम् । अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के । अर्थात् बृहस्पतिवार को सूर्य अस्त होने केपीछे । क्योंकि सूर्य अस्त से पहले वारबेला होगी और शनिवार को सूर्य अस्त से पहले (क्योंकि सूर्य अस्त हो जाने में कुलिकं मुहूर्त्त होगा) गोधूलि समझना ।

संकीर्ण वर्णसंकर चाण्डालादि जाति का विवाह मुहूर्त्त :- कृष्णपक्ष क्रूरवार निषिद्ध नक्षत्र योगों में संकीर्ण जाति वालों का विवाह धन, पुत्र , आयु प्रीति लाभ देता है । ऐसा शौनकादि मुनि कहते हैं ।

पुनर्विवाहे (रीत) सूर्यभात् शुभाशुभज्ञानाय चक्रम् ।

३	३	३	३	३	३	३	३	नक्षत्र
मृत्यु	धन	मरण	मृत्यु	पुत्र	दुर्भग	श्री	उन्नति	फल

अन्यच्च :- सूर्यभात् ४ । ११ । १८ । २५ संख्यकसाभिजिद्भेषु पुनर्विवाहे मृत्यु: । अत्र तिथि- मासवेध भृगु-गुर्वस्तादि दोषोऽपि नावलोकनीय: ।

वधू प्रवेश का मुहूर्त- जब वधू विवाह हाने पर पति केघर पहले आती है वह वधू प्रवेश कह ाजाता है । विवाह से १६ दिन के भीतर सम दिनों में अथवा ५,७,९वे दिन,इनके उपरान्त एक मास तक विषम दिनों में, एकवर्ष के भीतर विषम मास में एक वर्ष के उपरांत ३ रे, ५वेंवर्ष में भी स्थिर लग्न में वधू प्रवेश शुभ है ।५वर्ष के उपरांत जब चाहे तब शुभ मुहूर्त्त में हो सकता है । १६ दिन के भीतर पूर्वोक्त दिनों में तिथ्यादि पंचागशुद्धि चन्द्रवल गुरुशुक्र के मूढत्व का भी विचार नहीं करना । व्यतिपाते क्षयतिथौ ग्रहणे वैधृतौ तथा । अमासंक्राति - तिथ्यादौ प्राप्तकालेऽपि नाचरेत् ॥ रे, अश्वि रो, मृ. श्र. ध. ह. चि. स्वा. म. मू. उत्तरा ३ , पुष्य, अनु. इन नक्षत्रों में और च बु. वृ. शु. श. इन वारों में १ । २ । ३ । ५ । ६ । ७ । ८ । १० । ११ । १२ । १३ । १५ तिथियों में ५ । ८ । ११ लग्नों में चतुर्थाष्टम शुद्ध हो तो वधू प्रवेश शुभ है ।

वधू-प्रवेश-समय- वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्त: राजप्रवेशो न निशि प्रशस्त: ।
दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेश: सत्कीर्तिद: स्यान्त्रिविध: प्रवेश: ॥

विवाहत: प्रथम वर्षे वधू-निवास फलम् - विवाह के बाद आषाढ़ मास में कन्या पति के घर रहे तो अपनी सास को क्षय मास में अपने शरीर को ज्येष्ठ में ज्येष्ठ को, पौष में श्वसुर को, अधिक मास में पति को नाश करती है । विवाह के बाद चैत्र मास में पिता के घर रहे तो पिता को अशुभ है, सास आदि के अभाव में उस मास का कोई दोष नहीं ।

द्विरागमन का मुहूर्त्त- प्योके (पितृगृह) से दूसरी बार पति के घर जाने को द्विरागमन कहते हैं । विवाह से एक वर्ष के भीतर अथवा तीसरे या पांचवे वर्ष वृश्चिक कुंभ, मेष के सूर्य में जब सूर्य और बृहस्पति शुद्ध हो तब सोम, बुध, गुरु, शुक्रवार को २,३,६,७ या १२ वीं राशि के लग्न में ह., अश्वि., पुष्य, अभिजित, तीनों उत्तरा, रो., स्वा., पुन., श्र., ध., श., मू., मृ., रे., चि., अनुराधा नक्षत्रों में शुभ है । शुक्र सामने या दाहिने हो तो अशुभ है ।

विशेषः— द्विरागमं षोडषवासरान्त एकादशाहे समवासरेषु । न चात्र ऋक्षं न तिथिर्न योगो न वार शुद्ध्यादि विचारणीयम्।

शुक्र के सम्मुख व दक्षिण में निषेध— सम्मुख या दक्षिण शुक्र में यदि नूतन वधू जावे तो वन्ध्या हो, छोटे बालक को साथ लेकर जावे तो बालक की मृत्यु हो, गर्भिणी जावे तो गर्भ का सुख न पावे । यदि ऐसे समय राजविद्रोह-राजपीड़न आदि उपद्रव या दुर्भिक्ष के दुःख से यात्रा करनी पड़े एवम् विवाह सम्बन्धी यात्रा में या देवतीर्थ यात्रा के सम्बन्ध में जाना पड़े तो सम्मुख या दक्षिण शुक्र का दोष नहीं होता। यदि रेवती से मृगशिर तक के चन्द्रमा में भी जावे तो दोष नहीं, क्योंकि तब तक शुक्र अन्धा होता है ।

विशेषः— सिंहस्थे वा गुरौ शुक्रे सम्मुखेऽस्तंगतेऽपि वा। शुभो दीपोत्सवे वध्वाः प्रवेशः पतिमन्दिरे ॥ **अत्यावश्यकेऽभिमुखे शुक्रदोषनाशाय शान्तिः—** राजते वाथ सौवर्णे कांस्य पात्रेऽथवा पुनः । शुक्लपुष्पांवरयुते श्वेततण्डुलपूरिते ॥ निधाय राजतं शुक्रं शुचिमुक्ता फलान्वितम्। महाश्वेत गवायुक्तं सामगाय निवेदयेत्।

प्रथम स्त्री संगम मुहूर्त्त— रजोदर्शनानंतर १६ रात्रि पर्यन्त, ४ रात्रि के बाद समरात्रि में, (पञ्चदशवर्षोपरि रजोदर्शनाभावेऽपि) रो., मृ., पुष्य, ह., चि., अनु., ध., उत्तरा. ३, रिक्ता -अमावस रहित तिथि में, शुभवार, रात्रि के प्रथम पहर को छोड़कर। शुभ समय में चित्त को प्रसन्न कर, प्रथम दिन स्त्री संगम करें। **मनुष्य का स्त्री के प्रति कर्त्तव्य—** स्त्री का अपमान या तिरस्कार न करें, आदर सत्कार करें। विशेष गुप्त बात न कहें, और विशेषाधिकार भी न दें, क्योंकि स्त्री जाति पुरुष की समान कोटि में नहीं आ सकती । अपवाद में एक-दो हो सकती है। प्रभुकृत शरीर रचना भी कोई वस्तु है, उसे समझना चाहिए। उसका दिल और दिमाग तथा ओज प्रकृति ने पुरुष से न्यून बनाया है। पशुओं में भी घोड़े, हाथी, सांड, भैंस आदि अपनी स्त्री जाति पर पूर्ण प्रभुत्व रखते हैं।

नव वधु द्वारा पाक कर्म मुहूर्त्त— द्विरागमनोत्तरं मृ., उत्तरा.३, पुष्य, कृ., ज्ये.,श्रव., ध., श., रो., वि., रे., एषु नक्षत्रेषु शुभवासरे (रविभौमवर्जिते) , रिक्ताक्षयरहित तिथौ, २।५।८। ११ लग्नेषु, चतुर्थाष्टशुद्धे सप्तमभावे च बलान्विते सति पाक्कर्म शुभम्।

सधवा स्त्री का वस्त्रसुवर्णरत्नभूषणादिधारण करने का मुहूर्त्त — ह., चि., स्वा., अनु., धनि., रे., अश्वि., एषु भेषु, बु., गु., शु. वारेषु रिक्तामावस्या रहित तिथिषु, नूतन वस्त्रसौवर्णरत्नरजत दन्तादि भूषणानां धारणं प्रशस्तम्॥

चूड़ीचक्र में विशेष— सूर्य नक्षत्र से गणना ८ अशुभ। ३ शुभ । ४ शुभ। ७ अशुभ। २ अशुभ। १ शुभ । २ शुभ। १ अशुभ। गुरुशुक्रोदय में शुभ।

वस्त्र धारणे विशेषः— विप्रादेशात्तथोद्वाहे क्ष्मापालने समर्पितम्। निन्द्येपि धिष्ण्ये वारादौ धारयेच्च नवाम्बरम्।

आभूषण बनवाने का मुहूर्त्त — ह., अ., पुष्य, अभि., स्वा., पुन., श्र., ध.,श.,उत्तरा. ३, रो. एषु नक्षत्रेषुरिक्तामाक्षयरहित तिथौ, शुभवासरे द्विपुष्करत्रिपुष्करयोगे वा भूषणं कार्यम्॥

दुकान खोलने का मुहूर्त्त — ह., चि., रो., रे., उत्तरा. ३, पुष्य, अश्वि., अभि. इन नक्षत्रों में ४ । ९ । १४ । ३० इन तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में, मंगलवार को छोड़कर अन्य वारों में, कुम्भ लग्न को छोड़कर अन्य लग्नों में, २ । १० । ११ स्थानों में शुभ ग्रह बैठे हों, ३ । ६ में पापग्रह हों, ८ । १२ वां स्थान पाप रहित हो, शुभ दशा भी हो तो दुकान करना शुभ है, चन्द्र लग्न में हो तो अत्यन्त शुभ है।

भर्तृ गृह से पितृ गृहागमन मुहूर्त्त— पूर्वा., ३, भ., मू., म., ज्ये., आ., आश्ले., एतद्भिन्नेषु,चं., बु., शु., वारेषु सत्तिथौ शुभलग्ने कुयोगादिराहित्ये प्रशस्तः॥

घोड़े पर चढ़ने का मुहूर्त्त— भ., आर्द्रा, आश्ले., म., पूर्वा. ३, ज्ये., मू. इन नक्षत्रों को छोड़कर, शेष नक्षत्रों में रविवार को शुभ है ।

हट्टचक्र — सूर्य नक्षत्र से दुकान खोलने के दिन तक, नक्षत्र गिनकर चक्र से शुभाशुभ फल जानें।

नक्षत्र	२	३	४	४	३	४	४	४
स्थान	आसन	मुख	अग्नि	नैर्ऋत	सम्मुख	वायव्य	ईशान	मध्य
फल	सौख्य	विक्रयनाश	अर्थनाश	सुख	महाश्रेष्ठ	चोरभय	सर्वहानि	शुभप्रद

सेवाकर्म (नौकरी) मुहूर्त्त— अ.,मृ., चि., ह., पुष्य, अनु., रे. एषु भेषु रिक्तामारहिततिथौ, र.,बु., बृ., शु. वारेषु शुभः । लग्नस्थे, १० । ११ सूर्ये -भौमे वा स्वामिसेवकयोः राशीशयोनिमैत्रायां सत्यां शुभः ।

व्यवहार (बही) पत्रारम्भ मुहूर्त्त- अश्वि., रो., मू., पुन.,पु., उत्तरा. 3, ह., चि., अनु.,श्र. रे. एषु भेषु रिक्तामारहिततिथौ, सू., चं., बु., बृ. श. वारेषु शुभे युते शुभे लग्ने चरे द्विस्वभावे च व्यायाष्ट रहिते पापैः केन्द्रकोणगैः शुभैः स्यात्॥

द्रव्यप्रयोगमुहूर्त्त— पुन., स्वा., मृग., रे., चि., अनु., वि., पुष्य., श्र., ध., श., अश्वि. एषु नक्षत्रेषु, १।४।७।१० लग्नेषु ९।८।५ शुद्धिरहिते द्रव्य प्रयोगः शुभः । अत्रावसरे ९।५ शुभग्रहाणां तु न कोऽपि दोषः॥

ऋण लेने के लिए वर्जितकाल — मंगलवार, संक्रान्ति दिन, वृद्धियोग, हस्तनक्षत्रयुक्त रविवार को ऋण ले तो कभी मुक्त न हो। मंगलवार को ऋण चुकाना अच्छा है। बुधवार को धन न देना चाहिए। कृ., रो., आर्द्रा, श्ले., उ. ३, वि., ज्ये., मू. नक्षत्रों में भद्रा, व्यतिपात और अमावस में गया धन फिर मिलता नहीं या झगड़े आदि पर उतारू होना पड़ता है ।

श्रीकाशीनाथ के मत से क्रयविक्रय मुहूर्त्त— पुष्य, पू.भा., अनु., श्र., ह., म., स्वा., उत्तरा. ३, आश्ले., रे. एषु भेषु, सत्तिथौ, शुभदिने उत्तमशकुनं विचार्य क्रयविक्रयणं कार्यम्।

वस्तु खरीदने के नक्षत्र— रे., शत., अश्वि., स्वा., श्र., चि., वारों में बुध, रवि श्रेष्ठ माना गया है ।

वस्तु बेचने के नक्षत्र—पू.फा., पू.षा., पू.भा., वि., कृ., आश्ले., भ. ये ७ नक्षत्र और गुरुवार, चन्द्रवार श्रेष्ठ माने गए हैं।

नोट — बेचने के नक्षत्रों में खरीदना और खरीदने के नक्षत्रों में बेचने वालों को ९५ फीसदी नुकसान रहेगा, इसमें संशय नहीं। इसी कारण खरीदने-बेचने के नक्षत्र दिखाये गये हैं, परन्तु सम्प्रति प्रचलित सट्टे जैसे भयानक व्यापार में तो धैर्य का काम ही नहीं, सिवाय घबराहट के दिन भर में १० बार बेचना, २० बार खरीदना। ऐसे व्यापारी क्या करेंगे, इन नक्षत्रों को । लेकिन हमारा कहना है कि विश्वास करके परीक्षा तो कीजिये, बात कहां तक सच है। सट्टे में भी प्रथम बार व्यापार करने वाले व्यापारी अवश्य ध्यान करें तभी मालूम होगा कि ऋषियों के वाक्य कहां तक सत्य हैं।

प्रार्थनापत्र (अर्जी) देने का मुहूर्त्त— ४। ९। १४ तिथि हों, मं., श. वार हों, कृ., आर्द्रा, भ., अ., श्ले., म., ज्ये., मू., वि., पूर्वा. ३ नक्षत्र हो, भद्रा होवे तो अत्युत्तम है।

गृहादि निर्माण में आय विचार

ग्रामभात् वासकर्त्तुः नक्षत्रं यावद् साभिजित् गणना कार्या		
स्थान	नक्षत्र	फलम्
मस्तके	७	धनलाभः
पृष्ठे	७	हानिःनैस्वम्
हृदये	७	सुखलाभः
पादे	७	पर्यटनम्

गृहस्वामी के हस्तादि लम्बाई-चौड़ाई को परस्पर गुणाकर, आठ का भाग देवें, जो शेष रहे वह क्रम से ध्वजादि आय होते हैं। १ ध्वज, २ धूम्र, ३ सिंह, ४ श्वान, ५ वृषभ, ६ गर्दभ, ७ हस्ति, ८ (०)। इनमें एकादि विषम संख्या की आय शुभ ओर २ आदि सम संख्या को अशुभ जानना । गृह की भूमि को अन्दर से मापना चाहिए और देवस्थान की भूमि को बाहर से मापना चाहिये। ३२ हाथ लम्बे चौड़े घर में आयादि विचार की आवश्यकता नहीं है और न चार द्वार वाले घर में ही । ब्राह्मण को ध्वजाय, क्षत्रिय को सिंहाय, वैश्य को गजाय और शूद्र को वृषभाय विशेष शुभ होती है । अन्य आय नीच जाति के लिए शुभ है ।

घर का नक्षत्र और व्यय ज्ञान

घर के क्षेत्रफल (हस्तादि लम्बाई-चौड़ाई के गुणन) को आठ से गुणाकर २७ का भाग दें। जो अंक शेष रहे, तदनुसार अश्विन्यादि गृह का नक्षत्र जानें। इस नक्षत्र को ८ से भाग देवें । शेषांक तुल्य व्यय जानें। आय से व्यय कम हो तो शुभ अन्यथा अशुभ।

वास्तुभूमि का शुभाशुभ जानना

नई बस्ती में गृहादि बनाना हो तो भूमिपूजन पूर्वक शाम को एक हाथ चौड़ा-एक हाथ लम्बा-एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर, उसको जल से भर देवें। प्रात:काल उसको देखें यदि जलयुक्त हो तो शुभ, निर्जल मध्यम, निर्जल फटा हुआ हो तो अशुभ है ।

मकान बनाने के लिए पृथ्वी की शुभाशुभ परीक्षा

मकान की नींव को इतना गहरा खोदें कि जल दीखने लगे अथवा दूसरी मिट्टी जब तक निकले अथवा साढे तीन हाथ गहरी खोदें अर्थात् मनुष्य के बराबर खोदें। खोदते समय जो जमीन में पत्थर निकले तो धन-आयु की वृद्धि हो और जो गुठली निकले तो धननाश हो और जो अस्थि, राख,बाल निकले तो मकान बनाने वाले को व्याधि-पीड़ा हो ।

गृहारम्भमुहूर्त्त — वैशा., श्रा., मार्ग., माघ, फाल्गुन सौर महीने गृहारम्भ में श्रेष्ठ कहे हैं, भाद्रपद और कार्तिक मास मध्यम हैं। २। ३। ५। ६। ७। १०। ११। १२। १३। १५ और कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा इन तिथियों में चं., बु., गु., शु., श. वारों में ,रो., मृ., चि., ह., स्वा., अनु., उत्तरा. ३, ध., श., रे. वेधरहित नक्षत्रों में, २। ३। ५। ६। ८। ११। १२ लग्नों में, पञ्चबाण और भूमिशयन से रहित दिनों में, लग्न से केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभग्रह और ३। ६। ११ वें स्थान में पापग्रह तथा अष्टम स्थान शुद्ध होने पर गृहारम्भ मुहूर्त्त शुभ होता है। केवल तृणमय गृहारम्भ में वत्सचक्र व मासादि का विचार नहीं करना ।

गृहारम्भे वत्सचक्रम् — सूर्यनक्षत्र से गृहारम्भ नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें।		
स्थानानि	न.	फलानि
शीर्षे	३	अग्निदाहः
अ.पादे	४	शून्यमसत्
पृ.पादे	४	स्थिरता
पृष्ठे	३	लक्ष्मीप्राप्तिः
द. कुक्षौ	४	लाभ:शुभम्
पुच्छे	३	स्वामिनाशः
वामकुक्षौ	४	निर्धनता
मुखे	३	पीड़ा असत्

विशेष— पुष्य, उत्तरा. ३, रो., म., आश्ले., पू.षा., इनमें से जिस पर बृहस्पति हो, उस नक्षत्र में बृहस्पतिवार को गृहारम्भ हो तो पुत्र और सम्पत्तिदायक होता है। रो., ह., अ., उ.फा., चि. इनमें से जिस पर बुध हो उस नक्षत्र में बुधवार को गृहारम्भ हो तो सुख और पुत्र होते हैं। चि., अ., चि., ध., श., आर्द्रा इनमें से जिस पर शुक्र हो उस नक्षत्र में और शुक्रवार को गृहारम्भ हो तो धनधान्यदायक होता है ।

भूमिप्रसुप्तज्ञानम्— "संक्रांति मिति दिन पांचवें सप्तम नवम जोय। १०/२१/२४ में षड्दिन पृथ्वी सोय। तत्रात्यावश्यके क्रमात् ५। ११। ७। ६। २। १० एताघटिका भूमिकर्मण्यवश्यं वर्जनीयाः"। अन्यच्च - सूर्य के नक्षत्र से ५। ७। ९। १२। १९। २६ इतनी संख्या के नक्षत्रों में पृथ्वी शयन के कारण मकान की नींव, तड़ाग,वापी, कूपादि का खोदना उत्तम नहीं होता ।

गृहमध्य में कूपविचार

मध्य	ई.	पू.	आ.	द.	नै.	प.	उ.	वा.
अर्थहानि	सुपुष्टि	सुप्राप्ति	पुत्रनाश	स्त्रीनाश	गृहेशनाश	संपत्	सुख	शत्रुभय

अथ चुल्हिचक्र-विचार

सूर्य के नक्षत्र से ६ नक्षत्र पीठ के सुखप्रद । ४ मस्तक के मृत्युप्रद। ८ बाहू के सुन्दर-सुख-भोगदायक। ५ गर्भ के नाशक। २ भुज के भोगदायक । २ चरण के नाशक । यह चुल्हिचक्र गर्गाचार्य ने कहा है, पण्डित जन विचार करें। उपरोक्त शुभ नक्षत्रों में चुल्हा बनावें तथा इन्हीं शुभ नक्षत्रों में प्रथम अग्नि जलावें।

नूतनगृह प्रवेश मुहूर्त्त

माघ-फाल्गुन-वैशाख-ज्येष्ठ मासेषु शोभनाः।प्रवेशो मध्यमो ज्ञेयः सौम्य (मार्ग.) कार्तिक मासयोः ॥ (यहां चान्द्रमास लेना) उत्तरा. ३, अनु., रो., मृ., चि., रे. इन नक्षत्रों में रिक्तामारहित तिथियों में । चं., बृ., श. इन वारों में। २।५।८।११ लग्नों में, अत्यावश्यके ३।६।९।१२ लग्नों में भी, लग्न से १।२।३।५।७।९।१० इन स्थानों में शुभग्रह हों, ३।६।११ में क्रूर हों, १।६।८।१२ वें चन्द्रमा न हो, चौथा, ८ वाँ स्थान शुद्ध हो, जन्म लग्न या जन्म राशि से ८ वीं राशि लग्न में न हो, चन्द्र- तारा शुभ हो और कुम्भ चक्र की भी शुद्धि हो, तो आगे गौ, कन्या, जलपूर्ण-पुष्पमाला युक्त कलश, शंखध्वनि व मंगलगान के साथ दम्पत्ति का गृह प्रवेश शुभ है ।

गृहप्रवेश का विशेष मुहूर्त्त— पुराने अर्थात् जीर्ण या तृणकुटीर अथवा अग्नि-वर्षा इत्यादि के भय से बनवाये हुए नए घर में भी वै., श्रा., का., मार्गशीर्ष और फा. मास में शत., पुष्य, स्वा. और धनि. नक्षत्रों तथा गुरु, शक्र के अस्त में भी गृह प्रवेश हो सकता है ।

सूर्यराशिवशात् खातज्ञानम्

खाते राहोर्मुखात्पृष्ठदिग्भागः शुभदो भवेत्

राहुमुखम्	ऐशान्यां	वायव्यां	नैर्ऋत्यां	आग्नेय्यां
देवालयारम्भे सूर्यः	मी.,मेष, वृष	मि., क., सिंह	कन्या, तुला, वृश्चिक	धनु, मकर, कुम्भ
गृहारम्भे सूर्यः	सिं.,क., तु.	वृश्चि.,ध., मकर	कुम्भ,मीन, मेष	वृष,मिथुन, कर्क
जलाशयारम्भे सूर्यः	म.,कुं., मी.	मे.,वृष, मिथुन	कर्क,सिंह, कन्या	तुला,वृश्चिक धनु
खातदिशाज्ञानम्	आग्नेय्यां	ऐशान्यां	वायव्याम्	नैर्ऋत्यां

द्वारशाखाचक्रम्

सूर्यनक्षत्रात्

स्थान.	न	फलानि
शिरसि	४	श्रीप्राप्तिः
कोणे	८	उद्वसनं
शाखा.	८	सौख्यमं
देहल्यां	३	गृहेशनाशः
मध्ये	४	सौख्यम्

चक्रमिदं विलोक्य सुधिया द्वारं विधेयं शुभम् ।

गृहप्रवेशे कुम्भचक्रम्

सूर्यभात्

५	८	८	६
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

कूप, तालाब और बावड़ी खुदवाने का मुहूर्त्त

कूप, तालाब और बावड़ी खुदवाने का मुहूर्त्त — अनु., ह., उत्तरा.३, रो., ध., श., म., पू.षा., रे., पुष्य, मृ. नक्षत्र हों व चन्द्रमा मकर के उत्तरार्ध, मीन या कर्क में हो, लग्न में बुध या गुरु हो, शुक्र १० वें स्थान में हो और पापग्रह निर्बल हों तो शुभ है । यदि २।१०।४।११। १२ लग्न हों तो अत्युत्तम है।

सूर्यनक्षत्रात्कूप-नलचक्रम्

ईशान ३ क्षार जल	पूर्व ३ खण्डितजल	आग्ने.३ सुजल
उत्तर ३ उत्तम जल	मध्य ३ स्वादु तथा शीघ्रजल	दक्षिण ३ निर्जल
वायव्य ३ मिश्रितजल	पश्चिम ३ जल	नैर्ऋत्य ३ अमृतजल

सूर्यभात्तड़ागचक्रम्

ई. २ जलनाश	पूर्व २ शोक	आ. २ जलाधिक्य
उत्तर २ अमृतजल	मध्य ५ बहुजल	द. २ जलनाश
वायव्य २ जलनाश	पश्चिम २ बहुजल	नैर्ऋत्य २ अमृतजल

गणनाक्रमः- मध्य-पूर्व -आग्नेय -दक्षिणादिक्रमेण बोध्यम्- अवशिष्टानि ६ नक्षत्राणि 'वारिवाह' संज्ञकानि सन्ति। तत्फलम्—वारिवाहे वारिहानिः। गणनाक्रमः—पूर्व, आग्नेय ,द.,नै.,प., वा., उ., ई. मध्य वारिवाहः।

रोहिणीभात् वापीचक्रम्

ईशान अ.,भ., कृ. मध्यजलम्	पूर्व पुन., पु., श्ले. जलाभावः	आग्नेय म.,पू. फा.,उ. षा. मध्यजलम्
उत्तर पू.भा.,उ.भा.,रे. मिष्ठजलम्	मध्य रो.,मृ.,आर्द्रा शीघ्रजलम्	दक्षिण ह., चि.,स्वा. जलाभावः
वायव्य श्र.,ध., श. क्षारजलम्	पश्चिम मू.,पू.षा.,उ षा. अमृतजलम्	नैर्ऋत्य वि.,अनु.,ज्ये. बहुजलम्

जलाशयरामदेवप्रतिष्ठामुहूर्त्त

देवतारामवाप्यादिप्रतिष्ठामुत्तरायणे। माघादिपञ्चमासेषु कृष्णेऽप्यापञ्चमीदिने ॥ मातृभैरववाराहनारसिंहत्रिविक्रमाः। महिषासुरहंत्री च स्थाप्या वै दक्षिणायने॥ अश्वि.,रो.,मृ.,पुष्य, ह., चि.,स्वा., अनु.,श्र., ध., श., उत्तरा. ३, रे. एषु भेषु कुजशनि-वर्जितवारेषु २।३।५।७।८।१०।११।१२।१३ तिथिषु शुक्ले १।२।३।५तिथिषु कृष्णे,गुरुशुक्रयोः नीचनिर्बलास्तादिरहित-काले, कर्तुः सूर्यचन्द्रतारानुकूल्ये सति जन्मलग्नयोरष्टमराशिलग्नरहिते स्थिर (२।५।८।११) लग्नेषु लग्नात् १।४।७।१०॥९।५।२।११ स्थानेषु शुभैः, ६।११ सेन्दुभिः पापैः पूर्वाह्ने देवप्रतिष्ठा कार्या।

देवता-विशेषेण लग्नम्— सिंहे सूर्यः शिवो द्वन्द्वे लग्ने स्थाप्यः स्त्रियां हरिः। कुम्भे वेधाश्चरे क्षुद्राद्यंगदेव्यः स्थिरेऽखिलाः ॥ यस्य देवस्य यत्तिथिवारनक्षत्रादिकं तद्दिनेयदि तस्य प्रतिष्ठा मुहूर्त्तो भवेत्तदा अत्युत्तमः ॥

वास्तुशान्तिमुहूर्त्त— श्र., ध., मृ., मू., अनु., रे., ह., चि., स्वा., उत्तरा. ३., पुन., पु., रो., अश्वि. एषु भेषु शुभेऽह्नि सत्तिथौ बलिदानपुरस्सरं वास्त्वर्चनं कार्यम्।

अग्नि का वास किस लोक में है— जिस दिन हवन करना हो, उस दिन तिथि और वार की संख्या जोड़कर एक ओर जोड़ना, पुन: ४ का भाग देना। यदि पूरा भाग लग जाय, (० -शेष रहे) अथवा तीन शेष रहे, तब अग्नि का वास पृथ्वी पर सुखकारक होता है, शेष १ बचने पर आकाश में प्राणहानिकारक, शेष २ बचने पर पाताल में धनहानि करता है। तिथि की गणना शुक्ल प्रतिपदा से तथा वार की गणना रविवार से करनी। इसके बाद आहुतिचक्र जरूर देखिए।

विशेष:— यात्राविवाहव्रतगोचरेषु चौलोपनीताद्यखिलव्रतेषु। दुर्गाविधानेषु सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिन्तनीयम् ॥ महारुद्रेव्रतेऽमायां ग्रस्तेन्द्वर्कास्तराहुणा। नित्यनैमित्तिके कार्ये अग्निचक्रं न दर्शयेत् ॥ दिग्दाहेप्यथवा घोर ग्रहास्ते भूमिकम्पने। केतूनामुदये शान्तौ चक्रं यत्नेन चिन्तयेत् ॥ लक्षकोटिहवने मखेऽखिले चातिरुद्रकरणे महाविधौ। देवखातभवने सराल ये अग्निचक्रम-वलोकयेत्सुधी: ॥ दुर्गभंगे गृहे वाऽपि विवादे शत्रुविग्रहे। शान्तिकर्म नृपक्रोधे चक्रं तत्र निरीक्षयेत् ॥

ग्रहमुखे होमाहुतिज्ञानाय चक्रम्

(सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिनना)

सू.	बु.	शु.	श.	चं.	मं.	गु.	रा.	के.	ग्रहा:
३	३	३	३	३	३	३	३	३	नक्षत्र
नेष्ट	श्रेष्ठ	श्रेष्ठ	नेष्ट	श्रेष्ठ	नेष्ट	श्रेष्ठ	नेष्ट	नेष्ट	फलम्

पापग्रहमुखे-हवने कृते शान्ति:— क्रूरग्रहमुखे चैव सञ्जाते हवने शुभे। शान्तिं विधाय गां दद्याद् ब्राह्मणाय कुटुम्बिने। आयसीं प्रतिमां कृत्वा निक्षिपेत्तामधोमुखीम्। गोमूत्र मधुगन्धाद्यैरर्चितां प्रतिमां तत: । कुण्डे निधाय सम्पूज्य तत्र होमो विधीयते ॥

अथ ऋणी -धनी विचार— स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् । अष्टभिश्च हरेद् भागं योऽधिक: स ऋणी भवेत् ॥ (अर्थात् अपने वर्ग को दूना कर, दूसरे के वर्ग में जोड़ना, फिर ८ का भाग देना। फिर दूसरे का वर्ग दूना करके, अपना वर्ग जोड़ना, फिर 8 का भाग देना। जिसका - शेषांक अधिक बचे, वह दूसरे का ऋणी होगा।), लेकिन वशिष्ठ आदि का मत है कि जिसका शेषांक कम बचे, वह दूसरे का ऋणी होता है - यही प्रामाणिक है।

हलप्रवहण मुहूर्त्त—मृ., रे., चि., अनु., रो., उत्तरा. ३, ह., अश्वि., पुष्य, अभि., स्वा., पुन., श्र., ध., श., मू., म., वि., एषु भेषु रिक्तामापष्ठ्यष्टमीरहित सत्तिथौ शुभग्रहस्य वासरे, १।५।७।१०।११ लग्नेषु भूमिशयनभद्रादीन् वर्जयित्वा हलचक्रशुद्धौ सत्यां हलप्रवहणं शुभम्।

हलचक्रम् — सूर्यभुक्तनक्षत्र से दिन नक्षत्र तक गिनें

बीजवपने राहुचक्रम् — राहुनक्षत्रात् दिनभं यावत् गणना कार्या

३	८	९	८	नक्षत्र	८	३	१	३	१	३	१	३	४
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	फल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ

बीजवपने मुहूर्त्त:— ह., अश्वि., पुष्य, उत्तरा. ३, चि., अनु., मृ., रे., स्वा., ध., म., मू., एषु भेषु सत्तिथौ भौमातिरिक्तवारेषु सुशकुने राहुचक्रशुद्धौ सत्यां शुभ:।

विशेष:— रवौ रौद्रा (आर्द्रा) द्यपादस्थे भूमे: संजायते रज:।
तस्माद्दिनत्रयं तत्तु बीजवापे परित्यजेत् ॥

नवान्न-भक्षण-मुहूर्त्त —मृ., रे., चि., अनु., ह., अश्वि., पुष्य, अभि., स्वा., पुन., श्र., ध., श. एवं विषघटी रहित नक्षत्रों में शुभ है, नन्दा- रिक्ता तिथियों और पौष-चैत्र को छोड़कर अन्य मासों में सू., बु., गु., शुक्रवार शुभ है।

गौ आदि पशु लेने का मुहूर्त्त— अश्वि., पुन., पु., ह., वि., ज्ये., धनि., शत., रे. नक्षत्र में गौ लेना-बेचना। अन्य पशु पुन., पूर्वा. ३, ह., अनु., ज्ये., मू., धनि., रे. में लेना-बेचना शुभ है। गाय लेनी हो तो उ.फा. से दिन नक्षत्र तक गिने, ३ तक लाभदायक, ५ तक हानि, ११ तक अर्थलाभ, १६ तक सुख, २२ तक महालाभ, २३ तक वृद्धि, २७ तक भय होता है। वृषभ (बैल) लेना हो तो ६ नक्षत्र लाभदायक। फिर दो-दो के क्रम से गाय के समानफल जानें। महिषी (भैंस) लेनी हो तो भी गौ नक्षत्रगणना क्रम से शुभाशुभफल हेतु सूर्य नक्षत्र तक गिनें (नौमी चौदस चौथ चौपाया। मंगल हान करे घर आया)

सूर्यनक्षत्रात्काष्ठादि (गुहारा आदि) संस्थापनचक्रम्

६ उत्तमपाक शुभ	२ शवदहन नेष्ट	४ सर्पभय नेष्ट	४ मित्रलाभ शुभ	४ रोगभय नेष्ट	४ क्राथकर्म नेष्ट	४ सुख शुभ	नक्षत्र संख्या फल

लतावृक्षाद्यारोपण मुहूर्त्त—मृ., रे., चि., अनु., उत्तरा. ३, रो., ह., पुष्य, अश्वि., श., मू., वि. नक्षत्रों में रिक्तारहित शुभ तिथियों में और चं., बु., बृ., शुक्रवार हों, शुक्लपक्ष में ४।१०।११।१२ लग्न में शुभ है। **तृणकाष्टादिसंग्रहे निषेध:—** तृण-काष्ठ का सञ्चय और पलंग बनवाना आदि कर्म कुम्भ-मीन के चन्द्रमा (पञ्चककाल) में नहीं करना चाहिए।

औषध का मुहूर्त्त— ह., अ., पुष्य, अभि., मृ., रे., चि., अनु., स्वा., पुन., श्र., ध., श. व मूल में जन्मनक्षत्र को छोड़कर, इन नक्षत्रों में ४।९।१४ को छोड़कर, शुभ तिथियों में, भौम-शनि को छोड़कर, अन्यवारों में शुभ है।

अथ यात्रा मुहूर्त्तः

ह., म., श्र., अश्वि., पुष्य, पु., धनि., अनु., रे. एषु भेषु यात्रा अत्युत्तमा; रो., उत्तरा. ३, पूर्वा. ३ एषु भेषु मध्या; भ., कृ., आर्द्रा, आश्ले., म., चि., स्वा., वि., ज्ये. एतद्भेषु निन्द्याः। तत्रात्यावश्यकत्वेऽपि यात्रायां भरण्यादिभानां क्रमात् ७। २१। १४। १४। ११। ४०। १४। १४। १४ एता घटिका गमन कर्मण्यवश्यं वर्जनीयाः, २। ३। ५। ७। १०। ११। १२ कृष्णपक्षस्य प्रतिपत्सु द्विग्द्वारलग्नेषु वा यात्रा शुभा।

द्विग्द्वारलग्नानि

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिशा
१।५।९	२।६।१०	३।७।२	४।८।१२	शुभम्
२।२।१०	३।७।११	४।८।११	१।५।९	मध्यम
४।६।१२	१।५।९	२।६।१०	३।७।११	भयम्
३।७।११	४।८।१२	१।५।९	२।६।१०	म. भ.

यात्रा में शुभाशुभ लग्न — जन्म लग्न और जन्म राशि से अष्टमलग्न तथा कुम्भ या कुम्भ के नवांश में यात्रा कदापि न करें। शुभलग्न वह है जब १।४।५।७।९।१० स्थानों में शुभ ग्रह और ३।६।१०।११ वें पापग्रह हों। अशुभ लग्न वह है जब १।६।८।१२ वें चन्द्रमा, १० वें शनि, ६ वें शुक्र, १२।६।८ वें लग्नेश हो। **अन्यच्च** -यात्रायामष्टमं शुद्धं विवाहे सप्तमं तथा। दशमं तु गृहारम्भे चतुर्थं तु प्रवेशने॥

जन्म लग्नेश-दशेश अस्त हों व मारक दशा हो तो सुमुहूर्त्त में भी दूर की यात्रा न करें, प्रथम तीर्थयात्रा व देवदर्शन गुरुशक्रास्त में वर्जित है ।

दिक्शूलज्ञानायचक्रम्									नक्षत्रशूलचक्रम्			
पूर्व	आ.	दक्षि.	नैर्ऋ.	पश्चि.	वाय.	उत्तर	ईशा.	दिशा.	पू.	द.	प.	उ.
चं., श.	चं., बृ.	गुरु	सू., शु.	सू., शु.	भौम	मं.	बु., श.	वार	ज्ये.	पू. भा.	रोहि.	उ. फा.

दिक्शूलपरिहारः— न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवाकराणाम्। दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवार दोषः ॥ १ ॥ सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा। गुड़मंगारके वारे बुधवारे तिलानपि। गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि। माषान्भुक्त्वा शनवरि शूले गच्छञ्छूले न दोषभाक् ॥ २॥

यात्रा में काल ज्ञान

शनौ	शुक्रे	गुरौ	बुधे	भौमे	चन्द्रे	रवौ सम्मुखे
पूर्वे	आग्नेय्यां	दक्षिणे	नैर्ऋत्यां	पश्चिमे	वायव्ये	उत्तरे नेष्टः

योगिनीवासचक्रम्

पू.	आग्ने.	दक्षि.	नैर्ऋ.	पश्चिम	वाय.	उत्तर	ईशा.	दिशा
१।९	३।११	५।१३	४।१२	६।१४	७।१५	२।१०	८।३०	तिथि

योगिनी साधारण यात्रा में सामने और दाहिने अशुभ होती है, पीछे और बायें की शु युद्ध यात्रा में बाँये ओर की और सम्मुख की विशेष त्याज्य है। **समयशूल**-उषाकाल में पू को,गोधूलि में पश्चिम को, अर्द्धरात्रि में उत्तर को और मध्याह्नकाल में दक्षिण को नहीं जा चाहिए। **गर्ग-गुरु-अङ्गिरामत** - गर्ग जी के मत से ५ या ४ घड़ी रात रहें तो गमन करें। बृहस्प के मत से अच्छा शकुन मिलने पर यात्रा करें। अङ्गिरा के मत से जब मन प्रफुल्लित हो तब ही च जाये। भगवान् के मत से ब्राह्मण की आज्ञा लेकर, यात्रा करने से शुभ होता है। पंच-पंच (५ उषाकालः सप्तपञ्चाशद (५७) रुणोदयःअष्ट पंच (५८) भवेत्प्रातः शेषः सूर्योदयोभवेत्॥

चन्द्रवासचक्रम्				एकस्मिन् राशौ आवश्यके- तात्कालिक यात्रायां घट्यात्मक चद्रवासचक्रम्								
पूर्वे	दक्षि.	पश्चि.	उत्तरे									
मेष	वृष	मिथुन	कर्क									
सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.									
धनु	मकर	कुम्भ	मीन	पू.	द.	प.	उ.	पू.	द.	प.	उ.	दिशा
				१७	१५	२१	१६	१७	१५	२०	१४	घटी

घट्यात्मक चन्द्रवा

जिस दिशा का चन्द्र होवे उस दिशा से गिनना चाहिए।

कुम्भ और मीन के चन्द्रमा में दक्षिण व कदापि न जावे।

चन्द्रफलम्— सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुख सम्पदः । पृष्ठतो मरणं चैव व चन्द्रे धनक्षयः ॥१॥ सर्वे दोषाःलयं यान्ति पूर्णचन्द्रे हि सम्मुखे ॥ इति॥ सम्मुखे च प्रशंसा-भगणदोषं, वार-संक्रान्ति-दोषं, कुतिथिकुलिकदोषं यामयामार्धदोष कुजशनिरविदोषं, राहुकेत्वादिदोषं, हरति सकलदोषं चन्द्रमाः सम्मुखस्थः॥

सर्वाङ्कसिद्धियोग— शुक्लादि तिथि तथा वार की संख्या को जोड़ कर तीन ज रखें,क्रमशः ७।८।३ का भाग दें। शेष प्रथम स्थान में शून्य हो तो क्लेश, मध्य में हो तो धनक्ष और अन्त में हो तो मृत्यु होती है। सर्वत्र अङ्क आने से सौख्य जय लाभ हो। विजयादशमी व बिना सर्वांकादि मुहूर्त्त के भी यात्रा सफल होती है। बायां स्वर चलते समय पूर्व व ईशान को दायां चलते समय दक्षिण व नैर्ऋत को मत जाओ, हानि होती है। जाने वाले का अच्छे मुहूर्त्त औ अच्छे शकुन में भी, जाने को मन न चाहे तो कदापि न जावे, क्योंकि मुहूर्त्त- शकुन से मन की इच्छा प्रबल है ।

वर्ण के क्रम से प्रस्थान का विधान— *यदि यात्रा मुहूर्त्त में किसी अत्यावश्यक*

कार्यवश विलम्ब हो जाय, तो उसी मुहूर्त्त में ब्राह्मण जनेऊ माला, क्षत्रिय शस्त्र, वैश्य मधु-घृत व रुपया और शूद्र फल को अपने वस्त्र में बांध, किसी घर के या नगर के बाहर जाने की दिशा में प्रस्थान के समय रक्खें। अथवा मन की सबसे प्यारी वस्तु को रख देना चाहिए।

यात्रा के पहले त्याज्य वस्तु— यात्रा के तीन दिन पहले दूध त्याग दें, पांच दिन पूर्व हजामत, तीन दिन पूर्व तैल, सात दिन पूर्व मैथुन, समर्थ न हो तो एक दिन पहले तो सब त्याज्य वस्तुओं का त्याग अवश्य करें।

दिने चतुर्घटिका मुर्हूत्तम्		रात्रौ चतुर्घटिका मुहूर्त्तम्
सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु., शुक्र, शनि	घटि.	सू., चं., मं., बु., गु., शु., श.
उद्वेग, अमृत, रोग, लाभ, शुभ, चर, काल	३॥।	शु., च., का., उ., अ., रो., ला.
चर, काल, उद्वेग, अमृत, रोग, लाभ, शुभ	७॥	अ., रो., ला., शु., च., का., उ.
लाभ, शुभ, चर, काल, उद्वेग, अमृत, रोग	११।	च., का., उ., अ., रो., ला., शु.
अमृत, रोग, लाभ, शुभ, चर, काल, उद्वेग	१५	रो., ला., शु., च., का., उ., अ.
काल, उद्वेग, अमृत, रोग, लाभ, शुभ, चर	१८॥।	का., उ., अ., रो., ला., शु., च.
शुभ, चर, काले, उद्वेग, अमृत, रोग, लाभ	२२॥	ला., शु., च., का., उ., अ., रो.
रोग, लाभ, शुभ, चर, काल, उद्वेग, अमृत	२६।	उ., अ., रो., ला., शु., च., का.
उद्वेग, अमृत, रोग, लाभ, शुभ, चर, काले	३०	शु., च., का., उ., अ., रो., ला.

सूचना— यदि ३० घटी से न्यूनाधिक दिन या रात्रि का मान हो तो उसमें ८ का भाग देने से एक भाग के घटी पल ज्ञात होंगे।

यात्रायां शुभशकुनानि— मृग बांये ते दाहिने जो आवे तत्काल। अन्न धन लक्ष्मी बहु मिले चलते प्रातःकाल ॥ विप्र, दो अश्व, गजमद, फल, अन्न, दुग्ध, गोदधि, सर्षप, कमल, निर्मल, वस्त्र, वाद्य, वेश्या, मयूर, नकुल, सिंहासन, शस्त्र, मांस, दीप्ताग्नि, मत्स्य, ससुतस्त्री, गोरी कन्या, धोबी, कार्यसिद्धि वाक्य, जलपूर्णघट। यात्रा पश्चात् रिक्त घट यात्रा के समय देखने में शुभ है। **अशुभ शकुनानि-** वन्ध्या स्त्री, चर्म, अस्थि, इन्धन, संन्यासी, भैंसों का युद्ध, सर्प, शत्रु, मार्जार, युद्ध, कुटुम्बकलह, विधवा, जातिभ्रष्ट, अङ्गहीन, छिक्का, दुष्टवाणी यात्रा के समय देखना अशुभ तथा कष्टप्रद है।

रामदैवज्ञोक्त आवश्यके यात्रा मुहूर्त्तचक्रम्

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मा.	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	सौख्य	क्लेश	भीति	लाभ
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	शून्य	दारिद्र्य	दारिद्र्य	मिश्र
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	हानि	दुःख	लाभ	लाभ
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	लाभ	सौख्य	शुभ	लाभ
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	लाभ	लाभ	लाभ	सौख्य
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	भय	लाभ	मृत्यु	लाभ
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	लाभ	कष्ट	लाभ	सुख
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	कष्ट	सौख्य	क्लेश	सुख
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	सौख्य	लाभ	सिद्धि	कष्ट
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	क्लेश	सिद्धि	लाभ	धन
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	मृत्यु	लाभ	लाभ	शुभ
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	शुभ	सौख्य	मृत्यु	कष्ट

तृतीया-त्रयोदशी, चतुर्थी-चतुर्दशी, पञ्चमी-पूर्णमासी का फल समान जानना। अमावस्या में यात्रा वर्जित है, पक्ष का विचार नहीं है।

यात्रा में सदैव चल रही नासिका के श्वास की ओर का पांव आगे उठाकर चले, इसी तरह सवारी पर चढ़े, कार्य सिद्धि, यात्रा सफल होगी।

नौका यात्रा मुहूर्त्तः— चि., ह., पु., मृ., पूर्वा. ३, अनु., श्र., ध. एषु भेषु सत्तिथौ शुभेऽह्नि चन्द्र-तारानुकूल्ये सति शुभः।

यात्रानिवृत्तौ प्रवेशमुहूर्त्तः— मृ., रे., अनु., रो., उत्तरा.३, ह.,अ., पुष्य, स्वा., श्र., ध. एषु भेषु चं., बु., बृ., शु., श. वारेषु १।२। ३।५।७।१०।११।१३ तिथिषु, ३।५।३।८।९। ११।१२ एषु लग्नेषु, १।४।७।१०।५।९ स्थानेषु शुभैः ३।६।११ स्थानेषु पापैः ४।८ शुद्धौ शुभ; वि., कृ., पूर्वा. ३, भ., म., मू., ज्ये., आर्द्रा, आश्ले, नक्षत्राणि; ४।९।१४।६ १२।८।३० तिथयः। सू., मं. वारौ, १।४।७।१० लग्नानि सर्वदा वर्जनीयानि। मंगलवार को मिलाप कष्टप्रद सिद्ध होता है। विशेष :- प्रवेशान्निर्गमश्चैव निर्गमाच्च प्रवेशनम्। नवमे जातु नो कुर्याद्दिने वारे तिथाविति।

अथ घातचन्द्रवारादीनां चक्रम्

मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	राशय:
मे.	क.	कुं.	सिं.	म.	मि.	ध.	वृष	मी.	सिंह	ध.	कुम्भ	घात चन्द्र
र.	श.	चं.	बु.	श.	श.	बृ.	शु.	शु.	मं.	बृ.	शु.	घात वार
म.	ह.	स्वा.	ऽनु.	मू.	श्र.	श.	रे.	भ.	रो.	आ.	श्रूपा.	घात नक्षत्र
मे.	ध.	ध.	मि.	वृश्चि	वृश्चि.	मी.	ध.	कन्या	वृश्चि.	मि.	मेष	स्त्री चन्द्र घात
का.	मार्ग.	पौ.	मा.	फा.	चैत्र	वै.	ज्ये.	आ.	श्रावण	भाद्र.	आ.	घातमास
वि.	सु.	प.	धृ.	प्री:	सु.	अ.गं.	वृ.	वै.	गं.	व्या.	वै.	घातयोग
१	२	४	७	१०	१२	६	८	९	११	३	५	घातलग्न
१	५	२	२	३	५	४	१	३	४	३	५	घाततिथि
६	१०	७	७	८	१०	९	६	८	९	८	१०	,,
११	१५	१२	१२	१३	१५	१४	११	१३	४	१३	१५	,,

युद्ध, विवाद, राजसेवा, वाहन रोगादि कार्यों में घातचक्र देखना और तीर्थयात्रा तथा विवाहादि शुभ कार्यों में घाततिथि आदि देखने की आवश्यकता नहीं है । "घाततिथिर्घा-वारघातनक्षत्रमेव च । यात्रायां वर्जयेत्प्राज्ञैरवन्यकर्मसु शोभनम्।"

वाम -दक्षिण निर्देश

अग्रे चक्रोक्त सर्व फल पुरुषों के दक्षिण अंग में और स्त्रियों के वामांग में विचार करना, पुरुषों के वाम भाग में और स्त्रियों के दक्षिण भाग में विपरीत अशुभ भयकारी फल होता है । जो फल पल्लीपात का कहा है, वही सरट (गिरगिट) के चढ़ने का जाने । सरट के गिरने का तथा पल्ली के चढ़ने का फल वृथा होता है ।

अथाङ्गविभाग में पल्ली- (छिपकली, कोढ़किरली) पतन का फल

स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्	स्थानम्	फलम्
शिरसि	राज्यलाभ:	भ्रूमध्ये	राज्यसंबंध:	वामपादे	नाश:
नासाग्रे	व्याधि:	वामकर्णे	बहुलाभ:	अधरोष्ठे	ऐश्वर्यलाभ:
वामभुजे	राज्यभय:	स्तनयो:	दौर्भाग्यम्	दक्षिणभुजे	नृपतुल्यता
जानुद्वये	शुभागम:	हस्तयो:	वस्त्रलाभ:	पृष्ठदेशे	बुद्धिनाश:
कटिभागे	अश्वलाभ:	वा. मणिबंधे	कीर्तिनाश:	नाभौ	बहुधनम्
गुल्फद्वये	बन्धनम्	दक्षिणपादे	गमनम्	मुखे	मिष्ठान्नभोजनं
ललाटे	बन्धुदर्शनं	उत्तरोष्ठे	धननाश:	पाद्मध्ये	स्त्रीनाश:
दक्षिणकर्णे	आयुवृद्धि:	नेत्रयो:	धनप्राप्ति:	पादान्ते	मृत्यु:
कण्ठे	शत्रुनाश:	उदरे	भूषणलाभ:	केशान्ते	रणम्
जंघयो:	शुभम्	स्कन्धयो:	विजय:	नखेषु	धान्यलाभ:
द. मणिबंधे	मनस्ताप:	हृदये	धनलाभ:	दक्षिणांगुष्ठे	धनलाभ:

पल्लीपतने प्रशस्तवारतिथ्यर्क्षाणि— यदि छिपकली १। २। ३। ५। ६। १०। ११ १२। १३ इन तिथियों में गिरे तो श्रेष्ठ फलदायक है। तथा चं., बु., गु., शु. इन वारों में भी शु फल देती है। पु., अश्वि., रो., मू., पुन., उ.फा., ह., चि., स्वा., ध., रे., अनु., श. ये नक्षत्र शु फलदायक हैं। अतोऽन्यद्भेषु निन्द्या: ॥

पल्लीपाते कर्त्तव्यकर्म विधानम्— पल्ली (किरली) तथा सरट (गिरगिट) स्पर्श हो पर वस्त्र सहित स्नान करें। जन्म नक्षत्र, मृत्युयोग, दग्धा-तिथि, भद्रा आदि से दूषित दिन पापग्रहयुक्त लग्न में तथा अष्टमचन्द्रमा से पल्ली आदि के स्पर्श होने से अरिष्ट होता है । उसक शान्ति के लिए जप, होम, मृत्युञ्जय का जप वा तिल-स्वर्ण दान पञ्चगण्य से स्नान तथा घृ का छायापात्र दान भी करना उत्तम है ।

छिक्का फलम्— छिक्का प्राय: सब दिशाओं की नेष्ट होती है, गौ की छिक्का मर करती है । मदिरा के योग अथवा छींक सूंघनी छल कर लीन्हीं, पीन सरदी घास फल हीनी। छींक पीठि की कुशवाल उचारे; बाईं कारज सवै सवारे ॥१॥ सम्मुख छींक लड़ाई भापै; छींक दाहिनी द्रव्य विनाशै ॥ २॥ ऊंची छींक कहे जयकारी; नीची छींक होय भयकारी । अपनी छींक महा दुखदाई; ऐसे छींक विचारो भाई ॥

॥ कन्या, विधवा, मालिन, धोबिन, रजस्वला, वैश्या, चमारी की छींक विशेष अशुभप्रद होती है। भोजनान्त में छींक होय तो दूसरे दिन प्रिय भोजन मिले।

अथ शुभ छिक्का :— आसने शयने शौचे दाने चैव तु भोजने । वामांगे पृष्ठतश्चैव षट् छिक्कास्तु शुभावहा: । एक नाक दो छींक; काम बने सब ठीक ॥

तीर्थ में मुण्डन विचार: — मुण्डनं चोपवासञ्च सर्वतीर्थेष्वयं विधि:, वर्जयित्वा कुरुक्षेत्रं विशालां (उज्जयिनीं) गिरिजां गयाम् ।

विवाहादि मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

प्रो. प्रियव्रत शर्मा, 59/6 (अभिजित्), P.O. पंचकूला—134 109;

(इन विवाहादि मुहूर्त्तों के शोधन में मुझे मेरे योग्य भ्रातृज चि. संयमी शर्मा M.A., ज्योतिषाचार्य एवं नाला बलोग (पंचकूला) निवासी मेरे योग्य शिष्य चि. सुरेशानन्द शर्मा B.A. का पर्याप्त सहयोग मिला है।)

-: समय शुद्धि :-

शुक्र अस्त :— गतवर्ष (सं. २०६१ वि. में) माघ शु.४श.(१२ फर., '०५ ई.) को शुक्र पूर्व में अस्त हुआ था। वह इस वर्ष (वि. सं. २०६२) में वैशा. कृ. १ चं. (२५अप्रै., '०५ ई.) को पश्चिम में उदित होगा। इस वर्ष भी शुक्र पौष शु. १२ बु. से माघ कृ. २ चं. (११ से १६ जनवरी २००६ ई.) तक अस्त रहेगा।

गुरु अस्त :— इस वर्ष आश्वि. शु. ३ गु. (६ अक्तू., '०५ ई.) से कार्तिक कृ. १४ मं. (१ नवं., '०५ ई.) तक गुरु अस्त रहेगा।

गुरु, शुक्र के अस्तकाल में तो शुभकृत्य वर्जित रहते ही हैं, इनके अस्त से ३ दिन पूर्व वार्धक्यदोष और उदय होने के ३ दिन बाद तक भी बाल्यदोष के कारण शुभकृत्य नहीं किए जाते।

अक्षांशभेद से भारत के विभिन्न स्थलों पर गुरु-शुक्र का उदय-अस्त - सं. २०६२ वि.

अक्षांश →	+१०°	+२०°	+३०°	+३५°
✱ शुक्र पूर्व में अस्त	२७ फर., २००५ ई.	२१ फर., २००५ ई.	१२ फर., २००५ ई.	६ फर., २००५ ई.
शुक्र पश्चिम में उदित	२५ अप्रै., २००५ ई.	२५ अप्रै., २००५ ई.	२५ अप्रै., २००५ ई.	२५ अप्रै., २००५ ई.
शुक्र पश्चिम में अस्त	१० जन., २००६ ई.	१० जन., २००६ ई.	११ जन., २००६ ई.	११ जन., २००६ ई.
शुक्र पूर्व में उदित	१७ जन., २००६ ई.	१७ जन., २००६ ई.	१७ जन., २००६ ई.	१७ जन., २००६ ई.
गुरु अस्त	११ अक्तू., २००५ ई.	८ अक्तू., २००५ ई.	६ अक्तू., २००५ ई.	५ अक्तू., २००५ ई.
गुरु उदित	२ नवं., २००५ ई.	२ नवं., २००५ ई.	२ नवं., २००५ ई.	२ नवं., २००५ ई.

✱ ध्यान रहे- शुक्रास्त की ये तारीखें गतवर्ष (वि. सं. २०६१) की हैं-

त्रयोदशदिनपक्ष :— इस वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष में (३ से१५ नवं., '०५ ई. तक) विवाहादि शुभकृत्य वर्जित होंगे, क्योंकि दो तिथियों के क्षय के कारण यह पक्ष त्रयोदश दिन का हो गया है। मुहूर्त्तकारों ने त्रयोदश दिनपक्ष को शुभकृत्यों के लिए सर्वथा वर्जित लिखा है-

" उपनयनं परिणयनं वेश्मारम्भादिकर्माणि।
यात्रां द्विक्षयपक्षे कुर्यान्न जिजीविषुः पुरुषः।।"

— (ज्योतिर्निबन्ध)

ध्यान दें - मुहूर्त्तों में जिस लग्न का कुछ भाग किसी विशेष दोष के कारण वर्जित है, उस लग्न के आगे कोष्ठक में भारतीय स्टैण्डर्ड टाईम के अनुसार यह निर्देश दिया गया है कि, इस लग्न को इस टाईम के बाद अथवा पहले ही मुहूर्त्तों में स्वीकार करें।

यहां मुहूर्त्तों में क्रान्तिसाम्य (महापात) दोष का विचार सूक्ष्मगणित से किया गया है। सूर्य एवं चन्द्र की राशियों के आधार पर निर्णीत क्रान्तिसाम्य नितांत स्थूल होता है। भास्कर आदि आचार्यों ने इसके निर्णय के लिए एक विशेष गणितप्रक्रिया (महापात-गणित) निर्दिष्ट की है। कई पंचांगकार इसकी जटिल गणित-प्रक्रिया से डरकर स्थूल क्रान्तिसाम्य के आधार पर ही मुहूर्त्तों का निर्णय कर देते हैं, जो सर्वथा भ्रामक है।

यहां दिए गए मुहूर्त्तों में जहां युति, वेध, कर्त्तरी, दग्धातिथि, अष्टमस्थ भौम, षष्ठाष्टमस्थ चन्द्र-शुक्र आदि दोषों के परिहार मिल गए हैं, उन मुहूर्त्तों को शास्त्रानुसार शुद्ध माना गया है और वहां विवाह-लग्न लगा दिए गए हैं।

ध्यान रहे -यहां मुहूर्त्तों में दी गईं अंग्रेजी तारीखें सूर्योदयकालिक हैं। जो मुहूर्त्तकाल (लग्न) रात के १२ बजे के बाद और सूर्योदय से पहिले पड़ता है, वहां अंग्रेजी तारीख अग्रिम (परवर्ती) समझनी चाहिए।

शुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

मास -	तिथि-	वार	प्रविष्टा	तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	विवाह लग्न के समय चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरुराशि	लत्ता आदि दस दोष-रेखाएं	शुद्धलग्न,ग्रह-दान-पूजा आदि विवरण (सर्वत्र भा.स्टैं.टा. दिया गया है)
वैशा. कृ.	५	शु.	वैशा. १७	अप्रै. २९	उ.षा.	धनु	मेष	कन्या	ऽचं.बु.ऽ ।।ऽश.ऽचौ.।। ।ऽ	ल. १० (२५/३६ बाद),
वैशा. कृ.	७	श.	वैशा. १८	अप्रै. ३०	उ.षा.	मकर	मेष	कन्या	ऽ चं.बु.ऽ ।। ऽश.।।। ।।	ल. गोधू.,
वैशा. कृ.	८	र.	वैशा. १९	मई १	श्रव.	मकर	मेष	कन्या	।। ।। । ऽ रो. ।ऽ ।।	दि.ल. २(मं. दा.), गोधू.,
वैशा. कृ.	९	चं.	वैशा. २०	मई २	धनि.	मकर/कुम्भ	मेष	कन्या	।। ।। । ऽ रो. ।ऽ ।।	दि.ल. २(मं. दा.), (गोधू. में क्रान्तिसाम्य),
वैशा. शु.	३	बु.	वैशा. २९	मई ११	मृग.	मिथुन	मेष	कन्या	।। ।। ।। ।। ।।	ल. गोधू.,

शुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

मास -	तिथि-वार	प्रविष्टि	तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	विवाह लग्न के समय चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरुराशि	लत्ता आदि दस दोष-रेखाएं	शुद्धलग्न,ग्रह-दान-पूजा आदि विवरण (सर्वत्र भा.स्टैं.टा. दिया गया है)
वैश. शु.	१० गु.	ज्ये. ६	मई १९	हस्त	कन्या	वृष	कन्या	।। ऽ गु. ।। । ऽ ।। ।	ल. गोधू.,
वैश. शु.	१२ श.	ज्ये. ८	मई २१	स्वा.	तुला	वृष	कन्या	। ऽ ।।। । ऽ ।।।	ल १ (चं. दा.),
वैश. शु.	१५ चं.	ज्ये. १०	मई २३	अनु.	वृश्चिक	वृष	कन्या	।। ।। ऽ । ऽ ऽ ।।	ल.१,
ज्ये. कृ.	४ शु.	ज्ये. १४	मई २७	उ.षा.	मकर	वृष	कन्या	।। । ऽशु. ऽश. ।। ऽ ।।	ल. १, (गोधू. में शुक्र पादवेध),
ज्ये. कृ.	५ श.	ज्ये. १५	मई २८	धनि.	मकर	वृष	कन्या	ऽ चं. ।। ।। ऽ नृ. ।। ।।	ल. १ (२८/१४ बाद),
ज्ये. कृ.	६ मं.	ज्ये. १८	मई ३१	उ.भा.	मीन	वृष	कन्या	।। । ऽ गु. ।।। ऽ ।।	ल. १ (शु.दा.) (गुरु पादवेधाभाव),
ज्ये. कृ.	१० बु.	ज्ये. १९	जून १	उ.भा.	मीन	वृष	कन्या	।। । ऽ गु. ।।। ऽ ।।	ल. ३, (गुरु पादवेधाभाव),
ज्ये. कृ.	१२ शु.	ज्ये. २१	जून ३	अश्वि.	मेष	वृष	कन्या	ऽ शु. ।।। ऽ के. ।। ऽ ।।	दि.ल. ३, ७(१५/४२ तक) (चं. दा.), (१५/४२ बाद मृत्युबाण),
ज्ये. शु.	५ र.	ज्ये. ३०	जून १२	मघा	सिंह	वृष	कन्या	। ऽ ।। ।। ।। ।।	ल. गोधू., (२५/२७ बाद मृत्युबाण),
ज्ये. शु.	१० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	तुला	मिथुन	कन्या	ऽश. । ऽके । ऽरा. ऽअ. । ऽ ।।	ल. १ (२६/४७ तक) (चं.शु.दा.), (निर्बल लग्न),
ज्ये. शु.	११ श.	आषा. ५	जून १८	स्वा.	तुला	मिथुन	कन्या	।। ।। ।। ऽ ।।।	ल. १ (२६/३० तक) (चं.दा.), (निर्बल लग्न),
ज्ये. शु.	१२ र.	आषा. ६	जून १९	अनु.	वृश्चिक	मिथुन	कन्या	।। ।। । ऽ नृ. ।। ।।	ल. १ (२६/३८ बाद) (शु.दा.), २(चं.दा.), (मेष लग्न निर्बल है),
ज्ये. शु.	१३ चं.	आषा. ७	जून २०	अनु.	वृश्चिक	मिथुन	कन्या	।। ।। ।। ।। ।।	दि. ल. ७, गोधू.,
आषा. कृ.	१ गु.	आषा. १०	जून २३	उ.षा.	मकर	मिथुन	कन्या	।। ।। ऽ शु.श. ऽरो. ।। ।।	ल. १ (शु.दा.), (निर्बल लग्न),
आषा. कृ.	४ श.	आषा. १२	जून २५	धनि.	मकर	मिथुन	कन्या	।। ।। ।। । ऽ ।।	दि. ल. ७ (१५/१५ तक), (१५/१५ बाद मृत्युबाण),
आषा. कृ.	७ मं.	आषा. १५	जून २८	उ.भा.	मीन	मिथुन	कन्या	।।। ऽ गु. । ऽ नृ. । ऽ । ऽ	दि. ल. ८ (१८/१५ तक), १, २(शु.दा.), (गोधूलि में गुरुपादवेध),
आषा. कृ.	९ गु.	आषा. १७	जून ३०	अश्वि.	मेष	मिथुन	कन्या	।। ।। ऽके. ऽचौ. । ऽ ।।	दि. ल. ७ (चं.दा.), गोधू.,
आषा. शु.	३ श.	आषा. २६	जुला. ९	मघा	सिंह	मिथुन	कन्या	।। ।। ।। ।। ।।	ल. २ (२५/५८ बाद) (शु.दा.),
आषा. शु.	४ र.	आषा. २७	जुला. १०	मघा	सिंह	मिथुन	कन्या	।। ।।। ऽ चौ. ।। ।।	दि. ल. ७ (१३/५० तक),
आषा. शु.	६ बु.	आषा. ३०	जुला. १३	हस्त	कन्या	मिथुन	कन्या	।। ऽ गु. ।।। ऽ ऽ ।।	दि. ल. ७, ८, गोधू., २ (शु.दा.),
आषा. शु.	१० र.	श्राव. २	जुला. १७	अनु.	वृश्चिक	कर्क	कन्या	।। ।। ।। ।। ।।	दि. ल. ७, (१५/४५ बाद मृत्युबाण),
आषा. शु.	१३ मं.	श्राव. ४	जुला. १९	मूल	धनु	कर्क	कन्या	।। ।। ।। ।। ।।	ल. ३ (चं.शु.दा.), (२६/२७ तक सूर्यवेध),
आषा. शु.	१५ गु.	श्राव. ६	जुला. २१	उ.षा.	मकर	कर्क	कन्या	।। ।। । ऽ नृ. । ऽ ।।	दि. ल. ६ (रा.दा.),
आषा. शु.	१५ गु.	श्राव. ६	जुला. २१	श्रव.	मकर	कर्क	कन्या	।।। ऽशु. ऽसू. श. ।। ऽ ।।	ल. २, (शुक्र पादवेधाभाव),
श्राव. कृ.	१ शु.	श्राव. ७	जुला. २२	श्रव.	मकर	कर्क	कन्या	।।। ऽशु. ऽसू. श. ।। ऽ ।।	दि. ल. ६ (रा.दा.),(शुक्र पादवेधाभाव),
श्राव. कृ.	१ शु.	श्राव. ७	जुला. २२	धनि.	मकर	कर्क	कन्या	।।। ऽ बु. ।। ।। ।।	ल.२, (बुध पादवेधाभाव),

शुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

मास -	तिथि	-वार	प्रविष्टा	तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	विवाह लग्न के समय चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरुराशि	लत्ता आदि दस दोष-रेखाएं	शुद्धलग्न,ग्रह-दान-पूजा आदि विवरण (सर्वत्र भा.स्टैं.टा. दिया गया है)
श्राव. कृ.	२	श.	श्राव. ८	जुला. २३	धनि.	कुम्भ	कर्क	कन्या	।।। ऽबु. । ऽचौ. ।। ।।	दि. ल. ६ (१७/२८ तक) (रा.दा.), (सिंह लग्न में बुध पादवेध),
श्राव. कृ.	५	चं.	श्राव. १०	जुला. २५	उ.भा.	मीन	कर्क	कन्या	।।। ऽगु. । ऽरो. ।।।ऽ	दि. ल. ६(रा.दा.), गोधू., २(२५/३४ बाद), ३ (शु.दा.), (१६/५४ से २५/३४ तक गुरु पादवेध),
श्राव. कृ.	१०	श.	श्राव. १५	जुला. ३०	रोहि.	वृष	कर्क	कन्या	।। ।। । ऽनृ. । ऽ ।।	ल. ३ (शु.दा.),
श्राव. कृ.	११	र.	श्राव. १६	जुला. ३१	रोहि.	वृष	कर्क	कन्या	।। ।। ।। । ऽ ।।	दि. ल. ५ (श.दा.),
श्राव. कृ.	११	र.	श्राव. १६	जुला. ३१	मृग.	वृष	कर्क	कन्या	।। ।। ।। । ऽ ।।	ल. गोधू., ३ (शु.दा.),
श्राव. कृ.	१२	चं.	श्राव. १७	अग. १	मृग.	मिथुन	कर्क	कन्या	।। ।। । ऽचौ. । ऽ ।।	दि. ल. ५ (श.दा.), ६ (१८/२३ तक), (चं.रा.दा.),
श्राव. शु.	१	श.	श्राव. २२	अग. ६	मघा	सिंह	कर्क	कन्या	।। ।। । ऽअ. ।। ।।	दि. ल. ६ (रा.दा.), २, ३ (२६/१७ तक), (शु.दा.), (१२/५४ तक मृत्युबाण),
श्राव. शु.	४	मं.	श्राव. २५	अग. ९	हस्त	कन्या	कर्क	कन्या	।। ऽगु. ।। ।। ऽ ।।	दि. ल. ६ (१७/३३ बाद) (रा.दा.), गोधू., २, ३ (शु.दा.),
श्राव. शु.	५	बु.	श्राव. २६	अग. १०	हस्त	कन्या	कर्क	कन्या	।। ऽगु. ।। ।। ऽ ।।	दि. ल. ५ (श.दा.), ६ (१६/२४ तक), (रा.दा.),
श्राव. शु.	५	बु.	श्राव. २६	अग. १०	चित्रा	कन्या	कर्क	कन्या	। ऽ ।। ऽरा. ऽचौ. ।। । ऽ	ल. गोधू., २, ३ (शु.दा.),
श्राव. शु.	६	गु.	श्राव. २७	अग. ११	चित्रा	कन्या/तुला	कर्क	कन्या	। ऽ ।। ऽरा. ऽचौ. ।। । ऽ	दि. ल. ५ (श.दा.), ६ (रा.दा.),
श्राव. शु.	६	गु.	श्राव. २७	अग. ११	स्वा.	तुला	कर्क	कन्या	।। ।। ।। । ऽ ।।	ल. ३ (२६/१० तक) (शु.दा.), (२६/१० बाद क्रान्तिसाम्य),
श्राव. शु.	७	शु.	श्राव. २८	अग. १२	स्वा.	तुला	कर्क	कन्या	।। ।। ।। । ऽ ।।	दि. ल. ५ (श.दा.), ६ (रा.दा.), गोधू.,
श्राव. शु.	१२	बु.	भाद्र. २	अग. १७	उ.षा.	धनु/मकर	सिंह	कन्या	ऽ सू. ।। ।। ।। ।। ।	ल. गोधू., २ (२३/५७ तक), (२३/५७ बाद मृत्युबाण),
श्राव. शु.	१५	शु.	भाद्र. ४	अग. १९	धनि.	मकर/कुम्भ	सिंह	कन्या	।। ।। । ऽ अ. ऽ ऽ ।।	दि. ल. ६ (रा.दा.), २(२४/४० तक), ३(२७/०४ बाद),
भाद्र. कृ.	४	मं.	भाद्र. ८	अग. २३	अश्वि.	मेष	सिंह	कन्या	।ऽ ।।। ऽ चौ. । ऽ ।।	ल. २ (२३/१७ तक), (२३/१७ बाद क्रान्तिसाम्य),
भाद्र. कृ.	५	बु.	भाद्र. ९	अग. २४	अश्वि.	मेष	सिंह	कन्या	।ऽ ।। ।। । ऽ ।।	दि. ल.६ (रा.दा.), गोधू.,
भाद्र. कृ.	७	शु.	भाद्र. ११	अग. २६	रोहि.	वृष	सिंह	कन्या	ऽमं.। ।। ।। । ऽ ।।	ल. ३,
भाद्र. कृ.	९	र.	भाद्र. १३	अग. २८	मृग.	मिथुन	सिंह	कन्या	।ऽ ।।। ऽअ. ।ऽ।ऽ	दि. ल. ६ (चं.रा.दा.), गोधू., २ (२३/२० तक), (६/०३ तक मृत्युबाण),
भाद्र. शु.	३	मं.	भाद्र. २२	सितं. ६	चित्रा	कन्या	सिंह	कन्या	।।ऽ गु. शु.।ऽऽअ. ।। ।।	ल. ३,
भाद्र. शु.	४	बु.	भाद्र. २३	सितं. ७	चित्रा	तुला	सिंह	कन्या	।।ऽ गु. शु.।ऽऽअ. ।। ।।	दि. ल.६ (रा.दा.),
भाद्र. शु.	४	गु.	भाद्र. २४	सितं. ८	स्वा.	तुला	सिंह	कन्या	ऽश. ।। ।। ऽनृ. । ऽ ।।	दि. ल.६ (रा.दा.), गोधू., ३(२४/४७ तक),
भाद्र. शु.	६	चं.	भाद्र. २८	सितं. १२	मूल	धनु	सिंह	कन्या	ऽगु. ।। ।। ऽचौ. ।। ।।	ल. गोधू.,
भाद्र. शु.	१०	मं.	भाद्र. २९	सितं. १३	उ.षा.	धनु	सिंह	कन्या	।। ।। ।। । ऽ ।।	ल. ३ (चं.दा.),
मार्ग. कृ.	३	शु.	मार्ग. ३	नवं. १८	मृग.	मिथुन	वृश्चिक	तुला	।। ।। । ऽअ. ।। ।।	ल. गोधू., (१०/११ तक मृत्युबाण),
मार्ग. कृ.	७	बु.	मार्ग. ८	नवं. २३	मघा	सिंह	वृश्चिक	तुला	।। ।। । ।। ऽ ।।	ल.गोधू.,

शुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

मास - तिथि - वार			प्रविष्टा	तारीख २००५-०६ ई.	विवाह नक्षत्र	विवाह लग्न के समय			लत्ता आदि दस दोष-रेखाएं	शुद्धलग्न, ग्रह-दान-पूजा आदि विवरण (सर्वत्र भा.स्टैं.टा. दिया गया है)
						चन्द्रराशि	सूर्यराशि	गुरुराशि		
मार्ग. कृ.	११	र.	मार्ग. १२	नवं. २७	हस्त	कन्या	वृश्चिक	तुला	।। ।। । ऽ अ. । ऽ ।।	दि. ल.६ (रा.दा.), गोधू., (७/५६ तक मृत्युबाण),
मार्ग. कृ.	११	र.	मार्ग. १२	नवं. २७	चित्रा	कन्या	वृश्चिक	तुला	।। ।। ऽ रा. ऽ अ. । ऽ ।।	ल. ५ (श.दा.),
मार्ग. कृ.	१२	चं.	मार्ग. १३	नवं. २८	चित्रा	कन्या	वृश्चिक	तुला	।। ।। ऽरा. ।। ऽ ।।	दि. ल.६ (रा.दा.),
मार्ग. शु.	५	मं.	मार्ग. २१	दिसं. ६	श्रव.	मकर	वृश्चिक	तुला	।। ।। । ऽ अ. । ऽ ।।	दि. ल.६ (८/०५ तक)(रा.दा.),
मार्ग. शु.	११	र.	मार्ग. २६	दिसं. ११	अश्वि.	मेष	वृश्चिक	तुला	।। ।। ।। ।। ।।	दि. ल.६ (६/१८ बाद)(रा.दा.),
माघ कृ.	७	श.	माघ ८	जन. २१	चित्रा	कन्या	मकर	तुला	।। ।। ।। । ऽ ।।	दि. ल.६ (रा.दा.),
माघ कृ.	७	र.	माघ ९	जन. २२	स्वा.	तुला	मकर	तुला	ऽ बु.श. ।। ।। ऽ रो. ऽ ऽ ।।	दि. ल.६, (रा.दा.), गोधू.,
माघ शु.	५	गु.	माघ २०	फर. २	रेव	मीन	मकर	तुला	।। ।। ऽ के. ऽ अ. ।। ।।	ल. ६ (रा.दा.),
माघ शु.	६	शु.	माघ २१	फर. ३	रेव.	मीन	मकर	तुला	।। ।। ऽ के. ऽ अ. ।। ।।	ल. गोधू.,
माघ शु.	६	शु.	माघ २१	फर. ३	अश्वि.	मेष	मकर	तुला	।ऽ ।।। ऽ अ. ।। ।।	ल. ६ (रा.दा.),
माघ शु.	९	चं.	माघ २४	फर. ६	रोहि.	वृष	मकर	तुला	।। ।। । ऽ चौ. । ऽ ।।	ल. ६ (रा.दा.),
माघ शु.	१०	मं.	माघ २५	फर. ७	रोहि	वृष	मकर	तुला	।। ।। । ऽ चौ. । ऽ ।।	दि. ल.१ (गु.दा.), गोधू.,
माघ शु.	१५	चं.	फाल्गु. २	फर. १३	मघा	सिंह	कुम्भ	तुला	।। ।। ऽ सू. । ऽ ।।।	दि. ल.१ (१०/१५ बाद)(गु.दा.), गोधू.,(२४/४४ बाद मृत्युबाण),
फाल्गु. कृ.	२	बु.	फाल्गु. ४	फर. १५	उ.फा.	कन्या	कुम्भ	तुला	।। ।। ।। ।। ।।	ल.६ (२८/५१ तक) (रा.दा.),
फाल्गु. कृ.	५	श.	फाल्गु. ७	फर. १८	स्वा.	तुला	कुम्भ	तुला	ऽ श. ।। ।। ऽ चौ. ।। ।।	ल.६ (रा.दा.),
फाल्गु. कृ.	६	र.	फाल्गु. ८	फर. १९	स्वा.	तुला	कुम्भ	तुला	ऽ श. ।। ।। ऽ चौ. ।। ।।	दि. ल.१ (चं.गु.दा.),(१५/२६ बाद सूर्यवेध),
फाल्गु. कृ.	७	चं.	फाल्गु. ९	फर. २०	अनु.	वृश्चिक	कुम्भ	तुला	ऽ शु. ।।। ऽ मं. ऽ रो. ऽ ।।।	ल.६ (२८/०५ बाद)(रा.दा.),
फाल्गु. कृ.	८	मं.	फाल्गु. १०	फर. २१	अनु.	वृश्चिक	कुम्भ	तुला	ऽ शु. ।।। ऽ मं. ऽ रो. ऽ ।।।	दि. ल.१ (गु.दा.), गोधू.,
फाल्गु. शु.	३	गु.	फाल्गु. १९	मार्च २	रेव.	मीन	कुम्भ	तुला	।। ।। ऽ के. ।। ।। ऽ	दि. ल.१ (गु.दा.), ६ (रा.दा.),
फाल्गु. शु.	४	शु.	फाल्गु. २०	मार्च ३	अश्वि.	मेष	कुम्भ	तुला	।। ।। ।। ।ऽ ।।	ल. गोधू., (२१/४३ बाद मृत्युबाण),
फाल्गु. शु.	७	चं.	फाल्गु. २३	मार्च ६	रोहि.	वृष	कुम्भ	तुला	।। ऽ मं. ऽ शु. ।। ऽऽ ।।	दि. ल.१ (गु.दा.), (शुक्र पादवेधाभाव),

आगामी वर्ष (सं. २०६३ वि.) में गुरु- शुक्रास्तः- सं. २०६३ वि. में लगभग आश्वि. शुक्ल १४, शु. से मार्ग. शु. ६, बु. (६ अक्तू. से २६ नवं., '०६ ई.) तक 'शुक्र अस्त' रहेगा एवं लगभग मार्ग. कृष्ण २, मं. से मार्ग. शुक्ल १४, चं. (७ नवं. से ४ दिसं., '०६ ई.) तक 'गुरु अस्त' रहेगा।

सं. २०६२ वि. में भिन्न-भिन्न राशि वाले वरों और कन्याओं के विवाह-निर्णय के लिए त्रिबल-शुद्धि

(अर्थात् किस राशि वाले वर और कन्या के लिए सं. २०६२ वि. में कुल कितने विवाह मुहूर्त्त किन-किन तारीखों को शुद्ध (ग्राह्य) बनते हैं ?)

लोग अपनी सुविधा के अनुसार किसी खास महीने में या किसी खास तारीख के आस-पास ही विवाह-मुहूर्त्त (साहा) निकालने के लिए ज्योतिषियों से अनुरोध किया करते हैं। ऐसी स्थिति में ज्योतिषी को विवाह मुहूर्तों में जगह-जगह त्रिबल-शुद्धि जानने का झंझट करना पड़ता है। इस झंझट से ज्योतिषियों को छुटकारा दिलाने के लिए हम यहां नीचे 'त्रिबलशुद्धि कोष्ठक' दे रहे हैं। संवत् २०६२ वि. के शुद्ध विवाह-मुहूर्त्त इस पंचांग में पृ. पर दिए गए हैं। किस-किस महीने में किस-किस तारीख वाले विवाहमुहूर्त्त में, किस-किस राशि वाले लड़के-लड़कियों के विवाह हो सकते हैं-यह त्रिबलशुद्धि के अनुसार नीचे दिए गए 'त्रिबल-शुद्धि कोष्ठक' में लिख दिया गया है। अमुक राशि वाले लड़के (वर) और अमुक राशि वाली कन्या के लिए इस वर्ष कुल कितने विवाहमुहूर्त्त किन-किन तारीखों को बनते हैं- इस कोष्ठक द्वारा साधारण व्यक्ति भी एक ही नजर में यह तुरन्त जान सकता है। इस कोष्ठक से यह भी तुरन्त जाना जा सकता है, कि अमुक राशि वाली लड़कियों और लड़कों का विवाह इस वर्ष किन-किन तारीखों वाले विवाह मुहूर्तों में हो सकता है। वर के लिए 'सूर्य की पूजा' और कन्या के लिए 'गुरु की पूजा' वाला समय भी इस कोष्ठक में दिया गया है।

लड़का-लड़की की राशियों वाले कॉलमों (कोष्ठकों) में जो-जो तारीखें समान रूप से मिलती हों, उन तारीखों वाले विवाहमुहूर्त्तों में उस लड़के-लड़की का विवाह हो सकता है। जैसे- मेषराशि वाले लड़के और मिथुनराशि वाली लड़की का विवाह सं. २०६२ वि. में जुला. (२००५ ई.) के महीने में किन-किन तारीखों वाले विवाहमुहूर्त्तों में हो सकता है-यह मालूम करना है। नीचे 'त्रिबल-शुद्धि कोष्ठक' देखें,-लड़के वाले कॉलम में मेष के आगे जुलाई, २००५ ई. की केवल ९, १०, १३ तारीखें हैं, जबकि लड़की वाले कॉलम में मिथुन के आगे जुलाई की ९, १०, १७, १९, २३, २५, ३०, ३१ तारीखें हैं। इसलिए यह समझना चाहिए कि जुलाई, २००५ ई. में मेष राशि वाले लड़के और मिथुन राशि वाली लड़की का विवाह त्रिबल शुद्धि के अनुसार केवल जुलाई की ९ और १० तारीखों वाले विवाहमुहूर्त्तों में ही हो सकता है, क्योंकि जुलाई की केवल यही तारीखें, दोनों (लड़का-लड़की) की राशियों (मेष-मिथुन) वाले कॉलमों (कोष्ठकों) में एक-सी मिलती हैं। इस प्रकार विवाह की तारीखों का निश्चय करके शुद्ध विवाह-मुहूर्त्त से उस दिन विवाह के लग्न का निर्णय कर लीजिए। क्योंकि, आजकल लड़कियों का विवाह बड़ी अवस्था में होता है, अतः चतुर्थ-अष्टम-द्वादश गुरु को शास्त्रनिर्देशानुसार नेष्ट न मानकर पूज्य ही माना गया है।

ध्यान दें- लड़के की राशि से १, २, ५, ७, ९ वें स्थित सूर्य एवं कन्या की राशि से १, ३, ४, ६, ८, १०, १२ वें स्थित गुरु यदि स्वराशि, मित्रराशि या स्वोच्चराशि में हो तो उन्हें शास्त्र-निर्देशानुसार यहां पूज्य न मानकर शुभ ही माना गया है।

नाम/जन्म-राशि	त्रिबल-शुद्धि कोष्ठक (सं. २०६२ वि.) (९ अप्रैल, सन् २००५ ई. से २९ मार्च, सन् २००६ ई. तक) (कोष्ठकों में दिया गया काल भा. स्टैं. टा. है)			इस वर्ष जिस राशि में स्थित गुरु लड़की के लिए पूज्य है।
	लड़का	सौर मास, जिनमें लड़के के लिए सूर्य पूज्य है।	लड़की	
मेष	अप्रै. २९, ३०; मई १, २, ११, १९, २१, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२, १७, १८, २३, २५, २८, ३०; जुला. ९, १०, १३; अग. १७, १९, २३, २४, २६, २८; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; जन. २१, २२; फर. २, ३, ६, ७, १३, १५, १८, १९; मार्च २, ३, ६;	ज्येष्ठ , कार्त्तिक ,	अप्रै. २९, ३० ; मई १, २, ११, १९, २१, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२, १७, १८, २३, २५, २८, ३०; जुला. ९, १०, १३, १९, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१ ; अग. १, ६, ९, १०, ११, १२, १७, १९, २३, २४, २६, २८ ; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. २, ३, ६, ७, १३, १५, १८, १९; मार्च २, ३, ६;	- -
वृष	मई १९, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १७, १८, १९, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. १३, १७, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ९, १०, ११, १२; नवं. १८, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. २, ३, ६, ७, १५, १८, १९, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	ज्येष्ठ , आषाढ़ , आश्विन , माघ ,	अप्रै. ३०; मई १, २, ११, १९, २१, २३,२७, २८, ३१; जून १, ३, १७, १८, १९, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. १३, १७, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ९, १०, ११, १२, १७, (१९/३२ बाद), १९, २३, २४, २६, २८; सितं. ६, ७, ८; नवं. १८, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. २, ३, ६, ७, १५, १८, १९, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	- -
मिथुन	अप्रै. २९; मई २(९/५२ बाद), ११; जून १७, १८, १९, २०, २८, ३०; जुला. ९, १०, १७, १९, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, ११(६/३० बाद), १२, १७(१९/३२ तक), १९(१८/५० बाद), २३, २४, २६, २८; सितं. ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३; दिसं. ११; फर. १३, १८, १९, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	आषाढ़ , कार्त्तिक, फाल्गुन ,	अप्रै. २९; मई २(९/५२ बाद), ११, २१, २३, ३१; जून १, ३, १२, १७, १८, १९, २०, २८, ३०; जुला. ९, १०, १७, १९, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, ११(६/३० बाद), १२, १७(१९/३२ तक), १९(१८/५० बाद), २३, २४, २६, २८; सितं. ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३; दिसं. ११; जन. २२; फर. २, ३, ६, ७, १३, १८, १९, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	कन्या
कर्क	अप्रै. २९, ३०; मई १, २(९/५२ तक), ११, १९, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२; जुला. १७, १९, २१, २२, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, ९, १०, ११(६/३० तक), १७, १९(१८/५० तक), २३, २४, २६, २८; सितं. ६, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१; फर. २, ३, ६, ७;	माघ,	अप्रै. २९, ३०; मई १, २(९/५२ तक), ११, १९, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२, १९, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. ९, १०, १३, १७, १९, २१, २२, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, ९, १०, ११(६/३० तक), १७, १९(१८/५० तक), २३, २४, २६, २८; सितं. ६, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१; फर. २, ३, ६, ७, १३, १५, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	तुला

त्रिबल-शुद्धि कोष्ठक (सं. २०६२ वि.) (६ अप्रैल, सन् २००५ ई. से २६ मार्च सन् २००६ ई. तक)

(कोष्ठकों में दिया गया काल भा. स्टैं. टा. है)

नाम/जन्म-राशि	लड़का	सौर मास, जिनमें लड़के के लिए सूर्य पूज्य है।	लड़की	इस वर्ष जिस राशि में स्थित गुरु लड़की के लिए पूज्य है।
सिंह	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, ११, १६, २१, २७, २८; जून ३, १२, १७, १८, २३, २५, ३०; जुला. ६, १०, १३; अग. १७, १६, २३, २४, २६, २८; सितं. ६ ७, ८, १२, १३; जन. २१, २२; फर. ३(२०/३१ बाद), ६, ७, १३, १५, १८, १६; मार्च ३, ६;	आश्विन, फाल्गुन,	अप्रै. २६, ३० ; मई १, २, ११, १६, २१, २७, २८; जून ३, १२, १७, १८, २३, २५, ३०; जुला. ६, १०, १३, १६, २१, २२, २३, ३०, ३१ ; अग. १, ६, ६, १०, ११, १२, १७, १६, २३, २४, २६, २८ ; सितं. ६ ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. ३ (२०/३१ बाद), ६, ७, १३, १५, १८, १६; मार्च ३, ६;	- -
कन्या	मई १६, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, १२, १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८; जुला. ६, १०, १३, १७, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, ६, १०, ११, १२; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६; जन. २१, २२; फर. २, ३(२०/३१ तक), ६, ७, १३, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ६;	ज्येष्ठ , आश्विन कार्तिक , माघ,	अप्रै. ३०; मई १, २, ११, १६, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, १२, १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८; जुला. ६, १०, १३, १७, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, ६, १०, ११, १२, १७ (१६/३२ बाद), १६, २६, २८; सितं. ६, ७, ८; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६; जन. २१, २२; फर २, ३(२०/३१ तक), ६, ७, १३, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ६;	- -
तुला	अप्रै. २६; मई २(६/५२ बाद), ११; जून १७, १८, १६, २०, २८, ३०; जुला. ६, १०, १३, १७, १६, २३, २५; अग. १, ६, ६, १०, ११, १२, १७(१६/३२ तक), १६(१८/५० बाद), २३, २४; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ११; फर. १३, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३;	आषाढ़ , कार्तिक, फाल्गुन,	अप्रै. २६; मई २(६/५२ बाद), ११, १६, २१, २३, ३१; जून १, ३, १२, १७, १८, १६, २०, २८, ३०; जुला. ६, १०, १३, १७, १६, २३, २५; अग. १, ६, ६, १०, ११, १२, १७(१६/३२ तक), १६(१८/५० बाद), २३, २४, २८; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ११; जन. २१, २२; फर. २, ३, १३, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३;	कन्या
वृश्चिक	अप्रै. २६, ३०; मई १, २(६/५२ तक), १६, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२; जुला. १७, १६, २१, २२, २५, ३०, ३१; अग. ६, ६, १०, ११, १२, १७, १६(१८/५० तक), २३, २४, २६; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; नवं. २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. २, ३, ६, ७;	ज्येष्ठ,	अप्रै. २६, ३०; मई १, २(६/५२ तक), १६, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२, १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. ६, १०, १३, १७, १६, २१, २२, २५, ३०, ३१; अग. ६, १०, ११, १२, १७, १६(१८/५० तक), २३, २४, २६; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; नवं. २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. २, ३, ६, ७, १३, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	तुला
धनु	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, ११, १६, २१, २३, २७, २८; जून ३, १२, १७, १८, १६, २०, २३, २५, ३०; जुला. ६, १०, १३; अग. १७, १६, २३, २४, २६, २८; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; जन. २१, २२; फर. ३(२०/३१ बाद), ६, ७, १३, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च ३, ६;	आषाढ़ , माघ,	अप्रै. २६, ३० ; मई १, २, ११, १६, २१, २३, २७, २८; जून ३, १२, १७, १८, १६, २०, २३, २५, ३०; जुला. ६, १०, १३, १७, १६, २१, २२, २३, ३०, ३१ ; अग. १, ६, ६, १०, ११, १२, १७, १६, २३, २४, २६, २८ ; सितं. ६ ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१, २२; फर. ३ (२०/३१ बाद), ६, ७, १३, १५, १८, १६, २० २१; मार्च ३, ६;	- -
मकर	मई १६, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८; जुला. १३, १७, १६, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, १०, ११, १२; नवं. १८, २७, २८; जन. २१, २२; फर. २, ३(२०/३१ तक), ६, ७, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	ज्येष्ठ , आश्विन, माघ ,फाल्गुन,	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, ११, १६, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८; जुला. १३, १७, १६, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. १, ६, १०, ११, १२, १७, १६, २६, २८; सितं. ६, ७, ८, १२, १३; नवं. ६, १८, २७, २८; जन. २१, २२; फर. २, ३(२०/३१ तक), ६, ७, १५, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	- -
कुम्भ	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, ११; जून १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. ६, १०, १७, १६, २१, २२, २३, २५; अग. १, ६, ११(६/३० बाद), १२, १७, १६, २३, २४, २८; सितं. ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३; दिसं. ६, ११; फर. १३, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३;	आषाढ़ , कार्तिक, फाल्गुन,	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, ११, २१, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२, १७, १८, १६, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. ६, १०, १७, १६, २१, २२, २३, २५; अग. १, ६, ११(६/३० बाद), १२, १७, १६, २३, २४, २८; सितं. ७, ८, १२, १३; नवं. १८, २३; दिसं. ६, ११; जन. २२; फर. २, ३, १३, १८, १६, २०, २१; मार्च २, ३;	कन्या
मीन	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, १६, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२; जुला. १७, १६, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. ६, ६, १०, ११(६/३० तक), १७, १६, २३, २४, २६; सितं. ६, १२, १३; नवं. २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१; फर. २, ३, ६, ७;	आश्विन,	अप्रै. २६, ३०; मई १, २, १६, २३, २७, २८, ३१; जून १, ३, १२, १६, २०, २३, २५, २८, ३०; जुला. ६, १०, १३, १७, १६, २१, २२, २३, २५, ३०, ३१; अग. ६, ६, १०, ११(६/३० तक), १७, १६, २३, २४, २६; सितं. ६, १२, १३; नवं. २३, २७, २८; दिसं. ६, ११; जन. २१; फर. २, ३, ६, ७, १३, १५, २०, २१; मार्च २, ३, ६;	तुला

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

प्रतिवर्ष हमें ज्योतिषियों एवं अन्य लोगों के ऐसे अनेकों पत्र उपलब्ध होते हैं, जिनमें वे ऐसे अनेक विवाहमुहूर्त्तों के बारे में हमसे स्पष्टीकरण चाहते हैं, जिन्हें हमने अपने पंचांग में तो अशुद्ध विवाहमुहूर्त्तों की कोटि में रखा होता है, लेकिन किसी अन्य पंचांग में उन्हें शुद्धविवाह मुहूर्त्त मानकर, उनमें विवाहलग्न लगाए होते हैं। इस समस्या को दृष्टि में रखकर अशुद्ध विवाहमुहूर्त्तों का स्पष्टीकरण हम इस स्तम्भ में दिया करते हैं। यह स्तम्भ ज्योतिषियों को शुद्ध और अशुद्ध विवाहमुहूर्त्तसम्बन्धी दुविधा से मुक्त कराने में काफी हद तक समर्थ सिद्ध हुआ है और इससे ज्योतिषी लोग स्वयं यह भलीभांति जान सकते हैं कि– अमुक दिन या अमुक समय में विवाह करना शास्त्रविरुद्ध क्यों है? यहां साथ–साथ उन दोषों का निर्देश भी किया गया है, जिनके कारण विवाहनक्षत्र होते हुए भी, वहां विवाह नहीं किया जा सकता। जहां भद्रा, व्यतीपात, क्रूरग्रहवेध आदि दोषों से रहित होने से विवाहनक्षत्र का काल शुद्ध होने पर भी षष्ठाष्टमस्थ शुक्र, चन्द्र, भौम और लग्नेश आदि के कारण शुद्ध लग्न नहीं बन सका, वहां लग्नाभावदोष लिखा गया है। *ध्यान रहे–* यहां जिन युति, वेध आदि दोषों का निर्देश किया गया है, वे सभी ऐसे हैं जिनका कोई परिहार नहीं है। नीचे सं. 2062 वि. के अशुद्ध विवाहमुहूर्त्त दिए जा रहे हैं– **प्रियव्रत शर्मा** ।

तिथि-वार		तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
चैत्र शु. ५ बु. (१३ अप्रै. '०५) तक मीनस्थ रवि। चैत्र पूर्णिमा र. (२४ अप्रै. '०५) तक शुक्रास्त।				
वैशा.कृ.	४ गु.	अप्रै. २८	मूल	शनिवेध,
वैशा.कृ.	७ श.	अप्रै. ३०	श्रव.	लग्नाभाव .
वैशा.कृ.	८ र.	मई १	धनि.	लग्नाभाव,
वैशा.कृ.	११ बु.	मई ४	उ.भा.	वैधृति,
वैशा.कृ.	१२ गु.	मई ५	उ.भा.	वृष लग्न में गुरु पादवेध,
वैशा.कृ.	१२ गु.	मई ५	रेव.	राहुयुति,
वैशा.शु.	१ चं.	मई ९	रोहि.	लग्नाभाव,
वैशा.शु.	२ मं.	मई १०	रोहि.	लग्नाभाव,
वैशा.शु.	२ मं.	मई १०	मृग.	लग्नाभाव,
वैशा.शु.	८ चं.	मई १६	मघा	२२/५१ तक मृत्युबाण, लग्नाभाव,
वैशा.शु.	९ मं.	मई १७	मघा	लग्नाभाव,
वैशा.शु.	१० बु.	मई १८	उ.फा.	राहुवेध,
वैशा.शु.	१० गु.	मई १९	उ.फा.	राहुवेध,
वैशा.शु.	११ शु.	मई २०	हस्त	लग्नाभाव,
वैशा.शु.	११ शु.	मई २०	चित्रा	भौमवेध,
वैशा.शु.	१२ श.	मई २१	चित्रा	भौमवेध,
वैशा.शु.	१३ र.	मई २२	स्वा.	लग्नाभाव,
ज्ये. कृ.	१ मं.	मई २४	अनु.	लग्नाभाव,
ज्ये. कृ.	२ बु.	मई २५	मूल	शनिवेध,
ज्ये. कृ.	३ गु.	मई २६	मूल	शनिवेध,

तिथि-वार		तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
ज्ये. कृ.	५ श.	मई २८	उ. षा.	नक्षत्रान्त,
ज्ये. कृ.	५ श.	मई २८	श्रव.	गोधूली में क्रान्तिसाम्य,
ज्ये. कृ.	६ र.	मई २९	धनि.	लग्नाभाव,
ज्ये. कृ.	१० बु.	जून १	रेव.	राहुयुति,
ज्ये. कृ.	११ गु.	जून २	रेव.	राहुयुति,
ज्ये. कृ.	११ गु.	जून २	अश्वि.	लग्नाभाव,
ज्ये. शु.	१ मं.	जून ७	मृग.	लग्नाभाव, भुजंगपात,
ज्ये. शु.	२ बु.	जून ८	मृग.	लग्नाभाव, भुजंगपात,
ज्ये. शु.	६ चं.	जून १३	मघा	मासान्त,
ज्ये. शु.	७ मं.	जून १४	उ. फा.	संक्रान्ति, राहुवेध,
ज्ये. शु.	८ बु.	जून १५	उ. फा.	राहुवेध,
ज्ये. शु.	८ बु.	जून १५	हस्त	व्यतीपात, भौमवेध,
ज्ये. शु.	९ गु.	जून १६	हस्त	भौमवेध,
ज्ये. शु.	९ गु.	जून १६	चित्रा	मृत्युवाण,
ज्ये. शु.	१० शु.	जून १७	स्वा.	लग्नाभाव,
ज्ये. शु.	१४ मं.	जून २१	मूल	शनिवेध,
ज्ये. शु.	१५ बु.	जून २२	मूल	शनिवेध,
आषा.कृ.	३ शु.	जून २४	उ.षा.	लग्नाभाव,
आषा.कृ.	३ शु.	जून २४	श्रव.	वैधृति, भद्रा,
आषा.कृ.	४ श.	जून २५	श्रव.	लग्नाभाव,
आषा.कृ.	५ र.	जून २६	धनि.	मृत्युवाण,
आषा.कृ	८ बु.	जून २९	उ.भा.	नक्षत्रान्त,

तिथि-वार		तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
आषा.कृ.	८ बु.	जून २९	रेव.	भौम-राहुयुति,
आषा.कृ.	९ गु.	जून ३०	रेव.	नक्षत्रान्त, भौम-राहुयुति,
आषा.कृ.	१० शु.	जुला. १	अश्वि.	नक्षत्रान्त,
आषा.कृ.	१२ र.	जुला. ३	रोहि.	लग्नाभाव, भुजंगपात,
आषा.शु.	६ मं.	जुला. १२	उ. फा.	भौम-राहुवेध,
आषा.शु.	६ बु.	जुला. १३	उ. फा.	परिघार्ध, नक्षत्रान्त, भौम-राहुवेध,
आषा.शु.	७ गु.	जुला. १४	हस्त	लग्नाभाव
आषा.शु.	७ गु.	जुला. १४	चित्रा	मृत्युबाण,
आषा.शु.	८ शु.	जुला. १५	चित्रा	मासान्त,
आषा.शु.	८ शु.	जुला. १५	स्वा.	मासान्त,
आषा.शु.	९ श.	जुला. १६	स्वा.	संक्रान्ति,
आषा.शु.	११ चं.	जुला. १८	अनु.	मृत्युबाण,
आषा.शु.	१४ बु.	जुला. २०	मूल	नक्षत्रान्त,
आषा.शु.	१४ बु.	जुला. २०	उ. षा.	भद्रा, वैधृति,
श्रा. कृ.	६ मं.	जुला. २६	उ. भा.	लग्नाभाव,
श्रा. कृ.	६ मं.	जुला. २६	रेव.	राहुयुति,
श्रा. कृ.	७ बु.	जुला. २७	रेव.	राहुयुति,
श्रा. कृ.	७ बु.	जुला. २७	अश्वि.	भौमयुति,
श्रा. कृ.	८ गु.	जुला. २८	अश्वि.	भौमयुति,
श्रा. शु.	२ र.	अग. ७	मघा	परिघार्ध,
श्रा. शु.	३ चं.	अग. ८	उ. फा.	राहुवेध,
श्रा. शु.	४ मं.	अग. ९	उ. फा.	भद्रा, राहुवेध,

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

तिथि-वार		तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
श्रा. शु.	८ श.	अग. १३	अनु.	भौमवेध,
श्रा. शु.	९ र.	अग. १४	अनु.	भौमवेध,
श्रा. शु.	१० चं.	अग. १५	मूल	मासान्त, वैधृति, भद्रा,
श्रा. शु.	११ मं.	अग. १६	मूल	संक्रान्ति,
श्रा. शु.	१३ गु.	अग. १८	उ.षा.	मृत्युबाण,
श्रा. शु.	१३ गु.	अग. १८	श्रव.	सूर्यवेध,
श्रा. शु.	१५ शु.	अग. १९	श्रव.	सूर्यवेध,
भा. कृ.	२ र.	अग. २१	उ.भा.	केतुवेध,
भा. कृ.	३ चं.	अग. २२	उ.भा.	केतुवेध,
भा. कृ.	३ चं.	अग. २२	रेव.	राहुयुति, भुजंगपात,
भा. कृ.	४ मं.	अग. २३	रेव.	राहुयुति, भुजंगपात,
भा. कृ.	८ श.	अग. २७	रोहि.	मृत्युबाण,
भा. कृ.	८ श.	अग. २७	मृग.	मृत्युबाण,
भा. शु.	१ र.	सितं. ४	उ.फा.	राहुवेध,
भा. शु.	२ चं.	सितं. ५	उ.फा.	राहुवेध,
भा. शु.	२ चं.	सितं. ५	हस्त	मृत्युबाण,
भा. शु.	३ मं.	सितं. ६	हस्त	१६/१० तक मृत्युबाण, लग्नाभाव,
भा. शु.	४ बु.	सितं. ७	स्वा.	भद्रा,
भा. शु.	५ शु.	सितं. ९	अनु.	वैधृति, भौमवेध,
भा. शु.	६ श.	सितं. १०	अनु.	भौमवेध,
भा. शु.	८ र.	सितं. ११	मूल	लग्नाभाव,
भा. शु.	११ बु.	सितं. १४	उ.षा.	लग्नाभाव,
भा. शु.	११ बु.	सितं. १४	श्रव.	लग्नाभाव, २१/३७ बाद मृत्युबाण,
भा. शु.	१२ गु.	सितं. १५	श्रव.	मासान्त,
भा. शु.	१२ गु.	सितं. १५	धनि.	मासान्त,
भा. शु.	१३ शु.	सितं. १६	धनि.	संक्रान्ति,
भा. शु.	१५ र.	सितं. १८	उ.भा.	प्रतिपदा महालय श्राद्ध, केतुवेध,

- श्राद्ध महालय (आश्वि. कृ.) पक्ष १८ सितं. से ३ अक्तू. '०५ ई. तक।
- ६ अक्तू. '०५ ई. (आश्वि. शु. ३ गु.) से १ नवं. '०५ (कार्त्ति. कृ. १४ मं.) तक गुरु अस्त।
- ३ से १५ नवं. '०५ ई. तक त्रयोदश दिनात्मक कार्त्तिक शुक्ल पक्ष।

तिथि-वार		तारीख २००५ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
मार्ग. कृ.	१ बु.	नवं. १६	रोहि.	संक्रान्ति,
मार्ग. कृ.	२ गु.	नवं. १७	रोहि.	लग्नाभाव, १०/२२ बाद मृत्युबाण,
मार्ग. कृ.	२ गु.	नवं. १७	मृग.	मृत्युबाण,
मार्ग. कृ.	८ गु.	नवं. २४	मघा	वैधृति,
मार्ग. कृ.	९ शु.	नवं. २५	उ.फा.	राहुवेध,
मार्ग. कृ.	१० श.	नवं. २६	उ.फा.	राहुवेध,
मार्ग. कृ.	१० श.	नवं. २६	हस्त	मृत्युबाण,
मार्ग. कृ.	१२ चं.	नवं. २८	स्वा.	क्षीणचन्द्र,
मार्ग. शु.	१ शु.	दिसं. २	मूल	भुजंगपात,
मार्ग. शु.	२ श.	दिसं. ३	मूल	भुजंगपात,
मार्ग. शु.	३ र.	दिसं. ४	उ.षा.	लग्नाभाव,
मार्ग. शु.	४ चं.	दिसं. ५	उ.षा.	मृत्युबाण,
मार्ग. शु.	४ चं.	दिसं. ५	श्रव.	मृत्युबाण,
मार्ग. शु.	५ मं.	दिसं. ६	धनि.	शनिवेध,
मार्ग. शु.	७ बु.	दिसं. ७	धनि.	शनिवेध,
मार्ग. शु.	९ शु.	दिसं. ९	उ.भा.	केतुवेध, राहुयुति,
मार्ग. शु.	१० श.	दिसं. १०	उ.भा.	व्यतिपात, केतुवेध, राहुयुति,
मार्ग. शु.	१० श.	दिसं. १०	रेव.	लग्नाभाव,
मार्ग. शु.	११ र.	दिसं. ११	रेव.	लग्नाभाव,
मार्ग. शु.	१२ चं.	दिसं. १२	अश्वि.	लग्नाभाव,

तिथि-वार		तारीख २००५/०६ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
मार्ग. शु.	१४ बु.	दिसं. १४	रोहि.	मासान्त,
मार्ग. शु.	१५ गु.	दिसं. १५	रोहि./मृग.	संक्रान्ति,

मार्ग. पूर्णिमा गु. (१५ दिसं. '०५) से पौष शु. १४ शु. (१३ जन. '०६ ई.) तक सूर्य धनुस्थ। ११ से १६ जनवरी, २००६ ई. (पौष शु. १२ बु. से माघ कृ. २ चं.) तक शुक्र अस्त।

तिथि-वार		तारीख २००५/०६ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
माघ कृ.	६ शु.	जन. २०	हस्त	राहुवेध,
माघ कृ.	७ श.	जन. २१	हस्त	राहुवेध,
माघ कृ.	७ र.	जन. २२	चित्रा	लग्नाभाव,
माघ कृ.	८ चं.	जन. २३	स्वा.	लग्नाभाव,
माघ कृ.	९ मं.	जन. २४	अनु.	भद्रा, भौमवेध,
माघ कृ.	१० बु.	जन. २५	अनु.	भौमवेध,
माघ कृ.	११ गु.	जन. २६	मूल	लग्नाभाव,
माघ शु.	१ चं.	जन. ३०	धनि.	लग्नाभाव,
माघ शु.	३ बु.	फर. १	उ.भा.	केतुवेध, राहुयुति,
माघ शु.	५ गु.	फर. २	उ.भा.	केतुवेध, राहुयुति,
माघ शु.	७ श.	फर. ४	अश्वि.	गोधूलि में क्रान्तिसाम्य,
माघ शु.	१० मं.	फर. ७	मृग.	वैधृति,
माघ शु.	११ बु.	फर. ८	मृग.	भद्रा, वैधृति,
फाल्गु.कृ.	१ मं.	फर. १४	मघा	मृत्युबाण,
फाल्गु.कृ.	३ गु.	फर. १६	उ.फा.	भद्रा,
फाल्गु.कृ.	३ गु.	फर. १६	हस्त	राहुवेध,
फाल्गु.कृ.	४ शु.	फर. १७	हस्त	राहुवेध,
फाल्गु.कृ.	४ शु.	फर. १७	चित्रा	भुजंगपात,
फाल्गु.कृ.	५ श.	फर. १८	चित्रा	भुजंगपात,
फाल्गु.कृ.	६ बु.	फर. २२	मूल	मृत्युबाण,

अशुद्ध विवाह मुहूर्त्त (सं. २०६२ वि.)

तिथि-वार		तारीख २००६ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
फाल्गु.कृ.	१० गु.	फर. २३	मूल	२२/३६ तक मृत्युवाण, लग्नाभाव,
फाल्गु.कृ.	११ शु.	फर. २४	उ.षा.	व्यतिपात,

तिथि-वार		तारीख २००६ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
फाल्गु.कृ.	१२ श.	फर. २५	उ.षा.	लग्नाभाव,
फाल्गु.कृ.	१२ श.	फर. २५	श्रव.	क्षीणचन्द्र,

तिथि-वार		तारीख २००६ ई.	विवाह नक्षत्र	दोष
फाल्गु.शु.	२ बु.	मार्च १	उ.भा.	राहुयुति, केतुवेध,
फाल्गु.शु.	६ र.	मार्च ५	रोहि.	लग्नाभाव,
फाल्गु.शु.	७ चं.	मार्च ६	मृग.	लग्नाभाव,

७ मार्च '०६ (फाल्गु. शु. ८ मं.) से १४ मार्च '०६ ई. (फाल्गु. शु. १५ मं.) तक होलाष्टक। फाल्गु. शु. १५ मं. (१४ मार्च '०६ ई.) से वर्षान्त तक मीनस्थ रवि।

विवाह मुहूर्त्तों के शोधन में वेध–युति आदि दोषों के शास्त्रीय–परिहार

इस पंचांग में दिए जाने वाले विवाह मुहूर्त्तों में जहां वेध, युति, कर्त्तरी, दग्धातिथि, षष्ठाष्टमस्थ-चन्द्र, भौम, शुक्र के दोषों के परिहार मिल जाते हैं, वहां उन मुहूर्त्तों को शुद्ध मान लिया जाता है और वहां विवाह लग्न लगा दिए जाते हैं। इन दोषों के परिहार निम्नांकित स्थितियों में माने गए हैं:- ***वेध परिहार-*** सप्तशलाका एवं पंचशलाका वेध में क्रूरग्रह द्वारा विद्ध नक्षत्र के तो चारों चरण दूषित माने जाते हैं, वेध का वहां परिहार नहीं है। सौम्य ग्रह द्वारा वेध होने पर पादवेध पद्धति से केवल विद्ध चरण को ही दूषित माना जाता है। वहां शेष तीनों चरण वेधदोष से मुक्त रहते हैं। पादवेध पद्धति में वेधक सौम्यग्रह नक्षत्र के पहिले चरण में है तो वह वेध्य नक्षत्र के चौथे चरण को, चतुर्थ चरण में स्थित वेधक सौम्य ग्रह वेध्य नक्षत्र के पहिले चरण को, द्वितीय चरणस्थ देवेक ग्रह वेध्य नक्षत्र के तृतीय चरण को एवं तृतीय चरणस्थ वेधक ग्रह वेध्य नक्षत्र के द्वितीय चरण को विद्ध करता है। ***युति दोष का परिहार-*** नक्षत्र के साथ सौम्यग्रह की युति का दोष सामान्य माना जाता है, लेकिन क्रूरग्रह की युति बहुत ही अशुभ फलप्रद मानी जाती है। यदि चन्द्रमा अपनी उच्च राशि (वृष) या मित्र राशि (सिंह, मिथुन, कन्या) में हो, तो क्रूरग्रह की युति का दोष भी समाप्त हो जाता है। ***कर्त्तरीदोष का परिहार-*** मुहूर्त्त के लग्न से सप्तम रहित केन्द्र या त्रिकोण में गुरु, शुक्र या बुध स्थित हो तो कर्त्तरीदोष का परिहार हो जाता है। कर्त्तरी बनाने वाले ग्रह यदि शत्रुराशि या अपनी नीचराशि में हों या दोनों अस्त हों, तो भी कर्त्तरीदोष नहीं रहता, यदि मुहूर्त्त लग्न से द्वितीय भाव में कोई शुभ ग्रह बैठा हो अथवा बारहवें भाव में गुरु बैठा हो तो भी कर्त्तरीदोष निष्प्रभाव हो जाता है और ऐसा कर्त्तरीदोष विवाह मुहूर्त्त को अग्राह्य नहीं बना सकता। चन्द्र कर्त्तरीदोष का परिहार भी चन्द्रमा के स्थान को लग्न समझकर, इन्हीं योगों से देखना चाहिए। ***दग्धातिथि का परिहार-*** मुहूर्त्त के लग्न से सप्तम रहित केन्द्र या त्रिकोण में गुरु, शुक्र या बुध बैठा हो, तो दग्धातिथि का परिहार हो जाता है, इस परिहार की स्थिति में दग्धातिथि में विवाह लग्न शुद्ध माना जाता है। ***षष्ठाष्टमस्थ चन्द्र का परिहार-*** नीच राशि (वृश्चिक) में चन्द्रमा हो तो वह लग्न से छठे या आठवें भाव में होने पर भी दोषकारक नहीं होता। यदि चन्द्रमा लग्नेश होकर षष्ठाष्टमस्थ हो, तब तो उसका कोई परिहार शास्त्रों में नहीं मिलता। ***अष्टमस्थ मंगल का परिहार-*** मंगल अस्त (अदृश्य) हो या वह नीचराशि (कर्क) अथवा शत्रु राशि (मिथुन या कन्या) में हो, तो लग्न से अष्टमस्थ होने पर भी वह दोषकारक नहीं होता। यदि मंगल लग्नेश होकर अष्टम में हो, तो किसी भी स्थिति में उसके दोष का परिहार नहीं माना जाता। ***षष्ठाष्टमस्थ शुक्र का परिहार-*** शुक्र यदि नीचराशि (कन्या) अथवा शत्रु राशि (कर्क या सिंह) में हो, तो वह षष्ठाष्टमस्थ होने पर भी अशुभ फल नहीं करता। यदि शुक्र लग्नेश होकर षष्ठाष्टमस्थ हो, तो उसका भी कोई परिहार नहीं है- मार्त्तण्ड पंचांग में दिए जाने वाले मुहूर्त्तों में उपरोक्त सभी दोषों के परिहारों का प्रयोग किया जाता है।

विवाहादि मुहूर्त्तों की शुद्धि–अशुद्धि के बारे में उत्पन्न शंका के समाधान के लिए मुझे जवाबी पत्र दीजिए–

प्रियव्रत शर्मा , 59/6,(अभिजित), P.O. पंचकूला – 134 109

मुण्डनादि मुहूर्त्त (सं.२०६२ वि.) (सर्वत्र भा.स्टैं.टा. दिया गया है)

मुण्डन मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २८	मई ११	मृग.	१६/४० तक,
ज्ये. कृ. २ बु.	ज्ये. १२	मई २५	ज्ये.	११/३४ तक,
माघ शु. १३ शु.	माघ २८	फर. १०	पुन.	
फाल्गु.शु. ३ गु.	फाल्गु. १६	मार्च २	रेव.	७/५३ से १४/३४ तक,

मुण्डन में विशेषः—किसी देवस्थल (तीर्थ) पर बिना मुहूर्त्त के भी मुण्डन करवाना शुभ माना गया है। नवरात्रों के दिनों में भी शक्तिपीठों (देवी—मन्दिरों) के समीप मुण्डन करवाने की पंजाब, हि.प्र. आदि में पुरानी परम्परा है।

उपनयन मुहूर्त्त (सन् २००५ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	हस्त	७/०० बाद,
ज्ये. कृ. ४ शु.	ज्ये. १४	मई २७	उ.षा.	१४/०५ बाद,
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/४२ तक,

अक्षरारम्भ मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	हस्त	७/०० बाद,
ज्ये. कृ. १२ शु.	ज्ये. २१	जून ३	अश्वि.	
ज्ये. शु. २ बु.	ज्ये. २६	जून ८	आर्द्रा	६/३८ बाद,
ज्ये. शु. २ गु.	ज्ये. २७	जून ९	आर्द्रा	८/४२ तक,
ज्ये. शु. २ गु.	ज्ये. २७	जून ९	पुन.	८/५४ बाद,
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/४२ तक,
माघ कृ. १० बु.	माघ १२	जन.२५	अनु.	६/०६ बाद,
माघ शु. ६ शु.	माघ २१	फर. ३	रेव.	
माघ शु. १२ गु.	माघ २७	फर. ९	आर्द्रा	

विद्यारम्भ मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	उ.भा.	७/०० बाद,
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २८	मई ११	मृग.	
वैशा. शु. १० बु.	ज्ये. ५	मई १८	पू.फा.	१४/४३ तक,
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	हस्त	७/०० बाद,

विद्यारम्भ मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
ज्ये. कृ. ६ र.	ज्ये. १६	मई २९	धनि.	८/३४ तक,
ज्ये. कृ. १० बु.	ज्ये. १९	जून १	उ.भा.	१४/२७ तक,
ज्ये. कृ. १२ शु.	ज्ये. २१	जून ३	अश्वि.	
ज्ये. शु. २ बु.	ज्ये. २६	जून ८	मृग.	६/१६ तक,
ज्ये. शु. २ बु.	ज्ये. २६	जून ८	आर्द्रा	६/३८ बाद,
ज्ये. शु. २ गु.	ज्ये. २७	जून ९	आर्द्रा	८/४२ तक,
ज्ये. शु. २ गु.	ज्ये. २७	जून ९	पुन.	८/५४ बाद,
ज्ये. शु. ५ र.	ज्ये. ३०	जून १२	आश्ले.	
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/४२ तक,
माघ कृ. १० बु.	माघ १२	जन.२५	अनु.	६/०६ बाद,
माघ शु. ३ बु.	माघ १९	फर. १	पू.भा.	८/५७ तक,
माघ शु. ६ शु.	माघ २१	फर. ३	रेव.	
माघ शु. १२ गु.	माघ २७	फर. ९	आर्द्रा	

अक्षरारम्भ और विद्यारम्भ के मुहूर्त्तों का प्रयोगः- बच्चे को वर्णमाला का ज्ञान करवाने के लिए अक्षरारम्भ के और संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, रसायन आदि विषयों का अध्ययन प्रारम्भ करने के लिए विद्यारम्भ के मुहूर्त्तों का प्रयोग करना चाहिए।

द्विरागमन मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	उ.भा.	७/०० से १७/३४ तक,
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	रेव.	१८/४६ बाद,
वैशा. कृ. १३ शु.	वैशा. २४	मई ६	रेव.	१५/०१ तक,
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २८	मई ११	मृग.	१६/४० तक,
मार्ग. कृ. २ गु.	मार्ग. २	नवं.१७	रोहि.	
मार्ग. कृ. ३ शु.	मार्ग. ३	नवं.१८	मृग.	१८!१० तक,
मार्ग. कृ. ५ चं.	मार्ग. ६	नवं.२१	पुष्य	८/३४ तक,
मार्ग. कृ. १२ चं.	मार्ग. १३	नवं.२८	चित्रा	
मार्ग. शु. चं. ४	मार्ग. २०	दिसं. ५	उ.षा.	११/०४ से १४/२७ तक,
मार्ग. शु. चं. ४	मार्ग. २०	दिसं. ५	श्रव.	१५/३६ बाद,

द्विरागमन मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
मार्ग. शु. बु. ७	मार्ग. २२	दिसं. ७	धनि.	११/०४ तक,
फाल्गु.कृ. बु. २	फाल्गु. ४	फर.१५	उ.फा.	१५/३६ बाद,
फाल्गु.कृ. गु.१०	फाल्गु. १२	फर.२३	मूल	११/०७ तक,
फाल्गु.शु. चं. ७	फाल्गु. २३	मार्च ६	रोहि.	१३/४१ तक,

द्विरागमन में विशेष- विवाह के दिन से १६ दिन के भीतर द्विरागमन के उपरोक्त मुहूर्त्तों के बिना भी द्विरागमन हो सकता है। यदि नव-विवाहित वधू का द्विरागमन दिवाली के दिन प्रदोष के समय दीपकों के प्रकाश में हो तो अच्छा माना जाता है।

गृहारम्भ मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	हस्त	७/०० बाद,
श्राव. कृ. २ श.	श्राव. ८	जुला.२३	धनि.	
मार्ग. कृ. २ गु.	मार्ग. २	नवं.१७	रोहि.	
मार्ग. कृ. ३ शु.	मार्ग. ३	नवं.१८	मृग.	१०/०० तक,

नूतन—गृहप्रवेश मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	उ.भा.	७/०० से १७/३४ तक,
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	रेव.	१८/४६ बाद,
वैशा. कृ. १३ शु.	वैशा. २४	मई ६	रेव.	१५/०१ तक,
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	चित्रा	१८/१८ से २५/४० तक,
ज्ये. कृ. १० बु.	ज्ये. १९	जून १	उ.भा.	१४/२७ तक,
ज्ये. कृ. १० बु.	ज्ये. १९	जून १	रेव.	२६/०१ बाद,
ज्ये. कृ. ११ गु.	ज्ये. २०	जून २	रेव.	२३/३० तक,
ज्ये. शु. ९ गु.	आषा. ३	जून १६	चित्रा	२७/२६ बाद,
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/४२ तक,
ज्ये. शु. १३ चं.	आषा. ७	जून २०	अनु.	१५/५७ तक,
माघ कृ. १० बु.	माघ १२	जन. २५	अनु.	६/०६ से १७/४५ तक,
माघ शु. ६ शु	माघ २१	फर. ३	रेव.	१९/१९ तक,
माघ शु. ९ चं.	माघ २४	फर. ६	रोहि.	२३/५५ बाद,

नूतन–गृहप्रवेश मुहूर्त्त (सन् २००६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
फाल्गु.कृ. १२ श.	फाल्गु.१४	फर. २५	उ.षा.	१२/३३ से २०/५५ तक,
फाल्गु.शु. ७ चं.	फाल्गु.२३	मार्च ६	रोहि.	१३/४१ तक,
फाल्गु.शु. ७ चं.	फाल्गु.२३	मार्च ६	मृग.	२५/४६ बाद,

पुरातन–गृहप्रवेश मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	उ.भा.	७/०० बाद,
वैशा. कृ. १३ शु.	वैशा. २४	मई ६	रेव.	१५/०१ तक,
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २६	मई ११	मृग.	१६/४० तक,
वैशा. शु. १० बु.	ज्ये. ५	मई १८	उ.फा.	१५/५५ बाद,
वैशा. शु. १० गु.	ज्ये. ६	मई १९	उ.फा.	१६/१६ तक,
वैशा. शु. १५ चं.	ज्ये. १०	मई २३	अनु.	१६/३२ बाद,
ज्ये. कृ. ४ शु.	ज्ये. १४	मई २७	उ.षा.	१४/०५ बाद,
ज्ये. कृ. ७ चं.	ज्ये. १७	मई ३०	शत.	१७/४५ बाद,
ज्ये. कृ. १० बु.	ज्ये. १६	जून १	उ.भा.	१४/२७ तक,
ज्ये. कृ. ११ गु.	ज्ये. २०	जून २	रेव.	
ज्ये. शु. ४ श.	ज्ये. २६	जून ११	पुष्य	११/१० बाद,
ज्ये. शु. ८ बु.	आषा. २	जून १५	उ.फा.	६/५३ से १२/२६ तक,
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/४२ तक,
ज्ये. शु. ११ श.	आषा. ५	जून १८	स्वा.	८/१७ तक, १६/४८ से २६/३० तक,
ज्ये. शु. १३ चं.	आषा. ७	जून २०	अनु.	१५/५७ तक,
श्राव. कृ. २ श.	श्राव. ८	जुला.२३	धनि.	१७/२८ तक,
श्राव. कृ. ५ चं.	श्राव. १०	जुला.२५	उ.भा.	१४/१७ बाद,
श्राव. कृ. ७ बु.	श्राव. १२	जुला.२७	रेव.	६/२७ से ११/१८ तक,
श्राव. कृ. १२ चं.	श्राव. १७	अग. १	मृग.	१८/२३ तक,
श्राव. शु. ६ गु.	श्राव. २७	अग.११	चित्रा	१८/०२ तक,
श्राव. शु. ७ शु.	श्राव. २८	अग.१२	स्वा.	१६/०० तक,
श्राव. शु. १२ बु.	भाद्र. २	अग.१७	उ.षा.	१४/१२ बाद,
श्राव. शु. १३ गु.	भाद्र. ३	अग.१८	उ.षा.	७/०५ तक,
श्राव. शु. १५ शु.	भाद्र. ४	अग.१६	धनि.	१३/१६ बाद,
कार्त्ति. कृ. ४ शु.	कार्त्ति. ५	अक्तू.२१	मृग.	१६/०१ से २०/२० तक,

पुरातन गृहप्रवेश मुहूर्त्त (सन् २००५/०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
कार्त्ति. कृ. ५ श.	कार्त्ति. ६	अक्तू.२२	मृग.	८/०७ से १६/०६ तक,
कार्त्ति. कृ. १२ श.	कार्त्ति. १३	अक्तू.२६	उ.फा.	६/१६ से २४/०३ तक,
कार्त्ति. शु. २ गु.	कार्त्ति. १८	नवं. ३	अनु.	१४/३५ बाद,
कार्त्ति. शु. ६ चं.	कार्त्ति. २२	नवं. ७	उ.षा.	११/३० बाद,
कार्त्ति. शु. ८ बु.	कार्त्ति. २४	नवं. ६	धनि.	८/१६ से १८/२४ तक,
कार्त्ति. शु. ६ गु.	कार्त्ति. २५	नवं. १०	शत.	१६/१८ बाद,
कार्त्ति. शु. ११ श.	कार्त्ति. २७	नवं. १२	उ.भा.	१२/१६ बाद,
मार्ग. कृ. २ गु.	मार्ग. २	नवं. १७	रोहि.	
मार्ग. कृ. ३ शु.	मार्ग. ३	नवं. १८	मृग.	१८/१० तक,
मार्ग. कृ. ५ चं.	मार्ग. ६	नवं. २१	पुष्य	
मार्ग. कृ. १० श.	मार्ग. ११	नवं. २६	उ.फा.	८/२४ तक,
मार्ग. कृ. १२ चं.	मार्ग. १३	नवं. २८	चित्रा	
मार्ग. शु. ४ चं.	मार्ग. २०	दिसं. ५	उ.षा.	११/०४ से १४/२७ तक,
मार्ग. शु. ७ बु.	मार्ग. २२	दिसं. ७	धनि.	११/०४ तक,
मार्ग. शु. ७ बु.	मार्ग. २२	दिसं. ७	शत.	१२/१६ बाद,
माघ कृ. ५ ग.	माघ ६	जन. १६	उ.फा.	६/१५ से १८/३६ तक,
माघ कृ. ६ शु.	माघ ७	जन. २०	उ.फा.	११/०५ तक,
माघ कृ. ७ श.	माघ ८	जन. २१	चित्रा	१६/०६ बाद,
माघ कृ. १० बु.	माघ १२	जन. २५	अनु.	६/०६ से १७/४५ तक,
माघ शु. १ चं.	माघ १७	जन. ३०	धनि.	१८/३८ बाद,
माघ शु. ५ गु.	माघ २०	फर. २	उ.भा.	२०/४० तक,
माघ शु. ६ शु.	माघ २१	फर. ३	रेव.	१६/१६ तक,
फाल्गु.कृ. २ बु.	फाल्गु. ४	फर. १५	उ.फा.	१५/३६ से २८/५१ तक,
फाल्गु.कृ. ५ श.	फाल्गु. ७	फर. १८	चित्रा	२२/४२ तक,
फाल्गु.कृ. १२ श.	फाल्गु. १४	फर. २५	उ.षा.	१२/३३ से २०/५५ तक,
फाल्गु.शु. २ बु.	फाल्गु. १८	मार्च १	उ.भा.	१०/२६ बाद,
फाल्गु.शु. ३ गु.	फाल्गु. १६	मार्च २	रेव.	७/५३ से १६/४२ तक,
फाल्गु.शु. ७ चं.	फाल्गु. २३	मार्च ६	रोहि.	१३/४१ तक,
फाल्गु.शु. ११ शु.	फाल्गु. २७	मार्च १०	पुष्य	१८/५३ बाद,
फाल्गु.शु. १२ श.	फाल्गु. २८	मार्च ११	पुष्य	११/२३ तक,

नोट :- सरकारी या अन्य नौकरी वाले तथा दूसरे लोग भी ट्रांसफर आदि के कारण अक्सर किराये वाले पुराने मकानों में यदा-कदा प्रवेश करते रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए ही ये पुरातन गृहप्रवेश मुहूर्त्त हैं। इन मुहूर्तों में गुरु-शुक्र अस्त और अधिकमास का दोष नहीं माना जाता। कलश-चक्र का विचार भी यहां नहीं किया जाता।

सात्त्विकदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (२००५-०६ ई.)

(श्री विष्णु, राम, शिव आदि देवों के लिए)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. ८ र.	वैशा. १६	मई १	श्रव.	
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	उ.भा.	७/०० बाद,
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २६	मई ११	मृग.	
वैशा. शु. ५ शु.	वैशा. ३१	मई १३	पुन.	
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	हस्त	७/०० बाद,
ज्ये. कृ. ६ र.	ज्ये. १६	मई २६	धनि.	८/३४ तक,
ज्ये. कृ. १० बु.	ज्ये. १६	जून १	उ.भा.	
ज्ये. कृ. १२ शु.	ज्ये. २१	जून ३	अश्वि.	
ज्ये. शु. २ गु.	ज्ये. २७	जून ६	पुन.	६/५४ बाद,
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/०[illegible] तक,
ज्ये. शु. १३ चं.	आषा. ७	जून २०	अनु.	
माघ कृ. ७ र.	माघ ६	जन. २२	चित्रा	
माघ कृ. ८ चं.	माघ १०	जन. २३	स्वा.	६/१५ तक,
माघ कृ. १० बु.	माघ १२	जन. २५	अनु.	६/०६ बाद,
माघ शु. ६ शु.	माघ २१	फर. ३	रेव.	
माघ शु. १३ शु.	माघ २८	फर. १०	पुन.	
फाल्गु.कृ. ६ र.	फाल्गु. ८	फर. १६	स्वा.	
फाल्गु.शु. ७ चं.	फाल्गु. २३	मार्च ६	रोहि.	
फाल्गु.शु. १० गु.	फाल्गु. २६	मार्च ६	पुन.	७/१८ बाद,

तामसदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

(श्रीकालभैरव, महाकाली, श्रीनृसिंह आदि के लिए)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
आषा. कृ. ३ शु.	आषा. ११	जून २४	उ.षा.	१०/५२ तक,
आषा. कृ. ५ र.	आषा. १३	जून २६	धनि.	८/२० तक,

तामसदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
आषा. कृ. ६ गु.	आषा. १७	जून ३०	अश्वि.	१०/५२ बाद,
आषा. कृ. १२ र.	आषा. २०	जुला. ३	रोहि.	६/३२ बाद,
आषा. शु. १ गु.	आषा. २४	जुला. ७	पुन.	
आषा. शु. ६ बु.	आषा. ३०	जुला.१३	हस्त	६/२५ बाद,
आषा. शु. ७ गु.	आषा. ३१	जुला.१४	हस्त	८/२७ तक,
मार्ग. कृ. २ गु.	मार्ग. २	नवं. १७	रोहि.	
मार्ग. कृ. ३ शु.	मार्ग. ३	नवं. १८	मृग.	
मार्ग. कृ. ४ र.	मार्ग. ५	नवं. २०	पुन.	७/४५ बाद,
मार्ग. कृ. ५ चं.	मार्ग. ६	नवं. २१	पुष्य	
मार्ग. कृ. ११ र.	मार्ग. १२	नवं. २७	हस्त	
मार्ग. कृ. १२ चं.	मार्ग. १३	नवं. २८	चित्रा	
मार्ग. शु. ७ बु.	मार्ग. २२	दिसं. ७	धनि.	११/०४ तक,
मार्ग. शु. ८ गु.	मार्ग. २३	दिसं. ८	शत.	६/४२ तक,
मार्ग. शु. ११ र.	मार्ग. २६	दिसं.११	अश्वि.	८/३० से १०/५१ तक,

श्रीगणेश प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
ज्ये. कृ. ४ शु.	ज्ये. १४	मई २७		
आष. कृ. ४ श.	आषा. १२	जून २५		८/०८ बाद,
मार्ग. कृ. ४ श.	मार्ग. ४	नवं. १६		
माघ कृ. ४ बु.	माघ ५	जन. १८		
फाल्गु.कृ. ४ शु.	फाल्गु. ६	फर. १७		

श्रीदुर्गा प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार		प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. शु.	६ मं.	ज्ये. ४	मई १७		
मार्ग. शु.	२ श.	मार्ग. १८	दिसं. ३	मूल	
मार्ग. शु.	६ शु.	मार्ग. २४	दिसं. ६		
माघ कृ.	१३ शु.	माघ १४	जन. २७	मूल	
माघ शु.	६ चं.	माघ २४	फर. ६		
फाल्गु.कृ.	१० गु.	फाल्गु.१२	फर. २३	मूल	

श्रीशिव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. १४ श.	वैशा. २५	मई ७		
ज्ये. शु. २ बु.	ज्ये. २६	जून ८	आर्द्रा	
माघ शु. १२ गु.	माघ २७	फर. ९	आर्द्रा	
फाल्गु.कृ. १४ चं.	फाल्गु.१६	फर. २७		

श्रीगौरी प्रतिष्ठा मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २६	मई ११		
ज्ये. शु. २ गु.	ज्ये. २७	जून ९		
माघ शु. २ मं.	माघ १८	जन. ३१		
फाल्गु. शु. ३ गु.	फाल्गु.१९	मार्च २		

विपणि मुहूर्त्त (सन् २००५ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
वैशा. कृ. १२ गु.	वैशा. २३	मई ५	उ.भा.	७/०० बाद,
वैशा. कृ. १३ शु.	वैशा. २४	मई ६	रेव.	१५/०१ तक,
वैशा. शु. ३ बु.	वैशा. २८	मई ११	मृग.	१४/४० तक,
वैशा. शु. ७ र.	ज्ये. २	मई १५	पुष्य	७/०१ तक,
वैशा. शु. १० बु.	ज्ये. ५	मई १८	उ.फा.	१५/५५ बाद,
वैशा. शु. ११ शु.	ज्ये. ७	मई २०	हस्त	७/०० से १७/०२ तक,
ज्ये. कृ. १० बु.	ज्ये. १६	जून १	उ.भा.	१४/२७ तक,
ज्ये. कृ. १२ शु.	ज्ये. २१	जून ३	अश्वि.	
ज्ये. शु. ४ श.	ज्ये. २६	जून ११	पुष्य	११/१० से १४/२४ तक,
ज्ये. शु. १० शु.	आषा. ४	जून १७	चित्रा	११/४२ तक,
ज्ये. शु. १३ चं.	आषा. ७	जून २०	अनु.	१५/५७ तक,
आषा. कृ. ३ शु.	आषा.११	जून २४	उ.षा.	१०/५२ तक,
आषा. कृ. १२ र.	आषा.२०	जुला. ३	रोहि.	६/३२ से १४/१३ तक,
आषा. शु. २ शु.	आषा.२५	जुला. ८	पुष्य	
आषा. शु. ६ बु.	आषा.३०	जुला.१३	उ.फा.	७/०८ बाद,
आषा. शु. ७ गु.	आषा.३१	जुला.१४	हस्त	८/२७ तक,
आषा. शु. ११ चं.	श्राव. ३	जुला.१८	अनु.	५/५२ बाद,
श्राव. कृ. ५ चं.	श्राव. १०	जुला.२५	उ.भा.	१४/१७ बाद,
श्राव. कृ. ७ बु.	श्राव. १२	जुला.२७	रेव.	६/२७ से ११/१८ तक,

विपणि मुहूर्त्त (सन् २००५-०६ ई.)

तिथि-वार	प्रविष्टा	तारीख	नक्षत्र	शुद्धकाल (भा.स्टैं.टा.)
श्राव. कृ. ७ बु.	श्राव. १२	जुला. २७	अश्वि.	१२/३० बाद,
श्राव. कृ. १२ चं.	श्राव. १७	अग. १	मृग.	
श्राव. शु. ३ चं.	श्राव. २४	अग. ८	उ.फा.	१२/५४ से १५/३७ तक,
श्राव. शु. ५ बु.	श्राव. २६	अग. १०	हस्त	१६/२४ तक,
श्राव. शु. १२ बु.	भाद्र. २	अग. १७	उ.षा.	१४/१२ बाद,
श्राव. शु. १३ गु.	भाद्र. ३	अग. १८	उ.षा.	७/०५ तक,
भाद्र. कृ. ५ बु.	भाद्र. ९	अग. २४	अश्वि.	८/२३ तक,
भाद्र. कृ. १२ बु.	भाद्र. १६	अग. ३१	पुष्य	७/१३ बाद,
भाद्र. कृ. १३ गु.	भाद्र. १७	सितं. १	पुष्य	७/१६ तक,
भाद्र. शु. २ चं.	भाद्र. २१	सितं. ५	उ.फा.	
भाद्र. शु. ६ श.	भाद्र. २६	सितं. १०	अनु.	६/२६ बाद,
मार्ग. कृ. २ गु.	मार्ग. २	नवं. १७	रोहि.	
मार्ग. कृ. ३ शु.	मार्ग. ३	नवं. १८	मृग.	
मार्ग. कृ. ५ चं.	मार्ग. ६	नवं. २१	पुष्य	६/३४ तक,
मार्ग. कृ. १० श.	मार्ग. ११	नवं. २६	उ.फा.	८/२४ तक,
मार्ग. कृ. १२ चं.	मार्ग. १३	नवं. २८	चित्रा	
मार्ग. शु. ४ चं.	मार्ग. २०	दिसं. ५	उ.षा.	११/०४ बाद,
माघ शु. ५ गु.	माघ २०	फर. २	उ.भा.	
माघ शु. ७ श.	माघ २२	फर. ४	अश्वि.	
फाल्गु.कृ. २ बु.	फाल्गु. ४	फर. १५	उ.फा.	१५/३६ बाद,
फाल्गु.कृ. ५ श.	फाल्गु. ७	फर. १८	चित्रा	
फाल्गु.कृ. १२ श.	फाल्गु.१४	फर. २५	उ.षा.	१२/३३ बाद,
फाल्गु. शु. २ बु.	फाल्गु.१८	मार्च १	उ.भा.	१०/२६ बाद,
फाल्गु. शु. ३ गु.	फाल्गु.१९	मार्च २	रेव.	७/५३ बाद,
फाल्गु. शु. ७ चं.	फाल्गु.२३	मार्च ६	रोहि.	१३/४१ तक,

सर्वार्थसिद्धि योग (सं. २०६२ वि.) (भा. स्टैं. टा.)

प्रारम्भ			समाप्त		
२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.
अप्रै. १०	६	६	अप्रै. १०	१०	२३
अप्रै. १२	६	४	अप्रै. १२	११	५२
अप्रै. १३	६	३	अप्रै. १४	सू.	उ.
अप्रै. १५	१८	२४	अप्रै. १६	सू.	उ.
अप्रै. १७	५	५८	अप्रै. १८	०	११
अप्रै. २७	५	४८	अप्रै. २७	६	१९
मई १	०	२	मई १	सू.	उ.
मई ५	१८	४७	मई ७	सू.	उ.
मई ९	२०	२७	मई १०	सू.	उ.
मई ११	५	३६	मई १२	०	१
मई १३	२	३०	मई १४	५	१६
मई १५	५	३३	मई १५	८	१३
मई २१	१८	२४	मई २२	सू.	उ.
मई २३	१६	३३	मई २४	सू.	उ.
मई २८	६	९	मई २९	४	१४
जून १	०	४९	जून १	सू.	उ.
जून २	५	२६	जून ४	१	१७
जून ६	५	२५	जून ७	सू.	उ.
जून ८	५	२५	जून ८	७	२८
जून ९	९	५५	जून १०	१२	३९
जून १६	२	७	जून १६	सू.	उ.
जून १८	५	२५	जून १९	३	४२
जून २०	५	२६	जून २१	०	५४
जून २४	१४	२४	जून २५	११	४७
जून २८	६	३७	जून २९	सू.	उ.
जून ३०	५	२८	जुला. १	६	४५

प्रारम्भ			समाप्त		
२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.
जुला. ४	५	३०	जुला. ५	सू.	उ.
जुला. ७	५	३१	जुला. ८	सू.	उ.
जुला. १३	९	२६	जुला. १४	सू.	उ.
जुला. १६	५	३६	जुला. १६	१२	५०
जुला. १८	५	३७	जुला. १८	११	६
जुला. २२	५	३९	जुला. २२	२१	३१
जुला. २६	५	४२	जुला. २६	१३	१
जुला. २८	५	४३	जुला. २८	१२	४२
जुला. ३०	१५	९	जुला. ३१	सू.	उ.
अग. १	५	४५	अग. १	१९	३५
अग. ४	५	४७	अग. ५	४	७
अग. १०	५	५१	अग. १०	१७	३६
अग. १९	५	५६	अग. १९	८	२१
अग. २२	०	४	अग. २२	सू.	उ.
अग. २३	२०	५४	अग. २४	सू.	उ.
अग. २७	६	१	अग. २७	२३	२३
सितं. १	६	४	सितं. १	१०	१३
सितं. ४	१८	४५	सितं. ५	सू.	उ.
सितं. १२	२	१	सितं. १२	सू.	उ.
सितं. १८	१०	४८	सितं. १९	सू.	उ.
सितं. २०	६	५८	सितं. २१	५	५३
सितं. २२	५	३२	सितं. २२	सू.	उ.
सितं. २४	६	१७	सितं. २४	७	२
सितं. ३०	२२	५२	अक्तू. १	सू.	उ.
अक्तू. २	६	२१	अक्तू. ३	सू.	उ.
अक्तू. ९	७	३९	अक्तू. १०	सू.	उ.

प्रारम्भ			समाप्त		
२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.
अक्तू. १६	६	३०	अक्तू. १६	१८	४९
अक्तू. १८	६	३२	अक्तू. १८	१६	५
अक्तू. १९	१५	२७	अक्तू. २०	सू.	उ.
अक्तू. २४	२१	५१	अक्तू. २५	सू.	उ.
अक्तू. २६	०	४३	अक्तू. २६	सू.	उ.
अक्तू. २८	६	३९	अक्तू. २९	सू.	उ.
अक्तू. ३०	६	४१	अक्तू. ३१	सू.	उ.
नवं. ३	१४	३६	नवं. ४	सू.	उ.
नवं. ६	६	४६	नवं. ६	१२	१७
नवं. १४	२	२	नवं. १४	सू.	उ.
नवं. १६	०	५०	नवं. १७	सू.	उ.
नवं. २१	६	१६	नवं. २२	सू.	उ.
नवं. २२	८	५७	नवं. २३	सू.	उ.
नवं. २५	७	३	नवं. २५	१७	४७
नवं. २७	७	४	नवं. २७	२२	३
नवं. ३०	२३	१७	दिसं. १	२२	२३
दिसं. ४	१७	३२	दिसं. ५	सू.	उ.
दिसं. ५	१५	४०	दिसं. ६	सू.	उ.
दिसं. ११	८	३१	दिसं. १२	सू.	उ.
दिसं. १३	८	२२	दिसं. १५	सू.	उ.
दिसं. १८	१४	२६	दिसं. १९	१६	५७
दिसं. २०	७	२१	दिसं. २०	१९	५१
दिसं. २८	९	२७	दिसं. २९	८	३५
सन् २००६ ई.					
जन. १	७	२६	जन. २	०	५

प्रारम्भ			समाप्त		
२००६ ई.	घं.	मि.	२००६ ई.	घं.	मि.
जन. २	७	२६	जन. २	२१	३४
जन. ६	१४	३०	जन. ७	सू.	उ.
जन. ८	७	२७	जन. ८	१३	४५
जन. १०	७	२७	जन. १०	१४	५१
जन. ११	७	२७	जन. १२	सू.	उ.
जन. १३	१९	२४	जन. १४	सू.	उ.
जन. १५	७	२६	जन. १६	०	११
जन. २५	७	२३	जन. २५	१८	५७
जन. २९	७	२१	जन. २९	१०	५५
जन. ३०	७	२१	जन. ३०	७	५७
फर. २	२१	५३	फर. ४	सू.	उ.
फर. ६	२०	२४	फर. ७	सू.	उ.
फर. ८	७	१५	फर. ८	२३	१५
फर. १०	१	२२	फर. ११	३	४८
फर. १८	२३	५५	फर. १९	सू.	उ.
फर. २१	३	५	फर. २१	सू.	उ.
फर. २५	२२	८	फर. २६	सू.	उ.
मार्च २	७	५४	मार्च ४	४	१३
मार्च ६	६	४९	मार्च ७	सू.	उ.
मार्च ९	७	१९	मार्च १०	९	४६
मार्च १६	०	४०	मार्च १६	सू.	उ.
मार्च १८	६	३४	मार्च १९	सू.	उ.
मार्च २०	९	७	मार्च २१	सू.	उ.
मार्च २५	७	२८	मार्च २६	५	२६
मार्च २८	२१	४१	मार्च २९	सू.	उ.

रवियोग (सं. २०६२ वि.)(भा.स्टैं.टा.)

प्रारम्भ			समाप्त			प्रारम्भ			समाप्त		
२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.
अप्रै. ११	१०	५०	अप्रै. १२	११	५२	अग. ८	१२	५५	अग. ९	१५	२७
अप्रै. १३	१३	३३	अप्रै. १४	०	१०	अग. १०	१७	३७	अग. ११	१९	१४
अप्रै. १४	१५	४६	अप्रै. १५	१८	२३	अग. १३	२०	२७	अग. १५	१८	३७
अप्रै. १८	०	१२	अप्रै. २०	५	१५	अग. १८	११	२३	अग. १९	८	२१
अप्रै. २२	८	२१	अप्रै. २३	८	५७	अग. २४	२०	२३	अग. २५	२०	३९
अप्रै. ३०	१	३७	मई १	०	१	सितं. ६	२३	१२	सितं. ८	०	४९
मई १०	२२	०	मई ११	१०	१२	सितं. ९	२	०	सितं. १०	२	३५
मई १२	०	२	मई १३	२	२९	सितं. १२	२	१	सितं. १४	२०	५८
मई १४	५	१७	मई १५	८	१३	सितं. १६	१५	५४	सितं. १७	१३	१५
मई १७	१३	४६	मई १९	१७	२८	सितं. २३	५	५५	सितं. २४	७	२
मई २१	१८	२४	मई २२	१७	४६	अक्तू. ६	७	३६	अक्तू. ७	८	१
मई २९	४	१५	मई ३०	२	४०	अक्तू. ८	८	३	अक्तू. ९	७	३८
जून १०	१२	४०	जून ११	१५	३६	अक्तू. १२	४	१४	अक्तू. १४	०	३६
जून १२	१८	३७	जून १३	२१	३०	अक्तू. १५	२०	३९	अक्तू. १६	१८	४९
जून १६	२	७	जून १८	३	५९	अक्तू. २२	१७	२२	अक्तू. २३	१९	२०
जून २०	२	३९	जून २१	०	५४	अक्तू. २४	३	४६	अक्तू. २४	२१	५०
जून २७	७	४८	जून २८	६	३६	नवं. ४	१४	८	नवं. ५	१३	२०
जुला. १०	१	११	जुला. ११	४	१०	नवं. ६	११	४९	नवं. ६	१२	१७
जुला. १२	६	५९	जुला. १३	९	२५	नवं. ७	११	४	नवं. ८	९	४२
जुला. १५	१२	२९	जुला. १७	१२	२२	नवं. १०	६	५५	नवं. १२	४	१४
जुला. १९	९	८	जुला. २०	२	२७	नवं. १४	२	२	नवं. १५	१	१५
जुला. २०	६	३६	जुला. २१	३	४१	नवं. २२	८	५७	नवं. २३	११	५४
जुला. २६	१३	२	जुला. २७	१२	३०	दिसं. ४	१७	३२	दिसं. ५	१५	३९

प्रारम्भ			समाप्त		
२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.
दिसं. ६	१३	५३	दिसं. ७	१२	१६
दिसं. ९	९	५०	दिसं. ११	८	३०
दिसं. १३	८	२२	दिसं. १४	८	४५
दिसं. २१	२२	५८	दिसं. २३	२	१
सन् २००६ ई.					
जन. २	२१	३५	जन. ३	१९	१४
जन. ४	१७	१४	जन. ५	१५	३७
जन. ७	१३	५३	जन. ९	१४	५
जन. १२	१७	३२	जन. १३	१९	२३
जन. २०	१२	१८	जन. २१	१५	०
फर. १	२	१५	फर. १	२३	४९
फर. २	२१	५३	फर. ३	२०	३१
फर. ५	१९	४८	फर. ६	१०	५०
फर. ६	२०	२४	फर. ८	२३	१५
फर. ११	३	४९	फर. १२	६	३२
फर. १८	२३	५५	फर. १९	१५	२६
फर. २०	१	५०	फर. २१	३	४
मार्च २	७	५४	मार्च ३	५	४५
मार्च ४	४	१४	मार्च ४	२१	४०
मार्च ५	३	२४	मार्च ६	३	१७
मार्च ८	५	२०	मार्च १०	९	४६
मार्च १२	१५	३७	मार्च १३	१८	४१

सिद्धि योग (सं. २०६२ वि.)

प्रारम्भ			समाप्त		
२००५ ई.	घं.	मि.	२००५ ई.	घं.	मि.
मई १३	२	३०	मई १३	सू.	उ.
मई २१	१८	२४	मई २२	सू.	उ.
जून १	०	४९	जून १	सू.	उ.
जून ९	९	५५	जून १०	सू.	उ.
जून १८	५	२५	जून १९	३	४२
जून २८	६	३७	जून २९	सू.	उ.
जुला. ७	५	३१	जुला. ७	१९	११
जुला. १६	५	३६	जुला. १६	१२	५०
जुला. २६	५	४२	जुला. २६	१३	१
सितं. १२	२	१	सितं. १२	सू.	उ.
सितं. २२	५	३२	सितं. २२	सू.	उ.
सितं. ३०	२२	५२	अक्तू. १	सू.	उ.
अक्तू. ९	७	३९	अक्तू. १०	सू.	उ.
अक्तू. १९	१५	२७	अक्तू. २०	सू.	उ.
अक्तू. २८	६	३९	अक्तू. २९	सू.	उ.
नवं. ६	६	४६	नवं. ६	१२	१७
नवं. १६	६	५५	नवं. १७	०	४८
नवं. २५	७	३	नवं. २५	१७	४७
दिसं. ५	१५	४०	दिसं. ६	सू.	उ.
दिसं. १४	७	१७	दिसं. १४	८	४५
सन् २००६ ई.					
जन. २	७	२६	जन. २	२१	३४
जन. ३०	७	२१	जन. ३०	७	५७
फर. १०	१	२२	फर. १०	सू.	उ.
फर. १८	२३	५५	फर. १९	सू.	उ.
मार्च ९	७	१९	मार्च १०	सू.	उ.
मार्च १८	६	३४	मार्च १९	सू.	उ.
मार्च २८	२१	४१	मार्च २९	सू.	उ.

त्रिपुष्करयोग (सन् २००५-०६ई.)

प्रारम्भ		समाप्त	
तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
अप्रै. १६	५ ५९	अप्रै. १६	६ ५६
अप्रै. २६	५ ४९	अप्रै. २६	७ ३५
अप्रै. ३०	५ ४५	मई १	० ०१
जून १९	३ ४३	जून १९	१८ १४
जून २८	६ ३७	जून २८	१२ ३४
जुला. ०२	११ २९	जुला. ०३	९ ३२
अग. ३०	१४ ४३	अग. ३१	सू. उ.
सितं. ०५	२ १९	सितं. ०५	सू. उ.
सितं. १९	४ ३२	सितं. १९	सू. उ.
अक्तू. २३	१९ २१	अक्तू. २४	सू. उ.
अक्तू. २९	९ १७	अक्तू. ३०	५ ०१
नवं. ८	६ ४८	नवं. ८	९ ४२
नवं. १२	१२ १७	नवं. १३	३ ०२
दिसं. १७	१२ २०	दिसं. १७	२३ ५८
दिसं. २७	१६ ३१	दिसं. २८	सू. उ.
जन. १	५ ३४	जन. २	० ०५
जन. १०	१० ५४	जन. १०	१४ ५१
फर. २०	१ ५०	फर. २०	सू. उ.
फर. २५	६ ५९	फर. २५	१६ ५४
मार्च ५	१४ ०५	मार्च ६	३ १७

द्विपुष्करयोग (सन् २००५-०६ई.)

तारीख	घं. मि.	तारीख	घं. मि.
मई २१	५ ३०	मई २१	६ ४४
मई २९	८ ३५	मई ३०	२ ४०
जून ८	४ ५४	जून ८	सू. उ.
जुला. २३	५ ४०	जुला. २३	८ ४५
जुला. ३१	२३ ४८	अग. १	सू. उ.
सितं. २४	७ ०३	सितं. २४	२३ २७
अक्तू. ४	१६ ५८	अक्तू. ५	सू. उ.
नवं. २७	२२ ३७	नवं. २८	सू. उ.
दिसं. ७	६ १३	दिसं. ७	सू. उ.
जन. २१	१५ ०१	जन. २२	८ ०२
मार्च २६	५ २७	मार्च २७	२ ०७

(इस पंचांग का पृष्ठ ३ देखिए।)

श्री मार्त्तण्ड पंचांग

सं. 2062 विक्रमी
का

राजधानी विशेषांक

(दिल्ली प्रान्त के दैवज्ञों के लिए विशेष उपहार)

पुरानी और नई दिल्ली के चान्दनीचौक, वसन्तविहार आदि लगभग 700 बस्तियों एवं दिल्ली राज्य के सभी नगर, उपनगरों के अक्षांश, रेखांश, स्टैं.. अं. (स्था.म.का. और भा.स्टैं.टा. का अन्तर), दैनिक सूक्ष्मतम सूर्योदय–सूर्यास्तकाल, दैनिक लग्नप्रारम्भकाल एवं लग्न स्पष्ट करने की सूक्ष्मतम सारणियां, जिनकी सहायता से दैवज्ञ लोग दिल्ली प्रान्त में उत्पन्न हुए या होने वाले जातक की शुद्धतम जन्मपत्री सरलता से बनाने में सक्षम होंगे।

सम्पादक–
प्रियव्रत शर्मा,
59 / 6 (अभिजित्),
P.O. पंचकूला (हरि.) PIN-134 109

श्रीमार्त्तण्ड पंचांग का
यह
राजधानी विशेषांक

एक करोड़ से भी अधिक जनसंख्या वाले दिल्ली प्रान्त में हजारों दैवज्ञ अपने व्यवसाय में तत्पर हैं। इन दैवज्ञों की सुविधापूर्वक आवश्यकतापूर्त्ति के विशेष उद्देश्य से ही यह विशेषांक प्रस्तुत किया गया है। दिल्ली प्रान्त के सभी छोटे–बड़े लगभग 700 स्थलों के अक्षांश–रेखांश, स्टैण्डर्ड अन्तर (स्थानीय मध्यम काल और भा. स्टैं. टा. का अन्तर) यहां दिया गया है। दिल्ली 28°–30′ से 28°–45′ (उत्तर) तक 16 अक्षांश–कलाओं में फैली है। अक्षांश की इन 16 कलाओं की परमसूक्ष्म अलग–अलग 16 लग्न सारणियां तथा इन्हीं 16 अक्षांश–कलाओं के लिए दैनिक लग्नारम्भ, चर तथा सूर्योदयास्तकाल बतलाने वाली मौलिक सारणियां भी यहां पहिली बार दी जा रही हैं, जिनकी सहायता से दिल्ली प्रान्त में उत्पन्न हुए एवं भविष्य में उत्पन्न होने वाले किसी भी जातक का परम शुद्ध सूक्ष्म जन्मपत्र बनाने में दैवज्ञों को अब कोई कठिनाई नहीं होगी।

इस विशेषांक की ये सारणियां मेरे द्वारा रचित 'विश्वलग्नसारणी' में दी गई सारणियों का ही संक्षिप्त रूप है।

प्रियव्रत शर्मा,
59/6 (अभिजित्),
पंचकूला–134 109

श्रीमार्त्तण्ड पंचांग का आगामी विशेषांक
'षड्बल विशेषांक'

सं. 2063 वि. का श्रीमार्त्तण्ड पंचांग *'षड्बल विशेषांक'* होगा, जिसमें जातकपद्धतियों में वर्णित ग्रहों के स्थानबल आदि छः बलों को स्पष्ट करने वाली समस्यापूर्ण प्रक्रियाओं को सरलतम बना डालने वाली ऐसी अनेक मौलिक सारणियां दी जाएंगी, जो दैवज्ञों को गुणा-भाग की लम्बी जटिल गणितप्रक्रियाओं के आतंक से पूर्णतया मुक्त कर उनके लिए ग्रहों के षड्बलसाधन को नितान्त सुखद बना डालेंगी।

इस विशेषांक में षड्बल सम्बन्धी विवेचनात्मक शोधनिबन्ध भी दिए जाएंगे।

दिल्ली के अक्षांश–रेखांश

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण) मि. से.
अजय एन्क्लेव	28 38	77 06	21 36
अर्जुननगर	28 34	77 12	21 12
अध चीनी	28 32	77 12	21 12
अन्धा मुग़ल	28 41	77 11	21 16
अन्धेरिया बाग	28 30	77 11	21 16
अन्सारी नगर	28 34	77 13	21 08
अब्दुल फज़ल एन्क्लेव	28 34	77 18	20 48
अमर कॉलोनी	28 34	77 15	21 00
अमर विहार	28 43	77 16	20 56
अम्बेडकर नगर	28 31	77 14	21 04
अम्बिका विहार	28 40	77 05	21 40
अमृतपुरी	28 34	77 15	21 00
अयोध्या एन्क्लेव	28 43	77 08	21 28
अलकनन्दा	28 32	77 16	20 56
अलीगंज	28 35	77 13	21 08
अशोक एन्क्लेव	28 41	77 06	21 36
अशोक नगर	28 38	77 06	31 36
अशोक विहार	28 42	77 10	21 20
असलतपुर	28 38	77 05	21 40
अहिंसा आयुर्वेदिक कॉलेज	28 38	77 11	21 16
आई. ए. रेजिडेंशियल कॉलोनी	28 33	77 08	21 28
आई. एफ. सी. आई. कॉलोनी	28 40	77 06	21 36
आई. एन. ए. कॉलोनी	28 35	77 12	21 12
आई. एस. बी. टी.	28 41	77 14	21 04
आई. जी. एन. ओ. यू. (IGNOU)	28 30	77 14	21 04
आउट्रम लाईन्ज	28 43	77 12	21 12
आचार्य निकेतन	28 37	77 17	20 52
आजाद नगर	28 41	77 17	20 52
आजादपुर	28 43	77 11	21 16
आजाद मार्कीट	28 40	77 13	21 08
आदर्श नगर	28 44	77 10	21 20
आदिलाबाद	28 30	77 17	20 52
आनन्द निकेतन	28 35	77 10	21 20
आनन्दपर्वत	28 40	77 11	21 16
आनन्दवास	28 41	77 09	21 24
आनन्दविहार	28 42	77 08	21 28
आनन्दलोक	28 34	77 13	21 08
आर. के. पुरम्	28 34	77 11	21 16
आर. बी. आई. कॉलोनी	28 40	77 06	21 36
आराम नगर	28 39	77 13	21 08
आरामबाग	28 39	77 12	21 12
आर्य नगर	28 40	77 18	20 48
इण्डियागेट	28 37	77 14	21 04

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर) अं. क.	रेखांश (पूर्व) अं. क.	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण) मि. से.
इन्द्रानगर	28 30	77 14	21 04
इन्द्रपुरी	28 38	77 09	21 24
इन्द्रापार्क	28 36	77 06	21 36
इन्द्रलोक	28 41	77 10	21 20
इन्द्राविहार	28 43	77 13	21 08
इलैक्ट्रिक कॉलोनी	28 41	77 09	21 24
इंस्टीट्यूशनल एरिया	28 33	77 11	21 16
ईश्वर नगर	28 34	77 14	21 04
ईस्ट ऑफ कैलाश	28 34	77 15	21 00
ईस्ट गोकलपुर	28 43	77 17	20 52
ईस्ट पटेलनगर	28 39	77 10	21 20
उदय पार्क	28 34	77 13	21 08
उद्योग नगर	28 41	77 06	21 36
उद्योग विहार	28 44	77 10	21 20
उसमानपुर	28 42	77 15	21 00
ए. एफ. सी.	28 37	77 12	21 12
ए. जी. सी. आर. एन्क्लेव	28 40	77 17	20 52
एण्ड्रियूज़ गंज	28 34	77 14	21 04
एन. आर. रेलवे कॉलोनी	28 36	77 11	21 16
एस. बी. आई. कॉलोनी	28 40	77 06	21 36
एसियाड सेण्टर	28 33	77 13	21 08
ओंकार नगर	28 41	77 10	21 20
ओखला	28 34	77 17	20 52
ओम् विहार	28 45	77 17	20 52
कटवारिया सराय	28 33	77 12	21 12
कस्तूरबा नगर	28 35	77 14	21 04
कस्तूरबा निकेतन	28 34	77 15	21 00
कर्नॉट प्लेस	28 38	77 13	21 08
कमाल पार्क	28 36	77 06	21 04
करकरडुमा	28 40	77 18	20 48
कर्त्तार नगर	28 42	77 15	21 00
कर्मपुरा	28 40	77 09	21 24
करावल नगर	28 45	77 16	20 56
करोल बाग़	28 40	77 11	21 16
काका नगर	28 36	77 14	21 04
काबुल नगर	28 41	77 17	20 52
कान्ति नगर	28 41	77 16	20 56
कॉरोनेशन मेमोरियल	28 44	77 12	21 12
कालका जी	28 33	77 16	20 56
कालका जी एक्सटेंशन	28 32	77 16	20 56
कालका पुंज	28 32	77 16	20 56
कालिन्दी	28 35	77 14	21 04
किदवई नगर	28 34	77 12	21 12

दिल्ली के अक्षांश–रेखांश

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.
किरबी प्लेस	28 37	77 08	21 28
किलोकरी	28 35	77 16	20 56
किशन कुञ्ज	28 39	77 17	20 52
किशनगढ़	28 31	77 11	21 16
किशनगंज	28 40	77 12	21 12
किशन गुरु रामदास	28 39	77 16	20 56
कीर्ति नगर	28 40	77 09	21 24
कुञ्ज नगर	28 39	77 17	20 52
कुतुब एन्क्लेव	28 33	77 12	21 12
कुतुब मीनार	28 31	77 12	21 12
कृष्णा नगर	28 40	77 17	20 52
कृषि कुञ्ज	28 38	77 09	21 24
कृषि निकेतन	28 41	77 07	21 32
कृषि विहार	28 33	77 14	21 04
केशोपुर	28 39	77 06	21 04
कैथवाडा	28 41	77 16	20 56
कैलाश नगर	28 40	77 15	21 00
कैलाशपुरी	28 36	77 06	21 04
कोटला	28 38	77 18	20 48
कोंडली	28 37	77 19	20 44
कोहाट एन्क्लेव	28 42	77 08	21 28
खंजन बस्ती	28 37	77 07	21 32
खजूरी खास	28 43	77 15	21 00
खयाला	28 40	77 06	21 36
खानपुर	28 31	77 14	21 04
खिचड़ीपुर	28 37	77 19	20 44
खेलगांव	28 33	77 13	21 08
गढ़ी	28 34	77 15	21 00
गढ़ी नरैना	28 37	77 08	21 28
गढ़ी मेन्धु	28 43	77 15	21 00
गणेश नगर	28 38	77 05	21 40
गणेशपुरा	28 41	77 10	21 20
ग़फ़ार मन्ज़िल	28 34	77 17	20 52
गाओनरी	28 43	77 15	21 00
गाजीपुर	28 38	77 19	20 44
गांधीनगर	28 40	77 16	20 56
ग़ालिब अपार्टमैण्ट्स	28 42	77 07	21 32
गिरी नगर	28 33	77 16	20 56
गीता कॉलोनी	28 40	77 16	20 56
गीतांजलि	28 32	77 13	21 08
ग्रीनपार्क	28 33	77 12	21 12
गुजरांवाला	28 42	77 11	21 16
गुलमोहर पार्क	28 34	77 13	21 08
गुलाबी बाग़	28 41	77 11	21 16
गुरु रामदास नगर	28 39	77 16	20 56
गुरु हरकिशन नगर	28 41	77 05	21 40
गोकलपुर	28 43	77 17	20 52
गोकलपुरी	28 43	77 17	20 52
गोपालपुर	28 44	77 13	21 08
गोविन्दपुरी	28 32	77 16	20 56
गौतम नगर	28 34	77 13	21 08
घोण्डा	28 42	77 16	20 56
चन्द्र नगर	28 40	77 17	20 52
चन्द्रविहार	28 38	77 17	20 52
चाणक्यपुरी	28 36	77 11	21 16
चान्द नगर	28 39	77 07	21 32
चांदनी चौक	28 40	77 14	21 04
चित्तरंजन पार्क	28 33	77 15	21 00
चिराग़ एन्क्लेव	28 33	77 15	21 00
चिराग़ देहली	28 32	77 14	21 04
चिल्ला सरोदा बांगर	28 36	77 18	20 48
चौखण्डी	28 38	77 05	21 40
जगजीत नगर	28 42	77 15	21 00
जगतपुरी	28 40	77 17	20 52
जनकपुरी	28 37	77 06	21 36
जनता कॉलोनी	28 40	77 07	21 12
जमरूदपुर	28 34	77 14	21 04
जल विहार	28 34	77 14	21 04
जवाहर नगर	28 41	77 12	21 12
जवेलहरी	28 40	77 06	21 36
जसोला	28 33	77 18	20 48
जहांगीरपुरी	28 44	77 10	21 20
ज़ाकिर नगर	28 34	77 17	20 52
जाफराबाद	28 41	77 16	20 56
जामा मस्जिद	28 40	77 14	21 04
जामिया मिलिया युनिवर्सिटी	28 34	77 17	20 52
ज्योति कॉलोनी	28 42	77 18	20 48
ज्योति नगर (ईस्ट)	28 42	77 17	20 52
ज्योति नगर (वेस्ट)	28 42	77 18	20 18
जी. के. पार्ट–I	28 33	77 14	21 04
जी. के. पार्ट–II	28 32	77 15	21 00
जीवन नगर	28 35	77 16	20 56
जीया सराय	28 33	77 12	21 12
जे. एन. यू.	28 32	77 10	21 20
जोगा भाई	28 34	77 17	20 52
जोड़ बाग	28 35	77 13	21 08

दिल्ली के अक्षांश–रेखांश

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)	क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.		अं. क.	अं. क.	मि. से.
जोहरी एन्क्लेव	28 34	77 17	20 52	धारीपुर	28 44	77 12	21 12
जोहरीपुर	28 44	77 16	20 56	धौला कुआं	28 36	77 10	21 20
झण्डेवालान	28 39	77 12	21 12	धौला कुआं एन्क्लेव	28 36	77 10	21 20
झारेरा	28 35	77 09	21 24	नंगल डायरी	28 33	77 07	21 32
झरोड़ा माजरा बुरारी	28 44	77 12	21 12	नंगल दैवत	28 33	77 06	21 36
झील खुरांजा	28 40	77 16	20 56	नगंल राया	28 37	77 07	21 32
टक्कर बप्पा नगर	28 40	77 11	21 16	नंगलोई जाट	28 41	77 04	21 44
टैगोर गार्डन	28 39	77 07	21 32	नन्द नगरी	28 43	77 12	21 12
डाबरी	28 36	77 06	21 36	नज़ारिका बाग़	28 31	77 11	21 16
डिप्लोमैटिक एन्क्लेव	28 36	77 11	21 16	नवजीवन कॉलोनी	28 32	77 13	21 08
डिफेन्स कॉलोनी	28 35	77 14	21 04	नवीन निकेतन	28 33	77 12	21 12
डी. टी. सी. कॉलोनी	28 39	77 10	21 20	नवीन शाहदरा	28 42	77 17	20 52
डी. टी. सी. कॉलोनी	28 38	77 07	21 32	नरसिंह गार्डन	28 40	77 06	21 36
डेरा इस्माइल खां	28 43	77 11	21 16	नरैना	28 36	77 08	21 28
डेसु कॉलोनी	28 44	77 10	21 20	नरैना विहार	28 38	77 08	21 28
ढाका कॉलोनी	28 43	77 12	21 12	नया उस्मानपुर	28 42	77 15	21 00
तातारपुर	28 39	77 07	21 32	नया बाज़ार	28 40	77 14	21 04
तारा अपार्टमैन्ट्स	28 32	77 15	21 00	नई बस्ती	28 34	77 18	20 48
तिमार (तीमार) पुर	28 43	77 13	21 08	नसीरपुर	28 36	77 06	21 36
तिलक नगर	28 39	77 06	21 36	नांगली	28 36	77 17	20 52
तिलक ब्रिज	28 38	77 14	21 04	नांगली जालाब	28 38	77 06	21 36
तिलक विहार	28 39	77 06	21 36	नांगलोई सैय्यद	28 40	77 05	21 40
तिहाड़ जेल	28 37	77 06	21 36	नाथू नगर	28 42	77 17	20 52
त्रिनगर	28 41	77 10	21 20	नानकपुरा	28 35	77 10	21 20
त्रिलोकपुरी	28 38	77 18	20 48	न्यू ओखला इन्डस्ट्रीज़ इस्टेट	28 32	77 17	20 52
तीघरी	28 31	77 14	21 04	न्यू फ्रैन्ड्ज़ कॉलोनी	28 34	77 16	20 56
तीनमूर्ति भवन	28 36	77 12	21 12	न्यू मुलतान नगर	28 41	77 06	21 36
तुगलकाबाद	28 31	77 16	20 56	न्यू राजेन्द्र नगर	28 38	77 11	21 16
तुलसी नगर	28 41	77 10	21 20	निकोल्सन लाईन्ज़	28 36	77 09	21 24
तैमूर नगर	28 35	77 16	20 56	निज़ामुद्दीन (ईस्ट)	28 36	77 15	21 00
दक्षिण पटेल नगर	28 39	77 10	21 20	निज़ामुद्दीन (वैस्ट)	28 36	77 14	21 04
दक्षिणपुरी	28 31	77 14	21 04	निथारी	28 35	77 21	20 36
दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन	28 31	77 14	21 04	निरंकारी कॉलोनी	28 44	77 12	21 12
दयानन्दविहार	28 39	77 18	20 48	निरमन (निरमान) विहार	28 39	77 17	20 52
दयालपुर	28 44	77 16	20 56	नीती बाग़	28 34	77 13	21 08
दरियागंज	28 39	77 14	21 04	नूर नगर	28 34	77 17	20 52
दशरथपुरी	28 36	77 06	21 36	नेता जी नगर	28 35	77 11	21 16
दहीरपुर	28 44	77 12	21 12	नेहरु नगर	28 35	77 15	21 00
दुर्गा कॉलोनी	28 42	77 18	20 48	नेहरु प्लेस	28 33	77 16	20 56
दुर्गापुरी	28 42	77 17	20 52	नेहरु विहार	28 43	77 13	21 08
देर सराय	28 33	77 11	21 16	नैशनल चैस्ट इंस्टीच्यूट	28 34	77 13	21 08
देवली	28 30	77 14	21 04	पंचायती कॉलोनी	28 43	77 18	20 48
देहली युनिवर्सिटी	28 42	77 13	21 08	पंचशील	28 33	77 13	21 08
दौलतपुर	28 44	77 06	21 36	पंचशील एन्क्लेव	28 33	77 14	21 04

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.
पंजाबी बाग	28 41	77 08	21 28
पतपरगंज कॉम्प्लैक्स	28 39	77 18	20 48
पन्त नगर	28 35	77 15	21 00
पश्चिम विहार	28 41	77 06	21 36
पहाड़गंज	28 39	77 13	21 08
पहाड़ी धिराज	28 40	77 12	21 12
पाण्डव नगर	28 38	77 17	20 52
पाण्डवपुर	28 39	77 10	21 20
पामपोश एन्क्लेव	28 33	77 15	21 00
पॉलम आई. ए. पी. (I.A.P.)	28 33	77 08	21 28
पॉलम एन्क्लेव	28 35	77 06	21 36
पॉलम कॉलोनी	28 35	77 06	21 36
पिपलथाला	28 44	77 10	21 20
प्रियदर्शनी विहार	28 39	77 17	20 52
पीतमपुरा	28 44	77 08	21 28
प्रीत विहार	28 39	77 18	20 48
पीरगढी	28 41	77 06	21 36
पुष्पाञ्जलि	28 42	77 07	21 32
पुष्प विहार	28 31	77 14	21 04
पुराना किला	28 37	77 15	21 00
पूर्वांचल होस्टल	28 32	77 10	21 20
पूसा इंस्टीच्यूट	28 39	77 09	21 24
पृथ्वी पार्क	28 39	77 06	21 36
प्रेमनगर	28 40	77 10	21 20
प्रेम विहार	28 45	77 17	20 52
प्रैस एन्क्लेव	28 32	77 13	21 08
प्रकाश गार्डन	28 45	77 18	20 48
प्रताप नगर	28 38	77 07	21 32
प्रतापपुरा	28 42	77 17	20 52
प्रशान्त विहार	28 43	77 08	21 28
फतेह नगर	28 38	77 06	21 36
फ्रैंड्ज़ कॉलोनी	28 35	77 16	20 56
फैमिली प्लानिंग सेण्टर	28 34	77 11	21 16
बटला हाऊस	28 34	77 17	20 52
बन्नूवाला नगर	28 42	77 07	21 32
बलजीत नगर	28 40	77 10	21 20
बलबीर नगर	28 42	77 17	20 52
बलराज नगर	28 44	77 17	20 52
बसाई दारापुर	28 40	77 08	21 28
बसन्त एन्क्लेव	28 34	77 10	21 20
बसन्त गांव	28 35	77 10	21 20
धरती	28 41	77 16	20 56
बाड़ा हिंदुराव	28 40	77 12	21 12
बादली	28 45	77 09	21 24
बापा नगर	28 36	77 14	21 04
बाबरपुर	28 42	77 17	20 52
बाबरपुर एक्सटेंशन	28 42	77 17	20 52
बाबुनगर	28 44	77 16	20 56
बाली नगर	28 40	77 08	21 28
बिरला मन्दिर	28 38	77 12	21 12
बिहारीपुर	28 44	77 15	21 00
बेगमपुर	28 32	77 13	21 08
बेर सराय	28 33	77 11	21 16
बेहता हाज़ीपुर	28 44	77 18	20 48
बैरद प्लेस	28 36	77 08	21 28
बैरम खां पार्क	28 41	77 09	21 24
बुद्धविहार	28 41	77 14	21 04
बृजपुरी	28 43	77 16	20 56
बृजविहार	28 42	77 07	21 32
ब्रह्मपुरी	28 42	77 16	20 56
भगवान् नगर	28 35	77 16	20 56
भगवान्दास कॉलोनी	28 41	77 09	21 24
भजनपुरा	28 43	77 15	21 00
भाई परमानन्द नगर	28 44	77 11	21 16
भारत नगर	28 41	77 11	21 16
भालासव	28 45	77 10	21 20
भीखमसिंह कॉलोनी	28 40	77 18	20 48
भोगल	28 35	77 15	21 00
भोलानाथ नगर	28 41	77 17	20 52
मंगलापुरी	28 30	77 10	21 20
मंगोलपुरी	28 42	77 06	21 36
मघोलपुर	28 41	77 06	21 36
मण्डलोई	28 37	77 17	20 52
मंडौली	28 38	77 18	20 48
मदनगिर	28 32	77 14	21 04
मदनपुर खादर	28 32	77 18	20 48
मंदाकिनी	28 32	77 15	21 00
मधुवन	28 43	77 08	21 08
मनोहर एन्क्लेव	28 36	77 06	21 36
मयूर विहार	28 37	77 18	20 48
मलका गंज	28 41	77 12	21 12
मलकपुर	28 43	77 12	21 12
मस्जिद मोथ	28 32	77 14	21 04
मसूदपुर	28 32	77 09	21 24
महरम नगर	28 34	77 08	21 28
महरम नगर ईस्ट	28 34	77 08	21 28

दिल्ली के अक्षांश–रेखांश

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.
महरौली	28 31	77 11	21 16
महावीर एन्क्लेव	28 36	77 06	21 36
महावीर नगर	28 39	77 05	21 40
महावीर नगर	28 38	77 06	21 36
महारानी बाग़	28 35	77 16	20 56
महिन्द्रा पार्क	28 42	77 08	21 08
महीपालपुर	28 33	77 09	21 24
मॉडल बस्ती	28 40	77 12	21 12
मॉडल टाऊन	28 43	77 11	21 16
मादीपुर	28 40	77 08	21 08
मानसरोवर गार्डन	28 39	77 08	21 08
मानसरोवर पार्क	28 41	77 18	20 48
मायापुरी	28 38	77 08	21 28
मालकपुर	28 43	77 12	21 12
मालवीय नगर	28 32	77 13	21 08
मित्र विहार	28 42	77 07	21 32
मीराबाग़	28 40	77 05	21 40
मुकुन्दपुर	28 45	77 11	21 16
मुकुन्द विहार	28 45	77 16	20 56
मुखर्जी नगर	28 44	77 12	21 12
मुजाहिदपुर	28 34	77 14	21 04
मुनिरका	28 33	77 11	21 16
मुनिरका विहार	28 33	77 11	21 16
मुस्तफाबाद	28 43	77 13	21 08
मुहम्मदपुर	28 34	77 12	21 12
मेजर भूपेन्द्र सिंह नगर	28 39	77 06	21 36
मेफेयर गार्डन	28 33	77 13	21 08
मोतिया खान	28 40	77 13	21 08
मोती नगर	28 40	77 09	21 24
मोती बाग़	28 35	77 11	21 16
मोती बाग़ साऊथ	28 35	77 10	21 20
मौजपुर	28 42	77 16	20 56
मौर्य एन्क्लेव	28 43	77 09	21 24
मौलाना आजाद मेडिकल-- --कॉलेज	28 39	77 14	21 04
मौसम विहार	28 39	77 17	20 52
म्यूनिसिपल कॉलोनी	28 43	77 11	21 16
यमुना अपार्टमैन्ट	28 32	77 15	21 00
यमुना विहार	28 43	77 16	20 56
युसुफ सराय	28 34	77 12	21 12
रणजीत नगर	28 39	77 10	21 20
रंगपुरी	28 32	77 08	21 28
रवीन्द्रा (राबिन्द्रा) नगर	28 36	77 14	21 04
रमेश नगर	28 39	77 08	21 28
रमेश पार्क	28 38	77 16	20 56
राजगढ़ कॉलोनी	28 40	77 16	20 56
राजधानी एन्क्लेव	28 42	77 08	21 28
राजनगर	28 42	77 08	21 28
राजपुर	28 41	77 12	21 12
राजा गार्डन	28 40	77 08	21 28
राजा पार्क	28 41	77 08	21 28
राजेन्द्रा नगर	28 39	77 11	21 16
राजेन्द्रा प्लेस	28 39	77 11	21 16
राजोरी गार्डन	28 39	77 07	21 32
राधु पैलेस	28 39	77 17	20 52
राधेपुरी	28 40	77 17	20 52
राम नगर	28 39	77 13	21 08
राम नगर	28 42	77 17	20 52
राम विहार	28 44	77 18	20 48
राणा प्रताप बाग़	28 42	77 11	21 16
रानी बाग़	28 42	77 08	21 28
राजीव नगर	28 45	77 10	21 20
रामेश्वर नगर	28 43	77 11	21 16
राष्ट्रपति भवन	28 37	77 13	21 08
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान	28 37	77 06	21 36
रिथाला	28 43	77 06	21 36
रेलवे कॉलोनी	28 41	77 09	21 24
रेलवे क्वार्टरज़	28 40	77 11	21 16
रेलवे स्टेशन्ज़			
आज़ादपुर	28 43	77 10	21 20
ओखला	28 34	77 16	20 56
ओल्ड (पुरानी) दिल्ली	28 40	77 14	21 04
किशनगंज	28 40	77 12	21 12
कीर्ति नगर	28 39	77 09	21 24
चाणक्यपुरी	28 36	77 10	21 20
तिलक ब्रिज	28 38	77 14	21 04
दया बस्ती	28 41	77 10	21 20
नरैना विहार	28 38	77 13	21 08
नासिरपुर	28 36	77 07	21 32
न्यू आज़ादपुर	28 43	77 10	21 20
न्यू दिल्ली	28 39	77 13	21 08
पटेल नगर	28 40	77 09	21 24
पालम	28 35	77 06	21 36
प्रगति मैदान	28 37	77 15	21 00
बरार स्क्वेयर	28 37	77 09	21 24

दिल्ली के अक्षांश–रेखांश

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.
रेलवे स्टेशन्ज़ (क्रमागत)			
मंगोलपुरी	28 41	77 06	21 36
मिन्टो ब्रिज	28 38	77 13	21 08
लाजपत नगर	28 35	77 15	21 00
लोधी कॉलोनी	28 35	77 13	21 08
शकूर बस्ती	28 41	77 08	21 28
शाहदरा	28 41	77 12	21 12
शिवाजी	28 38	77 13	21 08
सदर बाज़ार	28 40	77 13	21 08
सफदरजंग	28 35	77 12	21 12
सब्ज़ी मण्डी	28 40	77 12	21 12
सरदार पटेल मार्ग	28 36	77 10	21 20
सराय रोहिला	28 40	77 11	21 16
सरोजिनी नगर	28 35	77 12	21 12
सेवा नगर	28 35	77 12	21 12
हज़रत निज़ामुद्दीन	28 36	77 15	21 00
रोशन आरा	28 40	77 12	21 12
रोहतास नगर	28 42	77 17	20 52
रोहिणी	28 44	77 08	21 28
लक्ष्मी गार्डन	28 44	77 18	20 48
लक्ष्मी नगर	28 39	77 17	20 52
लक्ष्मीबाई नगर	28 22	77 13	21 08
लाजपत नगर	28 35	77 15	21 00
लाजवन्ती गार्डन	28 37	77 07	21 32
लाडो सराय	28 31	77 12	21 12
लारेंसरोड इण्डस्ट्रियल एरिया	28 42	77 09	21 24
लाल किला	28 40	77 14	21 04
लालकुआं	28 30	77 17	20 52
लेखू नगर	28 41	77 10	21 20
लैहरी कॉलोनी	28 40	77 17	20 52
लोक विहार	28 42	77 08	21 28
लोधी कॉलोनी	28 35	77 13	21 08
लोधी रोड	28 26	77 14	21 04
लोधी रोड कॉम्प्लैक्स	28 26	77 14	21 04
वगरौला	28 34	77 04	21 44
वज़ीरपुर	28 42	77 11	21 16
वज़ीराबाद	28 44	77 13	21 08
वज़ीराबाद मन्दिर वाला	28 44	77 13	21 08
वर्धमान नगर	28 41	77 11	21 16
वशिष्ट पार्क	28 37	77 06	21 36
वसन्त कुञ्ज	28 32	77 10	21 20
वसन्त विहार	28 34	77 10	21 20
वसुधा एन्क्लेव	28 42	77 09	21 24

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.
वायुसेनाबाद	28 31	77 15	21 00
विकास कुञ्ज	28 45	77 18	20 48
विकासपुरी	28 39	77 05	21 40
विजय घाट	28 40	77 15	21 00
विजय नगर	28 42	77 12	21 12
विनोद नगर	28 38	77 18	20 48
विनोबापुरी	28 34	77 15	21 00
विवेकानन्द नगर	28 41	77 10	21 20
विश्वास नगर	28 41	77 17	20 52
विशाखा एन्क्लेव	28 43	77 09	21 24
विष्णु गार्डन	28 39	77 06	21 36
वीर नगर	28 42	77 11	21 16
वैशाली एन्क्लेव	28 43	77 08	21 28
वैस्ट पटेल नगर	28 40	77 10	21 20
वैस्ट करावल नगर	28 44	77 15	21 00
वैस्ट एण्ड	28 35	77 10	21 20
वैस्ट एन्क्लेव	28 42	77 06	21 36
शक्कर पुर (शंकरपुर)	28 38	77 17	20 52
शंकर नगर	28 40	77 16	20 56
शक्ति गार्डन	28 43	77 17	20 52
शक्तिनगर	28 42	77 12	21 12
शकूर बस्ती	28 41	77 08	21 28
शकूरपुर कॉलोनी	28 42	77 09	21 24
शम्सपुर	28 36	77 17	20 52
शादीपुर	28 38	77 11	21 16
शान्ति नगर	28 41	77 10	21 20
शान्ति निकेतन	28 35	77 10	21 20
शाम नगर	28 39	77 06	21 36
शामेपुर	28 44	77 08	21 28
शालामार	28 44	77 09	21 24
शालीमार बाग़	28 43	77 09	21 24
शारदापुरी कॉलोनी	28 39	77 08	21 28
शास्त्री नगर	28 41	77 11	21 16
शाहदरा	28 41	77 17	20 52
श्यामगिर	28 41	77 14	21 04
श्याम नगर	28 33	77 16	20 56
शिंगालपुर	28 43	77 09	21 24
शिवनगर	28 38	77 06	21 36
शिवाजी पार्क	28 42	77 17	20 52
शिवपुरी	28 40	77 17	20 52
शेख सराय	28 32	77 14	21 04
शेरपुर	28 44	77 15	21 00
श्रीनगर गार्डन	28 41	77 08	21 28

दिल्ली के अक्षांश–रेखांश

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.
श्रीनिवास पुरी	28 34	77 15	21 00
श्रीराम नगर	28 41	77 18	20 48
श्रीलालबहादुर शास्त्री– –राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ	28 33	77 12	21 12
संगम विहार	28 31	77 15	21 00
संतगढ़	28 39	77 06	21 36
सन्तनगर	28 39	77 11	21 16
सत्यावती नगर	28 42	77 11	21 16
सकदार पुर	28 42	77 11	20 52
सफ़दरजंग एन्क्लेव	28 34	77 12	21 12
सब्ज़ी मण्डी	28 41	77 12	21 12
सम्राट् एन्क्लेव	28 42	77 08	21 28
सरदार बाज़ार	28 40	77 13	21 08
सराय काले खां	28 35	77 15	21 00
सराय रोहिला (रोहेला)	28 40	77 11	21 16
सर्वोदय एन्क्लेव	28 32	77 12	21 12
सरस्वती विहार	28 42	77 08	21 28
सरिता विहार	28 32	77 18	20 48
सरोजिनी नगर	28 35	77 12	21 12
सर्विस ऑफिसर एन्क्लेव	28 36	77 11	21 16
साऊथ एक्सटेन्शन	28 35	77 14	21 04
साऊथ गणेश नगर	28 38	77 17	20 52
साऊथ पटेल नगर	28 39	77 10	21 20
साकेत	28 31	77 13	21 16
सागरपुर	28 36	77 06	21 36
सादिक (सदीक) नगर	28 34	77 14	21 04
साध नगर	28 35	77 06	21 36
साबोली	28 43	77 18	20 48
सावन पार्क	28 42	77 11	21 16
सारदा विहार	28 42	77 07	21 32
सांवल नगर	28 34	77 14	21 04
साहपुरा	28 39	77 06	21 36
साहीपुर	28 44	77 10	21 20
सिदीपुरा	28 40	77 12	21 12
सिद्धार्थ एन्क्लेव	28 35	77 15	21 00
सिलमपुर	28 41	77 16	20 56
सिविल एविएशन कॉलोनी	28 35	77 13	21 08
सिविल लाइन्ज़	28 41	77 13	21 08
सी. जी. ओ. कॉम्प्लेक्स	28 36	77 14	21 04
सीतापुरी	28 37	77 05	21 40
स्वामी नगर	28 33	77 14	21 04
सुदर्शन पार्क	28 40	77 08	21 28
सुन्दर नगर	28 37	77 15	21 00
सुन्दर विहार	28 40	77 05	21 40
सुप्रीम कोर्ट	28 38	77 15	21 00
सुब्रोतो पार्क	28 35	77 09	21 24
सुभद्रा कॉलोनी	28 41	77 11	21 16
सुभाष नगर	28 38	77 07	21 32
सूर्य एन्क्लेव	28 42	77 07	21 32
सेंट जेम्ज़ चर्च	28 40	77 16	20 56
सेवा नगर	28 35	77 14	21 04
सैदत (सदात) पु	28 44	77 15	21 00
सैनिक विहार	28 42	77 08	21 28
हरकेश नगर	28 33	77 16	20 56
हरि नगर	28 38	77 07	21 32
हॉस्पिटल्ज़			
इन्टरनैशनल	28 36	77 11	21 16
इ. एस. आई.	28 40	77 08	21 28
इरविन	28 39	77 14	21 04
ए. आई. आई. एम. एस.	28 34	77 13	21 08
एस्कॉर्ट	28 34	77 17	20 52
कलावती	28 31	77 06	21 36
कस्तूरबा	28 39	77 14	21 04
गुजरमल मोदी	28 32	77 13	21 08
गुरु नानक	28 39	77 14	21 04
गोविन्द वल्लभ पन्त	28 39	77 14	21 04
जीवन नर्सिंग होम	28 35	77 15	21 00
जे. के. कपूर मेमोरियल	28 39	77 09	21 24
जे. एन. यू. होम्योपैथी	28 34	77 14	21 04
जे. एन. होम्योपैथी	28 34	77 12	21 12
डॉ. बी. एल. कपूर	28 39	77 11	21 16
डॉ. लोहिया चिल्ड्रन्स	28 40	77 12	21 12
तीर्थराम	28 41	77 13	21 08
दयानन्द होम्योपैथिक	28 32	77 13	21 08
दीनदयाल उपाध्याय	28 38	77 07	21 32
देहली मैटर्निटी	28 39	77 11	21 16
नार्दर्न रेलवे	28 39	77 13	21 08
बत्रा	28 31	77 15	21 00
बालक राम	28 43	77 13	21 08
बेस	28 36	77 08	21 28
महर्षि वाल्मीकि	28 43	77 12	21 12

क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)	क्षेत्र	अक्षांश (उत्तर)	रेखांश (पूर्व)	स्टैण्डर्ड अन्तर (ऋण)
	अं. क.	अं. क.	मि. से.		अं. क.	अं. क.	मि. से.
हॉस्पिटल्ज़ (क्रमागत)				सिविल	28 41	77 17	20 52
माजीदिया	28 31	77 15	21 00	सी.जी.एच.एण्ड–गाइना– –एण्ड मैटर्निटी	28 36	77 08	21 28
मि. गिरधारी लाल	28 39	77 13	21 08	सुचेता कृपलानी	28 39	77 13	21 08
मूलचन्द	28 34	77 14	21 04	सूजन महेन्द्रा	28 34	77 16	20 56
राम मनोहर लोहिया	28 38	77 12	21 12	सेंट स्टीफिन्स	28 40	77 13	21 08
राम स्वरूप (टी. बी.)	28 32	77 12	21 12	सेंटरल नार्दर्न रेलवे (N.R)	28 39	77 13	21 08
रैडक्रॉस सोसाइटी	28 36	77 14	21 04	हमदर्द नर्सिंग होम	28 31	77 15	21 00
लॉयन्ज़	28 35	77 16	20 56	हिन्दू राव	28 41	77 12	21 12
लेडी हॉर्डिंग	28 39	77 13	21 08	होली फैमिली	28 34	77 17	20 52
विलिंग्टन	28 38	77 12	21 12				
वी. भाई पटेल (चैस्ट)	28 42	77 12	21 12	हिम्मतपुरी	28 37	77 18	20 48
स्परिंग मीडोज़	28 34	77 15	21 00	हेमकुण्ट कॉलोनी	28 33	77 15	21 00
सफदरजंग	28 34	77 12	21 12	हैदरपुर	28 44	77 09	21 24
सर गंगाराम	28 39	77 12	21 12	हौज़ खास	28 33	77 12	21 12

दैनिक लग्नप्रारम्भकाल सारणी (भा.स्टैं.टा.) दिल्ली (DELHI) जनवरी—फरवरी (JAN.-FEB.)

जन.	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
ता.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	8 10	9 53	11 21	12 45	14 21	16 16	18 30	20 50	23 09	1 25	3 43	6 02
2	8 06	9 49	11 17	12 41	14 17	16 12	18 26	20 47	23 05	1 21	3 39	5 58
3	8 02	9 45	11 13	12 37	14 13	16 08	18 22	20 43	23 01	1 17	3 35	5 54
4	7 58	9 41	11 09	12 33	14 09	16 04	18 18	20 39	22 57	1 13	3 31	5 50
5	7 54	9 37	11 05	12 29	14 05	16 00	18 14	20 35	22 53	1 09	3 27	5 46
6	7 50	9 33	11 01	12 25	14 01	15 56	18 10	20 31	22 49	1 05	3 23	5 42
7	7 46	9 29	10 57	12 21	13 57	15 52	18 06	20 27	22 45	1 01	3 19	5 38
8	7 42	9 25	10 53	12 17	13 53	15 48	18 02	20 23	22 41	0 57	3 15	5 34
9	7 38	9 21	10 49	12 13	13 49	15 44	17 58	20 18	22 37	0 53	3 11	5 30
10	7 34	9 17	10 45	12 09	13 45	15 40	17 54	20 15	22 33	0 49	3 07	5 26
11	7 30	9 13	10 41	12 05	13 41	15 36	17 50	20 11	22 29	0 45	3 03	5 22
12	7 26	9 09	10 37	12 01	13 37	15 32	17 46	20 07	22 25	0 41	2 59	5 18
13	7 22	9 05	10 33	11 57	13 33	15 28	17 42	20 04	22 22	0 37	2 55	5 14
14	7 18	9 01	10 29	11 53	13 29	15 24	17 38	20 00	22 18	0 33	2 51	5 10
15	7 14	8 57	10 25	11 49	13 25	15 20	17 34	19 56	22 14	0 29	2 47	5 06
16	7 10	8 54	10 22	11 46	13 22	15 17	17 31	19 52	22 10	0 26	2 43	5 02
17	7 06	8 50	10 18	11 42	13 18	15 13	17 27	19 48	22 06	0 22	2 39	4 58
18	7 02	8 46	10 14	11 38	13 14	15 09	17 23	19 44	22 02	0 18	2 35	4 54
19	6 58	8 42	10 10	11 34	13 10	15 05	17 19	19 40	21 58	0 14	2 31	4 51
20	6 54	8 38	10 06	11 30	13 06	15 01	17 15	19 36	21 54	0 10	2 27	4 47
21	6 50	8 34	10 02	11 26	13 02	14 57	17 11	19 32	21 50	0 06	2 23	4 43
22	6 47	8 30	9 58	11 22	12 58	14 53	17 07	19 28	21 46	0 02	2 19	4 39
23	6 43	8 26	9 54	11 18	12 54	14 49	17 03	19 24	21 42	23 58	2 15	4 35
24	6 39	8 22	9 50	11 14	12 50	14 45	16 59	19 20	21 38	23 54	2 12	4 31
25	6 35	8 18	9 46	11 10	12 46	14 41	16 55	19 16	21 34	23 50	2 08	4 27
26	6 31	8 15	9 43	11 07	12 43	14 38	16 52	19 13	21 31	23 47	2 04	4 23
27	6 27	8 11	9 39	11 03	12 39	14 34	16 48	19 09	21 27	23 43	2 00	4 19
28	6 23	8 07	9 35	10 59	12 35	14 30	16 44	19 05	21 23	23 39	1 56	4 16
29	6 19	8 03	9 31	10 55	12 31	14 26	16 40	19 01	21 19	23 35	1 52	4 12
30	6 15	7 59	9 27	10 51	12 27	14 22	16 36	18 57	21 15	23 31	1 48	4 08
31	6 12	7 55	9 23	10 47	12 23	14 18	16 32	18 53	21 11	23 27	1 44	4 04
फर 1	6 08	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

फर.	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
1	7 51	9 19	10 43	12 19	14 14	16 28	18 49	21 07	23 23	1 40	4 00	6 04
2	7 47	9 15	10 39	12 15	14 10	16 24	18 45	21 03	23 19	1 36	3 56	6 00
3	7 43	9 11	10 35	12 11	14 06	16 20	18 41	20 59	23 15	1 32	3 52	5 56
4	7 39	9 07	10 31	12 07	14 02	16 16	18 37	20 55	23 11	1 28	3 48	5 52
5	7 35	9 03	10 27	12 03	13 58	16 12	18 33	20 52	23 07	1 24	3 44	5 48
6	7 31	8 59	10 23	11 59	13 54	16 08	18 29	20 48	23 03	1 21	3 40	5 44
7	7 27	8 55	10 19	11 55	13 50	16 04	18 25	20 44	22 59	1 17	3 36	5 40
8	7 23	8 51	10 15	11 51	13 46	16 00	18 21	20 40	22 55	1 13	3 32	5 36
9	7 19	8 47	10 11	11 47	13 42	15 56	18 18	20 36	22 51	1 09	3 28	5 32
10	7 15	8 43	10 07	11 43	13 38	15 52	18 14	20 32	22 47	1 05	3 24	5 28
11	7 11	8 39	10 03	11 39	13 34	15 48	18 10	20 28	22 43	1 01	3 20	5 24
12	7 07	8 35	9 59	11 35	13 30	15 44	18 06	20 24	22 39	0 57	3 16	5 20
13	7 04	8 31	9 55	11 31	13 26	15 40	18 02	20 20	22 35	0 53	3 12	5 16
14	7 00	8 27	9 51	11 27	13 22	15 36	17 58	20 16	22 31	0 49	3 08	5 12
15	6 56	8 23	9 47	11 23	13 18	15 32	17 54	20 12	22 27	0 45	3 04	5 08
16	6 52	8 19	9 43	11 19	13 14	15 28	17 50	20 08	22 23	0 41	3 00	5 04
17	6 48	8 15	9 39	11 15	13 10	15 24	17 46	20 04	22 19	0 37	2 56	5 01
18	6 44	8 11	9 35	11 11	13 06	15 20	17 42	20 00	22 15	0 33	2 52	4 57
19	6 40	8 07	9 31	11 07	13 02	15 16	17 38	19 56	22 11	0 29	2 48	4 53
20	6 36	8 04	9 28	11 04	12 58	15 13	17 34	19 52	22 07	0 25	2 44	4 49
21	6 32	8 00	9 24	11 00	12 55	15 09	17 30	19 48	22 03	0 21	2 41	4 45
22	6 28	7 56	9 20	10 56	12 51	15 05	17 26	19 44	21 59	0 17	2 37	4 41
23	6 24	7 52	9 16	10 52	12 47	15 01	17 22	19 40	21 55	0 14	2 33	4 37
24	6 20	7 48	9 12	10 48	12 43	14 57	17 18	19 36	21 51	0 10	2 29	4 33
25	6 16	7 44	9 08	10 44	12 39	14 53	17 14	19 32	21 47	0 06	2 25	4 29
26	6 12	7 40	9 04	10 40	12 35	14 49	17 10	19 28	21 43	0 02	2 21	4 25
27	6 08	7 36	9 00	10 36	12 31	14 45	17 06	19 24	21 39	23 58	2 17	4 21
28	6 05	7 32	8 57	10 32	12 27	14 41	17 02	19 20	21 35	23 54	2 13	4 17
मार्च 1	6 01	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

दैनिक लग्न प्रारम्भकाल सारणी (भा. स्टैं. टा.) दिल्ली (DELHI) मार्च अप्रैल (MAR.-APR.)

मार्च ता.	मीन घं. मि.	मेष घं. मि.	वृष घं. मि.	मिथुन घं. मि.	कर्क घं. मि.	सिंह घं. मि.	कन्या घं. मि.	तुला घं. मि.	वृश्चिक घं. मि.	धनु घं. मि.	मकर घं. मि.	कुम्भ घं. मि.
1	7 28	8 53	10 28	12 23	14 37	16 58	19 16	21 31	23 50	2 09	4 13	5 57
2	7 24	8 49	10 24	12 19	14 33	16 54	19 12	21 27	23 46	2 05	4 09	5 53
3	7 21	8 45	10 21	12 16	14 30	16 50	19 08	21 23	23 42	2 01	4 05	5 49
4	7 17	8 41	10 17	12 12	14 26	16 46	19 04	21 19	23 38	1 57	4 01	5 45
5	7 13	8 37	10 13	12 08	14 22	16 42	19 00	21 15	23 35	1 53	3 58	5 41
6	7 09	8 33	10 09	12 04	14 18	16 38	18 56	21 11	23 31	1 49	3 54	5 37
7	7 05	8 29	10 05	12 00	14 14	16 34	18 52	21 08	23 27	1 45	3 50	5 33
8	7 01	8 25	10 01	11 56	14 10	16 30	18 48	21 04	23 23	1 41	3 46	5 29
9	6 57	8 21	9 57	11 52	14 06	16 27	18 45	21 00	23 19	1 38	3 42	5 25
10	6 53	8 17	9 53	11 48	14 02	16 23	18 41	20 56	23 15	1 34	3 38	5 21
11	6 49	8 13	9 49	11 44	13 58	16 19	18 37	20 52	23 11	1 30	3 34	5 17
12	6 45	8 09	9 45	11 40	13 54	16 15	18 33	20 48	23 08	1 26	3 30	5 14
13	6 41	8 05	9 41	11 36	13 50	16 11	18 29	20 44	23 04	1 23	3 27	5 10
14	6 37	8 01	9 37	11 32	13 46	16 07	18 25	20 40	23 00	1 19	3 23	5 06
15	6 33	7 57	9 33	11 28	13 42	16 03	18 21	20 36	22 56	1 15	3 19	5 02
16	6 29	7 53	9 29	11 24	13 38	15 59	18 17	20 32	22 52	1 11	3 15	4 58
17	6 25	7 49	9 25	11 20	13 34	15 55	18 13	20 28	22 48	1 07	3 11	4 54
18	6 21	7 45	9 21	11 16	13 30	15 51	18 09	20 24	22 44	1 03	3 07	4 50
19	6 17	7 41	9 17	11 12	13 26	15 47	18 05	20 20	22 40	0 59	3 03	4 46
20	6 13	7 37	9 13	11 08	13 23	15 43	18 01	20 16	22 36	0 55	2 59	4 42
21	6 09	7 33	9 09	11 04	13 19	15 39	17 57	20 12	22 32	0 51	2 55	4 38
22	6 05	7 29	9 05	11 00	13 15	15 35	17 53	20 08	22 28	0 47	2 51	4 34
23	6 01	7 26	9 01	10 56	13 11	15 31	17 49	20 04	22 24	0 43	2 47	4 30
24	5 57	7 22	8 57	10 53	13 07	15 27	17 45	20 00	22 20	0 39	2 43	4 27
25	5 53	7 18	8 53	10 49	13 03	15 23	17 41	19 56	22 16	0 35	2 39	4 23
26	5 49	7 14	8 49	10 45	12 59	15 19	17 37	19 53	22 12	0 31	2 35	4 19
27	5 45	7 10	8 46	10 41	12 55	15 15	17 33	19 49	22 08	0 27	2 31	4 15
28	5 41	7 06	8 42	10 37	12 51	15 11	17 29	19 45	22 04	0 23	2 28	4 11
29	5 37	7 02	8 38	10 33	12 47	15 07	17 25	19 41	22 00	0 19	2 24	4 07
30	5 34	6 58	8 34	10 29	12 44	15 03	17 21	19 37	21 56	0 15	2 20	4 03
31	5 30	6 54	8 30	10 25	12 40	14 59	17 17	19 33	21 52	0 11	2 16	3 59
अप्रै.1	5 26	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

अप्रै.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	6 50	8 26	10 21	12 36	14 55	17 13	19 29	21 48	0 07	2 12	3 55	5 22
2	6 46	8 22	10 17	12 32	14 51	17 09	19 25	21 44	0 03	2 08	3 51	5 18
3	6 42	8 18	10 13	12 28	14 47	17 05	19 21	21 40	23 59	2 04	3 47	5 14
4	6 38	8 14	10 09	12 24	14 43	17 01	19 18	21 36	23 55	2 00	3 43	5 10
5	6 34	8 10	10 05	12 20	14 39	16 57	19 14	21 33	23 52	1 56	3 39	5 06
6	6 31	8 07	10 01	12 16	14 35	16 53	19 10	21 29	23 48	1 52	3 35	5 02
7	6 27	8 03	9 58	12 12	14 31	16 49	19 06	21 25	23 44	1 48	3 31	4 58
8	6 23	7 59	9 54	12 08	14 27	16 46	19 02	21 21	23 40	1 44	3 27	4 54
9	6 19	7 55	9 50	12 04	14 23	16 42	18 58	21 17	23 36	1 40	3 23	4 51
10	6 15	7 51	9 46	12 00	14 20	16 38	18 54	21 13	23 32	1 36	3 19	4 47
11	6 11	7 47	9 42	11 56	14 16	16 34	18 50	21 09	23 28	1 32	3 15	4 43
12	6 07	7 43	9 38	11 52	14 12	16 30	18 46	21 05	23 24	1 28	3 11	4 39
13	6 03	7 39	9 34	11 48	14 08	16 26	18 42	21 01	23 20	1 24	3 07	4 35
14	5 59	7 35	9 30	11 44	14 04	16 22	18 38	20 57	23 16	1 20	3 03	4 31
15	5 55	7 31	9 26	11 41	14 00	16 18	18 34	20 53	23 12	1 16	2 59	4 27
16	5 51	7 27	9 22	11 37	13 56	16 14	18 30	20 49	23 08	1 12	2 55	4 23
17	5 47	7 23	9 18	11 33	13 52	16 10	18 26	20 45	23 04	1 08	2 51	4 19
18	5 43	7 19	9 15	11 29	13 49	16 06	18 23	20 41	23 00	1 04	2 47	4 15
19	5 39	7 15	9 11	11 25	13 45	16 02	18 19	20 37	22 56	1 00	2 43	4 11
20	5 35	7 11	9 07	11 21	13 41	15 58	18 15	20 33	22 52	0 56	2 39	4 07
21	5 31	7 07	9 03	11 17	13 37	15 54	18 11	20 29	22 49	0 52	2 35	4 03
22	5 27	7 03	8 59	11 13	13 33	15 50	18 07	20 25	22 45	0 48	2 31	3 59
23	5 23	6 59	8 55	11 09	13 29	15 46	18 03	20 22	22 41	0 44	2 27	3 55
24	5 19	6 55	8 51	11 05	13 25	15 42	17 59	22 18	22 37	0 40	2 23	3 51
25	5 15	6 51	8 47	11 01	13 21	15 38	17 55	20 14	22 33	0 36	2 19	3 47
26	5 11	6 47	8 43	10 57	13 17	15 34	17 51	20 10	22 29	0 32	2 15	3 43
27	5 07	6 44	8 39	10 53	13 13	15 30	17 47	20 06	22 25	0 28	2 11	3 39
28	5 03	6 40	8 35	10 49	13 10	15 26	17 43	20 02	22 21	0 24	2 07	3 35
29	4 59	6 36	8 31	10 45	13 06	15 22	17 39	19 58	22 17	0 20	2 03	3 31
30	4 55	6 32	8 27	10 41	13 02	15 19	17 35	19 54	22 13	0 17	1 59	3 27
मई 1	4 51	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

दैनिक लग्न प्रारम्भकाल सारणी (भा.स्टैं.टा.) दिल्ली (DELHI) मई–जून (MAY-JUNE)

मई	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
ता.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	6 28	8 23	10 37	12 58	15 15	17 31	19 50	22 09	0 13	1 56	3 23	4 47
2	6 24	8 19	10 33	12 54	15 11	17 27	19 46	22 05	0 09	1 52	3 19	4 44
3	6 20	8 15	10 29	12 50	15 07	17 24	19 42	22 01	0 05	1 48	3 16	4 40
4	6 16	8 11	10 25	12 46	15 03	17 20	19 38	21 57	0 01	1 44	3 12	4 36
5	6 12	8 07	10 21	12 42	14 59	17 16	19 34	21 53	23 57	1 40	3 08	4 32
6	6 08	8 03	10 17	12 38	14 55	17 12	19 30	21 49	23 53	1 36	3 04	4 28
7	6 04	7 59	10 13	12 34	14 51	17 08	19 26	21 45	23 49	1 32	3 00	4 24
8	6 00	7 55	10 09	12 30	14 47	17 04	19 22	21 41	23 45	1 28	2 56	4 20
9	5 56	7 51	10 05	12 26	14 43	17 00	19 18	21 37	23 41	1 24	2 52	4 16
10	5 52	7 47	10 01	12 22	14 39	16 56	19 14	21 33	23 37	1 20	2 48	4 12
11	5 48	7 44	9 57	12 18	14 35	16 52	19 10	21 29	23 33	1 16	2 44	4 08
12	5 44	7 40	9 53	12 14	14 31	16 48	19 06	21 25	23 29	1 12	2 40	4 04
13	5 40	7 36	9 49	12 10	14 28	16 44	19 02	21 21	23 25	1 08	2 36	4 00
14	5 36	7 32	9 45	12 06	14 24	16 40	18 58	21 17	23 21	1 04	2 32	3 56
15	5 32	7 28	9 41	12 02	14 20	16 36	18 54	21 13	23 17	1 00	2 28	3 52
16	5 28	7 24	9 37	11 58	14 16	16 32	18 50	21 09	23 13	0 56	2 24	3 48
17	5 24	7 20	9 33	11 54	14 12	16 28	18 46	21 05	23 09	0 52	2 20	3 44
18	5 20	7 16	9 29	11 50	14 08	16 24	18 42	21 01	23 05	0 48	2 16	3 40
19	5 16	7 12	9 25	11 46	14 04	16 20	18 38	20 57	23 01	0 44	2 12	3 36
20	5 12	7 08	9 21	11 42	14 00	16 16	18 34	20 53	22 57	0 40	2 09	3 32
21	5 08	7 04	9 17	11 38	13 56	16 12	18 30	20 49	22 53	0 36	2 05	3 28
22	5 04	7 00	9 13	11 34	13 52	16 08	18 26	20 45	22 49	0 32	2 01	3 24
23	5 00	6 56	9 09	11 30	13 48	16 04	18 22	20 41	22 45	0 28	1 57	3 20
24	4 56	6 52	9 05	11 26	13 44	16 01	18 19	20 38	22 42	0 25	1 53	3 16
25	4 52	6 48	9 01	11 22	13 40	15 57	18 15	20 34	22 38	0 21	1 49	3 12
26	4 48	6 44	8 58	11 18	13 36	15 53	18 11	20 30	22 34	0 17	1 45	3 08
27	4 44	6 40	8 54	11 14	13 32	15 49	18 07	20 26	22 30	0 13	1 41	3 04
28	4 40	6 36	8 50	11 10	13 28	15 45	18 03	20 22	22 26	0 09	1 37	3 01
29	4 36	6 32	8 46	11 06	13 24	14 41	17 59	20 18	22 22	0 05	1 33	2 57
30	4 33	6 28	8 42	11 02	13 20	15 37	17 55	20 14	22 18	0 01	1 29	2 53
31	4 29	6 24	8 38	10 58	13 16	15 33	17 51	20 10	22 14	23 57	1 25	2 49
जून 1	4 25	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

जून	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
1	6 20	8 35	10 54	13 12	15 29	17 47	20 06	22 10	23 53	1 21	2 45	4 21
2	6 16	8 31	10 50	13 08	15 25	17 43	20 02	22 06	23 49	1 17	2 41	4 17
3	6 12	8 27	10 46	13 04	15 21	17 39	19 58	22 02	23 45	1 13	2 37	4 13
4	6 08	8 23	10 42	13 00	15 17	17 35	19 54	21 58	23 41	1 09	2 33	4 09
5	6 04	8 19	10 38	12 56	15 13	17 31	19 50	21 54	23 37	1 05	2 29	4 05
6	6 00	8 15	10 34	12 52	15 09	17 27	19 46	21 50	23 33	1 01	2 25	4 01
7	5 57	8 11	10 31	12 48	15 05	17 23	19 42	21 46	23 29	0 57	2 21	3 58
8	5 53	8 07	10 27	12 44	15 01	17 19	19 39	21 43	23 26	0 53	2 17	3 54
9	5 49	8 03	10 23	12 40	14 58	17 16	19 35	21 39	23 22	0 49	2 13	3 50
10	5 45	7 59	10 19	12 37	14 54	17 12	19 31	21 35	23 18	0 46	2 09	3 46
11	5 41	7 55	10 15	12 33	14 50	17 08	19 27	21 31	23 14	0 42	2 05	3 42
12	5 37	7 51	10 11	12 29	14 46	17 04	19 23	21 27	23 10	0 38	2 02	3 38
13	5 33	7 47	10 07	12 25	14 42	17 00	19 19	21 23	23 06	0 34	1 58	3 34
14	5 29	7 43	10 03	12 21	14 38	16 56	19 15	21 19	23 02	0 30	1 54	3 30
15	5 25	7 39	9 59	12 17	14 34	16 52	19 11	21 15	22 58	0 26	1 50	3 26
16	5 21	7 35	9 55	12 13	14 30	16 48	19 07	21 11	22 54	0 22	1 46	3 22
17	5 17	7 31	9 51	12 09	14 26	16 44	19 03	21 07	22 50	0 18	1 42	3 18
18	5 13	7 27	9 47	12 05	14 22	16 40	18 59	21 03	22 46	0 14	1 38	3 14
19	5 09	7 23	9 43	12 02	14 18	16 36	18 55	20 59	22 42	0 10	1 34	3 10
20	5 05	7 19	9 39	11 58	14 14	16 32	18 51	20 55	22 38	0 06	1 30	3 06
21	5 01	7 15	9 36	11 54	14 10	16 28	18 47	20 51	22 34	0 02	1 26	3 02
22	4 57	7 11	9 32	11 50	14 06	16 24	18 43	20 47	22 30	23 58	1 22	2 58
23	4 53	7 07	9 28	11 46	14 02	16 20	18 39	20 43	22 26	23 54	1 18	2 54
24	4 49	7 03	9 24	11 42	13 58	16 16	18 36	20 39	22 22	23 51	1 15	2 50
25	4 46	6 59	9 20	11 38	13 54	16 13	18 32	20 35	22 18	23 47	1 11	2 46
26	4 42	6 55	9 16	11 34	13 50	16 09	18 28	20 31	22 14	23 43	1 07	2 43
27	4 38	6 51	9 12	11 30	13 46	16 05	18 24	20 27	22 10	23 39	1 03	2 39
28	4 34	6 47	9 09	11 26	14 43	16 01	18 20	20 23	22 06	23 35	0 59	2 35
29	4 30	6 43	9 05	11 23	13 39	15 57	18 16	20 20	22 02	23 31	0 55	2 31
30	4 26	6 39	9 01	11 19	13 35	15 54	18 13	20 16	21 59	23 28	0 52	2 28
जुला 1	4 22	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

जुला.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
ता.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	6 35	8 57	11 15	13 31	15 50	18 09	20 13	21 56	23 24	0 48	2 24	4 18
2	6 31	8 53	11 11	13 27	15 46	18 05	20 09	21 52	23 20	0 44	2 20	4 14
3	6 27	8 49	11 07	13 23	15 42	18 01	20 05	21 48	23 16	0 40	2 16	4 10
4	6 24	8 46	11 04	13 19	15 38	17 57	20 01	21 44	23 12	0 36	2 12	4 06
5	6 20	8 42	11 00	13 15	15 34	17 53	19 57	21 40	23 08	0 32	2 08	4 02
6	6 16	8 38	10 56	13 11	15 30	17 49	19 53	21 36	23 04	0 28	2 04	3 58
7	6 12	8 34	10 52	13 07	15 26	17 46	19 49	21 32	23 00	0 24	2 00	3 55
8	6 09	8 30	10 48	13 04	15 22	17 42	19 46	21 28	22 56	0 21	1 56	3 51
9	6 05	8 26	10 44	13 00	15 18	17 38	19 42	21 24	22 53	0 17	1 53	3 47
10	6 01	8 22	10 40	12 56	15 15	17 34	19 38	21 21	22 49	0 13	1 49	3 43
11	5 57	8 18	10 36	12 52	15 11	17 30	19 34	21 17	22 45	0 09	1 45	3 39
12	5 53	8 14	10 32	12 48	15 07	17 26	19 30	21 13	22 41	0 05	1 41	3 36
13	5 49	8 10	10 28	12 45	15 03	17 22	19 26	21 09	22 37	0 01	1 37	3 32
14	5 45	8 06	10 25	12 41	14 59	17 18	19 22	21 05	22 34	23 57	1 33	3 28
15	5 41	8 03	10 21	12 37	14 55	17 14	19 19	21 02	22 30	23 54	1 30	3 24
16	5 37	7 59	10 17	12 33	14 51	17 10	19 15	20 58	22 26	23 50	1 26	3 20
17	5 34	7 55	10 13	12 29	14 47	17 06	19 11	20 54	22 22	23 46	1 22	3 16
18	5 30	7 51	10 09	12 25	14 43	17 02	19 07	20 50	22 18	23 42	1 18	3 12
19	5 26	7 47	10 05	12 21	14 40	16 58	19 03	20 46	22 14	23 38	1 14	3 08
20	5 22	7 43	10 02	12 17	14 36	16 54	18 59	20 42	22 10	23 34	1 10	3 04
21	5 18	7 39	9 58	12 13	14 32	16 51	18 55	20 38	22 06	23 30	1 06	3 00
22	5 15	7 35	9 54	12 09	14 28	16 47	18 51	20 34	22 02	23 26	1 02	2 56
23	5 11	7 32	9 50	12 05	14 24	16 43	18 47	20 30	21 58	23 22	0 58	2 53
24	5 07	7 28	9 46	12 01	14 20	16 39	18 43	20 26	21 55	23 18	0 54	2 49
25	5 03	7 24	9 42	11 58	14 16	16 35	18 40	20 23	21 51	23 14	0 50	2 45
26	5 00	7 20	9 38	11 54	14 12	16 31	18 36	20 19	21 47	23 10	0 46	2 41
27	4 56	7 16	9 34	11 50	14 08	16 27	18 32	20 15	21 43	23 06	0 42	2 37
28	4 52	7 12	9 30	11 46	14 04	16 23	18 28	20 11	21 39	23 02	0 38	2 34
29	4 48	7 08	9 27	11 42	14 00	16 19	18 24	20 07	21 35	22 58	0 35	2 30
30	4 44	7 04	9 23	11 38	13 56	16 15	18 20	20 03	21 31	22 54	0 31	2 26
31	4 40	7 00	9 19	11 34	13 53	16 12	18 16	19 59	21 27	22 50	0 27	2 22
अग.	4 36	---	-- -	---	---	---	---	---	---	---	---	---

अग.	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
1	6 56	9 15	11 31	13 49	16 08	18 12	19 55	21 23	22 47	0 23	2 18	4 32
2	6 52	9 11	11 27	13 45	16 05	19 09	19 51	21 19	22 43	0 19	2 14	4 28
3	6 48	9 07	11 23	13 42	16 01	18 05	19 47	21 15	22 39	0 15	2 10	4 24
4	6 44	9 03	11 19	13 38	15 57	18 01	19 44	21 11	22 35	0 11	2 06	4 20
5	6 40	9 00	11 15	13 34	15 53	17 57	19 40	21 08	22 31	0 08	2 02	4 16
6	6 36	8 56	11 12	13 30	15 49	17 53	19 36	21 04	22 28	0 04	1 58	4 13
7	6 32	8 52	11 08	13 26	15 45	17 49	19 32	21 00	22 24	0 00	1 54	4 09
8	6 29	8 48	11 04	13 22	15 41	17 45	19 28	20 56	22 20	23 56	1 50	4 05
9	6 25	8 44	11 00	13 18	15 37	17 42	19 24	20 52	22 16	23 52	1 46	4 01
10	6 21	8 41	10 56	13 14	15 33	17 38	19 21	20 48	22 12	23 48	1 43	3 57
11	6 17	8 37	10 53	13 10	15 29	17 34	19 17	20 44	22 08	23 44	1 39	3 54
12	6 13	8 33	10 49	13 06	15 25	17 30	19 13	20 40	22 04	23 40	1 35	3 50
13	6 09	8 29	10 45	13 02	15 21	17 26	19 09	20 36	22 00	23 36	1 32	3 46
14	6 05	8 25	10 41	12 59	15 17	17 22	19 05	20 33	21 56	23 32	1 28	3 42
15	6 01	8 21	10 37	12 55	15 14	17 18	19 01	20 29	21 53	23 29	1 24	3 38
16	5 57	8 17	10 33	12 51	15 10	17 14	18 57	20 25	21 49	23 25	1 20	3 34
17	5 54	8 13	10 29	12 47	15 06	17 10	18 53	20 21	21 45	23 21	1 16	3 30
18	5 50	8 09	10 25	12 43	15 02	17 06	18 49	20 17	21 41	23 17	1 12	3 26
19	5 46	8 05	10 21	12 39	14 58	17 02	18 45	20 13	21 37	23 13	1 08	3 22
20	5 42	8 02	10 17	12 35	14 54	16 58	18 41	20 09	21 33	23 09	1 04	3 18
21	5 39	7 58	10 13	12 31	14 50	16 54	18 37	20 05	21 29	23 05	1 00	3 14
22	5 35	7 54	10 09	12 27	14 46	16 50	18 33	20 01	21 25	23 01	0 56	3 10
23	5 31	7 50	10 05	12 23	14 42	16 46	18 29	19 57	21 21	22 57	0 52	3 06
24	5 27	7 46	10 02	12 19	14 38	16 42	18 25	19 53	21 17	22 53	0 48	3 02
25	5 23	7 42	9 58	12 15	14 34	16 38	18 21	19 49	21 13	22 49	0 44	2 58
26	5 19	7 38	9 54	12 11	14 30	16 34	18 17	19 45	21 09	22 45	0 41	2 54
27	5 15	7 34	9 50	12 08	14 27	16 31	18 14	19 42	21 06	22 42	0 37	2 50
28	5 11	7 30	9 46	12 04	14 23	16 27	18 10	19 38	21 02	22 38	0 33	2 46
29	5 07	7 26	9 42	12 00	14 19	16 23	18 06	19 34	20 58	22 34	0 29	2 42
30	5 03	7 22	9 38	11 56	14 15	16 19	18 02	19 30	20 54	22 30	0 25	2 38
31	4 59	7 18	9 34	11 52	14 11	16 15	17 58	19 26	20 50	22 26	0 21	2 34
सितं. 1	4 55	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

दैनिक लग्नप्रारम्भकाल सारणी (भा. स्टै. टा.) दिल्ली (DELHI) सितम्बर–अक्तूबर (SEP.- OCT.)

सितं.	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
ता.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	7 14	9 30	11 48	14 07	16 11	17 54	19 22	20 46	22 22	0 17	2 31	4 52
2	7 10	9 26	11 44	14 03	16 07	17 50	19 18	20 42	22 18	0 13	2 27	4 48
3	7 06	9 22	11 40	13 59	16 03	17 46	19 14	20 38	22 14	0 09	2 23	4 44
4	7 02	9 18	11 36	13 55	15 59	17 42	19 10	20 34	22 10	0 05	2 19	4 40
5	6 58	9 14	11 32	13 51	15 55	17 38	19 06	20 30	22 06	0 01	2 15	4 36
6	6 54	9 10	11 28	13 47	15 51	17 34	19 02	20 26	22 02	23 57	2 11	4 32
7	6 50	9 06	11 24	13 43	15 47	17 30	18 58	20 22	21 58	23 53	2 07	4 28
8	6 46	9 02	11 20	13 39	15 43	17 26	18 54	20 18	21 54	23 49	2 03	4 24
9	6 42	8 58	11 16	13 35	15 39	17 22	18 50	20 14	21 50	23 45	1 59	4 20
10	6 38	8 54	11 12	13 31	15 35	17 18	18 46	20 10	21 46	23 41	1 55	4 16
11	6 34	8 50	11 08	13 27	15 31	17 14	18 42	20 06	21 42	23 37	1 51	4 12
12	6 30	8 46	11 04	13 23	15 27	17 10	18 38	20 02	21 38	23 33	1 47	4 08
13	6 26	8 42	11 00	13 19	15 23	17 06	18 34	19 58	21 34	23 29	1 43	4 04
14	6 22	8 38	10 56	13 15	15 19	17 02	18 30	19 54	21 30	23 25	1 39	4 00
15	6 18	8 34	10 52	13 11	15 15	16 58	18 26	19 50	21 26	23 21	1 35	3 56
16	6 14	8 30	10 48	13 07	15 11	16 54	18 22	19 46	21 22	23 17	1 31	3 52
17	6 10	8 26	10 44	13 03	15 07	16 50	18 18	19 42	21 18	23 13	1 27	3 48
18	6 06	8 22	10 40	12 59	15 03	16 46	18 14	19 38	21 14	23 09	1 23	3 44
19	6 02	8 18	10 36	12 55	14 59	16 42	18 10	19 34	21 10	23 05	1 19	3 40
20	5 58	8 14	10 32	12 51	14 55	16 38	18 06	19 30	21 06	23 01	1 15	3 36
21	5 54	8 10	10 28	12 47	14 51	16 34	18 02	19 26	21 02	22 57	1 11	3 32
22	5 50	8 06	10 24	12 43	14 47	16 30	17 58	19 22	20 58	22 53	1 07	3 28
23	5 46	8 02	10 20	12 39	14 43	16 26	17 54	19 18	20 54	22 49	1 03	3 24
24	5 42	7 58	10 16	12 35	14 39	16 22	17 50	19 14	20 50	22 45	0 59	3 20
25	5 38	7 54	10 12	12 31	14 35	16 18	17 46	19 10	20 46	22 41	0 55	3 16
26	5 34	7 50	10 08	12 27	14 31	16 14	17 42	19 06	20 42	22 37	0 51	3 12
27	5 30	7 46	10 04	12 23	14 27	16 10	17 38	19 02	20 38	22 33	0 47	3 08
28	5 26	7 42	10 00	12 19	14 23	16 06	17 34	18 58	20 34	22 29	0 43	3 04
29	5 22	7 38	9 56	12 15	14 19	16 02	17 30	18 54	20 30	22 25	0 39	3 00
30	5 18	7 34	9 53	12 12	14 16	15 59	17 27	18 51	20 27	22 22	0 36	2 57
अक्तू. 1	5 15	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

अक्तू.	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
1	7 30	9 49	12 08	14 12	15 55	17 23	18 47	20 23	22 18	0 32	2 53	5 11
2	7 26	9 45	12 04	14 08	15 51	17 19	18 43	20 19	22 14	0 28	2 49	5 07
3	7 23	9 42	12 00	14 04	15 47	17 15	18 39	20 15	22 10	0 24	2 45	5 03
4	7 19	9 38	11 56	14 00	15 43	17 11	18 35	20 11	22 06	0 20	2 41	4 59
5	7 15	9 34	11 52	13 56	15 39	17 07	18 31	20 07	22 02	0 16	2 37	4 55
6	7 11	9 30	11 48	13 52	15 35	17 03	18 27	20 03	21 58	0 12	2 33	4 51
7	7 07	9 26	11 44	13 48	15 31	16 59	18 23	19 59	21 54	0 08	2 29	4 47
8	7 03	9 22	11 40	13 44	15 27	16 55	18 19	19 55	21 50	0 04	2 25	4 43
9	6 59	9 18	11 36	13 40	15 23	16 51	18 15	19 51	21 46	0 00	2 21	4 39
10	6 55	9 14	11 32	13 36	15 19	16 47	18 11	19 47	21 42	23 56	2 17	4 35
11	6 51	9 10	11 28	13 32	15 15	16 43	18 07	19 43	21 38	23 52	2 13	4 31
12	6 47	9 06	11 24	13 28	15 11	16 39	18 03	19 39	21 34	23 48	2 09	4 27
13	6 43	9 02	11 20	13 24	15 07	16 35	17 59	19 35	21 30	23 44	2 05	4 23
14	6 39	8 58	11 16	13 20	15 03	16 31	17 55	19 31	21 26	23 40	2 01	4 19
15	6 35	8 54	11 12	13 16	14 59	16 27	17 51	19 27	21 22	23 36	1 57	4 15
16	6 31	8 50	11 08	13 12	14 55	16 23	17 47	19 23	21 18	23 32	1 53	4 11
17	6 27	8 46	11 04	13 08	14 51	16 19	17 43	19 19	21 14	23 28	1 49	4 07
18	6 23	8 42	11 00	13 04	14 47	16 15	17 39	19 15	21 10	23 24	1 45	4 03
19	6 19	8 38	10 56	13 00	14 43	16 11	17 35	19 11	21 06	23 20	1 41	3 59
20	6 15	8 34	10 52	12 56	14 39	16 07	17 31	19 07	21 02	23 16	1 37	3 55
21	6 11	8 30	10 48	12 52	14 35	16 03	17 27	19 03	20 58	23 12	1 33	3 51
22	6 07	8 26	10 44	12 48	14 31	15 59	17 23	18 59	20 54	23 08	1 29	3 47
23	6 03	8 22	10 40	12 44	14 27	15 55	17 19	18 55	20 50	23 04	1 25	3 43
24	5 59	8 18	10 36	12 40	14 23	15 51	17 15	18 51	20 46	23 00	1 21	3 39
25	5 56	8 15	10 33	12 37	14 20	15 48	17 12	18 48	20 42	22 57	1 17	3 36
26	5 52	8 11	10 29	12 33	14 16	15 44	17 08	18 44	20 38	22 53	1 13	3 32
27	5 48	8 07	10 25	12 29	14 12	15 40	17 04	18 40	20 34	22 49	1 09	3 28
28	5 44	8 03	10 21	12 25	14 08	15 36	17 00	18 36	20 30	22 45	1 06	3 24
29	5 40	7 59	10 17	12 21	14 04	15 32	16 56	18 32	20 27	22 41	1 02	3 20
30	5 36	7 55	10 13	12 17	14 00	15 28	16 52	18 28	20 23	22 37	0 58	3 16
31	5 33	7 51	10 09	12 13	13 56	15 24	16 48	18 24	20 19	22 33	0 54	3 12
नव. 1	5 29	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

दैनिक लग्नप्रारम्भकाल सारणी (अ. स्टैं. टा.) दिल्ली (DELHI) नवम्बर-दिसम्बर (NOV.-DEC.)

नवं.	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
ता.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.	घं. मि.
1	7 47	10 06	12 10	13 53	15 21	16 44	18 20	20 15	22 29	0 50	3 08	5 25
2	7 43	10 02	12 06	13 49	15 17	16 40	18 16	20 11	22 25	0 46	3 04	5 21
3	7 39	9 58	12 02	13 45	15 13	16 37	18 13	20 08	22 22	0 43	3 00	5 17
4	7 35	9 54	11 58	13 41	15 09	16 33	18 09	20 04	22 18	0 39	2 56	5 13
5	7 31	9 50	11 54	13 37	15 05	16 29	18 05	20 00	22 14	0 35	2 52	5 09
6	7 27	9 46	11 50	13 33	15 01	16 25	18 01	19 56	22 10	0 31	2 48	5 05
7	7 24	9 42	11 46	13 29	14 57	16 21	17 57	19 52	22 06	0 27	2 45	5 01
8	7 20	9 38	11 42	13 25	14 53	16 17	17 53	19 48	22 02	0 23	2 41	4 57
9	7 16	9 34	11 38	13 21	14 49	16 13	17 49	19 44	21 58	0 19	2 37	4 53
10	7 12	9 30	11 34	13 17	14 45	16 09	17 45	19 40	21 54	0 15	2 33	4 49
11	7 08	9 26	11 30	13 13	14 41	16 05	17 41	19 36	21 50	0 11	2 29	4 45
12	7 04	9 22	11 26	13 09	14 37	16 01	17 37	19 32	21 46	0 07	2 25	4 41
13	7 00	9 18	11 22	13 05	14 33	15 57	17 33	19 28	21 42	0 03	2 21	4 37
14	6 56	9 14	11 18	13 01	14 29	15 53	17 29	19 24	21 38	23 59	2 17	4 33
15	6 52	9 10	11 14	12 57	14 25	15 49	17 25	19 20	21 34	23 55	2 13	4 29
16	6 48	9 06	11 10	12 53	14 21	15 45	17 21	19 16	21 30	23 51	2 09	4 25
17	6 43	9 02	11 06	12 49	14 17	15 41	17 17	19 12	21 26	23 47	2 05	4 21
18	6 39	8 58	11 02	12 45	14 13	15 37	17 13	19 08	21 22	23 43	2 01	4 17
19	6 35	8 54	10 58	12 41	14 09	15 33	17 09	19 04	21 18	23 39	1 57	4 13
20	6 31	8 50	10 54	12 37	14 05	15 29	17 05	19 00	21 14	23 35	1 53	4 09
21	6 27	8 46	10 50	12 33	14 01	15 25	17 01	18 56	21 10	23 31	1 49	4 05
22	6 23	8 43	10 47	12 30	13 58	15 22	16 58	18 53	21 07	23 28	1 46	4 02
23	6 20	8 39	10 43	12 26	13 54	15 18	16 54	18 49	21 03	23 24	1 42	3 58
24	6 16	8 35	10 39	12 22	13 50	15 14	16 50	18 45	20 59	23 20	1 38	3 54
25	6 12	8 31	10 35	12 18	13 46	15 10	16 46	18 41	20 55	23 16	1 34	3 50
26	6 08	8 28	10 31	12 14	13 42	15 06	16 42	18 37	20 51	23 12	1 30	3 46
27	6 04	8 23	10 27	12 10	13 38	15 02	16 38	18 33	20 47	23 08	1 26	3 42
28	6 00	8 19	10 23	12 06	13 34	14 58	16 34	18 29	20 43	23 04	1 22	3 38
29	5 56	8 16	10 20	12 03	13 31	14 55	16 31	18 26	20 40	23 01	1 19	3 35
30	5 53	8 12	10 16	11 59	13 27	14 51	16 27	18 22	20 36	22 57	1 15	3 31
दिसं.1	5 49	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

दिसं.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
1	8 08	10 12	11 55	13 23	14 47	16 23	18 18	20 32	22 53	1 11	3 27	5 45
2	8 04	10 08	11 51	13 19	14 43	16 19	18 14	20 28	22 49	1 07	3 23	5 41
3	8 00	10 04	11 47	13 15	14 39	16 15	18 10	20 24	22 45	1 03	3 19	5 37
4	7 56	10 00	11 43	13 11	14 35	16 11	18 06	20 20	22 41	0 59	3 15	5 33
5	7 52	9 56	11 39	13 07	14 31	16 07	18 02	20 16	22 37	0 55	3 11	5 29
6	7 48	9 52	11 35	13 03	14 27	16 03	17 58	20 12	22 33	0 51	3 07	5 25
7	7 44	9 48	11 31	12 59	14 23	15 59	17 54	20 08	22 29	0 47	3 03	5 21
8	7 40	9 44	11 27	12 55	14 19	15 55	17 50	20 04	22 25	0 43	2 59	5 17
9	7 36	9 40	11 23	12 51	14 15	15 51	17 46	20 00	22 21	0 39	2 55	5 13
10	7 33	9 37	11 20	12 48	14 12	15 48	17 43	19 57	22 18	0 36	2 52	5 10
11	7 29	9 33	11 16	12 44	14 08	15 44	17 39	19 53	22 14	0 32	2 48	5 06
12	7 25	9 29	11 12	12 40	14 04	15 40	17 35	19 49	22 10	0 28	2 44	5 02
13	7 21	9 25	11 08	12 36	14 01	15 36	17 31	19 45	22 06	0 24	2 40	4 58
14	7 17	9 21	11 04	12 32	13 56	15 32	17 27	19 41	22 02	0 20	2 36	4 54
15	7 13	9 17	11 00	12 28	13 52	15 28	17 23	19 37	21 58	0 16	2 32	4 50
16	7 09	9 13	10 56	12 24	13 48	15 24	17 19	19 33	21 54	0 12	2 28	4 46
17	7 05	9 09	10 52	12 21	13 44	15 20	17 15	19 29	21 50	0 08	2 24	4 42
18	7 01	9 05	10 49	12 17	13 41	15 16	17 11	19 25	21 46	0 04	2 20	4 38
19	6 58	9 01	10 45	12 13	13 36	15 12	17 07	19 21	21 42	0 00	2 16	4 34
20	6 53	8 57	10 41	12 09	13 32	15 08	17 03	19 17	21 38	23 56	2 12	4 30
21	6 49	8 53	10 37	12 05	13 28	15 04	16 59	19 13	21 34	23 52	2 09	4 26
22	6 45	8 49	10 33	12 01	13 24	15 00	16 55	19 10	21 30	23 49	2 05	4 22
23	6 41	8 45	10 29	11 57	13 20	14 56	16 51	19 06	21 26	23 45	2 01	4 18
24	6 37	8 42	10 25	11 53	13 16	14 52	16 48	19 02	21 23	23 41	1 57	4 14
25	6 33	8 38	10 21	11 49	13 12	14 48	16 44	18 58	21 19	23 37	1 53	4 10
26	6 30	8 34	10 17	11 45	13 09	14 44	16 40	18 54	21 15	23 33	1 49	4 06
27	6 26	8 30	10 13	11 41	13 05	14 41	16 36	18 50	21 11	23 29	1 45	4 03
28	6 22	8 26	10 09	11 37	13 01	14 37	16 32	18 46	21 07	23 25	1 41	3 59
29	6 18	8 22	10 05	11 33	12 57	14 33	16 28	18 42	21 03	23 21	1 37	3 55
30	6 14	8 18	10 01	11 29	12 53	14 29	16 24	18 38	20 59	23 17	1 33	3 51
31	6 10	8 14	9 57	11 25	12 49	14 25	16 20	18 34	20 55	23 13	1 29	3 47
जन.	6 06	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

सूर्योदयास्त सारणी – दिल्ली

तारीख	जनवरी				फरवरी				मार्च				अप्रैल				मई				जून			
	उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त		उदय		अस्त	
	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.	घं.	मि.
1	7	18	17	31	7	14	17	56	6	51	18	17	6	16	18	35	5	45	18	52	5	28	19	10
2	7	18	17	32	7	13	17	57	6	50	18	17	6	15	18	35	5	44	18	53	5	28	19	10
3	7	18	17	32	7	12	17	57	6	49	18	18	6	13	18	36	5	43	18	53	5	27	19	11
4	7	19	17	33	7	12	17	58	6	48	18	19	6	12	18	37	5	42	18	54	5	27	19	11
5	7	19	17	34	7	11	17	59	6	46	18	19	6	11	18	37	5	42	18	54	5	27	19	12
6	7	19	17	34	7	11	18	00	6	45	18	20	6	10	18	38	5	41	18	55	5	27	19	12
7	7	19	17	35	7	10	18	01	6	44	18	21	6	09	18	38	5	40	18	56	5	27	19	13
8	7	19	17	36	7	09	18	01	6	43	18	21	6	08	18	39	5	39	18	56	5	27	19	13
9	7	19	17	37	7	09	18	02	6	42	18	22	6	07	18	39	5	39	18	57	5	27	19	14
10	7	19	17	38	7	08	18	03	6	41	18	22	6	06	18	40	5	38	18	57	5	27	19	14
11	7	19	17	38	7	07	18	04	6	40	18	23	6	05	18	40	5	37	18	58	5	27	19	14
12	7	19	17	39	7	06	18	05	6	39	18	24	6	03	18	41	5	37	18	59	5	27	19	15
13	7	19	17	40	7	05	18	05	6	38	18	24	6	02	18	42	5	36	18	59	5	27	19	15
14	7	19	17	41	7	05	18	06	6	37	18	25	6	01	18	42	5	35	19	00	5	27	19	16
15	7	19	17	42	7	04	18	07	6	35	18	25	6	00	18	43	5	35	19	00	5	27	19	16
16	7	19	17	42	7	03	18	08	6	34	18	26	5	59	18	43	5	34	19	01	5	27	19	16
17	7	19	17	43	7	02	18	08	6	33	18	26	5	58	18	44	5	34	19	02	5	27	19	16
18	7	19	17	44	7	01	18	09	6	32	18	27	5	57	18	44	5	33	19	02	5	27	19	17
19	7	19	17	45	7	00	18	10	6	31	18	28	5	56	18	45	5	33	19	03	5	27	19	17
20	7	18	17	46	6	59	18	11	6	30	18	28	5	55	18	45	5	32	19	03	5	28	19	17
21	7	18	17	47	6	59	18	11	6	28	18	29	5	54	18	46	5	32	19	04	5	28	19	17
22	7	18	17	47	6	58	18	12	6	27	18	29	5	53	18	47	5	31	19	04	5	28	19	18
23	7	17	17	48	6	57	18	13	6	26	18	30	5	52	18	47	5	31	19	05	5	28	19	18
24	7	17	17	49	6	56	18	13	6	25	18	30	5	51	18	48	5	30	19	06	5	29	19	18
25	7	17	17	50	6	55	18	14	6	24	18	31	5	50	18	48	5	30	19	06	5	29	19	18
26	7	16	17	51	6	54	18	15	6	23	18	32	5	49	18	49	5	30	19	07	5	29	19	18
27	7	16	17	52	6	53	18	15	6	22	18	32	5	48	18	50	5	29	19	07	5	29	19	18
28	7	16	17	52	6	52	18	16	6	20	18	33	5	47	18	50	5	29	19	08	5	30	19	19
29	7	15	17	53					6	19	18	33	5	47	18	51	5	29	19	08	5	30	19	19
30	7	15	17	54					6	18	18	34	5	46	18	51	5	28	19	09	5	30	19	19
31	7	14	17	55					6	17	18	34					5	28	19	09				

ता.	जुलाई				अगस्त				सितम्बर				अक्तूबर				नवम्बर				दिसम्बर			
1	5	31	19	19	5	46	19	08	6	03	18	39	6	17	18	04	6	37	17	32	7	00	17	20
2	5	31	19	19	5	47	19	08	6	03	18	38	6	18	18	03	6	37	17	32	7	01	17	19
3	5	31	19	19	5	47	19	07	6	04	18	37	6	18	18	02	6	38	17	31	7	02	17	20
4	5	32	19	19	5	48	19	06	6	04	18	36	6	19	18	00	6	39	17	30	7	02	17	20
5	5	32	19	19	5	48	19	05	6	05	18	35	6	20	17	59	6	39	17	29	7	03	17	20
6	5	33	19	19	5	49	19	05	6	05	18	34	6	20	17	58	6	40	17	29	7	04	17	20
7	5	33	19	18	5	49	19	04	6	06	18	33	6	21	17	57	6	41	17	28	7	05	17	20
8	5	34	19	18	5	50	19	03	6	06	18	31	6	21	17	56	6	42	17	27	7	05	17	20
9	5	34	19	18	5	51	19	02	6	06	18	30	6	22	17	55	6	42	17	27	7	06	17	20
10	5	34	19	18	5	51	19	01	6	07	18	29	6	22	17	54	6	43	17	26	7	07	17	20
11	5	35	19	18	5	52	19	01	6	07	18	28	6	23	17	53	6	44	17	26	7	07	17	21
12	5	35	19	18	5	52	19	00	6	08	18	27	6	23	17	51	6	45	17	25	7	08	17	21
13	5	36	19	17	5	53	18	59	6	08	18	25	6	24	17	50	6	46	17	25	7	09	17	21
14	5	36	19	17	5	53	18	58	6	09	18	24	6	25	17	49	6	46	17	24	7	09	17	21
15	5	37	19	17	5	54	18	57	6	09	18	23	6	25	17	48	6	47	17	24	7	10	17	22
16	5	37	19	16	5	54	18	56	6	10	18	22	6	26	17	47	6	48	17	23	7	11	17	22
17	5	38	19	16	5	55	18	55	6	10	18	21	6	26	17	46	6	49	17	23	7	11	17	22
18	5	38	19	16	5	55	18	54	6	11	18	19	6	27	17	45	6	50	17	22	7	12	17	23
19	5	39	19	15	5	56	18	53	6	11	18	18	6	28	17	44	6	50	17	22	7	12	17	23
20	5	39	19	15	5	56	18	52	6	12	18	17	6	28	17	43	6	51	17	22	7	13	17	24
21	5	40	19	14	5	57	18	51	6	12	18	16	6	29	17	42	6	52	17	21	7	13	17	24
22	5	41	19	14	5	57	18	50	6	13	18	15	6	30	17	41	6	53	17	21	7	14	17	25
23	5	41	19	14	5	58	18	49	6	13	18	13	6	30	17	40	6	54	17	21	7	14	17	25
24	5	42	19	13	5	59	18	48	6	14	18	12	6	31	17	39	6	54	17	20	7	15	17	26
25	5	42	19	13	5	59	18	47	6	14	18	11	6	32	17	38	6	55	17	20	7	15	17	26
26	5	43	19	12	6	00	18	46	6	15	18	10	6	32	17	37	6	56	17	20	7	16	17	27
27	5	43	19	11	6	00	18	45	6	15	18	09	6	33	17	37	6	57	17	20	7	16	17	27
28	5	44	19	11	6	01	18	44	6	16	18	07	6	34	17	36	6	58	17	20	7	17	17	28
29	5	44	19	10	6	01	18	43	6	16	18	06	6	34	17	35	6	58	17	20	7	17	17	29
30	5	45	19	10	6	02	18	42	6	17	18	05	6	35	17	34	6	59	17	20	7	17	17	29
31	5	46	19	09	6	02	18	41					6	36	17	33					7	18	17	30

साम्पातिककाल सारणी (1)

(लीप इयर हो तो फरवरी के बाद (मार्च से दिसंबर तक के महीनों में) अभीष्ट तारीख में एक जोड़ कर इस सारणी का प्रयोग करें।)

तारीख	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर
	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.	घं. मि. से.
1	6 36 52	8 39 05	10 29 29	12 31 42	14 29 59	16 32 12	18 30 29	20 32 42	22 34 55	0 33 12	2 35 25	4 33 42
2	6 40 49	8 43 02	10 33 26	12 35 39	14 33 56	16 36 09	18 34 26	20 36 39	22 38 52	0 37 09	2 39 22	4 37 39
3	6 44 45	8 46 58	10 37 22	12 39 35	14 37 52	16 40 05	18 38 22	20 40 35	22 42 48	0 41 05	2 43 18	4 41 35
4	6 48 42	8 50 55	10 41 19	12 43 32	14 41 49	16 44 02	18 42 19	20 44 32	22 46 45	0 45 02	2 47 15	4 45 32
5	6 52 38	8 54 51	10 45 15	12 47 28	14 45 45	16 47 58	18 46 15	20 48 28	22 50 41	0 48 58	2 51 11	4 49 28
6	6 56 35	8 58 48	10 49 12	12 51 25	14 49 42	16 51 55	18 50 12	20 52 25	22 54 38	0 52 55	2 55 08	4 53 25
7	7 00 31	9 02 44	10 53 08	12 55 21	14 53 38	16 55 51	18 54 08	20 56 21	22 58 34	0 56 51	2 59 04	4 57 21
8	7 04 28	9 06 41	10 57 05	12 59 18	14 57 35	16 59 48	18 58 05	21 00 18	23 02 31	1 00 48	3 03 01	5 01 18
9	7 08 24	9 10 37	11 01 01	13 03 14	15 01 31	17 03 44	19 02 01	21 04 14	23 06 27	1 04 44	3 06 57	5 05 14
10	7 12 21	9 14 34	11 04 58	13 07 11	15 05 28	17 07 41	19 05 58	21 08 11	23 10 24	1 08 41	3 10 54	5 09 11
11	7 16 18	9 18 31	11 08 55	13 11 08	15 09 25	17 11 38	19 09 55	21 12 08	23 14 21	1 12 38	3 14 51	5 13 08
12	7 20 14	9 22 27	11 12 51	13 15 04	15 13 21	17 15 34	19 13 51	21 16 04	23 18 17	1 16 34	3 18 47	5 17 04
13	7 24 11	9 26 24	11 16 48	13 19 01	15 17 18	17 19 31	19 17 48	21 20 01	23 22 14	1 20 31	3 22 44	5 21 01
14	7 28 07	9 30 20	11 20 44	13 22 57	15 21 14	17 23 27	19 21 44	21 23 57	23 26 10	1 24 27	3 26 40	5 24 57
15	7 32 04	9 34 17	11 24 41	13 26 54	15 25 11	17 27 24	19 25 41	21 27 54	23 30 07	1 28 24	3 30 37	5 28 54
16	7 36 00	9 38 13	11 28 37	13 30 50	15 29 07	17 31 20	19 29 37	21 31 50	23 34 03	1 32 20	3 34 33	5 32 50
17	7 39 57	9 42 10	11 32 34	13 34 47	15 33 04	17 35 17	19 33 34	21 35 47	23 38 00	1 36 17	3 38 30	5 36 47
18	7 43 53	9 46 06	11 36 30	13 38 43	15 37 00	17 39 13	19 37 30	21 39 43	23 41 56	1 40 13	3 42 26	5 40 43
19	7 47 50	9 50 03	11 40 27	13 42 40	15 40 57	17 43 10	19 41 27	21 43 40	23 45 53	1 44 10	3 46 23	5 44 40
20	7 51 47	9 54 00	11 44 24	13 46 37	15 44 54	17 47 07	19 45 24	21 47 37	23 49 50	1 48 07	3 50 20	5 48 37
21	7 55 43	9 57 56	11 48 20	13 50 33	15 48 50	17 51 03	19 49 20	21 51 33	23 53 46	1 52 03	3 54 16	5 52 33
22	7 59 40	10 01 53	11 52 17	13 54 30	15 52 47	17 55 00	19 53 17	21 55 30	23 57 43	1 56 00	3 58 13	5 56 30
23	8 03 36	10 05 49	11 56 13	13 58 26	15 56 43	17 58 56	19 57 13	21 59 26	0 01 39	1 59 56	4 02 09	6 00 26
24	8 07 33	10 09 46	12 00 10	14 02 23	16 00 40	18 02 53	20 01 10	22 03 23	0 05 36	2 03 53	4 06 06	6 04 23
25	8 11 29	10 13 42	12 04 06	14 06 19	16 04 36	18 06 49	20 05 06	22 07 19	0 09 32	2 07 49	4 10 02	6 08 19
26	8 15 26	10 17 39	12 08 03	14 10 16	16 08 33	18 10 46	20 09 03	22 11 16	0 13 29	2 11 46	4 13 59	6 12 16
27	8 19 22	10 21 35	12 11 59	14 14 12	16 12 29	18 14 42	20 12 59	22 15 12	0 17 25	2 15 42	4 17 55	6 16 12
28	8 23 19	10 25 32	12 15 56	14 18 09	16 16 26	18 18 39	20 16 56	22 19 09	0 21 22	2 19 39	4 21 52	6 20 09
29	8 27 16	(10 29 29)	12 19 53	14 22 06	16 20 23	18 22 36	20 20 53	22 23 06	0 25 19	2 23 36	4 25 49	6 24 06
30	8 31 12	.	12 23 49	14 26 02	16 24 19	18 26 32	20 24 49	22 27 02	0 29 15	2 27 32	4 29 45	6 28 02
31	8 35 09	.	12 27 46	.	16 28 16	.	20 28 46	22 30 59	.	2 31 29	.	6 31 59
32	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	6 35 55

साम्पातिककाल सारणी (2) (वर्षसंस्कार)

सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.	सन्	मि. से.
1901	2 55	1921	3 32	1941	4 09	1961	4 46	1981	5 23	2001	5 59	2021	6 36	2041	7 13	2061	7 50	2081	8 27
1902	1 57	1922	2 34	1942	3 11	1962	3 48	1982	4 25	2002	5 02	2022	5 39	2042	6 16	2062	6 53	2082	7 30
1903	1 00	1923	1 37	1943	2 14	1963	2 51	1983	3 28	2003	4 05	2023	4 42	2043	5 19	2063	5 56	2083	6 33
1904	0 03	1924	0 40	1944	1 17	1964	1 54	1984	2 31	2004	3 08	2024	3 45	2044	4 21	2064	4 58	2084	5 35
1905	3 02	1925	3 39	1945	4 16	1965	4 53	1985	5 30	2005	6 07	2025	6 44	2045	7 21	2065	7 58	2085	8 35
1906	2 05	1926	2 42	1946	3 19	1966	3 56	1986	4 33	2006	5 10	2026	5 46	2046	6 23	2066	7 00	2086	7 37
1907	1 08	1927	1 45	1947	2 21	1967	2 58	1987	3 35	2007	4 12	2027	4 49	2047	5 26	2067	6 03	2087	6 40
1908	0 10	1928	0 47	1948	1 24	1968	2 01	1988	2 38	2008	3 15	2028	3 52	2048	4 29	2068	5 06	2088	5 43
1909	3 10	1929	3 46	1949	4 23	1969	5 00	1989	5 37	2009	6 14	2029	6 51	2049	7 28	2069	8 05	2089	8 42
1910	2 12	1930	2 49	1950	3 26	1970	4 03	1990	4 40	2010	5 17	2030	5 54	2050	6 31	2070	7 08	2090	7 45
1911	1 15	1931	1 52	1951	2 29	1971	3 06	1991	3 43	2011	4 20	2031	4 57	2051	5 34	2071	6 10	2091	6 47
1912	0 18	1932	0 55	1952	1 32	1972	2 08	1992	2 45	2012	3 22	2032	3 59	2052	4 36	2072	5 13	2092	5 50
1913	3 17	1933	3 54	1953	4 31	1973	5 08	1993	5 45	2013	6 22	2033	6 59	2053	7 35	2073	8 12	2093	8 49
1914	2 20	1934	2 57	1954	3 34	1974	4 10	1994	4 47	2014	5 24	2034	6 01	2054	6 38	2074	7 15	2094	7 52
1915	1 22	1935	2 00	1955	2 36	1975	3 13	1995	3 50	2015	4 27	2035	5 04	2055	5 41	2075	6 18	2095	6 55
1916	0 25	1936	1 02	1956	1 39	1976	2 16	1996	2 53	2016	3 30	2036	4 07	2056	4 44	2076	5 21	2096	5 57
1917	3 24	1937	4 01	1957	4 38	1977	5 15	1997	5 52	2017	6 29	2037	7 06	2057	7 43	2077	8 20	2097	8 57
1918	2 27	1938	3 04	1958	3 41	1978	4 18	1998	4 55	2018	5 32	2038	6 09	2058	6 46	2078	7 23	2098	7 59
1919	1 30	1939	2 07	1959	2 44	1979	3 20	1999	3 57	2019	4 34	2039	5 11	2059	5 48	2079	6 25	2099	7 02
1920	0 32	1940	1 09	1960	1 46	1980	2 23	2000	3 00	2020	3 37	2040	4 14	2060	4 51	2080	5 28	2100	6 05

साम्पातिककाल सारणी (3)

(काल संस्कार)

मि.→	0	5	10	15	20	25	30	35	40	45	50	55
घं.↓	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.
0	0 00	0 01	0 02	0 02	0 03	0 04	0 05	0 06	0 07	0 07	0 08	0 09
1	0 10	0 11	0 11	0 12	0 13	0 14	0 15	0 16	0 16	0 17	0 18	0 19
2	0 20	0 21	0 21	0 22	0 23	0 24	0 25	0 25	0 26	0 27	0 28	0 29
3	0 30	0 30	0 31	0 32	0 33	0 34	0 34	0 35	0 36	0 37	0 38	0 39
4	0 39	0 40	0 41	0 42	0 43	0 44	0 44	0 45	0 46	0 47	0 48	0 48
5	0 49	0 50	0 51	0 52	0 53	0 53	0 54	0 55	0 56	0 57	0 57	0 58
6	0 59	1 00	1 01	1 02	1 02	1 03	1 04	1 05	1 06	1 07	1 07	1 08
7	1 09	1 10	1 11	1 11	1 12	1 13	1 14	1 15	1 16	1 16	1 17	1 18
8	1 19	1 20	1 20	1 21	1 22	1 23	1 24	1 25	1 25	1 26	1 27	1 28
9	1 29	1 30	1 30	1 31	1 32	1 33	1 34	1 34	1 35	1 36	1 37	1 38
10	1 39	1 39	1 40	1 41	1 42	1 43	1 43	1 44	1 45	1 46	1 47	1 48
11	1 48	1 49	1 50	1 51	1 52	1 53	1 53	1 54	1 55	1 56	1 57	1 57
12	1 58	1 59	2 00	2 01	2 02	2 02	2 03	2 04	2 05	2 0[illegible]	2 06	2 07
13	2 08	2 09	2 10	2 11	2 11	2 12	2 13	2 14	2 15	2 16	2 16	2 17
14	2 18	2 19	2 20	2 20	2 21	2 22	2 23	2 24	2 25	2 25	2 26	2 27
15	2 28	2 29	2 29	2 30	2 31	2 32	2 33	2 34	2 34	2 35	2 36	2 37
16	2 38	2 39	2 39	2 40	2 41	2 42	2 43	2 43	2 44	2 45	2 46	2 47
17	2 48	2 48	2 49	2 50	2 51	2 52	2 52	2 53	2 54	2 55	2 56	2 57
18	2 57	2 58	2 59	3 00	3 01	3 02	3 02	3 03	3 04	3 05	3 06	3 06
19	3 07	3 08	3 09	3 10	3 11	3 11	3 12	3 13	3 14	3 15	3 15	3 16
20	3 17	3 18	3 19	3 20	3 20	3 21	3 22	3 23	3 24	3 25	3 25	3 26
21	3 27	3 28	3 29	3 29	3 30	3 31	3 32	3 33	3 34	3 34	3 35	3 36
22	3 37	3 38	3 38	3 39	3 40	3 41	3 42	3 43	3 43	3 44	3 45	3 46
23	3 47	3 48	3 48	3 49	3 50	3 51	3 52	3 52	3 53	3 54	3 55	3 56
24	3 56	- -	- -	- -	- -	- -	- -	- -	- -	- -	- -	- -

अयनांश सारणी (भाग 1)

(1 जनवरी को अयनांश)

ई. सन्	अं. क. वि.	ई. सन्	अं. क. वि.	ई. सन्	अं. क. वि.	ई. सन्	अं. क. वि.
1951	23 10 21	1971	23 27 07	1991	23 43 52	2011	24 00 38
1952	23 11 12	1972	23 27 57	1992	23 44 42	2012	24 01 28
1953	23 12 02	1973	23 28 47	1993	23 45 33	2013	24 02 18
1954	23 12 52	1974	23 29 37	1994	23 46 23	2014	24 03 09
1955	23 13 42	1975	23 30 28	1995	23 47 13	2015	24 03 59
1956	23 14 33	1976	23 31 17	1996	23 48 03	2016	24 04 49
1957	23 15 23	1977	23 32 08	1997	23 48 54	2017	24 05 40
1958	23 16 13	1978	23 32 59	1998	23 49 44	2018	24 06 30
1959	23 17 03	1979	23 33 49	1999	23 50 34	2019	24 07 20
1960	23 17 54	1980	23 34 39	2000	23 51 24	2020	24 08 10
1961	23 18 44	1981	23 35 29	2001	23 52 15	2021	24 09 01
1962	23 19 35	1982	23 36 20	2002	23 53 05	2022	24 09 51
1963	23 20 25	1983	23 37 10	2003	23 53 55	2023	24 10 41
1964	23 21 15	1984	23 38 00	2004	23 54 46	2024	24 11 32
1965	23 22 05	1985	23 38 51	2005	23 55 36	2025	24 12 22
1966	23 22 55	1986	23 39 41	2006	23 56 26	2026	24 13 12
1967	23 23 46	1987	23 40 31	2007	23 57 17	2027	24 14 02
1968	23 24 36	1988	23 41 21	2008	23 58 07	2028	24 14 53
1969	23 25 26	1989	23 42 12	2009	23 58 57	2029	24 15 43
1970	23 26 16	1990	23 43 02	2010	23 59 48	2030	24 16 33

अयनांश सारणी

(भाग 2)

(अयनांश दिन गति)

तारीख	विकला	तारीख	विकला
जन. 1	0	जुला.2	25
8	1	9	26
15	2	16	27
22	3	23	28
29	4	30	29
फर. 5	5	अग. 6	30
12	6	13	31
19	7	20	32
26	8	27	33
मार्च 5	9	सित. 3	34
12	10	10	35
19	11	17	36
26	12	24	37
अप्रै. 2	13	अक्तू. 1	38
9	13	8	39
16	14	15	40
23	15	22	40
30	16	29	41
मई 7	17	नवं. 5	42
14	18	12	43
21	19	19	44
28	20	26	45
	21	दिसं. 3	46
जून 4	22	10	47
11	23	17	48
18	24	24	49
25		31	50

सारणी (1) से प्राप्त अभीष्ट सन् के अंशादि में सारणी (2) से प्राप्त अभीष्ट तारीख की विकलाएं जोड़ देने पर अभीष्ट दिन का अयनांश बन जाता है।

दिल्ली की किसी भी बस्ती में उत्पन्न जातक के जन्मकालिक लग्न का स्पष्टीकरण

किसी भी स्थल पर उत्पन्न जातक का जन्मकालिक लग्न स्पष्ट करने के लिए आधुनिक ज्योतिष में साम्पातिककाल (सां. का.) का प्रयोग किया जाता है। यहां आगे दी गई दिल्ली के प्रत्येक बस्ती के अक्षांश की लग्नसारणियां सां का. से ही लग्न बतलाती हैं। सां. का. साधन के लिए सर्वप्रथम जातक के जन्मकालिक स्टैं. टा. को स्था. म. का. (स्थानीय मध्यमकाल) में बदलना होता है, जिसका साधनप्रकार इस प्रकार है–

स्थानीय मध्यमकाल साधन– दिल्ली की जिस किसी भी बस्ती में जातक का जन्म हुआ है, उस बस्ती का स्टैं. अं. जन्मकालिक स्टैं. टा. में से घटा देने पर जन्मकालिक स्थानीय मध्यमकाल (स्था. म. का.) प्राप्त हो जाता है। **ध्यान रहे**–यदि स्टैं. टा. के घं. मि. से. जन्मस्थानीय स्टैं. अं. से कम हों तो स्टैं. टा. के घं. में 24 घं. जोड़कर स्टैं. अं. को घटाना चाहिए और शेष को स्था. म. का. समझना चाहिए। इस स्थिति में हमेशा तारीख एक पीछे हट जाती है– जिसे हम **'स्थानीय तारीख'** कहेंगे। सां. का. बनाते समय इसी (स्थानीय तारीख) को प्रयोग में लाना चाहिए। (दिल्ली की विभिन्न बस्तियों के स्टैं. अं. के लिए देखें–''**दिल्ली के अक्षांश–रेखांश**'' कोष्ठक, पृष्ठ 231 से 238 तक।)

लीजिए, दिल्ली की विभिन्न बस्तियों में पैदा हुए बच्चों के स्टैं टा. को स्था. म. का. में बदलने के कुछेक उदाहरण लेते हैं–

उदाहरण (i)– जातक का जन्म **'पंजाबी बाग'** (दिल्ली) में 15 अगस्त, 1974 ई. को दोपहर 12 घं. 15 मि. भा. स्टैं. टा. पर हुआ हो तो उसका जन्मकालिक स्था. म. का. इस प्रकार निकाला जाएगा–

घं.	मि.	से.	
12	15	00	(जन्म का स्टैं. टा.)
	–21	28	(पंजाबी बाग का स्टैं. अं.)
11	53	32	(जन्म का स्था. म. का.)

उदाहरण (ii)– जातक का जन्म **'ओखला'** (दिल्ली) में 25 अप्रैल, 2004 ई. को 22 घं. 30 मि. भा. स्टैं. टा. पर हुआ है– इसका जन्मकालिक स्था. म. का. इस प्रकार जाना जाएगा–

घं.	मि.	से.	
22	30	00	(जन्म का स्टैं. टा.)
	–20	52	(ओखला का स्टैं. अं.)
22	09	08	(जन्म का स्था. म. का.)

उदाहरण (iii)– **'चांदनी चौक'** (दिल्ली) में जातक 12 दिसं., 2002 ई. को रात्रि 0 घं. 15 मि. भा. स्टैं. टा. पर पैदा हुआ है, इसका जन्मकालिक स्था. म. का. निम्नप्रकार से जानिए–

घं.	मि.	से.	
0	15	00	(जन्म का स्टैं. टा.)
	–21	04	(चांदनी चौक का स्टैं. अं.)
23	53	56	(जन्म का स्था. म. का.)

ध्यान दीजिए– इस उदाहरण में जातक के जन्मकालिक स्टैं. टा. के घं. मि. से. जन्मस्थानीय स्टैं. अं. से कम हैं, अतः पूर्वोक्तानुसार जन्मकालिक स्टैं. टा. में 24 घं. जोड़कर स्टैं. अं. को घटा देने पर स्था. म. का. बनाया गया है, (जैसा कि हम पहले भी लिख चुके हैं) इस स्थिति में जातक की जन्म तारीख एक पीछे हट जाती है,– जिसे हमने **'स्थानीय तारीख'** का नाम दिया है। इसी उदाहरण में इस नियमानुसार जातक की जन्म तारीख 12 दिसं. की जगह 11 दिसं. (**स्थानीय तारीख**) मानी जाएगी। आगे चलकर इसी स्थानीय तारीख से हम सां. का. बनाएंगे।

इस प्रकार जातक का जन्मकालिक स्था. म. का. ज्ञात करने के बाद सां. का. बनाना बिल्कुल आसान है।

साम्पातिक काल साधन– जातक का जन्मकालिक सां. का. बनाने के लिए **साम्पातिक काल सारणी (1)** से जन्मकालिक अभीष्ट तारीख के घं. मि. से. लेकर, उनमें **सारणी नं. (2)** से **'वर्ष संस्कार'** के मि. से. लेकर जोड़िए। अब प्राप्त घं. मि. से. में से 51 से. **(रेखांश संस्कार)** घटा दें। इस प्रकार प्राप्त घं. मि. से. में सां. का. **सारणी (3)** से प्राप्त **'काल संस्कार'**, जो स्था. म. का. के घं. मि. द्वारा इस सारणी से प्राप्त होगा, लेकर जोड़ें। जोड़ने के बाद प्राप्त घं. मि. से. में जातक के स्था. म. का. के घं. मि. से. जोड़ देने से जातक का जन्मकालिक साम्पातिक काल बन जाएगा।

साम्पातिक काल बनाते समय निम्नांकित बातों का ध्यान अवश्य रखें:–

(i) 'स्थानीय तारीख' और जन्म की तारीख में अन्तर हो तो सां. का. बनाने के लिए 'स्थानीय तारीख' को ही प्रयोग में लाइए।

(ii) लीप इयर में 29 फरवरी के बाद की जन्म तारीख में 1 जोड़कर प्राप्त तारीख से साम्पातिक काल बनाइए।

(iii) साम्पातिक काल बनाते समय यदि घं. 24 से ज्यादा हो जाएं तो उसमें से 24 घटाकर शेष घं. को ही साम्पातिक काल के घं. समझना चाहिए।

अब यहां साम्पातिककालसाधन के उदाहरण पृ. 248 पर दिए गए स्था. म. का. वाले ही दे रहे हैं। देखिए–

उदाहरण (i)– **पंजाबी बाग** (दिल्ली) में 15 अगस्त, 1974 को 12 घं. 15 मि. भा. स्टैं. टा. (11 घं. 53 मि. 32 से. स्था. म. का.) पर जन्मे जातक का जन्मकालिक सां. का. निम्नप्रकार से बनेगा–

घं.	मि.	से.	
21	27	54	(सारणी (1), 15 अग.)
	+04	10	(सारणी (2), वर्षसंस्कार, 1974 ई.)
21	32	04	
		–51	(रेखांश संस्कार)
21	31	13	
	+01	57	[सारणी (3), कालसंस्कार, (11 घं. 53 मि.)]
21	33	10	
+11	53	32	(स्था. म. का.)
9	26	42	(जन्म का सां. का.)

नोट:– यहां योगफल के घण्टा 24 से अधिक होने पर उसमें से 24 घटा दिया है। ऐसी स्थिति में अन्यत्र भी घं. 24 घटाकर ही सां. का. को प्रयोग में लाएं।

उदाहरण (ii)– ओखला (दिल्ली) में 25 अप्रैल, 2004 ई. को 22 घं. 30 मि. भा. स्टैं. टा. (22 घं. 9 मि. 08 से. स्था. म. का.) पर पैदा हुए जातक का जन्मकालिक सां. का. इस प्रकार से जाना जाएगा–

घं.	मि.	से.	
14	10	16	(सारणी (1), 26 अप्रै.)
	+03	08	(सारणी (2), वर्षसंस्कार, 2004 ई.)
14	13	24	
		–51	(रेखांश संस्कार)
14	12	33	
	+03	38	[सारणी (3), कालसंस्कार, (22 घं. 09 मि.)]
14	16	11	
+22	09	08	(स्था. म. का.)
12	25	19	(जन्म का सां. का.)

ध्यान दीजिए– यहां जन्मकालिक तारीख लीप इयर की, 29 फरवरी के बाद की है, अतः उक्त नियमानुसार जन्म की तारीख में 1 जोड़कर **सारणी (1)** को प्रयोग में लाया गया है। यहां यह विशेष ध्यातव्य है कि– लीप इयर में जन्म तारीख 1 मार्च से पहले की हो तो वहां तारीख में 1 जोड़ने का नियम नहीं है।

उदाहरण (iii)– 'चांदनी चौक' (दिल्ली) में 12 दिसं., सन् 2002 ई. को 0 घं. 15 मि. भा. स्टैं. टा. (स्थानीय तारीख 11 दिसं., 2002 ई. को 23 घं. 53 मि. 56 से. स्था. म. का.) पर उत्पन्न जातक का जन्मकालिक सां.का. ऐसे जाना जाएगा–

घं.	मि.	से.	
5	13	08	(सारणी (1), 11 दिसं.)
	+05	02	(सारणी (2), वर्षसंस्कार, 2002 ई.)
5	18	10	
		−51	(रेखांश संस्कार)
5	17	19	
	+03	56	[सारणी (3), कालसंस्कार, (23 घं. 54 मि.)]
5	21	15	
+23	53	56	(स्था. म. का.)
5	15	11	(जन्म का सां. का.)

साम्पातिक काल द्वारा लग्नस्पष्ट – पीछे हमने दिल्ली नगर की विभिन्न बस्तियों में जन्मे जातक के साम्पातिक काल साधन के कुछेक उदाहरण दिए हैं। अब हम आगे उन्हीं उदाहरणों में निर्दिष्ट जातकों के जन्मकालिक साम्पातिक काल द्वारा यहां आगे (पृष्ठ 251 से 282 पर) दी गईं लग्न सारणियों से लग्न स्पष्ट कर रहे हैं। देखिए–

उदाहरण (i)– **'पंजाबी बाग'** (दिल्ली) में 15 अगस्त, 1974 ई. को 12 घं. 15 मि. भा. स्टैं. टा. पर जातक पैदा हुआ, जिसका सां. का. 9 घं. 26 मि. 42 से. है (देखें– पृष्ठ 249)। अब इसका जन्मकालिक लग्न स्पष्ट करने के लिए (पृष्ठ 273 पर दी गई) **'पंजाबी बाग'** के अक्षांश (28° 41′ उ.) वाली लग्नसारणी देखिए– इस **सारणी** में सां. का. 9 घं. 26 मि. से हमें 7 रा. 14 अं. 49 क. 48 वि. लग्न प्राप्त हुआ। 42 से. के लिए इस समय की लग्न की एक मिनट (60 से.) की गति 12′ 48′′ से अनुपात करने पर 8′ 58′′ प्राप्त हुए, इन्हें 7 रा. 14 अं. 49 क. 48 वि. में जोड़ने पर 7 रा. 14 अं. 58 क. 46 वि. जातक का जन्मकालिक सायन लग्न प्राप्त हुआ। इसमें से जन्मकालिक अयनांश 23° 30′ 8′′ (जो पृ. 247 पर दी गई अयनांश सारणी से प्राप्त किया गया है) घटाने पर 6 रा. 21 अं. 28 क. 38 वि. भारतीय ज्योतिषोपयोगी निरयण लग्न प्राप्त हुआ।

उदाहरण (ii)– **ओखला** (दिल्ली) में 25 अप्रैल, 2004 ई. को 22 घं. 30 मि. भा. स्टैं. टा. पर जातक उत्पन्न हुआ, जिसका सां. का. 12 घं. 25 मि. 19 से. है (देखें पृ. 249)। अब इसका जन्मकालिक लग्नस्पष्ट जानने के लिए (पृ. 259 पर दी गई) **'ओखला'** के अक्षांश (28° 34′ उ.) वाली लग्नसारणी देखिए– इस सारणी में सां का. के 12 घं. 25 मि. से हमें 8रा. 23अं. 23क. 24वि. लग्न प्राप्त हुआ। 19 से. के लिए इस समय की एक मिनट की लग्नगति 13′ 24′′ से अनुपात करने पर 4′ 15′′ प्राप्त हुए, इन्हें 8 रा. 23 अं. 23 क. 24 वि. में जोड़ने पर 8रा. 23अं. 27क. 39 वि. जातक का जन्मकालिक सायन लग्न प्राप्त हुआ। इसमें से जन्मकालिक अयनांश 23° 55′ 01′′ घटाने पर 7रा. 29अं. 32क. 38वि. भारतीय ज्योतिषोपयोगी निरयण लग्न प्राप्त हुआ।

उदाहरण (iii)– **'चांदनी चौक'** (दिल्ली) में 12 दिसं., 2002 ई. को 0 घं. 15 मि. भा. स्टैं. टा. पर जातक का जन्म हुआ है, जिसका जन्मकालिक सां. का. 5 घं. 15 मि. 11 से. है (देखें पृ. 250)। अब इसका जन्मकालिक लग्न स्पष्ट करने हेतु (पृ. 271 पर दी गई) **'चान्दनी चौक'** के अक्षांश (28° 40′ उ.) वाली लग्न सारणी देखें– इस सारणी में सां. का. 5 घं. 15 मि. से हमें 5रा. 20अं. 5क. 0वि. लग्न मिला। 11 से. के लिए इस समय की एक मिनट की लग्नगति 13′ 12′′ से अनुपात करने पर 2′ 25′′ प्राप्त हुए। इन्हें 5रा. 20अं. 5क. 0वि. में जोड़ देने पर 5रा. 20अं. 7क. 25वि. जातक का जन्मकालिक सायन लग्न प्राप्त हुआ। इसमें से जन्मकालिक अयनांश 23° 53′ 52′′ घटा देने पर 4रा. 26अं. 13क. 33 वि. भारतीय ज्योतिषोपयोगी निरयण लग्न स्पष्ट हुआ।

इस विशेषांक में दी गईं दिल्ली की विभिन्न बस्तियों की इन लग्न सारणियों द्वारा उपरोक्त प्रकार से साधित लग्न परम सूक्ष्म होगा, यह हम प्रतिज्ञापूर्वक कह सकते हैं।

लग्नसारणी अक्षांश 28° 30′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time | साम्पातिक काल

Minute	0 घं.	1 घं.	2 घं.	3 घं.	4 घं.	5 घं.	6 घं.	7 घं.	8 घं.	9 घं.	10 घं.	11 घं.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 06 18	3 25 04 24	4 07 51 36	4 20 40 42	5 03 38 24	5 16 46 06	6 00 00 00	6 13 13 54	6 26 21 36	7 09 19 18	7 22 08 24	8 04 55 36
1	3 12 19 30	3 25 17 18	4 08 04 24	4 20 53 36	5 03 51 30	5 16 59 18	6 00 13 18	6 13 27 06	6 26 34 36	7 09 32 12	7 22 21 12	8 05 08 24
2	3 12 32 36	3 25 30 06	4 08 17 12	4 21 06 24	5 04 04 30	5 17 12 30	6 00 26 30	6 13 40 18	6 26 47 42	7 09 45 06	7 22 33 54	8 05 21 12
3	3 12 45 42	3 25 42 54	4 08 29 54	4 21 19 18	5 04 17 36	5 17 25 42	6 00 39 48	6 13 53 30	6 27 00 42	7 09 58 00	7 22 46 42	8 05 34 06
4	3 12 58 54	3 25 55 48	4 08 42 42	4 21 32 12	5 04 30 42	5 17 38 54	6 00 53 00	6 14 06 42	6 27 13 42	7 10 10 48	7 22 59 30	8 05 46 54
5	3 13 12 00	3 26 08 36	4 08 55 30	4 21 45 06	5 04 43 42	5 17 52 06	6 01 06 18	6 14 19 54	6 27 26 48	7 10 23 42	7 23 12 12	8 05 59 48
6	3 13 25 06	3 26 21 24	4 09 08 18	4 21 58 00	5 04 56 48	5 18 05 18	6 01 19 30	6 14 33 06	6 27 39 48	7 10 36 36	7 23 25 00	8 06 12 36
7	3 13 38 12	3 26 34 12	4 09 21 06	4 22 10 54	5 05 09 54	5 18 18 30	6 01 32 48	6 14 46 12	6 27 52 48	7 10 49 24	7 23 37 48	8 06 25 30
8	3 13 51 18	3 26 47 00	4 09 33 48	4 22 23 48	5 05 22 54	5 18 31 42	6 01 46 00	6 14 59 24	6 28 05 54	7 11 02 18	7 23 50 36	8 06 38 18
9	3 14 04 24	3 26 59 48	4 09 46 36	4 22 36 42	5 05 36 00	5 18 44 54	6 01 59 18	6 15 12 36	6 28 18 54	7 11 15 06	7 24 03 18	8.06 51 12
10	3 14 17 30	3 27 12 36	4 09 59 24	4 22 49 36	5 05 49 06	5 18 58 06	6 02 12 30	6 15 25 48	6 28 31 54	7 11 28 00	7 24 16 06	8 07 04 00
11	3 14 30 36	3 27 25 30	4 10 12 12	4 23 02 30	5 06 02 12	5 19 11 18	6 02 25 48	6 15 39 00	6 28 44 54	7 11 40 48	7 24 28 54	8 07 16 54
12	3 14 43 36	3 27 38 18	4 10 25 00	4 23 15 24	5 06 15 12	5 19 24 30	6 02 39 00	6 15 52 06	6 28 57 54	7 11 53 42	7 24 41 36	8 07 29 48
13	3 14 56 42	3 27 51 06	4 10 37 48	4 23 28 18	5 06 28 18	5 19 37 42	6 02 52 18	6 16 05 18	6 29 11 00	7 12 06 30	7 24 54 24	8 07 42 42
14	3 15 09 48	3 28 03 54	4 10 50 30	4 23 41 12	5 06 41 24	5 19 51 00	6 03 05 30	6 16 18 30	6 29 24 00	7 12 19 24	7 25 07 12	8 07 55 30
15	3 15 22 48	3 28 16 42	4 11 03 18	4 23 54 12	5 06 54 30	5 20 04 12	6 03 18 48	6 16 31 36	6 29 37 00	7 12 32 12	7 25 20 00	8 08 08 24
16	3 15 35 48	3 28 29 30	4 11 16 06	4 24 07 06	5 07 07 36	5 20 17 24	6 03 32 00	6 16 44 48	6 29 50 00	7 12 45 06	7 25 32 42	8 08 21 18
17	3 15 48 54	3 28 42 18	4 11 28 54	4 24 20 00	5 07 20 42	5 20 30 36	6 03 45 12	6 16 58 00	7 00 03 00	7 12 57 54	7 25 45 30	8 08 34 12
18	3 16 01 54	3 28 55 00	4 11 41 42	4 24 32 54	5 07 33 48	5 20 43 48	6 03 58 30	6 17 11 06	7 00 16 00	7 13 10 48	7 25 58 18	8 08 47 06
19	3 16 14 54	3 29 07 48	4 11 54 30	4 24 45 54	5 07 46 54	5 20 57 06	6 04 11 42	6 17 24 18	7 00 29 00	7 13 23 36	7 26 11 00	8 09 00.0
20	3 16 28 00	3 29 20 36	4 12 07 18	4 24 58 48	5 07 60 00	5 21 10 18	6 04 25 00	6 17 37 24	7 00 42 00	7 13 36 24	7 26 23 48	8 09 12 54
21	3 16 41 00	3 29 33 24	4 12 20 06	4 25 11 42	5 08 13 06	5 21 23 30	6 04 38 12	6 17 50 36	7 00 55 00	7 13 49 18	7 26 36 36	8 09 25 48
22	3 16 54 00	3 29 46 12	4 12 32 54	4 25 24 42	5 08 26 12	5 21 36 42	6 04 51 30	6 18 03 42	7 01 07 54	7 14 02 06	7 26 49 24	8 09 38 42
23	3 17 07 00	3 29 59 00	4 12 45 42	4 25 37 36	5 08 39 18	5 21 50 00	6 05 04 42	6 18 16 54	7 01 20 54	7 14 14 54	7 27 02 06	8 09 51 36
24	3 17 20 00	4 00 11 48	4 12 58 30	4 25 50 36	5 08 52 24	5 22 03 12	6 05 18 00	6 18 30 00	7 01 33 54	7 14 27 42	7 27 14 54	8 10 04 36
25	3 17 32 54	4 00 24 36	4 13 11 18	4 26 03 30	5 09 05 30	5 22 16 24	6 05 31 12	6 18 43 12	7 01 46 54	7 14 40 36	7 27 27 42	8 10 17 30
26	3 17 45 54	4 00 37 18	4 13 24 06	4 26 16 24	5 09 18 42	5 22 29 42	6 05 44 24	6 18 56 18	7 01 59 54	7 14 53 24	7 27 40 24	8 10 30 24
27	3 17 58 54	4 00 50 06	4 13 36 54	4 26 29 24	5 09 31 48	5 22 42 54	6 05 57 42	6 19 09 24	7 02 12 48	7 15 06 12	7 27 53 12	8 10 43 24
28	3 18 11 54	4 01 02 54	4 13 49 42	4 26 42 24	5 09 44 54	5 22 56 06	6 06 10 54	6 19 22 36	7 02 25 48	7 15 19 00	7 28 06 00	8 10 56 18
29	3 18 24 48	4 01 15 42	4 14 02 30	4 26 55 18	5 09 58 00	5 23 09 24	6 06 24 12	6 19 35 42	7 02 38 48	7 15 31 48	7 28 18 48	8 11 09 18
30	3 18 37 48	4 01 28 30	4 14 15 18	4 27 08 18	5 10 11 12	5 23 22 36	6 06 37 24	6 19 48 48	7 02 51 42	7 15 44 42	7 28 31 30	8 11 22 12
31	3 18 50 42	4 01 41 12	4 14 28 12	4 27 21 12	5 10 24 18	5 23 35 48	6 06 50 36	6 20 02 00	7 03 04 42	7 15 57 30	7 28 44 18	8 11 35 12
32	3 19 03 42	4 01 54 00	4 14 41 00	4 27 34 12	5 10 37 24	5 23 49 06	6 07 03 54	6 20 15 06	7 03 17 36	7 16 10 18	7 28 57 06	8 11 48 06
33	3 19 16 36	4 02 06 48	4 14 53 48	4 27 47 12	5 10 50 36	5 24 02 18	6 07 17 06	6 20 28 12	7 03 30 36	7 16 23 06	7 29 09 54	8 12 01 06
34	3 19 29 36	4 02 19 36	4 15 06 36	4 28 00 06	5 11 03 42	5 24 15 36	6 07 30 18	6 20 41 18	7 03 43 36	7 16 35 54	7 29 22 42	8 12 14 06
35	3 19 42 30	4 02 32 18	4 15 19 24	4 28 13 06	5 11 16 48	5 24 28 48	6 07 43 36	6 20 54 30	7 03 56 30	7 16 48 42	7 29 35 24	8 12 27 06
36	3 19 55 24	4 02 45 06	4 15 32 18	4 28 26 06	5 11 30 00	5 24 42 00	6 07 56 48	6 21 07 36	7 04 09 24	7 17 01 30	7 29 48 12	8 12 40 00
37	3 20 08 24	4 02 57 54	4 15 45 06	4 28 39 06	5 11 43 06	5 24 55 18	6 08 10 00	6 21 20 42	7 04 22 24	7 17 14 18	8 00 01 00	8 12 53 00
38	3 20 21 18	4 03 10 36	4 15 57 54	4 28 52 06	5 11 56 18	5 25 08 30	6 08 23 18	6 21 33 48	7 04 35 18	7 17 27 06	8 00 13 48	8 13 06 00
39	3 20 34 12	4 03 23 24	4 16 10 42	4 29 05 00	5 12 09 24	5 25 21 48	6 08 36 30	6 21 46 54	7 04 48 18	7 17 39 54	8 00 26 36	8 13 19 00
40	3 20 47 06	4 03 36 12	4 16 23 36	4 29 18 00	5 12 22 36	5 25 35 00	6 08 49 42	6 22 00.0	7 05 01 12	7 17 52 42	8 00 39 24	8 13 32 00
41	3 20 60 00	4 03 49 00	4 16 36 24	4 29 31 00	5 12 35 42	5 25 48 18	6 09 02 54	6 22 13 06	7 05 14 06	7 18 05 30	8 00 52 12	8 13 45 06
42	3 21 12 54	4 04 01 42	4 16 49 12	4 29 44 00	5 12 48 54	5 26 01 30	6 09 16 12	6 22 26 12	7 05 27 06	7 18 18 18	8 01 05 00	8 13 58 06
43	3 21 25 48	4 04 14 30	4 17 02 06	4 29 57 00	5 13 02 00	5 26 14 48	6 09 29 24	6 22 39 18	7 05 40 00	7 18 31 06	8 01 17 42	8 14 11 06
44	3 21 38 42	4 04 27 18	4 17 14 54	5 00 10 00	5 13 15 12	5 26 28 00	6 09 42 36	6 22 52 24	7 05 52 54	7 18 43 54	8 01 30 30	8 14 24 12
45	3 21 51 36	4 04 40 00	4 17 27 48	5 00 23 00	5 13 28 24	5 26 41 12	6 09 55 48	6 23 05 30	7 06 05 48	7 18 56 42	8 01 43 18	8 14 37 12
46	3 22 04 30	4 04 52 48	4 17 40 36	5 00 36 00	5 13 41 30	5 26 54 30	6 10 09 00	6 23 18 36	7 06 18 48	7 19 09 30	8 01 56 06	8 14 50 12
47	3 22 17 18	4 05 05 36	4 17 53 30	5 00 49 00	5 13 54 42	5 27 07 42	6 10 22 18	6 23 31 42	7 06 31 42	7 19 22 12	8 02 08 54	8 15 03 18
48	3 22 30 12	4 05 18 24	4 18 06 18	5 01 02 06	5 14 07 54	5 27 21 00	6 10 35 30	6 23 44 48	7 06 44 36	7 19 35 00	8 02 21 42	8 15 16 24
49	3 22 43 06	4 05 31 06	4 18 19 12	5 01 15 06	5 14 21 00	5 27 34 12	6 10 48 42	6 23 57 48	7 06 57 30	7 19 47 48	8 02 34 30	8 15 29 24
50	3 22 56 00	4 05 43 54	4 18 32 00	5 01 28 06	5 14 34 12	5 27 47 30	6 11 01 54	6 24 10 54	7 07 10 24	7 20 00 36	8 02 47 24	8 15 42 30
51	3 23 08 48	4 05 56 42	4 18 44 54	5 01 41 06	5 14 47 24	5 28 00 42	6 11 15 06	6 24 24 00	7 07 23 18	7 20 13 24	8 03 00 12	8 15 55 36
52	3 23 21 42	4 06 09 24	4 18 57 42	5 01 54 06	5 15 00 36	5 28 14 00	6 11 28 18	6 24 37 06	7 07 36 12	7 20 26 12	8 03 13 00	8 16 08 42
53	3 23 34 30	4 06 22 12	4 19 10 36	5 02 07 12	5 15 13 48	5 28 27 12	6 11 41 30	6 24 50 06	7 07 49 06	7 20 38 54	8 03 25 48	8 16 21 48
54	3 23 47 24	4 06 35 00	4 19 23 24	5 02 20 12	5 15 26 54	5 28 40 30	6 11 54 42	6 25 03 12	7 08 02 00	7 20 51 42	8 03 38 36	8 16 34 54
55	3 24 00 12	4 06 47 48	4 19 36 18	5 02 33 12	5 15 40 06	5 28 53 42	6 12 07 54	6 25 16 18	7 08 14 54	7 21 04 30	8 03 51 24	8 16 48 00
56	3 24 13 06	4 07 00 30	4 19 49 12	5 02 46 18	5 15 53 18	5 29 07 00	6 12 21 06	6 25 29 18	7 08 27 48	7 21 17 18	8 04 04 12	8 17 01 06
57	3 24 25 54	4 07 13 18	4 20 02 00	5 02 59 18	5 16 06 30	5 29 20 12	6 12 34 18	6 25 42 24	7 08 40 42	7 21 30 06	8 04 17 06	8 17 14 18
58	3 24 38 48	4 07 26 06	4 20 14 54	5 03 12 18	5 16 19 42	5 29 33 30	6 12 47 30	6 25 55 30	7 08 53 36	7 21 42 48	8 04 29 54	8 17 27 24
59	3 24 51 36	4 07 38 48	4 20 27 48	5 03 25 24	5 16 32 54	5 29 46 42	6 13 00 42	6 26 08 30	7 09 06 24	7 21 55 36	8 04 42 42	8 17 40 30
60	3 25 04 24	4 07 51 36	4 20 40 42	5 03 38 24	5 16 46 06	6 00 00 00	6 13 13 54	6 26 21 36	7 09 19 18	7 22 08 24	8 04 55 36	8 17 53 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 30' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time साम्पातिक काल

Minute	12 घं.	13 घं.	14 घं.	15 घं.	16 घं.	17 घं.	18 घं.	19 घं.	20 घं.	21 घं.	22 घं.	23 घं.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 53 42	9 01 21 48	9 15 45 06	10 01 33 24	10 19 14 24	11 08 55 42	0 00 00 00	0 21 04 18	1 10 45 36	1 28 26 36	2 14 14 54	2 28 38 12
1	8 18 06 48	9 01 35 36	9 16 00 06	10 01 50 06	10 19 33 12	11 09 16 18	0 00 21 18	0 21 24 48	1 11 04 18	1 28 43 18	2 14 29 54	2 28 52 06
2	8 18 20 00	9 01 49 30	9 16 15 06	10 02 06 48	10 19 51 54	11 09 36 54	0 00 42 42	0 21 45 24	1 11 22 54	1 28 59 54	2 14 44 54	2 29 05 54
3	8 18 33 12	9 02 03 24	9 16 30 12	10 02 23 36	10 20 10 42	11 09 57 30	0 01 04 00	0 22 05 54	1 11 41 30	1 29 16 30	2 14 59 54	2 29 19 42
4	8 18 46 24	9 02 17 18	9 16 45 18	10 02 40 24	10 20 29 36	11 10 18 06	0 01 25 18	0 22 26 18	1 12 00 06	1 29 33 06	2 15 14 48	2 29 33 30
5	8 18 59 36	9 02 31 12	9 17 00 24	10 02 57 12	10 20 48 24	11 10 38 48	0 01 46 42	0 22 46 48	1 12 18 42	1 29 49 36	2 15 29 42	2 29 47 18
6	8 19 12 48	9 02 45 12	9 17 15 36	10 03 14 06	10 21 07 18	11 10 59 30	0 02 08 00	0 23 07 12	1 12 37 12	2 00 06 06	2 15 44 36	3 00 01 00
7	8 19 26 00	9 02 59 06	9 17 30 42	10 03 31 00	10 21 26 18	11 11 20 12	0 02 29 18	0 23 27 36	1 12 55 42	2 00 22 36	2 15 59 24	3 00 14 48
8	8 19 39 12	9 03 13 06	9 17 45 54	10 03 47 54	10 21 45 18	11 11 40 54	0 02 50 42	0 23 48 00	1 13 14 12	2 00 39 00	2 16 14 18	3 00 28 30
9	8 19 52 24	9 03 27 06	9 18 01 06	10 04 04 54	10 22 04 18	11 12 01 42	0 03 12 00	0 24 08 18	1 13 32 36	2 00 55 30	2 16 29 06	3 00 42 18
10	8 20 05 42	9 03 41 06	9 18 16 24	10 04 21 48	10 22 23 18	11 12 22 30	0 03 33 18	0 24 28 36	1 13 51 00	2 01 11 48	2 16 43 54	3 00 56 00
11	8 20 18 54	9 03 55 06	9 18 31 42	10 04 38 54	10 22 42 24	11 12 43 18	0 03 54 36	0 24 48 54	1 14 09 18	2 01 28 12	2 16 58 36	3 01 09 42
12	8 20 32 12	9 04 09 06	9 18 46 54	10 04 55 54	10 23 01 30	11 13 04 06	0 04 15 54	0 25 09 12	1 14 27 36	2 01 44 30	2 17 13 24	3 01 23 24
13	8 20 45 30	9 04 23 12	9 19 02 18	10 05 13 00	10 23 20 36	11 13 24 54	0 04 37 12	0 25 29 24	1 14 45 54	2 02 00 48	2 17 28 06	3 01 37 00
14	8 20 58 42	9 04 37 12	9 19 17 36	10 05 30 06	10 23 39 48	11 13 45 48	0 04 58 30	0 25 49 36	1 15 04 12	2 02 17 06	2 17 42 48	3 01 50 42
15	8 21 12 00	9 04 51 18	9 19 33 00	10 05 47 18	10 23 59 00	11 14 06 42	0 05 19 48	0 26 09 48	1 15 22 24	2 02 33 18	2 17 57 30	3 02 04 18
16	8 21 25 18	9 05 05 24	9 19 48 24	10 06 04 30	10 24 18 18	11 14 27 36	0 05 41 06	0 26 29 54	1 15 40 36	2 02 49 30	2 18 12 12	3 02 18 00
17	8 21 38 36	9 05 19 30	9 20 03 48	10 06 21 42	10 24 37 30	11 14 48 30	0 06 02 24	0 26 50 06	1 15 58 42	2 03 05 42	2 18 26 48	3 02 31 36
18	8 21 51 54	9 05 33 42	9 20 19 12	10 06 38 54	10 24 56 48	11 15 09 24	0 06 23 36	0 27 10 06	1 16 16 48	2 03 21 48	2 18 41 24	3 02 45 12
19	8 22 05 18	9 05 47 48	9 20 34 42	10 06 56 12	10 25 16 12	11 15 30 24	0 06 44 54	0 27 30 12	1 16 34 54	2 03 38 00	2 18 56 00	3 02 58 48
20	8 22 18 36	9 06 02 00	9 20 50 12	10 07 13 30	10 25 35 36	11 15 51 18	0 07 06 06	0 27 50 12	1 16 52 54	2 03 54 00	2 19 10 36	3 03 12 18
21	8 22 31 54	9 06 16 12	9 21 05 42	10 07 30 54	10 25 55 00	11 16 12 18	0 07 27 24	0 28 10 12	1 17 10 54	2 04 10 06	2 19 25 12	3 03 25 54
22	8 22 45 18	9 06 30 24	9 21 21 18	10 07 48 18	10 26 14 24	11 16 33 18	0 07 48 36	0 28 30 12	1 17 28 54	2 04 26 06	2 19 39 42	3 03 39 30
23	8 22 58 42	9 06 44 36	9 21 36 54	10 08 05 42	10 26 33 54	11 16 54 24	0 08 09 48	0 28 50 12	1 17 46 48	2 04 42 06	2 19 54 12	3 03 53 00
24	8 23 12 06	9 06 58 54	9 21 52 30	10 08 23 12	10 26 53 24	11 17 15 24	0 08 31 00	0 29 10 06	1 18 04 42	2 04 58 06	2 20 08 42	3 04 06 30
25	8 23 25 24	9 07 13 06	9 22 08 06	10 08 40 36	10 27 12 54	11 17 36 30	0 08 52 12	0 29 30 00	1 18 22 36	2 05 14 00	2 20 23 12	3 04 20 00
26	8 23 38 48	9 07 27 24	9 22 23 48	10 08 58 12	10 27 32 30	11 17 57 30	0 09 13 24	0 29 49 48	1 18 40 24	2 05 29 54	2 20 37 36	3 04 33 30
27	8 23 52 18	9 07 41 42	9 22 39 30	10 09 15 42	10 27 52 06	11 18 18 36	0 09 34 36	1 00 09 36	1 18 58 12	2 05 45 48	2 20 52 06	3 04 47 00
28	8 24 05 42	9 07 56 00	9 22 55 12	10 09 33 18	10 28 11 42	11 18 39 42	0 09 55 48	1 00 29 24	1 19 16 00	2 06 01 42	2 21 06 30	3 05 00 30
29	8 24 19 06	9 08 10 24	9 23 10 54	10 09 50 54	10 28 31 24	11 19 00 48	0 10 16 54	1 00 49 12	1 19 33 42	2 06 17 30	2 21 20 54	3 05 14 00
30	8 24 32 36	9 08 24 42	9 23 26 42	10 10 08 36	10 28 51 06	11 19 21 54	0 10 38 06	1 01 08 54	1 19 51 24	2 06 33 18	2 21 35 18	3 05 27 24
31	8 24 46 00	9 08 39 06	9 23 42 30	10 10 26 18	10 29 10 48	11 19 43 06	0 10 59 12	1 01 28 36	1 20 09 06	2 06 49 06	2 21 49 36	3 05 40 54
32	8 24 59 30	9 08 53 30	9 23 58 18	10 10 44 00	10 29 30 36	11 20 04 12	0 11 20 18	1 01 48 18	1 20 26 42	2 07 04 48	2 22 04 00	3 05 54 18
33	8 25 13 00	9 09 07 54	9 24 14 12	10 11 01 48	10 29 50 24	11 20 25 24	0 11 41 24	1 02 07 54	1 20 44 18	2 07 20 30	2 22 18 18	3 06 07 42
34	8 25 26 30	9 09 22 24	9 24 30 06	10 11 19 36	11 00 10 12	11 20 46 36	0 12 02 30	1 02 27 30	1 21 01 48	2 07 36 12	2 22 32 36	3 06 21 12
35	8 25 40 00	9 09 36 48	9 24 46 00	10 11 37 24	11 00 30 00	11 21 07 48	0 12 23 30	1 02 47 06	1 21 19 24	2 07 51 54	2 22 46 54	3 06 34 36
36	8 25 53 30	9 09 51 18	9 25 01 54	10 11 55 18	11 00 49 54	11 21 29 00	0 12 44 36	1 03 06 36	1 21 36 48	2 08 07 30	2 23 01 06	3 06 47 54
37	8 26 07 00	9 10 05 48	9 25 17 54	10 12 13 12	11 01 09 48	11 21 50 12	0 13 05 36	1 03 26 06	1 21 54 18	2 08 23 06	2 23 15 24	3 07 01 18
38	8 26 20 30	9 10 20 18	9 25 33 54	10 12 31 06	11 01 29 48	11 22 11 24	0 13 26 42	1 03 45 36	1 22 11 42	2 08 38 42	2 23 29 36	3 07 14 42
39	8 26 34 06	9 10 34 48	9 25 49 54	10 12 49 06	11 01 49 48	11 22 32 36	0 13 47 42	1 04 05 00	1 22 29 06	2 08 54 18	2 23 43 48	3 07 28 06
40	8 26 47 42	9 10 49 24	9 26 06 00	10 13 07 06	11 02 09 48	11 22 53 54	0 14 08 42	1 04 24 24	1 22 46 30	2 09 09 48	2 23 58 00	3 07 41 24
41	8 27 01 12	9 11 04 00	9 26 22 00	10 13 25 06	11 02 29 48	11 23 15 06	0 14 29 36	1 04 43 48	1 23 03 48	2 09 25 18	2 24 12 12	3 07 54 42
42	8 27 14 48	9 11 18 36	9 26 38 12	10 13 43 12	11 02 49 54	11 23 36 24	0 14 50 36	1 05 03 12	1 23 21 06	2 09 40 48	2 24 26 18	3 08 08 06
43	8 27 28 24	9 11 33 12	9 26 54 18	10 14 01 18	11 03 09 54	11 23 57 36	0 15 11 30	1 05 22 30	1 23 38 18	2 09 56 12	2 24 40 30	3 08 21 24
44	8 27 42 00	9 11 47 48	9 27 10 30	10 14 19 24	11 03 30 06	11 24 18 54	0 15 32 24	1 05 41 42	1 23 55 30	2 10 11 36	2 24 54 36	3 08 34 42
45	8 27 55 42	9 12 02 30	9 27 26 42	10 14 37 36	11 03 50 12	11 24 40 12	0 15 53 18	1 06 01 00	1 24 12 42	2 10 27 00	2 25 08 42	3 08 48 00
46	8 28 09 18	9 12 17 12	9 27 42 54	10 14 55 48	11 04 10 24	11 25 01 30	0 16 14 12	1 06 20 12	1 24 29 54	2 10 42 24	2 25 22 48	3 09 01 18
47	8 28 23 00	9 12 31 54	9 27 59 12	10 15 14 06	11 04 30 36	11 25 22 48	0 16 35 06	1 06 39 24	1 24 47 00	2 10 57 42	2 25 36 48	3 09 14 30
48	8 28 36 36	9 12 46 36	9 28 15 30	10 15 32 24	11 04 50 48	11 25 44 06	0 16 55 54	1 06 58 30	1 25 04 06	2 11 13 06	2 25 50 54	3 09 27 48
49	8 28 50 18	9 13 01 24	9 28 31 48	10 15 50 42	11 05 11 06	11 26 05 24	0 17 16 42	1 07 17 36	1 25 21 06	2 11 28 18	2 26 04 54	3 09 41 06
50	8 29 04 00	9 13 16 06	9 28 48 12	10 16 09 00	11 05 31 24	11 26 26 42	0 17 37 30	1 07 36 42	1 25 38 12	2 11 43 36	2 26 18 54	3 09 54 18
51	8 29 17 42	9 13 30 54	9 29 04 30	10 16 27 24	11 05 51 42	11 26 48 00	0 17 58 18	1 07 55 42	1 25 55 06	2 11 58 54	2 26 32 54	3 10 07 36
52	8 29 31 30	9 13 45 42	9 29 21 00	10 16 45 48	11 06 12 00	11 27 09 18	0 18 19 06	1 08 14 42	1 26 12 06	2 12 14 06	2 26 46 54	3 10 20 48
53	8 29 45 12	9 14 00 36	9 29 37 24	10 17 04 18	11 06 32 24	11 27 30 42	0 18 39 48	1 08 33 42	1 26 29 00	2 12 29 18	2 27 00 54	3 10 34 00
54	8 29 59 00	9 14 15 24	9 29 53 54	10 17 22 48	11 06 52 48	11 27 52 00	0 19 00 30	1 08 52 42	1 26 45 54	2 12 44 24	2 27 14 48	3 10 47 12
55	9 00 12 42	9 14 30 18	10 00 10 24	10 17 41 18	11 07 13 12	11 28 13 18	0 19 21 12	1 09 11 36	1 27 02 48	2 12 59 36	2 27 28 48	3 11 00 24
56	9 00 26 30	9 14 45 12	10 00 26 54	10 17 59 54	11 07 33 42	11 28 34 42	0 19 41 54	1 09 30 24	1 27 19 36	2 13 14 42	2 27 42 42	3 11 13 36
57	9 00 40 18	9 15 00 06	10 00 43 30	10 18 18 30	11 07 54 06	11 28 56 00	0 20 02 30	1 09 49 18	1 27 36 24	2 13 29 48	2 27 56 36	3 11 26 48
58	9 00 54 06	9 15 15 06	10 01 00 06	10 18 37 06	11 08 14 36	11 29 17 18	0 20 23 06	1 10 08 06	1 27 53 12	2 13 44 54	2 28 10 30	3 11 40 00
59	9 01 07 54	9 15 30 06	10 01 16 42	10 18 55 42	11 08 35 12	11 29 38 42	0 20 43 42	1 10 26 48	1 28 09 54	2 13 59 54	2 28 24 24	3 11 53 12
60	9 01 21 48	9 15 45 06	10 01 33 24	10 19 14 24	11 08 55 42	0 00 00 00	0 21 04 18	1 10 45 36	1 28 26 36	2 14 14 54	2 28 38 12	3 12 06 18

लग्नसारणी अक्षांश 28° 31′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 06 48	3 25 04 54	4 07 52 00	4 20 41 00	5 03 38 36	5 16 46 12	6 00 00 00	6 13 13 48	6 26 21 24	7 09 19 00	7 22 08 00	8 04 55 06
1	3 12 20 00	3 25 17 42	4 08 04 48	4 20 53 48	5 03 51 42	5 16 59 24	6 00 13 12	6 13 27 00	6 26 34 24	7 09 31 54	7 22 20 48	8 05 08 00
2	3 12 33 06	3 25 30 30	4 08 17 30	4 21 06 42	5 04 04 42	5 17 12 36	6 00 26 30	6 13 40 12	6 26 47 24	7 09 44 48	7 22 33 36	8 05 20 48
3	3 12 46 12	3 25 43 24	4 08 30 18	4 21 19 36	5 04 17 48	5 17 25 48	6 00 39 42	6 13 53 24	6 27 00 30	7 09 57 42	7 22 46 18	8 05 33 36
4	3 12 59 24	3 25 56 12	4 08 43 06	4 21 32 30	5 04 30 54	5 17 39 00	6 00 53 00	6 14 06 36	6 27 13 30	7 10 10 30	7 22 59 06	8 05 46 30
5	3 13 12 30	3 26 09 00	4 08 55 54	4 21 45 24	5 04 43 54	5 17 52 12	6 01 06 12	6 14 19 48	6 27 26 36	7 10 23 24	7 23 11 54	8 05 59 18
6	3 13 25 36	3 26 21 48	4 09 08 36	4 21 58 18	5 04 57 00	5 18 05 24	6 01 19 30	6 14 33 00	6 27 39 36	7 10 36 18	7 23 24 36	8 06 12 12
7	3 13 38 42	3 26 34 36	4 09 21 24	4 22 11 12	5 05 10 00	5 18 18 36	6 01 32 42	6 14 46 06	6 27 52 36	7 10 49 06	7 23 37 24	8 06 25 00
8	3 13 51 48	3 26 47 30	4 09 34 12	4 22 24 06	5 05 23 06	5 18 31 48	6 01 46 00	6 14 59 18	6 28 05 36	7 11 02 00	7 23 50 12	8 06 37 54
9	3 14 04 54	3 27 00 18	4 09 47 00	4 22 37 00	5 05 36 12	5 18 45 00	6 01 59 12	6 15 12 30	6 28 18 42	7 11 14 48	7 24 03 00	8 06 50 42
10	3 14 18 00	3 27 13 06	4 09 59 48	4 22 49 54	5 05 49 18	5 18 58 12	6 02 12 30	6 15 25 42	6 28 31 42	7 11 27 42	7 24 15 42	8 07 03 36
11	3 14 31 06	3 27 25 54	4 10 12 30	4 23 02 48	5 06 02 18	5 19 11 24	6 02 25 42	6 15 38 48	6 28 44 42	7 11 40 30	7 24 28 30	8 07 16 30
12	3 14 44 06	3 27 38 42	4 10 25 18	4 23 15 42	5 06 15 24	5 19 24 36	6 02 39 00	6 15 52 00	6 28 57 42	7 11 53 24	7 24 41 18	8 07 29 18
13	3 14 57 12	3 27 51 30	4 10 38 06	4 23 28 36	5 06 28 30	5 19 37 48	6 02 52 12	6 16 05 12	6 29 10 42	7 12 06 12	7 24 54 00	8 07 42 12
14	3 15 10 12	3 28 04 18	4 10 50 54	4 23 41 30	5 06 41 36	5 19 51 00	6 03 05 30	6 16 18 18	6 29 23 42	7 12 19 06	7 25 06 48	8 07 55 06
15	3 15 23 18	3 28 17 06	4 11 03 42	4 23 54 24	5 06 54 42	5 20 04 18	6 03 18 42	6 16 31 30	6 29 36 42	7 12 31 54	7 25 19 36	8 08 08 00
16	3 15 36 18	3 28 29 54	4 11 16 30	4 24 07 24	5 07 07 48	5 20 17 30	6 03 32 00	6 16 44 42	6 29 49 42	7 12 44 48	7 25 32 18	8 08 20 54
17	3 15 49 24	3 28 42 42	4 11 29 18	4 24 20 18	5 07 20 54	5 20 30 42	6 03 45 12	6 16 57 48	7 00 02 42	7 12 57 36	7 25 45 06	8 08 33 48
18	3 16 02 24	3 28 55 30	4 11 42 06	4 24 33 12	5 07 34 00	5 20 43 54	6 03 58 30	6 17 11 00	7 00 15 42	7 13 10 24	7 25 57 54	8 08 46 36
19	3 16 15 24	3 29 08 18	4 11 54 54	4 24 46 06	5 07 47 00	5 20 57 06	6 04 11 42	6 17 24 06	7 00 28 42	7 13 23 18	7 26 10 36	8 08 59 30
20	3 16 28 24	3 29 21 00	4 12 07 36	4 24 59 06	5 08 00 12	5 21 10 24	6 04 24 54	6 17 37 18	7 00 41 42	7 13 36 06	7 26 23 24	8 09 12 30
21	3 16 41 24	3 29 33 48	4 12 20 24	4 25 12 00	5 08 13 18	5 21 23 36	6 04 38 12	6 17 50 24	7 00 54 42	7 13 48 54	7 26 36 12	8 09 25 24
22	3 16 54 24	3 29 46 36	4 12 33 12	4 25 24 54	5 08 26 24	5 21 36 48	6 04 51 24	6 18 03 36	7 01 07 42	7 14 01 48	7 26 49 00	8 09 38 18
23	3 17 07 24	3 29 59 24	4 12 46 00	4 25 37 54	5 08 39 30	5 21 50 00	6 05 04 42	6 18 16 42	7 01 20 42	7 14 14 36	7 27 01 42	8 09 51 12
24	3 17 20 24	4 00 12 12	4 12 58 48	4 25 50 48	5 08 52 36	5 22 03 18	6 05 17 54	6 18 29 54	7 01 33 42	7 14 27 24	7 27 14 30	8 10 04 06
25	3 17 33 24	4 00 25 00	4 13 11 36	4 26 03 48	5 09 05 42	5 22 16 30	6 05 31 12	6 18 43 00	7 01 46 36	7 14 40 12	7 27 27 18	8 10 17 00
26	3 17 46 24	4 00 37 42	4 13 24 24	4 26 16 42	5 09 18 48	5 22 29 42	6 05 44 24	6 18 56 12	7 01 59 36	7 14 53 06	7 27 40 00	8 10 30 00
27	3 17 59 24	4 00 50 30	4 13 37 18	4 26 29 42	5 09 31 54	5 22 43 00	6 05 57 36	6 19 09 18	7 02 12 36	7 15 05 54	7 27 52 48	8 10 42 54
28	3 18 12 18	4 01 03 18	4 13 50 06	4 26 42 36	5 09 45 06	5 22 56 12	6 06 10 54	6 19 22 24	7 02 25 36	7 15 18 42	7 28 05 36	8 10 55 48
29	3 18 25 18	4 01 16 06	4 14 02 54	4 26 55 36	5 09 58 12	5 23 09 24	6 06 24 06	6 19 35 36	7 02 38 30	7 15 31 30	7 28 18 24	8 11 08 48
30	3 18 38 18	4 01 28 54	4 14 15 42	4 27 08 30	5 10 11 18	5 23 22 42	6 06 37 18	6 19 48 42	7 02 51 30	7 15 44 18	7 28 31 06	8 11 21 42
31	3 18 51 12	4 01 41 36	4 14 28 30	4 27 21 30	5 10 24 24	5 23 35 54	6 06 50 36	6 20 01 48	7 03 04 24	7 15 57 06	7 28 43 54	8 11 34 42
32	3 19 04 12	4 01 54 24	4 14 41 18	4 27 34 24	5 10 37 36	5 23 49 06	6 07 03 48	6 20 14 54	7 03 17 24	7 16 09 54	7 28 56 42	8 11 47 42
33	3 19 17 06	4 02 07 12	4 14 54 06	4 27 47 24	5 10 50 42	5 24 02 24	6 07 17 00	6 20 28 06	7 03 30 18	7 16 22 42	7 29 09 30	8 12 00 36
34	3 19 30 00	4 02 20 00	4 15 06 54	4 28 00 24	5 11 03 48	5 24 15 36	6 07 30 18	6 20 41 12	7 03 43 18	7 16 35 36	7 29 22 18	8 12 13 36
35	3 19 43 00	4 02 32 42	4 15 19 48	4 28 13 24	5 11 17 00	5 24 28 48	6 07 43 30	6 20 54 18	7 03 56 12	7 16 48 24	7 29 35 00	8 12 26 36
36	3 19 55 54	4 02 45 30	4 15 32 36	4 28 26 18	5 11 30 06	5 24 42 06	6 07 56 42	6 21 07 24	7 04 09 12	7 17 01 12	7 29 47 48	8 12 39 36
37	3 20 08 48	4 02 58 18	4 15 45 24	4 28 39 18	5 11 43 18	5 24 55 18	6 08 10 00	6 21 20 30	7 04 22 06	7 17 14 00	8 00 00 36	8 12 52 36
38	3 20 21 42	4 03 11 00	4 15 58 12	4 28 52 18	5 11 56 24	5 25 08 36	6 08 23 12	6 21 33 36	7 04 35 06	7 17 26 48	8 00 13 24	8 13 05 36
39	3 20 34 36	4 03 23 48	4 16 11 06	4 29 05 18	5 12 09 36	5 25 21 48	6 08 36 24	6 21 46 42	7 04 48 00	7 17 39 36	8 00 26 12	8 13 18 36
40	3 20 47 30	4 03 36 36	4 16 23 54	4 29 18 18	5 12 22 42	5 25 35 06	6 08 49 36	6 21 59 48	7 05 00 54	7 17 52 24	8 00 39 00	8 13 31 36
41	3 21 00 30	4 03 49 24	4 16 36 42	4 29 31 18	5 12 35 54	5 25 48 18	6 09 02 54	6 22 13 00	7 05 13 54	7 18 05 06	8 00 51 42	8 13 44 36
42	3 21 13 24	4 04 02 06	4 16 49 36	4 29 44 18	5 12 49 00	5 26 01 30	6 09 16 06	6 22 26 00	7 05 26 48	7 18 17 54	8 01 04 30	8 13 57 36
43	3 21 26 12	4 04 14 54	4 17 02 24	4 29 57 18	5 13 02 12	5 26 14 48	6 09 29 18	6 22 39 06	7 05 39 42	7 18 30 42	8 01 17 18	8 14 10 36
44	3 21 39 06	4 04 27 42	4 17 15 12	5 00 10 18	5 13 15 18	5 26 28 00	6 09 42 30	6 22 52 12	7 05 52 36	7 18 43 30	8 01 30 06	8 14 23 42
45	3 21 52 00	4 04 40 24	4 17 28 06	5 00 23 18	5 13 28 30	5 26 41 18	6 09 55 42	6 23 05 18	7 06 05 36	7 18 56 18	8 01 42 54	8 14 36 42
46	3 22 04 54	4 04 53 12	4 17 40 54	5 00 36 18	5 13 41 42	5 26 54 30	6 10 09 00	6 23 18 24	7 06 18 30	7 19 09 06	8 01 55 42	8 14 49 48
47	3 22 17 48	4 05 06 00	4 17 53 48	5 00 49 18	5 13 54 48	5 27 07 48	6 10 22 12	6 23 31 30	7 06 31 24	7 19 21 54	8 02 08 30	8 15 02 48
48	3 22 30 42	4 05 18 42	4 18 06 36	5 01 02 18	5 14 08 00	5 27 21 00	6 10 35 24	6 23 44 36	7 06 44 18	7 19 34 42	8 02 21 18	8 15 15 54
49	3 22 43 30	4 05 31 30	4 18 19 30	5 01 15 18	5 14 21 12	5 27 34 18	6 10 48 36	6 23 57 42	7 06 57 12	7 19 47 30	8 02 34 06	8 15 28 54
50	3 22 56 24	4 05 44 18	4 18 32 18	5 01 28 18	5 14 34 18	5 27 47 30	6 11 01 48	6 24 10 42	7 07 10 06	7 20 00 12	8 02 46 54	8 15 42 00
51	3 23 09 18	4 05 57 00	4 18 45 12	5 01 41 18	5 14 47 30	5 28 00 48	6 11 15 00	6 24 23 48	7 07 23 00	7 20 13 00	8 02 59 42	8 15 55 06
52	3 23 22 06	4 06 09 48	4 18 58 00	5 01 54 24	5 15 00 42	5 28 14 00	6 11 28 12	6 24 36 54	7 07 35 54	7 20 25 48	8 03 12 30	8 16 08 12
53	3 23 35 00	4 06 22 36	4 19 10 54	5 02 07 24	5 15 13 54	5 28 27 18	6 11 41 24	6 24 50 00	7 07 48 48	7 20 38 36	8 03 25 24	8 16 21 18
54	3 23 47 48	4 06 35 24	4 19 23 42	5 02 20 24	5 15 27 00	5 28 40 30	6 11 54 36	6 25 03 00	7 08 01 42	7 20 51 24	8 03 38 12	8 16 34 24
55	3 24 00 42	4 06 48 06	4 19 36 36	5 02 33 24	5 15 40 12	5 28 53 48	6 12 07 48	6 25 16 06	7 08 14 36	7 21 04 06	8 03 51 00	8 16 47 30
56	3 24 13 30	4 07 00 54	4 19 49 30	5 02 46 30	5 15 53 24	5 29 07 00	6 12 21 00	6 25 29 06	7 08 27 30	7 21 16 54	8 04 03 48	8 17 00 36
57	3 24 26 24	4 07 13 42	4 20 02 18	5 02 59 30	5 16 06 36	5 29 20 18	6 12 34 12	6 25 42 12	7 08 40 24	7 21 29 42	8 04 16 36	8 17 13 48
58	3 24 39 12	4 07 26 24	4 20 15 12	5 03 12 36	5 16 19 48	5 29 33 30	6 12 47 24	6 25 55 18	7 08 53 18	7 21 42 30	8 04 29 30	8 17 26 54
59	3 24 52 00	4 07 39 12	4 20 28 06	5 03 25 36	5 16 33 00	5 29 46 48	6 13 00 36	6 26 08 18	7 09 06 12	7 21 55 12	8 04 42 18	8 17 40 00
60	3 25 04 54	4 07 52 00	4 20 41 00	5 03 38 36	5 16 46 12	6 00 00 00	6 13 13 48	6 26 21 24	7 09 19 00	7 22 08 00	8 04 55 06	8 17 53 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 31' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 53 12	9 01 21 18	9 15 44 30	10 01 32 54	10 19 14 00	11 08 55 30	0 00 00 00	0 21 04 30	1 10 46 00	1 28 27 06	2 14 15 30	2 28 38 42
1	8 18 06 24	9 01 35 06	9 15 59 30	10 01 49 36	10 19 32 42	11 09 16 00	0 00 21 18	0 21 25 06	1 11 04 42	1 28 43 48	2 14 30 30	2 28 52 36
2	8 18 19 30	9 01 49 00	9 16 14 36	10 02 06 18	10 19 51 30	11 09 36 36	0 00 42 42	0 21 45 36	1 11 23 24	1 29 00 24	2 14 45 24	2 29 06 24
3	8 18 32 42	9 02 02 54	9 16 29 42	10 02 23 06	10 20 10 18	11 09 57 18	0 01 04 00	0 22 06 06	1 11 42 00	1 29 17 00	2 15 00 24	2 29 20 12
4	8 18 45 54	9 02 16 48	9 16 44 48	10 02 39 54	10 20 29 06	11 10 17 54	0 01 25 24	0 22 26 36	1 12 00 36	1 29 33 36	2 15 15 18	2 29 34 00
5	8 18 59 06	9 02 30 42	9 16 59 54	10 02 56 42	10 20 48 00	11 10 38 36	0 01 46 42	0 22 47 00	1 12 19 06	1 29 50 06	2 15 30 12	2 29 47 48
6	8 19 12 18	9 02 44 36	9 17 15 00	10 03 13 36	10 21 06 54	11 10 59 18	0 02 08 00	0 23 07 30	1 12 37 42	2 00 06 36	2 15 45 06	3 00 01 36
7	8 19 25 30	9 02 58 36	9 17 30 12	10 03 30 30	10 21 25 54	11 11 20 00	0 02 29 24	0 23 27 54	1 12 56 12	2 00 23 06	2 15 60 00	3 00 15 18
8	8 19 38 42	9 03 12 36	9 17 45 24	10 03 47 24	10 21 44 48	11 11 40 42	0 02 50 42	0 23 48 12	1 13 14 36	2 00 39 36	2 16 14 48	3 00 29 06
9	8 19 51 54	9 03 26 30	9 18 00 36	10 04 04 18	10 22 03 48	11 12 01 30	0 03 12 00	0 24 08 36	1 13 33 00	2 00 56 00	2 16 29 36	3 00 42 48
10	8 20 05 12	9 03 40 30	9 18 15 48	10 04 21 18	10 22 22 54	11 12 22 18	0 03 33 18	0 24 28 54	1 13 51 24	2 01 12 24	2 16 44 24	3 00 56 30
11	8 20 18 24	9 03 54 36	9 18 31 06	10 04 38 18	10 22 42 00	11 12 43 06	0 03 54 42	0 24 49 12	1 14 09 48	2 01 28 42	2 16 59 12	3 01 10 12
12	8 20 31 42	9 04 08 36	9 18 46 24	10 04 55 24	10 23 01 06	11 13 03 54	0 04 16 00	0 25 09 30	1 14 28 06	2 01 45 06	2 17 13 54	3 01 23 54
13	8 20 45 00	9 04 22 36	9 19 01 42	10 05 12 30	10 23 20 12	11 13 24 42	0 04 37 18	0 25 29 42	1 14 46 24	2 02 01 24	2 17 28 42	3 01 37 30
14	8 20 58 12	9 04 36 42	9 19 17 06	10 05 29 36	10 23 39 24	11 13 45 36	0 04 58 36	0 25 49 54	1 15 04 36	2 02 17 36	2 17 43 24	3 01 51 12
15	8 21 11 30	9 04 50 48	9 19 32 24	10 05 46 48	10 23 58 36	11 14 06 30	0 05 19 54	0 26 10 06	1 15 22 48	2 02 33 54	2 17 58 06	3 02 04 48
16	8 21 24 48	9 05 04 54	9 19 47 48	10 06 04 00	10 24 17 54	11 14 27 24	0 05 41 06	0 26 30 12	1 15 41 00	2 02 50 06	2 18 12 42	3 02 18 30
17	8 21 38 06	9 05 19 00	9 20 03 12	10 06 21 12	10 24 37 06	11 14 48 18	0 06 02 24	0 26 50 24	1 15 59 12	2 03 06 12	2 18 27 24	3 02 32 06
18	8 21 51 24	9 05 33 06	9 20 18 42	10 06 38 24	10 24 56 24	11 15 09 12	0 06 23 42	0 27 10 30	1 16 17 18	2 03 22 24	2 18 42 00	3 02 45 42
19	8 22 04 48	9 05 47 18	9 20 34 12	10 06 55 42	10 25 15 48	11 15 30 12	0 06 45 00	0 27 30 30	1 16 35 24	2 03 38 30	2 18 56 36	3 02 59 18
20	8 22 18 06	9 06 01 30	9 20 49 42	10 07 13 00	10 25 35 12	11 15 51 12	0 07 06 12	0 27 50 36	1 16 53 24	2 03 54 36	2 19 11 12	3 03 12 54
21	8 22 31 24	9 06 15 42	9 21 05 12	10 07 30 24	10 25 54 36	11 16 12 12	0 07 27 30	0 28 10 36	1 17 11 24	2 04 10 36	2 19 25 42	3 03 26 24
22	8 22 44 48	9 06 29 54	9 21 20 42	10 07 47 48	10 26 14 00	11 16 33 12	0 07 48 42	0 28 30 36	1 17 29 24	2 04 26 42	2 19 40 12	3 03 40 00
23	8 22 58 12	9 06 44 06	9 21 36 18	10 08 05 12	10 26 33 30	11 16 54 12	0 08 09 54	0 28 50 30	1 17 47 18	2 04 42 42	2 19 54 48	3 03 53 30
24	8 23 11 30	9 06 58 18	9 21 51 54	10 08 22 42	10 26 53 00	11 17 15 12	0 08 31 06	0 29 10 24	1 18 05 12	2 04 58 36	2 20 09 18	3 04 07 00
25	8 23 24 54	9 07 12 36	9 22 07 36	10 08 40 06	10 27 12 30	11 17 36 18	0 08 52 18	0 29 30 18	1 18 23 06	2 05 14 36	2 20 23 42	3 04 20 36
26	8 23 38 18	9 07 26 54	9 22 23 12	10 08 57 42	10 27 32 06	11 17 57 24	0 09 13 30	0 29 50 12	1 18 40 54	2 05 30 30	2 20 38 12	3 04 34 06
27	8 23 51 42	9 07 41 12	9 22 38 54	10 09 15 12	10 27 51 42	11 18 18 30	0 09 34 42	1 00 10 00	1 18 58 42	2 05 46 24	2 20 52 36	3 04 47 36
28	8 24 05 12	9 07 55 30	9 22 54 36	10 09 32 48	10 28 11 24	11 18 39 36	0 09 55 54	1 00 29 48	1 19 16 30	2 06 02 12	2 21 07 00	3 05 01 00
29	8 24 18 36	9 08 09 48	9 23 10 24	10 09 50 24	10 28 31 00	11 19 00 42	0 10 17 00	1 00 49 30	1 19 34 12	2 06 18 06	2 21 21 24	3 05 14 30
30	8 24 32 00	9 08 24 12	9 23 26 06	10 10 08 06	10 28 50 42	11 19 21 48	0 10 38 12	1 01 09 18	1 19 51 54	2 06 33 54	2 21 35 48	3 05 28 00
31	8 24 45 30	9 08 38 36	9 23 41 54	10 10 25 48	10 29 10 30	11 19 43 00	0 10 59 18	1 01 29 00	1 20 09 36	2 06 49 36	2 21 50 12	3 05 41 24
32	8 24 59 00	9 08 53 00	9 23 57 48	10 10 43 30	10 29 30 12	11 20 04 06	0 11 20 24	1 01 48 36	1 20 27 12	2 07 05 24	2 22 04 30	3 05 54 48
33	8 25 12 24	9 09 07 24	9 24 13 36	10 11 01 18	10 29 50 00	11 20 25 18	0 11 41 30	1 02 08 18	1 20 44 48	2 07 21 06	2 22 18 48	3 06 08 18
34	8 25 25 54	9 09 21 48	9 24 29 30	10 11 19 06	11 00 09 48	11 20 46 30	0 12 02 36	1 02 27 54	1 21 02 18	2 07 36 48	2 22 33 06	3 06 21 42
35	8 25 39 24	9 09 36 18	9 24 45 24	10 11 36 54	11 00 29 42	11 21 07 42	0 12 23 42	1 02 47 30	1 21 19 54	2 07 52 24	2 22 47 24	3 06 35 06
36	8 25 53 00	9 09 50 42	9 25 01 24	10 11 54 48	11 00 49 36	11 21 28 54	0 12 44 48	1 03 07 00	1 21 37 18	2 08 08 06	2 23 01 42	3 06 48 30
37	8 26 06 30	9 10 05 12	9 25 17 18	10 12 12 42	11 01 09 30	11 21 50 06	0 13 05 48	1 03 26 30	1 21 54 48	2 08 23 42	2 23 15 54	3 07 01 48
38	8 26 20 00	9 10 19 48	9 25 33 18	10 12 30 36	11 01 29 24	11 22 11 18	0 13 26 48	1 03 46 00	1 22 12 12	2 08 39 18	2 23 30 06	3 07 15 12
39	8 26 33 36	9 10 34 18	9 25 49 24	10 12 48 36	11 01 49 24	11 22 32 30	0 13 47 48	1 04 05 24	1 22 29 36	2 08 54 48	2 23 44 18	3 07 28 36
40	8 26 47 06	9 10 48 48	9 26 05 24	10 13 06 36	11 02 09 24	11 22 53 48	0 14 08 48	1 04 24 48	1 22 47 00	2 09 10 18	2 23 58 30	3 07 41 54
41	8 27 00 42	9 11 03 24	9 26 21 30	10 13 24 36	11 02 29 30	11 23 15 00	0 14 29 48	1 04 44 12	1 23 04 18	2 09 25 48	2 24 12 42	3 07 55 12
42	8 27 14 18	9 11 18 00	9 26 37 36	10 13 42 42	11 02 49 30	11 23 36 18	0 14 50 48	1 05 03 36	1 23 21 36	2 09 41 18	2 24 26 54	3 08 08 36
43	8 27 27 54	9 11 32 36	9 26 53 48	10 14 00 48	11 03 09 36	11 23 57 36	0 15 11 42	1 05 22 54	1 23 38 48	2 09 56 48	2 24 41 00	3 08 21 54
44	8 27 41 30	9 11 47 18	9 27 09 54	10 14 19 00	11 03 29 48	11 24 18 54	0 15 32 36	1 05 42 06	1 23 56 00	2 10 12 12	2 24 55 06	3 08 35 12
45	8 27 55 12	9 12 01 54	9 27 26 06	10 14 37 12	11 03 49 54	11 24 40 06	0 15 53 30	1 06 01 24	1 24 13 12	2 10 27 36	2 25 09 12	3 08 48 30
46	8 28 08 48	9 12 16 36	9 27 42 24	10 14 55 24	11 04 10 06	11 25 01 24	0 16 14 24	1 06 20 36	1 24 30 24	2 10 42 54	2 25 23 18	3 09 01 48
47	8 28 22 30	9 12 31 18	9 27 58 36	10 15 13 36	11 04 30 18	11 25 22 42	0 16 35 18	1 06 39 48	1 24 47 30	2 10 58 18	2 25 37 24	3 09 15 00
48	8 28 36 06	9 12 46 06	9 28 14 54	10 15 31 54	11 04 50 30	11 25 44 00	0 16 56 06	1 06 58 54	1 25 04 36	2 11 13 36	2 25 51 24	3 09 28 18
49	8 28 49 48	9 13 00 48	9 28 31 18	10 15 50 12	11 05 10 48	11 26 05 18	0 17 16 54	1 07 18 00	1 25 21 42	2 11 28 54	2 26 05 24	3 09 41 36
50	8 29 03 30	9 13 15 36	9 28 47 36	10 16 08 36	11 05 31 06	11 26 26 42	0 17 37 42	1 07 37 06	1 25 38 42	2 11 44 12	2 26 19 30	3 09 54 48
51	8 29 17 12	9 13 30 24	9 29 04 00	10 16 27 00	11 05 51 24	11 26 48 00	0 17 58 30	1 07 56 12	1 25 55 42	2 11 59 24	2 26 33 30	3 10 08 06
52	8 29 30 54	9 13 45 12	9 29 20 24	10 16 45 24	11 06 11 48	11 27 09 18	0 18 19 18	1 08 15 12	1 26 12 36	2 12 14 36	2 26 47 24	3 10 21 18
53	8 29 44 42	9 14 00 0	9 29 36 54	10 17 03 48	11 06 32 06	11 27 30 36	0 18 40 00	1 08 34 06	1 26 29 30	2 12 29 48	2 27 01 24	3 10 34 30
54	8 29 58 24	9 14 14 54	9 29 53 24	10 17 22 18	11 06 52 30	11 27 52 00	0 19 00 42	1 08 53 06	1 26 46 24	2 12 45 00	2 27 15 24	3 10 47 42
55	9 00 12 12	9 14 29 48	10 00 09 54	10 17 40 54	11 07 13 00	11 28 13 18	0 19 21 24	1 09 12 00	1 27 03 18	2 13 00 06	2 27 29 18	3 11 00 54
56	9 00 26 00	9 14 44 42	10 00 26 24	10 17 59 24	11 07 33 24	11 28 34 36	0 19 42 06	1 09 30 54	1 27 20 06	2 13 15 12	2 27 43 12	3 11 14 06
57	9 00 39 48	9 14 59 36	10 00 43 00	10 18 18 00	11 07 53 54	11 28 56 00	0 20 02 42	1 09 49 42	1 27 36 54	2 13 30 18	2 27 57 06	3 11 27 18
58	9 00 53 36	9 15 14 36	10 00 59 36	10 18 36 36	11 08 14 24	11 29 17 18	0 20 23 24	1 10 08 30	1 27 53 42	2 13 45 24	2 28 11 00	3 11 40 30
59	9 01 07 24	9 15 29 30	10 01 16 12	10 18 55 18	11 08 34 54	11 29 38 42	0 20 44 00	1 10 27 18	1 28 10 24	2 14 00 30	2 28 24 54	3 11 53 36
60	9 01 21 18	9 15 44 30	10 01 32 54	10 19 14 00	11 08 55 30	0 00 00 00	0 21 04 30	1 10 46 00	1 28 27 06	2 14 15 30	2 28 38 42	3 12 06 48

लग्नसारणी अक्षांश 28° 32′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 07 18	3 25 05 18	4 07 52 24	4 20 41 18	5 03 38 48	5 16 46 18	6 00 00 00	6 13 13 42	6 26 21 12	7 09 18 42	7 22 07 36	8 04 54 42
1	3 12 20 24	3 25 18 06	4 08 05 06	4 20 54 06	5 03 51 54	5 16 59 30	6 00 13 12	6 13 26 54	6 26 34 12	7 09 31 36	7 22 20 24	8 05 07 30
2	3 12 33 36	3 25 31 00	4 08 17 54	4 21 07 00	5 04 04 54	5 17 12 42	6 00 26 30	6 13 40 06	6 26 47 12	7 09 44 30	7 22 33 12	8 05 20 24
3	3 12 46 42	3 25 43 48	4 08 30 42	4 21 19 54	5 04 18 00	5 17 25 54	6 00 39 42	6 13 53 18	6 27 00 18	7 09 57 24	7 22 46 00	8 05 33 12
4	3 12 59 54	3 25 56 36	4 08 43 30	4 21 32 48	5 04 31 06	5 17 39 06	6 00 53 00	6 14 06 30	6 27 13 18	7 10 10 12	7 22 58 42	8 05 46 00
5	3 13 13 00	3 26 09 24	4 08 56 12	4 21 45 42	5 04 44 06	5 17 52 18	6 01 06 12	6 14 19 42	6 27 26 18	7 10 23 06	7 23 11 30	8 05 58 54
6	3 13 26 06	3 26 22 18	4 09 09 00	4 21 58 36	5 04 57 12	5 18 05 30	6 01 19 30	6 14 32 48	6 27 39 24	7 10 36 00	7 23 24 18	8 06 11 42
7	3 13 39 12	3 26 35 06	4 09 21 48	4 22 11 30	5 05 10 12	5 18 18 42	6 01 32 42	6 14 46 00	6 27 52 24	7 10 48 48	7 23 37 00	8 06 24 36
8	3 13 52 18	3 26 47 54	4 09 34 36	4 22 24 24	5 05 23 18	5 18 31 54	6 01 46 00	6 14 59 12	6 28 05 24	7 11 01 42	7 23 49 48	8 06 37 24
9	3 14 05 24	3 27 00 42	4 09 47 18	4 22 37 18	5 05 36 24	5 18 45 06	6 01 59 12	6 15 12 24	6 28 18 30	7 11 14 30	7 24 02 36	8 06 50 18
10	3 14 18 30	3 27 13 30	4 10 00 06	4 22 50 12	5 05 49 24	5 18 58 18	6 02 12 30	6 15 25 30	6 28 31 30	7 11 27 24	7 24 15 18	8 07 03 12
11	3 14 31 30	3 27 26 18	4 10 12 54	4 23 03 06	5 06 02 30	5 19 11 30	6 02 25 42	6 15 38 42	6 28 44 30	7 11 40 12	7 24 28 06	8 07 16 00
12	3 14 44 36	3 27 39 06	4 10 25 42	4 23 16 00	5 06 15 36	5 19 24 42	6 02 39 00	6 15 51 54	6 28 57 30	7 11 53 06	7 24 40 54	8 07 28 54
13	3 14 57 42	3 27 51 54	4 10 38 30	4 23 28 54	5 06 28 42	5 19 37 54	6 02 52 12	6 16 05 00	6 29 10 30	7 12 05 54	7 24 53 36	8 07 41 48
14	3 15 10 42	3 28 04 42	4 10 51 18	4 23 41 48	5 06 41 48	5 19 51 06	6 03 05 30	6 16 18 12	6 29 23 30	7 12 18 48	7 25 06 24	8 07 54 36
15	3 15 23 48	3 28 17 30	4 11 04 00	4 23 54 42	5 06 54 54	5 20 04 18	6 03 18 42	6 16 31 24	6 29 36 30	7 12 31 36	7 25 19 12	8 08 07 30
16	3 15 36 48	3 28 30 18	4 11 16 48	4 24 07 36	5 07 07 54	5 20 17 36	6 03 31 54	6 16 44 30	6 29 49 30	7 12 44 30	7 25 31 54	8 08 20 24
17	3 15 49 48	3 28 43 06	4 11 29 36	4 24 20 30	5 07 21 00	5 20 30 48	6 03 45 12	6 16 57 42	7 00 02 30	7 12 57 18	7 25 44 42	8 08 33 18
18	3 16 02 54	3 28 55 54	4 11 42 24	4 24 33 30	5 07 34 06	5 20 44 00	6 03 58 24	6 17 10 48	7 00 15 30	7 13 10 06	7 25 57 30	8 08 46 12
19	3 16 15 54	3 29 08 42	4 11 55 12	4 24 46 24	5 07 47 12	5 20 57 12	6 04 11 42	6 17 24 00	7 00 28 30	7 13 23 00	7 26 10 18	8 08 59 06
20	3 16 28 54	3 29 21 30	4 12 08 00	4 24 59 18	5 08 00 18	5 21 10 24	6 04 24 54	6 17 37 12	7 00 41 30	7 13 35 48	7 26 23 00	8 09 12 00
21	3 16 41 54	3 29 34 12	4 12 20 48	4 25 12 18	5 08 13 24	5 21 23 42	6 04 38 12	6 17 50 18	7 00 54 30	7 13 48 36	7 26 35 48	8 09 24 54
22	3 16 54 54	3 29 47 00	4 12 33 36	4 25 25 12	5 08 26 30	5 21 36 54	6 04 51 24	6 18 03 30	7 01 07 30	7 14 01 24	7 26 48 36	8 09 37 48
23	3 17 07 54	3 29 59 48	4 12 46 24	4 25 38 06	5 08 39 36	5 21 50 06	6 05 04 36	6 18 16 36	7 01 20 24	7 14 14 18	7 27 01 18	8 09 50 42
24	3 17 20 54	4 00 12 36	4 12 59 12	4 25 51 06	5 08 52 42	5 22 03 18	6 05 17 54	6 18 29 42	7 01 33 24	7 14 27 06	7 27 14 06	8 10 03 42
25	3 17 33 54	4 00 25 24	4 13 12 00	4 26 04 00	5 09 05 54	5 22 16 36	6 05 31 06	6 18 42 54	7 01 46 24	7 14 39 54	7 27 26 54	8 10 16 36
26	3 17 46 54	4 00 38 12	4 13 24 48	4 26 17 00	5 09 19 00	5 22 29 48	6 05 44 18	6 18 56 00	7 01 59 24	7 14 52 42	7 27 39 36	8 10 29 30
27	3 17 59 48	4 00 50 54	4 13 37 36	4 26 29 54	5 09 32 06	5 22 43 00	6 05 57 36	6 19 09 06	7 02 12 18	7 15 05 36	7 27 52 24	8 10 42 24
28	3 18 12 48	4 01 03 42	4 13 50 24	4 26 42 54	5 09 45 12	5 22 56 12	6 06 10 48	6 19 22 18	7 02 25 18	7 15 18 24	7 28 05 12	8 10 55 24
29	3 18 25 48	4 01 16 30	4 14 03 12	4 26 55 48	5 09 58 18	5 23 09 30	6 06 24 06	6 19 35 24	7 02 38 18	7 15 31 12	7 28 18 00	8 11 08 18
30	3 18 38 42	4 01 29 18	4 14 16 00	4 27 08 48	5 10 11 30	5 23 22 42	6 06 37 18	6 19 48 30	7 02 51 12	7 15 44 00	7 28 30 42	8 11 21 18
31	3 18 51 42	4 01 42 00	4 14 28 48	4 27 21 42	5 10 24 36	5 23 35 54	6 06 50 30	6 20 01 42	7 03 04 12	7 15 56 48	7 28 43 30	8 11 34 12
32	3 19 04 36	4 01 54 48	4 14 41 36	4 27 34 42	5 10 37 42	5 23 49 12	6 07 03 48	6 20 14 48	7 03 17 06	7 16 09 36	7 28 56 18	8 11 47 12
33	3 19 17 36	4 02 07 36	4 14 54 24	4 27 47 42	5 10 50 54	5 24 02 24	6 07 17 00	6 20 27 54	7 03 30 06	7 16 22 24	7 29 09 06	8 12 00 12
34	3 19 30 30	4 02 20 24	4 15 07 18	4 28 00 36	5 11 04 00	5 24 15 42	6 07 30 12	6 20 41 00	7 03 43 00	7 16 35 12	7 29 21 48	8 12 13 06
35	3 19 43 24	4 02 33 06	4 15 20 06	4 28 13 36	5 11 17 06	5 24 28 54	6 07 43 24	6 20 54 06	7 03 56 00	7 16 48 00	7 29 34 36	8 12 26 06
36	3 19 56 18	4 02 45 54	4 15 32 54	4 28 26 36	5 11 30 18	5 24 42 06	6 07 56 42	6 21 07 18	7 04 08 54	7 17 00 48	7 29 47 24	8 12 39 06
37	3 20 09 18	4 02 58 42	4 15 45 42	4 28 39 36	5 11 43 24	5 24 55 24	6 08 09 54	6 21 20 24	7 04 21 54	7 17 13 36	8 00 00 12	8 12 52 06
38	3 20 22 12	4 03 11 24	4 15 58 36	4 28 52 30	5 11 56 30	5 25 08 36	6 08 23 06	6 21 33 30	7 04 34 48	7 17 26 24	8 00 13 00	8 13 05 06
39	3 20 35 06	4 03 24 12	4 16 11 24	4 29 05 30	5 12 09 42	5 25 21 48	6 08 36 18	6 21 46 36	7 04 47 42	7 17 39 12	8 00 25 48	8 13 18 06
40	3 20 48 00	4 03 37 00	4 16 24 12	4 29 18 30	5 12 22 48	5 25 35 06	6 08 49 36	6 21 59 42	7 05 00 42	7 17 52 00	8 00 38 30	8 13 31 06
41	3 21 00 54	4 03 49 42	4 16 37 00	4 29 31 30	5 12 36 00	5 25 48 18	6 09 02 48	6 22 12 48	7 05 13 36	7 18 04 48	8 00 51 18	8 13 44 06
42	3 21 13 48	4 04 02 30	4 16 49 54	4 29 44 30	5 12 49 12	5 26 01 36	6 09 16 00	6 22 25 54	7 05 26 30	7 18 17 36	8 01 04 06	8 13 57 06
43	3 21 26 42	4 04 15 18	4 17 02 42	4 29 57 30	5 13 02 18	5 26 14 48	6 09 29 12	6 22 39 00	7 05 39 30	7 18 30 24	8 01 16 54	8 14 10 12
44	3 21 39 36	4 04 28 06	4 17 15 30	5 00 10 30	5 13 15 30	5 26 28 06	6 09 42 24	6 22 52 06	7 05 52 24	7 18 43 12	8 01 29 42	8 14 23 12
45	3 21 52 30	4 04 40 48	4 17 28 24	5 00 23 30	5 13 28 36	5 26 41 18	6 09 55 42	6 23 05 06	7 06 05 18	7 18 56 00	8 01 42 30	8 14 36 12
46	3 22 05 24	4 04 53 36	4 17 41 12	5 00 36 30	5 13 41 48	5 26 54 30	6 10 08 54	6 23 18 12	7 06 18 12	7 19 08 42	8 01 55 18	8 14 49 18
47	3 22 18 12	4 05 06 24	4 17 54 06	5 00 49 30	5 13 55 00	5 27 07 48	6 10 22 06	6 23 31 18	7 06 31 06	7 19 21 30	8 02 08 06	8 15 02 18
48	3 22 31 06	4 05 19 06	4 18 06 54	5 01 02 30	5 14 08 06	5 27 21 00	6 10 35 18	6 23 44 24	7 06 44 00	7 19 34 18	8 02 20 54	8 15 15 24
49	3 22 44 00	4 05 31 54	4 18 19 48	5 01 15 30	5 14 21 18	5 27 34 18	6 10 48 30	6 23 57 30	7 06 56 54	7 19 47 06	8 02 33 42	8 15 28 30
50	3 22 56 48	4 05 44 42	4 18 32 36	5 01 28 30	5 14 34 30	5 27 47 30	6 11 01 42	6 24 10 36	7 07 09 48	7 19 59 54	8 02 46 30	8 15 41 30
51	3 23 09 42	4 05 57 24	4 18 45 30	5 01 41 30	5 14 47 36	5 28 00 48	6 11 14 54	6 24 23 36	7 07 22 42	7 20 12 42	8 02 59 18	8 15 54 36
52	3 23 22 36	4 06 10 12	4 18 58 18	5 01 54 36	5 15 00 48	5 28 14 00	6 11 28 06	6 24 36 42	7 07 35 36	7 20 25 24	8 03 12 06	8 16 07 42
53	3 23 35 24	4 06 23 00	4 19 11 12	5 02 07 36	5 15 14 00	5 28 27 18	6 11 41 18	6 24 49 48	7 07 48 30	7 20 38 12	8 03 24 54	8 16 20 48
54	3 23 48 18	4 06 35 42	4 19 24 00	5 02 20 36	5 15 27 12	5 28 40 30	6 11 54 30	6 25 02 48	7 08 01 24	7 20 51 00	8 03 37 42	8 16 33 54
55	3 24 01 06	4 06 48 30	4 19 36 54	5 02 33 42	5 15 40 18	5 28 53 48	6 12 07 42	6 25 15 54	7 08 14 18	7 21 03 48	8 03 50 36	8 16 47 00
56	3 24 14 00	4 07 01 18	4 19 49 48	5 02 46 42	5 15 53 30	5 29 07 00	6 12 20 54	6 25 28 54	7 08 27 12	7 21 16 30	8 04 03 24	8 17 00 06
57	3 24 26 48	4 07 14 00	4 20 02 36	5 02 59 42	5 16 06 42	5 29 20 18	6 12 34 06	6 25 42 00	7 08 40 06	7 21 29 18	8 04 16 12	8 17 13 18
58	3 24 39 36	4 07 26 48	4 20 15 30	5 03 12 48	5 16 19 54	5 29 33 30	6 12 47 18	6 25 55 06	7 08 53 00	7 21 42 06	8 04 29 00	8 17 26 24
59	3 24 52 30	4 07 39 36	4 20 28 24	5 03 25 48	5 16 33 06	5 29 46 48	6 13 00 30	6 26 08 06	7 09 05 54	7 21 54 54	8 04 41 54	8 17 39 36
60	3 25 05 18	4 07 52 24	4 20 41 18	5 03 38 48	5 16 46 18	6 00 00 00	6 13 13 42	6 26 21 12	7 09 18 42	7 22 07 36	8 04 54 42	8 17 52 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 32′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 52 42	9 01 20 42	9 15 44 00	10 01 32 24	10 19 13 36	11 08 55 12	0 00 00 00	0 21 04 48	1 10 46 24	1 28 27 36	2 14 16 00	2 28 39 18
1	8 18 05 54	9 01 34 36	9 15 59 00	10 01 49 06	10 19 32 18	11 09 15 48	0 00 21 18	0 21 25 24	1 11 05 06	1 28 44 18	2 14 31 00	2 28 53 06
2	8 18 19 00	9 01 48 30	9 16 14 00	10 02 05 48	10 19 51 06	11 09 36 24	0 00 42 42	0 21 45 54	1 11 23 48	1 29 00 54	2 14 46 00	2 29 06 54
3	8 18 32 12	9 02 02 18	9 16 29 06	10 02 22 36	10 20 09 54	11 09 57 00	0 01 04 00	0 22 06 24	1 11 42 24	1 29 17 30	2 15 00 54	2 29 20 48
4	8 18 45 24	9 02 16 12	9 16 44 12	10 02 39 24	10 20 28 42	11 10 17 42	0 01 25 24	0 22 26 54	1 12 01 00	1 29 34 06	2 15 15 54	2 29 34 30
5	8 18 58 36	9 02 30 12	9 16 59 18	10 02 56 12	10 20 47 36	11 10 38 18	0 01 46 42	0 22 47 18	1 12 19 36	1 29 50 42	2 15 30 48	2 29 48 18
6	8 19 11 48	9 02 44 06	9 17 14 30	10 03 13 00	10 21 06 30	11 10 59 00	0 02 08 06	0 23 07 48	1 12 38 06	2 00 07 12	2 15 45 42	3 00 02 06
7	8 19 25 00	9 02 58 06	9 17 29 36	10 03 29 54	10 21 25 24	11 11 19 48	0 02 29 24	0 23 28 12	1 12 56 36	2 00 23 42	2 16 00 30	3 00 15 54
8	8 19 38 12	9 03 12 00	9 17 44 48	10 03 46 54	10 21 44 24	11 11 40 30	0 02 50 42	0 23 48 30	1 13 15 06	2 00 40 06	2 16 15 24	3 00 29 36
9	8 19 51 24	9 03 26 00	9 18 00.0	10 04 03 48	10 22 03 24	11 12 01 18	0 03 12 06	0 24 08 54	1 13 33 30	2 00 56 30	2 16 30 12	3 00 43 18
10	8 20 04 42	9 03 40 00	9 18 15 18	10 04 20 48	10 22 22 30	11 12 22 00	0 03 33 24	0 24 29 12	1 13 51 54	2 01 12 54	2 16 45 00	3 00 57 00
11	8 20 17 54	9 03 54 00	9 18 30 36	10 04 37 48	10 22 41 36	11 12 42 54	0 03 54 42	0 24 49 30	1 14 10 12	2 01 29 18	2 16 59 42	3 01 10 42
12	8 20 31 12	9 04 08 00	9 18 45 54	10 04 54 54	10 23 00 42	11 13 03 42	0 04 16 00	0 25 09 48	1 14 28 36	2 01 45 36	2 17 14 30	3 01 24 24
13	8 20 44 30	9 04 22 06	9 19 01 12	10 05 12 00	10 23 19 48	11 13 24 30	0 04 37 18	0 25 30 00	1 14 46 54	2 02 01 54	2 17 29 12	3 01 38 06
14	8 20 57 42	9 04 36 12	9 19 16 30	10 05 29 06	10 23 39 00	11 13 45 24	0 04 58 36	0 25 50 12	1 15 05 06	2 02 18 12	2 17 43 54	3 01 51 42
15	8 21 11 00	9 04 50 12	9 19 31 54	10 05 46 18	10 23 58 12	11 14 06 18	0 05 19 54	0 26 10 24	1 15 23 18	2 02 34 24	2 17 58 36	3 02 05 24
16	8 21 24 18	9 05 04 18	9 19 47 18	10 06 03 24	10 24 17 30	11 14 27 12	0 05 41 12	0 26 30 36	1 15 41 30	2 02 50 36	2 18 13 18	3 02 19 00
17	8 21 37 36	9 05 18 30	9 20 02 42	10 06 20 42	10 24 36 42	11 14 48 06	0 06 02 30	0 26 50 42	1 15 59 36	2 03 06 48	2 18 27 54	3 02 32 36
18	8 21 50 54	9 05 32 36	9 20 18 06	10 06 37 54	10 24 56 00	11 15 09 00	0 06 23 48	0 27 10 48	1 16 17 48	2 03 22 54	2 18 42 30	3 02 46 12
19	8 22 04 18	9 05 46 48	9 20 33 36	10 06 55 12	10 25 15 24	11 15 30 00	0 06 45 00	0 27 30 54	1 16 35 48	2 03 39 00	2 18 57 06	3 02 59 48
20	8 22 17 36	9 06 00 54	9 20 49 06	10 07 12 30	10 25 34 48	11 15 51 00	0 07 06 18	0 27 50 54	1 16 53 54	2 03 55 06	2 19 11 42	3 03 13 24
21	8 22 30 54	9 06 15 06	9 21 04 36	10 07 29 54	10 25 54 12	11 16 12 00	0 07 27 36	0 28 10 54	1 17 11 54	2 04 11 12	2 19 26 18	3 03 26 54
22	8 22 44 18	9 06 29 18	9 21 20 12	10 07 47 18	10 26 13 36	11 16 33 00	0 07 48 48	0 28 30 54	1 17 29 54	2 04 27 12	2 19 40 48	3 03 40 30
23	8 22 57 42	9 06 43 30	9 21 35 48	10 08 04 42	10 26 33 06	11 16 54 00	0 08 10 00	0 28 50 48	1 17 47 48	2 04 43 12	2 19 55 18	3 03 54 00
24	8 23 11 00	9 06 57 48	9 21 51 24	10 08 22 12	10 26 52 36	11 17 15 06	0 08 31 12	0 29 10 48	1 18 05 42	2 04 59 12	2 20 09 48	3 04 07 36
25	8 23 24 24	9 07 12 06	9 22 07 00	10 08 39 36	10 27 12 12	11 17 36 06	0 08 52 30	0 29 30 36	1 18 23 36	2 05 15 06	2 20 24 18	3 04 21 06
26	8 23 37 48	9 07 26 18	9 22 22 42	10 08 57 12	10 27 31 42	11 17 57 12	0 09 13 42	0 29 50 30	1 18 41 24	2 05 31 00	2 20 38 42	3 04 34 36
27	8 23 51 12	9 07 40 36	9 22 38 24	10 09 14 42	10 27 51 24	11 18 18 18	0 09 34 48	1 00 10 18	1 18 59 12	2 05 46 54	2 20 53 12	3 04 48 06
28	8 24 04 42	9 07 55 00	9 22 54 06	10 09 32 18	10 28 11 00	11 18 39 24	0 09 56 00	1 00 30 06	1 19 17 00	2 06 02 48	2 21 07 36	3 05 01 30
29	8 24 18 06	9 08 09 18	9 23 09 48	10 09 50 00	10 28 30 42	11 19 00 30	0 10 17 12	1 00 49 54	1 19 34 42	2 06 18 36	2 21 22 00	3 05 15 00
30	8 24 31 30	9 08 23 36	9 23 25 36	10 10 07 36	10 28 50 24	11 19 21 42	0 10 38 18	1 01 09 36	1 19 52 24	2 06 34 24	2 21 36 24	3 05 28 30
31	8 24 45 00	9 08 38 00	9 23 41 24	10 10 25 18	10 29 10 06	11 19 42 48	0 10 59 30	1 01 29 18	1 20 10 00	2 06 50 12	2 21 50 42	3 05 41 54
32	8 24 58 30	9 08 52 24	9 23 57 12	10 10 43 00	10 29 29 54	11 20 04 00	0 11 20 36	1 01 49 00	1 20 27 42	2 07 05 54	2 22 05 00	3 05 55 18
33	8 25 11 54	9 09 06 48	9 24 13 06	10 11 00 48	10 29 49 42	11 20 25 12	0 11 41 42	1 02 08 36	1 20 45 18	2 07 21 36	2 22 19 24	3 06 08 48
34	8 25 25 24	9 09 21 18	9 24 29 00	10 11 18 36	11 00 09 30	11 20 46 18	0 12 02 48	1 02 28 18	1 21 02 48	2 07 37 18	2 22 33 42	3 06 22 12
35	8 25 38 54	9 09 35 42	9 24 44 54	10 11 36 24	11 00 29 24	11 21 07 30	0 12 23 54	1 02 47 48	1 21 20 24	2 07 53 00	2 22 47 54	3 06 35 36
36	8 25 52 24	9 09 50 12	9 25 00 48	10 11 54 18	11 00 49 12	11 21 28 48	0 12 44 54	1 03 07 24	1 21 37 48	2 08 08 36	2 23 02 12	3 06 49 00
37	8 26 06 00	9 10 04 42	9 25 16 48	10 12 12 12	11 01 09 12	11 21 50 00	0 13 06 00	1 03 26 54	1 21 55 18	2 08 24 12	2 23 16 30	3 07 02 18
38	8 26 19 30	9 10 19 12	9 25 32 48	10 12 30 06	11 01 29 06	11 22 11 12	0 13 27 00	1 03 46 24	1 22 12 42	2 08 39 48	2 23 30 42	3 07 15 42
39	8 26 33 06	9 10 33 42	9 25 48 48	10 12 48 06	11 01 49 06	11 22 32 24	0 13 48 00	1 04 05 48	1 22 30 06	2 08 55 24	2 23 44 54	3 07 29 06
40	8 26 46 36	9 10 48 18	9 26 04 54	10 13 06 06	11 02 09 06	11 22 53 42	0 14 09 00	1 04 25 12	1 22 47 30	2 09 10 54	2 23 59 06	3 07 42 24
41	8 27 00 12	9 11 02 54	9 26 21 00	10 13 24 12	11 02 29 06	11 23 15 00	0 14 30 00	1 04 44 36	1 23 04 48	2 09 26 24	2 24 13 12	3 07 55 42
42	8 27 13 48	9 11 17 30	9 26 37 06	10 13 42 12	11 02 49 12	11 23 36 12	0 14 51 00	1 05 04 00	1 23 22 06	2 09 41 54	2 24 27 24	3 08 09 06
43	8 27 27 24	9 11 32 06	9 26 53 12	10 14 00 24	11 03 09 18	11 23 57 30	0 15 11 54	1 05 23 18	1 23 39 18	2 09 57 18	2 24 41 30	3 08 22 24
44	8 27 41 00	9 11 46 42	9 27 09 24	10 14 18 30	11 03 29 24	11 24 18 48	0 15 32 48	1 05 42 30	1 23 56 36	2 10 12 42	2 24 55 42	3 08 35 42
45	8 27 54 36	9 12 01 24	9 27 25 36	10 14 36 42	11 03 49 36	11 24 40 06	0 15 53 42	1 06 01 48	1 24 13 42	2 10 28 06	2 25 09 48	3 08 49 00
46	8 28 08 18	9 12 16 06	9 27 41 48	10 14 54 54	11 04 09 48	11 25 01 24	0 16 14 36	1 06 21 00	1 24 30 54	2 10 43 30	2 25 23 48	3 09 02 18
47	8 28 21 54	9 12 30 48	9 27 58 06	10 15 13 06	11 04 30 00	11 25 22 42	0 16 35 30	1 06 40 12	1 24 48 00	2 10 58 48	2 25 37 54	3 09 15 30
48	8 28 35 36	9 12 45 30	9 28 14 24	10 15 31 24	11 04 50 12	11 25 44 00	0 16 56 18	1 06 59 18	1 25 05 06	2 11 14 06	2 25 52 00	3 09 28 48
49	8 28 49 18	9 13 00 18	9 28 30 42	10 15 49 48	11 05 10 30	11 26 05 18	0 17 17 06	1 07 18 24	1 25 22 12	2 11 29 24	2 26 06 00	3 09 42 06
50	8 29 03 00	9 13 15 00	9 28 47 06	10 16 08 06	11 05 30 48	11 26 26 36	0 17 38 00	1 07 37 30	1 25 39 12	2 11 44 42	2 26 20 00	3 09 55 18
51	8 29 16 42	9 13 29 48	9 29 03 30	10 16 26 30	11 05 51 06	11 26 47 54	0 17 58 42	1 07 56 36	1 25 56 12	2 11 60 00	2 26 34 00	3 10 08 36
52	8 29 30 24	9 13 44 36	9 29 19 54	10 16 44 54	11 06 11 30	11 27 09 18	0 18 19 30	1 08 15 36	1 26 13 06	2 12 15 12	2 26 48 00	3 10 21 48
53	8 29 44 06	9 13 59 30	9 29 36 18	10 17 03 24	11 06 31 48	11 27 30 36	0 18 40 12	1 08 34 36	1 26 30 06	2 12 30 24	2 27 01 54	3 10 35 00
54	8 29 57 54	9 14 14 18	9 29 52 48	10 17 21 54	11 06 52 12	11 27 51 54	0 19 01 00	1 08 53 30	1 26 47 00	2 12 45 30	2 27 15 54	3 10 48 12
55	9 00 11 42	9 14 29 12	10 00 09 18	10 17 40 24	11 07 12 42	11 28 13 18	0 19 21 42	1 09 12 24	1 27 03 48	2 13 00 42	2 27 29 48	3 11 01 24
56	9 00 25 30	9 14 44 06	10 00 25 54	10 17 59 00	11 07 33 06	11 28 34 36	0 19 42 18	1 09 31 18	1 27 20 36	2 13 15 48	2 27 43 48	3 11 14 36
57	9 00 39 12	9 14 59 06	10 00 42 30	10 18 17 36	11 07 53 36	11 28 56 00	0 20 03 00	1 09 50 06	1 27 37 24	2 13 30 54	2 27 57 42	3 11 27 48
58	9 00 53 06	9 15 14 00	10 00 59 06	10 18 36 12	11 08 14 06	11 29 17 18	0 20 23 36	1 10 08 54	1 27 54 12	2 13 46 00	2 28 11 30	3 11 41 00
59	9 01 06 54	9 15 29 00	10 01 15 42	10 18 54 54	11 08 34 36	11 29 38 42	0 20 44 12	1 10 27 42	1 28 10 54	2 14 01 00	2 28 25 24	3 11 54 06
60	9 01 20 42	9 15 44 00	10 01 32 24	10 19 13 36	11 08 55 12	0 00 00 00	0 21 04 48	1 10 46 24	1 28 27 36	2 14 16 00	2 28 39 18	3 12 07 18

लग्नसारणी अक्षांश 28° 33′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 07 48	3 25 05 48	4 07 52 42	4 20 41 30	5 03 39 00	5 16 46 24	6 00 00 00	6 13 13 36	6 26 21 00	7 09 18 30	7 22 07 18	8 04 54 12
1	3 12 20 54	3 25 18 36	4 08 05 30	4 20 54 24	5 03 52 06	5 16 59 36	6 00 13 12	6 13 26 48	6 26 34 00	7 09 31 18	7 22 20 00	8 05 07 06
2	3 12 34 06	3 25 31 24	4 08 18 18	4 21 07 18	5 04 05 06	5 17 12 48	6 00 26 30	6 13 40 00	6 26 47 00	7 09 44 12	7 22 32 48	8 05 19 54
3	3 12 47 12	3 25 44 12	4 08 31 00	4 21 20 12	5 04 18 12	5 17 26 00	6 00 39 42	6 13 53 12	6 27 00 06	7 09 57 06	7 22 45 36	8 05 32 48
4	3 13 00 18	3 25 57 06	4 08 43 48	4 21 33 06	5 04 31 12	5 17 39 12	6 00 53 00	6 14 06 24	6 27 13 06	7 10 09 54	7 22 58 24	8 05 45 36
5	3 13 13 30	3 26 09 54	4 08 56 36	4 21 46 00	5 04 44 18	5 17 52 24	6 01 06 12	6 14 19 30	6 27 26 06	7 10 22 48	7 23 11 06	8 05 58 24
6	3 13 26 36	3 26 22 42	4 09 09 24	4 21 58 48	5 04 57 24	5 18 05 30	6 01 19 30	6 14 32 42	6 27 39 12	7 10 35 42	7 23 23 54	8 06 11 18
7	3 13 39 42	3 26 35 30	4 09 22 06	4 22 11 42	5 05 10 24	5 18 18 48	6 01 32 42	6 14 45 54	6 27 52 12	7 10 48 30	7 23 36 42	8 06 24 06
8	3 13 52 48	3 26 48 18	4 09 34 54	4 22 24 36	5 05 23 30	5 18 32 00	6 01 46 00	6 14 59 06	6 28 05 12	7 11 01 24	7 23 49 24	8 06 37 00
9	3 14 05 54	3 27 01 06	4 09 47 42	4 22 37 30	5 05 36 36	5 18 45 12	6 01 59 12	6 15 12 12	6 28 18 12	7 11 14 12	7 24 02 12	8 06 49 48
10	3 14 18 54	3 27 13 54	4 10 00 30	4 22 50 24	5 05 49 36	5 18 58 24	6 02 12 30	6 15 25 24	6 28 31 18	7 11 27 06	7 24 15 00	8 07 02 42
11	3 14 32 00	3 27 26 42	4 10 13 18	4 23 03 18	5 06 02 42	5 19 11 36	6 02 25 42	6 15 38 36	6 28 44 18	7 11 39 54	7 24 27 42	8 07 15 36
12	3 14 45 06	3 27 39 30	4 10 26 00	4 23 16 12	5 06 15 48	5 19 24 48	6 02 38 54	6 15 51 48	6 28 57 18	7 11 52 48	7 24 40 30	8 07 28 24
13	3 14 58 06	3 27 52 18	4 10 38 48	4 23 29 06	5 06 28 54	5 19 38 00	6 02 52 12	6 16 04 54	6 29 10 18	7 12 05 36	7 24 53 18	8 07 41 18
14	3 15 11 12	3 28 05 06	4 10 51 36	4 23 42 06	5 06 41 54	5 19 51 12	6 03 05 24	6 16 18 06	6 29 23 18	7 12 18 30	7 25 06 00	8 07 54 12
15	3 15 24 12	3 28 17 54	4 11 04 24	4 23 55 00	5 06 55 00	5 20 04 24	6 03 18 42	6 16 31 12	6 29 36 18	7 12 31 18	7 25 18 48	8 08 07 06
16	3 15 37 18	3 28 30 42	4 11 17 12	4 24 07 54	5 07 08 06	5 20 17 36	6 03 31 54	6 16 44 24	6 29 49 18	7 12 44 06	7 25 31 36	8 08 20 00
17	3 15 50 18	3 28 43 30	4 11 30 00	4 24 20 48	5 07 21 12	5 20 30 48	6 03 45 12	6 16 57 36	7 00 02 18	7 12 57 00	7 25 44 18	8 08 32 48
18	3 16 03 18	3 28 56 18	4 11 42 48	4 24 33 42	5 07 34 18	5 20 44 06	6 03 58 24	6 17 10 42	7 00 15 18	7 13 09 48	7 25 57 06	8 08 45 42
19	3 16 16 24	3 29 09 06	4 11 55 30	4 24 46 42	5 07 47 24	5 20 57 18	6 04 11 36	6 17 23 54	7 00 28 18	7 13 22 36	7 26 09 54	8 08 58 36
20	3 16 29 24	3 29 21 54	4 12 08 18	4 24 59 36	5 08 00 30	5 21 10 30	6 04 24 54	6 17 37 00	7 00 41 18	7 13 35 30	7 26 22 36	8 09 11 30
21	3 16 42 24	3 29 34 42	4 12 21 06	4 25 12 30	5 08 13 36	5 21 23 42	6 04 38 06	6 17 50 12	7 00 54 12	7 13 48 18	7 26 35 24	8 09 24 24
22	3 16 55 24	3 29 47 24	4 12 33 54	4 25 25 24	5 08 26 42	5 21 36 54	6 04 51 24	6 18 03 18	7 01 07 12	7 14 01 06	7 26 48 12	8 09 37 24
23	3 17 08 24	4 00 00 12	4 12 46 42	4 25 38 24	5 08 39 48	5 21 50 12	6 05 04 36	6 18 16 30	7 01 20 12	7 14 13 54	7 27 00 54	8 09 50 18
24	3 17 21 24	4 00 13 00	4 12 59 30	4 25 51 18	5 08 52 54	5 22 03 24	6 05 17 48	6 18 29 36	7 01 33 12	7 14 26 48	7 27 13 42	8 10 03 12
25	3 17 34 24	4 00 25 48	4 13 12 18	4 26 04 18	5 09 06 00	5 22 16 36	6 05 31 06	6 18 42 42	7 01 46 12	7 14 39 36	7 27 26 30	8 10 16 06
26	3 17 47 18	4 00 38 36	4 13 25 06	4 26 17 12	5 09 19 06	5 22 29 48	6 05 44 18	6 18 55 54	7 01 59 06	7 14 52 24	7 27 39 12	8 10 29 00
27	3 18 00 18	4 00 51 18	4 13 37 54	4 26 30 12	5 09 32 18	5 22 43 06	6 05 57 30	6 19 09 00	7 02 12 06	7 15 05 12	7 27 52 00	8 10 42 00
28	3 18 13 18	4 01 04 06	4 13 50 42	4 26 43 06	5 09 45 24	5 22 56 18	6 06 10 48	6 19 22 06	7 02 25 06	7 15 18 00	7 28 04 48	8 10 54 54
29	3 18 26 12	4 01 16 54	4 14 03 30	4 26 56 06	5 09 58 30	5 23 09 30	6 06 24 00	6 19 35 18	7 02 38 00	7 15 30 48	7 28 17 36	8 11 07 54
30	3 18 39 12	4 01 29 42	4 14 16 18	4 27 09 00	5 10 11 36	5 23 22 48	6 06 37 12	6 19 48 24	7 02 51 00	7 15 43 42	7 28 30 18	8 11 20 48
31	3 18 52 06	4 01 42 24	4 14 29 12	4 27 22 00	5 10 24 42	5 23 36 00	6 06 50 30	6 20 01 30	7 03 03 54	7 15 56 30	7 28 43 06	8 11 33 48
32	3 19 05 06	4 01 55 12	4 14 42 00	4 27 34 54	5 10 37 54	5 23 49 12	6 07 03 42	6 20 14 36	7 03 16 54	7 16 09 18	7 28 55 54	8 11 46 42
33	3 19 18 00	4 02 08 00	4 14 54 48	4 27 47 54	5 10 51 00	5 24 02 30	6 07 16 54	6 20 27 42	7 03 29 48	7 16 22 06	7 29 08 42	8 11 59 42
34	3 19 31 00	4 02 20 48	4 15 07 36	4 28 00 54	5 11 04 06	5 24 15 42	6 07 30 12	6 20 40 54	7 03 42 48	7 16 34 54	7 29 21 24	8 12 12 42
35	3 19 43 54	4 02 33 30	4 15 20 24	4 28 13 48	5 11 17 18	5 24 28 54	6 07 43 24	6 20 54 00	7 03 55 42	7 16 47 42	7 29 34 12	8 12 25 36
36	3 19 56 48	4 02 46 18	4 15 33 12	4 28 26 48	5 11 30 24	5 24 42 12	6 07 56 36	6 21 07 06	7 04 08 42	7 17 00 30	7 29 47 00	8 12 38 36
37	3 20 09 42	4 02 59 06	4 15 46 06	4 28 39 48	5 11 43 30	5 24 55 24	6 08 09 48	6 21 20 12	7 04 21 36	7 17 13 18	7 29 59 48	8 12 51 36
38	3 20 22 36	4 03 11 48	4 15 58 54	4 28 52 48	5 11 56 42	5 25 08 36	6 08 23 06	6 21 33 18	7 04 34 36	7 17 26 06	8 00 12 36	8 13 04 36
39	3 20 35 36	4 03 24 36	4 16 11 42	4 29 05 48	5 12 09 48	5 25 21 54	6 08 36 18	6 21 46 24	7 04 47 30	7 17 38 54	8 00 25 18	8 13 17 36
40	3 20 48 30	4 03 37 24	4 16 24 30	4 29 18 42	5 12 23 00	5 25 35 06	6 08 49 30	6 21 59 30	7 05 00 24	7 17 51 42	8 00 38 06	8 13 30 36
41	3 21 01 24	4 03 50 06	4 16 37 24	4 29 31 42	5 12 36 06	5 25 48 24	6 09 02 42	6 22 12 36	7 05 13 18	7 18 04 30	8 00 50 54	8 13 43 36
42	3 21 14 18	4 04 02 54	4 16 50 12	4 29 44 42	5 12 49 18	5 26 01 36	6 09 15 54	6 22 25 42	7 05 26 18	7 18 17 12	8 01 03 42	8 13 56 42
43	3 21 27 12	4 04 15 42	4 17 03 00	4 29 57 42	5 13 02 24	5 26 14 48	6 09 29 12	6 22 38 48	7 05 39 12	7 18 30 00	8 01 16 30	8 14 09 42
44	3 21 40 00	4 04 28 24	4 17 15 54	5 00 10 42	5 13 15 36	5 26 28 06	6 09 42 24	6 22 51 54	7 05 52 06	7 18 42 48	8 01 29 18	8 14 22 42
45	3 21 52 54	4 04 41 12	4 17 28 42	5 00 23 42	5 13 28 48	5 26 41 18	6 09 55 36	6 23 05 00	7 06 05 00	7 18 55 36	8 01 42 06	8 14 35 48
46	3 22 05 48	4 04 54 00	4 17 41 30	5 00 36 42	5 13 41 54	5 26 54 36	6 10 08 48	6 23 18 06	7 06 17 54	7 19 08 24	8 01 54 54	8 14 48 48
47	3 22 18 42	4 05 06 42	4 17 54 24	5 00 49 42	5 13 55 06	5 27 07 48	6 10 22 00	6 23 31 06	7 06 30 54	7 19 21 12	8 02 07 42	8 15 01 54
48	3 22 31 36	4 05 19 30	4 18 07 12	5 01 02 42	5 14 08 12	5 27 21 06	6 10 35 12	6 23 44 12	7 06 43 48	7 19 34 00	8 02 20 30	8 15 14 54
49	3 22 44 24	4 05 32 18	4 18 20 06	5 01 15 42	5 14 21 24	5 27 34 18	6 10 48 24	6 23 57 18	7 06 56 42	7 19 46 42	8 02 33 18	8 15 28 00
50	3 22 57 18	4 05 45 00	4 18 32 54	5 01 28 42	5 14 34 36	5 27 47 30	6 11 01 36	6 24 10 24	7 07 09 36	7 19 59 30	8 02 46 06	8 15 41 06
51	3 23 10 12	4 05 57 48	4 18 45 48	5 01 41 48	5 14 47 48	5 28 00 48	6 11 14 48	6 24 23 24	7 07 22 30	7 20 12 18	8 02 58 54	8 15 54 06
52	3 23 23 00	4 06 10 36	4 18 58 36	5 01 54 48	5 15 00 54	5 28 14 00	6 11 28 00	6 24 36 30	7 07 35 24	7 20 25 06	8 03 11 42	8 16 07 12
53	3 23 35 54	4 06 23 18	4 19 11 30	5 02 07 48	5 15 14 06	5 28 27 18	6 11 41 12	6 24 49 36	7 07 48 18	7 20 37 54	8 03 24 30	8 16 20 18
54	3 23 48 42	4 06 36 06	4 19 24 18	5 02 20 48	5 15 27 18	5 28 40 30	6 11 54 30	6 25 02 36	7 08 01 12	7 20 50 36	8 03 37 18	8 16 33 24
55	3 24 01 36	4 06 48 54	4 19 37 12	5 02 33 54	5 15 40 30	5 28 53 48	6 12 07 36	6 25 15 42	7 08 14 00	7 21 03 24	8 03 50 06	8 16 46 30
56	3 24 14 24	4 07 01 36	4 19 50 06	5 02 46 54	5 15 53 36	5 29 07 00	6 12 20 48	6 25 28 48	7 08 26 54	7 21 16 12	8 04 02 54	8 16 59 42
57	3 24 27 12	4 07 14 24	4 20 02 54	5 02 59 54	5 16 06 48	5 29 20 18	6 12 34 00	6 25 41 48	7 08 39 48	7 21 29 00	8 04 15 48	8 17 12 48
58	3 21 40 06	4 07 27 12	4 20 15 48	5 03 13 00	5 16 20 00	5 29 33 30	6 12 47 12	6 25 54 54	7 08 52 42	7 21 41 42	8 04 28 36	8 17 25 54
59	3 24 52 54	4 07 40 00	4 20 28 42	5 03 26 00	5 16 33 12	5 29 46 48	6 13 00 24	6 26 07 54	7 09 05 36	7 21 54 30	8 04 41 24	8 17 39 06
60	3 25 05 48	4 07 52 42	4 20 41 30	5 03 39 00	5 16 46 24	6 00 00 00	6 13 13 36	6 26 21 00	7 09 18 30	7 22 07 18	8 04 54 12	8 17 52 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 33' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 52 12	9 01 20 12	9 15 43 24	10 01 31 48	10 19 13 06	11 08 54 54	0 00 00 00	0 21 05 06	1 10 46 54	1 28 28 12	2 14 16 36	2 28 39 48
1	8 18 05 24	9 01 34 06	9 15 58 24	10 01 48 30	10 19 31 54	11 09 15 30	0 00 21 24	0 21 25 36	1 11 05 36	1 28 44 48	2 14 31 36	2 28 53 36
2	8 18 18 30	9 01 47 54	9 16 13 30	10 02 05 18	10 19 50 36	11 09 36 06	0 00 42 42	0 21 46 06	1 11 24 12	1 29 01 30	2 14 46 30	2 29 07 30
3	8 18 31 42	9 02 01 48	9 16 28 36	10 02 22 00	10 20 09 24	11 09 56 48	0 01 04 00	0 22 06 42	1 11 42 54	1 29 18 06	2 15 01 30	2 29 21 18
4	8 18 44 54	9 02 15 42	9 16 43 42	10 02 38 48	10 20 28 18	11 10 17 24	0 01 25 24	0 22 27 06	1 12 01 30	1 29 34 42	2 15 16 24	2 29 35 06
5	8 18 58 06	9 02 29 36	9 16 58 48	10 02 55 42	10 20 47 12	11 10 38 06	0 01 46 42	0 22 47 36	1 12 20 00	1 29 51 12	2 15 31 18	2 29 48 54
6	8 19 11 18	9 02 43 36	9 17 13 54	10 03 12 30	10 21 06 06	11 10 58 48	0 02 08 06	0 23 08 00	1 12 38 36	2 00 07 42	2 15 46 12	3 00 02 36
7	8 19 24 30	9 02 57 30	9 17 29 06	10 03 29 24	10 21 25 00	11 11 19 30	0 02 29 24	0 23 28 24	1 12 57 06	2 00 24 12	2 16 01 06	3 00 16 24
8	8 19 37 42	9 03 11 30	9 17 44 18	10 03 46 18	10 21 44 00	11 11 40 18	0 02 50 48	0 23 48 48	1 13 15 30	2 00 40 36	2 16 15 54	3 00 30 06
9	8 19 50 54	9 03 25 30	9 17 59 30	10 04 03 18	10 22 03 00	11 12 01 00	0 03 12 06	0 24 09 12	1 13 34 00	2 00 57 06	2 16 30 42	3 00 43 48
10	8 20 04 12	9 03 39 30	9 18 14 42	10 04 20 18	10 22 22 06	11 12 21 48	0 03 33 24	0 24 29 30	1 13 52 24	2 01 13 24	2 16 45 30	3 00 57 36
11	8 20 17 24	9 03 53 30	9 18 30 00	10 04 37 18	10 22 41 06	11 12 42 36	0 03 54 48	0 24 49 48	1 14 10 42	2 01 29 48	2 17 00 18	3 01 11 12
12	8 20 30 42	9 04 07 30	9 18 45 18	10 04 54 24	10 23 00 18	11 13 03 30	0 04 16 06	0 25 10 06	1 14 29 00	2 01 46 06	2 17 15 00	3 01 24 54
13	8 20 44 00	9 04 21 36	9 19 00 36	10 05 11 30	10 23 19 24	11 13 24 18	0 04 37 24	0 25 30 18	1 14 47 18	2 02 02 24	2 17 29 48	3 01 38 36
14	8 20 57 12	9 04 35 36	9 19 16 00	10 05 28 36	10 23 38 36	11 13 45 12	0 04 58 42	0 25 50 30	1 15 05 36	2 02 18 42	2 17 44 30	3 01 52 18
15	8 21 10 30	9 04 49 42	9 19 31 18	10 05 45 42	10 23 57 48	11 14 06 06	0 05 20 00	0 26 10 42	1 15 23 48	2 02 34 54	2 17 59 12	3 02 05 54
16	8 21 23 48	9 05 03 48	9 19 46 42	10 06 02 54	10 24 17 06	11 14 27 00	0 05 41 18	0 26 30 54	1 15 42 00	2 02 51 06	2 18 13 48	3 02 19 30
17	8 21 37 06	9 05 17 54	9 20 02 06	10 06 20 12	10 24 36 18	11 14 47 54	0 06 02 36	0 26 51 00	1 16 00 06	2 03 07 18	2 18 28 30	3 02 33 06
18	8 21 50 24	9 05 32 06	9 20 17 36	10 06 37 24	10 24 55 42	11 15 08 54	0 06 23 54	0 27 11 06	1 16 18 12	2 03 23 30	2 18 43 06	3 02 46 42
19	8 22 03 42	9 05 46 12	9 20 33 06	10 06 54 42	10 25 15 00	11 15 29 48	0 06 45 06	0 27 31 12	1 16 36 18	2 03 39 36	2 18 57 42	3 03 00 18
20	8 22 17 06	9 06 00 24	9 20 48 36	10 07 12 00	10 25 34 24	11 15 50 48	0 07 06 24	0 27 51 12	1 16 54 24	2 03 55 42	2 19 12 12	3 03 13 54
21	8 22 30 24	9 06 14 36	9 21 04 06	10 07 29 24	10 25 53 48	11 16 11 48	0 07 27 42	0 28 11 12	1 17 12 24	2 04 11 42	2 19 26 48	3 03 27 30
22	8 22 43 48	9 06 28 48	9 21 19 36	10 07 46 48	10 26 13 18	11 16 32 48	0 07 48 54	0 28 31 12	1 17 30 18	2 04 27 42	2 19 41 18	3 03 41 00
23	8 22 57 06	9 06 43 00	9 21 35 12	10 08 04 12	10 26 32 42	11 16 53 54	0 08 10 06	0 28 51 12	1 17 48 18	2 04 43 42	2 19 55 54	3 03 54 36
24	8 23 10 30	9 06 57 18	9 21 50 48	10 08 21 42	10 26 52 12	11 17 14 54	0 08 31 24	0 29 11 06	1 18 06 12	2 04 59 42	2 20 10 18	3 04 08 06
25	8 23 23 54	9 07 11 30	9 22 06 30	10 08 39 06	10 27 11 48	11 17 36 00	0 08 52 36	0 29 31 00	1 18 24 00	2 05 15 42	2 20 24 48	3 04 21 36
26	8 23 37 18	9 07 25 48	9 22 22 06	10 08 56 42	10 27 31 24	11 17 57 06	0 09 13 48	0 29 50 54	1 18 41 54	2 05 31 36	2 20 39 18	3 04 35 06
27	8 23 50 42	9 07 40 06	9 22 37 48	10 09 14 12	10 27 51 00	11 18 18 12	0 09 35 00	1 00 10 42	1 18 59 42	2 05 47 30	2 20 53 42	3 04 48 36
28	8 24 04 06	9 07 54 24	9 22 53 30	10 09 31 48	10 28 10 36	11 18 39 18	0 09 56 06	1 00 30 30	1 19 17 30	2 06 03 18	2 21 08 06	3 05 02 06
29	8 24 17 36	9 08 08 42	9 23 09 18	10 09 49 30	10 28 30 18	11 19 00 24	0 10 17 18	1 00 50 18	1 19 35 12	2 06 19 06	2 21 22 30	3 05 15 30
30	8 24 31 00	9 08 23 06	9 23 25 06	10 10 07 06	10 28 50 00	11 19 21 30	0 10 38 30	1 01 10 00	1 19 52 54	2 06 34 54	2 21 36 54	3 05 29 00
31	8 24 44 30	9 08 37 30	9 23 40 54	10 10 24 48	10 29 09 42	11 19 42 42	0 10 59 36	1 01 29 42	1 20 10 30	2 06 50 42	2 21 51 18	3 05 42 24
32	8 24 57 54	9 08 51 54	9 23 56 42	10 10 42 30	10 29 29 30	11 20 03 54	0 11 20 42	1 01 49 24	1 20 28 12	2 07 06 30	2 22 05 36	3 05 55 54
33	8 25 11 24	9 09 06 18	9 24 12 30	10 11 00 18	10 29 49 18	11 20 25 00	0 11 41 48	1 02 09 00	1 20 45 48	2 07 22 12	2 22 19 54	3 06 09 18
34	8 25 24 54	9 09 20 42	9 24 28 24	10 11 18 06	11 00 09 06	11 20 46 12	0 12 02 54	1 02 28 36	1 21 03 18	2 07 37 54	2 22 34 12	3 06 22 42
35	8 25 38 24	9 09 35 12	9 24 44 18	10 11 36 00	11 00 29 00	11 21 07 24	0 12 24 00	1 02 48 12	1 21 20 54	2 07 53 30	2 22 48 30	3 06 36 06
36	8 25 51 54	9 09 49 42	9 25 00 18	10 11 53 48	11 00 48 54	11 21 28 36	0 12 45 06	1 03 07 48	1 21 38 18	2 08 09 12	2 23 02 42	3 06 49 30
37	8 26 05 24	9 10 04 06	9 25 16 18	10 12 11 42	11 01 08 48	11 21 49 54	0 13 06 06	1 03 27 18	1 21 55 48	2 08 24 48	2 23 17 00	3 07 02 54
38	8 26 19 00	9 10 18 42	9 25 32 18	10 12 29 42	11 01 28 48	11 22 11 06	0 13 27 12	1 03 46 42	1 22 13 12	2 08 40 24	2 23 31 12	3 07 16 12
39	8 26 32 30	9 10 33 12	9 25 48 18	10 12 47 36	11 01 48 48	11 22 32 18	0 13 48 12	1 04 06 12	1 22 30 36	2 08 55 54	2 23 45 24	3 07 29 36
40	8 26 46 06	9 10 47 48	9 26 04 18	10 13 05 36	11 02 08 48	11 22 53 36	0 14 09 12	1 04 25 36	1 22 48 00	2 09 11 24	2 23 59 36	3 07 42 54
41	8 26 59 42	9 11 02 18	9 26 20 24	10 13 23 42	11 02 28 48	11 23 14 54	0 14 30 12	1 04 45 00	1 23 05 18	2 09 26 54	2 24 13 48	3 07 56 18
42	8 27 13 18	9 11 16 54	9 26 36 30	10 13 41 48	11 02 48 54	11 23 36 06	0 14 51 06	1 05 04 18	1 23 22 36	2 09 42 24	2 24 27 54	3 08 09 36
43	8 27 26 54	9 11 31 30	9 26 52 42	10 13 59 54	11 03 09 00	11 23 57 24	0 15 12 06	1 05 23 42	1 23 39 48	2 09 57 54	2 24 42 06	3 08 22 54
44	8 27 40 30	9 11 46 12	9 27 08 54	10 14 18 00	11 03 29 06	11 24 18 42	0 15 33 00	1 05 42 54	1 23 57 06	2 10 13 18	2 24 56 12	3 08 36 12
45	8 27 54 06	9 12 00 48	9 27 25 06	10 14 36 12	11 03 49 18	11 24 40 00	0 15 53 54	1 06 02 12	1 24 14 18	2 10 28 42	2 25 10 18	3 08 49 30
46	8 28 07 42	9 12 15 30	9 27 41 18	10 14 54 24	11 04 09 30	11 25 01 18	0 16 14 48	1 06 21 24	1 24 31 24	2 10 44 00	2 25 24 24	3 09 02 48
47	8 28 21 24	9 12 30 12	9 27 57 36	10 15 12 42	11 04 29 42	11 25 22 36	0 16 35 42	1 06 40 36	1 24 48 30	2 10 59 24	2 25 38 24	3 09 16 00
48	8 28 35 06	9 12 45 00	9 28 13 54	10 15 31 00	11 04 49 54	11 25 43 54	0 16 56 30	1 06 59 42	1 25 05 36	2 11 14 42	2 25 52 30	3 09 29 18
49	8 28 48 48	9 12 59 42	9 28 30 12	10 15 49 18	11 05 10 12	11 26 05 12	0 17 17 24	1 07 18 54	1 25 22 42	2 11 30 00	2 26 06 30	3 09 42 36
50	8 29 02 24	9 13 14 30	9 28 46 36	10 16 07 36	11 05 30 30	11 26 26 36	0 17 38 12	1 07 37 54	1 25 39 42	2 11 45 18	2 26 20 30	3 09 55 48
51	8 29 16 12	9 13 29 18	9 29 02 54	10 16 26 00	11 05 50 48	11 26 47 54	0 17 59 00	1 07 57 00	1 25 56 42	2 12 00 30	2 26 34 30	3 10 09 06
52	8 29 29 54	9 13 44 06	9 29 19 24	10 16 44 30	11 06 11 12	11 27 09 12	0 18 19 42	1 08 16 00	1 26 13 42	2 12 15 42	2 26 48 30	3 10 22 18
53	8 29 43 36	9 13 58 54	9 29 35 48	10 17 02 54	11 06 31 36	11 27 30 36	0 18 40 30	1 08 35 00	1 26 30 36	2 12 30 54	2 27 02 30	3 10 35 30
54	8 29 57 24	9 14 13 48	9 29 52 18	10 17 21 24	11 06 52 00	11 27 51 54	0 19 01 12	1 08 53 54	1 26 47 30	2 12 46 06	2 27 16 24	3 10 48 42
55	9 00 11 06	9 14 28 42	10 00 08 48	10 17 40 00	11 07 12 24	11 28 13 18	0 19 21 54	1 09 12 48	1 27 04 18	2 13 01 12	2 27 30 24	3 11 01 54
56	9 00 24 54	9 14 43 36	10 00 25 18	10 17 58 30	11 07 32 54	11 28 34 36	0 19 42 36	1 09 31 42	1 27 21 12	2 13 16 18	2 27 44 18	3 11 15 06
57	9 00 38 42	9 14 58 30	10 00 41 54	10 18 17 06	11 07 53 18	11 28 56 00	0 20 03 12	1 09 50 36	1 27 38 00	2 13 31 24	2 27 58 12	3 11 28 18
58	9 00 52 30	9 15 13 30	10 00 58 30	10 18 35 48	11 08 13 54	11 29 17 18	0 20 23 54	1 10 09 24	1 27 54 42	2 13 46 30	2 28 12 06	3 11 41 30
59	9 01 06 24	9 15 28 24	10 01 15 12	10 18 54 24	11 08 34 24	11 29 38 36	0 20 44 30	1 10 28 06	1 28 11 30	2 14 01 36	2 28 25 54	3 11 54 36
60	9 01 20 12	9 15 43 24	10 01 31 48	10 19 13 06	11 08 54 54	0 00 00 00	0 21 05 06	1 10 46 54	1 28 28 12	2 14 16 36	2 28 39 48	3 12 07 48

लग्नसारणी अक्षांश 28° 34′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 08 18	3 25 06 12	4 07 53 06	4 20 41 48	5 03 39 18	5 16 46 30	6 00 00 00	6 13 13 30	6 26 20 42	7 09 18 12	7 22 06 54	8 04 53 48
1	3 12 21 24	3 25 19 00	4 08 05 54	4 20 54 42	5 03 52 18	5 16 59 42	6 00 13 12	6 13 26 42	6 26 33 48	7 09 31 00	7 22 19 42	8 05 06 36
2	3 12 34 36	3 25 31 48	4 08 18 36	4 21 07 36	5 04 05 18	5 17 12 54	6 00 26 30	6 13 39 54	6 26 46 48	7 09 43 54	7 22 32 24	8 05 19 30
3	3 12 47 42	3 25 44 42	4 08 31 24	4 21 20 30	5 04 18 24	5 17 26 06	6 00 39 42	6 13 53 06	6 26 59 54	7 09 56 48	7 22 45 12	8 05 32 18
4	3 13 00 48	3 25 57 30	4 08 44 12	4 21 33 24	5 04 31 24	5 17 39 18	6 00 53 00	6 14 06 18	6 27 12 54	7 10 09 36	7 22 58 00	8 05 45 12
5	3 13 13 54	3 26 10 18	4 08 57 00	4 21 46 12	5 04 44 30	5 17 52 24	6 01 06 12	6 14 19 24	6 27 25 54	7 10 22 30	7 23 10 42	8 05 58 00
6	3 13 27 06	3 26 23 06	4 09 09 42	4 21 59 06	5 04 57 36	5 18 05 36	6 01 19 30	6 14 32 36	6 27 39 00	7 10 35 24	7 23 23 30	8 06 10 48
7	3 13 40 12	3 26 35 54	4 09 22 30	4 22 12 00	5 05 10 36	5 18 18 48	6 01 32 42	6 14 45 48	6 27 52 00	7 10 48 12	7 23 36 18	8 06 23 42
8	3 13 53 18	3 26 48 42	4 09 35 18	4 22 24 54	5 05 23 42	5 18 32 00	6 01 46 00	6 14 59 00	6 28 05 00	7 11 01 06	7 23 49 00	8 06 36 30
9	3 14 06 18	3 27 01 30	4 09 48 06	4 22 37 48	5 05 36 42	5 18 45 12	6 01 59 12	6 15 12 06	6 28 18 00	7 11 13 54	7 24 01 48	8 06 49 24
10	3 14 19 24	3 27 14 18	4 10 00 48	4 22 50 42	5 05 49 48	5 18 58 24	6 02 12 24	6 15 25 18	6 28 31 00	7 11 26 48	7 24 14 36	8 07 02 18
11	3 14 32 30	3 27 27 12	4 10 13 36	4 23 03 36	5 06 02 54	5 19 11 42	6 02 25 42	6 15 38 30	6 28 44 00	7 11 39 36	7 24 27 18	8 07 15 06
12	3 14 45 36	3 27 40 00	4 10 26 24	4 23 16 30	5 06 16 00	5 19 24 54	6 02 38 54	6 15 51 36	6 28 57 06	7 11 52 30	7 24 40 06	8 07 28 00
13	3 14 58 36	3 27 52 42	4 10 39 12	4 23 29 24	5 06 29 00	5 19 38 06	6 02 52 12	6 16 04 48	6 29 10 06	7 12 05 18	7 24 52 54	8 07 40 54
14	3 15 11 42	3 28 05 30	4 10 52 00	4 23 42 18	5 06 42 06	5 19 51 18	6 03 05 24	6 16 18 00	6 29 23 06	7 12 18 12	7 25 05 36	8 07 53 42
15	3 15 24 42	3 28 18 18	4 11 04 42	4 23 55 12	5 06 55 12	5 20 04 30	6 03 18 36	6 16 31 06	6 29 36 06	7 12 31 00	7 25 18 24	8 08 06 36
16	3 15 37 48	3 28 31 06	4 11 17 30	4 24 08 12	5 07 08 18	5 20 17 42	6 03 31 54	6 16 44 18	6 29 49 06	7 12 43 48	7 25 31 12	8 08 19 30
17	3 15 50 48	3 28 43 54	4 11 30 18	4 24 21 06	5 07 21 24	5 20 30 54	6 03 45 06	6 16 57 24	7 00 02 06	7 12 56 42	7 25 43 54	8 08 32 24
18	3 16 03 48	3 28 56 42	4 11 43 06	4 24 34 00	5 07 34 30	5 20 44 06	6 03 58 24	6 17 10 36	7 00 15 06	7 13 09 30	7 25 56 42	8 08 45 18
19	3 16 16 48	3 29 09 30	4 11 55 54	4 24 46 54	5 07 47 36	5 20 57 24	6 04 11 36	6 17 23 42	7 00 28 00	7 13 22 18	7 26 09 30	8 08 58 12
20	3 16 29 48	3 29 22 18	4 12 08 42	4 24 59 48	5 08 00 42	5 21 10 36	6 04 24 48	6 17 36 54	7 00 41 00	7 13 35 12	7 26 22 12	8 09 11 06
21	3 16 42 54	3 29 35 06	4 12 21 30	4 25 12 48	5 08 13 48	5 21 23 48	6 04 38 06	6 17 50 00	7 00 54 00	7 13 48 00	7 26 35 00	8 09 24 00
22	3 16 55 54	3 29 47 54	4 12 34 18	4 25 25 42	5 08 26 54	5 21 37 00	6 04 51 18	6 18 03 12	7 01 07 00	7 14 00 48	7 26 47 48	8 09 36 54
23	3 17 08 54	4 00 00 36	4 12 47 06	4 25 38 36	5 08 40 00	5 21 50 12	6 05 04 36	6 18 16 18	7 01 20 00	7 14 13 36	7 27 00 30	8 09 49 48
24	3 17 21 48	4 00 13 24	4 12 59 54	4 25 51 36	5 08 53 06	5 22 03 30	6 05 17 48	6 18 29 24	7 01 32 54	7 14 26 24	7 27 13 18	8 10 02 42
25	3 17 34 48	4 00 26 12	4 13 12 42	4 26 04 30	5 09 06 12	5 22 16 42	6 05 31 00	6 18 42 36	7 01 45 54	7 14 39 18	7 27 26 06	8 10 15 42
26	3 17 47 48	4 00 39 00	4 13 25 30	4 26 17 30	5 09 19 18	5 22 29 54	6 05 44 18	6 18 55 42	7 01 58 54	7 14 52 06	7 27 38 48	8 10 28 36
27	3 18 00 48	4 00 51 42	4 13 38 18	4 26 30 24	5 09 32 24	5 22 43 06	6 05 57 30	6 19 08 54	7 02 11 54	7 15 04 54	7 27 51 36	8 10 41 30
28	3 18 13 42	4 01 04 30	4 13 51 06	4 26 43 24	5 09 45 30	5 22 56 24	6 06 10 42	6 19 22 00	7 02 24 48	7 15 17 42	7 28 04 24	8 10 54 30
29	3 18 26 42	4 01 17 18	4 14 03 54	4 26 56 18	5 09 58 36	5 23 09 36	6 06 24 00	6 19 35 06	7 02 37 48	7 15 30 30	7 28 17 12	8 11 07 24
30	3 18 39 42	4 01 30 06	4 14 16 42	4 27 09 18	5 10 11 48	5 23 22 48	6 06 37 12	6 19 48 12	7 02 50 42	7 15 43 18	7 28 29 54	8 11 20 18
31	3 18 52 36	4 01 42 48	4 14 29 30	4 27 22 12	5 10 24 54	5 23 36 00	6 06 50 24	6 20 01 24	7 03 03 42	7 15 56 06	7 28 42 42	8 11 33 18
32	3 19 05 30	4 01 55 36	4 14 42 18	4 27 35 12	5 10 38 00	5 23 49 18	6 07 03 36	6 20 14 30	7 03 16 36	7 16 08 54	7 28 55 30	8 11 46 18
33	3 19 18 30	4 02 08 24	4 14 55 06	4 27 48 06	5 10 51 06	5 24 02 30	6 07 16 54	6 20 27 36	7 03 29 36	7 16 21 42	7 29 08 18	8 11 59 12
34	3 19 31 24	4 02 21 12	4 15 07 54	4 28 01 06	5 11 04 18	5 24 15 42	6 07 30 06	6 20 40 42	7 03 42 30	7 16 34 30	7 29 21 00	8 12 12 12
35	3 19 44 18	4 02 33 54	4 15 20 42	4 28 14 06	5 11 17 24	5 24 29 00	6 07 43 18	6 20 53 48	7 03 55 30	7 16 47 18	7 29 33 48	8 12 25 12
36	3 19 57 18	4 02 46 42	4 15 33 36	4 28 27 06	5 11 30 36	5 24 42 12	6 07 56 30	6 21 06 54	7 04 08 24	7 17 00 06	7 29 46 36	8 12 38 12
37	3 20 10 12	4 02 59 30	4 15 46 24	4 28 40 00	5 11 43 42	5 24 55 24	6 08 09 48	6 21 20 00	7 04 21 24	7 17 12 54	7 29 59 24	8 12 51 06
38	3 20 23 06	4 03 12 12	4 15 59 12	4 28 53 00	5 11 56 48	5 25 08 42	6 08 23 00	6 21 33 06	7 04 34 18	7 17 25 42	8 00 12 06	8 13 04 06
39	3 20 36 00	4 03 25 00	4 16 12 00	4 29 06 00	5 12 10 00	5 25 21 54	6 08 36 12	6 21 46 12	7 04 47 12	7 17 38 30	8 00 24 54	8 13 17 06
40	3 20 48 54	4 03 37 48	4 16 24 48	4 29 19 00	5 12 23 06	5 25 35 12	6 08 49 24	6 21 59 18	7 05 00 12	7 17 51 18	8 00 37 42	8 13 30 12
41	3 21 01 48	4 03 50 30	4 16 37 42	4 29 32 00	5 12 36 18	5 25 48 24	6 09 02 36	6 22 12 24	7 05 13 06	7 18 04 06	8 00 50 30	8 13 43 12
42	3 21 14 42	4 04 03 18	4 16 50 30	4 29 44 54	5 12 49 24	5 26 01 36	6 09 15 54	6 22 25 30	7 05 26 00	7 18 16 54	8 01 03 18	8 13 56 12
43	3 21 27 36	4 04 16 06	4 17 03 18	4 29 57 54	5 13 02 36	5 26 14 54	6 09 29 06	6 22 38 36	7 05 38 54	7 18 29 42	8 01 16 06	8 14 09 12
44	3 21 40 30	4 04 28 48	4 17 16 12	5 00 10 54	5 13 15 42	5 26 28 06	6 09 42 18	6 22 51 42	7 05 51 48	7 18 42 30	8 01 28 54	8 14 22 12
45	3 21 53 24	4 04 41 36	4 17 29 00	5 00 23 54	5 13 28 54	5 26 41 24	6 09 55 30	6 23 04 48	7 06 04 48	7 18 55 18	8 01 41 42	8 14 35 18
46	3 22 06 18	4 04 54 24	4 17 41 48	5 00 36 54	5 13 42 00	5 26 54 36	6 10 08 42	6 23 17 54	7 06 17 42	7 19 08 00	8 01 54 30	8 14 48 18
47	3 22 19 06	4 05 07 06	4 17 54 42	5 00 49 54	5 13 55 12	5 27 07 48	6 10 21 54	6 23 31 00	7 06 30 36	7 19 20 48	8 02 07 18	8 15 01 24
48	3 22 32 00	4 05 19 54	4 18 07 30	5 01 02 54	5 14 08 24	5 27 21 06	6 10 35 06	6 23 44 00	7 06 43 30	7 19 33 36	8 02 20 00	8 15 14 24
49	3 22 44 54	4 05 32 42	4 18 20 24	5 01 16 00	5 14 21 30	5 27 34 18	6 10 48 18	6 23 57 06	7 06 56 24	7 19 46 24	8 02 32 48	8 15 27 30
50	3 22 57 42	4 05 45 24	4 18 33 12	5 01 29 00	5 14 34 42	5 27 47 36	6 11 01 36	6 24 10 12	7 07 09 18	7 19 59 12	8 02 45 42	8 15 40 36
51	3 23 10 36	4 05 58 12	4 18 46 06	5 01 42 00	5 14 47 54	5 28 00 48	6 11 14 48	6 24 23 18	7 07 22 12	7 20 11 54	8 02 58 30	8 15 53 42
52	3 23 23 30	4 06 11 00	4 18 58 54	5 01 55 00	5 15 01 00	5 28 14 00	6 11 28 00	6 24 36 18	7 07 35 06	7 20 24 42	8 03 11 18	8 16 06 42
53	3 23 36 18	4 06 23 42	4 19 11 48	5 02 08 00	5 15 14 12	5 28 27 18	6 11 41 12	6 24 49 24	7 07 48 00	7 20 37 30	8 03 24 06	8 16 19 48
54	3 23 49 12	4 06 36 30	4 19 24 36	5 02 21 00	5 15 27 24	5 28 40 30	6 11 54 24	6 25 02 24	7 08 00 54	7 20 50 18	8 03 36 54	8 16 32 54
55	3 24 02 00	4 06 49 18	4 19 37 30	5 02 34 06	5 15 40 36	5 28 53 48	6 12 07 36	6 25 15 30	7 08 13 48	7 21 03 00	8 03 49 42	8 16 46 06
56	3 24 14 48	4 07 02 00	4 19 50 24	5 02 47 06	5 15 53 42	5 29 07 00	6 12 20 42	6 25 28 36	7 08 26 36	7 21 15 48	8 04 02 30	8 16 59 12
57	3 24 27 42	4 07 14 48	4 20 03 12	5 03 00 06	5 16 06 54	5 29 20 18	6 12 33 54	6 25 41 36	7 08 39 30	7 21 28 36	8 04 15 18	8 17 12 18
58	3 24 40 30	4 07 27 36	4 20 16 06	5 03 13 12	5 16 20 06	5 29 33 30	6 12 47 06	6 25 54 42	7 08 52 24	7 21 41 24	8 04 28 12	8 17 25 24
59	3 24 53 24	4 07 40 18	4 20 29 00	5 03 26 12	5 16 33 18	5 29 46 48	6 13 00 18	6 26 07 42	7 09 05 18	7 21 54 06	8 04 41 00	8 17 38 36
60	3 25 06 12	4 07 53 06	4 20 41 48	5 03 39 18	5 16 46 30	6 00 00 00	6 13 13 30	6 26 20 42	7 09 18 12	7 22 06 54	8 04 53 48	8 17 51 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 34' (उ.)
(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 51 42	9 01 19 42	9 15 42 54	10 01 31 18	10 19 12 42	11 08 54 42	0 00 00 00	0 21 05 18	1 10 47 18	1 28 28 42	2 14 17 06	2 28 40 18
1	8 18 04 54	9 01 33 30	9 15 57 54	10 01 48 00	10 19 31 24	11 09 15 18	0 00 21 24	0 21 25 54	1 11 06 00	1 28 45 24	2 14 32 06	2 28 54 12
2	8 18 18 00	9 01 47 24	9 16 12 54	10 02 04 42	10 19 50 12	11 09 35 54	0 00 42 42	0 21 46 24	1 11 24 42	1 29 02 00	2 14 47 06	2 29 08 00
3	8 18 31 12	9 02 01 18	9 16 28 00	10 02 21 30	10 20 09 00	11 09 56 30	0 01 04 06	0 22 06 54	1 11 43 18	1 29 18 36	2 15 02 00	2 29 21 48
4	8 18 44 24	9 02 15 12	9 16 43 06	10 02 38 18	10 20 27 54	11 10 17 12	0 01 25 24	0 22 27 24	1 12 01 54	1 29 35 12	2 15 17 00	2 29 35 36
5	8 18 57 36	9 02 29 06	9 16 58 12	10 02 55 06	10 20 46 42	11 10 37 54	0 01 46 48	0 22 47 54	1 12 20 30	1 29 51 42	2 15 31 54	2 29 49 24
6	8 19 10 48	9 02 43 00	9 17 13 24	10 03 12 00	10 21 05 36	11 10 58 36	0 02 08 06	0 23 08 18	1 12 39 00	2 00 08 12	2 15 46 48	3 00 03 12
7	8 19 24 00	9 02 57 00	9 17 28 30	10 03 28 54	10 21 24 36	11 11 19 18	0 02 29 30	0 23 28 42	1 12 57 30	2 00 24 42	2 16 01 36	3 00 16 54
8	8 19 37 12	9 03 10 54	9 17 43 42	10 03 45 48	10 21 43 36	11 11 40 00	0 02 50 48	0 23 49 06	1 13 16 00	2 00 41 12	2 16 16 30	3 00 30 36
9	8 19 50 30	9 03 24 54	9 17 58 54	10 04 02 48	10 22 02 36	11 12 00 48	0 03 12 06	0 24 09 30	1 13 34 24	2 00 57 36	2 16 31 18	3 00 44 24
10	8 20 03 42	9 03 38 54	9 18 14 12	10 04 19 48	10 22 21 36	11 12 21 36	0 03 33 30	0 24 29 48	1 13 52 48	2 01 14 00	2 16 46 06	3 00 58 06
11	8 20 16 54	9 03 52 54	9 18 29 30	10 04 36 48	10 22 40 42	11 12 42 24	0 03 54 48	0 24 50 06	1 14 11 12	2 01 30 18	2 17 00 48	3 01 11 48
12	8 20 30 12	9 04 07 00	9 18 44 48	10 04 53 54	10 22 59 48	11 13 03 18	0 04 16 06	0 25 10 24	1 14 29 30	2 01 46 42	2 17 15 36	3 01 25 30
13	8 20 43 30	9 04 21 00	9 19 00 06	10 05 10 54	10 23 19 00	11 13 24 06	0 04 37 24	0 25 30 36	1 14 47 48	2 02 03 00	2 17 30 18	3 01 39 06
14	8 20 56 42	9 04 35 06	9 19 15 24	10 05 28 06	10 23 38 12	11 13 45 00	0 04 58 48	0 25 50 48	1 15 06 00	2 02 19 12	2 17 45 00	3 01 52 48
15	8 21 10 00	9 04 49 12	9 19 30 48	10 05 45 12	10 23 57 24	11 14 05 54	0 05 20 06	0 26 11 00	1 15 24 18	2 02 35 30	2 17 59 42	3 02 06 24
16	8 21 23 18	9 05 03 18	9 19 46 12	10 06 02 24	10 24 16 42	11 14 26 48	0 05 41 24	0 26 31 12	1 15 42 24	2 02 51 42	2 18 14 24	3 02 20 00
17	8 21 36 36	9 05 17 24	9 20 01 36	10 06 19 36	10 24 35 54	11 14 47 42	0 06 02 42	0 26 51 18	1 16 00 36	2 03 07 54	2 18 29 00	3 02 33 42
18	8 21 49 54	9 05 31 30	9 20 17 00	10 06 36 54	10 24 55 18	11 15 08 42	0 06 23 54	0 27 11 24	1 16 18 42	2 03 24 00	2 18 43 36	3 02 47 18
19	8 22 03 12	9 05 45 42	9 20 32 30	10 06 54 12	10 25 14 36	11 15 29 36	0 06 45 12	0 27 31 30	1 16 36 48	2 03 40 06	2 18 58 12	3 03 00 48
20	8 22 16 36	9 05 59 48	9 20 48 00	10 07 11 30	10 25 34 00	11 15 50 36	0 07 06 30	0 27 51 36	1 16 54 48	2 03 56 12	2 19 12 48	3 03 14 24
21	8 22 29 54	9 06 14 00	9 21 03 30	10 07 28 54	10 25 53 24	11 16 11 36	0 07 27 42	0 28 11 36	1 17 12 48	2 04 12 18	2 19 27 18	3 03 28 00
22	8 22 43 18	9 06 28 12	9 21 19 06	10 07 46 18	10 26 12 54	11 16 32 42	0 07 49 00	0 28 31 36	1 17 30 48	2 04 28 18	2 19 41 54	3 03 41 30
23	8 22 56 36	9 06 42 30	9 21 34 42	10 08 03 42	10 26 32 24	11 16 53 42	0 08 10 12	0 28 51 30	1 17 48 48	2 04 44 18	2 19 56 24	3 03 55 06
24	8 23 10 00	9 06 56 42	9 21 50 18	10 08 21 06	10 26 51 54	11 17 14 48	0 08 31 30	0 29 11 24	1 18 06 42	2 05 00 18	2 20 10 54	3 04 08 36
25	8 23 23 24	9 07 11 00	9 22 05 54	10 08 38 36	10 27 11 24	11 17 35 48	0 08 52 42	0 29 31 18	1 18 24 30	2 05 16 12	2 20 25 24	3 04 22 06
26	8 23 36 48	9 07 25 18	9 22 21 36	10 08 56 12	10 27 31 00	11 17 56 54	0 09 13 54	0 29 51 12	1 18 42 24	2 05 32 06	2 20 39 48	3 04 35 36
27	8 23 50 12	9 07 39 30	9 22 37 18	10 09 13 42	10 27 50 36	11 18 18 00	0 09 35 06	1 00 11 00	1 19 00 12	2 05 48 00	2 20 54 18	3 04 49 06
28	8 24 03 36	9 07 53 54	9 22 53 00	10 09 31 18	10 28 10 18	11 18 39 06	0 09 56 18	1 00 30 48	1 19 17 54	2 06 03 54	2 21 08 42	3 05 02 36
29	8 24 17 06	9 08 08 12	9 23 08 42	10 09 49 00	10 28 29 54	11 19 00 18	0 10 17 24	1 00 50 36	1 19 35 42	2 06 19 42	2 21 23 06	3 05 16 00
30	8 24 30 30	9 08 22 36	9 23 24 30	10 10 06 36	10 28 49 36	11 19 21 24	0 10 38 36	1 01 10 24	1 19 53 24	2 06 35 30	2 21 37 24	3 05 29 30
31	8 24 44 00	9 08 36 54	9 23 40 18	10 10 24 18	10 29 09 24	11 19 42 36	0 10 59 42	1 01 30 06	1 20 11 00	2 06 51 18	2 21 51 48	3 05 42 54
32	8 24 57 24	9 08 51 18	9 23 56 06	10 10 42 06	10 29 29 12	11 20 03 42	0 11 20 54	1 01 49 42	1 20 28 42	2 07 07 00	2 22 06 06	3 05 56 24
33	8 25 10 54	9 09 05 42	9 24 12 00	10 10 59 48	10 29 49 00	11 20 24 54	0 11 42 00	1 02 09 24	1 20 46 18	2 07 22 42	2 22 20 30	3 06 09 48
34	8 25 24 24	9 09 20 12	9 24 27 54	10 11 17 36	11 00 08 48	11 20 46 06	0 12 03 06	1 02 29 00	1 21 03 48	2 07 38 24	2 22 34 42	3 06 23 12
35	8 25 37 54	9 09 34 36	9 24 43 48	10 11 35 30	11 00 28 42	11 21 07 18	0 12 24 12	1 02 48 36	1 21 21 24	2 07 54 06	2 22 49 00	3 06 36 36
36	8 25 51 24	9 09 49 06	9 24 59 42	10 11 53 18	11 00 48 36	11 21 28 30	0 12 45 12	1 03 08 06	1 21 38 54	2 08 09 42	2 23 03 18	3 06 50 00
37	8 26 04 54	9 10 03 36	9 25 15 42	10 12 11 12	11 01 08 30	11 21 49 48	0 13 06 18	1 03 27 36	1 21 56 18	2 08 25 18	2 23 17 30	3 07 03 24
38	8 26 18 30	9 10 18 06	9 25 31 42	10 12 29 12	11 01 28 24	11 22 11 00	0 13 27 18	1 03 47 06	1 22 13 42	2 08 40 54	2 23 31 48	3 07 16 42
39	8 26 32 00	9 10 32 42	9 25 47 42	10 12 47 12	11 01 48 24	11 22 32 18	0 13 48 24	1 04 06 36	1 22 31 06	2 08 56 30	2 23 46 00	3 07 30 06
40	8 26 45 36	9 10 47 12	9 26 03 48	10 13 05 12	11 02 08 24	11 22 53 30	0 14 09 24	1 04 26 00	1 22 48 30	2 09 12 00	2 24 00 12	3 07 43 24
41	8 26 59 12	9 11 01 48	9 26 19 54	10 13 23 12	11 02 28 30	11 23 14 48	0 14 30 24	1 04 45 24	1 23 05 48	2 09 27 30	2 24 14 18	3 07 56 48
42	8 27 12 42	9 11 16 24	9 26 36 00	10 13 41 18	11 02 48 36	11 23 36 06	0 14 51 18	1 05 04 42	1 23 23 06	2 09 43 00	2 24 28 30	3 08 10 06
43	8 27 26 18	9 11 31 00	9 26 52 06	10 13 59 24	11 03 08 42	11 23 57 18	0 15 12 18	1 05 24 06	1 23 40 24	2 09 58 24	2 24 42 36	3 08 23 24
44	8 27 40 00	9 11 45 36	9 27 08 18	10 14 17 36	11 03 28 48	11 24 18 36	0 15 33 12	1 05 43 18	1 23 57 36	2 10 13 48	2 24 56 42	3 08 36 42
45	8 27 53 36	9 12 00 18	9 27 24 30	10 14 35 42	11 03 49 00	11 24 39 54	0 15 54 06	1 06 02 36	1 24 14 48	2 10 29 12	2 25 10 48	3 08 50 00
46	8 28 07 12	9 12 15 00	9 27 40 48	10 14 54 00	11 04 09 12	11 25 01 12	0 16 15 00	1 06 21 48	1 24 31 54	2 10 44 36	2 25 24 54	3 09 03 18
47	8 28 20 54	9 12 29 42	9 27 57 00	10 15 12 12	11 04 29 24	11 25 22 36	0 16 35 54	1 06 41 00	1 24 49 06	2 10 59 54	2 25 39 00	3 09 16 30
48	8 28 34 30	9 12 44 24	9 28 13 18	10 15 30 30	11 04 49 36	11 25 43 54	0 16 56 42	1 07 00 12	1 25 06 06	2 11 15 12	2 25 53 00	3 09 29 48
49	8 28 48 12	9 12 59 12	9 28 29 42	10 15 48 48	11 05 09 54	11 26 05 12	0 17 17 36	1 07 19 18	1 25 23 12	2 11 30 30	2 26 07 06	3 09 43 06
50	8 29 01 54	9 13 13 54	9 28 46 00	10 16 07 12	11 05 30 12	11 26 26 30	0 17 38 24	1 07 38 24	1 25 40 12	2 11 45 48	2 26 21 06	3 09 56 18
51	8 29 15 36	9 13 28 42	9 29 02 24	10 16 25 36	11 05 50 30	11 26 47 54	0 17 59 12	1 07 57 24	1 25 57 12	2 12 01 06	2 26 35 06	3 10 09 30
52	8 29 29 24	9 13 43 30	9 29 18 48	10 16 44 00	11 06 10 54	11 27 09 12	0 18 20 00	1 08 16 24	1 26 14 12	2 12 16 18	2 26 49 06	3 10 22 48
53	8 29 43 06	9 13 58 24	9 29 35 18	10 17 02 30	11 06 31 18	11 27 30 30	0 18 40 42	1 08 35 24	1 26 31 06	2 12 31 30	2 27 03 00	3 10 36 00
54	8 29 56 48	9 14 13 12	9 29 51 48	10 17 21 00	11 06 51 42	11 27 51 54	0 19 01 24	1 08 54 24	1 26 48 00	2 12 46 36	2 27 17 00	3 10 49 12
55	9 00 10 36	9 14 28 06	10 00 08 18	10 17 39 30	11 07 12 06	11 28 13 12	0 19 22 06	1 09 13 18	1 27 04 54	2 13 01 48	2 27 30 54	3 11 02 24
56	9 00 24 24	9 14 43 00	10 00 24 48	10 17 58 06	11 07 32 36	11 28 34 36	0 19 42 48	1 09 32 06	1 27 21 42	2 13 16 54	2 27 44 48	3 11 15 36
57	9 00 38 12	9 14 58 00	10 00 41 24	10 18 16 42	11 07 53 06	11 28 55 54	0 20 03 30	1 09 51 00	1 27 38 30	2 13 32 00	2 27 58 42	3 11 28 48
58	9 00 52 00	9 15 12 54	10 00 58 00	10 18 35 18	11 08 13 36	11 29 17 18	0 20 24 06	1 10 09 48	1 27 55 18	2 13 47 06	2 28 12 36	3 11 42 00
59	9 01 05 48	9 15 27 54	10 01 14 36	10 18 54 00	11 08 34 06	11 29 38 36	0 20 44 42	1 10 28 36	1 28 12 00	2 14 02 06	2 28 26 30	3 11 55 06
60	9 01 19 42	9 15 42 54	10 01 31 18	10 19 12 42	11 08 54 42	0 00 00 00	0 21 05 18	1 10 47 18	1 28 28 42	2 14 17 06	2 28 40 18	3 12 08 18

लग्नसारणी अक्षांश 28° 35′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 08 48	3 25 06 36	4 07 53 30	4 20 42 06	5 03 39 30	5 16 46 36	6 00 00 00	6 13 13 24	6 26 20 30	7 09 17 54	7 22 06 30	8 04 53 24
1	3 12 21 54	3 25 19 30	4 08 06 12	4 20 55 00	5 03 52 30	5 16 59 48	6 00 13 12	6 13 26 36	6 26 33 36	7 09 30 42	7 22 19 18	8 05 06 12
2	3 12 35 06	3 25 32 18	4 08 19 00	4 21 07 54	5 04 05 30	5 17 13 00	6 00 26 30	6 13 39 48	6 26 46 36	7 09 43 36	7 22 32 06	8 05 19 00
3	3 12 48 12	3 25 45 06	4 08 31 48	4 21 20 48	5 04 18 36	5 17 26 12	6 00 39 42	6 13 53 00	6 26 59 42	7 09 56 30	7 22 44 48	8 05 31 54
4	3 13 01 18	3 25 57 54	4 08 44 30	4 21 33 36	5 04 31 36	5 17 39 18	6 00 53 00	6 14 06 06	6 27 12 42	7 10 09 18	7 22 57 36	8 05 44 42
5	3 13 14 24	3 26 10 42	4 08 57 18	4 21 46 30	5 04 44 42	5 17 52 30	6 01 06 12	6 14 19 18	6 27 25 42	7 10 22 12	7 23 10 24	8 05 57 36
6	3 13 27 30	3 26 23 30	4 09 10 06	4 21 59 24	5 04 57 48	5 18 05 42	6 01 19 30	6 14 32 30	6 27 38 42	7 10 35 06	7 23 23 06	8 06 10 24
7	3 13 40 36	3 26 36 24	4 09 22 54	4 22 12 18	5 05 10 48	5 18 18 54	6 01 32 42	6 14 45 42	6 27 51 48	7 10 47 54	7 23 35 54	8 06 23 12
8	3 13 53 42	3 26 49 12	4 09 35 36	4 22 25 12	5 05 23 54	5 18 32 06	6 01 45 54	6 14 58 48	6 28 04 48	7 11 00 48	7 23 48 42	8 06 36 06
9	3 14 06 48	3 27 02 00	4 09 48 24	4 22 38 06	5 05 36 54	5 18 45 18	6 01 59 12	6 15 12 00	6 28 17 48	7 11 13 36	7 24 01 24	8 06 49 00
10	3 14 19 54	3 27 14 48	4 10 01 12	4 22 51 00	5 05 50 00	5 18 58 30	6 02 12 24	6 15 25 12	6 28 30 48	7 11 26 30	7 24 14 12	8 07 01 48
11	3 14 33 00	3 27 27 36	4 10 14 00	4 23 03 54	5 06 03 06	5 19 11 42	6 02 25 42	6 15 38 18	6 28 43 48	7 11 39 18	7 24 27 00	8 07 14 42
12	3 14 46 00	3 27 40 24	4 10 26 42	4 23 16 48	5 06 16 06	5 19 24 54	6 02 38 54	6 15 51 30	6 28 56 48	7 11 52 12	7 24 39 42	8 07 27 30
13	3 14 59 06	3 27 53 12	4 10 39 30	4 23 29 42	5 06 29 12	5 19 38 12	6 02 52 06	6 16 04 42	6 29 09 48	7 12 05 00	7 24 52 30	8 07 40 24
14	3 15 12 12	3 28 06 00	4 10 52 18	4 23 42 36	5 06 42 18	5 19 51 24	6 03 05 24	6 16 17 48	6 29 22 48	7 12 17 48	7 25 05 18	8 07 53 18
15	3 15 25 12	3 28 18 48	4 11 05 06	4 23 55 30	5 06 55 24	5 20 04 36	6 03 18 36	6 16 31 00	6 29 35 48	7 12 30 42	7 25 18 00	8 08 06 12
16	3 15 38 12	3 28 31 36	4 11 17 54	4 24 08 24	5 07 08 30	5 20 17 48	6 03 31 54	6 16 44 06	6 29 48 48	7 12 43 30	7 25 30 48	8 08 19 06
17	3 15 51 18	3 28 44 18	4 11 30 42	4 24 21 18	5 07 21 36	5 20 31 00	6 03 45 06	6 16 57 18	7 00 01 48	7 12 56 18	7 25 43 30	8 08 31 54
18	3 16 04 18	3 28 57 06	4 11 43 24	4 24 34 18	5 07 34 36	5 20 44 12	6 03 58 18	6 17 10 24	7 00 14 48	7 13 09 12	7 25 56 18	8 08 44 48
19	3 16 17 18	3 29 09 54	4 11 56 12	4 24 47 12	5 07 47 42	5 20 57 24	6 04 11 36	6 17 23 36	7 00 27 48	7 13 22 00	7 26 09 06	8 08 57 42
20	3 16 30 18	3 29 22 42	4 12 09 00	4 25 00 06	5 08 00 48	5 21 10 36	6 04 24 48	6 17 36 42	7 00 40 48	7 13 34 48	7 26 21 48	8 09 10 36
21	3 16 43 18	3 29 35 30	4 12 21 48	4 25 13 00	5 08 13 54	5 21 23 54	6 04 38 00	6 17 49 54	7 00 53 48	7 13 47 42	7 26 34 36	8 09 23 30
22	3 16 56 18	3 29 48 18	4 12 34 36	4 25 26 00	5 08 27 00	5 21 37 06	6 04 51 18	6 18 03 00	7 01 06 48	7 14 00 30	7 26 47 24	8 09 36 24
23	3 17 09 18	4 00 01 00	4 12 47 24	4 25 38 54	5 08 40 06	5 21 50 18	6 05 04 30	6 18 16 12	7 01 19 42	7 14 13 18	7 27 00 06	8 09 49 24
24	3 17 22 18	4 00 13 48	4 13 00 12	4 25 51 48	5 08 53 12	5 22 03 30	6 05 17 42	6 18 29 18	7 01 32 42	7 14 26 06	7 27 12 54	8 10 02 18
25	3 17 35 18	4 00 26 36	4 13 13 00	4 26 04 48	5 09 06 18	5 22 16 42	6 05 31 00	6 18 42 24	7 01 45 42	7 14 38 54	7 27 25 42	8 10 15 12
26	3 17 48 18	4 00 39 24	4 13 25 48	4 26 17 42	5 09 19 30	5 22 30 00	6 05 44 12	6 18 55 36	7 01 58 36	7 14 51 48	7 27 38 24	8 10 28 06
27	3 18 01 12	4 00 52 12	4 13 38 36	4 26 30 42	5 09 32 36	5 22 43 12	6 05 57 24	6 19 08 42	7 02 11 36	7 15 04 36	7 27 51 12	8 10 41 06
28	3 18 14 12	4 01 04 54	4 13 51 24	4 26 43 36	5 09 45 42	5 22 56 24	6 06 10 42	6 19 21 48	7 02 24 36	7 15 17 24	7 28 04 00	8 10 54 00
29	3 18 27 12	4 01 17 42	4 14 04 12	4 26 56 36	5 09 58 48	5 23 09 36	6 06 23 54	6 19 35 00	7 02 37 30	7 15 30 12	7 28 16 48	8 11 06 54
30	3 18 40 06	4 01 30 30	4 14 17 00	4 27 09 30	5 10 11 54	5 23 22 54	6 06 37 06	6 19 48 06	7 02 50 30	7 15 43 00	7 28 29 30	8 11 19 54
31	3 18 53 06	4 01 43 12	4 14 29 48	4 27 22 30	5 10 25 00	5 23 36 06	6 06 50 24	6 20 01 12	7 03 03 24	7 15 55 48	7 28 42 18	8 11 32 48
32	3 19 06 00	4 01 56 00	4 14 42 36	4 27 35 24	5 10 38 12	5 23 49 18	6 07 03 36	6 20 14 18	7 03 16 24	7 16 08 36	7 28 55 06	8 11 45 48
33	3 19 18 54	4 02 08 48	4 14 55 24	4 27 48 24	5 10 51 18	5 24 02 36	6 07 16 48	6 20 27 24	7 03 29 18	7 16 21 24	7 29 07 48	8 11 58 48
34	3 19 31 54	4 02 21 36	4 15 08 12	4 28 01 24	5 11 04 24	5 24 15 48	6 07 30 00	6 20 40 30	7 03 42 18	7 16 34 12	7 29 20 36	8 12 11 42
35	3 19 44 48	4 02 34 18	4 15 21 06	4 28 14 18	5 11 17 36	5 24 29 00	6 07 43 18	6 20 53 42	7 03 55 12	7 16 47 00	7 29 33 24	8 12 24 42
36	3 19 57 42	4 02 47 06	4 15 33 54	4 28 27 18	5 11 30 42	5 24 42 18	6 07 56 30	6 21 06 48	7 04 08 12	7 16 59 48	7 29 46 12	8 12 37 42
37	3 20 10 36	4 02 59 54	4 15 46 42	4 28 40 18	5 11 43 48	5 24 55 30	6 08 09 42	6 21 19 54	7 04 21 06	7 17 12 36	7 29 59 00	8 12 50 42
38	3 20 23 36	4 03 12 36	4 15 59 30	4 28 53 12	5 11 57 00	5 25 08 42	6 08 22 54	6 21 33 00	7 04 34 00	7 17 25 24	8 00 11 42	8 13 03 42
39	3 20 36 30	4 03 25 24	4 16 12 18	4 29 06 12	5 12 10 06	5 25 22 00	6 08 36 06	6 21 46 06	7 04 47 00	7 17 38 12	8 00 24 30	8 13 16 42
40	3 20 49 24	4 03 38 12	4 16 25 12	4 29 19 12	5 12 23 18	5 25 35 12	6 08 49 24	6 21 59 12	7 04 59 54	7 17 51 00	8 00 37 18	8 13 29 42
41	3 21 02 18	4 03 50 54	4 16 38 00	4 29 32 12	5 12 36 24	5 25 48 24	6 09 02 36	6 22 12 18	7 05 12 48	7 18 03 48	8 00 50 06	8 13 42 42
42	3 21 15 12	4 04 03 42	4 16 50 48	4 29 45 12	5 12 49 36	5 26 01 42	6 09 15 48	6 22 25 24	7 05 25 42	7 18 16 36	8 01 02 54	8 13 55 42
43	3 21 28 06	4 04 16 30	4 17 03 42	4 29 58 12	5 13 02 42	5 26 14 54	6 09 29 00	6 22 38 24	7 05 38 42	7 18 29 18	8 01 15 42	8 14 08 42
44	3 21 40 54	4 04 29 12	4 17 16 30	5 00 11 12	5 13 15 54	5 26 28 06	6 09 42 12	6 22 51 30	7 05 51 36	7 18 42 06	8 01 28 24	8 14 21 48
45	3 21 53 48	4 04 42 00	4 17 29 18	5 00 24 12	5 13 29 00	5 26 41 24	6 09 55 24	6 23 04 36	7 06 04 30	7 18 54 54	8 01 41 12	8 14 34 48
46	3 22 06 42	4 04 54 42	4 17 42 12	5 00 37 12	5 13 42 12	5 26 54 36	6 10 08 36	6 23 17 42	7 06 17 24	7 19 07 42	8 01 54 00	8 14 47 48
47	3 22 19 36	4 05 07 30	4 17 55 00	5 00 50 12	5 13 55 18	5 27 07 54	6 10 21 48	6 23 30 48	7 06 30 18	7 19 20 30	8 02 06 48	8 15 00 54
48	3 22 32 30	4 05 20 18	4 18 07 48	5 01 03 12	5 14 08 30	5 27 21 06	6 10 35 06	6 23 43 54	7 06 43 12	7 19 33 18	8 02 19 36	8 15 14 00
49	3 22 45 18	4 05 33 00	4 18 20 42	5 01 16 12	5 14 21 42	5 27 34 18	6 10 48 18	6 23 56 54	7 06 56 06	7 19 46 00	8 02 32 24	8 15 27 00
50	3 22 58 12	4 05 45 48	4 18 33 30	5 01 29 12	5 14 34 48	5 27 47 36	6 11 01 30	6 24 10 00	7 07 09 00	7 19 58 48	8 02 45 12	8 15 40 06
51	3 23 11 00	4 05 58 36	4 18 46 24	5 01 42 12	5 14 48 00	5 28 00 48	6 11 14 42	6 24 23 06	7 07 21 54	7 20 11 36	8 02 58 00	8 15 53 12
52	3 23 23 54	4 06 11 18	4 18 59 12	5 01 55 12	5 15 01 12	5 28 14 06	6 11 27 54	6 24 36 06	7 07 34 48	7 20 24 24	8 03 10 48	8 16 06 18
53	3 23 36 48	4 06 24 06	4 19 12 06	5 02 08 12	5 15 14 18	5 28 27 18	6 11 41 06	6 24 49 12	7 07 47 42	7 20 37 06	8 03 23 36	8 16 19 24
54	3 23 49 36	4 06 36 54	4 19 24 54	5 02 21 18	5 15 27 30	5 28 40 30	6 11 54 18	6 25 02 12	7 08 00 36	7 20 49 54	8 03 36 30	8 16 32 30
55	3 24 02 24	4 06 49 36	4 19 37 48	5 02 34 18	5 15 40 42	5 28 53 48	6 12 07 30	6 25 15 18	7 08 13 30	7 21 02 42	8 03 49 18	8 16 45 36
56	3 24 15 18	4 07 02 24	4 19 50 42	5 02 47 18	5 15 53 54	5 29 07 00	6 12 20 42	6 25 28 24	7 08 26 24	7 21 15 30	8 04 02 06	8 16 58 42
57	3 24 28 06	4 07 15 12	4 20 03 30	5 03 00 18	5 16 07 00	5 29 20 18	6 12 33 48	6 25 41 24	7 08 39 12	7 21 28 12	8 04 14 54	8 17 11 48
58	3 24 41 00	4 07 27 54	4 20 16 24	5 03 13 24	5 16 20 12	5 29 33 30	6 12 47 00	6 25 54 30	7 08 52 06	7 21 41 00	8 04 27 42	8 17 24 54
59	3 24 53 48	4 07 40 42	4 20 29 18	5 03 26 24	5 16 33 24	5 29 46 48	6 13 00 12	6 26 07 30	7 09 05 00	7 21 53 48	8 04 40 30	8 17 38 06
60	3 25 06 36	4 07 53 30	4 20 42 06	5 03 39 30	5 16 46 36	6 00 00 00	6 13 13 24	6 26 20 30	7 09 17 54	7 22 06 30	8 04 53 24	8 17 51 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 35' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 51 12	9 01 19 06	9 15 42 18	10 01 30 48	10 19 12 12	11 08 54 24	0 00 00 00	0 21 05 36	1 10 47 48	1 28 29 12	2 14 17 42	2 28 40 54
1	8 18 04 24	9 01 33 00	9 15 57 18	10 01 47 30	10 19 31 00	11 09 15 00	0 00 21 24	0 21 26 06	1 11 06 30	1 28 45 54	2 14 32 42	2 28 54 42
2	8 18 17 36	9 01 46 54	9 16 12 24	10 02 04 12	10 19 49 48	11 09 35 36	0 00 42 42	0 21 46 42	1 11 25 06	1 29 02 30	2 14 47 36	2 29 08 30
3	8 18 30 42	9 02 00 42	9 16 27 30	10 02 21 00	10 20 08 36	11 09 56 18	0 01 04 06	0 22 07 12	1 11 43 48	1 29 19 06	2 15 02 36	2 29 22 18
4	8 18 43 54	9 02 14 36	9 16 42 36	10 02 37 48	10 20 27 24	11 10 16 54	0 01 25 24	0 22 27 42	1 12 02 24	1 29 35 42	2 15 17 30	2 29 36 06
5	8 18 57 06	9 02 28 36	9 16 57 42	10 02 54 36	10 20 46 18	11 10 37 36	0 01 46 48	0 22 48 06	1 12 20 54	1 29 52 18	2 15 32 24	2 29 49 54
6	8 19 10 18	9 02 42 30	9 17 12 48	10 03 11 30	10 21 05 12	11 10 58 18	0 02 08 06	0 23 08 36	1 12 39 30	2 00 08 48	2 15 47 18	3 00 03 42
7	8 19 23 30	9 02 56 24	9 17 28 00	10 03 28 24	10 21 24 12	11 11 19 06	0 02 29 30	0 23 29 00	1 12 58 00	2 00 25 18	2 16 02 12	3 00 17 24
8	8 19 36 42	9 03 10 24	9 17 43 12	10 03 45 18	10 21 43 12	11 11 39 48	0 02 50 48	0 23 49 24	1 13 16 24	2 00 41 42	2 16 17 00	3 00 31 12
9	8 19 50 00	9 03 24 24	9 17 58 24	10 04 02 18	10 22 02 12	11 12 00 36	0 03 12 12	0 24 09 48	1 13 34 54	2 00 58 06	2 16 31 48	3 00 44 54
10	8 20 03 12	9 03 38 24	9 18 13 36	10 04 19 12	10 22 21 12	11 12 21 24	0 03 33 30	0 24 30 06	1 13 53 18	2 01 14 30	2 16 46 36	3 00 58 36
11	8 20 16 24	9 03 52 24	9 18 28 54	10 04 36 18	10 22 40 18	11 12 42 12	0 03 54 54	0 24 50 24	1 14 11 36	2 01 30 54	2 17 01 24	3 01 12 18
12	8 20 29 42	9 04 06 24	9 18 44 12	10 04 53 18	10 22 59 24	11 13 03 00	0 04 16 12	0 25 10 42	1 14 30 00	2 01 47 12	2 17 16 06	3 01 26 00
13	8 20 43 00	9 04 20 30	9 18 59 30	10 05 10 24	10 23 18 36	11 13 23 54	0 04 37 30	0 25 30 54	1 14 48 12	2 02 03 30	2 17 30 54	3 01 39 36
14	8 20 56 12	9 04 34 30	9 19 14 54	10 05 27 36	10 23 37 48	11 13 44 48	0 04 58 48	0 25 51 06	1 15 06 30	2 02 19 48	2 17 45 36	3 01 53 18
15	8 21 09 30	9 04 48 36	9 19 30 12	10 05 44 42	10 23 57 00	11 14 05 42	0 05 20 06	0 26 11 18	1 15 24 42	2 02 36 00	2 18 00 12	3 02 06 54
16	8 21 22 48	9 05 02 42	9 19 45 36	10 06 01 54	10 24 16 18	11 14 26 36	0 05 41 24	0 26 31 30	1 15 42 54	2 02 52 12	2 18 14 54	3 02 20 36
17	8 21 36 06	9 05 16 48	9 20 01 06	10 06 19 06	10 24 35 30	11 14 47 30	0 06 02 42	0 26 51 36	1 16 01 06	2 03 08 24	2 18 29 30	3 02 34 12
18	8 21 49 24	9 05 31 00	9 20 16 30	10 06 36 24	10 24 54 54	11 15 08 30	0 06 24 00	0 27 11 42	1 16 19 12	2 03 24 30	2 18 44 12	3 02 47 48
19	8 22 02 42	9 05 45 06	9 20 32 00	10 06 53 42	10 25 14 12	11 15 29 30	0 06 45 18	0 27 31 48	1 16 37 18	2 03 40 42	2 18 58 48	3 03 01 24
20	8 22 16 06	9 05 59 18	9 20 47 30	10 07 11 00	10 25 33 36	11 15 50 30	0 07 06 36	0 27 51 54	1 16 55 18	2 03 56 42	2 19 13 18	3 03 14 54
21	8 22 29 24	9 06 13 30	9 21 03 00	10 07 28 24	10 25 53 00	11 16 11 30	0 07 27 48	0 28 11 54	1 17 13 18	2 04 12 48	2 19 27 54	3 03 28 30
22	8 22 42 48	9 06 27 42	9 21 18 36	10 07 45 48	10 26 12 30	11 16 32 30	0 07 49 06	0 28 31 54	1 17 31 18	2 04 28 48	2 19 42 24	3 03 42 06
23	8 22 56 06	9 06 41 54	9 21 34 06	10 08 03 12	10 26 32 00	11 16 53 30	0 08 10 18	0 28 51 48	1 17 49 12	2 04 44 48	2 19 56 54	3 03 55 36
24	8 23 09 30	9 06 56 12	9 21 49 42	10 08 20 36	10 26 51 30	11 17 14 36	0 08 31 36	0 29 11 48	1 18 07 06	2 05 00 48	2 20 11 24	3 04 09 06
25	8 23 22 54	9 07 10 24	9 22 05 24	10 08 38 06	10 27 11 00	11 17 35 42	0 08 52 48	0 29 31 42	1 18 25 00	2 05 16 42	2 20 25 54	3 04 22 36
26	8 23 36 18	9 07 24 42	9 22 21 00	10 08 55 42	10 27 30 36	11 17 5[illegible] 48	0 09 14 00	0 29 51 30	1 18 42 54	2 05 32 42	2 20 40 24	3 04 36 06
27	8 23 49 42	9 07 39 00	9 22 36 42	10 09 13 12	10 27 50 12	11 18 17 54	0 09 35 12	1 00 11 24	1 19 00 42	2 05 48 30	2 20 54 48	3 04 49 36
28	8 24 03 06	9 07 53 18	9 22 52 24	10 09 30 48	10 28 09 54	11 18 39 00	0 09 56 24	1 00 31 12	1 19 18 24	2 06 04 24	2 21 09 12	3 05 03 06
29	8 24 16 30	9 08 07 42	9 23 08 12	10 09 48 30	10 28 29 36	11 19 00 06	0 10 17 36	1 00 51 00	1 19 36 12	2 06 20 12	2 21 23 36	3 05 16 36
30	8 24 30 00	9 08 22 00	9 23 24 00	10 10 06 06	10 28 49 18	11 19 21 18	0 10 38 42	1 01 10 42	1 19 53 54	2 06 36 00	2 21 38 00	3 05 30 00
31	8 24 43 24	9 08 36 24	9 23 39 48	10 10 23 48	10 29 09 00	11 19 42 24	0 10 59 54	1 01 30 24	1 20 11 30	2 06 51 48	2 21 52 18	3 05 43 30
32	8 24 56 54	9 08 50 48	9 23 55 36	10 10 41 36	10 29 28 48	11 20 03 36	0 11 21 00	1 01 50 06	1 20 29 12	2 07 07 36	2 22 06 42	3 05 56 54
33	8 25 10 24	9 09 05 12	9 24 11 30	10 10 59 18	10 29 48 36	11 20 24 48	0 11 42 06	1 02 09 48	1 20 46 48	2 07 23 18	2 22 21 00	3 06 10 18
34	8 25 23 54	9 09 19 36	9 24 27 18	10 11 17 06	11 00 08 30	11 20 46 00	0 12 03 12	1 02 29 24	1 21 04 18	2 07 39 00	2 22 35 18	3 06 23 42
35	8 25 37 24	9 09 34 06	9 24 43 18	10 11 35 00	11 00 28 18	11 21 07 12	0 12 24 18	1 02 49 00	1 21 21 54	2 07 54 36	2 22 49 36	3 06 37 06
36	8 25 50 54	9 09 48 36	9 24 59 12	10 11 52 54	11 00 48 12	11 21 28 24	0 12 45 24	1 03 08 30	1 21 39 24	2 08 10 18	2 23 03 48	3 06 50 30
37	8 26 04 24	9 10 03 06	9 25 15 12	10 12 10 48	11 01 08 12	11 21 49 42	0 13 06 30	1 03 28 00	1 21 56 48	2 08 25 54	2 23 18 06	3 07 03 54
38	8 26 17 54	9 10 17 36	9 25 31 12	10 12 28 42	11 01 28 06	11 22 10 54	0 13 27 30	1 03 47 30	1 22 14 12	2 08 41 24	2 23 32 18	3 07 17 12
39	8 26 31 30	9 10 32 06	9 25 47 12	10 12 46 42	11 01 48 06	11 22 32 12	0 13 48 30	1 04 07 00	1 22 31 36	2 08 57 00	2 23 46 30	3 07 30 36
40	8 26 45 06	9 10 46 42	9 26 03 18	10 13 04 42	11 02 08 06	11 22 53 24	0 14 09 30	1 04 26 24	1 22 49 00	2 09 12 30	2 24 00 42	3 07 43 54
41	8 26 58 36	9 11 01 12	9 26 19 18	10 13 22 42	11 02 28 12	11 23 14 42	0 14 30 30	1 04 45 48	1 23 06 18	2 09 28 00	2 24 14 54	3 07 57 18
42	8 27 12 12	9 11 15 48	9 26 35 30	10 13 40 48	11 02 48 18	11 23 36 00	0 14 51 30	1 05 05 06	1 23 23 36	2 09 43 30	2 24 29 00	3 08 10 36
43	8 27 25 48	9 11 30 30	9 26 51 36	10 13 58 54	11 03 08 24	11 23 57 18	0 15 12 30	1 05 24 30	1 23 40 54	2 09 58 54	2 24 43 12	3 08 23 54
44	8 27 39 24	9 11 45 06	9 27 07 48	10 14 17 06	11 03 28 30	11 24 18 36	0 15 33 24	1 05 43 42	1 23 58 06	2 10 14 24	2 24 57 18	3 08 37 12
45	8 27 53 06	9 11 59 48	9 27 24 00	10 14 35 18	11 03 48 42	11 24 39 54	0 15 54 18	1 06 03 00	1 24 15 18	2 10 29 48	2 25 11 24	3 08 50 30
46	8 28 06 42	9 12 14 24	9 27 40 12	10 14 53 30	11 04 08 54	11 25 01 12	0 16 15 12	1 06 22 12	1 24 32 24	2 10 45 06	2 25 25 30	3 09 03 48
47	8 28 20 24	9 12 29 06	9 27 56 30	10 15 11 48	11 04 29 06	11 25 22 30	0 16 36 06	1 06 41 24	1 24 49 36	2 11 00 30	2 25 39 30	3 09 17 00
48	8 28 34 00	9 12 43 54	9 28 12 48	10 15 30 00	11 04 49 18	11 25 43 48	0 16 57 00	1 07 00 36	1 25 06 42	2 11 15 48	2 25 53 36	3 09 30 18
49	8 28 47 42	9 12 58 36	9 28 29 06	10 15 48 24	11 05 09 6	11 26 05 06	0 17 17 48	1 07 19 42	1 25 23 42	2 11 31 06	2 26 07 36	3 09 43 36
50	8 29 01 24	9 13 13 24	9 28 45 30	10 16 06 42	11 05 29 54	11 26 26 30	0 17 38 36	1 07 38 48	1 25 40 48	2 11 46 24	2 26 21 36	3 09 56 48
51	8 29 15 06	9 13 28 12	9 29 01 54	10 16 25 06	11 05 50 12	11 26 47 48	0 17 59 24	1 07 57 48	1 25 57 42	2 12 01 36	2 26 35 36	3 10 10 00
52	8 29 28 48	9 13 43 00	9 29 18 18	10 16 43 36	11 06 10 36	11 27 09 12	0 18 20 12	1 08 16 48	1 26 14 42	2 12 16 48	2 26 49 36	3 10 23 18
53	8 29 42 36	9 13 57 48	9 29 34 42	10 17 02 00	11 06 31 00	11 27 30 30	0 18 40 54	1 08 35 48	1 26 31 36	2 12 32 00	2 27 03 36	3 10 36 30
54	8 29 56 18	9 14 12 42	9 29 51 12	10 17 20 30	11 06 51 24	11 27 51 54	0 19 01 42	1 08 54 48	1 26 48 30	2 12 47 12	2 27 17 30	3 10 49 42
55	9 00 10 06	9 14 27 36	10 00 07 42	10 17 39 06	11 07 11 54	11 28 13 12	0 19 22 24	1 09 13 42	1 27 05 24	2 13 02 18	2 27 31 24	3 11 02 54
56	9 00 23 54	9 14 42 30	10 00 24 18	10 17 57 36	11 07 32 18	11 28 34 36	0 19 43 06	1 09 32 36	1 27 22 12	2 13 17 24	2 27 45 24	3 11 16 06
57	9 00 37 42	9 14 57 24	10 00 40 54	10 18 16 12	11 07 52 48	11 28 55 54	0 20 03 42	1 09 51 24	1 27 39 00	2 13 32 30	2 27 59 18	3 11 29 18
58	9 00 51 30	9 15 12 24	10 00 57 30	10 18 34 54	11 08 13 18	11 29 17 18	0 20 24 24	1 10 10 12	1 27 55 48	2 13 47 36	2 28 13 06	3 11 42 24
59	9 01 05 18	9 15 27 18	10 01 14 06	10 18 53 30	11 08 33 54	11 29 38 36	0 20 45 00	1 10 29 00	1 28 12 30	2 14 02 42	2 28 27 00	3 11 55 36
60	9 01 19 06	9 15 42 18	10 01 30 48	10 19 12 12	11 08 54 24	0 00 00 00	0 21 05 36	1 10 47 48	1 28 29 12	2 14 17 42	2 28 40 54	3 12 08 48

लग्नसारणी अक्षांश 28° 36′ (उ.)
(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 09 18	3 25 07 06	4 07 53 48	4 20 42 24	5 03 39 42	5 16 46 42	6 00 00 00	6 13 13 18	6 26 20 18	7 09 17 36	7 22 06 12	8 04 52 54
1	3 12 22 24	3 25 19 54	4 08 06 36	4 20 55 18	5 03 52 42	5 16 59 54	6 00 13 12	6 13 26 30	6 26 33 24	7 09 30 24	7 22 18 54	8 05 05 48
2	3 12 35 30	3 25 32 42	4 08 19 24	4 21 08 12	5 04 05 42	5 17 13 06	6 00 26 30	6 13 39 42	6 26 46 24	7 09 43 18	7 22 31 42	8 05 18 36
3	3 12 48 42	3 25 45 30	4 08 32 06	4 21 21 00	5 04 18 48	5 17 26 18	6 00 39 42	6 13 52 54	6 26 59 30	7 09 56 12	7 22 44 30	8 05 31 24
4	3 13 01 48	3 25 58 18	4 08 44 54	4 21 33 54	5 04 31 48	5 17 39 24	6 00 53 00	6 14 06 00	6 27 12 30	7 10 09 00	7 22 57 12	8 05 44 18
5	3 13 14 54	3 26 11 12	4 08 57 42	4 21 46 48	5 04 44 54	5 17 52 36	6 01 06 12	6 14 19 12	6 27 25 30	7 10 21 54	7 23 10 00	8 05 57 06
6	3 13 28 00	3 26 24 00	4 09 10 30	4 21 59 42	5 04 57 54	5 18 05 48	6 01 19 24	6 14 32 24	6 27 38 30	7 10 34 48	7 23 22 48	8 06 10 00
7	3 13 41 06	3 26 36 48	4 09 23 12	4 22 12 36	5 05 11 00	5 18 19 00	6 01 32 42	6 14 45 36	6 27 51 36	7 10 47 36	7 23 35 30	8 06 22 48
8	3 13 54 12	3 26 49 36	4 09 36 00	4 22 25 30	5 05 24 06	5 18 32 12	6 01 45 54	6 14 58 42	6 28 04 36	7 11 00 30	7 23 48 18	8 06 35 42
9	3 14 07 18	3 27 02 24	4 09 48 48	4 22 38 24	5 05 37 06	5 18 45 24	6 01 59 12	6 15 11 54	6 28 17 36	7 11 13 18	7 24 01 06	8 06 48 30
10	3 14 20 24	3 27 15 12	4 10 01 36	4 22 51 18	5 05 50 12	5 18 58 36	6 02 12 24	6 15 25 06	6 28 30 36	7 11 26 12	7 24 13 48	8 07 01 24
11	3 14 33 30	3 27 28 00	4 10 14 18	4 23 04 12	5 06 03 18	5 19 11 48	6 02 25 36	6 15 38 12	6 28 43 36	7 11 39 00	7 24 26 36	8 07 14 12
12	3 14 46 30	3 27 40 48	4 10 27 06	4 23 17 06	5 06 16 18	5 19 25 00	6 02 38 54	6 15 51 24	6 28 56 36	7 11 51 54	7 24 39 18	8 07 27 06
13	3 14 59 36	3 27 53 36	4 10 39 54	4 23 30 00	5 06 29 24	5 19 38 12	6 02 52 06	6 16 04 30	6 29 09 36	7 12 04 42	7 24 52 06	8 07 40 00
14	3 15 12 36	3 28 06 24	4 10 52 42	4 23 42 54	5 06 42 30	5 19 51 24	6 03 05 24	6 16 17 42	6 29 22 36	7 12 17 30	7 25 04 54	8 07 52 48
15	3 15 25 42	3 28 19 12	4 11 05 24	4 23 55 48	5 06 55 36	5 20 04 36	6 03 18 36	6 16 30 54	6 29 35 36	7 12 30 24	7 25 17 36	8 08 05 42
16	3 15 38 42	3 28 32 00	4 11 18 12	4 24 08 42	5 07 08 36	5 20 17 54	6 03 31 48	6 16 44 00	6 29 48 36	7 12 43 12	7 25 30 24	8 08 18 36
17	3 15 51 42	3 28 44 48	4 11 31 00	4 24 21 36	5 07 21 42	5 20 31 06	6 03 45 06	6 16 57 12	7 00 01 36	7 12 56 00	7 25 43 12	8 08 31 30
18	3 16 04 48	3 28 57 30	4 11 43 48	4 24 34 30	5 07 34 48	5 20 44 18	6 03 58 18	6 17 10 18	7 00 14 36	7 13 08 54	7 25 55 54	8 08 44 24
19	3 16 17 48	3 29 10 18	4 11 56 36	4 24 47 24	5 07 47 54	5 20 57 30	6 04 11 30	6 17 23 30	7 00 27 36	7 13 21 42	7 26 08 42	8 08 57 18
20	3 16 30 48	3 29 23 06	4 12 09 24	4 25 00 24	5 08 01 00	5 21 10 42	6 04 24 48	6 17 36 36	7 00 40 36	7 13 34 30	7 26 21 24	8 09 10 12
21	3 16 43 48	3 29 35 54	4 12 22 12	4 25 13 18	5 08 14 06	5 21 23 54	6 04 38 00	6 17 49 42	7 00 53 30	7 13 47 18	7 26 34 12	8 09 23 06
22	3 16 56 48	3 29 48 42	4 12 35 00	4 25 26 12	5 08 27 12	5 21 37 06	6 04 51 12	6 18 02 54	7 01 06 30	7 14 00 12	7 26 47 00	8 09 36 00
23	3 17 09 48	4 00 01 30	4 12 47 42	4 25 39 12	5 08 40 18	5 21 50 24	6 05 04 30	6 18 16 00	7 01 19 30	7 14 13 00	7 26 59 42	8 09 48 54
24	3 17 22 48	4 00 14 12	4 13 00 30	4 25 52 06	5 08 53 24	5 22 03 36	6 05 17 42	6 18 29 12	7 01 32 30	7 14 25 48	7 27 12 30	8 10 01 48
25	3 17 35 48	4 00 27 00	4 13 13 18	4 26 05 00	5 09 06 30	5 22 16 48	6 05 30 54	6 18 42 18	7 01 45 24	7 14 38 36	7 27 25 18	8 10 14 42
26	3 17 48 42	4 00 39 48	4 13 26 06	4 26 18 00	5 09 19 36	5 22 30 00	6 05 44 12	6 18 55 24	7 01 58 24	7 14 51 24	7 27 38 00	8 10 27 42
27	3 18 01 42	4 00 52 36	4 13 38 54	4 26 30 54	5 09 32 42	5 22 43 12	6 05 57 24	6 19 08 36	7 02 11 24	7 15 04 12	7 27 50 48	8 10 40 36
28	3 18 14 42	4 01 05 18	4 13 51 42	4 26 43 54	5 09 45 48	5 22 56 30	6 06 10 36	6 19 21 42	7 02 24 18	7 15 17 00	7 28 03 36	8 10 53 30
29	3 18 27 36	4 01 18 06	4 14 04 30	4 26 56 48	5 09 59 00	5 23 09 42	6 06 23 54	6 19 34 48	7 02 37 18	7 15 29 54	7 28 16 18	8 11 06 30
30	3 18 40 36	4 01 30 54	4 14 17 18	4 27 09 48	5 10 12 06	5 23 22 54	6 06 37 06	6 19 47 54	7 02 50 12	7 15 42 42	7 28 29 06	8 11 19 24
31	3 18 53 30	4 01 43 42	4 14 30 06	4 27 22 42	5 10 25 12	5 23 36 06	6 06 50 18	6 20 01 00	7 03 03 12	7 15 55 30	7 28 41 54	8 11 32 24
32	3 19 06 30	4 01 56 24	4 14 43 00	4 27 35 42	5 10 38 18	5 23 49 24	6 07 03 30	6 20 14 12	7 03 16 06	7 16 08 18	7 28 54 42	8 11 45 18
33	3 19 19 24	4 02 09 12	4 14 55 48	4 27 48 36	5 10 51 24	5 24 02 36	6 07 16 48	6 20 27 18	7 03 29 06	7 16 21 06	7 29 07 24	8 11 58 18
34	3 19 32 18	4 02 22 00	4 15 08 36	4 28 01 36	5 11 04 36	5 24 15 48	6 07 30 00	6 20 40 24	7 03 42 00	7 16 33 54	7 29 20 12	8 12 11 18
35	3 19 45 18	4 02 34 42	4 15 21 24	4 28 14 36	5 11 17 42	5 24 29 06	6 07 43 12	6 20 53 30	7 03 55 00	7 16 46 42	7 29 33 00	8 12 24 12
36	3 19 58 12	4 02 47 30	4 15 34 12	4 28 27 30	5 11 30 48	5 24 42 18	6 07 56 24	6 21 06 36	7 04 07 54	7 16 59 30	7 29 45 48	8 12 37 12
37	3 20 11 06	4 03 00 18	4 15 47 00	4 28 40 30	5 11 44 00	5 24 55 30	6 08 09 36	6 21 19 42	7 04 20 48	7 17 12 18	7 29 58 30	8 12 50 12
38	3 20 24 00	4 03 13 00	4 15 59 48	4 28 53 30	5 11 57 06	5 25 08 48	6 08 22 54	6 21 32 48	7 04 33 48	7 17 25 00	8 00 11 18	8 13 03 12
39	3 20 36 54	4 03 25 48	4 16 12 42	4 29 06 30	5 12 10 18	5 25 22 00	6 08 36 06	6 21 45 54	7 04 46 42	7 17 37 48	8 00 24 06	8 13 16 12
40	3 20 49 48	4 03 38 36	4 16 25 30	4 29 19 24	5 12 23 24	5 25 35 12	6 08 49 18	6 21 59 00	7 04 59 36	7 17 50 36	8 00 36 54	8 13 29 12
41	3 21 02 42	4 03 51 18	4 16 38 18	4 29 32 24	5 12 36 30	5 25 48 30	6 09 02 30	6 22 12 06	7 05 12 36	7 18 03 24	8 00 49 42	8 13 42 12
42	3 21 15 36	4 04 04 06	4 16 51 06	4 29 45 24	5 12 49 42	5 26 01 42	6 09 15 42	6 22 25 12	7 05 25 30	7 18 16 12	8 01 02 30	8 13 55 12
43	3 21 28 30	4 04 16 48	4 17 04 00	4 29 58 24	5 13 02 48	5 26 14 54	6 09 28 54	6 22 38 18	7 05 38 24	7 18 29 00	8 01 15 12	8 14 08 18
44	3 21 41 24	4 04 29 36	4 17 16 48	5 00 11 24	5 13 16 00	5 26 28 12	6 09 42 06	6 22 51 24	7 05 51 18	7 18 41 48	8 01 28 00	8 14 21 18
45	3 21 54 18	4 04 42 24	4 17 29 36	5 00 24 24	5 13 29 06	5 26 41 24	6 09 55 24	6 23 04 24	7 06 04 12	7 18 54 36	8 01 40 48	8 14 34 18
46	3 22 07 12	4 04 55 06	4 17 42 30	5 00 37 24	5 13 42 18	5 26 54 36	6 10 08 36	6 23 17 30	7 06 17 06	7 19 07 18	8 01 53 36	8 14 47 24
47	3 22 20 00	4 05 07 54	4 17 55 18	5 00 50 24	5 13 55 30	5 27 07 54	6 10 21 48	6 23 30 36	7 06 30 00	7 19 20 06	8 02 06 24	8 15 00 24
48	3 22 32 54	4 05 20 42	4 18 08 06	5 01 03 24	5 14 08 36	5 27 21 06	6 10 35 00	6 23 43 42	7 06 42 54	7 19 32 54	8 02 19 12	8 15 13 30
49	3 22 45 48	4 05 33 24	4 18 21 00	5 01 16 24	5 14 21 48	5 27 34 24	6 10 48 12	6 23 56 42	7 06 55 48	7 19 45 42	8 02 32 00	8 15 26 30
50	3 22 58 36	4 05 46 12	4 18 33 48	5 01 29 24	5 14 34 54	5 27 47 36	6 11 01 24	6 24 09 48	7 07 08 42	7 19 58 24	8 02 44 48	8 15 39 36
51	3 23 11 30	4 05 58 54	4 18 46 42	5 01 42 24	5 14 48 06	5 28 00 48	6 11 14 36	6 24 22 54	7 07 21 36	7 20 11 12	8 02 57 36	8 15 52 42
52	3 23 24 18	4 06 11 42	4 18 59 30	5 01 55 24	5 15 01 18	5 28 14 06	6 11 27 48	6 24 35 54	7 07 34 30	7 20 24 00	8 03 10 24	8 16 05 48
53	3 23 37 12	4 06 24 30	4 19 12 24	5 02 08 24	5 15 14 24	5 28 27 18	6 11 41 00	6 24 49 00	7 07 47 24	7 20 36 48	8 03 23 12	8 16 18 54
54	3 23 50 00	4 06 37 12	4 19 25 12	5 02 21 30	5 15 27 36	5 28 40 36	6 11 54 12	6 25 02 06	7 08 00 18	7 20 49 30	8 03 36 00	8 16 32 00
55	3 24 02 54	4 06 50 00	4 19 38 06	5 02 34 30	5 15 40 48	5 28 53 48	6 12 07 24	6 25 15 06	7 08 13 12	7 21 02 18	8 03 48 48	8 16 45 06
56	3 24 15 42	4 07 02 48	4 19 51 00	5 02 47 30	5 15 54 00	5 29 07 00	6 12 20 36	6 25 28 12	7 08 26 06	7 21 15 06	8 04 01 42	8 16 58 12
57	3 24 28 36	4 07 15 30	4 20 03 48	5 03 00 30	5 16 07 06	5 29 20 18	6 12 33 42	6 25 41 12	7 08 39 00	7 21 27 54	8 04 14 30	8 17 11 18
58	3 24 41 24	4 07 28 18	4 20 16 42	5 03 13 36	5 16 20 18	5 29 33 30	6 12 46 54	6 25 54 18	7 08 51 48	7 21 40 36	8 04 27 18	8 17 24 30
59	3 24 54 12	4 07 41 06	4 20 29 36	5 03 26 36	5 16 33 30	5 29 46 48	6 13 00 06	6 26 07 18	7 09 04 42	7 21 53 24	8 04 40 06	8 17 37 36
60	3 25 07 06	4 07 53 48	4 20 42 24	5 03 39 42	5 16 46 42	6 00 00 00	6 13 13 18	6 26 20 18	7 09 17 36	7 22 06 12	8 04 52 54	8 17 50 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 36' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 50 42	9 01 18 36	9 15 41 48	10 01 30 12	10 19 11 48	11 08 54 12	0 00 00 00	0 21 05 48	1 10 48 12	1 28 29 48	2 14 18 12	2 28 41 24
1	8 18 03 54	9 01 32 30	9 15 56 48	10 01 46 54	10 19 30 36	11 09 14 48	0 00 21 24	0 21 26 24	1 11 06 54	1 28 46 24	2 14 33 12	2 28 55 12
2	8 18 17 06	9 01 46 18	9 16 11 48	10 02 03 42	10 19 49 18	11 09 35 24	0 00 42 42	0 21 46 54	1 11 25 36	1 29 03 06	2 14 48 12	2 29 09 06
3	8 18 30 12	9 02 00 12	9 16 26 54	10 02 20 30	10 20 08 06	11 09 56 00	0 01 04 06	0 22 07 30	1 11 44 12	1 29 19 42	2 15 03 06	2 29 22 54
4	8 18 43 24	9 02 14 06	9 16 42 00	10 02 37 18	10 20 27 00	11 10 16 42	0 01 25 30	0 22 28 00	1 12 02 48	1 29 36 12	2 15 18 06	2 29 36 42
5	8 18 56 36	9 02 28 00	9 16 57 06	10 02 54 06	10 20 45 54	11 10 37 24	0 01 46 48	0 22 48 24	1 12 21 24	1 29 52 48	2 15 33 00	2 29 50 24
6	8 19 09 48	9 02 42 00	9 17 12 18	10 03 10 54	10 21 04 48	11 10 58 06	0 02 08 12	0 23 08 54	1 12 39 54	2 00 09 18	2 15 47 54	3 00 04 12
7	8 19 23 00	9 02 55 54	9 17 27 24	10 03 27 48	10 21 23 48	11 11 18 48	0 02 29 30	0 23 29 18	1 12 58 24	2 00 25 48	2 16 02 42	3 00 18 00
8	8 19 36 12	9 03 09 54	9 17 42 36	10 03 44 48	10 21 42 42	11 11 39 36	0 02 50 54	0 23 49 42	1 13 16 54	2 00 42 12	2 16 17 36	3 00 31 42
9	8 19 49 30	9 03 23 54	9 17 57 48	10 04 01 42	10 22 01 48	11 12 00 24	0 03 12 12	0 24 10 00	1 13 35 18	2 00 58 42	2 16 32 24	3 00 45 24
10	8 20 02 42	9 03 37 54	9 18 13 06	10 04 18 42	10 22 20 48	11 12 21 12	0 03 33 36	0 24 30 24	1 13 53 42	2 01 15 06	2 16 47 12	3 00 59 06
11	8 20 15 54	9 03 51 54	9 18 28 24	10 04 35 48	10 22 39 54	11 12 42 00	0 03 54 54	0 24 50 42	1 14 12 06	2 01 31 24	2 17 01 54	3 01 12 48
12	8 20 29 12	9 04 05 54	9 18 43 42	10 04 52 48	10 22 59 00	11 13 02 48	0 04 16 12	0 25 11 00	1 14 30 24	2 01 47 42	2 17 16 42	3 01 26 30
13	8 20 42 24	9 04 19 54	9 18 59 00	10 05 09 54	10 23 18 12	11 13 23 42	0 04 37 36	0 25 31 12	1 14 48 42	2 02 04 00	2 17 31 24	3 01 40 12
14	8 20 55 42	9 04 34 00	9 19 14 18	10 05 27 00	10 23 37 24	11 13 44 36	0 04 58 54	0 25 51 30	1 15 07 00	2 02 20 18	2 17 46 06	3 01 53 48
15	8 21 09 00	9 04 48 06	9 19 29 42	10 05 44 12	10 23 56 36	11 14 05 30	0 05 20 12	0 26 11 36	1 15 25 12	2 02 36 30	2 18 00 48	3 02 07 30
16	8 21 22 18	9 05 02 12	9 19 45 06	10 06 01 24	10 24 15 54	11 14 26 24	0 05 41 30	0 26 31 48	1 15 43 24	2 02 52 48	2 18 15 30	3 02 21 06
17	8 21 35 36	9 05 16 18	9 20 00 30	10 06 18 36	10 24 35 06	11 14 47 18	0 06 02 48	0 26 52 00	1 16 01 30	2 03 08 54	2 18 30 06	3 02 34 42
18	8 21 48 54	9 05 30 24	9 20 15 54	10 06 35 54	10 24 54 30	11 15 08 18	0 06 24 06	0 27 12 06	1 16 19 42	2 03 25 06	2 18 44 42	3 02 48 18
19	8 22 02 12	9 05 44 36	9 20 31 24	10 06 53 12	10 25 13 48	11 15 29 18	0 06 45 24	0 27 32 12	1 16 37 42	2 03 41 12	2 18 59 18	3 03 01 54
20	8 22 15 36	9 05 58 48	9 20 46 54	10 07 10 30	10 25 33 12	11 15 50 18	0 07 06 42	0 27 52 12	1 16 55 48	2 03 57 18	2 19 13 54	3 03 15 30
21	8 22 28 54	9 06 13 00	9 21 02 30	10 07 27 54	10 25 52 36	11 16 11 18	0 07 27 54	0 28 12 12	1 17 13 48	2 04 13 18	2 19 28 24	3 03 29 00
22	8 22 42 18	9 06 27 12	9 21 18 00	10 07 45 18	10 26 12 06	11 16 32 18	0 07 49 12	0 28 32 12	1 17 31 48	2 04 29 24	2 19 43 00	3 03 42 36
23	8 22 55 36	9 06 41 24	9 21 33 36	10 08 02 42	10 26 31 36	11 16 53 24	0 08 10 24	0 28 52 12	1 17 49 42	2 04 45 24	2 19 57 30	3 03 56 06
24	8 23 09 00	9 06 55 36	9 21 49 12	10 08 20 06	10 26 51 06	11 17 14 24	0 08 31 42	0 29 12 06	1 18 07 36	2 05 01 24	2 20 12 00	3 04 09 36
25	8 23 22 24	9 07 09 54	9 22 04 48	10 08 37 36	10 27 10 42	11 17 35 30	0 08 52 54	0 29 32 00	1 18 25 30	2 05 17 18	2 20 26 30	3 04 23 06
26	8 23 35 48	9 07 24 12	9 22 20 30	10 08 55 12	10 27 30 18	11 17 56 36	0 09 14 06	0 29 51 54	1 18 43 18	2 05 33 12	2 20 40 54	3 04 36 36
27	8 23 49 12	9 07 38 30	9 22 36 12	10 09 12 42	10 27 49 54	11 18 17 42	0 09 35 18	1 00 11 42	1 19 01 12	2 05 49 06	2 20 55 18	3 04 50 06
28	8 24 02 36	9 07 52 48	9 22 51 54	10 09 30 18	10 28 09 30	11 18 38 48	0 09 56 30	1 00 31 30	1 19 18 54	2 06 05 00	2 21 09 48	3 05 03 36
29	8 24 16 00	9 08 07 06	9 23 07 36	10 09 48 00	10 28 29 12	11 18 60 00	0 10 17 42	1 00 51 18	1 19 36 42	2 06 20 48	2 21 24 12	3 05 17 06
30	8 24 29 30	9 08 21 30	9 23 23 24	10 10 05 36	10 28 48 54	11 19 21 06	0 10 38 54	1 01 11 06	1 19 54 24	2 06 36 36	2 21 38 30	3 05 30 30
31	8 24 42 54	9 08 35 48	9 23 39 12	10 10 23 18	10 29 08 42	11 19 42 18	0 11 00.0	1 01 30 48	1 20 12 00	2 06 52 24	2 21 52 54	3 05 44 00
32	8 24 56 24	9 08 50 12	9 23 55 00	10 10 41 06	10 29 28 30	11 20 03 30	0 11 21 12	1 01 50 30	1 20 29 42	2 07 08 06	2 22 07 12	3 05 57 24
33	8 25 09 54	9 09 04 42	9 24 10 54	10 10 58 48	10 29 48 18	11 20 24 42	0 11 42 18	1 02 10 06	1 20 47 18	2 07 23 48	2 22 21 30	3 06 10 48
34	8 25 23 24	9 09 19 06	9 24 26 48	10 11 16 42	11 00 08 06	11 20 45 54	0 12 03 24	1 02 29 42	1 21 04 48	2 07 39 30	2 22 35 48	3 06 24 12
35	8 25 36 54	9 09 33 30	9 24 42 42	10 11 34 30	11 00 28 00	11 21 07 06	0 12 24 30	1 02 49 18	1 21 22 24	2 07 55 12	2 22 50 06	3 06 37 36
36	8 25 50 24	9 09 48 00	9 24 58 36	10 11 52 24	11 00 47 54	11 21 28 18	0 12 45 36	1 03 08 54	1 21 39 54	2 08 10 48	2 23 04 24	3 06 51 00
37	8 26 03 54	9 10 02 30	9 25 14 36	10 12 10 18	11 01 07 48	11 21 49 36	0 13 06 36	1 03 28 24	1 21 57 18	2 08 26 24	2 23 18 36	3 07 04 24
38	8 26 17 24	9 10 17 00	9 25 30 36	10 12 28 12	11 01 27 48	11 22 10 48	0 13 27 42	1 03 47 54	1 22 14 42	2 08 42 00	2 23 32 48	3 07 17 42
39	8 26 31 00	9 10 31 36	9 25 46 42	10 12 46 12	11 01 47 48	11 22 32 06	0 13 48 42	1 04 07 24	1 22 32 06	2 08 57 30	2 23 47 00	3 07 31 06
40	8 26 44 30	9 10 46 06	9 26 02 42	10 13 04 12	11 02 07 48	11 22 53 18	0 14 09 42	1 04 26 48	1 22 49 30	2 09 13 06	2 24 01 12	3 07 44 24
41	8 26 58 06	9 11 00 42	9 26 18 48	10 13 22 18	11 02 27 48	11 23 14 36	0 14 30 42	1 04 46 12	1 23 06 48	2 09 28 36	2 24 15 24	3 07 57 48
42	8 27 11 42	9 11 15 18	9 26 34 54	10 13 40 18	11 02 47 54	11 23 35 54	0 14 51 42	1 05 05 30	1 23 24 06	2 09 44 06	2 24 29 36	3 08 11 06
43	8 27 25 18	9 11 29 54	9 26 51 06	10 13 58 30	11 03 08 00	11 23 57 12	0 15 12 42	1 05 24 54	1 23 41 24	2 09 59 30	2 24 43 42	3 08 24 24
44	8 27 38 54	9 11 44 30	9 27 07 12	10 14 16 36	11 03 28 12	11 24 18 30	0 15 33 36	1 05 44 06	1 23 58 36	2 10 14 54	2 24 57 48	3 08 37 42
45	8 27 52 30	9 11 59 12	9 27 23 30	10 14 34 48	11 03 48 24	11 24 39 48	0 15 54 30	1 06 03 24	1 24 15 48	2 10 30 18	2 25 11 54	3 08 51 00
46	8 28 06 12	9 12 13 54	9 27 39 42	10 14 53 00	11 04 08 30	11 25 01 06	0 16 15 24	1 06 22 36	1 24 33 00	2 10 45 42	2 25 26 00	3 09 04 18
47	8 28 19 48	9 12 28 36	9 27 56 00	10 15 11 18	11 04 28 48	11 25 22 24	0 16 36 18	1 06 41 48	1 24 50 06	2 11 01 00	2 25 40 06	3 09 17 36
48	8 28 33 30	9 12 43 18	9 28 12 18	10 15 29 36	11 04 49 00	11 25 43 48	0 16 57 12	1 07 01 00	1 25 07 12	2 11 16 18	2 25 54 06	3 09 30 48
49	8 28 47 12	9 12 58 06	9 28 28 36	10 15 47 54	11 05 09 18	11 26 05 06	0 17 18 00	1 07 20 06	1 25 24 12	2 11 31 36	2 26 08 06	3 09 44 06
50	8 29 00 54	9 13 12 48	9 28 44 54	10 16 06 18	11 05 29 36	11 26 26 24	0 17 38 48	1 07 39 12	1 25 41 18	2 11 46 54	2 26 22 06	3 09 57 18
51	8 29 14 36	9 13 27 36	9 29 01 18	10 16 24 42	11 05 50 00	11 26 47 48	0 17 59 36	1 07 58 12	1 25 58 18	2 12 02 12	2 26 36 06	3 10 10 30
52	8 29 28 18	9 13 42 24	9 29 17 48	10 16 43 06	11 06 10 18	11 27 09 06	0 18 20 24	1 08 17 18	1 26 15 12	2 12 17 24	2 26 50 06	3 10 23 48
53	8 29 42 00	9 13 57 18	9 29 34 12	10 17 01 36	11 06 30 42	11 27 30 30	0 18 41 12	1 08 36 12	1 26 32 12	2 12 32 36	2 27 04 06	3 10 37 00
54	8 29 55 48	9 14 12 06	9 29 50 42	10 17 20 06	11 06 51 06	11 27 51 48	0 19 01 54	1 08 55 12	1 26 49 06	2 12 47 42	2 27 18 00	3 10 50 12
55	9 00 09 36	9 14 27 00	10 00 07 12	10 17 38 36	11 07 11 36	11 28 13 12	0 19 22 36	1 09 14 06	1 27 05 54	2 13 02 54	2 27 32 00	3 11 03 24
56	9 00 23 18	9 14 41 54	10 00 23 48	10 17 57 12	11 07 32 00	11 28 34 30	0 19 43 18	1 09 33 00	1 27 22 42	2 13 18 00	2 27 45 54	3 11 16 36
57	9 00 37 06	9 14 56 54	10 00 40 18	10 18 15 48	11 07 52 30	11 28 55 54	0 20 04 00	1 09 51 54	1 27 39 30	2 13 33 06	2 27 59 48	3 11 29 48
58	9 00 50 54	9 15 11 48	10 00 56 54	10 18 34 24	11 08 13 06	11 29 17 18	0 20 24 36	1 10 10 42	1 27 56 18	2 13 48 12	2 28 13 42	3 11 42 54
59	9 01 04 48	9 15 26 48	10 01 13 36	10 18 53 06	11 08 33 36	11 29 38 36	0 20 45 12	1 10 29 24	1 28 13 06	2 14 03 12	2 28 27 30	3 11 56 06
60	9 01 18 36	9 15 41 48	10 01 30 12	10 19 11 48	11 08 54 12	0 00 00 00	0 21 05 48	1 10 48 12	1 28 29 48	2 14 18 12	2 28 41 24	3 12 09 18

लग्नसारणी अक्षांश 28° 37′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 09 48	3 25 07 30	4 07 54 12	4 20 42 42	5 03 39 54	5 16 46 48	6 00 00 00	6 13 13 12	6 26 20 06	7 09 17 18	7 22 05 48	8 04 52 30
1	3 12 22 54	3 25 20 18	4 08 07 00	4 20 55 36	5 03 52 54	5 16 60 00	6 00 13 12	6 13 26 24	6 26 33 12	7 09 30 12	7 22 18 36	8 05 05 18
2	3 12 36 00	3 25 33 06	4 08 19 42	4 21 08 30	5 04 05 54	5 17 13 12	6 00 26 30	6 13 39 36	6 26 46 12	7 09 43 00	7 22 31 18	8 05 18 12
3	3 12 49 12	3 25 46 00	4 08 32 30	4 21 21 18	5 04 19 00	5 17 26 24	6 00 39 42	6 13 52 42	6 26 59 12	7 09 55 54	7 22 44 06	8 05 31 00
4	3 13 02 18	3 25 58 48	4 08 45 18	4 21 34 12	5 04 32 00	5 17 39 30	6 00 53 00	6 14 05 54	6 27 12 18	7 10 08 42	7 22 56 54	8 05 43 48
5	3 13 15 24	3 26 11 36	4 08 58 00	4 21 47 06	5 04 45 06	5 17 52 42	6 01 06 12	6 14 19 06	6 27 25 18	7 10 21 36	7 23 09 36	8 05 56 42
6	3 13 28 30	3 26 24 24	4 09 10 48	4 21 60 00	5 04 58 06	5 18 05 54	6 01 19 24	6 14 32 18	6 27 38 18	7 10 34 30	7 23 22 24	8 06 09 30
7	3 13 41 36	3 26 37 12	4 09 23 36	4 22 12 54	5 05 11 12	5 18 19 06	6 01 32 42	6 14 45 24	6 27 51 18	7 10 47 18	7 23 35 06	8 06 22 24
8	3 13 54 42	3 26 50 00	4 09 36 24	4 22 25 48	5 05 24 18	5 18 32 18	6 01 45 54	6 14 58 36	6 28 04 24	7 11 00 12	7 23 47 54	8 06 35 12
9	3 14 07 48	3 27 02 48	4 09 49 06	4 22 38 36	5 05 37 18	5 18 45 30	6 01 59 06	6 15 11 48	6 28 17 24	7 11 13 00	7 24 00 42	8 06 48 06
10	3 14 20 54	3 27 15 36	4 10 01 54	4 22 51 30	5 05 50 24	5 18 58 42	6 02 12 24	6 15 24 54	6 28 30 24	7 11 25 54	7 24 13 24	8 07 00 54
11	3 14 33 54	3 27 28 24	4 10 14 42	4 23 04 24	5 06 03 24	5 19 11 54	6 02 25 36	6 15 38 06	6 28 43 24	7 11 38 42	7 24 26 12	8 07 13 48
12	3 14 47 00	3 27 41 12	4 10 27 30	4 23 17 18	5 06 16 30	5 19 25 06	6 02 38 54	6 15 51 18	6 28 56 24	7 11 51 30	7 24 39 00	8 07 26 36
13	3 15 00 06	3 27 54 00	4 10 40 12	4 23 30 12	5 06 29 36	5 19 38 18	6 02 52 06	6 16 04 24	6 29 09 24	7 12 04 24	7 24 51 42	8 07 39 30
14	3 15 13 06	3 28 06 48	4 10 53 00	4 23 43 06	5 06 42 42	5 19 51 30	6 03 05 18	6 16 17 36	6 29 22 24	7 12 17 12	7 25 04 30	8 07 52 24
15	3 15 26 12	3 28 19 36	4 11 05 48	4 23 56 06	5 06 55 42	5 20 04 42	6 03 18 36	6 16 30 42	6 29 35 24	7 12 30 06	7 25 17 12	8 08 05 18
16	3 15 39 12	3 28 32 24	4 11 18 36	4 24 09 00	5 07 08 48	5 20 17 54	6 03 31 48	6 16 43 54	6 29 48 24	7 12 42 54	7 25 30 00	8 08 18 06
17	3 15 52 12	3 28 45 12	4 11 31 24	4 24 21 54	5 07 21 54	5 20 31 06	6 03 45 00	6 16 57 00	7 00 01 24	7 12 55 42	7 25 42 48	8 08 31 00
18	3 16 05 12	3 28 58 00	4 11 44 06	4 24 34 48	5 07 35 00	5 20 44 24	6 03 58 18	6 17 10 12	7 00 14 24	7 13 08 30	7 25 55 30	8 08 43 54
19	3 16 18 18	3 29 10 48	4 11 56 54	4 24 47 42	5 07 48 06	5 20 57 36	6 04 11 30	6 17 23 18	7 00 27 18	7 13 21 24	7 26 08 18	8 08 56 48
20	3 16 31 18	3 29 23 30	4 12 09 42	4 25 00 36	5 08 01 12	5 21 10 48	6 04 24 42	6 17 36 30	7 00 40 18	7 13 34 12	7 26 21 06	8 09 09 42
21	3 16 44 18	3 29 36 18	4 12 22 30	4 25 13 36	5 08 14 18	5 21 24 00	6 04 38 00	6 17 49 36	7 00 53 18	7 13 47 00	7 26 33 48	8 09 22 36
22	3 16 57 18	3 29 49 06	4 12 35 18	4 25 26 30	5 08 27 24	5 21 37 12	6 04 51 12	6 18 02 42	7 01 06 18	7 13 59 48	7 26 46 36	8 09 35 30
23	3 17 10 18	4 00 01 54	4 12 48 06	4 25 39 24	5 08 40 30	5 21 50 24	6 05 04 24	6 18 15 54	7 01 19 18	7 14 12 42	7 26 59 18	8 09 48 24
24	3 17 23 18	4 00 14 36	4 13 00 54	4 25 52 24	5 08 53 36	5 22 03 36	6 05 17 42	6 18 29 00	7 01 32 12	7 14 25 30	7 27 12 06	8 10 01 24
25	3 17 36 12	4 00 27 24	4 13 13 42	4 26 05 18	5 09 06 42	5 22 16 54	6 05 30 54	6 18 42 06	7 01 45 12	7 14 38 18	7 27 24 54	8 10 14 18
26	3 17 49 12	4 00 40 12	4 13 26 30	4 26 18 12	5 09 19 48	5 22 30 06	6 05 44 06	6 18 55 18	7 01 58 12	7 14 51 06	7 27 37 36	8 10 27 12
27	3 18 02 12	4 00 53 00	4 13 39 18	4 26 31 12	5 09 32 54	5 22 43 18	6 05 57 18	6 19 08 24	7 02 11 06	7 15 03 54	7 27 50 24	8 10 40 06
28	3 18 15 06	4 01 05 42	4 13 52 06	4 26 44 06	5 09 46 00	5 22 56 30	6 06 10 36	6 19 21 30	7 02 24 06	7 15 16 42	7 28 03 12	8 10 53 06
29	3 18 28 06	4 01 18 30	4 14 04 54	4 26 57 06	5 09 59 06	5 23 09 42	6 06 23 48	6 19 34 36	7 02 37 00	7 15 29 30	7 28 15 54	8 11 06 00
30	3 18 41 00	4 01 31 18	4 14 17 42	4 27 10 00	5 10 12 12	5 23 23 00	6 06 37 00	6 19 47 48	7 02 50 00	7 15 42 18	7 28 28 42	8 11 19 00
31	3 18 54 00	4 01 44 06	4 14 30 30	4 27 23 00	5 10 25 24	5 23 36 12	6 06 50 18	6 20 00 54	7 03 02 54	7 15 55 06	7 28 41 30	8 11 31 54
32	3 19 06 54	4 01 56 48	4 14 43 18	4 27 35 54	5 10 38 30	5 23 49 24	6 07 03 30	6 20 14 00	7 03 15 54	7 16 07 54	7 28 54 18	8 11 44 54
33	3 19 19 54	4 02 09 36	4 14 56 06	4 27 48 54	5 10 51 36	5 24 02 42	6 07 16 42	6 20 27 06	7 03 28 48	7 16 20 42	7 29 07 00	8 11 57 48
34	3 19 32 48	4 02 22 24	4 15 08 54	4 28 01 48	5 11 04 42	5 24 15 54	6 07 29 54	6 20 40 12	7 03 41 48	7 16 33 30	7 29 19 48	8 12 10 48
35	3 19 45 42	4 02 35 06	4 15 21 42	4 28 14 48	5 11 17 54	5 24 29 06	6 07 43 06	6 20 53 18	7 03 54 42	7 16 46 18	7 29 32 36	8 12 23 48
36	3 19 58 36	4 02 47 54	4 15 34 30	4 28 27 48	5 11 31 00	5 24 42 18	6 07 56 24	6 21 06 24	7 04 07 36	7 16 59 06	7 29 45 24	8 12 36 42
37	3 20 11 36	4 03 00 42	4 15 47 18	4 28 40 42	5 11 44 06	5 24 55 36	6 08 09 36	6 21 19 30	7 04 20 36	7 17 11 54	7 29 58 06	8 12 49 42
38	3 20 24 30	4 03 13 24	4 16 00 12	4 28 53 42	5 11 57 18	5 25 08 48	6 08 22 48	6 21 32 36	7 04 33 30	7 17 24 42	8 00 10 54	8 13 02 42
39	3 20 37 24	4 03 26 12	4 16 13 00	4 29 06 42	5 12 10 24	5 25 22 00	6 08 36 00	6 21 45 42	7 04 46 24	7 17 37 30	8 00 23 42	8 13 15 42
40	3 20 50 18	4 03 38 54	4 16 25 48	4 29 19 42	5 12 23 30	5 25 35 18	6 08 49 12	6 21 58 48	7 04 59 24	7 17 50 18	8 00 36 30	8 13 28 42
41	3 21 03 12	4 03 51 42	4 16 38 36	4 29 32 42	5 12 36 42	5 25 48 30	6 09 02 24	6 22 11 54	7 05 12 18	7 18 03 06	8 00 49 12	8 13 41 42
42	3 21 16 06	4 04 04 30	4 16 51 30	4 29 45 36	5 12 49 48	5 26 01 42	6 09 15 36	6 22 25 00	7 05 25 12	7 18 15 54	8 01 02 00	8 13 54 48
43	3 21 29 00	4 04 17 12	4 17 04 18	4 29 58 36	5 13 03 00	5 26 15 00	6 09 28 54	6 22 38 06	7 05 38 06	7 18 28 36	8 01 14 48	8 14 07 48
44	3 21 41 54	4 04 30 00	4 17 17 06	5 00 11 36	5 13 16 06	5 26 28 12	6 09 42 06	6 22 51 12	7 05 51 00	7 18 41 24	8 01 27 36	8 14 20 48
45	3 21 54 42	4 04 42 48	4 17 29 54	5 00 24 36	5 13 29 18	5 26 41 24	6 09 55 18	6 23 04 18	7 06 03 54	7 18 54 12	8 01 40 24	8 14 33 48
46	3 22 07 36	4 04 55 30	4 17 42 48	5 00 37 36	5 13 42 24	5 26 54 42	6 10 08 30	6 23 17 18	7 06 16 54	7 19 07 00	8 01 53 12	8 14 46 54
47	3 22 20 30	4 05 08 18	4 17 55 36	5 00 50 36	5 13 55 36	5 27 07 54	6 10 21 42	6 23 30 24	7 06 29 48	7 19 19 48	8 02 06 00	8 14 59 54
48	3 22 33 24	4 05 21 00	4 18 08 30	5 01 03 36	5 14 08 42	5 27 21 06	6 10 34 54	6 23 43 30	7 06 42 42	7 19 32 30	8 02 18 48	8 15 13 00
49	3 22 46 12	4 05 33 48	4 18 21 18	5 01 16 36	5 14 21 54	5 27 34 24	6 10 48 06	6 23 56 36	7 06 55 36	7 19 45 18	8 02 31 36	8 15 26 06
50	3 22 59 06	4 05 46 36	4 18 34 06	5 01 29 36	5 14 35 06	5 27 47 36	6 11 01 18	6 24 09 36	7 07 08 30	7 19 58 06	8 02 44 24	8 15 39 06
51	3 23 11 54	4 05 59 18	4 18 47 00	5 01 42 36	5 14 48 12	5 28 00 54	6 11 14 30	6 24 22 42	7 07 21 24	7 20 10 54	8 02 57 12	8 15 52 12
52	3 23 24 48	4 06 12 06	4 18 59 48	5 01 55 36	5 15 01 24	5 28 14 06	6 11 27 42	6 24 35 42	7 07 34 12	7 20 23 36	8 03 10 00	8 16 05 18
53	3 23 37 36	4 06 24 54	4 19 12 42	5 02 08 42	5 15 14 36	5 28 27 18	6 11 40 54	6 24 48 48	7 07 47 06	7 20 36 24	8 03 22 48	8 16 18 24
54	3 23 50 30	4 06 37 36	4 19 25 30	5 02 21 42	5 15 27 42	5 28 40 36	6 11 54 06	6 25 01 54	7 08 00.0	7 20 49 12	8 03 35 36	8 16 31 30
55	3 24 03 18	4 06 50 24	4 19 38 24	5 02 34 42	5 15 40 54	5 28 53 48	6 12 07 18	6 25 14 54	7 08 12 54	7 21 02 00	8 03 48 24	8 16 44 36
56	3 24 16 12	4 07 03 06	4 19 51 18	5 02 47 42	5 15 54 06	5 29 07 00	6 12 20 30	6 25 28 00	7 08 25 48	7 21 14 42	8 04 01 12	8 16 57 42
57	3 24 29 00	4 07 15 54	4 20 04 06	5 03 00 48	5 16 07 18	5 29 20 18	6 12 33 36	6 25 41 00	7 08 38 42	7 21 27 30	8 04 14 00	8 17 10 48
58	3 24 41 48	4 07 28 42	4 20 17 00	5 03 13 48	5 16 20 24	5 29 33 30	6 12 46 48	6 25 54 06	7 08 51 30	7 21 40 18	8 04 26 54	8 17 24 00
59	3 24 54 42	4 07 41 24	4 20 29 48	5 03 26 48	5 16 33 36	5 29 46 48	6 13 00.0	6 26 07 06	7 09 04 24	7 21 53 00	8 04 39 42	8 17 37 06
60	3 25 07 30	4 07 54 12	4 20 42 42	5 03 39 54	5 16 46 48	6 00 00 00	6 13 13 12	6 26 20 06	7 09 17 18	7 22 05 48	8 04 52 30	8 17 50 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 37' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 50 12	9 01 18 06	9 15 41 12	10 01 29 42	10 19 11 24	11 08 53 54	0 00 00 00	0 21 06 06	1 10 48 36	1 28 30 18	2 14 18 48	2 28 41 54
1	8 18 03 24	9 01 31 54	9 15 56 12	10 01 46 24	10 19 30 06	11 09 14 30	0 00 21 24	0 21 26 42	1 11 07 18	1 28 47 00	2 14 33 48	2 28 55 48
2	8 18 16 36	9 01 45 48	9 16 11 18	10 02 03 12	10 19 48 54	11 09 35 06	0 00 42 42	0 21 47 12	1 11 26 00	1 29 03 36	2 14 48 42	2 29 09 36
3	8 18 29 42	9 01 59 42	9 16 26 24	10 02 19 54	10 20 07 42	11 09 55 48	0 01 04 06	0 22 07 42	1 11 44 42	1 29 20 12	2 15 03 42	2 29 23 24
4	8 18 42 54	9 02 13 36	9 16 41 30	10 02 36 42	10 20 26 36	11 10 16 30	0 01 25 30	0 22 28 12	1 12 03 18	1 29 36 48	2 15 18 36	2 29 37 12
5	8 18 56 06	9 02 27 30	9 16 56 36	10 02 53 36	10 20 45 30	11 10 37 12	0 01 46 48	0 22 48 42	1 12 21 48	1 29 53 18	2 15 33 30	2 29 51 00
6	8 19 09 18	9 02 41 24	9 17 11 42	10 03 10 24	10 21 04 24	11 10 57 54	0 02 08 12	0 23 09 06	1 12 40 24	2 00 09 48	2 15 48 24	3 00 04 42
7	8 19 22 30	9 02 55 24	9 17 26 54	10 03 27 18	10 21 23 18	11 11 18 36	0 02 29 36	0 23 29 36	1 12 58 54	2 00 26 18	2 16 03 18	3 00 18 30
8	8 19 35 42	9 03 09 18	9 17 42 06	10 03 44 18	10 21 42 18	11 11 39 24	0 02 50 54	0 23 50 00	1 13 17 24	2 00 42 48	2 16 18 06	3 00 32 12
9	8 19 49 00	9 03 23 18	9 17 57 18	10 04 01 12	10 22 01 18	11 12 00 06	0 03 12 18	0 24 10 18	1 13 35 48	2 00 59 12	2 16 32 54	3 00 45 54
10	8 20 02 12	9 03 37 18	9 18 12 30	10 04 18 12	10 22 20 24	11 12 21 00	0 03 33 36	0 24 30 42	1 13 54 12	2 01 15 36	2 16 47 42	3 00 59 42
11	8 20 15 24	9 03 51 18	9 18 27 48	10 04 35 12	10 22 39 30	11 12 41 48	0 03 55 00	0 24 51 00	1 14 12 36	2 01 31 54	2 17 02 30	3 01 13 18
12	8 20 28 42	9 04 05 24	9 18 43 06	10 04 52 18	10 22 58 36	11 13 02 36	0 04 16 18	0 25 11 18	1 14 30 54	2 01 48 18	2 17 17 12	3 01 27 00
13	8 20 41 54	9 04 19 24	9 18 58 24	10 05 09 24	10 23 17 48	11 13 23 30	0 04 37 36	0 25 31 30	1 14 49 12	2 02 04 36	2 17 32 00	3 01 40 42
14	8 20 55 12	9 04 33 30	9 19 13 48	10 05 26 30	10 23 37 00	11 13 44 24	0 04 59 00	0 25 51 48	1 15 07 24	2 02 20 48	2 17 46 42	3 01 54 18
15	8 21 08 30	9 04 47 36	9 19 29 06	10 05 43 42	10 23 56 12	11 14 05 18	0 05 20 18	0 26 12 00	1 15 25 42	2 02 37 06	2 18 01 18	3 02 08 00
16	8 21 21 48	9 05 01 42	9 19 44 30	10 06 00 54	10 24 15 30	11 14 26 12	0 05 41 36	0 26 32 06	1 15 43 54	2 02 53 18	2 18 16 00	3 02 21 36
17	8 21 35 06	9 05 15 48	9 19 60 00	10 06 18 06	10 24 34 42	11 14 47 12	0 06 02 54	0 26 52 18	1 16 02 00	2 03 09 30	2 18 30 36	3 02 35 12
18	8 21 48 24	9 05 29 54	9 20 15 24	10 06 35 24	10 24 54 06	11 15 08 06	0 06 24 12	0 27 12 24	1 16 20 06	2 03 25 36	2 18 45 18	3 02 48 48
19	8 22 01 42	9 05 44 06	9 20 30 54	10 06 52 42	10 25 13 24	11 15 29 06	0 06 45 30	0 27 32 30	1 16 38 12	2 03 41 42	2 18 59 54	3 03 02 24
20	8 22 15 06	9 05 58 12	9 20 46 24	10 07 10 00	10 25 32 48	11 15 50 06	0 07 06 48	0 27 52 30	1 16 56 18	2 03 57 48	2 19 14 24	3 03 16 00
21	8 22 28 24	9 06 12 24	9 21 01 54	10 07 27 24	10 25 52 18	11 16 11 06	0 07 28 00	0 28 12 36	1 17 14 18	2 04 13 54	2 19 29 00	3 03 29 30
22	8 22 41 48	9 06 26 36	9 21 17 30	10 07 44 42	10 26 11 42	11 16 32 12	0 07 49 18	0 28 32 36	1 17 32 18	2 04 29 54	2 19 43 30	3 03 43 06
23	8 22 55 06	9 06 40 48	9 21 33 00	10 08 02 12	10 26 31 12	11 16 53 12	0 08 10 30	0 28 52 30	1 17 50 12	2 04 45 54	2 19 58 00	3 03 56 36
24	8 23 08 30	9 06 55 06	9 21 48 36	10 08 19 36	10 26 50 42	11 17 14 18	0 08 31 48	0 29 12 30	1 18 08 06	2 05 01 54	2 20 12 30	3 04 10 12
25	8 23 21 54	9 07 09 18	9 22 04 18	10 08 37 06	10 27 10 18	11 17 35 24	0 08 53 00	0 29 32 24	1 18 26 00	2 05 17 48	2 20 27 00	3 04 23 42
26	8 23 35 18	9 07 23 36	9 22 19 54	10 08 54 42	10 27 29 54	11 17 56 30	0 09 14 12	0 29 52 12	1 18 43 48	2 05 33 48	2 20 41 30	3 04 37 12
27	8 23 48 42	9 07 37 54	9 22 35 36	10 09 12 12	10 27 49 30	11 18 17 36	0 09 35 24	1 00 12 06	1 19 01 36	2 05 49 36	2 20 55 54	3 04 50 36
28	8 24 02 06	9 07 52 12	9 22 51 24	10 09 29 48	10 28 09 12	11 18 38 42	0 09 56 36	1 00 31 54	1 19 19 24	2 06 05 30	2 21 10 18	3 05 04 06
29	8 24 15 30	9 08 06 36	9 23 07 06	10 09 47 30	10 28 28 48	11 18 59 48	0 10 17 48	1 00 51 42	1 19 37 12	2 06 21 18	2 21 24 42	3 05 17 36
30	8 24 29 00	9 08 20 54	9 23 22 54	10 10 05 06	10 28 48 36	11 19 21 00	0 10 39 00	1 01 11 24	1 19 54 54	2 06 37 06	2 21 39 06	3 05 31 00
31	8 24 42 24	9 08 35 18	9 23 38 42	10 10 22 48	10 29 08 18	11 19 42 12	0 11 00 12	1 01 31 12	1 20 12 30	2 06 52 54	2 21 53 24	3 05 44 30
32	8 24 55 54	9 08 49 42	9 23 54 30	10 10 40 36	10 29 28 06	11 20 03 24	0 11 21 18	1 01 50 48	1 20 30 12	2 07 08 36	2 22 07 48	3 05 57 54
33	8 25 09 24	9 09 04 06	9 24 10 24	10 10 58 24	10 29 47 54	11 20 24 36	0 11 42 24	1 02 10 30	1 20 47 48	2 07 24 24	2 22 22 06	3 06 11 18
34	8 25 22 48	9 09 18 30	9 24 26 12	10 11 16 12	11 00 07 48	11 20 45 48	0 12 03 30	1 02 30 06	1 21 05 18	2 07 40 06	2 22 36 24	3 06 24 42
35	8 25 36 18	9 09 33 00	9 24 42 12	10 11 34 00	11 00 27 36	11 21 07 00	0 12 24 36	1 02 49 42	1 21 22 54	2 07 55 42	2 22 50 42	3 06 38 06
36	8 25 49 48	9 09 47 30	9 24 58 06	10 11 51 54	11 00 47 30	11 21 28 12	0 12 45 42	1 03 09 18	1 21 40 24	2 08 11 24	2 23 04 54	3 06 51 30
37	8 26 03 24	9 10 02 00	9 25 14 06	10 12 09 48	11 01 07 30	11 21 49 30	0 13 06 48	1 03 28 48	1 21 57 48	2 08 27 00	2 23 19 12	3 07 04 54
38	8 26 16 54	9 10 16 30	9 25 30 06	10 12 27 42	11 01 27 24	11 22 10 42	0 13 27 48	1 03 48 18	1 22 15 18	2 08 42 30	2 23 33 24	3 07 18 12
39	8 26 30 30	9 10 31 00	9 25 46 06	10 12 45 42	11 01 47 24	11 22 32 00	0 13 48 54	1 04 07 42	1 22 32 36	2 08 58 06	2 23 47 36	3 07 31 36
40	8 26 44 00	9 10 45 36	9 26 02 12	10 13 03 42	11 02 07 30	11 22 53 12	0 14 09 54	1 04 27 12	1 22 50 00	2 09 13 36	2 24 01 48	3 07 44 54
41	8 26 57 36	9 11 00 06	9 26 18 18	10 13 21 48	11 02 27 30	11 23 14 30	0 14 30 54	1 04 46 36	1 23 07 18	2 09 29 06	2 24 15 54	3 07 58 18
42	8 27 11 12	9 11 14 42	9 26 34 24	10 13 39 54	11 02 47 36	11 23 35 48	0 14 51 54	1 05 05 54	1 23 24 36	2 09 44 36	2 24 30 06	3 08 11 36
43	8 27 24 48	9 11 29 24	9 26 50 30	10 13 58 00	11 03 07 42	11 23 57 06	0 15 12 48	1 05 25 18	1 23 41 54	2 10 00 0	2 24 44 12	3 08 24 54
44	8 27 38 24	9 11 44 00	9 27 06 42	10 14 16 06	11 03 27 54	11 24 18 24	0 15 33 48	1 05 44 30	1 23 59 06	2 10 15 30	2 24 58 18	3 08 38 12
45	8 27 52 00	9 11 58 42	9 27 22 54	10 14 34 18	11 03 48 00	11 24 39 42	0 15 54 42	1 06 03 48	1 24 16 18	2 10 30 54	2 25 12 24	3 08 51 30
46	8 28 05 42	9 12 13 18	9 27 39 12	10 14 52 36	11 04 08 12	11 25 01 00	0 16 15 36	1 06 23 00	1 24 33 30	2 10 46 12	2 25 26 30	3 09 04 48
47	8 28 19 18	9 12 28 00	9 27 55 24	10 15 10 48	11 04 28 30	11 25 22 24	0 16 36 30	1 06 42 12	1 24 50 36	2 11 01 36	2 25 40 36	3 09 18 06
48	8 28 33 00	9 12 42 48	9 28 11 42	10 15 29 06	11 04 48 42	11 25 43 42	0 16 57 24	1 07 01 24	1 25 07 42	2 11 16 54	2 25 54 36	3 09 31 18
49	8 28 46 42	9 12 57 30	9 28 28 06	10 15 47 24	11 05 09 00	11 26 05 00	0 17 18 12	1 07 20 30	1 25 24 48	2 11 32 12	2 26 08 42	3 09 44 36
50	8 29 00 18	9 13 12 18	9 28 44 24	10 16 05 48	11 05 29 18	11 26 26 24	0 17 39 00	1 07 39 36	1 25 41 48	2 11 47 30	2 26 22 42	3 09 57 48
51	8 29 14 06	9 13 27 06	9 29 00 48	10 16 24 12	11 05 49 42	11 26 47 42	0 17 59 54	1 07 58 42	1 25 58 48	2 12 02 42	2 26 36 42	3 10 11 00
52	8 29 27 48	9 13 41 54	9 29 17 12	10 16 42 36	11 06 10 00	11 27 09 06	0 18 20 36	1 08 17 42	1 26 15 42	2 12 17 54	2 26 50 42	3 10 24 18
53	8 29 41 30	9 13 56 42	9 29 33 42	10 17 01 06	11 06 30 24	11 27 30 24	0 18 41 24	1 08 36 42	1 26 32 42	2 12 33 06	2 27 04 36	3 10 37 30
54	8 29 55 18	9 14 11 36	9 29 50 12	10 17 19 36	11 06 50 54	11 27 51 48	0 19 02 06	1 08 55 36	1 26 49 36	2 12 48 18	2 27 18 36	3 10 50 42
55	9 00 09 00	9 14 26 30	10 00 06 42	10 17 38 12	11 07 11 18	11 28 13 12	0 19 22 48	1 09 14 30	1 27 06 24	2 13 03 24	2 27 32 30	3 11 03 54
56	9 00 22 48	9 14 41 24	10 00 23 12	10 17 56 42	11 07 31 48	11 28 34 30	0 19 43 30	1 09 33 24	1 27 23 18	2 13 18 30	2 27 46 24	3 11 17 06
57	9 00 36 36	9 14 56 18	10 00 39 48	10 18 15 18	11 07 52 18	11 28 55 54	0 20 04 12	1 09 52 18	1 27 40 06	2 13 33 36	2 28 00 18	3 11 30 18
58	9 00 50 24	9 15 11 18	10 00 56 24	10 18 34 00	11 08 12 48	11 29 17 18	0 20 24 54	1 10 11 06	1 27 56 48	2 13 48 42	2 28 14 12	3 11 43 24
59	9 01 04 12	9 15 26 12	10 01 13 00	10 18 52 42	11 08 33 18	11 29 38 36	0 20 45 30	1 10 29 54	1 28 13 36	2 14 03 48	2 28 28 06	3 11 56 36
60	9 01 18 06	9 15 41 12	10 01 29 42	10 19 11 24	11 08 53 54	0 00 00 00	0 21 06 06	1 10 48 36	1 28 30 18	2 14 18 48	2 28 41 54	3 12 09 48

लग्नसारणी अक्षांश 28° 38′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 10 12	3 25 07 54	4 07 54 36	4 20 43 00	5 03 40 06	5 16 46 54	6 00 00 00	6 13 13 06	6 26 19 54	7 09 17 00	7 22 05 24	8 04 52 06
1	3 12 23 24	3 25 20 48	4 08 07 18	4 20 55 54	5 03 53 06	5 17 00 06	6 00 13 12	6 13 26 18	6 26 33 00	7 09 29 54	7 22 18 12	8 05 04 54
2	3 12 36 30	3 25 33 36	4 08 20 06	4 21 08 42	5 04 06 06	5 17 13 18	6 00 26 30	6 13 39 30	6 26 46 00	7 09 42 42	7 22 31 00	8 05 17 42
3	3 12 49 42	3 25 46 24	4 08 32 54	4 21 21 36	5 04 19 12	5 17 26 30	6 00 39 42	6 13 52 36	6 26 59 00	7 09 55 36	7 22 43 42	8 05 30 36
4	3 13 02 48	3 25 59 12	4 08 45 36	4 21 34 30	5 04 32 12	5 17 39 36	6 00 52 54	6 14 05 48	6 27 12 06	7 10 08 24	7 22 56 30	8 05 43 24
5	3 13 15 54	3 26 12 00	4 08 58 24	4 21 47 24	5 04 45 18	5 17 52 48	6 01 06 12	6 14 19 00	6 27 25 06	7 10 21 18	7 23 09 12	8 05 56 12
6	3 13 29 00	3 26 24 48	4 09 11 12	4 22 00 18	5 04 58 18	5 18 06 00	6 01 19 24	6 14 32 12	6 27 38 06	7 10 34 12	7 23 22 00	8 06 09 06
7	3 13 42 06	3 26 37 36	4 09 23 54	4 22 13 06	5 05 11 24	5 18 19 12	6 01 32 42	6 14 45 18	6 27 51 06	7 10 47 00	7 23 34 48	8 06 21 54
8	3 13 55 12	3 26 50 24	4 09 36 42	4 22 26 00	5 05 24 24	5 18 32 24	6 01 45 54	6 14 58 30	6 28 04 06	7 10 59 54	7 23 47 30	8 06 34 48
9	3 14 08 18	3 27 03 18	4 09 49 30	4 22 38 54	5 05 37 30	5 18 45 36	6 01 59 06	6 15 11 42	6 28 17 12	7 11 12 42	7 24 00 18	8 06 47 36
10	3 14 21 24	3 27 16 06	4 10 02 18	4 22 51 48	5 05 50 36	5 18 58 48	6 02 12 24	6 15 24 48	6 28 30 12	7 11 25 36	7 24 13 06	8 07 00 30
11	3 14 34 24	3 27 28 54	4 10 15 00	4 23 04 42	5 06 03 36	5 19 12 00	6 02 25 36	6 15 38 00	6 28 43 12	7 11 38 24	7 24 25 48	8 07 13 18
12	3 14 47 30	3 27 41 36	4 10 27 48	4 23 17 36	5 06 16 42	5 19 25 12	6 02 38 48	6 15 51 06	6 28 56 12	7 11 51 12	7 24 38 36	8 07 26 12
13	3 15 00 30	3 27 54 24	4 10 40 36	4 23 30 30	5 06 29 48	5 19 38 24	6 02 52 06	6 16 04 18	6 29 09 12	7 12 04 06	7 24 51 18	8 07 39 06
14	3 15 13 36	3 28 07 12	4 10 53 24	4 23 43 24	5 06 42 48	5 19 51 36	6 03 05 18	6 16 17 24	6 29 22 12	7 12 16 54	7 25 04 06	8 07 51 54
15	3 15 26 36	3 28 20 00	4 11 06 06	4 23 56 18	5 06 55 54	5 20 04 48	6 03 18 30	6 16 30 36	6 29 35 12	7 12 29 42	7 25 16 54	8 08 04 48
16	3 15 39 42	3 28 32 48	4 11 18 54	4 24 09 12	5 07 09 00	5 20 18 00	6 03 31 48	6 16 43 42	6 29 48 12	7 12 42 36	7 25 29 36	8 08 17 42
17	3 15 52 42	3 28 45 36	4 11 31 42	4 24 22 06	5 07 22 06	5 20 31 12	6 03 45 00	6 16 56 54	7 00 01 06	7 12 55 24	7 25 42 24	8 08 30 36
18	3 16 05 42	3 28 58 24	4 11 44 30	4 24 35 06	5 07 35 12	5 20 44 24	6 03 58 12	6 17 10 00	7 00 14 06	7 13 08 12	7 25 55 06	8 08 43 30
19	3 16 18 42	3 29 11 12	4 11 57 18	4 24 48 00	5 07 48 18	5 20 57 36	6 04 11 30	6 17 23 12	7 00 27 06	7 13 21 06	7 26 07 54	8 08 56 24
20	3 16 31 42	3 29 23 54	4 12 10 06	4 25 00 54	5 08 01 18	5 21 10 48	6 04 24 42	6 17 36 18	7 00 40 06	7 13 33 54	7 26 20 42	8 09 09 18
21	3 16 44 48	3 29 36 42	4 12 22 48	4 25 13 48	5 08 14 24	5 21 24 06	6 04 37 54	6 17 49 30	7 00 53 06	7 13 46 42	7 26 33 24	8 09 22 12
22	3 16 57 42	3 29 49 30	4 12 35 36	4 25 26 42	5 08 27 30	5 21 37 18	6 04 51 12	6 18 02 36	7 01 06 00	7 13 59 30	7 26 46 12	8 09 35 06
23	3 17 10 42	4 00 02 18	4 12 48 24	4 25 39 42	5 08 40 36	5 21 50 30	6 05 04 24	6 18 15 42	7 01 19 00	7 14 12 18	7 26 58 54	8 09 48 00
24	3 17 23 42	4 00 15 06	4 13 01 12	4 25 52 36	5 08 53 42	5 22 03 42	6 05 17 36	6 18 28 54	7 01 32 00	7 14 25 06	7 27 11 42	8 10 00 54
25	3 17 36 42	4 00 27 48	4 13 14 00	4 26 05 30	5 09 06 48	5 22 16 54	6 05 30 48	6 18 42 00	7 01 45 00	7 14 38 00	7 27 24 30	8 10 13 48
26	3 17 49 42	4 00 40 36	4 13 26 48	4 26 18 30	5 09 19 54	5 22 30 06	6 05 44 06	6 18 55 06	7 01 57 54	7 14 50 48	7 27 37 12	8 10 26 42
27	3 18 02 36	4 00 53 24	4 13 39 36	4 26 31 24	5 09 33 00	5 22 43 24	6 05 57 18	6 19 08 18	7 02 10 54	7 15 03 36	7 27 50 00	8 10 39 42
28	3 18 15 36	4 01 06 12	4 13 52 24	4 26 44 24	5 09 46 12	5 22 56 36	6 06 10 30	6 19 21 24	7 02 23 48	7 15 16 24	7 28 02 48	8 10 52 36
29	3 18 28 36	4 01 18 54	4 14 05 12	4 26 57 18	5 09 59 18	5 23 09 48	6 06 23 48	6 19 34 30	7 02 36 48	7 15 29 12	7 28 15 30	8 11 05 30
30	3 18 41 30	4 01 31 42	4 14 18 00	4 27 10 18	5 10 12 24	5 23 23 00	6 06 37 00	6 19 47 36	7 02 49 42	7 15 42 00	7 28 28 18	8 11 18 30
31	3 18 54 30	4 01 44 30	4 14 30 48	4 27 23 12	5 10 25 30	5 23 36 12	6 06 50 12	6 20 00 42	7 03 02 42	7 15 54 48	7 28 41 06	8 11 31 24
32	3 19 07 24	4 01 57 12	4 14 43 36	4 27 36 12	5 10 38 36	5 23 49 30	6 07 03 24	6 20 13 48	7 03 15 36	7 16 07 36	7 28 53 48	8 11 44 24
33	3 19 20 18	4 02 10 00	4 14 56 24	4 27 49 06	5 10 51 42	5 24 02 42	6 07 16 36	6 20 27 00	7 03 28 36	7 16 20 24	7 29 06 36	8 11 57 24
34	3 19 33 18	4 02 22 48	4 15 09 12	4 28 02 06	5 11 04 54	5 24 15 54	6 07 29 54	6 20 40 06	7 03 41 30	7 16 33 12	7 29 19 24	8 12 10 18
35	3 19 46 12	4 02 35 30	4 15 22 00	4 28 15 00	5 11 18 00	5 24 29 12	6 07 43 06	6 20 53 12	7 03 54 30	7 16 46 00	7 29 32 12	8 12 23 18
36	3 19 59 06	4 02 48 18	4 15 34 54	4 28 28 00	5 11 31 06	5 24 42 24	6 07 56 18	6 21 06 18	7 04 07 24	7 16 58 48	7 29 44 54	8 12 36 18
37	3 20 12 00	4 03 01 06	4 15 47 42	4 28 41 00	5 11 44 18	5 24 55 36	6 08 09 30	6 21 19 24	7 04 20 18	7 17 11 36	7 29 57 42	8 12 49 18
38	3 20 24 54	4 03 13 48	4 16 00 30	4 28 54 00	5 11 57 24	5 25 08 48	6 08 22 42	6 21 32 30	7 04 33 18	7 17 24 24	8 00 10 30	8 13 02 18
39	3 20 37 48	4 03 26 36	4 16 13 18	4 29 06 54	5 12 10 30	5 25 22 06	6 08 35 54	6 21 45 36	7 04 46 12	7 17 37 12	8 00 23 18	8 13 15 12
40	3 20 50 42	4 03 39 18	4 16 26 06	4 29 19 54	5 12 23 42	5 25 35 18	6 08 49 12	6 21 58 42	7 04 59 06	7 17 49 54	8 00 36 06	8 13 28 18
41	3 21 03 36	4 03 52 06	4 16 38 54	4 29 32 54	5 12 36 48	5 25 48 30	6 09 02 24	6 22 11 42	7 05 12 00	7 18 02 42	8 00 48 48	8 13 41 18
42	3 21 16 30	4 04 04 54	4 16 51 48	4 29 45 54	5 12 50 00	5 26 01 48	6 09 15 36	6 22 24 48	7 05 24 54	7 18 15 30	8 01 01 36	8 13 54 18
43	3 21 29 24	4 04 17 36	4 17 04 36	4 29 58 54	5 13 03 06	5 26 15 00	6 09 28 48	6 22 37 54	7 05 37 54	7 18 28 18	8 01 14 24	8 14 07 18
44	3 21 42 18	4 04 30 24	4 17 17 24	5 00 11 48	5 13 16 12	5 26 28 12	6 09 42 00	6 22 51 00	7 05 50 48	7 18 41 06	8 01 27 12	8 14 20 18
45	3 21 55 12	4 04 43 06	4 17 30 18	5 00 24 48	5 13 29 24	5 26 41 30	6 09 55 12	6 23 04 06	7 06 03 42	7 18 53 54	8 01 40 00	8 14 33 24
46	3 22 08 06	4 04 55 54	4 17 43 06	5 00 37 48	5 13 42 36	5 26 54 42	6 10 08 24	6 23 17 12	7 06 16 36	7 19 06 36	8 01 52 48	8 14 46 24
47	3 22 20 54	4 05 08 42	4 17 55 54	5 00 50 48	5 13 55 42	5 27 07 54	6 10 21 36	6 23 30 12	7 06 29 30	7 19 19 24	8 02 05 36	8 14 59 30
48	3 22 33 48	4 05 21 24	4 18 08 48	5 01 03 48	5 14 08 54	5 27 21 12	6 10 34 48	6 23 43 18	7 06 42 24	7 19 32 12	8 02 18 24	8 15 12 30
49	3 22 46 42	4 05 34 12	4 18 21 36	5 01 16 48	5 14 22 00	5 27 34 24	6 10 48 00	6 23 56 24	7 06 55 18	7 19 45 00	8 02 31 06	8 15 25 36
50	3 22 59 30	4 05 46 54	4 18 34 24	5 01 29 48	5 14 35 12	5 27 47 36	6 11 01 12	6 24 09 24	7 07 08 12	7 19 57 42	8 02 43 54	8 15 38 36
51	3 23 12 24	4 05 59 42	4 18 47 18	5 01 42 48	5 14 48 18	5 28 00 54	6 11 14 24	6 24 22 30	7 07 21 06	7 20 10 30	8 02 56 42	8 15 51 42
52	3 23 25 12	4 06 12 30	4 19 00 06	5 01 55 54	5 15 01 30	5 28 14 06	6 11 27 36	6 24 35 36	7 07 34 00	7 20 23 18	8 03 09 36	8 16 04 48
53	3 23 38 06	4 06 25 12	4 19 13 00	5 02 08 54	5 15 14 42	5 28 27 18	6 11 40 48	6 24 48 36	7 07 46 54	7 20 36 06	8 03 22 24	8 16 17 54
54	3 23 50 54	4 06 38 00	4 19 25 48	5 02 21 54	5 15 27 48	5 28 40 36	6 11 54 00	6 25 01 42	7 07 59 42	7 20 48 48	8 03 35 12	8 16 31 00
55	3 24 03 48	4 06 50 48	4 19 38 42	5 02 34 54	5 15 41 00	5 28 53 48	6 12 07 12	6 25 14 42	7 08 12 36	7 21 01 36	8 03 48 00	8 16 44 06
56	3 24 16 36	4 07 03 30	4 19 51 36	5 02 47 54	5 15 54 12	5 29 07 06	6 12 20 24	6 25 27 48	7 08 25 30	7 21 14 24	8 04 00 48	8 16 57 12
57	3 24 29 24	4 07 16 18	4 20 04 24	5 03 01 00	5 16 07 24	5 29 20 18	6 12 33 30	6 25 40 48	7 08 38 24	7 21 27 06	8 04 13 36	8 17 10 18
58	3 24 42 18	4 07 29 00	4 20 17 18	5 03 14 00	5 16 20 30	5 29 33 30	6 12 46 42	6 25 53 54	7 08 51 18	7 21 39 54	8 04 26 24	8 17 23 30
59	3 24 55 06	4 07 41 48	4 20 30 06	5 03 27 00	5 16 33 42	5 29 46 48	6 12 59 54	6 26 06 54	7 09 04 06	7 21 52 42	8 04 39 12	8 17 36 36
60	3 25 07 54	4 07 54 36	4 20 43 00	5 03 40 06	5 16 46 54	6 00 00 00	6 13 13 06	6 26 19 54	7 09 17 00	7 22 05 24	8 04 52 06	8 17 49 48

लग्नसारणी अक्षाश 28 38 (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 49 48	9 01 17 30	9 15 40 42	10 01 29 12	10 19 10 54	11 08 53 42	0 00 00 00	0 21 06 18	1 10 49 06	1 28 30 48	2 14 19 18	2 28 42 30
1	8 18 02 54	9 01 31 24	9 15 55 42	10 01 45 54	10 19 29 42	11 09 14 18	0 00 21 24	0 21 26 54	1 11 07 48	1 28 47 30	2 14 34 18	2 28 56 18
2	8 18 16 06	9 01 45 18	9 16 10 42	10 02 02 36	10 19 48 30	11 09 34 54	0 00 42 42	0 21 47 30	1 11 26 30	1 29 04 06	2 14 49 18	2 29 10 06
3	8 18 29 12	9 01 59 06	9 16 25 48	10 02 19 24	10 20 07 18	11 09 55 30	0 01 04 06	0 22 08 00	1 11 45 06	1 29 20 42	2 15 04 12	2 29 23 54
4	8 18 42 24	9 02 13 00	9 16 40 54	10 02 36 12	10 20 26 06	11 10 16 12	0 01 25 30	0 22 28 30	1 12 03 42	1 29 37 18	2 15 19 12	2 29 37 42
5	8 18 55 36	9 02 27 00	9 16 56 00	10 02 53 00	10 20 45 00	11 10 36 54	0 01 46 54	0 22 49 00	1 12 22 18	1 29 53 54	2 15 34 06	2 29 51 30
6	8 19 08 48	9 02 40 54	9 17 11 12	10 03 09 54	10 21 03 54	11 10 57 36	0 02 08 12	0 23 09 24	1 12 40 48	2 00 10 24	2 15 49 00	3 00 05 18
7	8 19 22 00	9 02 54 48	9 17 26 18	10 03 26 48	10 21 22 54	11 11 18 24	0 02 29 36	0 23 29 54	1 12 59 18	2 00 26 54	2 16 03 48	3 00 19 00
8	8 19 35 12	9 03 08 48	9 17 41 30	10 03 43 42	10 21 41 54	11 11 39 06	0 02 50 54	0 23 50 18	1 13 17 48	2 00 43 18	2 16 18 42	3 00 32 48
9	8 19 48 30	9 03 22 48	9 17 56 42	10 04 00 42	10 22 00 54	11 11 59 54	0 03 12 18	0 24 10 36	1 13 36 18	2 00 59 42	2 16 33 30	3 00 46 30
10	8 20 01 42	9 03 36 48	9 18 12 00	10 04 17 42	10 22 20 00	11 12 20 42	0 03 33 42	0 24 31 00	1 13 54 42	2 01 16 06	2 16 48 18	3 01 00 12
11	8 20 14 54	9 03 50 48	9 18 27 18	10 04 34 42	10 22 39 06	11 12 41 36	0 03 55 00	0 24 51 18	1 14 13 00	2 01 32 30	2 17 03 00	3 01 13 54
12	8 20 28 12	9 04 04 48	9 18 42 36	10 04 51 48	10 22 58 12	11 13 02 24	0 04 16 18	0 25 11 36	1 14 31 18	2 01 48 48	2 17 17 48	3 01 27 36
13	8 20 41 24	9 04 18 54	9 18 57 54	10 05 08 54	10 23 17 24	11 13 23 18	0 04 37 42	0 25 31 48	1 14 49 36	2 02 05 06	2 17 32 30	3 01 41 12
14	8 20 54 42	9 04 32 54	9 19 13 12	10 05 26 00	10 23 36 36	11 13 44 12	0 04 59 00	0 25 52 06	1 15 07 54	2 02 21 24	2 17 47 12	3 01 54 54
15	8 21 08 00	9 04 47 00	9 19 28 36	10 05 43 12	10 23 55 48	11 14 05 06	0 05 20 18	0 26 12 18	1 15 26 06	2 02 37 36	2 18 01 54	3 02 08 30
16	8 21 21 18	9 05 01 06	9 19 44 00	10 06 00 24	10 24 15 06	11 14 26 00	0 05 41 42	0 26 32 24	1 15 44 18	2 02 53 48	2 18 16 36	3 02 22 06
17	8 21 34 36	9 05 15 12	9 19 59 24	10 06 17 36	10 24 34 24	11 14 47 00	0 06 03 00	0 26 52 36	1 16 02 30	2 03 10 00	2 18 31 12	3 02 35 42
18	8 21 47 54	9 05 29 24	9 20 14 54	10 06 34 54	10 24 53 42	11 15 07 54	0 06 24 18	0 27 12 42	1 16 20 36	2 03 26 12	2 18 45 48	3 02 49 18
19	8 22 01 12	9 05 43 30	9 20 30 18	10 06 52 12	10 25 13 00	11 15 28 54	0 06 45 36	0 27 32 48	1 16 38 42	2 03 42 18	2 19 00 24	3 03 02 54
20	8 22 14 30	9 05 57 42	9 20 45 48	10 07 09 30	10 25 32 24	11 15 49 54	0 07 06 54	0 27 52 54	1 16 56 42	2 03 58 24	2 19 15 00	3 03 16 30
21	8 22 27 54	9 06 11 54	9 21 01 24	10 07 26 48	10 25 51 54	11 16 10 54	0 07 28 06	0 28 12 54	1 17 14 48	2 04 14 24	2 19 29 30	3 03 30 06
22	8 22 41 12	9 06 26 06	9 21 16 54	10 07 44 12	10 26 11 18	11 16 32 00	0 07 49 24	0 28 32 54	1 17 32 42	2 04 30 30	2 19 44 06	3 03 43 36
23	8 22 54 36	9 06 40 18	9 21 32 30	10 08 01 42	10 26 30 48	11 16 53 00	0 08 10 42	0 28 52 54	1 17 50 42	2 04 46 30	2 19 58 36	3 03 57 06
24	8 23 08 00	9 06 54 30	9 21 48 06	10 08 19 06	10 26 50 24	11 17 14 06	0 08 31 54	0 29 12 48	1 18 08 36	2 05 02 24	2 20 13 06	3 04 10 42
25	8 23 21 24	9 07 08 48	9 22 03 42	10 08 36 36	10 27 09 54	11 17 35 12	0 08 53 06	0 29 32 42	1 18 26 30	2 05 18 24	2 20 27 36	3 04 24 12
26	8 23 34 48	9 07 23 06	9 22 19 24	10 08 54 12	10 27 29 30	11 17 56 18	0 09 14 24	0 29 52 36	1 18 44 18	2 05 34 18	2 20 42 00	3 04 37 42
27	8 23 48 12	9 07 37 24	9 22 35 06	10 09 11 42	10 27 49 06	11 18 17 24	0 09 35 36	1 00 12 24	1 19 02 06	2 05 50 12	2 20 56 24	3 04 51 12
28	8 24 01 36	9 07 51 42	9 22 50 48	10 09 29 18	10 28 08 48	11 18 38 36	0 09 56 48	1 00 32 18	1 19 19 54	2 06 06 00	2 21 10 54	3 05 04 36
29	8 24 15 00	9 08 06 00	9 23 06 36	10 09 47 00	10 28 28 30	11 18 59 42	0 10 18 00	1 00 52 00	1 19 37 36	2 06 21 54	2 21 25 12	3 05 18 06
30	8 24 28 24	9 08 20 24	9 23 22 18	10 10 04 36	10 28 48 12	11 19 20 54	0 10 39 06	1 01 11 48	1 19 55 24	2 06 37 42	2 21 39 36	3 05 31 36
31	8 24 41 54	9 08 34 48	9 23 38 06	10 10 22 24	10 29 08 00	11 19 42 00	0 11 00 18	1 01 31 30	1 20 13 00	2 06 53 24	2 21 54 00	3 05 45 00
32	8 24 55 24	9 08 49 06	9 23 54 00	10 10 40.06	10 29 27 42	11 20 03 12	0 11 21 24	1 01 51 12	1 20 30 42	2 07 09 12	2 22 08 18	3 05 58 24
33	8 25 08 48	9 09 03 36	9 24 09 48	10 10 57 54	10 29 47 36	11 20 24 24	0 11 42 36	1 02 10 54	1 20 48 18	2 07 24 54	2 22 22 36	3 06 11 48
34	8 25 22 18	9 09 18 00	9 24 25 42	10 11 15 42	11 00 07 24	11 20 45 36	0 12 03 42	1 02 30 30	1 21 05 48	2 07 40 36	2 22 36 54	3 06 25 12
35	8 25 35 48	9 09 32 24	9 24 41 36	10 11 33 30	11 00 27 18	11 21 06 54	0 12 24 48	1 02 50 06	1 21 23 24	2 07 56 18	2 22 51 12	3 06 38 36
36	8 25 49 18	9 09 46 54	9 24 57 36	10 11 51 24	11 00 47 12	11 21 28 06	0 12 45 54	1 03 09 36	1 21 40 54	2 08 11 54	2 23 05 30	3 06 52 00
37	8 26 02 54	9 10 01 24	9 25 13 30	10 12 09 18	11 01 07 06	11 21 49 18	0 13 07 00	1 03 29 12	1 21 58 18	2 08 27 30	2 23 19 42	3 07 05 24
38	8 26 16 24	9 10 15 54	9 25 29 30	10 12 27 18	11 01 27 06	11 22 10 36	0 13 28 00	1 03 48 42	1 22 15 48	2 08 43 06	2 23 33 54	3 07 18 48
39	8 26 29 54	9 10 30 30	9 25 45 36	10 12 45 12	11 01 47 06	11 22 31 54	0 13 49 06	1 04 08 06	1 22 33 12	2 08 58 36	2 23 48 06	3 07 32 06
40	8 26 43 30	9 10 45 00	9 26 01 36	10 13 03 18	11 02 07 06	11 22 53 06	0 14 10 06	1 04 27 36	1 22 50 30	2 09 14 12	2 24 02 18	3 07 45 30
41	8 26 57 06	9 10 59 36	9 26 17 42	10 13 21 18	11 02 27 12	11 23 14 24	0 14 31 06	1 04 47 00	1 23 07 48	2 09 29 42	2 24 16 30	3 07 58 48
42	8 27 10 42	9 11 14 12	9 26 33 48	10 13 39 24	11 02 47 18	11 23 35 42	0 14 52 06	1 05 06 18	1 23 25 06	2 09 45 06	2 24 30 36	3 08 12 06
43	8 27 24 18	9 11 28 48	9 26 50 00	10 13 57 30	11 03 07 24	11 23 57 00	0 15 13 00	1 05 25 36	1 23 42 24	2 10 00 36	2 24 44 48	3 08 25 24
44	8 27 37 54	9 11 43 24	9 27 06 12	10 14 15 42	11 03 27 36	11 24 18 18	0 15 34 00	1 05 44 54	1 23 59 36	2 10 16 00	2 24 58 54	3 08 38 42
45	8 27 51 30	9 11 58 06	9 27 22 24	10 14 33 54	11 03 47 42	11 24 39 42	0 15 54 54	1 06 04 12	1 24 16 48	2 10 31 24	2 25 13 00	3 08 52 00
46	8 28 05 06	9 12 12 48	9 27 38 36	10 14 52 06	11 04 07 54	11 25 01 00	0 16 15 48	1 06 23 24	1 24 34 00	2 10 46 48	2 25 27 06	3 09 05 18
47	8 28 18 48	9 12 27 30	9 27 54 54	10 15 10 24	11 04 28 12	11 25 22 18	0 16 36 42	1 06 42 36	1 24 51 06	2 11 02 06	2 25 41 06	3 09 18 36
48	8 28 32 24	9 12 42 12	9 28 11 12	10 15 28 42	11 04 48 24	11 25 43 42	0 16 57 36	1 07 01 48	1 25 08 12	2 11 17 24	2 25 55 12	3 09 31 48
49	8 28 46 06	9 12 57 00	9 28 27 30	10 15 47 00	11 05 08 42	11 26 05 00	0 17 18 24	1 07 20 54	1 25 25 18	2 11 32 42	2 26 09 12	3 09 45 06
50	8 28 59 48	9 13 11 42	9 28 43 54	10 16 05 18	11 05 29 00	11 26 26 18	0 17 39 18	1 07 40 00	1 25 42 18	2 11 48 00	2 26 23 12	3 09 58 18
51	8 29 13 30	9 13 26 30	9 29 00 18	10 16 23 42	11 05 49 24	11 26 47 42	0 18 00 06	1 07 59 06	1 25 59 18	2 12 03 18	2 26 37 12	3 10 11 30
52	8 29 27 12	9 13 41 18	9 29 16 42	10 16 42 12	11 06 09 42	11 27 09 06	0 18 20 54	1 08 18 06	1 26 16 18	2 12 18 30	2 26 51 12	3 10 24 48
53	8 29 41 00	9 13 56 12	9 29 33 06	10 17 00 42	11 06 30 06	11 27 30 24	0 18 41 36	1 08 37 06	1 26 33 12	2 12 33 42	2 27 05 12	3 10 38 00
54	8 29 54 42	9 14 11 00	9 29 49 36	10 17 19 12	11 06 50 36	11 27 51 48	0 19 02 24	1 08 56 06	1 26 50 06	2 12 48 48	2 27 19 06	3 10 51 12
55	9 00 08 30	9 14 25 54	10 00 06 06	10 17 37 42	11 07 11 00	11 28 13 06	0 19 23 06	1 09 15 00	1 27 07 00	2 13 04 00	2 27 33 00	3 11 04 24
56	9 00 22 18	9 14 40 48	10 00 22 42	10 17 56 18	11 07 31 30	11 28 34 30	0 19 43 48	1 09 33 54	1 27 23 48	2 13 19 06	2 27 47 00	3 11 17 36
57	9 00 36 06	9 14 55 48	10 00 39 18	10 18 14 54	11 07 52 00	11 28 55 54	0 20 04 30	1 09 52 42	1 27 40 36	2 13 34 12	2 28 00 54	3 11 30 48
58	9 00 49 54	9 15 10 42	10 00 55 54	10 18 33 30	11 08 12 30	11 29 17 18	0 20 25 06	1 10 11 30	1 27 57 24	2 13 49 18	2 28 14 42	3 11 43 54
59	9 01 03 42	9 15 25 42	10 01 12 30	10 18 52 12	11 08 33 06	11 29 38 36	0 20 45 42	1 10 30 18	1 28 14 06	2 14 04 18	2 28 28 36	3 11 57 06
60	9 01 17 30	9 15 40 42	10 01 29 12	10 19 10 54	11 08 53 42	0 00 00 00	0 21 06 18	1 10 49 06	1 28 30 48	2 14 19 18	2 28 42 30	3 12 10 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 39 (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 10 42	3 25 08 24	4 07 54 54	4 20 43 18	5 03 40 18	5 16 47 00	6 00 00 00	6 13 13 00	6 26 19 42	7 09 16 42	7 22 05 06	8 04 51 36
1	3 12 23 54	3 25 21 12	4 08 07 42	4 20 56 12	5 03 53 18	5 17 00 12	6 00 13 12	6 13 26 12	6 26 32 48	7 09 29 36	7 22 17 48	8 05 04 30
2	3 12 37 00	3 25 34 00	4 08 20 30	4 21 09 00	5 04 06 18	5 17 13 24	6 00 26 30	6 13 39 24	6 26 45 48	7 09 42 24	7 22 30 36	8 05 17 18
3	3 12 50 06	3 25 46 48	4 08 33 12	4 21 21 54	5 04 19 24	5 17 26 36	6 00 39 42	6 13 52 30	6 26 58 48	7 09 55 18	7 22 43 18	8 05 30 06
4	3 13 03 18	3 25 59 36	4 08 46 00	4 21 34 48	5 04 32 24	5 17 39 42	6 00 52 54	6 14 05 42	6 27 11 54	7 10 08 06	7 22 56 06	8 05 43 00
5	3 13 16 24	3 26 12 30	4 08 58 48	4 21 47 42	5 04 45 30	5 17 52 54	6 01 06 12	6 14 18 54	6 27 24 54	7 10 21 00	7 23 08 54	8 05 55 48
6	3 13 29 30	3 26 25 18	4 09 11 30	4 22 00 30	5 04 58 30	5 18 06 06	6 01 19 24	6 14 32 00	6 27 37 54	7 10 33 54	7 23 21 36	8 06 08 36
7	3 13 42 36	3 26 38 06	4 09 24 18	4 22 13 24	5 05 11 36	5 18 19 18	6 01 32 36	6 14 45 12	6 27 50 54	7 10 46 42	7 23 34 24	8 06 21 30
8	3 13 55 42	3 26 50 54	4 09 37 06	4 22 26 18	5 05 24 36	5 18 32 30	6 01 45 54	6 14 58 24	6 28 03 54	7 10 59 36	7 23 47 06	8 06 34 18
9	3 14 08 48	3 27 03 42	4 09 49 54	4 22 39 12	5 05 37 42	5 18 45 42	6 01 59 06	6 15 11 30	6 28 16 54	7 11 12 24	7 23 59 54	8 06 47 12
10	3 14 21 48	3 27 16 30	4 10 02 36	4 22 52 06	5 05 50 48	5 18 58 54	6 02 12 24	6 15 24 42	6 28 29 54	7 11 25 12	7 24 12 42	8 07 00.0
11	3 14 34 54	3 27 29 18	4 10 15 24	4 23 05 00	5 06 03 48	5 19 12 06	6 02 25 36	6 15 37 54	6 28 42 54	7 11 38 06	7 24 25 24	8 07 12 54
12	3 14 48 00	3 27 42 06	4 10 28 12	4 23 17 54	5 06 16 54	5 19 25 18	6 02 38 48	6 15 51 00	6 28 56 00	7 11 50 54	7 24 38 12	8 07 25 48
13	3 15 01 00	3 27 54 54	4 10 40 54	4 23 30 48	5 06 30 00	5 19 38 30	6 02 52 06	6 16 04 12	6 29 09 00	7 12 03 48	7 24 50 54	8 07 38 36
14	3 15 14 06	3 28 07 42	4 10 53 42	4 23 43 42	5 06 43 00	5 19 51 42	6 03 05 18	6 16 17 18	6 29 21 54	7 12 16 36	7 25 03 42	8 07 51 30
15	3 15 27 06	3 28 20 24	4 11 06 30	4 23 56 36	5 06 56 06	5 20 04 54	6 03 18 30	6 16 30 30	6 29 34 54	7 12 29 24	7 25 16 30	8 08 04 24
16	3 15 40 12	3 28 33 12	4 11 19 18	4 24 09 30	5 07 09 12	5 20 18 06	6 03 31 42	6 16 43 36	6 29 47 54	7 12 42 18	7 25 29 12	8 08 17 12
17	3 15 53 12	3 28 46 00	4 11 32 06	4 24 22 24	5 07 22 18	5 20 31 18	6 03 45 00	6 16 56 48	7 00 00 54	7 12 55 06	7 25 42 00	8 08 30 06
18	3 16 06 12	3 28 58 48	4 11 44 48	4 24 35 18	5 07 35 18	5 20 44 30	6 03 58 12	6 17 09 54	7 00 13 54	7 13 07 54	7 25 54 42	8 08 43 00
19	3 16 19 12	3 29 11 36	4 11 57 36	4 24 48 12	5 07 48 24	5 20 57 42	6 04 11 24	6 17 23 06	7 00 26 54	7 13 20 42	7 26 07 30	8 08 55 54
20	3 16 32 12	3 29 24 24	4 12 10 24	4 25 01 12	5 08 01 30	5 21 10 54	6 04 24 42	6 17 36 12	7 00 39 54	7 13 33 36	7 26 20 18	8 09 08 48
21	3 16 45 12	3 29 37 06	4 12 23 12	4 25 14 06	5 08 14 36	5 21 24 06	6 04 37 54	6 17 49 18	7 00 52 48	7 13 46 24	7 26 33 00	8 09 21 42
22	3 16 58 12	3 29 49 54	4 12 36 00	4 25 27 00	5 08 27 42	5 21 37 18	6 04 51 06	6 18 02 30	7 01 05 48	7 13 59 12	7 26 45 48	8 09 34 36
23	3 17 11 12	4 00 02 42	4 12 48 48	4 25 39 54	5 08 40 48	5 21 50 36	6 05 04 24	6 18 15 36	7 01 18 48	7 14 12 00	7 26 58 36	8 09 47 30
24	3 17 24 12	4 00 15 30	4 13 01 36	4 25 52 54	5 08 53 54	5 22 03 48	6 05 17 36	6 18 28 42	7 01 31 48	7 14 24 48	7 27 11 18	8 10 00 24
25	3 17 37 12	4 00 28 12	4 13 14 24	4 26 05 48	5 09 07 00	5 22 17 00	6 05 30 48	6 18 41 54	7 01 44 42	7 14 37 36	7 27 24 06	8 10 13 18
26	3 17 50 06	4 00 41 00	4 13 27 06	4 26 18 42	5 09 20 06	5 22 30 12	6 05 44 00	6 18 55 00	7 01 57 42	7 14 50 24	7 27 36 48	8 10 26 18
27	3 18 03 06	4 00 53 48	4 13 39 54	4 26 31 42	5 09 33 12	5 22 43 24	6 05 57 18	6 19 08 06	7 02 10 36	7 15 03 18	7 27 49 36	8 10 39 12
28	3 18 16 06	4 01 06 36	4 13 52 42	4 26 44 36	5 09 46 18	5 22 56 36	6 06 10 30	6 19 21 12	7 02 23 36	7 15 16 06	7 28 02 24	8 10 52 06
29	3 18 29 00	4 01 19 18	4 14 05 30	4 26 57 36	5 09 59 24	5 23 09 54	6 06 23 42	6 19 34 18	7 02 36 30	7 15 28 54	7 28 15 06	8 11 05 06
30	3 18 42 00	4 01 32 06	4 14 18 18	4 27 10 30	5 10 12 30	5 23 23 06	6 06 36 54	6 19 47 30	7 02 49 30	7 15 41 42	7 28 27 54	8 11 18 00
31	3 18 54 54	4 01 44 54	4 14 31 06	4 27 23 30	5 10 25 42	5 23 36 18	6 06 50 06	6 20 00 36	7 03 02 24	7 15 54 30	7 28 40 42	8 11 31 00
32	3 19 07 54	4 01 57 36	4 14 43 54	4 27 36 24	5 10 38 48	5 23 49 30	6 07 03 24	6 20 13 42	7 03 15 24	7 16 07 18	7 28 53 24	8 11 43 54
33	3 19 20 48	4 02 10 24	4 14 56 42	4 27 49 24	5 10 51 54	5 24 02 42	6 07 16 36	6 20 26 48	7 03 28 18	7 16 20 06	7 29 06 12	8 11 56 54
34	3 19 33 42	4 02 23 12	4 15 09 36	4 28 02 18	5 11 05 00	5 24 16 00	6 07 29 48	6 20 39 54	7 03 41 18	7 16 32 54	7 29 19 00	8 12 09 54
35	3 19 46 42	4 02 35 54	4 15 22 24	4 28 15 18	5 11 18 06	5 24 29 12	6 07 43 00	6 20 53 00	7 03 54 12	7 16 45 36	7 29 31 48	8 12 22 48
36	3 19 59 36	4 02 48 42	4 15 35 12	4 28 28 12	5 11 31 18	5 24 42 24	6 07 56 12	6 21 06 06	7 04 07 06	7 16 58 24	7 29 44 30	8 12 35 48
37	3 20 12 30	4 03 01 24	4 15 48 00	4 28 41 12	5 11 44 24	5 24 55 36	6 08 09 24	6 21 19 12	7 04 20 06	7 17 11 12	7 29 57 18	8 12 48 48
38	3 20 25 24	4 03 14 12	4 16 00 48	4 28 54 12	5 11 57 30	5 25 08 54	6 08 22 42	6 21 32 18	7 04 33 00	7 17 24 00	8 00 10 06	8 13 01 48
39	3 20 38 18	4 03 27 00	4 16 13 36	4 29 07 12	5 12 10 42	5 25 22 06	6 08 35 54	6 21 45 24	7 04 45 54	7 17 36 48	8 00 22 54	8 13 14 48
40	3 20 51 12	4 03 39 42	4 16 26 24	4 29 20 06	5 12 23 48	5 25 35 18	6 08 49 06	6 21 58 30	7 04 58 48	7 17 49 36	8 00 35 36	8 13 27 48
41	3 21 04 06	4 03 52 30	4 16 39 18	4 29 33 06	5 12 36 54	5 25 48 36	6 09 02 18	6 22 11 36	7 05 11 48	7 18 02 24	8 00 48 24	8 13 40 48
42	3 21 17 00	4 04 05 18	4 16 52 06	4 29 46 06	5 12 50 06	5 26 01 48	6 09 15 30	6 22 24 42	7 05 24 42	7 18 15 12	8 01 01 12	8 13 53 48
43	3 21 29 54	4 04 18 00	4 17 04 54	4 29 59 06	5 13 03 12	5 26 15 00	6 09 28 42	6 22 37 42	7 05 37 36	7 18 27 54	8 01 14 00	8 14 06 48
44	3 21 42 48	4 04 30 48	4 17 17 42	5 00 12 06	5 13 16 24	5 26 28 18	6 09 41 54	6 22 50 48	7 05 50 30	7 18 40 42	8 01 26 48	8 14 19 48
45	3 21 55 36	4 04 43 30	4 17 30 36	5 00 25 06	5 13 29 30	5 26 41 30	6 09 55 06	6 23 03 54	7 06 03 24	7 18 53 30	8 01 39 36	8 14 32 54
46	3 22 08 30	4 04 56 18	4 17 43 24	5 00 38 06	5 13 42 42	5 26 54 42	6 10 08 18	6 23 17 00	7 06 16 18	7 19 06 18	8 01 52 18	8 14 45 54
47	3 22 21 24	4 05 09 06	4 17 56 12	5 00 51 00	5 13 55 48	5 27 07 54	6 10 21 30	6 23 30 00	7 06 29 12	7 19 19 06	8 02 05 06	8 14 59 00
48	3 22 34 12	4 05 21 48	4 18 09 06	5 01 04 00	5 14 09 00	5 27 21 12	6 10 34 42	6 23 43 06	7 06 42 06	7 19 31 48	8 02 17 54	8 15 12 00
49	3 22 47 06	4 05 34 36	4 18 21 54	5 01 17 06	5 14 22 06	5 27 34 24	6 10 47 54	6 23 56 12	7 06 55 00	7 19 44 36	8 02 30 42	8 15 25 06
50	3 22 60 00	4 05 47 18	4 18 34 48	5 01 30 06	5 14 35 18	5 27 47 36	6 11 01 06	6 24 09 12	7 07 07 54	7 19 57 24	8 02 43 30	8 15 38 12
51	3 23 12 48	4 06 00 06	4 18 47 36	5 01 43 06	5 14 48 30	5 28 00 54	6 11 14 18	6 24 22 18	7 07 20 48	7 20 10 06	8 02 56 18	8 15 51 12
52	3 23 25 42	4 06 12 54	4 19 00 24	5 01 56 06	5 15 01 36	5 28 14 06	6 11 27 30	6 24 35 24	7 07 33 42	7 20 22 54	8 03 09 06	8 16 04 18
53	3 23 38 30	4 06 25 36	4 19 13 18	5 02 09 06	5 15 14 48	5 28 27 24	6 11 40 42	6 24 48 24	7 07 46 36	7 20 35 42	8 03 21 54	8 16 17 24
54	3 23 51 24	4 06 38 24	4 19 26 06	5 02 22 06	5 15 28 00	5 28 40 36	6 11 53 54	6 25 01 30	7 07 59 30	7 20 48 30	8 03 34 42	8 16 30 30
55	3 24 04 12	4 06 51 06	4 19 39 00	5 02 35 06	5 15 41 06	5 28 53 48	6 12 07 06	6 25 14 30	7 08 12 18	7 21 01 12	8 03 47 30	8 16 43 36
56	3 24 17 00	4 07 03 54	4 19 51 54	5 02 48 06	5 15 54 18	5 29 07 06	6 12 20 18	6 25 27 36	7 08 25 12	7 21 14 00	8 04 00 24	8 16 56 42
57	3 24 29 54	4 07 16 42	4 20 04 42	5 03 01 12	5 16 07 30	5 29 20 18	6 12 33 24	6 25 40 36	7 08 38 06	7 21 26 48	8 04 13 12	8 17 09 54
58	3 24 42 42	4 07 29 24	4 20 17 36	5 03 14 12	5 16 20 36	5 29 33 30	6 12 46 36	6 25 53 42	7 08 51 00	7 21 39 30	8 04 26 00	8 17 23 00
59	3 24 55 30	4 07 42 12	4 20 30 24	5 03 27 12	5 16 33 48	5 29 46 48	6 12 59 48	6 26 06 42	7 09 03 48	7 21 52 18	8 04 38 48	8 17 36 06
60	3 25 08 24	4 07 54 54	4 20 43 18	5 03 40 18	5 16 47 00	6 00 00 00	6 13 13 00	6 26 19 42	7 09 16 42	7 22 05 06	8 04 51 36	8 17 49 18

लग्नसारणी अक्षांश 28° 39' (उ.)
(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 49 18	9 01 17 00	9 15 40 06	10 01 28 42	10 19 10 30	11 08 53 24	0 00 00 00	0 21 06 36	1 10 49 30	1 28 31 18	2 14 19 54	2 28 43 00
1	8 18 02 24	9 01 30 54	9 15 55 06	10 01 45 24	10 19 29 12	11 09 14 00	0 00 21 24	0 21 27 12	1 11 08 12	1 28 48 00	2 14 34 54	2 28 56 48
2	8 18 15 36	9 01 44 42	9 16 10 12	10 02 02 06	10 19 48 00	11 09 34 36	0 00 42 48	0 21 47 42	1 11 26 54	1 29 04 42	2 14 49 48	2 29 10 42
3	8 18 28 42	9 01 58 36	9 16 25 18	10 02 18 54	10 20 06 48	11 09 55 18	0 01 04 06	0 22 08 18	1 11 45 36	1 29 21 18	2 15 04 48	2 29 24 30
4	8 18 41 54	9 02 12 30	9 16 40 24	10 02 35 42	10 20 25 42	11 10 16 00	0 01 25 30	0 22 28 48	1 12 04 12	1 29 37 48	2 15 19 42	2 29 38 18
5	8 18 55 06	9 02 26 24	9 16 55 30	10 02 52 30	10 20 44 36	11 10 36 42	0 01 46 54	0 22 49 18	1 12 22 42	1 29 54 24	2 15 34 36	2 29 52 00
6	8 19 08 18	9 02 40 24	9 17 10 36	10 03 09 24	10 21 03 30	11 10 57 24	0 02 08 18	0 23 09 42	1 12 41 18	2 00 10 54	2 15 49 30	3 00 05 48
7	8 19 21 30	9 02 54 18	9 17 25 48	10 03 26 18	10 21 22 30	11 11 18 06	0 02 29 36	0 23 30 06	1 12 59 48	2 00 27 24	2 16 04 24	3 00 19 30
8	8 19 34 42	9 03 08 18	9 17 41 00	10 03 43 12	10 21 41 30	11 11 38 54	0 02 51 00	0 23 50 30	1 13 18 18	2 00 43 48	2 16 19 12	3 00 33 18
9	8 19 48 00	9 03 22 12	9 17 56 12	10 04 00 12	10 22 00 30	11 11 59 42	0 03 12 18	0 24 10 54	1 13 36 42	2 01 00 18	2 16 34 00	3 00 47 00
10	8 20 01 12	9 03 36 12	9 18 11 24	10 04 17 12	10 22 19 36	11 12 20 30	0 03 33 42	0 24 31 18	1 13 55 06	2 01 16 42	2 16 48 48	3 01 00 42
11	8 20 14 24	9 03 50 18	9 18 26 42	10 04 34 12	10 22 38 42	11 12 41 24	0 03 55 06	0 24 51 36	1 14 13 30	2 01 33 00	2 17 03 36	3 01 14 24
12	8 20 27 42	9 04 04 18	9 18 42 00	10 04 51 18	10 22 57 48	11 13 02 12	0 04 16 24	0 25 11 54	1 14 31 48	2 01 49 24	2 17 18 18	3 01 28 06
13	8 20 40 54	9 04 18 18	9 18 57 18	10 05 08 24	10 23 17 00	11 13 23 06	0 04 37 42	0 25 32 06	1 14 50 06	2 02 05 42	2 17 33 06	3 01 41 42
14	8 20 54 12	9 04 32 24	9 19 12 42	10 05 25 30	10 23 36 12	11 13 44 00	0 04 59 06	0 25 52 24	1 15 08 24	2 02 21 54	2 17 47 48	3 01 55 24
15	8 21 07 30	9 04 46 30	9 19 28 00	10 05 42 42	10 23 55 24	11 14 04 54	0 05 20 24	0 26 12 36	1 15 26 36	2 02 38 12	2 18 02 24	3 02 09 00
16	8 21 20 48	9 05 00 36	9 19 43 24	10 05 59 48	10 24 14 42	11 14 25 48	0 05 41 42	0 26 32 48	1 15 44 48	2 02 54 24	2 18 17 06	3 02 22 42
17	8 21 34 06	9 05 14 42	9 19 58 54	10 06 17 06	10 24 34 00	11 14 46 48	0 06 03 00	0 26 52 54	1 16 03 00	2 03 10 36	2 18 31 42	3 02 36 18
18	8 21 47 24	9 05 28 48	9 20 14 18	10 06 34 18	10 24 53 18	11 15 07 48	0 06 24 24	0 27 13 00	1 16 21 06	2 03 26 42	2 18 46 24	3 02 49 54
19	8 22 00 42	9 05 43 00	9 20 29 48	10 06 51 36	10 25 12 42	11 15 28 42	0 06 45 42	0 27 33 06	1 16 39 12	2 03 42 48	2 19 01 00	3 03 03 30
20	8 22 14 00	9 05 57 06	9 20 45 18	10 07 09 00	10 25 32 06	11 15 49 42	0 07 06 54	0 27 53 12	1 16 57 12	2 03 58 54	2 19 15 30	3 03 17 00
21	8 22 27 24	9 06 11 18	9 21 00 48	10 07 26 18	10 25 51 30	11 16 10 48	0 07 28 12	0 28 13 12	1 17 15 12	2 04 15 00	2 19 30 06	3 03 30 36
22	8 22 40 42	9 06 25 30	9 21 16 24	10 07 43 42	10 26 10 54	11 16 31 48	0 07 49 30	0 28 33 12	1 17 33 12	2 04 31 00	2 19 44 36	3 03 44 06
23	8 22 54 06	9 06 39 48	9 21 31 54	10 08 01 12	10 26 30 24	11 16 52 54	0 08 10 48	0 28 53 12	1 17 51 12	2 04 47 00	2 19 59 06	3 03 57 42
24	8 23 07 30	9 06 54 00	9 21 47 30	10 08 18 36	10 26 50 00	11 17 14 00	0 08 32 00	0 29 13 06	1 18 09 06	2 05 03 00	2 20 13 36	3 04 11 12
25	8 23 20 48	9 07 08 18	9 22 03 12	10 08 36 06	10 27 09 30	11 17 35 00	0 08 53 12	0 29 33 06	1 18 27 00	2 05 18 54	2 20 28 06	3 04 24 42
26	8 23 34 12	9 07 22 30	9 22 18 48	10 08 53 42	10 27 29 06	11 17 56 12	0 09 14 30	0 29 52 54	1 18 44 48	2 05 34 48	2 20 42 36	3 04 38 12
27	8 23 47 36	9 07 36 48	9 22 34 30	10 09 11 12	10 27 48 48	11 18 17 18	0 09 35 42	1 00 12 48	1 19 02 36	2 05 50 42	2 20 57 00	3 04 51 42
28	8 24 01 06	9 07 51 06	9 22 50 18	10 09 28 48	10 28 08 24	11 18 38 24	0 09 56 54	1 00 32 36	1 19 20 24	2 06 06 36	2 21 11 24	3 05 05 12
29	8 24 14 30	9 08 05 30	9 23 06 00	10 09 46 30	10 28 28 06	11 18 59 36	0 10 18 06	1 00 52 24	1 19 38 06	2 06 22 24	2 21 25 48	3 05 18 36
30	8 24 27 54	9 08 19 48	9 23 21 48	10 10 04 12	10 28 47 48	11 19 20 42	0 10 39 18	1 01 12 12	1 19 55 48	2 06 38 12	2 21 40 12	3 05 32 06
31	8 24 41 24	9 08 34 12	9 23 37 36	10 10 21 54	10 29 07 36	11 19 41 54	0 11 00 24	1 01 31 54	1 20 13 30	2 06 54 00	2 21 54 30	3 05 45 30
32	8 24 54 48	9 08 48 36	9 23 53 24	10 10 39 36	10 29 27 24	11 20 03 06	0 11 21 36	1 01 51 36	1 20 31 12	2 07 09 42	2 22 08 54	3 05 58 54
33	8 25 08 18	9 09 03 00	9 24 09 18	10 10 57 24	10 29 47 12	11 20 24 18	0 11 42 42	1 02 11 12	1 20 48 48	2 07 25 30	2 22 23 12	3 06 12 24
34	8 25 21 48	9 09 17 24	9 24 25 12	10 11 15 12	11 00 07 06	11 20 45 30	0 12 03 48	1 02 30 54	1 21 06 18	2 07 41 12	2 22 37 30	3 06 25 48
35	8 25 35 18	9 09 31 54	9 24 41 06	10 11 33 00	11 00 26 54	11 21 06 48	0 12 25 00	1 02 50 30	1 21 23 54	2 07 56 48	2 22 51 42	3 06 39 12
36	8 25 48 48	9 09 46 24	9 24 57 00	10 11 50 54	11 00 46 54	11 21 28 00	0 12 46 00	1 03 10 00	1 21 41 24	2 08 12 30	2 23 06 00	3 06 52 30
37	8 26 02 18	9 10 00 54	9 25 13 00	10 12 08 48	11 01 06 48	11 21 49 12	0 13 07 06	1 03 29 36	1 21 58 48	2 08 28 06	2 23 20 12	3 07 05 54
38	8 26 15 54	9 10 15 24	9 25 29 00	10 12 26 48	11 01 26 48	11 22 10 30	0 13 28 12	1 03 49 06	1 22 16 18	2 08 43 36	2 23 34 30	3 07 19 18
39	8 26 29 24	9 10 29 54	9 25 45 00	10 12 44 48	11 01 46 48	11 22 31 48	0 13 49 12	1 04 08 30	1 22 33 42	2 08 59 12	2 23 48 42	3 07 32 36
40	8 26 43 00	9 10 44 30	9 26 01 06	10 13 02 48	11 02 06 48	11 22 53 06	0 14 10 18	1 04 27 54	1 22 51 00	2 09 14 42	2 24 02 54	3 07 46 00
41	8 26 56 30	9 10 59 00	9 26 17 12	10 13 20 48	11 02 26 54	11 23 14 18	0 14 31 18	1 04 47 18	1 23 08 24	2 09 30 12	2 24 17 00	3 07 59 18
42	8 27 10 06	9 11 13 36	9 26 33 18	10 13 38 54	11 02 47 00	11 23 35 36	0 14 52 12	1 05 06 42	1 23 25 42	2 09 45 42	2 24 31 12	3 08 12 36
43	8 27 23 42	9 11 28 18	9 26 49 24	10 13 57 00	11 03 07 06	11 23 57 00	0 15 13 12	1 05 26 00	1 23 42 54	2 10 01 06	2 24 45 18	3 08 25 54
44	8 27 37 18	9 11 42 54	9 27 05 36	10 14 15 12	11 03 27 12	11 24 18 18	0 15 34 12	1 05 45 18	1 24 00 12	2 10 16 36	2 24 59 24	3 08 39 12
45	8 27 51 00	9 11 57 36	9 27 21 48	10 14 33 24	11 03 47 24	11 24 39 36	0 15 55 06	1 06 04 36	1 24 17 18	2 10 32 00	2 25 13 30	3 08 52 30
46	8 28 04 36	9 12 12 12	9 27 38 06	10 14 51 36	11 04 07 36	11 25 00 54	0 16 16 00	1 06 23 48	1 24 34 30	2 10 47 18	2 25 27 36	3 09 05 48
47	8 28 18 18	9 12 26 54	9 27 54 18	10 15 09 54	11 04 27 54	11 25 22 18	0 16 36 54	1 06 43 00	1 24 51 36	2 11 02 42	2 25 41 42	3 09 19 06
48	8 28 31 54	9 12 41 42	9 28 10 36	10 15 28 12	11 04 48 06	11 25 43 36	0 16 57 48	1 07 02 12	1 25 08 42	2 11 18 00	2 25 55 42	3 09 32 18
49	8 28 45 36	9 12 56 24	9 28 27 00	10 15 46 30	11 05 08 24	11 26 04 54	0 17 18 36	1 07 21 18	1 25 25 48	2 11 33 18	2 26 09 42	3 09 45 36
50	8 28 59 18	9 13 11 12	9 28 43 18	10 16 04 54	11 05 28 42	11 26 26 18	0 17 39 30	1 07 40 24	1 25 42 48	2 11 48 36	2 26 23 48	3 09 58 48
51	8 29 13 00	9 13 26 00	9 28 59 42	10 16 23 18	11 05 49 06	11 26 47 42	0 18 00 18	1 07 59 30	1 25 59 48	2 12 03 48	2 26 37 48	3 10 12 00
52	8 29 26 42	9 13 40 48	9 29 16 12	10 16 41 42	11 06 09 30	11 27 09 00	0 18 21 06	1 08 18 30	1 26 16 48	2 12 19 00	2 26 51 42	3 10 25 18
53	8 29 40 30	9 13 55 36	9 29 32 36	10 17 00 12	11 06 29 54	11 27 30 24	0 18 41 54	1 08 37 30	1 26 33 42	2 12 34 12	2 27 05 42	3 10 38 30
54	8 29 54 12	9 14 10 30	9 29 49 06	10 17 18 42	11 06 50 18	11 27 51 42	0 19 02 36	1 08 56 30	1 26 50 36	2 12 49 24	2 27 19 36	3 10 51 42
55	9 00 08 00	9 14 25 24	10 00 05 36	10 17 37 18	11 07 10 42	11 28 13 06	0 19 23 18	1 09 15 24	1 27 07 30	2 13 04 30	2 27 33 36	3 11 04 54
56	9 00 21 42	9 14 40 18	10 00 22 12	10 17 55 48	11 07 31 12	11 28 34 30	0 19 44 00	1 09 34 18	1 27 24 18	2 13 19 36	2 27 47 30	3 11 18 06
57	9 00 35 30	9 14 55 12	10 00 38 42	10 18 14 24	11 07 51 42	11 28 55 54	0 20 04 42	1 09 53 06	1 27 41 06	2 13 34 42	2 28 01 24	3 11 31 18
58	9 00 49 18	9 15 10 12	10 00 55 18	10 18 33 06	11 08 12 18	11 29 17 12	0 20 25 24	1 10 12 00	1 27 57 54	2 13 49 48	2 28 15 18	3 11 44 24
59	9 01 03 12	9 15 25 06	10 01 12 00	10 18 51 48	11 08 32 48	11 29 38 36	0 20 46 00	1 10 30 48	1 28 14 36	2 14 04 54	2 28 29 06	3 11 57 36
60	9 01 17 00	9 15 40 06	10 01 28 42	10 19 10 30	11 08 53 24	0 00 00 00	0 21 06 36	1 10 49 30	1 28 31 18	2 14 19 54	2 28 43 00	3 12 10 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 40′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 11 12	3 25 08 48	4 07 55 18	4 20 43 36	5 03 40 30	5 16 47 06	6 00 00 00	6 13 12 54	6 26 19 30	7 09 16 24	7 22 04 42	8 04 51 12
1	3 12 24 24	3 25 21 36	4 08 08 06	4 20 56 30	5 03 53 30	5 17 00 18	6 00 13 12	6 13 26 06	6 26 32 36	7 09 29 18	7 22 17 24	8 05 04 00
2	3 12 37 30	3 25 34 24	4 08 20 48	4 21 09 18	5 04 06 30	5 17 13 30	6 00 26 30	6 13 39 12	6 26 45 36	7 09 42 06	7 22 30 12	8 05 16 48
3	3 12 50 36	3 25 47 18	4 08 33 36	4 21 22 12	5 04 19 36	5 17 26 36	6 00 39 42	6 13 52 24	6 26 58 36	7 09 55 00	7 22 43 00	8 05 29 42
4	3 13 03 48	3 26 00 06	4 08 46 24	4 21 35 06	5 04 32 36	5 17 39 48	6 00 52 54	6 14 05 36	6 27 11 36	7 10 07 54	7 22 55 42	8 05 42 30
5	3 13 16 54	3 26 12 54	4 08 59 06	4 21 48 00	5 04 45 42	5 17 53 00	6 01 06 12	6 14 18 48	6 27 24 42	7 10 20 42	7 23 08 30	8 05 55 18
6	3 13 30 00	3 26 25 42	4 09 11 54	4 22 00 48	5 04 58 42	5 18 06 12	6 01 19 24	6 14 31 54	6 27 37 42	7 10 33 36	7 23 21 18	8 06 08 12
7	3 13 43 06	3 26 38 30	4 09 24 42	4 22 13 42	5 05 11 48	5 18 19 24	6 01 32 36	6 14 45 06	6 27 50 42	7 10 46 24	7 23 34 00	8 06 21 00
8	3 13 56 12	3 26 51 18	4 09 37 24	4 22 26 36	5 05 24 48	5 18 32 36	6 01 45 54	6 14 58 18	6 28 03 42	7 10 59 18	7 23 46 48	8 06 33 54
9	3 14 09 12	3 27 04 06	4 09 50 12	4 22 39 30	5 05 37 54	5 18 45 48	6 01 59 06	6 15 11 24	6 28 16 42	7 11 12 06	7 23 59 30	8 06 46 42
10	3 14 22 18	3 27 16 54	4 10 03 00	4 22 52 24	5 05 50 54	5 18 59 00	6 02 12 18	6 15 24 36	6 28 29 42	7 11 24 54	7 24 12 18	8 06 59 36
11	3 14 35 24	3 27 29 42	4 10 15 48	4 23 05 18	5 06 04 00	5 19 12 12	6 02 25 36	6 15 37 42	6 28 42 42	7 11 37 48	7 24 25 00	8 07 12 24
12	3 14 48 30	3 27 42 30	4 10 28 30	4 23 18 12	5 06 17 06	5 19 25 24	6 02 38 48	6 15 50 54	6 28 55 42	7 11 50 36	7 24 37 48	8 07 25 18
13	3 15 01 30	3 27 55 18	4 10 41 18	4 23 31 06	5 06 30 06	5 19 38 36	6 02 52 00	6 16 04 00	6 29 08 42	7 12 03 30	7 24 50 36	8 07 38 12
14	3 15 14 36	3 28 08 06	4 10 54 06	4 23 44 00	5 06 43 12	5 19 51 48	6 03 05 18	6 16 17 12	6 29 21 42	7 12 16 18	7 25 03 18	8 07 51 00
15	3 15 27 36	3 28 20 54	4 11 06 54	4 23 56 54	5 06 56 18	5 20 05 00	6 03 18 30	6 16 30 18	6 29 34 42	7 12 29 06	7 25 16 06	8 08 03 54
16	3 15 40 36	3 28 33 42	4 11 19 36	4 24 09 48	5 07 09 24	5 20 18 12	6 03 31 42	6 16 43 30	6 29 47 42	7 12 41 54	7 25 28 48	8 08 16 48
17	3 15 53 42	3 28 46 24	4 11 32 24	4 24 22 42	5 07 22 24	5 20 31 24	6 03 44 54	6 16 56 36	7 00 00 42	7 12 54 48	7 25 41 36	8 08 29 42
18	3 16 06 42	3 28 59 12	4 11 45 12	4 24 35 36	5 07 35 30	5 20 44 36	6 03 58 12	6 17 09 48	7 00 13 42	7 13 07 36	7 25 54 24	8 08 42 36
19	3 16 19 42	3 29 12 00	4 11 58 00	4 24 48 30	5 07 48 36	5 20 57 48	6 04 11 24	6 17 22 54	7 00 26 42	7 13 20 24	7 26 07 06	8 08 55 24
20	3 16 32 42	3 29 24 48	4 12 10 48	4 25 01 24	5 08 01 42	5 21 11 00	6 04 24 36	6 17 36 06	7 00 39 36	7 13 33 12	7 26 19 54	8 09 08 18
21	3 16 45 42	3 29 37 36	4 12 23 30	4 25 14 18	5 08 14 48	5 21 24 12	6 04 37 54	6 17 49 12	7 00 52 36	7 13 46 06	7 26 32 36	8 09 21 12
22	3 16 58 42	3 29 50 18	4 12 36 18	4 25 27 18	5 08 27 54	5 21 37 24	6 04 51 06	6 18 02 18	7 01 05 36	7 13 58 54	7 26 45 24	8 09 34 06
23	3 17 11 42	4 00 03 06	4 12 49 06	4 25 40 12	5 08 41 00	5 21 50 36	6 05 04 18	6 18 15 30	7 01 18 30	7 14 11 42	7 26 58 12	8 09 47 06
24	3 17 24 42	4 00 15 54	4 13 01 54	4 25 53 06	5 08 54 06	5 22 03 48	6 05 17 30	6 18 28 36	7 01 31 30	7 14 24 30	7 27 10 54	8 09 60 00
25	3 17 37 36	4 00 28 42	4 13 14 42	4 26 06 06	5 09 07 12	5 22 17 00	6 05 30 48	6 18 41 42	7 01 44 30	7 14 37 18	7 27 23 42	8 10 12 54
26	3 17 50 36	4 00 41 24	4 13 27 30	4 26 19 00	5 09 20 18	5 22 30 18	6 05 44 00	6 18 54 48	7 01 57 24	7 14 50 06	7 27 36 24	8 10 25 48
27	3 18 03 36	4 00 54 12	4 13 40 18	4 26 31 54	5 09 33 24	5 22 43 30	6 05 57 12	6 19 08 00	7 02 10 24	7 15 02 54	7 27 49 12	8 10 38 42
28	3 18 16 30	4 01 07 00	4 13 53 06	4 26 44 54	5 09 46 30	5 22 56 42	6 06 10 24	6 19 21 06	7 02 23 18	7 15 15 42	7 28 02 00	8 10 51 42
29	3 18 29 30	4 01 19 42	4 14 05 54	4 26 57 48	5 09 59 36	5 23 09 54	6 06 23 42	6 19 34 12	7 02 36 18	7 15 28 30	7 28 14 42	8 11 04 36
30	3 18 42 24	4 01 32 30	4 14 18 42	4 27 10 48	5 10 12 42	5 23 23 06	6 06 36 54	6 19 47 18	7 02 49 12	7 15 41 18	7 28 27 30	8 11 17 36
31	3 18 55 24	4 01 45 18	4 14 31 30	4 27 23 42	5 10 25 48	5 23 36 18	6 06 50 06	6 20 00 24	7 03 02 12	7 15 54 06	7 28 40 18	8 11 30 30
32	3 19 08 18	4 01 58 00	4 14 44 18	4 27 36 42	5 10 38 54	5 23 49 36	6 07 03 18	6 20 13 30	7 03 15 06	7 16 06 54	7 28 53 00	8 11 43 30
33	3 19 21 18	4 02 10 48	4 14 57 06	4 27 49 36	5 10 52 00	5 24 02 48	6 07 16 30	6 20 26 36	7 03 28 06	7 16 19 42	7 29 05 48	8 11 56 24
34	3 19 34 12	4 02 23 36	4 15 09 54	4 28 02 36	5 11 05 12	5 24 16 00	6 07 29 42	6 20 39 42	7 03 41 00	7 16 32 30	7 29 18 36	8 12 09 24
35	3 19 47 06	4 02 36 18	4 15 22 42	4 28 15 30	5 11 18 18	5 24 29 12	6 07 43 00	6 20 52 48	7 03 53 54	7 16 45 18	7 29 31 18	8 12 22 24
36	3 20 00 0	4 02 49 06	4 15 35 30	4 28 28 30	5 11 31 24	5 24 42 30	6 07 56 12	6 21 05 54	7 04 06 54	7 16 58 06	7 29 44 06	8 12 35 18
37	3 20 12 54	4 03 01 48	4 15 48 18	4 28 41 30	5 11 44 30	5 24 55 42	6 08 09 24	6 21 19 00	7 04 19 48	7 17 10 54	7 29 56 54	8 12 48 18
38	3 20 25 54	4 03 14 36	4 16 01 06	4 28 54 24	5 11 57 42	5 25 08 54	6 08 22 36	6 21 32 06	7 04 32 42	7 17 23 42	8 00 09 42	8 13 01 18
39	3 20 38 48	4 03 27 24	4 16 13 54	4 29 07 24	5 12 10 48	5 25 22 06	6 08 35 48	6 21 45 12	7 04 45 42	7 17 36 30	8 00 22 24	8 13 14 18
40	3 20 51 42	4 03 40 06	4 16 26 48	4 29 20 24	5 12 23 54	5 25 35 24	6 08 49 00	6 21 58 18	7 04 58 36	7 17 49 12	8 00 35 12	8 13 27 18
41	3 21 04 36	4 03 52 54	4 16 39 36	4 29 33 18	5 12 37 06	5 25 48 36	6 09 02 12	6 22 11 24	7 05 11 30	7 18 02 00	8 00 48 00	8 13 40 18
42	3 21 17 24	4 04 05 36	4 16 52 24	4 29 46 18	5 12 50 12	5 26 01 48	6 09 15 24	6 22 24 30	7 05 24 24	7 18 14 48	8 01 00 48	8 13 53 18
43	3 21 30 18	4 04 18 24	4 17 05 12	4 29 59 18	5 13 03 24	5 26 15 06	6 09 28 36	6 22 37 36	7 05 37 18	7 18 27 36	8 01 13 36	8 14 06 18
44	3 21 43 12	4 04 31 12	4 17 18 06	5 00 12 18	5 13 16 30	5 26 28 18	6 09 41 48	6 22 50 36	7 05 50 12	7 18 40 24	8 01 26 18	8 14 19 24
45	3 21 56 06	4 04 43 54	4 17 30 54	5 00 25 18	5 13 29 42	5 26 41 30	6 09 55 00	6 23 03 42	7 06 03 06	7 18 53 06	8 01 39 06	8 14 32 24
46	3 22 09 00	4 04 56 42	4 17 43 42	5 00 38 18	5 13 42 48	5 26 54 42	6 10 08 12	6 23 16 48	7 06 16 00	7 19 05 54	8 01 51 54	8 14 45 24
47	3 22 21 48	4 05 09 24	4 17 56 30	5 00 51 18	5 13 56 00	5 27 08 00	6 10 21 24	6 23 29 54	7 06 28 54	7 19 18 42	8 02 04 42	8 14 58 30
48	3 22 34 42	4 05 22 12	4 18 09 24	5 01 04 18	5 14 09 06	5 27 21 12	6 10 34 36	6 23 42 54	7 06 41 48	7 19 31 30	8 02 17 30	8 15 11 30
49	3 22 47 36	4 05 35 00	4 18 22 12	5 01 17 18	5 14 22 18	5 27 34 24	6 10 47 48	6 23 56 00	7 06 54 42	7 19 44 12	8 02 30 18	8 15 24 36
50	3 23 00 24	4 05 47 42	4 18 35 06	5 01 30 18	5 14 35 24	5 27 47 42	6 11 01 00	6 24 09 06	7 07 07 36	7 19 57 00	8 02 43 06	8 15 37 42
51	3 23 13 18	4 06 00 30	4 18 47 54	5 01 43 18	5 14 48 36	5 28 00 54	6 11 14 12	6 24 22 06	7 07 20 30	7 20 09 48	8 02 55 54	8 15 50 48
52	3 23 26 06	4 06 13 12	4 19 00 42	5 01 56 18	5 15 01 42	5 28 14 06	6 11 27 24	6 24 35 12	7 07 33 24	7 20 22 36	8 03 08 42	8 16 03 48
53	3 23 39 00	4 06 26 00	4 19 13 36	5 02 09 18	5 15 14 54	5 28 27 24	6 11 40 36	6 24 48 12	7 07 46 18	7 20 35 18	8 03 21 30	8 16 16 54
54	3 23 51 48	4 06 38 42	4 19 26 24	5 02 22 18	5 15 28 06	5 28 40 36	6 11 53 48	6 25 01 18	7 07 59 12	7 20 48 06	8 03 34 18	8 16 30 00
55	3 24 04 42	4 06 51 30	4 19 39 18	5 02 35 18	5 15 41 12	5 28 53 48	6 12 07 00	6 25 14 18	7 08 12 00	7 21 00 54	8 03 47 06	8 16 43 06
56	3 24 17 30	4 07 04 18	4 19 52 06	5 02 48 24	5 15 54 24	5 29 07 06	6 12 20 12	6 25 27 24	7 08 24 54	7 21 13 36	8 03 59 54	8 16 56 12
57	3 24 30 18	4 07 17 00	4 20 05 00	5 03 01 24	5 16 07 36	5 29 20 18	6 12 33 24	6 25 40 24	7 08 37 48	7 21 26 24	8 04 12 42	8 17 09 24
58	3 24 43 12	4 07 29 48	4 20 17 54	5 03 14 24	5 16 20 48	5 29 33 30	6 12 46 30	6 25 53 30	7 08 50 42	7 21 39 12	8 04 25 36	8 17 22 30
59	3 24 56 00	4 07 42 36	4 20 30 42	5 03 27 24	5 16 33 54	5 29 46 48	6 12 59 42	6 26 06 30	7 09 03 30	7 21 51 54	8 04 38 24	8 17 35 36
60	3 25 08 48	4 07 55 18	4 20 43 36	5 03 40 30	5 16 47 06	6 00 00 00	6 13 12 54	6 26 19 30	7 09 16 24	7 22 04 42	8 04 51 12	8 17 48 48

लग्नसारणी अक्षांश 28° 40' (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 48 48	9 01 16 30	9 15 39 36	10 01 28 06	10 19 10 00	11 08 53 06	0 00 00 00	0 21 06 54	1 10 50 00	1 28 31 54	2 14 20 24	2 28 43 30
1	8 18 01 54	9 01 30 18	9 15 54 36	10 01 44 48	10 19 28 48	11 09 13 48	0 00 21 24	0 21 27 24	1 11 08 42	1 28 48 30	2 14 35 24	2 28 57 24
2	8 18 15 06	9 01 44 12	9 16 09 36	10 02 01 36	10 19 47 36	11 09 34 24	0 00 42 48	0 21 48 00	1 11 27 24	1 29 05 12	2 14 50 24	2 29 11 12
3	8 18 28 18	9 01 58 06	9 16 24 42	10 02 18 18	10 20 06 24	11 09 55 00	0 01 04 06	0 22 08 30	1 11 46 00	1 29 21 48	2 15 05 24	2 29 25 00
4	8 18 41 24	9 02 12 00	9 16 39 48	10 02 35 06	10 20 25 18	11 10 15 42	0 01 25 30	0 22 29 00	1 12 04 36	1 29 38 24	2 15 20 18	2 29 38 48
5	8 18 54 36	9 02 25 54	9 16 54 54	10 02 52 00	10 20 44 12	11 10 36 24	0 01 46 54	0 22 49 30	1 12 23 12	1 29 54 54	2 15 35 12	2 29 52 36
6	8 19 07 48	9 02 39 48	9 17 10 06	10 03 08 54	10 21 03 06	11 10 57 12	0 02 08 18	0 23 10 00	1 12 41 42	2 00 11 24	2 15 50 06	3 00 06 18
7	8 19 21 00	9 02 53 48	9 17 25 12	10 03 25 48	10 21 22 06	11 11 17 54	0 02 29 42	0 23 30 24	1 13 00 18	2 00 27 54	2 16 04 54	3 00 20 06
8	8 19 34 12	9 03 07 42	9 17 40 24	10 03 42 42	10 21 41 06	11 11 38 42	0 02 51 00	0 23 50 48	1 13 18 42	2 00 44 24	2 16 19 48	3 00 33 48
9	8 19 47 30	9 03 21 42	9 17 55 36	10 03 59 42	10 22 00 06	11 11 59 30	0 03 12 24	0 24 11 12	1 13 37 12	2 01 00 48	2 16 34 36	3 00 47 30
10	8 20 00 42	9 03 35 42	9 18 10 54	10 04 16 36	10 22 19 06	11 12 20 18	0 03 33 42	0 24 31 36	1 13 55 36	2 01 17 12	2 16 49 24	3 01 01 12
11	8 20 13 54	9 03 49 42	9 18 26 12	10 04 33 42	10 22 38 12	11 12 41 06	0 03 55 06	0 24 51 54	1 14 13 54	2 01 33 36	2 17 04 06	3 01 14 54
12	8 20 27 12	9 04 03 42	9 18 41 30	10 04 50 42	10 22 57 24	11 13 02 00	0 04 16 30	0 25 12 12	1 14 32 18	2 01 49 54	2 17 18 54	3 01 28 36
13	8 20 40 24	9 04 17 48	9 18 56 48	10 05 07 48	10 23 16 30	11 13 22 54	0 04 37 48	0 25 32 24	1 14 50 36	2 02 06 12	2 17 33 36	3 01 42 18
14	8 20 53 42	9 04 31 54	9 19 12 06	10 05 25 00	10 23 35 42	11 13 43 48	0 04 59 06	0 25 52 42	1 15 08 48	2 02 22 30	2 17 48 18	3 01 55 54
15	8 21 07 00	9 04 45 54	9 19 27 30	10 05 42 06	10 23 55 00	11 14 04 42	0 05 20 30	0 26 12 54	1 15 27 06	2 02 38 42	2 18 03 00	3 02 09 36
16	8 21 20 18	9 05 00 0	9 19 42 54	10 05 59 18	10 24 14 18	11 14 25 36	0 05 41 48	0 26 33 06	1 15 45 18	2 02 54 54	2 18 17 42	3 02 23 12
17	8 21 33 36	9 05 14 06	9 19 58 18	10 06 16 36	10 24 33 36	11 14 46 36	0 06 03 06	0 26 53 12	1 16 03 24	2 03 11 06	2 18 32 18	3 02 36 48
18	8 21 46 54	9 05 28 18	9 20 13 48	10 06 33 48	10 24 52 54	11 15 07 36	0 06 24 24	0 27 13 24	1 16 21 36	2 03 27 12	2 18 46 54	3 02 50 24
19	8 22 00 12	9 05 42 24	9 20 29 12	10 06 51 06	10 25 12 18	11 15 28 36	0 06 45 42	0 27 33 30	1 16 39 36	2 03 43 24	2 19 01 30	3 03 04 00
20	8 22 13 30	9 05 56 36	9 20 44 42	10 07 08 30	10 25 31 42	11 15 49 36	0 07 07 00	0 27 53 30	1 16 57 42	2 03 59 30	2 19 16 06	3 03 17 30
21	8 22 26 54	9 06 10 48	9 21 00 18	10 07 25 48	10 25 51 06	11 16 10 36	0 07 28 18	0 28 13 36	1 17 15 42	2 04 15 30	2 19 30 36	3 03 31 06
22	8 22 40 12	9 06 25 00	9 21 15 48	10 07 43 12	10 26 10 36	11 16 31 36	0 07 49 36	0 28 33 36	1 17 33 42	2 04 31 36	2 19 45 12	3 03 44 42
23	8 22 53 36	9 06 39 12	9 21 31 24	10 08 00 42	10 26 30 06	11 16 52 42	0 08 10 54	0 28 53 30	1 17 51 42	2 04 47 36	2 19 59 42	3 03 58 12
24	8 23 07 00	9 06 53 24	9 21 47 00	10 08 18 06	10 26 49 36	11 17 13 48	0 08 32 06	0 29 13 30	1 18 09 36	2 05 03 30	2 20 14 12	3 04 11 42
25	8 23 20 18	9 07 07 42	9 22 02 36	10 08 35 36	10 27 09 12	11 17 34 54	0 08 53 24	0 29 33 24	1 18 27 30	2 05 19 30	2 20 28 36	3 04 25 12
26	8 23 33 42	9 07 22 00	9 22 18 18	10 08 53 12	10 27 28 48	11 17 56 00	0 09 14 36	0 29 53 18	1 18 45 18	2 05 35 24	2 20 43 06	3 04 38 42
27	8 23 47 06	9 07 36 18	9 22 34 00	10 09 10 42	10 27 48 24	11 18 17 06	0 09 35 48	1 00 13 06	1 19 03 06	2 05 51 18	2 20 57 30	3 04 52 12
28	8 24 00 36	9 07 50 36	9 22 49 42	10 09 28 18	10 28 08 06	11 18 38 18	0 09 57 00	1 00 33 00	1 19 20 54	2 06 07 06	2 21 11 54	3 05 05 42
29	8 24 14 00	9 08 04 54	9 23 05 30	10 09 46 00	10 28 27 48	11 18 59 24	0 10 18 12	1 00 52 48	1 19 38 36	2 06 23 00	2 21 26 18	3 05 19 06
30	8 24 27 24	9 08 19 18	9 23 21 12	10 10 03 42	10 28 47 30	11 19 20 36	0 10 39 24	1 01 12 30	1 19 56 18	2 06 38 48	2 21 40 42	3 05 32 36
31	8 24 40 54	9 08 33 42	9 23 37 00	10 10 21 24	10 29 07 12	11 19 41 48	0 11 00 36	1 01 32 12	1 20 14 00	2 06 54 30	2 21 55 06	3 05 46 00
32	8 24 54 18	9 08 48 06	9 23 52 54	10 10 39 06	10 29 27 00	11 20 03 00	0 11 21 42	1 01 51 54	1 20 31 42	2 07 10 18	2 22 09 24	3 05 59 24
33	8 25 07 48	9 09 02 30	9 24 08 42	10 10 56 54	10 29 46 54	11 20 24 12	0 11 42 54	1 02 11 36	1 20 49 18	2 07 26 00	2 22 23 42	3 06 12 54
34	8 25 21 18	9 09 16 54	9 24 24 36	10 11 14 42	11 00 06 42	11 20 45 24	0 12 04 00	1 02 31 12	1 21 06 48	2 07 41 42	2 22 38 00	3 06 26 18
35	8 25 34 48	9 09 31 24	9 24 40 30	10 11 32 30	11 00 26 36	11 21 06 36	0 12 25 06	1 02 50 48	1 21 24 24	2 07 57 24	2 22 52 18	3 06 39 42
36	8 25 48 18	9 09 45 48	9 24 56 30	10 11 50 24	11 00 46 30	11 21 27 54	0 12 46 12	1 03 10 24	1 21 41 54	2 08 13 00	2 23 06 36	3 06 53 00
37	8 26 01 48	9 10 00 18	9 25 12 24	10 12 08 18	11 01 06 30	11 21 49 06	0 13 07 18	1 03 29 54	1 21 59 18	2 08 28 36	2 23 20 48	3 07 06 24
38	8 26 15 18	9 10 14 48	9 25 28 24	10 12 26 18	11 01 26 24	11 22 10 24	0 13 28 24	1 03 49 24	1 22 16 48	2 08 44 12	2 23 35 00	3 07 19 48
39	8 26 28 54	9 10 29 24	9 25 44 30	10 12 44 18	11 01 46 24	11 22 31 42	0 13 49 24	1 04 08 54	1 22 34 12	2 08 59 42	2 23 49 12	3 07 33 06
40	8 26 42 30	9 10 43 54	9 26 00 30	10 13 02 18	11 02 06 30	11 22 53 00	0 14 10 24	1 04 28 18	1 22 51 30	2 09 15 18	2 24 03 24	3 07 46 30
41	8 26 56 00	9 10 58 30	9 26 16 36	10 13 20 24	11 02 26 30	11 23 14 18	0 14 31 24	1 04 47 42	1 23 08 54	2 09 30 48	2 24 17 36	3 07 59 48
42	8 27 09 36	9 11 13 06	9 26 32 48	10 13 38 24	11 02 46 36	11 23 35 36	0 14 52 24	1 05 07 06	1 23 26 12	2 09 46 12	2 24 31 42	3 08 13 06
43	8 27 23 12	9 11 27 42	9 26 48 54	10 13 56 36	11 03 06 48	11 23 56 54	0 15 13 24	1 05 26 24	1 23 43 24	2 10 01 42	2 24 45 54	3 08 26 24
44	8 27 36 48	9 11 42 18	9 27 05 06	10 14 14 42	11 03 26 54	11 24 18 12	0 15 34 24	1 05 45 42	1 24 00 42	2 10 17 06	2 24 60 00	3 08 39 42
45	8 27 50 24	9 11 57 00	9 27 21 18	10 14 32 54	11 03 47 06	11 24 39 30	0 15 55 18	1 06 05 00	1 24 17 54	2 10 32 30	2 25 14 06	3 08 53 00
46	8 28 04 06	9 12 11 42	9 27 37 30	10 14 51 12	11 04 07 18	11 25 00 54	0 16 16 12	1 06 24 18	1 24 35 00	2 10 47 54	2 25 28 06	3 09 06 18
47	8 28 17 42	9 12 26 24	9 27 53 48	10 15 09 24	11 04 27 36	11 25 22 12	0 16 37 06	1 06 43 30	1 24 52 12	2 11 03 12	2 25 42 12	3 09 19 36
48	8 28 31 24	9 12 41 06	9 28 10 06	10 15 27 42	11 04 47 48	11 25 43 30	0 16 58 00	1 07 02 36	1 25 09 18	2 11 18 30	2 25 56 18	3 09 32 48
49	8 28 45 06	9 12 55 54	9 28 26 24	10 15 46 06	11 05 08 06	11 26 04 54	0 17 18 54	1 07 21 48	1 25 26 18	2 11 33 48	2 26 10 18	3 09 46 06
50	8 28 58 48	9 13 10 36	9 28 42 48	10 16 04 24	11 05 28 24	11 26 26 18	0 17 39 42	1 07 40 54	1 25 43 24	2 11 49 06	2 26 24 18	3 09 59 18
51	8 29 12 30	9 13 25 24	9 28 59 12	10 16 22 48	11 05 48 48	11 26 47 36	0 18 00 30	1 07 59 54	1 26 00 18	2 12 04 24	2 26 38 18	3 10 12 30
52	8 29 26 12	9 13 40 12	9 29 15 36	10 16 41 18	11 06 09 12	11 27 09 00	0 18 21 18	1 08 18 54	1 26 17 18	2 12 19 36	2 26 52 18	3 10 25 48
53	8 29 39 54	9 13 55 06	9 29 32 06	10 16 59 42	11 06 29 36	11 27 30 18	0 18 42 06	1 08 37 54	1 26 34 12	2 12 34 48	2 27 06 12	3 10 39 00
54	8 29 53 42	9 14 09 54	9 29 48 36	10 17 18 18	11 06 50 00	11 27 51 42	0 19 02 48	1 08 56 54	1 26 51 06	2 12 49 54	2 27 20 12	3 10 52 12
55	9 00 07 24	9 14 24 48	10 00 05 06	10 17 36 48	11 07 10 30	11 28 13 06	0 19 23 36	1 09 15 48	1 27 08 00	2 13 05 06	2 27 34 06	3 11 05 24
56	9 00 21 12	9 14 39 42	10 00 21 36	10 17 55 24	11 07 31 00	11 28 34 30	0 19 44 18	1 09 34 42	1 27 24 54	2 13 20 12	2 27 48 00	3 11 18 36
57	9 00 35 00	9 14 54 36	10 00 38 12	10 18 14 00	11 07 51 30	11 28 55 54	0 20 05 00	1 09 53 36	1 27 41 42	2 13 35 18	2 28 01 54	3 11 31 42
58	9 00 48 48	9 15 09 36	10 00 54 48	10 18 32 36	11 08 12 00	11 29 17 12	0 20 25 36	1 10 12 24	1 27 58 24	2 13 50 24	2 28 15 48	3 11 44 54
59	9 01 02 36	9 15 24 36	10 01 11 30	10 18 51 18	11 08 32 36	11 29 38 36	0 20 46 12	1 10 31 12	1 28 15 12	2 14 05 24	2 28 29 42	3 11 58 06
60	9 01 16 30	9 15 39 36	10 01 28 06	10 19 10 00	11 08 53 06	0 00 00 00	0 21 06 54	1 10 50 00	1 28 31 54	2 14 20 24	2 28 43 30	3 12 11 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 41′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 11 42	3 25 09 12	4 07 55 42	4 20 43 54	5 03 40 42	5 16 47 12	6 00 00 00	6 13 12 48	6 26 19 18	7 09 16 06	7 22 04 18	8 04 50 48
1	3 12 24 54	3 25 22 06	4 08 08 24	4 20 56 42	5 03 53 42	5 17 00 24	6 00 13 12	6 13 26 00	6 26 32 24	7 09 29 00	7 22 17 06	8 05 03 36
2	3 12 38 00	3 25 34 54	4 08 21 12	4 21 09 36	5 04 06 42	5 17 13 36	6 00 26 30	6 13 39 06	6 26 45 24	7 09 41 48	7 22 29 48	8 05 16 24
3	3 12 51 06	3 25 47 42	4 08 34 00	4 21 22 30	5 04 19 48	5 17 26 42	6 00 39 42	6 13 52 18	6 26 58 24	7 09 54 42	7 22 42 36	8 05 29 12
4	3 13 04 12	3 26 00 30	4 08 46 42	4 21 35 24	5 04 32 48	5 17 39 54	6 00 52 54	6 14 05 30	6 27 11 24	7 10 07 36	7 22 55 24	8 05 42 06
5	3 13 17 24	3 26 13 18	4 08 59 30	4 21 48 12	5 04 45 54	5 17 53 06	6 01 06 12	6 14 18 36	6 27 24 30	7 10 20 24	7 23 08 06	8 05 54 54
6	3 13 30 30	3 26 26 06	4 09 12 18	4 22 01 06	5 04 58 54	5 18 06 18	6 01 19 24	6 14 31 48	6 27 37 30	7 10 33 18	7 23 20 54	8 06 07 42
7	3 13 43 36	3 26 38 54	4 09 25 00	4 22 14 00	5 05 12 00	5 18 19 30	6 01 32 36	6 14 45 00	6 27 50 30	7 10 46 06	7 23 33 36	8 06 20 36
8	3 13 56 42	3 26 51 42	4 09 37 48	4 22 26 54	5 05 25 00	5 18 32 42	6 01 45 54	6 14 58 06	6 28 03 30	7 10 59 00	7 23 46 24	8 06 33 24
9	3 14 09 42	3 27 04 30	4 09 50 36	4 22 39 48	5 05 38 06	5 18 45 54	6 01 59 06	6 15 11 18	6 28 16 30	7 11 11 48	7 23 59 06	8 06 46 18
10	3 14 22 48	3 27 17 18	4 10 03 18	4 22 52 42	5 05 51 06	5 18 59 06	6 02 12 18	6 15 24 30	6 28 29 30	7 11 24 36	7 24 11 54	8 06 59 06
11	3 14 35 54	3 27 30 06	4 10 16 06	4 23 05 30	5 06 04 12	5 19 12 18	6 02 25 30	6 15 37 36	6 28 42 30	7 11 37 30	7 24 24 42	8 07 12 00
12	3 14 48 54	3 27 42 54	4 10 28 54	4 23 18 24	5 06 17 18	5 19 25 24	6 02 38 48	6 15 50 48	6 28 55 30	7 11 50 18	7 24 37 24	8 07 24 54
13	3 15 02 00	3 27 55 42	4 10 41 42	4 23 31 18	5 06 30 18	5 19 38 36	6 02 52 00	6 16 03 54	6 29 08 30	7 12 03 06	7 24 50 12	8 07 37 42
14	3 15 15 00	3 28 08 30	4 10 54 24	4 23 44 12	5 06 43 24	5 19 51 48	6 03 05 12	6 16 17 06	6 29 21 30	7 12 16 00	7 25 02 54	8 07 50 36
15	3 15 28 06	3 28 21 18	4 11 07 12	4 23 57 06	5 06 56 30	5 20 05 00	6 03 18 30	6 16 30 12	6 29 34 30	7 12 28 48	7 25 15 42	8 08 03 30
16	3 15 41 06	3 28 34 06	4 11 20 00	4 24 10 00	5 07 09 30	5 20 18 12	6 03 31 42	6 16 43 24	6 29 47 30	7 12 41 36	7 25 28 24	8 08 16 18
17	3 15 54 06	3 28 46 54	4 11 32 48	4 24 22 54	5 07 22 36	5 20 31 24	6 03 44 54	6 16 56 30	7 00 00 30	7 12 54 30	7 25 41 12	8 08 29 12
18	3 16 07 12	3 28 59 36	4 11 45 30	4 24 35 54	5 07 35 42	5 20 44 36	6 03 58 06	6 17 09 36	7 00 13 24	7 13 07 18	7 25 54 00	8 08 42 06
19	3 16 20 12	3 29 12 24	4 11 58 18	4 24 48 48	5 07 48 48	5 20 57 54	6 04 11 24	6 17 22 48	7 00 26 24	7 13 20 06	7 26 06 42	8 08 55 00
20	3 16 33 12	3 29 25 12	4 12 11 06	4 25 01 42	5 08 01 54	5 21 11 06	6 04 24 36	6 17 35 54	7 00 39 24	7 13 32 54	7 26 19 30	8 09 07 54
21	3 16 46 12	3 29 38 00	4 12 23 54	4 25 14 36	5 08 14 54	5 21 24 18	6 04 37 48	6 17 49 00	7 00 52 24	7 13 45 42	7 26 32 12	8 09 20 48
22	3 16 59 12	3 29 50 42	4 12 36 42	4 25 27 30	5 08 28 00	5 21 37 30	6 04 51 00	6 18 02 12	7 01 05 18	7 13 58 36	7 26 45 00	8 09 33 42
23	3 17 12 12	4 00 03 30	4 12 49 30	4 25 40 30	5 08 41 06	5 21 50 42	6 05 04 18	6 18 15 18	7 01 18 18	7 14 11 24	7 26 57 48	8 09 46 36
24	3 17 25 06	4 00 16 18	4 13 02 12	4 25 53 24	5 08 54 12	5 22 03 54	6 05 17 30	6 18 28 24	7 01 31 18	7 14 24 12	7 27 10 30	8 09 59 30
25	3 17 38 06	4 00 29 06	4 13 15 00	4 26 06 18	5 09 07 18	5 22 17 06	6 05 30 42	6 18 41 36	7 01 44 12	7 14 37 00	7 27 23 18	8 10 12 24
26	3 17 51 06	4 00 41 48	4 13 27 48	4 26 19 12	5 09 20 24	5 22 30 18	6 05 43 54	6 18 54 42	7 01 57 12	7 14 49 48	7 27 36 00	8 10 25 18
27	3 18 04 00	4 00 54 36	4 13 40 36	4 26 32 12	5 09 33 30	5 22 43 30	6 05 57 12	6 19 07 48	7 02 10 06	7 15 02 36	7 27 48 48	8 10 38 18
28	3 18 17 00	4 01 07 24	4 13 53 24	4 26 45 06	5 09 46 36	5 22 56 42	6 06 10 24	6 19 20 54	7 02 23 06	7 15 15 24	7 28 01 36	8 10 51 12
29	3 18 30 00	4 01 20 06	4 14 06 12	4 26 58 06	5 09 59 42	5 23 10 00	6 06 23 36	6 19 34 00	7 02 36 00	7 15 28 12	7 28 14 18	8 11 04 06
30	3 18 42 54	4 01 32 54	4 14 19 00	4 27 11 00	5 10 12 48	5 23 23 12	6 06 36 48	6 19 47 12	7 02 49 00	7 15 41 00	7 28 27 06	8 11 17 06
31	3 18 55 54	4 01 45 42	4 14 31 48	4 27 24 00	5 10 26 00	5 23 36 24	6 06 50 00	6 20 00 18	7 03 01 54	7 15 53 48	7 28 39 54	8 11 30 00
32	3 19 08 48	4 01 58 24	4 14 44 36	4 27 36 54	5 10 39 06	5 23 49 36	6 07 03 18	6 20 13 24	7 03 14 54	7 16 06 36	7 28 52 36	8 11 43 00
33	3 19 21 42	4 02 11 12	4 14 57 24	4 27 49 54	5 10 52 12	5 24 02 48	6 07 16 30	6 20 26 30	7 03 27 48	7 16 19 24	7 29 05 24	8 11 56 00
34	3 19 34 42	4 02 24 00	4 15 10 12	4 28 02 48	5 11 05 18	5 24 16 06	6 07 29 42	6 20 39 36	7 03 40 48	7 16 32 12	7 29 18 12	8 12 08 54
35	3 19 47 36	4 02 36 42	4 15 23 00	4 28 15 48	5 11 18 24	5 24 29 18	6 07 42 54	6 20 52 42	7 03 53 42	7 16 45 00	7 29 30 54	8 12 21 54
36	3 20 00 30	4 02 49 30	4 15 35 48	4 28 28 42	5 11 31 36	5 24 42 30	6 07 56 06	6 21 05 48	7 04 06 36	7 16 57 48	7 29 43 42	8 12 34 54
37	3 20 13 24	4 03 02 12	4 15 48 36	4 28 41 42	5 11 44 42	5 24 55 42	6 08 09 18	6 21 18 54	7 04 19 30	7 17 10 30	7 29 56 30	8 12 47 48
38	3 20 26 18	4 03 15 00	4 16 01 24	4 28 54 42	5 11 57 48	5 25 09 00	6 08 22 30	6 21 32 00	7 04 32 30	7 17 23 18	8 00 09 18	8 13 00 48
39	3 20 39 12	4 03 27 48	4 16 14 18	4 29 07 36	5 12 11 00	5 25 22 12	6 08 35 42	6 21 45 06	7 04 45 24	7 17 36 06	8 00 22 00	8 13 13 48
40	3 20 52 06	4 03 40 30	4 16 27 06	4 29 20 36	5 12 24 06	5 25 35 24	6 08 48 54	6 21 58 06	7 04 58 18	7 17 48 54	8 00 34 48	8 13 26 48
41	3 21 05 00	4 03 53 18	4 16 39 54	4 29 33 36	5 12 37 12	5 25 48 36	6 09 02 06	6 22 11 12	7 05 11 12	7 18 01 42	8 00 47 36	8 13 39 48
42	3 21 17 54	4 04 06 00	4 16 52 42	4 29 46 36	5 12 50 24	5 26 01 54	6 09 15 24	6 22 24 18	7 05 24 06	7 18 14 30	8 01 00 24	8 13 52 48
43	3 21 30 48	4 04 18 48	4 17 05 30	4 29 59 30	5 13 03 30	5 26 15 06	6 09 28 36	6 22 37 24	7 05 37 06	7 18 27 12	8 01 13 06	8 14 05 54
44	3 21 43 42	4 04 31 36	4 17 18 24	5 00 12 30	5 13 16 36	5 26 28 18	6 09 41 48	6 22 50 30	7 05 50 00	7 18 40 00	8 01 25 54	8 14 18 54
45	3 21 56 30	4 04 44 18	4 17 31 12	5 00 25 30	5 13 29 48	5 26 41 30	6 09 55 00	6 23 03 30	7 06 02 54	7 18 52 48	8 01 38 42	8 14 31 54
46	3 22 09 24	4 04 57 06	4 17 44 00	5 00 38 30	5 13 42 54	5 26 54 48	6 10 08 12	6 23 16 36	7 06 15 48	7 19 05 36	8 01 51 30	8 14 45 00
47	3 22 22 18	4 05 09 48	4 17 56 54	5 00 51 30	5 13 56 06	5 27 08 00	6 10 21 24	6 23 29 42	7 06 28 42	7 19 18 18	8 02 04 18	8 14 58 00
48	3 22 35 06	4 05 22 36	4 18 09 42	5 01 04 30	5 14 09 12	5 27 21 12	6 10 34 36	6 23 42 42	7 06 41 36	7 19 31 06	8 02 17 06	8 15 11 06
49	3 22 48 00	4 05 35 18	4 18 22 30	5 01 17 30	5 14 22 24	5 27 34 30	6 10 47 42	6 23 55 48	7 06 54 30	7 19 43 54	8 02 29 54	8 15 24 06
50	3 23 00 54	4 05 48 06	4 18 35 24	5 01 30 30	5 14 35 30	5 27 47 42	6 11 00 54	6 24 08 54	7 07 07 18	7 19 56 42	8 02 42 42	8 15 37 12
51	3 23 13 42	4 06 00 54	4 18 48 12	5 01 43 30	5 14 48 42	5 28 00 54	6 11 14 06	6 24 21 54	7 07 20 12	7 20 09 24	8 02 55 30	8 15 50 18
52	3 23 26 36	4 06 13 36	4 19 01 00	5 01 56 30	5 15 01 54	5 28 14 06	6 11 27 18	6 24 35 00	7 07 33 06	7 20 22 12	8 03 08 18	8 16 03 18
53	3 23 39 24	4 06 26 24	4 19 13 54	5 02 09 30	5 15 15 00	5 28 27 24	6 11 40 30	6 24 48 00	7 07 46 00	7 20 35 00	8 03 21 06	8 16 16 24
54	3 23 52 18	4 06 39 06	4 19 26 42	5 02 22 30	5 15 28 12	5 28 40 36	6 11 53 42	6 25 01 06	7 07 58 54	7 20 47 42	8 03 33 54	8 16 29 30
55	3 24 05 06	4 06 51 54	4 19 39 36	5 02 35 30	5 15 41 24	5 28 53 48	6 12 06 54	6 25 14 06	7 08 11 48	7 21 00 30	8 03 46 42	8 16 42 36
56	3 24 17 54	4 07 04 36	4 19 52 24	5 02 48 36	5 15 54 30	5 29 07 06	6 12 20 06	6 25 27 12	7 08 24 36	7 21 13 18	8 03 59 30	8 16 55 48
57	3 24 30 48	4 07 17 24	4 20 05 18	5 03 01 36	5 16 07 42	5 29 20 18	6 12 33 18	6 25 40 12	7 08 37 30	7 21 26 00	8 04 12 18	8 17 08 54
58	3 24 43 36	4 07 30 12	4 20 18 12	5 03 14 36	5 16 20 54	5 29 33 30	6 12 46 24	6 25 53 18	7 08 50 24	7 21 38 48	8 04 25 06	8 17 22 00
59	3 24 56 24	4 07 42 54	4 20 31 00	5 03 27 36	5 16 34 00	5 29 46 48	6 12 59 36	6 26 06 18	7 09 03 18	7 21 51 36	8 04 37 54	8 17 35 06
60	3 25 09 12	4 07 55 42	4 20 43 54	5 03 40 42	5 16 47 12	6 00 00 00	6 13 12 48	6 26 19 18	7 09 16 06	7 22 04 18	8 04 50 48	8 17 48 18

लग्नसारणी अक्षांश 28 41 (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 48 18	9 01 15 54	9 15 39 00	10 01 27 36	10 19 09 36	11 08 52 54	0 00 00 00	0 21 07 06	1 10 50 24	1 28 32 24	2 14 21 00	2 28 44 06
1	8 18 01 24	9 01 29 48	9 15 54 00	10 01 44 18	10 19 28 24	11 09 13 30	0 00 21 24	0 21 27 42	1 11 09 06	1 28 49 06	2 14 36 00	2 28 57 54
2	8 .8 14 36	9 01 43 42	9 16 09 06	10 02 01 00	10 19 47 12	11 09 34 06	0 00 42 48	0 21 48 18	1 11 27 48	1 29 05 42	2 14 51 00	2 29 11 42
3	8 18 27 48	9 01 57 30	9 16 24 12	10 02 17 48	10 20 06 00	11 09 54 48	0 01 04 12	0 22 08 48	1 11 46 30	1 29 22 18	2 15 05 54	2 29 25 30
4	8 18 40 54	9 02 11 24	9 16 39 18	10 02 34 36	10 20 24 48	11 10 15 30	0 01 25 30	0 22 29 18	1 12 05 06	1 29 38 54	2 15 20 48	2 29 39 18
5	8 18 54 06	9 02 25 24	9 16 54 24	10 02 51 30	10 20 43 42	11 10 36 12	0 01 46 54	0 22 49 48	1 12 23 42	1 29 55 30	2 15 35 42	2 29 53 06
6	8 19 07 18	9 02 39 18	9 17 09 30	10 03 08 18	10 21 02 42	11 10 56 54	0 02 08 18	0 23 10 18	1 12 42 12	2 00 12 00	2 15 50 36	3 00 06 54
7	8 19 20 30	9 02 53 12	9 17 24 42	10 03 25 12	10 21 21 36	11 11 17 42	0 02 29 42	0 23 30 42	1 13 00 42	2 00 28 30	2 16 05 30	3 00 20 36
8	8 19 33 42	9 03 07 12	9 17 39 54	10 03 42 12	10 21 40 36	11 11 38 30	0 02 51 06	0 23 51 06	1 13 19 12	2 00 44 54	2 16 20 18	3 00 34 18
9	8 19 47 00	9 03 21 12	9 17 55 06	10 03 59 06	10 21 59 42	11 11 59 18	0 03 12 24	0 24 11 30	1 13 37 36	2 01 01 18	2 16 35 06	3 00 48 06
10	8 20 00 12	9 03 35 18	9 18 10 18	10 04 16 06	10 22 18 42	11 12 20 06	0 03 33 48	0 24 31 54	1 13 56 00	2 01 17 42	2 16 49 54	3 01 01 48
11	8 20 13 24	9 03 49 12	9 18 25 36	10 04 33 12	10 22 37 48	11 12 40 54	0 03 55 12	0 24 52 12	1 14 14 24	2 01 34 06	2 17 04 42	3 01 15 30
12	8 20 26 42	9 04 03 12	9 18 40 54	10 04 50 12	10 22 57 00	11 13 01 48	0 04 16 30	0 25 12 30	1 14 32 42	2 01 50 24	2 17 19 24	3 01 29 06
13	8 20 39 54	9 04 17 18	9 18 56 12	10 05 07 18	10 23 16 06	11 13 22 42	0 04 37 54	0 25 32 48	1 14 51 00	2 02 06 42	2 17 34 12	3 01 42 48
14	8 20 53 12	9 04 31 18	9 19 11 36	10 05 24 30	10 23 35 18	11 13 43 36	0 04 59 12	0 25 53 00	1 15 09 18	2 02 23 00	2 17 48 54	3 01 56 24
15	8 21 06 30	9 04 45 24	9 19 26 54	10 05 41 36	10 23 54 36	11 14 04 30	0 05 20 30	0 26 13 12	1 15 27 30	2 02 39 12	2 18 03 30	3 02 10 06
16	8 21 19 48	9 04 59 30	9 19 42 18	10 05 58 48	10 24 13 54	11 14 25 24	0 05 41 54	0 26 33 24	1 15 45 42	2 02 55 30	2 18 18 12	3 02 23 42
17	8 21 33 06	9 05 13 36	9 19 57 48	10 06 16 06	10 24 33 12	11 14 46 24	0 06 03 12	0 26 53 36	1 16 03 54	2 03 11 36	2 18 32 48	3 02 37 18
18	8 21 46 24	9 05 27 42	9 20 13 12	10 06 33 18	10 24 52 30	11 15 07 24	0 06 24 30	0 27 13 42	1 16 22 00	2 03 27 48	2 18 47 30	3 02 50 54
19	8 21 59 42	9 05 41 54	9 20 28 42	10 06 50 36	10 25 11 54	11 15 28 24	0 06 45 48	0 27 33 48	1 16 40 06	2 03 43 54	2 19 02 06	3 03 04 30
20	8 22 13 00	9 05 56 06	9 20 44 12	10 07 08 00	10 25 31 18	11 15 49 24	0 07 07 06	0 27 53 54	1 16 58 12	2 04 00.0	2 19 16 36	3 03 18 06
21	8 22 26 24	9 06 10 12	9 20 59 42	10 07 25 18	10 25 50 42	11 16 10 24	0 07 28 24	0 28 13 54	1 17 16 12	2 04 16 06	2 19 31 12	3 03 31 36
22	8 22 39 42	9 06 24 24	9 21 15 18	10 07 42 42	10 26 10 12	11 16 31 30	0 07 49 42	0 28 33 54	1 17 34 12	2 04 32 06	2 19 45 42	3 03 45 12
23	8 22 53 06	9 06 38 42	9 21 30 48	10 08 00 12	10 26 29 42	11 16 52 30	0 08 11 00	0 28 53 54	1 17 52 06	2 04 48 06	2 20 00 12	3 03 58 42
24	8 23 06 24	9 06 52 54	9 21 46 30	10 08 17 36	10 26 49 12	11 17 13 36	0 08 32 12	0 29 13 48	1 18 10 06	2 05 04 06	2 20 14 42	3 04 12 12
25	8 23 19 48	9 07 07 12	9 22 02 06	10 08 35 06	10 27 08 48	11 17 34 42	0 08 53 30	0 29 33 48	1 18 27 54	2 05 20 00	2 20 29 12	3 04 25 42
26	8 23 33 12	9 07 21 24	9 22 17 48	10 08 52 42	10 27 28 24	11 17 55 48	0 09 14 42	0 29 53 36	1 18 45 48	2 05 35 54	2 20 43 36	3 04 39 12
27	8 23 46 36	9 07 35 42	9 22 33 24	10 09 10 12	10 27 48 00	11 18 17 00	0 09 35 54	1 00 13 30	1 19 03 36	2 05 51 48	2 20 58 06	3 04 52 42
28	8 24 00 0	9 07 50 06	9 22 49 12	10 09 27 48	10 28 07 42	11 18 38 06	0 09 57 06	1 00 33 18	1 19 21 24	2 06 07 42	2 21 12 30	3 05 06 12
29	8 24 13 30	9 08 04 24	9 23 04 54	10 09 45 30	10 28 27 24	11 18 59 18	0 10 18 24	1 00 53 06	1 19 39 06	2 06 23 30	2 21 26 54	3 05 19 36
30	8 24 26 54	9 08 18 42	9 23 20 42	10 10 03 12	10 28 47 06	11 19 20 30	0 10 39 30	1 01 12 54	1 19 56 48	2 06 39 18	2 21 41 18	3 05 33 06
31	8 24 40 24	9 08 33 06	9 23 36 30	10 10 20 54	10 29 06 54	11 19 41 36	0 11 00 42	1 01 32 36	1 20 14 30	2 06 55 06	2 21 55 36	3 05 46 30
32	8 24 53 48	9 08 47 30	9 23 52 18	10 10 38 36	10 29 26 42	11 20 02 54	0 11 21 54	1 01 52 18	1 20 32 12	2 07 10 48	2 22 09 54	3 05 60 00
33	8 25 07 18	9 09 01 54	9 24 08 12	10 10 56 24	10 29 46 30	11 20 24 06	0 11 43 00	1 02 12 00	1 20 49 48	2 07 26 36	2 22 24 18	3 06 13 24
34	8 25 20 48	9 09 16 24	9 24 24 06	10 11 14 12	11 00 06 24	11 20 45 18	0 12 04 12	1 02 31 36	1 21 07 18	2 07 42 12	2 22 38 36	3 06 26 48
35	8 25 34 18	9 09 30 48	9 24 40 00	10 11 32 06	11 00 26 12	11 21 06 30	0 12 25 18	1 02 51 12	1 21 24 54	2 07 57 54	2 22 52 48	3 06 40 12
36	8 25 47 48	9 09 45 18	9 24 55 54	10 11 49 54	11 00 46 12	11 21 27 48	0 12 46 24	1 03 10 48	1 21 42 24	2 08 13 30	2 23 07 06	3 06 53 36
37	8 26 01 18	9 09 59 48	9 25 11 54	10 12 07 54	11 01 06 06	11 21 49 00	0 13 07 30	1 03 30 18	1 21 59 48	2 08 29 12	2 23 21 18	3 07 06 54
38	8 26 14 48	9 10 14 18	9 25 27 54	10 12 25 48	11 01 26 06	11 22 10 18	0 13 28 30	1 03 49 48	1 22 17 18	2 08 44 42	2 23 35 36	3 07 20 18
39	8 26 28 24	9 10 28 48	9 25 43 54	10 12 43 48	11 01 46 06	11 22 31 36	0 13 49 36	1 04 09 18	1 22 34 42	2 09 00 18	2 23 49 48	3 07 33 36
40	8 26 41 54	9 10 43 24	9 25 60 00	10 13 01 48	11 02 06 06	11 22 52 54	0 14 10 36	1 04 28 42	1 22 52 00	2 09 15 48	2 24 03 54	3 07 47 00
41	8 26 55 30	9 10 57 54	9 26 16 06	10 13 19 54	11 02 26 12	11 23 14 12	0 14 31 36	1 04 48 06	1 23 09 24	2 09 31 18	2 24 18 06	3 08 00 18
42	8 27 09 06	9 11 12 30	9 26 32 12	10 13 38 00	11 02 46 18	11 23 35 30	0 14 52 36	1 05 07 30	1 23 26 42	2 09 46 48	2 24 32 18	3 08 13 36
43	8 27 22 42	9 11 27 12	9 26 48 24	10 13 56 06	11 03 06 24	11 23 56 48	0 15 13 36	1 05 26 48	1 23 43 54	2 10 02 12	2 24 46 24	3 08 26 54
44	8 27 36 18	9 11 41 48	9 27 04 30	10 14 14 18	11 03 26 36	11 24 18 06	0 15 34 36	1 05 46 06	1 24 01 12	2 10 17 42	2 25 00 30	3 08 40 12
45	8 27 49 54	9 11 56 30	9 27 20 48	10 14 32 30	11 03 46 48	11 24 39 30	0 15 55 30	1 06 05 24	1 24 18 24	2 10 33 06	2 25 14 36	3 08 53 30
46	8 28 03 36	9 12 11 06	9 27 37 00	10 14 50 42	11 04 07 00	11 25 00 48	0 16 16 24	1 06 24 42	1 24 35 30	2 10 48 24	2 25 28 42	3 09 06 48
47	8 28 17 12	9 12 25 48	9 27 53 18	10 15 09 00	11 04 27 12	11 25 22 06	0 16 37 18	1 06 43 54	1 24 52 42	2 11 03 48	2 25 42 42	3 09 20 06
48	8 28 30 54	9 12 40 36	9 28 09 36	10 15 27 18	11 04 47 30	11 25 43 30	0 16 58 12	1 07 03 00	1 25 09 48	2 11 19 06	2 25 56 48	3 09 33 18
49	8 28 44 30	9 12 55 18	9 28 25 54	10 15 45 36	11 05 07 48	11 26 04 48	0 17 19 06	1 07 22 12	1 25 26 48	2 11 34 24	2 26 10 48	3 09 46 36
50	8 28 58 12	9 13 10 06	9 28 42 18	10 16 04 00	11 05 28 06	11 26 26 12	0 17 39 54	1 07 41 18	1 25 43 54	2 11 49 42	2 26 24 48	3 09 59 48
51	8 29 11 54	9 13 24 54	9 28 58 42	10 16 22 24	11 05 48 30	11 26 47 36	0 18 00 42	1 08 00 18	1 26 00 54	2 12 04 54	2 26 38 48	3 10 13 00
52	8 29 25 42	9 13 39 42	9 29 15 06	10 16 40 48	11 06 08 54	11 27 08 54	0 18 21 30	1 08 19 24	1 26 17 48	2 12 20 06	2 26 52 48	3 10 26 18
53	8 29 39 24	9 13 54 30	9 29 31 30	10 16 59 18	11 06 29 18	11 27 30 18	0 18 42 18	1 08 38 24	1 26 34 48	2 12 35 18	2 27 06 48	3 10 39 30
54	8 29 53 06	9 14 09 24	9 29 48 00	10 17 17 48	11 06 49 42	11 27 51 42	0 19 03 06	1 08 57 18	1 26 51 42	2 12 50 30	2 27 20 42	3 10 52 42
55	9 00 06 54	9 14 24 18	10 00 04 30	10 17 36 18	11 07 10 12	11 28 13 06	0 19 23 48	1 09 16 18	1 27 08 30	2 13 05 36	2 27 34 36	3 11 05 54
56	9 00 20 42	9 14 39 12	10 00 21 06	10 17 54 54	11 07 30 42	11 28 34 30	0 19 44 30	1 09 35 12	1 27 25 24	2 13 20 42	2 27 48 36	3 11 19 06
57	9 00 34 30	9 14 54 06	10 00 37 42	10 18 13 30	11 07 51 12	11 28 55 48	0 20 05 12	1 09 54 00	1 27 42 12	2 13 35 48	2 28 02 30	3 11 32 12
58	9 00 48 18	9 15 09 00	10 00 54 18	10 18 32 12	11 08 11 42	11 29 17 12	0 20 25 54	1 10 12 48	1 27 59 00	2 13 50 54	2 28 16 18	3 11 45 24
59	9 01 02 06	9 15 24 00	10 01 10 54	10 18 50 54	11 08 32 18	11 29 38 36	0 20 46 30	1 10 31 36	1 28 15 42	2 14 06 00	2 28 30 12	3 11 58 36
60	9 01 15 54	9 15 39 00	10 01 27 36	10 19 09 36	11 08 52 54	0 00 00 00	0 21 07 06	1 10 50 24	1 28 32 24	2 14 21 00	2 28 44 06	3 12 11 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 42′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 12 12	3 25 09 42	4 07 56 06	4 20 44 12	5 03 40 54	5 16 47 18	6 00 00 00	6 13 12 42	6 26 19 06	7 09 15 48	7 22 03 54	8 04 50 18
1	3 12 25 24	3 25 22 30	4 08 08 48	4 20 57 00	5 03 53 54	5 17 00 30	6 00 13 12	6 13 25 54	6 26 32 12	7 09 28 42	7 22 16 42	8 05 03 06
2	3 12 38 30	3 25 35 18	4 08 21 36	4 21 09 54	5 04 06 54	5 17 13 42	6 00 26 30	6 13 39 00	6 26 45 12	7 09 41 30	7 22 29 30	8 05 16 00
3	3 12 51 36	3 25 48 06	4 08 34 18	4 21 22 48	5 04 20 00	5 17 26 48	6 00 39 42	6 13 52 12	6 26 58 12	7 09 54 24	7 22 42 12	8 05 28 48
4	3 13 04 42	3 26 00 54	4 08 47 06	4 21 35 36	5 04 33 00	5 17 40 00	6 00 52 54	6 14 05 24	6 27 11 12	7 10 07 18	7 22 55 00	8 05 41 36
5	3 13 17 48	3 26 13 48	4 08 59 54	4 21 48 30	5 04 46 06	5 17 53 12	6 01 06 12	6 14 18 30	6 27 24 12	7 10 20 06	7 23 07 42	8 05 54 30
6	3 13 31 00	3 26 26 36	4 09 12 36	4 22 01 24	5 04 59 06	5 18 06 24	6 01 19 24	6 14 31 42	6 27 37 18	7 10 33 00	7 23 20 30	8 06 07 18
7	3 13 44 00	3 26 39 24	4 09 25 24	4 22 14 18	5 05 12 12	5 18 19 36	6 01 32 36	6 14 44 54	6 27 50 18	7 10 45 48	7 23 33 18	8 06 20 06
8	3 13 57 06	3 26 52 12	4 09 38 12	4 22 27 12	5 05 25 12	5 18 32 48	6 01 45 48	6 14 58 00	6 28 03 18	7 10 58 36	7 23 46 00	8 06 33 00
9	3 14 10 12	3 27 05 00	4 09 50 54	4 22 40 00	5 05 38 18	5 18 46 00	6 01 59 06	6 15 11 12	6 28 16 18	7 11 11 30	7 23 58 48	8 06 45 48
10	3 14 23 18	3 27 17 48	4 10 03 42	4 22 52 54	5 05 51 18	5 18 59 06	6 02 12 18	6 15 24 18	6 28 29 18	7 11 24 18	7 24 11 30	8 06 58 42
11	3 14 36 24	3 27 30 36	4 10 16 30	4 23 05 48	5 06 04 24	5 19 12 18	6 02 25 30	6 15 37 30	6 28 42 18	7 11 37 12	7 24 24 18	8 07 11 30
12	3 14 49 24	3 27 43 18	4 10 29 12	4 23 18 42	5 06 17 24	5 19 25 30	6 02 38 48	6 15 50 36	6 28 55 18	7 11 50 00	7 24 37 00	8 07 24 24
13	3 15 02 30	3 27 56 06	4 10 42 00	4 23 31 36	5 06 30 30	5 19 38 42	6 02 52 00	6 16 03 48	6 29 08 18	7 12 02 48	7 24 49 48	8 07 37 18
14	3 15 15 30	3 28 08 54	4 10 54 48	4 23 44 30	5 06 43 36	5 19 51 54	6 03 05 12	6 16 16 54	6 29 21 18	7 12 15 42	7 25 02 30	8 07 50 06
15	3 15 28 36	3 28 21 42	4 11 07 36	4 23 57 24	5 06 56 36	5 20 05 06	6 03 18 24	6 16 30 06	6 29 34 18	7 12 28 30	7 25 15 18	8 08 03 00
16	3 15 41 36	3 28 34 30	4 11 20 18	4 24 10 18	5 07 09 42	5 20 18 18	6 03 31 42	6 16 43 12	6 29 47 12	7 12 41 18	7 25 28 06	8 08 15 54
17	3 15 54 36	3 28 47 18	4 11 33 06	4 24 23 12	5 07 22 48	5 20 31 30	6 03 44 54	6 16 56 24	7 00 00 12	7 12 54 06	7 25 40 48	8 08 28 48
18	3 16 07 36	3 29 00 06	4 11 45 54	4 24 36 06	5 07 35 54	5 20 44 42	6 03 58 06	6 17 09 30	7 00 13 12	7 13 07 00	7 25 53 36	8 08 41 36
19	3 16 20 36	3 29 12 48	4 11 58 42	4 24 49 00	5 07 48 54	5 20 57 54	6 04 11 18	6 17 22 36	7 00 26 12	7 13 19 48	7 26 06 18	8 08 54 30
20	3 16 33 36	3 29 25 36	4 12 11 24	4 25 02 00	5 08 02 00	5 21 11 06	6 04 24 36	6 17 35 48	7 00 39 12	7 13 32 36	7 26 19 06	8 09 07 24
21	3 16 46 36	3 29 38 24	4 12 24 12	4 25 14 54	5 08 15 06	5 21 24 18	6 04 37 48	6 17 48 54	7 00 52 06	7 13 45 24	7 26 31 48	8 09 20 18
22	3 16 59 36	3 29 51 12	4 12 37 00	4 25 27 48	5 08 28 12	5 21 37 30	6 04 51 00	6 18 02 00	7 01 05 06	7 13 58 12	7 26 44 36	8 09 33 12
23	3 17 12 36	4 00 03 54	4 12 49 48	4 25 40 42	5 08 41 18	5 21 50 42	6 05 04 12	6 18 15 12	7 01 18 06	7 14 11 00	7 26 57 24	8 09 46 06
24	3 17 25 36	4 00 16 42	4 13 02 36	4 25 53 36	5 08 54 24	5 22 04 00	6 05 17 30	6 18 28 18	7 01 31 00	7 14 23 54	7 27 10 06	8 09 59 00
25	3 17 38 36	4 00 29 30	4 13 15 24	4 26 06 36	5 09 07 30	5 22 17 12	6 05 30 42	6 18 41 24	7 01 44 00	7 14 36 42	7 27 22 54	8 10 12 00
26	3 17 51 36	4 00 42 12	4 13 28 12	4 26 19 30	5 09 20 36	5 22 30 24	6 05 43 54	6 18 54 30	7 01 56 54	7 14 49 30	7 27 35 36	8 10 24 54
27	3 18 04 30	4 00 55 00	4 13 40 54	4 26 32 24	5 09 33 42	5 22 43 36	6 05 57 06	6 19 07 42	7 02 09 54	7 15 02 18	7 27 48 24	8 10 37 48
28	3 18 17 30	4 01 07 48	4 13 53 42	4 26 45 24	5 09 46 48	5 22 56 48	6 06 10 18	6 19 20 48	7 02 22 54	7 15 15 06	7 28 01 12	8 10 50 42
29	3 18 30 24	4 01 20 30	4 14 06 30	4 26 58 18	5 09 59 54	5 23 10 00	6 06 23 30	6 19 33 54	7 02 35 48	7 15 27 54	7 28 13 54	8 11 03 42
30	3 18 43 24	4 01 33 18	4 14 19 18	4 27 11 18	5 10 13 00	5 23 23 12	6 06 36 48	6 19 47 00	7 02 48 42	7 15 40 42	7 28 26 42	8 11 16 36
31	3 18 56 18	4 01 46 06	4 14 32 06	4 27 24 12	5 10 26 06	5 23 36 30	6 06 50 00	6 20 00 06	7 03 01 42	7 15 53 30	7 28 39 30	8 11 29 36
32	3 19 09 18	4 01 58 48	4 14 44 54	4 27 37 06	5 10 39 12	5 23 49 42	6 07 03 12	6 20 13 12	7 03 14 36	7 16 06 18	7 28 52 12	8 11 42 30
33	3 19 22 12	4 02 11 36	4 14 57 42	4 27 50 06	5 10 52 18	5 24 02 54	6 07 16 24	6 20 26 18	7 03 27 36	7 16 19 06	7 29 05 00	8 11 55 30
34	3 19 35 06	4 02 24 24	4 15 10 30	4 28 03 06	5 11 05 30	5 24 16 06	6 07 29 36	6 20 39 24	7 03 40 30	7 16 31 48	7 29 17 48	8 12 08 24
35	3 19 48 00	4 02 37 06	4 15 23 18	4 28 16 00	5 11 18 36	5 24 29 18	6 07 42 48	6 20 52 30	7 03 53 24	7 16 44 36	7 29 30 30	8 12 21 24
36	3 20 01 00	4 02 49 54	4 15 36 06	4 28 29 00	5 11 31 42	5 24 42 30	6 07 56 00	6 21 05 36	7 04 06 24	7 16 57 24	7 29 43 18	8 12 34 24
37	3 20 13 54	4 03 02 36	4 15 49 00	4 28 41 54	5 11 44 48	5 24 55 48	6 08 09 18	6 21 18 42	7 04 19 18	7 17 10 12	7 29 56 06	8 12 47 24
38	3 20 26 48	4 03 15 24	4 16 01 48	4 28 54 54	5 11 58 00	5 25 09 00	6 08 22 30	6 21 31 48	7 04 32 12	7 17 23 00	8 00 08 48	8 13 00 24
39	3 20 39 42	4 03 28 12	4 16 14 36	4 29 07 54	5 12 11 06	5 25 22 12	6 08 35 42	6 21 44 54	7 04 45 06	7 17 35 48	8 00 21 36	8 13 13 24
40	3 20 52 36	4 03 40 54	4 16 27 24	4 29 20 48	5 12 24 12	5 25 35 24	6 08 48 54	6 21 58 00	7 04 58 00	7 17 48 36	8 00 34 24	8 13 26 24
41	3 21 05 30	4 03 53 42	4 16 40 12	4 29 33 48	5 12 37 24	5 25 48 42	6 09 02 06	6 22 11 06	7 05 11 00	7 18 01 18	8 00 47 12	8 13 39 24
42	3 21 18 24	4 04 06 24	4 16 53 00	4 29 46 48	5 12 50 30	5 26 01 54	6 09 15 18	6 22 24 06	7 05 23 54	7 18 14 06	8 00 59 54	8 13 52 24
43	3 21 31 12	4 04 19 12	4 17 05 54	4 29 59 48	5 13 03 36	5 26 15 06	6 09 28 30	6 22 37 12	7 05 36 48	7 18 26 54	8 01 12 42	8 14 05 24
44	3 21 44 06	4 04 31 54	4 17 18 42	5 00 12 48	5 13 16 48	5 26 28 18	6 09 41 42	6 22 50 18	7 05 49 42	7 18 39 42	8 01 25 30	8 14 18 24
45	3 21 57 00	4 04 44 42	4 17 31 30	5 00 25 42	5 13 29 54	5 26 41 36	6 09 54 54	6 23 03 24	7 06 02 36	7 18 52 24	8 01 38 18	8 14 31 24
46	3 22 09 54	4 04 57 30	4 17 44 18	5 00 38 42	5 13 43 06	5 26 54 48	6 10 08 06	6 23 16 24	7 06 15 30	7 19 05 12	8 01 51 06	8 14 44 30
47	3 22 22 42	4 05 10 12	4 17 57 12	5 00 51 42	5 13 56 12	5 27 08 00	6 10 21 18	6 23 29 30	7 06 28 24	7 19 18 00	8 02 03 54	8 14 57 30
48	3 22 35 36	4 05 23 00	4 18 10 00	5 01 04 42	5 14 09 24	5 27 21 12	6 10 34 30	6 23 42 36	7 06 41 18	7 19 30 48	8 02 16 42	8 15 10 36
49	3 22 48 30	4 05 35 42	4 18 22 48	5 01 17 42	5 14 22 30	5 27 34 30	6 10 47 42	6 23 55 36	7 06 54 12	7 19 43 30	8 02 29 24	8 15 23 36
50	3 23 01 18	4 05 48 30	4 18 35 42	5 01 30 42	5 14 35 42	5 27 47 42	6 11 00 54	6 24 08 42	7 07 07 06	7 19 56 18	8 02 42 12	8 15 36 42
51	3 23 14 12	4 06 01 12	4 18 48 30	5 01 43 42	5 14 48 48	5 28 00 54	6 11 14 00	6 24 21 42	7 07 20 00	7 20 09 06	8 02 55 00	8 15 49 48
52	3 23 27 00	4 06 14 00	4 19 01 24	5 01 56 42	5 15 02 00	5 28 14 12	6 11 27 12	6 24 34 48	7 07 32 48	7 20 21 48	8 03 07 48	8 16 02 54
53	3 23 39 54	4 06 26 42	4 19 14 12	5 02 09 42	5 15 15 06	5 28 27 24	6 11 40 24	6 24 47 48	7 07 45 42	7 20 34 36	8 03 20 36	8 16 16 00
54	3 23 52 42	4 06 39 30	4 19 27 00	5 02 22 42	5 15 28 18	5 28 40 36	6 11 53 36	6 25 00 54	7 07 58 36	7 20 47 24	8 03 33 24	8 16 29 00
55	3 24 05 30	4 06 52 18	4 19 39 54	5 02 35 48	5 15 41 30	5 28 53 48	6 12 06 48	6 25 13 54	7 08 11 30	7 21 00 06	8 03 46 12	8 16 42 12
56	3 24 18 24	4 07 05 00	4 19 52 42	5 02 48 48	5 15 54 36	5 29 07 06	6 12 20 00	6 25 27 00	7 08 24 24	7 21 12 54	8 03 59 06	8 16 55 18
57	3 24 31 12	4 07 17 48	4 20 05 36	5 03 01 48	5 16 07 48	5 29 20 18	6 12 33 12	6 25 40 00	7 08 37 12	7 21 25 42	8 04 11 54	8 17 08 24
58	3 24 44 00	4 07 30 30	4 20 18 30	5 03 14 48	5 16 21 00	5 29 33 30	6 12 46 18	6 25 53 06	7 08 50 06	7 21 38 24	8 04 24 42	8 17 21 30
59	3 24 56 54	4 07 43 18	4 20 31 18	5 03 27 48	5 16 34 06	5 29 46 48	6 12 59 30	6 26 06 06	7 09 03 00	7 21 51 12	8 04 37 30	8 17 34 36
60	3 25 09 42	4 07 56 06	4 20 44 12	5 03 40 54	5 16 47 18	6 00 00 00	6 13 12 42	6 26 19 06	7 09 15 48	7 22 03 54	8 04 50 18	8 17 47 48

लग्नसारणी अक्षांश 28° 42′ (उ.)
(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 47 48	9 01 15 24	9 15 38 30	10 01 27 06	10 19 09 12	11 08 52 36	0 00 00 00	0 21 07 24	1 10 50 48	1 28 32 54	2 14 21 30	2 28 44 36
1	8 18 00 54	9 01 29 18	9 15 53 30	10 01 43 48	10 19 27 54	11 09 13 12	0 00 21 24	0 21 28 00	1 11 09 36	1 28 49 36	2 14 36 30	2 28 58 24
2	8 18 14 06	9 01 43 06	9 16 08 30	10 02 00 30	10 19 46 42	11 09 33 54	0 00 42 48	0 21 48 30	1 11 28 12	1 29 06 18	2 14 51 30	2 29 12 18
3	8 18 27 18	9 01 57 00	9 16 23 36	10 02 17 18	10 20 05 30	11 09 54 36	0 01 04 12	0 22 09 06	1 11 46 54	1 29 22 54	2 15 06 30	2 29 26 06
4	8 18 40 24	9 02 10 54	9 16 38 42	10 02 34 06	10 20 24 24	11 10 15 12	0 01 25 36	0 22 29 36	1 12 05 30	1 29 39 24	2 15 21 24	2 29 39 54
5	8 18 53 36	9 02 24 48	9 16 53 48	10 02 50 54	10 20 43 18	11 10 36 00	0 01 46 54	0 22 50 06	1 12 24 06	1 29 56 00	2 15 36 18	2 29 53 36
6	8 19 06 48	9 02 38 42	9 17 09 00	10 03 07 48	10 21 02 12	11 10 56 42	0 02 08 18	0 23 10 36	1 12 42 42	2 00 12 30	2 15 51 12	3 00 07 24
7	8 19 20 00	9 02 52 42	9 17 24 06	10 03 24 42	10 21 21 12	11 11 17 30	0 02 29 42	0 23 31 00	1 13 01 12	2 00 29 00	2 16 06 00	3 00 21 06
8	8 19 33 12	9 03 06 42	9 17 39 18	10 03 41 36	10 21 40 12	11 11 38 12	0 02 51 06	0 23 51 24	1 13 19 36	2 00 45 30	2 16 20 54	3 00 34 54
9	8 19 46 30	9 03 20 36	9 17 54 30	10 03 58 36	10 21 59 12	11 11 59 00	0 03 12 30	0 24 11 48	1 13 38 06	2 01 01 54	2 16 35 42	3 00 48 36
10	8 19 59 42	9 03 34 36	9 18 09 48	10 04 15 36	10 22 18 18	11 12 19 54	0 03 33 48	0 24 32 06	1 13 56 30	2 01 18 18	2 16 50 30	3 01 02 18
11	8 20 12 54	9 03 48 36	9 18 25 06	10 04 32 36	10 22 37 24	11 12 40 42	0 03 55 12	0 24 52 30	1 14 14 54	2 01 34 36	2 17 05 12	3 01 16 00
12	8 20 26 12	9 04 02 42	9 18 40 18	10 04 49 42	10 22 56 36	11 13 01 36	0 04 16 36	0 25 12 48	1 14 33 12	2 01 51 00	2 17 20 00	3 01 29 42
13	8 20 39 24	9 04 16 42	9 18 55 42	10 05 06 48	10 23 15 42	11 13 22 30	0 04 37 54	0 25 33 06	1 14 51 30	2 02 07 18	2 17 34 42	3 01 43 18
14	8 20 52 42	9 04 30 48	9 19 11 00	10 05 23 54	10 23 34 54	11 13 43 24	0 04 59 18	0 25 53 18	1 15 09 48	2 02 23 30	2 17 49 24	3 01 57 00
15	8 21 06 00	9 04 44 54	9 19 26 24	10 05 41 06	10 23 54 12	11 14 04 18	0 05 20 36	0 26 13 30	1 15 28 00	2 02 39 48	2 18 04 06	3 02 10 36
16	8 21 19 18	9 04 58 54	9 19 41 48	10 05 58 18	10 24 13 24	11 14 25 12	0 05 41 54	0 26 33 42	1 15 46 12	2 02 56 00	2 18 18 48	3 02 24 12
17	8 21 32 36	9 05 13 06	9 19 57 12	10 06 15 30	10 24 32 48	11 14 46 12	0 06 03 18	0 26 53 54	1 16 04 24	2 03 12 12	2 18 33 24	3 02 37 48
18	8 21 45 54	9 05 27 12	9 20 12 36	10 06 32 48	10 24 52 06	11 15 07 12	0 06 24 36	0 27 14 00	1 16 22 30	2 03 28 18	2 18 48 00	3 02 51 24
19	8 21 59 12	9 05 41 18	9 20 28 06	10 06 50 06	10 25 11 30	11 15 28 12	0 06 45 54	0 27 34 06	1 16 40 36	2 03 44 30	2 19 02 36	3 03 05 00
20	8 22 12 30	9 05 55 30	9 20 43 36	10 07 07 24	10 25 30 54	11 15 49 12	0 07 07 12	0 27 54 12	1 16 58 42	2 04 00 30	2 19 17 12	3 03 18 36
21	8 22 25 54	9 06 09 42	9 20 59 12	10 07 24 48	10 25 50 18	11 16 10 18	0 07 28 30	0 28 14 12	1 17 16 42	2 04 16 36	2 19 31 42	3 03 32 06
22	8 22 39 12	9 06 23 54	9 21 14 42	10 07 42 12	10 26 09 48	11 16 31 18	0 07 49 48	0 28 34 12	1 17 34 42	2 04 32 36	2 19 46 18	3 03 45 42
23	8 22 52 36	9 06 38 06	9 21 30 18	10 07 59 42	10 26 29 18	11 16 52 24	0 08 11 06	0 28 54 12	1 17 52 36	2 04 48 36	2 20 00 48	3 03 59 12
24	8 23 05 54	9 06 52 24	9 21 45 54	10 08 17 06	10 26 48 48	11 17 13 30	0 08 32 18	0 29 14 12	1 18 10 30	2 05 04 36	2 20 15 18	3 04 12 42
25	8 23 19 18	9 07 06 36	9 22 01 30	10 08 34 36	10 27 08 24	11 17 34 36	0 08 53 36	0 29 34 06	1 18 28 24	2 05 20 36	2 20 29 42	3 04 26 18
26	8 23 32 42	9 07 20 54	9 22 17 12	10 08 52 12	10 27 28 00	11 17 55 42	0 09 14 48	0 29 54 00	1 18 46 18	2 05 36 30	2 20 44 12	3 04 39 42
27	8 23 46 06	9 07 35 12	9 22 32 54	10 09 09 42	10 27 47 42	11 18 16 48	0 09 36 06	1 00 13 48	1 19 04 06	2 05 52 24	2 20 58 36	3 04 53 12
28	8 23 59 30	9 07 49 30	9 22 48 36	10 09 27 18	10 28 07 18	11 18 38 00	0 09 57 18	1 00 33 42	1 19 21 54	2 06 08 12	2 21 13 00	3 05 06 42
29	8 24 13 00	9 08 03 48	9 23 04 24	10 09 45 00	10 28 27 00	11 18 59 06	0 10 18 30	1 00 53 30	1 19 39 36	2 06 24 06	2 21 27 24	3 05 20 12
30	8 24 26 24	9 08 18 12	9 23 20 06	10 10 02 42	10 28 46 48	11 19 20 18	0 10 39 42	1 01 13 12	1 19 57 18	2 06 39 54	2 21 41 48	3 05 33 36
31	8 24 39 48	9 08 32 36	9 23 35 54	10 10 20 24	10 29 06 30	11 19 41 30	0 11 00 54	1 01 33 00	1 20 15 00	2 06 55 36	2 21 56 12	3 05 47 00
32	8 24 53 18	9 08 47 00	9 23 51 48	10 10 38 06	10 29 26 18	11 20 02 42	0 11 22 00	1 01 52 42	1 20 32 42	2 07 11 24	2 22 10 30	3 06 00 30
33	8 25 06 48	9 09 01 24	9 24 07 36	10 10 55 54	10 29 46 12	11 20 23 54	0 11 43 12	1 02 12 18	1 20 50 18	2 07 27 06	2 22 24 48	3 06 13 54
34	8 25 20 18	9 09 15 48	9 24 23 30	10 11 13 42	11 00 06 00	11 20 45 12	0 12 04 18	1 02 32 00	1 21 07 48	2 07 42 48	2 22 39 06	3 06 27 18
35	8 25 33 42	9 09 30 18	9 24 39 24	10 11 31 36	11 00 25 54	11 21 06 24	0 12 25 24	1 02 51 36	1 21 25 24	2 07 58 30	2 22 53 24	3 06 40 42
36	8 25 47 18	9 09 44 42	9 24 55 24	10 11 49 30	11 00 45 48	11 21 27 42	0 12 46 30	1 03 11 12	1 21 42 54	2 08 14 06	2 23 07 36	3 06 54 06
37	8 26 00 48	9 09 59 12	9 25 11 24	10 12 07 24	11 01 05 48	11 21 48 54	0 13 07 36	1 03 30 42	1 22 00 18	2 08 29 42	2 23 21 54	3 07 07 24
38	8 26 14 18	9 10 13 42	9 25 27 24	10 12 25 18	11 01 25 48	11 22 10 12	0 13 28 42	1 03 50 12	1 22 17 48	2 08 45 18	2 23 36 06	3 07 20 48
39	8 26 27 54	9 10 28 18	9 25 43 24	10 12 43 18	11 01 45 48	11 22 31 30	0 13 49 42	1 04 09 42	1 22 35 12	2 09 00 48	2 23 50 18	3 07 34 06
40	8 26 41 24	9 10 42 48	9 25 59 30	10 13 01 18	11 02 05 48	11 22 52 48	0 14 10 48	1 04 29 06	1 22 52 36	2 09 16 24	2 24 04 30	3 07 47 30
41	8 26 55 00	9 10 57 24	9 26 15 30	10 13 19 24	11 02 25 54	11 23 14 06	0 14 31 48	1 04 48 30	1 23 09 54	2 09 31 54	2 24 18 42	3 08 00 48
42	8 27 08 36	9 11 12 00	9 26 31 42	10 13 37 30	11 02 46 00	11 23 35 24	0 14 52 48	1 05 07 54	1 23 27 12	2 09 47 24	2 24 32 48	3 08 14 06
43	8 27 22 12	9 11 26 36	9 26 47 48	10 13 55 36	11 03 06 06	11 23 56 42	0 15 13 48	1 05 27 12	1 23 44 30	2 10 02 48	2 24 46 54	3 08 27 24
44	8 27 35 48	9 11 41 12	9 27 04 00	10 14 13 48	11 03 26 18	11 24 18 06	0 15 34 48	1 05 46 36	1 24 01 42	2 10 18 12	2 25 01 06	3 08 40 42
45	8 27 49 24	9 11 55 54	9 27 20 12	10 14 32 00	11 03 46 30	11 24 39 24	0 15 55 42	1 06 05 48	1 24 18 54	2 10 33 36	2 25 15 06	3 08 54 00
46	8 28 03 00	9 12 10 36	9 27 36 30	10 14 50 12	11 04 06 42	11 25 00 42	0 16 16 36	1 06 25 06	1 24 36 06	2 10 49 00	2 25 29 12	3 09 07 18
47	8 28 16 42	9 12 25 18	9 27 52 42	10 15 08 30	11 04 26 54	11 25 22 06	0 16 37 30	1 06 44 18	1 24 53 12	2 11 04 18	2 25 43 18	3 09 20 36
48	8 28 30 18	9 12 40 00	9 28 09 00	10 15 26 48	11 04 47 12	11 25 43 24	0 16 58 24	1 07 03 24	1 25 10 18	2 11 19 42	2 25 57 18	3 09 33 48
49	8 28 44 00	9 12 54 48	9 28 25 24	10 15 45 06	11 05 07 30	11 26 04 48	0 17 19 18	1 07 22 36	1 25 27 24	2 11 34 54	2 26 11 24	3 09 47 06
50	8 28 57 42	9 13 09 30	9 28 41 42	10 16 03 30	11 05 27 54	11 26 26 12	0 17 40 06	1 07 41 42	1 25 44 24	2 11 50 12	2 26 25 24	3 10 00 18
51	8 29 11 24	9 13 24 18	9 28 58 06	10 16 21 54	11 05 48 12	11 26 47 30	0 18 01 00	1 08 00 48	1 26 01 24	2 12 05 30	2 26 39 24	3 10 13 30
52	8 29 25 06	9 13 39 06	9 29 14 30	10 16 40 24	11 06 08 36	11 27 08 54	0 18 21 48	1 08 19 48	1 26 18 24	2 12 20 42	2 26 53 18	3 10 26 48
53	8 29 38 54	9 13 54 00	9 29 31 00	10 16 58 48	11 06 29 00	11 27 30 18	0 18 42 30	1 08 38 48	1 26 35 18	2 12 35 54	2 27 07 18	3 10 40 00
54	8 29 52 36	9 14 08 48	9 29 47 30	10 17 17 18	11 06 49 24	11 27 51 42	0 19 03 18	1 08 57 48	1 26 52 12	2 12 51 00	2 27 21 18	3 10 53 12
55	9 00 06 24	9 14 23 42	10 00 04 00	10 17 35 54	11 07 09 54	11 28 13 06	0 19 24 00	1 09 16 42	1 27 09 06	2 13 06 12	2 27 35 12	3 11 06 24
56	9 00 20 06	9 14 38 36	10 00 20 36	10 17 54 30	11 07 30 24	11 28 34 24	0 19 44 48	1 09 35 36	1 27 25 54	2 13 21 18	2 27 49 06	3 11 19 36
57	9 00 33 54	9 14 53 30	10 00 37 06	10 18 13 06	11 07 50 54	11 28 55 48	0 20 05 24	1 09 54 30	1 27 42 42	2 13 36 24	2 28 03 00	3 11 32 42
58	9 00 47 42	9 15 08 30	10 00 53 42	10 18 31 48	11 08 11 30	11 29 17 12	0 20 26 06	1 10 13 18	1 27 59 30	2 13 51 30	2 28 16 54	3 11 45 54
59	9 01 01 36	9 15 23 30	10 01 10 24	10 18 50 24	11 08 32 00	11 29 38 36	0 20 46 48	1 10 32 06	1 28 16 12	2 14 06 30	2 28 30 42	3 11 59 06
60	9 01 15 24	9 15 38 30	10 01 27 06	10 19 09 12	11 08 52 36	0 00 00 00	0 21 07 24	1 10 50 48	1 28 32 54	2 14 21 30	2 28 44 36	3 12 12 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 43′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 12 42	3 25 10 06	4 07 56 24	4 20 44 30	5 03 41 06	5 16 47 24	6 00 00 00	6 13 12 36	6 26 18 54	7 09 15 30	7 22 03 36	8 04 49 54
1	3 12 25 48	3 25 22 54	4 08 09 12	4 20 57 18	5 03 54 06	5 17 00 36	6 00 13 12	6 13 25 48	6 26 32 00	7 09 28 24	7 22 16 18	8 05 02 42
2	3 12 39 00	3 25 35 48	4 08 21 54	4 21 10 12	5 04 07 06	5 17 13 48	6 00 26 30	6 13 38 54	6 26 45 00	7 09 41 18	7 22 29 06	8 05 15 30
3	3 12 52 06	3 25 48 36	4 08 34 42	4 21 23 06	5 04 20 12	5 17 26 54	6 00 39 42	6 13 52 06	6 26 58 00	7 09 54 06	7 22 41 48	8 05 28 24
4	3 13 05 12	3 26 01 24	4 08 47 30	4 21 35 54	5 04 33 12	5 17 40 06	6 00 52 54	6 14 05 18	6 27 11 00	7 10 07 00	7 22 54 36	8 05 41 12
5	3 13 18 18	3 26 14 12	4 09 00 12	4 21 48 48	5 04 46 18	5 17 53 18	6 01 06 06	6 14 18 24	6 27 24 00	7 10 19 48	7 23 07 24	8 05 54 00
6	3 13 31 24	3 26 27 00	4 09 13 00	4 22 01 42	5 04 59 18	5 18 06 30	6 01 19 24	6 14 31 36	6 27 37 00	7 10 32 42	7 23 20 06	8 06 06 54
7	3 13 44 30	3 26 39 48	4 09 25 48	4 22 14 36	5 05 12 18	5 18 19 42	6 01 32 36	6 14 44 42	6 27 50 06	7 10 45 30	7 23 32 54	8 06 19 42
8	3 13 57 36	3 26 52 36	4 09 38 30	4 22 27 24	5 05 25 24	5 18 32 54	6 01 45 48	6 14 57 54	6 28 03 06	7 10 58 18	7 23 45 36	8 06 32 30
9	3 14 10 42	3 27 05 24	4 09 51 18	4 22 40 18	5 05 38 24	5 18 46 00	6 01 59 06	6 15 11 06	6 28 16 06	7 11 11 12	7 23 58 24	8 06 45 24
10	3 14 23 48	3 27 18 12	4 10 04 06	4 22 53 12	5 05 51 30	5 18 59 12	6 02 12 18	6 15 24 12	6 28 29 06	7 11 24 00	7 24 11 06	8 06 58 12
11	3 14 36 48	3 27 31 00	4 10 16 48	4 23 06 06	5 06 04 36	5 19 12 24	6 02 25 30	6 15 37 24	6 28 42 06	7 11 36 54	7 24 23 54	8 07 11 06
12	3 14 49 54	3 27 43 48	4 10 29 36	4 23 19 00	5 06 17 36	5 19 25 36	6 02 38 42	6 15 50 30	6 28 55 06	7 11 49 42	7 24 36 42	8 07 24 00
13	3 15 03 00	3 27 56 36	4 10 42 24	4 23 31 54	5 06 30 42	5 19 38 48	6 02 52 00	6 16 03 42	6 29 08 06	7 12 02 30	7 24 49 24	8 07 36 48
14	3 15 16 00	3 28 09 18	4 10 55 06	4 23 44 48	5 06 43 42	5 19 52 00	6 03 05 12	6 16 16 48	6 29 21 00	7 12 15 24	7 25 02 12	8 07 49 42
15	3 15 29 00	3 28 22 06	4 11 07 54	4 23 57 42	5 06 56 48	5 20 05 12	6 03 18 24	6 16 30 00	6 29 34 00	7 12 28 12	7 25 14 54	8 08 02 36
16	3 15 42 06	3 28 34 54	4 11 20 42	4 24 10 36	5 07 09 54	5 20 18 24	6 03 31 36	6 16 43 06	6 29 47 00	7 12 41 00	7 25 27 42	8 08 15 24
17	3 15 55 06	3 28 47 42	4 11 33 30	4 24 23 30	5 07 23 00	5 20 31 36	6 03 44 54	6 16 56 12	7 00 00.0	7 12 53 48	7 25 40 24	8 08 28 18
18	3 16 08 06	3 29 00 30	4 11 46 12	4 24 36 24	5 07 36 00	5 20 44 48	6 03 58 06	6 17 09 24	7 00 13 00	7 13 06 36	7 25 53 12	8 08 41 12
19	3 16 21 06	3 29 13 18	4 11 59 00	4 24 49 18	5 07 49 06	5 20 58 00	6 04 11 18	6 17 22 30	7 00 26 00	7 13 19 30	7 26 05 54	8 08 54 06
20	3 16 34 06	3 29 26 00	4 12 11 48	4 25 02 12	5 08 02 12	5 21 11 12	6 04 24 30	6 17 35 36	7 00 38 54	7 13 32 18	7 26 18 42	8 09 07 00
21	3 16 47 06	3 29 38 48	4 12 24 36	4 25 15 06	5 08 15 18	5 21 24 24	6 04 37 48	6 17 48 48	7 00 51 54	7 13 45 06	7 26 31 30	8 09 19 54
22	3 17 00 06	3 29 51 36	4 12 37 24	4 25 28 00	5 08 28 24	5 21 37 36	6 04 51 00	6 18 01 54	7 01 04 54	7 13 57 54	7 26 44 12	8 09 32 48
23	3 17 13 06	4 00 04 18	4 12 50 06	4 25 41 00	5 08 41 30	5 21 50 48	6 05 04 12	6 18 15 00	7 01 17 48	7 14 10 42	7 26 57 00	8 09 45 42
24	3 17 26 06	4 00 17 06	4 13 02 54	4 25 53 54	5 08 54 36	5 22 04 00	6 05 17 24	6 18 28 06	7 01 30 48	7 14 23 30	7 27 09 42	8 09 58 36
25	3 17 39 06	4 00 29 54	4 13 15 42	4 26 06 48	5 09 07 36	5 22 17 12	6 05 30 36	6 18 41 18	7 01 43 48	7 14 36 18	7 27 22 30	8 10 11 30
26	3 17 52 00	4 00 42 42	4 13 28 30	4 26 19 48	5 09 20 42	5 22 30 24	6 05 43 48	6 18 54 24	7 01 56 42	7 14 49 06	7 27 35 12	8 10 24 24
27	3 18 05 00	4 00 55 24	4 13 41 18	4 26 32 42	5 09 33 48	5 22 43 36	6 05 57 06	6 19 07 30	7 02 09 42	7 15 01 54	7 27 48 00	8 10 37 18
28	3 18 17 54	4 01 08 12	4 13 54 06	4 26 45 36	5 09 46 54	5 22 56 54	6 06 10 18	6 19 20 36	7 02 22 36	7 15 14 42	7 28 00 48	8 10 50 18
29	3 18 30 54	4 01 21 00	4 14 06 54	4 26 58 36	5 10 00 0	5 23 10 06	6 06 23 30	6 19 33 42	7 02 35 36	7 15 27 30	7 28 13 30	8 11 03 12
30	3 18 43 48	4 01 33 42	4 14 19 42	4 27 11 30	5 10 13 12	5 23 23 18	6 06 36 42	6 19 46 48	7 02 48 30	7 15 40 18	7 28 26 18	8 11 16 12
31	3 18 56 48	4 01 46 30	4 14 32 30	4 27 24 24	5 10 26 18	5 23 36 30	6 06 49 54	6 19 60 00	7 03 01 24	7 15 53 06	7 28 39 00	8 11 29 06
32	3 19 09 42	4 01 59 12	4 14 45 18	4 27 37 24	5 10 39 24	5 23 49 42	6 07 03 06	6 20 13 06	7 03 14 24	7 16 05 54	7 28 51 48	8 11 42 06
33	3 19 22 42	4 02 12 00	4 14 58 06	4 27 50 18	5 10 52 30	5 24 02 54	6 07 16 24	6 20 26 12	7 03 27 18	7 16 18 42	7 29 04 36	8 11 55 00
34	3 19 35 36	4 02 24 48	4 15 10 54	4 28 03 18	5 11 05 36	5 24 16 12	6 07 29 36	6 20 39 18	7 03 40 12	7 16 31 30	7 29 17 18	8 12 08 00
35	3 19 48 30	4 02 37 30	4 15 23 42	4 28 16 12	5 11 18 42	5 24 29 24	6 07 42 48	6 20 52 24	7 03 53 12	7 15 44 18	7 29 30 06	8 12 20 54
36	3 20 01 24	4 02 50 18	4 15 36 30	4 28 29 12	5 11 31 54	5 24 42 36	6 07 56 00	6 21 05 24	7 04 06 06	7 16 57 06	7 29 42 54	8 12 33 54
37	3 20 14 18	4 03 03 00	4 15 49 18	4 28 42 12	5 11 45 00	5 24 55 48	6 08 09 12	6 21 18 30	7 04 19 00	7 17 09 54	7 29 55 42	8 12 46 54
38	3 20 27 12	4 03 15 48	4 16 02 06	4 28 55 06	5 11 58 06	5 25 09 00	6 08 22 24	6 21 31 36	7 04 32 00	7 17 22 36	8 00 08 24	8 12 59 54
39	3 20 40 06	4 03 28 30	4 16 14 54	4 29 08 06	5 12 11 12	5 25 22 12	6 08 35 36	6 21 44 42	7 04 44 54	7 17 35 24	8 00 21 12	8 13 12 54
40	3 20 53 00	4 03 41 18	4 16 27 42	4 29 21 06	5 12 24 24	5 25 35 30	6 08 48 48	6 21 57 48	7 04 57 48	7 17 48 12	8 00 34 00	8 13 25 54
41	3 21 05 54	4 03 54 06	4 16 40 30	4 29 34 00	5 12 37 30	5 25 48 42	6 09 02 00	6 22 10 54	7 05 10 42	7 18 01 00	8 00 46 42	8 13 38 54
42	3 21 18 48	4 04 06 48	4 16 53 24	4 29 47 00	5 12 50 36	5 26 01 54	6 09 15 12	6 22 24 00	7 05 23 36	7 18 13 48	8 00 59 30	8 13 51 54
43	3 21 31 42	4 04 19 36	4 17 06 12	4 29 60 00	5 13 03 48	5 26 15 06	6 09 28 24	6 22 37 00	7 05 36 30	7 18 26 30	8 01 12 18	8 14 04 54
44	3 21 44 36	4 04 32 18	4 17 19 00	5 00 13 00	5 13 16 54	5 26 28 24	6 09 41 36	6 22 50 06	7 05 49 24	7 18 39 18	8 01 25 06	8 14 17 54
45	3 21 57 24	4 04 45 06	4 17 31 48	5 00 26 00	5 13 30 00	5 26 41 36	6 09 54 48	6 23 03 12	7 06 02 18	7 18 52 06	8 01 37 54	8 14 31 00
46	3 22 10 18	4 04 57 48	4 17 44 36	5 00 39 00	5 13 43 12	5 26 54 48	6 10 08 00	6 23 16 18	7 06 15 12	7 19 04 54	8 01 50 42	8 14 44 00
47	3 22 23 12	4 05 10 36	4 17 57 30	5 00 51 54	5 13 56 18	5 27 08 00	6 10 21 12	6 23 29 18	7 06 28 06	7 19 17 36	8 02 03 24	8 14 57 00
48	3 22 36 00	4 05 23 18	4 18 10 18	5 01 04 54	5 14 09 30	5 27 21 18	6 10 34 24	6 23 42 24	7 06 41 00	7 19 30 24	8 02 16 12	8 15 10 06
49	3 22 48 54	4 05 36 06	4 18 23 06	5 01 17 54	5 14 22 36	5 27 34 30	6 10 47 36	6 23 55 24	7 06 53 54	7 19 43 12	8 02 29 00	8 15 23 12
50	3 23 01 48	4 05 48 54	4 18 36 00	5 01 30 54	5 14 35 48	5 27 47 42	6 11 00 48	6 24 08 30	7 07 06 48	7 19 55 54	8 02 41 48	8 15 36 12
51	3 23 14 36	4 06 01 36	4 18 48 48	5 01 43 54	5 14 48 54	5 28 00 54	6 11 14 00	6 24 21 36	7 07 19 42	7 20 08 42	8 02 54 36	8 15 49 18
52	3 23 27 30	4 06 14 24	4 19 01 42	5 01 56 54	5 15 02 06	5 28 14 12	6 11 27 06	6 24 34 36	7 07 32 36	7 20 21 30	8 03 07 24	8 16 02 24
53	3 23 40 18	4 06 27 06	4 19 14 30	5 02 09 54	5 15 15 18	5 28 27 24	6 11 40 18	6 24 47 42	7 07 45 24	7 20 34 12	8 03 20 12	8 16 15 30
54	3 23 53 06	4 06 39 54	4 19 27 18	5 02 23 00	5 15 28 24	5 28 40 36	6 11 53 30	6 25 00 42	7 07 58 18	7 20 47 00	8 03 33 00	8 16 28 36
55	3 24 06 00	4 06 52 36	4 19 40 12	5 02 36 00	5 15 41 36	5 28 53 54	6 12 06 42	6 25 13 42	7 08 11 12	7 20 59 48	8 03 45 48	8 16 41 42
56	3 24 18 48	4 07 05 24	4 19 53 00	5 02 49 00	5 15 54 42	5 29 07 06	6 12 19 54	6 25 26 48	7 08 24 06	7 21 12 30	8 03 58 36	8 16 54 48
57	3 24 31 36	4 07 18 12	4 20 05 54	5 03 02 00	5 16 07 54	5 29 20 18	6 12 33 06	6 25 39 48	7 08 36 54	7 21 25 18	8 04 11 24	8 17 07 54
58	3 24 44 30	4 07 30 54	4 20 18 42	5 03 15 00	5 16 21 06	5 29 33 30	6 12 46 12	6 25 52 54	7 08 49 48	7 21 38 06	8 04 24 12	8 17 21 00
59	3 24 57 18	4 07 43 42	4 20 31 36	5 03 28 00	5 16 34 12	5 29 46 48	6 12 59 24	6 26 05 54	7 09 02 42	7 21 50 48	8 04 37 06	8 17 34 12
60	3 25 10 06	4 07 56 24	4 20 44 30	5 03 41 06	5 16 47 24	6 00 00 00	6 13 12 36	6 26 18 54	7 09 15 30	7 22 03 36	8 04 49 54	8 17 47 18

लग्नसारणी अक्षांश 28 43 (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time .साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 47 18	9 01 14 54	9 15 37 54	10 01 26 30	10 19 08 42	11 08 52 24	0 00 00 00	0 21 07 36	1 10 51 18	1 28 33 30	2 14 22 06	2 28 45 06
1	8 18 00 24	9 01 28 42	9 15 52 54	10 01 43 12	10 19 27 30	11 09 13 00	0 00 21 24	0 21 28 12	1 11 10 00	1 28 50 06	2 14 37 06	2 28 59 00
2	8 18 13 36	9 01 42 36	9 16 08 00	10 01 60 00	10 19 46 18	11 09 33 36	0 00 42 48	0 21 48 48	1 11 28 42	1 29 06 48	2 14 52 06	2 29 12 48
3	8 18 26 48	9 01 56 30	9 16 23 06	10 02 16 48	10 20 05 06	11 09 54 18	0 01 04 12	0 22 09 18	1 11 47 18	1 29 23 24	2 15 07 00	2 29 26 36
4	8 18 39 54	9 02 10 24	9 16 38 12	10 02 33 36	10 20 24 00	11 10 15 00	0 01 25 36	0 22 29 54	1 12 06 00	1 29 40 00	2 15 21 54	2 29 40 24
5	8 18 53 06	9 02 24 18	9 16 53 18	10 02 50 24	10 20 42 54	11 10 35 42	0 01 47 00	0 22 50 24	1 12 24 36	1 29 56 30	2 15 36 48	2 29 54 12
6	8 19 06 18	9 02 38 12	9 17 08 24	10 03 07 18	10 21 01 48	11 10 56 30	0 02 08 24	0 23 10 48	1 12 43 06	2 00 13 00	2 15 51 42	3 00 07 54
7	8 19 19 30	9 02 52 12	9 17 23 36	10 03 24 12	10 21 20 48	11 11 17 12	0 02 29 42	0 23 31 18	1 13 01 36	2 00 29 30	2 16 06 36	3 00 21 42
8	8 19 32 42	9 03 06 06	9 17 38 48	10 03 41 06	10 21 39 48	11 11 38 00	0 02 51 06	0 23 51 42	1 13 20 06	2 00 46 00	2 16 21 24	3 00 35 24
9	8 19 46 00	9 03 20 06	9 17 54 00	10 03 58 06	10 21 58 48	11 11 58 48	0 03 12 30	0 24 12 06	1 13 38 30	2 01 02 24	2 16 36 12	3 00 49 06
10	8 19 59 12	9 03 34 06	9 18 09 12	10 04 15 06	10 22 17 54	11 12 19 36	0 03 33 54	0 24 32 24	1 13 57 00	2 01 18 48	2 16 51 00	3 01 02 48
11	8 20 12 24	9 03 48 06	9 18 24 30	10 04 32 06	10 22 37 00	11 12 40 30	0 03 55 18	0 24 52 48	1 14 15 18	2 01 35 12	2 17 05 48	3 01 16 30
12	8 20 25 42	9 04 02 06	9 18 39 48	10 04 49 12	10 22 56 06	11 13 01 24	0 04 16 36	0 25 13 06	1 14 33 42	2 01 51 30	2 17 20 30	3 01 30 12
13	8 20 38 54	9 04 16 12	9 18 55 06	10 05 06 18	10 23 15 18	11 13 22 18	0 04 38 00	0 25 33 24	1 14 52 00	2 02 07 48	2 17 35 18	3 01 43 48
14	8 20 52 12	9 04 30 12	9 19 10 30	10 05 23 24	10 23 34 30	11 13 43 12	0 04 59 18	0 25 53 36	1 15 10 18	2 02 24 06	2 17 50 00	3 01 57 30
15	8 21 05 30	9 04 44 18	9 19 25 48	10 05 40 36	10 23 53 48	11 14 04 06	0 05 20 42	0 26 13 48	1 15 28 30	2 02 40 18	2 18 04 36	3 02 11 06
16	8 21 18 48	9 04 58 24	9 19 41 12	10 05 57 48	10 24 13 00	11 14 25 00	0 05 42 00	0 26 34 00	1 15 46 42	2 02 56 30	2 18 19 18	3 02 24 48
17	8 21 32 06	9 05 12 30	9 19 56 36	10 06 15 00	10 24 32 24	11 14 46 00	0 06 03 24	0 26 54 12	1 16 04 54	2 03 12 42	2 18 33 54	3 02 38 24
18	8 21 45 24	9 05 26 42	9 20 12 06	10 06 32 18	10 24 51 42	11 15 07 00	0 06 24 42	0 27 14 18	1 16 23 00	2 03 28 54	2 18 48 36	3 02 52 00
19	8 21 58 42	9 05 40 48	9 20 27 36	10 06 49 36	10 25 11 06	11 15 28 00	0 06 46 00	0 27 34 24	1 16 41 06	2 03 45 00	2 19 03 12	3 03 05 30
20	8 22 12 00	9 05 55 00	9 20 43 06	10 07 06 54	10 25 30 30	11 15 49 00	0 07 07 18	0 27 54 30	1 16 59 06	2 04 01 06	2 19 17 42	3 03 19 06
21	8 22 25 18	9 06 09 12	9 20 58 36	10 07 24 18	10 25 49 54	11 16 10 06	0 07 28 36	0 28 14 36	1 17 17 12	2 04 17 12	2 19 32 18	3 03 32 42
22	8 22 38 42	9 06 23 24	9 21 14 12	10 07 41 42	10 26 09 24	11 16 31 06	0 07 49 54	0 28 34 36	1 17 35 12	2 04 33 12	2 19 46 48	3 03 46 12
23	8 22 52 06	9 06 37 36	9 21 29 42	10 07 59 06	10 26 28 54	11 16 52 12	0 08 11 12	0 28 54 36	1 17 53 06	2 04 49 12	2 20 01 18	3 03 59 42
24	8 23 05 24	9 06 51 48	9 21 45 24	10 08 16 36	10 26 48 30	11 17 13 18	0 08 32 24	0 29 14 30	1 18 11 00	2 05 05 12	2 20 15 48	3 04 13 18
25	8 23 18 48	9 07 06 06	9 22 01 00	10 08 34 06	10 27 08 00	11 17 34 24	0 08 53 42	0 29 34 24	1 18 28 54	2 05 21 06	2 20 30 18	3 04 26 48
26	8 23 32 12	9 07 20 24	9 22 16 42	10 08 51 42	10 27 27 36	11 17 55 30	0 09 14 54	0 29 54 18	1 18 46 48	2 05 37 00	2 20 44 42	3 04 40 18
27	8 23 45 36	9 07 34 36	9 22 32 18	10 09 09 12	10 27 47 18	11 18 16 42	0 09 36 12	1 00 14 12	1 19 04 36	2 05 52 54	2 20 59 12	3 04 53 42
28	8 23 59 00	9 07 49 00	9 22 48 06	10 09 26 48	10 28 07 00	11 18 37 48	0 09 57 24	1 00 34 00	1 19 22 24	2 06 08 48	2 21 13 36	3 05 07 12
29	8 24 12 24	9 08 03 18	9 23 03 48	10 09 44 30	10 28 26 42	11 18 59 00	0 10 18 36	1 00 53 48	1 19 40 06	2 06 24 36	2 21 28 00	3 05 20 42
30	8 24 25 54	9 08 17 42	9 23 19 36	10 10 02 12	10 28 46 24	11 19 20 12	0 10 39 48	1 01 13 36	1 19 57 48	2 06 40 24	2 21 42 18	3 05 34 06
31	8 24 39 18	9 08 32 00	9 23 35 24	10 10 19 54	10 29 06 12	11 19 41 24	0 11 01 00	1 01 33 18	1 20 15 30	2 06 56 12	2 21 56 42	3 05 47 36
32	8 24 52 48	9 08 46 24	9 23 51 12	10 10 37 36	10 29 26 00	11 20 02 36	0 11 22 12	1 01 53 00	1 20 33 12	2 07 11 54	2 22 11 00	3 06 01 00
33	8 25 06 18	9 09 00 48	9 24 07 06	10 10 55 24	10 29 45 48	11 20 23 48	0 11 43 18	1 02 12 42	1 20 50 48	2 07 27 42	2 22 25 24	3 06 14 24
34	8 25 19 42	9 09 15 18	9 24 23 00	10 11 13 12	11 00 05 42	11 20 45 06	0 12 04 30	1 02 32 24	1 21 08 18	2 07 43 18	2 22 39 36	3 06 27 48
35	8 25 33 12	9 09 29 42	9 24 38 54	10 11 31 06	11 00 25 36	11 21 06 18	0 12 25 36	1 02 52 00	1 21 25 54	2 07 59 00	2 22 53 54	3 06 41 12
36	8 25 46 42	9 09 44 12	9 24 54 48	10 11 49 00	11 00 45 30	11 21 27 36	0 12 46 42	1 03 11 30	1 21 43 24	2 08 14 36	2 23 08 12	3 06 54 36
37	8 26 00 18	9 09 58 42	9 25 10 48	10 12 06 54	11 01 05 24	11 21 48 48	0 13 07 48	1 03 31 06	1 22 00 54	2 08 30 18	2 23 22 24	3 07 07 54
38	8 26 13 48	9 10 13 12	9 25 26 48	10 12 24 48	11 01 25 24	11 22 10 06	0 13 28 54	1 03 50 36	1 22 18 18	2 08 45 48	2 23 36 36	3 07 21 18
39	8 26 27 18	9 10 27 42	9 25 42 48	10 12 42 48	11 01 45 24	11 22 31 24	0 13 49 54	1 04 10 06	1 22 35 42	2 09 01 24	2 23 50 48	3 07 34 42
40	8 26 40 54	9 10 42 18	9 25 58 54	10 13 00 54	11 02 05 30	11 22 52 42	0 14 11 00	1 04 29 30	1 22 53 06	2 09 16 54	2 24 05 00	3 07 48 00
41	8 26 54 30	9 10 56 48	9 26 15 00	10 13 18 54	11 02 25 36	11 23 14 00	0 14 32 00	1 04 48 54	1 23 10 24	2 09 32 24	2 24 19 12	3 08 01 18
42	8 27 08 00	9 11 11 24	9 26 31 06	10 13 37 00	11 02 45 42	11 23 35 18	0 14 53 00	1 05 08 18	1 23 27 42	2 09 47 54	2 24 33 18	3 08 14 36
43	8 27 21 36	9 11 26 06	9 26 47 18	10 13 55 06	11 03 05 48	11 23 56 36	0 15 14 00	1 05 27 36	1 23 45 00	2 10 03 24	2 24 47 30	3 08 27 54
44	8 27 35 12	9 11 40 42	9 27 03 30	10 14 13 18	11 03 26 00	11 24 18 00	0 15 35 00	1 05 47 00	1 24 02 12	2 10 18 48	2 25 01 36	3 08 41 12
45	8 27 48 54	9 11 55 24	9 27 19 42	10 14 31 30	11 03 46 12	11 24 39 18	0 15 55 54	1 06 06 12	1 24 19 24	2 10 34 12	2 25 15 42	3 08 54 30
46	8 28 02 30	9 12 10 00	9 27 35 54	10 14 49 42	11 04 06 24	11 25 00 42	0 16 16 48	1 06 25 30	1 24 36 36	2 10 49 30	2 25 29 48	3 09 07 48
47	8 28 16 12	9 12 24 42	9 27 52 12	10 15 08 00	11 04 26 36	11 25 22 00	0 16 37 42	1 06 44 42	1 24 53 42	2 11 04 54	2 25 43 48	3 09 21 06
48	8 28 29 48	9 12 39 30	9 28 08 30	10 15 26 18	11 04 46 54	11 25 43 24	0 16 58 36	1 07 03 54	1 25 10 48	2 11 20 12	2 25 57 54	3 09 34 18
49	8 28 43 30	9 12 54 12	9 28 24 48	10 15 44 42	11 05 07 12	11 26 04 42	0 17 19 30	1 07 23 00	1 25 27 54	2 11 35 30	2 26 11 54	3 09 47 36
50	8 28 57 12	9 13 09 00	9 28 41 12	10 16 03 00	11 05 27 36	11 26 26 06	0 17 40 24	1 07 42 06	1 25 44 54	2 11 50 48	2 26 25 54	3 10 00 48
51	8 29 10 54	9 13 23 48	9 28 57 36	10 16 21 30	11 05 47 54	11 26 47 30	0 18 01 12	1 08 01 12	1 26 01 54	2 12 06 00	2 26 39 54	3 10 14 00
52	8 29 24 36	9 13 38 36	9 29 14 00	10 16 39 54	11 06 08 18	11 27 08 54	0 18 22 00	1 08 20 12	1 26 18 54	2 12 21 12	2 26 53 54	3 10 27 18
53	8 29 38 18	9 13 53 24	9 29 30 30	10 16 58 24	11 06 28 42	11 27 30 18	0 18 42 48	1 08 39 12	1 26 35 48	2 12 36 24	2 27 07 48	3 10 40 30
54	8 29 52 06	9 14 08 18	9 29 47 00	10 17 16 54	11 06 49 12	11 27 51 36	0 19 03 30	1 08 58 12	1 26 52 42	2 12 51 36	2 27 21 48	3 10 53 42
55	9 00 05 48	9 14 23 12	10 00 03 30	10 17 35 24	11 07 09 36	11 28 13 00	0 19 24 18	1 09 17 06	1 27 09 36	2 13 06 42	2 27 35 42	3 11 06 54
56	9 00 19 36	9 14 38 06	10 00 20 00	10 17 54 00	11 07 30 06	11 28 34 24	0 19 45 00	1 09 36 00	1 27 26 24	2 13 21 48	2 27 49 36	3 11 20 06
57	9 00 33 24	9 14 53 00	10 00 36 36	10 18 12 42	11 07 50 42	11 28 55 48	0 20 05 42	1 09 54 54	1 27 43 12	2 13 36 54	2 28 03 30	3 11 33 12
58	9 00 47 12	9 15 07 54	10 00 53 12	10 18 31 18	11 08 11 12	11 29 17 12	0 20 26 24	1 10 13 42	1 28 00 0	2 13 52 00	2 28 17 24	3 11 46 24
59	9 01 01 00	9 15 22 54	10 01 09 54	10 18 50 00	11 08 31 48	11 29 38 36	0 20 47 00	1 10 32 30	1 28 16 48	2 14 07 06	2 28 31 18	3 11 59 36
60	9 01 14 54	9 15 37 54	10 01 26 30	10 19 08 42	11 08 52 24	0 00 00 00	0 21 07 36	1 10 51 18	1 28 33 30	2 14 22 06	2 28 45 06	3 12 12 42

लग्नसारणी अक्षांश 28° 44 (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 13 12	3 25 10 36	4 07 56 48	4 20 44 48	5 03 41 18	5 16 47 30	6 00 00 00	6 13 12 30	6 26 18 42	7 09 15 12	7 22 03 12	8 04 49 24
1	3 12 26 18	3 25 23 24	4 08 09 36	4 20 57 36	5 03 54 18	5 17 00 42	6 00 13 12	6 13 25 36	6 26 31 42	7 09 28 06	7 22 16 00	8 05 02 18
2	3 12 39 30	3 25 36 12	4 08 22 18	4 21 10 30	5 04 07 18	5 17 13 54	6 00 26 30	6 13 38 48	6 26 44 48	7 09 41 00	7 22 28 42	8 05 15 06
3	3 12 52 36	3 25 49 00	4 08 35 06	4 21 23 18	5 04 20 24	5 17 27 00	6 00 39 42	6 13 52 00	6 26 57 48	7 09 53 48	7 22 41 30	8 05 27 54
4	3 13 05 42	3 26 01 48	4 08 47 48	4 21 36 12	5 04 33 24	5 17 40 12	6 00 52 54	6 14 05 06	6 27 10 48	7 10 06 42	7 22 54 12	8 05 40 42
5	3 13 18 48	3 26 14 36	4 09 00 36	4 21 49 06	5 04 46 24	5 17 53 24	6 01 06 06	6 14 18 18	6 27 23 48	7 10 19 30	7 23 07 00	8 05 53 36
6	3 13 31 54	3 26 27 24	4 09 13 24	4 22 02 00	5 04 59 30	5 18 06 36	6 01 19 24	6 14 31 30	6 27 36 48	7 10 32 24	7 23 19 42	8 06 06 24
7	3 13 45 00	3 26 40 12	4 09 26 06	4 22 14 48	5 05 12 30	5 18 19 48	6 01 32 36	6 14 44 36	6 27 49 48	7 10 45 12	7 23 32 30	8 06 19 18
8	3 13 58 06	3 26 53 00	4 09 38 54	4 22 27 42	5 05 25 36	5 18 32 54	6 01 45 48	6 14 57 48	6 28 02 48	7 10 58 00	7 23 45 18	8 06 32 06
9	3 14 11 12	3 27 05 48	4 09 51 36	4 22 40 36	5 05 38 36	5 18 46 06	6 01 59 00	6 15 10 54	6 28 15 54	7 11 10 54	7 23 58 00	8 06 44 54
10	3 14 24 18	3 27 18 36	4 10 04 24	4 22 53 30	5 05 51 42	5 18 59 18	6 02 12 18	6 15 24 06	6 28 28 54	7 11 23 42	7 24 10 48	8 06 57 48
11	3 14 37 18	3 27 31 24	4 10 17 12	4 23 06 24	5 06 04 42	5 19 12 30	6 02 25 30	6 15 37 12	6 28 41 54	7 11 36 36	7 24 23 30	8 07 10 36
12	3 14 50 24	3 27 44 12	4 10 29 54	4 23 19 18	5 06 17 48	5 19 25 42	6 02 38 42	6 15 50 24	6 28 54 48	7 11 49 24	7 24 36 18	8 07 23 30
13	3 15 03 24	3 27 57 00	4 10 42 42	4 23 32 12	5 06 30 54	5 19 38 54	6 02 51 54	6 16 03 30	6 29 07 48	7 12 02 12	7 24 49 00	8 07 36 24
14	3 15 16 30	3 28 09 48	4 10 55 30	4 23 45 06	5 06 43 54	5 19 52 06	6 03 05 12	6 16 16 42	6 29 20 48	7 12 15 00	7 25 01 48	8 07 49 12
15	3 15 29 30	3 28 22 36	4 11 08 18	4 23 57 54	5 06 57 00	5 20 05 18	6 03 18 24	6 16 29 48	6 29 33 48	7 12 27 54	7 25 14 30	8 08 02 06
16	3 15 42 30	3 28 35 18	4 11 21 00	4 24 10 48	5 07 10 06	5 20 18 30	6 03 31 36	6 16 43 00	6 29 46 48	7 12 40 42	7 25 27 18	8 08 15 00
17	3 15 55 36	3 28 48 06	4 11 33 48	4 24 23 48	5 07 23 06	5 20 31 42	6 03 44 48	6 16 56 06	6 29 59 48	7 12 53 30	7 25 40 00	8 08 27 54
18	3 16 08 36	3 29 00 54	4 11 46 36	4 24 36 42	5 07 36 12	5 20 44 54	6 03 58 06	6 17 09 12	7 00 12 48	7 13 06 18	7 25 52 48	8 08 40 42
19	3 16 21 36	3 29 13 42	4 11 59 24	4 24 49 36	5 07 49 18	5 20 58 06	6 04 11 18	6 17 22 24	7 00 25 42	7 13 19 06	7 26 05 30	8 08 53 36
20	3 16 34 36	3 29 26 24	4 12 12 06	4 25 02 30	5 08 02 24	5 21 11 18	6 04 24 30	6 17 35 30	7 00 38 42	7 13 32 00	7 26 18 18	8 09 06 30
21	3 16 47 36	3 29 39 12	4 12 24 54	4 25 15 24	5 08 15 30	5 21 24 30	6 04 37 42	6 17 48 36	7 00 51 42	7 13 44 48	7 26 31 06	8 09 19 24
22	3 17 00 36	3 29 52 00	4 12 37 42	4 25 28 18	5 08 28 30	5 21 37 42	6 04 50 54	6 18 01 48	7 01 04 36	7 13 57 36	7 26 43 48	8 09 32 18
23	3 17 13 36	4 00 04 48	4 12 50 30	4 25 41 12	5 08 41 36	5 21 50 54	6 05 04 12	6 18 14 54	7 01 17 36	7 14 10 24	7 26 56 36	8 09 45 12
24	3 17 26 36	4 00 17 30	4 13 03 18	4 25 54 12	5 08 54 42	5 22 04 06	6 05 17 24	6 18 28 00	7 01 30 36	7 14 23 12	7 27 09 18	8 09 58 06
25	3 17 39 30	4 00 30 18	4 13 16 00	4 26 07 06	5 09 07 48	5 22 17 18	6 05 30 36	6 18 41 06	7 01 43 30	7 14 36 00	7 27 22 06	8 10 11 00
26	3 17 52 30	4 00 43 06	4 13 28 48	4 26 20 00	5 09 20 54	5 22 30 30	6 05 43 48	6 18 54 12	7 01 56 30	7 14 48 48	7 27 34 48	8 10 24 00
27	3 18 05 30	4 00 55 48	4 13 41 36	4 26 32 54	5 09 34 00	5 22 43 42	6 05 57 00	6 19 07 24	7 02 09 24	7 15 01 36	7 27 47 36	8 10 36 54
28	3 18 18 24	4 01 08 36	4 13 54 24	4 26 45 54	5 09 47 06	5 22 56 54	6 06 10 12	6 19 20 30	7 02 22 24	7 15 14 24	7 28 00 24	8 10 49 48
29	3 18 31 24	4 01 21 24	4 14 07 12	4 26 58 48	5 10 00 12	5 23 10 06	6 06 23 24	6 19 33 36	7 02 35 18	7 15 27 12	7 28 13 06	8 11 02 48
30	3 18 44 18	4 01 34 06	4 14 20 00	4 27 11 42	5 10 13 18	5 23 23 18	6 06 36 42	6 19 46 42	7 02 48 18	7 15 40 00	7 28 25 54	8 11 15 42
31	3 18 57 12	4 01 46 54	4 14 32 48	4 27 24 42	5 10 26 24	5 23 36 36	6 06 49 54	6 19 59 48	7 03 01 12	7 15 52 48	7 28 38 36	8 11 28 36
32	3 19 10 12	4 01 59 36	4 14 45 36	4 27 37 36	5 10 39 30	5 23 49 48	6 07 03 06	6 20 12 54	7 03 14 06	7 16 05 36	7 28 51 24	8 11 41 36
33	3 19 23 06	4 02 12 24	4 14 58 24	4 27 50 36	5 10 52 36	5 24 03 00	6 07 16 18	6 20 26 00	7 03 27 06	7 16 18 24	7 29 04 12	8 11 54 30
34	3 19 36 00	4 02 25 12	4 15 11 12	4 28 03 30	5 11 05 48	5 24 16 12	6 07 29 30	6 20 39 06	7 03 40 00	7 16 31 12	7 29 16 54	8 12 07 30
35	3 19 49 00	4 02 37 54	4 15 24 00	4 28 16 30	5 11 18 54	5 24 29 24	6 07 42 42	6 20 52 12	7 03 52 54	7 16 44 00	7 29 29 42	8 12 20 30
36	3 20 01 54	4 02 50 42	4 15 36 48	4 28 29 24	5 11 32 00	5 24 42 36	6 07 55 54	6 21 05 18	7 04 05 48	7 16 56 42	7 29 42 30	8 12 33 24
37	3 20 14 48	4 03 03 24	4 15 49 36	4 28 42 24	5 11 45 06	5 24 55 48	6 08 09 06	6 21 18 24	7 04 18 48	7 17 09 30	7 29 55 12	8 12 46 24
38	3 20 27 42	4 03 16 12	4 16 02 24	4 28 55 24	5 11 58 12	5 25 09 06	6 08 22 18	6 21 31 30	7 04 31 42	7 17 22 18	8 00 08 00	8 12 59 24
39	3 20 40 36	4 03 28 54	4 16 15 12	4 29 08 18	5 12 11 24	5 25 22 18	6 08 35 30	6 21 44 30	7 04 44 36	7 17 35 06	8 00 20 48	8 13 12 24
40	3 20 53 30	4 03 41 42	4 16 28 00	4 29 21 18	5 12 24 30	5 25 35 30	6 08 48 42	6 21 57 36	7 04 57 30	7 17 47 54	8 00 33 36	8 13 25 24
41	3 21 06 24	4 03 54 30	4 16 40 54	4 29 34 18	5 12 37 36	5 25 48 42	6 09 01 54	6 22 10 42	7 05 10 24	7 18 00 36	8 00 46 18	8 13 38 24
42	3 21 19 18	4 04 07 12	4 16 53 42	4 29 47 12	5 12 50 48	5 26 01 54	6 09 15 06	6 22 23 48	7 05 23 18	7 18 13 24	8 00 59 06	8 13 51 24
43	3 21 32 06	4 04 20 00	4 17 06 30	5 00 00 12	5 13 03 54	5 26 15 12	6 09 28 18	6 22 36 54	7 05 36 12	7 18 26 12	8 01 11 54	8 14 04 24
44	3 21 45 00	4 04 32 42	4 17 19 18	5 00 13 12	5 13 17 00	5 26 28 24	6 09 41 30	6 22 49 54	7 05 49 12	7 18 39 00	8 01 24 42	8 14 17 30
45	3 21 57 54	4 04 45 30	4 17 32 06	5 00 26 12	5 13 30 12	5 26 41 36	6 09 54 42	6 23 03 00	7 06 02 06	7 18 51 42	8 01 37 24	8 14 30 30
46	3 22 10 48	4 04 58 12	4 17 45 00	5 00 39 12	5 13 43 18	5 26 54 48	6 10 07 54	6 23 16 06	7 06 14 54	7 19 04 30	8 01 50 12	8 14 43 30
47	3 22 23 36	4 05 11 00	4 17 57 48	5 00 52 12	5 13 56 30	5 27 08 06	6 10 21 06	6 23 29 06	7 06 27 48	7 19 17 18	8 02 03 00	8 14 56 36
48	3 22 36 30	4 05 23 42	4 18 10 36	5 01 05 12	5 14 09 36	5 27 21 18	6 10 34 18	6 23 42 12	7 06 40 42	7 19 30 06	8 02 15 48	8 15 09 36
49	3 22 49 24	4 05 36 30	4 18 23 24	5 01 18 06	5 14 22 48	5 27 34 30	6 10 47 30	6 23 55 18	7 06 53 36	7 19 42 48	8 02 28 36	8 15 22 42
50	3 23 02 12	4 05 49 12	4 18 36 18	5 01 31 06	5 14 35 54	5 27 47 42	6 11 00 42	6 24 08 18	7 07 06 30	7 19 55 36	8 02 41 24	8 15 35 42
51	3 23 15 06	4 06 02 00	4 18 49 06	5 01 44 06	5 14 49 06	5 28 01 00	6 11 13 54	6 24 21 24	7 07 19 24	7 20 08 24	8 02 54 12	8 15 48 48
52	3 23 27 54	4 06 14 42	4 19 02 00	5 01 57 12	5 15 02 12	5 28 14 12	6 11 27 06	6 24 34 24	7 07 32 18	7 20 21 06	8 03 07 00	8 16 01 54
53	3 23 40 42	4 06 27 30	4 19 14 48	5 02 10 12	5 15 15 24	5 28 27 24	6 11 40 12	6 24 47 30	7 07 45 12	7 20 33 54	8 03 19 48	8 16 15 00
54	3 23 53 36	4 06 40 18	4 19 27 36	5 02 23 12	5 15 28 30	5 28 40 36	6 11 53 24	6 25 00 30	7 07 58 00	7 20 46 36	8 03 32 36	8 16 28 06
55	3 24 06 24	4 06 53 00	4 19 40 30	5 02 36 12	5 15 41 42	5 28 53 54	6 12 06 36	6 25 13 36	7 08 10 54	7 20 59 24	8 03 45 24	8 16 41 12
56	3 24 19 18	4 07 05 48	4 19 53 18	5 02 49 12	5 15 54 54	5 29 07 06	6 12 19 48	6 25 26 36	7 08 23 48	7 21 12 12	8 03 58 12	8 16 54 18
57	3 24 32 06	4 07 18 30	4 20 06 12	5 03 02 12	5 16 08 00	5 29 20 18	6 12 33 00	6 25 39 36	7 08 36 42	7 21 24 54	8 04 11 00	8 17 07 24
58	3 24 44 54	4 07 31 18	4 20 19 00	5 03 15 12	5 16 21 12	5 29 33 30	6 12 46 06	6 25 52 42	7 08 49 30	7 21 37 42	8 04 23 48	8 17 20 30
59	3 24 57 42	4 07 44 00	4 20 31 54	5 03 28 18	5 16 34 24	5 29 46 48	6 12 59 18	6 26 05 42	7 09 02 24	7 21 50 24	8 04 36 36	8 17 33 42
60	3 25 10 36	4 07 56 48	4 20 44 48	5 03 41 18	5 16 47 30	6 00 00 00	6 13 12 30	6 26 18 42	7 09 15 12	7 22 03 12	8 04 49 24	8 17 46 48

लग्नसारणी अक्षांश 28 44 (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	12 घ.	13 घ.	14 घ.	15 घ.	16 घ.	17 घ.	18 घ.	19 घ.	20 घ.	21 घ.	22 घ.	23 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	8 17 46 48	9 01 14 18	9 15 37 24	10 01 26 00	10 19 08 18	11 08 52 06	0 00 00 00	0 21 07 54	1 10 51 42	1 28 34 00	2 14 22 36	2 28 45 42
1	8 17 60 00	9 01 28 12	9 15 52 24	10 01 42 42	10 19 27 00	11 09 12 42	0 00 21 24	0 21 28 30	1 11 10 24	1 28 50 42	2 14 37 36	2 28 59 30
2	8 18 13 06	9 01 42 06	9 16 07 24	10 01 59 30	10 19 45 48	11 09 33 24	0 00 42 48	0 21 49 06	1 11 29 06	1 29 07 18	2 14 52 36	2 29 13 18
3	8 18 26 18	9 01 55 54	9 16 22 30	10 02 16 12	10 20 04 42	11 09 54 06	0 01 04 12	0 22 09 36	1 11 47 48	1 29 23 54	2 15 07 36	2 29 27 06
4	8 18 39 30	9 02 09 48	9 16 37 36	10 02 33 00	10 20 23 30	11 10 14 48	0 01 25 36	0 22 30 06	1 12 06 24	1 29 40 30	2 15 22 30	2 29 40 54
5	8 18 52 36	9 02 23 42	9 16 52 42	10 02 49 54	10 20 42 24	11 10 35 30	0 01 47 00	0 22 50 36	1 12 25 00	1 29 57 06	2 15 37 24	2 29 54 42
6	8 19 05 48	9 02 37 42	9 17 07 54	10 03 06 48	10 21 01 24	11 10 56 12	0 02 08 24	0 23 11 06	1 12 43 36	2 00 13 36	2 15 52 18	3 00 08 24
7	8 19 19 00	9 02 51 36	9 17 23 00	10 03 23 42	10 21 20 24	11 11 17 00	0 02 29 48	0 23 31 36	1 13 02 06	2 00 30 06	2 16 07 06	3 00 22 12
8	8 19 32 12	9 03 05 36	9 17 38 12	10 03 40 36	10 21 39 24	11 11 37 48	0 02 51 12	0 23 52 00	1 13 20 36	2 00 46 30	2 16 22 00	3 00 35 54
9	8 19 45 30	9 03 19 36	9 17 53 24	10 03 57 36	10 21 58 24	11 11 58 36	0 03 12 30	0 24 12 24	1 13 39 00	2 01 03 00	2 16 36 48	3 00 49 36
10	8 19 58 42	9 03 33 30	9 18 08 42	10 04 14 36	10 22 17 30	11 12 19 24	0 03 33 54	0 24 32 42	1 13 57 24	2 01 19 24	2 16 51 36	3 01 03 18
11	8 20 11 54	9 03 47 36	9 18 24 00	10 04 31 36	10 22 36 36	11 12 40 18	0 03 55 18	0 24 53 06	1 14 15 48	2 01 35 42	2 17 06 18	3 01 17 00
12	8 20 25 12	9 04 01 36	9 18 39 12	10 04 48 42	10 22 55 42	11 13 01 06	0 04 16 42	0 25 13 24	1 14 34 06	2 01 52 06	2 17 21 06	3 01 30 42
13	8 20 38 24	9 04 15 36	9 18 54 36	10 05 05 48	10 23 14 54	11 13 22 00	0 04 38 00	0 25 33 42	1 14 52 30	2 02 08 24	2 17 35 48	3 01 44 24
14	8 20 51 42	9 04 29 42	9 19 09 54	10 05 22 54	10 23 34 06	11 13 43 00	0 04 59 24	0 25 53 54	1 15 10 42	2 02 24 36	2 17 50 30	3 01 58 00
15	8 21 05 00	9 04 43 48	9 19 25 18	10 05 40 06	10 23 53 24	11 14 03 54	0 05 20 42	0 26 14 12	1 15 29 00	2 02 40 54	2 18 05 12	3 02 11 42
16	8 21 18 18	9 04 57 54	9 19 40 42	10 05 57 18	10 24 12 36	11 14 24 54	0 05 42 06	0 26 34 18	1 15 47 12	2 02 57 06	2 18 19 54	3 02 25 18
17	8 21 31 36	9 05 12 00	9 19 56 06	10 06 14 30	10 24 32 00	11 14 45 48	0 06 03 24	0 26 54 30	1 16 05 18	2 03 13 18	2 18 34 30	3 02 38 54
18	8 21 44 54	9 05 26 06	9 20 11 30	10 06 31 48	10 24 51 18	11 15 06 48	0 06 24 48	0 27 14 42	1 16 23 30	2 03 29 24	2 18 49 06	3 02 52 30
19	8 21 58 12	9 05 40 18	9 20 27 00	10 06 49 06	10 25 10 42	11 15 27 48	0 06 46 06	0 27 34 48	1 16 41 36	2 03 45 30	2 19 03 42	3 03 06 06
20	8 22 11 30	9 05 54 24	9 20 42 30	10 07 06 24	10 25 30 06	11 15 48 54	0 07 07 24	0 27 54 48	1 16 59 36	2 04 01 36	2 19 18 18	3 03 19 36
21	8 22 24 48	9 06 08 36	9 20 58 06	10 07 23 48	10 25 49 30	11 16 09 54	0 07 28 42	0 28 14 54	1 17 17 36	2 04 17 42	2 19 32 48	3 03 33 12
22	8 22 38 12	9 06 22 48	9 21 13 36	10 07 41 12	10 26 09 00	11 16 31 00	0 07 50 00	0 28 34 54	1 17 35 36	2 04 33 42	2 19 47 24	3 03 46 42
23	8 22 51 30	9 06 37 00	9 21 29 12	10 07 58 36	10 26 28 30	11 16 52 06	0 08 11 18	0 28 54 54	1 17 53 36	2 04 49 42	2 20 01 54	3 04 00 18
24	8 23 04 54	9 06 51 18	9 21 44 48	10 08 16 06	10 26 48 06	11 17 13 06	0 08 32 30	0 29 14 54	1 18 11 30	2 05 05 42	2 20 16 24	3 04 13 48
25	8 23 18 18	9 07 05 30	9 22 00 24	10 08 33 36	10 27 07 42	11 17 34 18	0 08 53 48	0 29 34 48	1 18 29 24	2 05 21 42	2 20 30 48	3 04 27 18
26	8 23 31 42	9 07 19 48	9 22 16 06	10 08 51 12	10 27 27 18	11 17 55 24	0 09 15 06	0 29 54 42	1 18 47 18	2 05 37 36	2 20 45 18	3 04 40 48
27	8 23 45 06	9 07 34 06	9 22 31 48	10 09 08 42	10 27 46 54	11 18 16 30	0 09 36 18	1 00 14 36	1 19 05 06	2 05 53 30	2 20 59 42	3 04 54 18
28	8 23 58 30	9 07 48 24	9 22 47 30	10 09 26 18	10 28 06 36	11 18 37 42	0 09 57 30	1 00 34 24	1 19 22 54	2 06 09 18	2 21 14 06	3 05 07 42
29	8 24 11 54	9 08 02 48	9 23 03 18	10 09 44 00	10 28 26 18	11 18 58 54	0 10 18 42	1 00 54 12	1 19 40 36	2 06 25 12	2 21 28 30	3 05 21 12
30	8 24 25 24	9 08 17 06	9 23 19 00	10 10 01 42	10 28 46 00	11 19 20 06	0 10 39 54	1 01 14 00	1 19 58 18	2 06 41 00	2 21 42 54	3 05 34 36
31	8 24 38 48	9 08 31 30	9 23 34 48	10 10 19 24	10 29 05 48	11 19 41 18	0 11 01 06	1 01 33 42	1 20 16 00	2 06 56 42	2 21 57 12	3 05 48 06
32	8 24 52 18	9 08 45 54	9 23 50 42	10 10 37 06	10 29 25 36	11 20 02 30	0 11 22 18	1 01 53 24	1 20 33 42	2 07 12 30	2 22 11 36	3 06 01 30
33	8 25 05 42	9 09 00 18	9 24 06 30	10 10 54 54	10 29 45 24	11 20 23 42	0 11 43 30	1 02 13 06	1 20 51 18	2 07 28 12	2 22 25 54	3 06 14 54
34	8 25 19 12	9 09 14 42	9 24 22 24	10 11 12 42	11 00 05 18	11 20 44 54	0 12 04 36	1 02 32 42	1 21 08 48	2 07 43 54	2 22 40 12	3 06 28 18
35	8 25 32 42	9 09 29 12	9 24 38 18	10 11 30 36	11 00 25 12	11 21 06 12	0 12 25 42	1 02 52 18	1 21 26 24	2 07 59 36	2 22 54 30	3 06 41 42
36	8 25 46 12	9 09 43 36	9 24 54 18	10 11 48 30	11 00 45 06	11 21 27 30	0 12 46 54	1 03 11 54	1 21 43 54	2 08 15 12	2 23 08 42	3 06 55 06
37	8 25 59 42	9 09 58 06	9 25 10 18	10 12 06 24	11 01 05 06	11 21 48 42	0 13 07 54	1 03 31 30	1 22 01 24	2 08 30 48	2 23 23 00	3 07 08 30
38	8 26 13 18	9 10 12 36	9 25 26 18	10 12 24 24	11 01 25 06	11 22 10 00	0 13 29 00	1 03 51 00	1 22 18 48	2 08 46 24	2 23 37 12	3 07 21 48
39	8 26 26 48	9 10 27 12	9 25 42 18	10 12 42 24	11 01 45 06	11 22 31 18	0 13 50 06	1 04 10 30	1 22 36 12	2 09 01 54	2 23 51 24	3 07 35 12
40	8 26 40 24	9 10 41 42	9 25 58 24	10 13 00 24	11 02 05 12	11 22 52 36	0 14 11 06	1 04 29 54	1 22 53 36	2 09 17 30	2 24 05 36	3 07 48 30
41	8 26 53 54	9 10 56 18	9 26 14 30	10 13 18 24	11 02 25 12	11 23 13 54	0 14 32 12	1 04 49 18	1 23 10 54	2 09 33 00	2 24 19 42	3 08 01 48
42	8 27 07 30	9 11 10 54	9 26 30 36	10 13 36 30	11 02 45 18	11 23 35 12	0 14 53 12	1 05 08 42	1 23 28 12	2 09 48 30	2 24 33 54	3 08 15 06
43	8 27 21 06	9 11 25 30	9 26 46 42	10 13 54 42	11 03 05 30	11 23 56 36	0 15 14 12	1 05 28 00	1 23 45 30	2 10 03 54	2 24 48 00	3 08 28 24
44	8 27 34 42	9 11 40 06	9 27 02 54	10 14 12 48	11 03 25 42	11 24 17 54	0 15 35 06	1 05 47 24	1 24 02 42	2 10 19 18	2 25 02 06	3 08 41 42
45	8 27 48 18	9 11 54 48	9 27 19 06	10 14 31 00	11 03 45 48	11 24 39 18	0 15 56 06	1 06 06 36	1 24 19 54	2 10 34 42	2 25 16 12	3 08 55 00
46	8 28 02 00	9 12 09 30	9 27 35 24	10 14 49 18	11 04 06 06	11 25 00 36	0 16 17 00	1 06 25 54	1 24 37 06	2 10 50 06	2 25 30 18	3 09 08 18
47	8 28 15 36	9 12 24 12	9 27 51 36	10 15 07 30	11 04 26 18	11 25 22 00	0 16 38 00	1 06 45 06	1 24 54 12	2 11 05 24	2 25 44 24	3 09 21 36
48	8 28 29 18	9 12 38 54	9 28 07 54	10 15 25 54	11 04 46 36	11 25 43 18	0 16 58 54	1 07 04 18	1 25 11 18	2 11 20 48	2 25 58 24	3 09 34 48
49	8 28 43 00	9 12 53 42	9 28 24 18	10 15 44 12	11 05 06 54	11 26 04 42	0 17 19 42	1 07 23 24	1 25 28 24	2 11 36 00	2 26 12 24	3 09 48 06
50	8 28 56 42	9 13 08 24	9 28 40 36	10 16 02 36	11 05 27 18	11 26 26 06	0 17 40 36	1 07 42 30	1 25 45 24	2 11 51 18	2 26 26 30	3 10 01 18
51	8 29 10 24	9 13 23 12	9 28 57 00	10 16 21 00	11 05 47 36	11 26 47 30	0 18 01 24	1 08 01 36	1 26 02 24	2 12 06 36	2 26 40 24	3 10 14 30
52	8 29 24 06	9 13 38 00	9 29 13 30	10 16 39 24	11 06 08 00	11 27 08 48	0 18 22 12	1 08 20 36	1 26 19 24	2 12 21 48	2 26 54 24	3 10 27 48
53	8 29 37 48	9 13 52 54	9 29 29 54	10 16 57 54	11 06 28 24	11 27 30 12	0 18 43 00	1 08 39 36	1 26 36 18	2 12 37 00	2 27 08 24	3 10 41 00
54	8 29 51 36	9 14 07 42	9 29 46 24	10 17 16 24	11 06 48 54	11 27 51 36	0 19 03 48	1 08 58 36	1 26 53 12	2 12 52 06	2 27 22 18	3 10 54 12
55	9 00 05 18	9 14 22 36	10 00 02 54	10 17 35 00	11 07 09 24	11 28 13 00	0 19 24 30	1 09 17 36	1 27 10 06	2 13 07 18	2 27 36 18	3 11 07 24
56	9 00 19 06	9 14 37 30	10 00 19 30	10 17 53 36	11 07 29 54	11 28 34 24	0 19 45 12	1 09 36 30	1 27 27 00	2 13 22 24	2 27 50 12	3 11 20 30
57	9 00 32 54	9 14 52 24	10 00 36 06	10 18 12 12	11 07 50 24	11 28 55 48	0 20 05 54	1 09 55 18	1 27 43 48	2 13 37 30	2 28 04 06	3 11 33 42
58	9 00 46 42	9 15 07 24	10 00 52 42	10 18 30 54	11 08 10 54	11 29 17 12	0 20 26 36	1 10 14 12	1 28 00 30	2 13 52 36	2 28 17 54	3 11 46 54
59	9 01 00 30	9 15 22 24	10 01 09 18	10 18 49 36	11 08 31 30	11 29 38 36	0 20 47 18	1 10 33 00	1 28 17 18	2 14 07 36	2 28 31 48	3 12 00 0
60	9 01 14 18	9 15 37 24	10 01 26 00	10 19 08 18	11 08 52 06	0 00 00 00	0 21 07 54	1 10 51 42	1 28 34 00	2 14 22 36	2 28 45 42	3 12 13 12

लग्नसारणी अक्षांश 28° 45′ (उ.)

(दिल्ली के लिए)

Sidereal Time — साम्पातिक काल

Minute	0 घ.	1 घ.	2 घ.	3 घ.	4 घ.	5 घ.	6 घ.	7 घ.	8 घ.	9 घ.	10 घ.	11 घ.
	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
0	3 12 13 42	3 25 11 00	4 07 57 12	4 20 45 06	5 03 41 30	5 16 47 36	6 00 00 00	6 13 12 24	6 26 18 30	7 09 14 54	7 22 02 48	8 04 49 00
1	3 12 26 48	3 25 23 48	4 08 09 54	4 20 57 54	5 03 54 30	5 17 00 48	6 00 13 12	6 13 25 30	6 26 31 30	7 09 27 48	7 22 15 36	8 05 01 48
2	3 12 40 00	3 25 36 36	4 08 22 42	4 21 10 48	5 04 07 30	5 17 14 00	6 00 26 30	6 13 38 42	6 26 44 36	7 09 40 42	7 22 28 18	8 05 14 36
3	3 12 53 06	3 25 49 24	4 08 35 24	4 21 23 36	5 04 20 36	5 17 27 06	6 00 39 42	6 13 51 54	6 26 57 36	7 09 53 30	7 22 41 06	8 05 27 30
4	3 13 06 12	3 26 02 12	4 08 48 12	4 21 36 30	5 04 33 36	5 17 40 18	6 00 52 54	6 14 05 00	6 27 10 36	7 10 06 24	7 22 53 54	8 05 40 18
5	3 13 19 18	3 26 15 00	4 09 01 00	4 21 49 24	5 04 46 36	5 17 53 30	6 01 06 06	6 14 18 12	6 27 23 36	7 10 19 12	7 23 06 36	8 05 53 06
6	3 13 32 24	3 26 27 54	4 09 13 42	4 22 02 12	5 04 59 42	5 18 06 42	6 01 19 18	6 14 31 24	6 27 36 36	7 10 32 06	7 23 19 24	8 06 06 00
7	3 13 45 30	3 26 40 42	4 09 26 30	4 22 15 06	5 05 12 42	5 18 19 54	6 01 32 36	6 14 44 30	6 27 49 36	7 10 44 54	7 23 32 06	8 06 18 48
8	3 13 58 36	3 26 53 30	4 09 39 12	4 22 28 00	5 05 25 48	5 18 33 00	6 01 45 48	6 14 57 42	6 28 02 36	7 10 57 42	7 23 44 54	8 06 31 42
9	3 14 11 42	3 27 06 12	4 09 52 00	4 22 40 54	5 05 38 48	5 18 46 12	6 01 59 00	6 15 10 48	6 28 15 36	7 11 10 36	7 23 57 36	8 06 44 30
10	3 14 24 42	3 27 19 00	4 10 04 48	4 22 53 48	5 05 51 54	5 18 59 24	6 02 12 12	6 15 24 00	6 28 28 36	7 11 23 24	7 24 10 24	8 06 57 18
11	3 14 37 48	3 27 31 48	4 10 17 30	4 23 06 36	5 06 04 54	5 19 12 36	6 02 25 30	6 15 37 06	6 28 41 36	7 11 36 12	7 24 23 06	8 07 10 12
12	3 14 50 54	3 27 44 36	4 10 30 18	4 23 19 30	5 06 18 00	5 19 25 48	6 02 38 42	6 15 50 18	6 28 54 36	7 11 49 06	7 24 35 54	8 07 23 06
13	3 15 03 54	3 27 57 24	4 10 43 06	4 23 32 24	5 06 31 00	5 19 39 00	6 02 51 54	6 16 03 24	6 29 07 36	7 12 01 54	7 24 48 36	8 07 35 54
14	3 15 17 00	3 28 10 12	4 10 55 48	4 23 45 18	5 06 44 06	5 19 52 12	6 03 05 06	6 16 16 36	6 29 20 36	7 12 14 42	7 25 01 24	8 07 48 48
15	3 15 30 00	3 28 23 00	4 11 08 36	4 23 58 12	5 06 57 12	5 20 05 24	6 03 18 24	6 16 29 42	6 29 33 36	7 12 27 36	7 25 14 06	8 08 01 42
16	3 15 43 00	3 28 35 48	4 11 21 24	4 24 11 06	5 07 10 12	5 20 18 30	6 03 31 36	6 16 42 48	6 29 46 36	7 12 40 24	7 25 26 54	8 08 14 30
17	3 15 56 00	3 28 48 30	4 11 34 12	4 24 24 00	5 07 23 18	5 20 31 42	6 03 44 48	6 16 56 00	6 29 59 30	7 12 53 12	7 25 39 36	8 08 27 24
18	3 16 09 06	3 29 01 18	4 11 46 54	4 24 36 54	5 07 36 24	5 20 44 54	6 03 58 00	6 17 09 06	7 00 12 30	7 13 06 00	7 25 52 24	8 08 40 18
19	3 16 22 06	3 29 14 06	4 11 59 42	4 24 49 48	5 07 49 30	5 20 58 06	6 04 11 12	6 17 22 12	7 00 25 30	7 13 18 48	7 26 05 12	8 08 53 12
20	3 16 35 06	3 29 26 54	4 12 12 30	4 25 02 42	5 08 02 30	5 21 11 18	6 04 24 30	6 17 35 24	7 00 38 30	7 13 31 36	7 26 17 54	8 09 06 06
21	3 16 48 06	3 29 39 36	4 12 25 18	4 25 15 42	5 08 15 36	5 21 24 30	6 04 37 42	6 17 48 30	7 00 51 24	7 13 44 30	7 26 30 42	8 09 19 00
22	3 17 01 06	3 29 52 24	4 12 38 00	4 25 28 36	5 08 28 42	5 21 37 42	6 04 50 54	6 18 01 36	7 01 04 24	7 13 57 18	7 26 43 24	8 09 31 54
23	3 17 14 00	4 00 05 12	4 12 50 48	4 25 41 30	5 08 41 48	5 21 50 54	6 05 04 06	6 18 14 42	7 01 17 24	7 14 10 06	7 26 56 12	8 09 44 48
24	3 17 27 00	4 00 17 54	4 13 03 36	4 25 54 24	5 08 54 54	5 22 04 06	6 05 17 18	6 18 27 54	7 01 30 18	7 14 22 54	7 27 08 54	8 09 57 42
25	3 17 40 00	4 00 30 42	4 13 16 24	4 26 07 18	5 09 08 00	5 22 17 18	6 05 30 30	6 18 41 00	7 01 43 18	7 14 35 42	7 27 21 42	8 10 10 36
26	3 17 53 00	4 00 43 30	4 13 29 12	4 26 20 18	5 09 21 06	5 22 30 36	6 05 43 48	6 18 54 06	7 01 56 12	7 14 48 30	7 27 34 24	8 10 23 30
27	3 18 05 54	4 00 56 12	4 13 42 00	4 26 33 12	5 09 34 12	5 22 43 48	6 05 57 00	6 19 07 12	7 02 09 12	7 15 01 18	7 27 47 12	8 10 36 24
28	3 18 18 54	4 01 09 00	4 13 54 42	4 26 46 06	5 09 47 18	5 22 57 00	6 06 10 12	6 19 20 18	7 02 22 06	7 15 14 06	7 27 60 00	8 10 49 24
29	3 18 31 48	4 01 21 48	4 14 07 30	4 26 59 06	5 10 00 24	5 23 10 12	6 06 23 24	6 19 33 24	7 02 35 06	7 15 26 54	7 28 12 42	8 11 02 18
30	3 18 44 48	4 01 34 30	4 14 20 18	4 27 12 00	5 10 13 30	5 23 23 24	6 06 36 36	6 19 46 30	7 02 48 00	7 15 39 42	7 28 25 30	8 11 15 12
31	3 18 57 42	4 01 47 18	4 14 33 06	4 27 24 54	5 10 26 36	5 23 36 36	6 06 49 48	6 19 59 36	7 03 00 54	7 15 52 30	7 28 38 12	8 11 28 12
32	3 19 10 36	4 02 00 0	4 14 45 54	4 27 37 54	5 10 39 42	5 23 49 48	6 07 03 00	6 20 12 42	7 03 13 54	7 16 05 18	7 28 51 00	8 11 41 06
33	3 19 23 36	4 02 12 48	4 14 58 42	4 27 50 48	5 10 52 48	5 24 03 00	6 07 16 12	6 20 25 48	7 03 26 48	7 16 18 00	7 29 03 48	8 11 54 06
34	3 19 36 30	4 02 25 36	4 15 11 30	4 28 03 48	5 11 05 54	5 24 16 12	6 07 29 24	6 20 38 54	7 03 39 42	7 16 30 48	7 29 16 30	8 12 07 00
35	3 19 49 24	4 02 38 18	4 15 24 18	4 28 16 42	5 11 19 00	5 24 29 30	6 07 42 42	6 20 52 00	7 03 52 42	7 16 43 36	7 29 29 18	8 12 20 00
36	3 20 02 18	4 02 51 06	4 15 37 06	4 28 29 42	5 11 32 06	5 24 42 42	6 07 55 54	6 21 05 06	7 04 05 36	7 16 56 24	7 29 42 06	8 12 33 00
37	3 20 15 12	4 03 03 48	4 15 49 54	4 28 42 36	5 11 45 18	5 24 55 54	6 08 09 06	6 21 18 12	7 04 18 30	7 17 09 12	7 29 54 48	8 12 46 00
38	3 20 28 06	4 03 16 36	4 16 02 42	4 28 55 36	5 11 58 24	5 25 09 06	6 08 22 18	6 21 31 18	7 04 31 24	7 17 22 00	8 00 07 36	8 12 58 54
39	3 20 41 00	4 03 29 18	4 16 15 30	4 29 08 36	5 12 11 30	5 25 22 18	6 08 35 30	6 21 44 24	7 04 44 18	7 17 34 42	8 00 20 24	8 13 11 54
40	3 20 53 54	4 03 42 06	4 16 28 24	4 29 21 30	5 12 24 36	5 25 35 30	6 08 48 42	6 21 57 30	7 04 57 18	7 17 47 30	8 00 33 06	8 13 24 54
41	3 21 06 48	4 03 54 48	4 16 41 12	4 29 34 30	5 12 37 48	5 25 48 48	6 09 01 54	6 22 10 30	7 05 10 12	7 18 00 18	8 00 45 54	8 13 37 54
42	3 21 19 42	4 04 07 36	4 16 54 00	4 29 47 30	5 12 50 54	5 26 02 00	6 09 15 06	6 22 23 36	7 05 23 06	7 18 13 06	8 00 58 42	8 13 50 54
43	3 21 32 36	4 04 20 24	4 17 06 48	5 00 00 30	5 13 04 00	5 26 15 12	6 09 28 18	6 22 36 42	7 05 36 00	7 18 25 48	8 01 11 30	8 14 04 00
44	3 21 45 30	4 04 33 06	4 17 19 36	5 00 13 24	5 13 17 12	5 26 28 24	6 09 41 30	6 22 49 48	7 05 48 54	7 18 38 36	8 01 24 12	8 14 17 00
45	3 21 58 18	4 04 45 54	4 17 32 24	5 00 26 24	5 13 30 18	5 26 41 36	6 09 54 36	6 23 02 48	7 06 01 48	7 18 51 24	8 01 37 00	8 14 30 00
46	3 22 11 12	4 04 58 36	4 17 45 18	5 00 39 24	5 13 43 24	5 26 54 54	6 10 07 48	6 23 15 54	7 06 14 42	7 19 04 12	8 01 49 48	8 14 43 00
47	3 22 24 06	4 05 11 24	4 17 58 06	5 00 52 24	5 13 56 36	5 27 08 06	6 10 21 00	6 23 29 00	7 06 27 36	7 .9 16 54	8 02 02 36	8 14 56 06
48	3 22 36 54	4 05 24 06	4 18 10 54	5 01 05 24	5 14 09 42	5 27 21 18	6 10 34 12	6 23 42 00	7 06 40 30	7 19 29 42	8 02 15 24	8 15 09 06
49	3 22 49 48	4 05 36 54	4 18 23 48	5 01 18 24	5 14 22 54	5 27 34 30	6 10 47 24	6 23 55 06	7 06 53 24	7 19 42 30	8 02 28 12	8 15 22 12
50	3 23 02 42	4 05 49 36	4 18 36 36	5 01 31 24	5 14 36 00	5 27 47 48	6 11 00 36	6 24 08 06	7 07 06 12	7 19 55 12	8 02 41 00	8 15 35 18
51	3 23 15 30	4 06 02 24	4 18 49 24	5 01 44 24	5 14 49 12	5 28 01 00	6 11 13 48	6 24 21 12	7 07 19 06	7 20 08 00	8 02 53 48	8 15 48 18
52	3 23 28 18	4 06 15 06	4 19 02 18	5 01 57 24	5 15 02 18	5 28 14 12	6 11 27 00	6 24 34 12	7 07 32 00	7 20 20 48	8 03 06 30	8 16 01 24
53	3 23 41 12	4 06 27 54	4 19 15 06	5 02 10 24	5 15 15 30	5 28 27 24	6 11 40 06	6 24 47 18	7 07 44 54	7 20 33 30	8 03 19 18	8 16 14 30
54	3 23 54 00	4 06 40 36	4 19 27 54	5 02 23 24	5 15 28 36	5 28 40 42	6 11 53 18	6 25 00 18	7 07 57 48	7 20 46 18	8 03 32 06	8 16 27 36
55	3 24 06 54	4 06 53 24	4 19 40 48	5 02 36 24	5 15 41 48	5 28 53 54	6 12 06 30	6 25 13 24	7 08 10 36	7 20 59 00	8 03 45 00	8 16 40 42
56	3 24 19 42	4 07 06 06	4 19 53 36	5 02 49 24	5 15 55 00	5 29 07 06	6 12 19 42	6 25 26 24	7 08 23 30	7 21 11 48	8 03 57 48	8 16 53 48
57	3 24 32 30	4 07 18 54	4 20 06 30	5 03 02 24	5 16 08 06	5 29 20 18	6 12 32 54	6 25 39 24	7 08 36 24	7 21 24 36	8 04 10 36	8 17 06 54
58	3 24 45 24	4 07 31 42	4 20 19 18	5 03 15 24	5 16 21 18	5 29 33 30	6 12 46 00	6 25 52 30	7 08 49 12	7 21 37 18	8 04 23 24	8 17 20 00
59	3 24 58 12	4 07 44 24	4 20 32 12	5 03 28 30	5 16 34 30	5 29 46 48	6 12 59 12	6 26 05 30	7 09 02 06	7 21 50 06	8 04 36 12	8 17 33 12
60	3 25 11 00	4 07 57 12	4 20 45 06	5 03 41 30	5 16 47 36	6 00 00 00	6 13 12 24	6 26 18 30	7 09 14 54	7 22 02 48	8 04 49 00	8 17 46 18

4 58 16

$17^{घं.}$ $13^{मि.}$ $27^{से.}$ प्राप्त हुए। यही करोलबाग में इस दिन भा. स्टैं. टा. के अनुसार धनु लग्न का आरम्भकाल है।

उदाहरण (ii)– 10 अक्तूबर, सन् 2004 ई. को **धौलाकुआं** (दिल्ली) में वृष लग्न का प्रारम्भकाल ऐसे ज्ञात करें–

लग्नारम्भ सारणी (1) में से 11 अक्तूबर के आगे तथा वृषलग्न के नीचे हमें $20^{घं.}$ $04^{मि.}$ $42^{से.}$ प्राप्त हुए। इनमें से **सारणी (2)** से **धौलाकुआं** के अक्षांश (28°–36′ उ.) के आगे एवं वृषलग्न के नीचे ऋण (–) 42 मि. 34 से. को चिह्नानुसार घटाने पर $19^{घं.}$ $22^{मि.}$ $8^{से.}$ मिले। इनमें **सारणी (3)** से प्राप्त 2004 ई. का वार्षिक संस्कार धन (+) 2 मि. 38 से. चिह्नानुसार जोड़ने पर $19^{घं.}$ $24^{मि.}$ $46^{से.}$ प्राप्त हुए। अब इनमें **सारणी (4)** से प्राप्त 2004 ई. का **'अयनांश संस्कार'** धन (+) 0मि. 31 से. चिह्नानुसार जोड़ने पर $19^{घं.}$ $25^{मि.}$ $17^{से.}$ प्राप्त हुए– यह **धौलाकुआं** में इस दिन वृषोदय का स्था. म. का. है। इसमें **धौला कुआं** का स्टैं. अं. ऋण (–) $21^{मि.}$ $20^{से.}$ चिह्न के विपरीत जोड़देने पर $19^{घं.}$ $46^{मि.}$ $37^{से.}$ प्राप्त हुए। यह **'धौला कुआं'** (दिल्ली) में अभीष्ट तारीख को वृषोदय का भा. स्टैं. टा. प्राप्त हुआ।

नोटः– क्योंकि, इस उदाहरण में अभीष्ट तारीख लीप इयर में 29 फरवरी के बाद की है, अतः पूर्वोक्तानुसार यहां **सारणी (1)** के प्रयोग के समय 10 अक्तूबर की जगह 11 अक्तूबर ली गई है।

अब हम सन्धिगत लग्न का उदाहरण लेते हैं–

उदाहरण (iii)– 1 जनवरी, 2001 ई. को **कनॉट प्लेस** (दिल्ली) में किसी जातक का जन्म यदि 14 बजकर 21 मि. भा. स्टैं. टा. पर हुआ हो तो स्पष्ट कीजिए, उसकी जन्मकालिक लग्नराशि मेष थी या वृष ?

इसके निर्णय के लिए हम यहां इस दिन कनॉट प्लेस (दिल्ली) में वृषलग्न का सूक्ष्म उदयकाल इसप्रकार जानेंगे–

लग्नारम्भ सारणी (1) में से 1 जनवरी के आगे एवं वृष लग्न के नीचे 14 घं. 41 मि. 22 से. मिले। इनमें से **सारणी (2)** से कनॉट प्लेस (दिल्ली) के अक्षांश (28° 38′ उ.) के आगे वृषलग्न के नीचे प्राप्त ऋण (–) 42 मि. 38 से. को चिह्नानुसार घटाने पर 13 घं. 58 मि. 44 से. मिले। इनमें सारणी (3) से प्राप्त 2001 ई. का **'वार्षिक संस्कार'** ऋण (–) 0 मि. 04 से. को चिह्नानुसार घटा देने पर $13^{घं.}$ $58^{मि.}$ $40^{से.}$ प्राप्त हुए। इनमें अब **सारणी (4)** से प्राप्त 2001 ई. के **'अयनांश संस्कार'** धन (+) 0 मि. 22 से. को चिह्नानुसार जोड़ने पर $13^{घं.}$ $59^{मि.}$ $02^{से.}$ मिले। यह कनॉट प्लेस (दिल्ली) में जातक के जन्म के दिन वृषारम्भ का स्था. म. का. है। इसमें कनॉट प्लेस के स्टैं. अं. ऋण (–) $21^{मि.}$ $08^{से.}$ को चिह्न के विपरीत जोड़ने पर 14 घं. 20 मि. 10 से. प्राप्त हुए। यह जातक के जन्म के दिन (1 जन., 2001 ई. को) वृष लग्न के उदय का सूक्ष्मतम शुद्ध काल है। इसके अनुसार स्पष्ट है– जातक के जन्म के समय वृष लग्न का प्रारम्भ हो चुका था।

विश्व के सभी उत्तरी एवम् दक्षिणी अक्षांशों (0° से 66½° अक्षांशों) के लिए प्रत्येक अक्षांश की प्रत्येक कला का सूक्ष्मतम लग्नारम्भकाल जानने के लिए 'शताब्दी विश्वकुण्डली दर्पण' देखिए। (विस्तृत विज्ञापन के लिए पृष्ठ 4 देखें)

लग्नारम्भसाधन सारणी (1)

तारीख	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
जन.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	-	-	-	-	-	-	0 46 06	2 43 19	4 50 16	6 59 38	9 01 04	10 53 34
1/2	12 44 09	14 41 22	16 48 19	18 57 41	20 59 07	22 51 37	0 42 10	2 39 23	4 46 20	6 55 42	8 57 08	10 49 38
2/3	12 40 13	14 37 26	16 44 23	18 53 45	20 55 11	22 47 41	0 38 14	2 35 27	4 42 24	6 51 46	8 53 12	10 45 42
3/4	12 36 17	14 33 30	16 40 27	18 49 49	20 51 15	22 43 45	0 34 18	2 31 31	4 38 28	6 47 50	8 49 16	10 41 46
4/5	12 32 21	14 29 34	16 36 31	18 45 53	20 47 19	22 39 49	0 30 22	2 27 35	4 34 32	6 43 54	8 45 20	10 37 50
5/6	12 28 25	14 25 38	16 32 35	18 41 57	20 43 23	22 35 53	0 26 26	2 23 39	4 30 36	6 39 58	8 41 24	10 33 54
6/7	12 24 29	14 21 42	16 28 39	18 38 01	20 39 27	22 31 57	0 22 31	2 19 44	4 26 41	6 36 03	8 37 29	10 29 59
7/8	12 20 34	14 17 47	16 24 44	18 34 06	20 35 32	22 28 02	0 18 35	2 15 48	4 22 45	6 32 07	8 33 33	10 26 03
8/9	12 16 38	14 13 51	16 20 48	18 30 10	20 31 36	22 24 06	0 14 39	2 11 52	4 18 49	6 28 11	8 29 37	10 22 07
9/10	12 12 42	14 09 55	16 16 52	18 26 14	20 27 40	22 20 10	0 10 43	2 07 56	4 14 53	6 24 15	8 25 41	10 18 11
10/11	12 08 46	14 05 59	16 12 56	18 22 18	20 23 44	22 16 14	0 06 47	2 04 00	4 10 57	6 20 19	8 21 45	10 14 15
11/12	12 04 50	14 02 03	16 09 00	18 18 22	20 19 48	22 12 18	0 02 51	2 00 04	4 07 01	6 16 23	8 17 49	10 10 19
12/13	12 00 54	13 58 07	16 05 04	18 14 26	20 15 52	22 08 22	23 58 55	1 56 08	4 03 05	6 12 27	8 13 53	10 06 23
13/14	11 56 58	13 54 11	16 01 08	18 10 30	20 11 56	22 04 26	23 54 59	1 52 12	3 59 09	6 08 31	8 09 57	10 02 27
14/15	11 53 02	13 50 15	15 57 12	18 06 34	20 08 00	22 00 30	23 51 03	1 48 16	3 55 13	6 04 35	8 06 01	9 58 31
15/16	11 49 06	13 46 19	15 53 16	18 02 38	20 04 04	21 56 34	23 47 07	1 44 20	3 51 17	6 00 39	8 02 05	9 54 35
16/17	11 45 10	13 42 23	15 49 20	17 58 42	20 00 08	21 52 38	23 43 11	1 40 24	3 47 21	5 56 43	7 58 09	9 50 39
17/18	11 41 14	13 38 27	15 45 24	17 54 46	19 56 12	21 48 42	23 39 16	1 36 29	3 43 26	5 52 48	7 54 14	9 46 44
18/19	11 37 19	13 34 32	15 41 29	17 50 51	19 52 17	21 44 47	23 35 20	1 32 33	3 39 30	5 48 52	7 50 18	9 42 48
19/20	11 33 23	13 30 36	15 37 33	17 46 55	19 48 21	21 40 51	23 31 24	1 28 37	3 35 34	5 44 56	7 46 22	9 38 52
20/21	11 29 27	13 26 40	15 33 37	17 42 59	19 44 25	21 36 55	23 27 28	1 24 41	3 31 38	5 41 00	7 42 26	9 34 56
21/22	11 25 31	13 22 44	15 29 41	17 39 03	19 40 29	21 32 59	23 23 32	1 20 45	3 27 42	5 37 04	7 38 30	9 31 00
22/23	11 21 35	13 18 48	15 25 45	17 35 07	19 36 33	21 29 03	23 19 36	1 16 49	3 23 46	5 33 08	7 34 34	9 27 04
23/24	11 17 39	13 14 52	15 21 49	17 31 11	19 32 37	21 25 07	23 15 40	1 12 53	3 19 50	5 29 12	7 30 38	9 23 08
24/25	11 13 43	13 10 56	15 17 53	17 27 15	19 28 41	21 21 11	23 11 44	1 08 57	3 15 54	5 25 16	7 26 42	9 19 12
25/26	11 09 47	13 07 00	15 13 57	17 23 19	19 24 45	21 17 15	23 07 48	1 05 01	3 11 58	5 21 20	7 22 46	9 15 16
26/27	11 05 51	13 03 04	15 10 01	17 19 23	19 20 49	21 13 19	23 03 52	1 01 05	3 08 02	5 17 24	7 18 50	9 11 20
27/28	11 01 55	12 59 08	15 06 05	17 15 27	19 16 53	21 09 23	22 59 56	0 57 09	3 04 06	5 13 28	7 14 54	9 07 24
28/29	10 57 59	12 55 12	15 02 09	17 11 31	19 12 57	21 05 27	22 56 01	0 53 14	3 00 11	5 09 33	7 10 59	9 03 29
29/30	10 54 04	12 51 17	14 58 14	17 07 36	19 09 02	21 01 32	22 52 05	0 49 18	2 56 15	5 05 37	7 07 03	8 59 33
30/31	10 50 08	12 47 21	14 54 18	17 03 40	19 05 06	20 57 36	22 48 09	0 45 22	2 52 19	5 01 41	7 03 07	8 55 37
31	10 46 12	12 43 25	14 50 22	16 59 44	19 01 10	20 53 40	22 44 13	-	-	-	-	-
फर.												
1	-	-	-	-	-	-	-	0 41 25	2 48 22	4 57 44	6 59 10	8 51 40
1/2	10 42 15	12 39 28	14 46 25	16 55 47	18 57 13	20 49 43	22 40 18	0 37 29	2 44 26	4 53 48	6 55 14	8 47 44
2/3	10 38 19	12 35 32	14 42 29	16 51 51	18 53 17	20 45 47	22 36 22	0 33 33	2 40 30	4 49 52	6 51 18	8 43 48
3/4	10 34 23	12 31 36	14 38 33	16 47 55	18 49 21	20 41 51	22 32 26	0 29 37	2 36 34	4 45 56	6 47 22	8 39 52
4/5	10 30 27	12 27 40	14 34 37	16 43 59	18 45 25	20 37 55	22 28 30	0 25 41	2 32 38	4 42 00	6 43 26	8 35 56
5/6	10 26 31	12 23 44	14 30 41	16 40 03	18 41 29	20 33 59	22 24 34	0 21 45	2 28 42	4 38 04	6 39 30	8 32 00
6/7	10 22 35	12 19 48	14 26 45	16 36 07	18 37 33	20 30 03	22 20 38	0 17 50	2 24 47	4 34 09	6 35 35	8 28 05
7/8	10 18 40	12 15 53	14 22 50	16 32 12	18 33 38	20 26 08	22 16 43	0 13 54	2 20 51	4 30 13	6 31 39	8 24 09
8/9	10 14 44	12 11 57	14 18 54	16 28 16	18 29 42	20 22 12	22 12 47	0 09 58	2 16 55	4 26 17	6 27 43	8 20 13
9/10	10 10 48	12 08 01	14 14 58	16 24 20	18 25 46	20 18 16	22 08 51	0 06 02	2 12 59	4 22 21	6 23 47	8 16 17
10/11	10 06 52	12 04 05	14 11 02	16 20 24	18 21 50	20 14 20	22 04 55	0 02 06	2 09 03	4 18 25	6 19 51	8 12 21
11/12	10 02 56	12 00 09	14 07 06	16 16 28	18 17 54	20 10 24	22 00 59	23 58 10	2 05 07	4 14 29	6 15 55	8 08 25
12/13	9 59 00	11 56 13	14 03 10	16 12 32	18 13 58	20 06 28	21 57 03	23 54 14	2 01 11	4 10 33	6 11 59	8 04 29
13/14	9 55 04	11 52 17	13 59 14	16 08 36	18 10 02	20 02 32	21 53 07	23 50 18	1 57 15	4 06 37	6 08 03	8 00 33
14/15	9 51 08	11 48 21	13 55 18	16 04 40	18 06 06	19 58 36	21 49 11	23 46 22	1 53 19	4 02 41	6 04 07	7 56 37
15/16	9 47 12	11 44 25	13 51 22	16 00 44	18 02 10	19 54 40	21 45 15	23 42 26	1 49 23	3 58 45	6 00 11	7 52 41
16/17	9 43 16	11 40 29	13 47 26	15 56 48	17 58 14	19 50 44	21 41 19	23 38 30	1 45 27	3 54 49	5 56 15	7 48 45
17/18	9 39 20	11 36 33	13 43 30	15 52 52	17 54 18	19 46 48	21 37 23	23 34 35	1 41 32	3 50 54	5 52 20	7 44 50
18/19	9 35 25	11 32 38	13 39 35	15 48 57	17 50 23	19 42 53	21 33 28	23 30 39	1 37 36	3 46 58	5 48 24	7 40 54
19/20	9 31 29	11 28 42	13 35 39	15 45 01	17 46 27	19 38 57	21 29 32	23 26 43	1 33 40	3 43 02	5 44 28	7 36 58
20/21	9 27 33	11 24 46	13 31 43	15 41 05	17 42 31	19 35 01	21 25 36	23 22 47	1 29 44	3 39 06	5 40 32	7 33 02
21/22	9 23 37	11 20 50	13 27 47	15 37 09	17 38 35	19 31 05	21 21 40	23 18 51	1 25 48	3 35 10	5 36 36	7 29 06
22/23	9 19 41	11 16 54	13 23 51	15 33 13	17 34 39	19 27 09	21 17 44	23 14 55	1 21 52	3 31 14	5 32 40	7 25 10
23/24	9 15 45	11 12 58	13 19 55	15 29 17	17 30 43	19 23 13	21 13 48	23 10 59	1 17 56	3 27 18	5 28 44	7 21 14
24/25	9 11 49	11 09 02	13 15 59	15 25 21	17 26 47	19 19 17	21 09 52	23 07 03	1 14 00	3 23 22	5 24 48	7 17 18
25/26	9 07 53	11 05 06	13 12 03	15 21 25	17 22 51	19 15 21	21 05 56	23 03 07	1 10 04	3 19 26	5 20 52	7 13 22
26/27	9 03 57	11 01 10	13 08 07	15 17 29	17 18 55	19 11 25	21 02 00	22 59 11	1 06 08	3 15 30	5 16 56	7 09 26
27/28	9 00 01	10 57 14	13 04 11	15 13 33	17 14 59	19 07 29	20 58 04	22 55 15	1 02 12	3 11 34	5 13 00	7 05 30
28/29	8 56 05	10 53 18	13 00 15	15 09 37	17 11 03	19 03 33	20 54 08	22 51 20	0 58 17	3 07 39	5 09 05	7 01 35
29	8 52 10	10 49 23	12 56 20	15 05 42	17 07 08	18 59 38	20 50 13	22 47 24	-	-	-	-

02 12
58 16

मार्च	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	-	-	-	-	-	-	-	-	0 58 17	3 07 39	5 09 05	7 01 35
1/2	8 52 10	10 49 23	12 56 20	15 05 42	17 07 08	18 59 38	20 50 13	22 47 26	0 54 21	3 03 43	5 05 09	6 57 39
2/3	8 48 14	10 45 27	12 52 24	15 01 46	17 03 12	18 55 42	20 46 17	22 43 30	0 50 25	2 59 47	5 01 13	6 53 43
3/4	8 44 18	10 41 31	12 48 28	14 57 50	16 59 16	18 51 46	20 42 21	22 39 34	0 46 29	2 55 51	4 57 17	6 49 47
4/5	8 40 22	10 37 35	12 44 32	14 53 54	16 55 20	18 47 50	20 38 25	22 35 38	0 42 33	2 51 55	4 53 21	6 45 51
5/6	8 36 26	10 33 39	12 40 36	14 49 58	16 51 24	18 43 54	20 34 29	22 31 42	0 38 37	2 47 59	4 49 25	6 41 55
6/7	8 32 30	10 29 43	12 36 40	14 46 02	16 47 28	18 39 58	20 30 33	22 27 46	0 34 42	2 44 04	4 45 30	6 38 00
7/8	8 28 35	10 25 48	12 32 45	14 42 07	16 43 33	18 36 03	20 26 38	22 23 51	0 30 46	2 40 08	4 41 34	6 34 04
8/9	8 24 39	10 21 52	12 28 49	14 38 11	16 39 37	18 32 07	20 22 42	22 19 55	0 26 50	2 36 12	4 37 38	6 30 08
9/10	8 20 43	10 17 56	12 24 53	14 34 15	16 35 41	18 28 11	20 18 46	22 15 59	0 22 54	2 32 16	4 33 42	6 26 12
10/11	8 16 47	10 14 00	12 20 57	14 30 19	16 31 45	18 24 15	20 14 50	22 12 03	0 18 58	2 28 20	4 29 46	6 22 16
11/12	8 12 51	10 10 04	12 17 01	14 26 23	16 27 49	18 20 19	20 10 54	22 08 07	0 15 02	2 24 24	4 25 50	6 18 20
12/13	8 08 55	10 06 08	12 13 05	14 22 27	16 23 53	18 16 23	20 06 58	22 04 11	0 11 06	2 20 28	4 21 54	6 14 24
13/14	8 04 59	10 02 12	12 09 09	14 18 31	16 19 57	18 12 27	20 03 02	22 00 15	0 07 10	2 16 32	4 17 58	6 10 28
14/15	8 01 03	9 58 16	12 05 13	14 14 35	16 16 01	18 08 31	19 59 06	21 56 19	0 03 14	2 12 36	4 14 02	6 06 32
15/16	7 57 07	9 54 20	12 01 17	14 10 39	16 12 05	18 04 35	19 55 10	21 52 23	23 59 18	2 08 40	4 10 06	6 02 36
16/17	7 53 11	9 50 24	11 57 21	14 06 43	16 08 09	18 00 39	19 51 14	21 48 27	23 55 22	2 04 44	4 06 10	5 58 40
17/18	7 49 15	9 46 28	11 53 25	14 02 47	16 04 13	17 56 43	19 47 18	21 44 31	23 51 27	2 00 49	4 02 15	5 54 45
18/19	7 45 20	9 42 33	11 49 30	13 58 52	16 00 18	17 52 48	19 43 23	21 40 36	23 47 31	1 56 53	3 58 19	5 50 49
19/20	7 41 24	9 38 37	11 45 34	13 54 56	15 56 22	17 48 52	19 39 27	21 36 40	23 43 35	1 52 57	3 54 23	5 46 53
20/21	7 37 28	9 34 41	11 41 38	13 51 00	15 52 26	17 44 56	19 35 31	21 32 44	23 39 39	1 49 01	3 50 27	5 42 57
21/22	7 33 32	9 30 45	11 37 42	13 47 04	15 48 30	17 41 00	19 31 35	21 28 48	23 35 43	1 45 05	3 46 31	5 39 01
22/23	7 29 36	9 26 49	11 33 46	13 43 08	15 44 34	17 37 04	19 27 39	21 24 52	23 31 47	1 41 09	3 42 35	5 35 05
23/24	7 25 40	9 22 53	11 29 50	13 39 12	15 40 38	17 33 08	19 23 43	21 20 56	23 27 51	1 37 13	3 38 39	5 31 09
24/25	7 21 44	9 18 57	11 25 54	13 35 16	15 36 42	17 29 12	19 19 47	21 17 00	23 23 55	1 33 17	3 34 43	5 27 13
25/26	7 17 48	9 15 01	11 21 58	13 31 20	15 32 46	17 25 16	19 15 51	21 13 04	23 19 59	1 29 21	3 30 47	5 23 17
26/27	7 13 52	9 11 05	11 18 02	13 27 24	15 28 50	17 21 20	19 11 55	21 09 08	23 16 03	1 25 25	3 26 51	5 19 21
27/28	7 09 56	9 07 09	11 14 06	13 23 28	15 24 54	17 17 24	19 07 59	21 05 12	23 12 07	1 21 29	3 22 55	5 15 25
28/29	7 06 00	9 03 13	11 10 10	13 19 32	15 20 58	17 13 28	19 04 03	21 01 16	23 08 12	1 17 34	3 19 00	5 11 30
29/30	7 02 05	8 59 18	11 06 15	13 15 37	15 17 03	17 09 33	19 00 08	20 57 21	23 04 16	1 13 38	3 15 04	5 07 34
30/31	6 58 09	8 55 22	11 02 19	13 11 41	15 13 07	17 05 37	18 56 12	20 53 25	23 00 20	1 09 42	3 11 08	5 03 38
31	6 54 13	8 51 26	10 58 23	13 07 45	15 09 11	17 01 41	18 52 16	20 49 29	22 56 24	-	-	-
अप्र												
1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1 05 45	3 07 11	4 59 41
1/2	6 50 16	8 47 29	10 54 26	13 03 48	15 05 14	16 57 44	18 48 19	20 45 32	22 52 29	1 01 49	3 03 15	4 55 45
2/3	6 46 20	8 43 33	10 50 30	12 59 52	15 01 18	16 53 48	18 44 23	20 41 36	22 48 33	0 57 53	2 59 19	4 51 49
3/4	6 42 24	8 39 37	10 46 34	12 55 56	14 57 22	16 49 52	18 40 27	20 37 40	22 44 37	0 53 57	2 55 23	4 47 53
4/5	6 38 28	8 35 41	10 42 38	12 52 00	14 53 26	16 45 56	18 36 31	20 33 44	22 40 41	0 50 01	2 51 27	4 43 57
5/6	6 34 32	8 31 45	10 38 42	12 48 04	14 49 30	16 42 00	18 32 35	20 29 48	22 36 45	0 46 05	2 47 31	4 40 01
6/7	6 30 36	8 27 49	10 34 46	12 44 08	14 45 34	16 38 04	18 28 39	20 25 52	22 32 49	0 42 10	2 43 36	4 36 06
7/8	6 26 41	8 23 54	10 30 51	12 40 13	14 41 39	16 34 09	18 24 44	20 21 57	22 28 54	0 38 14	2 39 40	4 32 10
8/9	6 22 45	8 19 58	10 26 55	12 36 17	14 37 43	16 30 13	18 20 48	20 18 01	22 24 58	0 34 18	2 35 44	4 28 14
9/10	6 18 49	8 16 02	10 22 59	12 32 21	14 33 47	16 26 17	18 16 52	20 14 05	22 21 02	0 30 22	2 31 48	4 24 18
10/11	6 14 53	8 12 06	10 19 03	12 28 25	14 29 51	16 22 21	18 12 56	20 10 09	22 17 06	0 26 26	2 27 52	4 20 22
11/12	6 10 57	8 08 10	10 15 07	12 24 29	14 25 55	16 18 25	18 09 00	20 06 13	22 13 10	0 22 30	2 23 56	4 16 26
12/13	6 07 01	8 04 14	10 11 11	12 20 33	14 21 59	16 14 29	18 05 04	20 02 17	22 09 14	0 18 34	2 20 00	4 12 30
13/14	6 03 05	8 00 18	10 07 15	12 16 37	14 18 03	16 10 33	18 01 08	19 58 21	22 05 18	0 14 38	2 16 04	4 08 34
14/15	5 59 09	7 56 22	10 03 19	12 12 41	14 14 07	16 06 37	17 57 12	19 54 25	22 01 22	0 10 42	2 12 08	4 04 38
15/16	5 55 13	7 52 26	9 59 23	12 08 45	14 10 11	16 02 41	17 53 16	19 50 29	21 57 26	0 06 46	2 08 12	4 00 42
16/17	5 51 17	7 48 30	9 55 27	12 04 49	14 06 15	15 58 45	17 49 20	19 46 33	21 53 30	0 02 50	2 04 16	3 56 46
17/18	5 47 21	7 44 34	9 51 31	12 00 53	14 02 19	15 54 49	17 45 24	19 42 37	21 49 34	23 58 55	2 00 21	3 52 51
18/19	5 43 26	7 40 39	9 47 36	11 56 58	13 58 24	15 50 54	17 41 29	19 38 42	21 45 39	23 54 59	1 56 25	3 48 55
19/20	5 39 30	7 36 43	9 43 40	11 53 02	13 54 28	15 46 58	17 37 33	19 34 46	21 41 43	23 51 03	1 52 29	3 44 59
20/21	5 35 34	7 32 47	9 39 44	11 49 06	13 50 32	15 43 02	17 33 37	19 30 50	21 37 47	23 47 07	1 48 33	3 41 03
21/22	5 31 38	7 28 51	9 35 48	11 45 10	13 46 36	15 39 06	17 29 41	19 26 54	21 33 51	23 43 11	1 44 37	3 37 07
22/23	5 27 42	7 24 55	9 31 52	11 41 14	13 42 40	15 35 10	17 25 45	19 22 58	21 29 55	23 39 15	1 40 41	3 33 11
23/24	5 23 46	7 20 59	9 27 56	11 37 18	13 38 44	15 31 14	17 21 49	19 19 02	21 25 59	23 35 19	1 36 45	3 29 15
24/25	5 19 50	7 17 03	9 24 00	11 33 22	13 34 48	15 27 18	17 17 53	19 15 06	21 22 03	23 31 23	1 32 49	3 25 19
25/26	5 15 54	7 13 07	9 20 04	11 29 26	13 30 52	15 23 22	17 13 57	19 11 10	21 18 07	23 27 27	1 28 53	3 21 23
26/27	5 11 58	7 09 11	9 16 08	11 25 30	13 26 56	15 19 26	17 10 01	19 07 14	21 14 11	23 23 31	1 24 57	3 17 27
27/28	5 08 02	7 05 15	9 12 12	11 21 34	13 23 00	15 15 30	17 06 05	19 03 18	21 10 15	23 19 35	1 21 01	3 13 31
28/29	5 04 06	7 01 19	9 08 16	11 17 38	13 19 04	15 11 34	17 02 09	18 59 22	21 06 19	23 15 40	1 17 06	3 09 36
29/30	5 00 11	6 57 24	9 04 21	11 13 43	13 15 09	15 07 39	16 58 14	18 55 27	21 02 24	23 11 44	1 13 10	3 05 40
30	4 56 15	6 53 28	9 00 25	11 09 47	13 11 13	15 03 43	16 54 18	18 51 31	20 58 28	23 07 48	-	-

लग्नारम्भसाधन सारणी (1)

तारीख	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
मई	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1 09 14	3 01 44
1/2	4 52 19	6 49 32	8 56 29	11 05 51	13 07 17	14 59 47	16 50 22	18 47 35	20 54 32	23 03 54	1 05 18	2 57 48
2/3	4 48 23	6 45 36	8 52 33	11 01 55	13 03 21	14 55 51	16 46 26	18 43 39	20 50 36	22 59 58	1 01 22	2 53 52
3/4	4 44 27	6 41 40	8 48 37	10 57 59	12 59 25	14 51 55	16 42 30	18 39 43	20 46 40	22 56 02	0 57 26	2 49 56
4/5	4 40 31	6 37 44	8 44 41	10 54 03	12 55 29	14 47 59	16 38 34	18 35 47	20 42 44	22 52 06	0 53 30	2 46 00
5/6	4 36 35	6 33 48	8 40 45	10 50 07	12 51 33	14 44 03	16 34 38	18 31 51	20 38 48	22 48 10	0 49 34	2 42 04
6/7	4 32 39	6 29 52	8 36 49	10 46 11	12 47 37	14 40 07	16 30 42	18 27 55	20 34 52	22 44 14	0 45 39	2 38 09
7/8	4 28 44	6 25 57	8 32 54	10 42 16	12 43 42	14 36 12	16 26 47	18 24 00	20 30 57	22 40 19	0 41 43	2 34 13
8/9	4 24 48	6 22 01	8 28 58	10 38 20	12 39 46	14 32 16	16 22 51	18 20 04	20 27 01	22 36 23	0 37 47	2 30 17
9/10	4 20 52	6 18 05	8 25 02	10 34 24	12 35 50	14 28 20	16 18 55	18 16 08	20 23 05	22 32 27	0 33 51	2 26 21
10/11	4 16 56	6 14 09	8 21 06	10 30 28	12 31 54	14 24 24	16 14 59	18 12 12	20 19 09	22 28 31	0 29 55	2 22 25
11/12	4 13 00	6 10 13	8 17 10	10 26 32	12 27 58	14 20 28	16 11 03	18 08 16	20 15 13	22 24 35	0 25 59	2 18 29
12/13	4 09 04	6 06 17	8 13 14	10 22 36	12 24 02	14 16 32	16 07 07	18 04 20	20 11 17	22 20 39	0 22 03	2 14 33
13/14	4 05 08	6 02 21	8 09 18	10 18 40	12 20 06	14 12 36	16 03 11	18 00 24	20 07 21	22 16 43	0 18 07	2 10 37
14/15	4 01 12	5 58 25	8 05 22	10 14 44	12 16 10	14 08 40	15 59 15	17 56 28	20 03 25	22 12 47	0 14 11	2 06 41
15/16	3 57 16	5 54 29	8 01 26	10 10 48	12 12 14	14 04 44	15 55 19	17 52 32	19 59 29	22 08 51	0 10 15	2 02 45
16/17	3 53 20	5 50 33	7 57 30	10 06 52	12 08 18	14 00 48	15 51 23	17 48 36	19 55 33	22 04 55	0 06 19	1 58 49
17/18	3 49 24	5 46 37	7 53 34	10 02 56	12 04 22	13 56 52	15 47 27	17 44 40	19 51 37	22 00 59	0 02 24	1 54 54
18/19	3 45 29	5 42 42	7 49 39	9 59 01	12 00 27	13 52 57	15 43 32	17 40 45	19 47 42	21 57 04	23 58 28	1 50 58
19/20	3 41 33	5 38 46	7 45 43	9 55 05	11 56 31	13 49 01	15 39 36	17 36 49	19 43 46	21 53 08	23 54 32	1 47 02
20/21	3 37 37	5 34 50	7 41 47	9 51 09	11 52 35	13 45 05	15 35 40	17 32 53	19 39 50	21 49 12	23 50 36	1 43 06
21/22	3 33 41	5 30 54	7 37 51	9 47 13	11 48 39	13 41 09	15 31 44	17 28 57	19 35 54	21 45 16	23 46 40	1 39 10
22/23	3 29 45	5 26 58	7 33 55	9 43 17	11 44 43	13 37 13	15 27 48	17 25 01	19 31 58	21 41 20	23 42 44	1 35 14
23/24	3 25 49	5 23 02	7 29 59	9 39 21	11 40 47	13 33 17	15 23 52	17 21 05	19 28 02	21 37 24	23 38 48	1 31 18
24/25	3 21 53	5 19 06	7 26 03	9 35 25	11 36 51	13 29 21	15 19 56	17 17 09	19 24 06	21 33 28	23 34 52	1 27 22
25/26	3 17 57	5 15 10	7 22 07	9 31 29	11 32 55	13 25 25	15 16 00	17 13 13	19 20 10	21 29 32	23 30 56	1 23 26
26/27	3 14 01	5 11 14	7 18 11	9 27 33	11 28 59	13 21 29	15 12 04	17 09 17	19 16 14	21 25 36	23 27 00	1 19 30
27/28	3 10 05	5 07 18	7 14 15	9 23 37	11 25 03	13 17 33	15 08 08	17 05 21	19 12 18	21 21 40	23 23 04	1 15 34
28/29	3 06 09	5 03 22	7 10 19	9 19 41	11 21 07	13 13 37	15 04 12	17 01 25	19 08 22	21 17 44	23 19 09	1 11 39
29/30	3 02 14	4 59 27	7 06 24	9 15 46	11 17 12	13 09 42	15 00 17	16 57 30	19 04 27	21 13 49	23 15 13	1 07 43
30/31	2 58 18	4 55 31	7 02 28	9 11 50	11 13 16	13 05 46	14 56 21	16 53 34	19 00 31	21 09 53	23 11 17	1 03 47
31	2 54 22	4 51 35	6 58 32	9 07 54	11 09 20	13 01 50	14 52 25	16 49 38	18 56 35	21 05 57	23 07 21	-
जून												
1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0 59 51
1/2	2 50 26	4 47 39	6 54 36	9 03 58	11 05 24	12 57 54	14 48 29	16 45 42	18 52 39	21 02 01	23 03 27	0 55 55
2/3	2 46 30	4 43 43	6 50 40	9 00 02	11 01 28	12 53 58	14 44 33	16 41 46	18 48 43	20 58 05	22 59 31	0 51 59
3/4	2 42 34	4 39 47	6 46 44	8 56 06	10 57 32	12 50 02	14 40 37	16 37 50	18 44 47	20 54 09	22 55 35	0 48 03
4/5	2 38 38	4 35 51	6 42 48	8 52 10	10 53 36	12 46 06	14 36 41	16 33 54	18 40 51	20 50 13	22 51 39	0 44 07
5/6	2 34 42	4 31 55	6 38 52	8 48 14	10 49 40	12 42 10	14 32 45	16 29 58	18 36 55	20 46 17	22 47 43	0 40 11
6/7	2 30 46	4 27 59	6 34 56	8 44 18	10 45 44	12 38 14	14 28 49	16 26 02	18 32 59	20 42 21	22 43 47	0 36 16
7/8	2 26 51	4 24 04	6 31 01	8 40 23	10 41 49	12 34 19	14 24 54	16 22 07	18 29 04	20 38 26	22 39 52	0 32 20
8/9	2 22 55	4 20 08	6 27 05	8 36 27	10 37 53	12 30 23	14 20 58	16 18 11	18 25 08	20 34 30	22 35 56	0 28 24
9/10	2 18 59	4 16 12	6 23 09	8 32 31	10 33 57	12 26 27	14 17 02	16 14 15	18 21 12	20 30 34	22 32 00	0 24 28
10/11	2 15 03	4 12 16	6 19 13	8 28 35	10 30 01	12 22 31	14 13 06	16 10 19	18 17 16	20 26 38	22 28 04	0 20 32
11/12	2 11 07	4 08 20	6 15 17	8 24 39	10 26 05	12 18 35	14 09 10	16 06 23	18 13 20	20 22 42	22 24 08	0 16 36
12/13	2 07 11	4 04 24	6 11 21	8 20 43	10 22 09	12 14 39	14 05 14	16 02 27	18 09 24	20 18 46	22 20 12	0 12 40
13/14	2 03 15	4 00 28	6 07 25	8 16 47	10 18 13	12 10 43	14 01 18	15 58 31	18 05 28	20 14 50	22 16 16	0 08 44
14/15	1 59 19	3 56 32	6 03 29	8 12 51	10 14 17	12 06 47	13 57 22	15 54 35	18 01 32	20 10 54	22 12 20	0 04 48
15/16	1 55 23	3 52 36	5 59 33	8 08 55	10 10 21	12 02 51	13 53 26	15 50 39	17 57 36	20 06 58	22 08 24	0 00 52
16	1 51 27	3 48 40	5 55 37	8 04 59	10 06 25	11 58 55	13 49 30	15 46 43	17 53 40	20 03 02	22 04 28	23 56 56
17	1 47 31	3 44 44	5 51 41	8 01 03	10 02 29	11 54 59	13 45 34	15 42 47	17 49 44	19 59 06	22 00 32	23 53 01
18	1 43 36	3 40 49	5 47 46	7 57 08	9 58 34	11 51 04	13 41 39	15 38 52	17 45 49	19 55 11	21 56 37	23 49 05
19	1 39 40	3 36 53	5 43 50	7 53 12	9 54 38	11 47 08	13 37 43	15 34 56	17 41 53	19 51 15	21 52 41	23 45 09
20	1 35 44	3 32 57	5 39 54	7 49 16	9 50 42	11 43 12	13 33 47	15 31 00	17 37 57	19 47 19	21 48 45	23 41 13
21	1 31 48	3 29 01	5 35 58	7 45 20	9 46 46	11 39 16	13 29 51	15 27 04	17 34 01	19 43 23	21 44 49	23 37 17
22	1 27 52	3 25 05	5 32 02	7 41 24	9 42 50	11 35 20	13 25 55	15 23 08	17 30 05	19 39 27	21 40 53	23 33 21
23	1 23 56	3 21 09	5 28 06	7 37 28	9 38 54	11 31 24	13 21 59	15 19 12	17 26 09	19 35 31	21 36 57	23 29 25
24	1 20 00	3 17 13	5 24 10	7 33 32	9 34 58	11 27 28	13 18 03	15 15 16	17 22 13	19 31 35	21 33 01	23 25 29
25	1 16 04	3 13 17	5 20 14	7 29 36	9 31 02	11 23 32	13 14 07	15 11 20	17 18 17	19 27 39	21 29 05	23 21 33
26	1 12 08	3 09 21	5 16 18	7 25 40	9 27 06	11 19 36	13 10 11	15 07 24	17 14 21	19 23 43	21 25 09	23 17 37
27	1 08 12	3 05 25	5 12 22	7 21 44	9 23 10	11 15 40	13 06 15	15 03 28	17 10 25	19 19 47	21 21 13	23 13 41
28	1 04 16	3 01 29	5 08 26	7 17 48	9 19 14	11 11 44	13 02 19	14 59 32	17 06 29	19 15 51	21 17 17	23 09 46
29	1 00 21	2 57 34	5 04 31	7 13 53	9 15 19	11 07 49	12 58 24	14 55 37	17 02 34	19 11 56	21 13 22	23 05 50
30	0 56 25	2 53 38	5 00 35	7 09 57	9 11 23	11 03 53	12 54 28	14 51 41	16 58 38	19 08 00	21 09 26	23 01 54

सारणी (1)

					सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
जुला.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	0 52 28	2 49 41	4 56 38	7 06 00	9 07 26	10 59 56	12 50 31	14 47 44	16 54 41	19 04 03	21 05 29	22 57 59
2	0 48 32	2 45 45	4 52 42	7 02 04	9 03 30	10 56 00	12 46 35	14 43 48	16 50 45	19 00 07	21 01 33	22 54 03
3	0 44 36	2 41 49	4 48 46	6 58 08	8 59 34	10 52 04	12 42 39	14 39 52	16 46 49	18 56 11	20 57 37	22 50 07
4	0 40 40	2 37 53	4 44 50	6 54 12	8 55 38	10 48 08	12 38 43	14 35 56	16 42 53	18 52 15	20 53 41	22 46 11
5	0 36 44	2 33 57	4 40 54	6 50 16	8 51 42	10 44 12	12 34 47	14 32 00	16 38 57	18 48 19	20 49 45	22 42 15
6	0 32 48	2 30 01	4 36 58	6 46 20	8 47 46	10 40 16	12 30 51	14 28 04	16 35 01	18 44 23	20 45 49	22 38 19
7	0 28 53	2 26 06	4 33 03	6 42 25	8 43 51	10 36 21	12 26 56	14 24 09	16 31 06	18 40 28	20 41 54	22 34 24
8	0 24 57	2 22 10	4 29 07	6 38 29	8 39 55	10 32 25	12 23 00	14 20 13	16 27 10	18 36 32	20 37 58	22 30 28
9	0 21 01	2 18 14	4 25 11	6 34 33	8 35 59	10 28 29	12 19 04	14 16 17	16 23 14	18 32 36	20 34 02	22 26 32
10	0 17 05	2 14 18	4 21 15	6 30 37	8 32 03	10 24 33	12 15 08	14 12 21	16 19 18	18 28 40	20 30 06	22 22 36
11	0 13 09	2 10 22	4 17 19	6 26 41	8 28 07	10 20 37	12 11 12	14 08 25	16 15 22	18 24 44	20 26 10	22 18 40
12	0 09 13	2 06 26	4 13 23	6 22 45	8 24 11	10 16 41	12 07 16	14 04 29	16 11 26	18 20 48	20 22 14	22 14 44
13	0 05 17	2 02 30	4 09 27	6 18 49	8 20 15	10 12 45	12 03 20	14 00 33	16 07 30	18 16 52	20 18 18	22 10 48
14	0 01 21	1 58 34	4 05 31	6 14 53	8 16 19	10 08 49	11 59 24	13 56 37	16 03 34	18 12 56	20 14 22	22 06 52
14/15	23 57 25	1 54 38	4 01 35	6 10 57	8 12 23	10 04 53	11 55 28	13 52 41	15 59 38	18 09 00	20 10 26	22 02 56
15/16	23 53 29	1 50 42	3 57 39	6 07 01	8 08 27	10 00 57	11 51 32	13 48 45	15 55 42	18 05 04	20 06 30	21 59 00
16/17	23 49 33	1 46 46	3 53 43	6 03 05	8 04 31	9 57 01	11 47 36	13 44 49	15 51 46	18 01 08	20 02 34	21 55 04
17/18	23 45 38	1 42 51	3 49 48	5 59 10	8 00 36	9 53 06	11 43 41	13 40 54	15 47 51	17 57 13	19 58 39	21 51 09
18/19	23 41 42	1 38 55	3 45 52	5 55 14	7 56 40	9 49 10	11 39 45	13 36 58	15 43 55	17 53 17	19 54 43	21 47 13
19/20	23 37 46	1 34 59	3 41 56	5 51 18	7 52 44	9 45 14	11 35 49	13 33 02	15 39 59	17 49 21	19 50 47	21 43 17
20/21	23 33 50	1 31 03	3 38 00	5 47 22	7 48 48	9 41 18	11 31 53	13 29 06	15 36 03	17 45 25	19 46 51	21 39 21
21/22	23 29 54	1 27 07	3 34 04	5 43 26	7 44 52	9 37 22	11 27 57	13 25 10	15 32 07	17 41 29	19 42 55	21 35 25
22/23	23 25 58	1 23 11	3 30 08	5 39 30	7 40 56	9 33 26	11 24 01	13 21 14	15 28 11	17 37 33	19 38 59	21 31 29
23/24	23 22 02	1 19 15	3 26 12	5 35 34	7 37 00	9 29 30	11 20 05	13 17 18	15 24 15	17 33 37	19 35 03	21 27 33
24/25	23 18 06	1 15 19	3 22 16	5 31 38	7 33 04	9 25 34	11 16 09	13 13 22	15 20 19	17 29 41	19 31 07	21 23 37
25/26	23 14 10	1 11 23	3 18 20	5 27 42	7 29 08	9 21 38	11 12 13	13 09 26	15 16 23	17 25 45	19 27 11	21 19 41
26/27	23 10 14	1 07 27	3 14 24	5 23 46	7 25 12	9 17 42	11 08 17	13 05 30	15 12 27	17 21 49	19 23 15	21 15 45
27/28	23 06 18	1 03 31	3 10 28	5 19 50	7 21 16	9 13 46	11 04 21	13 01 34	15 08 31	17 17 53	19 19 19	21 11 49
28/29	23 02 23	0 59 36	3 06 33	5 15 55	7 17 21	9 09 51	11 00 26	12 57 39	15 04 36	17 13 58	19 15 24	21 07 54
29/30	22 58 27	0 55 40	3 02 37	5 11 59	7 13 25	9 05 55	10 56 30	12 53 43	15 00 40	17 10 02	19 11 28	21 03 58
30/31	22 54 31	0 51 44	2 58 41	5 08 03	7 09 29	9 01 59	10 52 34	12 49 47	14 56 44	17 06 06	19 07 32	21 00 02
31	22 50 35	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अग.												
1	-	0 47 46	2 54 43	5 04 05	7 05 31	8 58 01	10 48 36	12 45 49	14 52 46	17 02 08	19 03 34	20 56 04
1/2	22 46 39	0 43 50	2 50 47	5 00 09	7 01 35	8 54 05	10 44 40	12 41 53	14 48 50	16 58 12	18 59 38	20 52 08
2/3	22 42 43	0 39 54	2 46 51	4 56 13	6 57 39	8 50 09	10 40 44	12 37 57	14 44 54	16 54 16	18 55 42	20 48 12
3/4	22 38 47	0 35 58	2 42 55	4 52 17	6 53 43	8 46 13	10 36 48	12 34 01	14 40 58	16 50 20	18 51 46	20 44 16
4/5	22 34 51	0 32 02	2 38 59	4 48 21	6 49 47	8 42 17	10 32 52	12 30 05	14 37 02	16 46 24	18 47 50	20 40 20
5/6	22 30 55	0 28 06	2 35 03	4 44 25	6 45 51	8 38 21	10 28 56	12 26 09	14 33 06	16 42 28	18 43 54	20 36 24
6/7	22 26 59	0 24 11	2 31 08	4 40 30	6 41 56	8 34 26	10 25 01	12 22 14	14 29 11	16 38 33	18 39 59	20 32 29
7/8	22 23 04	0 20 15	2 27 12	4 36 34	6 38 00	8 30 30	10 21 05	12 18 18	14 25 15	16 34 37	18 36 03	20 28 33
8/9	22 19 08	0 16 19	2 23 16	4 32 38	6 34 04	8 26 34	10 17 09	12 14 22	14 21 19	16 30 41	18 32 07	20 24 37
9/10	22 15 12	0 12 23	2 19 20	4 28 42	6 30 08	8 22 38	10 13 13	12 10 26	14 17 23	16 26 45	18 28 11	20 20 41
10/11	22 11 16	0 08 27	2 15 24	4 24 46	6 26 12	8 18 42	10 09 17	12 06 30	14 13 27	16 22 49	18 24 15	20 16 45
11/12	22 07 20	0 04 31	2 11 28	4 20 50	6 22 16	8 14 46	10 05 21	12 02 34	14 09 31	16 18 53	18 20 19	20 12 49
12/13	22 03 24	0 00 35	2 07 32	4 16 54	6 18 20	8 10 50	10 01 25	11 58 38	14 05 35	16 14 57	18 16 23	20 08 53
13/14	21 59 28	23 56 39	2 03 36	4 12 58	6 14 24	8 06 54	9 57 29	11 54 42	14 01 39	16 11 01	18 12 27	20 04 57
14/15	21 55 32	23 52 43	1 59 40	4 09 02	6 10 28	8 02 58	9 53 33	11 50 46	13 57 43	16 07 05	18 08 31	20 01 01
15/16	21 51 36	23 48 47	1 55 44	4 05 06	6 06 32	7 59 02	9 49 37	11 46 50	13 53 47	16 03 09	18 04 35	19 57 05
16/17	21 47 40	23 44 51	1 51 48	4 01 10	6 02 36	7 55 06	9 45 41	11 42 54	13 49 51	15 59 13	18 00 39	19 53 09
17/18	21 43 44	23 40 56	1 47 53	3 57 15	5 58 41	7 51 11	9 41 46	11 38 59	13 45 56	15 55 18	17 56 44	19 49 14
18/19	21 39 49	23 37 00	1 43 57	3 53 19	5 54 45	7 47 15	9 37 50	11 35 03	13 42 00	15 51 22	17 52 48	19 45 18
19/20	21 35 53	23 33 04	1 40 01	3 49 23	5 50 49	7 43 19	9 33 54	11 31 07	13 38 04	15 47 26	17 48 52	19 41 22
20/21	21 31 57	23 29 08	1 36 05	3 45 27	5 46 53	7 39 23	9 29 58	11 27 11	13 34 08	15 43 30	17 44 56	19 37 26
21/22	21 28 01	23 25 12	1 32 09	3 41 31	5 42 57	7 35 27	9 26 02	11 23 15	13 30 12	15 39 34	17 41 00	19 33 30
22/23	21 24 05	23 21 16	1 28 13	3 37 35	5 39 01	7 31 31	9 22 06	11 19 19	13 26 16	15 35 38	17 37 04	19 29 34
23/24	21 20 09	23 17 20	1 24 17	3 33 39	5 35 05	7 27 35	9 18 10	11 15 23	13 22 20	15 31 42	17 33 08	19 25 38
24/25	21 16 13	23 13 24	1 20 21	3 29 43	5 31 09	7 23 39	9 14 14	11 11 27	13 18 24	15 27 46	17 29 12	19 21 42
25/26	21 12 17	23 09 28	1 16 25	3 25 47	5 27 13	7 19 43	9 10 18	11 07 31	13 14 28	15 23 50	17 25 16	19 17 46
26/27	21 08 21	23 05 32	1 12 29	3 21 51	5 23 17	7 15 47	9 06 22	11 03 35	13 10 32	15 19 54	17 21 20	19 13 50
27/28	21 04 25	23 01 36	1 08 33	3 17 55	5 19 21	7 11 51	9 02 26	10 59 39	13 06 36	15 15 58	17 17 24	19 09 54
28/29	21 00 29	22 57 41	1 04 38	3 14 00	5 15 26	7 07 56	8 58 31	10 55 44	13 02 41	15 12 03	17 13 29	19 05 59
29/30	20 56 34	22 53 45	1 00 42	3 10 04	5 11 30	7 04 00	8 54 35	10 51 48	12 58 45	15 08 07	17 09 33	19 02 03
30/31	20 52 38	22 49 49	0 56 46	3 06 08	5 07 34	7 00 04	8 50 39	10 47 52	12 54 49	15 04 11	17 05 37	18 58 07
31	20 48 42	22 45 53	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

लग्नारम्भसाधन सारणी (1)

तारीख	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
सितं	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	-	-	0 52 49	3 02 11	5 03 37	6 56 07	8 46 42	10 43 55	12 50 52	15 00 14	17 01 40	18 54 10
1/2	20 44 45	22 41 58	0 48 53	2 58 15	4 59 41	6 52 11	8 42 46	10 39 59	12 46 56	14 56 18	16 57 44	18 50 14
2/3	20 40 49	22 38 02	0 44 57	2 54 19	4 55 45	6 48 15	8 38 50	10 36 03	12 43 00	14 52 22	16 53 48	18 46 18
3/4	20 36 53	22 34 06	0 41 01	2 50 23	4 51 49	6 44 19	8 34 54	10 32 07	12 39 04	14 48 26	16 49 52	18 42 22
4/5	20 32 57	22 30 10	0 37 05	2 46 27	4 47 53	6 40 23	8 30 58	10 28 11	12 35 08	14 44 30	16 45 56	18 38 26
5/6	20 29 01	22 26 14	0 33 09	2 42 31	4 43 57	6 36 27	8 27 02	10 24 15	12 31 12	14 40 34	16 42 00	18 34 30
6/7	20 25 05	22 22 18	0 29 14	2 38 36	4 40 02	6 32 32	8 23 07	10 20 20	12 27 17	14 36 39	16 38 05	18 30 35
7/8	20 21 10	22 18 23	0 25 18	2 34 40	4 36 06	6 28 36	8 19 11	10 16 24	12 23 21	14 32 43	16 34 09	18 26 39
8/9	20 17 14	22 14 27	0 21 22	2 30 44	4 32 10	6 24 40	8 15 15	10 12 28	12 19 25	14 28 47	16 30 13	18 22 43
9/10	20 13 18	22 10 31	0 17 26	2 26 48	4 28 14	6 20 44	8 11 19	10 08 32	12 15 29	14 24 51	16 26 17	18 18 47
10/11	20 09 22	22 06 35	0 13 30	2 22 52	4 24 18	6 16 48	8 07 23	10 04 36	12 11 33	14 20 55	16 22 21	18 14 51
11/12	20 05 26	22 02 39	0 09 34	2 18 56	4 20 22	6 12 52	8 03 27	10 00 40	12 07 37	14 16 59	16 18 25	18 10 55
12/13	20 01 30	21 58 43	0 05 38	2 15 00	4 16 26	6 08 56	7 59 31	9 56 44	12 03 41	14 13 03	16 14 29	18 06 59
13/14	19 57 34	21 54 47	0 01 42	2 11 04	4 12 30	6 05 00	7 55 35	9 52 48	11 59 45	14 09 07	16 10 33	18 03 03
14/15	19 53 38	21 50 51	23 57 46	2 07 08	4 08 34	6 01 04	7 51 39	9 48 52	11 55 49	14 05 11	16 06 37	17 59 07
15/16	19 49 42	21 46 55	23 53 50	2 03 12	4 04 38	5 57 08	7 47 43	9 44 56	11 51 53	14 01 15	16 02 41	17 55 11
16/17	19 45 46	21 42 59	23 49 54	1 59 16	4 00 42	5 53 12	7 43 47	9 41 00	11 47 57	13 57 19	15 58 45	17 51 15
17/18	19 41 50	21 39 03	23 45 59	1 55 21	3 56 47	5 49 17	7 39 52	9 37 05	11 44 02	13 53 24	15 54 50	17 47 20
18/19	19 37 55	21 35 08	23 42 03	1 51 25	3 52 51	5 45 21	7 35 56	9 33 09	11 40 06	13 49 28	15 50 54	17 43 24
19/20	19 33 59	21 31 12	23 38 07	1 47 29	3 48 55	5 41 25	7 32 00	9 29 13	11 36 10	13 45 32	15 46 58	17 39 28
20/21	19 30 03	21 27 16	23 34 11	1 43 33	3 44 59	5 37 29	7 28 04	9 25 17	11 32 14	13 41 36	15 43 02	17 35 32
21/22	19 26 07	21 23 20	23 30 15	1 39 37	3 41 03	5 33 33	7 24 08	9 21 21	11 28 18	13 37 40	15 39 06	17 31 36
22/23	19 22 11	21 19 24	23 26 19	1 35 41	3 37 07	5 29 37	7 20 12	9 17 25	11 24 22	13 33 44	15 35 10	17 27 40
23/24	19 18 15	21 15 28	23 22 23	1 31 45	3 33 11	5 25 41	7 16 16	9 13 29	11 20 26	13 29 48	15 31 14	17 23 44
24/25	19 14 19	21 11 32	23 18 27	1 27 49	3 29 15	5 21 45	7 12 20	9 09 33	11 16 30	13 25 52	15 27 18	17 19 48
25/26	19 10 23	21 07 36	23 14 31	1 23 53	3 25 19	5 17 49	7 08 24	9 05 37	11 12 34	13 21 56	15 23 22	17 15 52
26/27	19 06 27	21 03 40	23 10 35	1 19 57	3 21 23	5 13 53	7 04 28	9 01 41	11 08 38	13 18 00	15 19 26	17 11 56
27/28	19 02 31	20 59 44	23 06 39	1 16 01	3 17 27	5 09 57	7 00 32	8 57 45	11 04 42	13 14 04	15 15 30	17 08 00
28/29	18 58 35	20 55 48	23 02 44	1 12 06	3 13 32	5 06 02	6 56 37	8 53 50	11 00 47	13 10 09	15 11 35	17 04 05
29/30	18 54 40	20 51 53	22 58 48	1 08 10	3 09 36	5 02 06	6 52 41	8 49 54	10 56 51	13 06 13	15 07 39	17 00 09
30	18 50 44	20 47 57	22 54 52	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्तू.												
1	-	-	-	1 04 14	3 05 40	4 58 10	6 48 45	8 45 58	10 52 55	13 02 17	15 03 43	16 56 13
1/2	18 46 48	20 44 01	22 50 58	1 00 18	3 01 44	4 54 14	6 44 49	8 42 02	10 48 59	12 58 21	14 59 47	16 52 17
2/3	18 42 52	20 40 05	22 47 02	0 56 22	2 57 48	4 50 18	6 40 53	8 38 06	10 45 03	12 54 25	14 55 51	16 48 21
3/4	18 38 56	20 36 09	22 43 06	0 52 26	2 53 52	4 46 22	6 36 57	8 34 10	10 41 07	12 50 29	14 51 55	16 44 25
4/5	18 35 00	20 32 13	22 39 10	0 48 30	2 49 56	4 42 26	6 33 01	8 30 14	10 37 11	12 46 33	14 47 59	16 40 29
5/6	18 31 04	20 28 17	22 35 14	0 44 34	2 46 00	4 38 30	6 29 05	8 26 18	10 33 15	12 42 37	14 44 03	16 36 33
6/7	18 27 08	20 24 21	22 31 18	0 40 39	2 42 05	4 34 35	6 25 10	8 22 23	10 29 20	12 38 42	14 40 08	16 32 38
7/8	18 23 13	20 20 26	22 27 23	0 36 43	2 38 09	4 30 39	6 21 14	8 18 27	10 25 24	12 34 46	14 36 12	16 28 42
8/9	18 19 17	20 16 30	22 23 27	0 32 47	2 34 13	4 26 43	6 17 18	8 14 31	10 21 28	12 30 50	14 32 16	16 24 46
9/10	18 15 21	20 12 34	22 19 31	0 28 51	2 30 17	4 22 47	6 13 22	8 10 35	10 17 32	12 26 54	14 28 20	16 20 50
10/11	18 11 25	20 08 38	22 15 35	0 24 55	2 26 21	4 18 51	6 09 26	8 06 39	10 13 36	12 22 58	14 24 24	16 16 54
11/12	18 07 29	20 04 42	22 11 39	0 20 59	2 22 25	4 14 55	6 05 30	8 02 43	10 09 40	12 19 02	14 20 28	16 12 58
12/13	18 03 33	20 00 46	22 07 43	0 17 03	2 18 29	4 10 59	6 01 34	7 58 47	10 05 44	12 15 06	14 16 32	16 09 02
13/14	17 59 37	19 56 50	22 03 47	0 13 07	2 14 33	4 07 03	5 57 38	7 54 51	10 01 48	12 11 10	14 12 36	16 05 06
14/15	17 55 41	19 52 54	21 59 51	0 09 11	2 10 37	4 03 07	5 53 42	7 50 55	9 57 52	12 07 14	14 08 40	16 01 10
15/16	17 51 45	19 48 58	21 55 55	0 05 15	2 06 41	3 59 11	5 49 46	7 46 59	9 53 56	12 03 18	14 04 44	15 57 14
16/17	17 47 49	19 45 02	21 51 59	0 01 19	2 02 45	3 55 15	5 45 50	7 43 03	9 50 00	11 59 22	14 00 48	15 53 18
17/18	17 43 53	19 41 06	21 48 03	23 57 24	1 58 50	3 51 20	5 41 55	7 39 08	9 46 05	11 55 27	13 56 53	15 49 23
18/19	17 39 58	19 37 11	21 44 08	23 53 28	1 54 54	3 47 24	5 37 59	7 35 12	9 42 09	11 51 31	13 52 57	15 45 27
19/20	17 36 02	19 33 15	21 40 12	23 49 32	1 50 58	3 43 28	5 34 03	7 31 16	9 38 13	11 47 35	13 49 01	15 41 31
20/21	17 32 06	19 29 19	21 36 16	23 45 36	1 47 02	3 39 32	5 30 07	7 27 20	9 34 17	11 43 39	13 45 05	15 37 35
21/22	17 28 10	19 25 23	21 32 20	23 41 40	1 43 06	3 35 36	5 26 11	7 23 24	9 30 21	11 39 43	13 41 09	15 33 39
22/23	17 24 14	19 21 27	21 28 24	23 37 44	1 39 10	3 31 40	5 22 15	7 19 28	9 26 25	11 35 47	13 37 13	15 29 43
23/24	17 20 18	19 17 31	21 24 28	23 33 48	1 35 14	3 27 44	5 18 19	7 15 32	9 22 29	11 31 51	13 33 17	15 25 47
24/25	17 16 22	19 13 35	21 20 32	23 29 52	1 31 18	3 23 48	5 14 23	7 11 36	9 18 33	11 27 55	13 29 21	15 21 51
25/26	17 12 26	19 09 39	21 16 36	23 25 56	1 27 22	3 19 52	5 10 27	7 07 40	9 14 37	11 23 59	13 25 25	15 17 55
26/27	17 08 30	19 05 43	21 12 40	23 22 00	1 23 26	3 15 56	5 06 31	7 03 44	9 10 41	11 20 03	13 21 29	15 13 59
27/28	17 04 34	19 01 47	21 08 44	23 18 04	1 19 30	3 12 00	5 02 35	6 59 48	9 06 45	11 16 07	13 17 33	15 10 03
28/29	17 00 38	18 57 51	21 04 48	23 14 09	1 15 35	3 08 05	4 58 40	6 55 53	9 02 50	11 12 12	13 13 38	15 06 08
29/30	16 56 43	18 53 56	21 00 53	23 10 13	1 11 39	3 04 09	4 54 44	6 51 57	8 58 54	11 08 16	13 09 42	15 02 12
30/31	16 52 47	18 50 00	20 56 57	23 06 17	1 07 43	3 00 13	4 50 48	6 48 01	8 54 58	11 04 20	13 05 46	14 58 16
31	16 48 51	18 46 04	20 53 01	23 02 21	-	-	-	-	-	-	-	-

लग्नारम्भसाधन सारणी (1)

तारीख	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
नव	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	-	-	-	-	1 03 47	2 56 17	4 46 52	6 44 05	8 51 02	11 00 24	13 01 50	14 54 20
1/2	16 44 55	18 42 08	20 49 05	22 58 27	0 59 51	2 52 21	4 42 56	6 40 09	8 47 06	10 56 28	12 57 54	14 50 24
2/3	16 40 59	18 38 12	20 45 09	22 54 31	0 55 55	2 48 25	4 39 00	6 36 13	8 43 10	10 52 32	12 53 58	14 46 28
3/4	16 37 03	18 34 16	20 41 13	22 50 35	0 51 59	2 44 29	4 35 04	6 32 17	8 39 14	10 48 36	12 50 02	14 42 32
4/5	16 33 07	18 30 20	20 37 17	22 46 39	0 48 03	2 40 33	4 31 08	6 28 21	8 35 18	10 44 40	12 46 06	14 38 36
5/6	16 29 11	18 26 24	20 33 21	22 42 43	0 44 07	2 36 37	4 27 12	6 24 25	8 31 22	10 40 44	12 42 10	14 34 40
6/7	16 25 15	18 22 28	20 29 25	22 38 47	0 40 12	2 32 42	4 23 17	6 20 30	8 27 27	10 36 49	12 38 15	14 30 45
7/8	16 21 20	18 18 33	20 25 30	22 34 52	0 36 16	2 28 46	4 19 21	6 16 34	8 23 31	10 32 53	12 34 19	14 26 49
8/9	16 17 24	18 14 37	20 21 34	22 30 56	0 32 20	2 24 50	4 15 25	6 12 38	8 19 35	10 28 57	12 30 23	14 22 53
9/10	16 13 28	18 10 41	20 17 38	22 27 00	0 28 24	2 20 54	4 11 29	6 08 42	8 15 39	10 25 01	12 26 27	14 18 57
10/11	16 09 32	18 06 45	20 13 42	22 23 04	0 24 28	2 16 58	4 07 33	6 04 46	8 11 43	10 21 05	12 22 31	14 15 01
11/12	16 05 36	18 02 49	20 09 46	22 19 08	0 20 32	2 13 02	4 03 37	6 00 50	8 07 47	10 17 09	12 18 35	14 11 05
12/13	16 01 40	17 58 53	20 05 50	22 15 12	0 16 36	2 09 06	3 59 41	5 56 54	8 03 51	10 13 13	12 14 39	14 07 09
13/14	15 57 44	17 54 57	20 01 54	22 11 16	0 12 40	2 05 10	3 55 45	5 52 58	7 59 55	10 09 17	12 10 43	14 03 13
14/15	15 53 48	17 51 01	19 57 58	22 07 20	0 08 44	2 01 14	3 51 49	5 49 02	7 55 59	10 05 21	12 06 47	13 59 17
15/16	15 49 52	17 47 05	19 54 02	22 03 24	0 04 48	1 57 18	3 47 53	5 45 06	7 52 03	10 01 25	12 02 51	13 55 21
16/17	15 45 56	17 43 09	19 50 06	21 59 28	0 00 52	1 53 22	3 43 57	5 41 10	7 48 07	9 57 29	11 58 55	13 51 25
17/18	15 42 00	17 39 13	19 46 10	21 55 32	23 56 57	1 49 27	3 40 02	5 37 15	7 44 12	9 53 34	11 55 00	13 47 30
18/19	15 38 05	17 35 18	19 42 15	21 51 37	23 53 01	1 45 31	3 36 06	5 33 19	7 40 16	9 49 38	11 51 04	13 43 34
19/20	15 34 09	17 31 22	19 38 19	21 47 41	23 49 05	1 41 35	3 32 10	5 29 23	7 36 20	9 45 42	11 47 08	13 39 38
20/21	15 30 13	17 27 26	19 34 23	21 43 45	23 45 09	1 37 39	3 28 14	5 25 27	7 32 24	9 41 46	11 43 12	13 35 42
21/22	15 26 17	17 23 30	19 30 27	21 39 49	23 41 13	1 33 43	3 24 18	5 21 31	7 28 28	9 37 50	11 39 16	13 31 46
22/23	15 22 21	17 19 34	19 26 31	21 35 53	23 37 17	1 29 47	3 20 22	5 17 35	7 24 32	9 33 54	11 35 20	13 27 50
23/24	15 18 25	17 15 38	19 22 35	21 31 57	23 33 21	1 25 51	3 16 26	5 13 39	7 20 36	9 29 58	11 31 24	13 23 54
24/25	15 14 29	17 11 42	19 18 39	21 28 01	23 29 25	1 21 55	3 12 30	5 09 43	7 16 40	9 26 02	11 27 28	13 19 58
25/26	15 10 33	17 07 46	19 14 43	21 24 05	23 25 29	1 17 59	3 08 34	5 05 47	7 12 44	9 22 06	11 23 32	13 16 02
26/27	15 06 37	17 03 50	19 10 47	21 20 09	23 21 33	1 14 03	3 04 38	5 01 51	7 08 48	9 18 10	11 19 36	13 12 06
27/28	15 02 41	16 59 54	19 06 51	21 16 13	23 17 37	1 10 07	3 00 42	4 57 55	7 04 52	9 14 14	11 15 40	13 08 10
28/29	14 58 45	16 55 58	19 02 55	21 12 17	23 13 42	1 06 12	2 56 47	4 54 00	7 00 57	9 10 19	11 11 45	13 04 15
29/30	14 54 50	16 52 03	18 59 00	21 08 22	23 09 46	1 02 16	2 52 51	4 50 04	6 57 01	9 06 23	11 07 49	13 00 19
30	14 50 54	16 48 07	18 55 04	21 04 26	23 05 50	-	-	-	-	-	-	-
दस												
1	-	-	-	-	-	0 58 20	2 48 55	4 46 08	6 53 05	9 02 27	11 03 53	12 56 23
1/2	14 46 58	16 44 11	18 51 08	21 00 30	23 01 56	0 54 24	2 44 59	4 42 12	6 49 09	8 58 31	10 59 57	12 52 27
2/3	14 43 02	16 40 15	18 47 12	20 56 34	22 58 00	0 50 28	2 41 03	4 38 16	6 45 13	8 54 35	10 56 01	12 48 31
3/4	14 39 06	16 36 19	18 43 16	20 52 38	22 54 04	0 46 32	2 37 07	4 34 20	6 41 17	8 50 39	10 52 05	12 44 35
4/5	14 35 10	16 32 23	18 39 20	20 48 42	22 50 08	0 42 36	2 33 11	4 30 24	6 37 21	8 46 43	10 48 09	12 40 39
5/6	14 31 14	16 28 27	18 35 24	20 44 46	22 46 12	0 38 40	2 29 15	4 26 28	6 33 25	8 42 47	10 44 13	12 36 43
6/7	14 27 18	16 24 31	18 31 28	20 40 50	22 42 16	0 34 45	2 25 20	4 22 33	6 29 30	8 38 52	10 40 18	12 32 48
7/8	14 23 23	16 20 36	18 27 33	20 36 55	22 38 21	0 30 49	2 21 24	4 18 37	6 25 34	8 34 56	10 36 22	12 28 52
8/9	14 19 27	16 16 40	18 23 37	20 32 59	22 34 25	0 26 53	2 17 28	4 14 41	6 21 38	8 31 00	10 32 26	12 24 56
9/10	14 15 31	16 12 44	18 19 41	20 29 03	22 30 29	0 22 57	2 13 32	4 10 45	6 17 42	8 27 04	10 28 30	12 21 00
10/11	14 11 35	16 08 48	18 15 45	20 25 07	22 26 33	0 19 01	2 09 36	4 06 49	6 13 46	8 23 08	10 24 34	12 17 04
11/12	14 07 39	16 04 52	18 11 49	20 21 11	22 22 37	0 15 05	2 05 40	4 02 53	6 09 50	8 19 12	10 20 38	12 13 08
12/13	14 03 43	16 00 56	18 07 53	20 17 15	22 18 41	0 11 09	2 01 44	3 58 57	6 05 54	8 15 16	10 16 42	12 09 12
13/14	13 59 47	15 57 00	18 03 57	20 13 19	22 14 45	0 07 13	1 57 48	3 55 01	6 01 58	8 11 20	10 12 46	12 05 16
14/15	13 55 51	15 53 04	18 00 01	20 09 23	22 10 49	0 03 17	1 53 52	3 51 05	5 58 02	8 07 24	10 08 50	12 01 20
15/16	13 51 55	15 49 08	17 56 05	20 05 27	22 06 53	23 59 21	1 49 56	3 47 09	5 54 06	8 03 28	10 04 54	11 57 24
16/17	13 47 59	15 45 12	17 52 09	20 01 31	22 02 57	23 55 25	1 46 00	3 43 13	5 50 10	7 59 32	10 00 58	11 53 28
17/18	13 44 03	15 41 16	17 48 13	19 57 35	21 59 01	23 51 30	1 42 05	3 39 18	5 46 15	7 55 37	9 57 03	11 49 33
18/19	13 40 08	15 37 21	17 44 18	19 53 40	21 55 06	23 47 34	1 38 09	3 35 22	5 42 19	7 51 41	9 53 07	11 45 37
19/20	13 36 12	15 33 25	17 40 22	19 49 44	21 51 10	23 43 38	1 34 13	3 31 26	5 38 23	7 47 45	9 49 11	11 41 41
20/21	13 32 16	15 29 29	17 36 26	19 45 48	21 47 14	23 39 42	1 30 17	3 27 30	5 34 27	7 43 49	9 45 15	11 37 45
21/22	13 28 20	15 25 33	17 32 30	19 41 52	21 43 18	23 35 46	1 26 21	3 23 34	5 30 31	7 39 53	9 41 19	11 33 49
22/23	13 24 24	15 21 37	17 28 34	19 37 56	21 39 22	23 31 50	1 22 25	3 19 38	5 26 35	7 35 57	9 37 23	11 29 53
23/24	13 20 28	15 17 41	17 24 38	19 34 00	21 35 26	23 27 54	1 18 29	3 15 42	5 22 39	7 32 01	9 33 27	11 25 57
24/25	13 16 32	15 13 45	17 20 42	19 30 04	21 31 30	23 23 58	1 14 33	3 11 46	5 18 43	7 28 05	9 29 31	11 22 01
25/26	13 12 36	15 09 49	17 16 46	19 26 08	21 27 34	23 20 02	1 10 37	3 07 50	5 14 47	7 24 09	9 25 35	11 18 05
26/27	13 08 40	15 05 53	17 12 50	19 22 12	21 23 38	23 16 06	1 06 41	3 03 54	5 10 51	7 20 13	9 21 39	11 14 09
27/28	13 04 44	15 01 57	17 08 54	19 18 16	21 19 42	23 12 10	1 02 45	2 59 58	5 06 55	7 16 17	9 17 43	11 10 13
28/29	13 00 48	14 58 01	17 04 58	19 14 20	21 15 46	23 08 15	0 58 50	2 56 03	5 03 00	7 12 22	9 13 48	11 06 18
29/30	12 56 53	14 54 06	17 01 03	19 10 25	21 11 51	23 04 19	0 54 54	2 52 07	4 59 04	7 08 26	9 09 52	11 02 22
30/31	12 52 57	14 50 10	16 57 07	19 06 29	21 07 55	23 00 23	0 50 58	2 48 11	4 55 08	7 04 30	9 05 56	10 58 26
31	12 49 01	14 46 14	16 53 11	19 02 33	21 03 59	22 56 27	-	-	-	-	-	-

लग्नारम्भसाधन सारणी (2)

लग्न / अक्षांश	मेष (-) तुला (+)	वृष (-) वृश्चिक (+)	मिथुन (-) धनु (+)	कर्क (-) मकर (+)	सिंह (-) कुम्भ (+)	कन्या (-) मीन (+)	लग्न / अक्षांश	मेष (-) तुला (+)	वृष (-) वृश्चिक (+)	मिथुन (-) धनु (+)	कर्क (-) मकर (+)	सिंह (-) कुम्भ (+)	कन्या (-) मीन (+)
अं.क.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	अं.क.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.
28 19	20 03	42 04	53 40	48 40	29 57	05 21	**28 33**	20 15	42 29	54 12	49 09	30 15	05 24
28 20	20 04	42 06	53 42	48 42	29 58	05 21	**28 34**	20 16	42 31	54 14	49 11	30 16	05 24
28 21	20 05	42 08	53 44	48 44	30 00	05 21	**28 35**	20 17	42 33	54 16	49 13	30 17	05 24
28 22	20 06	42 09	53 47	48 46	30 01	05 22	**28 36**	20 18	42 34	54 19	49 15	30 19	05 25
28 23	20 07	42 11	53 49	48 48	30 02	05 22	**28 37**	20 18	42 36	54 21	49 17	30 20	05 25
28 24	20 08	42 13	53 51	48 50	30 03	05 22	**28 38**	20 19	42 38	54 23	49 19	30 21	05 25
28 25	20 08	42 15	53 54	48 53	30 05	05 22	**28 39**	20 20	42 40	54 26	49 22	30 22	05 25
28 26	20 09	42 16	53 56	48 55	30 06	05 22	**28 40**	20 21	42 41	54 28	49 24	30 24	05 26
28 27	20 10	42 18	53 58	48 57	30 07	05 23	**28 41**	20 22	42 43	54 30	49 26	30 25	05 26
28 28	20 11	42 20	54 00	48 59	30 08	05 23	**28 42**	20 23	42 45	54 33	49 28	30 26	05 26
28 29	20 12	42 22	54 03	49 01	30 10	05 23	**28 43**	20 24	42 47	54 35	49 30	30 27	05 26
28 30	20 13	42 24	54 05	49 03	30 11	05 23	**28 44**	20 24	42 49	54 37	49 32	30 29	05 26
28 31	20 13	42 25	54 07	49 05	30 12	05 24	**28 45**	20 25	42 50	54 39	49 34	30 30	05 27
28 32	20 14	42 27	54 10	49 07	30 14	05 24	**28 46**	20 26	42 52	54 42	49 36	30 31	05 27
28 33	20 15	42 29	54 12	49 09	30 15	05 24	**28 47**	20 27	42 54	54 44	49 38	30 33	05 27

लग्नारम्भसाधन सारणी (3)

(वार्षिक संस्कार)

ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.
1901	+2 51	1926	+3 03	1951	+3 16	1976	+3 29	2001	-0 04	2026	-0 01	2051	+0 12	2076	+0 25
1902	+3 48	1927	+4 01	1952	+4 14	1977	+0 30	2002	+0 43	2027	+0 56	2052	+1 09	2077	-2 35
1903	+4 45	1928	+4 58	1953	+1 14	1978	+1 27	2003	+1 40	2028	+1 53	2053	-1 50	2078	-1 38
1904	+5 43	1929	+1 59	1954	+2 12	1979	+2 25	2004	+2 38	2029	-1 06	2054	-0 53	2079	-0 41
1905	+2 43	1930	+2 56	1955	+3 09	1980	+3 22	2005	-0 22	2030	-0 09	2055	+0 05	2080	+0 18
1906	+3 41	1931	+3 54	1956	+4 06	1981	+0 23	2006	+0 36	2031	+0 49	2056	+1 02	2081	-2 42
1907	+4 38	1932	+4 51	1957	+1 07	1982	+1 20	.2007	+1 33	2032	+1 46	2057	-1 58	2082	-1 45
1908	+ 5 35	1933	+1 52	1958	+2 04	1983	+2 18	2008	+2 30	2033	-1 13	2058	-1 01	2083	-0 48
1909	+2 36	1934	+2 49	1959	+3 02	1984	+3 14	2009	-0 29	2034	-0 16	2059	-0 03	2084	+0 10
1910	+3 33	1935	+3 46	1960	+3 59	1985	+0 15	2010	+0 28	2035	+0 41	2060	+0 55	2085	-2 50
1911	+4 31	1936	+4 44	1961	+1 00	1986	+1 12	2011	+1 25	2036	+1 38	2061	-2 06	2086	-1 53
1912	+5 28	1937	+1 44	1962	+1 57	1987	+2 10	2012	+2 23	2037	-1 21	2062	-1 08	2087	-0 55
1913	+2 29	1938	+2 42	1963	+2 54	1988	+3 07	2013	-0 37	2038	-0 24	2063	-0 11	2088	+0 03
1914	+3 26	1939	+3 39	1964	+3 51	1989	+0 08	2014	+0 21	2039	+0 34	2064	+0 47	2089	-2 57
1915	+4 23	1940	+4 36	1965	+0 53	1990	+1 06	2015	+1 18	2040	+1 31	2065	-2 13	2090	-2 00
1916	+5 20	1941	+1 37	1966	+1 50	1991	+2 02	2016	+2 15	2041	-1 28	2066	-1 16	2091	-1 03
1917	+2 21	1942	+2 34	1967	+2 47	1992	+3 00	2017	-0 44	2042	-0 31	2067	-0 18	2092	-0 05
1918	+3 18	1943	+3 31	1968	+3 44	1993	0 00	2018	+0 13	2043	+1 26	2068	+0 40	2093	-3 05
1919	+4 16	1944	+4 29	1969	+0 45	1994	+0 58	2019	+1 11	2044	+1 24	2069	-2 20	2094	-2 07
1920	+5 13	1945	+1 29	1970	+1 42	1995	+1 55	2020	+2 08	2045	-1 36	2070	-1 22	2095	-1 10
1921	+2 14	1946	+2 27	1971	+2 39	1996	+2 53	2021	-0 51	2046	-0 38	2071	-0 26	2096	-0 12
1922	+3 11	1947	+3 24	1972	+3 37	1997	- 0 07	2022	+0 06	2047	+0 19	2072	+0 32	2097	-3 1[illegible]
1923	+4 08	1948	+4 21	1973	+0 37	1998	+0 50	2023	+1 03	2048	+1 16	2073	-2 28	2098	-2 [illegible]
1924	+5 05	1949	+1 22	1974	+1 35	1999	+1 48	2024	+2 01	2049	-1 43	2074	-1 30	2099	-[illegible]
1925	+2 06	1950	+2 19	1975	+2 32	2000	+2 45	2025	-0 59	2050	-0 46	2075	-0 33	2100	[illegible]

तारीख	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
नव	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.	घ. मि. से.
1	-	-	-	-	1 03 47	2 56 17	4 46 52	6 44 05	8 51 02	11 00 24	13 01 50	14 54 20
1/2	16 44 55	18 42 08	20 49 05	22 58 27	0 59 51	2 52 21	4 42 56	6 40 09	8 47 06	10 56 28	12 57 54	14 50 24
2/3	16 40 59	18 38 12	20 45 09	22 54 31	0 55 55	2 48 25	4 39 00	6 36 13	8 43 10	10 52 32	12 53 58	14 46 28
3/4	16 37 03	18 34 16	20 41 13	22 50 35	0 51 59	2 44 29	4 35 04	6 32 17	8 39 14	10 48 36	12 50 02	14 42 32
4/5	16 33 07	18 30 20	20 37 17	22 46 39	0 48 03	2 40 33	4 31 08	6 28 21	8 35 18	10 44 40	12 46 06	14 38 36
5/6	16 29 11	18 26 24	20 33 21	22 42 43	0 44 07	2 36 37	4 27 12	6 24 25	8 31 22	10 40 44	12 42 10	14 34 40
6/7	16 25 15	18 22 28	20 29 25	22 38 47	0 40 12	2 32 42	4 23 17	6 20 30	8 27 27	10 36 49	12 38 15	14 30 45
7/8	16 21 20	18 18 33	20 25 30	22 34 52	0 36 16	2 28 46	4 19 21	6 16 34	8 23 31	10 32 53	12 34 19	14 26 49
8/9	16 17 24	18 14 37	20 21 34	22 30 56	0 32 20	2 24 50	4 15 25	6 12 38	8 19 35	10 28 57	12 30 23	14 22 53
9/10	16 13 28	18 10 41	20 17 38	22 27 00	0 28 24	2 20 54	4 11 29	6 08 42	8 15 39	10 25 01	12 26 27	14 18 57
10/11	16 09 32	18 06 45	20 13 42	22 23 04	0 24 28	2 16 58	4 07 33	6 04 46	8 11 43	10 21 05	12 22 31	14 15 01
11/12	16 05 36	18 02 49	20 09 46	22 19 08	0 20 32	2 13 02	4 03 37	6 00 50	8 07 47	10 17 09	12 18 35	14 11 05
12/13	16 01 40	17 58 53	20 05 50	22 15 12	0 16 36	2 09 06	3 59 41	5 56 54	8 03 51	10 13 13	12 14 39	14 07 09
13/14	15 57 44	17 54 57	20 01 54	22 11 16	0 12 40	2 05 10	3 55 45	5 52 58	7 59 55	10 09 17	12 10 43	14 03 13
14/15	15 53 48	17 51 01	19 57 58	22 07 20	0 08 44	2 01 14	3 51 49	5 49 02	7 55 59	10 05 21	12 06 47	13 59 17
15/16	15 49 52	17 47 05	19 54 02	22 03 24	0 04 48	1 57 18	3 47 53	5 45 06	7 52 03	10 01 25	12 02 51	13 55 21
16/17	15 45 56	17 43 09	19 50 06	21 59 28	0 00 52	1 53 22	3 43 57	5 41 10	7 48 07	9 57 29	11 58 55	13 51 25
17/18	15 42 00	17 39 13	19 46 10	21 55 32	23 56 57	1 49 27	3 40 02	5 37 15	7 44 12	9 53 34	11 55 00	13 47 30
18/19	15 38 05	17 35 18	19 42 15	21 51 37	23 53 01	1 45 31	3 36 06	5 33 19	7 40 16	9 49 38	11 51 04	13 43 34
19/20	15 34 09	17 31 22	19 38 19	21 47 41	23 49 05	1 41 35	3 32 10	5 29 23	7 36 20	9 45 42	11 47 08	13 39 38
20/21	15 30 13	17 27 26	19 34 23	21 43 45	23 45 09	1 37 39	3 28 14	5 25 27	7 32 24	9 41 46	11 43 12	13 35 42
21/22	15 26 17	17 23 30	19 30 27	21 39 49	23 41 13	1 33 43	3 24 18	5 21 31	7 28 28	9 37 50	11 39 16	13 31 46
22/23	15 22 21	17 19 34	19 26 31	21 35 53	23 37 17	1 29 47	3 20 22	5 17 35	7 24 32	9 33 54	11 35 20	13 27 50
23/24	15 18 25	17 15 38	19 22 35	21 31 57	23 33 21	1 25 51	3 16 26	5 13 39	7 20 36	9 29 58	11 31 24	13 23 54
24/25	15 14 29	17 11 42	19 18 39	21 28 01	23 29 25	1 21 55	3 12 30	5 09 43	7 16 40	9 26 02	11 27 28	13 19 58
25/26	15 10 33	17 07 46	19 14 43	21 24 05	23 25 29	1 17 59	3 08 34	5 05 47	7 12 44	9 22 06	11 23 32	13 16 02
26/27	15 06 37	17 03 50	19 10 47	21 20 09	23 21 33	1 14 03	3 04 38	5 01 51	7 08 48	9 18 10	11 19 36	13 12 06
27/28	15 02 41	16 59 54	19 06 51	21 16 13	23 17 37	1 10 07	3 00 42	4 57 55	7 04 52	9 14 14	11 15 40	13 08 10
28/29	14 58 45	16 55 58	19 02 55	21 12 17	23 13 42	1 06 12	2 56 47	4 54 00	7 00 57	9 10 19	11 11 45	13 04 15
29/30	14 54 50	16 52 03	18 59 00	21 08 22	23 09 46	1 02 16	2 52 51	4 50 04	6 57 01	9 06 23	11 07 49	13 00 19
30	14 50 54	16 48 07	18 55 04	21 04 26	23 05 50	-		-	-	-	-	-
दस												
1	-	-	-	-	-	0 58 20	2 48 55	4 46 08	6 53 05	9 02 27	11 03 53	12 56 23
1/2	14 46 58	16 44 11	18 51 08	21 00 30	23 01 56	0 54 24	2 44 59	4 42 12	6 49 09	8 58 31	10 59 57	12 52 27
2/3	14 43 02	16 40 15	18 47 12	20 56 34	22 58 00	0 50 28	2 41 03	4 38 16	6 45 13	8 54 35	10 56 01	12 48 31
3/4	14 39 06	16 36 19	18 43 16	20 52 38	22 54 04	0 46 32	2 37 07	4 34 20	6 41 17	8 50 39	10 52 05	12 44 35
4/5	14 35 10	16 32 23	18 39 20	20 48 42	22 50 08	0 42 36	2 33 11	4 30 24	6 37 21	8 46 43	10 48 09	12 40 39
5/6	14 31 14	16 28 27	18 35 24	20 44 46	22 46 12	0 38 40	2 29 15	4 26 28	6 33 25	8 42 47	10 44 13	12 36 43
6/7	14 27 18	16 24 31	18 31 28	20 40 50	22 42 16	0 34 45	2 25 20	4 22 33	6 29 30	8 38 52	10 40 18	12 32 48
7/8	14 23 23	16 20 36	18 27 33	20 36 55	22 38 21	0 30 49	2 21 24	4 18 37	6 25 34	8 34 56	10 36 22	12 28 52
8/9	14 19 27	16 16 40	18 23 37	20 32 59	22 34 25	0 26 53	2 17 28	4 14 41	6 21 38	8 31 00	10 32 26	12 24 56
9/10	14 15 31	16 12 44	18 19 41	20 29 03	22 30 29	0 22 57	2 13 32	4 10 45	6 17 42	8 27 04	10 28 30	12 21 00
10/11	14 11 35	16 08 48	18 15 45	20 25 07	22 26 33	0 19 01	2 09 36	4 06 49	6 13 46	8 23 08	10 24 34	12 17 04
11/12	14 07 39	16 04 52	18 11 49	20 21 11	22 22 37	0 15 05	2 05 40	4 02 53	6 09 50	8 19 12	10 20 38	12 13 08
12/13	14 03 43	16 00 56	18 07 53	20 17 15	22 18 41	0 11 09	2 01 44	3 58 57	6 05 54	8 15 16	10 16 42	12 09 12
13/14	13 59 47	15 57 00	18 03 57	20 13 19	22 14 45	0 07 13	1 57 48	3 55 01	6 01 58	8 11 20	10 12 46	12 05 16
14/15	13 55 51	15 53 04	18 00 01	20 09 23	22 10 49	0 03 17	1 53 52	3 51 05	5 58 02	8 07 24	10 08 50	12 01 20
15/16	13 51 55	15 49 08	17 56 05	20 05 27	22 06 53	23 59 21	1 49 56	3 47 09	5 54 06	8 03 28	10 04 54	11 57 24
16/17	13 47 59	15 45 12	17 52 09	20 01 31	22 02 57	23 55 25	1 46 00	3 43 13	5 50 10	7 59 32	10 00 58	11 53 28
17/18	13 44 03	15 41 16	17 48 13	19 57 35	21 59 01	23 51 30	1 42 05	3 39 18	5 46 15	7 55 37	9 57 03	11 49 33
18/19	13 40 08	15 37 21	17 44 18	19 53 40	21 55 06	23 47 34	1 38 09	3 35 22	5 42 19	7 51 41	9 53 07	11 45 37
19/20	13 36 12	15 33 25	17 40 22	19 49 44	21 51 10	23 43 38	1 34 13	3 31 26	5 38 23	7 47 45	9 49 11	11 41 41
20/21	13 32 16	15 29 29	17 36 26	19 45 48	21 47 14	23 39 42	1 30 17	3 27 30	5 34 27	7 43 49	9 45 15	11 37 45
21/22	13 28 20	15 25 33	17 32 30	19 41 52	21 43 18	23 35 46	1 26 21	3 23 34	5 30 31	7 39 53	9 41 19	11 33 49
22/23	13 24 24	15 21 37	17 28 34	19 37 56	21 39 22	23 31 50	1 22 25	3 19 38	5 26 35	7 35 57	9 37 23	11 29 53
23/24	13 20 28	15 17 41	17 24 38	19 34 00	21 35 26	23 27 54	1 18 29	3 15 42	5 22 39	7 32 01	9 33 27	11 25 57
24/25	13 16 32	15 13 45	17 20 42	19 30 04	21 31 30	23 23 58	1 14 33	3 11 46	5 18 43	7 28 05	9 29 31	11 22 01
25/26	13 12 36	15 09 49	17 16 46	19 26 08	21 27 34	23 20 02	1 10 37	3 07 50	5 14 47	7 24 09	9 25 35	11 18 05
26/27	13 08 40	15 05 53	17 12 50	19 22 12	21 23 38	23 16 06	1 06 41	3 03 54	5 10 51	7 20 13	9 21 39	11 14 09
27/28	13 04 44	15 01 57	17 08 54	19 18 16	21 19 42	23 12 10	1 02 45	2 59 58	5 06 55	7 16 17	9 17 43	11 10 13
28/29	13 00 48	14 58 01	17 04 58	19 14 20	21 15 46	23 08 15	0 58 50	2 56 03	5 03 00	7 12 22	9 13 48	11 06 18
29/30	12 56 53	14 54 06	17 01 03	19 10 25	21 11 51	23 04 19	0 54 54	2 52 07	4 59 04	7 08 26	9 09 52	11 02 22
30/31	12 52 57	14 50 10	16 57 07	19 06 29	21 07 55	23 00 23	0 50 58	2 48 11	4 55 08	7 04 30	9 05 56	10 58 26
31	12 49 01	14 46 14	16 53 11	19 02 33	21 03 59	22 56 27	-	-	-		-	

लग्नारम्भसाधन सारणी (2)

लग्न / अक्षांश	मेष (-) तुला (+)	वृष (-) वृश्चिक (+)	मिथुन (-) धनु (+)	कर्क (-) मकर (+)	सिंह (-) कुम्भ (+)	कन्या (-) मीन (+)	लग्न / अक्षांश	मेष (-) तुला (+)	वृष (-) वृश्चिक (+)	मिथुन (-) धनु (+)	कर्क (-) मकर (+)	सिंह (-) कुम्भ (+)	कन्या (-) मीन (+)
अं.क.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	अं.क.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.	मि. से.
28 19	20 03	42 04	53 40	48 40	29 57	05 21	**28 33**	20 15	42 29	54 12	49 09	30 15	05 24
28 20	20 04	42 06	53 42	48 42	29 58	05 21	**28 34**	20 16	42 31	54 14	49 11	30 16	05 24
28 21	20 05	42 08	53 44	48 44	30 00	05 21	**28 35**	20 17	42 33	54 16	49 13	30 17	05 24
28 22	20 06	42 09	53 47	48 46	30 01	05 22	**28 36**	20 18	42 34	54 19	49 15	30 19	05 25
28 23	20 07	42 11	53 49	48 48	30 02	05 22	**28 37**	20 18	42 36	54 21	49 17	30 20	05 25
28 24	20 08	42 13	53 51	48 50	30 03	05 22	**28 38**	20 19	42 38	54 23	49 19	30 21	05 25
28 25	20 08	42 15	53 54	48 53	30 05	05 22	**28 39**	20 20	42 40	54 26	49 22	30 22	05 25
28 26	20 09	42 16	53 56	48 55	30 06	05 22	**28 40**	20 21	42 41	54 28	49 24	30 24	05 26
28 27	20 10	42 18	53 58	48 57	30 07	05 23	**28 41**	20 22	42 43	54 30	49 26	30 25	05 26
28 28	20 11	42 20	54 00	48 59	30 08	05 23	**28 42**	20 23	42 45	54 33	49 28	30 26	05 26
28 29	20 12	42 22	54 03	49 01	30 10	05 23	**28 43**	20 24	42 47	54 35	49 30	30 27	05 26
28 30	20 13	42 24	54 05	49 03	30 11	05 23	**28 44**	20 24	42 49	54 37	49 32	30 29	05 26
28 31	20 13	42 25	54 07	49 05	30 12	05 24	**28 45**	20 25	42 50	54 39	49 34	30 30	05 27
28 32	20 14	42 27	54 10	49 07	30 14	05 24	**28 46**	20 26	42 52	54 42	49 36	30 31	05 27
28 33	20 15	42 29	54 12	49 09	30 15	05 24	**28 47**	20 27	42 54	54 44	49 38	30 33	05 27

लग्नारम्भसाधन सारणी (3)

(वार्षिक संस्कार)

ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.	ई. सन्	संस्कार मि. से.
1901	+2 51	1926	+3 03	1951	+3 16	1976	+3 29	2001	-0 04	2026	-0 01	2051	+0 12	2076	+0 25
1902	+3 48	1927	+4 01	1952	+4 14	1977	+0 30	2002	+0 43	2027	+0 56	2052	+1 09	2077	-2 35
1903	+4 45	1928	+4 58	1953	+1 14	1978	+1 27	2003	+1 40	2028	+1 53	2053	-1 50	2078	-1 38
1904	+5 43	1929	+1 59	1954	+2 12	1979	+2 25	2004	+2 38	2029	-1 06	2054	-0 53	2079	-0 41
1905	+2 43	1930	+2 56	1955	+3 09	1980	+3 22	2005	-0 22	2030	-0 09	2055	+0 05	2080	+0 18
1906	+3 41	1931	+3 54	1956	+4 06	1981	+0 23	2006	+0 36	2031	+0 49	2056	+1 02	2081	-2 42
1907	+4 38	1932	+4 51	1957	+1 07	1982	+1 20	.2007	+1 33	2032	+1 46	2057	-1 58	2082	-1 45
1908	+ 5 35	1933	+1 52	1958	+2 04	1983	+2 18	2008	+2 30	2033	-1 13	2058	-1 01	2083	-0 48
1909	+2 36	1934	+2 49	1959	+3 02	1984	+3 14	2009	-0 29	2034	-0 16	2059	-0 03	2084	+0 10
1910	+3 33	1935	+3 46	1960	+3 59	1985	+0 15	2010	+0 28	2035	+0 41	2060	+0 55	2085	-2 50
1911	+4 31	1936	+4 44	1961	+1 00	1986	+1 12	2011	+1 25	2036	+1 38	2061	-2 06	2086	-1 53
1912	+5 28	1937	+1 44	1962	+1 57	1987	+2 10	2012	+2 23	2037	-1 21	2062	-1 08	2087	-0 55
1913	+2 29	1938	+2 42	1963	+2 54	1988	+3 07	2013	-0 37	2038	-0 24	2063	-0 11	2088	+0 03
1914	+3 26	1939	+3 39	1964	+3 51	1989	+0 08	2014	+0 21	2039	+0 34	2064	+0 47	2089	-2 57
1915	+4 23	1940	+4 36	1965	+0 53	1990	+1 06	2015	+1 18	2040	+1 31	2065	-2 13	2090	-2 00
1916	+5 20	1941	+1 37	1966	+1 50	1991	+2 02	2016	+2 15	2041	-1 28	2066	-1 16	2091	-1 03
1917	+2 21	1942	+2 34	1967	+2 47	1992	+3 00	2017	-0 44	2042	-0 31	2067	-0 18	2092	-0 05
1918	+3 18	1943	+3 31	1968	+3 44	1993	0 00	2018	+0 13	2043	+1 26	2068	+0 40	2093	-3 05
1919	+4 16	1944	+4 29	1969	+0 45	1994	+0 58	2019	+1 11	2044	+1 24	2069	-2 20	2094	-2 07
1920	+5 13	1945	+1 29	1970	+1 42	1995	+1 55	2020	+2 08	2045	-1 36	2070	-1 22	2095	-1 10
1921	+2 14	1946	+2 27	1971	+2 39	1996	+2 53	2021	-0 51	2046	-0 38	2071	-0 26	2096	-0 12
1922	+3 11	1947	+3 24	1972	+3 37	1997	- 0 07	2022	+0 06	2047	+0 19	2072	+0 32	2097	-3 [illegible]
1923	+4 08	1948	+4 21	1973	+0 37	1998	+0 50	2023	+1 03	2048	+1 16	2073	-2 28	2098	-2 [illegible]
1924	+5 05	1949	+1 22	1974	+1 35	1999	+1 48	2024	+2 01	2049	-1 43	2074	-1 30	2099	-1 [illegible]
1925	+2 06	1950	+2 19	1975	+2 32	2000	+2 45	2025	-0 59	2050	-0 46	2075	-0 33	2100	[illegible] 20

लग्नारम्भ साधन सारणी (4)

(अयनांश संस्कार)

सन्	मेष, वृष, कुम्भ, मीन लग्नों के लिए संस्कार मि. से.	शेष लग्नों * के लिए संस्कार मि. से.	सन्	मेष, वृष, कुम्भ, मीन लग्नों के लिए संस्कार मि. से.	शेष लग्नों* के लिए संस्कार मि. से.	सन्	मेष, वृष, कुम्भ, मीन लग्नों के लिए संस्कार मि. से.	शेष लग्नों * के लिए संस्कार मि. से.	सन्	मेष, वृष, कुम्भ, मीन लग्नों के लिए संस्कार मि. से.	शेष लग्नों * के लिए संस्कार मि. से.
1951	−1 57	−2 31	1971	−1 01	−1 19	1991	−0 06	−0 07	2011	+0 50	+1 05
1952	−1 54	−2 27	1972	−0 59	−1 15	1992	−0 03	−0 04	2012	+0 53	+1 08
1953	−1 52	−2 24	1973	−0 56	−1 12	1993	−0 00	0 00	2013	+0 56	+1 12
1954	−1 49	−2 20	1974	−0 53	−1 08	1994	+0 03	+0 04	2014	+0 58	+1 15
1955	−1 46	−2 16	1975	−0 50	−1 05	1995	+0 06	+0 07	2015	+1 01	+1 19
1956	−1 43	−2 13	1976	−0 47	−1 01	1996	+0 08	+0 11	2016	+1 04	+1 22
1957	−1 40	−2 09	1977	−0 45	−0 57	1997	+0 11	+0 14	2017	+1 07	+1 26
1958	−1 38	−2 06	1978	−0 42	−0 54	1998	+0 14	+0 18	2018	+1 10	+1 30
1959	−1 35	−2 02	1979	−0 39	−0 50	1999	+0 17	+0 21	2019	+1 13	+1 33
1960	−1 32	−1 58	1980	−0 36	−0 47	2000	+0 19	+0 25	2020	+1 15	+1 37
1961	−1 29	−1 55	1981	−0 33	−0 43	2001	+0 22	+0 29	2021	+1 18	+1 40
1962	−1 26	−1 51	1982	−0 31	−0 39	2002	+0 25	+0 32	2022	+1 21	+1 44
1963	−1 24	−1 48	1983	−0 28	−0 36	2003	+0 28	+0 36	2023	+1 24	+1 48
1964	−1 21	−1 44	1984	−0 25	−0 32	2004	+0 31	+0 39	2024	+1 26	+1 51
1965	−1 18	−1 40	1985	−0 22	−0 29	2005	+0 33	+0 43	2025	+1 29	+1 55
1966	−1 15	−1 37	1986	−0 19	−0 25	2006	+0 36	+0 47	2026	+1 32	+1 58
1967	−1 13	−1 33	1987	−0 17	−0 21	2007	+0 39	+0 50	2027	+1 35	+2 02
1968	−1 10	−1 30	1988	−0 14	−0 18	2008	+0 42	+0 54	2028	+1 38	+2 06
1969	−1 07	−1 26	1989	−0 11	−0 14	2009	+0 45	+0 57	2029	+1 40	+2 09
1970	−1 04	−1 22	1990	−0 08	−0 11	2010	+0 47	+1 01	2030	+1 43	+2 13

*शेष लग्न= मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु और मकर।

अशुद्धि संशोधन

विगत वर्ष (सं. 2061 वि.) **के श्री मार्त्तण्ड पंचांग** के **'विशेषांक'** भाग में निम्नांकित दो अशुद्धियां प्रूफरीडर के दृष्टिदोषवश रह गईं थीं – इन्हें कृपया इस प्रकार शुद्ध कर लें–

(i) पृ. 64 पर (**'दक्षिणायन'** शीर्षक के अन्तर्गत) **"सूर्य का सायन मकर..........स्थितिकाल दक्षिणायन और शेष ....उत्तरायण कहलाता है"** के स्थान पर **"सूर्य का सायन मकर..................... स्थितिकाल उत्तरायण और शेष .... दक्षिणायन कहलाता है"**– यह पढ़िए।

(ii) पृष्ठ 80 पर (**'दलन–कण्डन आदि कृत्यारम्भ मुहूर्त्त'** के अन्तर्गत) **" विवाहदिन से पूर्ववर्ती तीसरे, छठे या नवमे दिन में..... गीत–नृत्यादि के साथ शुरु करने चाहिएं"** के स्थान पर **" विवाहदिन से पूर्ववर्ती तीसरे, छठे और नौवें दिन को छोड़कर अन्य दिन में.................. गीत–नृत्यादि के साथ शुरु करने चाहिएं"**– यह पढ़िए।

दिल्ली की विभिन्न बस्तियों का सूक्ष्मतम सूर्योदयास्तकाल

वैसे तो पूरी दिल्ली के लिए लगभग सभी दैवज्ञ प्रतिवर्ष एक ही सूर्योदयास्तकाल प्रयोग में लाते चले आ रहे हैं, जो पृष्ठ 245 पर हमने दे दिया है। क्योंकि, इस सूर्योदयास्तकाल में प्रतिवर्ष कुछ मि. से. का अन्तर लीप इयर आदि के कारण रहता है। **किञ्च** – विभिन्न अक्षांश–रेखांशों के कारण भी इसे दिल्ली की सभी बस्तियों के लिए प्रतिवर्ष बिना किसी संस्कार के यथावत् प्रयोग में लाना सूक्ष्मताभिलाषी अनेक दैवज्ञ पसन्द नहीं करते। ऐसे दैवज्ञों के सन्तोष के लिए ही हम यहां दिल्ली की अलग–अलग बस्तियों के लिए उनके अपने–अपने अक्षांश–रेखांशों पर आधारित नितान्त (सेकण्ड तक) सूक्ष्म सूर्योदयास्तकाल जानने का सरलप्रकार दे रहे हैं।

सूर्योदयास्त–साधनप्रकार– सूक्ष्म सूर्योदयकाल जानने के लिए अभीष्ट तारीख में प्रातः 6 बजे भा. स्टैं. टा. पर सायन स्पष्ट सूर्य के रा. अं. क. ज्ञात करें। इनके आधार पर आगे दी गई **'क्रान्ति–वेलान्तर सारणी'** से क्रान्ति की अं. क. और वेलान्तर के मि. से. ज्ञात करें। क्रान्ति उत्तर की है या दक्षिण की एवं वेलान्तर धन (+) है या ऋण (–), यह भी इस सारणी से ही ज्ञात हो जाएगा। अभीष्ट बस्ती के अक्षांशों द्वारा आगे दी गई **'चर सारणी'** से चर के मि. से. भी ज्ञात कर लें। यदि क्रान्ति उत्तर है तो चर ऋण (–), अन्यथा वह धन (+) होगा। (यह नियम सूर्योदयकालसाधन के लिए ही है।) इसके बाद 6 घं. 0 मि. (भा. स्टैं. टा.) में वेलान्तर एवं चर के मि. से. को चिह्नानुसार जोड़ने या घटाने पर दिल्ली की अभीष्ट बस्ती का अभीष्ट तारीख वाला सूर्योदय स्था. म. का. में ज्ञात हो जाएगा। इसमें अभीष्ट बस्ती का स्टैं. अं. चिह्न के विपरीत जोड़ देने पर भा. स्टैं. टा. में सूक्ष्म सूर्योदयकाल बन जाएगा। **यह सूक्ष्म सूर्योदयकाल जानने का प्रकार है।**

अब हम आगे सूर्यास्तकाल साधनप्रकार बता रहे हैं:–

सूक्ष्म सूर्यास्तकाल जानने के लिए अभीष्ट तारीख को 18 घं. 00 मि. (भा. स्टैं. टा.) पर सायन स्पष्ट सूर्य के राश्यादि ज्ञात करने होंगे। ठीक, उपरोक्त प्रकार से ही सूर्यक्रान्ति, वेलान्तर एवं अभीष्ट स्थान के अक्षांश द्वारा चर के मि. से. भी ज्ञात कर लें। **ध्यान देने की बात है–** यहां यदि क्रान्ति उत्तर है तो चर धन (+), अन्यथा ऋण (–) होगा।

ध्यातव्य है कि–यहां सूर्यास्तसाधन में चर के चिह्न का निर्णय सूर्योदय के चर से एकदम विपरीत है।

अब हम आगे दिल्ली की शाहदरा बस्ती के सूर्योदयास्तकाल साधन के उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं–

उदाहरण (i) (सूर्योदयसाधन)– शाहदरा (दिल्ली) में 8 मार्च, 2003 को सूक्ष्म सूर्योदयकाल का साधन करने के लिए इस दिन प्रातः 6 घं. 0 मि. (भा. स्टैं. टा.) पर सायन सूर्य स्पष्ट 11 रा. 17 अं. 1 क. प्राप्त हुआ। सूर्य के इन राश्यादि द्वारा 'क्रान्ति–वेलान्तर सारणी' से अनुपात क्रिया द्वारा क्रान्ति दक्षिण 5° 08′ और वेलान्तर धन (+) 11 मि. 03 से. मिले। क्रान्ति 5° 08′ एवं शाहदरा के अक्षांश (28° 41′) द्वारा चरसारणी से 11 मि. 15 से. चर प्राप्त हुआ। यहां क्रान्ति दक्षिण होने के कारण पूर्वोक्त नियमानुसार चर धन (+) है। अब 6 घं. 00 मि. में वेलान्तर धन (+) 11 मि. 03 से. और चर के 11 मि. 15 से. को जोड़ने पर 6 घं. 22 मि. 18 से. प्राप्त हुआ, जो शाहदरा में स्था. म. का. अनुसार सूर्योदयकाल है। इसमें शाहदरा के स्टैं. अं. (–20 मि. 52 से.) को चिह्न के विपरीत जोड़ देने पर 6 घं. 43 मि. 10 से. भा. स्टैं. टा. में **शाहदरा (दिल्ली)** का सूक्ष्म सूर्योदयकाल ज्ञात हुआ।

उदाहरण (ii) (सूर्यास्तसाधन)– शाहदरा (दिल्ली) में ही 8 मार्च, 2003 ई. को सूक्ष्म सूर्यास्तकाल साधनार्थ इस दिन सायं 18 घं. 00 मि. (भा. स्टैं. टा.) पर सायन सूर्य स्पष्ट के राश्यादि 11 रा. 17 अं. 31 क. प्राप्त हुए। इनके द्वारा **'क्रान्ति–वेलान्तर सारणी'** से अनुपातपूर्वक क्रान्ति दक्षिण 4° 57′ और वेलान्तर धन (+) 10 मि. 56 से. मिले। क्रान्ति 4° 57′ एवं शाहदरा के अक्षांश (28° 41′) द्वारा **चरसारणी** से 10 मि. 51 से. चर मिला। दक्षिण क्रान्ति होने के कारण उक्त निर्देशानुसार यहां (सूर्यास्तसाधन में) चर संस्कार ऋण (–) होगा। अब $18^{\text{घ}}$ $00^{\text{मि}}$ में वेलान्तर के मि. से. जोड़ने और चर के मि. से. घटाने पर $18^{\text{घ}}$ $00^{\text{मि}}$ $05^{\text{से}}$ प्राप्त हुआ, जो **शाहदरा (दिल्ली)** में स्था. म. का. अनुसार सूर्यास्तकाल है। इसमें **शाहदरा** का स्टैं. अं. ($-20^{\text{मि}}$ $52^{\text{से}}$) चिह्न के विपरीत जोड़ने पर $18^{\text{घ}}$ $20^{\text{मि}}$ $57^{\text{से}}$ भा. स्टैं. टा. में **शाहदरा (दिल्ली)** का सूक्ष्म सूर्यास्तकाल प्राप्त हुआ।

****

क्रान्ति–वेलान्तर कोष्ठक (भाग 1)

सायन सूर्य राशि ▶	(0) मेष				(1) वृष				(2) मिथुन				(3) कर्क				(4) सिंह				(5) कन्या			
अंश ▼	क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर	
	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.
0	उ. 0	00	+7	28	उ.11	28	−1	02	उ.20	09	−3	31	उ.23	27	+1	39	उ.20	09	+6	22	उ.11	28	+2	39
1	0	24	7	10	11	49	1	15	20	22	3	27	23	26	1	53	19	56	6	24	11	07	2	22
2	0	48	6	52	12	10	1	27	20	34	3	22	23	26	2	06	19	43	6	25	10	46	2	05
3	1	12	6	33	12	31	1	39	20	46	3	17	23	25	2	20	19	29	6	26	10	24	1	48
4	1	35	6	15	12	51	1	51	20	57	3	11	23	23	2	33	19	16	6	25	10	03	1	30
5	1	59	5	57	13	11	2	02	21	08	3	05	23	21	2	46	19	01	6	24	9	41	1	12
6	2	23	5	38	13	31	2	12	21	19	2	58	23	18	3	00	18	47	6	23	9	19	0	54
7	2	47	5	20	13	51	2	22	21	29	2	50	23	16	3	13	18	32	6	21	8	57	0	35
8	3	10	5	02	14	11	2	31	21	39	2	42	23	12	3	25	18	16	6	18	8	34	+0	16
9	3	34	4	43	14	30	2	40	21	48	2	34	23	08	3	07	18	01	6	14	8	12	−0	03
10	3	58	4	25	14	49	2	49	21	57	2	25	23	04	3	49	17	45	6	10	7	49	0	23
11	4	21	4	07	15	08	2	57	22	06	2	16	22	59	4	01	17	28	6	05	7	27	0	44
12	4	45	3	48	15	26	3	04	22	14	2	06	22	54	4	12	17	12	6	00	7	04	1	04
13	5	08	3	30	15	45	3	11	22	22	1	56	22	49	4	23	16	55	5	54	6	41	1	24
14	5	31	3	12	16	03	3	17	22	29	1	46	22	42	4	34	16	38	5	47	6	18	1	45
15	5	55	2	54	16	20	3	22	22	36	1	35	22	36	4	44	16	20	5	40	5	55	2	06
16	6	18	2	36	16	38	3	27	22	42	1	23	22	29	4	54	16	03	5	32	5	31	2	27
17	6	41	2	19	16	55	3	32	22	49	1	11	22	22	5	04	15	45	5	23	5	08	2	49
18	7	04	2	02	17	12	3	36	22	54	1	00	22	14	5	13	15	26	5	14	4	45	3	10
19	7	27	1	44	17	28	3	39	22	59	0	48	22	06	5	22	15	08	5	04	4	21	3	32
20	7	49	1	27	17	45	3	41	23	04	0	35	21	57	5	30	14	49	4	54	3	58	3	05
21	8	12	1	11	18	01	3	43	23	08	0	22	21	48	5	38	14	30	4	43	3	34	4	15
22	8	34	0	55	18	16	3	44	23	12	−0	10	21	39	5	45	14	11	4	31	3	10	4	37
23	8	57	0	39	18	32	3	45	23	16	+0	03	21	29	5	52	13	51	4	18	2	47	4	59
24	9	19	0	23	18	47	3	45	23	18	0	17	21	19	5	58	13	31	4	06	2	23	5	21
25	9	41	+0	08	19	01	3	44	23	21	0	31	21	08	6	04	13	11	3	53	1	59	5	43
26	10	03	−0	06	19	16	3	43	23	23	0	44	20	57	6	09	12	51	3	39	1	35	6	04
27	10	24	0	20	19	29	3	41	23	25	0	58	20	46	6	13	12	31	3	25	1	12	6	25
28	10	46	0	35	19	43	3	38	23	26	1	12	20	34	6	17	12	10	3	10	0	48	6	46
29	11	07	0	49	19	56	3	35	23	26	1	25	20	22	6	20	11	49	2	55	0	24	7	08
30	उ. 11	28	−1	02	उ. 20	09	−3	31	उ. 23	27	+1	39	उ. 20	09	+6	22	उ. 11	28	+2	39	उ. 0	00	−7	30

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश	अं.क. 28 33	अं.क. 28 34	अं.क. 28 35	अं.क. 28 36	अं.क. 28 37	अं.क. 28 38	अं.क. 28 39	अं.क. 28 40	अं.क. 28 41	अं.क. 28 42	अं.क. 28 43	अं.क. 28 44	अं.क. 28 45	अं.क. 28 46	अं.क 28 4
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से
12 00	26 33	26 34	26 36	26 37	26 38	26 39	26 40	26 41	26 42	26 43	26 44	26 46	26 47	26 48	26 49
12 12	27 01	27 02	27 03	27 04	27 05	27 07	27 08	27 09	27 10	27 11	27 12	27 13	27 14	27 16	27 17
12 24	27 28	27 30	27 31	27 32	27 33	27 34	27 35	27 36	27 38	27 39	27 40	27 41	27 42	27 43	27 45
12 36	27 56	27 57	27 58	28 00	28 01	28 02	28 03	28 04	28 05	28 07	28 08	28 09	28 10	28 11	28 12
12 48	28 24	28 25	28 26	28 27	28 28	28 30	28 31	28 32	28 33	28 34	28 36	28 37	28 38	28 39	28 40
13 00	28 51	28 53	28 54	28 55	28 56	28 57	28 59	29 00	29 01	29 02	29 03	29 05	29 06	29 07	29 08
13 12	29 19	29 20	29 22	29 23	29 24	29 25	29 26	29 28	29 29	29 30	29 31	29 33	29 34	29 35	29 36
13 24	29 47	29 48	29 49	29 51	29 52	29 53	29 54	29 56	29 57	29 58	29 59	30 01	30 02	30 03	30 04
13 36	30 15	30 16	30 17	30 19	30 20	30 21	30 22	30 24	30 25	30 26	30 27	30 29	30 30	30 31	30 33
13 48	[illegible] 43	30 44	30 45	30 47	30 48	30 49	30 50	30 52	30 53	30 54	30 56	30 57	30 58	30 59	31 01
14 00	[illegible] 11	31 12	31 13	31 15	31 16	31 17	31 19	31 20	31 21	31 22	31 24	31 25	31 26	31 28	31 29
14 12	31 39	31 40	31 41	31 43	31 44	31 45	31 47	31 48	31 49	31 51	31 52	31 53	31 55	31 56	31 57
14 24	32 07	32 08	32 09	32 11	32 12	32 14	32 15	32 16	32 18	32 19	32 20	32 22	32 23	32 24	32 26
14 36	32 35	32 36	32 38	32 39	32 40	32 42	32 43	32 44	32 46	32 47	32 49	32 50	32 51	32 53	32 54
14 48	33 03	33 05	33 06	33 07	33 09	33 10	33 11	33 13	33 14	33 16	33 17	33 18	33 20	33 21	33 23
15 00	33 31	33 33	33 34	33 36	33 37	33 38	33 40	33 41	33 43	33 44	33 45	33 47	33 48	33 50	33 51
15 12	34 00	34 01	34 03	34 04	34 05	34 07	34 08	34 10	34 11	34 13	34 14	34 15	34 17	34 18	34 20
15 24	34 28	34 30	34 31	34 32	34 34	34 35	34 37	34 38	34 40	34 41	34 43	34 44	34 45	34 47	34 48
15 36	34 57	34 58	34 59	35 01	35 02	35 04	35 05	35 07	35 08	35 10	35 11	35 13	35 14	35 16	35 17
15 48	35 25	35 27	35 28	35 30	35 31	35 32	35 34	35 35	35 37	35 38	35 40	35 41	35 43	35 44	35 46
16 00	35 54	35 55	35 57	35 58	36 00	36 01	36 03	36 04	36 06	36 07	36 09	36 10	36 12	36 13	36 15
16 12	36 22	36 24	36 25	36 27	36 28	36 30	36 31	36 33	36 35	36 36	36 38	36 39	36 41	36 42	36 44
16 24	36 51	36 53	36 54	36 56	36 57	36 59	37 00	37 02	37 03	37 05	37 06	37 08	37 10	37 11	37 13
16 36	37 20	37 21	37 23	37 24	37 26	37 28	37 29	37 31	37 32	37 34	37 35	37 37	37 39	37 40	37 42
16 48	37 49	37 50	37 52	37 53	37 55	37 57	37 58	38 00	38 01	38 03	38 05	38 06	38 08	38 09	38 11
17 00	38 18	38 19	38 21	38 22	38 24	38 26	38 27	38 29	38 30	38 32	38 34	38 35	38 37	38 39	38 40
17 12	38 47	38 48	38 50	38 51	38 53	38 55	38 56	38 58	39 00	39 01	39 03	39 05	39 06	39 08	39 09
17 24	39 16	39 17	39 19	39 21	39 22	39 24	39 26	39 27	39 29	39 31	39 32	39 34	39 35	39 37	39 39
17 36	39 45	39 46	39 48	39 50	39 51	39 53	39 55	39 56	39 58	40 00	40 02	40 03	40 05	40 07	40 08
17 48	40 14	40 16	40 17	40 19	40 21	40 22	40 24	40 26	40 28	40 29	40 31	40 33	40 34	40 36	40 38
18 00	40 43	40 45	40 47	40 48	40 50	40 52	40 54	40 55	40 57	40 59	41 00	41 02	41 04	41 06	41 07
18 12	41 13	41 14	41 16	41 18	41 20	41 21	41 23	41 25	41 27	41 28	41 30	41 32	41 34	41 35	41 37
18 24	41 42	41 44	41 46	41 47	41 49	41 51	41 53	41 54	41 56	41 58	42 00	42 01	42 03	42 05	42 07
18 36	42 12	42 13	42 15	42 17	42 19	42 21	42 22	42 24	42 26	42 28	42 29	42 31	42 33	42 35	42 37
18 48	42 41	42 43	42 45	42 47	42 48	42 50	42 52	42 54	42 56	42 57	42 59	43 01	43 03	43 05	43 06
19 00	43 11	43 13	43 15	43 16	43 18	43 20	43 22	43 24	43 26	43 27	43 29	43 31	43 33	43 35	43 36
19 12	43 41	43 43	43 44	43 46	43 48	43 50	43 52	43 54	43 55	43 57	43 59	44 01	44 03	44 05	44 07
19 24	44 11	44 12	44 14	44 16	44 18	44 20	44 22	44 24	44 26	44 27	44 29	44 31	44 33	44 35	44 37
19 36	44 41	44 42	44 44	44 46	44 48	44 50	44 52	44 54	44 56	44 58	44 59	45 01	45 03	45 05	45 07
19 48	45 11	45 13	45 14	45 16	45 18	45 20	45 22	45 24	45 26	45 28	45 30	45 32	45 34	45 35	45 37
20 00	45 41	45 43	45 45	45 47	45 48	45 50	45 52	45 54	45 56	45 58	46 00	46 02	46 04	46 06	46 08
20 12	46 11	46 13	46 15	46 17	46 19	46 21	46 23	46 25	46 27	46 29	46 30	46 32	46 34	46 36	46 38
20 24	46 41	46 43	46 45	46 47	46 49	46 51	46 53	46 55	46 57	46 59	47 01	47 03	47 05	47 07	47 09
20 36	47 12	47 14	47 16	47 18	47 20	47 22	47 24	47 26	47 28	47 30	47 32	47 34	47 36	47 38	47 40
20 48	47 42	47 44	47 46	47 48	47 50	47 52	47 54	47 56	47 58	48 00	48 02	48 04	48 06	48 08	48 10
21 00	48 13	48 15	48 17	48 19	48 21	48 23	48 25	48 27	48 29	48 31	48 33	48 35	48 37	48 39	48 41
21 12	48 43	48 46	48 48	48 50	48 52	48 54	48 56	48 58	49 00	49 02	49 04	49 06	49 08	49 10	49 12
21 24	49 14	49 16	49 18	49 20	49 23	49 25	49 27	49 29	49 31	49 33	49 35	49 37	49 39	49 41	49 43
21 36	49 45	49 47	49 49	49 51	49 54	49 56	49 58	50 00	50 02	50 04	50 06	50 08	50 10	50 13	50 15
21 48	50 16	50 18	50 20	50 22	50 25	50 27	50 29	50 31	50 33	50 35	50 37	50 40	50 42	50 44	50 46
22 00	50 47	50 49	50 51	50 54	50 56	50 58	51 00	51 02	51 04	51 07	51 09	51 11	51 13	51 15	51 17
22 12	51 18	51 21	51 23	51 25	51 27	51 29	51 31	51 34	51 36	51 38	51 40	51 42	51 44	51 47	51 49
22 24	51 50	51 52	51 54	51 56	51 58	52 01	52 03	52 05	52 07	52 09	52 12	52 14	52 16	52 18	52 20
22 36	52 21	52 23	52 26	52 28	52 30	52 32	52 34	52 37	52 39	52 41	52 43	52 46	52 48	52 50	52 52
22 48	52 53	52 55	52 57	52 59	53 02	53 04	53 06	53 08	53 11	53 13	53 15	53 17	53 20	53 22	53 24
23 00	53 24	53 26	53 29	53 31	53 33	53 36	53 38	53 40	53 42	53 45	53 47	53 49	53 51	53 54	53 56
23 12	53 56	53 58	54 01	54 03	54 05	54 07	54 10	54 12	54 14	54 17	54 19	54 21	54 23	54 26	54 28
23 24	54 28	54 30	54 32	54 35	54 37	54 39	54 42	54 44	54 46	54 49	54 51	54 53	54 56	54 58	55 00
23 36	55 00	55 02	55 04	55 07	55 09	55 11	55 14	55 16	55 18	55 21	55 23	55 25	55 28	55 30	55 33
23 48	55 32	55 34	55 37	55 39	55 41	55 44	55 46	55 48	55 51	55 53	55 55	55 58	56 00	56 03	56 05
24 00	56 04	56 06	56 09	56 11	56 14	56 16	56 18	56 21	56 23	56 25	56 28	56 30	56 33	56 35	56 37

क्रान्ति–वेलान्तर कोष्ठक (भाग 1)

सायन सूर्य राशि ▶	(0) मेष				(1) वृष				(2) मिथुन				(3) कर्क				(4) सिंह				(5) कन्या			
अंश ▼	क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर		क्रान्ति		वेलान्तर	
	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.	अं.	क.	मि.	से.
0	उ. 0	00	+7	28	उ.11	28	−1	02	उ.20	09	−3	31	उ.23	27	+1	39	उ.20	09	+6	22	उ.11	28	+2	39
1	0	24	7	10	11	49	1	15	20	22	3	27	23	26	1	53	19	56	6	24	11	07	2	22
2	0	48	6	52	12	10	1	27	20	34	3	22	23	26	2	06	19	43	6	25	10	46	2	05
3	1	12	6	33	12	31	1	39	20	46	3	17	23	25	2	20	19	29	6	26	10	24	1	48
4	1	35	6	15	12	51	1	51	20	57	3	11	23	23	2	33	19	16	6	25	10	03	1	30
5	1	59	5	57	13	11	2	02	21	08	3	05	23	21	2	46	19	01	6	24	9	41	1	12
6	2	23	5	38	13	31	2	12	21	19	2	58	23	18	3	00	18	47	6	23	9	19	0	54
7	2	47	5	20	13	51	2	22	21	29	2	50	23	16	3	13	18	32	6	21	8	57	0	35
8	3	10	5	02	14	11	2	31	21	39	2	42	23	12	3	25	18	16	6	18	8	34	+0	16
9	3	34	4	43	14	30	2	40	21	48	2	34	23	08	3	07	18	01	6	14	8	12	−0	03
10	3	58	4	25	14	49	2	49	21	57	2	25	23	04	3	49	17	45	6	10	7	49	0	23
11	4	21	4	07	15	08	2	57	22	06	2	16	22	59	4	01	17	28	6	05	7	27	0	44
12	4	45	3	48	15	26	3	04	22	14	2	06	22	54	4	12	17	12	6	00	7	04	1	04
13	5	08	3	30	15	45	3	11	22	22	1	56	22	49	4	23	16	55	5	54	6	41	1	24
14	5	31	3	12	16	03	3	17	22	29	1	46	22	42	4	34	16	38	5	47	6	18	1	45
15	5	55	2	54	16	20	3	22	22	36	1	35	22	36	4	44	16	20	5	40	5	55	2	06
16	6	18	2	36	16	38	3	27	22	42	1	23	22	29	4	54	16	03	5	32	5	31	2	27
17	6	41	2	19	16	55	3	32	22	49	1	11	22	22	5	04	15	45	5	23	5	08	2	49
18	7	04	2	02	17	12	3	36	22	54	1	00	22	14	5	13	15	26	5	14	4	45	3	10
19	7	27	1	44	17	28	3	39	22	59	0	48	22	06	5	22	15	08	5	04	4	21	3	32
20	7	49	1	27	17	45	3	41	23	04	0	35	21	57	5	30	14	49	4	54	3	58	3	05
21	8	12	1	11	18	01	3	43	23	08	0	22	21	48	5	38	14	30	4	43	3	34	4	15
22	8	34	0	55	18	16	3	44	23	12	−0	10	21	39	5	45	14	11	4	31	3	10	4	37
23	8	57	0	39	18	32	3	45	23	16	+0	03	21	29	5	52	13	51	4	18	2	47	4	59
24	9	19	0	23	18	47	3	45	23	18	0	17	21	19	5	58	13	31	4	06	2	23	5	21
25	9	41	+0	08	19	01	3	44	23	21	0	31	21	08	6	04	13	11	3	53	1	59	5	43
26	10	03	−0	06	19	16	3	43	23	23	0	44	20	57	6	09	12	51	3	39	1	35	6	04
27	10	24	0	20	19	29	3	41	23	25	0	58	20	46	6	13	12	31	3	25	1	12	6	25
28	10	46	0	35	19	43	3	38	23	26	1	12	20	34	6	17	12	10	3	10	0	48	6	46
29	11	07	0	49	19	56	3	35	23	26	1	25	20	22	6	20	11	49	2	55	0	24	7	08
30	उ. 11	28	−1	02	उ. 20	09	−3	31	उ. 23	27	+1	39	उ. 20	09	+6	22	उ. 11	28	+2	39	उ. 0	00	−7	30

चरसारणी भाग(1)

अक्षांश	अं.क. 28 33	अं.क. 28 34	अं.क. 28 35	अं.क. 28 36	अं.क. 28 37	अं.क. 28 38	अं.क. 28 39	अं.क. 28 40	अं.क. 28 41	अं.क. 28 42	अं.क. 28 43	अं.क. 28 44	अं.क. 28 45	अं.क. 28 46	अं.क. 28 47
क्रान्ति अं.क.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.	मि.से.
12 00	26 33	26 34	26 36	26 37	26 38	26 39	26 40	26 41	26 42	26 43	26 44	26 46	26 47	26 48	26 49
12 12	27 01	27 02	27 03	27 04	27 05	27 07	27 08	27 09	27 10	27 11	27 12	27 13	27 14	27 16	27 17
12 24	27 28	27 30	27 31	27 32	27 33	27 34	27 35	27 36	27 38	27 39	27 40	27 41	27 42	27 43	27 45
12 36	27 56	27 57	27 58	28 00	28 01	28 02	28 03	28 04	28 05	28 07	28 08	28 09	28 10	28 11	28 12
12 48	28 24	28 25	28 26	28 27	28 28	28 30	28 31	28 32	28 33	28 34	28 36	28 37	28 38	28 39	28 40
13 00	28 51	28 53	28 54	28 55	28 56	28 57	28 59	29 00	29 01	29 02	29 03	29 05	29 06	29 07	29 08
13 12	29 19	29 20	29 22	29 23	29 24	29 25	29 26	29 28	29 29	29 30	29 31	29 33	29 34	29 35	29 36
13 24	29 47	29 48	29 49	29 51	29 52	29 53	29 54	29 56	29 57	29 58	29 59	30 01	30 02	30 03	30 04
13 36	30 15	30 16	30 17	30 19	30 20	30 21	30 22	30 24	30 25	30 26	30 27	30 29	30 30	30 31	30 33
13 48	43	30 44	30 45	30 47	30 48	30 49	30 50	30 52	30 53	30 54	30 56	30 57	30 58	30 59	31 01
14 00	31 11	31 12	31 13	31 15	31 16	31 17	31 19	31 20	31 21	31 22	31 24	31 25	31 26	31 28	31 29
14 12	31 39	31 40	31 41	31 43	31 44	31 45	31 47	31 48	31 49	31 51	31 52	31 53	31 55	31 56	31 57
14 24	32 07	32 08	32 09	32 11	32 12	32 14	32 15	32 16	32 18	32 19	32 20	32 22	32 23	32 24	32 26
14 36	32 35	32 36	32 38	32 39	32 40	32 42	32 43	32 44	32 46	32 47	32 49	32 50	32 51	32 53	32 54
14 48	33 03	33 05	33 06	33 07	33 09	33 10	33 11	33 13	33 14	33 16	33 17	33 18	33 20	33 21	33 23
15 00	33 31	33 33	33 34	33 36	33 37	33 38	33 40	33 41	33 43	33 44	33 45	33 47	33 48	33 50	33 51
15 12	34 00	34 01	34 03	34 04	34 05	34 07	34 08	34 10	34 11	34 13	34 14	34 15	34 17	34 18	34 20
15 24	34 28	34 30	34 31	34 32	34 34	34 35	34 37	34 38	34 40	34 41	34 43	34 44	34 45	34 47	34 48
15 36	34 57	34 58	34 59	35 01	35 02	35 04	35 05	35 07	35 08	35 10	35 11	35 13	35 14	35 16	35 17
15 48	35 25	35 27	35 28	35 30	35 31	35 32	35 34	35 35	35 37	35 38	35 40	35 41	35 43	35 44	35 46
16 00	35 54	35 55	35 57	35 58	36 00	36 01	36 03	36 04	36 06	36 07	36 09	36 10	36 12	36 13	36 15
16 12	36 22	36 24	36 25	36 27	36 28	36 30	36 31	36 33	36 35	36 36	36 38	36 39	36 41	36 42	36 44
16 24	36 51	36 53	36 54	36 56	36 57	36 59	37 00	37 02	37 03	37 05	37 06	37 08	37 10	37 11	37 13
16 36	37 20	37 21	37 23	37 24	37 26	37 28	37 29	37 31	37 32	37 34	37 35	37 37	37 39	37 40	37 42
16 48	37 49	37 50	37 52	37 53	37 55	37 57	37 58	38 00	38 01	38 03	38 05	38 06	38 08	38 09	38 11
17 00	38 18	38 19	38 21	38 22	38 24	38 26	38 27	38 29	38 30	38 32	38 34	38 35	38 37	38 39	38 40
17 12	38 47	38 48	38 50	38 51	38 53	38 55	38 56	38 58	39 00	39 01	39 03	39 05	39 06	39 08	39 09
17 24	39 16	39 17	39 19	39 21	39 22	39 24	39 26	39 27	39 29	39 31	39 32	39 34	39 35	39 37	39 39
17 36	39 45	39 46	39 48	39 50	39 51	39 53	39 55	39 56	39 58	40 00	40 02	40 03	40 05	40 07	40 08
17 48	40 14	40 16	40 17	40 19	40 21	40 22	40 24	40 26	40 28	40 29	40 31	40 33	40 34	40 36	40 38
18 00	40 43	40 45	40 47	40 48	40 50	40 52	40 54	40 55	40 57	40 59	41 00	41 02	41 04	41 06	41 07
18 12	41 13	41 14	41 16	41 18	41 20	41 21	41 23	41 25	41 27	41 28	41 30	41 32	41 34	41 35	41 37
18 24	41 42	41 44	41 46	41 47	41 49	41 51	41 53	41 54	41 56	41 58	42 00	42 01	42 03	42 05	42 07
18 36	42 12	42 13	42 15	42 17	42 19	42 21	42 22	42 24	42 26	42 28	42 29	42 31	42 33	42 35	42 37
18 48	42 41	42 43	42 45	42 47	42 48	42 50	42 52	42 54	42 56	42 57	42 59	43 01	43 03	43 05	43 06
19 00	43 11	43 13	43 15	43 16	43 18	43 20	43 22	43 24	43 26	43 27	43 29	43 31	43 33	43 35	43 36
19 12	43 41	43 43	43 44	43 46	43 48	43 50	43 52	43 54	43 55	43 57	43 59	44 01	44 03	44 05	44 07
19 24	44 11	44 12	44 14	44 16	44 18	44 20	44 22	44 24	44 26	44 27	44 29	44 31	44 33	44 35	44 37
19 36	44 41	44 42	44 44	44 46	44 48	44 50	44 52	44 54	44 56	44 58	44 59	45 01	45 03	45 05	45 07
19 48	45 11	45 13	45 14	45 16	45 18	45 20	45 22	45 24	45 26	45 28	45 30	45 32	45 34	45 35	45 37
20 00	45 41	45 43	45 45	45 47	45 48	45 50	45 52	45 54	45 56	45 58	46 00	46 02	46 04	46 06	46 08
20 12	46 11	46 13	46 15	46 17	46 19	46 21	46 23	46 25	46 27	46 29	46 30	46 32	46 34	46 36	46 38
20 24	46 41	46 43	46 45	46 47	46 49	46 51	46 53	46 55	46 57	46 59	47 01	47 03	47 05	47 07	47 09
20 36	47 12	47 14	47 16	47 18	47 20	47 22	47 24	47 26	47 28	47 30	47 32	47 34	47 36	47 38	47 40
20 48	47 42	47 44	47 46	47 48	47 50	47 52	47 54	47 56	47 58	48 00	48 02	48 04	48 06	48 08	48 10
21 00	48 13	48 15	48 17	48 19	48 21	48 23	48 25	48 27	48 29	48 31	48 33	48 35	48 37	48 39	48 41
21 12	48 43	48 46	48 48	48 50	48 52	48 54	48 56	48 58	49 00	49 02	49 04	49 06	49 08	49 10	49 12
21 24	49 14	49 16	49 18	49 20	49 23	49 25	49 27	49 29	49 31	49 33	49 35	49 37	49 39	49 41	49 43
21 36	49 45	49 47	49 49	49 51	49 54	49 56	49 58	50 00	50 02	50 04	50 06	50 08	50 10	50 13	50 15
21 48	50 16	50 18	50 20	50 22	50 25	50 27	50 29	50 31	50 33	50 35	50 37	50 40	50 42	50 44	50 46
22 00	50 47	50 49	50 51	50 54	50 56	50 58	51 00	51 02	51 04	51 07	51 09	51 11	51 13	51 15	51 17
22 12	51 18	51 21	51 23	51 25	51 27	51 29	51 31	51 34	51 36	51 38	51 40	51 42	51 44	51 47	51 49
22 24	51 50	51 52	51 54	51 56	51 58	52 01	52 03	52 05	52 07	52 09	52 12	52 14	52 16	52 18	52 20
22 36	52 21	52 23	52 26	52 28	52 30	52 32	52 34	52 37	52 39	52 41	52 43	52 46	52 48	52 50	52 52
22 48	52 53	52 55	52 57	52 59	53 02	53 04	53 06	53 08	53 11	53 13	53 15	53 17	53 20	53 22	53 24
23 00	53 24	53 26	53 29	53 31	53 33	53 36	53 38	53 40	53 42	53 45	53 47	53 49	53 51	53 54	53 56
23 12	53 56	53 58	54 01	54 03	54 05	54 07	54 10	54 12	54 14	54 17	54 19	54 21	54 23	54 26	54 28
23 24	54 28	54 30	54 32	54 35	54 37	54 39	54 42	54 44	54 46	54 49	54 51	54 53	54 56	54 58	55 00
23 36	55 00	55 02	55 04	55 07	55 09	55 11	55 14	55 16	55 18	55 21	55 23	55 25	55 28	55 30	55 33
23 48	55 32	55 34	55 37	55 39	55 41	55 44	55 46	55 48	55 51	55 53	55 55	55 58	56 00	56 03	56 05
24 00	56 04	56 06	56 09	56 11	56 14	[illegible]	56 18	56 21	56 23	56 25	56 28	56 30	56 33	56 35	56 37

पृष्ठ सं. 604
चिरस्थायी बहुमूल्य कागज

विश्व लग्नसारणी

साईज़-24x18 ½ सें.मी.
सुदृढ़ आकर्षक टाईटल

{ विश्व के किसी भी स्थल का विकला तक सूक्ष्म लग्न केवल मौखिक जोड़-घटाव द्वारा बतलाने वाला लग्नसम्बन्धी प्रचुर सामग्री से समृद्ध अपूर्व प्रकाशन }

लेखक– प्रो. प्रियव्रत शर्मा, सम्पादक–श्री मार्त्तण्ड पंचांग,

(i) 0° से 50° अक्षांश तक 30–30 और 50° से 66° अक्षांश तक 15–15 अक्षांश–कलाओं के अन्तर पर बनाई गईं 332 पृष्ठों की लग्नसारणियां साम्पातिककाल के 1–1 मिनट के अन्तर पर विकलान्त सूक्ष्म लग्न बतलाती हैं। इनसे विश्व के किसी भी उत्तरी तथा दक्षिणी अक्षांश वाले नगर का इष्टकालिक राश्यादि लग्न स्पष्ट करने के लिए 2 मिनट से अधिक समय नहीं लगता है।

(ii) मेषादि बारह लग्नों का दैनिक प्रारम्भ तथा समाप्तिकाल बतलाने वाली 25 पृष्ठों की विलक्षण सारणियां 5–5 अक्षांश–कलाओं के अन्तर पर 0° से 60° अक्षांशों के लिए बनाई गई हैं, जिनसे विश्व के किसी भी नगर में किसी भी दिन (तारीख को) किसी भी सायन एवं निरयण लग्न का प्रारम्भ तथा समाप्तिकाल (अभीष्ट देश के स्टैं. टा. में) मात्र मौखिक जोड़–घटाव द्वारा तुरन्त (लगभग एक मिनट में ही) जाना जा सकता है। क्योंकि, ये सारणियां लग्न का प्रारम्भ तथा समाप्तिकाल सेकण्ड तक सूक्ष्म बतलाती हैं, अतः सन्दिग्ध (सन्धिगत) लग्न का निर्णय इन सारणियों से वस्तुतः चुटकियों में अनायास ही हो जाता है। सन्देहास्पद लग्नराशि के निर्णय का यह नवीनतम अत्यन्त सरल प्रकार है।

(iii) सन् 1900 से 2100 ई. तक का सेकण्ड तक सूक्ष्म साम्पातिककाल और स्पष्ट अयनांश दिया गया है।

(iv) भारत के 4,000 नगर/उपनगरों तथा विश्व के अन्य 210 देशों के लगभग 5,000 नगरों के अक्षांश–रेखांश तथा स्था. म. का. और स्टैं. टा. का अन्तर 80 पृष्ठों पर दिया गया है।

(v) विश्व के लगभग छः सौ (600) देश /द्वीप/उपद्वीपों की स्टैं. टाईम मेरिडियन्स तथा उनके स्टैं.टा. का G.M.T. एवं भा. स्टैं. टा. से अन्तर 21 पृष्ठों के विशाल कोष्ठक में विवरण सहित दिया है।

(vi) क्रान्ति और अक्षांश की 20–20 कलाओं के अन्तर पर 0° से 66° अक्षांशों के लिए सेकण्ड तक सूक्ष्म 24 पृष्ठों की मौलिक चरसारणी है, जिससे विश्व के किसी भी स्थल का सेकण्ड तक शुद्ध सूर्योदयास्तकाल आसानी से तुरन्त जाना जा सकता है।

(vii) अमेरिका, कनाडा आदि सभी विशाल देशों के अलग–अलग Time-Zones(कालक्षेत्रों) में पड़ने वाले सम्पूर्ण प्रान्तों (राज्यों) की लम्बी सूची दी गई है, जिससे स्पष्ट हो जाता है कि– इन देशों के किस प्रदेश में कौ नसा टाईम प्रचलित है और उसका भा. स्टैं. टा. से कितना अन्तर है।

(viii) विश्व के विभिन्न देशों में 1940 ई. के बाद आज तक हुए सभी समय–परिवर्तनों के वर्षादि का विस्तृत रिकॉर्ड 7 पृष्ठों के कोष्ठक में अंकित है।

(ix) अमेरिका, कनाडा आदि देशों में प्रचलित समरटाईम (D.S.T.) के प्रारम्भ और समाप्ति की तारीखों तथा प्रथम/द्वितीय विश्वयुद्धों के दौरान विभिन्न देशों द्वारा किए गए सभी समय-परिवर्तनों के वर्ष–मास–तारीखों का विवरण 9 पृष्ठों पर दिया गया है।

(x) सारणियों से लग्नसाधन आदि की प्रत्येक गणित–प्रक्रिया को छः छः, सात–सात विभिन्नदेशीय नगरों के उदाहरणों द्वारा पूरी तरह स्पष्ट किया गया है।

अनेक उपयोगी क्रान्ति, वेलान्तर आदि के कोष्ठक तथा लग्न एवं द्वादशभाव साधन आदि से सम्बद्ध मौलिक लेख आप इस पुस्तक में पढ़ेंगे। इस पुस्तक की सभी सारणियां Electronic Computer द्वारा बनाई और मुद्रित की गई हैं, जिससे इनमें गणित एवं मुद्रणसम्बन्धी अशुद्धि की कोई सम्भावना ही नहीं है।

लग्न पर ऐसी व्यापक जानकारी देने वाली परिपूर्ण, प्रौढ़ एवं प्रामाणिक पुस्तक आपको और कोई नहीं मिलेगी– यह हम विश्वासपूर्वक कह सकते हैं।

पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है। इसका मूल्य Rs. 700/- और डाकव्यय Rs. 50/- है। इसका डाकव्ययसहित मूल्य Rs. 750/- M.O. द्वारा हमें नीचे लिखे पते पर भेजिए। 'अभिजित् प्रकाशन' के नाम D.D. (D.D. drawn in favour of '**Abhijit Prakashan**') भी भेजा जा सकता है। M.O./ D.D. मिलने पर पुस्तक रजिस्टर्ड पोस्ट से भेज दी जाएगी। **V.P.P. भेजने का नियम नहीं है।**

ध्यान रहे – यह पुस्तक केवल हमारे यहां से ही प्राप्त हो सकेगी। अन्य किसी पुस्तकविक्रेता को इसे बेचने का अधिकार नहीं है।

(इस पञ्चांग का पृष्ठ 3 भी देखिए।)

पता:– श्रीमती वीना चतुर्वेदी, ' अभिजित् प्रकाशन,' 59/6 (अभिजित्),
P.O. पंचकूला–(हरियाणा)–Pin-134 109 **Phone:- 0172-256 5303**

अनुभूत फलित सिद्धान्त

लेखक :- सीताराम स्वामी, ज्योतिषाचार्य

इस अकेली पुस्तक का अध्ययन कर कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष का ज्ञाता बन सकता है। यह पुस्तक ज्योतिर्विदों एवं ज्योतिष के नये विद्यार्थियों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी। नये विद्यार्थियों की जानकारी के लिए पुस्तक के आरम्भ में राशि परिचय, ग्रह परिचय, मैत्री चक्र तथा किस भाव से क्या-क्या देखना चाहिए आदि भी अंकित कर दिये गये हैं।

मूल्य : 110/- रुपये (डाक खर्च सहित)

कर्मकांड, उपासना और स्तुति

सम्पूर्ण वेदों का महामन्त्र गायत्री	२०/-	पंचांग देवता पूजन चन्द्रिका	६०/-
गायत्री अर्थ संग्रह	३२/-	भारतीय नित्यकर्म पद्धति (सजिल्द)	५०/-
गायत्री साधना (गायत्री पर एक सम्पूर्ण ग्रन्थ)	५०/-	वृहद स्तोत्र रत्नाकर (४६४ स्तोत्र)	७५/-
विवाह पद्धति (सम्पूर्ण विधि विधान)	२५/-	कर्मकाण्ड भारती भा. टी. (कपड़ा जि.)	६०/-
सम्पूर्ण हवन पद्धति	२५/-	वृहद पूजा भास्कर (सम्पूर्ण तीनों भाग)	४४/-
श्राद्ध पद्धति संपूर्ण	२५/-	रूद्री पाठ (रुद्राष्टाध्यायी)	२२/-
नासिकेतोपाख्यान भाषा टीका	४०/-	नवनाथ उपासना	३०/-
प्रेत भंजरी भाषा-टीका	४०/-	शतचण्डी विधान	२५/-

वास्तविक जीवन का रहस्य

जीवन में घटित सत्य घटना एवं अनुभवों पर आधारित कर्म के रहस्य को उजागर कर मानव समाज को अविस्मरणीय प्रेरणा एवं स्फूर्ति देने वाली तथा निराश जन के मन-मस्तिष्क को सबलता प्रदान करने वाली चमत्कारिक मार्मिक पुस्तक

मूल्य : 85/- रुपये (डाक खर्च सहित)

तंत्र-मंत्र-यंत्र एवं ज्योतिष सम्बन्धित पुस्तकें

तांत्रिक चमत्कार-मंत्र तंत्र यंत्र महाशास्त्र	550.00	यंत्र विद्या के 121 प्रयोग	80.00	सुनहरी किताब	150.00
मंत्र तंत्र और रत्न रहस्य	100.00	तंत्र महायोग	60.00	नवग्रह पीड़ा से मुक्ति	130.00
यंत्र रहस्य (सजिल्द)	350.00	मृत आत्माओं से सम्पर्क और आलौकिक साधनाएं	65.00	राहु केतु प्रकोप से मुक्ति	130.00
श्रीयंत्रम् और पूजा विधान-रंगीन पोस्टर सहित	65.00	सुगम तांत्रिक क्रियाएं	50.00	गायत्री मंत्र साधना एवं उपासना	130.00
सिद्धि प्रदायक यंत्र संग्रह -रंगीन एलबम	75.00	चमत्कारी कुण्डिलिनी शक्ति	400.00	गण्डे तावीज व रत्नों द्वारा कष्ट निवारण	110.00
चमत्कारी 55 पूजा यंत्र	150.00	चमत्कारी हिप्नोटिज्म	125.00	मंगल शुक्र अनिष्ट से मुक्ति	110.00
बगुलामुखी महासाधना	80.00	मंत्र दीक्षा और रहस्य	65.00	मंगल कितना अमंगल	90.00
यंत्र विधान	140.00	असली प्राचीन वृहद लाल किताब (सजिल्द)	550.00	शाबर मंत्र और यंत्र	80.00
संकटमोचिनी कालिका सिद्धि	140.00	असली प्राचीन रावण संहिता (सजिल्द)	550.00	तांत्रिक आक्रमणों से कैसे बचें?	80.00
सचित्र तांत्रिक जड़ी बूटी दर्शन	70.00	यंत्र विधान रहस्य (मल्टी कलर में)	180.00	यंत्र-मंत्र से सम्पूर्ण स्वास्थ्य	80.00
बावन जंजीरा	90.00	5001 प्रभावशाली टोने-टोटके और तावीज	180.00	महामृत्युंज्य साधना एवं उपासना	90.00
तंत्र की काली किताब	180.00	असली प्राचीन बृहद इन्द्रजाल	180.00	श्रीयंत्र रहस्य	90.00
तांत्रिक तरंग	90.00	काली किताब (16 पेज रंगीन)	180.00	यंत्र सिद्धि	90.00
पक्षी तंत्र (उल्लू, कौवा तंत्र सहित)	65.00	शनि राहु केतु प्रकोप से मुक्ति	150.00	शनि का प्रकोप उससे बचाव	80.00
वृहद शाबर मंत्र शास्त्र	180.00				

नोट: डाक व्यय सहित। पूरी कीमत पहले भेजें। पुस्तकें रजिस्ट्री द्वारा भेजी जाएंगी।

में दर्ज ... भेजें- अग्रवाल बुक डिपो 460, खारी बावली, दिल्ली-6 फोन: (011) ...

Laser typesetting by G,

अनुभूत फलित सिद्धान्त

लेखक :- सीताराम स्वामी, ज्योतिषाचार्य

इस अकेली पुस्तक का अध्ययन कर कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष का ज्ञाता बन सकता है। यह पुस्तक ज्योतिर्विदों एवं ज्योतिष के नये विद्यार्थियों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी। नये विद्यार्थियों की जानकारी के लिए पुस्तक के प्रारम्भ में राशि परिचय, ग्रह परिचय, मैत्री चक्र तथा किस भाव से क्या-क्या देखना चाहिए आदि भी अंकित कर दिये गये हैं।

मूल्य : 110/- रुपये (डाक खर्च सहित)

कर्मकांड, उपासना और स्तुति

सम्पूर्ण वेदों का महामन्त्र गायत्री	२०/-	पंचांग देवता पूजन चन्द्रिका	६०/-
गायत्री अर्थ संग्रह	३२/-	भारतीय नित्यकर्म पद्धति (सजिल्द)	५०/-
गायत्री साधना (गायत्री पर एक सम्पूर्ण ग्रन्थ)	५०/-	वृहद स्तोत्र रत्नाकर (४६४ स्तोत्र)	७५/-
विवाह पद्धति (सम्पूर्ण विधि विधान)	२५/-	कर्मकाण्ड भारती भा. टी. (कपड़ा जि.)	६०/-
सम्पूर्ण हवन पद्धति	२५/-	वृहद पूजा भास्कर (सम्पूर्ण तीनों भाग)	४४/-
श्राद्ध पद्धति संपूर्ण	२५/-	रूद्री पाठ (रुद्राष्टाध्यायी)	२२/-
नासिकेतोपाख्यान भाषा टीका	४०/-	नवनाथ उपासना	३०/-
प्रेत भंजरी भाषा-टीका	४०/-	शतचण्डी विधान	२५/-

वास्तविक जीवन का रहस्य

जीवन में घटित सत्य घटना एवं अनुभवों पर आधारित कर्म के रहस्य को उजागर कर मानव समाज को अविस्मरणीय प्रेरणा एवं स्फूर्ति देने वाली तथा निराश जन के मन-मस्तिष्क को सबलता प्रदान करने वाली चमत्कारिक मार्मिक पुस्तक

मूल्य : 85/- रुपये (डाक खर्च सहित)

तंत्र-मंत्र-यंत्र एवं ज्योतिष सम्बन्धित पुस्तकें

तांत्रिक चमत्कार-मंत्र तंत्र यंत्र महाशास्त्र	550.00	यंत्र विद्या के 121 प्रयोग	80.00	सुनहरी किताब	150.00
मंत्र तंत्र और रत्न रहस्य	100.00	तंत्र महायोग	60.00	नवग्रह पीड़ा से मुक्ति	130.00
मंत्र रहस्य (सजिल्द)	350.00	मृत आत्माओं से सम्पर्क और आलौकिक साधनाएं	65.00	राहु केतु प्रकोप से मुक्ति	130.00
श्रीयंत्रम् और पूजा विधान-रंगीन पोस्टर सहित	65.00	सुगम तांत्रिक क्रियाएं	50.00	गायत्री मंत्र साधना एवं उपासना	130.00
सिद्धि प्रदायक यंत्र संग्रह -रंगीन एलबम	75.00	चमत्कारी कुण्डिलिनी शक्ति	400.00	गण्डे तावीज व रत्नों द्वारा कष्ट निवारण	110.00
चमत्कारी 55 पूजा यंत्र	150.00	चमत्कारी हिप्नोटिज्म	125.00	मंगल शुक्र अनिष्ट से मुक्ति	110.00
बगुलामुखी महासाधना	80.00	मंत्र दीक्षा और रहस्य	65.00	मंगल कितना अमंगल	90.00
यंत्र विधान	140.00	असली प्राचीन वृहद लाल किताब (सजिल्द)	550.00	शाबर मंत्र और यंत्र	80.00
संकटमोचिनी कालिका सिद्धि	140.00	असली प्राचीन रावण संहिता (सजिल्द)	550.00	तांत्रिक आक्रमणों से कैसे बचें?	80.00
सचित्र तांत्रिक जड़ी बूटी दर्शन	70.00	यंत्र विधान रहस्य (मल्टी कलर में)	180.00	यंत्र-मंत्र से सम्पूर्ण स्वास्थ्य	80.00
बावन जंजीरा	90.00	5001 प्रभावशाली टोने-टोटके और तावीज	180.00	महामृत्युंज्य साधना एवं उपासना	90.00
तंत्र की काली किताब	180.00	असली प्राचीन बृहद इन्द्रजाल	180.00	श्रीयंत्र रहस्य	90.00
तांत्रिक तरंग	90.00	काली किताब (16 पेज रंगीन)	180.00	यंत्र सिद्धि	90.00
पक्षी तंत्र (उल्लू, कौवा तंत्र सहित)	65.00	शनि राहु केतु प्रकोप से मुक्ति	150.00	शनि का प्रकोप उससे बचाव	80.00
बृहद शाबर मंत्र शास्त्र	180.00				

नोट: डाक व्यय सहित। पूरी कीमत पहले भेजें। पुस्तकें रजिस्ट्री द्वारा भेजी जाएंगी।

मनीऑर्डर इस पते पर भेजें- **अग्रवाल बुक डिपो 460, खारी बावली, दिल्ली-6 फोन: (011) 23943254**

श्री मार्त्तण्ड ज्योतिष कार्यालय के नियम

हमारे यहां जन्मपत्र एवं वर्षफल शुध्द गणित से बनाए जाते हैं, जिनमें आयु, रोग, सन्तान, स्त्री, धन एवं भाग्योदय, तरक्की आदि का निर्णय किया जाता है।

जन्मपत्र की फीसः— साधारण जन्मपत्र की फीस कम से कम 500 रु. और बड़े जन्मपत्र की फीस 600 रु. है। डाकव्यय अलग होगा। विदेशी जन्मपत्र कम्प्यूटर से तैयार की गई सारणियों से बड़ी सावधानी के साथ बनाए जाते हैं, गणित विशेष परिश्रम से करनी पड़ती है, अतः जिनका जन्म विदेश में हुआ हो, उनके साधारण जन्मपत्र की फीस कम से कम 651 रु. है। यदि आप वर्षफल बनवाना चाहते हैं, तो अपनी जन्मकुण्डली की नकल व पेशा लिखकर भेजें। जन्मपत्र बनवाने के लिए जन्म तारीख, मास, सन्, जन्मसंवत्, जन्मटाईम, जन्मस्थान, जाति, पेशा एवं विशेष विचारणीय विषय भी लिखना न भूलें। टेवा की फीस 51 रु. है।

भारतीय वर्षफल की फीस साधारणतया 200 रु. है। विस्तृत फलादेश वाले **वर्षफल की फीस 251 रु. है। विदेशी साधारण वर्षफल की फीस 300 रु. एवं विस्तृत की फीस 351 रु. है।** जिनकी कुण्डली न हो, वे व्यक्ति पत्र लिखने का समय, तारीख एवं अपनी अन्दाजन उम्र, पेशा, जाति अवश्य लिखें। वर्षफल का आर्डर देते समय यह लिखना जरुरी है, कि इस वर्ष आपके वर्षफल में किन बातों पर विशेष रूप से विचार किया जाए। शुद्ध विवाहमुहूर्त जानने की फीस 101 रु. है और वर–कन्या की कुण्डली मिलान की फीस 151 रु. है। जन्मपत्र एवं वर्षफल हिन्दी में सुन्दर और विस्तृत फलादेश सहित बनाए जाते हैं। आर्डर के साथ पूरी फीस पेशगी भेजें। विशेष प्रश्न की फीस 201 रु. है। सर्वसाधारण प्रश्न की फीस 100 रु. है।

नोटः— प्रत्येक काम की पूरी फीस आर्डर के साथ ही भेजें। वी.पी.पी. नहीं की जाएगी। बिना पेशगी के कोई भी कार्य नहीं किया जाएगा।

व्यापारियों के लिए चाँस

हम समय–समय पर रुई, बिनौला, सरसों, गुड, खाण्ड एवं शेयर मार्कीट आदि के चांस देते हैं। वर्षों से अनेकों व्यापारी हमारे परामर्श से लाभ उठाते आ रहे हैं। एक जिन्स की लिखित रिपोर्ट की अडवांस फीस 1000 रुपये प्रतिमास के हिसाब से चार्ज किए जाते हैं। जिन्होंने Advance Fee लिखित Report के लिए भेजी है, वे Telephone के माध्यम से बिना फीस के ताजा मशवरा (एक मास तक) प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप Telephone से ही तेजी–मन्दी जानना चाहेंगे तो एक मास की एक जिन्स की फीस केवल 500 रु. भेजनी होगी। इतनी फीस पर आपको लिखित Report नहीं भेजी जाएगी। एक जिन्स के लिए वर्षभर की फीस 5000 रु. है।

जो व्यापारी साल में प्रमुख–प्रमुख केवल एक–दो चांस ही चाहते हैं, वे 500 रु. भेजकर रजि. में नाम दर्ज करा सकते हैं। जिन व्यापारियों के नाम रजिस्टर में दर्ज होंगे, हम केवल उन्हें ही अपने विचार भेज सकेंगे।

—: पण्डित जी से मिलने का समयः—

सर्दियों में – प्रातः 9 से 2 बजे तक।

गर्मियों में – प्रातः 8 से 2 बजे तक।

दूर से आने वाले सज्जन पत्र या टेलीफोन से पूज्य पण्डित जी से मिलने का दिन एवं समय पहले ही निश्चित कर लें।

पुंसवनी (पुत्रदाता दिव्य औषधि)

इस ईश्वरप्रदत प्रभावयुक्त दिव्यौषधि को गर्भ के दूसरे मास के अन्त में सेवन करने से पुत्र ही उत्पन्न होता है। इस अद्भुत औषधि की प्रशंसा में असंख्य पत्र और ईनाम प्राप्त हुए हैं। मूल्य 500 रु. पैकिंग एवं डाकव्ययसहित 550 रु. भेजें। वी.पी.पी. नहीं की जाएगी।

सिद्ध शनियन्त्र—विधिपूर्वक शुभमुहूर्त्त में बने इस यन्त्र को धारण करने से शनिजन्य अशुभफल, पीडा, चिन्ता आदि से मुक्ति मिलती है, अनुभव करें। 251 रु., डाकव्यय अलग।

श्री लक्ष्मी यन्त्र— अष्टगन्धादि से विधिपूर्वक बनाए गए इस यंत्र को विधिवत् पूजारस्थान या गल्ले में रखने से लक्ष्मी की कृपा रहती है, कोष में भारी बरकत रहती है। तुजुर्बा लें। भेंट– 551 रु., डाकव्यय अलग।

अठराहा नाशक यन्त्र— जिन औरतों के प्यारे बच्चे देवदोष, गर्भदोष व अठराहा, मसानदोष के कारण मर जाते हैं, उनके लिए यह यन्त्र वरदानरूप सिद्ध हो चुका है। विधिपूर्वक निर्मित इस यन्त्र के प्रभाव से बच्चे दीर्घायु होकर, सैंकड़ों माता–पिता को सुखी कर रहे हैं। तजुर्बा करके चमत्कार देखें। विधानपत्र साथ भेजा जाता है। भेंट– 251 रु., डाकव्यय अलग।

सिद्ध गोपाल यन्त्र— इस सिद्ध यन्त्र को विधिपूर्वक श्रद्धासहित सत्री धारण करे, तो चिरंजीव पुत्र की प्राप्ति होती है। आर्डर देते समय स्त्री का नाम अवश्य लिखें। विधानपत्र साथ भेजा जाएगा। भेंट– 501 रु., डाकखर्च पृथक्।

गुरुवार को कार्यालय में अवकाश रहता है।

पत्र व्यवहार के लिए पता—

पं. इन्दुशेखर शास्त्री, ज्योतिषाचार्य, एम.ए.,
श्री मार्त्तण्ड ज्योतिष कार्यालय,
(नजदीक रेलवे स्टेशन),
मु. पो. कुराली (रोपड), पंजाब, PIN– 140 103 .
[PHONE– 0160-264 1277 FAX- 264 1577]

Laser typesetting by Gyani Kartar Singh Gadh, at Kanwal Video's & Photostate,- Kurali, Ph: 0160-2641274 Fax- 0160-264557

श्री मार्त्तण्ड त्रिस्कंध ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

Plot No. 76, Industrial Area, P.O. Barwala
Distt. Panchkula (Haryana)

'श्री मार्त्तण्ड पंचाग' के सम्पादक डॉ० शक्तिधर शर्मा एवं पण्डित संजय शर्मा 'श्री मार्त्तण्ड ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र' के लिए कार्य कर रहे हैं। इस अनुसंधानकेन्द्र में संभावना-सिद्धांत (Probability), (Artificial Intelligence) का प्रयोग ज्योतिषशास्त्र के लिए किया जाएगा।

डॉ० शक्तिधर शर्मा ने संभावना-सिद्धान्त (Probability) का प्रयोग सिद्धांतज्योतिष में तीन हजार धूमकेतुओं और आठ हजार लघुग्रहों के परस्पर संबंध एवं उत्पत्ति के लिए किया है। देश–विदेशों की विश्वविख्यात अनुसंधान-पत्रिकाओं (Journals) में उनके शोधलेख प्रकाशित हुए हैं। उनमें से कुछ ये हैं – "Monthly Notices of Royal Astronomical Society of London" (England), "Journal of Planetary & Space Sciences" (Great Britain), "Royal Astronomical Journal of Japan" (Japan).

डॉ० शक्तिधर शर्मा एवं पंडित संजय शर्मा फलितज्योतिष, संहिताग्रंथों के वायुवर्षा विज्ञान आदि के क्षेत्रों में संभावनासिद्धांतों का प्रयोग करके शोधकार्य शुरू कर रहे हैं। इस शोधकार्य से दैवज्ञों को सफल भविष्यकथन करने में सहायता मिलेगी।

'श्री मार्त्तण्ड त्रिस्कंध ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र' में कर्मकाण्ड एवं ज्योतिष का प्रशिक्षण भविष्य में समय समय पर दिया जाएगा।

यह अनुसंधानकेन्द्र दैवज्ञों के लिए "भूमण्डलीय लग्नसारिणी", "मार्त्तण्ड मौहूर्त्तिक", "मार्त्तण्ड निरयण ग्रहस्पष्ट" आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित कर रहा है। इन पुस्तकों के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित पते पर पत्र लिखें।

पंडित संजय शर्मा
ब्लॉक-44, बी-1, सैक्टर-6,
परवाणू, सोलन (हिमाचल प्रदेश)